

अध्या, स्त्री. अवध्या, न भारवा  
योग्य होय ते, जेथी डे गाय,  
स्त्री; गाय.

अंक, ग. १० गणुना करवी, आंकडुं;  
निशानी करवी, लडुं; भोगाभांवेडुं.

अंक, पु. चिह्न, निशानी, सभ्या,  
आंकडे, भोगो, अध; नाटकनो  
अंक भाग, प्रवेश; गृंगार, अ  
लंकार, लक्षण; अध्याय, प्रकरण.  
(काः)न्योतिथमां नवनी सभ्या.

अंकगणित, न. आंकडाथी गणित  
करवानी विधा. [ पद्धति.

अंकगत, स्त्री. आंकडा लभवागी

अंकजाल, न. अकरभूड, सारणी.

अंकित, पु. अग्निहोत्री; अक्षा; विष्णु,  
शिव; अग्नि, ध्यु.

अंकन, न. सभ्या, चिह्नयुक्त करवुं ते.

अंकनीय वि. आंकवा-गणुवा ला-  
यक. [ शुध्दी.

अंकपरिवर्तन, न. आंकडानी उलटा

अंकपालिका, स्त्री. धानी, धार्ध,  
अंकपालि, } आदिगन; वेदिका.

अंकभाज, वि. भोगानो आश्रय  
करेथुं. [ लुब्धो.

अंकयितव्य, वि. अकनीय शब्द

अकविद्या, स्त्री. गणितविधा.

अंकुरित, वि. उधरेडुं, पीलेथु.

अंकुश, उ. शृणु, आंकडी, अकुश,  
डाथीने यलाववानुं हथिआर.

अंकुशग्रह, पु. भावत, डाथीने य-  
लावतार.

अंकुशदुर्घर, पु. अकुशने पलु न  
मानतार भदोन्मत डाथी.

अंकुशी, स्त्री. नैन मतनी अंक देवी.

अकुर, पु. अंकुर शब्द लुब्धो.

अकूर्च, पु. लोधमतनो साधु.

वि. कपटी; मृदु, नरम, दादी  
मुधवगरतु.

अकूप, उ. अकुश शब्द लुब्धो.

अकोट, पु. अकोलनुं जाड.

अकोट, पु. उपरनो शब्द लुब्धो.

अकोल, पु. उपरनो शब्द लुब्धो.

न. अकोलनुं इण

अंकोलक, पु. अकोक लुब्धो.

अंकोल्लसार, पु. (अकोलना जाड  
भाथी उत्पन्न यता) विपनुं नाम.

अंकोल्लिका, स्त्री. अंकपालिका श  
ब्द लुब्धो [ अडी शब्द लुब्धो.

अंकय, वि. अंकयितव्य लुब्धो. पु.

अंग, ग. १० अक धातु लुब्धो.

अंग, न. गरीरावयव, जात्र, शरीर;  
भन; भिन; देशतुं नाम छे, मुभ्य,

अंगजन्मन्, वि. उपरनो शब्द  
लुओ। [ आभलो भाग.

अंगण, न. प्रांगण, आंगण, धरनो

अंगति, पु. अन्ना; विष्णु; अग्नि;  
वायु; अग्निहोत्री ब्राह्मण.

अंगत्राण, न. कवच, अम्भतर.

अंगद, पु. वाणीनो पुत्र. न. आन्त-  
अध. [ थीनी डायणी.

अंगदा, स्त्री. दक्षिण दिशाना डा-

अंगन, न. अंगण शब्द लुओ।

अंगना, स्त्री. कामिनी, स्त्री; कन्या  
शशि; उत्तर दिशाना डाथीनी डा-

अंगनागण, पु. स्त्रीसमुदाय. [ यण्.

अंगनाजन, पु. स्त्रीजन, स्त्रीसमुह.

अंगनाम्रिय, पु. अशोकवृक्ष.

अंगन्यास्त, पु. पूज करती वभते  
शरीरना लुहा लुहा भागोने डाथ  
लगाउवा ते.

अंगपरिवर्तन, न. अंक तरङ्गीणी  
तरङ्ग शरीर शेरवतुं ते. [ प्रधर.

अंगपाकता, स्त्री. पित्तरोगनो अंक

अंगपात, पु. अंगपतन. [ लुओ।

अंगपालि, पु. अङ्गपादी शब्द

अंगप्रायश्चित्त, न. शरीर शुद्धिने  
भाटे ले प्रायश्चित्त करतुं ते.

अंगमर्द, } पु. हेड संवाडक से-  
अंगमर्दक, } वक, शरीरनी अंगी क-  
अंगमर्दिन्, } रनार आकर.

अंगरक्षिणी, स्त्री. कवच, अम्भतर,  
अंगरभा अरतुं शरीरतुं रक्षतु  
करनार वस्त्र.

अंगराग, पु. हेसर, अदन वगेरे  
मुग्धी थीलेनो शरीरउपर लेप  
करवो ते.

अंगराज, पु. अंगदेशनो राज, कण

अंगरह, न. रोग, रक्षा, उम.

अंगलोड्य, पु. अद्रक, आहु.

अंगव, पु. शुभ इण, मुका इण.

अंगविकृति, स्त्री. अंगविकार, सु  
रणीनी भीमारी. [ मुद्रिक वि' ]

अंगविद्या, स्त्री. डाथ नेवानी म-

अंगविक्षेप, पु. डावभाव, नाथ  
वभते शरीरना आशा करवा ते

अंगवैकल्य, न. शरीरतुं विकणपतुं

अंगवैकृत, न. डावभाव, येथ.

अंगशैथिल्य, न. शरीरतुं ढीवापणुं

अंगसंस्कार, पु. ज्ञान, पत्रासंका  
वगेरे शरीरने शोभाचवाना C

• पयारो करवा ते.

अंगसंग, पु. अंगसंधन,  
स्त्री पुरुषनो संयोग.

अंगसंहति, स्त्री. शरीरतुं लडापणं

अंगसौकुमार्य, न. शरीरतुं डे-  
णपणु.

अंगसौष्टव, न. शरीर शोभा.

अंगस्कंध, पु. वेदना अंग(भाग)ी  
शाष्पाओ.

अंगहार, } पु. अंगविक्षेप शब्द  
अंगहारि, } लुओ। [ अंगरनासंधन

अंगांगि, अ. शरीर शरीरतुं,

अंगांगिभाव, पु. अंग अने  
वभेना संधतुं.

अंगाधिप, पु. अंगराज शब्द लुओ।

अंगार, पु. अंगणअड, अणतो  
गारो अथवा कोवसो.

अंगारक, पु. अंगलअड;  
आड; अंगारो.

अंगारकमणि, पु. प्रवाल, परवाणो.  
 अंगारककूर्कटि, स्त्री. अंगारा उपर  
 शेकेकी लडी शेटकी, आटी.  
 अंगारधानिका, स्त्री. असन्तीका, स-  
 गडी, अंगीठी. [ वनो राज.  
 अंगारपर्ण, पु. अत्ररथ नाम गंध-  
 अंगारपुष्प, पु. गुंज अथवा य-  
 लोडीनुं आउ अथवा यलोडी.  
 अंगारपूरिका, स्त्री. अंगारकूर्कटि  
 शब्द लुब्धो. [ गुंज, यलोडी.  
 अंगारमंजरी, स्त्री. भारंगीनुं आउ;  
 अंगारवर्णा, स्त्री. वनस्प० भारंगी.  
 अंगारचट्टरी, स्त्री. उस्तिकरंज, उ-  
 रंगनी अेक लत छे; भारंगीनुं  
 आउ; गुंज अथवा यलोडी.  
 अंगारचल्ली, स्त्री. उपेला शब्द लुब्धो.  
 अंगारवृक्ष, पु. यलोडीनुं आउ.  
 अंगारशकटी, स्त्री. शगडी, बूडो.  
 अंगारसदन, न. } बूडो, शगडी.  
 अंगारि, स्त्री. }  
 अंगारिका, स्त्री. शेरडीनो सांडो.  
 अंगारिणी, स्त्री. शगडी, बूडो.  
 अंगारित, न. शेरडीनो सांडो.  
 अंगीका, स्त्री. क्युलिक, कुंयडी,  
 आणी. [ सरदार, मुष्प; आत्मा.  
 अंगिन, वि. अंगविविष्ट, शरीरवाहुं;  
 अंगिरस, पु. अश्वानो पुत्र, बृहस्प-  
 तिनो भाप. [ २३ ] ते.  
 अंगीकरण, न. प्रतिज्ञा, कर्ण क-  
 जंगीकार, पु. स्वीकार, कर्ण.  
 अंगीकृत, वि. प्रतिज्ञात, स्वीकारेपुं.  
 अंगुरी, स्त्री. पाणिपादांगुली, हाथ  
 पगनां आंगणां, अंगुठो; हाथीनी  
 गुंठनो आंगलो भाग.

अंगुरीय, } उ. वींटी वगेरे आं-  
 अंगुरीयक, } गणीनां धरेलुं.  
 अंगुल, न. आंगणी, अंगुठो; आउ  
 नवनुं प्रभापु. पु. वास्त्यायन मुनि.  
 अंगुली, स्त्री. आंगली, अंगुठो;  
 हाथीनी गुंठनो आंगलो भाग.  
 अंगुलितोरण, न. हेरीना भक्तो अंठ-  
 नादिकनुं कपाणे त्रिपुंड्र करेछे ते.  
 अंगुलित्र, न. अंगुलीरक्षक, धनुष्य  
 अथवा वभते हाथनुं रक्षक कर-  
 वाने वारते आंगडनुं मोलु पदे-  
 रनामां आवेछे ते. [ भारेकुं.  
 अंगुलिनिर्दिष्ट, वि. आंगणीधी हे-  
 अंगुलिनिर्देश, पु. आंगणीधी हे-  
 भाउनुं ते.  
 अंगुलिमूत्र, न. अंगुलाय, आंग-  
 णीनो आंगलो भाग. [ तरेकी वींटी.  
 अंगुलिमुद्रा, स्त्री. पातानुं नाम डो-  
 अंगुलिमोटन, न. आंगणी भांग-  
 ची ते. [ शब्द लुब्धो.  
 अंगुलिसंदेश, पु. अंगुलिनिर्देश  
 अंगुलिस्फोटन, न. आंगणी भां-  
 गी ते.  
 अंगुली, स्त्री. अंगुलि शब्द लुब्धो.  
 अंगुलीक, उ. अंगुरीयक शब्द  
 लुब्धो. [ अंगोना समुदाय.  
 अंगुलीपंचक, न. पांचे आंगणी-  
 अंगुलीगव, पु. नभ, नभछर.  
 अंगुलीयक, न. वींटी वगेरे आं-  
 गणीनुं धरेलुं. [ आंगणीनुं पाकनुं ते.  
 अंगुलिसंभूत, पु. नभ; नभछर,  
 अंगुष्ठ, पु. अंगुठो.  
 अंगुष्ठाना, स्त्री. अंगुठी, शीतनारनी  
 आंगणीनो अथाव करनार टोपी.

अंगूढ, वि. प्रकाश, स्पष्ट, जलदेर,  
 शुद्धि. [ तीर.  
 अंगूप, पु. नकुल, नोणीयो; आणु,  
 अघस, न. पाप.  
 अंग्रि, पु. अरलु, पग; अतुर्वास,  
 बोथाध; पृक्षभूण.  
 अंगिकरक, पु. करमदानुं जाड.  
 अंगिकवच, उ. आभजनालेडावगेरे.  
 अंग्रिज, पु. शुड, आरवलुमानो छेवो.  
 अंग्रिनामक, पु. } पाण, पृक्षभूण,  
 अंग्रिनामन, न. } जाडनुं भूणीडि.  
 अंग्रिप, पु. पृक्ष, जाड.  
 अंग्रिपाणिका, } स्त्री. पृक्षिपल्लि, प-  
 अंग्रिपर्णी, } नस्पतिनु नाम छे.  
 अंग्रिचक्षिका, }  
 अच्, ग. अ. गमन करवुं, वरुं;  
 पूल करपी; मायुवुं.  
 अचक्षु, वि. आंधणो.  
 अचंचु, वि. अंशुरक्षित, आंशुवगरनुं.  
 अचंड, वि. नम्र, वंडुं.  
 अचर, वि. रथावर, अचर. .  
 अचल, पु. पर्यत, पृक्ष, जाड; डी-  
 लक, कगी, भीटी. वि. स्थिर.  
 अचलकाला, स्त्री. पृथ्वी.  
 अचलत्विप, पु. डोकिवपक्षी, डोयव.  
 स्त्री. स्थिरकांति.  
 अचला, स्त्री. पृथ्वी.  
 अचलाधिप, पु. पर्यतराज, दि-  
 भास्य पर्यत; पृथ्वीपति, राज.  
 अचापल्य, न. स्थिरता.  
 अचित्, वि. अज्ञान, भ्रम, वेदवृद्धि.  
 अचित, वि. निरुच [अवेदन, अशुद्ध-  
 अचितता, स्त्री. अशुद्धी

अचिता, स्त्री. निष्कालु.  
 अचितित, वि. अितन कर्पोवगरनुं  
 डालु शुभ्या वगरनुं.  
 अचित्य, वि. अकण, अतर्क्य, जेने  
 विषे अितन न करी शक्य तेवुं  
 अचिर, वि. क्षणिक, हमेस न टा  
 जेवुं; तुरत.  
 अचिरद्युति, } स्त्री. विद्युत, विजणी  
 अचिरप्रभा, }  
 अचिरा, स्त्री. जैनमतना सोणमा  
 सांभुणी माता.  
 अचिरात्, अ. अचिर, तुरत, जलदी.  
 अचिररोचिस्, } स्त्री. विद्युत, वि-  
 अचिरामा, } जणी.  
 अचिरांनु, }  
 अनिराय, } अ. अचिर, तुरत, ज-  
 अचिरेण, } लदी.  
 अचीणं, अपरि समाप्त मत, न  
 पुरे यथो मत [विमान.  
 अचेतन, वि. मुग्ध, जड; मुर्छित,  
 अचेतस्, वि. विवेकशून्य, जेवाकल;  
 दुष्ट अित, अज्ञान मननो.  
 अचेतन्य, न. अज्ञान, मोड, आंती;  
 शमभय; वंडरेण. [ वि. स्थिर.  
 अच्युत, पु. विष्णु; पीपणानुं जाड.  
 अच्युतावास, पु. डेडभरवृक्ष, उ-  
 वरनुं वंड; पीपणानुं जाड; म-  
 युतः वंडवन; डीरसमुद्र.  
 अच्युताम्र, पु. श्रीकृष्णुनो मोटे  
 मंड, वडवनः वंड.  
 अच्छ, वि. स्वच्छ, सां. पु. रक्ष-  
 क्तिवृद्धि; दीड.  
 अच्छमल्ल, पु. अक्ष, दीड, जाड-

अच्छम्, अ. न्यामेथी.  
 अच्छत्र, पु. रान्तवगरनो देश.  
 अज्, ग. १. अजुं, ईकपुं; डांकपु.  
 अज, पु. अक्षा, विष्णु; शिव; क-  
 भदेव; दशरथ रान्तनो पिता, मेघ,  
 वादण; अकरो; मेघराशि; शास-  
 वृक्ष. वि. अजन्मा, अजन्मरहित.  
 अजकर्णक, पु. शासन अड.  
 अजकव, उ. } शिवधनु, मडादे-  
 अजकाव, पु. } वञ्चुं धनुष्य.  
 अजगंधा, }  
 अजगंधिका, } स्त्री. अगदी तुलशी.  
 अजगर, पु. अडत्यर्थ, मोटो साप.  
 अजगव, न. शिवधनुष्य.  
 अजजीविक, पु. अकरी पाणनार.  
 अजटा, स्त्री. लोथआमथी.  
 अजव्या, स्त्री. पीणी लुई, अकरी-  
 येनो समुदाय.  
 अजननि, पु. अजन्माभाव, आ श-  
 ष्ट साप आपती वपते उपये-  
 गमा लेवाय छे.  
 अजन्मन्, वि. अजन्मरहित, उत्पन्न  
 न थयपु. [वगेरे.  
 अजन्य, न. उत्पात, धरती कथ  
 अजप, पु. अकरी पाणनार; कुपा-  
 ष्ट; पाणडी पुर्य स्त्री. अकज  
 गरीरे गिव पार्वती. [गरु.  
 अजंभ, पु. देउको. वि. दांत व-  
 अजभक्षा, स्त्री. लधु धमानो.  
 अजमीढ, पु. बुधिष्ठिर रान्त, पां-  
 डुनो पुन; अजमेर नाम  
 अजमोदा, }  
 अजमोदिका, } स्त्री. अजन्मा.

अजय, पु. पराजय, ने न अताय  
 ते. स्त्री. (या) डरीतडी, डरडा.  
 अजर्य, वि. न अताय तेकुं.  
 अजर, वि. अमर, अविनाशी, दे-  
 वता, अरावस्था वगरतुं. [व्यारी.  
 अजर्य, न. समत, सौडाई, गिना-  
 अजलंबन, न. सुरभे.  
 अजवला, स्त्री. अगदी तुलशी,  
 रथाम तुलशी.  
 अजथी, स्त्री. इटकी, कटकी.  
 अजशृंगी, स्त्री. मेडरिंगी.  
 अजस्र, न. निरतर, सर्वदा.  
 अजहरस्वार्था, स्त्री. लक्षणा वृत्ति-  
 विशेष, शब्द पातानो अर्थ न  
 छेउता पीलनो अर्थ अतावे ते.  
 अजा, स्त्री. प्रकृति; अकरी; अ-  
 न्या, नेनी पेदाशम् होय ते.  
 अजाक (का) र, पु. शिवधनु, शि-  
 वञ्चनी इमान.  
 अजाजि, पु. पीणु अर.  
 अजाजी, स्त्री. संई छर.  
 अजाजीव, पु. अकरी पाणनार.  
 अजात, वि. अजन्मरहित, न अजन्मेपुं.  
 अजातशत्रु, } पु. रान्त युविष्ठिर,  
 अजातारि, } पाउवोनो मोटो भाई,  
 } नेनो डोई शत्रु न  
 } होय ते.  
 अजादनी, स्त्री. अजभक्षा लुओ.  
 अजानि, पु. रडापवो पुरुष.  
 अजानेय, पु. उत्तमार्थ, उत्तम प्र-  
 क्षरनो घोरो.  
 अजापालक, पु. अतश्च लुओ.  
 अजित, पु. विष्णु; लुई; लुधमड;  
 शिव. वि. अपराजित, डोईथी  
 अताया वगरत.

अजिन, न काणा डरपतु आमहुं  
 अजिनपत्रां, } स्त्री यर्मथटिका,  
 अजिनपत्रिका, } आभा थिडियु वा  
 अजिनपत्री, } गणु

अजिनयोनि, पु डरग, डरप  
 अजिर, न आगणु, वायु, शरीर,  
 भेड, हेडके, धद्रिना निषय

अजिह्व, पु मंडुक, हेडके वि स  
 रण, मीधु

अजिह्वग, स्त्री भाण, तीर वि  
 सरगगागी, सीधो जनाडे

अजिह्व, पु लोक, हेडके वि शुभ  
 वगरतु [ अशुभ वि नतु

अजीर्ण, न अनपायन न थाय ते,  
 अजीव, पु आवसत भरप, अ

वनाभावि वि सुबेडु •  
 अजीवनि, स्त्री भृशु, मोत •

अजैतव्य, } वि अतराने अशम  
 अजैय, }

अजैकपाद, पु अग्यार रुद्रोभाना  
 ओक, पूरुगाद्रपड नक्षन •

अजौंगक, न कृष्णुगुरु अहन  
 अजुका, स्त्री नदी, नाय करनारी

अजुटा स्त्री लोथआमनी विस्था  
 अजुल, न डार

अजुमन्, न युद्ध, लडाई  
 अजु, पु डेन भेदान

अजु, वि भूष जेनडुई  
 अजुता, स्त्री भूर्भता, जेवथी

अजात वि अगोवर, न नजेव  
 अजातयोचना, स्त्री अजकत थो

वना स्त्री, पोतान्ना यौवनने न  
 नानारी स्त्री

अज्ञान, न अपिधा वि निष्पाप  
 नादान, भूर्भ

अज्ञानतस्त, अ अनानपूर्क, अ  
 अज्ञानिन्, वि भूर्भ [ नानापणे

अज्ञाय, वि अगभ्य, न नानापणे  
 अच्, ग १ पूज करपी, जम

करतु, पायतु, अस्पष्ट जेनतु  
 अचति, पु वायु, डना

अचल, पु पक्ष प्रातभाग, डपडा  
 नो आगये भाग, पड, पत्रो

अचित्त, वि आराधित पूजित, आ  
 डर सत्कार करेयु आ. री पायेतु

अचित्तु, स्त्री सुभु, सुधर ल  
 वावाणी स्त्री

अच, ग ७ स्व२७ करतु, वेगन क  
 रतु, अमकतु तेजरी थतु, नतु

अजन, न सुरभो, भगी, दान आड  
 करानो पधर्म, गमन, नदेर करतु

ते, अशि पु पश्चिम दिशानोदाथी  
 अजनय, न नतु नततु अजन पु

अजानन, डेनाजन अने आ / न  
 अजना स्त्री डनुमाननी माता, प

शिम दिशाना हाथीनी हाथली  
 अजनाधिका, स्त्री नाना उडवर्न

जे नत त्रिणी  
 अजनामस्त, न प्रवाडी अ न

अजनारती स्त्री मुप्रतीक नामना  
 हाथीनी स्त्री

अजलिका, स्त्री उडरनी जे नती  
 अजलि, पु भरपु, जेजे

अजलिका स्त्री नानी उडरडी  
 अजलिकारिका, स्त्री धरगतु स

रभाड जाड पुतणी

अंजलिबंधन, न. छाथ जेडया अ-  
थवा छाथ जेडीने नभस्कार क्वा.

अंजस, वि. सारण, प्रभाषिक.

अंजसा, अ. सिध, तुरत, लणदीथी.

अंजि, पु. श्रेयलिक, प्रेरक; अलं-  
कार, धरेणुं; खिग, जननेद्रिय.

अंजिष्ठ, पु. भास्कर, सूर्य.

अंजीर, न. अश्वरनु आड तथा इण.

अद्, ग. १. अटकुं, इरकुं.

अट, यु. इरकुं ते, अटकुं ते.

अटन, न. अभन, भ्रमलु, इरवु ते.

अट(नि)नी, स्त्री. धनुषकोटि, धनुष्येनो  
आगलो भाग

अटरप, { पु. अडुणसो, वनस्पति  
अटरूप, } विशेष.

अटल, वि. दंड, स्थिर, भगभूत.

अटवि, स्त्री. अरंभ, लंगल, वन.

अटविक, पु. अरंभवासी, वनयर,  
लंगली. (भीक्षु वगेरे).

अटा, स्त्री. पृथा भ्रमलु, काई पणु  
कारणु वगर अटकुं ते. [पर्यटन.

अटाट्या, स्त्री. वारवार भ्रमणु,

अट्ट, ग. १. उपर अटकुं, अतिकंभ  
करकुं; डार भारकुं.

अट्ट, पु. अटारी; पुरकणपणु न.  
अन, रांधेवा भात; अनादर. वि.

युष्क, मुकापयु.

अट्टक, पु. अटारी.

अट्टन, न. अक, विष्णुं सत्र.

अट्टहास, पु. अतिगण्डयुक्त डारय,  
धिक्कारयुक्त मोटेथी इरकुं.

अट्टहासिन, पु. मडादेव. वि. मो-  
टथी इरनार

अट्टाल, { पु. प्रासाद, मडेल;  
अट्टालक, } अटारी.

अट्टालिका, स्त्री. सणवाडो

अट्टालिकाकार, पु. सूद्रीकन्याने रंग-  
रीथी उत्पन्न थयलो पुरुष. कडीओ.

अट्ट्या, स्त्री. अट शब्द लुओ.

अट्ट, ग. १. ओक ठेकाणेथी पीने  
ठेकाणे वकुं, वकुं.

अट्ट, ग. १. प्रयत्न करकुं, उद्योग करवो.

[ग. ५] उपभोग करवो, वापरकुं.

अट्ट, ग. १. सवध-सयोग करवो,

उल्लो करवो; प्रियाद करपी.

अण, ग. १. शब्द-अपान करवो.

अणक, वि. उलको, नीय.

अणव्य, न. अणुनाभुं धान्य उ-  
त्पन्न करनार जेतर.

अणि, स्त्री. रथयकात्र श्रीवक, र-  
थना पैडानी पीडी; सोयनी अणी,

इधियारनी नोक; सीमा, उद.

अणिमन्, पु. अणुत्व; आक सि-  
द्धिओभांनी पडेली, आ सि-

द्धिने योगे मापुस पोते सूक्ष्म-  
इरे रडी अधी स्त्रीज जेया करे.

अणीयस, वि. अत्यटप, अति-  
सूक्ष्म, मडुण पारीक.

अणु, पु. मीडिविशेष, वागीक बोभा.

वि. शुद्र, नाकुं. [वागीक.

अणुक, वि. अतुंग, निपुणु; अक्ष,

अणुता, स्त्री. } सूक्ष्मता, अटपपणुं.

अणुत्व, न. }

अणुभा, स्त्री. शब्दप्रभा, चि-ल्लो.

अणुमात्र, वि. अतिशुद्र, धलुं-  
नाकुं. [वागीक अणु.

अणुरेणु, स्त्री. प्रगरेणु, पृथता

अणुरेणुजाल, न. सूर्यना किरणमां  
देभाता आरीक परमाणु.

अंड, } उ. वृषणु; भृगनाभि; धी-  
अंडक, } र्थस्थान, धातु रदेवानी  
नगा; ईडु.

अंडकटाह, उ. अक्षांड. [ रधारो-

अंडकोदरपुष्पी, स्त्री. वनस्प० व-

अंडको-श-(प)-(क), पु. वृषणु;

सिभा, ६६; ६७.

अंडज, पु. प्रक्षा; पक्षी; सर्प; भा-

छदी. वि. ईंडाभांथी उत्पन्न य-

यडुं. स्त्री. (जा) कस्तुरी.

अंडाकार, वि. ईंडाना आकारतुं.

अंडालु, पु. मत्स्य, भाछदी.

अंडीर, पु. पुरुष, सक्तिमान पुरुष.

अत्, ग. १ गगन करतुं, कतुं.

अतपव, अ. ओ कल्पुथी.

अतट, वि. किनारा वगरतुं, उभुं.

अतथ्य, वि. मिथ्या, आसत्य, लुडुं.

अतंद्र, } वि. उधमी, लुभृत,

अतंद्रित, } लगेडुं.

अतनु, वि. विशाण, मोडुं.

अतप, वि. थडु; गेकार, निरुधोगी.

अतपस्कर, वि. अधर्मा, तपस्या न

करनार. [कदार.

अतमस, वि. द्विसि विशिष्ट, अम-

अतहण, वि. वृद्ध, पुरातन, लुतुं.

अतकित, वि. अकटिपत.

अतर्क्य, वि. दुर्ज्ञेय, तर्क न थर्क

शके अेतु.

अतर्पणीय, वि. तृप्त करवाने अशक्य.

अतर्पित, वि. आसतोपी.

अतल, न. सात पाताणमानो पढेवो.

अतलस्पशं, } वि. तक्षीडं न देभा  
अतलस्पशं, } अेतुं, ईडुं. [लाभाटे

अतस, अ. ओ कारपुनेधीधे, अेट-

अतस, पु. पवन; आत्मा; शत्र.

स्त्री. (सी) सणुतु अड. न.

रेशमी कपडुं. [कमणु.

अति, अ. उत्कंथं, अतिशय, अति-

अतिकंटक, पु. धमासो.

अतिकथ, वि. अत्रदेय, विश्वास

न राभवालायक; नष्ट; धर्म-कर्मअष्ट.

अतिकंदक, पु. उरितकंद.

अतिकामुक, पु. कुभो. [शरीरतुं.

अतिकाय, वि. लुडइडेड, मोटा

अतिहृद्, न. अतिकष्ट, प्रतविशेष,

अे प्रतभां छ दिवस सूधी अेक

मुडी अनाज भाई मण दिवस

उपवास करवतां आवे छे.

अतिहृति, स्त्री. छटतुं नाम छे, अे-

ना प्रत्येक अरणुमां रप अक्षरदोषछे.

अतिक्रम, पु. उलघन, अनादर; अ-

भाव.

अतिक्रमिन्, वि. अतिक्रम करनार.

अतिक्रम्य, अ. उलघन करीने, अ-

तिक्रम करीने. [कम करनार.

अतिक्रान्त, वि. कृतातिक्रम, अति-

अतिकूर, वि. दयावगरतुं. [छट्टे.

अतिगंड, पु. सतावीश योगमाने

अतिगंध, पु. गंधक; अपातुं अड;

अरभोजरो.

अतिगुहा, स्त्री. पृश्निपर्णी.

अतिचर, वि. भयोदा अडार ननार,

शास्त्र उलघन करनार.

अतिचरा, स्त्री. वनस्पति पश्मिनी;

सूरजमुष्ठी कूल.



अतिचार, पु. जलदीधी जलुं ते,  
लौभादि अहो अेक राशिभांथी णी-  
'अंभां निभेला वभत करता ज-  
लदी जय ते.

अतिचिर, अ. धलु लाणु.

अतिच्छद्र, पु. } वनस्पति ता-  
अतिच्छत्रका, स्त्री. } धीगभाना.

अतिजगती, स्त्री. तेर अक्षरवाणा  
अरलुनेा छे.

अतिजन, वि. वस्तीवगरनु.

अतिजागर, पु. नीलपक, काली कुक  
डी. वि. निद्राशून्य, उधवगरनु.

अतिडीन, न. पक्षीओणी जलदीधी  
उडवानी गती

अतितराम्, अ. अतिदूर

अतितीव्र, } वि. अतितेजस्वी.  
अतितीक्ष्ण, }

अतिथि, पु. अत्यागत; रामयद्रनेा  
पौत्र, कुशनेा पुत्र, क्रोध.

अतिथिग्व, पु. दिवोदासनु णीणुं ना-  
म, दिवोदास शषे लुओ.

अतिथिक्रिया, स्त्री. } अतिथि स-  
अतिथिपूजन, न. } कार, भडे-  
अतिथिसेवा, स्त्री. } भानेदारी.

अतिथिशाला, स्त्री. अत्यागतच्छे,  
भुसाक्षरभानु [नार.

अतिदान्, पु. अनिशय दान करे-

अतिदाह, पु. अतिउष्णता

अतिदिप्य, पु. लाल चित्रक

अतिदूर, वि. धाले लांभे

अतिदेश, पु. अन्य देशमा अन्य  
धर्मनी स्थापना

अतिधन्वन्, पु. अशतं लडयेा

अतिधृति, स्त्री. ओगण्णीश अक्ष-  
रवाणा छेनुं नाम. [तभां.

अतिनाष्ट्र, वि. लयवगरनु ( वेदां-  
अतिनिद्रा, स्त्री. धण्णीज उध.

अतिनौ (नु), वि. नौत्रेत्तीपुं, वहाणु  
उपरथी उतरीगयनु.

अतिपतन, न. नाश, परभादी, म-  
र्यांदा अक्षर जनु [योग्यपणु.

अतिपत्ति, स्त्री. अनिष्पत्ति, अ-  
अतिपत्र, पु सागनु आड, उस्तिक्क.

अतिपथिन्, पु. सन्भार्ज, सारो रस्तेा.

अतिपद्, ग. छ. पेदी आणु जनु,  
भूदी जनु, विसरी जनुं [होय ते

अतिपर, वि. जेजे शत्रुने अत्ये  
अतिपरोक्ष, वि. नगरधी दूर.

अतिपाट, पु. रमनत, भेड्ड.

अतिपात, पु. धर्मत्याग, कर्तव्यकर्म  
न करवा ते.

अतिपातक, न. मोटु पाप, भा,  
पुत्री अथवा पुत्रवधू साथे सग  
करवाथी लागेणु पाप

अतिपारक, } वि. अतिदक्ष, मोटेा  
अतिपेशल, } अतुर.

अतिपिच्छल, पु. सईद रताणु.

अतिप्रवृद्ध, वि. धणुण उगेणु.

अतिप्रसंग, पु अतिविस्तार, पुन  
रुक्ति, आतसमध, मर्यादानु उह  
धन [वेदी कन्या

अतिप्रौढा, स्त्री. उमरमा आ-

अतिचल, वि. अणवान, तेरावर.  
पु. समर्थ योद्धे. [जक लुद्धिणु

अतिवालक, पु. आणक वि. आ-

अतिवृहत्फल, पु. इष्टुस अथवा  
 अतिभारंग, पु. अथर. [तेनुं आड.  
 अतिभी, स्त्री. विद्युत, विष्णुणी.  
 अतिभूमि, स्त्री. विस्तीर्णुं नमीन.  
 अतिभोजन, न. भाधशपणुं, अ-  
 दीपणुं. [अतिशुभकारक.  
 अतिमंगलय, पु. गिडीनुं आड. वि.  
 अतिमर्त्य-मानुष, वि. ईश्वरी, अ-  
 मानुष्य. [युष्कण.  
 अतिमर्याद, वि. अ. अतिशय,  
 अतिमति, स्त्री. } दुंपणुं  
 अतिमान, पु. }  
 अतिमात्र, वि. अ. अतिशय, युष्कण.  
 अतिमित, वि. अगण्य, अशुभार;  
 सुकायकुं.  
 अतिमुक्त, वि. मोक्ष ययकुं; वां-  
 त्रियु. पु. भाधगी-भोगराना इ-  
 लगी अेक नत.  
 अतिमूढ, वि. अतिशय भूर्ध.  
 अतिमोदा, स्त्री. वेदभोगरानुं आड.  
 अतिरक्त, न. डिंगणो. विं. ध-  
 लुंण रातुं. [युद्ध करनार. वीर.  
 अतिरथ, पु. रथमां अेसी अेशी  
 अतिरसा, स्त्री. मोरवेद; रासा;  
 लेडीमधनी वेद. [त्यत, मित्र, लुडु.  
 अतिरिक्त, वि. अधिक, युष्कण, अ-  
 अतिरूक्ष, पु. भठ, अनानगी अेक  
 नत. [पाणुं; पु. ईश्वर.  
 अतिरूप, वि. आकारे वगरतुं; इ-  
 अतिरोग, पु. क्षमरोग.  
 अति-लो-रोमश, पु. नगदी अकरे;  
 मोटा इधने वाधरे.  
 अतिलंपट, वि. अतिशय विपथी.

अतिचक्र, वि. अणु भापी, अतिशय  
 मोलनार. [भुरकेवी.  
 अतिचर्तन, न. अत्यापक, मोटी  
 अतिचर्तुल, वि. अत्यंत गेण.  
 अतिघात, पु. लुंअघात, तोक्षान.  
 अतिघाद, पु. अत्युक्ति, इर वाक्य,  
 निपुर वाक्य.  
 अतिघादन, न. वायालता, अकणक.  
 अतिचिकट, पु. भदोनभत्त छापी.  
 वि. अतिविकण.  
 अतिवेद, न. अतिशयपणुं.  
 अतिव्यथा, स्त्री. गुरुवेदना, अति-  
 शय इरद.  
 अतिव्याप्ति, स्त्री. अतिशय व्या-  
 पन; अलक्षमां लक्षणुनुं ननुं, नेम  
 के रींगडां अेकडी गायनेण नथी  
 पणु लंस वगेरे थील ननाव-  
 रेने पणु होयछे. [उत्सर्प.  
 अतिशय, वि. अधिष्ठ, वधारे. पु.  
 अतिशयिन, वि. अेष्ट.  
 अतिशयोक्ति, स्त्री. अत्युक्ति, अलं-  
 कारीक मोलनुं ते; अउणयाट.  
 अतिशूद्र, पु. भदार वगेरे हलकी  
 नत. [ताम.  
 अतिशोभन, वि. अतिश्रेष्ठ, अत्यु-  
 अतिश्रम, पु. अत्यापास, धाग्री ग-  
 डेनत.  
 अतिसंधान, न. कपट.  
 अतिसर्जन, न. अतिदान; वध.  
 अतिसंहित, वि. वंचित, इगेकुं.  
 अतिसंचय, पु. पैसा अेकठा करवा ते.  
 अतिसाम्या, स्त्री. कणा मोढायाणी  
 गुंजनी भाणा.

अति(ती)सार, पु. उदरामल, संभ्र-  
दुष्ठी, आडानो रोग.

अतिसारम, पु. पित्तपापडो.

अतिहसित, न. शब्दयुक्त हास्य,  
भोटथी हसतुं.

अतिहार, पु. अधिक हास्य.

अतीत, वि. गत, गयेलुं, भरेलुं.

अतीव, अ. अत्यंत.

अतुंग, वि. वामन, हींगजो; नीच.

अतुल, वि. अनुपम. पु. तलतुं  
आड.

अतृप्ति, स्त्री. 'असमाधान.

अतुहिनरश्मि, पु. सूर्य.

अतंजस, वि. अंधकार, तेजहीन.  
न. प्रतिगिभ; अंधाई.

अतोर्यम, अ. ध्रुवट सूधी.

अत्क, पु. अवयव, वि. प्रवासी,  
मुसाक्षर. [ श्वश्रु, साश्रु.

अत्ता, स्त्री. माता, मा; भाशी;

अत्ति, } स्त्री. मोटी भडेन.  
अत्तिका }

अत्त, वि. सर्वस्व आनार.

अत्तु, पु. सूर्य.

अत्य, पु. धोटक, धोटो. [ पुष्कण.

अत्यंत, वि. क्रि. अ. अतिशय,  
अत्यंतकोपन, वि. धल्लोण झोधीष्ट.

अत्यंतोन, वि. धल्लु आसनार-जलही  
आसनार. [ भाद्रं.

अत्यम्ल, पु. अंबाडानुं आड. वि.

अत्यय, पु. आपत्ति, कष्टशा;  
भृत्य; दुर्गुण; शिक्षा; गेरहाजरी;  
नाश. [ पर यहेतुं.

अत्ययित, वि. अगात्कार करैतुं; उ-

अत्यर्थ, वि. अतिशय, पुष्कण.

अत्यर्था, स्त्री. १७ अक्षरवांगो छंद.

अत्याकार, पु. तिरस्कार, उपको.

अत्याचार, पु. अन्याय, लुलभ.

अत्यासक्त, वि. अतितत्पर, अति-  
आसक्त. [ अकाट.

अत्युक्ति, स्त्री. अतिशयोक्ति, अक-

अत्यूह, पु. नीलकंठ; गरुड.

अन्न, अ. अंतरिमन, अर्ध.

अन्नत्य, अ. अर्धितुं.

अन्नप, वि. निर्वर्णन, अेशरम.

अन्नभवत्, वि. पूर्य, मान्य; आर्य.

अन्नास, वि. निर्बंध.

अन्नि, पु. अन्निमुनि, सात ऋषि-  
ओभांना अेक.

अन्निजात, पु. अंद्र; दुर्वासा ऋषि.

अन्निहरज, } पुं. अंद्रमा.  
अन्निनेत्रज, }

अथ, अ. निरंतर; मंगल; प्रश्न;  
अधिकार; संशय; आरंभ; वि-  
कल्प; समुच्चय.

अथकिम्, अ. स्वीकार, हा, पछी शु?

अथच, अ. किंवा, अथवा.

अथर्वण, पु. शिव, महादेव.

अथर्वणि, पु. अथर्ववेद लघुनार  
प्राक्षण; पुरोहित.

अथर्वन, पु. वसिष्ठऋषि. [ नाम छे.

अथर्वशिख, पु. शिव, उपनिषदतुं

अथवा, अ. किंवा, अथवा, वा.

अथो, अ. अथ शब्द लुलो.

अद्, ग. २. भातुं, लक्षणु करतुं;  
आंधितुं.

अदक्ष, वि. अनाडी.

अदंड, वि. दंडाया वगरतुं.  
 अदंडनीय, } वि. दंड न करवा  
 अदंड्य, } योग्य.  
 अदंत, वि. दंतहीन, भोज्यो.  
 अदत्ता, स्त्री. अप्रियादिता, कन्या.  
 अदन, न. भोजन, अन्न.  
 अदनीय, वि. भावा लायक.  
 अदम, वि. प्रचुर, अति.  
 अदय, वि. निर्दय, दयावगरतुं.  
 अदस, वि. आ, ते, पैतुं.  
 अदातु, वि. कृपायु, कृत्युस.  
 अदिति, स्त्री. दक्षकन्या, कश्यप मु-  
 निनी स्त्री, देवताओंनी माता, पु-  
 नर्वसु नक्षत्र. वि. अप्रकृत.  
 अदितिनंदन, पु. देवता, देव.  
 अदित्सु, मु. कृपायु, कृत्युस.  
 अदुःखनवमी, स्त्री. भादपचा शुद्ध ६.  
 अदृश, वि. आंध्र्यो. [ वा लायक.  
 अदृश्य, वि. न दृश्याय ज्येत्तुं, न ज्ञे-  
 जट्ट, न. भाग्य, प्रारब्ध. वि.  
 अजोत्तर. [ वान.  
 अदृष्टवत् वि. भाग्यवान, नशील-  
 अदृष्टि, स्त्री. क्रूर नगर.  
 अद्र, पु. धृत, धी. [ विक.  
 अद्वा, अ. यथार्थ, अपरेपर, वास्त-  
 अद्भुत, न. अपूर्व, आश्चर्य; नवरस-  
 भांतुं अद्भुतरस. वि. अमलारिक्त.  
 अद्मनि, स्त्री. अग्नि.  
 अद्य, अ. आज, आजरोज.  
 अद्यप्रभृति, अ. आजथी.  
 अद्ययावत्, अ. आजसूधी.  
 अद्यश्चीना, स्त्री. आसन प्रसवा,  
 प्रस्रात समय पासि आवेयो द्वैय  
 ज्येती स्त्री, माय वगेरे.

अद्यापि, अ. आजसूधी. [परिमाणु  
 अद्रि, पु. वृक्ष; पर्वत; सूर्य; भाप  
 अद्रिकर्णो, स्त्री. वनो अपरागिता  
 अद्रिका, स्त्री. डोथभीर. [पृथ्वी  
 अद्रिकीला, स्त्री. बुद्धि, जभीत  
 अद्रिज, न. जेरे; शिवाचित.  
 अद्रिपति, पु. डिमालय पर्वत.  
 अद्रिमिदु, पु. धंर, देवताओंनो राज  
 अद्रिवह्नि, पु. न्यालासुधी पर्वत  
 अद्रिशृंग, न. पर्वत शिखर, पर्व  
 तनी टोंय.

अद्रिसार, पु. लोह. [ भडादेन  
 अद्रोश, पु. डिभावय पर्वत; शिव  
 अद्रोह, पु. सात्विकपणुं.  
 अद्रय, पु. लुद्ध.  
 अद्वितीय, न. परमात्मा. [माननार.  
 अद्वैत, न. अज्ञ अने ज्ञाने ज्ञे  
 अधम, वि. नीच, पाभर; दुष्ट.  
 अधमभृतक, पु. क्षीरक्षक, क्षीरपाव.  
 अधमणे, } वि. ऋषी, करणदार.  
 अधमण्ण, }  
 अधमांग, न. अरथु, पग.  
 अधर, पु. नीचेनो ढोड. उ. स्त्रीनी  
 योनी. वि. नीचेतुं; डलकुं, पाण  
 अधरमधु, } न. अधरामृत, ढोः  
 अधरामृत, } तुं अमृत.  
 अधर्म, पुं. } धर्मनिरोधी, पाप.  
 अधर्मता, स्त्री. }  
 अधर्माचारिन्, } वि. पापी, दु..  
 अधर्मिन्, } यारी.  
 अधर्मिण, }  
 अधश्चर, } पु. चोर, चोरीकर्म कः  
 अधश्चौर, } नार.

अधस्त, अ. नीचेतुं.  
 अधस्तन, वि. नीचेतुं.  
 अधस्त, वि. नीच, उल्लङ्घन.  
 अधामार्ग्य, पु. अधाडातुं आड.  
 अधार्मिक, वि. धर्म भ्रष्ट.  
 अधि, पु. मनःपीडा, मनतुं दुःख.  
 अधि, अ. सत्, अधिकार.  
 अधिक, वि. अधिक, वधारे.  
 अधिकतर, वि. सीधी वधारे.  
 अधिकतम, वि. धर्तुं वधारे.  
 अधिकरण, न. अधिकार, वारसो,  
 उक; मुष्पत्व, श्रेष्ठपणुं; व्याकरण-  
 णुमां सातमी विभक्ति. [ रेभ.  
 अधिकर्मन्, न. अध्यक्षता, देभ-  
 अधिकार, पु. स्वामित्व, अधिकार;  
 उक, वारसो; अमल, पदवी.  
 अधिकारिता, } स्त्री. स्वामित्व, उक,  
 अधिकारिणी, } अधिकार; वारसो.  
 अधिकक्षेप, पु. तिरस्कार, उपको.  
 अधिकुण, वि. श्रेष्ठ गुणवाणो.  
 अधिगोमृ, पु. कुम्भेर, देवताओंको  
 गलनशी. [ लभीन-  
 अधिल्यका, स्त्री. पर्यंत उपरनी  
 अधिदेव, पु. ईश्वर, मुख्य देव.  
 अधिदेवता, स्त्री. अधिष्ठात्रीदेवता,  
 शैव परम कर्षणी मुख्य देवता.  
 अधिप, } पु. अधिपति, राज,  
 अधिपति, } प्रभु, स्वामी, भाविक.  
 अधिभू, }  
 अधिमांस, पु. अधिकभार, मयभार.  
 अधिमांस, पु. आंशुणी, आंशुणी  
 उपर थापते ते.  
 अधिमुक्तिका, स्त्री. मोतीनी छीप.

अधिरथ, पु. सारथी; कर्तुं रा-  
 न्तनो आप.  
 अधिरथ्य, राजमार्ग, मोटो रस्तो.  
 अधिराज, } पु. यक्षवर्ति राज, सारथ-  
 अधिराज, } लोभ राज, शङ्खेनशाड.  
 अधिराज्य, न. साम्राज्य, यक्षवर्ति-  
 अधिरुढ, वि. आरुढ, यदर्थुं. [पणु.  
 अधिरोपण, न. उत्थापन, उच्ये  
 उच्ये.  
 अधिरोहण, न. उच्ये यदर्थुं ते.  
 अधिलोक, पु. विश्व, नगत, दुनिया.  
 अधिवचन, न. डोहने मोटे नामे  
 गोवाचुं ते. [गसंस्कार, धर.  
 अधिवास, पु. स्थान, ठेकाणुं; अं-  
 अधिवासन, न. गंध पुष्प वगे  
 रेथी पूल करपी ते.  
 अधिविष्ण, स्त्री. प्रथम परशुकी स्त्री.  
 अधिवेत्, पु. जेक स्त्री छवती छतां  
 णीशु स्त्री करनार पुरुष.  
 अधिवेदम, अ. घेरे, घेरतरक.  
 अधिष्ठात्, पु. अध्यक्ष, सरदार.  
 अधिष्ठान, न. नगर; यक; प्रभाव;  
 अं यागन. [उदर्थुं, उरवेधुं.  
 अधिष्ठित, वि. स्थापित, मुकरर  
 अधीकार, पु. अधिकार शब्द लुञ्जो.  
 अधीति, स्त्री. पाठ, अंययन, शि-  
 भुं-अणुं ते. [हेनार.  
 अधीन, वि. अधीन, कल्याणं र-  
 अधीनता, स्त्री. दासत्व, ताण्णेदारी.  
 अधीनान, पु. वेद शिष्यनार, अ-  
 व्धारती. [(र) विन्णी.  
 अधीर, वि. व्याकुल, अयथ. स्त्री.  
 अधीरता, स्त्री. अधीरार्थ, उ-  
 अधीरत्व, न. } तावण

अधीश, } पु. भद्रारण, अकृति,  
अधीश्वर, } सार्वभौम रान, भा-  
लेक, धणी. [ धडीये.  
अधुना, अ. सप्रति, उभयु, आ  
अधृत, पु. विष्णु.  
अधृति, स्त्री. रैथिथ, दीलापलुं.  
अधृष्ट, वि. नम्र, शरभाण.  
अधृष्टता, स्त्री. नम्रपलुं, शरभ.  
अधृष्य, वि. पृथाभिभानी, भृग-  
रुण, गरिष्ठ.  
अधैर्य, वि. भीकलु; उतावकुं, अधीर.  
अधोक्षज, पु. विष्णु, लगवान.  
अधोगंत, पु. उंदर.  
अधोभुवन, न. पाताण.  
अधोक्षपित्त, न. युधाक्षरे लोडी व-  
दछे ते-रेग.  
अध्वनि, स्त्री. लग्न समथ अक्षि  
सामे कन्याने ने धन अपाय छे ते.  
अध्यय, पु. पुस्तक परिच्छेद, भाग,  
अध्याय, प्रकरलु.  
अध्ययन, न. पठन, शिष्यवृत्ते.  
अध्यवसाय, पु. उद्यम; ललु, काम  
करवानी छिच्छा. [ धडी आउ ते.  
अध्ययन, न. वारवार लक्षण, धडी  
अध्यस्त, वि. आरोपित; अदली  
करेलु, उपर बढावेदु.  
अध्यक्ष, पु. कर्ता, अधिकारी. वि.  
मुष्-१, अधिकार बढावनार.  
अध्यक्षता, स्त्री. कर्तृत्व, भादकी.  
अध्यक्षर, न. प्रणव, आंकार, उं.  
अध्यात्मन, पु. उपात्मा. [ द्विताल.  
अध्यापक, पु. पाठक, शिक्षक, मे-  
अध्यापन, न. शिक्षण, शिष्यवृत्ते.

अध्याय, पु. अध्याय शब्द लुम्बो.  
अध्याहार, पु. रपष्ट न देभाउं  
पलु भूमी द्वीधेयुं ते. ( वाक्यने  
अर्थ समजवाने पोतानी कल्पनाथी  
नवे शब्द उभेरेवे पडेछे ते. )  
अध्यूढ, पु. भडादेव, शिव. वि.  
सौभाग्यशाणी. [ करनार.  
अध्येतृ, पु. अध्यायन कर्ता, अलग्ग  
अध्येषणा, स्त्री. याचना, भागणी.  
अध्व, वि. अयण, नाशवंत, अ-  
नित्य.  
अध्वग, वि. मुसाक्षर, प्रवासी. पु.  
उं; सूर्य; पथर; पक्षी.  
अध्वगा, स्त्री. गंगाभागीरथी नदी.  
अध्वन्, पु. रस्ते; समय, क्षण.  
अध्वनीन, वि. मुसाक्षर, वटेगांजु.  
अध्वर, पु. यज्ञ, आठ पशुमानो  
येक; तत्पर, सावधान.  
अध्वान्त, न. धंपत अधकार, संया-  
क्षण. [ होवुं.  
अन्, ग. २. श्वास लेवे, उवता  
अन, न. शकट, गाडी; अन, अ-  
अनक, वि. नीय, उलको. [ नाण.  
अनक्ष, वि. अक्षुशून्य, अधिष्ठा.  
अनक्षर, वि. मूर्ख, गाणो आपनी ते.  
अनग, पु. कामदेव, मदन, न. आ-  
काश, मन. वि. अगलीन.  
अनंगक, न. मन, प्रकाशक.  
अनगार, पु. सन्यासी, साधु, धर-  
वारवगरेनो पुरुष.  
अनगासुहृत्, पु. शिव, भडादेव.  
अनघ, वि. निष्काम, स्वच्छ, सुंदर;  
पु. विष्णु.

अनच्छ, वि. अंघो, भेदो. [नारायण]  
 अनंजन, न. आकाश, परीश्रव. पु.  
 अनड्डह, पु. अगद, अेव. स्त्री. (ही)  
 अनत, वि. अभिमानी, भगदर. [नाय.  
 अनंत, पु. विष्णु; अवराम, शेष-  
 नाग. त. आकाश; अश्रक. वि.  
 अपार, अंतवगरतु.  
 अनंतचतुर्दशी, स्त्री. भादरवा शु६ १४.  
 अनतता, स्त्री. गर्व, भीजस.  
 अनंतत्व, न. निरतरपणुं.  
 अनंतदेव, पु. विष्णु भगवान.  
 अनंतविजय, पु. धर्मराज-युविष्ठिर  
 राज-नो राज.  
 अनंतरज, वि. अरज, अंथ पुत्र्य  
 अने नीच स्त्रीना संगथी उत्पन्न  
 यथु.  
 अनंता, स्त्री. पार्वती; पृथ्वी; अरडा;  
 आभली; दुर्वा, दल; गणो.  
 अनधिकारिन्, वि. अधिकारवगरनो.  
 अनधिकृत, वि. नावारस, अेवारस.  
 अनधिगत, वि. वगरभणुलो-शि-  
 अेलो.  
 अनधिष्ठित, वि. अेरडागर, अधि-  
 अनधीन, वि. स्वतंत्र [कारवगरतुं.  
 अनध्यक्ष, वि. अप्रत्यक्ष, न हेभाय  
 अेलुं, अधिकारवगरतु.  
 अनध्याय, पु. अध्ययन रक्षित. ०  
 अनन्य, वि. आत्मा, अेक.  
 अनन्यज, पु. अभदेव, भदन.  
 अनन्यता, स्त्री. अेकश्रपता, अेक्य-  
 भाव, सरभापणु.  
 अनन्यपूर्वा, स्त्री. कुमारीका, कन्या  
 अनपकार, पु. निर्दोषता. वि. (का-  
 रिन्) अविकारी, भापडु; गरीज.

अनपर, पु. ग्राहण, अक्षदेव.  
 अनपराध, } वि. निर्पापी, नि-  
 धनपराधिन्, } अपराधी. पु. निर-  
 पराधीपणु.  
 अनपाय, वि. अविनाशी.  
 अनपेक्ष, वि. निरपेक्ष, अंछा-अ-  
 पेक्षावगरनो.  
 अनपेक्षा स्त्री. निरिच्छा, अंछा-  
 अपेक्षा न होय ते. [डावतुं.  
 अनपंत, वि. युक्त; वर्तमान काणतुं,  
 अनभिन्न, वि. मूर्ध.  
 अनभिभव, पु. विजय, उत्त.  
 अनभिमत, वि. असमत, नापसंद,  
 अतभिभूत, वि. अस्त. [अश्ची.  
 अनभिलाषिन्, वि. अलिवाप-अ-  
 च्छावगरतुं.  
 अनम, पु. अेक, अंशर शिवाय भी-  
 लने न नभतार ग्राहणु.  
 अनमस्य, वि. प्रणुभायोग्य, नभ-  
 रकार करवाने अयोग्य.  
 अनमितंपच, वि. कृपणु, कणुस.  
 अनय, पु. दुद्वेव, पाप, विपद; वि-  
 पत्ति; नशीज.  
 अनर्गल, वि. निरर्गल, निरकुश. \*  
 अनर्घ-अर्थ, वि. अभूत्य, मूल न  
 थाय अेलुं.  
 अनर्चित, वि. अवभागीन, अपूष्टत.  
 अनर्थ, पु. निरर्थक; अभूत्य. पु. अ-  
 नर्थ; अनिष्ट, विष्णु, अेर  
 अनर्ह, वि. अयोग्य, नासायक.  
 अनल, पु. अग्नि, कृतिकानक्षत्र, आठ  
 वसुमानो अेक वसु  
 अनलम्, अ. अत्यल्प, अपूष्टु

अनवग्रह, वि. अप्रतिकार्य, जेने  
 पददो वाणी न शक्य अचुं.  
 अनवद्य, वि. अनिहित, अद्रुपित;  
 निरपराधी.  
 अनवधान, न. अभनोयोध्य, भ्रम.  
 वि. असावध. स्त्री. (ता) प्र-  
 भाद, जेअगरी.  
 अनवद, वि. श्रेष्ठ, पूज्य.  
 अनवदत्त, वि. नित्य, निरंतर, दुभेश.  
 अनवदार्थ्य, वि. श्रेष्ठ, प्रमुष्ण, प्रधान.  
 अनवलंब-वन, वि. अनाथ, निराश्रित,  
 डोडना आश्रय नगरतो.  
 अनवस्तर, वि. अवकाश-पुरसद व-  
 गरतो, उद्योगी. [ स्वस्थ.  
 अनवस्कर, वि. निभल, पवित्र,  
 अनवस्थ, वि. संयत्; अस्थिर.  
 अनवस्थान, वि. संयत्, अस्थिर.  
 न. अस्थिरता, अवैध. पु. वायु.  
 अनवस्थित, वि. अस्थिर; दुरायारी.  
 अनंश, वि. भाग्यहीन, कर्मनशील.  
 अनशन, न. उपवास. वि. लूभ्यो.  
 अनस, न. रथ, गाडी, जोराक, अल;  
 उपन; रसोडु. स्त्री. माता.  
 'अनसूया, स्त्री. अत्रिभूमिनी पत्नी.  
 अनहंकारिन, } वि. निभर्षी, गर्व  
 अनहृत्त, } वगरतु. [ वगरतुं.  
 अनाकार, वि. निराकार, आकार  
 अनाकाल, न. दुर्लक्ष, दुष्काण.  
 अनाकांत, वि. अताथा वगरतुं.  
 स्त्री. (ता) रिंअणी वनस्पति,  
 इंटरास्त्रिदक्ष.  
 अनागत, वि. लविष्यत; पूर्व न  
 आवेडु; अज्ञान, अन्तर्गो.

अनागतातंवा, स्त्री. ऋतुप्राप्त यथा  
 वगरती इत्या. [ अहारः  
 अनागम, वि. अशास्त्रीय, शास्त्रधी  
 अनागम्य, वि. अप्राप्य, दुष्प्राप्य,  
 दुर्गम. [ शास्त्रविद्-इकर्म  
 अनाचार, न. अशुचिकर्म दुरायार  
 अनाच्छन्न, वि. हांक्या वगरतुं,  
 पुहुं, उघातुं.  
 अनाशात, वि. अन्तर्गो.  
 अनाद्य, वि. हरिद्री, गरीज.  
 अनातप, पु. छाया, यंडक, शि-  
 तगता. [ गरीज, हीन  
 अनाथ, वि. सहायहीन, लाचार  
 अनादर, पु. निरादर, तिरस्कार  
 अपमान. [ रिद्ध. न. प्रहर्षुं  
 अनादि, वि. आदिरहित, नित्य  
 अनादिष्ट, वि. नाकभूल इरेडुं; अ-  
 इधित.  
 अनादीनव, वि. शुद्ध, निरपराधी.  
 अनादत्त, वि. अवसात, अपमान  
 इरेडु.  
 अनादेय, वि. अग्रहणीप, न लेवा  
 लायक. [ तवाने अराक्य.  
 अनाधूम्य, वि. दुर्दभ्य, अज्येय, अ-  
 अनापन्न, वि. न भजेतुं, अप्राप्त.  
 अनाप्त, वि. अकुशल; भेणव्यावगरतुं.  
 अनामक, न. हरस-अर्श रोग  
 वि. नाभ वगरतुं. [ पलुं.  
 अनामय, न. आरोग्यता, निरोगी-  
 अनामिका, स्त्री. छेडी आंगणी (क-  
 निष्ठिका)नी आंगुली आंगणी.  
 अनायत्त, वि. स्वतंत्र, निरेकुर.  
 अनायास, पु. प्रयत्नालाप, आणस.  
 वि. यत्नवगरतुं; सेडेडुं.



अनारत, वि. दमेशनुं, आधु.  
 अनार्जव, न. कुटिलता; वांकापणं,  
 वस्तुत्व. वि. कुटिल. [यं नडीं ते.  
 अनार्य, वि. अश्रेय, अप्रधान, आ-  
 अनार्यक-ज, न. अगुरु अंत, गो-  
 शैथन; अश्रेयानुं साकं. वि.  
 आर्यदेशमां न गेद्य ययु.  
 अनाविल, वि. स्वच्छ, साकं, मुंदर.  
 अनावृत, वि. उधाक, नागु, नम,  
 दांश्या वगभुं. [यवे ते.  
 अनावृष्टि, स्त्री. वृष्टि-वरसाद न  
 अनाश्य, वि. अविनाशी, नाश न  
 गाय अेवुं. [अनाथपलुं.  
 अनाथय, वि. आश्रय वगरनुं पु.  
 अनाथ्यस्त, वि. उपवागी, निराडारी.  
 अनासादित, वि. अवच्छेद, न मे-  
 लयाय अेवुं, अंशानिन, न गा-  
 धाय तेवुं; ह्यथात न दोष तेवुं.  
 अनासिक, वि. नडरो, नाकवजरनो.  
 अनाम्या, स्त्री. अश्रद्धा.  
 अनाहत, वि. भाषां-दुःभया व-  
 नरनुं: ईई (कापड). [ते.  
 अनाहार, पु. उपवास, भूम्या रडेवुं  
 अनाहत, वि. अनिमज्जित्, न ते-  
 एवेवु. [अरनु.  
 अनिकेत, वि. निगवप, घरवार व-  
 अनिभु, पु. गेरीनी जलना भउ.  
 लेवा गाड.  
 अनिम्रह, वि. अनिर्बंध, विदुषव.  
 अनिच्छ, वि. दंछादीन, निम्पदी,  
 लेपरना. स्त्री. (छा) नाभरउ.  
 अनित्य, वि. नधर. क्षणिक. दमेश  
 न रदेनार. [अर.  
 अनिदान, वि. अशरत, क्षरतु-र-

अनिद्य, वि. अनिहित, निर्दोषी.  
 अनिपुण-न, वि. अपट, भर्ष.  
 अनियद्द, वि. अधनरहित. धुटो.  
 अनिमिप, } पु. देवता; मच्छ. भा-  
 अनिमेष, } छडी. वि. निमेष शून्य.  
 अिथरनेत्रवाणु. [अधर्मा.  
 अनियत, वि. अशासन, क्षणिक;  
 अनियम, वि. नियम वगरनुं.  
 अनिरुद्ध, पु. प्रधुभनो पुत्र, कृष्ण-  
 नो पौत्र, आषानो पनि. वि.  
 स्वतंत्र; नद्युरा. न. गाय-धाडा  
 दिकने पांधवानी रसी-दोरी.  
 अनिरुद्धपथ, न. आकाश.  
 अनियंचनीय, वि. अवाच्य, लेनुं  
 विवेचन न गाय अेवु. न. आ-  
 काग वगेरे, परमात्मा.  
 अनियाद, पु. अपूर्वता; पट भर-  
 वानी अडथल.  
 अनिर्विण्ण, वि. निरव, निर्धन, इ-  
 रित्री, अपपाभेवु. [गेरेपी रदित.  
 अनिर्विद, वि. छह-पीडा-दुःख व  
 अनिर्वृत्त, वि. अरातुष्ट, अतुष्ट;  
 विन्दव, अश्वरथ. [क्याडीअत.  
 अनिरुक्ति, स्त्री. इरिदता, अनीणी,  
 अनिल, पु. वायु; आठ वगुभांनो  
 अेक वगु. स्त्री. स्वातिनशत्र.  
 अनिलभुज, पु. गपे, गाय, नान.  
 अनिलमग्न, पु. अग्नि.  
 अनिलहर, न. कृष्णानरु अंत.  
 अनिलाम्बज, पु. इनुमान. अभ  
 चन, पाङ्गान्तनो पुत्र.  
 अनिलादीन, वि. वायुभक्त. दया  
 भांने उपनाग. पु. गपे, गाय.  
 अनिश, वि. निर्द्वार, अरंदा दमेश.

अनिष्ट, वि. अशुभ, भाहुं.  
 अनिष्टा, स्त्री. वनस्पति नागप्रजा.  
 अनिष्टुर, वि. सरणवित्त, दयावान्.  
 अनीक, उ. सैन्य, वस्त्र; युद्ध, वडाध.  
 अनीकिनी, स्त्री. सैन्य, अेक अ-  
 क्षीदिष्ठी सैन्यानां दशमे भाग  
 अेद्वे के, २१८७ छाथी, २१८७  
 २थ, ६५६१ घोडा, १०६३५ पाय-  
 दल नेमां होय ते. [ अन्याय.  
 अनीति, स्त्री. दुर्नीति, अन्याय.  
 अनीरमन, वि. विटायेकुं, वपेरेकुं.  
 अनीश, पु. विध्य. वि. उपरी-  
 धष्ठी-भावेक वगरतुं; नारितक.  
 अनीश्वर, वि. नारितक; अशक्त.  
 अनीह, वि. निश्चिष्ट, आणसु.  
 अनु, उपसर्ग छे, अेना अर्थ—  
 साथे, पाछण, वक्षण, सादरथ,  
 भागडीन, समीप अेवा थायछे.  
 अनुसरति, अनुगच्छति.  
 अनुक, वि. कामी, कामवाणी.  
 अनुकथन, न. कथन, रत्नापण,  
 पातथीत.  
 अनुकंपन, न. } दया.  
 अनुकंपा, स्त्री. } [ कल करवी ते.  
 अनुकरण, न. सदशीकरण, न-  
 अनुकंपण, न. आकंपण; मत्रथी देव-  
 ताअेने बोलाववा ते.  
 अनुकार, पु. सदशीकरण, नकल  
 करवी ते. [ कल करना.  
 अनुकारिन्, वि. सदशकारी, न-  
 अनुकूल, वि. हितप्रेम्भु, सहचर,  
 साथी; पश; कृपालु, भडेरथान.  
 पु. मनसा-नासा-कर्नलाअे प-  
 रणेकी स्त्रीनेन खडानार पुरुष.

अनुकूलता, स्त्री. } अनुक्षणपणुं.  
 अनुकूलत्व, न. } [ गोकवणु.  
 अनुक्रम, पु. पथा क्रम, पद्धति,  
 अनुक्रमण, न. अनुसरण, अेकने  
 नेधने भीलअे नचुं ते. [ कणियुं.  
 अनुक्रमणिका, स्त्री. श्रुतिपत्र, सां  
 अनुकोश, पु. द्या, कृपा, भमता.  
 अनुक्षण, अ. प्रतिक्षण, क्षणे क्षणे,  
 वारे वारे. [ स्वामी, पति.  
 अनुग, वि. याकर, सेवक. पु.  
 अनुगत, वि. आधीन, याकर, सेवक.  
 अनुगम्, अ. अनुसरने.  
 अनुगम, पु. } अनुकरण, अेकने ने  
 अनुगमन, न. } ध भीलअे करचुं ते.  
 अनुगमनीय, } वि. अनुकरण कर  
 अनुगम्य, } वायक.  
 अनुगवीन, पु.\* गोपाल, ग्याल,  
 गोवाण. [ याकर.  
 अनुगामिन, वि. सहचर, साथी,  
 अनुग्रहीत, वि. उपकार करेकुं.  
 अनुग्रह, वि. शांत, बंडु. [ ते; उपदेश.  
 अनुग्रह, पु. रवीकार, कभूल करचुं  
 अनुचर, पु. दास, नोकर, याकर, सेवक.  
 अनुचित, वि. अयोग्य.  
 अनुचितन, न. } विता-काणल क-  
 अनुचिता, स्त्री. } रवी ते. [ पवित्र  
 अनुच्छिष्ट, वि. अेहु नडीं ते, साईं,  
 अनुज, पु. कनिष्ठ भ्राता, नाने भाई,  
 वि. नानुं; पाछवथी ननेकुं.  
 अनुजीविन्, पु. दास, सेवक, याकर.  
 अनुज्ञा, स्त्री. आदेश, आसा, हुकम.  
 अनुज्ञापक, पु. आसा करनार,  
 यवा पाणनार.

अनुत्तपं, पु तृष्णु, धृञ्ठा, आशा,  
 तथा, तरस, दार पीवानु वासल  
 अनुत्ताप, पु पश्चात्ताप पस्तावो  
 अनुत्क, वि दृ ष, पीडा वगेरे-  
 भाथी दुरेक्षु  
 अनुत्कर्ष, वि उत्कर्ष वगरतु  
 अनुत्सेकिन, वि नत्र  
 अनुत्तम, वि अत्युत्तम, जेनाथी  
 भीष्णु सरस न होय तेतु  
 अनुदर, वि कृशाग, पाततु, सुकायतु  
 अनुदर्शन, न मनन, चित्तन, चित्तार  
 अनुदार, वि कृपणु, कृष्णस  
 अनुध्यान, न मनन, चित्तन, चित्तार  
 अनुध्वनि, पु प्रति वनि, पडधो आ  
 क्षाशवाणी, आकाशभा यतो शब्द  
 अनुनय, पु विनय, प्रणिपात  
 अनुनासिक, वि मोढा तथा नाक  
 जेठभाथी उच्चार यतो होय ते,  
 जेम डे, द अ, ए, न, म, वगेरे  
 अनुप, वि पाणीवाणु, सणल  
 अनुपकारिन्, वि कृतज्ञ, उपकार  
 न करनार अथवा माननार  
 अनुपहत, वि उपकार कर्थावगरतु  
 अनुपज, न अद्रक आहु. ०  
 अनुपतन, न पडतु ते, अनुसरतुते  
 अनुपदिन्, पु पगी, पगये पगने  
 शोध करनार [ जेडा.  
 अनुपदिना, स्त्री पाहुका, भडा,  
 अनुपम, वि निरुपम, उपमानगरतु  
 अनुपमा, स्त्री कुमुद नामना डा  
 थीनी स्त्री  
 अनुपमेय, वि उपमान अपाय जेषु  
 अनुपयुक्त, वि अयुक्त, गेरउपयोगी  
 अनुपयोग, पु निरुपयोगीपण

अनुपयोगिता, स्त्री अर्थता  
 अनुपरोध, पु अपक्षपार्त  
 अनुपसृत, वि कानु, अपूर्णु, सा-  
 द् कर्था वगरतु.  
 अनुपस्थायिन्, वि दूर, छेटे.  
 अनुपातक, न लुकु भोसतु, अलि-  
 चार, मोरी वगेरे मोडु पाप ५  
 रतु ते  
 अनुपान, न जे नीजनी भाथे मे  
 र्थीने ज्ञानउ भावामा आनतु  
 होय ते पथ्य, परेश  
 अनुपाय, वि उपायहीन, लाचार  
 अनुपार्श्व, वि आणुनो, तरदो  
 अनुपालन, न म्रत, धर्म वगेरे ये  
 गरीते पाणवा ते  
 अनुप्राक्त, पु शब्दानका, शब्द-  
 ० रवर वरुणी जे पुन पुन आरुति  
 यथा करे छे ते  
 अनुप्लव, पु शोभती, सङ्ग, दास,  
 चाकर  
 अनुवद, वि समझ, आधेनु, समधी  
 अनुवध, पु शङ्क-आत, आरभ, आण  
 क, अधन, अटकाव, स्थिति, दशा,  
 सभध, सगार्ध  
 अनुवधी, स्त्री डेडकी, तृषा, तरस  
 अनुवधिन्, वि दोरी अथवा उप-  
 कारथी आधेनु  
 अनुवल्, न पाछतु लसकर  
 अनुमय, पु अक्यास-अवरोजन  
 कर्थाथी भेजवेलु ज्ञान, अवयोक्तन,  
 तथास, प्रयोग, आक्यास, भावरो  
 दण, परिणाम  
 अनुमाघ, पु दृढ निश्चय भरापाशु  
 पराक्रम, अधिकारेतु तेण-भोटाध

अनुभूत, वि. ज्ञात, ज्ञानेयं; अनुभव दीधेयुं. [ मोटाक. ]  
 अनुभूति, स्त्री. अनुभव; प्रभाव,  
 अनुमत, वि. संमत, मंजूर; सुष-  
 ङ्कर, आनंददायक. पु. आशक.  
 अनुमति, स्त्री. संमति, अनुमोदन,  
 आज्ञा; शौचशना जेगवाणी पूनम.  
 अनुमरण, न. पतितुं शरीर न भ-  
 गतां तेनी पाधडी वगेरे वस्तु साधे  
 षणी भरवुं-सती यवुं ते.  
 अनुमा, स्त्री. अनुमान, तर्क, अटकण.  
 अनुमान, न. अनुमान, तर्क, अट-  
 कण; तुडना, सरभापणुं. [ पु.  
 अनुमानोक्ति, स्त्री. अटकणुं भाष-  
 अनुमार्दय, न. दया, अनुकंपा.  
 अनुमेय, वि. अनुमानथी सिद्ध क-  
 रवा लायक.  
 अनुमोद, पु. षीळने गुणे सुष्पी,  
 सुशी. [ नार.  
 अनुमोदक, वि. अभिप्राय आप-  
 अनुमोदन, न. अभिप्राय आपवो  
 ते, षीळने गुणे सुष्पी.  
 अनुयातृ, पु. सेवाती, साथी.  
 अनुयात्र, द्वे. सेवा, आहरी, षीळमत.  
 अनुयुक्त, वि. उपको दीधेयुं.  
 अनुयुग, न. युगानुसार, युगप्रमाणे.  
 अनुयोकृ, पु. परीक्षक, शिक्षक.  
 अनुयोग, पु. प्रश्न, सवाल; तिररकार;  
 भटेलु; उपको; यत्.  
 अनुयोगकृत, पु. आचार्य, शिक्षक,  
 गुरु, वेदादि शिष्यवनार.  
 अनुयोजन, न. प्रश्न, सवाल. [ यक.  
 अनुयोज्य, वि. निध, निदा करवा ला-  
 अनुरक्त, वि. प्रीतिपुक्त, आनंदी.

अनुरक्ति, स्त्री. प्रीति, आसक्ति.  
 अनुरंजक, वि. आकडादनक, म-  
 नोकर. [ श्री करवुं ते.  
 अनुरंजन, न. प्रीति करवी ते; पु-  
 अनुरंजित, वि. आनंदित.  
 अनुरणन, न. प्रतिध्वनि, पडपा;  
 आकाशवाणी. [ तिवाणु.  
 अनुरत्न, वि. अनुराग विशिष्ट, प्री-  
 अनुरस, पु. अप्रधान रस; कोष्ठ पणु  
 आश पदार्थ अथवा क्षणमां वरा  
 माधुर्यता होय ते. [ कांतवासनुं.  
 अनुरहस, वि. छानुं, जानगी, अ-  
 अनुराग, पु. अति प्रीति; रतास.  
 अनुरागवत्, वि. भाषणु, भमताणु,  
 प्रीतिवाणु.  
 अनुरागिणी, स्त्री. प्रीतिवाणी स्त्री.  
 अनुरागिन्, वि. अनुरागपुक्त,  
 आशक थयवो, प्रीतिवाणो.  
 अनुरागिता, स्त्री. आनुरागपणुं,  
 आशनाई, प्रीति.  
 अनुराधा, स्त्री. सतरमुं नक्षत्र.  
 अनुरद्ध, वि. शांत, थंड.  
 अनुरहा, स्त्री. वनस्प० नागरमोथा.  
 अनुरूप, वि. सदृश, आणेडुण;  
 लायक, योग्य, माकक. न. सरभा-  
 पणुं, समरूपता, अेकरूपता.  
 अनुरोध, पु. अनुवर्तन, षीळनी  
 भरल प्रमाणे आलवुं; स्वीकार.  
 अनुरोधिन, वि. षीळनी भरल  
 प्रमाणे आलनार; कपूल करनार;  
 शत्रु, विरोधी. [ कडेवुं ते.  
 अनुलाप, पु. मुडुर्लापा, चारचार  
 अनुलापित, वि. तुष्ट, तुष्ट.  
 अनुलास्य, पु. मयुर, मोर.

अनुत्पर्ष, पु. तृष्णा, ईर्ष्या, आशा;  
 तृषा, तरस; दार पीवानुं वासपु.  
 अनुताप, पु. पश्चात्ताप, परतापो.  
 अनुत्क, वि. दुःख, पीडा वगेरे-  
 भाधी छुट्टेकुं.  
 अनुत्कर्ष, वि. उत्कर्ष वगरनुं.  
 अनुत्सेकिन, वि. नम्र.  
 अनुत्तम, वि. अत्युत्तम, जेनाथी  
 भीजुं सरस न होय तेनुं.  
 अनुदर, वि. कृशांग, पातलु, सुकायपु.  
 अनुदर्शन, न. मनन, चिंतन, विचार.  
 अनुदार, वि. कृपणु, कंजुस  
 अनुध्यान, न. मनन, चिंतन, विचार.  
 अनुध्वनि, पु. प्रतिध्वनि, पडघो; आ-  
 काशवाणी, आकाशमां यतो शब्द.  
 अनुनय, पु. विनय, प्रणिपात.  
 अनुनासिक, वि. मोटा तथा नाक  
 जेठमांथी उच्चार यतो होय ते,  
 जेम के, ह अ, लु, न, म, वगेरे.  
 अनुप, वि. पाणीवाणु, सजल.  
 अनुपकारिन, वि. कृतज्ञ, उपकार  
 न करनार अथवा माननार.  
 अनुपकृत, वि. उपकार कर्थावगरनुं.  
 अनुपज, न. अद्रक, आहु. ०  
 अनुपतन, न. पडकुं ते, अनुसरनुं ते.  
 अनुपदिन, पु. पगी, पगले पगले  
 शोध करनार. [ जेडा.  
 अनुपदिना, स्त्री. पाहुका, भडा,  
 अनुपम, वि. निरुपम, उपभावगरनुं.  
 अनुपमा, स्त्री. कुमुद नामना छा-  
 थीनी स्त्री.  
 अनुपमेय, वि. उपमा न अपाय जेकुं.  
 अनुपयुक्त, वि. अयुक्त, गेरुपयोगी.  
 अनुपयोग, पु. निरुपयोगीपणु.

अनुपयोगिता, स्त्री. व्यर्थता.  
 अनुपरोध, पु. अपक्षपार्त.  
 अनुपस्कृत, वि. कानुं, अपूर्णु; सा-  
 ई कर्था वगरनुं.  
 अनुपस्थान, वि. दूर, छटे.  
 अनुपातक, न. गुडु जोलकुं, अवि-  
 चार, चोरी वगेरे मोहुं पाप क-  
 रनुं ते  
 अनुपान, न. जे चीजनी साथे मे-  
 र्दवीने आपड भावामां आवतुं  
 होय ते; पथ्य, परेछ.  
 अनुपाय, वि. उपायहीन, लाचार.  
 अनुपार्श्व, वि. आलुनो, तरङ्गो.  
 अनुपालन, न. प्रत, धर्म वगेरे यो  
 ग्यरीते पाणवा ते.  
 अनुप्रास, पु. शब्दाङ्कार, शब्द-  
 • स्वर-वर्णनी जे पुन. पुनः आवृत्ति  
 यथां करे छे ते.  
 अनुप्लव, पु. सोभती, सङ्कर; दास,  
 साकर.  
 अनुपल, वि. सजल, आधेयुं; सजधी.  
 अनुबंध, पु. शब्दात्, आरंभ; आण-  
 क; अंधन, अटकाव; स्थिति, दशा,  
 संबंध, सगार्थ.  
 अनुबंधी, स्त्री. देडकी; तृषा, तरस.  
 अनुबंधिन, वि. होरी अथवा उप-  
 कारधी आधेयुं.  
 अनुबल, न. पाछु लशकर.  
 अनुभव, पु. अभ्यास-अवलोकन  
 कर्थांथी भेजनेकुं ज्ञान; अवलोकन,  
 तपास, प्रयोग; अभ्यास, भावरो,  
 इण, परिणाम.  
 अनुभाव, पु. दृढ निश्चय; भरापणुं;  
 पराक्रम; अधिकारनुं तेज-मोटाई.

अनुभूत, वि. जान, लक्षेयुः; अनु-  
भव दीधेयुः. [ भोटाई.  
अनुभूति, स्त्री. अनुभव; प्रभाव,  
अनुमत, वि. संमत, गंभीर; शुभ-  
कारक, आनंददायक. पु. आराक.  
अनुमति, स्त्री. संमति, अनुमोदन;  
आज्ञा; यौदशना जेववाणी पूतम.  
अनुमरण, न. पतितुं शरीर न म-  
लतां तेनी पाधडी वजेरेवस्तु याये  
वणी भरवुं-सती यवुं ते.  
अनुमा, स्त्री. अनुमान, तर्क, अटकण.  
अनुमान, न. अनुमान, तर्क, अट-  
कण; तुडना, सरण्यापणुं. [ पु.  
अनुमानोक्ति, स्त्री. अटकणुं लाप-  
अनुमार्दव, न. दया, अनुकंपा.  
अनुमेय, वि. अनुमानधी सिद्ध क-  
रेवा लायक.  
अनुमोद, पु. भीजने शुभे सुभी,  
शुशी. [ नार.  
अनुमोदक, वि. अभिप्राय आप-  
अनुमोदन, न. अभिप्राय आपवे  
ते, भीजने शुभे सुभी.  
अनुयातृ, पु. शोभती, साधी.  
अनुयात्र, स्त्री. सेवा, याकरी, भीजमत.  
अनुयुक्त, वि. उपडे दीधेयुं.  
अनुयुग, न. युगापुरसार, युगप्रमाणे.  
अनुयोतृ, पु. परीक्षक, शिक्षक.  
अनुयोग, पु. प्रश्न, सवाल; तिररकार;  
भदेयु; उपडे; यत्र.  
अनुयोगकृत, पु. आचार्य, शिक्षक,  
शुरु, वेदादि शिष्यनार.  
अनुयोजन, न. प्रश्न, सवाल. [ यक.  
अनुयोज्य, वि. निध, निदा करवा ला-  
अनुरक्त, वि. प्रीतिशुभ, आनदी.

अनुरक्ति, स्त्री. प्रीति, आसक्ति.  
अनुरंजक, वि. आदृष्टानक, म-  
नोकर. [ श्री करवुं ते.  
अनुरंजन, न. प्रीति करवी ते; पु-  
अनुरंजित, वि. आनदित.  
अनुरणन, न. प्रतिध्वनि, पडया;  
आकाशवाणी. [ तिवाणुं.  
अनुरत, वि. अनुराग विशिष्ट, प्री-  
अनुरस, पु. अप्रधान रस; कोष्ठ पावु  
भाटा पदार्थ अथवा इणमं वरा  
माधुर्यता होय ते. [ कांतवारणुं.  
अनुरहस, वि. छानुं, आनगी, अ-  
अनुराग, पु. अति प्रीति; रतास.  
अनुरागवत्, वि. मायाणु. भमताणु.  
प्रीतिवाणुं.  
अनुरागिणी, स्त्री. प्रीतिवाणी स्त्री.  
अनुरागिन्, वि. अनुरागयुक्त,  
आराक थयवे, प्रीतिवाणे.  
अनुरागिता, स्त्री. आनुरागपाणुं,  
आशनाई, प्रीति.  
अनुराधा, स्त्री. सतरमुं नक्षत्र.  
अनुसक्त, वि. शांत, थंडुं.  
अनुसहा, स्त्री. वनस्पत नागरमोथा.  
अनुरूप, वि. सदृश, आभेदुण;  
लायक, योग्य, भाकक. न. भरभा-  
पणुं, समरूपता, अेकरूपता.  
अनुरोध, पु. अनुवर्त्तन, भीजनी  
भरथ प्रमाणे याववुं; स्वीकार.  
अनुरोधिन, वि. भीजनी भरथ  
प्रमाणे यावनार; इत्युव करनार;  
शत्रु, विरोधी. [ कहेवुं ते.  
अनुलाप, पु. मुहुर्लीला, वारवार  
अनुलापित, वि. तुष्ट, तुष्ट.  
अनुलास्य, पु. भयुर, भोर.

अनुलिप्त, वि. लगाउं, बोपडेउ.  
 अनुलेप, पु. } शरीरने अदनादि  
 अनुलेपन, न. } सुगंधी लगाउपी  
 ते, उटलु वगेरे. [ वलुंसकर.  
 अनुलोम, वि. यथाक्रम, अनुक्रमे,  
 अनुलोमत-जन्मन, वि. उंय वलुंन  
 पुरुषधी पोताधी उतरता वलुंनी  
 श्रीने थयधुं संतान, वलुंसंकर.  
 अनुवचन, न. सङ्गपदेश, प्रतिवचन.  
 अनुवत्सर, पु. वर्ष, व रस, सवत्सर.  
 अनुवर्तन, न. अनुरोध; परिष्ठाभ  
 उवट; संतोष पभाउवे ते.  
 अनुवाक, पु. वेदांश, वेदनो भाग.  
 अनुवाक्या, स्त्री. वेदिकस्तोत्र.  
 वेदभंत्र.  
 अनुवाद, पु. इत्सितार्थ वाक्य; सु-  
 दुर्भाषा, वारवारं बोलवुं ते.  
 अनुवादक, वि. भाषणु करनार.  
 अनुवारम्, अ. पुनःपुनः, वा-  
 रवार.  
 अनुवास, पु. } गंध, उटलु; सु-  
 अनुवासन, न. } वागिक करवुं ते.  
 अनुवृत्ति, स्त्री. अनुरोध शब्दलुञ्जो;  
 नकव, अनुकरणु.  
 अनुवेश, पु. प्रवेश, भोग्याभाङ्गना प-  
 देलां नाना भाङ्गनां लभ गवां ते.  
 अनुव्रजन, न. पोताने त्यां अर्-  
 वेथे परेणो लभ त्तारे सत्कार-  
 पूरुंके तेनी साथे थोडेसूधी आ-  
 लडु ते. [ विरिता, लुनी शनुता.  
 अनुशय, पु. पश्चात्ताप, भेद, प्रथं  
 अनुशर, पु. राक्षस, दैत्य.  
 अनुशस्त्र, न. उपशस्त्र

अनुशासक, वि. कायदा करनार  
 अधिकारी-अमलदार.  
 अनुशासन, न. आदेश, आशा,  
 हुंक्रम, कायदो, कानून.  
 अनुशासितृ, वि. कायदा करनार.  
 अनुशिष्ट, पु. शिष्य, बेटो.  
 अनुशीलन, न. वारवार याद करवुं ते.  
 अनुशोक, पु. मनस्ताप, शीकर,  
 पृथात्ताप, भेद. [ करनार.  
 अनुशोचक, वि. भेद-पश्चात्ताप  
 अनुशोचन, न. शोक, दुःख, अगु-  
 शोक शब्द लुञ्जो.  
 अनुशोचित, वि. दुःणी, भेदयुक्त.  
 अनुशय, वि. वेदिक; लुद्धिमान.  
 अनुपग, पु. दया, संबन्ध, सभागम;  
 प्रणाश, कार्य कारणु संबन्ध.  
 अनुपंगिक, वि. कार्य कारणु संबन्धी,  
 थनार परिष्ठाभने अनुसरनार.  
 अनुपुम्, (पु) स्त्री. आड अक्षरवा-  
 णा छटतु नाम, सरस्वती.  
 अनुष्ण, वि. शीतण, आणमु. न.  
 पक्ष, कभण.  
 अनुष्ठान, न. कर्मोत्तम; दोम हवन  
 वगेरे कर्मो करवाने प्रवृत्त यवुं ते.  
 अनुष्ठित, वि. समारब्ध, शरु करेणु.  
 अनुसंधान, अनुवेपण, तपाश, शो-  
 धन, बेष.  
 अनुसरण, न. गृहशीकराणु; वर्तन;  
 परिष्ठाभ, उवट.  
 अनुमार, पु. रीति, पद्धति; निष-  
 म, परिष्ठाभ [ शूच्यनार.  
 अनुसूचक, वि. सूचना करनार,

अनुस्मृ, गु. १. याद करतुं संभारतुं.  
 अनुस्वार, पु. जिह्व. (.) अक्षरगी  
 उपर गीह्वं भूक्षय छे, ज्येतो  
 उन्वार नाकमांथी गायछे. [पभा.  
 अनुहार, पु. सदृशीकरण, नक्षत्र; उ-  
 अनुहार्य, न. भासिकथाक्ष.  
 अनुक, पु. जतजन्म, पूर्वजन्म.  
 न. कुण; स्वभाव, शील.  
 अनुद, वि. अविवाहित, वादो, कु-  
 वाशे. स्त्री. (दा) कुमारी, अवि-  
 वाहिता. [साधक.  
 अनूद्य, पु. यु३. वि. नाम न लेवा  
 अनून, } वि. अनिश्चित, समग्र,  
 अनूनक, } धनुं, सधनु [पु. पाठो.  
 अनूप, वि. सज्जन, पाणीवाणु.  
 अनूपज, न. अद्रक, आहु. [ कनार.  
 अनूर, पु. सूर्यनो सारथि-रथ दां-  
 अनूरसारथि, पु. मयं.  
 अमृलु, वि. पक, वांहु. [ करपी ते.  
 अमृत, न. मिथ्या, असत्य; ज्येती  
 अनृतवादिन्, वि. लुहुं; लुहुं वा-  
 लनार, असत्य भाषिन.  
 अमृतोद्य, न. असत्य, जोटाइं लुहुं.  
 अनेक, वि. अनेक, लोकपी वधादे,  
 अनेकज, पु. पक्षी. [ पुष्कण  
 अनेकता, स्त्री. पुष्कणपलु.  
 अनेकप, पु. दस्ती, हाथी.  
 अनेकपा, स्त्री. हाथपी.  
 अनेकविध, वि. धणीरीते-प्रकारे.  
 अनेकशफ, वि. काटेही भुरीवाणु;  
 द्विशक.  
 अनेकशस्त्र, अ. अनेक प्रकारे. [पथी  
 अनेकाकर, वि. अनेकइये, धनु ३-  
 अनेक, वि. निर्दोष, निष्पापी.

अनेहस्त, पु. गमय, वधत, काण.  
 अनेकांत, वि. संयण, अस्थिर.  
 अनेस्य, वि. अनित्य, क्षणी.  
 अनो, अ. निषेधार्थ, नहीं, ना.  
 अनोकह, पु. पृक्ष, जाड.  
 अनोकृत, वि. नाकभूव करेणुं.  
 अंत, पु. नाश; मरण; उद, सीमा.  
 न. स्वइप, निश्चय.  
 अंतःकरण, न. स्वांत, उदय.  
 अंतःपट, पु. विवाह वधते वरक-  
 न्यानी आटे ने वसने पडदा करेछे  
 अंतःपातिन्, वि. मध्यवर्ती, वयतुं. [ति.  
 अंतःपुर, न. शुद्धांत; रजुवास, रा-  
 षीओ वगेरे पडदाभां रडेनारी  
 श्रीओनी रडेवाणी जगा. [दारी.  
 अंतःपुरचरा, स्त्री. परिचारिका,  
 अंतःप्रकृति, स्त्री. अत करण, हील,  
 अंतःप्रज्ञ, वि. आत्मजानी. [ मन.  
 अंतःशरीर, न. आत्मा; अंतःकरण,  
 अंतःसत्वा, स्त्री. अतरापत्या, गर्ल-  
 अंतःस्वेद, पु. उस्ती, हाथी [पती.  
 अंतक, पु. धर्म, धर्मराज्य.  
 अंतकर, वि. द्विसक. लव लेनार.  
 अंतकाल, पु. मरणनो वधत.  
 अतग, वि. अवसानप्राप्त, मरेहु.  
 अंततस्त्र, अ. अंते, छेवटसंधी.  
 अंतर, अ. वयभांतुं, मध्यतुं, स्वीकार.  
 अंतर, न. मध्यप्रदेश, सीमा, उद,  
 आच्छादन, डांकलुं; छीद्र; लव.  
 अंतरा, अ. मध्यभागे; विना, वगर.  
 अंतरात्मन्, न. लव, प्राण, मन,  
 अतःकरण.  
 अंतरंग, वि. मनभांतुं, गीतांतुं.  
 अंतरगता, स्त्री. भिन्नता, दोस्ती.



अतरतम, वि. धलुं पागेनुं, संभवनुं.  
 अंतरता, स्त्री. दूरता, भिन्नता.  
 अंतरापत्या, स्त्री. अंतःसत्या शब्द  
 अंतराय, पु. विघ्न, उरकत. [ लुञ्जो.  
 अंतरिक्ष, न. आकाश, आसमान.  
 अंतरित, वि. भरेदु; शुभावेधुं; संता-  
 अंतरीप, पु. द्वीप, टापू, जेट. [ रिङ्गुं.  
 अंतरे, अ. मध्ये, वयमां. [ वारते.  
 अंतरेण, अ. विना, वगर; भाटे,  
 अंतर्गडु, वि. गेरकापदानुं.  
 अंतर्ज्वलन, न. मनोदुःख, दिकर,  
 अंतर्दहन, न. अर्ककाळाडुं ते. [ यिता.  
 अंतर्द्वार, न. चार दरवाजे.  
 अंतर्धा, स्त्री. { तिरोधान, संतार्ध  
 अंतर्धान, न. } लुं ते. [ करतुं ते.  
 अंतर्ध्यान, न. अतःकरणुमां ने ध्यान  
 अंतर्ध्यामिन, वि. अतःकरणुमां शोध  
 करना. पु. ध्वर; श्व; मन.  
 अंतर्लापिका, स्त्री. वाक्यमां अक्षरे  
 अनी रीते गोठवेला होय के ते-  
 मांथी थोडा अक्षरे लक्ष्ये तो  
 भीले अर्थ निकणे. [ लुञ्जो.  
 अंतर्वल्ली, स्त्री. अतःसत्या शब्द  
 अंतर्वमि, पु. अशुभुं रोग.  
 अंतर्वेदी, स्त्री. जंगल अने यमुना  
 नदी वन्धेना देश, अने दुष्वाण  
 कडेछे. [ भारी.  
 अंतर्वेदिमक, पु. अंत पुरनो कार-  
 अंतर्हास, पु. दुपलुं, अभिमान,  
 गर्व. वि. मनमां उमनार.  
 अंतर्हित, वि. अदर्श, शुभ.  
 अंतवत्, वि. नाशवत्.  
 अतवासिन, { पु. शिष्य, वेदो;  
 अंतायसायिन, } अंडाण, उवम.

अंतशय्या, स्त्री. भरणु; भरणु प-  
 थारी; श्मशान.  
 अंतस्थ, वि. युम. अंकरनुं.  
 अंति, स्त्री. मोटी गढेन ( नाटकमां ).  
 अ. पासे, समीप.  
 अंतिक, न. समीप देश.  
 अंतिका, स्त्री. सुहयो; मोटी गढेन  
 ( नाटकमां ). वनस्पति शिकाकार्थ.  
 अंतिकात्, अ. अभिमुभ, सामे.  
 अंतिके, अ. निकट. पासे. [ पासेनुं.  
 अंतिम, वि. शेप; छेवटनुं, अति  
 अंतैवासिन, पु. शिष्य; अंडाण.  
 अंत्य, पु. अंडाण; नागरमोथ; अ-  
 त्यनामनी सोणभी सध्या. अेक,  
 दश, सो, उवन्तथी गलुतां.  
 अंत्यकर्मन, न. उत्तर क्रिया.  
 अंत्यज, पु. दुद्र, घोषी, बिल,  
 कोशी वगेरे सात प्रकारनामानो  
 कोर्थ अेक.  
 अंत्यम, न. भीन राशि; देवती नक्षत्र,  
 अंत्योष्टि, स्त्री. भरनारनी पाछण तेर  
 दिवस सुधी पिंडदान वगेरेनी  
 थती क्रिया.  
 अंत्र, न. आंतरडां. [ उडी.  
 अंत्रवृद्धि, स्त्री. अंतर्गणतुं रोग; डे-  
 अंत्राद्, पु. उदरकीट, पेटनी अद-  
 रनी श्वात. [ गडणडाट.  
 अंत्रकूज, पु. उदर शब्द, पेटमां थतो  
 अंत्रिका, स्त्री. अतिका, सुलो.  
 अंडु, स्त्री. { नूपुर ( अंऊर ) ना नेतुं  
 अंडुक, पु. } स्त्रीअाना पगनु धरेलु;  
 हाथीनी पगे थांधवानी सांडण.  
 अंध, ग. १० आधण थतु, अंधाणे  
 आवणे.

अंध, न. अंधकार, अंधार; उदक,  
पाणी. वि. अंधगो.  
अंधक, पु. अंधकदेश, दाक्ष अने  
गिरार प्रांत कडेछे; रात-भुनि-  
अने अभुरनुं नाम छे. [सुभं-  
अंधकरिपु, पु. भडादेव; अमि; अंध;  
अंधकार, उ. अंधार.  
अंधता, स्त्री. अंधागो.  
अंधतामित्र, न. अत्यंत अंधकार;  
अेकवीस नई भाडेवा अेकनुं नाम.  
अंधत, न. अंध; भात, रांधेवा धापा.  
अंधिका, स्त्री. रातांधगापलुं; लुभार;  
राधेनी अेक वत; रांधेवनी अेक  
अंधु, पु. इंध, इंधो. [वत.  
अंधुल, पु. राधेनुं आठ.  
अंध, पु. तेवगणु देश; शिक्षारीपारधी.  
अन्ध, पु. रांधे, रांधेवा भात, भा-  
वाना पदार्थ. [गदी.  
अन्धकूट, पु. अन्धराशि, अन्धते ६-  
अन्धकोष्ठ, न. डोडार, डोडी.  
अन्धगंधि, पु. अन्धगंधेन, अति-  
गार, अन्धगंधी. [पुष्पी.  
अन्धजल, न. अन्धोदक, अन्ध अने  
अन्ध, वि. अन्ध देनार-आपनार.  
अन्धदा, स्त्री. पार्वती, दुर्गादेवी.  
अन्धमाशन, न. आगकने प्रथम अन्ध  
अंधराधनुं ते, जोराणु.  
अन्धपूर्णा, स्त्री. अन्ध पुई पाठनार  
देवी, पार्वती, दुर्गा.  
अन्धरत्न, पु. भात, शुद्ध, रेत.  
अन्धविकार, पु. शुद्ध; भग.  
अन्धद, वि. अन्धभक्षक. पु. विष्णु.  
अन्धाविन्, वि. शुभुशु, शुधातुर, भांधो.  
प

अन्ध, वि. पर, पारडे, णीले. स्त्री.  
(न्या) उरडा.  
अन्धगामिन्, वि. अन्धगारी.  
अन्धत्, वि. णीलुं.  
अन्धतम, वि. अन्धतम, अन्ध, लुहुं.  
अन्धतर, अ. अन्धप्रकारे, णीलरीत.  
अन्धतर, वि. जेभांधी अेक.  
अन्धत्र, अ. अन्धरिगन्, णीले ठेकाणे.  
अन्धघा, अ. विपरीत, परांध; दुध;  
लुकांधी. [ध्या भावना.  
अन्धघारयाति, स्त्री. आत्माणी भि-  
अन्धदा, अ. कावान्तरे, णील वधते.  
अन्धदीप, वि. पारकाणुं, णीलनुं.  
अन्धपुष्ट, स्त्री. डोडिल-डोडिलपशी.  
अन्धपूर्णा, स्त्री. अेकणी रांधे विनाड  
(वाग्दान) करी णीलने परणुवेडी  
कथा.  
अन्धभृता, स्त्री. डोडिल, डोडिल. (अेधुं  
कडेवाय छे डे, कागडे डोडिलना  
छेडा उपर जेभी तेने सेवे छे.)  
अन्धयादिन्, वि. दंग धडावगरनुं  
जोडनार, (न्यापमां).  
अन्ध्याय, पु. अन्धिति, नीतिभार्ज  
छोडीने आपधुं ते; लुधम. [नार.  
अन्ध्यायिन्, वि. दुर्दृष्ट, अन्ध्याय कर-  
अन्ध्याय, वि. अनुचित, अयोग्य.  
अन्धयून, वि. संभुलुं. [जे दडाटे.  
अन्धेद्युत्, अ. परेधु; अेकांतरे, णी-  
अन्धेद्युष्क, पु. अेकांतरीओ ताव.  
अन्धोन्ध, वि. उभापत; पररपर.  
अन्धश्, वि. देधीतुं. [नार.  
अन्धज्व, वि. पश्चाद्भागी, पाठण  
अन्धय, पु. वंश, इण; परतो योग्य  
अंधंध.

અન્વયજ્ઞ, પુ. કુલાચાર્ય, પેઢી જ્ઞણુ-  
નાર. (ભાટવગેરે.)

અન્વચાય, પુ. વશ, પેઢી, સંતતી.  
અન્વચેક્ષા, સ્ત્રી. ધ્યાન, લક્ષ; રાહા  
જેવી તે.

અન્વષ્ટકા, સ્ત્રી. માગસર, પૌષ,  
માહા, ફાગણ અને ભાદરવા મ-  
હીનાની વદ ૯ ને દીને માતાનું  
શ્રાદ્ધ કરવામાં આવે છે તે.

અન્વહ, અ. નિત્ય, હમેશ.

અન્વાચય, વિ. સંયુક્ત, મળેલું; અ-  
ન્વય-જોડણી કરનાર.

અન્વાધિ, પુ. પ્રતિનિધિ; અનામત  
મુકેલી વસ્તુ; જ્ઞમીનગીરી.

અન્વાધેય, ન. લક્ષ યથા પછી મર-  
ના સગાંવહાલાંઓ તરફથી કન્યાને  
અપાતા ધરેણાં પૈસા વગેરે.

અન્વાયતન, વિ. પહોળું.

અન્વારોહણ, ન. પતિના શય સાથે  
અથવા પાછળથી સતી થવું તે.

અન્વાસન, ન. અનુશોચન, પશ્ચાત્તા-  
પ; દુઃખ, કષ્ટ, શિક્ષપાદિ મૃહ,  
કારખાતું; ચાકરી, નોકરી.

અન્વાહાર્ય, ડ. માસિકશ્રાદ્ધ, મર-  
નારની પાછળ એક વરસ મુધી  
દરમાસે શ્રાદ્ધ થાય છે તે.

અન્વાહિક, વિ. શેજવું, હમેશાનું.

અન્વાહિત, પુ. ખીજ માણસને  
આપવાને માટે અનામત રાખેલું  
હોય તે.

અન્વિત, વિ. યુક્ત, મળેલું.

અન્વિષ્ટ, વિ. અન્વેષિત, શોધેલું.

અન્વીત, વિ. યુક્ત, મળેલું.

અન્વીક્ષણ, ન. } શોધ, તપાસ; મુ-  
અન્વીક્ષા, સ્ત્રી. } વિચાર, વિકલ્પ.

અન્વેષણ, પુ. શોધ, તપાસ.

અન્વેષિન્, } વિ. અનુસંધાથી, શોધ  
અન્વેષ્ટ, } કરનાર.

અપ્, સ્ત્રી. જળ, પાણી, આપ.

અપ, અ. ઉપસર્ગ છે; નીચે; દૂર;  
નકારે, નીચ, અધમ; ઉલટું;  
ત્યાગ, વિયોગ. [ કરવું તે.

અપકરણ, ન. અનિષ્ટકરણ, ખરાબ

અપકર્તૃ, વિ. શત્રુ, અનિષ્ટ કરનાર.

અપકર્મન્, ન. દુષ્ટિક્રિયા, ખરાબ  
કામ, બળાત્કાર, જુલમ. [ વૈર.

અપકાર, પુ. અનિષ્ટ, તુકશાન; દ્વેષ,

અપકારિન્, વિ. અપકાર કરનાર.

અપકીર્તિ, સ્ત્રી. અપવશ, બદનામી.

અપકૃષ્ટ, વિ. અધમ, નીચ, પા-  
મર, ખરાબ.

અપકૃષ્ટતા, સ્ત્રી. અધમ-નીચપણું.

અપક્વ, વિ. કાલું, પાકવા ઉપર ન  
આવેલું. [ નિર્લેસનાં.

અપક્વોશ, પુ. નિંદા, બદનામી,

અપક્ષ, વિ. વિપક્ષ, પ્રતિકૂલ, શત્રુ.

અપક્ષતા, સ્ત્રી. વૈર, શત્રુત્વ.

અપક્ષય, પુ. નાશ, ખરાબાદી.

અપક્ષિત્ત, વિ. નીચે નાખેલું.

અપક્ષીણ, વિ. વિનષ્ટ, નાશ પામેલું.

અપગત, વિ. મૃત, મરેલું; ગયલું.

અપગમ, પુ. પલાયન, સંબંધ છોડીને  
નાશી જવું તે; મૃત્યુ પામવું તે.

અપગા, સ્ત્રી. આપગા, નદી.

અપઘન, પુ. અવયવ, શરીરના ભાગ.

અપઘાત, પુ. હત્યા. [ ખુની.

અપઘાતિન્, વિ. હત્યા, મારનાર,

अपचय, पु. क्षति, तुक्शान, नाश.  
 अपचायित, वि. पूछत, आदरमान  
 आपेवु. [ अपराध, गुन्हे;  
 अपचार, पु. अछुर्छु रोग; मृत्यु;  
 अपचिति, स्त्री. नाश, तुक्शान;  
 सत्कार, आदर; व्यय, भय; दान.  
 अपची, स्त्री. कंठमांसानो रोग.  
 अपचीयमान, वि. नाशकारक.  
 अपचेतु, पु. व्यथशील, उडालि. ।  
 अपटी, स्त्री. वस्त्र, पडदो, कनात.  
 अपटीक्षेप, पु. पडदो भसाडीने रग-  
 भूमी (रटेण) उपर आववुं ते.  
 अपट्ट, वि. अनाडी, लड, रोगी.  
 अपत्य, न. संतान, भाल भय्यां  
 अपत्यविक्रयिन्, पु. पोताना सता-  
 नने वेचनार पुरप.  
 अपत्यशत्रु, पु. भेकडो करयलो; नाग,  
 अे पोताना भय्याने भाई नयछे.  
 अपत्रप, वि. निर्दलण, भेशरभ  
 अपत्रपिण्यु, वि. सरभाव.  
 अपथ, वि. सरीआभ रस्तावगरनो.  
 पु. आडो रस्तो, दुर्गम रस्तो.  
 अपथ्य, वि. रोगने वधारनार ( तेव  
 अराश वगेरे. )  
 अपद, वि. पगवगरनो; स्थान-डे-  
 डाला वगरतु. पु. सर्पनी अेक नत.  
 अपदेवता, स्त्री. पिशाच वगेरे  
 अपदेश, पु. आति, यश; कपट, छल;  
 प्रशसा, वआणु; निशान; वेध, रोग.  
 अपद्रव्य, न. भविनपणुं.  
 अपध्यान, न. दुश्चितन, अराय विचार.  
 अपध्वंस, पु. मानलग, अनादर,  
 अपमान.

अपनय, पु. } अंडन; भरण; पाछुं  
 अपनयन, न. } लेवुं; करणभांधी मुअ  
 थुं.  
 अपनस, वि. नकटो, नाक वगरनो.  
 अपनाम, पु. निद सयक नाम, अ-  
 राय नाम.  
 अपनुत्ति, स्त्री.-द,-नोद, पुं. नोद-  
 न, न. पाछुं लेनार अथवा भेक-  
 लनार; प्रायश्चित्त करवुं ते; इरी-  
 करणु, इर करवुं ते; अंडन, तो-  
 डवुं ते.  
 अपपात्रित, वि. नात-अत अडार.  
 अपमापण, न. दुर्वाक्य, अराय शब्दो.  
 अपमी, वि. निर्भय, धास्तीवगरवुं.  
 अपभ्रंश, पु. अशुद्ध भाषा, अेक भा-  
 षाभांधी भीलभां कांईक इपांतरथी  
 दाभव ययलो शब्द.  
 अपम, पु. कांति, यमक. वि. छेवुं.  
 अपमर्श, पु. स्पर्श. [ नलंज.  
 अपमान, पु. अपसा, अपमान, भा-  
 अपमानिन्, वि. मानहीन, अपमान  
 करेवु. [ यक.  
 अपमान्य, वि. अपमान करवा ला-  
 अपमित्यक, न. ऋणु, करण.  
 अपमृत्यु, पु. अपधात भरणु. कांई  
 पणु रोग अथवा वृद्धावस्था शि-  
 वाय ययवु भरणु.  
 अपयशस्, न. अपतीति, अदनामी.  
 अपयान, न. पलायन, लागी-नाशी  
 वरुं ते. [ स्त्री. (रा) पश्चिम दिशा.  
 अपर, वि. धतर, अन्य, भीलुं.  
 अपरंच, अ. पुनरपि, इरीथी.  
 अपरता, स्त्री. विरुद्धता. [ राम.  
 अपरति, स्त्री. निवृत्ति, विरति, वि-

अपांगक, पु. अधाडो, आंभनो  
 अडारनो भूणो. वि. अगडीन.  
 अपाची, स्त्री. अवाची, दक्षिण दिशा.  
 अपाचीन, वि. दक्षिण, विपरीत.  
 अपाटव, न. रोग; भूभांड.  
 अपाटव, वि. अपठनीय, न ललु-  
 वालायक. [लायक.  
 अपात्र, न. कुपान, दान न करवा  
 अपात्रीकरण, न. अयोग्य वर्तन,  
 जेभ के धाडणु थडने शुद्रनी या-  
 करी करवी ते.  
 अपादान, न. पांचमी निभक्तिनो  
 अर्थ छे, जेभ के धरमांथी नीक-  
 ल्यो, अर्ही धर जे अपादान छे.  
 अपान, उ. शुद्धार, गांड; शुद्धारे  
 पवननुं छूटुं ते. [हेवता.  
 अपानाथ, पु. समुद्र, सागर; वरुण  
 अपाप, वि. निष्पापी. [हेवता.  
 अपापति, पु. समुद्र, सागर; वरुण  
 अपापित्त, न. अग्नि; चित्रकनुं आड.  
 अपापिन, वि. निष्पापी.  
 अपामार्ग, पु. वनस्प० अधाडो.  
 अपाय, पु. अपकार, अपकृति, वि-  
 श्लेष, लुटार्थ, पलायन, लोंगी ज-  
 वुं; यात्रा, प्रयाण; मृत्यु.  
 अपार, वि. अपार, पार वगरनुं. न.  
 नदी वगेरेने पेलेपार-सामेपार.  
 अपारक, वि. अशक्य, नाथार. [थिक.  
 अपार्थ, वि. अर्थ, निरूपयोगी, निर-  
 अपावृत्त, वि. स्वतन्त्र, स्वच्छदी;  
 आच्छादित, ढांडेपु, भुपु, डाडी  
 मुडेपु. [डिहाड, भुपु.  
 अपावृत्त, वि. आच्छादन रहित,

अपाश्रय, पु. आंगण वगेरेभां भेस-  
 वाभाटे पाथरवानी जगम, शेत्र-  
 छ वगेरे. वि. अनाथ, दीन.  
 अपासंग, पु. आणु-तीर राभवानो  
 अपासन, न. भारलु, वध, भुन [भाथो.  
 अपासरण, न. गमन, जवुं ते.  
 अपासृत, वि. गडिगत, गयपुं, गत.  
 अपास्त, वि. उडावेळुं, ईकेळुं,  
 अपि. उपसर्ग छे; आडरलु, छी-  
 नवी लेवुं; यथेच्छाचार; निदा;  
 सभावना; अनुसा; अल्पत्व, प्रश्न,  
 राका, जेव; वा, अथवा; अपि,  
 पणु; सत्य, य. [लेवुं.  
 अपिर्गण, वि. स्तुति करेपु, वभा-  
 अपिच, अ. जेव, आरीते; य, अ-  
 थवा, अपर्यय, भीळुं पणु.  
 अपिच्छल, वि. स्वच्छ, निर्मल, साक.  
 अपित्त, अ. किंतु, यद्दि; यद्यपि, अ-  
 गरले. [जीलोथी न भजेपुं.  
 अपितृक, वि. पोते पेदा करेपु, व-  
 अपिधान, न. ढांडकलु; अंतर्धान.  
 अपिष्ठान, वि. निष्कपट, नीतिमान.  
 अपीव्य, वि. अति मुंदर.  
 अपुच्छ, वि. पुछडी वगरनुं.  
 अपुत्र, वि. पुत्रवजरनुं.  
 अपुनर्मव, पु. निर्वाणमुक्ति, जन्म-  
 भरलुथी छुटुं ते. [नर्डी ते.  
 अपुराण, वि. अर्वाचीन, प्राचीन  
 अपुष्य, पु. उभरातुं आड.  
 अपुष्पफल, पु. इलुस अथवा उव-  
 रातु आड अथवा प्रल.  
 अपूष्य, वि. न पूनवा लायक.  
 अपूप, पु. पिष्टक, लोटनो करेले भा-  
 वानो पदार्थ.

अपूप्य, पु. आटे, लोह, भेंदो.  
 अपूरणी, स्त्री. कपासनं जाड.  
 अपूर्ण, वि. अधुर्. पु. शेष, पात्री;  
 अपूर्णक. [अपुं.  
 अपूर्व, वि. उत्तम; कही न हीकेलुं  
 अपृक्त, वि. अभिहित, मिथ कर्था-  
 वगरतुं. [कर्था वगरतुं.  
 अपृष्ट, वि. अलक्षित, पूछपाछ न  
 अपेक्षा, स्त्री. धर्म; मनोरथ; ध्या-  
 न; नद्री, अगत्य.  
 अपेत, वि. गत, गयलुं.  
 अपेतराक्षसी, स्त्री. तुलसीतुं जाड.  
 अपेशल, वि. अपट्ट, मूर्ख, अनाडी.  
 अपैशुन, न. प्रभाषीकता, नेत्री.  
 अपोगंड, वि. विकृतांग, विरप, क-  
 ३५, अदशीकल; पाणक.  
 अपोह, पु. तर्क, कल्पना; त्याग.  
 अपोहन, पु. तर्क, कल्पना.  
 अपौरुप, न. गांडाध; षीकपुता.  
 अत्त, न. होम, हवन.  
 अतु, पु. शरीर; अवयव.  
 अत्त, पु. नल, उदक, पाणी.  
 अप्पति, पु. वरुण; समुद्र.  
 अप्पित्त, न. अग्नि, आग.  
 अप्यय, पु. ध्वंस, नाश; शोषण.  
 अप्रकंपता, स्त्री. स्थिरपलुं.  
 अप्रकर्ष, पु. अधमत्त्व, भराणी.  
 अप्रकांड, पु. साभारहित वृक्ष, डा-  
 णीवगरतुं जाड. न. जाडी.  
 अप्रकाश, वि. गोपनीय, गुप्त, छातं.  
 अप्रकृति, स्त्री. अक्ष, परमात्मानुं.  
 अप्रकृष्ट, पु. काकपक्षी, कागडो. वि.  
 अधम, नीच. [कोमण.  
 अप्रखर, वि. नदधुद्धि; सात्विक,

अप्रगल्भ, वि. निगर्वा, अप्रौढ.  
 अप्रगुण, वि. व्याकुल, अमिष्ट.  
 अप्रचुर, वि. अल्प, थोडं.  
 अप्रज, वि. प्रणखीन, प्रणवगरतुं.  
 अप्रजाता, स्त्री. वंध्या, वांजपुी.  
 अप्रतप्त, वि. नीच.  
 अप्रतिकर, वि. विश्वासु.  
 अप्रतिपन्न, वि. अमान्य, अवग-  
 षित, मान आपवानालायक.  
 अप्रतिबंध, वि. स्वतंत्र, मुपत्यार.  
 अप्रतिम, वि. सर्वोत्कृष्ट, सौथी स-  
 रस, अतुल्य.  
 अप्रतिरथ, पु. युद्धयात्रा, लडाधमां  
 वरुं ते; सामवेद; भगल, कल्याण.  
 अप्रतिरूप, वि. अतुल्य, सर्वोत्कृष्ट.  
 अप्रतिष्ठ, वि. अकीर्तिमान, आण्ड  
 वगरतु; निरपेक्षणी.  
 अप्रतीत, वि. अप्रसिद्ध.  
 अप्रतीति, स्त्री. शका, वद्रेग.  
 अप्रत्यय, पु. अविचार, जेविचार.  
 अप्रत्यक्ष, वि. अदृश्य, न हेभाप्येपुं.  
 अप्रम, वि. झुलक, हलकी पदवीतुं.  
 अप्रमत्त, वि. सावधान, दोशीआर.  
 अप्रमाद, पु. सावधानी, दोशीआरी.  
 अप्रमेय, वि. असीम, जेहद.  
 अप्रलंब, वि. शीघ्र, नलदी, त्व-  
 अप्रशस्त, वि. भराण [सिधुका.  
 अप्रसन्न, वि. असंतुष्ट, नाशुरा.  
 अप्रस्तुत, वि. लज्जित; व्याकुण.  
 अप्राज्ञ, वि. अज्ञानी, अजानु.  
 अप्राज्ञता, स्त्री. अज्ञान, मुर्खाई.  
 अप्रिय, वि. नापसद.  
 अप्रौढा, स्त्री. अविवाहिता, कुंवारी;  
 तुरतणी परजेवी स्त्री.

अप्सरा, स्त्री. स्वर्गवेश्या, उर्वशी,  
 मेनका, रत्ना वगेरे, परी.  
 अफल, वि. इलवगरतुं, वांजीड; अर्थ.  
 अफला, स्त्री. लोथ आभली.  
 अफल्गु, वि. इलवग्र, इलवग्र; उत्तम.  
 अफुल, वि. अप्रस्तुष्टित, कवी, न  
 उधउधुं, न भीवेधुं.  
 अफेन, न. अशीषु. [ ननुं.  
 अय, ग. १. ओलकुं, शब्द करयो;  
 अयद्, वि. निरर्थक; अंधरहित.  
 अवंधुर, वि. अत्रिय.  
 अवंध, } वि. सङ्ग, इलद्रुप, इ-  
 अवंध्य, } लदार. [ अर्थ.  
 अयल, वि. दुर्भंग, कमलेर, नि-  
 अयला, स्त्री. श्रीमान, आषी.  
 अयाघ, वि. तंदुरस्त, पीडा ध-  
 त्यादिथी रहित.  
 अयीज, वि. पीनवगरतुं.  
 अयीजा, स्त्री. वेदानु, किसभिस.  
 अयुद्धि, स्त्री. भूर्भाई, अज्ञानता.  
 अयुध, वि. भूर्भ, अज्ञानी, अंधरित.  
 अयोध, वि. भूर्भ, वेवकुई, अज्ञानी.  
 अज्ञ, पु. अंध; धन्वन्तरि पैद. न.  
 कमल: कपूर, संभ; दशमी सख्या,  
 १०००००००० [ रदेवानी न/या.  
 अज्ञाणिका, स्त्री. कमलभां पीन  
 अज्ञज-भय, पु. अज्ञा.  
 अज्ञदद, नयन, नेत्र, वि. कमलाशी.  
 कमलना लेवी आंभवाणु.  
 अज्ञयोनि, पु. अज्ञा.  
 अज्ञयाहन, पु. शिव, महादेव.  
 अज्ञहस्त, पु. भूर्भ.  
 अज्ञात, न. अनर्थक वाणी.

अज्ञिनी, स्त्री. नलिनी, कुमलिनी;  
 कमलसमूह, पद्मसमूह; लक्ष्मी.  
 अज्ञिनीपति, पु. भूर्भ.  
 अघ्द, पु. वर्षे, संवत्सर; मेघ, वर-  
 साह; वनस्पति नागरभोथा; प-  
 र्वतनुं नाम छे. [ छे ते.  
 अघ्दनाद, पु. तांदणजे. (शाशु थाप  
 अघ्दशत, न. वर्षशत, सदी, शिकु.  
 अघ्दार्थ, न. अर्थ वर्ष. छ मदिना.  
 अघ्दिक, वि. वार्षिक, सांवत्सरिक.  
 अघ्दुर्ग, न. पाणीभां आंधेवो किलो.  
 अघ्दि, पु. समुद्र, सागर.  
 अघ्दिकफ, पु. समुद्रशीतु.  
 अघ्दज, पु. अग्निनीकुमार वि. स-  
 मुद्रभांथी उत्पन्न थयतुं.  
 अघ्दजा, स्त्री. दार.  
 अघ्दिद्वीपा, स्त्री. पृथ्वी, नमीन.  
 अघ्दिमंहुकी, स्त्री. मोतीनी छीप.  
 अघ्दयज्ञि, पु. समुद्राग्नि, वाडवानत.  
 अघ्दभ, पु. नाग. वि. पाणीथी गु-  
 न्दरे करनार.  
 अघ्द, पु. सागर. न. मेघ, अभक.  
 अघ्दमातंग, पु. अश्वत्थ दाथी.  
 अघ्द, स्त्री. पाणी काटी नाभवातुं  
 लाडडानु वाराणु.  
 अम्, ग. १. ओलकुं, उन्धारकुं; ननुं.  
 अमक्त, वि. अज्ञि न करनार.  
 अमक्ति, स्त्री. अविभाग. [ मंगव.  
 अमद्र, न. अकल्याण. वि. नीय, अ-  
 अभय, न. वाणानां भूग. वि. निर्भय.  
 अभया, स्त्री. दुर्गा; ११० मंउध.  
 अभयजिडिम, पु. २५ हुंहुनि.  
 अभयका, स्त्री. विधवा स्त्री. [ य ते.  
 अभय, पु. प्रलय, नाग, देवान न दो-

जमव्य, वि धुरे न वेदा ययु  
 असदाचारी, दुराचारी  
 जमाव, पु मयु नास्तिकपात्र  
 जमावा, स्त्री ज्योषो, पडछयो  
 जमापण, न भीन, न ज्योषु ते  
 अभि, अ श्रेष्ठपणु नानार ध्ये  
 धर्षा, भिन्नभा  
 अभिक, वि कामनायो लुभ्यो  
 अभिजम, पु शब्दात्, आरभ  
 अभिकाक्षा, स्त्री ध्ये, आडे  
 अभिनाक्षित, वि ध्ये  
 अभिकाक्षिन्, वि ध्ये  
 अभिकाम, पु प्रीति, प्रेम  
 अभिर्या, स्त्री नाम गोभा कीर्ति  
 अभिगत, वि ध्ये, आवेयु  
 यथा गययु  
 अभिग्रस्त, वि लतेयु, पराभनकरेयु  
 अभिग्रह, पु लुभ्यो चारी  
 अभिग्रहण, न धीनधी लेयु ते, लु  
 अभिघात, पु लाडी वगेरेधी मा  
 रयु ते, रपशं करयु-अडकयु ते  
 अभिघातिन्, पु शयु द्वेरी  
 अभिघार, पु ह्ये वि होमभा ना  
 भनानी यीन धी  
 अभिचर, पु दास सेवक  
 अभिचार, पु मारय मोहन व  
 गेरे लदुविधा धद्रलल  
 अभिचैद्य, पु शिशुपाय रल  
 अभिजन, पु यश भानदान, र  
 देश, प्रीति, सभा, कुलश्रेष्ठ  
 अभिजात वि कुनीन, सुदर, ला  
 य, पडित नीतिमान  
 अभिज्ञ, वि कुशल सुद्धिमान  
 अभिज्ञता, स्त्री पडिताई धना

अभिधा, स्त्री अभिधान नाम  
 अभिधान, पु नाम, यभा, श  
 धेदोर  
 अभिधित्ता, स्त्री आशा दुकम,  
 अभिधेय, न नाम, सजा सधेत-  
 वायक शब्द  
 अभिध्या, } स्त्री ध्ये  
 अभिनदा, }  
 अभिनय, पु शोभा सभ्यता, नभ्रता  
 अभिनव, वि नूतन नयु दोर व  
 या। या लाय [द्धमा यडतु ते  
 अभिनिर्याण, न याना प्रया। पु  
 अभिनिवेश, पु भनोनिवेश जेक  
 निष्ठा आन।  
 अभिनिष्पत्ति स्त्री अत सभाभि  
 अभिनीत, वि नीतिमान, उतानयु,  
 २पायु कोधी र स्नेह, प्रीति  
 अभिनाति, स्त्री हायमान अगडा-  
 अभिन्न, वि यरयु जेकरप पु पू-  
 री (गच्छितभा)  
 अभिन्ता स्त्री जेकरपता अनेद  
 अभिपन्न, वि अन्नाधी अपराधी  
 अभिप्रणय, पु मारयन भास  
 अभिप्रणात वि शात प्रसन्न धुरा  
 अभिप्राय पु भनो गाराय डेतु  
 ध्ये [ मुन्य  
 अभिप्रेत, न तात्पर्य वि मयु  
 अभिभव, पु तिरस्कार पराभन  
 अभिभावकता स्त्री सहायता मदद  
 अभिभाषिन्, वि वक्रा योननार  
 अभिभूत, वि अज्ञानी, मूय  
 अभिभूति स्त्री अनादर जेधनती  
 अभिमत वि समत मान्य इच्छि  
 त न आगा रीकर



अभिमत्तता, स्त्री. स्वीकार, मञ्जु.  
 अभिमंत्रण, न. आन्धान, व्यासा-  
 वतु ते. ५ [नार, तत्पर.  
 अभिमनस्क, वि. लक्ष्मण आप-  
 अभिमन्यु, पु. अर्जुनने पुत्र.  
 अभिमरु, पु. लडार्थ; अंधन, हिंसा;  
 विश्वासघात.  
 अभिमद, पु. लडार्थ, युद्ध.  
 अभिमर्षण, न. धसतुं ते, भांजतुं ते.  
 अभिमान, पु. अहंकार. वध, स्नान;  
 प्रेम. [स्वीयग.  
 अभिमानित, न. रतिक्रिया, मैथुन,  
 अभिमानिता, स्त्री. भगवती. [गर्विष्ठ.  
 अभिमानिन्, वि. अभिमानयुक्त,  
 अभिमाय, वि. मूर्ख. अज्ञानी.  
 अभिमुख, वि. विद्यमान, डाक्टर.  
 अभियोन्तृ, वि. इरिष्यायी.  
 अभियोग, वि. यदार्थ, हृद्दो.  
 अभिरति, स्त्री. अनुराग, आसक्ति  
 अभिराम, वि. मनोहर, सुंदर.  
 अभिरुचि, स्त्री. हंसा, तेज,  
 आशा, रयाद.  
 अभिरूप, पु. पडित; कामदेव, यद्र;  
 शिव. विष्णु. वि. मनोहर. सु-  
 दर. विद्वान; आनंदी.  
 अभिलाष, } पु. अनुराग, हंसा.  
 अभिलास, }  
 अभिवदन, न. वंदन.  
 अभिव्यक्त, वि. स्पष्ट, उधातुं.  
 अभिशपन, न. कपक, आण-  
 अभिशस्त, वि. व्यभिचारपी क्य-  
 क्षित करेणु, पापी, दुराचरणी.  
 अभिपंग, पु. आदिनन, पराजय,  
 नोशन गोक; यभुद; आण.

अभिपुत, न. शोभयतानो रूस, कांड.  
 अभिपेक, पु. मत्रपूर्वक स्नान, शा-  
 तिरनान.  
 अभिसंताप, पु. युद्ध, लडार्थ.  
 अभिसघ, वि. आसक्त. पु. हंगी,  
 हंगारो.  
 अभिसंधान, न. } हंगुं; उद्देश;  
 अभिसंधि, पु. } आसक्ति; गरज.  
 अभिसपात, पु. सभाम, युद्ध, शप.  
 अभिसबंध, पु. आभेपत्यु, स्त्री-पु-  
 २५ सभंध, साधो.  
 अभिसर, पु. अनुचर, चाकर, भ-  
 द्दगार, भागती.  
 अभिसर्जन, न. दान; वध.  
 अभिसाय, अ. संस्थाक्षण  
 अभिसार, पु. नायकतु नायकनेभाटे  
 सकेतस्थाने नुं ते. अण, सा-  
 मर्थ, युद्ध, समर.  
 अभिसारिका, स्त्री. एक नायिका.  
 अभिहत, वि. पराजित, एतेणु  
 अभिहार, पु. चोरी, छुट, हथीआ-  
 रमंध यतु ते, दाडीया.  
 अभिहित, वि. हरेणु; प्रकाशित.  
 अभिहितत्व, न. वचन, वाक्य.  
 अमी, वि. निर्लेय.  
 अमोक, पु. कवि, रवाभी, पति वि.  
 कामासक्त, निर्लेय, निर्दय, उत्तुक  
 अमीत, वि. निशंक, अचरहित.  
 अमीति, स्त्री. अलय, निजकपलुं  
 अमीप्सित, वि. वांछित, प्रिय.  
 अमीर, पु. आभीर, गोवाण, गवणी.  
 अमीर, पु. लैग्व. वि. निर्लेय  
 अमीशु, पु. लगाम; किरणु; अनु-  
 रान. स्त्री. आंगणी.

अभीषु, पु. उपदेश शब्द लुञ्जो; म-  
 नाविकार; प्रेम, प्रीति. [विवासी.  
 अभीषुमत्, वि. कान्तिमान्; धरत्री,  
 अभुङ्ग, वि. सरण, सिधुं, निरोणी.  
 अभूयिष्ठ, वि. अल्प, योऽं.  
 अभृश्रिम, वि. निराश्रित, अनाथ.  
 अभेद, वि. भेदरहित, सरभुं. पु. अ-  
 क्यता; सरभार्थ.  
 अभेद्य, न. द्विशे. वि. न भेदाय येऽं.  
 अभ्यंग, पु. भुङ्गधी पदाथी.  
 अभ्यग्न, वि. पासेतुं, नन्दीकेतुं.  
 अभ्यनुज्ञा, स्त्री. संभती; आरा.  
 अभ्यमित, वि. शेगी, भीभार, आ-  
 अभ्यर्चो, स्त्री. पूज, अर्था. [नरी.  
 अभ्यर्थना, स्त्री. प्रार्थना, अरण.  
 अभ्यर्हित, वि. पूज्य; वापक.  
 अभ्यवहरण, न. { अक्षु, भोजन,  
 अभ्यवहार, पु. { जोराक. [वुं ते  
 अभ्यतन, न. आध्यास करवा-शिभ.  
 अभ्यसूया, स्त्री. अहेभार्थ. [करेडु  
 अभ्यस्त, वि. शिक्षित, शिषेडु; मोडे  
 अभ्याप्यान, न. आशेष, तोडभत.  
 अभ्यागत, पु. अतिथि, परेले, मे-  
 देभान. वि. आगत, आवेऽं.  
 अभ्यागम, पु. { आगमन; भारुं;  
 अभ्यागमन, न. { युङ्ग; नन्दीक  
 अभ्याघात, पु. भारभारी, दंगे.  
 अभ्यादान, न. प्रारण, शब्दात.  
 अभ्यापात, पु. संकट, आपत्ति, वि-  
 अभ्यामर्द, पु. संभाम, युङ्ग. [पत्ति.  
 अभ्याश-स्त, पु. आवृत्ति; मडावरे:  
 अध्ययन. वि. समीप, पासेतुं.  
 अभ्यासयोग, पु. योगाध्यास.  
 अभ्याहार, पु. चारी; छुट; आहार.

अभ्युदय, पु. साधोदय, यडती.  
 अभ्युदित, वि. समारंभ करेऽं; उ-  
 दय यथेऽं. [ भजेऽं.  
 अभ्युद्यत, वि. तैथार; माआवगर  
 अभ्युपगत, वि. स्वीकृत; पासे आ-  
 वेऽं. डाणरं; सरभुं, तुड्य.  
 अभ्युपगम, पु. स्वीकार, कभूय; स-  
 रभापलुं, तुडना; मनन, विचार.  
 अभ्युपपत्ति, स्त्री. भेदेरण्यानी; प्रीति.  
 अभ्युपपन्न, वि. कभूल-मल्लुरकरनार.  
 अभ्युपाय, पु. उपाय, उपचार; अं-  
 गीकार; वयन, कभूवात.  
 अभ्युपायन, न. लांच, इशवत.  
 अभ्युपेत्य, वि. स्वीकृत, कभूल करेऽं;  
 डाणर.  
 अभ्युप, पु. धड-आणरीने शेटलो.  
 अभ्युह-यूह, पु. तर्क; वादविवाद.  
 अभ्युप, } पु. अभ्युप शब्द लुञ्जो.  
 अभ्योप, }  
 अन्न, ग. १. न्तुं. [अन्नक धातु.  
 अन्न, न. आकाश; वरयाद; सानु,  
 अन्नक, न. अन्नक धातु.  
 अन्नकप, पु. वायु. वि. धलुं उंयु.  
 अन्नपटल, न. अन्नक.  
 अन्नपिशाच, पु. राडुअड.  
 अन्नपुष्प, न. नव, पाप्पी. [दिन.  
 अन्नम, पु. निश्चयपानुं. वि. अमर-  
 अन्नमातेग, पु. अरावत टाथी.  
 अन्नमाला, स्त्री. मेरसमूड, वादगा.  
 अन्नमांसी, स्त्री. नटाभांसी.  
 अन्नमु. स्त्री. शैरावत दाथीनी श्री.  
 अमल्लिह, पु. वायु.  
 अन्नसार, पु. कभूर.  
 अन्नापकाश, पु. मेध, वरयाद.

अग्नि-भी, स्त्री. लाङ्कानुं वाग्भु.  
 अग्निव, वि. वाङ्मयी उत्पन्न थपयु.  
 अग्नेय, पु. न्याय, नीति, योग्यता.  
 अग्नेयथ, न. धद्रुं वज्र.  
 अम्, ग. १. गभन करुं, वज्रुं, आ-  
 करी करवी. [कासु.  
 अम, अ. शीघ्रता, योडुं, रोग. वि.  
 अमंगल, न. अशुभ, नकार. पु. अ-  
 ङ्गीआनुं जाड वि. अनिष्ट. अ  
 अमड, पु. अङ्गीआनुं जाड. [राज.  
 अमंडित, वि. लूपा वगनुं  
 अमत, पु. रोग, मृत्यु, अभय, व-  
 भत वि. असमत, नामलृर.  
 अमति, स्त्री. कुमति, भूर्धां. पु. स-  
 भय, काल; यद्र; ठगारो. .  
 अमत्र, न. वासु, उधीआर.  
 अमंद, पु. वृक्ष, जाड वि. भदता  
 रडित, उग्र, लयकर.  
 अमनि, स्त्री. भाग, रस्तो; गति.  
 अमर, पु. देवता, देव, पारो. वि.  
 अमर, मृत्युरडित.  
 अमरता, स्त्री. } अमरपलुं  
 अमरत्व, न. }  
 अमरतरु-दार, पु. कल्पवृक्ष.  
 अमरद्विज, पु. पूजरी. [ राज.  
 अमरपति, पु. धद्र, देवताओनो  
 अमररत्न, न. रक्षाटिके, काय, भिदो.  
 अमरलोक, पु. स्वर्गलोक.  
 अमरसिंह, पु. प्रथ्यात मस्कृत अ-  
 गरकोशिनो कर्ता, अे तैतधर्मि  
 डतो, अेम डडेवायछे के, राज  
 विक्रमना नव विद्वानोभानो ते  
 अेक डतो. [धद्रनी राजधानी.  
 अमरा, स्त्री. दर्ल; गणो, अमरावती,

अमरापगा, स्त्री. लागीरुधी, गजा.  
 अमरावती, स्त्री. धद्रनी राजधानी.  
 अमरेश, } पु. धद्र, देवताओनो  
 अमरेश्वर, } राज. [डित, अमर.  
 अमर्य, पु. देवता, देव. वि. भरलु र-  
 अमर्यादा, स्त्री. अयोग्यता; अनाडर.  
 अमर्ष, पु. क्रोध, आसडनता.  
 अमर्षण, वि. क्रोधी, आसडनशीव  
 अमल, वि. स्वच्छ, साड. न. अलक.  
 अमलपतत्रिन, न. डसपक्षी.  
 अमला, स्त्री. लक्ष्मी, लोथआंणणी.  
 अमस, पु. समय, वभत, भूर्धा-  
 ङ, नाडानी, रोन.  
 अमा, स्त्री. अभावास्या. अ. न-  
 लक, पासेनुं; सडवर्त्तमान.  
 अमात्य, पु. मंत्री, यवाडकार.  
 अमात्रवत्त्व, न. तत्न, सार, न्यूनता.  
 अमानन, न. अपमान, अनाडर.  
 अमानस्य, न. पीडा, दुःख.  
 अमानिता, स्त्री. शरभ, नअता.  
 अमाम (मा) सी, } स्त्री. अमा-  
 अमावस्या चासी, } वास्या, भडिना-  
 अमाव(वा)स्या, } नी छेडी तिथि  
 अमाय, वि. वास्तव्य, सत्य. [भित  
 अमित, वि. भलिन, गडु, अपरि-  
 अमितंपच, वि. श्रीभत, पैसाडर.  
 अमितौजस, वि. शुरवीर.  
 अमित्र, पु. शत्रु, द्वेषी.  
 अमिन्, वि. रोगी, आन्तरी.  
 अमिष, न. स्याडं, प्रभाणिकपलुं,  
 लौकीक मुष.  
 अमीव, न. पाप, दुःख, पीडा.  
 अमुक, वि. इलाणु, अमुक.

अमृतस, अ अडाथी तडाथी अ  
 र्थात् अने लीधे  
 अमृत्, अ परयोक्त, आरते लन्भ  
 अमुष्य पुत्र, } पु भानदागी, कुलीन  
 अमुष्यायण, }  
 अमृतं, वि निगमर पु शिव  
 अमूल, वि निर्भूत, भूणनगरतु  
 अमृत्य, वि भूत न थान अेतु  
 अमृत्य  
 अमृत, पु देवता, देव र्ध्वर \* ध  
 न्यन्तरी वि मुद्ग अविनाशी  
 न अमृत नेना पीराथी भापुस  
 अमर थायछे पाणी धी यरुनी  
 प्रसादी, दूध नगर भागे भजेनी  
 वस्तु, पारे नडेर, लात अ  
 नाग सेतु वञ्चनाग औष  
 अमृतकर, पु यद्र [ धर दोलत  
 अमृततरगिणी, स्त्री यादनी, याद  
 रक्ष [मृत पीनार  
 अमृतप, पु देवता, ध्वर वि अ  
 अमृतफला, स्त्री द्राक्ष, द्राघ  
 अमृतवधु, पु धो  
 अमृतरदिम, पु यद्र  
 अमृतरस, पु अमृत, ली द्राघ  
 अमृतरसा, स्त्री धणी द्राक्ष, अशुर  
 अमृतसारज, पु अपकन शर्मरा, का  
 अमृतसारजा, स्त्री शाकर [ कपी  
 अमृता, स्त्री दाड, धणी दवाओने  
 अमृता कडे उ, लेम डे, आमथी,  
 दरडा, भयो, तुलनी वगेरि  
 अमृताधस, पु देवता दंभ  
 अमृताहरण, पु गरुडपक्षी  
 अमृतोत्पन्ना स्त्री भक्षिका भाष  
 अमृतोद्भव, पु आनगा

अमृतोपहिता, स्त्री अपथिनी वन  
 अमेध, वि अक्षिरहित  
 अमेध्य, न विद्या, ग वि अपथिन  
 अमेय, वि अप्रमेय अन्त, अपार  
 अमोक्ष, वि अमुक्त पु भवी, कै  
 अमोघ, वि सङ्ग खा (घ्म)डरडा  
 अमोचन, न अधन [वावडाग  
 अब्, ग १ नडु, गभन डरतु, जे  
 लतु, शण्ड करवे  
 अबक, न आप तापु, पिता  
 अबर, न आकाश कपडु, इ ज्पा  
 स अअध, अेक सुगवी श्रीग  
 अबरद, न कपाग, इ वि वत्र  
 आपनार  
 अबरमणि, पु सूर्य [ वत्र  
 अबरयुग न पुत्रपना पटोराना  
 अबरशैल, पु आकाशमा नेतु शि  
 पर पडोयतु होय अेवो पर्वत  
 अबरखली, स्त्री पृथ्वी  
 अबरिय, उ कडाध युद्ध पु ग  
 अबरीय, } ननु नाम छ विधु,  
 शिन सूर्य पश्चात्ताप  
 अबष्ट, पु मानत, देशतु नाम छे  
 अवा, स्त्री मात, भा, देवी, पार्वती  
 अवालिका, स्त्री माता, भा पा  
 रा ननी माता  
 अविका, स्त्री पार्वती, माता धृतरा  
 अनु, न पाणी, उदक [नी माता  
 अनुक्षण, न नवविद्ध, पाणीतु  
 अेध गीपु  
 अनुक्टक, } पु भग मन्  
 अनुक्कितान, }  
 अनुचर, वि नवचर  
 अनुचामर, न गोवाव, क्षीन

अंबुज, पु. पद्म कभण, व००. पु.  
 कपूर; चद्र; सारस.  
 अंबुद, } पु. मेघ, वादण.  
 अंबुधर, }  
 अंबुधि, पु. सागर. समुद्र. [ वादण.  
 अंबुभृत्, पु. समुद्र, सागर; मेघ,  
 अंबुर, पु. उभर. उभर.  
 अंबुरह, न. कभण. [ नागरमेथ.  
 अंबुवाह, पु. मेघ. वादण, व००  
 अंबुसर्पिणी, स्त्री. नृणां.  
 अंभस्, न. उदक, नृण, पाष्णी.  
 अमस्य, वि. पाष्णीमां रदैनार.  
 अंभोज, न. कभस. पु. चद्र, सार-  
 सपक्षी. वि. पाष्णीमा पेक्ष ययतु.  
 अंभोजनि, } पु. चतुरानन, प्रदा.  
 अंभाजजनि, }  
 अंभोजिनी, स्त्री. पद्मसमूह.  
 अंभोद, } पु. नलधर, वादण.  
 अंभोधर, }  
 अंभोधि, पु. समुद्र  
 अंभोरह, न. कभण.  
 अघ्न, पु. आंभालु आउ. न. आभो  
 अम्ल, वि. भादु. न छास. पु. भटाश.  
 अम्लजंवीर, पु. लीयुनी अक नत.  
 अम्लता, स्त्री. भटाश, भटाश.  
 अम्लनिशा, स्त्री. आंभा दणद; क-  
 पूरकावली  
 अम्लपत्रा, स्त्री. चुकानी भाउ.  
 अम्लपित्त, न. पित्तरोम.  
 अम्लपूरक, पु. डोकभनु आउ, आ-  
 वलीतुं आउ न. डोकभ; आभली.  
 अम्लफल, न. आंभली.  
 अम्लरस, पु. भटाश. वि. भादुं.

अम्ललोणिका, स्त्री. लुष्णीनी भाउ,  
 चुकानी भाउ.  
 अम्लवेतस, पु. चुकानी भाउ.  
 अम्लसार, पु. लीयु. न. कांउ.  
 अम्लान, वि. साक, स्वम्ल.  
 अय, ग. १. नृणुं.  
 अय, पु. सौभाग्य, गुदेव.  
 अयाति, स्त्री. नियम, रभाव.  
 अयतिन, वि. लपट.  
 अयनित, वि. स्वतन, स्वछंदी  
 अयथा, अ. अनुदय, अयोग्यरीते.  
 अयथातथ, वि. अयोग्य, नालायकं,  
 वृथा, निरर्थक.  
 अयथार्थ, वि. असत्य. भोदुं; न  
 लायक न. लुहुं, लुवम.  
 अयथावत्, अ. अशुद्ध गीते  
 अयन, न. मार्ग, शास्त्र, रेषा, लीरी.  
 अयवत्, वि. दैववान, नशीभवान  
 अयशस्, } वि. अकीर्तिमान, न  
 अयशस्य, } दनाम. पु. अग्नि.  
 अयस्, न. लोडु, लोभउ, पाताद.  
 अयस्कांत, पु. लोडुचुणकं.  
 अयस्कार, पु. लोडकार, लुडार.  
 अयस्कुंभ, पु. लोभउनु वासलु.  
 अयाधार्य, न. नालायकी, निरर्थकना.  
 अयानं, न. नभस्वलाय  
 अयानय, पु. भ्राम, गाम; देशविशेष.  
 अयास्, पु. अग्नि, देवता.  
 अयि, अ. प्रश्न, अनुनय, सात्वन,  
 समाधान, उत्तेजन. [अनुचितता  
 अयुक्ति, स्त्री. निर्युक्ति, अयोग्यता,  
 अयुग, वि. विपम, दुर्वद; अकंपु.  
 अयुगपद्, अ. अनुकभधी.

अयुगाचिन्त, पु. अग्नि. [प्या.  
 अयुत, न. १००००, ६११ छन्दसनी म-  
 अये, अ. विषाद; स्मरण; क्रोध; लय  
 वगेरेतुं संशोधन.  
 अयोग, पु. रंदायवो पुरुष; वियोग,  
 लूदाध; लोढानो हथोरो.  
 अयोग्य, वि. अनुपयुक्त, नासायक.  
 अयोग्यता, स्त्री. अयोग्यता, नासायकी.  
 अयोग्य, न. गदा; हथोरो; भुसल.  
 अयोग्यन, पु. लोभंटी हथोरो. [अंठ.  
 अयोच्छिष्ट, न. लोढकीट, लोढानो  
 अयोजन, द्वे. वियोग, लूदाध.  
 अयोज, वि. निर्धन, गरीय. [वाणु.  
 अयोदत्, वि. लोढदंत, लोभंटी दंत-  
 अयोध्या, स्त्री. उत्तरकोशवा, भूर्यव  
 शी रामचंद्रनी नगरी.  
 अयोरजस, न. मंडू, रसायन.  
 अर, न. गीरीना पैडानी भीक्षी. वि.  
 वेगवान्, शीघ्रगति.  
 अरक, पु. गेवाव, लीव.  
 अरंग, पु. मन्ध, भाछलु.  
 अरंगिन, वि. अरवगरतु.  
 अरघट्ट, } पु. मडाकूप, मोटो इंधो;  
 अरघट्टक, } पाण्णी कढवाणी रेट.  
 अरजस, स्त्री. कुमारीका, दन्धा. वि.  
 रनेशुणु रदित.  
 अरणि, (णी)पु. यत्त वगेरेमां अेकठां  
 मगवाथी अग्नि उत्पन्न करनार का-  
 एकाकठां पु. भूर्य; यकभक.  
 अरण्य, न. वन, लंगल.  
 अरण्यजाद्रक, न. लंगली आडु.  
 अरण्यरक्षक, पु. वननी तपास रा-  
 भनार अधिकारी.  
 अरण्यवास, पु. वनवाभ.

अरण्यवासिन, पु. वनवासी, तपस्वी.  
 अरण्यशूकर, पु. लंगली कुकर.  
 अरण्यश्वन्, पु. वर. [गल.  
 अरण्यानी, स्त्री. मडावन, मोटुं लं-  
 अरत, वि. लड, भतिभंद.  
 अरतनप, पु. कुत्रो. [ति. वि. लड.  
 अरति, पु. क्रोध, गुस्सा. स्त्री. अप्री-  
 अरति, पु. कोणीथी कनिष्टीका (२२५  
 आंगली) सूधीनुं परिमाणु.  
 अरत, न. दरवाने; भ्यान.  
 अरारि, उ. द्वार, दरवाने.  
 अरत, पु. शत्रु.  
 अररे, अ. त्वराथी, लंगलीथी.  
 अरव, वि. भौन, भुंगो. [तांभुं.  
 अरविंद, न. कभण; सारसपक्षी;  
 अरविंददलप्रभ, न. ताभ. तांभु.  
 अरविंदनाभि, पु. विष्णुभगवान.  
 अरविंदिनी, स्त्री. नदिनी, कभत-  
 समूह.  
 अरस, } वि. मोणु, स्वादवगरतुं,  
 अरसिक, } इन्दिनी.  
 अराजक, वि. राजवगरनो देश.  
 अराति, पु. शत्रु, दुश्मन.  
 अराल, वि. वक, वाकु. पु. राण; तो-  
 कानी हाथी; वांडो हाथ.  
 अराला, स्त्री. अराण स्त्री.  
 अरि, पु. शत्रु; पैडुं; भेरतुं आड.  
 अरिता, स्त्री. गनुना, वेर.  
 अरिच, न. मुकापु. (वडाणुनुं).  
 अरिंदम, वि. शत्रुस्थी, शत्रुने उ-  
 अरिन्, न. यक, पैडुं. [तनार.  
 अरिवर्ग, पु. शत्रुण.  
 अरिप, पु. मेध. वरसात.

अरिष्ट, न. सूत्रावलीनी जोरडी; अ-  
 शुभ, दुर्दैव; छारा. पु. लगण.  
 लीलायु आड; वृषभाशुर दैत्य.  
 शत्रुदे भयविशेष; अरिष्टानुं आड.  
 अरिष्टा, स्त्री. वनस्पति नामभवा.  
 अरिष्टतीति, वि. कल्याणुकारक  
 अर, पु. सूयं.  
 अरिष्टसूदन, पु. विष्णुभगवान. वि.  
 अरुद्र, वि. निरोगी. [अशुभनाशक.  
 अरुचि, स्त्री. अरुचि; अप्रीति.  
 अरुज्, वि. निरोगी.  
 अरुण, पु. सूर्यनो रारधी; सूर्य, पीयो-  
 रातो रंग. न. कंकु; सिद्धर. वि. सानुं.  
 अरुणनेत्र, } पु. कृपात, कल्प-  
 अरुणलोचन, } र; रक्षनेत्र.  
 अरुणसर्प, पु तक्षक नाम.  
 अरुणसारथि, पु. सूर्य  
 अरुणाम्रज, पु. अरुं.  
 अरुणात्मज, पु. वटायु पक्षी.  
 अरुणिमन्, पु. ग्वासा, लाठी.  
 अरुणोदय, पु. सूर्योदयनी पदोत्तानी  
 नै गडी, प्रभात.  
 अरुणोपल, पु. मालुक, लाव.  
 अरुणुद, वि. तीक्ष्ण, तीक्ष्ण, दरी.  
 अरुणुदस्य, न. तीक्ष्णता. भर्ष पीडा.  
 अरुधती, स्त्री. विशिष्ठ मुनिनी स्त्री.  
 अरुंभ मुनिनी कन्या. अरुं नक्षत्र  
 अरुधतीज्ञानि, } पु. वगिण्य मुनि.  
 अरुधतीनाथ, }  
 अरुध, वि. गांन, रिथर.  
 अरुध, पु. भिवाभानुं आड.  
 अरुध, उ. सानु वृषभ. पु. सूयं.  
 अरुध, वि. १३५. बेडोत.  
 अरुध, पु. सूयं

अरे, } अ. नीम रभोधुन. हस्तका-  
 अररे, } ने हांक भारपी: ओषधी  
 ओषधीपुं.  
 अरोक, वि. तेजहीन: अछिड.  
 अरोफदंत, वि. काया हांतवाणु.  
 अरोग, वि. निरोगी. पु. आरोग्यता.  
 अरोचिष्णु, वि. ६३५, ६६३पु.  
 अरोप, पु. शभा.  
 अरुं, पु. सूयं, छंड; तांशु: रक्षटिक,  
 भिषार. पंडित, मोटो भाई; र-  
 विवाग्; आकडातुं आड.  
 अरुंज, पु. अश्विनीकुमार, स्वनेरीय,  
 गनिश्वरदेवता; यम  
 अरुंजा, स्त्री. यमुना-जमुना नदी.  
 अरुंतनय, पु. सुभीव; कानुंगल. नै-  
 वस्वत भनु; गनिश्वर, यम.  
 अरुंतनया, स्त्री. यमुना जमुना नदी.  
 तापी नदी.  
 अरुंत्विष्, स्त्री. सूर्यकिरण.  
 अरुंपथ, पु. आकडातुं आड.  
 अरुंषु-यांधय, पु. नैवमभुनि. औं-  
 अरुंभन रथापन कर्ता.  
 अरुंभ, न. हस्त नक्षत्र.  
 अरुंभु, पु. यम-धर्मगत.  
 अरुंभोदर, पु. अरुंभन ग्वासी.  
 अरुंभमन्, पु. मालुक. लाव; सूर्यकांन  
 अरुंभिन, पु. ग्वा. आर. [गनि.  
 अरुंभ, पु. हस्तगतने अरुंभने जे-  
 अरुंभ, कडी; जेडी, वंश. [कडी.  
 अरुंभिका, स्त्री. हस्तगतनी जेनग,  
 अरुंभ, पु. पूजविधि: भूध. यमन.  
 अरुंभट, न. अरुंभ. रक्षा. राभ.  
 अरुंभरा, पु. गिण, भदारेव.

अर्घ्य, वि. पूज्य. न. अर्धार्थं नल,  
कंकु, कूल वगेरे श्रीजेवाणु देवने  
अर्ध आपवानुं पाणी.

अर्चक, पु. पूजक, पूज करनार.

अर्चन, द्वे. पूज, पूजन, आराधन.

अर्चा, स्त्री. पूज; प्रतिभा, भूति.

अर्चि, स्त्री. अग्निनी नवाला; तेज,  
प्रकाश; किरणु.

अर्चित, वि. पूजित, आराधित.

अर्चिष्मत्, पु. अग्नि; भूर्ध. वि. तेजस्वी.

अर्च्य, वि. पूज्य.

अर्जक, वि. उपार्जन कर्ता, संपादक.

अर्जन, न. प्राप्ति, उपार्जन.

अर्जुन, वि. सद्देद रंगतुं. पु. पांडु

राजने श्रीजे पुत्र; मोर; सद्दे-

दरग. न. एणु, धास.

अर्जुनी, स्त्री. गाय, ज्ञेया; कृष्णी.

अर्ण, पु. वरुं, अक्षर. न. नल,

अर्णव, पु. समुद्र; छंदतुं नाम छे. [पाणी.

अर्णज, वि. समुद्रमां उत्पन्न यनादे.

अर्णवतरि, पु. वडाणु, नौका.

अर्णवपोत, पु. समुद्रयान, वडाणु.

अर्णवमल, न. समुद्रशीलु. [नौका.

अर्णवयान, न. समुद्रयान, वडाणु,

अर्णस्, न. नल, उदक, पाणी.

अर्णोद, पु. वारिद, वादन; नाग-

अर्त्तन, न. लुगुभ्या. निदा. [रमेथ.

अर्त्त, स्त्री. पीडा, दुःख; धनुष्यने

आगले भाग. [न, दुःखी.

अर्त्तिक, पु. शेटकी, पोणी. वि. पीडि-

अर्त्तिका, स्त्री. मोटी बडेन. (नाटकमां)

अर्ध, ग. १०. याचना करवी, भागतुं.

अर्ध, पु. विषय; याचना; पैसा: का-

रलु; वस्तु; प्रकार; भावार्थ; क-  
लाणु; अरण; इण, परिणाम;  
निषेध. वि. विद्वान; द्रव्ययान.

अर्धकाम, पु. द्रव्यनी छन्धा; कंलुस,

अर्धज्ञ, वि. रानी. [दृषणु.

अर्धपति, पु. कुमेर; राज.

अर्धप्रयोग, पु. व्याज, वेपार.

अर्धभुत, वि. मोटा पजारवाणे.

अर्धयित्, वि. याचक, भागनार.

अर्धवाद, पु. स्तुति, वभाणु.

अर्धशालिन, वि. धनयान; पैसादार.

अर्धशास्त्र, न. राजनीति अथवा

लोडव्यवहार शास्त्र

अर्थागम, पु. द्रव्यप्राप्ति.

अर्थांतर, न. अन्यार्थ, अर्थलेद.

अर्धिक, पु. वैतालिक, साट; भी-

भारी; भांगणु, याचक.

अर्धित, वि. प्रार्थित, याचित.

अर्धिता, स्त्री. याचना; प्रार्थना.

अर्धिन, पु. भिक्षुक, भीभारी; याकर;

मोणती; वादी, कगीआदी.

अर्धोष्मन्, पु. पैसानी गरभी.

अर्ध्य, वि. न्यायी; लुद्धिमान; धन-

वान, पैसादार. न. शिवाशत.

अर्द्धन, न. { पीडा; हिंसा; भांगतुं

अर्द्धना, स्त्री. } ते; गमन, नतुं ते.

अर्द्धने, पु. अग्नि; रोग; दुःख.

अर्द्धित, वि. याचक, भांगणु. [भाग.

अर्ध, पु. अंड, कटको. न. वे सरभा

अर्धस्वार, द्वे. अर्ध पांडी.

अर्धगंगा, स्त्री. कावेरी नदी.

अर्धचंद्र, पु. अर्धाकृती चंद्र.

अर्धचंद्राकार, पु. वर्तुवाधे.

अर्धजान्हवां, स्त्री. कावेरी नदी.



अर्धनारीश-श्वर, पु. शिव महादेव.  
 अर्धचंद्र, उ. वेदने अर्धो मंत्र.  
 अर्धशरीर, पु. अर्धु शरीर. स्त्री. पत्नी.  
 अर्धसह, पु. धुवड पक्षी.  
 अर्धसीरिन्, पु. भेडुत.  
 अर्धोग्, स्त्री. पत्नी. न. अर्धु शरीर.  
 अर्धोत्क, न. साडी; धागरो.  
 अर्पण, न. संप्रदान, सौंपण.  
 आर्पित, वि. स्थापित, समर्पित.  
 आर्पिस, पु. दंड्य, अंत.करण, दील.  
 अर्बुद, उ. दश करौडनी सभ्या. पु.  
 आशु पर्वत. [ णक; शरद ऋतु.  
 अर्म, वि. अक्ष; तेजवीन. पु. आ-  
 अर्मक, पु. आणक, भूर्ण.  
 अर्मण, पु. अेक मानुं वजन.  
 अर्य, पु. वैश्य, वाणीया.  
 अर्यमन, पु. भूर्ध; आकडानां द्ग.  
 अर्याणी, स्त्री. वैश्य स्त्री, वाणीआणी.  
 अर्चट, न. लरभ, राभ; धूण.  
 अर्चटी, स्त्री. घोडी. [ नीय.  
 अर्चन, पु. धंर; घोरो. वि. कुत्सित,  
 अर्वाचीन, वि. ननुं, डालनुं; विपरीत,  
 अर्श-सं, न. मुणव्याधी, दरस. [ विरु-  
 अर्शसान, पु. अग्नि. [ (हां) पूज.  
 अर्ह, वि. योग्य, पूज्य. पु. धंर. स्त्री.  
 अर्हण, द्वे. पूजनुं सामान; पूजन.  
 अर्हणीय, वि. पूजनीय, पूजवा लायक.  
 अर्हत, पु. अुरु, भौद्धमतने अनुस-  
 अर्हत्तर, वि. अतिश्रेष्ठ. [ रनार; शिव.  
 अर्हो, वि. पूजनीय, आदरणीय.  
 अल्, ग. १. अलंकृत करनुं, सोलावतुं.  
 अल, न. वीछीने उभ-कारो; ड-  
 रताण. [ र, डडभायो कुत्रो.  
 अलक, उ. आणनेो सुभो. पु. डड-

अलकनंदा, स्त्री. नदीनुं नाम छे; ड-  
 भारीका, आडथी दश वर्षनी कन्या.  
 अलकप्रभा, } स्त्री. अलकापुरी, ड-  
 अलका, } जेरनी नगरी.  
 अलकाधिप, पु. कुजेर.  
 अलंकार, पु. लपण, धरेलुं; कविता-  
 मां उपमा वगेरे दर्शावनार.  
 अलंकृत, वि. लूपित, सधुगारेनुं.  
 अलक्त, पु. लाक्ष, लाभ.  
 अलकरस, पु. लाक्षारस; लाल रंग.  
 अलगर्द, } पु. नगव्याल, पाणीनेो  
 अलगर्द, } साप; कालो साप.  
 अलग्न, वि. अलग, छुटो.  
 अलंघन, न. उलंघन न करनुं-मर्थांदा  
 गहार न ननुं ते. [ याय अेवुं.  
 अलंघनीय, वि. अलंघ्य, न उलंघन  
 अलघु, वि. मोडु; गभीर, जेरावर.  
 अलंघ्य, वि. अलघनीय.  
 अलंजर, पु. मृदुभय पात्र, मोटो घटो.  
 अलजी, स्त्री. अक्षुरोग, आंभनेो रोग,  
 परमानेो रोग.  
 अलज्ज, वि. निर्लज्ज, जेसरभ.  
 अलंतराम्, अ. यथेष्ट, परिपूर्वुं.  
 अलङ्घ्य, वि. न भेजवी शकाय अेवुं.  
 अलम्, अ. लपण, वारगुदरीक.  
 अलर्क, पु. डडकायो कुत्रो; अडवंशी  
 राजनुं नाम.  
 अल (ले)ले, अ. पिशाच लापामो  
 इरथी पोकारवानेो शब्द.  
 अलवाल, न. आड वगेरेना भूणमां  
 पाणी राषयानेो भाटो करेछे ते.  
 अलस, वि. गुरत, आवसु. पु. रस-  
 विहार, नेनाथी पग दाथीना पग  
 नेवा थायछे ते.

अलक्षणा, स्त्री जभार्त नन्वे ले  
 नागी स्त्री  
 अलात, न द्युः कष्ट, ऐवसा  
 अलातचक्र, न अश्रियक  
 अलाबु-बू, यु तुष्ठी दुःखी  
 अलाम, पु नारा, अप्राप्ति  
 अलार, पु द्वार, दरवाने [धु द्वार  
 अलि, पु भभरो, कागजे, ऐव न वी  
 अलिन्, न वनाट कपाण वि भिन्धा  
 अलिकुल, न भभर समूह  
 अलिगर्ह, पु जलसप, पापीनो साप  
 अलिगिन्, वि वेनधारी  
 अलिजर, पु भागिनो भोगे धो  
 अलिजिहा, स्त्री ताणु  
 अलिद, पु आग्यो, आतरो, दरवा  
 न्त अडारनो ला ।  
 अलिन्, पु भभर, वीजु, वृश्चिकराशि  
 अलिपक, } पु मधभाष्, वीजु, टना  
 अलिपक, }  
 अलिपित्त, वि अक्षरगनु भूर्ण  
 अलिपता, स्त्री अनिन्द्या, नाभरल  
 अलिमक, पु पत्रभेजर, लेह, देहने,  
 भभर, ऐव न, वीजु [श २०  
 अलिविराघ, पु शुभरन, भभरनो  
 अलीक, न अमत्यता, तुडाल, वनाट,  
 म्पान, स्त्री वि अमत्य अ प  
 अलीना, स्त्री धारा पडछायो  
 अडु, स्त्री नानो कर्णनीयो  
 अडुक, पु भगटा आडु, नरनडु  
 अडून, वि अडून  
 अलदा, वि पुष्कण, म्प  
 अलभेज, वि दिश  
 अगेडु, वि जेपना  
 अलापिक, वि इधुत, नराडलेडु

अटन, पु शरीरना अवयव  
 अटप, वि द्विधित, योड  
 अटपता, स्त्री न्यनता, सनपता  
 अटपपत्र, पु तुलशी  
 अटपमस्तरु, पु चित्तो वाध  
 अटपशस्त्र, अ कभथी, योड थोडे  
 अल्पाटप, वि अत्यटप धलुण थोड  
 अटपायुस, वि थोगे नभन छननार,  
 लुनान पु अ रे  
 अटपिष्ट, } वि अत्यटप, धलुण  
 अटपियस, } थोड  
 अलुक, न धाण, नोन  
 अलुका स्त्री ऐथमीर  
 अल्ला, स्त्री माता, भा धाण  
 अर, ग १ रक्षा करतु, शुशी करतु,  
 आनद आपणे, न्यडातु, भटे  
 आली नरी  
 अव अ निश्चय, अनादर, आनमन,  
 निरान आपन शुद्धि अ पन्नी  
 अवकट, वि अभिभुष्, गामे, पा  
 धनु [जो, नादिन  
 अवकपित्त, वि औषध शुद्ध मतरा  
 अवकर, पु नरो, आड वगेदेथी  
 उडली पु [वागण, आ १३  
 अवकाश, पु कुम्भ, वभत, स्थान,  
 अवकर्ण, वि देनारेतु, पीरेतु,  
 आरीह करतु  
 अवकीर्णिन, वि धमभ्र [रुड ते  
 अवकुचन, न वही रण, पा ६  
 अवकुटार, वि निपतीत, पश्चात्,  
 पा १३ वैश्व, नो १७  
 अवकुटार, पु वडथ, जे १७ भाग  
 अवकुटन न वीजु थोड, नवनवीन  
 अवटप, वि अरु, नीय [रुड ते

अवकेशिन्, वि. वां०री०.  
 अवक्रंदन, न. आकंदन, उच्च स्वर  
 अवक्रय, पु. मूल्य, कीमत. [२३३] ते.  
 अवक्रांति, स्त्री. अवतरण; नीचे  
 लुं ते. [ते; दृष्टिर्भ.  
 अवक्रिया, स्त्री. परित्याग, छोडी देउं  
 अवक्रुष्ट, वि. निहित, निहेलु.  
 अवक्रोश, पु. उपालभ, मेहेलुं; ति-  
 रस्कार; शाप; गाण.  
 अवकण, पु. अक्षर, जेगूर.  
 अवकाथ, पु. मदाग्नि, यशोपर न  
 अवक्षेप, पु. निंदा. [यथयो काठो.  
 अवखात, न. गण्डर, युक्ष, उंडी  
 भाई. [न्या करपी ते.  
 अवगणन, न. अभान्यकरण, अभान-  
 अवगत, वि. शात, लणेलु; भुवेयु.  
 अवगति, स्त्री. ज्ञान, अक्षर; गमन.  
 अवगध, वि. सवारना नाडनार.  
 अवगम, पु. ज्ञान, अक्षर; गमन.  
 अवगाढ, वि. गभीर, नाडेलु  
 अवगाह, पु. स्नान, नडाउ ते, नाडा-  
 वानी ओरडी. [निंदा.  
 अवगीत, वि. इषित. न. लोकापवाह,  
 अवगुंठन, न. { धुगटो, धुरभो,  
 अवगुटिका, स्त्री. } साइ करउ ते.  
 अवगूहन, न. आर्लिगन.  
 अवगोहण, न. भास्वा वास्ते उधि-  
 यार उपाउयो ते.  
 अवग्रह, पु. स्वभाव, आहत; अना-  
 वृष्टि, वृष्टिशोध; छाथीनो समुदाय;  
 अपमान, अलाकार उरलु.  
 अवग्रहण, न. अनादर, अपमान.  
 अवग्राह, पु. अपमान, उरतीललाट;  
 अवघट्ट, पु. अरध, लोप. [शाप.

अवघर्षण, न. भांगलुं-धसलुं ते.  
 अवघात, पु. अपमृत्यु, अकरभात  
 भरलु; अनाजने कुटलुं-उडलुं ते.  
 अवघातिन्, वि. वधकारी, भुनी.  
 अवघूर्ण, पु. अमलु; जलावर्त, पा-  
 लीमां यता यक.  
 अवचन, न. मौन, शुप. [लायक.  
 अवचनीय, वि. स्तुत्य, वषाणुवा-  
 अवचय-चाय, पु. संयय, ओकहुं क-  
 रलुं ते; इल, इण तोडवां ते.  
 अवचूड, पु. छत्र; देहेराना कणश.  
 अवचूल, पु. राजभूषण, छत्र वगेरे.  
 अवचूलक, न. यमरी, मोरछल.  
 अवच्छद, पु. ढाकलुं.  
 अवच्छात, वि. कापेयुं, तोरेयु.  
 अवच्छिन्न, वि. कापेयु, छेदेयुं.  
 अवच्छुरित, न. अतिशय उरय,  
 मोरेथी उरलुं ते. [तक्षवत.  
 अवच्छेद, पु. विराम; भाग, उद,  
 अवच्छेदन, न. अडन, तोडउ, कापयुं.  
 अवजय, पु. पराजय, उर.  
 अवजित, वि. अतनार; पराभूत;  
 अवज्ञा, स्त्री. अपमान. [तुं०.  
 अवज्ञात, वि. अवमानित. [मदारी.  
 अवट, पु. णील, दर; इवो; आडो;  
 अवटंक, पु. अन्तर; अटक, उपनाम.  
 अवटि, पु. अवट शब्द लुओ.  
 अवटीट, वि. अपटा नाकवाणो.  
 अवट्ट, पु. आडो, कप, इवो, अरद-  
 नो पाछलो भाग.  
 अवडंग, पु. अन्तर, उर.  
 अवडीन, न. पक्षीओत उच्चपी नी-  
 येनी आलुओ उडलुं ते.

अवत, पु. द्वेषो. [ भा. ]  
 अवतति, स्त्री. विस्तार, लब्धाद्य षडो-  
 शवतमस, न. शोडुं अंभाङ्.  
 अवतर, } न. उत्तराय, अवरोहन.  
 अवतरण, } [ वना. ]  
 अवतरणिका, स्त्री. लुभिका, प्रस्ता-  
 अवतंस, पु. कर्णुल्लस्य, कान्तुं धरेणुं,  
 ( कूल, वाणीवगेरे ) कलगी, तुरे.  
 ( पाधडीमां भोसवानां )  
 अवतार, न. विष्णु वगेरेना लुद्ध  
 लुद्ध देह धारणुं करेला अवतार;  
 तीर्थ; भाषांतर; अतिक्रमण.  
 अवतारण, न. पूज; कपडानो छेडो.  
 अवति-नी, } स्त्री. उन्ननी नगरी.  
 अवतिका, }  
 अवतीर्ण, वि. उत्तरेणुं, शोडुं गेणुं.  
 अवतोका, स्त्री. अकडुभात गर्भे पात.  
 थपवी गाय. [ उचिकर गे भातुं ते.  
 अवदंश, पु. निशो कथां पछी तेने  
 अवदात, वि. सधेत रग, पीणो रग.  
 वि. सधेद; पीणु; स्वच्छ; सुंदर.  
 अवदान, न. देवताओने लेट; प्रश-  
 स्तकर्म, साङ्कडाम; अंडन, तोडुं ते.  
 अवदारण, न. अनिर, पावडो, डो-  
 दाणी वगेरे. [ भूणीयां. ]  
 अवदाह, न. विरलुभूण, वाणानां  
 अवदून, वि. तापित, दुःभी, कधी.  
 अवदोह, पु. दूध, पय.  
 अवघ, वि. निध; अधम, पापी;  
 अघोय. पु. पाप, पातक.  
 अवद्रंक, पु. अजग, हाट.  
 अवघ्य, वि. न भारवा लायक.  
 अवग्रह, न. भतेरघोम, रावध-  
 गीरी; पावन, नतन.

अवधानता, स्त्री. सावधगीरी.  
 अवधारण, न. निश्चय.  
 अवधार्य, वि. निश्चय करेणुं.  
 अवधि, पु. सीमा, छेद; वपत;  
 भाडो; सभाप्ति.  
 अवधिता, स्त्री. सीमा, छेद, मर्यादा.  
 अवधिरण, न. अवसा, अपमान.  
 अवधीरित, वि. अवसात, निहित,  
 अपमान करेणुं.  
 अवधूक, वि. कुंवारे, वांढो.  
 अवधूत, वि. विरक्त, त्यक्त; तिर-  
 स्कार करेणुं; कंपावेणुं.  
 अवधूनन, न. सक्र, कंप्तुं.  
 अवध्वंस, पु. त्याग, तछ हेतुं ते.  
 अवघन, न. रक्षण; गमन; कृपा; सं-  
 तोष; शोभा; वेग; आर्त्तगन;  
 श्रवण; सत्ता, वृद्धि; धृच्छा; प-  
 अवघनत, वि. नत्र. [ सक्रम. ]  
 अवघति, स्त्री. प्रणाम; वियय.  
 अवघनद्ध, न. डोल, मृदंग. वि. आधेणुं.  
 अवघनय, पु. नीचे पडतुं ते.  
 अवघनि-नी, स्त्री. पृथ्वी, भूमि.  
 अवघनि(नी)पति, पु. राज; विष्णु  
 अवघनिरुह, पु. जाड, वृक्ष. [ भगवान. ]  
 अवघनीघर, पु. दुंगर, पर्वत.  
 अवघनीश्वर, पु. सार्वभौम राज, स-  
 कर्वात्ति राज, शेडेनसाह.  
 अवघनीसारा, स्त्री. कदणी, डेण.  
 अवघनेजन, न. प्रक्षासन, मार्जन.  
 अवघपात, पु. नीचे पडतुं; हाथी  
 वगेरेने पडतवानेवास्ते करेला  
 धारथी दांडेला भाडो.  
 अवघपीड, पु. नरय, छोक आववातुं  
 शोसड, छोकणी.

अवयधा, स्त्री. त्रिकोणुनी आणु.  
 अवयोध, पु. ज्ञान; अध्यापन.  
 अवमान, न. आभारस; उगाध.  
 अवमास, पु. प्रकाश, रोशनी; भाषा.  
 अवम्रट, वि. यथा नाकवाणुं.  
 अवम, वि. नीय, पाभर; तिथिक्षय.  
 अवमत, वि. अवसात.  
 अवमति, पु. ध्वर; माक्षीक, धणु.  
 स्त्री. अवसा, अपमान.  
 अवमर्द, पु. दुःख देवुं ते; शत्रुना  
 नगरने वेशन करवुं ते.  
 अवमान, पु. } अपमान, अ-  
 अवमानना, स्त्री. } वसा. [ देवुं ते.  
 अवमोचन, न. उन्मोचन, छोडी  
 जघयव, पु. अंग, शरीरना भाग;  
 तर्कशास्त्रनां अनुमानना (प्रतिज्ञा,  
 हेतु, उदाहरण, उपनय, निगमन)  
 पांय अंग.  
 अवर, वि. पाछुं; कनिष्ठ, नातुं;  
 नीय, पाभर. न. हाथीनी पा-  
 छडी आणुने नंधनेा भाग.  
 अवरज, पु. कनिष्ठबंधु, नानो भाध.  
 अवरव्रत, पु. र्थ.  
 अवरा, स्त्री. दुर्गा, पार्यती, भवानी.  
 अवरोण, वि. निदेवुं. [ रेवुं.  
 अवरण, वि. रोगी; विदीर्षु, तो-  
 अवरोध, पु. अंतःपुर, रजुवास;  
 रागपत्री, राणी; टांकणुं; अटकाव.  
 अवरोधक, पु. द्वारपाण. [ लुग्या.  
 अवरोधन, न. अवरोध शब्द  
 अवरोधायन, न. अंतःपुर, रजुवास.  
 अवरोधिका, स्त्री. द्वारपाण स्त्री.  
 अवरोपण, न. छीनवी लेवुं; वंथना,  
 उगाध; अस्त पाभतुं ते.

अवरोह, पु. } अवतरण, आरोह-  
 अवरोहण, न. } न, यद्वुं ते; स्वर्ग.  
 अवर्ण, पु. अ अक्षर; निदा. वि.  
 विवर्ण, ये रगतु; नीय; मध.  
 अवलक्ष, वि. संदिद.  
 अवलम्ब, वि. वणनेवुं; कभर, कटि.  
 अवलंब, पु. आश्रय, शरणु. [ श्रित.  
 अवलंबित, वि. शीघ्र, बलही; आ-  
 अवलांछन, न. अदनाभीनी नि-  
 शानी. [ लेपन करेवु.  
 अवलिप्त, वि. अहंकारी, भगवण;  
 अवलिप्तता, स्त्री. अहंकार, भगवणी.  
 अवलीढ, वि. आस्वादित, आरेवुं.  
 अवलीला, स्त्री. रमत; अनायास.  
 अवलीलाक्रमे, अ. अनायासे. [रवुं.  
 अवलुंचन, न. विदारण, दाडवुं, स्त्री-  
 अवलुंठन, न. धुट; आलोचवुं ते.  
 अवलून, न. छिन्न, भडन, कापेवुं.  
 अवलेप, पु. लेपन; अहंकार, अलि-  
 भान; धरेणु; संग. [नेग पदार्थ.  
 अवलेह, पु. यदणी, याडी जावा-  
 अवलेहन, न. आटवुं ते.  
 अवलेहा, वि. आरेवुं.  
 अवलोकक, पु. इत, नगुरा.  
 अवलोकन, न. दर्शन, निरीक्षण.  
 अवलोकयित्, पु. प्रेक्षक, नेनार.  
 अवल्लगुज, पु. वनरपति भावस्त्री.  
 अववाद, पु. आसा; निदा; लदेगे,  
 अवश, वि. स्वतंत्र. [ विश्वास.  
 अवशिष्ट, वि. शेष, भाडी.  
 अवशीन, पु. वृथिक, वीधु. [ भाडी.  
 अवशोप, पु. अंत, आभर; शेष,  
 अवशोपण, न. शुष्ककरण, शुष्कवुं ते.

अवश्य, अ. सर्वथा. वि. अद्वय,  
 वश न थाय ज्येवं.  
 अवश्यकता, स्त्री. अगत्य, नद्री.  
 अवश्यंभाविन्, वि. निश्चितभाषी.  
 अवश्या, स्त्री. थंडी, डीम. [नद्री यनाई.  
 अवश्याय, पु. शिशिर, थंडी; गर्व,  
 अहंकार. [सूत यनारी गाय.  
 अवष्कयणी, स्त्री. लांघे वपते प्र-  
 अवष्टम्भ, वि. आंधेयुं; आश्रित.  
 अवष्टंभ, पु. सूयना; सोनुं, थांललो;  
 अवष्वाण, न. लोचन, भावुं. [प्रारंभ.  
 अवस्, न. रक्षण. पु. ( स ) सूर्य;  
 राज. [पछेडी वगेरे.  
 अवसक्तिका, स्त्री. लभे; इभाल,  
 अवसज्जन, न. आसिगन, त्रेभावाप.  
 अवसथ, पु. पाठशाळा, विद्यालय;  
 गान. न. धर.  
 अवसथ्य, पु. पाठशाळा, विद्यालय.  
 अवसन्न, वि. उदासी, भिन्न.  
 अवसर, पु. अवकाश, वपत, वर्ष;  
 क्षय, पण.  
 अवसाद, पु. दुर्बलता; श्रम, थक  
 अवसादन, न. श्रम. थक; सम्भक्ति.  
 अवसान, न. सम्भक्ति; शेष, भाडी;  
 मृत्यु; सीमा, उद.  
 अवसाय, पु. शेष, भाडी, निश्चय.  
 अवसारण, न. नात गडार करुं.  
 अवसेकिम, पु. वडां, लज्जां.  
 अवसेय, वि. नश्वर, नाशवत.  
 अवस्कंद, पु. शिबिर, छावणी; आ-  
 कंभल, दने, [उपस्थ, सुलांग.  
 अवस्कर, पु. कयरे. पुंजे; विष्टा, नरक;  
 अवस्तात्, अ. पत्रात, पाठवनुं; शेष.  
 अवस्तार, पु. कनात, पडदे.

अवस्था, स्त्री. दशा. डालत; आयुष,  
 उभर. [स्थिति.  
 अवस्थान, न. रडेवानी नगा अथवा  
 अवखन, न. कुशळ, अराण शळ.  
 अवहस्त, पु. उथेकीने पाछले भाग.  
 अवहा, वि. आवण, कायम.  
 अवहार, पु. आड, सोसवाट; यार;  
 गुगार; स्वधर्म त्याग. [गरमन्ध.  
 अवहारक, पु. आड, सोसवाट, म-  
 अवहित, वि. लणुं; तत्पर.  
 अवहित्य-धा, द्वे. उपवेश.  
 अवाक्ष, पु. परिरक्षक, पाणक.  
 अवाप्त, वि. नअमुष्, नमेयुं.  
 अवाच, वि. मुंयुं.  
 अवाची, स्त्री. दक्षिण दिशा.  
 अवाचीन, वि. दक्षिणुं.  
 अवांतर, वि. अतरस्थ, मध्यस्थ.  
 अवात, वि. प्राप्त. [नारो.  
 अवार, न. नदीने आ तरनेो कि-  
 अवारपार, पु. समुद्र, सागर.  
 अवावन, पु. यार.  
 अवासस्, वि. नअ, नायुं.  
 अवि, पु. पर्वत, मेंढे; धणी; उदर;  
 वायु. स्त्री. रजस्वला स्त्री.  
 अविक, पु. मेंढे न. हीरो. [यणुं.  
 अविकट, पु. मेपसभूड, मेंढां  
 अविकल, वि. यथार्थ. [हीन.  
 अविक्रम, वि. असमर्थ, पराक्रम-  
 अविक्रम, पु. पराक्रम.  
 अविक्र, पु. करमदानुं आड.  
 अविकीत, वि. अनिदित, न निदेंतुं.  
 अविगुण, वि. उपयुक्त, सुलुवान.  
 अविचार, पु. अज्ञान. वि. अवि-  
 अविचालित, वि. चिन्थी. [चारी.

अविडीन, न. पक्षीओतुं साभेनी  
 भाणुओ उडुंतुं.  
 अवित, वि. प्रात, रक्षा करेकुं.  
 अवितथ, न. सयार्थ. वि. सत्य, भ्रं.  
 अवित्यज, वि. पारद, पारो.  
 अविदूरदस्, अ. पासेतुं.  
 अविदुस, न. मेंदीतुं इंध.  
 अविद्य, वि. अज्ञानी. [भाया.  
 अविद्या, स्त्री. अज्ञान, भूर्भार्य;  
 अविद्योत, वि. प्रभाहीन.  
 अविन्धन, पु. वाडवाभि. पाणीनी  
 आग, पिण्णी.  
 अविधान, वि. अविधि.  
 अविधेय, वि. अयोग्य.  
 अविला, स्त्री. भेपी, मेंदी.  
 अविवाद, पु. संभति, अक्षयता.  
 अविचेक, पु. अज्ञानता, जेवकुशी.  
 वि. अज्ञानी, जेवकुई.  
 अविन, पु. यष्टा, यज्ञ करनार.  
 अविनाभाव, पु. व्याप्ति, स्वभावसि-  
 अविनाशिन, वि. नाशरहित. [इत्ता.  
 अविनीत, वि. उद्धत. स्त्री. (ता)  
 लरीणी-अभित्यारी स्त्री.  
 अविपट, पु. उनतु कपडुं, कांयली.  
 अविप्लव, वि. अक्षत.  
 अविफल, वि. सक्षण.  
 अविमक्त, वि. अपृथक्. [अभुं.  
 अविमाज्य. वि. वांटी न सकाथ  
 अविमरीस, न. भेष दुग्ध, मेंदीतुं  
 इंध. [अभुं पु. काशीक्षेत्र.  
 अविमुक्त, वि. अत्यक्त, न छोडाथ  
 अविरत, वि. निरंतर, सतत.  
 अविदांका, स्त्री. निश्चय.  
 अविशुद्ध, वि. निर्भय, पवित्र, शुद्ध.

अविश्रंभिन, वि. अनिश्चयी.  
 अविश्रांत, वि. विश्रांती रहित, न  
 थाडेकुं.  
 अविश्वस्त, वि. विश्वास वगरतुं.  
 अविश्वासा, स्त्री. बांयि वपते प्र-  
 सूत थनारी गाय. [वि. विपरहित.  
 अविष, पु. समुद्र; राज; आकाश.  
 अविसोद, न. मेंदीतुं इंध.  
 अवी, स्त्री. रगस्वदा स्त्री.  
 अवीचि, पु. नरकतुं नाम छे. वि.  
 तरग-भोण वगरतुं.  
 अवीरा, स्त्री. पतिभुत्र वगरती स्त्री.  
 अवक्षेण, न. { दर्शन, भनोयोग,  
 अवक्षा, स्त्री. } आलोचन.  
 अवक्षित, वि. दध, दीरेकु.  
 अवेल, पु. लण्णीने अलपुया थुंतुं ते.  
 अवेला, स्त्री. आवेकु पान.  
 अवेध, वि. निषिध, शास्त्ररहित.  
 अवोद, वि. आर्द्र, लीकु, लीतुं  
 अब्द, पु. भेष, वरसाद, वत्सर, वर्ष.  
 अव्यक्त, वि. अप्रत्यक्ष. पु. विष्णु;  
 शिव, कामदेव; भूर्भ. न. आत्मा.  
 अव्यक्तराग, पु. लोहितवर्ण, लावरग.  
 अव्यथ, वि. पीडारहित. पु. सध.  
 अव्यथा, स्त्री. हरीतकी, हरडा.  
 अव्यधिधी, स्त्री. पृथ्वी; रात्र, रात.  
 अव्यधिप, पु. सध, समुद्र. स्त्री.  
 पृथ्वी; भधरात.  
 अव्यवधान, वि. पासे, नगदीक.  
 अव्यय, पु. विष्णु, शिव. वि. अ  
 विनाशी. न. श्रम.  
 अव्याज, पु. सीवे ररते आलकुं ते.  
 वि. शीघ्र, लवदी. [आत्मा, लव.  
 अव्ययात्मन्, वि. अविनाशी, पु.

अश, ग. ३, ५. नुं अथवा आ-  
 वुं; पद्धुं; भेगवुं; भोगवुं.  
 अशंक, वि. निर्लभ्य, निःशंक.  
 अशक्त, वि. असमर्थ, नष्णुं.  
 अशक्ति, स्त्री. अशक्तता, नष्णार्थ.  
 अशक्य, वि. असाध्य, न धर्म शक्ये  
 अशुं.  
 अशक्तु, पु. चंद्र. वि. शत्रु वगैरुं.  
 अशन, न. भोजन; अन्न. पु. चि-  
 त्तुं आउ.  
 अशनाया, स्त्री. क्षुधा, भूष.  
 अशनायित, वि. क्षुधित, भूष्पो.  
 अशनि, यु. वज्र; विजणी. [ यक्ष.  
 अशनीय, वि. भोज्य, भावा ला-  
 अशरीर, पु. कामदेव. वि. निराकार.  
 अशर्मन्, वि. दुःखी. न. दुःख.  
 अशाश्वत, वि. नाशकंत.  
 अशास्त्र, वि. शास्त्र विरुद्ध, पापडी.  
 अशित, वि. भक्षक, भानार.  
 अशित, वि. भुक्त, नभेदुं; एत.  
 अशितंभव, न. भावानी शीले.  
 अशित्र, पु. चोर.  
 अशिर, पु. अग्नि; राक्षस, लत; संधि.  
 अशिव, वि. अशुभ. [न. हीरक, हीरो.  
 अशिद्विका, स्त्री. वांछणी स्त्री.  
 अशिष्ट, वि. दुराचारी.  
 अशीतकर, पु. संधि.  
 अशीति, स्त्री. अंसी, ८० नी सम्भा.  
 अशीतिक, वि. अंसी वर्षं, अं-  
 सीनी सम्भानुं.  
 अशुचि, वि. अपवित्र, अशुद्ध.  
 अशुद्ध, वि. अपवित्र, अशुचि.  
 अशुभ, वि. अभंगण, अशुभ. न. पाप.

अशुभ, वि. अपक्व, काशु.  
 अशेष, वि. संपूर्ण, अधुं.  
 अशेषतस्, अ. अधी रीते.  
 अशोक, न. पारो. वि. शोकरहित.  
 पु. अशोकं आउ; राज, अशोक.  
 अशोचनीय, { वि. शोक न करवा  
 अशोच्य, } लायक.  
 अशौच, न. अशुद्धपणुं, भक्तिनता.  
 अशौर्य, न. क्षयरता. [ लोडु.  
 अश्म, पु. पर्वत; मेघ, वरसाद. न.  
 अश्मन्, पु. पर्वत, पाषाण, पथर.  
 अश्मंत, न. अशुभ; भरणु; भेतर;  
 सूत्रो. [ थरानी उभली-पल.  
 अश्मभाल, पु. लोपड अथवा प-  
 अश्ममय, न. भनीन. वि. भडक-  
 वाणु. [ (जमीन वगैरे.)  
 अश्मर, वि. भडकवाणुं, नक्षर.  
 अश्मरी, स्त्री. भूतकृच्छुरोग, पथरी.  
 अश्मस्तार, उ. लोडु.  
 अथ (स्त्र), न. नेत्रजण, आंशु; लोही.  
 अथद्, वि. नास्तिक, अविश्वासु.  
 अथद्वा, स्त्री. नास्तिकता, अविश्वास.  
 अथ (स्त्र) प, पु. राक्षस, निशाचर.  
 अथवण, न. आनाकानी.  
 अथांत, न. नित्य. वि. श्रमरहित;  
 अथि-थ्री, स्त्री. भूषो. [ निरंतर.  
 अथीक, वि. अशुभ.  
 अथु (स्त्र), न. नयनजण, आंशु.  
 अथुत, वि. न सांभणुं.  
 अथुनाली, स्त्री. नासुर, भगंदर.  
 अथुपात, पु. आंशुवं वडेणुं; इदन्.  
 अश्लील, न. दुष्ट कुं भाषणुं; दुष्टी  
 गाण.



असिताश्मन्, पु. वैदूर्यमणि, नीलम-  
 असिदंष्ट्र, पु. भगर, सोसवाट. [स्थि.  
 असिघारा, स्त्री. तरवारनी धार.  
 असिधेनु, (का), स्त्री. छरी, यक्षु.  
 असिपत्र, पु. शेरडी; भद्र, तर-  
 वार, भ्यान; नरकविशेष.  
 असीम, वि. अनंत, अक्षद.  
 असु, पु. आस, प्राणु; पाणु; अ-  
 असुत्, न. दुःख, पीडा. [ तःकरणु.  
 असुखिन्, वि. दुःखी.  
 असुनिरस, वि. अप्रिय.  
 असुभृत्, वि. प्राणु, अववाणुं.  
 असुमत्, वि. अवतुं.  
 असुर, यु. कश्यप मुनिना पुत्रो, देव-  
 ताना विशेधीभ्यो, दैत्य. पु. सूर्य;  
 राहुअक्ष. स्त्री. (रा) रात; राशि;  
 वेश्या स्त्री. (री) दैत्य स्त्री, सरसव.  
 असुररिपु, पु. विष्णु; देवताभ्यो.  
 असुरसा, स्त्री. तुणसी,  
 असुरावह, न. कार्श्य, कसुं.  
 असुख, वि. रोगी, आनरी.  
 असुखता, स्त्री. रोग, आनर.  
 असूक, वि. पिशुन, याडीभ्यो; तो-  
 असू (सु) क्षेण, न. अनादर. [ क्षणी.  
 असूति, स्त्री. वध्यत्व, वांजीआपणु.  
 असूयक, वि. धिक्कारनार.  
 असूया, स्त्री. द्वेष, क्षसद.  
 असूर्यपश्या, स्त्री. राजपत्नी, राष्ठी.  
 असूक्य, पु. राक्षस.  
 असूघरा, स्त्री. आमडी.  
 असूघारा, स्त्री. लोहीनी धार.  
 असूज, न. रक्ष, लोही; केशर; कंडु.  
 असूपाट टी, यु. रक्षधारा.

असूष्ट, वि. न पेदा थयकुं.  
 असौभाग्य, न. अश्रेय.  
 असौम्य, वि. अलद्र, कुरप.  
 असौम्यस्वर, वि. कागडाना नेवा  
 स्वरवाणो.  
 अस्कन्न, वि. स्थायी, कायम.  
 अस्खलित, वि. निश्चल, कायम.  
 अस्त, पु. अस्तायण. न. मृत्यु; अं-  
 तर्धान. वि. त्यक्त; क्षिप्त.  
 अस्तक, पु. भोक्ष, मुक्ति.  
 अस्तगिरि, पु. अस्तायल, सूर्यादि-  
 अक्षो ने ठंकाणे अस्त यावछे ते  
 अस्तम्, अ. अतर्धान. [प्रदेश.  
 अस्ताघ, वि. अगाध.  
 अस्ति, अ. विद्यमान-अवता होवुं.  
 अस्तिमत्, वि. पैसाधार, तवगर.  
 अस्तु, अ. अर्थ याभ्यो. [ति, सत्यता.  
 अस्तेय, न. अचोर्ध, चोरी न करवी  
 अस्त्यान, न. दोष, ठपको.  
 अस्त्र, न. भारवा लायक हथियार. (त-  
 रवार, धनुष्य वजेरे.)  
 अस्त्रकंटक, पु. आणु.  
 अस्त्रचिकित्सक, पु. शस्त्रवैद.  
 अस्त्रधारिन्, पु. योद्धो; सिपाई.  
 अस्त्रविद्, पु. अस्त्रवेत्ता, शस्त्रविद्या  
 ज्ञाणुनार.  
 अस्त्रविद्या, स्त्री. धनुर्विद्या.  
 अस्त्रीक, वि. स्त्रीरहित, स्त्रीवगरेनो.  
 अस्त्रायिन्, वि. नाशवंत.  
 अस्थार, वि. अगाध.  
 अस्थि, न. हाडकां.  
 अस्थितुंड, पु. पक्षी.  
 अस्थिघन्वन्, पु. शिव, महादेव.

अस्थिवत्, वि. डाकडां नवे।  
 अस्थिसंधि, पु. भर्मस्थान।  
 अस्पृह, वि. धृच्छावगरनुं। [बालनार।  
 अस्फुटवाच, वि. तोतडो, स्पष्ट न  
 अस्मद्, आत्मवाची सर्वनाम, हुं,  
 अस्मंत, न. यूतो। [अभे।  
 अस्मदीय, वि. अभाङ्।  
 अस्मरण, न. } विस्मृति, भूषी  
 अस्मृति, स्त्री. } नपुं ते।  
 अस्त्र, पु. भूषो; वाण, निभाणा. न.  
 अस्त्रज, न. भांस. [बोडी; आंसु।  
 अस्त्रप, पु. निशाचर, राक्षस।  
 अस्त्रपा, स्त्री. नपुं; राक्षसी।  
 अस्त्रि, स्त्री. १०००००००, करोडनी  
 अस्तु, न. अक्षुण्ण, आंसु. [सम्भ्या।  
 अस्त्य, वि. पारकुं, दरिद्री।  
 अस्वतंत्र, वि. आधीन, ताभेदार।  
 अस्वप्न, पु. भेदस्वप्न; देवता, देव।  
 अस्वर, वि. भेद स्वरवाणुं. [दारी।  
 अस्वातंत्र्य, न. पराधीनता, ताभे-  
 अस्वीकार, पु. असंभत, भतश्रेर।  
 अह, अ. प्रशंसा, वभाषु; ईकतुं; वि-  
 अहंयु, वि. भग्नर. [योग; गतिदर्शक,  
 अहःपाति, पु. सूर्ये।  
 अहंकार, पु. अभिमान, गर्व।  
 अहंकारवत्, } वि. अभिमानी।  
 अहंकारिन्, }  
 अहंरुति, स्त्री. अभिमान, गर्व।  
 अहत, न. नवांवर, नपुं कपडुं. वि.  
 अहन, न. दिन, दिवस. [अनाहत।  
 अहंमति, स्त्री. हुंपलु; अज्ञान।  
 अहमहमिका, स्त्री. पाते पातानी  
 तारीङ् करवी, जेभ डे हुं योदो।

अहर, पु. वासर, दिवस।  
 अहरह, अ. प्रतिदिन, नित्यशः।  
 अहर्गण, पु. भास, भङ्गिनो।  
 अहर्जर, पु. सवत्सर, वर्ष।  
 अहर्निश, अ. दिवारात्रि, रात्रदिवस।  
 अहर्पति, } पु. सूर्ये।  
 अहर्मणि, }  
 अहर्ष, वि. अमुषी।  
 अहल्य, वि. वगर जेउली नभीन।  
 अहल्या, स्त्री. गीतम मुनिनी पत्नी;  
 अहस्कर, } पु. सूर्ये. [अप्सर विरोध।  
 अहस्पति, }  
 अहह, अ. आश्चर्य, भेददर्शक।  
 अहि, पु. सर्प; सूर्य, मुसाङ्कर; वृत्र-  
 मुर दैत्य; सीसुं; राहुअह।  
 अहिकांत, पु. वायु।  
 अहिच्छत्रा, स्त्री. शङ्करा, शाङ्कर।  
 अहजित्, पु. धंद्र; कृष्णु।  
 अहित, वि. अपथ्य; भेद. पु. शत्रु।  
 अहितुंडिक, पु. गार्डी।  
 अहिक्षिप, पु. धंद्र; गड; मोर;  
 नोणीया; विष्यु।  
 अहिनकुलिका, स्त्री. साप अने नो-  
 णीयाने जन्म वेर।  
 अहिपति, पु. सर्पोनो राज, वासुधी।  
 अहिपुत्रक, पु. सापना नवे भछवे।  
 अहिफेन, न. सापनी गरग; अशीषु-  
 अहिफेनबीज, न. अशप्स।  
 अहिव्रध, पु. शिव; यंद्र; रुद्रगणु-  
 भांनो अेक. [वन० नोणवेस।  
 अहिमुक्, पु. गड; मोर; नोणीया;  
 अहीन, वि. उतम नत; मोटा नाग।

अहीरणि, } पु. द्विमुष्पी सर्प, जे  
अहीरदिप्य, } मोढावाजो साप.  
अहुत, पु. ध्यानयोग. न. प्रलयस.  
अहे, अ. पाताना जेवाने जोडावपुं.  
अहेय, वि. न लेवा लायक.  
अहो, अ. शोक; कड्या; निंदा; वि-  
पाद; संभोधन; प्रशंसा; विरमय;  
पादपूरणु; वितर्कदर्शक.  
अहाय, अ. तुरत, जलदी.  
अह्ला, स्त्री. भिक्षाभानुं जाड.

आ.

आ, धीन्ते स्वर.  
आ, अ. स्मृति; अनुकंपा; समुच्चय-  
दर्शक. [ व्याप्तिदर्शक.  
आ, पु. महेश्वर, महादेव.  
आइ, अ. येरुं; सीमा; अग्नि;  
आं, अ. स्वीकार, कर्मजातदर्शक.  
आकंप, पु. कोंपुं-धुजुं ते. [ तम.  
आकर, पु. भाणु; समूह; श्रेष्ठ, उ.  
आकर्णन, न. श्रवण, सांभणुं ते.  
आकर्ष, पु. पासा; लुनार; धनुष्य  
विद्या शिष्यी ते; धद्रिय; आ-  
कर्षणु; मोहन, वशीकरणु.  
आकर्षक, पु. बोड्युयक. वि. भं-  
यनार, आकर्षणु करनार.  
आकर्षण, न. जेरथी भंयुं ते.  
आकलन, न. सरवाजो करवो ते;  
अधन; धंछा, गणुं ते.  
आकल्प, पु. मोशाक; रोग, अलका-  
रणी शोभा; वृद्धि. [ उत्तंका; धर्म.  
आकल्पक, पु. अधकार; मूर्छा, पांड;  
आकल, पु. अक्षवकशे-नरे.  
आकप, पु. कसोटी.

आकस्मिक, वि. अकस्मात्पी उ.  
आकांक्षा, स्त्री. धंछा. [ त्यज ययुं.  
आकांक्षिन्, वि. अभिक्षापी.  
आकाय, पु. स्थल; श्मशानाग्नि;  
यिता, वेद. [ व्या अक्षर.  
आकार, पु. भृति. आकार; यिक;  
आकारण, न. आहान, आभंनणु.  
आकारवत्, वि. मुंहर, हेभावरो.  
आकारित, वि. कडेकुं; जोलावेकुं.  
आकालिक, वि. ऋतुवगर उत्पन्न  
ययुं; क्षणीक.  
आकाश, उ. आकाश, आसमान.  
आकाशकक्षा, स्त्री. क्षितिज.  
आकाशदीप, पु. आकाशदीपो, क-  
र्तिक महिनामां लक्ष्मीनारायणुनी  
प्रसन्नताभाटे जाड अथवा उंची  
लाडडी उपर टांगवाभां आवतो  
आकाशपटल, न. अभ्रक. [ दीपो.  
आकाशयान, न. विमान.  
आकाशवाणी, स्त्री. धंश्वर धंछापी  
आकाशमां मनुष्यवाणी जेवो  
यतो शब्द.  
आकाशो, अ. अतरिक्षे, आकाशमां.  
आकाशेश, पु. ईश्वर.  
आकिंचन, न. निर्धनता, गरीणी.  
आकीर्ण, वि. व्याप्त, घेरकुं. [ यन.  
आकुंचन, न. संकोच; वक्रेता, पांड;  
आकुंठित, वि. लज्जित, शरमा-  
आकुल, वि. व्याकुल; पूरुं. [ अयुं.  
आकून, न. धंछा; अभिप्राय.  
आकृति, स्त्री. धंछा, भरल; धंशो.  
आकृति, स्त्री. आकार, घाट; शरीर;  
शाति, जत.

आहृतिछत्रा, स्त्री. वन० अधा०.  
 आक्रन्द, पु. रडारेण; अवाग्न; भिन्न;  
 लडाई. [ पराक्रम; आगमन.  
 आक्रम, पु. डडो, डुभलो; अनाज;  
 आक्रांत, वि. दुःखित; लब्ध.  
 आक्रीड, उ. डीडा, रमत.  
 आक्रीडन, न. विलास करवो-रमचुं ते.  
 आक्रोश, पु. निंदा, गणो आपवी ते.  
 आक्रोशक, वि. शाप आपनार.  
 आक्रोशन, न. शाप, अद दुवा.  
 आक्रांत, वि. श्रांत, थाकेचुं.  
 आक्रेद, पु. छंटचुं-भीजवचुं ते.  
 आक्षयुतिक, वि. पासाथी लुगार  
 आक्षयण, न. उपवास. [ रमनार.  
 आक्षपाटिक, पु. लुगारभानानो ड-  
 पारी; न्यायाधीश.  
 आक्षपाद, वि. गौतमे शिभवेचुं. पु.  
 न्यायशास्त्री. न. न्यायशास्त्र.  
 आक्षार, पु. दुपलु. डपडो.  
 आक्षारण, डे. परस्त्रीगमनचुं दुपलु.  
 आधिक, वि. पासाथी लुगार रम-  
 नार; पासाथी भेजवनार.  
 आक्षेप, पु. दुपलु; निंदा.  
 आखंडल, पु. धंड.  
 आरान, पु. भनक, भोदनार.  
 आखनिक, } पु. खार; डुकर; डडर;  
 आखु, } नभीन भोडवानां डधि-  
 थारो. ( डोडाणी पावडो वगेरे.)  
 आखुकर्णो, स्त्री. वन० उंटरनीडीनी.  
 आगुग, पु. गलुपति.  
 आखुभुज, पु. भिडाव, भिडाडी.  
 आखेट, पु. भृगया, शिकार.

आखेटक, } वि. शिकार करनार;  
 आखेटिक, } लयानक. न. भृगया,  
 शिकार. पु. पारधी; पारधीने  
 कुत्रो, शिकारी कुत्रो.  
 आखेटिन्, वि. लयानक, धरु.  
 आखोट, पु. अक्षरौटनुं आड.  
 आख्या, स्त्री. नाम, अभिधान.  
 आख्यात, वि. कथित, कडेचुं. न.  
 धातु, क्रियापद.  
 आख्यान, न. कथा, कडाणी; कथन.  
 आख्यायक, पु. कथक, कथा करनार.  
 आख्यायिका, स्त्री. कथा, कडाणी;  
 आख्येय, वि. कडेवासायक. [ भप.  
 आगस्, न. दुरायरपु; अपराध.  
 आगत, वि. आवेचुं, भजेचुं; रडेचुं.  
 आगंतु, } पु. अतिथि, परेशो. वि.  
 आगंतुक, } अकरभातथी आवेचुं.  
 ( दुःभ वगेरे.)  
 आगम, पु. आगमन, शास्त्र; वेद. न.  
 आगमन, न. आवचुं ते. [ तंत्रशास्त्र.  
 आगमित, वि. अधीत, अव्यस्त,  
 शिभेचुं.  
 आगम्य, वि. पासे आववा योग्य.  
 आगार, न. गृह, घर.  
 आगारगोधिका, स्त्री. डेडगरीडी.  
 आगारदाह, पु. घरचुं लणचुं ते.  
 आगारदाहिन्, वि. घर सणभाव-  
 नार. [ धूभाडो  
 आगारधूम, पु. घरभांधी नीकणतो  
 आगुर, स्त्री. प्रतिज्ञा, करारनामुं,  
 डराव.  
 आगुरव, वि. सारी वचनचुं; अ-  
 नर वंनराचुं. [ डराव.  
 आग्न, स्त्री. प्रतिज्ञा, करारनामुं.

आग्नेय, न. होम करवानुं धर. पु.  
 त्रिपत्रत राजनो मोटो पुत्र.  
 आग्नेय, न. सोनुं; लोही; धी; नग-  
 रनुं नाम. पु. अगस्त्यमुनि. वि.  
 अग्निसम्धी. [ पत्नी.  
 आग्नेयी, स्त्री. अग्निदोषु; अग्निनी  
 आग्रह, पु. आग्रह; प्रयास; सहाय;  
 आसक्ति; अनुग्रह; ग्रहण.  
 आग्रहायण, पु. भागशर महिनो.  
 आघट्टक, पु. राता रगनो अघाटो.  
 आघट्टन, न. आधर्षण, धसतुं ते.  
 आघर्ष, पु. } सधर्ष, धसतुं.  
 आघर्षण, न. }  
 आघाट, पु. सीमा, ङद.  
 आघात, पु. } अभिधात; वध; व-  
 आघातन, न. } धरथान.  
 आघार, पु. धी; मंत्र लणीने अ-  
 ग्निमां धीनो होम करवो ते.  
 आघूर्णन, न. भ्रमण, धुमयुं ते.  
 आघ्राण, न. गधशुद्धण, मुंघयु ते;  
 वृषि [ सतुष्ट, वृष.  
 आघ्रात, वि. गृहीतमंध, सुधेयुं  
 आङ्, अ. थोडुं; सीमा; अङ्गुलीक.  
 आंग, वि. शरीरने लगतुं. पु. अ-  
 गदेशनो राज. न. नाणुक शरीर.  
 आंगार, न. अणता डोलसा, अगारा.  
 आंगिरस, पु. बृहस्पति, देवता-  
 आना गुरु [ गणीना जेवु.  
 आंगुलिक, वि. अगुलिसदृश, आं-  
 आचक्षुस्, पु. पडित, राता.  
 आचमन, न. संध्या वगेरे करती व-  
 भते हथेलीमां पाणी लधने पीवुं  
 ते, आचमन.

आचरण, न. आचार, यत्रि. [योग्य.  
 आचरणीय, वि. आचरण करवा  
 आचर्य, वि. कर्तव्य, करवा लायक.  
 आचाम, पु. आचमन.  
 आचाम्य, न. आचमन करेवु पाणी.  
 आचार, पु. आचरण.  
 आचारिन्, वि. आचार करनार.  
 आचार्य, पु. वेदाध्यापक, शिक्षा गुरु,  
 वेद शिष्यवनार. [ करनार स्त्री.  
 आचार्या, स्त्री. वेदमत्रनी व्याभा  
 आचार्यत्व, न. आचार्यपणुं, गोरपणुं.  
 आचार्याणी, स्त्री. गुरुपत्नी.  
 आचित, पु. अेक गाडीनो जाले,  
 २००० पवतुं वजन. [ क्षित.  
 आच्छन्न, वि. आवृत, ढांकेयुं; र-  
 आच्छाद, पु. वस्त्र, कपडुं. [ धान.  
 आच्छादन, न. वस्त्र; ढांकेयुं; परि-  
 आच्छिन्न, वि. कापेवु, तोडेयुं.  
 आच्छुरित-क, न. मोटे सादे ह-  
 सवु ते; नजेतण धसवाधी यतो  
 अवाण.  
 आच्छेद, पु. कापयुं-तोडेयुं ते.  
 आच्छोदन, न. शिकार, पारध.  
 आज, न. धृत, धी. वि. अकरानुं.  
 आजक, न. अणसमूह, अकरीआनुं  
 टाणुं.  
 आजकार, पु. शिवनुं वाहन, नदी.  
 आजगव, न. शिवधनुष्य.  
 आजनन, वि. कुलिन, आनदानी.  
 आजन्म, अ. जन्मावधि, जन्मधी  
 लधने.  
 आजानु, अ. जनुअवधि, धुटणुसंधी.

आजानुवाह, वि उभा रहेता धु  
 पुसूधी हाथ पछोचे ओवु  
 आजि, यु युद्ध समानभूमि, सपाट  
 नमीन गाण, गमन  
 आजिकिया, स्त्री युद्ध करतु ते  
 आजिगोपु, वि भडलकाक्षी, लोभी  
 आजिर, न दरभ्यान मध्यदेश  
 आजीव, उ अविद्या, गुणरान  
 आजीविका, स्त्री वृत्ति, गुणगन  
 आजूर, } स्त्री वगर पगारे आकरी  
 आजू, } करती ते, वेड  
 आक्षत, वि आदिष्ट, दुकम करेनु  
 आक्षति, } स्त्री आदेश आशा दु  
 आक्षा, } कर्म [सेनक, आकर  
 आक्षाकर, वि आशाभा रहेनार पु  
 आक्षात, वि आक्षे, दुष्म करेकु  
 आक्षापक, वि दुष्म अनावनार  
 आक्षापत्र, न दुकमनासु परनानो  
 आक्षापन, न विनापन  
 आक्षापह, वि आशापावक  
 आज्य, न धृत, धी  
 आज्यप, पु पुवस्त्य मुनिनो पुत्र  
 वि धी पीनार  
 आज्यमुञ्ज, पु अग्नि [नुमान  
 आजनय पु अग्न्यावती पुत्र, उ  
 आटविक, पु नगदी भाग्य  
 आटि, स्त्री अगनी [याव  
 आटीवन, न नरसगति, वाजडानी  
 आटाकर, पु अगद  
 आगप पु अडकार, गर्भ  
 आडंवर, पु लडाईना वाजनेो अ  
 वाज आर्षभ अडकार, गर्भ, मोध,  
 आनद, हाथीनो अगान

आडवरिन् वि अडकारी [भाछनी.  
 आडि, स्त्री अगदी अेक नतनी  
 आडू पु उडुप, भछवो, होडी  
 आढक, उ पानी, यार शेगु भाप  
 आढकी, स्त्री तुवरनी दाण, सुवा  
 सिक भागी, गोपीचदन •  
 आढ्य, वि धनदान, पैसादार  
 आणक, वि अधम, पापी  
 आणव, वि अतिशय नान  
 आणवीन, वि आणव्य ने जेतरभा  
 नातु अनाज उत्पन्न यतु होय ते  
 आणि, पु भूलो असिधार, तर-  
 वारनी धार सीमा उद  
 आड, न अडसमूह, धडानो नथो  
 आत, वि आसपास इलायतु पु  
 सीडी नीसरणी दुग्नाजतु बाडकुं  
 आतक, पु अय सताप, रोग, डो-  
 लनो शब्द ताव सहेड, वेडेभ  
 आतचन, न आणी नापतु ते,  
 नाश उपद्रव, वेग, गति  
 आतत, वि आस्तृत, इलावेतु  
 आततायिन्, वि भडापापी  
 आतन, न अवनोदन, जेतु, हेभाव  
 आतप, पु तडका  
 आतपन, पु शिव  
 आतपप्रक, } न छन छनी  
 आतपवारण, }  
 आतमाम् अ धलन पासेतु  
 आतापि (वि) न, पु समडी अेक  
 आति, पु विडग, पक्षी [नततु पक्षी  
 आतिशय्य, वि अनिधिनी सेवा कर  
 वाभा कुशग न अश्यागन सेना  
 पु अतिधि [पलु  
 आतिशय्य, न वधारे, अतिशय-

आतु, पु. बेलक, नानो भछवे, ढोडी.  
 आतुर, वि. रोगी, आनरी; उत्सुक.  
 आतृप्य, पु. सीताक्षी, सीताक्षनुं  
 अड. न. सीताक्ष.  
 आतोद्य, न. वाद्य, वातं.  
 आत्त, वि. धीधेयुं; प्राप्त, भेजवेयुं.  
 आत्मकं, वि. स्वाभाविक.  
 आत्मगतं, अ. स्वगत, मनभां.  
 आत्मगुप्ति, स्त्री. शुद्ध.  
 आत्मग्राहिन्, वि. आप भतलणी.  
 आत्मघात, पु. आत्महत्या.  
 आत्मघोष, पु. कागडो; कुकरो.  
 आत्मज्ञ, पु. पुत्र, कामदेव, पशज.  
 स्त्री. (जा) कन्या, शुद्धि.  
 आत्मजन्मन्, पु. पुत्र, छोकरे.  
 आत्मज्ञ, पु. आत्मज्ञानी, योगी.  
 आत्मज्ञान, न. आत्मज्ञान, योगशास्त्र.  
 आत्मतत्त्व, न. आत्मानु भूणतत्त्व.  
 आत्मतत्त्वज्ञ, पु. वेदांती, ब्रह्मज्ञानी.  
 आत्मत्याग, पु. आपघात.  
 आत्मदर्श, पु. दर्पण, आरसी.  
 आत्मदर्शन, न. आत्मज्ञान.  
 आत्मदान, न. स्वभोग.  
 आत्मद्रोहिन्, वि. पीताना आ-  
 त्माने कष्ट आपनार.  
 आत्मनिंदा, स्त्री. पीताना आत्माने  
 कष्ट आपवे ते.  
 आत्मनीन, पु. पुत्र, सायो; विद्वधक.  
 वि. आत्महितकारी.  
 आत्मनेपद, न. पीतानेभाटे स्वर,  
 सरकृतभा भे नतना धातुआ आ-  
 वेछे तेमांनी अेक नत.  
 आत्मपुराण, न. १८ प्रकराणुनु अेक  
 पुराणु नततुं उपनिषद् छे.

आत्मप्रशंसा, स्त्री. पीतानां वभाणु.  
 आत्मबंधु, पु. गोत्रज, सगो.  
 आत्मबोध, पु. आत्मज्ञान, ब्रह्मज्ञान.  
 आत्मभू, पु. ब्रह्मा; विष्णु, शिव,  
 कामदेव; पुत्र. स्त्री. कन्या. वि. स्व-  
 यंजु, पीतानी भेजे उत्पन्न थयदु.  
 आत्ममूर्ति, पु. आता, लार्ध, आत्मा.  
 आत्ममूलि, न. जगत स्त्री. वन  
 धमासो. [त्माना तत्त्वने नथुनार.  
 आत्मयाजिन्, पु. आत्मज्ञानी, आ-  
 आत्मयोनि, पु. ब्रह्मा; विष्णु; शिव;  
 कामदेव; पुत्र.  
 आत्मरक्षा, स्त्री. स्वरक्षणु.  
 आत्मलाम, पु. जन्म, पैदाश  
 आत्मलोमन्, न. दाढी, वाण.  
 आत्मवत्, वि. सत्तावान, मतस्वी.  
 अ. पीतानां नेतुं.  
 आत्मवश, पु. } आत्मनिग्रह. वि.  
 आत्मवश्य, न. } स्वाधीन.  
 आत्मचित्, पु. आत्मज्ञानी, सत.  
 आत्मशक्ति, स्त्री. स्वशक्ति, पीतानी  
 ताकात.  
 आत्मसात्, अ. स्वकीय, पीतानु.  
 आत्महत्या, स्त्री. आत्मघात  
 आत्महन्, पु. आत्मघाती, आत्म-  
 हत्या करतार, पूजरी.  
 आत्मन्, पु. यत्न; शुद्धि; स्वभाव,  
 ब्रह्म, देह, मन, पुत्र; अणु, सूर्य;  
 अग्नि, वायु  
 आत्मार्थ, वि. पीताने वारते.  
 आत्माश्रय, पु. अतयता.  
 आत्मीय, वि. स्वकीय, पीतानु.  
 आत्मीयता, स्त्री. अधुता, मित्राचारी.

आत्रेय, पु. दुर्वासामुनि. [ स्त्री.  
 आत्रेयी, स्त्री. अत्रिपत्नी; रत्नस्वला  
 आथर्वण, पु. पुरोहित; अथर्ववेद  
 लघुनाम श्राद्धलु.  
 आदत्त, वि. शृङ्गीत, लीधेक्षुं.  
 आददान, न. आदान, शृङ्खलु.  
 आदर, पु. सनमान, सत्कार; आरंभ.  
 आदर्त्तव्य, } वि. आदरणीय, सत्कार  
 आदर्य, } करवा लायक. [ भाष्य.  
 आदर्श, पु. दर्पण, आरसी; टीका,  
 आदि, पु. पूर्व, प्रथम; मनुसूत्रक.  
 आदिकर, पु. श्रद्धा.  
 आदिकवि, वि. श्रद्धा; वादभीकमुनि.  
 आदिकारण, न. मूलकारण.  
 आदितस, अ. प्रथमतः, पदेलान्थीन.  
 आदितेय, पु. अदिति पुत्र, देवता.  
 आदित्य, पु. देवता; सूर्य; आकाशतु  
 आड. [ नैथर, सावर्णिमतु; कर्ण.  
 आदित्यसूनु, पु. सुश्रीव; यम; श-  
 आदिदेव, पु. नारायण, ईश्वर; शिव,  
 आदिम, वि. आद्य, पदेलुं. [ श्रद्धा.  
 आदिष्ट, वि. आरंभ, आरंभ करेक्षुं.  
 न. उच्छिष्ट, जेहुं; आज्ञा.  
 आदिष्टिन्, पु. शिष्य, जेवो.  
 आदीनय, पु. कष्ट, दुःख; दोष, अ-  
 पराध. [ रत्ना लायक.  
 आदत्त, वि. आदरयोग्य, सत्कार क-  
 आदेयक, वि. कीर्तनीय, रमणीयाण.  
 आदेश, पु. आरंभ, हुकम; उपदेश;  
 परिष्कार.  
 आदेशकारिन्, वि. ताभेदार.  
 आदेशान, न. आरंभ करपी ते.  
 आदेशिन्, पु. दैवत, नेशी; आ-  
 न्याकारी, आज्ञा करनार.

आदेष्टु, पु. याजक; आरंभदायक, हु-  
 क्तम करनार; गुरु.  
 आदौ, अ. प्रथमथी, पदेलान्थी.  
 आद्य, वि. प्रथम, पदेलुं. न. धान्य,  
 आद्यकवि, पु. वादभीकमुनि. [ भोराक.  
 आद्या, स्त्री. दुर्गा, पार्वती, कालिका  
 वगेरे देवीजो.  
 आद्योपांतम्, अ. पदेलेथी जेले सूधी.  
 आधमन, न. गिरवी राषवुं ते.  
 आधपण, न. अपराधी ठरावुं ते.  
 अधापित, वि. अपराधी ठरावेक्षुं.  
 आधान, न. गर्भाधान संस्कार करवा  
 ते; लभीनगीरी.  
 आघार, पु. स्थान; सेतु, पाज.  
 आधि, पु. शक्ति, शीकर; अधक, आशा.  
 आधिकारण्य, न. मूलकी, धणीपणुं.  
 आधिकारिक, वि. मुख्य, श्रेष्ठ.  
 आधिस्य, न. वधारे. [ दुःखी.  
 आधिज्ञ, वि. वक्त, वांङ्. पीडित,  
 आधिपत्य, न. स्वामित्य, भावकी.  
 आधिभोग, पु. धीज्जणे भूकेशी व  
 स्तुनो उपभोग लेवो ते. [ पाणुं.  
 आधिराज्य, न. गामान्य, यकंयति-  
 आधु ( धू ) त, वि. आरंभित, कांपितुं.  
 आधुनिक, वि. आरंभीन, हावतुं,  
 आधूर्य, न. शीर्षण्य, नयणार्थ. [ नवुं.  
 आधोरण, पु. हरिनय, भावत.  
 आध्मात, वि. ध्वनित; अश्रेक्षुं. पु.  
 आध्मान, न. वायुरेण. [ युद्ध, लडाध.  
 आध्या, स्त्री. } विना, शीकर; स्मृति,  
 आध्यान, न. } साधन.  
 आनक, पु. नगारे, सेरी; मृदंग;  
 गरजतुं वादण.



आनकडुंडुभि, पु. वसुदेव, कृष्णनापि-  
ता. स्त्री. भोटुं देव.  
आनति, स्त्री. प्रप्लुभ; नरभास; संतोष  
आनद्ध, न. देव, भृङ्ग वगेरे वा-  
श्रो; कपडां पहेरवां ते. वि. डेद.  
आनन, न. मुष्, भोटुं.  
आनंतर्य, न. भन्निधान, नगदीक.  
आनंत्य, न. वधारो, असम्भ्यता.  
आनंद, पु. आह्लाद, भुशी. [ डर्मित.  
आनंदधु, पु. आह्लाद, आनंद. वि.  
आनंदन, न. भित्र आवे अथवा  
नय त्पारे भुशीथी भणतुं ते.  
आनंदभैरव, पु. अे नामनी मात्रानी  
आनंदानंदन, पु. राज. [गोणीआ.  
आनंदि, पु. डर्ष, भुशाक्षी. [रवी ते.  
आनय, पु. उपनयन, ननोर्ध पहे-  
आनयन, न. डेकाणे लावतुं ते.  
आनर्त, पु. द्वारका श्लो, सीराष्ट्रेश;  
युद्ध; नग, पाणी; नाटकराणा,  
द्वारकावासी. [गिरेनी लगार्ध.  
आनाह, पु. कथश्रमात; कपडां व-  
आनीत, वि. उपानीत, लावेतुं. [काणु.  
आनील, पु. काणो धोरो. वि. थोटुं  
आनुगुण्य, न. सभता, अरागरी.  
आनुदप्य, न. आदश्य, अगगरी.  
आनूप, पु. गंडो, गंग वगेरे पा-  
णीभां वारवार ननार पशुआ.  
आंत, वि. डेवटतुं.  
आंतरि (री) क्ष, न. गगन, आकाश.  
आंतिवा, स्त्री. भोटुं अहेन (नाटकभां)  
आंदोल, पु. पाणलुं. [पतुं ते.  
आंदोलन, न. लुलतुं ते; कपन, कां-  
आंधसिक्, पु. मूषकार, रमोयो.

आन्वीक्षिका, स्त्री. तर्कनिधा.  
आप, पु. व्यापन. न. नग, पाणी.  
आपगा, स्त्री. नदी  
आपगेय, पु. अभिभपिता; कृष्ण.  
आपण, पु. दुकान; अजर.  
आपणिक, वि. वेपारने लगतुं. पु.  
वेपारी; अजरभाव.  
आपत्ति, } स्त्री. दु.अ, विपत्ति.  
आपद्, }  
आपट्टा, स्त्री. दुर्भाग्य; पीडा, विपत्ति.  
आपन, न. भरी.  
आपनिक, पु. शनिशर, निवम.  
आपन्न, वि. आपदाथी घेरेतुं; मे-  
णवेतु.  
आपन्नसत्त्वा, स्त्री. गर्भवती स्त्री.  
आपच, पु. वशिष्ठमुनि.  
आपस्, न. पाणी, पाप; कन्याराशि.  
आपस्तंभ (य), पु. धर्मशास्त्र प्रयो-  
नक मुनि.  
आपाक, पु. कुळारनी लकी, नृयो.  
आपात, पु. पडतुं ते, पाडतुं ते.  
आपाततत्, अ. अप्रति, दुर्भाग्य.  
आपान, न. मद्यपानार्थ गभा, दार-  
दीआआणी भंडणी.  
आपालि, पु. देशकीट, लु.  
आपी, स्त्री. पूर्वोवादा नक्षत्र.  
आपीत, पु. भाक्षिक धातु.  
आपीन, पु. दुप, दुयो. न. अणद  
वगेरेनी उध, काध. वि. न्यून, लक्ष.  
आपूषिक, वि. दुववार, भिडार्ध अ-  
नायनार.  
आपूष्य, पु. अनाननो आटो, नंदो.  
आपूय, न. कथीव; धातुतुं नाम उ,  
कदाय 'दीन' दुगे.

आप्त, विद्वांसु; विश्वासु. न. लब्धि,  
 आप्तकाम, वि. पूर्वुडाम. [भागाकार.  
 आप्तगर्भा, स्त्री. गर्भवती स्त्री.  
 आप्तवचन, न. विश्वासुनां वचनो.  
 आप्ता, स्त्री. नटा, वाणोनो शुद्धो.  
 आप्ति, स्त्री. प्राप्ति; योग्यता.  
 आप्यात, वि. भांसव, लङ्.  
 आप्यायन, न. वृत्ति, संतोष; प्रीति.  
 आप्यायित, वि. वृत्ति, लङ्पुष्ट.  
 आप्लव, पु. स्नान, नडातुं ते.  
 आप्लवन, न. स्नान, नडातुं ते; दु-  
 ष्टी भार्थी ते.  
 आप्लव, पु. स्नान, नडातुं ते.  
 आप्लव, पु. श्रद्धायारी अवस्था पुरी  
 क्री गृहस्थाश्रमभां आववु ते. वि.  
 नाडेतुं. न. स्नान.  
 आप्वन्, पु. वायु, पथन.  
 आफुक, न. अशीलु.  
 आयद्ध, वि. भांधितुं. पु. अंधन, प्रीति.  
 आयाध, पु. दुःख, पीडा.  
 आयालवृद्ध, अ. भाणकथी वृद्ध सुधी.  
 आयुक्त, पु. अनेपी.  
 आभरण, न. वृषण, अवकार.  
 आभा, स्त्री. शोभा; प्रकार, यमक.  
 आभाति, स्त्री. छाया, पडछाये.  
 आभाप, पु. प्रस्तावना.  
 आभाषण, न. आवापन, लोक भी-  
 लने समोधीने ने बोवतुं. ते.  
 आभास, स्त्री. तेज, प्रकार.  
 आभाम, पु. दिति, यमक; अवतर-  
 त्तिका, प्रस्तावना; प्रतिभिष.  
 आभास्वर, पु. ६४ देवताओंना ग-  
 लतुं नाग.

आमिजन, न. श्रेष्ठ कुण. वि. कुण संयं-  
 आजिधा, स्त्री. ध्वनि, अवाण. [धी.  
 आभिमुख्य, न. सम्मुखता.  
 आभीर, पु. गोप, गोवाण. स्त्री.  
 (री) गोपी, गोवाणष्ठी.  
 आभीरपति, स्त्री. गोप गृहसमूह,  
 गोवाणोतुं गाम.  
 आभील, न. कष्ट. वि. सपानक.  
 आभीक्षण, अ. शैलशैल, पुन पुनः.  
 आभोग, पु. परिपूर्वता; यन; वर-  
 णुदेवतातुं छत्र.  
 आम, वि. कायु. पु. शैग. धिमाद्यो.  
 आमगंधि, न. गंधयुक्त चितानो  
 आमंत्रण, न. निमंत्रण, आह्वान.  
 आमंत्रित, वि. निमंत्रित, बोधावेतुं.  
 आमंद्र, पु. नीच, हलको.  
 आमय, पु. शैग, भीमारी.  
 आमलकी, स्त्री. आंभणां.  
 आमयात, पु. आभवायु.  
 आमाल्य, पु. मंत्री, प्रधान; सेनापति.  
 आमाम्र, न. कायुं अन्न.  
 आमाराय, पु. आभस्थान, नाभी  
 अने स्तननी वस्त्रेनो भाग.  
 आमिस्ता, स्त्री. गरभ दुधभां हर्षा  
 नाभवाधी यतो इरक्षर.  
 आमिष, उ. भांग, उपबोण, बो-  
 गवरो; वांय; आकार.  
 आमुष्मिक, वि. परलोके सवंधी.  
 आमृष्ट, वि. धर्मिन, धर्म्यु.  
 आमोद, पु. धत्ते इर सुधी आव-  
 नारी सुमध; हर्ष, भुगापी.  
 आमोदन, न. आनंदन, भुशी करतुं ते.  
 आमोदित, वि. आनंदी; सुमधी.

आम्नाय, पु. वेद; उपदेश; कुण,  
पश; कुणाचार.

आंभिकेय, पु. धृतराष्ट्र; कार्तिक स्वामी.

आंभस, वि. लणभय, पाण्डुवाहुं.

आंभसिक, वि. लणभ, पाण्डुमाहुं.

पु. मत्स्य, भाष्यी. [न. आम्भङ्ग.

आम्न, पु. आम्बो, आम्भानुं अड.

आम्ननिशा, स्त्री. आम्भाडण्ड.

आम्न, पु. आम्बलीनुं अड. न.

आम्भरस, भटाश.

आम्बिल (म्बली) का, स्त्री. आम्बलीनुं

अड; पेटनी भटाश.

आय, पु. धनाग्रम, भीलकत; अं-

तःपुर रक्षक.

आयत, वि. दीर्घ, लांशुं; ष्ढोशुं.

आयतन, न. यज्ञस्थान; धर.

आयत्त, वि. आधीन, आशापाणक.

आयत्ति, स्त्री. स्नेह, प्रीति; उद; शक्ति; दिन, द्विवम; शयन; लंभाध;

प्रभाव, तेज; अविष्यदाण.

आयव्यय, पु. न/माभर्य.

आयस, न. लोड. वि. लोभंटी, लो-

ढानुं अग्रावेपु.

आयात, वि. आगत, आवेयुं.

आयान, न. नति स्वभाव.

आवाम, पु. लंभाध, ष्ढोशुं, वि;

स्तार. [शानि, थाक.

आयास, पु. धम, भदेनत; उद्यम;

आयुस, न. आयुष्य, उभर, लंढगी.

आयुध, पु. अश्र, शत्र, उधियार.

आयुर्वेद, पु. चिकित्साशास्त्र, वै-

दकशास्त्र.

आयुष्मत्, वि. त्रिंशती, धन्या वर्ष

लवना. पु. त्रीने योग.

आये, अ. संबोधन शब्द [ नारी.

आयोग, पु. व्यापार, धंधो; तीर, कि-

आयोजन, न. लथ लेयुं ते; उद्योग, यव.

आयोज्य, वि. संग्रह करवा लायक.

आयोधन, न. युद्ध, लडाई.

आर, न. लोडभस्म; पितण; भूलो.

पु. भंगणग्रह; शनिग्रह. स्त्री.

आर. (भोचीनी.)

आरकूट, उ. पितण.

आरण्य, वि. लंगडी, लंगलमां २-

डेनार, वनवासी. [लायक.

आरत, वि. रक्षणीय, रक्षणुं करवा

आरति, स्त्री. निवृत्ति, विरक्ति.

आरनाल, न. योभानी कांश.

आरब्ध, वि. शत्रु करेयुं.

आरभट, पु. आडसिक भाणुस. यु.

निर्लेखता; अडादुरी.

आरभटी, स्त्री. नटय्या, नटना जेव.

आरंभ, पु. शत्रुआत; त्वरा, उता-

वण; उद्यम; भुन; गर्व; प्रस्तावना.

आरंभणीय, वि. शत्रु करवा लायक.

आरच, पु. शब्द, अवाज.

आरा, स्त्री. आमहुं टापवानुं उधि-

आरात्, अ. दूर; पासेनुं. [ यार.

आराति, स्त्री. शत्रु दुश्मन.

आरातिय, वि. पासेनु, नजदीकनुं.

आरात्रिक, न. नीरांगन, आरती.

आराधक, वि. सेवक, पूजारी.

आराधन, न. उपासना, भजन; प्रा-

प्ति, लाभ; रनोर्ध करवी ते.

आराम, पु. उपवन, भाग.

आराध, पु. शब्द, अवाज. [स्त्री. धरो.

आर, पु. उकर, लुंउ; जेकडे, करयलो.

आरू, पु. भीतवर्ण, पीणोरंग. [पन.  
 आरोप, पु. अपवाद; कल्पना; संस्था  
 आरोह, पु. लंभाध; उपर्यत्तुं ते.  
 आरोहण, न. सोपान, सीडी, पगधियुं.  
 आर्कि, पु. सूर्यपुत्र. (शनैश्चर, यम,  
 आर्ग्वघ, पु. दाक्षन्नीनी, तन्. [वगेरे.)  
 आर्घा, स्त्री. पीणा रगनी भाभी.  
 आर्घ्य, न. पीणी भाभीआतुं अना-  
 वेधुं भध. [भरापलुं.  
 आर्जव, न. शुशामत; सरणपलुं,  
 आर्जुनि, पु. अर्जुनपुत्र, अभिमन्यु,  
 अश्रुवाहन.  
 आर्त्त, वि. पीडित, दुःभी. [सभधी.  
 आर्त्तव, न. स्त्रीरत्न, ऋतु. वि. ऋतु-  
 आर्त्तवी, स्त्री. घोटकी, घोडी.  
 आर्ति, स्त्री. पीडा, दुःख; दरद, री-  
 ग; धनुषने आगलेो भाग.  
 आर्थिक, वि. पंडित, रानी; पैसादार.  
 आर्द्र, वि. लीतुं, लीयुं; तातुं; डोमल.  
 आर्द्रक, न. अद्रक, आहु.  
 आर्द्रशाक, स्त्र. आहु.  
 आर्द्रा, स्त्री. नक्षत्रतुं नाम छे.  
 आर्द्रित, वि. लीनवेधुं. [भिन्न; गुरु.  
 आर्य, वि. कुलीन; पृष्ट. पु. भादिक;  
 आर्यक, पु. पितामह, दादो; मातामह,  
 नानो (भानो आप), पून्य.  
 वि. श्रेष्ठ. [गुरुपुत्र.  
 आर्यपुत्र, पु. भर्ता, पति, (नाटकभा);  
 आर्यमिध, वि. मान्य; श्रेष्ठ.  
 आर्या, स्त्री. पितामही, दादी; माता-  
 मही, नानी (भानीभा); छटुं  
 नाम छे.  
 आर्यरूप, पु. दांभिक, वेपधारी पुरय.

आर्यावर्त्त, पु. पुण्यभूमि, विंध्याचल  
 अने हिमाचल पर्वत वनेनो प्रदेश.  
 आर्वाक, अ. पाछणथी.  
 आर्ष, न. वेद. पु. गाय, अणद वगेरे  
 लछने तेना अदलाभां कन्या आप-  
 आर्षेय, वि. ऋषि संबंधी. [शी ते.  
 आल, न. दरताण. वि. मोटुं; वधारे.  
 आलक्षि, वि. जलुतुं.  
 आलक्षण्य, न. दुर्भाग्य; अपराध.  
 आलगर्द, पु. काणो साप.  
 आलस, वि. आणमु.  
 आलस्य, न. आणस.  
 आलात, न. अगारा, अणता डोवसा.  
 आलान, न. हाथीने आंधवानो भूटो;  
 आलाप, पु. संभाषण. [दोरी; वेडी.  
 आलातु-वू, स्त्री. दुग्धी, तुंभी.  
 आलावण्य, न. अदसुरती. [पंजो.  
 आलावर्त्त, न. कपडानो अनावेडो  
 आलास्य, पु. सोसवाट, भग.  
 आलि, पु. वीधु; लभरो; भधभाष.  
 स्त्री. सपी; पाण; पक्षि, लीडी.  
 वि. स्वच्छ अंतःकरणवातुं.  
 आलिगन, न. भणतुं-सेधुं ते.  
 आलिगिन्, पु. मृदंग.  
 आलिजर, पु. माटीनो मोटो धरो.  
 आलिद, पु. ओटलो, चोतरो.  
 आली, आवि शब्द लुओ.  
 आलीद, न. धनुषधारीनी भाईक  
 डानो पग वाणी तथां लभलो  
 पग लो सपी वेसतुं ते. वि.  
 आरेतुं; आधेनुं.  
 आलीन, वि. विधीन, लीतुं ययनुं.  
 आलीनक, न. सीमुं.

आलेख्य, न. चित्रपट. [भङ्ग; वभाष्य  
 आलोक, पु. दर्शन, अवलोकन; अ-  
 आलोकन, न. दर्शन, अवलोकन.  
 आलोडन, न. मंथन, हलावतुं ते.  
 आयदज, पु. घोडानी जेक नत.  
 आवंत्स्य, पु. अवंति (उत्सर्जन) हे-  
 शनो राज; पतित आक्षयुनो  
 पुत्र वि. उत्सर्जनीवासी.  
 आचरण, न. ढाकणु; ढाण, अटकाव,  
 भूर्भोर्ध, अज्ञान.  
 आचर्त्त, पु. जलभ्रम, पाणीमां यती  
 यकीञ्चो. न. भाक्षीक धातु  
 आचर्त्तन, न. भ्रमण, गोल करतुं ते;  
 भयन, वलावतु ते.  
 आचर्त्तनी, स्त्री. धातु गाणवानी कु-  
 उली, भूस. [डार.  
 आचलि (ली), स्त्री. श्रेणी, पंक्ति,  
 आवल्य, न. नणलार्ध, अशक्ति  
 आवश्य, न. जरूरी, सभव.  
 आवश्यक, वि. नैश्चयिक, जरतुं.  
 आवश्यकता, स्त्री. प्रयोगन, दर-  
 कार; जर.  
 आवसति, स्त्री. निशा, रात्र, भधरात.  
 आवसथ, न. गृह, धर.  
 आवसथ्य, न. गृह, धर. पु भत्र-  
 स्थापित अग्नि  
 आवह, पु. सात वायुमानो जेक. वि.  
 वाहित, उच्यतेषु, आवित, यथावेषु  
 आवहमान, वि. कभागत, चिर प्र-  
 यवित, परापूर्वधी आगतुं आवेषु.  
 आवहित, वि. उन्मूलित, भूण मुद्धा  
 उभेरेषु.  
 आवाधा, स्त्री. वेदना, दुःख

आवाप, पु. आडना भूणमां पाणी  
 रडेवाभाटे आसपास बाधी ली  
 धेलेो किनारे, पात्र, वासणु.  
 आवारि, पु. हुकान.  
 आवास, पु. गृह, धर.  
 आवाहन, न. आहान, गोलावतु ते  
 आविक, न. कामधी, उन वस्त्र वि.  
 उनतु [एतु अनावेषु.  
 आविकसोत्रिक, वि. उनना तांत  
 आविध, पु. छिद्र पाडवातु हयियार.  
 आविर्भाव, पु. प्रकाश, स्पष्ट करतु ते.  
 आविर्भूत, वि. प्रकाशित, लहेर  
 आविल, वि. मेलु, गडु. [करेषु.  
 आविष्करण, न. प्रकाशन, लहेर  
 करतु ते. [पणु, ईकषु ते.  
 आविष्कार, पु. नव प्रकाश, आक्षे-  
 आविस्, अ. व्यक्त, लहेर, स्पष्ट.  
 आर्ची, स्त्री. प्रसव वेदना, जणुती व  
 भत यतु दुःख.  
 आर्चीत, वि. गत, गयतु; उपचीत-  
 युक्त, जनोर्ध पहेरेषु.  
 आवु (वू)क, पु. पिता, भाप.  
 आवुत्त, पु. अनेपी.  
 आवेग, पु. तरा, जलदी, व्याकुणता.  
 आवेदक, वि. निवेदन कर्ता, सूचक-  
 आवेदन, न. निवेदन, सूचना. [नार.  
 आवेश, पु. अहकार, अपस्माररोग,  
 भूर्ध, अतनो वणगाड  
 आवेशन, न. प्रवेश, क्रोध, शिष्टप-  
 शाणा, अतनो वणगाड, सूर्यभडण.  
 आवेशिक, वि. परेलेो, प्रतिष्ठित,  
 आभरदार, सभधी, पोतातु.  
 आवेष्टन, न. आच्छादन, ढाकणु.

आशंकनीय, वि. संका करवा येव्य.  
 आशंका, स्त्री. संका, संशय; भय.  
 आशक्त, वि. अत्यंत शक्तिमान.  
 आशक्ति, स्त्री. शक्ति, भज.  
 आशय, पु. अभिप्राय; आधार, आ-  
 शय; अशुभ, अशुभभी; नशीब;  
 आशयाश, पु. अग्नि. [ कंगुस.  
 आशर, पु. अग्नि; राक्षस, दैत्य.  
 आशस, पु. सोज्जन, जोराक.  
 आशंसा, स्त्री. प्रार्थना; आकांक्षा,  
 इच्छा; अनुमान; संशय.  
 आशंसित, वि. वांछित, इच्छित;  
 इषित, कहेलुं. न. कथन.  
 आशंसु, वि. प्रार्थक; अभिप्राययुक्त.  
 आशा, स्त्री. दीर्घकांक्षा, लांघी इच्छा;  
 दिशा; संघार्थ.  
 आशाढ, पु. अपाढ. महीनो; पत्रा-  
 मंड, पत्रारानी लाकडी.  
 आशित, वि. लक्षित, आधेयुं.  
 आशिता, वि. अग्नी, आधरो.  
 आशिर, पु. अग्नि; राक्षस, दैत्य. [न.  
 आशिर, स्त्री. आशिराद; सापना दा-

आशोपण, न. सुकामलुं.  
 आशौच, न. सूतक. [ आश्रययुक्त.  
 आश्रय, न. विरमय; अश्रुत. वि.  
 आश्रम, वि. पापालुभय, पथरतुं.  
 आश्रमन, वि. पापालुभय. पु. अश्रु,  
 सूर्यनो सारथि.  
 आश्रयान, वि. शुष्क, सुकुं.  
 आश्रम, उ. शास्त्रोक्त आश्रम; मुनि-  
 ज्ञाने रहेवानुं स्थान, वन.  
 आश्रमिन, वि. मुनि, तपस्वी, आ-  
 श्रमभां रहेनार. [ दीक.  
 आश्रय, पु. शरथु; धर, मद्ध; नज-  
 आश्रयभूत, वि. रक्षक, आश्रय आ-  
 पनार. [ ध्वंसी.  
 आश्रयाश, पु. अग्नि. वि. आश्रय-  
 आश्रय, पु. अंगीकार, स्वीकार; अ-  
 पराध, दोष. वि. आश्रय, ताबेदार.  
 आश्रि, स्त्री अग्नि, तरेवारनी धार;  
 भूजो.  
 आश्रित, वि. आश्रित, ताबेदार.  
 आश्रुत, वि. अश्रुत, कथुल करेडुं;  
 सांभजेव

आश्विक, पु. धोडेस्वार. वि. धो-  
 डाने लगतुं, धोडाळे जेंबेकुं.  
 आश्विन, पु. आमु भडिनेा.  
 आश्विनेयौ, पु. द्वि. अश्विनीकुमार,  
 देववैद्य. [ भगव.  
 आश्वीन, उ. धोडानी जेके दहाडानी  
 आपाढ, पु. आशाड भडिनेा; म-  
 लय पर्वत.  
 आपाढभव, पु. भंगणत्रुड.  
 आष्ट, न. आकाश, अतरिक्ष.  
 आस, ग. २. बेसतुं; डाजर यतुं.  
 आस, अ. हाय हाय; अढो आदि.  
 आस, पु. धनुष, कामकुं. [ नित्य.  
 आसक्त, वि. आशक, लपट. न.  
 आसक्ति, स्त्री. आसंग, लपटता.  
 आसंग, पु. सभागम; संसर्ग.  
 आसजन, न. वंश्रादि परिधान, क-  
 पडां वगेरे पहेरवां ते. [ अथ.  
 आसत्ति, स्त्री. संगम; लाभ; सं-  
 आसन, न. पीक, बेसवानी वस्तु;  
 हाथीनी भांध; नीले योग. पु.  
 अशानुं आड. [ कान.  
 आसना, स्त्री. स्थिति. (नी) हुं-  
 आसन्न, वि. निकट, पासतुं. पु.  
 अर्थोस्त. [ वसर.  
 आसन्नकाल, पु. मृत्युकाल, भरणा-  
 आसव, पु. द्रक्ष—शेरडी वगेरेनेा  
 आदेवो दाइ. [ अणुं ते.  
 आसादन, न. प्राप्त यतुं ते; म-  
 आसार, पु. वेमवृष्टि, अतिवृष्टि.  
 आसिक, पु. असिधारी, तस्वार प-  
 कडनार. [ न. धर.  
 आसित, वि. आसनस्थित, जेठेकुं.

आसीन, वि. उपविष्ट, जेठेकुं.  
 आसुति, स्त्री. दाइ गाणवो; प्रभूत.  
 आसुर, पु. दैत्य; आड प्रकारना वि-  
 वाहभांधी दैत्यविवाह.  
 आसुरी, स्त्री. राध.  
 आसेक, पु. छंटाकव. [ छंटाकव.  
 आसेचन, वि. अत्यंत प्रियदर्शन. न.  
 आसेद्ध, पु. अवरोधकारक, रोधक.  
 आसेधक, वि. निरोध, केंड.  
 आसेवा, स्त्री. परिचय, संसर्ग.  
 आस्कंदन, न. तिरस्कार, विकार;  
 युद्ध, लडाई; शोषण. [ याव.  
 आस्कंदित, न. धोडानी नडपी  
 आस्तर, पु. राहया, भिछानुं; धोडा  
 वगेरेनी कुड. [ छानुं; आच्छादन.  
 आस्तरण, न. हाथीनी कुड; भि-  
 आस्तिक, पु. मुनिविशेष. वि.  
 अस्तिमान, नास्तिक नही ते.  
 आस्तीर्ण, वि. विस्तीर्ण, इलावेतुं.  
 आस्था, स्त्री. अज्ञा; यत्न, उद्योग;  
 अपेक्षा; सभा; रडेवानुं ठेकाणुं.  
 आस्थान, न. सभा; यत्न; रडेवानुं  
 ठेकाणुं, आश्रम.  
 आस्पद, न. प्रतिष्ठा, छंजत; काम;  
 नगा; प्रभुत्व, मोटाई; अलि-  
 मान; पदवी; क्षमता; वासणु.  
 आस्पंदन, न. स्पंदन, कांपतुं ते.  
 आस्पर्धा, स्त्री. आत्मस्वाधा, आ-  
 पवडाई. [ अर्थ, भगवरी.  
 आस्फालन, न. ताडन, मारतुं ते;  
 आस्फालित, वि. ताडित, मारतुं,  
 अक्षित. [ अर्थ, दैत्यशुत्र.  
 आस्फुजित्, पु. शुक्रनेा तारो; शु-

आस्फोट, पु. आकडानुं अड; भसा  
 होकवाथी यतो अवात्.  
 आस्फोटा, स्त्री. नंगली भोजरे; व-  
 नरूपति विष्णुकांता.  
 आस्माकीन, वि. पोतानीतरकुं.  
 आस्य, न. भुभ, भोड. वि. भुभ-  
 लव, भोढाने लगतुं.  
 आस्यपत्र, न. पत्र, कभणकूत्र.  
 आस्यलांगल, पु. कुत्रो; नंगली कुकर.  
 आस्यलोमन्, न. दाढी.  
 आस्या, स्त्री. षेकक, षेसालुं; स्थिति.  
 आस्यासव, पु. युक्त.  
 आस्यप, पु. मूलनक्षत्र.  
 आस्यव, पु. केश, दुःभ.  
 आस्याद, पु. स्वाद, भीडास, लेण-  
 त; उपभोग. [ ते, आभुं ते.  
 आस्यादन, न. अभाथी स्वाद लेवे  
 आद, अ. ईकडुं; भोक्कडुं; दड; सं-  
 लावन; डा दर्शक.  
 आहत, वि. गलेयुं; मारेयुं; नलेयुं.  
 न. अर्धुवस्त्र, लुतुं कपडुं. पु. डोल.  
 आहनन, न. प्रहनन, मारतुं ते.  
 आहरण, न. लावतुं; अेकडुं करतुं  
 ते; हरणु करतुं ते.  
 आहर्तु, पु. लावनार; हरणु करनार.  
 आहय, पु. युद्ध, लडाई; यत्, डोम.  
 आहार, पु. वृग्धि, भोराक.  
 आहार्य, वि. भाध, भावावापक;  
 हरणु करवावापक. [ लावतुं.  
 आहाय, पु. निपान, अवारो; भो-  
 आहिक, पु. व्याकरणशास्त्रकर्ता पा-  
 गिनी मुनि; हेतुभक्त. [स्थापित.  
 आदित, वि. राभेयुं; इत, करेयुं;

आहितलक्षण, वि. शूरवीर तरीडे  
 प्रभ्यात. [ रनार.  
 आहितस्वन, वि. शब्द-अवाज क-  
 आहितुंडिक, पु. गाडी.  
 आहुति, स्त्री. अग्निभां पविधान  
 आपवानी वस्तु.  
 आहूत, वि. निमंत्रित, भोधावेयुं.  
 आहूति, स्त्री. आहान, भोलावयुं.  
 आहूत, वि. अर्हत; आणुयुं; सं-  
 चित, अेकडुं करेयुं; लुक्त, भाधेयुं.  
 आहो, अ. विकल्प; सदेड; प्रश्न;  
 विचारदर्शक.  
 आहोस्वित्, अ. आहो शब्द लुओ.  
 आह, न. दिनसमूह, धण्टा दडाडा.  
 आहिक, वि. दैनिक, रोजतुं काम.  
 न. भोजन; समूह; आत्मधुदि-  
 कतां निरयकर्म.  
 आहाद, पु. आनंद, भुरी.  
 आहादक, वि. आनंददायक.  
 आहादित, वि. आनंदी.  
 आहय, पु. नाम, संग.  
 आहान, न. आवाहन, भोलावयु.  
 आहायक, पु. इत, कासद.  
 इ.  
 इ, त्रीजे स्वर. [ पु. कामदेव.  
 इ, अ. लेद; कोधोक्ति; अेददर्शक.  
 इकट, पु. सादडी अनाववातु धार.  
 इक्षु, पु. शेरडी; वन० ताविमभाना.  
 इक्षुकांड, पु. शेरडीनां लेद छे, भुं-  
 नक, काश.  
 इक्षुगंधा, स्त्री. वनरूपति गोभर.  
 इक्षुपुत्र, पु. लुवार ( अनाज ).  
 इक्षुमती, स्त्री. अंगगानी अेक नडी.



इक्षुमूल, न. शेरडीनां मूलीयां.  
 इक्षुमेह, पु. मधुमेह, भीहो परमो.  
 इक्षुयंत्र, न. कोणु, शेरडीना रस का-  
 ढवानो सथो.  
 इक्षुरस, पु. शेरडीना रस.  
 इक्षुरस क्वाथ, पु. काकची.  
 इक्षुवाटिका, स्त्री. शेरडीनुं जेतर.  
 इक्षुविकार, पु. गोण, साकर; भीहो  
 पदार्थ.  
 इक्षुसार, पु. गोण, काकची; साकर.  
 इक्षुयाकु, पु. वैवस्वत मनुनो पुत्र,  
 सूर्यवशी पड़ेलो राज.  
 इक्षुवालिक, पु. क्षर नामनुं धारस,  
 शेरडीनी ओक जत. [ अइक्षुत.  
 इंग, पु. ज्ञान, धंशारे. वि. नंगम;  
 इंगन, न. सकेत, धंशारत.  
 इंगना, स्त्री. नाम.  
 इंगित, न. सकेत, सहा; याव.  
 इंगुद, पु. } द्विगोत्रनुं जाड.  
 इंगुदी, स्त्री. }  
 इच्छक, वि. आकांक्षी, धंछनार.  
 इच्छा, स्त्री. मनोधर्म, भरल; आशा.  
 इच्छजिल, पु. धृष्टरपति, देवता-  
 जोना सुर. वि. शिक्षक.  
 इज्या, स्त्री. दान; यज्ञ, पूज; सगम;  
 गाय; कुटुम्बी.  
 इडा, स्त्री. लुधनी स्त्री, गाय, पृथ्वी;  
 स्वर्ग, शरीरनी नमथीतरङ्गी  
 नाडी; सरस्वती; त्वरा, उतावण  
 इत, वि. गयधुं; याद करेलु, मेणवेधु.  
 इतर, वि. अन्य, लुहु; अधम.  
 इतरथा, अ. अन्यथा, भीछ रीते.  
 इतरेतर, वि. अन्योन्य, परपर.

इतरेद्युस, अ. पीले दिते.  
 इतस, अ. पांयभीने अर्थे वपराय  
 छे, अर्डीथी.  
 इतस्तस, अ. अर्डी तर्डी.  
 इति, अ. हेतु; प्रकरण; आदि; रा-  
 भासि, सान्निध्य; क्रम; अवधारण,  
 प्रत्यक्ष; प्रकषर्दीक. [ शक.  
 इतिकथा, स्त्री. वृथावाक्य, निरर्थक  
 इतिमध्ये, अ. अत्रावसरे, अटवामां.  
 इतिह, अ. परपरानत उपदेश.  
 इतिहास, पु. पूर्ववृत्तांत, कथा.  
 इत्यम्, अ. अयंप्रकारेणु, अनीरीते.  
 इत्य, वि. गम्य, नवावायक.  
 इत्या, स्त्री. शिबिका, पालपी.  
 इत्यादि, वि. वगेरे.  
 इत्वर, वि. अभिव्यारी, घातकी, नीय.  
 इदम्, वि. स्था.  
 इदंकार्या, स्त्री. वनरपति धमानो.  
 इदानीम्, अ. सप्रति, उमणुं, आ  
 वणते. [ ननुं.  
 इदानींतन, वि. आधुनिक, डावतुं,  
 इद्ध, न. ताप. वि. निर्भव, स्वच्छ.  
 इध्म, न. आणवानां लाकडां, धधन.  
 इन, पु. सूर्य; प्रलु, स्वाभी; राज.  
 इदिविर, पु. अमर, लमरो.  
 इंदिरा, स्त्री. लक्ष्मी.  
 इंदिराचर, पु. विष्णु. न. नीलकमल.  
 इंदीचर, न. नीलोत्पल, नीलकमल.  
 इंदु, पु. अद्र, कपूर, कपूर. [ मण.  
 इंदुकमल, न. सीतोत्पल, सश्रेत क-  
 इंदुकलिका, स्त्री. केतकीपुष्प.  
 इंदुकांत, पु. अद्रकांतमणु. स्त्री.  
 (ता) रानि, राज.

इंदुखंडा, स्त्री. वनस्प० काकडरिंगी.  
 इंदुजनक, पु. समुद्र, सागर.  
 इंदुजा, स्त्री. नर्मदा नदी.  
 इंदुपुत्र, पु. पुत्र अड.  
 इंदुभृत्, पु. शिव, महादेव.  
 इंदुमणि, पु. चंद्रकांतमणि.  
 इंदुमती, स्त्री. पौर्णमासी, पूनेम;  
 अथ राजनी स्त्री.  
 इंदु(दू)र, पु. भूपिक, उदर.  
 इंदुरत्न, न. मोती.  
 इंदुरे (ले) खा, स्त्री. चंद्रकणा, चांदनी.  
 इंदुलोक, पु. चंद्रलोक.  
 इंदुलोहक-लौह, न. इपुं.  
 इंदुवह्नी, स्त्री. सोमलता, चांदवेल.  
 इंदुवासर, पु. सोमवार.  
 इंदुव्रत, न. चांद्रायण व्रत.  
 इंद्र, पु. अदितिपुत्र, देवताओंने  
 राज; धर्म; रात्रि, रात.  
 इंद्रक, न. सभागृह, सभास्थान.  
 इंद्रकील, पु. भंडारायल पर्यंत.  
 इंद्रकुंजर, पु. औरावत हाथी, इंद्र-  
 ने हाथी.  
 इंद्रगोप, पु. एक नतने कीडो.  
 इंद्रचाप, उ. मेघधनुष.  
 इंद्रजाल, न. भायाकर्म, नगरबंधी.  
 इंद्रजालिक, वि. नगर बांधनार.  
 पु. भार्जी, भदारी. [यनाने पति.  
 इंद्रजित, पु. रावणने पुत्र, युद्धो-  
 इंद्रतरु, पु. देवदारुं जाड.  
 इंद्रधनु, पु. मेघधनुष.  
 इंद्रप्रस्थ, न. पांडवोंने राजधानी.  
 इंद्रवीज, न. इंद्रव.  
 इंद्रभेषज, न. शुंङ.

इंद्रमहकानुक, पु. श्वान, कुनो.  
 इंद्रयव, न. कर्मि, इंद्रव.  
 इंद्रवज्रा, स्त्री. ११ अक्षरना वरणु-  
 वाणा छंदुं नाम.  
 इंद्रवृद्धा, स्त्री. वृद्ध, क्षत, बीरे.  
 इंद्रसुत, पु. वादी; अर्जुन; अथन्त.  
 इंद्रा, } स्त्री. इंद्राणी, इंद्रपत्नी.  
 इंद्राणी, }  
 इंद्रानुज, पु. विष्णु.  
 इंद्रायुध, न. इंद्रधनुष.  
 इंद्रारि, पु. दैत्य, असुर.  
 इंद्राशन, पु. शुभ-यज्ञोद्गीने वेला.  
 इंद्रासन, न. इंद्रुं आसन.  
 इंद्रिय, न. ऋषिक, -पांच सानेंद्रिय,  
 (आंभ, कान, नाक, लया, रसना)  
 पांच कर्मेंद्रिय, (वाचा, हाथ, पग,  
 गुदा अने उपस्थ.) चार अंतर्-  
 द्रिय, (मन, बुद्धि, चित्त, अहंकार).  
 इंद्रियगोचर, वि. इंद्रियथी हेभाय  
 इंद्रियायतन, न. शरीर. [ अेवुं.  
 इंद्रियार्थ, पु. इंद्रियथी अेगभाती  
 बीजे, लोभ डे, इप, रस, गंध,  
 स्पर्श अने शब्द.  
 इंघन, न. आणवानां लाकडां, सर्पणु.  
 इम, पु. उरती, हाथी.  
 इमकणा, स्त्री. गणपीपथी, पीपर.  
 इमकेशरा, स्त्री. नागकेशर.  
 इमनिमीलिका, स्त्री. यपवता; य-  
 तुसार्थ. [ हांकनार; हाथी पाणनार.  
 इमपालक, पु. भावत, हाथीने  
 इमपोटा, स्त्री. नापी हाथणी [पच्युं.  
 इमपोत, पु. इस्तिशावक, हाथीनुं  
 इममाचल, पु. सिद्ध.

इभयुवति, स्त्री. ढाथणी.  
 इभ्य, वि. धनधान, पैसाधार.  
 इभ्या, स्त्री. ढाथणी.  
 इभ्यत्, वि. ऐटकुं.  
 इभ्यत्ता, स्त्री. सीमा, परिभाषा, संख्या.  
 इभ्यम्, स्त्री. सिंगे इदम् शब्दतु प्र-  
 थमानुं ऐकवचन.  
 इभ्यम्, पु. समुद्रनी अग्नि; विजणी.  
 इरा, स्त्री. जमीन; वाणी; दार;  
 पाणी; सरस्वती; कश्यपपत्नी.  
 इराज, पु. कामदेव.  
 इरावत्, पु. समुद्र, दरीआ; मेघ;  
 राज. वि. जलमय.  
 इरिण, न. शून्य-उजड जमीन.  
 इरु, पु. पील, पीड.  
 इरेश, पु. विष्णु; राज; वरुण; रामीश.  
 इराहृत्किका, स्त्री. भरभूज, तर-  
 भूय. [ अथवा मुनिनी स्त्री.  
 इलाविला, स्त्री. कुबेरनी माता, विध-  
 इला, स्त्री. पृथ्वी, जमीन; गाय, वाणी.  
 इलावृत्, न. ऐक अंड.  
 इलिका, स्त्री. पृथ्वी, जमीन.  
 इली, स्त्री. नागी तरवार, भांडुं.  
 इल्वल, पु. दैत्यतुं नाम छे; मत्स्य-भा-  
 छलानी जल छे. स्त्री. ( ला ) मृ-  
 गशीर्षे नक्षत्रना पांच तारा.  
 इव, अ. तुल्य, उपेक्षा, अन्यादरदर्शक.  
 इव, ग. ६ ध्वंछुं.  
 इव, पु. आश्विनभास, आशु भक्तिनो.  
 इविर, पु. अग्नि, वस्त्रि.  
 इवु, पु. गानु, शर, तीर.  
 इवुधि, पु. तंडस, लाथो.  
 इवुपंता, स्त्री. वनरपति शरभंजो.

इष्ट, न. यज्ञ कर्म; ध्वंछु पु. यज्ञ;  
 ऐरडीआनुं जाड. वि. वांछित, प्रिय.  
 इष्टका, स्त्री. धट.  
 इष्टा, स्त्री. शमीनुं जाड. [ श्लोकसंग्रह.  
 इष्टि, स्त्री. यज्ञ, होम; अभिषाष;  
 इष्टिन, वि. आकांक्षी, ध्वंछनार.  
 इष्टिपत्र, पु. राजस.  
 इष्टु, स्त्री. ध्वंछा.  
 इष्म, उ. कामदेव; वसंतक्रतु.  
 इष्मिन्, वि. उतावणो.  
 इष्य, उ. वसंतक्रतु. [ गुरु.  
 इष्व, पु. उपदेश, उपदेश करनार,  
 इष्वास, पु. धनु, धनुष्य. वि. धनु-  
 श्लेषक, आणु भारनार, तिरदाज.  
 इस्, अ. क्रोध, पीडा, दुःखदर्शक.  
 इह, अ. अस्मिन्, आ केंकाले.  
 इहकाल, पु. आ जन्म.  
 इहलोक, पु. आ दुर्गीआ.  
 इहस्थ, वि. अर्द्धी उभेनुं.  
 इहामुत्र, अ. आ लोक अने परलोक,  
 अर्द्धी अने तर्द्धी.  
 ई.  
 ई, बोथो स्वर.  
 ई, स्त्री. लक्ष्मी. पु. ईदरुं, कामदेव.  
 अ. विषाद, अनुकंपा, क्रोधदर्शक.  
 ईक्ष, ग. १. जेनुं. अथ साथे अपेक्षा  
 ईक्ष, दर्शन. [ ३२पी. निह साथे जेनुं.  
 ईक्षक, पु. दर्शक, जेनार.  
 ईक्षण, न. अवलोकन; आंध्य.  
 ईक्षणिक, पु. देवस, नशीय जेनार.  
 ईक्षित, वि. जेपनुं.  
 ईक्षित्, वि. जेनार.  
 ईक्ष्, ग. १. जनुं, जमन करनुं.

इंज, ग. १. जतुं; निंदा करपी, ठ-  
पके आपवो.

इंजाज, वि. अविद्यान अपायक्षुं.

इंइ, ग. २. प्रशंसा-वभाषु करपी.

इंइन, न. स्तवन, वभाषु, स्तुति.

इंडा, स्त्री. स्तवन, स्तुति.

इंडित, स्त्री. वभाषेक्षुं.

इंइव्य, वि. स्तुत्य, वभाषेक्षुं.

इंत, वि. गत; अक्षित.

इंति, स्त्री. प्रवास, मुसाक्षरी.

इंइश-शक्ष, वि. जेवुं, जेपी रीततुं.

इंप्सा, स्त्री. इच्छा, भरल.

इंप्सित, वि. वाञ्छित, इच्छित.

इंयिचत्, वि. गत, गयतुं.

इंरिण, वि. शून्य-उजड जमीन.

इंरित, वि. इकेक्षुं; मोक्षेक्षुं; कंषित;

इंमं, न. मण, जणम, क्षत. [कथित.

इंर्पा, स्त्री. द्वेष, अहेभाई.

इंर्पालु, वि. अहेषुं.

इंलि, स्त्री. भांडु, नागी तरवार.

इंश, पु. स्वामी; महादेव; इशान

इंशसखा, पु. कुभेर. [कोणुना देवता.

इंशा, स्त्री. पार्वती; गाडीनी धुरी.

इंशादंत, पु. लांबा दांतवाजे छाथी.

इंशान, पु. महादेव; इशानकोषु.

वि. स्वामी; अविकारी. न.

ज्योति, कांति.

इंशानी, स्त्री. दुर्गा, पार्वती; शमीवृक्ष.

इंशिता, स्त्री. इशित्य, प्रभुता. वि.

प्रभु, भाक्षी. [भालकी.

इंशित्य, न. स्वामीत्य, प्रभुता,

इंश्वर, पु. जगतनी उत्पत्ति, पा-

लन अने नाश करनार शक्ति,

महादेव; कामदेव; जगवान. वि.  
अश्वर्यवान, धनवान.

इंश्वरता, स्त्री. इश्वरपालुं. [यसला.

इंश्वरसभा, स्त्री. देवसला; न्या-

इंष, पु. आश्विनमास.

इंषत्, अ. अल्प, थोडुं. •

इंषत्कर, वि. नाजुक; छलकुं, लघु.

इंषत्पुरुष, पु. छलको पुरुष.

इंषदुपण, वि. अल्पतमे, थोडुं गरम.

इंषा, स्त्री. छलनो दांडो.

इंषिका, स्त्री. भरली. [भरल.

इंहा, स्त्री. उद्यम, उद्योग; इच्छा,

इंहातस्, अ. उद्योगधी, कोशेशधी.

इंहित, वि. यत् करेक्षुं.

उ.

उं, पांचमो स्वर. पुः शंकर, महा-  
देव; विष्णु; इंद्र, ब्रह्मा. [शंके.

उ, अ. संभोधन, पादपूरण, प्रशं-  
उकानह, पु. राता अने पीणा अ-

थवा राता अने काला रगनो घोडो.  
उकार, पु. उ स्वर; शिव.

उकुण, पु. भाक्षु. [कथित, कहेक्षुं.  
उक्त, न. अेकाक्षर छंद, वाक्य. वि.

उक्ति, स्त्री. कथन, कहेषुं ते.  
उकथ, न. नीले वेद, सामवेद; स्तु-

ति; वचन, स्तोत्र.  
उकथपत्र, पु. } यजमान, यज्ञकर-  
उकथपात्र, न. } नार.

उक्ष, वि. धोयतुं; छारेक्षुं; मोडुं.  
उक्षतर, पु. मोटो अण्ड.

उक्षा, उ. अण्ड; वायु.  
उक्षाल, वि. उंक्षुं; मडत, मोडुं;  
आविश्य, वधाने. पु. पांढरो.

उक्षित, वि. संविधुं, छांटेहुं.  
 उखा, स्त्री. याणी, तपेली; अनिश्-  
 ङ्गनी स्त्री, आण्णायुरनी पुत्री.  
 उग्र, वि. क्रोधी; तीक्ष्ण; अयंकर. पु.  
 महादेव; अदीनन, स्तुतिपाठक;  
 वञ्चनाग अेर. न. क्रोध.  
 उग्रकांड, पु. कारेलानी वेस.  
 उग्रगंध, न. डिंग, डिंयु. पु. वसणु;  
 यंपातुं अड. वि. गंधयुक्त, ते-  
 न्दर. [ नमोद.  
 उग्रगंधा, स्त्री. कुविंजन; वन; अ-  
 उग्रचंडा, स्त्री. देवीतुं नाम छे.  
 उग्रचय, पु. धंछा.  
 उग्रत्व, न. उग्रता, तीक्ष्णता.  
 उग्रधन्वन् (त्), पु. धंद्र; शिव.  
 उग्रसेण, } पु. मथुरानो राज, कंसनो  
 उग्रसेन, } पिता.  
 उकुण, पु. लु. [ योग्य.  
 उचित, वि. योग्य, लायक; देवा  
 उचितत्व, न. लायकी, योग्यता.  
 उच्च, वि. उन्नत, उच्युं.  
 उच्चकैस्, अ. प्रांथु, अति उच्युं.  
 उच्चाटा, स्त्री. वसणु; यज्ञोद्गी, लोथ  
 आभली; गर्व, अडकार, आदत.  
 उच्चंड, वि. शीघ्रगामी; लोरावर.  
 उच्चतर, वि. अत्युच्च, धलुण्ण उच्यु.  
 उच्चतर, पु. नारिकेलवृक्ष, नारिकेली.  
 उच्चरण, न. उच्चार, अवाण.  
 उच्चरित, वि. कहेतुं. न. विद्या, नरक.  
 उच्चाटन, न. नड भूणथी उच्चेडतुं ते  
 उच्चार, पु. उच्चारणु; विद्या, नरक.  
 उच्चारण, न. कथन.  
 उच्चारणज्ञ, पु. वक्ता.

उच्चावच, वि. अनेक प्रकार; नातुं  
 मोहुं; उच्यु नीचुं.  
 उच्चार्य, वि. कथनीय, कहेवावाचक.  
 उच्चूल, पु. ध्वलेश्वर, मुष्कश्च, ध-  
 ननो आगवो जूणो.  
 उच्चैस्, अ. उच्युं, धलुण्ण उच्यु.  
 उच्चैःश्रवस्, पु. धंद्रनो धारो.  
 उच्छन्न, वि. नष्ट, नाश पाभेपु.  
 उच्छलन, न. उपर नतुं ते.  
 उच्छ्राप, पु. शापमांथी छूटवाभाटे  
 वरदान आपतुं ते.  
 उच्छिन्न, वि. क्षिप्तमान, तेलेमय.  
 उच्छित्ति, स्त्री. उच्छेद, नाश.  
 उच्छिन्न, वि. विनष्ट, नाशपाभेपु  
 उच्छिर्लाघ्न, न. छत्रिका, कुत्रानी छत्री.  
 उच्छिष्ट, वि. लुक्तावशिष्ट, अहुं.  
 उच्छिष्टभोजन, वि. अहुं भानार.  
 उच्छिष्टमोदन, न. भीपु.  
 उच्छीर्षक, न. तडीआ, उशीकुं.  
 उच्छुष्क, वि. शुष्क, सुकुं.  
 उच्छून, वि. कूलेलु, वधेपुं, लकुं.  
 उच्छृंखल, वि. भरलप्रभाणे याव-  
 नार. [ अतुं ते.  
 उच्छेद, पु. उन्मूलन, उच्चेडी ना-  
 उच्छेदक, } वि. उत्पाठक, उच्चेडी  
 उच्छेदिन्, } नाभनार.  
 उच्छेष, पु. शिवक, आकी  
 उच्छेषण, न. अडवाड; शेष, आकी.  
 उच्छोषण, वि. संतापक.  
 उच्छसन, न. प्राणु, आस लेतुं ते.  
 उच्छ्रय, पु. उच्च्यता, उच्चार्थ.  
 उच्छ्रायत, वि. उच्यु मटनीतुं.

उच्छ्रित, वि. उच्च, उच्छ्र; उत्पन्न,  
पेदा यथुं; त्यक्त, त्याग करेणुं.  
उच्छ्रास, पु. श्वास्त्रोश्वास; निश्वास;  
समाधान.  
उच्छ्र, ग. ६. पुई करुं; आंधुं; ओ-  
बंधुं; अटकुं.  
उज्जय (यि) नी, स्त्री. अयंती, मा-  
णवानी राजधानी.  
उज्जयंत, पु. रैवत पर्यंत.  
उज्जासन, न. भारणु, वध.  
उज्जुम, वि. प्रकुक्ष, भीक्षुं.  
उज्ज्वल, वि. दीप्त, प्रकाशमान; स्वच्छ.  
न. सौमं. पु. शृंगाररस; कामदेव.  
उज्ज्वलन, न. उदीपन, यमकुं ते.  
उज्ज्वलित, वि. प्रकाशमान, तेजदार.  
उज्ज, ग. ६. तथ हेतुं, उदी हेतुं.  
उज्ज, वि. तनेकुं.  
उज्जक, पु. वाष्ण.  
उज्जदित, वि. शृंगारयथुं.  
उंछ, ग. ६. अेकहुं करुं.  
उंछ, पु. अनाज अेकहुं करुं ते.  
उंछन, न. अन्नर वगेरे ठेकायेथी  
अनाज वीणी लेकुं ते.  
उंछवृत्ति, स्त्री. भेतर वगेरे ठेकाये  
परेणुं अन्न उथकी लर्थ शुल्लरे  
यथावगे ते. [शुल्लरे यथावना.  
उंछर्शल, वि. परेणुं अन्न उथकी लर्थ  
उत्, न. पांछं.  
उत्त, उ. पांछानी कुंपडी; गृह. पर.  
उत्, ग. १. गारुं, पाडी नाथुं;  
गुं. [पाणी.  
उत्, द्वे. नक्षत्र; तारे. न. गज,  
उत्(द्रु)प, उ. दोडी, भद्रो. पु. चंद्र.

उद् (द्र) पति, पु. चंद्र.  
उद् (द्र) पथ, पु. आकाश. [आड.  
उद्दंबर, पु. उद्दंबर वृक्ष, उद्दमरानुं  
उद्दयन, पु. नभोगति, उडुं ते.  
उद्दामर, वि. सर्वथी सरस, उत्तम.  
उद्दीन, न. आकाश तरङ्ग उडुं ते.  
वि. कुंडके भारनार.  
उद्दीयमान, वि. उडुं; उडनार.  
उद्दीश, पु. शिव; तंत्रशास्त्र.  
उद्द, पु. पाणी; नवा पुष्प.  
उत्, अ. प्रक्ष, समुच्चय, विकल्प,  
पणु, अथवा. [पुत्र.  
उत्थय, पु. अंगीरा मुनिनो मोटा  
उत्थयानुज, पु. बृहस्पति. [कल्प.  
उताहो, अ. सवाय, विचार, वि-  
उताहोसित, अ. विकल्प, राडा.  
उत्क, वि. आपुर. पु. सुयोग, अवसर.  
उत्कट, वि. तीव्र, भक्त, विषम.  
पु. भरतदाथी. न. दण्डीनी.  
उत्कटा, स्त्री. सिद्ध पिपली.  
उत्कंटक, वि. भयंकर. [रभुं.  
उत्कंठ, पु. भोग शृंगारभांनुं ते-  
उत्कंठा, स्त्री. उत्कंडा, छंछा.  
उत्कंडित, वि. उत्पुं.  
उत्कर, पु. अनाज वगेरेनो टगलो.  
उत्कर्ष, पु. मोक्षार्थ, विजय; आड-  
पणु. वि. उत्तम, अठियातुं.  
उत्कल, पु. शिकारी; भार अरदार;  
ओडीया अथवा ओरीगा देश.  
उत्कलिका, स्त्री. उत्कंडा; विषयवा-  
सना. [वाणी गाय.  
उत्काका, स्त्री. दरवरसे वीयावा  
उत्कार, पु. अनाजने आटकीने  
भुगे भुगे पाडवे ते.

उत्किर, वि. अनाजनो दग्धो करनार.  
 उत्कुंचिका, स्त्री. वनस्पति कुर्चीजन.  
 उत्कुट, न. सीधुं सुधुं ते.  
 उत्कुण, पु. केशकीट, न.  
 उत्कूट, पु. छत्री; छन्धुं.  
 उत्कूलित, वि. किनारे आणुधुं.  
 उत्कृति, स्त्री. क्षपधुं ते; छपीश अ-  
 क्षरनो छ६.  
 उत्कृष्ट, वि. अतिशय; उत्तम; धधुं.  
 उत्कृष्टता, स्त्री. श्रेष्ठता.  
 उत्कोच, यु. लांय, इशयत. विनार.  
 उत्कोचक, पु. उत्कोच्य आक्षक, लांय  
 उरुम, पु. उपर नधुं ते. [नीकणेधुं.  
 उत्क्रान्त, वि. अतिक्रान्त, अक्षर  
 उत्क्रान्ति, स्त्री. मृत्यु, मोत, गरणु.  
 उत्क्रान्तिधेनु, स्त्री. भरती वधते गा-  
 यधुं दान आपेछे ते. [पाउनार.  
 उत्कृष्ट, वि. जनरव, मोट्टी धुम  
 उत्क्रोश, पु. कुरर नामधुं समुद्र कि-  
 नारे रहेनाइं पक्षी. [णेधुं.  
 उत्क्षिप्त, पु. धंतुराधुं इण. वि. उछा-  
 उत्क्षिप्तिका, स्त्री. क्षानधुं धरेधुं, धु-  
 गडी. [पभो; सोण पक्षधुं वजन.  
 उत्क्षेपण, न. उछाणधुं ते; ओक्षरी;  
 उत्खला, स्त्री. ओक नतगी सुभंधी.  
 उत्खात, वि. नउभूणथी उभेउधुं.  
 उत्खातिन्, वि. नाशक, नाश करवावाणु  
 उत्त, वि. आर्द्र, क्षीधुं.  
 उत्तंस, पु. कलगी, ताण, मुगठ.  
 उत्तप्त, न. सुकेधुं मांस. वि. तपावेधुं;  
 रनात, नाडेधुं; शेकेधुं. [भाध.  
 उत्तम, वि. श्रेष्ठ, नेक. पु. धुवनो  
 उत्तमर, वि. श्रेष्ठ, सरस, मुग्ध.

उत्तमर्ण ( णिक ), पु. ऋषुधाता, क-  
 रण आपनार, साधुकार.  
 उत्तमा, स्त्री. नेक स्त्री; त्रिंश, ( छ-  
 रडा, जेडेडा अने आंभणा.)  
 उत्तमांग, न. भरतक, शीर, भाधुं.  
 उत्तमाह, पु. मुद्दिन, सारे दडाओ.  
 उत्तमोत्तम, न. अतिशय उत्तम.  
 उत्तमौजस, पु. वीरपुत्र, भारतना  
 युद्धमां महारथि राज.  
 उत्तर, न. नवाय. पु. विशाठ रा-  
 ननो पुत्र उत्तर स्त्री. उत्तर दिशा  
 (रा) विशाठराजनी छोकरी. वि. श्रेष्ठ.  
 उत्तरकाल, पु. लविध्यकाण.  
 उत्तरकोशला, स्त्री. अयोध्या नगरी.  
 उत्तरक्रिया, स्त्री. सांवत्सरिक शाङ्ग  
 वगेरे क्रिया.  
 उत्तरंग, न. दरवाज उपरनी कमान.  
 उत्तरण, न. उत्तरधुं ते, नदी वगेरेने  
 सामे पार नधुं ते.  
 उत्तरतस, अ. उत्तरधी; पाछवधी.  
 उत्तरपक्ष, पु. कृष्णु ( व६ ) पक्ष; प्र-  
 तिवादी-नवाभदारनो पक्ष.  
 उत्तराधिकार, पु. वारसो.  
 उत्तराधिकारिन्, वि. वारस.  
 उत्तरापथ, पु. उत्तर दिशानो रस्ती.  
 उत्तराफल्गुनी, स्त्री. नक्षत्रधुं नाम छे.  
 उत्तराभाद्रपदा, स्त्री. नक्षत्रधुं नाम छे.  
 उत्तरायण, न. उत्तरायण, मकर रा-  
 शिनो सूर्य यवानो काण.  
 उत्तराहि, अ. उत्तरकाण, उत्तर देश.  
 उत्तरीय, न. हुपटो, उपरयो.  
 उत्तरे, अ. आपरे.  
 उत्तरोत्तर, वि. कभवार. न. प्रति-  
 वाध्य, नवायनो नवाय.

उत्तर्जना, स्त्री. लार्सन, धमकावतुं ते.  
 उत्तान, वि. अजंभीर; ईर्ध्वमुभ, ई-  
 धुं मुर्ध उपरनी आलु मोहं करनार.  
 उत्तानपाद, पु. स्वयंलु मनुनो पुत्र,  
 ध्रुवनो व्याप. [ उघे मोटे सुनार.  
 उत्तानशय, यु. धावलुं आलक. वि.  
 उत्ताप, पु. उष्णता, गरमी; दुःख,  
 संताप.  
 उत्तापन, न. संताप. [ दुःखी.  
 उत्तापित, वि. गरम करेकुं, तपायेकुं;  
 उत्तार, वि. श्रेष्ठ. पु. वमन, उल्टी  
 करी ते. [ वि. तारथु करनार.  
 उत्तारण, न. उद्धार-तारथु करतुं ते.  
 उत्ताल, वि. श्रेष्ठ, मोहं; त्वरित. पु.  
 वांछे.  
 उत्तार, अ. किनारा उपर, कंठे.  
 उत्तीर्ण, वि. मुक्त, पार पडोवेकुं.  
 त्याग करेकुं. [स्त्री. (ता) उच्चार्य.  
 उत्तुंग, वि. अती उंच, धलुं उच्यु.  
 उत्तुप, न. छेडेकुं-छोला कंठेकुं अनाज.  
 उत्तेजन, न. } प्रेरणा; उत्तेजन.  
 उत्तेजना, स्त्री. }  
 उत्तेजित, वि. प्रेरित, उत्तेजन आपेकुं.  
 उत्तोलन, न. उठावतुं, उपर लेवुं ते.  
 उत्तोलित, वि. उच्येकुं, उपर करेकुं.  
 उत्तास, पु. लय. वि. निर्लय.  
 उत्तासन, न. धारती देखाडनी ते.  
 उत्थ, वि. दंडापमान, उलुं.  
 उत्थान, न. शैत्य; पुस्तक; उत्पन्न;  
 युद्ध; उद्यम; उद्ये; पराक्रम.  
 उत्थानिकादशा, स्त्री. कानिक शुद्ध  
 ओकादशी. [ तेजक.  
 उत्थापन, वि. उत्थापन करनार; उ-

उत्थापन, न. उठाडी लेवुं ते.  
 उत्थाप्य, } अ. उत्थापन करीने.  
 उत्थाय, }  
 उत्थायुक, वि. अलिभागी, भगरथ.  
 उत्थित, वि. तैयार; उत्पन्न.  
 उत्थितांगुलि, पु. अंगुली. •  
 उत्पत, पु. उपरजतुं ते; पक्षी.  
 उत्पतन, न. उत्पत्ति, होउवुं ते; पक्षी.  
 उत्पत(ति)त्, वि. उच्ये चढनार.  
 उत्पत्ति, स्त्री. उत्पन्न; पैदाश; प्रण.  
 उत्पत्तिप्रयोग, पु. अलिप्राय, अर्थ.  
 उत्पथ, पु. कुभाग, पराण रस्ते.  
 उत्पन्न, वि. उत्पन्न, पैदा थयेकुं; म-  
 जेकुं; उगेकुं. [वि. वि. कृश, पातकुं.  
 उत्पल, न. नीणु कमण, कडवां औष-  
 उत्पल-पत्र, न. कमणपत्र, कमणतुं  
 पांढकुं; तिलक; नभचिह्न.  
 उत्पलिनी, स्त्री. पद्मसमूह, कमण  
 इलने ज्ये.  
 उत्पाट, पु. } उत्तोलन, उठमूलथी  
 उत्पाटन, न. } उभेउवुं ते; नारा करतुं.  
 उत्पाटिन, वि. उठमूलथी उभेडी  
 नाभेपु. [ पक्षी.  
 उत्पात, पु. उपद्रव; अरिष्ट; शरभ  
 उत्पाद, वि. नीचे माथुं अने उपर  
 पगवाणुं, उलटुं.  
 उत्पादक, पु. आप, पैदा करनार; श-  
 रभनामतुं आड पगवाणुं पक्षी. न.  
 भूवदेव. वि. उत्पत्तिमांकारपुत्र.  
 उत्पादन, वि. उत्पत्ति करनार, पैदा  
 करनार. न. उत्पन्न करतुं ते.  
 उत्पादित, वि. उत्पन्न करेकुं.  
 उत्पाली, स्त्री. आदोभवा, तंद्दरनी.



उत्पाव, पु. शुद्ध धी. [ करेडुं.  
 उत्पिजर, वि. पांजराभांधी भोक्कुं  
 उत्पिजल, वि. अत्यंत व्याकुल, गा-  
 भंड. [ धन्धावाणु.  
 उत्पित्तु, वि. अभनेच्छु, न्वानी  
 उत्पिष्ठ, वि. कुट्टुं, आरेडुं.  
 उत्पूय, अ. गाणीने.  
 उत्प्राण, पु. आस.  
 उत्प्रेक्षा, स्त्री. व्याज स्तुति; उगोक्षा.  
 उत्प्लव, पु. } उत्पतन, उच्च उछ-  
 उत्प्लवन, न. } णतुं.  
 उत्प्लवा, स्त्री. नौका, दोरी. [रवोते.  
 उत्प्लुति, स्त्री. उत्प्लवन, कुट्टो भा-  
 उत्फाल, पु. कुट्टो, ठेकठो भारवो ते.  
 उत्फुल्ल, वि. आनदित; जीलेपु.  
 उत्स, पु. अरो, पाणीनुं नाणुं.  
 उत्संग, पु. गोड, जोगो; सयोग;  
 आसिंगन.  
 उत्संगिन, वि. संगी, साथी. पु.  
 शत, न्वभम. स्त्री. आंजणी,  
 (आंभ उपर यती.) [ लुतु-  
 उत्सघ्न, वि. नाश पाभेपु; उठेडुं;  
 उत्सर्ग, पु. } त्याग, धान; वि-  
 उत्सर्जन, न. } धान. [ उच्चे न्वनार.  
 उत्सर्पिन्, वि. अर्धगभन शीव,  
 उत्सय, पु. भुशाक्षी, आनंद; कोध.  
 उत्सादन, न. शुभंधी नीले लभाडी  
 शरीरनो भेत्त काडो ते; नाश;  
 जे वभत न्वभीन जेडवी ते.  
 उत्सारक, पु. हारपाव, दरवान.  
 उत्सारण, न. इरीकग्ल, डर करेडुं;  
 गारडुं, जेक न्वनाजेथी जीछ  
 न्वनाजे ल' न्वतुं ते. [ उचभ  
 उत्साह, पु. भुशाक्षी, आनंद; शुभर;

उत्साहवत्, वि. उद्योगी.  
 उत्साहस, न. अडादुरी, शूरत.  
 उत्साहिन, वि. अध्वयसाथी, उत्सुक.  
 उत्सिफ्त, वि. अभिभानी, भगर्भ.  
 उत्सुक, वि. उत्कण्ठित, आतुर; आसक्त.  
 उत्सुकता, स्त्री. औत्कण्ठ्य, उत्कण्ठित-  
 पणुं; आसक्ति.  
 उत्सूर, पु. दिनावसान, संध्याकाण.  
 उत्सृजन, न. उत्सर्ग, त्याग.  
 उत्सृष्ट, वि. त्यक्त, छोडेडुं.  
 उत्सेक, पु. वृद्धि, वधारो; अभिमान.  
 उत्सेचन, न. उपरनी आणुजे छं-  
 टुं ते. [ तल, भारडुं ते.  
 उत्सेघ, पु. उग्याध; हेड, शरीर, क-  
 उत्सय, पु. शिमत, मुछभां हसडुं ते.  
 उद, } न. पाणी.  
 उदक, }  
 उदकक्रिया, स्त्री. तर्पण, देयताओ  
 अथवा पितृओने पाणी आपडुं ते.  
 उदकोदर, न. नणंदर रोग.  
 उदकय, वि. न्वससंधी, पाणीवाणुं.  
 उदक्या, स्त्री. रवस्वला-जतुमती  
 उदगाद्रि, पु. द्विभावप परिन. [स्त्री.  
 उदगयन, न. उत्तरायणु.  
 उदम, वि. उडुं; भयकर, विक्राण.  
 उदच्, } वि. उत्तरीय, उत्तर तरडुं.  
 उदच्, }  
 उदंचन, न. उच्च उछाणुं ते, दां-  
 लु, आन्धादन.  
 उदंचित, वि. पुनित, गत्कार करेडुं.  
 उदंतिष्ठा, स्त्री. तृप्ति, सनोप; आनी.  
 उदधि, पु. गभुद्र; पर, परो.  
 उदधिक्रम, पु. गभुद्रनाभी, अतांगी.

उदधिकन्या, } स्त्री. लक्ष्मी.  
 उदधिजा, }  
 उदधिमल, पु. समुद्रशीलु.  
 उदधिमेखला, स्त्री. पृथ्वी, जमीन.  
 उदधिसुता, स्त्री. लक्ष्मी, द्वारका नग-  
 उदंत, } पु. सभाचार, अणर. [री.  
 उदंतक, }  
 उदन्या, स्त्री. वृषा, तरस.  
 उदन्वत्, पु. समुद्र.  
 उदपान, उ. कूप, झरो, वाव.  
 उदभार, पु. मेघ, वरसाह.  
 उदमान, न. पाली (आढक) नो प-  
 आसभो भाग. [यहो; प्रकाश, तेज.  
 उदय, पु. उदयाचल, पूर्व पर्वत; का-  
 उदयन, न. अधिगमन, उच्च यद्धुं.  
 पु. अगस्तमुनि; वत्सराज, कौ-  
 सांभीनो राज. •  
 उदर, न. जठर, पेट; युद्ध, लडाई.  
 उदरत्राण, न. कवच, अभतर.  
 उदरधि, पु. समुद्र; सूर्य.  
 उदरपिशाच, उदरंभरि, वि. स्वेदर  
 पूरक, मान अपमाननी दरकार न  
 राभतां गमे तेम करी पोतातु पेट  
 भरी जलुनार.  
 उदरामय, पु. उदरशेग, अतिसार.  
 उदरावसंत, पु. नाभि.  
 उदरिणी, स्त्री. गर्लपती स्त्री.  
 उदरि(न)ल, वि. मोटा पेटवाणु.  
 उदर्क, पु. भविष्यकाण; मदनकंटक वृक्ष.  
 उदर्चस, पु. अग्नि; शिव; कागदेव.  
 वि. प्रग्वलित, सवगतुं.  
 उदर्द, पु. विशपं शेग. [ नाभेधुं.  
 उदस्त, वि. नम्र; सवगत; नीचे

उदहार, पु. मेघ, वादण; वारिवा-  
 डक, पभाळी, पाणी भरनार.  
 उदाज, पु. सेनापति.  
 उदान, पु. उदस्थवायु; नाभि; आं-  
 भनो पलकारे.  
 उदार, वि. दाता, दानशूर; मडत,  
 मोडुं; सरल, प्रभाणिक; गभीर;  
 सवगत; योग्य. [ वरोग.  
 उदावर्त्ता, स्त्री. प्रदरशेग, रक्तसा-  
 उदास, वि. निरपेक्ष, उदास. पु.  
 तपस्वी, साधु.  
 उदासीन, वि. तटस्थ, मध्यस्थ,  
 शत्रुभिन्नते समान जलुनार.  
 उदाहरण, न. } उदांत, दाभलो, क-  
 उदाहार, पु. } था, प्रसंग.  
 उदात्त, पु. उच्चो स्वर; दान; वाद्य,  
 वालं; कात्यालकार. वि. दाता.  
 उदित, वि. कथित, कडेधुं; उत्थित,  
 उल्लु ययधुं; आधिधुं.  
 उदीक्षण, न. प्रतीक्षा, अवलोकन.  
 उदीची, स्त्री. उत्तर दिशा.  
 उदीचीन, वि. उत्तर दिग्गत, उ-  
 त्तरदिशा तरक ययधुं.  
 उदीच्य, पु. सरस्वती नदीना वा-  
 यय डोणु तरकनो देश. न. व-  
 नस्पति वाणो. वि. उत्तर देशतुं.  
 उदीच्यकाष्ठ, न. वनस्पतौ वापस्वीनी.  
 उदीरण, न. कथन, वचन, भाषण.  
 उदीरित, वि. कथित, मोलेधुं.  
 उदीर्ण, वि. उदार; मडान; तीन, कडक.  
 उदीर्य, वि. कथितय, कडेवा लायक.  
 उदुंबर, पु. उच्चशतुं अड; कृष्टशेग,  
 डोड; लीजडे, नपुंसक. न. तांथुं.

उद्घुषल, उ. लाङ्गानी उष्णी.  
 उद्घुष, वि. विवाहित; स्थूल, मोटुं.  
 उद्देजय, वि. कंपावनार, उलावनार.  
 उद्गत, वि. उत्थित, उठेसुं; उद्घर्षण-  
 मन; उत्पन्न, पैदा थपसुं.  
 उद्गति, स्त्री. उलरी, ओकारी.  
 उद्गम, पु. उपर चढुं ते; उद्घप;  
 ज्ञान; वृद्धि. [ पुष्कण.  
 उद्गाढ, न. वधारे. वि. अतिक,  
 उद्गान्, पु. सामवेद नालुनार आहाणु.  
 उद्गार, पु. ओकारी, उलरी; शब्द.  
 उद्गारण, } न. वमन, ओकारी; कं-  
 उद्गिरण, } गर्जन, आडकार.  
 उद्गीति, स्त्री. उच्चै स्वरे गातुं ते;  
 उंघनुं नाम.  
 उद्गीय, पु. सामवेदांश; सामवेद-  
 ध्वनि; ओंकार, प्रणव, ओं.  
 उद्गृण, वि. उगाभेयुं; आंधेयुं.  
 उद्ग्राह, पु. उपर लेवुं ते; विधाचार.  
 उद्ग्राहित, वि. अक्ष, आंधेयुं; उ-  
 त्तम; याद करेयुं.  
 उद्घ, पु. प्रशंसा, वभाणु; वायु;  
 अग्नि; इस्तपुट, जोगो. वि. प्र-  
 शस्त, उत्तम.  
 उद्घर्षण, न. घससुं.  
 उद्घस, न. भांस. [ सुतरो.  
 उद्घाट, पु. यालुं, डोटपाणी, अ-  
 उद्घाटक, उ. } पोरो, डोश; कुन्धी.  
 उद्घाटन, न. }  
 उद्घाटित, वि. मुझ, थुयुं, उघाडं.  
 उद्घाटितज्ञ, वि. पंडित, विद्वान.  
 उद्घात, पु. आरंभ, सद्भात; उ-  
 धिचार; आघात, मल. वि. उंघुं.

उद्घुष्ट, वि. ध्वनित, शब्द करेयुं.  
 उद्दंश, पु. भांकड.  
 उद्दंड, वि. बुद्ध्या; कूर.  
 उद्दंडपाल, पु. न्यायाधीश. [ कभर.  
 उद्दान, न. अंधन; बूयो; मध्यप्रदेश;  
 उद्दाम ( न् ), वि. अंधनरहित;  
 स्वतंत्र; प्रधान; प्रौढ. पु. वरलु.  
 उद्दाल ( क ), पु. अेक मुनिनुं नाम.  
 उद्दित, वि. अध, आंधेयुं.  
 उद्दिन, न. मध्याह्न, अपोर.  
 उद्दिष्ट, वि. उपदिष्ट, उपदेश करेयुं.  
 पु. तांदुलजनी लाष्ट.  
 उद्दीप, न. युगल. पु. दीपन, स-  
 णगायतुं ते. [ गावनार.  
 उद्दीपक, वि. उद्दीपनकर्ता, सण-  
 उद्दीपन, न. प्रकाशन, शैशानी; न्य-  
 लन, अमक्षरो.  
 उद्दीप्त, वि. प्रकाशित.  
 उद्देश, पु. उदाहरण, दाभलो; त-  
 पास; क्षरण, हेतु.  
 उद्देश्य, न. प्रयोजन, क्षरण.  
 उद्देष, वि. अनवेपक, ( मुद्दे ) त-  
 उद्देहिका, स्त्री. उधधं. [ पासनार.  
 उद्दाय, पु. पचायन, भागीजतुं ते.  
 उद्द्योत, पु. प्रकाश, शैशानी.  
 उद्दत्त, वि. उद्भूत; उच्येयुं. न.  
 अडकार. पु. सज्जमत, सज्जने  
 आश्रित भव. [ क्षीपयुं; नीशानी.  
 उद्दति, स्त्री. गर्व, अडकार; लंग-  
 उद्दम, पु. धम, शरस. [ ओकारी,  
 उद्दरण, न. तारण, मोक्ष; उलरी,  
 उद्दर्य, पु. उत्पन्न; आनंद.  
 उद्दर्यण, न. शैशान्य, शरीरनां इ-  
 यानुं उंघुं यतुं ते.

उद्भव, पु. उत्सव, उत्साह; यशस्वि,  
 दोभास्वि; श्रीकृष्णुनो मित्र.  
 उद्धान, न. श्लो. [अंश, भाग; रक्षण.  
 उद्धार, पु. वध्न व्याजतुं करण;  
 उद्धार, स्त्री. गदुथी, गणो.  
 उद्धार, वि. वध्नधार, भारी, नड.  
 उद्धार, वि. उपर क्षीधुं; उडावेधुं;  
 उडावेधुं; पसरुं. [ पवी ते.  
 उद्घन, न. टांगतुं ते; इंसो आ-  
 उद्घोष, पु. प्रत्यभिज्ञान, स्मरण.  
 उद्घोषक, वि. याद करनार.  
 उद्घोषन, न. सापन, स्मरण.  
 उद्घट, पु. कम्प, कायभो; रूध.  
 वि. श्रेष्ठ, उत्तम.  
 उद्भव, पु. उत्पत्ति, जन्म, पैदाश.  
 उद्भाव, पु. पैदाश; मननी भोराध.  
 उद्भास, पु. प्रभा, तेज, कांति.  
 उद्भासित, वि. प्रकाशित, कांतिमान.  
 उद्भिज, वि. जमीनभेदी अंकुर-इ-  
 लुगाइपे अडार आवनार. ( जा-  
 उ वगेरे. ) [ कुचारे.  
 उद्भिद, वि. इद्भिज. पु. भूणीड;  
 उद्भिद, वि. इद्भिज. न. रसोधने  
 लभतुं भीडुं. [रित, भीजेतुं.  
 उद्भिन्न, वि. लेहित, तोडेतुं; चिक-  
 उद्भूत, वि. उत्पन्न; ( न्यायमतमां )  
 भावम पडवातायक.  
 उद्भूति, स्त्री. वृद्धि, वधासे.  
 उद्भेद, पु. रेशांय; उत्पत्ति; अरो,  
 कुचारे; इद्भव. [ ननो ताप.  
 उद्भव, पु. जव; जभतुं; उद्भव, भ-  
 उद्भवांत, न. दाप उचो करी तरवार  
 भाग शेरवनी ते. वि. भातिवालुं.

उच्च, पु. नद, भोटी नदी.  
 उच्चत, पु. अथपरिच्छेद, पुस्तकनो भा-  
 ग-अध्याय. वि. उद्युक्त, काम कर-  
 वाभां तैवार; उद्योगी.  
 उद्यति, स्त्री. भडेनत, उद्योग.  
 उद्यम, पु. उद्योग, भडेनत.  
 उद्यमिन्, वि. उद्योगी, भडेनत.  
 उद्यान, न. वाडी, जगीचो; नीकणतुं  
 ते; प्रयोगन, मतलम.  
 उद्यानपाल, पु. भाणी, आगवान.  
 उद्यापन, न. मतना आदि मध्य ज्ञाने  
 अंतनां कर्म.  
 उद्याव, पु. मिश्रण, भेणवतुं ते; योग.  
 उद्युक्त, वि. यत्नवान, उद्यत, भडेनत.  
 उद्योग, पु. यत्न, दोशेश; उत्साह.  
 उद्योगिन्, वि. उद्योगी, भडेनत.  
 उद्योत, पु. अदोक्त, शैशनी.  
 उद्ग, पु. जणनोणीओ, पाणीमां  
 रहेनार अेक प्राणी.  
 उद्गक-ग, पु. हरिश्चंद्र राजनी नगरी.  
 उद्गय, पु. पैडानी भीडी; रसोयो.  
 उद्गाव, पु. भोटो शब्द.  
 उद्गाह, पु. वन० लाव चित्रक.  
 उद्गज, वि. उेदक, दोडनार. [ वृद्धि.  
 उद्गक, पु. आविश्य, वधासे; आरंभ;  
 उद्गकिन्, वि. वृद्धिशील, वधनार.  
 उद्गम्, वि. श्रेष्ठ; अडेतुं. स्त्री. टेकरी.  
 उद्गत्सर, पु. संवत्सर, वर्ष. [ पुष्कण.  
 उद्गत्तं, पु. वधासे. वि. अविक,  
 उद्गत्तन, न. शरीर रथई करवानी  
 मुनंणी स्त्रीओ, उडातुं; धरुण.  
 उद्गप, ग. १. रेडतुं; उरे यडावतुं.  
 उद्गपन, न. सेट, अक्षिभ.

उठम्, ग. १. उथे डेकतुं; उलटी  
करपी; आंशु पाउवां.

उद्वास, पु. देशनिकास; वध.

उद्वाह, पु. विवाह, लग्न; जे वार  
उण शेरवेतुं जेतार. [ भनोदुःख.

उद्वाहनै, न. विवाह-वध करतुं ते;

उद्वाहनी, स्त्री. कपडिका, डोरी

उद्दिस, वि. उद्देगयुक्त, आकुण चित्त.

उद्देग, न. सोपारी. पु. दुःख; भय;

आश्रयें वि. शीघ्रग, नलदी नतार.

उद्देजित, वि. अशेषित, दुःखी.

उद्देष्टित, वि. लगेरेतुं; धेरेतुं.

उंद, ग. ७. भीणवतु. [ ६२.

उंदर, उदुर, उंदुर, उदूर, पु. उ-

उन्न, वि. लीतुं; ध्याणु, मायाणु.

उन्नत्त, वि. उंथु, श्रेष्ठ; वधेतुं.

उन्नति, स्त्री. वृद्धि, गढती, उष्ण-

ता; उद्य; गरुडनी स्त्री.

उन्नद्ध, वि. लटकावेतुं, टंगेतुं.

उन्नमन, न. उत्थान, उठावेतुं.

उन्नय, पु. } चित्तकं, तर्कं, अतुमानं,

उन्नयन, न. } उत्तोलन, उथे उचकतुं.

उन्नाह, न. दांशु. [ निद्र, लगेतुं

उन्धिद्र, वि. प्रकुचित, भीलेतुं; वि-

उन्मत्त, वि. उन्माद्युक्त, डेश; अ-

गित. पु. धतुरातुं आउ.

उन्मत्तता, स्त्री. उन्मादता, उन्म-

उन्मद, वि. उन्मत्त. [ तापणु.

उन्मनस, वि. अयणचित्त, अयण

चित्तवाणु. [ रतुं-वलोवतुं ते.

उन्मंथ, पु. मारणु, वध, मथन क-

उन्माय, पु. दांशु, लण; वध; क-

साध; आपमान, अलंकार.

उन्माद, पु. चित्तभ्रम. वि. उन्मत्त.

उन्मादन, पु. अभवेवना पांथ पा-

लुभांतुं अक.

उन्मान, न. परिभाषु करणु, तोणतुं,

भापतुं वगेरे; तोणवातुं साधन,

मणु शेर वगेरे; डांशु. [ ररतो.

उन्मार्ग, पु. भराभ चाल; भराभ

उन्मित, वि. परिमित, मापेतुं, व-

नन करेतुं. [ दाश, कृतुं उधउतुं.

उन्मीलन, न. आंभतुं उधउतुं; वि-

उन्मुख, वि. उध्वंमुअ, उथे नेतार.

उन्मुद्र, वि. प्रकुक्षित, भीलेतुं.

उन्मूलक, वि. नउ मूणथी उभे-

उनार. [ पतुं ते.

उन्मूलन, न. उत्पातन, उभेडी ना-

उन्मूलित, वि. उभेउतुं.

उन्मृष्ट, वि. 'रव'उ-साइ करेतुं.

उन्मेदा, स्त्री. रथुलता, मोटाध.

उन्मेप, पु. आंभ उधाउ यध क-

उन्मेपण, न. लगतुं ते. [ रवी ते.

उप, अ. अतुकपा, कृपा; सामीप्य,

सरभापणु; रोग; नाश; अषणु,

आशा, धान; मारणु; उद्योग;

पूज; अभाव, धन्डा; प्रयत्नदर्शक.

उपकठ, न. सीमनी पासेतुं प्रदेश.

वि. पासेतुं, नलदीकतुं.

उपकथा, स्त्री. धतिडार.

उपकरण, न. केर्ध पणु कार्यना सा-

धनवत पदार्थ, नलजोनी छत्र

अभर वगेरे सामग्री [ सांभगतुं ते.

उपकर्णन, न. कर्णधवणु, डानथी

उपकर्त, वि. उपकारक, उपकार क-

रनार.

उपकल्पित, वि. प्रस्तुत, सिद्ध, तैयार.  
 उपकार, पु. भद्र; भेडेरआनी; कूलनुं उधउधुं ते; तोरण.  
 उपकारक, वि. उपकारी, भद्रकार.  
 उपकारिका, स्त्री. राजगृह, राज-  
 उपकार्य, वि. उपकारयोग्य. [ भेडेव.  
 उपकार्या, स्त्री. राजगृह.  
 उपकुंभ, वि. समीप; निर्जन; अ-  
 कांत. अ. कुंभ पासे. [ वाजे.  
 उपकूप, पु. कूपापासेनी टांकी, अ-  
 उपकृत, वि. उपकारी. न. उपकार.  
 उपकृति, स्त्री. उपकार.  
 उपक्रम, पु. प्रारंभ; चिकित्सा; ना-  
 शीगुं ते; शौच; यत्न, उपाय.  
 उपक्रोश, पु. निंदा, लारसना; धमकी.  
 उपक्रोश, वि. निंदक. पु. गधेरो.  
 उपक्षण, पु. वीछानो अवाग.  
 उपगत, वि. स्वीकारेनुं; प्राप्त; ल-  
 खेनुं; अशक्त. [ लुं ते.  
 उपगाम, पु. स्वीकार; शान; पामे  
 उपगीत, वि. गीत, स्तुत्य, गायनुं.  
 उपगीति, स्त्री. पहेला अने नीज  
 अरथुमां बार अने भीज ने योथा  
 अरथुमां पंदर मात्रा होय अंतुं छंद.  
 उपगूढ, वि. गुप्त, सतारेनुं. [ अर्थ.  
 उपगूहन, न. आदिगन, विरमय, आ-  
 उपग्रह, पु. डेही, अंहीवान; अंही,  
 अटकाव; उपयोग; राहु अने केतु  
 उपग्राह, व. नेट, नगराणु. [ अर्थ.  
 उपग्र, पु. आग्रय. [ कता; दगयो.  
 उपचय, पु. वृद्धि, वधारो, अधि-  
 उपचरित, वि. सेवित, मेवेनुं.

उपचर्य, वि. उपचार करवावायक.  
 उपचर्या, स्त्री. सेवा, याकरी.  
 उपचाट्य, पु. यज्ञाग्नि. [ औपधकृष्या.  
 उपचार, पु. सेवा, पूजा; व्यवहार;  
 उपचित, वि. अंकुं करेनुं; अणेनुं.  
 उपचित्रा, स्त्री. वन उदरणी.  
 उपज, वि. उपलेनुं, पेदा ययनुं.  
 उपजाति, स्त्री. दरेक अरथुमां अ-  
 गीआर अक्षर होय अंतुं बार  
 अरथुवाणु छंद.  
 उपजाप, पु. राजद्रोह, अणवे.  
 उपजापक, वि. शितरी, राजद्रोही.  
 उपजिहा, स्त्री. पठल्ल, ता-  
 उपजिहिका, } लवानो पोथो भाग;  
 अंक नतनी डीरी.  
 उपजावन, न. }  
 उपजीविका, स्त्री. } अणिका, गुणरो.  
 उपजोपम्, अ. आनंद, सुशीदशंक.  
 उपढौकन, न. पारितोपिक, सेट.  
 उपताप, पु. रोग; असुख; पीडा;  
 शोक; विपद.  
 उपतापिन्, वि. दुःखदाई; रोगी.  
 उपत्यका, स्त्री. पर्वत पासेनी लभीन.  
 उपदंश, पु. स्वाद, लेगत; दश करनुं  
 ते, गरभीने रोग.  
 उपदर्शक, पु. द्वारपाल, योकीदार.  
 उपदर्शन, न. टीका, व्याख्या.  
 उपदा, स्त्री. पारितोपिक, सेट, धनाम.  
 उपदान-क, न. सेट, धनाम; दांग.  
 उपदिष्ट, वि. उपदेशप्राप्त, गीपयेनुं.  
 उपदेश, पु. भंत्रकथन; छितनी वात  
 कडेयी ते; शीक्षण, उपदेश.  
 उपदेशक, }  
 उपदेशिन्, } वि. उपदेश करनार.

उपदेष्टृ, पु. उपदेशकर्ता, गुरु.  
 उपद्रव, पु. उत्पात, पात, दंगो;  
 उपद्रव.  
 उपद्रोप, पु. भेट, धापु.  
 उपधर्म, पु. पापंउ धर्म  
 उपधा, स्त्री. छल, कपट; दंगो.  
 उपधातु, पु. पृथ्वीसंघंधी सात  
 धातु (नेम के, भासिक, मोरसुद,  
 अअक, छरताण, सुरमो, मनशीव,  
 जे३.) शरीरसंघंधी सात धा-  
 तुओ, (नेम के, दूध, श्रीरज, धर्म,  
 परसेवो, दांत, आण, शुक्र धातु.)  
 उपधान, न. तकीओ; उरे; कृपा.  
 उपधि, पु. छल, कपट; रथयक.  
 उपधिक, पु. वंयक, उज.  
 उपघृति, स्त्री. किरलु.  
 उपघ्याय, वि. धितातुर.  
 उपघ्वनि, पु. प्रतिशब्द, पडना.  
 उपनयन, न. जनेछ पहेरेवी ते.  
 उपनाम, न. पदवी, ओषो, जेताण.  
 उपनिधि, पु. अनामत मूकेला पैसा  
 वगेरे. [ जने ओक लाग; ज्ञान.  
 उपनिषत्, स्त्री. धर्म, वेदने उव-  
 उपनिष्कर, न. राजभार्ग; आठो  
 रस्तो, गली.  
 उपनिहित, वि. अनामत शक्ति.  
 उपनीत, पु. जनेछवाणे छेकरे  
 वि. भासे आवेपु; नलेपु, मेणवेपु.  
 उपपत्ति, पु. धार, जतर.  
 उपपत्ति, स्त्री. जन्म; सिद्धांत; योग्य-  
 ता; करल, भुण; अत; देव; संध.  
 उपपन्न, वि. साधित, साधेपु, सभास.  
 उपपादन, न. पुत्रिपी सिद्ध करपुं ते.

उपपुराण, न. आसना इवेसा (१८)  
 पुराणुथी लुदा ते. जेवा के-स-  
 नकुमार, नारसिंह, नारदीय, शिव,  
 दुर्वास, कपिव, मानव, औरा-  
 नस, वरुण, सांभ, नदिकेश्वर,  
 सोर, पीराशर, आदित्य, मादेश्वर,  
 देवीभागवत, वाशिष्ठ, कविक.  
 उपप्रदान, न. लांय.  
 उपप्लव, पु. राहुअड, उत्पात; अदणु;  
 दुईय. [ दुःखी.  
 उपप्लुत, वि. पाणीमां दुभेपुं; पीडित,  
 उपभुक्त, वि. सेवित, उपभोग ली-  
 वेपु. [ वासलु.  
 उपभुत्, स्त्री, यज-डोमनु ओक पात्र-  
 उपभोक्तृ, वि. जोगंवतार, अरि  
 कारी, वारस. [ सुभ; जोगवपुं ते.  
 उपभोग, पु. श्रीपुत्रने सयोग,  
 उपभोग्य, वि. जोगवता-वापरवा  
 उपम, वि. सदस, अराअर [ वायक.  
 उपमर्द, पु. वयोवपुं ते; कतव, पध;  
 ओक धर्ममांधी गीने धर्म उत्पन्न  
 करवे ते; अपमान. [ जणवे.  
 उपमा, स्त्री. सादृश्य, सदृशापलुं;  
 उपमात्, स्त्री. धानी, दाध. वि. नि-  
 त्कार, धितारे [ जणवे.  
 उपमात्र, न. जेनी उपमा अपाय ते,  
 उपमिति, स्त्री. उपमा.  
 उपमेत, पु. सागनुं आउ.  
 उपमेय, वि. उपमा आपवा वायक.  
 उपपत्, पु. पति, वर.  
 उपयम, } पु. वध, विवाद.  
 उपयाम, }  
 उपयुक्त, वि. योग, वायक; उचित;  
 लाय.

उपयोग, पु. उत्तम आचरण; ला-  
उपयोगिन, वि. उपयोग करनेवाला। [यज्ञी।  
उपरति, स्त्री. विरक्ति; भ्रष्ट; प-  
रित्याग। [ताण वगेरे।

उपरत्त, पु. उपधातु, पारो, उर-  
उपरग, पु. सूत्रे अथवा अंशुं अ-  
डणु; राहु; उपद्रव; व्यसन, दु-  
राचार; विपत्ति, आपदा।

उपराम, पु. निवृत्ति, आराम।  
उपरिष्ठात्, अ. उपर।

उपरे, अ. उपरानी तरङ्ग। [आश्रय।  
उपरोध, पु. अटकवा; मोटाई; मद्ध;

उपल, पु. पथ्यर; रत्न, नवाहीर।  
, स्त्री. (ला) साकर; रैती।

उपलक्ष, पु. { अटकण, अनुमान;  
उपलक्षण, न. } ज्ञेयं।

उपलक्ष्य, पु. आश्रय; अनुमान;  
अवलम्बन. वि. अटकणधी सम्-  
नवा लायक. [यत्तुं।

उपलब्ध, वि. लभ्येयुं; भेजवेयु; ले-  
उपलब्धि, स्त्री. भक्ति; प्राप्ति; जान।

उपलम्भ, पु. साक्षात्कार, अनुभव।  
उपलम्भ्य, वि. अनुभव करना।

उपलालिका, स्त्री. वृषा, तरस।  
उपलेप, पु. { लगाउनुं—बोपाउनुं  
उपलेपन, न. } ते।

उपवन, न. जमीना, भाग, वाडी।  
उपवर्ण, ग. १०. वर्णन करने।

उपवर्ष, पु. संकरस्वामीने पुत्र,  
गिभांसाना डेटलाक भागने। कर्ता।

उपवसथ, पु. आभुं।  
उपवास, पु. उपवास, अथवा अट्टेवुं ते।

उपवीत, न. वने।

उपगम, पु. शांति; आराम।  
उपशाय, पु. बीड़ीधारिणी वारा इ-  
रती युतुं उठतुं ते।

उपश्रुति, स्त्री. स्वीकार; प्रश्न।  
उपश्रंभ, पु. आरंभ; भूषण।

उपसंख्यान, न. व्याकरणमां आ-  
शानी संज्ञा।

उपसंग्रह, पु. सम्मान, संस्कार।  
उपसंव्यान, न. पढेरवानुं कपडुं।

उपसंहार, पु. अंत; नाश; संश्रद्ध;  
संक्षेप।

उपसत्ति, स्त्री. सेवा; दान; समुदाय।  
उपसद, वि. पासे नतार. पु. दान।

उपसदन, न. परोसी।  
उपसन्न, वि. पासे आवेयुं।

उपसन्नता, स्त्री. आगमन [करवे। ते।  
उपसमाधान, न. संस्थान; ढंगले।

उपसर्ग, व्याकरणमां अव्ययता पी-  
श लेद छे ते, तेभनां नाम:-  
प्र, परा, अप, सम्, अनु, अव,  
निश्च अथवा निरु, दुर अथवा  
दुर्, वि, आ (इ), नि, अधि,  
अपि, अति, यु, उत्, अभि,  
प्रति, परि, उप; ले निश्च, निरु,  
दुर अने दुर्, लुदा गण्णिके तो  
आनीश थायछे. पु. रोग; अ-  
लाभ्य; अडणु; वधारे; शूतप्रे-  
तने। वणगाड।

उपसर्जन, न. अप्रधान, शत्रु।  
उपसर्प, पु. आगमन, पाने आ-  
वतुं ते. [वथमां आवेदी भाष।

उपसर्पा, स्त्री. गर्ज धारणु करवानी  
उपसार्य, वि. पाने नवालायक।



उपसुंद, पु. दैत्यनुं नाम छे.  
 उपसूर्यक, न. परिधि, सूर्ये चंद्रना  
 तेजनुं भंडण.  
 उपसृष्ट, पु. मैथुन, संयोग. वि.  
 अक्षय (सूर्ये चंद्रनुं). [संज्ञि.  
 उपसेवन, न. सेवा; व्यसन; आ-  
 उपस्कर, पु. भरी-भसावो; कलंक,  
 उपस्करण, न. अलंकार. [दोष.  
 उपसृत, वि. कलंकित, इषित.  
 उपस्त्री, स्त्री. वेस्था, रांड.  
 उपस्य, उ. श्रीपुत्रपत्नी संभोगनी छं-  
 द्री; भोजो. वि. पायेनुं.  
 उपस्यान, न. उपाराना; नभस्कार;  
 ८/३३३

उपांजन, न. छाणुधी वमीन क्षीपणी.  
 उपादान, न. प्रत्याहार; कारण, हेतु  
 उपादेय, वि. भाष्य, लेखाप्रायक.  
 उपाधि, पु. धर्मविचार; जेतान.  
 उपाध्याय, पु. आचार्य, गुरु.  
 उपानह, स्त्री. लेडा.  
 उपांत, वि. पायेनुं. पु. आंभनुं भुलुं.  
 उपाय, पु. उपाय, उपाय; राम,  
 राम, ईड, लेड जे प्रत्येक.  
 उपायन, न. लेड; पासे वतुं ते.  
 उपायात, वि. आयेनुं.  
 उपारत, वि. निवृत.  
 उपांजन, न. संपादन करतुं-भेगवतुं ते.  
 उपालंघ. व. भदेलं.

उभयतस्, } अ. परस्पर, जेठ  
 उभयत्र, } तरक्षी.  
 उभयथा, अ. जेठ तरक्षी.  
 उभये, अ. परस्पर.  
 उम्, अ. क्रोध; अंगिकार; प्रश्न.  
 उम, पु. नगर, शहर. [इण्ड; यमक.  
 उमा, स्त्री. पार्वती; अक्षरी; क्षीर्ण;  
 उमापति, } पु. शिव, महादेव.  
 उमेश, }  
 उम्य, न. अक्षरीनुं जेतार.  
 उंवर, पु. उंवर.  
 उंविक्ता, स्त्री. धड, आन्वरीनो पोंप.  
 उर, पु. भेडा.  
 उरग, पु. सर्प, साप.  
 उरगारि, पु. गड; सारस.  
 उरण, } पु. भेडा; वाढण. स्त्री. मंडी.  
 उरम्र, }  
 उररी, अ. स्वीकार; विस्तार.  
 उररीकार, पु. कभूलात.  
 उरव्य, पु. वैश्य, चाण्णिया.  
 उरस्, वि. श्रेष्ठ. न. छाती.  
 उरसिज, पु. स्तन, छाती.  
 उरस्तस्, अ. छातीथी.  
 उरी, अ. स्वीकार; विस्तार.  
 उरगाय, पु. विष्णु.  
 उरतर, वि. धलुंज भोटुं.  
 उरबु(बु)क, पु. अरंडीआनुं ऊड.  
 उरव्यचस, पु. राक्षस.  
 उर्णा, स्त्री. भेडा-अक्षरी इत.  
 उर्वट, पु. वाछरो, वर. [जमीन.  
 उर्वरा, स्त्री. कोर्षपणु धान्य जेणे जेवी  
 उर्वशी, स्त्री. स्वर्जनी आसरा  
 उर्वाह, पु. डाकडी. [जतलुं धार.  
 उलप, पु. परसनारी वेव. न. जेक

उलूक, पु. ध्रुवउपक्षी; उंद्र; शकुनी,  
 औरवनो भाभो.  
 उलूखल, न. उभवी; शुभण.  
 उलूत, पु. अन्वगर सर्प.  
 उल्का, स्त्री. आकाशमांथी पडता  
 तारा; अग्नि; अग्निनी ज्वाला.  
 उल्कामुष, पु. अक्षराक्षर.  
 उल्मुक, पु. अंगार, पलता डोवरस.  
 उलंघन, न. आलंघनुं ते.  
 उलंघित, वि. आलंघेनुं.  
 उल्ल, वि. आणवाणु; धुगनुं.  
 उल्लस, वि. विलासी; तेजस्वी.  
 उल्लसित, वि. आनंदी; शोभायमान.  
 उल्लाघ, वि. निरोगी; स्वच्छ; कु-  
 शण; दुष्ट; क्षणु.  
 उल्लाप, पु. दुःखनो पोकार.  
 उल्लास, पु. आनंद; प्रकाश; अंथनो  
 उल्लासि, वि. आनंदी. [जेक लाग.  
 उल्लुचन, न. आण तोडवा ते.  
 उल्लेख, पु. उन्मथारणु; सिपि.  
 उल्लेखन, न. उलटी; जेष्ठ; उन्मथारणु.  
 उल्लोच पु. अक्षरो, आंष्टणी.  
 उल्लोल, पु. मोटी लहेरो-मोणज्या.  
 उल्व, न. गर्ज; शुक्र.  
 उल्वण, वि. स्पष्ट. न. कं अथवा  
 पित्तो वधारी.  
 उवर्वा, स्त्री. कोर्ष पणु धान्य जेणे  
 जेवी जमीन.  
 उवंष्टवित्, न. धुटणु; जध.  
 उवंशी, स्त्री. आसरातुं नाम.  
 उशनस्, पु. शुक्राचार्य.  
 उशिन, पु. अग्नि, धी.  
 उशी, स्त्री. धन्वा.

उशीनर, पु गंधार (कंदहार) देश,  
अद्र-शी रीजतु नाम

उशीर, } उ वीरपुभूण, वाणो  
उशीरक, }

उप्, ग १ आणु

उप, पु कभी पुरुन, परोढियु

उपक, पु भारी जमीन

उपण, न मरी, आहु, पीपलीभूण

स्त्री (णा) शुक्र, पीपर

उपप, पु सूर्य, अग्नि

उपबुध, पु अग्नि, आणक, चिन-  
हुतु अंड

उपस, न प्रभात, परोढियु

उपस्य, वि प्रभातने लगतु

उपा, स्त्री आप्ताभुरनी पुनी, अनि  
रुद्धनी स्त्री, प्रभात, गाय

उपित, वि. आणेतु, जलदी जनार,  
स्थिर

उशीर, उ वीरपुभूण, वाणो

उप्य, वि प२५, पाडेनु

उष्ट, पु ७८

उष्टगोयुग, पु जे उट, उटनी लेडी

उष्टग्रीव, पु लगदर रोग

उष्ण, पु श्रीभक्तु, गरभी वि  
गरभ, तामसी [आकुण

उष्णालु, वि तरेनु गरभीथी

उष्णीप, उ माथाउपर आधनात

वस्त्र, पाधडी वगेरे

उष्म, } पु श्रीभक्तु, उनाणे

उष्मन्, }

उष्म, पु अणक, किरल स्त्री (स्त्रा)

उष्मध्वन, पु २८ [गाय.

उष्मिया, स्त्री गाय, गभा, इध

उह, ग १ हु अ आणु, भारी  
उह, पु अणक [नाभु

ऊ

ऊ, छे स्वर [शिव

ऊ, अ द्या रक्षा, वाक्यारभ दर्शक पु

ऊ, पु अद्र, शिन

ऊढ, वि परणेतु

ऊढा, स्त्री परतोली कन्या

ऊन, वि सीरेनु.

ऊति, स्त्री रक्षपु, सीरपु, गति, रमत

ऊधस, न आचन, थान

ऊधन्य, } न इध वि आचनगा  
ऊधस्य, } थी उचन ययनु

ऊन, वि न्यून, ओष्ठु

ऊम, अ निहा, गर, स्पृहा, प्रग.

ऊरव्य, उ वीरय, वापुआ

ऊर, पु लंघ, पोणे

ऊरदम, वि लघरुधी

ऊरपर्यन्, न धुगु [न पापी

ऊर्ज, पु कर्तिक भडिनो, नेर, प्राल

ऊर्ज, स्त्री शक्ति

ऊर्जस्वल, } वि अतिशक्त भवमान

ऊर्जस्वत्, }

ऊर्जस्विन्, वि नेरांवर न अ

लकार छे

ऊर्जित, वि भोगी शक्ति, प्रभमान

ऊर्ण, न उन.

ऊर्णनाम, पु कुरोनीओ, भागी -

ऊर्णायु, पु मंडे

ऊर्णुत, वि ढाकेतु

ऊर्दर, पु राक्षस, वीर

ऊर्ज, } वि उच्छ, अ

ऊर्ण, }

ऊर्ध्वदेव, पु. विष्णु. [वर, शरभ.  
ऊर्ध्वपाद, पु. आठपगवाहुं वना-  
ऊर्ध्वपुंज, पु. वैष्णवी तिलक.  
ऊर्ध्ववर्त्मन, पु. आकाश.  
ऊर्ध्वरेतस, पु. शिव; श्रीभूम; सन-  
कादिक मुनि. [डा; उलंका.  
ऊर्मि, पु. तरंग; प्रकाश; गति; पी-  
ऊर्मिका, स्त्री. उलंका; तरंग, लहर.  
ऊर्मिमालिन, पु. समुद्र.  
ऊप, पु. भारी माटी. न. प्रभात.  
ऊपक, न. प्रभात.  
ऊपण, न. भरी. पु. बाध. स्त्री. शंभ.  
ऊपा, स्त्री. उपा शष्क लुगो.  
ऊह, पु. तर्क; अनुमान; अध्याहार.  
ऊहनी, स्त्री. आहु.  
ऊहिनी, स्त्री. राशि, दगलो; सेना.  
ऊह्य, वि. अध्याय रडेनु.

ऋ.

ऋ, सातमे स्वर.  
ऋ, स्त्री. देवताओंकी माता.  
ऋक्थ, न. धन, होलत; सोनुं.  
ऋन्थभाग, पु. भाग, छिस्से।  
ऋक्षर, न. वरसाहनी धारा. पु.  
ऋक्षेश, पु. अद्र. [पुरोहित.  
ऋच्छरा, स्त्री. वेश्या.  
ऋर्जीक, पु. धद्र; धूमाडो. [नाम छे.  
ऋर्जीप, न. कडाई; धन; नईतुं  
ऋर्जु (क), वि. सरण, सीधुं.  
ऋर्जुकाय, पु. कश्यपमुनि.  
ऋण, न. करण; किलो; पाणी.  
ऋणमत्कण, पु. लभीन.  
ऋणिक, पु. करणहार.  
ऋणिन्, वि. करणहार, देवाहार.

ऋत, न. पाणी; सत्य. वि. प्रका-  
शित; पूछत.  
ऋतधामन्, पु. विष्णु.  
ऋति, स्त्री. कथाणु; अठती; रस्ते;  
गमन; निंदा; दुर्भाग्य.  
ऋतु, पु. वर्षणी छे मोसमः-वसंत,  
श्रीभूम, वर्षा, शरद, देमंत आने  
शिशिर; श्रीरत्न; प्रकाश.  
ऋतुमती, स्त्री. रत्नस्वलो स्त्री.  
ऋतुराज, पु. वसंत ऋतु.  
ऋतुमाता, स्त्री. रत्नेदर्शन यथा  
पछी बाये दिवसे नादेवी स्त्री.  
ऋते, अ. विना, वगर.  
ऋतोक्ति, स्त्री. सत्य भाषण.  
ऋत्विज्, पु. पुरोहित, कुणयुरु.  
ऋत्न, न. पाकेतुं अनान. वि. पै-  
साहार. [पैती.  
ऋद्धि, स्त्री. समृद्धि, तादेवरी; पा-  
ऋद्धिमत्, वि. पैसाहार.  
ऋभु, पु. देवता, देव.  
ऋदय, पु. डरपुणी ओक लत.  
ऋदयकेतु, पु. अनिरुद्ध.  
ऋपम, पु. गणक; दुक्करनी पूछडी;  
नडलरत, लैन मतनो १ लो  
ऋपमध्वज, पु. शिव. [साधु.  
ऋपि, पु. शास्त्रयवन प्रभाणु तप  
करनार; वेद; किरपु.  
ऋपिकुम्भा, स्त्री. नदी. [यम.  
ऋपिपंचमी, स्त्री. साहरवा सुद पां-  
ऋष्टि, पु. तरवार; पदग.  
ऋष्यकेतु, पु. अनिरुद्ध.  
ऋष्यमुक्, पु. पर्वततु नाम छे.  
ऋष्यगृंग, पु. दशरथ राजनो लभाध.

ऋ, आठमो स्वर.  
 ऋ, अ. रक्षा; निध; लयधरक. पु.  
 लैरव; दनुज, राक्षस. स्त्री. देव-  
 माता; स्मृति; गति. न. छाती;  
 ऋ, ग. ९. ऋतुं. [ प्रक्ष.

ऌ

ऌ, नवमो स्वर. \* [ माता  
 ऌ, पृथ्वी; पर्वत; देवमाता; दैत्य.

ऍ

ऍ, दशमो दीर्घ स्वर.  
 ऍ, माता; देवमाता. पु. शिव.  
 उपमा ये अक्षरोथी कौर्ष पुपु  
 शब्द शब्द यतो नथी.

ए

ए, अग्नीआरभो स्वरं.  
 ए, अ. स्मृति; कृपा, निदा पु. निष्पु.  
 एक, वि. सुभ्य; अन्य, देवव, स  
 एकक, वि. ऐक्युं. [मान; ऐक  
 एककुंडल, पु. अथराम, कुभेर. [नार.  
 एकचर, पु. गंडो. वि. ऐकलो इर-  
 एकजन्मन, पु. राज.  
 एकजाति, पु. श्रु.  
 एकजातीय, वि. ऐकजतनु  
 एकतम, वि. धनुषां ऐक.  
 एकतर, वि. जेमापी ऐक  
 एकतस, अ. ऐकतरक्षी.  
 एकता, स्त्री. ऐकत्व, ऐक्यता.  
 एकत्र, अ. ऐक्य त्रैकाले  
 एकदत, पु. गजेश, गजुपति.  
 एकदा, अ. ऐक्य वभते. [काले  
 एकदश, पु. शिव; कानडो. वि.

एकधा, अ. ऐक्य प्रकाशे.  
 एकपती, स्त्री. पतिवता;  
 एकपदी, स्त्री. रस्ते.  
 एकपोद्, पु. शिव, महादेव.  
 एकपिंग, पु. कुभेर देवता. [नभनार.  
 एकभुक्त, वि. दिवसमां ऐक वभन  
 एकल, वि. ऐकलो.  
 एकवर्ण, वि. ऐक जतनुं. [ सरा  
 एकवर्णसमीकरण, न. भीम गजिननी  
 एकवाद, पु. नगारो, दोष.  
 एकविंश, स्त्री. } २१ नी सुभ्या.  
 एकविंशति, वि. }  
 एकशफ, पु. ऐक थुरीवाणु ननावर.  
 एकगृंग, पु. निष्पु.  
 एकशेष, पु. द्वंद्व समास.  
 एकपष्टि, स्त्री. ६१ नी सुभ्या.  
 एकसंग, वि. ऐक्यत्र.  
 एकहायनी, स्त्री. ऐक वर्तनी आयं.  
 एकाकिन, वि. असहाय, ऐक्युं.  
 एकाक्ष, पु. कानडो वि. कालुं.  
 एकाग्र, वि. ऐक चित्तवाणु.  
 एकांग, पु. सुधमछ. न. अंजन.  
 एकातपत्र, वि. सार्वभौम, अष्टवर्ति.  
 एकादश, वि. ११ सुं. स्त्री. (शी)  
 अग्नीआरभी तिथि. [ ऐक्यु.  
 एकांत, न. अत्यंत. वि. ऐकान्त,  
 एकांत्य, वि. आभेरतुं.  
 एकायली, स्त्री. ऐक सरनी माता.  
 एकाह, पु. ऐक दिवस.  
 एकीर, ग. ट. ऐककुं करतुं, नेडकुं  
 एकीय, वि. सहाय, गद्वनार.  
 एककदास, अ. यथाकृम, ऐक पडी  
 एन, ग. १. मुन्युं. [ भीरुं  
 एजन, न. कपन, मुन्युं ते.

पञ्जित, वि. अपित, धुनेधुं.  
 पङ्क, वि. अडेरे.  
 पङ्कका, स्त्री. भेंदी.  
 पङ्कमूक, वि. अडेरे अने गूंगो.  
 पङ्क(ङ्क)क, न. डाडकां अथवा  
 तेना नेवा कंठेषु पदार्थे नाभीने  
 आधेदी लीत; सभाधी, कणर  
 एण, } यु. सुंदर आंभो, हुंका पञ्ज  
 एणक, } अने काणो रंग होय अवे  
 } हरण अथवा हरणी.  
 एणतिलक, पु. अद्र.  
 एणनाभि, स्त्री. मृगनाभि, कस्तुरी.  
 एणाजिन, न. काणा हरणतुं आमड.  
 एत, पु. मृग; काणरचिनो रंग. वि.  
 रंग अेरणी.  
 एतत्, } सामेतु, आ, ते, दशक सर्व-  
 एतद्, } नाम छे.  
 एतदीय, वि. ते सगधी, तेतु.  
 एतन, पु. निश्वास, निशासा.  
 एतर्हि, अ. आ वभते, डमणुण.  
 एतश, } पु. आक्षणु  
 एतशत्, }  
 एतादृश् (श), वि. अेना नेतु.  
 एतावत्, वि. अेरडुण, अेना नेतु.  
 एध, पु. धधन, आणवानां लाकडा  
 एधतु, पु मनुष्य, अग्नि. वि. व-  
 एधनीय, वि. वधना लायक धिदु  
 एधत्, पु. धधन, आणवानां लाकडा.  
 एनत्, न. पाप, अपराध, निदा.  
 एनस्विन्, वि. पापी, अपराधी.  
 एरका, स्त्री. अेकं जतनु धार  
 (यादवकुणना नाराणु कारणुभूत )  
 एरंड, } पु अेरडीआतु जाड.  
 एरंडक, }

एलक, पु. भेंदी.  
 एलंग, पु. अेकं जतनी भाधडी.  
 एलविल, पु. कुवेर.  
 एला, } स्त्री. अेलचीतुं जाड तथा  
 एलिका, } क्षण. [ दंतक.  
 एव, अ. सादृश्य; स्वीकार; आसा-  
 एवम्, अ. अेधुं. [ धन्धतुं.  
 एप्, न र. ननुं अथवा आवतु,  
 एपणिका, स्त्री. तुला, काटो.  
 एपणीय, वि. धन्धवासायक.  
 एपां, स्त्री. धन्धा, मरल.  
 एपित, वि. धन्धनार.

ऐ.

ऐ, आरभो स्वर.  
 ऐ, अ. स्मरण, जोलावतुं. पु. शिव.  
 ऐकमत्य, न. अेकमत. [ रडेनार.  
 ऐकानारिक, पु. अेर; अेक धरभां.  
 ऐकात्म्य, न. अेक्यता.  
 ऐकान्तिक, वि. दद.  
 ऐकाहिक, वि. अेक दिवसंभां धनार.  
 ऐक्य, न. अेकभाव  
 ऐक्षुक, पु. शेरडी लड ननार.  
 ऐस्वाक, वि. सूर्यदशी कुणतु.  
 ऐतिह्य, न. परपराथी आसता उप-  
 देश वाक्यो.  
 ऐंद्र, पु. मृगनक्षत्र. वि. अद्रतुं.  
 ऐंद्र, पु. धंद्रनो पुत्र, पापी, अर्जुन.  
 स्त्री. धंद्रणी. वि. धंद्रने लजतुं  
 ऐंद्रजालिक, पु. मधारी, लहुवर,  
 गाडी [ (ती) रेना (नभेदा)नदी.  
 ऐराव(ण)त(त), पु धंद्रनो लाधी स्त्री.  
 ऐरिण, न. सीधवभार.  
 ऐरेय, न दार.

पेल, पु. पुरवा राज.  
 पेलविल, पु. कुबेर.  
 ऐश्वर, वि. धिरी.  
 ऐश्वर्य, न. वैभव; मालकी.  
 ऐपमस्, अ. आ वर्षे.  
 ऐहिक, वि. आ लोक संघी.

**ओ.**

ओ, तेरमे स्वर.  
 ओ, अ. समोधन; स्मरण; माया.  
 ओकस्, पु. धर; आश्रय. [पु. अक्षा.  
 ओकुल, पु. धर्मी शेटकी.  
 ओकोडनी, स्त्री. लु. (मायानी.)  
 ओघ, पु. समुदाय; प्रवाह; परपरा;  
 उपदेश.  
 ओजस्, न. शक्ति; प्रकाश; सोनुं;  
 विषम शशि, पहेली, त्रील वगेरे.  
 ओजिष्ठा, वि. अति तेजस्वी.  
 ओडिका, स्त्री. लंगडी बाभा.  
 ओङ्ग, पु. उत्तर ओरिसा प्रांत.  
 ओनु, पु. भिलाडी.  
 ओदन, उ. अन्न; भात.  
 ओम्, अ. ओंकार, प्रणव; स्वीकार,  
 आरंभ, आरंभ. [रहेनार वनस्पति.  
 ओपधि-घी, स्त्री. इण पाके त्यांसंधी  
 ओपधिपति, पु. अंध.  
 ओपधीरा, पु. अंध, कपूर.  
 ओष्ठ, पु. ओठ.

**औ.**

औ, औंमे स्वर.  
 औ, अ. समोधन, अटकाव; निर्लुप.  
 औ, पु. संपन्नो राज; विष्णु. स्त्री.  
 औक्ष, } न. अण्डनुं [शृंगी.  
 औक्षक, } टाणु.

औख्य, वि. वासणुमां शिंधुं.  
 औचिती, स्त्री. } लायकी.  
 औचित्य, न. }  
 औडुंवर, पु. यमराज. न. कोड, उं  
 एरोज; तांशुं. वि. तांशुं.  
 औत्कर्ष, न. उत्कृष्टता, गढती.  
 औत्तानपादि, पु. उ.  
 औत्सर्गिक, वि. स्वाभाविक; तन  
 औत्सुक्य, न. उत्कंठा. [वालायक,  
 औदरिक, वि. आधरो, अदी.  
 औदश्वित, } न. अर्धु पाणी मे.  
 औदश्वित्क, } णवेकी छस.  
 औदार्य, न. उदारता; मोटाई.  
 औद्धत्य, न. उभता; भगद्वी.  
 औद्भिज्ज, } न. गुरोभार.  
 औद्भिद, }  
 औद्वाहिक, न. दाढेजे, पडेसभणी.  
 औघस्य, न. लनावरनुं इंध.  
 औपचारिक, वि. उपचार सभधी.  
 औपनिषद, पु. परमात्मा, अक्ष.  
 औपम्य, न. सादश्य, उपमा.  
 औपयिक, वि. उपयोगी लायक. उ.  
 उपाय.  
 औपवस्त, न. उपवास, लांधणु.  
 औपसर्गिक, पु. सन्निपातरोग.  
 औमीन, न. सणुनु भेतर.  
 औरग, वि. सर्पनुं, गर्भने लभनुं.  
 न. अश्वेवा नक्षत्र. [दासभधी.  
 औरघ्न, न. उननुं क्षपड. वि. मं-  
 औरघ्नक, न. मंडाओनुं टाणु.  
 औरस, } यु. परजेकी स्त्रीधी उपपन्न  
 औरस्य, } यथवी गनती.  
 और्ध्वदे(दे)हिक, न. उत्तर दिशा  
 और्ध्व, पु. समुद्रनी अग्नि.

और्वशेय, पु. अग्ररत्न मुनि.  
 औलूक, पु. धुपउतुं टोणुं.  
 औशनस, न. शुक्राचार्यनुं करेकुं शास्त्र.  
 औशीर, न. आरान; भीछानु. पु.  
 यमरदंड.

औषण, न. कंडुरस, कंडवास.  
 औषध, न. धवा.  
 औपर, पु. } सुरोभार; सिंधावूयु.  
 औपरक, न. }  
 औष्ट्र, न. उंटनुं हृथ. वि. उंटने ल.  
 औष्ण, }  
 औष्ण्य, } न. उष्णता, गरमी. [ गतुं.  
 औष्म्य, }

क.

क, प्रथम व्यंजन.  
 क, पु. सूर्य; प्रक्षा; विष्णु; कामदेव;  
 अग्नि; वायु; यम; आत्मा; राजा;  
 भोर; मन; शरीर; समय; द्रव्य;  
 राज; प्रकाश; कुशलपुरुष. न. पा-  
 णी, मुभ; वाण, केश.  
 कच्य, वि. सुभी, भुरा.  
 कंस, पु. कृष्णनो भाभो; कांमुं.  
 कंसक, न. नसतनां कूल; हिराकसी.  
 कंसकार, पु. इसारो.  
 कंसवती, स्त्री. कंसनी भदेन.  
 कंसाराति, पु. श्रीकृष्ण, वसुदेवपुत्र.  
 कंसाहिय, न. कांमुं; नसत.  
 कंसिक, वि. कांसानुं.  
 कक, ग. १ उंउंउं; अलिमान रा-  
 ककंद, पु. सेतुं. [ भउं.  
 ककुंजल, पु. आतकपक्षी. [ कुनो पीत्र.  
 ककुत्स्थ, पु. सूर्यवंशी राज, उंइवा-  
 ककुद्, स्त्री. जगदनी भांध; पर्वतनुं  
 शिभर; प्रधान; राजविम.

ककुवात्, पु. वृषभ, जणद; पर्वत.  
 स्त्री. उटि, उभर.  
 ककुम्, स्त्री. दिशा; शोभा; बंपानो  
 कूलनी भावा; शास्त्र; शिभर.  
 ककुम, वि. श्रेष्ठ, उत्तम.  
 कक्ष, पु. जगल; सुकुं धारा; श्वता,  
 वेदो; पाप; जगल; लित. स्त्री.  
 हाथी भांधवानी रसी.  
 कक्षशाय, पु. कुनो.  
 कक्षापट, पु. डोपीन, लंगोटी.  
 कक्षावेक्षक, पु. अंतःपुररक्षक; भा-  
 गवान; चितारो; कवि.  
 कक्ष्या, स्त्री. हाथी घोडा भांधवानी  
 होरी, यखोडी.  
 कंकट(क), पु. क्वय, जभतर.  
 कंकण, उ. कडां, कंकणु; मुगट.  
 कंकणी(का), स्त्री. नागी घंटडी.  
 कंकत, न. }  
 कंकतिका, स्त्री. } इष्ठी, (वाण आ-  
 कंकती, स्त्री. } णवानी).  
 कंकमुर, पु. सांणुशो, थीपीओ.  
 कंकर, वि. भराण; सभत. न. छस.  
 कंकशाय, पु. कुनो.  
 कंकाल, पु. अस्थिपंजर, हाडकां.  
 कंकालमालिन, पु. शिव.  
 कंकेलि, पु. अशोक वृक्ष.  
 कंर, न. जोगवरो, जेराआराम.  
 कंगुल, पु. हाथ.  
 कच, ग. १. धुम पाडवी; भांधनुं.  
 कच, पु. वाण; वरगाद; वेडी; नृ-  
 हसपतिनो पुत्र. स्त्री. हाथशी;  
 कचंगल, पु. समुद्र. [ शोभा.  
 कचप, न. धाग; पांदुं.



कचमाल, पु. धूमरो.  
 कचाकु, वि. दुष्ट. पु. सर्प.  
 कचट, न. पाणीमां उत्पन्न यनार  
 कचर, वि. भविन, गंधुं. [वनस्पति.  
 कच्छ, पु. पाणी नगदीकेनो देश.  
 कच्छप, पु. कायधो; अर्क काठवातुं  
 कच्छरहा, स्त्री. दूर्ल. [वन.  
 कच्छु (छ), स्त्री. भरण, भस.  
 कच्छुर, वि. भसवाणुं; रडीभाण.  
 कज, ग. १. सुधी यवुं.  
 कज, न. कभण. वि. नजोत्पन्न.  
 कज्जल, न. काण्ण, भेस. पु. वर-  
 साद. स्त्री. माछडीनी जोक नत.  
 कज्जलध्वज, पु. दीपक, दीवो.  
 कज्जलोचक, न. समेधानी, दीवी.  
 कंचार, पु. सूयं.  
 कंचिका, स्त्री. वांसनो क्षंटा; जीष्णी  
 श्राद्धी. [कांयणी.  
 कंचुक, पु. शोणी, कांयणी, सांपनी  
 कंचुकिन, पु. अंतःपुररक्षक; न-  
 रकर्म करनार; नव; सर्प.  
 कंजक, पु. कोयल, मेना.  
 कंजर, पु. प्रधा; सूयं, घेट; छाथी.  
 कंजल, पु. अंगाळी मेना.  
 कद, कंद, ग. १. नवुं.  
 कद, पु. छाथीतुं गडस्थण; सादरी;  
 समय; दवा; धार; नण.  
 कदक, उ. पर्वत पासेनी नमीन;  
 सिंधालूणु; नमीन; शहर; राज-  
 कदकिन, पु. पर्वत. [धानी; सैन्य.  
 कदकोल, पु. पीकधान, युक्कान.  
 कटकद, पु. अग्नि; सोतुं; गणुपति.

कटपु, पु. शिव; लुभरी; शीरो;  
 राक्षस.  
 कटमां, स्त्री. न्योतिभती वेद.  
 कटंय, पु. वाणुं; आणु.  
 कटवण, पु. भीमसेन (पांडव).  
 कटाकु, पु. पक्षी; यकडी.  
 कटाक्ष, पु. आंभनो पलकारो.  
 कटायन, न. मुगंधी वाजो.  
 कटार, पु. काभी, नरकर्म कर्ता.  
 कटाह, पु. गेष्ठी, कढाई; पारो;  
 नरक; राक्षस; दूवो.  
 कटि-टी, यु. } कभर, डेड; छा-  
 कटिका, स्त्री. } थीतुं गडस्थण.  
 कटिन, पु. छाथी.  
 कटिछ (क), पु. करेवां.  
 कटिशृंखला, स्त्री. कंडोरो.  
 कटीतल, पु. वांकी तलवार.  
 कटु, न. आरोप; इपण. पु. ती-  
 भास. वि. कडुं, तीभुं; उत्र.  
 कटुकाण, पु. यकलो; शिरोरो.  
 कटुग्रंथि, न. पीपलीभूण; आदा-  
 कटुच्छद, पु. तगर. [भूणी.  
 कटुग्रय, न. त्रिकुटा, (शुंके, पीपर,  
 कटुभंग, पु. } शुंके, आहु. [भरी.  
 कटुभद्र, न. }  
 कटुर, न. छास.  
 कटुरव, पु. लेक, डेडको.  
 कटुवार्ताकी, स्त्री. सद्धित रींगणी.  
 कटुत्कट, न. शुंके, आहु.  
 कटार, पु. क्यार, क्यारी.  
 कटंग, पु. दिल्लीपरान्त, अटंग.  
 कटुर, न. छास; यटणी, गरम भ-  
 कद, ग. १. शोक करवो. [सावो.

कठ, पु. ऋषिपुत्रं नाम; यलुर्वेदनी  
शाखा; स्वर; मंत्र; ब्राह्मणु. स्त्री.

(डी) ब्राह्मणी.

कठधूर्त, पु. यलुर्वेदनी कठ शाखा

कठमर्द, पु. शिव. [शीषेदे] ब्राह्मणु.

कठर, वि. धृ, कठणु.

कठाहक, पु. अपेयो पक्षी.

कठिका, स्त्री. तुलसी; आक.

कठिजर, पु. तुलसी; पलासतुं आउ.

कठिन, वि. कूर; कठोर. स्त्री. थादी.

कठिह, पु. कठेवानी वेव.

कठिहक, पु. कठेवानी वेव; पुन-

नवा, साठोजी; तुलसी.

कठेर, पु. गरीण, दरिद्री. द्विध.

कठोर, वि. कठणु, सभत; पूर्णु; नि-

कठोरता, स्त्री. कठणुध; निर्दयता.

कड, वि. भूर्भ, असानी.

कडक, न. समुद्रतुं भीहुं.

कडंग, पु. अक लतनेो दार.

कडंगरीय, पु. गाय वेंस वगेरे पा-

णवावायक लनावर.

कडग्र, न. पात्र, वासणु.

कडय, पु. भूणु.

कडार, पु. कपिवेो रंग; आकर. वि.

कपिता रंगतुं [कणुकी; अंरं.

कण, पु. आरीक अंश, कणु. स्त्री.

कणजीर, पु. शैत अंरं.

कणाटीन, पु. भंनत पक्षी.

कणाद, पु. तर्कशास्त्रकर्ता ऋषि;

शैानी. [ स्त्री. (का) अणुवेणु.

कणिक, पु. कणु, आरीक अंश, शनु.

कणिदा, न. धान्यनी कणुकी.

कणीयस, वि. अतिराय णानीक.

कणेर, पु. कणेरतुं आउ. स्त्री. (रा)  
हाथणी; वेर्या.

कंडक, उ. कंडा; शनु; शैमांय.

कंडकमुज, पु. उंट.

कंडकारिका, } वन० रीगणी.  
कंडकारी, स्त्री. }

कंडकित, वि. कंडावाणुं.

कंडकिन, पु. कंडावाणु. पु. भेर,

गोभर, वांस वगेरे आठो.

कंडदला, स्त्री. डेतकीतुं आउ.

कंडपनफला, स्त्री. ब्रह्मडीतुं आउ.

कंडल, पु. भावणतुं आउ.

कंडालु, पु. वांस; रीगणी; भावण.

कंड, पु. गणु; गणानो अवाण.

कंडकुणिका, स्त्री. वीणु, तंभुरो.

कंडनीडक, पु. सभजी, बीव.

कंडपाशक, पु. गणामां भांधवानी

दोरी. [हार, हांसजी.

कंडभूपा, स्त्री. गणानुं धरेणुं, भाणा,

कंडाग्रि, पु. पक्षी. [डोषणी; उंट.

कंडाल, पु. सुरणुकंड; वडाणु; युद्ध;

कंडिका, स्त्री. भावा, डंगी.

कंडीरव, पु. सिड; कणुतर; भदो-

नमत हाथी.

कंडेकाल, पु. शिव. [ वगेरे.)

कंडय, वि. गणामांथी यतुं (अवाण

कंडन, न. धान्यने भांडतुं ते.

कंडनी, स्त्री. उअदी.

कंडरा, स्त्री. धोणी नस.

कंडु(इ), पु. }

कंडूयन, न. } भरत, भरत, भुनदी.

कंडूया, स्त्री. }

कंडोल, पु. धान्यशाभवानुं वासणु;

कण्व, पु. ऋषिपुत्रं नाम छे. [डि.

कण्वसुता, स्त्री. शकुन्तला.  
 कत, कतक, पु. अेक न्ततुं अड,  
 अेनाथी मेळु पाणी पळु अेांभुं  
 थायछे, अेवुं कडेवायछे.  
 कतम, वि. धण्णुमांभुं कोण्णु.  
 कतर, वि. अेमांभुं कोण्णु.  
 कति, वि. केट्ठुं.  
 कतिपय, वि. केट्ठुअेक.  
 कतृण, न. वनं पृषिण्णु.  
 कत्तोय, न. सुगंधी धइ.  
 कत्व, ग. १. स्तुति करवी; गर्व करवो.  
 कर, ग. १०. दीधुं करुं.  
 कत्सवर, न. अण्णु, भांध.  
 कथ, ग. १० कडेवुं. [ण्णु वगेरे.]  
 कथक, वि. कडेनार. (वार्ता, पुरा-  
 कथं कथिक, वि. पूछनार (प्रश्न वगेरे.)  
 कथं कथिकता, स्त्री. प्रश्न, सवाल.  
 कथंकारम्, } अ. डेवी रीते.  
 कथंचित्, }  
 कथन, न. वलुंन, कथन, ध्यान.  
 कथनीय, वि. कडेवालायक.  
 कथम्, अ. डेवी रीते; प्रश्न, आह्ला-  
 कथंभूत, वि. डेवुं. [डि; यव.  
 कथा, स्त्री. वार्ता; धतिडास; ध्यान.  
 कथाप्राण, पु. कथक; स्रनधार. (ना-  
 कथित, वि. कडेवु. [ टकने.)  
 कंद, पु. मेध, वाडण.  
 कदक, पु. छत, अदरवो.  
 कदक्षर, न. अराग अक्षर.  
 कदघ्न, पु. अराण्य रस्तो.  
 कदन, न. युद्ध; वध; अपराध.  
 कदन्न, न. न आवालायक अन्न

कदंब (क), पु. कडण्णुं अड; स-  
 रसवतुं अड. न. समूह, टाण्णु.  
 कदर्थ, वि. नालायक; नातुं, कण्णुस  
 कदल, } पु. डेण्णुं अड. स्त्री.  
 कदलक, } (ला)डरण्णुनी अेक न्तत.  
 कदलिका, स्त्री. ध्वज, वावटो.  
 कदली, स्त्री. डेण्णुं अड.  
 कदलीक्षता, स्त्री. ३पमुंदरी, मुंदर  
 कदा, अ. क्यारे, कथं वअते. [स्त्री.  
 कदाकार, वि. कुइप, अेरोल.  
 कदाचित्, अ. कथं वअते.  
 कट्ट, वि. पिण्णु, कपीला रगुं. पु.  
 कपीलेरंग. स्त्री. कश्यपनी स्त्री  
 कट्ट (द्रु)पुत्र, पु. सर्प, साप.  
 कट्टर, न. धडी छारा [प्रकाशतुं; न्तुं.  
 कन्, ग. १. संतोष पाभतुं; धन्तुं;  
 कनक, न. सोतुं. पु. पिण्णुं कूलनां अडो.  
 कनकक्षार, पु. टकनपार.  
 कनकदंड, न. राण्डंड-छडी.  
 कनकपल, न. सोण भासातुं वज्ज.  
 कनकप्रमा, स्त्री. पिणी लुध.  
 कनकाचल, पु. सुभेइपर्वत.  
 कनकाह, पु. नागकेशर. [शरतुं अड.  
 कनकाहय, पु. धतुरातुं अड; नागके-  
 कनसल, न. तिर्थतुं नाम.  
 कनन, वि. काण्णुं.  
 कना, स्त्री. छोकरी.  
 कनिष्ठ, वि. नातुं. पु. नानो भाध.  
 कनिष्ठिका, स्त्री. टयवी-छेवी आंगणी  
 कनीचि, स्त्री. गाडी; अण्णुडी, अण्णु.  
 कनीनिका, स्त्री. आंअनी पुनडी;  
 नानी अडेन; टयवी आंगणी.  
 कनीनी, स्त्री. कनिष्ठिका.

कनीयस्, वि. सर्वथी नातुं; धलुं थोडुं.  
 कनीयस, पु. तांथुं.  
 कनेरा, स्त्री. छाथणी; वेश्या.  
 कंत, वि. सुभी.  
 कंतु, पु. कामदेव. वि. सुभी.  
 कंथा, स्त्री. गोदजी, क्लित.  
 कंथाधारिन्, पु. थोगी.  
 कंद, उ. सुरणुकंद वगेरे; गान्धर.  
 कंदक, पु. पात्रभी. [ पु. वरसाद.  
 कंदर, त्रि. पर्वतनी शुश्रू. पु. अं-  
 कंदराकर, पु. पर्वत. [ कृश. न. आहु.  
 कंदर्प, पु. कामदेव.  
 कंदर्पकूप, पु. स्त्रीविह, थोनी.  
 कंदर्पमुष (स) ल, पु. विंग. पु.  
 स्थनी धद्रि. [ पु. सोलु; लडाई.  
 कदल, उ. गाल; कपाल; केणतुं आड.  
 कंदली, स्त्री. केणतुं आड, भृगनी  
 लत, कामलनां भीम; धवल.  
 कंदसार, न. नंदनवन  
 कदालु, पु. रताणु; सुरणु.  
 कंदिरी, स्त्री. शरभाडि आड.  
 कंदु, पु. लोढालु वासणु, तवे.  
 कदुक, पु. दरो. (रभवानो.)  
 कंदुपक, वि. शेकेडुं.  
 कंदोत, पु. कुमुद, सदेद कामण.  
 कंध, पु. वरसाद.  
 कंधर, पु. गरदन; आंध; वरसाद.  
 कंधि, स्त्री. गरदन. पु. समुद्र.  
 कन्न, न. भूर्धा, पाप.  
 कन्यका, स्त्री. दश वर्षनी कुमारी कन्या.  
 कन्यस, पु. नानो भाई. स्त्री. (सा)  
 छेडी आगणी. (सी) नानी अहेन.  
 कन्या, स्त्री. छोकरी; कुमारी; पार्वती;

कन्यका, स्त्री. कुमारीका [ कन्याराशी.  
 कन्याकुब्ज, पु. कनोळ देश.  
 कन्यापुत्र, पु. कुमारीकाने थयथो पुत्र,  
 कन्याराशि, स्त्री. छडी राशि. [ कानीन.  
 कपट, उ. शकता, ठगार्थ. स्त्री. (टी)  
 कपटिक, पु. डग. [ अणलीप्रभाणु.  
 कपटिन्, वि. ठगारो, धुञ्जो.  
 कपर्दक, पु. शिवणटा; कोडी.  
 कपर्दिन्, पु. शिव.  
 कपाट, उ. दरवाजे, आरणु.  
 कपाल, उ. थोपरी; कोठ.  
 कपालभृत्, } पु. शिव.  
 कपालमालिन्, }  
 कपि, पु. वांदरो, विष्णु; शिलाछत.  
 कपिकडुक, न. माथातु डाडडुं.  
 कपिकेतन, पु. अर्जुन.  
 कपिजल, पु. तीतर; यातक.  
 कपितैल, न. शिलारस, लोथान.  
 कपित्थ, उ. कोठतु आड अथवा कोठ.  
 कपिध्वज, पु. अर्जुन.  
 कपिनामन्, पु. लोथान.  
 कपिप्रभु, पु. रामचंद्र; सुश्रीव  
 कपिरथ, पु. रामचंद्र; अर्जुन.  
 कपिल, पु. कपिवमुनि, सांभ्यशास्त्र-  
 कर्ता; अग्नि, कुमो. स्त्री. (ला) पु-  
 डरीक नामना छाथीनी छाथणी.  
 कपिलद्युति, पु. भूर्ध.  
 कपिलधारा, स्त्री. गंगा नदी.  
 कपिलाश्व, पु. धद्र.  
 कपिलोह, न. पीतण.  
 कपिवक्त्र, पु. नारदमुनि.  
 कपिवह्नी, स्त्री. गन्धीपक्षी; अचक.

कपिश, वि. क्षणा पिपा इगुं. पु.  
कपिशान्जन, पु. शिव. [लोभान.  
कपिशापुत्र, पु. पिशाच.

कपिशी, } स्त्री. ६३ (२३३ Rum)  
कपिशीका, }

कपिशीर्ष, न. सितनी उपरनी भाग.  
कर्पातन, पु. अंबाडानुं आड; भीदीनुं

आड; सोपारीनुं आड.

कर्पाद्र, पु. इन्भान; सुश्रीव.

कपूय, वि. अधम; निध.

कपोत, पु. कभूतर.

कपोतक, न. सुरभो.

कपोत्तारि, पु. आठ/पक्षी.

कपोल, पु. गाव. स्त्री. (ली) धुंटी.

कफ, पु. कं, अणम.

कफकृचिका, स्त्री. बुक, बाण.

कफणि, स्त्री. डोशी.

कफांतक, वि. कंनाराक.

कफारि, पु. शुक, आडु.

कफेलु, वि. कंकुका.

कबंध, उ. भाथानगरनुं उवतुं धड.

पु. पेट; धूमकेतु; राहु. न. पाणी.

कवरी, स्त्री. चागनी वट, वेणी.

कवित्य, पु. कोडतुं आड.

कविल, पु. कपीयो २३.

कम्, अ. पाणी; भाथुं; मुष्; निदा.

कमठ, न. शिक्षापात्र. पु. कायभो;

वांस. [पाणीतुं वासलु.

कमंडलु, उ. कंठव, सन्पारितुं

कमन, वि. लंपट; मुंदर. पु. काम-

देव; अशोकनुं आड; अद्या.

कमनच्छ, पु. हँयं, अययो.

कमनीय, वि. मुंदर; अडावातायक.

कमर, वि. लंपट, कामी.

कमल, न. पद्म, कभल; तांथुं, द्या.

पु. सारसपक्षी.

कमलखंड, न. पद्मसमूह.

कमला, स्त्री. मुंदर स्त्री; लक्ष्मी.

कमलाकर, पु. कभल उत्पन्न कर-

कमलालया, स्त्री. लक्ष्मी. [नारतगाव.

कमलासन, पु. अद्या.

कमलिनी, स्त्री. पद्म-कभल समूह.

कमा, स्त्री. शोभा, मुंदरता.

कमित्त, वि. कामी, आतुर.

कंप, न. १. कंयतुं, धुंनुं.

कंपन, न. कंय, धुंनुं ते. पु. शिशिर

कंपलश्मन्, } पु. वायु. [कतु-

कंपाक,

कंपित, वि. अंयल; कंयतुं.

कंपिल, पु. वनं नरोत्तर.

कंय, वि. कंयित, अहित.

कंयर, पु. कायरस्त्रीतुं रंग.

कंयल, पु. कंयणी, राव; नाग; उ-

रलु; पीछोडी. न. पाणी.

कंयलिन्, पु. अलद. वि. प्रायथीमां

पीरेतुं. [अरदन.

कंयु, पु. आंगी, कडां; पीरी; हाथी;

कंयुकर, स्त्री. वनं आसंय; डोणी.

कंमु, न. वनं वायो.

कन्न, वि. कामी, अभिवापी; मुंदर.

कयस्या, स्त्री. वनं कडोली.

कर, पु. किरणु; हाथ; हाथीनी मुंदर;

मेतंयुल, वेरो, अमान.

करक, पु. दाडभतुं आड; कं, न-

गात. न. कंठव. स्त्री. वरगा-

करकंटक, पु. नण. [द्वी धार

करकांभस्, पु. नारियली.  
 करग्रह, पु. पाणीत्रहण, विवाह.  
 करघर्षण, पु. वलोष्ठी. ( छास कर-  
 करज, पु. नभ; करणतुं आड. [वाणी].  
 करंज (क), पु. करणतुं आड; भांग-  
 रातुं आड. [नारितक; वालुं.  
 करट, पु. हाथीतुं गंडस्थल; कागरो;  
 करटिन, पु. हाथी.  
 करट्ट, पु. सारस पक्षी.  
 करण, न. भास कारण; इंद्रिय;  
 शरीर; जेतरे; कार्य; हेतु.  
 करंड, पु. मधुपुडो; तरवार; भां-  
 करंडिन, पु. भाछली. [धुनो कन्डीओ.  
 करतल, पु. हथेली. [वजडापी.  
 करताल, न. गंड जेतुं वालु, राणी  
 करतोया, स्त्री. अंगावाभां नदी छे.  
 करपत्र, न. करवत; लकीडा.  
 करपत्रवत्, पु. ताडतुं आड.  
 करपर्ण, पु. लींडातुं आड; अरेंडी-  
 करपल्लव, पु. आंगणी. [आतुं आड.  
 करपात्र, न. अंगली; लकीडा.  
 करपाल, पु. अरुग, तरवार.  
 करपीडन, न. लम.  
 करपुट, न. अंगली; ज्योयो.  
 करवाल, पु. नभ; तरवार.  
 करभ, पु. कोणीथी टयली आंगणी-  
 संधीनो भाग; हाथीतुं गन्धुं; इं-  
 करभक, पु. इं. [ टतुं गन्धुं.  
 करभिन, पु. हाथी.  
 करमी, स्त्री. इंटणी, सांडणी.  
 करभूषण, न. कंकण, आंगडी.  
 करमट्ट, पु. सोपारीतुं आड.  
 करमरिन, पु. डेही, अदीवान.

करमर्द, पु. करमदातुं आड.  
 करंव (भ), वि. ओकहुं करेहुं. पु. हडी-  
 कररह, पु. नभ. [भां भेजवेलो लोट.  
 करचीर, पु. क्लेरतुं आड; अरुग; को-  
 लापुर देश; रमशान. स्त्री. (रीं)  
 पुत्रीवती स्त्री; अदिति; सारी भाष.  
 करशूक, पु. नभ.  
 करहाट, पु. कभणतुं भूण.  
 करारोट, पु. अंगुठी, पीटी.  
 कराल, वि. लयकर; दांत नीकणी  
 करालिक, पु. आड. [ आवेहुं.  
 कराली, स्त्री. अग्निनी सात छ-  
 भोभांनी ओक.  
 करिका, स्त्री. नभनी भंजवाण.  
 करिणी, स्त्री. हाथणी.  
 करिन, पु. हाथी.  
 करिर, पु. आंगुनो इणुगो.  
 करीर, पु. आंगुनो इणुगो; धडो.  
 करीप, पु. आयतुं मुडेहुं छानु.  
 करीपंकपा, स्त्री. तोडानी पवन.  
 करुण, पु. करुणारस. वि. दीन, दुः-  
 भी. स्त्री. (णा) दया.  
 करणमल्ली, स्त्री. अंगेडी, भावती.  
 करुणा-पर मय, वि. दयाणु.  
 करेट, पु. नभ.  
 करेणु (णू), पु. हाथी. स्त्री. हाथणी.  
 करेणुका, स्त्री. हाथणी.  
 करेणुमू, पु. पावकाप्य ऋषि.  
 करेन (घ) र, पु. सेवारस.  
 करोट, उ. }  
 करोटि, स्त्री. } भाथानी ज्योपरी.  
 ककं, पु. अग्नि; येन घोरो; आरसी;  
 धरो; ककं राशि.

ककट, पु. भेंकरो; पीछी, कर्कराशि;  
तुंअडो.

ककटशृंगिका, स्त्री. ककडाशृंगी.

ककटि(टी), स्त्री. शाहमलीतुं आड;

ककट्ट, पु. अगलो. [सर्प; धाधर.

ककैधु, पु. धू, स्त्री. जोर अथवा

ककर, पु. आरसी. [जिरडी.

ककरांग, पु. नीलकंठ पक्षी.

ककराट्ट, पु. कटाक्ष, आडी नजर.

ककरांधुक, पु. अंधारो हूवो.

ककराल, उ. वाणनी लट, लुलकां.

ककरी, स्त्री. जारी. [निर्दय; कंजुस.

ककश, पु. शेरडी; अङ्ग. वि. ककणु;

ककशयाफ्य, न. निपुर शब्दो.

ककशिका, स्त्री. जंगली जोर, डनाभ.

ककसार, न. लोट भेणवेतुं दडी.

ककारु, पु. ककडी; दुधी.

ककारुक, पु. दुधी.

ककांट, पु. नागनो राज, ककौटक.

ककांटक, पु. नागराज; शेरडी; दु-

धीनी वेव. [हरताण.

कचूर, पु. कपूरकायली. न. सोतुं;

कचूरक, पु. दणद.

कर्ण, पु. धान; अंगदेशनो राज.

कर्णकीटी, स्त्री. धानअजुरो.

कर्णक्षेद, पु. धानभां यतो अवाज.

कर्णगूथ, न. धाननो भेल.

कर्णजलूका, स्त्री. धानअजुरो.

कर्णघार, पु. युकाणी. (वडागुनो)

कर्णपाली, स्त्री. धाननी वाणी.

कर्णमोटी, स्त्री, दुर्गा-आमुंडा देवी.

कर्णयजित, वि. अदेई. पु. सर्प.

कर्णवेध, पु. धान विधवा.

कर्णवेष्ट, पु. } धाननी वाणी.

कर्णवेष्टन, न. }

कर्णशकुली, स्त्री. धाननो अहारनो

कर्णाट, पु. कर्णाटकदेश. [भान.

कर्णानुज, पु. युविष्ठिर राज.

कर्णारि, पु. अर्जुन. [आंगणी.

कर्णिका, स्त्री. धाननी वाणी; वयली

कर्णिकाचल, पु. सुभेइपर्वत.

कर्णा, स्त्री. अके नततुं गालु.

कर्णारथ, पु. डोली, अंध पालपी.

कर्णासुत, पु. कर.

कर्णजप, वि. आडीओ, निदक.

कर्तन, न. कातरतुं ते; छेदतुं ते.

कर्तनी, } स्त्री. कातर.

कर्तरिका, }

कर्तुं, वि. करनार. पु. धर.

कर्तुका, स्त्री. छरी; नानी तरवार.

कर्द, पु. डीयड, भाटी. [नी वेधस.

कर्दट, पु. पक्षदेशर; डीयड; पाणी-

कर्दम, पु. डीयड; पाप; कर्दम मुनि.

कर्पट, पु. डीयडुं. [न. भांस.

कर्पर, पु. गणी; जोपरी.

कर्पास, वि. कपासतुं आड.

कपूर, उ. कपूर.

कपूरक, पु. कुर्जिनन.

कपूरखंड, पु. कपूरनो कटको.

कपूरमणि, पु. रत्नविशेष.

कर्पर, पु. आरगी. [धतुरो.

कयु (यू) र, पु. राक्षस; पाप; सोतुं;

कयुरी, स्त्री. दुर्गा.

कयू (यू) र, न. सोतुं; दरताण.

कर्मकांड, उ. वेदांस; कर्मसम्बद्ध.

कर्मकार, पु. सिद्धगयात्री, गिरनरी.

कर्मकीलक, पु. धौली. [आर.  
 कर्मक्षम, वि. काम करवाभां दुशी-  
 कर्मण्य, वि. काम करवालायक. न.  
 अंशुणाई.  
 कर्मण्या, स्त्री. पगार, मुसारे.  
 कर्मधारय, पु. अेक समास.  
 कर्मदिन, पु. सन्यासी; भीभारी.  
 कर्मभू-भूमि, स्त्री. उत्तमभूमि, ला-  
 कर्ममूल, न. कुश, दर्ल. [ रतवर्ष.  
 कर्मयुग, न. कक्षियुग, योथो युग.  
 कर्मरी, स्त्री, वंशशोथन.  
 कर्मवज्र, पु. शुद्र.  
 कर्मवाटी, स्त्री. तिथि, तारीख.  
 कर्मविपाक, पु. शुभाशुभ जेवानो  
 कर्मदूर, वि. अंशुल. [ अंशु.  
 कर्मसाक्षिन्, पु. कर्म नजरे जेनार.  
 (सूर्य, अंद्र, पम, काल अने पां-  
 य महाभूत मणीने नव.)  
 कर्मार, पु. लुहार; वांस. [लायक.  
 कर्मोद्दे, पु. पुरुष. वि. काम करवा-  
 कर्मिन्, वि. उद्योगी. पु. धारीगर.  
 कर्मोर, वि. कामरचीतुं. [ द्विये.  
 कर्मोन्द्रिय, न. कर्म करनारी पांय धं-  
 कर्तुं, ग. १. अभिमान करतुं.  
 कर्ष, पु. धरत; उदर. [शदर.  
 कर्षट, पु. अज्ञानी राजधानी. न.  
 कर्षर, पु. पाप; वाध; राक्षस. स्त्री.  
 (री) पार्वती; रात; वाधणु; राक्षसी.  
 कर्षण, पु. अग्नि. [भार्थ; धसारे.  
 कर्ष, उ. शोण भासातुं वजत. पु.  
 कर्षक, पु. जेदुत. वि. आकर्षण  
 करनार.  
 कर्षण, न. भेनी; आकर्षण.

कर्षणि, स्त्री. अराण स्त्री.  
 कर्षु, पु. अडायानो जेवता; भेती. स्त्री.  
 कर्हि, अ. कथे वभते. [नदी; अर.  
 कर्हिचित्त, अ. कदाचित.  
 कल, ग. १. अवाज करवो; ग-  
 लुतुं. ग. १०. गलुतुं; पकडुतुं;  
 धारणु करतुं. [अर्षु.  
 कल, पु. मधुर अवाज. वि. अ-  
 कलकंठ, पु. डोयल; उंस; क्यूतर.  
 वि. मधुर स्वरवाणुं.  
 कलकल, पु. डोलाडल.  
 कलघोष, पु. डोयल.  
 कलंक, पु. अध, अदनाभी; अिह  
 कलंकप, पु. सिंढ. स्त्री. (पी) सिंढण.  
 कलंकपा, स्त्री. करताण.  
 कलंकिन्, वि. कलंकवाणुं.  
 कलंकुर, पु. वमण, पाणीतां अकर.  
 कलट, न. धरतुं छापडं.  
 कलत्र, न. पत्नी; कमर, डेड; किलो.  
 कलधूत, न. र्शुं.  
 कलधौत, न. भोतुं; र्शुं; भीठो स्वर.  
 कलन, न. अिह; आगी.  
 कलंदर, पु. वलंसंकर पुरप. [अश्चुं.  
 कलम, पु. हाथीतुं अश्चुं; जनावरतुं  
 कलम, पु. योभा; कलम; योर; पुश्चो.  
 कलंय, पु. आणु; कंयतुं आड.  
 कलंबुट, न. ताणु भाषणु.  
 कलरय, पु. डोयल; क्यूतर; कव-  
 कलल, उ. गर्भाशय. [कल गण्ड.  
 कललज, पु. राग; गर्भाशय.  
 कलविक (ग), पु. अकडी; अध.  
 कलश (स), उ. धरो; कणगीत्रो.  
 कलशी (मी), स्त्री. धरो, कृते.



कलशसुत, पु. अगस्त्यमुनि.  
 कलह, उ. कलओ; लडाध; रस्तो;  
 भ्यान. [व्यान; मधवो.  
 कला, स्त्री. चंद्रनो १६ भो भाग;  
 कलाकुर, पु. विप, अर.  
 कलौकलि, वि. आनंदी. पु. कामदेव.  
 कलांकुर, पु. सारसपक्षी; कंस.  
 कलाचिक, } स्त्री. कडली; कोष्ठीधी  
 कलाची, } पौयासुधीनो डाय.  
 कलादक, पु. सेानी.  
 कलाधिक, पु. कुकरो.  
 कलानिधि, पु. चंद्र.  
 कलांतर, पु. वृद्धि, व्यान; चंद्रकला.  
 कलाप, पु. भारती पूछडी; धरेलुं;  
 आधुनो भाथो; आधु; चंद्र; धास;  
 नटा; मोतीनी भाला. स्त्री. (पी)  
 धासनो भारो.  
 कलापिन, पु. भार; कोपल.  
 कलापिनो, स्त्री. रात.  
 कलापूर्ण, पु. चंद्र.  
 कलाभृत्, पु. चंद्र; कारीगर.  
 कलायन, पु. नाचनार.  
 कलालाप, पु. लभरो.  
 कलाचिक, पु. कुकरो. [ युग पीर.  
 कलि, पु. कलओ; कलियुग, योथो  
 कलिका, कली, स्त्री. कणी, वगर उधडे-  
 कलिकारक, पु. नारदमुनि. [ कुं कूल.  
 कलिंग, न. चंद्रन. पु. देशं नम.  
 कलिज, पु. सादरी. [ वि. दुशीआर.  
 कलित, वि. भांगेधु; आधेधुं, ल-  
 खेधु; भेधेधुं; गलेधुं [वेत; सूर्य.  
 कलिद, पु. यमुनानदी नीकणेछे ते प-  
 कलिदकन्या-सुता, स्त्री. यमुना नदी.

कलिल, वि. गहन; भेधेधुं.  
 कलुप, यु. लंस, पाओ. न. पाप;  
 डीयल. वि. पापी; धातकी.  
 कलेवर, न. शरीर.  
 कल्क, उ. कानतुं भेल; पाप. वि. पापी.  
 कल्कन, न. दंभ, शकता.  
 कल्कफल, पु. दाडभतुं आड.  
 कल्कि, } पु. विष्णुनो दशभो अ-  
 कल्किन, } वतार.  
 कल्प, पु. वेदांग; विधि; प्रलय; प्र-  
 क्षानो अंक दिवस, कल्प; कल्पवृक्ष.  
 कल्पक, पु. डंगम.  
 कल्पतरु, पु. स्वर्गतुं आड, जेनाथी  
 भागीजे ते भजेछे. [ रक्षलु.  
 कल्पन, न. रचना; छेदन; निर्मालु;  
 कल्पना, स्त्री. तर्क; उपाय, अनुकरलु,  
 हाथी शृंगारयो ते.  
 कल्पनी, स्त्री. कातर. [ पी, गंधुं.  
 कल्मष, न. पाप. पु. नरक. वि. पा-  
 कल्माप, वि. रंगभेरी. पु. रंगभे-  
 रंग; राक्षस; कुभेदना योथा स्त्री.  
 (पी) नभदग्निनी गाथ.  
 कल्मापकंठ, पु. शिव.  
 कल्प, न. प्रभात; आवतीकाय; दार.  
 आशिर्वाद. वि. तंदुस्तत; तत्पर;  
 दुशीआर; मुंगो लहेरो.  
 कल्पजग्घि, स्त्री. नास्तो, शिशभलु.  
 कल्प्या, स्त्री. दार; दरडा; मुभारक-  
 भादी. [ शुभु; स्वर्ग.  
 कल्याण, न. भंगल; सेतुं; सह-  
 कल, वि. भेदेर.  
 कलि, अ. आवती कावे.  
 कलोल, पु. आनंद; तरंग, लहेर;  
 शत्रु. वि. अदेधुं.

कचक, पुं. कुतरानी टोपी, (पर-  
सादमां डगेछे ते.) आस, थुक.  
(भोराकनो.)

कच, उ. अअतर; लडाधतुं नगाई.

कचपत्र, न. लोणपत्र.

कचटी, स्त्री. दरवाननो चोडडो.

कचर, उ. अटाश; निमक, भीडुं;

कचरकी, स्त्री. केदी. [लुलडां.]

कचरी, स्त्री. लुलडां, पाणनी लट.

कचल, उ. आस, थुक, (भोराकनो.)

कचलित, वि. आधेडुं; आवेडुं.

कचप, पु. ढाल.

कचस, पु. अअतर, कचय.

कचाट, पु. दरवाननो चोडडो.

कचार, न. पध, कभल.

कचि, पु. मुनि; सूर्य. वादभीक; शु-

काचार्य; अक्षा. वि. पडित; डु-

शीआर. स्त्री. लगाम.

कचिक (का), यु. लगाम.

कचिता, स्त्री. कचिता, काव्य.

कचि(वी)य, न. लगाम.

कचेल, न. कभल.

कश, पु. शा, स्त्री. आथुक.

कशिपु, उ. सादरी, भीछातुं; त-

डीआ. पु. भोराक; कपडां.

कशे(से)र, पु. पुंठतुं डाडडुं. पु.

नलुद्वीपनो जेक भाग.

कश्चित्, अ. कोर्ध पधु.

कश्मल, न. पाप; धास्ती. वि. गंहुं.

कश्मीर, पु. काशमीर देश.

कश्यप, पु. कश्यपमुनि; कायलो.

कषण, वि. कायुं. न. थुनली.

कषाकु, पु. सूर्य; अग्नि.

कषाय, उ. छ रसभांतुं जेक.

कषायित, वि. रंगेडुं.

कषिका, स्त्री. पक्षिगत.

कषेरुका, स्त्री. पुंठतुं डाडडुं.

कष, न. हुःअ, कष. वि. अराअ,

कस, पु. कसेटी. [विकट.]

कसिपु, पु. भोराक; भीछातुं.

कस्तीर, न. क्लार्ड; कथीर.

कस्तु(स्तू)रिका, { स्त्री. कस्तूरी.

कस्तूरी, }

कस्मल, न. मोड, भूर्धा.

कहार, न. सक्षेड कभल.

कह, पु. अगलो.

कांस्य, न. कांसुं.

काक, पु. कागडो; लंगरो माधुस.

काकाचिचा, स्त्री. चुंन, अलोडी.

काकच्छद, पु. अन्नपक्षी.

काकण, न. डोडोड. [ननार.]

काकतालीय, वि. आथानक थर्ध

काकपद, न. कागडाना पन लेवी

निशानी, लअतां छूलेवां अक्षर

डभेरवा भाटे वपराय छे. ^

काकपुच्छ, -पुष्ट, पु. कोपल.

काकभीर, पु. धुवड.

काकमद्रु, पु. नलकुडुडी.

काकर(रू)क, पु. श्रीछत पुरप; धु-

वड; दंल. वि. नाथुं, भीकधु;

जरीण.

काकलि, पु.-ली, स्त्री. तीलो म-

काका, स्त्री. काकभाची, काकनपा,

काकारि, पु. धुवड. [वगेरे वनस्पति.]

काकिणी, स्त्री. २० डोडी; भासानो

बाधो दिस्त्रो.

काकु, स्त्री. दुःख वगेरेथी ५६-  
 लातो अवाण, ७७.  
 काकुत्स्थ, पु. मूर्धंशी राज.  
 काकुद, न. ताणु.  
 काकोदर, पु. सर्प, साप.  
 काकोले, पु. कागडो, सर्प; कुकर,  
 कुभार; अर, विप.  
 काक्ष, पु. वांकी नगर. न. कटाक्ष.  
 काक्षी, स्त्री. सुगंधी भाटी.  
 काग, पु. कागडो.  
 कांक्षा, स्त्री. अभिलाष, ४२७.  
 काच, पु. भण्डि; काच; आपनो रोग.  
 काचमल, न. सोडाक्षार. [न. भीलु  
 काचिघ, पु. इंद्र, सोनु; वनस्पति.  
 काचित, वि. छीकाभां लटकवेधुं.  
 काचूक, पु. कुकरो; यकवाक पक्षी.  
 कांचन, पु. धतुरातुं आड, यपातुं  
 आड. न. सोतुं; धन. वि. सोनातुं.  
 स्त्री. (नी) लणक, गोरायन.  
 कांचनक, न. दरताण.  
 कांचनकंदर, पु. सोनानी भाणु.  
 कांचनगिरि, पु. सुभेइ परत  
 कांचनार(ल), पु. होविदार वृक्ष.  
 कांचनीय, वि. सोनातुं स्त्री. (या)  
 गोरायन  
 कांचि(ची), स्त्री. स्त्रीओने डेडे भाण-  
 वातु धुपरीचातु धरेणु, अक नगर.  
 कांजि(जी)क, न. } कांड.  
 कांजिका, कांजी, स्त्री. }  
 काट, पु. इवो.  
 काठ, पु. अडक; पथर.  
 काठिन्य, न. कडणुर्ध.  
 काण, वि. काणु पु. कागडो

काणूक, पु. कागडो  
 काणेनी, स्त्री. वगर परलोधी स्त्री.  
 काणेनीमातृ, पु. कुमारी स्त्रीनो पुत्र  
 कांड, उ. आडनी डाणी; आणु,  
 अवकाश; कूल; पथर; वभाणु;  
 घोडो, लाकडी; पाणी; अध्याय  
 कांडगोचर, पु. लोढातु आणु, भा-  
 रणुनी नराण.  
 कांडपट, पु. पडडो, कनात.  
 कांडपुष्ट, पु. लरकरी सिपाई, वेरवा-  
 नो पति, दत्तकपुत्र  
 कांडवत्, पु. तीरदाण.  
 कांडिर, पु. तीरदाण, तीर भारनार.  
 काण्व, पु. कष्ट मुनिना वंशले.  
 कातर, वि. भीकणु, दुःभी, नाभक.  
 काल्यं, न. भीक. [पु. मण्यो.  
 कात्यायन, पु. अक मुनि. [विती.  
 कात्यायनी, स्त्री. विधवा स्त्री, पा-  
 कानु, पु. इवो. [र.जी. न. कडमनां इव.  
 कादय, पु. आणु; कडमनुं आड; मे-  
 वादंवरी, स्त्री. दाइ, गररवती, को-  
 यव, सारिका.  
 कादंविनी, स्त्री. वादणाओनी दाइ.  
 कादाचित्क, वि. कवचिन यनाई  
 काद्रवेय, पु. अक गर्भ  
 कानक, न. नभावगोटो.  
 कानन, न. वन, अन्नानुं मुण; गर.  
 काननाग्नि, पु. नभावनो अग्नि, इव.  
 कानिन, पु. कुमारीकानो पुत्र, भा-  
 स; कटो.  
 कांत, पु. आशक; पति; अंड; व-  
 सनकातु; लोडु. न. डेरीर. वि. त्रि-  
 वांतपक्षिन्, पु. भार. [य, सुंदर.

कांतलोह, न. दोहसुंभक.  
 कांतलोह, न. तीशुं दोह.  
 कांतार, उ. मोहं नंगल; अराथ र-  
 स्तो; शुद्ध. पु. लाव शेरडी.  
 कांतारक, पु. } शेरडीनी अकन्त.  
 कांतारी, स्त्री. }  
 कांति, स्त्री. सुंदरता; अणक; सौंदर्य;  
 सुंदर स्त्री. [सुंदर.  
 कांतिद, न. पित्त; भाषण. वि.  
 कांतिदायक, वि. सुंदर; शलुगारेडुं.  
 कांदच, न. पडवान, भीडार्थ.  
 कांदिरीक, वि. भीडथीनाशी भयडु.  
 कान्यकुब्ज, पु. कनोगं देश.  
 कापटिक, वि. कपटी. पु. अल्पासी;  
 कापट्य, न. शकता, लुब्धा. [प्रसंसक.  
 कापथ, पु. अराथ रस्तो.  
 कापाल-लिक, पु. भाषुसना भा-  
 थानी जोपरीभां आनार, शिव-  
 लक्षो. [ अल स्त्री.  
 कापाली, स्त्री. जोपरीनी भावा, अं-

कामकूट, पु. वेश्यानी वार.  
 कामकलि, पु. वार; सभोग. [नार.  
 कामचार, वि. भरलप्रमाणे वर्त-  
 कामचारिन्, वि. कामी; स्वच्छंदी.  
 पु. अकली; अरुड. [भाष.  
 कामदुधा-दुह-धेनु, स्त्री. कामधेनुं  
 कामन, वि. कामी. स्त्री. (ना)छच्छा.  
 कामपाल, पु. अलराम.  
 कामम्, अ. संभती; धर्षा; भरलथी.  
 कामरूप, वि. सुंदर. पु. अमाण-  
 भां अक देश छे.  
 कामरुपिन्, पु. विद्याधर. वि. भ-  
 रलप्रमाणे रुप देनार. [कामी.  
 कामल, पु. वसंतभक्तु; नंगल. वि.  
 कामवल्लभ, पु. वसंतभक्तु; अद्र; आं  
 थानुं आड. स्त्री. (मा) नयोत्सा,  
 चांदनी.  
 कामिन्, पु. आणक; अकवाक प-  
 क्षी; अकली; शिव; अद्र; कथुतर.  
 स्त्री. (नी) सुंदर स्त्री. वि. कामी;  
 उत्सुक.

काकु, स्त्री. दुःख वगेदेशी लक्ष-  
लाता अवाङ्; छत्र.  
काकुत्स्थ, पु. सूर्येशी राज.  
काकुत्स, न. ताणु.  
काकोदर, पु. सर्प, साध.  
काकोले, पु. कागडे; सर्प; कुकरे;  
कुभार; उर, विप.  
काक्ष, पु. वांकी नगर. न. कदाक्ष.  
काक्षी, स्त्री. सुगंधी भारी.  
काग, पु. कागडे.  
कांक्षा, स्त्री. अभिलाष, छत्रा.  
काच, पु. मल्लि; काच; आंभनेा देग.  
काचमल, न. सोडासार. [न. भीष्म.  
काचिघ, पु. डंडर; सोनुं; वनस्पति.  
काचित, वि. छीकाभां लक्षवेधुं.  
काचूक, पु. कुंडे; बकवाक पक्षी.  
कांचन, पु. धतुरानुं आड; अंपानुं  
आड. न. सोनुं; धन. वि. सोनानुं.  
स्त्री. (नी) दण्ड; गोरोचन.  
कांचनक, न. दरताण.  
कांचनकंदर, पु. सोनानी भाष्.  
कांचनगिरि, पु. सुभेइ पर्वत.  
कांचनार(ल), पु. डोविदार पृश.  
कांचनीप, वि. सोनानुं. स्त्री. (या)  
गोरोचन.  
कांचि(वी), स्त्री. सीमेने डेडे आंध-  
वानुं सुपरीवानुं धरेलुं; अेक नगर.  
कांचि(जी)क, न. } कांउ.  
कांचिका, कांचि, स्त्री. }  
काट, पु. इवे.  
काट, पु. अडक; पधर.  
काटिन्य, न. कल्लुध.  
काण, वि. काणुं. पु. कागडे.

काणूक, पु. कागडे.  
काणेली, स्त्री. वनर परजेडी स्त्री.  
काणेलीमातृ, पु. कुमारी श्रीने पुत्र.  
कांड, उ. आडनी जणी; भाणु;  
अवकाश; कूव; पधर; नभाणु;  
घोडे; लाकडी; पाणी; अध्याप.  
कांडगोचर, पु. दोढानुं भाणु; भा-  
रानुनी नराध.  
कांडपट, पु. पडो; कनात.  
कांडपुष्ट, पु. लरकरी शिवाड; वेरध-  
नेा पति; दाकपुत्र.  
कांडवत्, पु. तीरंधाण.  
कांडिर, पु. तीरंधाण, तीर भारनार.  
काण्य, पु. कष्ट मुनिना वंशने.  
कातर, वि. भीकणु; दुःभी; गाभडे.  
काव्यं, न. भीक. [पु. मछवे.  
कात्यायन, पु. अेक मुनि. [वेती.  
कात्यायनी, स्त्री. पिधवा स्त्री; पा-  
कानु, पु. इवे. [रडी. न. कंडलनां कूव.  
कादंय, पु. भाणु; कंडलनुं आड; री-  
कादंयरी, स्त्री. दाइ; राइरवी; डो-  
यव; मारिका.  
कादंपिनी, स्त्री. पाएणांमेनी दाइ.  
कादाचित्क, वि. इयिन वनाडे.  
काद्रयेय, पु. अेक अंध.  
कानक, न. नभाणुगेडे.  
कानन, न. वन; अमानुं सुभ; पर.  
काननाशि, पु. नभवनेा अशि, इर.  
कानिन, पु. कुमारीशनेा पुत्र; भा-  
ग; काणुं.  
कांत, पु. आशक; पति; गंड; व-  
गंनकणु; दोडु. न. केरीर. वि. प्रि-  
कांतपक्षिन्, पु. भार. [प; सुइर.

कांतलोह, न. लोहसुंभक.  
 कांतलौह, न. तीधुं लोह.  
 कांतार, उ. भोटुं नंगल; भरण र-  
 स्तो; शुश. पु. लाल शेरडी.  
 कांतारक, पु. } शेरडीनी अकनत.  
 कांतारी, स्त्री. }  
 कांति, स्त्री. सुंदरता; यणक; सौंदर्य;  
 सुंदर स्त्री. [सुंदर.  
 कांतिद, न. पित्त; भाष्य. वि.  
 कांतिदायक, वि. सुंदर; शलुगारेडुं.  
 कांद्व, न. पक्वान, भीठार्ड.  
 कांदिशीक, वि. भीकथी नारी गयलुं.  
 कान्यकुब्ज, पु. कनोअं देश.  
 कापटिक, वि. कपटी. पु. अश्यासी;  
 कापट्य, न. शकता, लुअ्याई. प्रशंसक.  
 कापथ, पु. भरण रस्तो.  
 कापाल-लिक, पु. गोलुसना भा-  
 थानी भोपरीभां आनार, शिव-  
 भक्तो. [यल स्त्री.  
 कापाली, स्त्री. भोपरीनी भावा, य-  
 कापिल, पु. सांध्यशास्त्रना मतप्र-  
 कापिश, न. धार. [भाणे आलनार.  
 कापिशायन, न. धार. पु. देव.  
 कापुरुष, पु. हीयकारो भाषुस.  
 कापिय, वि. वांहरनेडुं.  
 कापोत, न. कभूतरनो समुदाय; सु-  
 रभो. वि. लुरा रंगलुं. [नार.  
 काप्यक(का)र, पु. पश्चात्ताप कर-  
 काम, पु. धंछा; ध्यार; कामदेव;  
 अलराम; प्रधुम; आंभो; धंश्वर.  
 कामकला, स्त्री. रति; कामदेवनी  
 पत्नी. [नार. पु. धंछा.  
 कामकार, वि. भरणप्रभाणे आल-

कामकूट, पु. वेश्यानो यार.  
 कामकौलि, पु. यार; समोग. [नार.  
 कामचार, वि. भरणप्रभाणे वर्त-  
 कामचारिन्, वि. कामी; स्वच्छंदी.  
 पु. चकली; गरुड. [गाय.  
 कामदुधा-दुह-धेनु, स्त्री. कामधेनुं  
 कामन, वि. कामी. स्त्री. (ना)धंछा.  
 कामपाल, पु. अलराम.  
 कामम्, अ. संभती; धर्षा; भरणथी.  
 कामरूप, वि. सुंदर. पु. अंगाणा-  
 भां अक देश छे.  
 कामरूपिन्, पु. विधाधर. वि. भ-  
 रणप्रभाणे इप लैनार. [कामी.  
 कामल, पु. वसंतभतु; नंगल. वि.  
 कामवल्लभ, पु. वसंतभतु; यद्र; आं-  
 थानुं आड. स्त्री. (भा) न्योत्सा,  
 आंढनी.  
 कामिन्, पु. आशक; चकवाक प-  
 क्षी; चकली; शिव; यद्र; कभूतर.  
 स्त्री. (नी) सुंदर स्त्री. वि. कामी;  
 उत्सुक.  
 कामुक, वि. उत्सुक; कामी. पु. च-  
 कली; अशोकपृक्ष; कामी पुरुष.  
 स्त्री. (की) विषयनी धंछावाणी  
 कामोदा, स्त्री. अक राय. [स्त्री.  
 कांजो, पु. कामिण देशनो रडे-  
 वारी; कामिण देशनो घोडो.  
 काम्य, वि. सुंदर.  
 काय, उ. शरीर; आडनुं यड; स-  
 भूड; धर; ध्यान; धन; प्राणप-  
 त्य विवाह; अशतीर्थ.  
 कायस्य, पु. कायस्थ नती, क्षत्रीने  
 शूद्राक्षीने चेट उरपन ययनी स-  
 तती. स्त्री. (स्त्री) कायस्थनी स्त्री.

कायिक, वि. देहसंबन्धी.  
 कार, पु. वध; अविधान; निश्चय;  
 यत्न; पति, भाषीक; अरक्ष्णो ढ-  
 गलो; डिभाषय पर्यत. वि. कर्त्ता.  
 कारण, न. हेतु, इंद्रिय; देह; वध.  
 कारणशरीर, न. सुपुत्रि, निद्रा.  
 कारणा, स्त्री. तीव्रयातना, दुःख.  
 कारणिक, वि. परीक्षक.  
 कारणोत्तर, न. सत्य प्रतिज्ञा ७-  
 पर न्याय आपनो ते.  
 कारमिहिका, स्त्री. कपूर.  
 कारव, पु. क्षणो.  
 कारवेल, पु. क्षणशाली वेव.  
 कारा, स्त्री. अक्षिभानुं; डेह; सेना-  
 रणु; इती, श्रीकासद  
 कारागार-गृह, न. डेहभानुं.  
 कारागुप्त, पु. डेही.  
 कारापाल, पु. क्षणशाली, नैलर.  
 कारायिका, स्त्री. अक्षि.  
 कारि, स्त्री. क्षमक्षण. वि. क्षरीगर.  
 कारिका, स्त्री. नदी, नायनार स्त्री;  
 क्षमक्षण; पीडा, यातना.  
 कारित, वि. क्षणवेतु. (क्षम.)  
 कारिता, स्त्री. व्याज.  
 कारीप, न. सुकेला छाणुनो ढगलो.  
 कार, वि. कर्त्ता, करनार, अनाय-  
 नार, क्षरीगर.  
 कारक, पु. शिष्टी, क्षरीगर.  
 कारज, पु. क्षाधीनुं अक्षुं, नानी टेकरी,  
 कारणिक, वि. क्षाणु. [नागक्षर.  
 कारंडी, स्त्री. न्यो.  
 कारण्य, न. क्षा, भाषा.  
 कार्कश्य, न. क्षणुता, क्षरता; निर्दयता.

कार्तवीर्य, पु. सहसार्त्तुन, वृत्तवी-  
 र्यनो पुत्र, अक्षरंशी राज.  
 कार्तस्वर, न. सेतुं.  
 कार्तान्तिक, पु. क्षण, लेरी.  
 कार्तिक(किक), पु. कर्त्तक भक्षिनो.  
 स्त्री. (की) कर्त्तकी पूनम.  
 कार्तिकेय, पु. पञ्चानन, कर्त्तिकस्वामी.  
 कार्त्तर्य, न. संपूर्णता. [क्षरवानी].  
 कार्पट, पु. उमेक्षवार; क्षाण, (सीव  
 कार्पटिक, पु. क्षाणु; पडित.  
 कार्पण्य, न. गरीणाध; क्षणुसाध.  
 कार्पास, वि. सुतराड. उ. सुतराड  
 स्त्री; क्षणव.  
 कार्पासी, स्त्री. क्षपासनुं अड.  
 कार्म, वि. मेहेतु, उद्योगी.  
 कार्मण, वि. क्षमभां क्षुशीआर. न.  
 कार्मार, पु. क्षरीगर. [नक्षु, भ्रतत्र.  
 कार्मुक, न. क्षणुध, वांस वि. क्ष-  
 मभां क्षुशीआर. [क्षरवाणयक.  
 कार्य, न. क्षम; प्रयोगन; हेतु. वि.  
 कार्यमेप्य, पु. क्षेपीआ, इत.  
 कार्य, न. क्षीणता; दुर्बलता.  
 कार्य-क, पु. क्षेडत. [पिसा.  
 कार्पापण, उ. सीक्षे (अक्षणी) न.  
 कार्षिक, पु. अक्षे तोलातनुं वजन, सीक्षे.  
 कार्ष्ण, वि. क्षणु. न. क्षणा क्षर-  
 कार्ष्णि, पु. क्षमक्षेव. [क्षुनुं चामर्क.  
 कार्ष्ण्य, न. क्षणुत्व, क्षणाक्ष.  
 काल, पु. समय, यमराज; मृत्यु;  
 शिव; शनि; क्षणव. न. क्षेडु,  
 क्षेडव. वि. क्षणु. [न. क्षणु-  
 कालक, पु. क्षाण; पाणुनो साप.

कालकंड, पु. शिव; भोर; भंजन;  
 यक्षी; अपैथो.  
 कालकूट, उ. विष, उेर.  
 कालप्रथि, पु. वर्ष, वरस.  
 कालंजर, पु. शिव; कलिंगदेश.  
 कालधर्म, पु. मृत्यु; भोसभ.  
 कालनियोग, पु. किरमत, नसीब.  
 कालनेमि, पु. किरपुथकशिपुनो पुत्र.  
 कालनेमि-रिपु-हर-हन, पु. विष्णु.  
 कालपर्ण, पु. तगरतुं आड.  
 कालपृष्ठ, न. हरथ; कागरो.  
 कालमूल, पु. लाल चित्रकतुं आड.  
 कालरानि-त्री, स्त्री. अंधारी रात;  
 यमनी गेडेन.  
 काललौह, न. पोलाह, गणवेह.  
 कालवेला, स्त्री. अशुभसमय-वपत.  
 कालसर्प, पु. जेरी कापो साप.  
 कालसूत्र, न. जेक नरक; वपत अ-  
 थवा मोतनो दोरो.  
 कालस्कंध, पु. तभाव वृक्ष. [श्वगंधा.  
 काला, स्त्री. मंथुष्ट, काणुं लुई, अ-  
 कालाक्षरिक, पु. वांन्तीने तेनो अ-  
 र्यं इरी राडे जेवो निशाणीआ.  
 कालागर, न. काणुं मुपड.  
 कालाग्नि, पु. प्रलयनी आज.  
 कालाप, पु. सापनी श्रेणु; माथाना  
 वाण; राक्षस; "कालाप" व्याकरणु  
 कालायस, न. दोह. [नखुनार.  
 कालिक, पु. भगवो. न. काणुं मुपड.  
 कालिका, स्त्री. मेधभाला; कालिका  
 देवी; कागडी; धार; पीछी.  
 कालिंग, पु. कलिंगदेशनो राज; डा-  
 थी, सर्प. न. तरभूय.  
 कालिंदी, स्त्री. यमुना-जमुना नदी.

कालिंदीकर्पण, } पु. अक्षराम, कृष्ण-  
 कालिंदीमेदन, } नो मोटो लार्थ.  
 कालिमन, पु. काणाश; शीकाश.  
 कालिय, पु. जमना नदीभां रडेनार  
 जेक भलवान सर्प.  
 काली, स्त्री. देवी; मत्स्यगंधा, व्या-  
 सजनी भा; अग्निशिखा.  
 कालीक, पु. कौंय, भगवो.  
 कालीची, स्त्री. यमराजनी दरगार.  
 कालीयक, उ. केशर; काणुं मुपड.  
 कालेयर, पु. कृनो.  
 काल्य, न. प्रभात.  
 काल्या, स्त्री. उमरभां आवेदी गाय.  
 कावार, न. शेवाल, लीव. स्त्री. (री)  
 हांडा वगरनी छनी.  
 कावुक, पु. कुकरो; यकवाक.  
 कावेर, न. केशर. [दणद.  
 कावेरी, स्त्री. नदीतुं नाम; वेश्या;  
 काव्य, पु. शुक्याथे. न. कविता,  
 रसयुक्त वाक्य. स्त्री. (व्या) युद्धि-  
 वि. वष्णुवावायक; कवितातुं.  
 काव्यहास्य, न. भवार्थ, क्षरस.  
 काश, न. श. उ. यमकतुं; सुदर देणातु.  
 काश, उ. साद्री अनववातुं धार.  
 काशि शी, पु. काशीपुरी, जगारस.  
 पु. (शि)सर्थ; प्रकाश.  
 काशिप, पु. शिव.  
 काशिराज, पु. काशीनो राज.  
 काशिका, स्त्री. काशीपुरी.  
 काश्मीर, न. केशर. पु. काश्मीरदेश  
 तथा तेना रडेवानी. स्त्री. (रा)  
 काश्य, न. धार. [द्राक्षनो वेवो.  
 काश्यप, पु. कश्यपमुनि; अश्व-  
 न. भांस.



काश्यपो, स्त्री. पृथ्वी.  
 काश्यपेय, पु. सूर्य; गङ्ग; देव अने  
 दानव. [कृपड.  
 कापाय, वि. जेथी रगेथुं. न. रातुं  
 काष्ठ, न. आणवानुं लाकडु; लाकडुं.  
 काष्ठक, न. अगस्तुं लाकडुं.  
 काष्ठकुहाल, पु. वडाणुभांथी पाणी  
 काठी नाभवानुं लाकडातुं वासाणु.  
 काष्ठतक्ष-क, पु. सुतार.  
 काष्ठदारु, पु. देवदारु.  
 काष्ठमल्ल, पु. शवयान, भडदानी सीडी.  
 काष्ठलोहिन, पु. शुभती, लाकडीभां  
 तरवार. [दिशा.  
 काष्ठा, स्त्री. सीमा; कश्यपनी स्त्री,  
 काष्ठासुंवाहिनी, स्त्री. लाकडांनी आ-  
 लदी-पोढोरौ.  
 कास, पु. भांसी, उधरस.  
 कासघ्नी, स्त्री. कांठावाणी दवा.  
 कासर, पु. लेंस.  
 कासार, उ. तवाय, सरोवर.  
 कासीस, न. हीराकसी.  
 कासु, स्त्री. भाषा, रोग; शुद्धि; तेज.  
 कासुति, स्त्री. क्षीण रस्तो.  
 काहल, पु. कुकडो, गिवाडी न.  
 मोठो अथान. वि. सुक. स्त्री.  
 लडाणुं डोल.  
 काहलापुष्प, पु. धतूरे.  
 काहलि, पु. शिव.  
 काहली, स्त्री. तक्षणी, लुवान स्त्री.  
 कियत्, वि. गरीभ.  
 किशार, पु. दौअपक्षी; आणु; अ  
 नागनी इवाडी. [इलोवाणुं आड.  
 किशुक, पु. सुगंधी वगरना मुंदर

किशु (ल) लुक, पु. पक्षरातुं आड.  
 किकि, पु. नाडीअरी, यातक पक्षी  
 किवि, पु. वांदरे, शियाण.  
 किकर, पु. याकर, नोकर.  
 किकिणी, स्त्री. धुधरीवाणो कडोरौ,  
 भाटी द्राक्ष.  
 किकिर, पु. डोयल; लभरो; घोडो;  
 कामदेव. न. छाथीना दान. स्त्री.  
 (रा) लोडी. दिव; अशोकतुं आड.  
 किंकिरात, पु. पोपट; डोयव, काम-  
 किंचन, किंचित्, अ. अक्षय, थोडुं.  
 किंज-ल, पु. कमल कुलनी अदरना  
 आरीक ततुओ.  
 किटि, पु. शकर, डुकर.  
 किटिभ, पु. लु, भाकड.  
 किट्ट, न. विष्टा, नरक. [काट.  
 किट्टाल, पु. तांथातुं वासाणु; लोढोनी  
 किण, पु. लाकडांनो क्रीडो; भरी.  
 कित्, ग. २. छच्छुं, लुअं.  
 कितव, पु. लुगारी; कग, लुअो,  
 धतुरातुं आड.  
 कितनु, पु. भाकडी, वाढो.  
 किंधिन्, पु. घोडो.  
 किघ्नर, पु. स्वर्गनो गवेयो.  
 किघ्नरेश, पु. डुभेर.  
 किम्, अ. प्रश्न, तर्क; निषेधसंक.  
 किमु, अ. संभाषना.  
 किम्पच, } वि. कृपणु, क्लृणु  
 किम्पचान, }  
 किम्भूत, वि. डेजुं.  
 किम्बदति-ती, स्त्री. अक्षया, गप.  
 किम्बा, अ. विकल्प, अथवा.  
 कियत्, वि. डेठु.

कियाह, पु. राता रगनो घोरो.  
 किर, पु. शूकर, डुकर.  
 किरक, पु. वेभक; डुकर, लुंड.  
 किरण, पु. पिण, डिरणु.  
 किरात, पु. पर्वतमां रहेनार भील  
 नेवी डवडी लत, वेहेंतीआ;  
 किराताशिन, पु. गरुड [घोडावाणो.  
 किराति, स्त्री. जंगानदी; दुर्गा.  
 किरि, पु. शूकर, डुकर.  
 किरिटि, न. ताडगोणा, पाणीवाणां  
 अलूरीनां इण.  
 किरोट, उ. मुगट, पाधडी; वेपारी.  
 किरोटिन्, वि. पाधडी पहेरेह.  
 पु. अर्जुन.  
 किर्मि, स्त्री. धर; पलासतुं आड.  
 किमीर, पु. नारगीनुं आड; कण-  
 रयिनो रग; राक्षसतुं नाम.  
 किर्मात्सूदन, पु. शीम, पांडुनो पुत्र.  
 किल, ग. द. घोणुं थनुं; अधार्थ ननुं;  
 किल, पु. रमत. [रभनुं.  
 किल, अ. वार्ता; संभावना; नि-  
 श्रय; सत्य; डेतु; तिरस्कारदर्शक.  
 किलकिला, स्त्री. उर्ध्ववनी.  
 किलाटिन्, पु. आंभु, वांस.  
 किलज, न. सादडी.  
 किलिम, न. देवदारतुं आड.  
 किलियन्, पु. घोरो.  
 किल्वीप, न. पाप; अपराध; रोग.  
 किश(स)ल(य), उ. अंकुर, पीडुं.  
 किशोर, पु. आणक; सूर्य.  
 किष्किघा, स्त्री. देशतुं नाम छे.  
 किष्कु, पु. जोगो, लुक; लंभाध  
 भापवानुं हथियार. वि. अराण.

कीकट, पु. घोरो; अहार प्रांत. वि.  
 डंलुस; गरीण.  
 कीकस, न. डाडकुं. वि. सप्तत.  
 कीचक, पु. विराट राजनो साणो.  
 कीट, ग. १०. आंधनुं; रंग आपवो.  
 कीट, पु. डीडो. [अन.  
 कीटक, पु. भाट; डीडो. वि. स-  
 कीटज, न. रेशम.  
 कीटमणि, पु. आगीआ डीडो.  
 कीट्य ( श ), वि. डोणु, डेवुं.  
 कीन, न. भांस. [यम, नम; वांदेशे.  
 कीनाश, वि. शूद्र नातुं; जेडतुं. पु.  
 कीर, पु. पोपट; आशगीर देश. न.  
 कीर्त्तन, न. कथन, वयन. [भांस.  
 कीर्ति, स्त्री. यश, सुख्याति; प्रसाद;  
 शब्द; विस्तार. [डोणी; हथियार.  
 कील, पु. अशिशिआ; शकु; पीली,  
 कीलक, पु. ननावर आंधवानो जूटो;  
 पीली, थांभलो. [मृत; मध.  
 कीलाल, न. पाणी; लोढी. पु. अ  
 कीलालधि, पु. समुद्र.  
 कीलालप, पु. राक्षस. [नायु.  
 कीश, पु. वांदेशे; सूर्य; पक्षी. वि.  
 कु, स्त्री. पृथ्वी. [ताण्डशंक.  
 कु, अ. पाप, निदा; निवारणु; कभ-  
 कुकुम, न. दार.  
 कुकुद, पु. सत्कारपूर्वक कपडा ध-  
 रणु पहेरापी कन्यादान कर्ता.  
 कुकुद, पु. कुंडो. स्त्री. (टी)डेडगरोली.  
 कुकुम, पु. कुंडो.  
 कुकुर, पु. कुंभो. स्त्री. (री) कुनी.  
 कुक्ष, पु. डंभ, अगत.  
 कुक्षि, पु. भेट; गर्भस्थान.

कुक्षिमरि, वि. स्वेदरपूरक, पीता-  
 कुंकुम, न. केसर. [तुंज पेट भरनार.  
 कुच, पु. स्तन, छाती.  
 कुचफल, पु. दाडभनुं आड.  
 कुचर, वि. पारक्षणी ज्येष्ठ जेनार.  
 कुचेल, वि. भेलां कपडां पेहेरनार.  
 कुच्छ, न. सदेह कभण.  
 कुज, पु. आड; भंगलश्रद्ध; नरकाभुर  
 दैत्य. स्त्री. (जा) मात्यायनी देवी.  
 कुजं(भ)मि(ल)र, पु. भातर पाड-  
 नार चोर. [अनादर.  
 कुंचन, न. आडुं; आंभनो रोग;  
 कुंचि, पु. आड सुठीनुं भाप.  
 कुंचिका, स्त्री. कुंची; जेक भाछवी;  
 अरुनी जेक जत.  
 कुंचित, न. तगरनुं कूल. वि. वांङु.  
 कुंज, ग. २. णडणडडुं.  
 कुंज, पु. दाधीदांत. न. लतागृह.  
 कुंजइ, पु. दाधी. स्त्री. (रा) दाथणी.  
 कुंजराति, पु. सिद्ध; शरभ.  
 कुट, पु. पर्वत; किङ्गो; हथोडो; आड.  
 कुटंक, पु. छापई, छण्णुं. [उ. कुंजे.  
 कुटज, पु. अग्रत्य मुनि; छद्रिज-  
 वनुं आड. [न. कभण.  
 कुटप, पु. मुनि; धरपासेनुं भाग.  
 कुटर, पु. छास करवानी भयनी आं-  
 कुटर, पु. तंभु. [धवानो थांलजो.  
 कुटल, न. छापई, छण्णुं.  
 कुटि, पु. आड; शरीर. स्त्री. कुपडं.  
 कुटिचर, पु. सोसवार.  
 कुटि(टी)र, न. कुपडं. [स्वती नदी.  
 कुटिल, वि. पक, वांङु. (ला) सर-  
 कुटनी, स्त्री. कुटणी.

कुटुंब, उ. सगासंबंधी; नातीवा;  
 आंधव. न. कुटुंब.  
 कुटुंबिन, पु. गृहस्थ, कटुणवाणो  
 कुटुंबिनी, स्त्री. कुटुंबवाणी स्त्री. [पुरुष.  
 कुट्ट, पु. गणित शास्त्री.  
 कुट्टक, पु. दणनार; नणकुट्टो.  
 कुट्टन, न. छेदन.  
 कुट्टमित, न. आशकनी साथे भणवानी  
 भरछ छातां हाथ हवावी ना पा-  
 डवी ते  
 कुट्टार, पु. पर्वत. न. भैथुत, स्त्री-  
 संग; धाणवी. [दाडभनुं आड.  
 कुट्टिम, उ. रनोनी भाणु; कुंपडं;  
 कुट्टिहारिका, स्त्री. दासी.  
 कुट्टीर, पु. पर्वत. [जेक नरक.  
 कुट्टमल, उ. उधरेकी कुलनी कवी. न.  
 कुठ, पु. आड.  
 कुठर, पु. कुठर लुआ.  
 कुठाटंक, पु. कुवाडो.  
 कुठार, पु. कुवाडो. न. आड.  
 कुठार, पु. वांङुरो; आड; छथियार  
 कुठि, पु. पर्वत; वृक्ष. [अनापनार.  
 कुठेर, पु. अग्नि.  
 कुठेर, पु. पंभानो पवन.  
 कुड, ग. द. भाणकनी पेटे रभनुं.  
 कुडप(व), पु. अत्रीश तोलानुं वणन.  
 कुडि, पु. शरीर.  
 कुड्य, न. भांत; वेपन, कुपडव.  
 कुण, ग. द. टेडो आपवे; नवाण  
 करवो. [उ. श्रुतशरीर. पु. भाडो.  
 कुणप, वि. सुरधाना जेवी नंधवाणु.  
 कुण्टक, वि. रथूव, मोटुं.  
 कुण्ठ, वि. भूर्भ; सुस्त.

कुंडक, वि. भूर्ध.  
 कुंडित, वि. सुस्त; भूर्ध.  
 कुंड, ग. १. आणुं; भाणुं.  
 कुंड, त्रि. थाली; कभंडल. पु. पति  
 एवतां यारथी उत्पन्न यथतो पुत्र.  
 न. कुंड, तलाव; ( अग्नि ) कुंड.  
 कुंडकीट, पु. यार्वाकना मतप्रभाणे  
 यालनार, नास्तिक; आद्वेषीने व्य-  
 भियारथी उत्पन्न यथतो पुत्र.  
 कुंडगोलक, न. कांठ.  
 कुंडल, उ. कुंडल, काननुं धरेणुं; भांगडी.  
 कुंडलिन, पु. सध; मोर; वरुणु;  
 शिव. वि. कुंडल पदेरेणुं.  
 कुंडिका, स्त्री. कभंडलु, लोठो. [ नधानी.  
 कुंडिन, पु. घोडो. न. विदर्भनी रा-  
 कुंडि(डी)र, पु. मनुष्य. वि. जेसवर.  
 कुतप, पु. सध, अग्नि; द्विज; अ-  
 तिथि; अणद; भाणेण; होडीन  
 अकं नतनुं वालुं.  
 कुतस, अ. प्रश्न; कस्मात्, म्यांथी.  
 कुतुक, न. कौतुक.  
 कुतू, स्त्री. यामडानी कुपी.  
 कुतूहल, न. अलयथी, कौतुक; आ-  
 वुरता. वि. अलयथ; वप्पालेणुं.  
 कुत्र, अ. कथां? कथे वभते? कथे ठेकाणुं?  
 कुत्रचित्, अ. कथे ठेकाणुं?  
 कुत्सन, न. निंदा.  
 कुथ, त्रि. शेत२७.  
 कुभ, पु. पर्वत.  
 कुनक, पु. काण्डो.  
 कुनालिका, स्त्री. होयल.  
 कुंत, पु. भावो.  
 कुंतल, पु. भाथाना वाण, शुभ्छा;  
 छाथ; नव; दण; देशणुं नाम.

कुंति, पु. अक देश. [ सुगंधी; आद्वेषी.  
 कुंती, स्त्री. पांडु राजनी स्त्री; अक  
 कुंद, उ. अक मुंदर कूल पु. कुभे-  
 रनो अक भंडार; 'नव'नी संख्या.  
 कुंदम, पु. भिलाडी.  
 कुंदर, पु. विष्णु; अक धार.  
 कुंदिनी, स्त्री. कभणनो नयो.  
 कुंड, पु. उदर. [ भालुं; प्रकाशणुं.  
 कुप, ग. ४ गुस्से यणुं. ग. १०  
 कुपथ, पु. भराथ रस्तो.  
 कुपिनिन, पु. मन्थीभार.  
 कुपिंद, पु. वलुकर.  
 कुपिनी, स्त्री. नागी भाछडीओ प-  
 कडवानी नल. [ लडी धातु.  
 कुप्य, न. सोनाइपा शिवायनी ल-  
 कुचेर, पु. धननो देवता.  
 कुज, वि. शुधुं; वांडुं. पु. अरुग.  
 कुज, न. नंगल; कुंडल; ततु, तांत-  
 लो; गाडी. [ छोकरो, राजनो, पुत्र.  
 कुमार, पु. पोपट; कालिकस्वामी पुत्र,  
 कुमारभृत्या, स्त्री. शुवायडीनी याकरी.  
 कुमारस, स्त्री. पार्वती, दुर्गा; गगा.  
 कुमारिका, स्त्री. कुमारी कन्या; पुत्री;  
 मोटी अलथी.  
 कुमुद, न. ३णुं. पु. विष्णु; कपूर; द-  
 क्षिणुदिशानो छाथी उ. सशेद कभण.  
 कुमुदवांघव, पु. अंद; कपूर.  
 कुमुदवती, स्त्री. कभणनी वेल.  
 कुमुदावास, पु. कभणवाणु तलाव.  
 कुमुदिनी, स्त्री. सशेद कभण उगना-  
 कुमोदक, पु. विष्णु. [ नी नगा.  
 कुंभ, पु. धडो; कुंभराशि; ६४ शेर-  
 तुं वजन; वेस्थानो यार.

कुंभक, पु. योगमां नमन्ना डायथी  
 नाक अने मोडु अथ करी खास  
 कुंभकर्ण, पु. रावणनो बाधिशिकवे ते.  
 कुंभकार, पु. कुंभार. [नि; द्रोणाचार्य.  
 कुंभयोनि, पु. अगस्त्य; वसिष्ठमु-  
 कुमशाला, स्त्री. कुंभारनी दुकान.  
 कुंभांड, पु. व्याण्णमुरतो प्रधान.  
 कुंभिन, पु. सोसवाट; डायी.  
 कुंभिल, पु. चार; सावो; अधुरे न-  
 कुंभी, स्त्री. हांडयुं. [न्भेयुं आणक.  
 कुंभीनस, पु. अेक नतनो जेरी सर्प.  
 कुंभीपाक, पु. अेक नरक.  
 कुंभीर, पु. शार्क भाछी.  
 कुंभील, पु. सोसवाट, भगर.  
 कुंभीवीज, न. नभावगोटो.  
 कुर, ग. ६ अवाण करवो.  
 कुरंक (कु) र, पु. सारस पक्षी.  
 कुरंग (क), पु. डरण, भृग.  
 कुरगनयना, } स्त्री. भृगनयना, हर-  
 कुरंगनेत्रा, } पुनालेवी आंभवा-  
 कुरट, पु. अमार, भोन्वी. [णी स्त्री  
 कुरंड, पु. वधराज. अडवृद्धिनो रोग.  
 कुरर, पु. पाणीने किनारे रदेनार  
 पक्षी. [सितभार जाडनां नाम.  
 कुरय, पु. रजभिडी, पीतभिडी,  
 कुराल(ह), पु. काणा पगवाजो घोडो.  
 कुरीर, न. नयन, संग.  
 कुर, पु. अद्रवशी राजत; अेक देश.  
 कुरुक्षेत्र, न. पाणीपन, कीव पां-  
 डवना युद्धनी नगा. [द्रिणी.  
 कुहंटी, स्त्री. ताकडानी पुतकी; आ-  
 कुरताज, पु. दुधोपन.  
 कुरल, पु. वागनो युच्छे।

कुरविंद, उ. भाणुक (१२१).  
 कुरुविस्त, पु. पल, चार तोवानु वन  
 कुरवृद्ध, पु. लीभभपिताभड.  
 कुरकुर, पु. कुनो.  
 कुर्दन, न. कीडा, रमत.  
 कुरपद, पु. धुटणु; डोणी.  
 कुरपास, पु. बाकी.  
 कुल, ग. १. अेकहुं करवुं; गणुं.  
 कुल, न. कुंडुण; टोणुं; स्वदेश; श-  
 रीर; नत. [कारीगरनो उपरी.  
 कुलक, न. नयो; वन० पटोव. पु.  
 कुलगिरि, पु. पर्थत.  
 कुलंगी, स्त्री. वन० काकडानिणी.  
 कुलटा, स्त्री. अमिथारिणी, छिनाव.  
 कुलतिथि, स्त्री. बाय, आडम, आ-  
 रस, अने ओदरनी तिथिओ.  
 कुलनाश, पु. उट; कुंडुंअनो नात.  
 कुलपति, पु. कुंडुंअनो वटो, दर इ-  
 नर शिष्येने अचटावनार अने  
 शीअवनार मुनि.  
 कुलमाया, स्त्री. पतिवना श्री.  
 कुलभृत्या, स्त्री. गतिणीनी नेव;  
 कुलमर, पु. चार. [करनार श्री, दार्.  
 कुलाकुल, वि. वलुंभकर.  
 कुलाचार, पु. डवना धर्म.  
 कुलाट, पु. नानी भाछी.  
 कुलाघाटक, पु. पुत्र.  
 कुलाप, पु. स्थान, नगा. न. देड,  
 शरीर उ. पक्षीनो भाजो.  
 कुलायम्प, पु. पक्षी  
 कुलाल, पु. कुंभार, गुनड. स्त्री. (नदी)  
 कुलादक, पु. देडभदेशी. [कुंभारव.  
 कुलि, पु. डाय

कुलिम, पु. पक्षी; चकली.  
 कुलिन्, वि. भानधानी. पु. पर्वत.  
 कुलि (ली)र, पु. कर्कराशि; करखली.  
 कुलिश, उ. ईद्रतुं वज्र.  
 कुलिशासन, पु. शाक्यभुनि.  
 कुली, स्त्री. मोटी साकी.  
 कुलीन, वि. भानधानी. पु. देवी भक्त.  
 कुलीनक, वि. भानधानी.  
 कुलीनस, न. पाणी.  
 कुलुक, न. लभउपरनी ज्ञान.  
 कुलेश्वर, पु. कुंडुभनो वडो, शिव.  
 कुलोद्वह, पु. कुंडुभनो वडो.  
 कुल्फ, उ. रोग, आन्तर.  
 कुल्मल, न. पाप, अपराध.  
 कुल्माप, न. कांछ. पु. जेक धान्य.  
 कुव, न. कूल.  
 कुवम, पु. सूर्य.  
 कुवाहुल, पु. ईट.  
 कुविंद, पु. वलुकर. [जेक जेट. न. पाणी.  
 कुश, वि. पापी; गांडो. पु. रामनो पुत्र;  
 कुशल, वि. कुशल, आरोग्य, सुभी.  
 न. कल्याण; सुभ.  
 कुशलिन्, वि. सुभी; भाग्यवान.  
 कुशारणि, पु. दुर्वासामुनि.  
 कुशिक, पु. गांधी रान्तनो पिता.  
 कुशीद, न. व्याज.  
 कुशीलव, पु. गवैथो; भाट, चारण.  
 कुशल, पु. अनाज भरवानो लडार.  
 कुशेशय, न. कभण. पु. सारसपक्षी.  
 कुप, ग. ९. भेंची काढतु; आभी जेवु.  
 कुपल, वि. दुशीआर. [वि. कूर.  
 कुपाकु, पु. वादरो; अग्नि, सूर्य.  
 कुपोद, न. व्याज. वि. नड; निर्दय.

कुप, उ. डोढ; जेक लततुं जेर.  
 कुष्टारि, पु. गधक.  
 कुम्भल, न. कापतुं ते; पांढडुं.  
 कुम्पांड, पु. डोडोणुं; दुधी. स्त्री.  
 कुस्, ग. छ. जेटतुं. [(डी) दुर्गा.  
 कुसित, पु. सारीरीते वसेतुं शिखर.  
 कुसीद, वि. आलसु. पु. व्याजभोर.  
 कुसुम, न. कूल; कण; स्त्रीरज; आं-  
 कुसुमाल, पु. चार. [भिनो जेक रोग.  
 कुसुमासव, न. भध. [पु. कभंडल.  
 कुसुंम, न. सोतुं; कसुंआतुं कूल.  
 कुसूल, पु. अनाजनो लडार.  
 कुसृति, स्त्री. दगो, ठगाई; ईद्रनल.  
 कुस्तुम, पु. विजय; समुद्र.  
 कुह, ग. २०. आश्रय पाभतुं; ठगतुं.  
 कुह, पु. कुभेर; ठगारो.  
 कुहक, पु. ठगारो, भाया, ईद्रनल.  
 कुहन, न. कायतुं वासणु; गारीतुं  
 वासणु. पु. ईदर; संध.  
 कुहना, } स्त्री. दभ, दितुर, दैल.  
 कुहनिका, }  
 कुहर, न. युक्ष; छिद्र, कान; गणु,  
 सयोग.  
 कुहलि, पु. सोपारीना जाडतुं पांढडुं.  
 कुहु-हु, स्त्री. कोयलनो अवाज, न-  
 वा चंद्रनो दिवस.  
 कुहकंड, पु. कोयल.  
 कुहल, पु. सर्पतुं लोंपडुं.  
 कू, स्त्री. छोकरी.  
 कूकुद, पु. कपडां धरेणुं पडेरवेवी  
 कंधातुं वान करनार.  
 कूच, पु. स्तन छाती.  
 कूची, स्त्री. वाणनी पीछी.

कूट, ग. १०. निंदा करणी; आणुं,  
बोलावतुं; सखाड आषवी.

कूट, पु. अग्रस्त्यमुनि. न. धर. उ.  
ढगडो; उद्योडो; पर्वततुं शिपर;  
डेण; तुम्ह; लुकार्ध; मश्करी. वि.  
लुडु. [ गलआण.

कूटकूट, पु. शिव; कायस्थ. वि. ६-  
कूटसाक्षिन, पु. लुडो साक्षी.  
कूटागार, न. कातरियु, धरनो उपरनो  
कूटार्थ, पु. द्वीअर्थी बोलावतुं. [ भाग.  
कूड्य, न. लीत.

कूण, ग. १०. वडतुं, बोलावतुं.  
कूणि, वि. वांका डायवाणु.  
कूणिका, स्त्री. सींगडुं.

कूदर, पु. आक्षणीना गर्भमां क-  
पिना वीर्यथी उत्पन्न यथेयो पुत्र.  
कूडाल, पु. पडाडी अणतुरा. [ रतुं.  
कूप, ग. १०. नअणा यतुं; नअणु क-  
कूप, पु. डूवो; नदी वञ्चेतुं आउ  
अथवा अउक.

कूपक, पु. मछयो आंधवानो यां-  
अलो, डूवो; तेवतुं वासणु.

कूपमंडूक, पु. डूवामांनो डेडको, ध-  
रमांथी कडीपणु अडार न नीकण-  
नार अनुप्यने आ उपमा आपा-

कूपार, पु. समुद्र. [ यछे.  
कूपिका, स्त्री. नदी वञ्चेतुं अउक.  
कूप (वोर), उ. गाडीनीधुनी. पु. उ-  
अडो भाणुरा. वि. मनोडर, मुंहर.

कूम, न. गरोवर, तवाव.  
कूर, उ. अन्न, रंधिला बोभा.  
कूच, उ. गोरपीछ. नाकनो उपतो  
आम; बीमटी. पु. आयुं, लडार.

कूर्दन, न. डीडा, रमत.\*  
कूर्दनी, स्त्री. येत्री पूनम.  
कूप, न. लवांगी वयमांगी लगा.  
कूर्पांस, उ. कांयधी, बोधी.  
कूर्म, पु. कायजो.

कूल, ग. १. ढांकतुं; अध करतुं, डरे  
करतुं. [ भाग; तलाव; ढगडो.  
कूल, न. कितारो; सेतानो पाछयो  
कूलक, पु. डीडीआये अनावेडीटेकरी.  
कूलंकप, पु. थोत, प्रवाद. स्त्री.  
(पा) नदी.

कूहा, स्त्री. धुमस, आकण.  
कू, ग. ५. दुःअ हेतुं; करतुं, जोडवतुं  
कूक, पु. गणु.

कूकवायु, पु. डुकरो; मोर; गरोपी.  
कूकलाश-स, पु. सररो, गरोपी.  
कूकाटिका, स्त्री. गरदननो पाछयो  
भाग.

कूच्छ, वि. पीडाकारक; पापी. न. पी-  
डा, दुःअ; पाप; भूयकृच्छ्र रोग.

कूण, } पु. वितारो.  
कूंड, }

कूट, ग. ६. कापतुं.  
कूट, न. सत्ययुग; काम; इण, प-  
रिणाम; लडार्धतुं इनाम; अवि-  
दान. वि. करेतुं; गरित; शिरु.

कूटकर्मन्, वि. प्रविलु, लुशीआर.  
कूटकूट, वि. इतार्थ, पावन.  
कूटमा, वि. निभकडगम. [ धरी.

कूटमता, स्त्री. निभकडवाली, वक्ष-  
कूटमार्थ, पु. भनी, गडाडकार.  
कूटघी, वि. टाणु, गमणु  
कूटनिर्णयन, पु. प्रथासाप करनार.

कृतयुग, नै. सत्ययुग.  
 कृतविद्य, वि. शीजेतुं. [ डेरेतु.  
 कृतवेश, वि. सणुगारेतुं; कपडां प-  
 कृतधर्म, वि. भेडेनतु, अख्यासी.  
 कृतसंज्ञ, वि. चिहित, नीशानी करेतुं.  
 कृतहस्त, वि. दुशीआर, आलु भा-  
 रवाभां दुशीआर.  
 कृतागस, वि. अपराधी.  
 कृतांक, वि. अंकित; चिह्न करेतुं.  
 कृतांजलि, वि. छाथ जेरेतुं.  
 कृतात्मन्, वि. आत्माने वश करतार.  
 कृतांत, पु. यमराज; शनिश्चर; देव,  
 कृतार्थ, वि. कृतार्थ, पावन. [सिद्धांत.  
 कृतालय, पु. देडडे.  
 कृतावस्थ, वि. साक्षात्कार, जेडावेतु.  
 कृताहार, वि. लक्षित, आर्षेतुं.  
 कृति, स्त्री. काम; धर्म. [क्षमतावान.  
 कृतिन्, वि. निपुण, साधु, पुण्यवान;  
 कृते, अ. वारते, भाडे, लीये.  
 कृतोदक, वि. धोयतुं.  
 कृत्ति, स्त्री. आमडुं; काणा डरेतुतु  
 आमडुं, जेजपत्र, धर; कृत्तिका  
 कृत्तिका, स्त्री. नीतुं नक्षत्र. [नक्षत्र.  
 कृत्तिवास, पु. शिव.  
 कृत्य, न. कार्य. वि. कार्य करतार.  
 कृत्यका, स्त्री. डाकण.  
 कृत्यविद्, पु. शापी.  
 कृत्या, स्त्री. क्रिया; नदु.  
 कृत्त्रिम, वि. कल्पित; जनापटी.  
 कृत्स, न. पाणी; समुद्रय. पु. पाप.  
 कृत्स, वि. नपुं, सपणु. न. पाणी; पेट.  
 कृंदर, पु. लजार; कथाट; धर.  
 कृन्तन, न. डेहन.

कृन्तनिका, स्त्री. छरी, यधु.  
 कृप्, म. १. दया करपी. म. १०. न-  
 अणु करतुं; शोक करवो.  
 कृप, पु. कृपावार्थ. [पु. कीडे; कंजुस.  
 कृपण, वि. कंभास, गरीब; कंजुस.  
 कृपया, अ. दयापूर्वक.  
 कृपा, स्त्री. करण, दया.  
 कृपाण(क), पु. तरवार.  
 कृपाणिका, स्त्री. अजर, छरी; कातर.  
 कृपालु, वि. दयाणु, भेडेरवान.  
 कृपी, स्त्री. द्रोणाचार्यनी पत्नी.  
 कृपीट, न. जंगल; अलतणुनां ला-  
 कडां; पेट; पाणी.  
 कृपीटपाल, पु. समुद्र; पवन.  
 कृपीटयोनि, पु. अग्नि.  
 कृमि, पु. कीडे, लाज (सीलनी);  
 कीडी; करोधीजा, गधेरो. वि. की-  
 डावाणु.  
 कृमिग्र, पु. काठे; लीवातुं. स्त्री. डणद.  
 कृश, वि. अल्प; सूक्ष्म; क्षीण.  
 कृशान, न. मोती; सौतुं; आकार.  
 कृशर, पु. भिचडी.  
 कृशला, स्त्री. भायाना वाण.  
 कृशाक, पु. डिणुता, गरमी.  
 कृशानु, पु. अग्नि; चित्रकतु जाड.  
 कृशानुरेतस्, पु. शिव.  
 कृप्, म. ६. जेडतुं, भंयतुं; नभतुं.  
 कृपक, वि. भंयतार, जेडतार पु.  
 कृषि, स्त्री. जेटी. [जेडत; अणद.  
 कृषीवल, पु. जेडत.  
 कृष्ट, वि. जेरेतुं; भंयतुं.  
 कृष्टि, पु. पडित. स्त्री. जेड.



कृष्ण, पु. श्रीकृष्ण, धृतिरत्नो आकभो  
 अवतार; अर्जुन; व्यास, डोयल;  
 कागडो; काणो रंग, भरी; कलियुग.  
 वि. काणुं. न. काणाश. [ पापी.  
 कृष्णकर्मन्, वि. काणु काम करनार,  
 कृष्णकौय, पु. लेंस.  
 कृष्णतार, पु. भृग, डरलु.  
 कृष्णद्वैपायन, पु. वेदव्यास.  
 कृष्णयफ्न, पु. काणा मोढानो वांदरो.  
 कृष्णवर्ण, पु. काणो रंग.  
 कृष्णलोह, पु. लोहयुंभक.  
 कृष्णवर्त्मन्, पु. अग्नि.  
 कृष्णगृग, पु. लेंस  
 कृष्णसख, पु. अर्जुन.  
 कृष्णसार, पु. धाभावाणुं डरलु.  
 कृष्णा, स्त्री. श्रेपही; अेक नही.  
 कृष्णाचिस्, पु. अग्नि.  
 कृष्णिमन्, पु. काणो रंग.  
 कृसर, पु. भियडी.  
 कृ, ग. ६. वीपेरी नाभतुं.  
 कृत्, ग. १०. मोलावतुं, कीर्ति करपी.  
 कृत्तिक, वि. भरीद करेयुं.  
 कृकय, पु. देशतुं नाम. स्त्री.(यी)  
 दशरथ राजनी पत्नी.  
 केका, स्त्री. मोरनो अवाज.  
 केकिक, केकिन, पु. मोर.  
 केणिका, स्त्री. तथु  
 केत, पु. धर, रडेठाणु; भरलु, तेडुं  
 केतक, पु. डेतकीतुं जाड. [पर;स्थान.  
 केतन, न. ध्वज; तेडुं, कार्य, बिलु;  
 केतित, वि. मोलावेयुं, तेडावेयुं.  
 केतु, पु. डेतुमड, किरणु; ध्वज;  
 बिलु; आकार.

केतुवसन, न. ध्वज, पतीका.  
 केदार, पु. धासतुं भीड, पर्यंत; डि-  
 भालय पर्यंतनो अेक भाग.  
 केन, पु. अेक उपनिषद.  
 केनती, स्त्री. धशकआलुनी रमत.  
 केनार, पु. कुंशीपाक नरक; शिव; जो  
 परी; भायुं. [ ह्या; धं  
 केन्द्र, न. वर्तुवनुं मध्यगिणु. पु. प्र  
 केप्, ग. १. धुणुं  
 केयूर, उ. आलुणध.  
 केरल, पु. देशतुं नाम, ( डालतुं भ-  
 लभार ) स्त्री.(ली) न्योतिप विधा,  
 केल्, ग.१. धुणुं; रमतुं. [ प्रडियाल  
 केलास, पु. काय. [ स्त्री. ५२नी.  
 केलि, पु. डीडा, रमत; धशकआलु.  
 केलिकला, स्त्री. भरकरी, सररव-  
 केलिकीर्ण, पुं. डं. [तीनी वीलु.  
 केलिशयन, न. डोय, भीछातुं.  
 केव, ग. १. आकरी करपी.  
 केवट, पु. युश.  
 केवर्त्त, पु. भाडीभार.  
 केवल, वि. असाधारण, मान; भ-  
 धुं; नअ. अ. मान; तदन.  
 केवलिन्, वि. अेकपु.  
 केश, पु. वाण, मोवाणा; वाण, डि-  
 रलु; वडलु; विण्यु.  
 केशकलाप, पु. वाणनो गुम्हो  
 केशग्रह, पु. केश अंथवा ते.  
 केशद, पु. कामतुं भायु; भाई, विण्यु,  
 अकरै, शु.  
 केशप्रसाधनी, स्त्री. } इपी. (भायु  
 केशमार्जन, न. } अंगवानी.)  
 केशबंध, न. कभगी, वाणनी लड.

केशव, पु. विष्णु. वि. लुध्रवाणु.  
 केशवायुध, पु. आंभानुं आड. न.  
 विष्णुनुं हथियार  
 केशांत, पु. भोगाणा उतरावया ते.  
 केस(श)र, उ. याण; अकुवतुं आड;  
 केसर; नागकेशर. न. सोतुं.  
 केश(श)रिन्, पु. सिड.  
 कै, ग. १. अवाण करवे.  
 कैकस, पु. राक्षस, लूत.  
 केकेयी, स्त्री. दशरथ राज्ञी पत्नी.  
 कैटभ, पु. ऐक दैत्य.  
 कैटभजित्, } पु. विष्णु.  
 कैटमारि, }  
 कैतक, न. केतकीनुं कुल.  
 कैतव, न. कपट; लुगार, वैकुण्ठभक्ति.  
 कैदार, पु. अनान; बोभा.  
 कैदारिका, स्त्री. भेतरेणो समुदाय.  
 कैरव, पु. लुगारी; शत्रु. न. रा-  
 रेड कमल. स्त्री. (घी) खांदनी.  
 कैरविन्, पु. अद्र.  
 कैरात, पु. लेशवर पुरुष. न. जे-  
 क्तततनु अदन; करियातुं.  
 कैल, न. डीडा, रमत.  
 कैलास, पु. डिभालयतु ऐक शि-  
 भत्र, कुंभेर अने शिवने रहवानी  
 कैवर्त-क, पु. भाळीभार. [ जगा.  
 कैवल्य, न. मुक्ति; अज्जि, उपनिषद्.  
 कैशिक, पु. शृगाररस, विषयवा-  
 राना. न. वाणनो गुच्छो.  
 कैशोर, न. किशोरावस्था.  
 कैश्य, न. वाणनो ज्यो.  
 कौक, पु. वड, सडवाक; डोयल; हे-  
 उडो, विष्णु, अज्जरीतुं आड.  
 कौकनद, न. लाल कमल.

कोकशास्त्र, न. कामशास्त्र.  
 कोकाह, पु. सेईद घोटो.  
 कोकिल, पु. डोयव पक्षी.  
 कोकण, पु. डोकलुदेश. [ करन्तत.  
 कोच, वि. सूकार्ज न्तुं. पु. वर्षुसं-  
 फोट, पु. डोट, किहो; लुपडी.  
 कोटक, पु. भारवे, छापई आणना-  
 र; कुभारणुने कडीआधी उत्पन्न  
 थयलो पुत्र.  
 कोटर, उ. आडनी अणोल.  
 कोटरी, स्त्री. दुर्गा; नागी स्त्री.  
 कोटि, पु. } किनार, धार; हथिया-  
 कोटी, स्त्री. } रनी धार, ऐक करेड-  
 कोटिर, पु. धंद्र; नोणीओ [नी राभ्या.  
 कोटि(टी)श, पु. पथर जोखवानुं दो-  
 कोटीर, पु. मुकुट; नटा. [दातुं हथियार.  
 कोट्ट, पु. डोट, किहो.  
 कोट्टवी(री), स्त्री. नागी स्त्री; दुर्गा.  
 कोठ, पु. दराज.  
 कोण, पु. भूणो; सारंगी वजाडवानी  
 लाकडी; हथियारनी धार.  
 कोणकुण, पु. भाकणु. [स करवानी )  
 कोध, पु. आप्नो रोग; मथनी, (छा  
 कोदंड, उ. धनुष्य. पु. लवां; ऐक देण  
 कोद्रव, न. डोदरा, ऐक अनान  
 कोप, पु. कोध.  
 कोपतस्, व. कोधमां.  
 कोपन, वि. कोधी.  
 कोपना, स्त्री. भाभिनी, को'री स्त्री.  
 कोमल, वि. नालुक, डोमण. न. पाणी.  
 कोमलता, स्त्री. मृदुता, नरभाग.  
 कोर, पु. साधो, कुंभनी कणी.  
 कोरक, उ. कुंभनी कणी, ऐक मुनं'री.

कोरित, वि. द्येक्षुं.  
 काल, पु. दुकर; जोध, जोलो; आ-  
 क्षिप्त; शनिग्रह; नातप्रहार. न.  
 भार; अेक तोलातुं वजन, क्षाणां  
 कोलकुण, पु. मांक्षु. [ भरी.  
 कोलमूल, पु. पीपरीमूल.  
 कोलाहल, उ. शोर, गडबडाट.  
 कोल्या, स्त्री. पीपर.  
 कोविद, वि. विद्वान्; अनुभवी.  
 कोश, पु. पाष्णी काठवानो पोरै;  
 ढाल; लंडार; संग्रह; गर्भस्थान;  
 धर; झूलनी कणी.  
 कोशकार, पु. शब्द संग्रह करनार.  
 कोशवासिन्, पु. कोटलाभां रहेनार  
 कोशल, पु. अयोध्या नगरी. [प्राष्णी.  
 कोशालिक, न. लांय.  
 कोशातकी, स्त्री. परोक्षीनी बेल.  
 कोशी, स्त्री. लेडा. [ वि. पोतानुं.  
 कोष्ट, पु. लंडार; धरनो मध्यभाग.  
 कोष्टपाल, पु. अन्ननयी; बाध्रीदार.  
 कोष्टागार, न. लंडार. [ गरम.  
 कोष्ण, न. थोडी गरमी. वि. थोडुं  
 कोहल, पु. अेक नतनो दार; अेक  
 भुनि; वाणुं.  
 कौकृत्य, न. पश्चात्ताप; अराण काम.  
 कौकृतिक, पु. दामिक, काम, झीडा न  
 भरे तेथी नीचे लेध आलनार.  
 कौक्ष, कौक्षेय, वि. गेटनुं.  
 कौक्षेयक, पु. तरवार.  
 कौकण, पु. डोक्खुदेश.  
 कांच, पु. हिमाक्षय पर्वत.  
 कौट, पु. डगारो. वि. लुडुं; पोताना  
 धरमा रहेनार.

कौटकिक, पु. मांस वेदनार.  
 कौटिलिक, पु. लुडार; शिकारी.  
 कौटिल्य, न. कुटिलता; आणुक्षय भुनि.  
 कौणप, पु. राक्षस.  
 कौणदंत, पु. लीधम.  
 कौण्य, वि. लूलो, लंगडो.  
 कौतस्कुतस्, अ. क्वचित्.  
 कौतुक, न. कुतूहल; अभिवाप; उ-  
 त्सव; आनंद. [लाप; आश्चर्यता.  
 कौतूहल, न. कौतुक; छुच्छा, अभि  
 कौनरय, न. नभनो रोग.  
 कांतैय, पु. कुंतीना पुत्रो.  
 कौप, न. कृवानुं पाष्णी.  
 कौपीन, न. लगेरी; इरेणुं कपड;  
 अराण काम. [स्त्री. (री) कन्या.  
 कौमार, न. अथपणु, (पांच वर्षे मूधी).  
 कौमूद, पु. कार्तिकभास.  
 कौमूदी, स्त्री. चांदनी; उत्सव; आसे  
 अने कार्तिक महिनानी पूनेम.  
 कौरव, पु. कुंजराजना वंशज.  
 कौल, वि. आनदानी. [नपुत्र.  
 कौलकेय, वि. आनदानी. पु. नर-  
 कौलदिनेय, पु. नरज, अभिचारनो  
 कौलालक, वि. मारीनां वासणु. [पुत्र.  
 कौलिक, पु. वलुकर. वि. आनदानी.  
 कौलीन, न. गुदा; अराण काम; आ-  
 नदान. पु. नरजपुत्र.  
 कौलीन्य, न. उंचकुण. वि. कुणसंधी.  
 कौलेयक, पु. कुत्रो. वि. कुडीन.  
 कौल्य, वि. उंच कुणमां नन्भेडो.  
 कौवेर, वि. कुंभेरसंधी. स्त्री. (री)  
 उत्तरदिशा; कुंभेरनी पत्नी  
 कोश, न. कनेज देश.

कौशल (ल्य), न. कुशलता, अतुरार्थ;  
 कौशलीक, न. लांय. [उपाय; कपट.  
 कौशल्य, स्त्री. रागनी भाता.  
 कौशांवी, स्त्री. एक नगरी.  
 कौशिक, वि. रेशमी. पु. विश्वामित्र  
 ऋषि; ध्रुवड; नोणीओ; धंद्र; शु-  
 गल; शृगार. स्त्री. (का) प्पातुं.  
 कौशिकायुध, न. धंद्रधनुष, वर-  
 सादगी कमान.  
 कौशीय, न. आणसाध, सुस्ती.  
 कौशो(षे)य, वि. रेशमी. न. रेशम;  
 कौसीद, वि. आणभोर. रेशमी कपडुं  
 कौमुम, वि. कृलवाणु. [ दुगर.  
 कौस्तिक, पु. कगारो, लुञ्चो; न-  
 कौस्तुभ, पु. विष्णुतुं एक रत्न.  
 ककच, पु. कश्यप.  
 ककर, पु. तितर, कश्यप.  
 ककु, पु. अविधान; विष्णु; प्रलपति;  
 ककुद्रह, उ. राक्षस. [ लुङ्गि; युक्ति.  
 ककुध्वंसिन्, पु. शिव.  
 ककुपुरुष, पु. विष्णु.  
 ककुभुज, पु. देवता.  
 ककुराज, पु. राजसूय यज्ञ.  
 ककथन, न. कतल, वध. [लाजी.  
 ककदन, न. इदन; आवाहन. पु. गि-  
 ककदित, वि. रडतुं. न. इदन; द्रं-  
 युद्ध. [ कश्यो; ननुं; राड जेपी.  
 ककप्, ग. १. द्या आवपी; शोक  
 ककम, पु. विधि; अनुकम, शक्ति;  
 पग; आकमलु.  
 ककमण, पु. पग; धोडो. न. गमन.  
 ककमतस्, अ. धीमे धीमे, एक प-  
 ली एक, कभवार.

ककमशस्, अ. अनुकमे, कभवार.  
 ककमागत, वि. पश्यराथी आवेतुं.  
 ककमि, पु. धोडो; एक रोग.  
 ककमिजा, स्त्री. लाभ (सील करवानी.)  
 ककमु, ककमुक, पु. शोपारीतुं आड.  
 ककय, पु. भरीद. [ वेद्याणु.  
 ककयलेख्य, न. नभीन जेतरे वगेरेतुं  
 ककयविक्रयिक, पु. वेपारी.  
 ककयारोह, पु. भनर.  
 ककयिक, पु. वेपारी; भरीदधार.  
 ककय्य, वि. वेयवातुं.  
 ककव्य, न. काञ्चु भांस. [ ननावर.  
 ककव्याद, पु. राक्षस; भांस भानार  
 ककान्त, वि. ओलवेतुं. पु. धोडो; पग.  
 न. उलधन. [ रोडधु.  
 ककान्ति, स्त्री. आकमणु; गति; अच-  
 ककान्तिज्या, स्त्री. अडोने इरवानो भार्ज.  
 ककान्तिमंडल, न. सूर्यने इरवानो रस्ते.  
 ककायक, पु. भरीदधार; वेपारी.  
 ककमि, पु. धोडो; नंतु.  
 ककमिज, न. अगरेतुं लाकडं.  
 ककिय, पु. मेध राशि.  
 ककिया, स्त्री. आरभ; शिक्षा; पून-  
 न; उपाय; काम; वेद्या; चिकि-  
 त्सा, आरु, कारणु; कायं.  
 ककियाकार, पु. कामधार; नवो नि-  
 ककियानिदेश, पु. साक्षी. [शाणीओ.  
 ककियापडु, वि. अतुर, दुशीआर.  
 ककियापर, वि. आलाक.  
 ककियावत्, वि. कामभां रोकायतुं.  
 ककियाविशेषण, न. अन्यथ.  
 कक्री, ग. ९. भरीदतुं; मेणवतुं.  
 कक्रीड, पु. परिहार, मस्करी.

क्रोडक, पु. जेडाजी, बोधीदार.  
 क्रोडन, न. जेव, रमत; रमकडुं.  
 क्रोडा, स्त्री. रमत, डीडा.  
 क्रोडाकृत, न. विडारणी धन्धा.  
 क्रोडाकोप, पु. जेटो कोध.  
 क्रोडाकौतुक, न. श्रीसग.  
 क्रोडारत्न, न. मैथुन, श्रीसंग.  
 क्रोडावन, न. विडार करवानो भाग.  
 क्रीत, वि. भरीदेवुं. पु. भरीदेवो  
 पुत्र. [स्तावुं ते.  
 क्रीतानुशय, पु. भरीद करीने प-  
 वुंच, पु. जलकुडी; जेक परत.  
 कुंच, ग. ४. सुस्से थुं.  
 कुध, स्त्री. कोध, सुस्से.  
 कुद्ध, वि. कोधी; कूर. न. कोध.  
 कुध्वन, पु. शियाण.  
 कुष्ट, वि. रडतुं. न. ३६न.  
 कूर, वि. निर्दय; धातकी. पु. भाग  
 पक्षी; भगवो, शनि; राहु. न. कतव.  
 कूरदरा, वि. अद नगरतुं. पु. रा-  
 वुंच, उ. दाढि. [निधर.  
 क्रोणि, -णी, यु. भरीदी.  
 क्रोय, वि. भरीदवावापक.  
 क्रौंच, पु. जेक परत. [दे. छाती.  
 क्रोड, पु. शनि; डुकर; वारादीकंद.  
 क्रोडपाद, पु. कायभो.  
 क्रोडीकरण, न. आविगन.  
 क्रोध, पु. डनन, भासण  
 क्रोध, पु. सुस्से, कोध.  
 क्रोधन, वि. कोधी. स्त्री. (मा) सु-  
 रसावाणी श्री.  
 क्रोधिन्, वि. कोधी. पु. भेभ; कुत्रो.  
 क्रोदा, पु. डोग, गाड.

क्रोशताल, पु. डोव.  
 क्रोष्ट, पु. शियाण. [पर्वत: रासस.  
 क्रौंच, पु. सारसपक्षी; जेक जेट;  
 क्रौंचदारण, पु. कर्तिकस्वामि.  
 क्रौर्य, न. कूरता.  
 क्रुध, ग. ९. भारी नाभुं.  
 कुंद्, ग. १. भूम पाडवी; शोर करवो.  
 कुम्, ग. ४. थाडी वतुं.  
 कुम, कुमध, पु. थाक.  
 कुव, ग. ४. पीडतुं, धारती राभनी.  
 कुांत, वि. थाकेतु  
 कुिद्, ग. ४. बीछ वतुं.  
 कुिन्न, वि. आर्द्र, बीतुं.  
 कुिद्, ग. १. शोक करवो.  
 कुिन्, ग. ४. दुःख हेतुं.  
 कुिशित, वि. शोकातुर; दुःखी.  
 कुिष्ट, वि. शोकातुर. न. परस्पर  
 विरुद्ध वाक्य.  
 क्रीय(घ), उ. नपुंसक, हीनरो. वि.  
 निर्णय; सुस्त; नपुंसक सिततुं.  
 कुेद, पु. बीनास, शरदी.  
 कुेदक, वि. शरद, बीतुं. पु. ३३  
 कुेदन, पु. अद्र.  
 कुेदन, पु. कड; बीतुं करतुं ते.  
 कुेड, पु. अद्र. [कर, कोध.  
 कुेश, पु. दुःख, पीडा; वित्त, श्री-  
 कुैम्य(व्य), न. नमजार्ड; नपुंसक,  
 हीनरो.  
 कुोम, (न), न. भूनागय, केंद्रु.  
 क, अ. क्वां?  
 कचित्, म. कदापि.  
 कण, ग. १. अचान करवो.  
 कण, पु. अचान.

कणन, न. श्याम. पु. नागी छांडकी.  
 कत्य, वि. कोर्ष ठेकाणुं.  
 कय, ग. १. उकाणुं; पायन करुं.  
 कथन, न. उकाणुं ते.  
 कथित, वि. उकाणुं.  
 काथ, पु. दुःख; उकाणो.  
 कापि, अ. कदाचिन.  
 केत्, ग. १. ध्रुगुं.  
 क्ष, पु. राक्षस; नृसिंह; विन्शी;  
 जेत, जेतुत; नाश.  
 क्षण, उ. पक्ष, क्षण. [नेशी.  
 क्षणद, न. रतांधणापणुं; पाणी. पु.  
 क्षणदा, स्त्री. रात्रि, रात.  
 क्षणन, न. पक्ष, कतल.  
 क्षणद्युति, } स्त्री. विन्शी.  
 क्षणप्रभा, }  
 क्षणमंगुर, वि. नाशयंत, क्षणी.  
 क्षणिक, वि. क्षणमात्र रहेंनार.  
 क्षणिका, स्त्री. विन्शी.  
 क्षणिनी, स्त्री. रात्रि, रात.  
 क्षत, वि. धायल करेकुं. न. धा;  
 क्षतज, न. बोडी. [धसारे.  
 क्षति, स्त्री. नुकसान.  
 क्षत्, पु. सारथि; द्वारपाल; दासी-  
 पुत्र; भ्रष्टा; मन्थ.  
 क्षत्र, न. शरीर. पु. क्षत्रिय. [नत.  
 क्षत्रिय, पु. क्षत्रियनत, लडवैवागी  
 क्षत्रिया, -याणी, -यी, स्त्री. क्षत्रि स्त्री.  
 क्षत्, वि. क्षमाशील, शांत.  
 क्षपण, वि. निर्वृत्त.  
 क्षपणक, पु. नैनसाधु. [छिनी नन.  
 क्षपणी, स्त्री. वडाणुतुं डलेकुं; मा-  
 क्षपण्यु, पु. अपराध, दोष.

क्षपा, स्त्री. रात्रि; दुणद.  
 क्षपाकर, पु. अंद्र; कपूर.  
 क्षपाचर, क्षपाट, पु. राक्षस. [करुं.  
 क्षम्, ग. १. छ. क्षमा करणी; राहन  
 क्षम, वि. शांत. न. लावणी; लुटाई.  
 क्षमा, स्त्री. धीरन, सभूरी; पृथ्वी;  
 दुर्गा. [रिग.  
 क्षय, पु. धर; नाश; पडती; क्षय-  
 क्षयधु, पु. कारारोन, आंसी.  
 क्षयपक्ष, पु. कृष्णपक्ष, वद.  
 क्षर्, ग. १. रेडकुं; टपकुं.  
 क्षर, न. पाणी; शरीर; अज्ञान. पु.  
 क्षरण, न. टपकुं ते. [वाडण.  
 क्षरित, वि. टपकेकुं.  
 क्षरित्, पु. वर्षाक्षण.  
 क्षल्, ग. १०. धोपुं.  
 क्षांत, वि. सहनशील, शांत.  
 क्षांति, स्त्री. सहनशीलता, सभूरी.  
 क्षांतु, वि. शांत. पु. पिता.  
 क्षाम, वि. क्षीण, दुर्बल.  
 क्षार, पु. रस; गोण; काय; वृष्ण, भीहुं;  
 राप्. न. पिडवणु; सिधावणु.  
 क्षारिका, स्त्री. क्षुधा, क्षप.  
 क्षालन, न. प्रक्षालन, धोतु ते.  
 क्षालित, वि. धोपुं.  
 क्षि, ग. १. सत्ता अवावनी.  
 क्षिण, ग. ५. दु'प हेकुं.  
 क्षित, वि. नाश करेकुं. न. पक्ष.  
 क्षिति, स्त्री. पृथ्वी; धर; नुकसान;  
 क्षितिकण, पु. धूल. [प्रक्ष.  
 क्षितिज, न. दृष्टिभर्थाक्ष. पु. पृथ्वीने  
 क्षीउ; मंगवअक्ष  
 क्षितिधर, पु. पतंत

क्षितिनाथ, क्षितिप, }  
क्षितिपति, -पाल, } पु. राज.  
क्षितिभुज, -रक्षिन् }

क्षितिरह, पु. वृक्ष, आड.  
क्षितीश्वर, पु. राज.  
क्षित्वन्, पु. वायु, पवन.  
क्षिद्र, पु. सूर्य, रसिगडुं; रोग.  
क्षिप, ग. घ. द. नाभ्यु, ईंकुं.  
क्षिपक, पु. योद्धो, लडवैयो.  
क्षिपणि-णी, यु. हलेसु, लण, छ-  
थियार. [ गध. वि. मुग्धी.  
क्षिपण्यु, पु. वसंतऋतु, शरीर, मु-  
क्षिपा, स्त्री. ईंकु ते, रानि. [ ययु.  
क्षिप्त, वि. ईंकु, नाभ्ये, गांडु य  
क्षिप्र, वि. शीघ्र, जलदीधी  
क्षिब, ग. घ. ओषी उडुं  
क्षी, ग. श. भारी नाभ्युं.  
क्षीण, वि. सूक्ष्म, पातयु, उगाव.  
क्षीव(व), वि. पीधेयु, केर करेयु.  
क्षीर, उ. इध, पाष्ठी.  
क्षीरकठ, पु. आलक. [ विंगन.  
क्षीरनीर, न. इध अने पाष्ठी, आ-  
क्षीरपान, न. इधतु पान.  
क्षीरपायिन्, वि. इध पीनार.  
क्षीरशर, पु. मलार्ध.  
क्षीराब्धि, पु. इधनो समुद्र.  
क्षीराब्धिज, पु. यद्र; मोती.  
क्षीराब्धितनया, स्त्री. लक्ष्मी.  
क्षीरोद, पु. इधनो समुद्र.  
क्षु, पु. सिद्ध  
क्षुण्ण, वि. दण्डेयु, पीसेयु  
क्षुत्, स्त्री.-त, न. छींक  
क्षुद, पु. आटा, दोट.

क्षुद्र, वि. आरीक, नांतुं, अधम,  
गरीभ, उगाव. पु. चाणानी कष्ठी  
स्त्री. (द्रा) भाभी.  
क्षुच, ग. घ. भूभ्या थडु.  
क्षुघ, पु. क्षुधा, स्त्री. भूभ.  
क्षुघातं, वि. भूभधी डेरान.  
क्षुधित, वि. भूभ्यो  
क्षुप, पु. नानो छोडवो  
क्षुग्ध, पु. वलोववानी लाकडी वि  
पीधेयु. [ धुनेयु.  
क्षुभित, वि. पीधेयु, सुरसे थययु,  
क्षुमा, स्त्री. अलसी, सणु, युथीने  
क्षुर, ग. द. कापडुं [ रोपो  
क्षुर, पु. अस्तरो, पारी, आणु,  
भारलानो पायो.  
क्षुरप्र, पु. आणु, दतरडुं.  
क्षुरमर्दिन्, पु. छलम.  
क्षुरिणी, स्त्री. छलमडी.  
क्षुरिन्, पु. छलम. स्त्री. छुरी  
क्षुल, वि. नातु, उवक  
क्षुलक, वि. नातु, थोड, नीय, व  
निध, दरिद्री; पाभर, डु भी पु  
नानो सभ  
क्षुलतात, पु. नानो काडो.  
क्षेत्र, न. जेतार, जमीन, शरीर, धर,  
नगर.  
क्षेत्रज, वि. जेतारभा उत्पन्न थययु  
पु. पातानी श्रीने पारकाना वीर्यथी  
उत्पन्न थययो पुत्र  
क्षेत्रज्ञ, पु. आत्मा, ब्रह्म, प्रधान  
जेडुत, शिव वि. यतुर.  
क्षेत्रिक, पु. जेडुत, पति. वि. जे-  
तरने लगतु.

क्षेत्रिन्, पु. जेडुत, स्वाभि; आत्मा.  
 क्षेत्रिय, वि. जेतसंभंधी. पु. अ-  
 ग्राभ्य रोग; नरकर्म करनार.  
 क्षेप, पु. ईकंठुं-नाभ्युं ते; अप-  
 मान; निदा; निक्षार; भगशुभी;  
 भोक्तव्युं ते. [गाणो आपवी ते.  
 क्षेपण, न. ईकंठुं ते, वभत जेवो;  
 क्षेपणी, स्त्री. डलेसुं; माधीनी नण.  
 क्षेपिमन्, पु. अतिशयउतावण.  
 क्षेप्ट, वि. प्रकनार, नाभनार.  
 क्षेम, वि. सुभी, कुशल. उ. सखा-  
 डसंप; ठाभठेकाणुं; नक्षत्र; रक्षणु.  
 क्षेमा, स्त्री. कत्यायनी देवी.  
 क्षेमाधि, पु. मिथिलानगरनो जेक  
 भूर्यवंशी राज.  
 क्षेमिन्, वि. सखामत, सुभी.  
 क्षेम्य, वि. तंदुरस्त; सुभी. पु. शिव.  
 क्षेण्य, न. क्षीणुता; नाश.  
 क्षेत्र, न. जेतरनो नथो, जेतर.  
 क्षेत्रज्ञ, न. आत्मानुं राज.  
 क्षेत्र, न. त्वरा, उतावण.  
 क्षेत्रेय, वि. इधनु.  
 क्षोड, पु. हाथी आंधवानो भूटो.  
 क्षोणि(णी), स्त्री. पृथ्वी.  
 क्षोद, पु. बूके, सुरो, उणली.  
 क्षोदिमन्, पु. थारीकार्ठ.  
 क्षोभ, पु. उरकत, आवेश.  
 क्षोभण, वि. उरकत कर्ता. पु. काम-  
 देवना पांथ आलुमांनु जेक,  
 शिव, विष्णु.  
 क्षोभ, उ. अठारी. पु. रेशमी कापड.  
 क्षोणि(णी), स्त्री. पृथ्वी.

क्षौद्र, न. भध; पाणी; थारीकार्ठ.  
 पु. यपातुं आड; जेक वलुसंकर  
 क्षौद्रेय, न. भीणु. [लत.  
 क्षौम, उ. रेशमी कापड; अठारी.  
 न. सणुनुं कापड. वि. सुणुनुं  
 जनावेनुं. [अस्तरो.  
 क्षौर, न. डलमत. स्त्री. (री)  
 क्षौरिक, पु. डलम.  
 क्ष्मा, स्त्री. पृथ्वी.  
 क्ष्माज, पु. भंगलअड.  
 क्ष्मातल, न. भूतल.  
 क्ष्माय, ग. १. कांपुं.  
 क्ष्मील, ग. १. आंभ भीयपी.  
 क्ष्विण्ण, वि. भुक्त; तेलवाणु; नरम.  
 क्ष्वेड, वि. वांकुं; पापी. पु. अ-  
 वाण; अर.  
 क्ष्वेलिका, } स्त्री. डीडा, रमत.  
 क्ष्वेली, }  
 ख.  
 ख, णीजे व्यजन.  
 ख, न. इंद्रिय, शठेर, क्षेत्र; टीपु,  
 आकारा, देवलोक, सुभ, अथक.  
 खकुतल, पु. शिव. [पु. सूर्य, अक्षा.  
 खक्ख, ग. १. उरउ.  
 खखोल्क, पु. सूर्य [वायु.  
 खग, पु. पक्षी, गाणु, सूर्य, अड;  
 खगपति, पु. गरड.  
 खगम, पु. पक्षी.  
 खगदती, स्त्री. पृथ्वी.  
 खगेंद्र, पु. गरड.  
 खगोल, पु. गोणकार पृथ्वी.  
 खगोलविद्या, स्त्री. भगोव विद्या,  
 खचमस, पु. यद्र. [न्योतिविद्या.



खचर, पु. मेघ, वायु; राक्षस; सूर्य;  
 पक्षी; अत. वि. आकाशगामी.  
 खचित, वि. संयुक्त, भेजवेलुं.  
 खज, पु. यमयो; रवैयो.  
 खजप, न. धृत, धी.  
 खजल, न. दध, जोरस.  
 खजाक, पु. पक्षी. स्त्री. कडडी.  
 खंज(क), वि. लूला, लगरो.  
 खंजन, न. गमन. पु. पाष्णीमां र-  
 देनार अेक पक्षी.  
 खट, पु. अंधारे; कुवे; कक्ष; धार,  
 कुवाडो; डयोडी; डण.  
 खटक, पु. लत्र सांधी आपनार ड-  
 लाव; मुक्री.  
 खटिका, स्त्री. याक; डानतुं वीध.  
 खट्टा, स्त्री. पलंग; अेक नततनु धार.  
 खट्टि, पु. शवधान, सीडी (भडडु  
 लर्थ नवानी.) [सीडी.  
 खट्टिक, पु. शिकारी. स्त्री. भाटली;  
 खट्टवा, स्त्री. भाटलो; डिडोणो.  
 खट्टवांग, न. शिवतुं अस्त्र. पु. दि-  
 खट्टवांगिन, पु. शिव. [लीपरान.  
 खडिका, खडी, स्त्री. याक.  
 खड्ग, न. लोड. पु. अड्ग, तरवार;  
 जेडो; नौड्गमतनो साधु.  
 खड्गकोप, पु. भ्यान.  
 खड्गघर, पु. शस्त्रधारी.  
 खड्गारीट, पु. ढाल.  
 खड्गिक, पु. इधतुं शीलु; भाटकी.  
 खड्गिन, पु. जेडो. वि. अड्ग प  
 कडनार  
 खड्गीक, पु. कोर्तुं, दातरडु. [करवा.  
 खड, ग. १०. कटका करवा; लाग

खंड, उ. भाग; कटका; जोण; वि  
 उडुणु, काणु भीडु. [अंयु.  
 खंडकाव्य, न. गध पधवाणु काय,  
 खंडघारा, स्त्री. कातर. [तोडुं.  
 खंडन, न. कटका करवा ते; डंगो,  
 खंडनीय, वि. अडन करवालायक.  
 खंडपर्ण, पु. परशुराम; शिव; र-  
 डुअड. [नावनार.  
 खंडपाल, पु. डलवार्य, भीडार्थ अ-  
 खंडप्रलय, पु. नाश, ध्वंस; दुनी-  
 आना अेक लागनो नाश.  
 खंडशस्त्र, अ. कटका यधन.  
 खंडाली, स्त्री. तेडतुं भाप; अलि-  
 खडिक, पु. अगल. [आरी पुरयनी सी.  
 खंडित, वि. लागेणु; नाश करेणुं  
 खंडिनी, स्त्री. पृथ्वी. [गेणु.  
 खडिन, पु. नंगली अन्न. वि. लां-  
 खडीक, ग. ८. भाग करवा, लागणु  
 खडू, ग. १. भारतुं.  
 खडिका, स्त्री. शेडेणु अनाग, धाणु.  
 खदिर, पु. जेरतुं जाड; धद्र; अद्र.  
 खदिरपत्रा, } स्त्री. लणलणु, शर  
 खदिरा, } भाडि जाड.  
 खदिरसार, पु. काथो.  
 खन, ग. १. जोडणुं. [वि. जोरनार  
 खनक, पु. उडर; धर डडनार जोर  
 खनन, न. जोडणुं ते.  
 खनि, -नी, स्त्री. भाणु.  
 खनित्र, न. कोडाणी; पायडो.  
 खपुर, पु. जोपारीतुं जाड, लसणु.  
 खमणि, पु. सूर्य.  
 खर, पु. गधेडो, उणुता; राक्षसतु  
 नाम, कागडो. वि. गरम, ती-  
 डणु, धातकी.

खरकुटी, स्त्री. हजमनी हुकान.  
 खरतर, वि. अति तीक्ष्ण.  
 खरदूषण, पु. धतुरी.  
 खरध्वंसिन्, पु. राम.  
 खरालिक, पु. हजम; लोढानुं भाष्य.  
 खरांशु, पु. सूर्य.  
 खर, पु. शिव; घोटो; दांत; काम-  
 देव; शक्रेद रग. वि. सश्रेद; कूर.  
 खर्ज, ग. १. गाई करतु, भक्ति  
 करवी; हुंभ देवु. [ कीडो.  
 खर्ज, स्त्री. अन्ववाण; अन्दूरतुं आड;  
 खर्जर, पु. अन्दूरतुं आड; वीधी. न.  
 खर्जुं, अन्दूर. [भीम भागवानुं पात्र.  
 खर्पर, पु. चोर, धुताशे, कपाण,  
 खर्म, पु. पुरुषत्व; देशभी कपडुं.  
 खर्व, ग. २. ननुं; अभिमान राभनुं.  
 खर्व, न. १००००००००००, अर्पनी  
 सभ्या. पु. कुबेरनो बंडार. वि.  
 नातुं; हींगलुं.  
 खल्, ग. १. हुंनुं, ओकडुं करतुं.  
 खल, न. नमीन, स्थान, अथ पु.  
 सूर्य, धतुरातुं आड. वि. नीच.  
 कूर; हुंभ्यो.  
 खलता, स्त्री. दुष्टता, हुंभ्यार्थ  
 खलपू, पु. आडु काढनार.  
 खलि, -ली, पु. तेलनो रभरो.  
 खलिनी, स्त्री. हुंभ्याओतु टोणु  
 खलु, अ. निषेध, वाङ्मावकार, अ-  
 ज्ञासा. सांत्वन, पादपूरणु.  
 खलुज, पु. अर्थकार. [ नना  
 खलूरिका, स्त्री. कवायद शीभवानी  
 खत्या, स्त्री. हुंभ्याओतुं टोणु

खल, पु. कपडु; युक्ष; आमडु; या-  
 तकपक्षी; अल; पभाप.  
 खलाट, वि. ओडकु.  
 खश, पु. देशतुं नाम, लोकोतुं नाम.  
 खण, पु. श्रेध; अलात्कार.  
 खस, पु. पाभा, अरन.  
 खलनी स्त्री. पृथ्वी.  
 खलिक, पु. श्रेकेतुं धान्य, धाणी.  
 खाट, पु. भाटली, सीडी. (मुडधानी)  
 खाटि, स्त्री. भाटली, बिल्ह.  
 खांडव, न. धंरतु वन. पु. शेरडी.  
 खांडिक, पु. हुंभ्यार्थ, भीडाथ अ-  
 नावनार. [ जोडेवु.  
 खात, न. नातु तणाव, देवो. वि.  
 खातक, न. अर, भाडी. पु. करन  
 धर. वि. ओदनार.  
 खात्र, न. नातुं तणाव; नगव; सु-  
 तर; ओदानी. [ पाछा नभावनार.  
 खादक, वि. लक्षक, लीधेवा पैसा  
 खादन, न. लक्षणु; दांत.  
 खादित, वि. भाधेवु.  
 खादितव्य, } वि. भावावायक.  
 खाद्य, }  
 खानि, स्त्री. भाष्य.  
 खानिल, वि. धरक्षक.  
 खापगा, स्त्री. गगा नदी.  
 खारी, स्त्री. भांडी ( भाप ).  
 खार्कार, पु. गधेडातु लुंनु.  
 खिखि, स्त्री. लोंकडी.  
 खिदिर, पु. अद्र, जरीण; तपसी  
 खिद्यमान, वि. ओदयुन  
 खिद्र, पु. श्रेण, दरद  
 खिन्न, वि. हुंभी, ओदयुन

खचर, पु. भेष, वायु; राक्षस; सूर्य;  
 पक्षी; लूत. वि. आकाशगामी.  
 खचित, वि. संयुक्त, भेजवेधुं.  
 खज, पु. यमयो; रथयो.  
 खजपु, न. धृत, धी.  
 खजल, न. द्य, जोस.  
 खजाक, पु. पक्षी. स्त्री. कडली.  
 खंज(क), वि. लूला, लगरो.  
 खंजन, न. गमन. पु. पाण्डुभां र-  
 डेनार अेक पक्षी.  
 खट, पु. अधारे कवेा, कं, धार,  
 कुवारो; डथोडी; डण.  
 खटक, पु. लभ सांधी आपनार द-  
 लाड, मुझी.  
 खटिका, स्त्री. आक; जानतु वीध.  
 खट्टा, स्त्री. पलग; अेक जततु धार.  
 खट्टि, पु. शवधान, सीडी ( मडहु  
 लर्ध नवानी. ) [ सीडी.  
 खट्टिक, पु. शिकारी. स्त्री. भाटली,  
 सट्टा, स्त्री. भाटलो, डिहोयो.  
 खट्टांग, न. शिवतु अस्त्र. पु. दि-  
 खट्टांगिन, पु. शिव. [ लीपराज  
 खडिका, खडी, स्त्री. आक.  
 खड्ग, न. लोडु. पु. अड्ग, तरवार,  
 जंडो, औड्गमतनो साधु.  
 खड्गकोप, पु. भ्यान.  
 खड्गधर, पु. शसधारी.  
 खड्गारीट, पु. ढाल.  
 खड्गिक, पु. इधतु शीपु, भाटकी.  
 खड्गिन, पु. जंडो. वि. अड्ग प  
 कडनार  
 खड्गीक, पु. डोर्तुं, दातरडु. [ करवा.  
 खड, ग. १०. कटका करवा; लाग

खड, उ. लाग; कटका; जोण, वि-  
 डलु, काणु भीहुं. [ अंधु.  
 खंडकाव्य, न. गध पधवाणु काय,  
 खंडघारा, स्त्री. कात. [ तोडुं.  
 खंडन, न. कटका करवा ते, डंगो,  
 खंडनीय, वि. अडन करवावायक.  
 खंडपर्शु, पु. परशुराम; शिव; रा-  
 डुअड. [ नावनार.  
 खंडपाल, पु. डलवाध, भीकाध अ-  
 खंडमलय, पु. नाश, धवस; हुनी-  
 आना अेक लागनो नाश.  
 खंडरास्, अ. कटका थर्धन.  
 खंडाली, स्त्री. तेलतुं भाप; जलि-  
 खंडिक, पु. अजल. [ वारी पुरुषनी सा.  
 खंडित, वि. लागेधुं; नाश करेधुं  
 खंडिनी, स्त्री. पृथ्वी. [ गेधु.  
 खडिन्, पु. अंगली अस्त्र. वि. लां-  
 सडीक, ग. ८. लाग करवा, लागतुं  
 खड्, ग. १. भारतुं.  
 खदिका, स्त्री. शेडेधु अनान, धाणी.  
 खदिर, पु. भेरतुं आड; धद्र; अद्र.  
 खदिरपत्रा, स्त्री. ललगधु, शर-  
 खदिरा, } भाड आड.  
 खदिरसार, पु. काथो.  
 खन्, ग. १. जोधुं. [ वि. जोहनार  
 खनक, पु. उँदर, धर काडनार जोर.  
 खनन, न. जोधुं ते.  
 खनि, -नी, स्त्री. आणु.  
 खनित्र, न. डोदाणी; पावटो.  
 खपुर, पु. मोपारीतुं आड, लसल.  
 खमणि, पु. सूर्य.  
 खर, पु. गधेडो, उणुता; राक्षमतु  
 नाम; कागटो. वि. गरभ, ती-  
 दणु, धातडी.

खरकुटी, स्त्री. हृन्मनी हुक्षान.  
 खरतर, वि. अति तीक्ष्ण.  
 खरदूषण, पु. धतुरो.  
 खरध्वंसिन्, पु. शम.  
 खरालिक, पु. हृन्म; लोढानुं गायु.  
 खरांशु, पु. भूर्य.  
 खरु, पु. शिव; घोरो; हांत; काम-  
 देव; सङ्घे रग. वि. सङ्घे; कूर.  
 खर्ज, न. १. साङ्घे करवुं; भक्ति  
 करवी; हुःभ देवुं. [ श्रीरो.  
 खर्जु, स्त्री. भंगवाण; भल्लूरनुं आड;  
 खर्जूर, पु. भल्लूरनुं आड; चीछी. न.  
 ३पुं, भल्लूर. [भीभ भागवानुं पान.  
 खर्पर, पु. शेर; धुतारो; कपाण;  
 खर्म, पु. पुरुषत्व; रेशमी कपडुं.  
 खर्व, न. १. ननुं; अविमान राभवुं.  
 खर्व, न. १००००००००००, अर्धनी  
 संख्या. पु. कुभेरनो भंडार. वि.  
 नातुं; डींगलुं.  
 खल, न. १. धुननुं; अेकहुं करवुं.  
 खल, न. नमीन; स्थान, भव. पु.  
 भूर्य; धतुरातुं आड. वि. नीच;  
 कूर; हुञ्चो.  
 खलता, स्त्री. हुष्टा, हुञ्चार्थ.  
 खलपू, पु. आडु काठनार.  
 खलि, -ली, पु. तेलनो रगरो.  
 खलिनी, स्त्री. हुञ्चोत्तु रोणु.  
 खलु, अ. निषेध; वाक्यालकार; उ-  
 नासा; सांतवन, पादपूरणु.  
 खलुन्न, पु. अधकार. [ नगा.  
 खलुरिका, स्त्री. कयायड शीभवाणी  
 खल्या, स्त्री. हुञ्चोत्तु रोणुं.

खल, पु. कपडुं; शुक्ष; आमडुं; या-  
 तकपक्षी; भल; पभास.  
 खलवाट, वि. जोडकुं.  
 खल, पु. देशनुं नाम; लोकोनुं नाम.  
 खण्ण, पु. शोध; अकारकार.  
 खस, पु. पाभा, भरन.  
 खस्तनी स्त्री. पृथ्वी.  
 खजिक, पु. शेकेतुं धान्य, धाणु.  
 खाट, पु. भाटली; सीडी. (मुठ्ठानी)  
 खाटे, स्त्री. भाटली; बिल्ह.  
 खांडव, न. धंद्रुं वन. पु. शेरडी.  
 खांडिक, पु. हलवार्थ, भीकाध न-  
 नावनार. [ जोडेकुं.  
 खात, न. नातुं तणाव; कूयो. वि.  
 खातक, न. खर, भाडी. पु. करन-  
 दार. वि. जोडनार.  
 खात्र, न. नातुं तणाव; नंगल; शु-  
 तर; कोडाणी. [ पाछा नआपनार.  
 खादक, वि. लक्षक; क्षीधेला पैसा  
 खादन, न. लक्षणु; हांत.  
 खादित, वि. भाषितुं.  
 खादितव्य, } वि. भावावायक.  
 खाद्य, }  
 खानि, स्त्री. भाणु.  
 खानिल, वि. धरकाडु.  
 खापगा, स्त्री. जंगा नदी.  
 खारी, स्त्री. भांडी (भाप).  
 खाकार, पु. गधेडातुं लुंकेतुं.  
 खिचि, स्त्री. लोंकडी.  
 खिदिर, पु. खद्र; गरीण; तपसी.  
 खिद्यमान, वि. जेधुयन  
 खिद्र, पु. रोग, दरद.  
 खिन्न, वि. हुःभी, जेधुयन.

गद्, ग. १. ओलवुं. [शिंग.  
 गद्, न. अर. पु. वाचा; वाक्य;  
 गदयित्, पु. कामदेव. वि. विपथी.  
 गदा, स्त्री. सोटा, लाङ्गी.  
 गदाप्रज, -घर, -भृत्, पु. विष्णु.  
 गदित, वि. कहेलुं.  
 गदिन्, पु. विष्णु. वि. शैली.  
 गद्रद, वि. लरार्थ आवेकुं; इंधार्थ  
 गयकुं. [कनो अस्पष्ट अवाण.  
 गद्रदध्वनि, पु. इषं अथवा शो-  
 गद्य, वि. आवेकुं. न. गद्य, सादीलापा.  
 गद्यानक, पु. गदियाणो, अेक वजन.  
 गन्तव्य, वि. नवासायक.  
 गन्तु, वि. ननार.  
 गन्तु, पु. मुसाइर, प्रवासी.  
 गञ्जो, स्त्री. अणदनी गाडी.  
 गञ्जारथ, पु. शकट, गाडी.  
 गं, ग. १०. धन करनी; शणुगा-  
 रकुं; भागकुं. [अभिमान; सगपणु.  
 गंध, पु. वास; गंधक; धसेकुं शुभड;  
 गंधक, पु. गंधक.  
 गंधकारिका, स्त्री. पारक्ष धरभां र-  
 देही पणु तेनी ताभेदर नही  
 अेनी श्री. [सिनी भा.  
 गंधकालिका, स्त्री. सत्यवती, वेद व्या-  
 गंधकुटी, स्त्री. अेक मुगंधी श्रीग.  
 गंधचेलिका, स्त्री. करदूरी.  
 गंधजात, न. तेजपत्र.  
 गंधधूलि, स्त्री. करदूरी.  
 गंधनकुल, पु. करदूरीओ उंदर.  
 गंधपलाशिका, स्त्री. उणद.  
 गंधपापाण, पु. गंधक.  
 गंधपुष्पा, स्त्री. नगी.

गंधमातृ, स्त्री. पृथ्वी.  
 गंधमादन, वि. सुगंधथी लरेकुं. पु  
 लभरो; गंधक. उ. अेक पर्वत.  
 स्त्री. (मी) अेक लतनेा दार.  
 गंधमादिनी, स्त्री. लाशा, लाभ.  
 गंधमैधुन, पु. अणद.  
 गंधरस, पु. हीराणोण.  
 गंधराज, न. अंन; अेक मुगंधी.  
 गंधर्व, पु. स्वर्गनेा गवेयो; घोरो;  
 करदूरीओामृग; सूर्य.  
 गंधर्वविद्या, स्त्री. गायनविद्या.  
 गंधर्वविवाह, पु. आठ विवाहभां-  
 गंधाश्मन्, पु. गंधक. [दिलो अेक.  
 गंधाढ्य, वि. अति सुगंधी. पु. ना-  
 रणीनु आठ. न. शुभड.  
 गंधार, पु. अेक देश. [श्रीने.  
 गंधाष्टक, न. आठ लतनी सुगंधी  
 गधिन्, पु. भाकणु. वि. सुगंधीवाणु.  
 गंधोत्तमा, स्त्री. दार.  
 गंधाली, स्त्री. अमर.  
 गंधालीगर्भ, पु. नानी अेलथी.  
 गंधोली, स्त्री. अमर; थुं.  
 गमस्ती, पु. सूर्य यु. किरणु. स्त्री.  
 स्वाहा, अग्निनी स्त्री.  
 गमस्तिकर, -मत्, -हस्त, पु. सूर्य.  
 गभीर, वि. उंडु; गीय; गंधीर; थुपुं.  
 गर्भारिका, स्त्री. ओडुं टोल [गदन.  
 गमोलिक, पु. भभुरनी दाल; गेण  
 गम्, ग. १. अणुं. [तडीओ.  
 गम, पु. गमन; रस्तो; श्रीसंग.  
 गमय, पु. मुसाइर; रस्तो.  
 गमन, न. अणुं ते; श्रीसंग.  
 गमिन्, पु. मुसाइर. वि. ननार.

गंभारी, स्त्री. ऐकं आठ.  
 गंभीर, वि. गभीर लुब्धो. पु. क-  
 भव; लींशुनी ऐकं न्तत.  
 गंभीरता, स्त्री. गंभीराद्य; उंटाद्यु.  
 गम्य, वि. भेजववासायक; न्वासा-  
 यक. पु. यार, आशक. स्त्री. (म्या)  
 वेश्या, छिनात्.  
 गय, पु. ऐकं दैत्य; पैसा; कुटुंब;  
 संतान; आकाश. स्त्री. (या) गया  
 नगरी. [ग्युं ते.  
 गर, पु. शैव; अर. स्त्री. (रा) गणी  
 गरल, न. अर; सापतुं अर; धार-  
 गरलिन, वि. अरी. [ने भाशे.  
 गरित, वि. अर दीधेयुं.  
 गरिष्ठ, } वि. भारी, पन्ननदार;  
 गरीयत्, } अगत्यतुं.  
 गरुड, पु. गरुड पक्षी.  
 गरुडध्वज, पु. विष्णु.  
 गरुडव्यूह, पु. सेनानी ऐकं रचना.  
 गरुडाग्रज, पु. अग्रज, सूर्यने सारथी.  
 गरुडाद्गमन, पु. भरकतभण्डि, पातुं.  
 गरुत, पु. पक्षीनी पांभ.  
 गर्ग, पु. गर्गभुनि, ब्रह्माने ऐकं  
 पुत्र, अण्ड; वातने ऐकं ताल.  
 गर्गर, पु. पाणीभां यता वभल;  
 ऐकं भाषणी; वसोष्ठी.  
 गर्ज, ग. १, १०. गर्जंतुं. [गर्जना.  
 गर्ज, पु. छाथीने शब्द; वादणनी  
 गर्जन, न. } गर्जना; युस्सेा; ल-  
 गर्जना, स्त्री. } डार्ड; ढपके.  
 गर्जर, न. गान्तर.  
 गर्जि, पु. वादणने अवाज.  
 गर्जित, वि. गर्जंतु. पु. मस्तान  
 छाथी. उ. वादणनी गर्जना.

गर्त, त्रि. युक्ता; उग्रर. पु. पंजणने।  
 ऐकं भाग; ऐकं शैव; रथ; राज-  
 गर्तिका, स्त्री. वलुकरीनी दुकान. [गादी.  
 गर्दभ, पु. गधेरो; गंध, वारा. न.  
 सहेत कभल. स्त्री. (मी) गधेरी.  
 गर्दभाह्वय, न. सहेत कभल.  
 गर्दभिका, स्त्री. शैली, शुभरो.  
 गर्ध, पु. धंछा, भरल.  
 गर्धन, वि. लालयु; भूप्यो.  
 गर्धिन, वि. लोभी; आतुर.  
 गर्भ, पु. गर्भस्थान, पेट; उभेत्त,  
 गले; कोष्ठपणु स्त्रीने मध्यभाग;  
 अंतपुर. [ने ऐकं द्विवसनो वभत.  
 गर्भक, पु. इतनी वेष्ठी. न. वे रात अ-  
 गर्भकोष, पु. गर्भाशय.  
 गर्भदासी, स्त्री. नन्मधीन दासी.  
 गर्भमंडप, पु. सुवाने आरठो.  
 गर्भशय्या, स्त्री. सुवावडने भाटलो.  
 गर्भच्छाव, पु. गर्भतुं पडी न्नुं ते.  
 गर्भाशय, पु. गर्भस्थान, कभल.  
 गर्भिणी, स्त्री. गर्भवती स्त्री.  
 गर्भिण्यवेषण, न. सुयागुीतुं काम.  
 गर्भुत्, स्त्री. ऐकं न्ततनुं धार; शोतुं.  
 गर्व, ग. १. गइरी राजवी.  
 गर्व, पु. अहंकार, अभिमान.  
 गर्वित, वि. अभिमानी, भगइय.  
 गर्ह, ग. १, १०. ढपके आपयो.  
 गर्हण, न. निंदा, तिरस्कार,  
 गर्हणीय, वि. निंदा, तिरस्कार क-  
 गर्हा, स्त्री. निंदा. [रवालायक.  
 गर्ह्य, वि. अपराधी, दोषी; निंदा.  
 गल, ग. १. गणतु, ढपकेतुं.  
 गल, पु. गरदन, दोडी; दोरतुं.

गलकंचल, उ. गायदेरने टोटो.  
 गलन, न. नरभकरतुं ते; टपकतुं ते.  
 गलस्तनी, स्त्री. अकरी. [जद.  
 गलि, पु. भणभूत पणु आणमु अ-  
 गलित, वि. पतित; गणतुं.  
 गलितकुष्ट, न. मडाव्याधी; डोडोड.  
 गल्म, वि. अडादुर; अडंकारी.  
 गल्ल, पु. गात्र, इअसार.  
 गल्वकं, पु. दाइ पीवानुं वासणु;  
 काय, भिवोर.  
 गवय, पु. लंगडी अणद. [सीगडं.  
 गवल, पु. लंगडी पाडे. न. लंसतुं  
 गवाक्ष, पु. वातायन. आरी.  
 गवादन, न. धासतुं भीड.  
 गवालुक, पु. लंगडी अणद.  
 गवी, स्त्री. गाय; वाणी.  
 गवेडु, पु. वाध.  
 गवेदक, न. गेर.  
 गवेण(णा), द्वे. तपास. शोध.  
 गवेपित, वि. तपासेतुं, गोधेतुं.  
 गव्य, वि. गायदेरने लगतुं. न. देर-  
 तुं गोवाणुं. धितुं टोणुं; वे गाड.  
 गव्या, स्त्री. धनुष्यनी होरी; गा-  
 गव्यूत, न. वे गाडतुं उडुं.  
 गहन, वि. उडुं; अजभ्य; अभीर.  
 न. उडाणु; लंगत; दुःअ; पाणी.  
 गहर, न. चुक्ष; आडी; धूपावानी  
 आगा; पाणी. पु. कुंन, मंडप.  
 गहरी, स्त्री. चुक्ष. [रथी; आतुं.  
 गा, म. १, २, ३. लतुं; वणालु क-  
 गा, स्त्री. गीत; कथा; प्रसेसा.  
 गांग, वि. नंनाभांगी वेदा गणु.  
 पु. भीभ; कर्तिकस्वामि.

गांगायनि, पु. गंगापुर, भीभ अ-  
 थवा कर्तिकस्वामि.  
 गांगेय, न. शेनुं. पु. भीभ; कर्ति-  
 कस्वामि. पु. गंगातुं.  
 गाजर, न. गाजर कंद.  
 गाडय, पु. वाएण, मेध. [वृत्.  
 गाढ, वि. भीशाभीय, गाढ; गण-  
 गाढमुष्टि, पु. तरवार. वि. इणुरा,  
 मुठी वाणेतुं.  
 गाणपत, वि. गेनातुं; गणुपतितुं.  
 गाणपत्य, पु. गणुपतिनो उपासक.  
 न. गणुपतिनी भद्रि. [धनुष्य.  
 गांडि(डो)व, उ. अणुतुं धनुष्य;  
 गातु, पु. डोयत; अदेयो; गीत, अमने  
 गात्र, न. शरीर, देड; शरीरना अ-  
 वयव. स्त्री. (या) गृथी.  
 गाघ, पु. गीत, आणुं.  
 गाथा, स्त्री. श्लोक; प्राकृत भाषा.  
 गीत; वृत्त, ढाण.  
 गाथिक, पु. अदेयो.  
 गात्र, म. १. रडेतुं, डोकातुं.  
 गाघ, न. स्थान; देवानी उअध.  
 मरळ. वि. उडुं नदी ते, छावतुं.  
 गाधि, पु. विश्वामित्रनो आग, जेक  
 गाधिपुर, न. कनोण देश. [राज.  
 गाधिपुर, } पु. विश्वामित्र अवि.  
 गाधेय, }  
 गान, न. आतुं ते; गीत, अराण.  
 गांतु, पु. मुभाःर; अदेयो.  
 गांत्री, स्त्री. अणदनी आरी.  
 गांदिनी, स्त्री. नंना; अकरनी भा.  
 गांदिनीसुत, पु. भीभ; अकर.

गांधर्व, पु. गर्वयो; गांधर्वलक्ष्म. न.  
गर्वयानु काम. [या वगर परखे ते.  
गांधर्वविवाह, पु. वरकन्या कांठ कि-  
गांधार, पु. सप्त सुरभानुं त्रीशुं (ग);  
कंदहार देश.  
गांधारी, स्त्री. धृतराष्ट्रणी पत्नी.  
गांधिक, पु. गांधी; वेपक, कार-  
हुन. न. मुगधी स्त्री.  
गामिन, वि. गमनशील, ननार.  
गामुक, वि. गन्ता, ननार.  
गाय, पु. गायन, गीत. [करनार.  
गायक, पु. गर्वयो, गानार; नाटक  
गायत्री, स्त्री. गायत्री, २४ अक्षरणी  
वेदनी ऐक कविता, ब्राह्मणे सं-  
ध्या करती वभते ऐनो पाठ करेछे.  
गारित्र, पु. बोभा, लांत.  
गारुड, उ. पानुं (२ल); सेानुं; अर उतार-  
वानो भंन; सेनानी ऐक रचना.  
गारुमत, न. पानुं (२ल). वि. ग-  
इना आकारुं.  
गार्ह्य, न. स्पृहा, छंछा. [द्य.  
गार्भिण्य, न. अर्लणी स्त्रीऐनो समु-  
गालव, पु. ऐक मुनि.  
गालि, स्त्री. गाल, अपशब्द.  
गालित, वि. गणुं, टपकुं.  
गालोच्च, न. कभलनां थीन.  
गार्वा, पु. गाम.  
गाह, न. १. दुषकी भारणी.  
गिंदुक, पु. रभवानो दंडो.  
गिर, स्त्री. वाया, वाणी; प्रशंसा.  
गिरण, न. ओगाणी नुं ते.  
गिरा, स्त्री. वाणी, वाया.

गिरि, पु. पर्वत, दुंगर. [आड.  
गिरिकदंब, पु. ऐक नतना कडणुं  
गिरिज, न. शिलाछत; गेड; अ-  
गरण; बोभान. वि. पर्वत उपर  
नभेनुं.  
गिरिजा, स्त्री. पार्वती; अंबेक्षीनुं आड.  
गिरिजामल, न. अग्रण.  
गिरित्र, पु. शिव.  
गिरिघातु, पु. गेड, लाल भारी.  
गिरिपुष्पक, न. शिलाछत; नभतेड.  
गिरिपृष्ठ, पु. पर्वतनी द्यंय.  
गिरिभू, वि. पर्वतभां उत्पन्न थ-  
युं. स्त्री. गंगा; पार्वती.  
गिरिमल्लिका, स्त्री. धंद्रणवनुं आड.  
गिरि(री)यक, } पु. रभवानो दंडो.  
गिरियाक, }  
गिरिदा, पु. शिव. [र्वत.  
गिरिसार, पु. बोहुं; दीन; भलयप-  
गिरिसुता, स्त्री. पार्वती.  
गिरीश, पु. शिव.  
गिल, पु. ऐकनतनां लींथु. वि.  
ओगाणी नुं. [सवार.  
गिलगिल, -ब्राह, पु. भगरभन्ध, सो-  
गिण्यु, पु. गायक; सामवेद गानार  
ब्राह्मण. [कडेनुं.  
गीत, न. गीत, गायन. वि. गायकु;  
गीतमोदिन, पु. दिनर.  
गीता, स्त्री. रागगीता, शिवगीता,  
भगवद्गीता; पद्य मुष्यत्वे करीने  
भगवद्गीता  
गीति, स्त्री. गान, गायन; ऐक छं.  
गीरथ, पु. भृङ्गस्पति.  
गीर्ण, वि. वभाणुं.



गोर्वाण, पु. देव, देवता.  
 गोर्वाणकुसुम, न. लवंग.  
 गीष्पति, पु. भृङ्गस्पति.  
 गु, ग. ६. आडे इरुं, उगुं.  
 गु, पु. विद्या, नरक.  
 गुग्गुलु(लु), पु. शुग्गल.  
 गुच्छ, पु. शुग्गो; कूलनो डार; मो-  
 तीनी भावा; मोरपंभ.  
 गुच्छपत्र, पु. ताडतुं आड.  
 गुच्छफल, पु. द्राभ; डेणतुं आड.  
 गुज, गुंज, ग. १. गलुगलुतुं.  
 गुंज, पु. गलुगलुतुं ते; कूलनो तोरो.  
 गुंजन, न. आरीक अधान; गलुगलुत.  
 गुंजा, स्त्री. गुंज, यलोडी; नगारे;  
 अक जेरी रोपि.  
 गुंजिका, स्त्री. गुंज, यलोडी.  
 गुंजित, न. गलुगलुत.  
 गुटिका, स्त्री. गोणी, लभोटी; मोती.  
 गुड, पु. गोण, शेरडीनो शीरो; क-  
 क्धी; गोण, वरुंल; कपासतुं आड.  
 गुडक, पु. गोणमां राधेवी दवा. न.  
 गुडवृण, न. शेरडी. [ गोण, कक्धी.  
 गुडल, न. रभ दाउ. ( Runr )  
 गुडा, स्त्री. कपासतुं आड; गोणी, शु-  
 गुडाका, स्त्री. निद्रा; अस्ती. [टिका.  
 गुडाकेश, पु. शिव; अर्जुन.  
 गुडु(डू)ची, स्त्री. गणो.  
 गुडेर, पु. दरो; आस, होजियो.  
 गुण, ग. १०. सलाड आपवी; शु-  
 लुतुं; भोलावतुं. [भलाड; होरड.  
 गुण, पु. शुणु, आशीअत; सद्गुणु;  
 गुणक, पु. शुणुनार; दीसाभ करनार.  
 गुणकार, पु. श्रीभसेन.

गुणगान, न. प्रशसा, वभालु.  
 गुणगृधु, वि. सद्गुणुने याडनार.  
 गुणघातिन, वि. निदक, निदा करनार.  
 गुणह, वि. शुणु नालुनार, कडरेदान.  
 गुणता, स्त्री. सद्दवर्तन; शुणुकार.  
 गुणत्रय, न. सत्व, रज्ज अने तम  
 गुणन, न. शुणुकार. [अि तलु शुणु.  
 गुणनिका, स्त्री. अथ्यास; नृत्य,  
 नाय; भासा; नाटकनो आरंभ.  
 गुणनिधि, पु. शुणुनो लंडार.  
 गुणनीय, न. शुणुयांक, शुणुय. पु.  
 अथ्यास. वि. शुणुवातुं.  
 गुणपदी, स्त्री. पातला पगवाणी स्त्री.  
 गुणमंश, पु. शुणुनो नाश.  
 गुणमय, वि. शुणुवान.  
 गुणमहत्, न. उरभ सद्गुणु.  
 गुणलक्षण, न. सुवक्षणु.  
 गुणलयनिका, } स्त्री. तंशु.  
 गुणलयनी, }  
 गुणलुब्ध, वि. वभालुवावायक.  
 गुणवत्, वि. शुणुवान.  
 गुणवृक्ष, पु. वडालु अथवा भडो  
 आंधी राणवानो भूटो.  
 गुणसागर, पु. शुणुनो ससुद्र; अद्रा.  
 गुणा, स्त्री. दुर्वा, दर्भ.  
 गुणाकर, पु. शुणुनी भालु; शिव.  
 गुणागुण, पु. शुणुहोप.  
 गुणार्तात, वि. निर्गुणु. पु. अद्र.  
 गुणान्वित, वि. शुणुनी, शुणुवान.  
 गुणापवाद, पु. पारकानी निदा.  
 गुणाधय, वि. सद्गुणुनी.  
 गुणिका, स्त्री. शुभडुं, होउो.  
 गुणित, वि. शुणुतुं.

गुणिनी, स्त्री. धनुष्य.  
 गुणेश्वर, पु. ब्रह्म; चित्रकूटपर्वत.  
 गुणोत्कीर्तन, न. शुष्कयन, प्रशंसा.  
 गुंद्, ग. १०. घेरुं; संताडुं.  
 गुंठन, न. संताडुं ते. [दणुं ते.  
 गुंड, पु. अेक नतनुं शुग्धी धास;  
 गुंडक, पु. धूण; बूडे; जीष्ठा स्वर;  
 तेलुं वाराणु; धीमे अवाण.  
 गुंडिक, पु. आटो, लोट.  
 गुत्स, पु. पूर्वो तोरो; डार.  
 गुद्, ग. १. रभुं.  
 गुद, न. शुदा, गांड.  
 गुदकील(क), पु. अरी, डरस.  
 गुव, ग. ४. चीटुं, लोेटुं. ग. ९.  
 शुस्से थुं. ग. १. रभुं.  
 गुघेर, वि. रक्षक.  
 गुंदा(द्रा)ल, पु. आतकैपक्षी.  
 गुंद्, ग. १०. सुवुं.  
 गुंद्, पु. अेक नतनुं धास  
 गुप्, ग. १. रक्षणु करुं.  
 गुपिल, पु. रान; रक्षणु करनार.  
 गुप्त, वि. रक्षणु करेकुं; संताडेकुं,  
 गुप्त. पु. वैश्यनतीना नामने अो-  
 णभवानी निशानी, नेभके, यद्र-  
 गुप्तगति, पु. नमुस. [शुभ वगेरे.  
 गुप्ति, स्त्री. रक्षणु; लोयक; सताडुं  
 ते; डेदभां; अटकाव.  
 गुंफ, पु. आणुबंध; मूछ, गोडवुं ते.  
 गुंफित, वि. गांडेकुं, पांधेकुं.  
 गुर्, ग. ६. डेशेश करवी. ग. ४.  
 गुरण, न. यल, डेशेश. [धन करवी.  
 गुरु, वि. वणनदार, भारी; मोडुं;  
 लांथुं; अगत्युं, श्रीमती. पु. पाप;

वडवो; गुरु, शिक्षक; देवगुरु मूछ-  
 गुरुकार, पु. लक्षित. [स्पति.  
 गुरुम, पु. सहेद राध.  
 गुरुजन, पु. वडील.  
 गुरुत्व, न. } मोटाई; भार, जेाले;  
 गुरता, स्त्री. } कष्ट.  
 गुरुम, न. धनुष्य; भीनराशि.  
 गुर्जर, पु. गूररात; गूररातनेा  
 गुर्विणी, स्त्री. गर्भवती श्री. [रहेवासी.  
 गुर्वा, स्त्री. गुरुपत्नी; गर्भवती श्री.  
 गुल, पु. गुड, गोण. स्त्री. (ली)  
 गुटिका, गोणी; शीतला, सहीअड.  
 गुलिका, स्त्री. दरो; मोती.  
 गुलिक, पु. चकली.  
 गुलुंछ, पु. वाणनेा गुच्छे, लुलुं.  
 गुल्फ, पु. पगनी धुटी.  
 गुल्म, उ. आडी; ८ डाधी, ८ रथ,  
 २७ घोडा, अने ४५ पायडण अे-  
 टली सेना; डिल्लो. स्त्री. (लमी)  
 गुल्ममूल, न. आहु. [तंथु; आडी.  
 गुल्य, पु. मधुरता.  
 गुवाक, पु. सोपारीनुं आड.  
 गुह, ग. १. शुभ राभुं, संताडुं.  
 गुह, पु. कार्तिकस्वामि; घोरो.  
 गुहा, स्त्री. युका; आटो, अकल, युद्धि.  
 गुहाशय, पु. उंदर; रिड; वाध; अल,  
 गुहिन, न. वन, वंगल. [परमात्मा.  
 गुहिल, न. धन, दोलत.  
 गुह्य, न. छुपो अेद; उत्पत्तिनी धद्रि;  
 गुदा, गांड. पु. विष्णु; कायवो.  
 वि. रडस्य, जानगी, धूपुं.  
 गुह्यक, पु. कुगेरना आकर देव.  
 गु, पु. विधा, नरक.

गूढ, न. रहस्य, गुह्य; अज्ञातगण;  
 छूपा लेट. वि. छूपायलुं; ठांकेतुं;  
 छूतुं, आनगी.  
 गूढचार-चारिण, पु. लसुस.  
 गूढपथ, उ. अंतःकरण, दीप्त; छूपा  
 गूढपाद, पु. सर्प. [रस्तौ.  
 गूढमार्ग, लोपत्रं. सुरंग.  
 गूढमैथुन, पु. कागडो.  
 गूढांग, पु. ध्वजो.  
 गूढांग्रि, पु. सर्प, साप. [धयलो पुत्र-  
 गूढोत्पन्न, पु. व्यभिचारथी उत्पन्न  
 गूय, पु. विष्ठा, नरक.  
 गूढं, ग. १. कुडको भारवो, रभतुं.  
 गूढं, पु. कुडको.  
 गू, ग. १. छांटतुं, लीजवतुं.  
 गूज, } ग. १. गर्जना करपी.  
 गूज, }  
 गूजन, न. उरथी भारेता पशुतुं  
 भांस; गांले; गाजर; सवगभ  
 कांठो. [शीआर.  
 गूत्स, पु. कामदेव. वि. यतुर, छु-  
 गूधु, पु. कामदेव. वि. अलिनापी.  
 गूधु, वि. लोली, दावयु.  
 गूधय, न. } अलिवाप, धंछा.  
 गूध्या, स्त्री. }  
 गूध्र, वि. लोली. पु. गीधपक्षी.  
 गूध्रराज, पु. जटायु पक्षी.  
 गूध्र, न. धर. [पु. डुकर, सुकर.  
 गूध्रि, स्त्री. अकवभत व्यापली गाय.  
 गूध, न. धर, रडेहायु.  
 गूधकपोत, पु. पाजेतुं कभूतर.  
 गूधपति, पु. गूधस्थ; भंजी.  
 गूधपाल, पु. धरनो रणेवाल; कुनो.  
 गूधवलिभुज, पु. यकली; कागडो.

गूहमणि, पु. दीवो. [श्रीडियुं.  
 गूहमाचिका, स्त्री. वागयुं, आभा-  
 गूहमेधिन, पु. गूधस्थ, धरनो भावीक.  
 गूहस्थ, पु. आल-अभ्यांवाणो पुरष.  
 गूहा, पु. धर. स्त्री. स्त्री, पत्नी.  
 गूहागत, पु. भेडेमान, परेशो.  
 गूहायनिक, पु. गूधस्थ.  
 गूहाशया, स्त्री. पाननी वेव.  
 गूहाश्मन, पु. छीपर, शल्या.  
 गूहिणी, स्त्री. लार्थो, स्त्री. [भावेक.  
 गूहिन, पु. लरधार, पति; धरनो  
 गूहीत, वि. भेजवेतुं; पकडेतुं; अकडु  
 करेतुं; चारेतु.  
 गूहीतव्य, वि. लेवालायक.  
 गूहा, स्त्री. शहरेनी पासेतुं गाभडं.  
 गेप्, ग. १. कांपतुं, धुजतुं.  
 गेय, न. गीत, गायन. वि. गावालायक.  
 गेप्, ग. १. शोधतुं.  
 गेह, न. गूध, धर.  
 गेहिन, वि. गूधस्थी.  
 गे, ग. १. गातुं.  
 गैरिक, न. सोतुं. उ. गेड.  
 गो, पु. आकाश; भाग; किरण प-  
 ल; स्वर्ग, दीरो. स्त्री. गाय; आ-  
 भ, आणु, दिशा; वाणी; सरस्व-  
 ती; पृथ्वी. पु. अणक; सूर्य; अद्र; धर.  
 गोकर्ण, पु. अक तीर्थ; गायना लेश  
 कान, अयर; वेडत, लीवर.  
 गोकिल, } पु. डण; मुसल.  
 गोकील, }  
 गोकुल, न. गायेतुं टाणुं. यमुना न-  
 दी किनारे आवेतुं अक शहरे.  
 गोकुल, न. छान, गाभर.

गोवा, स्त्री. नभः; भीलो.  
 गोवृष्टि, स्त्री. प्रथम व्यापकी गाय.  
 गोगोयुग, न. अण्डनी जेड.  
 गोगोष्ठ, न. गाय बांधवानी जगा,  
 गौशाणा.  
 गोघ्रांथि, पु. सूक्त छाणु; गौशाणा.  
 गोघ्न, पु. अतिथि, परेशना. वि. गा-  
 यने मारनार. [जगा; दृष्टिभर्थादा.  
 गोचर, पु. धर; डेरना आरानी  
 गोचर्मन्, न. गायतुं आभडुं.  
 गोछाल, पु. डवेवी.  
 गोजर, पु. वृद्ध अण्ड.  
 गोडुंच, पु. तरभूज, अरभूज.  
 गोणी, स्त्री. डोथली; लुतुं कपडुं.  
 गोड, पु. अडार नीकणी आवेवी  
 नाबिवाणुं भाखुस. [अेक मुनि.  
 गोतम, पु. न्यायशास्त्र बनानार  
 गोतमी, स्त्री. गोतमपत्नी, अडव्या.  
 गोतल्लज, पु. उत्तम अण्ड अ-  
 थवा गाय.  
 गोत्र, न. वाडो; वश, नाम, संसा;  
 भीड; वधाशो; जगल, जेतर. २-  
 स्तो; होलत; छत्री; अविध्यनुं ज्ञान,  
 लत. पु. पर्वत. स्त्री. (त्रा) पृथ्वी.  
 गोत्रभृत्, पु. ईद्र. [रनार.  
 गोद्, पु. मजळ. वि. गौदान क  
 गोदंत, वि. अअतर चेडेरेलुं न.  
 गोदारण, न. डण; डोडाणी. [डरताव.  
 गोदावरी, स्त्री. अेक तडी.  
 गोद्रच, पु. गोभुत्र. [अष्टीवाणु तीर  
 गोघन, न. गाथेनु टोणु. पु. पडोणी  
 गोघा, स्त्री. धनुष्यपी हाथतुं रक्षणु  
 करवाभाटे पडेरवाभां आवतुं आ-  
 मडानुं मेळुं; मजरमञ्छ.

गोधि, पु. कपाल, लसाट; मजरमञ्छ.  
 गोधु(धूम), पु. धडं.  
 गोधु(धूम)चूर्ण, न. धडंनो आटो.  
 गोधूली, स्त्री. संध्याने समय.  
 गोधेनु, स्त्री. इधं आपती गाय.  
 गोध्र, पु. पर्वत.  
 गोनेंदी, स्त्री. सारस पक्षीनी भावा.  
 गोनेर्द, पु. सारस पक्षी.  
 गोनेर्दाय, पु. पानजलमुनि.  
 गोनेस, पु. अेक सर्प; अेक मणि.  
 गोनाथ, पु. अण्ड; गोवाण.  
 गोप, पु. गोवाल; राजत; रक्षक.  
 गोपकन्या, स्त्री. गोवालनी पुत्री.  
 गोपति, पु. शिव; अण्ड; सूर्य; ईद्र;  
 राज; पशु.  
 गोपन, न. आञ्छादन; रक्षणु; तेज,  
 अमक, गाथो आपती ते; अहेणार्थ.  
 गोपा, पु. रक्षक, गोवाल.  
 गोपानसी, स्त्री. भाशेटियुं.  
 गोपायक, वि. रक्षणुकर्ता.  
 गोपायित, वि. रक्षणु करेणु. [पुत्र.  
 गोपाल, पु. गोवाल; राज; नंदनो  
 गोपालिका, स्त्री. गोवावणु.  
 गोपिका, स्त्री. गोपी, गोवालणु.  
 गोपित, वि. रक्षित; पाळीत.  
 गोपी, स्त्री. गोवालणु, गोपी.  
 गोपीथ, पु. रक्षणु. न. तीर्थनी जगा.  
 गोपुर, न. मुख्य दरवाजे.  
 गोपुरीय, पु. छाणु.  
 गोप्रचार, पु. धार-आरानी जगा.  
 गोमृ, पु. विष्णु. वि. रक्षणुकर्ता;  
 सताउनार. [पु. दाग, दासीपुत्र.  
 गोप्य, वि. छुपावनावायक; रक्षणुयोग्य.

गोप्याधि, पु. अनामत राभेक्षी रकम.  
 गोमुञ्ज, पु. राज.  
 गोभृत्, पु. पर्वत.  
 गोमतल्लिका, ख्रि. सारी गाय.  
 गोमती, स्त्री. गोमती नदी.  
 गोमायु, पु. अंधर; शिवालय; देडके.  
 गोमिल, पु. अेक मुनि.  
 गोमुख, पु. मगरमच्छ. न. बाकु मु-  
 कुं आधेदु धर. ख्रि. (स्त्री) गौमुष्पी.  
 गोमेद, पु. गोमेदनामभुं रत्न.  
 गोमेध, पु. अेक धर.  
 गोरेण, न. उधम.  
 गोरेच, न. केशर; कुं.  
 गोरेस, उ. दूध. दर्डी अने छार.  
 गोराटी, स्त्री. शारिका, मेना.  
 गोस्त, न. अे जाड.  
 गोरोच, न. उरताण.  
 गोरोचना, स्त्री. गायना भाथाभांथी  
 नीकणती पीली खीर.  
 गोर्द, पु. मगळ. [धवने पुत्र.  
 गोल, पु. गोल, ०, अक, कुडाणुं; वि-  
 गोला, स्त्री. वाकडाने दडे, शां; सप्पी, दुर्गा; गोदावरी नदी.  
 गोवर्धन, पु. गोवर्धन पर्वत.  
 गोवर्धनधर, पु. कृष्ण.  
 गोवशा, स्त्री. वांअळी गाय.  
 गोवासन, वि. अणना आमडाथी  
 गोविंद, पु. श्रीकृष्ण. [दंडेधुं.  
 गोशरत्, न. छाणु.  
 गोशीर्ष, उ. अेक नतनुं अंन.  
 गोष्ट, न. गोमाला, गाय आंधवानुं  
 गोष्ट्रध, वि. निदक.डिकाणुं. पु. सभा.  
 गोष्ठी, स्त्री. मस, नडली; नाटकविद्या

गोष्पद, न. गायनुं पग; नभीन उ-  
 पर पडेकुं गायना पगनुं विद.  
 गोस, पु. प्रभात; श्रीधम क्रस.  
 गोसंख्य, पु. गोवाण. [रती भावा.  
 गोस्तन, पु. गायना अंअत; ४ स-  
 गोस्तना, -नी, स्त्री. द्राअने अुमभे.  
 गोह, पु. धर; छपावानी नना  
 गोहत्या, स्त्री. गोवध.  
 गोहित, वि. गाय पाणनर.  
 गोहिर, न. पमनी अेडी.  
 गौ, पु. गाय, अणत.  
 गौजिक, पु. सेनी.  
 गौड, पु. अेक देश. [रम दार (Bum)  
 गौडिक, वि. गोणनुं. पु. रोडी. न.  
 गोडी, स्त्री. गोण-गुडने दार.  
 गोण, वि. अअधान, उतरतुं.  
 गौतम, पु. अेक मुनि.  
 गौतमी, स्त्री. पार्वती; रासरी, गोदा-  
 वरी नदी, कृष्णी, द्रोणुआथेनी पवी.  
 गौधुमीन, न. धड उगे अेकुं अेतार.  
 गौर, न. पमकेशर, केशर, सेातुं.  
 पु. सरेद रन. सरेद राई, सतो  
 रंग; अद्र; पाडो. वि. सरेद,  
 रनअ. मुंदर. [दती; प्रलाप.  
 गौरव, न. भारभेण, प्रतिष्ठा, अ-  
 गौरवित्, वि. सुरार, भेदु.  
 गौरसर्षप, पु. सरेद सरसव-राई.  
 गौरिका, स्त्री. आड वर्षनी कुमारी  
 कन्या. [उने अडे.  
 गौरिल, पु. सरेद सरसव, लेअ  
 गौरी, स्त्री. पार्वती; आड वर्षनी  
 कन्या; पृष्णी; दणत; गोशेअन;  
 भक्षिकानु अड, तुलसी, वाय

गौरीज, पु. कर्तिकरत्राभि. न. अ-  
 थण. [लोग करनार.  
 गौरुतद्विषक, पु. शुरुपती साथे सं-  
 गौलय, न. शीरो.  
 गौष्टीन, न. लुगी गौराणा.  
 गा, स्त्री. श्री.  
 ग्मा, स्त्री. पृथ्वी.  
 ग्रथित, वि. गांठेकुं, आंघेकुं.  
 ग्रंथ, पु. ग्रंथन; दोस्तत; पुस्तक; उर  
 अक्षरनो श्लोक. [अनार.  
 ग्रंथकार, पु. लेखक; पुस्तक ल-  
 ग्रंथन, न. गांठकुं ते; लणकुं ते.  
 ग्रंथि, पु. गांठ; वांस अथवा अर्धो-  
 साधो; शरीरना अवयवनो साधि.  
 ग्रंथिक, पु. देवल, नेशी.  
 ग्रंथित, वि. गांठेकुं; आंघेकुं.  
 ग्रंथिमूल, न. लसण. \*  
 ग्रंथिमत्त, वि. गांठवाणुं.  
 ग्रत्त, न. र. आर्धणकुं, आंगाणी नकुं.  
 ग्रत्तन, न. लक्षण; सूर्ये अने चंद्र-  
 नु मंडल.  
 ग्रसिष्णु, वि. लक्षक. पु. परमात्मा.  
 ग्रत्त, वि. आंघेकुं; पकडकुं, धरेकुं.  
 ग्रह, न. ९. पकडकुं; धरेकुं; धारकुं,  
 मानकुं.  
 ग्रह, पु. सूर्यदि नवग्रह; पकडकुं;  
 योरकुं ते, मगरमच्छ; मेहेरवाणी;  
 ग्रहक, पु. डेही. [धर.  
 ग्रहण, न. स्वीकार; आहर, छाथ;  
 अडलु; डेही; ध्यान; क्यूलात.  
 ग्रहणी, स्त्री. अतीसार रोग.  
 ग्रहणीहर, न. लवंग.  
 ग्रहचिंतक, पु. नेशी.

ग्रहनायक, पु. सूर्य; शनि.  
 ग्रहनेमि, पु. चंद्र.  
 ग्रहपति, पु. सूर्य; चंद्र.  
 ग्रहराज, पु. सूर्य; चंद्र; अष्टरपति.  
 ग्रहामय, पु. मर्छानो रोग, ३२३.  
 ग्रहीतव्य, वि. लेवासायक. \*  
 ग्रहीतृ, वि. आडक, लेनार; करणदार.  
 ग्राम, पु. गाम; समूह; स्वरलेह.  
 ग्रामकुमार, पु. गामजीआनो छोकरो.  
 ग्रामकूट, पु. शूद्रवर्णुं.  
 ग्रामचर्या, स्त्री. श्रीसंग.  
 ग्रामणी, पु. गामनो पटेल; डलम;  
 विष्णु. स्त्री. छिनाल स्त्री.  
 ग्रामतक्ष, पु. गामनो सुतार.  
 ग्राममुख, न. छार, पत्तार.  
 ग्राममृग, पु. धान, कुत्रो.  
 ग्रामयुद्ध, न. दुलड, हंगो.  
 ग्रामसिंह, पु. कुत्रो.  
 ग्रामस्थ, वि. गामजीआ.  
 ग्रामहासक, पु. पनेवी.  
 ग्रामाधान, न. मृगया, शिकार.  
 ग्रामीण, वि. अरखय; गामडाभां  
 उत्पन्न थपकुं. पु. गामजीआ;  
 कुत्रो; कागरो; कुकर.  
 ग्रामीय, वि. गामजीआ.  
 ग्राम्य, वि. गामडातुं पाणेकुं; अ-  
 सव्य. न. श्रीसंग.  
 ग्राम्या, स्त्री. काणी गणीतुं अड.  
 ग्रामन, वि. सभत. पु. अडक; पर्वत.  
 ग्राम, पु. डेणियो; पोरक.  
 ग्रामाच्छादन, न. अलवस.  
 ग्रह, पु. पकडकुं; मगरमच्छ, डेही;  
 रोग; आणक. [वि. लेनार.  
 ग्रहक, पु. अरीदार; शिकारी पक्षी.

ग्राहिन, वि. वेनार. [क्षीर.  
 ग्राह्य, वि. वेवावायक. न. बेट, अ-  
 ग्रीवा, स्त्री. गरदन. [नवाणुं.  
 ग्रीचिन, पु. ईट. वि. लांणी गरद-  
 ग्रीष्म, वि. गरम. पु. गरभीनी ऋतु.  
 ग्रीष्मी, स्त्री. भावतीनुं आड.  
 ग्रच, ग. १. शेरतुं.  
 ग्रैघ, } न. डार, भाला; डाथीना  
 ग्रैघय, } गणानी सांडण.  
 ग्रैम्य, वि. गरभीसंधी.  
 ग्लपित, वि. थाकेतुं.  
 ग्लस, ग. १. भातुं.  
 ग्लस्त, वि. भाधेतुं.  
 ग्लह, १, १०. लुगार रभवे.  
 ग्लह, पु. लुगार.  
 ग्लान, वि. रोगी. [मुस्ती.  
 ग्लानि, स्त्री. रोग; निहा; अपवाह;  
 ग्लाम्बु, वि. थाकेतुं; रोगी.  
 ग्लुंच, ग. १. शेरतुं.  
 ग्लेपन, न. नअता.  
 ग्लेव, ग. १. आकरी करपी.  
 ग्लेप्, ग. १. शोधतुं.  
 ग्लौ, पु. अंद्र; कपूर; पृथ्वी.  
 ग्लौह, वि. थाकेतुं; रोगी.  
 घ.  
 घ, शेषो व्यंजन.  
 घ, पु. घट, घंटा. [शेरतुं वजन.  
 घट, पु. कलश, घरो, कुंभराशि; उर  
 घटक, पु. कुंभवगर इल आवनारी  
 वनस्पति; पुरोहित. [अिक पंडित.  
 घटकपर्प, पु. लोणनी दरगारने।  
 घटना, स्त्री. प्रयत्न, उद्योग.  
 घटयोनी, पु. अगस्त्यमुनि.

घट्टा, स्त्री. सभा.  
 घटिक, न. डेड. पु. बीस्ती.  
 घटिका, स्त्री. २४ भित्ति, धडी;  
 गोरै, पाणी लरवानुं वासणु.  
 घटोत्कच, पु. हिडिवा राक्षसीधी  
 उत्पन्न थयलो बीभनो पुत्र.  
 घट्ट, पु. घाट, डीनारै.  
 घंटापथ, पु. राजभार्ग, मोटा रस्ते.  
 घंटिका, स्त्री. घटा. [रमी.  
 घंटु, पु. डाथीना गणानी घंटा; अ-  
 घंड, पु. भभर, लभरै.  
 घन, न. कांसानुं वाणुं. पु. वाढण;  
 वन० नागरभाय; गदा; कंड; ध-  
 न; अत्रक. वि. कडणु, नड.  
 घनत्व, न. दडल, मज्ज्यूती.  
 घनध्वनि, पु. वाढणनी गर्जना. वि.  
 घननाभि, पु. धूभाडे. [गर्जनार.  
 घनपदवी, स्त्री. आकाश. [पाणी.  
 घनरस, पु. कपूर; सत्व, सार. न.  
 घनवर्त्मन, न. आकाश [राभ; कृष्ण.  
 घनदयाम, वि. अणुं, मेधवर्तुं. पु.  
 घनसार, पु. पारै; कपूर. न. पाणी.  
 घनाकर, पु. वर्षाऋतु.  
 घनाघन, पु. ईंद्र; मद्योन्मत्त डाथी;  
 वृष्टि करनार वाढण. वि. कडणु,  
 हिंमकं. स्त्री. (ना) काकभाची.  
 घनात्यय, } पु. शरद ऋतु.  
 घनांत, }  
 घनामय, पु. अल्लुरतुं आड.  
 घनीकृत, वि. घट्ट करेतुं.  
 घनोपल, पु. लीतुं, लीतुं.  
 घनौघ, पु. वाढणांमोनो ममुदाय.

घघंर, पु. पडाडी रस्तो; दरवाने;  
 धुवड, हास्थ; घोधरो अवाज.  
 खी. (रा) धुधरी.  
 घर्म, पु. घाम, परसेवो; तडको, उष्ण-  
 घर्मद्युति, पु. सूर्य. [ता. वि. गरम.  
 घर्ष, पु. घसवुं ते, धर्षणु.  
 घर्षक, वि. घसनार.  
 घर्षण, न. घसवु ते. खी. (णी)  
 घल, न. छस. [उणट.  
 घसि, पु. अन्न, अनाज.  
 घस्मर, वि. भाधरो. [डिसक.  
 घम्ब, पु. दिवस. न. केशर. वि.  
 घाट, पु. गरमनुं पाछुं हाडकुं.  
 घात, पु. वध; आणु; जभम; गु-  
 घातक, वि. भारनार [पुकार.  
 घातव्य, वि. भारवालायक.  
 घातिन, वि. घात करनार.  
 घाल्य, वि. भारवालायक.  
 घास, पु. अनाज; घास.  
 घासि, पु. अग्नि; घास.  
 घु, ग. १. अवाज करवो.  
 घु, पु. कवृतरनो अवाज.  
 घुट्ट, ग. ६. प्रतिबध करवुं; भारवुं.  
 घुट, } पु. पगनी घुटी.  
 घुट्टि, }  
 घुण, पु. लाकडानो धीरो.  
 घुट, पु. पगनी घुटी.  
 घुड, पु. भभरो.  
 घुघुंर, पु. नाड, वाजो.  
 घुष्ट, वि. घोपित, लहर करेवुं.  
 घुष्ट, पु. रग, गाडी.  
 घुष्टण, न. केशर.  
 घुणं, पु. भभल, भभवुं ते.

घुणंन, न. भभल, इरवुं ते.  
 घूर्णित, वि. भभित.  
 घृणा, खी. कइलारग, दया; निंद.  
 घृणि, पु. निरणु, गृह; पाणी.  
 घृणिन, वि. दयाणु; निंदक.  
 घृत, न. धी; पाणी. वि. प्रकशित.  
 घृताची, खी. अक अरसरानुं नाम.  
 घृष्ट, वि. कुटुंबुं; धसेवुं. [स्प. डू.  
 घृष्टि, खी. वागडी कड; धर्षणु;  
 घोट, } पु. घोरो. खी. (की) घोडी.  
 घोटक, }  
 घोणा, खी. नाक, घोडानुं नाक.  
 घोणिन, पु. शकर, डकर.  
 घोटा, खी. सोपारीनुं जाड.  
 घोनस, पु. मोटो साप.  
 घोर, न. अर. पु. शिव. वि. लथानक.  
 घोस्तर, वि. अति लथकर.  
 घोस्दर्शन, पु. धुवडपक्षी. वि.  
 घोस्तरसन, पु. शिवाण. [लथानक.  
 घोरा, खी. रात, निशा.  
 घोल्, न. भडो, छस.  
 घोप, पु. गोवाण; ध्वनि.  
 घोपक, पु. थाणी पीटनार.  
 घोपयित्तु, पु. आलणु; दोयव; साट.  
 घोर, न. लथकर, कर.  
 घा, ग. १. मुंधवुं; सुगन करवुं  
 घाण, वि. मुंगेवु. उ. सुगध, नाक.  
 घात, वि. मुंगेवुं.  
 घाति, खी. नाक; मुंधवुं ते.  
 घेय, न. सुंगेव.

६.

उ, पांगरो व्यंगन. आ अक्षरथी  
 राज गइ पतो नथी.



ट, पु. शिव; लैरव; छम्भा.  
डु, ग. १. अवाग करवो.

च.

च, छठ्ठे व्यञ्जन.

च, अ. पादपूरण; अवधारण; हेतु,

समुच्चयदर्शक. पु. कायभो; यद्र,

शिव, चोर. वि. जीववगरतु,

चकासित, वि. प्रकाशित. [दुर्जन.

चकित, वि. उपित; लयमित. न.

चक्रस, पु. वांकाई. [लय.

चक्र, न. समूह, सैन्य, राष्ट्र, देश,

गाडीनु पेडुं; विष्णुनु हयियार.

चक्रधर, पु. विष्णु; सर्प, भदारी.

चक्रपाणि, पु. विष्णु.

चक्रपाद, पु. रथ; छापी.

चक्रपाल, पु. हाकम, यक; दृष्टिभर्थादा.

चक्रवालधि, पु. कुत्रो.

चक्रभृत्, पु. विष्णु, यकधर.

चक्रभेदिनी, स्त्री. निशा, रात.

चक्रमुख, } पु. शूकर, डूकर.

चक्ररद, }

चक्रवर्तिन, पु. सारभौम, शेहेनशाह.

चक्रवाक, पु. यकवाक पक्षी.

चक्रवात, पु. वटोणीजो, मभत

तोक्षन [वृद्धि व्यञ्ज.

चक्रवृद्धि, स्त्री. व्यञ्जनुव्यञ्ज, यक-

चक्रथेणी, स्त्री. वन० भेदशृगी

चक्रा, स्त्री. वन० नागरभोथ.

चक्रांकी, स्त्री. हसी, हसनी भादा.

चक्राट, पु. राष्ट्रपकडनार, छुम्भो,

शेानाभोडोर. [क्षिण यनु ते.

चक्रावर्त, पु. यकना आकारभा तो

चक्रि, पु. कर्ता.

चक्रिका, स्त्री. लघ, भोजो; साकर.

चक्रिन, पु. विष्णु; कुमार, यक

वाकपक्षी, सर्प; धायी, शेहेनशाह;

गधेरो, कामरो, लहुगर.

चक्र, ग. र. नेतुं; जेवतुं.

चक्षण, न. कथन, नीशो करनारे

चक्षन्, न. आंभ. [भावानी बीजे.

चक्षस्, पु. बृहस्पति; युरु.

चक्षु, उ. आंभ. [काश.

चक्षुस्, वि. नेतुं. न. आंभ, प्र-

चक्षुपथ, पु. दृष्टिभर्थादा.

चक्षुधवस्, पु. सर्प.

चक्षुष्मत्, वि. नेनार, नेतो डवो

चक्षुष्य, पु. सुरभो. वि. सुदर. स्त्री.

(प्या) वडाडी स्त्री.

चक्रुर, पु. आड, गाडी.

चंग, वि. मुदर, कुशण, तदुरस्त.

चंगिमन्, पु. सुदरता.

चंच, पु. टोपडी.

चचरी, स्त्री. लभरी. [आशक.

चंचल, वि. अस्थिर. पु. पवन;

चंचला, स्त्री. लक्ष्मी; विन्गणी

चंचा, स्त्री. साडी, आसन, धासतुं

जनावेथुं भाणुसतु पुतणु.

चंचु, -चू, स्त्री. आथ.

चंचुभृत्, -मत्, पु. पक्षी.

चटक, पु. यकलो.

चटका, चटिका, स्त्री. यकडी.

चटु, पु. पेट. उ. भीडा राष्टो;

भवाई. [(ला) विन्गणी.

चटुल, वि. यथव; सुदर. स्त्री.

चण, ग. १. अवाग करवो, लड.

चणक, पु. आणुअथ मुनि आणु.

चड, वि ऋ, कोधी गरम पु  
 राक्षस आणवीनु आड न ग  
 रभी, क्षध  
 चडा, -डी, स्त्री दुर्गा, यडीदेवी  
 चडाल, पु यडान, डलजी जत,  
 ध्रावणीने शूद्रथी उत्पन्न थयनी  
 चडाशु पु स्य [सतती वि पापी  
 चडु, पु उडर नानो वाडरे  
 चतुर, वि निपूण, दुःखीआर सु  
 डर पु जानभसुरीओ, गोल त  
 डीओ हाथी भाधवानी जगा  
 चतुरग न बोपग शेतर्ज हाथी,  
 रथ, घोडेसार अने पायडल होय  
 ओथी सेना [आगणीओनु माप  
 चतुरगुल, न यार आगणीओ यार  
 चतुरस्र, वि यार गूणानाणु  
 चतुरानत, पु श्रद्धा  
 चतुराश्रम, न यार आश्रम जेवा  
 डे -गृहस्थ, वानप्रस्थ, लिखु अने  
 चतुर्थ, वि बोधु [सन्धार  
 चतुर्दंत, पु औरानत हाथी  
 चतुर्दश, वि १४, चौदशी सभ्या  
 चतुर्दिश अ यारे भागु  
 चतुर्धा, अ यार प्रकारे  
 चतुर्नयति, वि ८४ नी सभ्या  
 चतुर्वीग, पु भनुभना यार पुत्रपाय  
 -धर्म अर्थ, काम अने मोक्ष  
 चतुर्वर्ण पु यारे वर्णु ओटने -  
 ब्राह्म ५ क्षत्रिय, वैश्य अने शूद्र  
 चतुर्विध, वि यार रीततु  
 चत्वाल, पु गर्भस्थान  
 चदिर, पु यद्र कपूर हाथी गर्भ  
 चन, अ नडी, ना नकारवाय

चद्, ग १ प्रकारानु [छली  
 चदक, पु यद्र, ओक जतनी भा  
 चदन, उ सुभड  
 चदिर, पु यद्र हाथी  
 चद्र, पु यद्र सोमग्रह सोनु ड  
 पूर मोरपभमा ि आण पाणु  
 स्त्री (द्रा) नानी ओलथी यर  
 वे यादनी [नभ, याद  
 चद्रक, पु यद्र मोरपभनी आण,  
 चद्रकला, स्त्री यद्रनी कना  
 चद्रकात, पु यद्रकातमणु स्त्री  
 (ता) रात्रि रात यद्रनी पत्नी,  
 चद्रकिन्, पु मोर [यादनी  
 चद्रगुप्त, पु भाध देशने राज  
 चद्रचूड, पु शिव  
 चद्रनामन् पु कपूर  
 चद्रमस, पु यद्र  
 चद्रमह, पु कुत्रो  
 चद्रमास, पु तरवार  
 चद्रभूति, न ३पु  
 चद्रशेखर पु शिन  
 चद्रसभवा, स्त्री नानी ओनथी  
 चद्रात्मज पु सुध  
 चद्रिका, स्त्री यादनी, नानी ओनथी  
 चपट, पु डधेकी [यद्रभागा नडी  
 चपल, पु भाडनी पासे, क्षयशेग,  
 सातम्पशी वि जपतु ययन  
 चपेन, पु डधेणी [ययन  
 चपटिका, स्त्री शुवा हाथथी भार  
 चम् ग १ पीतु भावु [डु ते  
 चमत्कार, पु विरभन अजयथी  
 चमत्कारिन्, वि अजयथी लरेतु  
 चमर, पु ओ-डरा उ यमरी

चमरिक, पु. डेविदार वृक्ष.  
 चमस, उ. सोमरस पीवानुं वासणु.  
 चमू, स्त्री. सैन्य, लश्कर; १२६ छाथी,  
 १२६ २थ, २१८७ घोडा अने  
 ३६१५ पायदणवाणी सेना.  
 चमरू, पु. छरलुनी जेक लत.  
 चंप, ग. १०. न्युं.  
 चंपक, न. केणतुं आड; चंपानुं आड.  
 चंपकमाला, स्त्री. श्रीआने पढेर-  
 वाणी भाला; यपाना कूलनी भा-  
 ला; जेक छंद.  
 चंपू, स्त्री. गद्यपद्यवाणुं पुस्तक.  
 चय, पु. ढगलो; समूह; जेठक.  
 चद्, ग. १. आलतुं; न्युं; करतुं.  
 चद, पु. लसूस; भंजनपक्षी; यभरी;  
 भंगणशब्द. [टकतो भीभारी.  
 चरक, पु. जेक मुनि; लसूस; ल-  
 चरट, पु. भंजनपक्षी.  
 चरण, पु. पायदण; किरण. उ. पग,  
 आडतुं मूल; बाथे लाग.  
 चरणग्रंथि, स्त्री. धुंरी. [जेडा.  
 चरणदासी, स्त्री. स्त्री; पादुका, पडा;  
 चरणन्यास, पु. पगधुं.  
 चरणप, पु. आड, वृक्ष.  
 चराचर, न. नगत; स्वर्ग; आ-  
 काश. वि. नंगम, जेक ठेकाण्ठेथी  
 भीजे ठेकाण्ठे लर्थ नवाय जेथी  
 चरि, पु. पशु, नतावर. [स्त्री.  
 चरित, वि. लटकेतुं; करेतुं; मेण-  
 वेतु. न. चरित्र, उपाभ्यान, भुद्धरत.  
 चरित्र, न. स्वभाव; आचरण; पग.  
 स्त्री. (त्रा) आंगलीतुं आड.  
 चरिष्णु, वि. नंगम; यपन.

चरी, स्त्री. युवती, लुवान श्री.  
 चरु, पु. यत्रमां हेभवाना पदार्थ.  
 चर्च, ग. १०. वांचतुं. ग. ६. हुं  
 अ हेतुं. [उत्सव.  
 चर्चरि, स्त्री. जेक छंद; आपवृत्ती;  
 चर्चा, स्त्री. दुर्गा; मनन; विचार.  
 चर्चित, वि. सुगंधी करेतुं; छत्रेतुं.  
 चर्तन, न. टांचण्ठी.  
 चर्त्य, वि. भारवासायक.  
 चर्पट, पु. उधारेलो छाय.  
 चर्मट, पु. कुमवी डाकडी. [कडी.  
 चर्मटो, स्त्री. आनंदनो अवाण; क-  
 चर्म, न. ढाल; यामडी. [ढाल.  
 चर्मन, न. यामडी; यामडुं; लया;  
 चर्मकार, पु. यभार, भोथी.  
 चर्मकील, न. भसो. [वागधुं.  
 चर्मचटिका, स्त्री. यामाथीडिथु,  
 चर्मज, न. लोडी.  
 चर्मदंड, पु. आलुक.  
 चर्मदूपिका, स्त्री. दधर; डोढ.  
 चर्मपत्रा, स्त्री. वागधुं.  
 चर्मपादुका, स्त्री. यामडाना जेडा.  
 चर्मप्रसेवक, पु. धमलु.  
 चर्ममुंडा, स्त्री. पार्वती.  
 चर्मयष्टि, स्त्री. आलुक.  
 चर्मर, पु. यभार, भोथी.  
 चर्मिन, वि. यामडानुं; ढालथी स-  
 निगत. पु. ढालथी उचियार भंथ  
 थथलो योडी.  
 चर्य, वि. आचरण्णीय. स्त्री. (या) ग-  
 मन; आचरण्णु; व्यवहार; स्वभा-  
 चर्व, ग. १, १०. आवतु. [व; चरित्र.  
 चर्वण, न. आवतुं ते; यामधुं ते.

चर्चित, वि. आवेष्टुं; आप्तेष्टुं.  
 चर्च्य, वि. भावावायक. न. कठलु भोराक.  
 चल, ग. १. धुञ्जुं; नृजुं.  
 चल, वि. नंगल, गुञ्जवायुं. पु. पारो;  
 चलचंचु, पु. अडोर पक्षी. [पवन.  
 चलाचल, वि. स्थावर अने नञ्जम.  
 चलु, -क, पु. पाण्णीनो गोष्ट.  
 चपक, उ. दाड् पीवानुं वासणु; मध.  
 चपति, पु. लक्षणु, भाजुं ते; वध;  
 पडती. गिाल लाकडानी कडी  
 चपाल, पु. यज्ञना थांलवा डपरनी  
 चांग, पु. दांतनी सड्डी.  
 चाट, पु. लुञ्जो.  
 चाटकर, पु. अकडीतुं अञ्जु.  
 चाटु, उ. आपलूसी, वभाणुनो शब्द.  
 चाटुकार, वि. आपलूसीभोर, व-  
 भाणु करनार.  
 चाटुपट्ट, पु. लांड, लवैयो.  
 चाणकीन, वि. अणु डपन्न थाय अ-  
 जुं. ( भेतर.)  
 चाणक्य, पु. आणुअय मुनि.  
 चाणूर, पु. कंसनो अेक पेडेलवान.  
 चांड, न. अवात्कार.  
 चांडाल, पु. चंडाव, डलकी नत.  
 चातक, पु. चातक पक्षी, अपैयो.  
 चानुर, वि. चारनुं; दुशीआर, य-  
 तुर. न. चार पेडानी जाडी.  
 चानुरिक, पु. सारथी, गाडीवाणो.  
 चानुरी, स्त्री. दुशीआरी. [ दरता.  
 चानुर्य, न. दुशीआरी, चतुरार्थ; मुं-  
 चानुर्यण्य, न. ब्राह्मण, क्षत्रि, वैश्य  
 अने शूद्र अे चारे वर्णो.  
 चानुर्वाण्य, न. चार नत.

चात्वाल, पु. अग्निहोत्रनो कुंड.  
 चांद्र, न. चांद्रायणुनत; आहु. पु.  
 चंद्रकांतमणि; अञ्जवाणियुं प-  
 अवाडीडं वि. चंद्रसंभंधी.  
 चांद्रमस, वि. चंद्रजुं. न. मृजुशिर  
 चांद्राख्य, न. आहु. [ नक्षत्र.  
 चाप, पु. धनुष्य; छंद्र धनुष्य, वरसा-  
 दनी इमान.  
 चापल, } न. अपणता, दुशीआ-  
 चापल्य, } री; भाडाहुरी.  
 चामर, उ. अमरी.  
 चामरिन, पु. घोडो.  
 चामीकर, न. सोनुं; धनुषानुं अड.  
 चामुंडा, स्त्री. दुर्गादेवी.  
 चापेयक, न. केशर.  
 चाम्य, न. अनाज.  
 चार, न. अनावटी अेर. पु. ननुं  
 ते; गति; डेडभातुं; नसस.  
 चारचक्षुस्, न. नससपणुं. पु. राज.  
 चारण, पु. नसस; वेरागी; गानार.  
 चारपय, पु. अेरस्ता मणता डोय  
 चारमटी, स्त्री. डीमत. [अेवी नगा.  
 चारिका, स्त्री. दासी. [सड्पृत्ति.  
 चारित्र, न. थाल अडणु, आचरणु;  
 चार, वि. मुंहर. पु. अृडरपति. न. केशर.  
 चारुधारा, स्त्री. राथी, छंद्रनी पनी.  
 चारुलोचना, स्त्री. मुंहर आभोवाणी  
 चारुशिला, स्त्री. रत्न, अवेर. [त्री.  
 चार्म, वि. चामडानुं.  
 चार्वाक, पु. अेक विद्वान शीवमुं.  
 चार्वा, स्त्री. कुभेरनी स्त्री; चांदनी;  
 अुद्धि; शोभा; चपक, तेज.  
 चाल, पु. छज्जु.

चालक, पु. मद्भक्त हाथी.  
 चाप (स), पु. आध-नीलकण्ठपक्षी.  
 चि, ग. ५. अकटु करतुं; भेषवतुं;  
 चिकित, वि. लज्जुं. [शोधतुं.  
 चिकित्सक, पु. वैद.  
 चिकित्सा, स्त्री. वैदशास्त्र, दवा.  
 चिकिन, वि. अथवा नाकवाणो.  
 चिकिल, पु. कादव, डीयड. [भरल.  
 चिकीर्षा, स्त्री. (अभ) करवानी धृष्ट्या-  
 चिकिर्षित, वि. वाञ्छित, धृष्टित.  
 न. आशय, हेतु.  
 चिकुर, पु. माथाना राण; करतूरी-  
 ओ उदर; पर्यत; सर्प. वि. अथवा.  
 चिह्न, ग. १०. दुःख हेतुं.  
 चिकण, वि. शीतलुं; क्षीमुं. पु. सो-  
 पारीतुं आड. न. सोपारी.  
 चिकणा(णी), स्त्री. सोपारी.  
 चिकस, पु. ज्वनो लोट.  
 चिकिर, पु. उदर.  
 चिह्नित, न. भीनास. पु. अद्र.  
 चिखल, पु. कादव.  
 चिचा, स्त्री. आंभली अथवा तेतुं आड.  
 चित, ग. १, १०. ज्ञेयुं; लक्षणुं; ध-  
 रतुं; हेभापु.  
 चित्, स्त्री. विचार, बुद्धि; मन.  
 चित, वि. अकटुं करेयुं; ढांडेलु.  
 चिता, स्त्री. चिता, बेल; दगलो.  
 चित्कार, पु. धुम, अवाज.  
 चित्त, न. धृष्ट्या; हेतु; मन, अतक-  
 रण. वि. हेभीतुं; धृष्टेयुं.  
 चित्तजन्मन्, पु. कामदेव, जेड; भाया.  
 चित्तनाश, पु. अविश्वास.  
 चित्तवेदना, स्त्री. आतुरता.

चित्ति, स्त्री. शीर्ति. [न, भसाणु.  
 चित्त्य, वि. आधेयुं; रथेयुं. न. रमशा-  
 चित्र, न. चित्र, छभी; आकाश, उध,  
 कोढना उध; कायरचित्रो रग.  
 पु. यमराज; अशोकतुं आड वि.  
 कायरचित्रुं; यणक्तुं. [चित्रक आड.  
 चित्रक, न. तिलक. पु. चित्तारे; वाध,  
 चित्रकंठ, पु. कपोत, कभूतर.  
 चित्रकाय, पु. वाध; चित्तो.  
 चित्रकूट, पु. अक पर्यत.  
 चित्रगुप्त, पु. यमराजनेो कारभारी.  
 चित्रदंडक, पु. कपासतुं आड.  
 चित्रपुंख, पु. धालु, तीर.  
 चित्रफलक, न. चित्र काढवानुं पाठियुं.  
 चित्रमानु, पु. सूर्य, अग्नि, शिव,  
 भैरव, आकडानु आड.  
 चित्रभूत, वि. चित्रेयुं.  
 चित्रमृग, पु. कायरचित्रु उदरु.  
 चित्रमेसल, पु. भयुर, मोर.  
 चित्ररथ, पु. अक गंधर्व; सूर्य.  
 चित्रल, पु. कायरचित्रो रग.  
 चित्रलेखा, स्त्री. चित्र; ओभाणी सभा.  
 चित्रवाज, पु. कुंडो.  
 चित्रविचित्र, वि. रगजेरंगी.  
 चित्रशिरडिन्, पु. सप्तशक्ति-म-  
 गधि, अगिरा, अग्नि, पुवरत्थ,  
 पुवक, कतु अने वसिष्ठ.  
 चित्रश्री, स्त्री. अद्भुत मुंदरता.  
 चित्रा, स्त्री. चित्रा नक्षत्र; सर्प, वनो  
 उदरकीनी. [अर्जुन, सर्प.  
 चित्रांग, न. द्विगणो; उदरताण. पु.  
 चित्रांगद, पु. अक राज.  
 चित्रांगदा, स्त्री. अर्जुननी श्री, ल-  
 भुवाहननी मा.

चित्रेश, पु. चंद्र. [नयननेवी वार्ता.  
 चित्रोक्ति, स्त्री. आकाशवाणी, अ-  
 चितामास, पु. अंतरात्मा, परमात्मा.  
 चित्त, ग. १०. विचारवु; स्थितवतुं.  
 चित्तन, न. विचार; शोचना.  
 चित्तनीय, वि. शोचवालायक.  
 चिता, स्त्री. चिता, शीकर; आतुरता.  
 चितापर, वि. विचारवत  
 चितामणि, पु. श्रद्धा; मनगमती  
 चीन मणे ओतुं भण्डि.  
 चितित, वि. विचारेतुं. न. विचार.  
 चितिति, स्त्री. चिता, शीकर.  
 चित्य, वि. विचारवालायक.  
 चितिडी, स्त्री. आंभवीतु आउ.  
 चिपट, } पु. कूटला बोभा, पवा.  
 चिपिट, } वि. चपटा नाकवाणु.  
 चिपीटक, पु. पवा.  
 चिबु(बु) क, न. डडपची.  
 चिमि(क), पु. पोपट.  
 चिर, वि. वांछु, लतुं, न. लांभो वभत.  
 चिरजीविन्, वि. दीर्घायु. पु. विष्णु,  
 कागरो.  
 चिरंजीव, वि. दीर्घायु. पु. कामदेव  
 चिरन्न, } वि. पुरातन, लतुं.  
 चिरन्तन, }  
 चिरमेहिन्, पु. गधेरो  
 चिरराय, न. लांभी रात.  
 चिरात, पु. गउ. [अवनार. पु. देन.  
 चिरायुर्, वि. दीर्घायु, लांभो वभत  
 चिरंटी, स्त्री. परपुया पडी उभरमां  
 आवेकी पणु आपने घेर रडेकी  
 पुत्री; सी, आपटी.  
 चिल्, ग. ६. कपडां पदेरवां.

चिलमि(मी)लिका, स्त्री. भावा, डार;  
 विन्णी. [आंभवाणु.  
 चिल्ल, पु. सभणी. वि. सुजेकी  
 चिल्लाम, पु. भीसाकातर.  
 चिल्लो, स्त्री. जीरुर, ऐक जीलुं प्राणी.  
 चिवि, पु. डडपची.  
 चिह्, ग. १०. निशानी करची.  
 चिह्, न. निशानी; डाय; ध्वज.  
 चिहित, वि. निशानी करेवु; लणुतुं.  
 चिक, ग. १, १०. सडन करवुं; अ-  
 डकतुं. [गधेडानो शकड.  
 चीत्कार, पु. भूम, हाथी अथवा  
 चीन, पु. चीनदेश; ऐक लततुं ड-  
 रणु; कपडुं, दोरो. न. ध्वज, वा-  
 वरो; सीमुं. पु. (ना) चीनने  
 रडेवासी.  
 चीनकपूर, पु. चीनार्थ कपूर.  
 चीर, न. चीथडुं; आउनी छाल; व-  
 चीरि, स्त्री. छुरभो. [स्त्र, सीमुं, धीरी.  
 चीर्ण, वि. शीथेवु; भागेतुं.  
 चीवर, न. वस्त्र, चीथडुं; भीभा-  
 चुक, ग. १०. दुःख हेवुं. [रीतुं वस्त्र.  
 चुकार, पु. सिडनी गर्जना.  
 चुक, न. भटारा. [री भाउ.  
 चुमिका, स्त्री. लूणीनी भाउ; भा-  
 चुसा, स्त्री. वध.  
 चुचि, पु. चीनी छाती.  
 चुचुक, उ. स्तननी धीरी.  
 चुट, ग. ६, १०. कापवु.  
 चुट, ग. ६. छुपातुं.  
 चुटा, स्त्री. नानी इध  
 चुत्, ग. १. अरवुं, पउरवु.  
 चुत, पु. चुडार, नाट.

सुइ, ग. १०. ईंऊं; धरुं, डांऊं.  
 सुंदी, स्त्री. कुटुंबी.  
 सुम, न. वदन, खेरे.  
 सुव, ग. १, १०. सुंअन करुं.  
 सुंअक, पु. सुभी लेनार; सुंअ.  
 सुवन, न. सुंअन, सुभी.  
 सुर, ग. १० खेरुं.  
 सुरा, स्त्री. खेरी.  
 सुरि, पु. नागे इवे.  
 सुल, ग. १०. अडेउं.  
 सुलुक, पु. लीं अडेव; नानुं वासपु.  
 सुलुपा, स्त्री. अकरी.  
 सुल, वि. सुधो.  
 सुली, स्त्री. रसोडुं. [तराववा ते.  
 सुड, पु. सुंडन; आणभोवाणा उ-  
 चूडक, पु. इवे.  
 सुडा, स्त्री. खोटली, भायाना म-  
 ध्यभागना वाण; मेरनी केलगी.  
 सुडाकरण, न. आणभोवाणा उन  
 रावधा ते. [खोटलीवाणु.  
 सुडाल, पु. भाधुं. वि. केलगीवाणु;  
 सुत, पु. आंभो, न. गांड.  
 सुर, ग. ४. आणुं.  
 सुर्ण, ग. १०. सुको करवे.  
 सुर्ण, उ. लुको; आटो; धूण.  
 सुर्णक, पु. सतवे, शेक्या पळी द-  
 सुर्णन, न. दणुं ते. [जेवे अनाज.  
 सुर्णी, स्त्री. पातजलना मडाभाष्य-  
 व नाम, ओकसे कोडी.  
 सुति, स्त्री. गमन.  
 सुती, न. ओक मधि. वि. आरीक.  
 सुल, पु. भायाना वाण. स्त्री. (ला)उ-  
 सुव, ग. १. सुसी लेवुं. [परतु भाणिधु.

सूपण, न. सुसी लेवुं ते.  
 सुपा, स्त्री. डाथीना पटो, कभणध.  
 सुपय, वि. सुसवालापक. न. सुसवा-  
 चेकितान, पु. ओक राज. [जिग पदार्थ.  
 सुट, पु. आकर.  
 सुतकी, स्त्री. उरडा.  
 सुतन, वि. सुवतुं, प्राणुधुक्त. पु.  
 आत्मा, मनुष्य; प्राणी.  
 सुतना, स्त्री. सुद्धि, अकत; उडापणु.  
 सुतल, न. मन, चित्त, आतःकरण.  
 सुवेदि, पु. अदेरी देश.  
 सुवेदिपति, } पु. शिशुपाव राज  
 सुवेदिराज, }  
 सुव, वि. उगवे करेवुं.  
 सुल, ग. १. वरुं.  
 सुल, न. वल वि. अधम; अराज.  
 सुलिका, स्त्री. खोली; कपले.  
 सुप, ग. १. सरुं, अरुतु.  
 सुपक, पु. रतिकीडानी ओक रीत.  
 सुपन, न. गति; यन. [यवलु.  
 सुपटा, स्त्री. गति, अर्थ, यन, आव-  
 चित्तन्य, न. आत्मा, शक्ति.  
 सुल्य, पु. कथरने पथर, पियार,  
 मधि करवानी जग.  
 सुव, पु. येन मदिनो. न. डेरण.  
 सुघ, पु. शिशुपाव. [दिने.  
 सुल, न. कपटाव अनावेवुं. पु. म-  
 चोश, वि. स्वच्छ, प्रमायिक हुं  
 सुदी, स्त्री. धाधरो. [शीआग.  
 सुोर, पु. खेर.  
 सुलंडव, पु. धाधरी; मुनट.  
 सुली, स्त्री. खोली, कांयवी.  
 सुोपण, न. सुसुं

चोष्य, वि. चूसेलुं.  
 चोस्क, पु. उत्तम घोडो.  
 चौक्ष, वि. स्वच्छ, साक्ष.  
 चौड, वि. कक्षगीधार. न. मुंडन.  
 चौर, पु. चोर.  
 चौर्य, न. चोरी; लुब्धार्थ.  
 च्यवन, न. गति; तुकसान; गमन;  
 पु. अक्ष ऋषि.  
 च्युत, वि. पडेलुं; भांगेलुं; शुभावेलुं.  
 च्युति, स्त्री. पडती; गणवुं ते; शुद्धा;  
 च्युप, पु. बेहेरो, वदन. [योनि.  
 च्युत, पु. आंभानुं आउ.  
 च्योत, न. अरवुं-गणवुं ते.  
 च्योत, वि. जनार; धंडाभांथी उ-  
 त्पन्न यनार; तन्वालायक. न.  
 साहसकाम; शक्ति; क्षरमार.

छ.

छ, सातमो व्यन्जन.  
 छ, वि. स्वच्छ, साक्ष. पु. छेदन.  
 छग, पु. अक्षरो.  
 छगण, उ. झुंछुं छालु.  
 छगल, पु. अक्षरो; अत्रिऋषि. न.  
 आसभानी कपडुं. स्त्री. (ला) अ-  
 छटा, स्त्री. शोभा; समूह. [करी.  
 छटाफल, पु. सोपारीनुं आउ.  
 छटामा, स्त्री. विजणी. [न. छत्री.  
 छत्र, पु. परसाहमां यती कुनाटोपी.  
 छत्रघार, पु. छत्री पकडी खातनार.  
 छत्रपति, पु. महाराज. [राजनारी.  
 छत्रभंग, पु. विधवावस्था; स्वातंत्र्य;  
 छत्रिन्, पु. हलम. वि. छत्र उच्य-  
 छत्वर, पु. धर; भंडप. [कनार.  
 छद्, ग. १०. ढांकुं.

छद, पु. } पातुं; पांढळुं; ढांकुं;  
 छदन, न. } भ्यान.  
 छदपत्र, पु. लोखपत्र.  
 छदि, स्त्री. छापडं. [छापडं  
 छन्न, न. आडातु; छूपो वेश; धरतुं  
 छद्, ग. १०. भुरी करवुं; ढांकुं;  
 समलववुं.  
 छंद, पु. अलिप्राय; भरलु; अर.  
 छंदक, पु. रक्षक. [वेद; छंद.  
 छंदस्, न. भरलु; धार; पोतानी भरलु;  
 छंदस्, वि. भरलु मुण्ण; कवितावाणुं.  
 छंदोग, पु. कवितामां जानार; साभ-  
 वेद जानार.  
 छन्न, न. छूपी वात, रडस्थ. वि. ढां-  
 छम्, ग. १. भावुं. [केळुं; भ्यानगी.  
 छमंड, पु. भाषाप वनरतुं छोकडं.  
 छर्द, छर्दन, न. } वमन, उ-  
 छर्दि, छर्दिका, स्त्री. } लटी.  
 छल, उ. छलना, लुब्धार्थ.  
 छलन, न. } कगार्थ, लुब्धार्थ.  
 छलना, स्त्री. }  
 छलिन्, पु. कगारो, लुब्धो. [तान.  
 छली, स्त्री. आडगी छाल; आणक, सं-  
 छवि, स्त्री. मुंदरता; किरणु.  
 छाग, पु. अक्षरो. न. अक्षरीनुं इध.  
 स्त्री. (गी) अक्षरी.  
 छागण, पु. छालुनो अग्नि.  
 छागल, पु. अक्षरो.  
 छात, वि. कपेडुं, भाग करेडुं.  
 छात्र, पु. शिष्य. न. मध.  
 छात्रदर्शन, न. ताणुं भाषणु.  
 छाद, न. छापडं.  
 छादित, वि. धन; आच्छादित.  
 छाद्य, वि. गोप्य, छूपाववालायक.



छात्रिक, वि. ३५टी. पु. ६३३.  
 छांदस, पु. वेद शीषेयो भाष्यस. वि.  
 वेदिक; वेद शीषनार.  
 छाया, स्त्री. ओणो, पउछायो; प्र-  
 क्षाश; सरभापणुं; रक्षणु.  
 छायाग्रह, पु. अरीयो.  
 छायातनय, -सुत, पु. शनिग्रह.  
 छायाभृत्, पु. अंश.  
 छाल, उ. छाड; वडकव.  
 छिक्का, स्त्री. छीक.  
 छित, वि. क्षिपुं; भाज करेपुं.  
 छिन्वर, वि. क्षिपवाक्षयक; ६३३.  
 छिद्, ग. ७. क्षिपुं; छरकत करवी.  
 छिदा, स्त्री. छेदन, क्षिपुं ते.  
 छिदि, स्त्री. कुडाडी; छद्रधनुष्य. [२३].  
 छिदिर, पु. अग्नि; कुडाडी, तरवार, दो-  
 छिदुर, वि. क्षिपवाणुं; धूर्त; ६३३.  
 छिद्र, न. क्षणुं, भाकुं; अय.  
 छिद्रदर्शिन, वि. निदक.  
 छिद्र, वि. क्षिपुं; थाकेपुं. स्त्री. (ना)  
 छिद्रनासिक, वि. नकटो. [छिनाग स्त्री.  
 छिद्रभिद्र, वि. क्षुद्रपुंड; विभरा-  
 छिद्रमल्लक, वि. भायु क्षिपुं [यु.  
 छुहुंदर, पु. छहुंदर, वेणु.  
 छुद्, ग. ६, १०. क्षिपुं.  
 छुद्, ग. ६. दंडकपुं.  
 छुद्, न. किरणु.  
 छुप, ग. ६. अउकपुं.  
 छुप, पु. रक्षी; आडी; पवन, छद्रपुं.  
 छुपुक, न. उडपथी.  
 छुरा, स्त्री. धनो.  
 छुरिका, स्त्री. धुनी, रणु  
 छुरिका, स्त्री. वांछणी भाष.

छेक, वि. पाणेषुं (जनावर), शडेरी,  
 नगरवासी. [नी विधा.  
 छेकोक्ति, स्त्री. वक्रोक्ति; वश करवा-  
 छेत्तव्य, वि. क्षिपना वायक.  
 छेचु, वि. तोडनार, क्षिपनार.  
 छेद, पु. छेदन; कटको, भाज.  
 छेदन, न. छेदन करपुं ते; भाज.  
 छेदि, वि. क्षिपनार. पु. सुनार.  
 छेदित, वि. क्षिपुं.  
 छैदिक, पु. छी, छाकडी, नेतर.  
 छोटिका, स्त्री. चुंटी, अ५टी.  
 छोटिन, पु. भाडीमार.  
 छोरण, न. परित्याग, तछ हेतुं ते.  
 छोलग, पु. क्षीणु.  
 छपु, ग. १. नउं.  
 . ज.  
 ज, आठभो व्य-१०.  
 ज, पु. पिता, भाप; नम; अर, तोर,  
 पिशाच, शुभभोग; अग्नि; शिव;  
 विष्णु. वि. विष्णु; उतावपुं.  
 जपुट, पु. भतय पर्यंत कुत्रो.  
 जस, ग. २. भापुं; उरपुं.  
 जसि, पु. भापुं ते.  
 जगणक्षुत्, पु. रणु.  
 जगन्, न. विश्व, दुनिया. पु. वापु,  
 जगती, स्त्री. पृथ्वी. [११०.  
 जगतीधर, पु. पर्यंत.  
 जगतीरुद्, पु. रण, अउ.  
 जगदात्मन, पु. परब्रह्म, परमात्मा  
 जगदीश्वर, पु. भगवान, ईश्वर.  
 जगनु, पु. अग्नि, शीतो; प्राणी.  
 जगन्नाथ, पु. ईश्वर.

जगर, पु. कवच, अक्षतर. [तर.  
जगल, वि. बुद्ध्या. न. छात्र; अक्ष-  
जग्घ, वि. आधेयुं. न. भोराक.  
जग्घ, स्त्री. आधेयुं ते; भोराक.  
जग्गि, पु. वायु, उवा.  
जघन, न. कटि, कभर; लंघ.  
जघन्य, वि. छेदुं, नीच; उल्लङ्घ. पु.  
शूद्र. न. उपस्थ, इंद्रि.  
जघन्यज, पु. नानोभाष्य; शूद्र.  
जग्गि, पु. भारवाहुं उचिषार.  
जग्ग, वि. इन्ता, भारनार. [जिहुं.  
जंगम, वि. जगम, डालयाव थर्शशके  
जंगल, वि. उजड. न. जंगल, उ-  
जड जमीन; आडी. उ. भांस.  
जंगुल, न. अेर.  
जंघा, स्त्री. लंघ. [कारक.  
जंघाल, वि. वेगवान. पु. उरणु;  
जज, जंज, ग. १. लडहुं.  
जज, जंज, पु. योद्धो.  
जंजपूक, वि. वारंवार मनुभां जप-  
कत्तो. पु. तपस्वी.  
जडा, स्त्री. जटा, सुंथीने भाये वी-  
देशा वाणनो भारो; आडहुं मृग;  
यन० शतावरी. [नी जटा.  
जडाजूट, पु. जटानो भारो; शिर-  
जटायु, पु. रामनी पत्नी सीताने  
व्यावतां पीतानो छव आपनार  
अेक पक्षी. [रुं आड; सुगव.  
जटाल, वि. शुभपुचहुं. पु. अंश-  
जटि, पु. जटा; मभूड; अंशरुं आड.  
जटिल, पु. सिंक; अक्षरे.  
जडर, वि. कक्ष; लुं; आधेयुं. उ.  
पेड; सुश.

जड, वि. थंडुं; सुस्त; मूर्ध; मूंगो.  
पु. थंडी; मूर्धोर्ध. न. पाष्ठी; सीमुं  
जडिमन्, पु. जडता; मूढता; सुस्ताध.  
जडिभाव, पु. मूर्धोर्ध; थंडी.  
जडुल, पु. थिहुं.  
जतु, पु. वाशा, वाष्प.  
जतुका, स्त्री. वाष्प; वागहुं.  
जतुनी, स्त्री. वागहुं, याभाथीडिथुं.  
जन, ग. ४. पेडा थनुं.  
जन, पु. मनुष्य; जगत; जत.  
जनक, पु. पिता, आप; सीतानो  
पिता. वि. जन्म आपनार.  
जनता, स्त्री. जन्म; जनसमुह, बीड.  
जनत्रा, स्त्री. छनी.  
जनन, पु. परमात्मा. न. जन्मवंश.  
जननी, स्त्री. माता, देया; वागहुं; वाष्प.  
जनपद, पु. देश; कुटुंब; बीड; म-  
नुष्य जत.  
जन्मेजय, पु. परीक्षित राजनो पुत्र.  
जनयितृ, पु. आप. वि. पेडाकरनार.  
जनयित्री, स्त्री. माता, मा.  
जनरव, पु. अक्षवा, लोकगप. विड.  
जनलोक, पु. मडरवोक्ता उपरनो  
जनश्रुति, स्त्री. अक्षवा, गप.  
जना, स्त्री. उत्पत्ति, पेदास.  
जनांत, पु. देश. प्रात; यमराज; व-  
अरवसेधी जमीन.  
जनांतिक, न. शूपी वातशीत.  
जनार्दन, पु. विष्णु.  
जनि, } स्त्री. उत्पत्ति, पेदास; ना-  
जनिका, } री; स्त्री; माता; पुत्रवधुं.  
जनिव, वि. जन्मेयुं पेदा थयहुं.  
जनिवृ, पु. पिता, आप.

जनिघ्री, स्त्री. माता. [प्राणी; जति.  
जनिमन्, उ. जन्म, पैदासा; आवक;  
जनी, स्त्री. जनि लुब्धो. [इण्ड.  
जनेष्ट, वि. सर्व प्रिय. स्त्री. (ए)  
जनोदारण, न. शीति, पश.  
जनौघ, न. शीत, गीरदी.  
जंतु, पु. प्राणी; आत्मा; मनुष्य.  
जंतुकंठु, पु. गोकुणमाय.  
जंतुका, स्त्री. वाम.  
जंतुम, पु. शीथु; गोकुणमाय.  
जन्म, न. जन्म, पैदासा.  
जन्मष्ट, पु. पिता, माय.  
जन्मपादप, पु. वंशावली.  
जन्मप्रतिष्ठा, स्त्री. जन्मभूमि; माता.  
जन्मांतर, न. परलोक; भीषुं जन्म.  
जन्मांघ, वि. जन्मथी आंधुं.  
जन्माष्टमी, स्त्री. कृष्णुं जन्मनिधि.  
जन्मिन्, पु. प्राणी.  
जन्य, वि. जन्मेतुं; साधारण. पु.  
पिता; अक्षु, अक्षुवर, वरराज-  
ने मित्र. न. पैदासा; गरीर; व-  
आर्ध; निदा; प्रल. [त्रिभा.  
जन्यु, पु. उत्पत्ति; प्राणी; अग्नि,  
जप्, ग. १. जप करवे; मनमां प्रा-  
येना करी. [५२तुं गान्त करतुं ते.  
जप, वि. जपलतुं. पु. मनमां  
जपा, स्त्री. जपपुष्प.  
जप्य, वि. जपवावाक; जरीतुं.  
जम्, ग. १. जन्म. [मिहभुनि.  
जनदग्नि, पु. परगुणमना पिता,  
जंरति, पु. द्वि. इपदी, पति-पत्नी.  
जंबाड, पु. शक्य; शीत.

जंयालिनी, स्त्री. नदी.  
जंयोर, पु. लींशुतुं आड. न. लींशु.  
जंयु (बू), पु. लंशु.  
जंयु (बू)क, पु. शिषाण; नीय भा-  
भुस; वरलु; लंशुतुं आड.  
जंयुद्वीप, पु. लंशुभंड. [धीतुं आड.  
जंयु (बू)ल, पु. लंशुतुं आड; इत-  
जंम, पु. जडभां; दांत; भात; त-  
उपची; लींशुतुं आड; इत्य.  
जंमका, स्त्री. जमातुं.  
जंमन, न. मैयुन, संत.  
जंमारि, पु. अग्नि; ईदतुं वर, ईद  
जग्ग, पु. शक्य.  
जय, पु. उत; सपं. स्त्री. (पा) प.  
जयदष्ट, पु. ईदने पुन. विंती; इवल.  
जयंत, पु. ईदने पुन; शिष; अड;  
विष्णु; भीम. [पुत्री; इवल.  
जयंती, स्त्री. पार्वती, गीरी; ईदती  
जयद्रथ, पु. गिपु देसने राल.  
जयपत्र, न. विजयने पत्र.  
जयपाल, पु. त्रिभा; विष्णु; राल.  
जयिन्, वि. विजयी.  
जय्य, वि. उतवावाक.  
जर, पु. नाश. वि. १३.  
जरट, वि. शक्य; नडर; लुतुं. शी-  
क. पु. १३५२२५. [वि. उतुं, लुतुं  
जरल, न. जरा, १३५२२५. उ. उ.  
जरद, वि. उतुं, लुतुं.  
जरा, वि. १३; लुतुं.  
जराती, स्त्री. १३ शी, १. भा.  
जराप, पु. जरे. जरा.  
जरा, } पु. जंग. पाठ. १३५११.  
जरत, }

जरा, स्त्री. वृद्धावस्था, बूढापि; व-  
 भाषु; ऐक राक्षसी; पाचनशक्ति.  
 जरामीठ, पु. कामदेव, मदन.  
 जरायुस, पु. गर्भाशय.  
 जर्जर, वि. लूतुं; झटकुं; धायव क-  
 रेपु; दुःखी करेपुं; पोकेल. पु. क्षी-  
 ल; धंरनी ध्वल.  
 जर्जरित, वि. लूतुं, पुराण, र्हाहुं तूट्युं.  
 जर्ण, पु. थंर; लाड. वि. अर्णुं.  
 जर्ण, पु. योनि; क्षाथी.  
 जल, ग. १. पैसाधार होपुं; पीटाणवुं.  
 जल, वि. सुस्त, थंडुं; भूर्भ. न. पा-  
 णी; थंडी; पूर्वापाठा नक्षत्र.  
 जलकंदक, पु. वन० शींगोडा; म-  
 जलकपि, पु. सोसवाट. [ गरभ०छ.  
 जलकरंकर, पु. नारियल; कभल; सं-  
 भ; मेध; तरंग, वेहेर.  
 जलकल्क, पु. पक, कडव.  
 जलगुल्म, पु. पाणीनो बंटोणीओ;  
 योभहुं तणाव.  
 जलज, न. कभल. पु. पाणीमां रदे-  
 नार प्राणी; भाछकी; क्षीव; थंर.  
 जलत्रा, स्त्री. छत्री [उ. संभ; होटकुं.  
 जलद, पु. वाढण; कपूर.  
 जलघर, पु. वाढण; समुद्र.  
 जलधि, पु. समुद्र; "थार"नी संसा;  
 ६१ संकुनी संध्या, पंढरभी संध्या.  
 जलधिजा, स्त्री. लक्ष्मी.  
 जलनिधि, पु. समुद्र.  
 जलपटल, न. मेध, वाढण.  
 जलपति, पु. समुद्र; वरुण.  
 जलपिच्छ, म. अग्नि. [अेतुं गहेर.  
 जलप्राय, न. थंडुं पाणी भजी थंडे

जलप्रिय, पु. यातक; भाछकी.  
 जलप्लव, पु. पाणीनी भिवाडी.  
 जलबिल्व, पु. कायभा.  
 जलबंधु, पु. भ०छ.  
 जलमार्ग, पु. नेहेर.  
 जलयंत्र, न. श्रुवारो.  
 जलरंड, पु. पाणीनो बंटोणीओ.  
 जलरुह, उ. कभल.  
 जललता, स्त्री. तरंग, वेहेर.  
 जलवायस, पु. ललकुंडो.  
 जलवाह, पु. मेध, वाढण.  
 जलशायिन, पु. विष्णु. [ लजो.  
 जलसूची, स्त्री. सोसवाट; कामडो;  
 जलांजलि, स्त्री. तरपथु.  
 जलादन, पु. अग्ने.  
 जलादण्य, वि. पाणीथी भरेपुं.  
 जलाघार, पु. तणाव, ललाशय.  
 जलायुका, } स्त्री. लजो.  
 जलालुका, }  
 जलाशय, पु. तणाव; समुद्र. वि.  
 भूर्भ; आणसु.  
 जलाप, न. पाणी; सुभ.  
 जलाष्टीला, स्त्री. मोहुं योसतणाव.  
 जलाका, जलिका, जलु(लू)का,  
 जलोका, स्त्री. लजो.  
 जलौकस, पु. लजो.  
 जल्प, ग. १. वात करवी; अडव-  
 डुं; रतुपी करवी.  
 जल्प, पु. वातशीत; अडवडाट.  
 जल्पन, न. कभन; अडवडाट.  
 जल्पाव, वि. थंडुं भोवनार.  
 जल्पित, वि. कदेपु. न. वातशीत.  
 जरुह, पु. अग्नि.

जव, वि. वेगवान. पु. गति, अडप.  
जवन, न. अडप. पु. तेथ घाणे.  
वि. अडपी.

जवनिका, स्त्री. कनात; पडो.

जवल, पु. गीतनुं धास.

जप्, ग. १. दुःख हेतुं.

जस, ग. ४. धुं धरतुं; गंधुं.

जसु, पु. हथियार.

जहक, पु. वधत; आणक. वि. त-

जहु, पु. जुवान प्राणी. [लेतुं.

जहु, पु. कुश्रान्तनो पुत्र.

जहुतनया, स्त्री. जंगानदी.

जा, स्त्री. भा; काडी.

जागुड, न. केशर. [भतर.

जागर, पु. नगरधु, नगरतुं ते; अ-

जागरित, वि. नगेतुं. न. नगरतुं ते.

जागति, जागर्या, स्त्री. नगरधु.

जागृवि, पु. अग्नि, रात.

जाग्रत, वि. नगेतुं; स्वच्छ; अंध.

जाघनी, स्त्री. पूछी.

जांघिक, वि. दोडतुं. पु. दासक; उट.

जाट्य, न. अंडी; भूमी [धेतुं; स्वच्छ

जात, पु. पुत्र. वि. वेदा यतुं; व-

जातक, पु. नतुं नमेतुं आसक; या-

यक; लेतीपनी अक अंध.

जातरूप, वि. मुंदर; यकतुं. न. सोतुं.

जातयेदस, पु. अग्नि. [नयकण.

जाति, स्त्री. गोत्र; नम; मत; वर्ग;

जातिपत्री, स्त्री. नवनी.

जातिफल, न. नयकण.

जातिमह, पु. नम महोत्सव.

जातिसार, न. नयकण.

जाती, स्त्री. अग्नीतुं इव.

जातु, अ. कदाचित्; हेतुं वधते.

जातुक, न. दिंग.

जातुधान, पु. राक्षस. [कथुं.

जातुप, वि. वापतुं अतावेतुं; मी-

जातेष्टि, पु. पुत्रना नम पछी क-

रनामा आवतो होम.

जातोक्ष, पु. जुवान अणक.

जात्य, वि. कधीन; मुंदर; काटभुजा.

जान, न. उत्पत्ति, नम.

जानकी, स्त्री. सीता, रागनी पत्नी.

जानपद, पु. गामडीआ; गामडुं.

जानु, न. धुटधु. [रवी ते.

जाप, पु. नप, मनमां प्रायना क-

जावाल, पु. अकरानो गोवाग.

जायालि, पु. अकभुनि.

जामदग्न्य, पु. परशुराम.

जामा, स्त्री. पुत्री; पुत्रवधु. [भी इव.

जामात, पु. नमार्थ; मातेक; मुरनमु-

जामि, -मी, स्त्री. वेडेन; पुत्री; पुत्र-

जामेय, पु. भावेन. [वधु; सइगुणी स्त्री.

जांयव, न. सोतुं; नंधु.

जांयवत्, पु. नंधवान नामनो री-

उनो राम, श्रीकृष्णनो सरसरो.

जांतुनद, न. सोतुं; मानातुं परेतुं;

जाया, स्त्री. पत्नी, भाय. [धुते.

जायाजीव, पु. नट; य राग; छिनाग-

जायागते, पु. वि. दंपती. [नो पनि.

जायु, वि. विनयी. पु. एवा; वेद.

जाग, पु. इपपति, मार. [व मी.

जारिणी, स्त्री. अनियादिणी-छिना-

जाल, न. माउवां पडडवानी सुन-

रनी नथी; नभतर; नट; नव.

जालक, न. जल; लीड, समुदाय, पक्षीनां भाषा; कृत्रमी कणी.  
 जालकिनी, स्त्री. मंडी.  
 जालगोणिका, स्त्री. छारा वक्षोप-  
 जालपाद, पु. लंस. [वानि गोणी.  
 जालिक, पु. माधीभार; पारधी;  
 करेणीया; लहुगर; बुद्ध्या.  
 जालिका, स्त्री. जल; कडीतुं भ-  
 षतः; करेणीया; विधवा; नणो.  
 जालंधर, पु. भीआस अने सतलन  
 नदी वद्धेने प्रवेश.  
 जाल्म, वि. कूर, धातडी. उ. बुद्ध्या;  
 जास्पति, पु. नभाई. [गरीभ भाषुस.  
 जाहक, पु. गिलाडी; नणो; भाटलो.  
 जाहवी, स्त्री. गंगानदी.  
 जि, ग. १. अतुं.  
 जिगतु, पु. प्राणुवायु.  
 जिगिया, स्त्री नयनी धंछा; हरी-  
 जिघत्सा, स्त्री. भूभ. [क्षीर्ष; व्यवसाय.  
 जिघांसु, पु. शत्रु.  
 जिघृक्षा, स्त्री. देवानी धंछा. [ध  
 जिघ्नासा, स्त्री. नलुवानी धंछा; शो-  
 जिघ्नासु, वि. आत्मशानेच्छु, मुमुक्षु;  
 नलुवानी धंछा करनार.  
 जित्, वि. अतेहुं. पु. अत.  
 जित्तात्मन, वि. मनने कथुभां  
 राभनार. [अती देनार.  
 जितामित्र, पु. विष्णु. वि. शत्रुआने  
 जितेंद्रिय, वि. इंद्रियेने वश रा-  
 जिच्चम, पु. मिथुनराशि. [भनार.  
 जित्य, पु. दांतायो, नभीन जेड-  
 वानुं हयिथार. वि. अतवालायक.  
 जित्वर, वि. विनयी [स्त्री. (त्या) अत.

जित्वरी, स्त्री. कशी, ननारस.  
 जिन, पु. नैनभाधु; विष्णु; अति  
 शय वृद्ध भाषुस. वि. विनयी.  
 जिवि, पु. वषत.  
 जिवाजिव, पु. अकोरपक्षी  
 जिष्णु, वि. विनयी. पु. सयै; विष्णु;  
 अर्जुन; इंद्र.  
 जिहान, वि. गभनशील; तद्य दीधेयुं.  
 जिह्म, वि. वक; मंड. न. तगरतुं आड.  
 जिह्मग, पु. सर्प. वि. वाकुं आलनार.  
 जिह्व, पु. अल.  
 जिह्वल, वि. बुद्ध; बोली.  
 जिह्वा, स्त्री. अल; नराणा.  
 जिह्वारद, पु. पक्षी.  
 जीन, पु. आमडानी कोयणी. [रनार.  
 जीमूत, पु. पर्वत; भेष; इंद्र; गोपणु क-  
 जीमूतकूट, पु. पर्वत.  
 जीमूतवाहन, पु. इंद्र; विधाधरेने  
 जीर, पु. तरवार; अई. [रान.  
 जीरक, पु. अई.  
 जीर्ण, वि. पुरातन. न. वृद्धावस्था.  
 पु. वृद्ध पुरुष; आड, अई.  
 जीर्णपर्ण, पु. कंठतुं आड.  
 जीर्ण, स्त्री. वृद्धावस्था.  
 जीव, ग. १. अवतुं.  
 जीव, वि. अवतुं. पु. प्राण, आत्मा-  
 अहंशी; भृक्षरपति; विष्णु.  
 जीवक, पु. अवतुं प्राणी; याकर;  
 अक दवा; वृक्ष; सर्प पकडनार.  
 जीवध, पु. प्राण; काययो; मोर; वा-  
 जीवद, पु. वैद; शत्रु. [दण; सइशुणु.  
 जीवघाती, स्त्री. पृथ्वी.  
 जीवन, पु. प्राणी; पवन; पुन; प-  
 रभाभा. न. अहंशी; धयो

जीवनक, न. अन्न.  
 जीवंत, पु. दवा; प्राणु.  
 जीवपत्र, न. ताण्डुं पांढरुं.  
 जीवप्रिया, स्त्री. हरडा.  
 जीवमंदिर, पु. शरीर.  
 जीवा, स्त्री. पाणी; पृथ्वी; अंडगी.  
 जीवातु, उ. अन्न; अंडगी; अवन.  
 जीवात्मन, पु. प्राण, आत्मा.  
 जीवाघार, पु. अंतःकरण.  
 जीवांतक, पु. पक्षी पकडनार, पारधी.  
 जीविका, स्त्री. गुणरो, शैल, उ.  
 पञ्चविध. [अंडगी.  
 जीवीत, वि. अवनुं. न. अवन;  
 जीवितेश, पु. पति; यम; सूर्य; अंद्र.  
 जीविन्, वि. अवनुं. पु. अवनुं प्राणी.  
 जीव्य, न. अंडगी. स्त्री. (व्या) उप-  
 लविकातुं साधन.  
 जुकुट, पु. भगवायत पर्यंत; कुत्रो.  
 जुगुप्ता, स्त्री. निहा; अदनाभी.  
 जुंग, ग. १. तण्डुं. [उलकी नत.  
 जुंगीत, वि. तलु हीधेकुं पु अंडाव,  
 जुह, ग. ६. आंधुं. ग. १०. दण्डुं.  
 जुव, ग. १. प्रकाशतुं.  
 जुव, ग. ६. ननुं.  
 जुषक, पु. वरुण.  
 जुष्ट, वि. सेवित; संतोष पात्रेकुं; आ-  
 ढावातायक. न. अेकवाड.  
 जुष्य, वि. सेववातायक. न. सेवा.  
 जुडरण, पु. अंद्र. [यानो भालुस.  
 जुडवान, पु. अग्नि, वृक्ष; सभत है-  
 जुडवत्, पु. अग्नि. [ननुं.  
 जु, ग. १, २. हरहरतुं; उतावणी

जु, स्त्री. आकाश; सरस्वती; उ-  
 क्तु, पिराम्नी; उतावणी गति.  
 जुट(क), उ. डेशअंध, नटा.  
 जुति, स्त्री. वेग, गति.  
 जुर्णि, स्त्री. गति. पु. सूर्य; अग्ना;  
 जुत्ति, स्त्री. ताव, नवर. [दि. न. कोष.  
 जुप, उ. उकाणेही दण्डुं पाणी.  
 जुम्, ग. १. उधडतुं; पुनतुं; हेभातुं.  
 जुम, पु. उधडतुं ते.  
 जुमित, वि. उधाउकुं.  
 जेतव्य, वि. अतवातायक.  
 जेव, वि. विनयी. पु. अतनार; विध्य.  
 जेमन, न. भोराक, अन्न.  
 जेय, वि. अतवातायक.  
 जै, ग. १. नाश पाभतुं.  
 जैत्र, पु. अतनार न. अत. वि. विनयी.  
 जैत्ररथ, पु. अतनार.  
 जैन, पु. जैन, आवक; औद्ध.  
 जैपाल, पु. नभालगोटो  
 जैमिनि, पु. भीभांसाना कर्ता मुनि.  
 जैवातक, पु. अंद्र; कपूर; दवा; पुन;  
 जेडुत. वि. पातणुं.  
 जैहय, न. वकता, वाकार.  
 जोड, पु. आंधलु; पाटो. [अुपअुप.  
 जोप, पु. आनंद; अुभ. अ. सुअधी,  
 जोया, स्त्री. योया, स्त्री.  
 जो, पु. अग्ना; पडित; अंनत; अुध-  
 अड. वि. अकववान, डानुं.  
 जोति, स्त्री. अकत; स्तुति; वध.  
 जो, ग. २. ननुं.  
 जोत, वि. ननुं. न. नान.  
 जोतव्य, वि. ननुवातायक.  
 जोति, पु. सपिंड; पिता.

ज्ञातृ, वि. डाहुं, अङ्कशवान्.  
 ज्ञातेय, न. सगार्ध, सगंध.  
 ज्ञान, न. ज्ञान; बुद्धि.  
 ज्ञानकांड, न. वेदनेो अेक भाग.  
 ज्ञानतत्त्व, अ. लक्ष्मीने.  
 ज्ञाननिश्चय, पु. भाभी.  
 ज्ञानमय, वि. ज्ञानी. पु. परमात्मा.  
 ज्ञानयोग, पु. ब्रह्मज्ञानगी प्राप्तिनेो  
 उपाय. [शास्त्र.  
 ज्ञानशास्त्र, न. लविष्य लक्षणवातृ  
 ज्ञानहत्, वि. विस्मित. [परित.  
 ज्ञानिन्, वि. डाहुं, ज्ञानी. पु. ज्ञेशी,  
 ज्ञानेन्द्रिय, न. आभडी, शुभ, नाक,  
 ज्ञान अने आंघ अे पांय इंद्रियेो.  
 ज्ञापक, वि. बोधकारक. पु. शिक्षक;  
 डाकभ; भावेक.  
 ज्ञापन, न. बोधन, शिष्यवतुं ते.  
 ज्ञापित, वि. लक्षणवेकुं.  
 ज्ञीप्सा, स्त्री. लक्षणवाणी धृच्छा.  
 ज्या, ग. ९. पश करतुं. [माता.  
 ज्या, स्त्री. धतुष्यणी होरी; पृथ्वी,  
 ज्यानि, स्त्री. वृद्धापस्था, डाणी,  
 नदी; त्याग. [नाश पाभेकुं.  
 ज्यायम्, वि. मोटुं; उपरी, वृद्ध;  
 ज्युत्, ग. १. प्रकाशतुं.  
 ज्युति, स्त्री. प्रकाश.  
 ज्येष्ठ, वि. मोटुं; श्रेष्ठ, उत्तम. पु.  
 मोटो भाई, परमात्मा; उदगी;  
 नक भदिनेो.  
 ज्येष्ठतात, पु. मोटो काके.  
 ज्येष्ठश्वश्रू, स्त्री. मोटी साखी  
 ज्येष्ठा, स्त्री. मोटी गहेन; अेक न-  
 क्षत्र; पयखी आंगणी; दरिद्रता,  
 लक्ष्मीनी मोटी गहेन, डेटगरोखी.

ज्येष्ठो, स्त्री. डेटगरोखी.  
 ज्येष्ठय, न. वडीलता; डाकभी.  
 ज्यो, ग. १. सज्ञातृ आपवी.  
 ज्योतिस्, न. ल्योति, प्रकाश; वि-  
 लणी; सूर्य चंद्र; द्विवसनं अलवशुं.  
 पु. अग्नि; सूर्य; विष्णु.  
 ज्योतिष, वि. ज्योतिषने लगतुं. पु.  
 ज्योतिषी, द्वैवज्ञ. न. भगोत्तविधा.  
 ज्योतिष्क, पु. अंक, ब्रह्म, तारा वगेरे.  
 ज्योतिष्मत्, वि. प्रकाशित. पु. सूर्य.  
 स्त्री. (ती) रात्रि. [प्रकाश.  
 ज्योत्स्ना, स्त्री. अद्रप्रकाश, आंढनी;  
 ज्योत्स्नी, स्त्री. आंढनी रातनेो प्रकाश.  
 ज्यौ, पु. अदस्पतिब्रह्म. [आंढनी रात.  
 ज्योत्स्न, वि. प्रकाशित. स्त्री. (त्स्नी)  
 ज्वर, वि. गरम, उरंकेरायतुं. पु. ताप.  
 ज्वरा, स्त्री. ताप.  
 ज्वल्, ग. १. प्रकाशतुं; आणी भूकतुं.  
 ज्वल, वि. अणतुं; अणकतुं. पु. रो-  
 शणी, प्रकाश.  
 ज्वलका, स्त्री. अग्निनी लवाला.  
 ज्वलन, वि. दहन, आणेकुं. पु. अ-  
 ग्नि. न. अणतुं.  
 ज्वलित, वि. दग्ध; अणेकुं; तेजस्वी.  
 ज्वाल, वि. अणतुं. पु. लवाला, प्र-  
 काश; द्विवे, भसात.  
 ज्वाला, स्त्री. प्रकाश; अणेतो आभा.  
 ज्वलाध्वज, पु. अग्नि.  
 ज्वालामुखी, स्त्री. अणेतो पडाड.  
 ज्वालित्, पु. शिष्य.  
 झ.

झ, नवमो व्यंजन.  
 झ, वि. गुतेकुं; नष्ट. पु. अलुअलु अ-



वाज, वरसाह साधेनो पवन; अ-  
 ष्टरपति; भोवापक्षी श्री. स्त्री. (ज्ञा)  
 पर्वत उपरथी पडतो पाणीनो अरे.

ज्ञगति, अ. उतावणथी.

ज्ञकार, पु. भमरा वगेरेनो गुंजरव.

ज्ञकारिणी, स्त्री. गंगानदी. [ एाट.

ज्ञसन, न. धातुना धरेलुानो अणुअ-

ज्ञज्ञा, स्त्री. पडता वरसाह अथवा

इकता वायुनो अवाण; तोक्षणी

ज्ञटि, पु. अडी. [ पवन.

ज्ञटिति, अ. उतावणथी.

ज्ञम्, ग. १. भातुं.

ज्ञंप, पु. कुडको.

ज्ञंपिन, } पु. वांढरे.

ज्ञंपिन्, } पु. वांढरे.

ज्ञर, पु. पर्वत उपरथी पडतो अरे.

ज्ञरी, स्त्री. नदी; नातुं.

ज्ञर्चं, ग. ६. जेवतुं; ढपको आपवे.

ज्ञर्हर, पु. अेक जततुं वातुं; इवि-

युग; नेतरनो वारे. स्त्री. (रा)

ज्ञर्हरक, पु. इविधुग. [ वेस्था.

ज्ञर्हरीक, पु. शरीर; चित्र; देश.

ज्ञला, स्त्री. छोकरी; सूर्येनो प्रकाश.

ज्ञलि, स्त्री. सोपारीतुं कोटकुं. [ कर जत.

ज्ञल्ल, पु. पेदेववान; अेक वर्षुसं-

ज्ञल्लक, न. छमछमीयां, अंअर.

ज्ञल्लकंठ, पु. कथतर. [ शुद्धि; मिनाश.

ज्ञल्लरी, स्त्री. छमछमीयां, अंअर;

ज्ञप्, ग. १. लेउं; हुःण देउं.

ज्ञप, पु. भाछक्षी; भीनराशि; गरभी.

न. नंगल.

ज्ञपकेतन, पु. मदन, कामदेव.

ज्ञाट, पु. नंगल, वन; गरगुमडां

साइ करवां ते.

ज्ञाटाखक, पु. तरभूच, कर्वांगुं.

ज्ञागर, पु. सोई धसवानो पथर.

ज्ञाहर, पु. अंअरी वळडनार.

ज्ञालरी, स्त्री. बेरी; भुंग.

ज्ञालि, पु. भाटी तणेक्षी डेरी.

ज्ञािम, पु. नंगलनो इव.

ज्ञारिका, स्त्री. अरी, स्त्री. जीशुर, अेक

ज्ञाि, स्त्री. नर्मपत्र. [ नातुं प्राणी.

ज्ञुट, पु. वृक्ष; अडी.

ज्ञुणि, पु. अेक जतनी सोपारी.

आकाशवाणी; अडी.

ज्ञौड, पु. सोपारीतुं अड.

अ.

अ, दशमो व्यंजन.

अ, पु. जायन; अरपष्ट अवाण;

अणद; शुकाचार्य; पापंडी.

ट.

ट, अगीआरमो व्यंजन.

ट, पु. वामनज, हांगलो पुरुष; यो-

यार्ध; शष्द; अणुकार. न. पो-

इल नारियल. स्त्री. (टा) पृथ्वी;

सभ, सोजन, प्रतिशा.

टंक, उ. कोदाणी; तरवार; भ्यान;

कोध; गर्व; टंकलुआर; आर मा-

सातुं वजन; सिओ; स्त्री. (का)

टंकक, पु. इपानो सिओ. [ टंअडी, पग.

टंकटीक, पु. शिव.

टंकण, न. टंकलुआर. [ उवाणी नगा.

टंकशाला, स्त्री. टंकराण, सिओ पा-

टंकार, पु. आश्चर्य; धनुष्येनो अवाण.

टंग, पु. टंक शष्द लुओ.

टटनी, स्त्री. देउरेशी.

दृष्टरी, स्त्री. भस्कररी; नगारे, उंके.  
दृष्टर, पु. नगारानो अवाण.

दार, पु. धारो.

टिक, ग. १. ननुं.

टिप्पणी, } स्त्री. टीका, लाप्य.  
टीका, }

टु, पु. सोनुं; कामदेव.

टोट, वि. नातुं.

ठ.

ठ, भारभो व्यञ्जन.

ठ, पु. शब्द; भोटो अवाण; भूय  
अथवा वद्रतुं मंडण; शून्य; शिव;  
देवता; भूर्ति. [भुसितो भेताम्.

ठकुर, पु. देवता; भूर्ति; भोटो भा-

ठालिनी, स्त्री. लोढी; कभरभट.

ड.

ड, तेरभो व्यञ्जन.

ड, पु. शिव; शब्द; त्रास; वाडवा-

शि. स्त्री. (ड) डाकलु.

डम, पु. वरुसंकर, नीचजत, डोम.

डमर, पु. हुलड; भीकधी नाशी ननुं.

डमरु, पु. अक वाणुं.

डवित्थ, पु. लाकडातुं मृग-डरलु.

डल(लु)क, न. टोपली.

डाकिनी, स्त्री. डाकलु.

डामर, वि. भयंकर; हुलडभोर. पु.

उभर शब्द लुओ.

डालिम, पु. दाडम, अनार.

डाहल, पु. त्रिपुर देश.

डाहुक, पु. आतक, नपैयो.

डिकरी, स्त्री. लुवान स्त्री.

डिगर, पु. आकर; डम; नडो भा-

लुस, डैकुं ते.

डिडिम, पु. डांजी, अक नातुं डोल.

डिडी(डि)र, पु. समुद्रशीलु. [अक.

डिम, पु. नाटकना दश रूपकानुं

डिव, पु. हुलड; लयनो पोकार; ध-

डुं; डो.

डिम, पु. व्याणक; ननावरतुं व्याणक.

डीन, न. पक्षीनी उडवाणी गति.

डुंडुल, पु. नातुं धुवड. [जत.

डोम, पु. डेड, भडार वगेरे डलडी

ढ.

ढ, योडभो व्यञ्जन.

ढ, पु. अवाण; डोल; डुनो; डुवाणी

पूछी; अवाण; सर्प.

ढका, स्त्री. भोटुं डोल.

ढामरा, स्त्री. हंसगी भाषा.

ढाल, न. डाल.

ढालिन्, पु. ढालवाणो लडयेयो.

ढुंदन, न. शोध.

ढुदि, पु. गणुपति.

ढोल, पु. डोल.

ढौकन, न. लांय; भेट.

ण.

ण, पहरभो व्यञ्जन. आ अक्षरधी

शब्द शर थतो नथी.

ण, पु. गान; निश्चय, लुपणु; न-

क्षीस; शिव, दान.

त.

त, सोणभो व्यञ्जन.

त, पु. पुछडी; छाती; गर्भस्थान,

पीर; चोर, पापी माणुस; नंगली;

रत; अभूत. डे. सहकुलु.

तंस, ग. १. रेडतुं.

तकिल, वि. बुद्ध्या, ङगारे. स्त्री.  
 तक्र, न. छास. [ (ला) ६वा.  
 तक्रसार, न. भाषाणु.  
 तक्राट, पु. रथैये (छास करवानो.)  
 तक्षक, पु. युतार; युनधार; वि-  
 श्वकर्मा; तक्षक नाग.  
 तक्षण, न. छोलतुं ते.  
 तगर, पु. तगरतुं आड.  
 तक्र, ग. १. सडन करतुं; छरतुं.  
 तंक, पु. धारती, अय; गोभाक; ढों-  
 उड्डाडानी छीणी.  
 तंकर, न. दुःख, इवेश.  
 तंग, ग. १. न्तुं.  
 तट, ग. १. अडतुं. [ किनारे.  
 तट, न. भेतर. त्रि. नदी वजेरेनो  
 तटाक, उ. तणाव.  
 तटिनी, स्त्री. नदी.  
 तटी, स्त्री. नदीनो किनारे.  
 तड, तं, ग. १०. भारतुं.  
 तडाग, उ. तणाव.  
 तडि, पु. इटके.  
 तडित्, स्त्री. विण्णी; वध.  
 तडित्यत्, पु. वाण, भेष.  
 तंड, पु. शिखनो छारपाव.  
 तंडक, पु. नहुगर; ग्रीणु; भंजन-  
 पक्षी. उ. तैयारी.  
 तंडुरीण, उ. नंनक्षी; भूर्भ.  
 तंडुल, पु. छडेवा बोभा.  
 तत, वि. लभावेतुं; इलावेतुं. पु.  
 व्याप; पवन; पुत्र. न. विजावाणु.  
 ततःप्रभृति, अ. त्यांधी लछने.  
 ततम, वि. धणुभांधी ऐक.  
 ततर, वि. भेमानुं ऐक.

तति, स्त्री. छार, भावा; समुदाय.  
 तत्काले, अ. तेण वषते.  
 तत्प, न. स्वल्प; परमात्मा; परतु;  
 गन्धार्थ; मन; नृत्य.  
 तत्वज्ञ, वि. भ्रमज्ञानी. पु. शीलमुक.  
 तत्वतस्, अ. यथार्थ, साधेसानुं.  
 तत्ववादिन्, वि. भ्रमवादी.  
 तत्पर, वि. दुक्षीआर; तैयार.  
 तत्र, अ. त्यां, ते ठेकानुं.  
 तत्रत्य, वि. ते नजानुं, त्यांनुं.  
 तत्रभवत्, वि. पूत्य; आप सा-  
 देण-नामदार. [ निश्चयदर्शक.  
 तथा, अ. साम्य; समुच्चय; पूर्ववत्;  
 तथागत, पु. बुद्ध. वि. ते तरइतुं.  
 तथास्तु, अ. ऐभ थाजो.  
 तथैव, अ. तेभज.  
 तथ्य, न. शब्धार्थ. वि. सानु.  
 तद्, ते, गेनुं, आ.  
 तदनंतर, वि. ते पछीनुं.  
 तदनु रूप, वि. तेना नेतुं.  
 तदंत, अ. रिभा, ६६.  
 तदपि, अ. तोपणु.  
 तदवधि, अ. ते वषत संधी.  
 तदर्थ, अ. तेनेकीधे.  
 तदा, अ. तेण वषते.  
 तदादि, अ. ते वषतथी.  
 तदानीम्, अ. त्यारे, ते वषते.  
 तदीय, वि. ते संगंधी.  
 तदेय, अ. तेण.  
 तद्धन, वि. उंणुरा  
 तन, पु. वंशण; पुत्र.  
 तनय, पु. पुत्र.  
 तनया, स्त्री. पुत्री.

तनिका, स्त्री. होरी, रसी.  
 तनिमन्, न. इंद्रमु. पु. पातणार्ध.  
 तनिष्ठ, वि. आरीक; अति ज्ञेयं.  
 तनीयस्, वि. अतिशय आरीक  
 तनु, स्त्री. शरीर; आग्नी. वि.  
 आरीक; पातणु.  
 तनुच्छद, पु. अक्षतर.  
 तनु(नू)ज, पु. पुत्र. वि. शरीरभांधी  
 उत्पन्न ययथुं. स्त्री. (जा) पुत्री.  
 तनुत्र, न. अक्षतर.  
 तनुत्याग, वि. क्लृप्त पु. भरणु.  
 तनुरस, पु. परसेवा, धाम.  
 तनुद(रू)ह, न. रोम, ३आं.  
 तनुल, वि. द्वेषयथुं.  
 तनुत्, न. देह, शरीर.  
 तनू, स्त्री. शरीर. \*  
 तनून, पु. उषा.  
 तनूनप, न. धृत, धी.  
 तनुनपात्, पु. अग्नि.  
 तन्ति, पु. तांतणो; डार, भावा,  
 क्षागरो, वानुकर. [सतान  
 तन्तु, पु. तांतणो, तार; भगरभच्छ,  
 तन्तुक, पु. रार्ध, होरी. स्त्री. (की)  
 शरीरनी नाडी.  
 तन्तुकीट, पु. रेशभनो धीरो  
 तन्तुपर्वन्, न. धावणु शुद्ध पूनम,  
 जनोर्ध अद्वयानो द्विवस.  
 तन्तुर(ल), न. कभवना तंतुओ.  
 तन्तुशाला, स्त्री. वानुकरणी दुकान.  
 तंत्र, ग. १०. राज करथुं, देहो  
 आपवो.  
 तंत्र, न. वानुकरनु भास, होरो: री-

तभात; अध्याय, भाग; दवा;  
 युजरो; सरकार.  
 तंत्रक, पु. नवो पोशाक.  
 तंत्रवाप, न. वानुकरनुं साव. पु.  
 वानुनुं ते; वानुकर.  
 तंत्रवाय, पु. वानुकर; कशेषीओ.  
 तंत्री, स्त्री. वीणा-सारंगीनो तार;  
 शरीरनी नस; लुवान गी; सा-  
 रंगी; होरी.  
 तंद्रा, स्त्री. थाक, सुस्ती; थोडी वध.  
 तंद्रालु, वि. सुस्न; थाकेथुं; निद्राणु.  
 तंद्रि, -त्री, स्त्री. निद्रा; आणस, थाक.  
 तन्वी, स्त्री. नालुक-कोमल स्त्री.  
 तप्, ग. १, ४. तपथुं; प्रकाशथुं; ग-  
 रभी करवी, दु. अ अमथु.  
 तप, वि. गरम, तपेथु. पु. गरभी,  
 अग्नि, सूर्य; गरभीनी ऋतु.  
 तपन, पु. सूर्य; श्रीप्यरुतु; सूर्यकां-  
 तमणि, शिव; अंक नरक. न.  
 गभी; पीडा. [नरी; गरभी.  
 तपनी, स्त्री. गोदावरीनदी; तापी-  
 तपनीय, वि. तापवालाथक. न. सोनुं.  
 तपनेष्ट, न. ताणु.  
 तपस्, न. गरभी, पीडा, तपश्चर्या,  
 सहयुथु. पु. माध भदिनो; अग्नि.  
 उ. हेमतरुतु.  
 तपस, पु. सूर्य, अद्र, पक्षी.  
 तपस्कर, वि. तपसी, तप करनार.  
 तपस्य, पु. अर्जुन; क्षाणु भदिनो  
 तपस्या, स्त्री. तप, तपश्चर्या  
 तपुत्, पु. अग्नि, सूर्य, गत्र.  
 तपोवट, पु. अक्षवर्त देश.  
 तप्त, वि. तपेथु; दु:भी

तत्तकृच्छ्र, पु. पडेसे दिवसे गरम  
 पाणी, पीने दिवसे इध अने  
 नीने दिवसे धी पीने करेसुं मत.  
 तम, न. अंधाई; पगनो आगलो  
 भाग. पु. अभिमान; अंधाई;  
 तमालसुं जाड.  
 तमत, वि. धन्वित, वांन्वित.  
 तमस, न. तमोशुषु; शोक; पाप;  
 अभिमान. पु. राहुभड; इवो.  
 तमस्तति, स्त्री. अतिशय अधकार.  
 तमस्विनी, रात्रि, रात.  
 तमा, स्त्री. रात्रि; ओक नदी.  
 तमाल, पु. तमालसुं जाड.  
 तमि, -मी, स्त्री. रात्रि; उणद.  
 तमिस्र, वि. अंधाई. न. अंधकार,  
 अंधाई; ओध.  
 तमिस्रा, स्त्री. अंधारी रात.  
 तमोग्न, पु. सूर्य; अद्र; अग्नि; शिव;  
 विष्णु; ज्ञान; शुद्ध.  
 तमोनूद, पु. सूर्य; अद्र; अग्नि; दीवो.  
 तमोमणि, पु. आगियो कीरो.  
 तंपा, तंबा, स्त्री. गाय.  
 तय, पु. रक्षणु.  
 तर, पु. तरसुं ते; रस्तो; मछवो; नूर.  
 तरक्ष, -शु, पु. तरस, हीपरो.  
 तरंग, पु. तरंग, वेदेर; पुस्तकनो  
 भाग; घाडानी क्षण (आणधवुं ते  
 तरण, पु. मछवो; स्वर्ग. न. उलेसुं;  
 तरणि, स्त्री. मछवो. पु. सूर्य; आ-  
 कडासुं जाड; किरणु.  
 तरणिरत्न, न. भाणुक, ढाल (रत्न.)  
 तरंड, उ. मछवो; उलेसु.  
 तरंडी, स्त्री. वडाणु, मछवो.

तरंत, पु. समुद्र; वरसासुं आपडुं.  
 तरंती, स्त्री. मछवो.  
 तरपण्य, न. नूर, मछवासुं भाडुं.  
 तरल, वि. ध्रुणुं; अचल; पीकल.  
 पु. डार, माला; तणियु; डिरो;  
 लोडुं. [ कांठ.  
 तरला, स्त्री. मधभाष; शोभाणी  
 तरलायित, पु. मोटा मोने-तरंग.  
 तरवारि, पु. तरवार, अडग.  
 तरम्ब, पु. नीने दिवस. [ दरे.  
 तरस, न. अडप; नेर; मछवो; वां-  
 तरस, न. भांस. [ आन्तरी.  
 तरस्वत्, वि. जलवान, नेरावर;  
 तरस्विन्, वि. नेरावर. पु. कासद;  
 पवन; गरुड; शूरवीर. [ पेटी.  
 तरि (री), स्त्री. मछवो; कपडानी  
 तरिका, } स्त्री. मछवो; मदाई.  
 तरिणी, }  
 तरीता, स्त्री. तन्त्रीणी, अंगुडानी  
 पासेणी आंगणी; गांने.  
 तरीप, पु. मछवो; समुद्र; स्वर्ग;  
 काम, धधो; छालु. स्त्री, (पी) ध-  
 दनी कन्या.  
 तरु, वि. रक्षणुकर्ता पु. वृक्ष, जाड.  
 तरुह, पु. कमलसुं मूण.  
 तरुण, वि. लुवान; नडुं. पु. लु-  
 वान माणुस; ओरंडीआसुं जाड.  
 तरुणी, स्त्री. लुवान स्त्री.  
 तरुमृग, पु. वांदरो.  
 तर्क, न. १०. धारसुं; विचारसुं.  
 तर्क, पु. तर्क, वितर्क; आकांक्षा; कारणु.  
 तर्कक, पु. तर्कशास्त्री; गायक.  
 तर्कशास्त्र, पु. तर्कशास्त्र, न्यायशास्त्र.

तर्कित, वि. शक्यं भवेत्तुं. पु. तर्क.  
 तर्कित्, पु. तर्कशास्त्री, न्यायशास्त्री.  
 तर्क, स्त्री. अर्थो, सुतरां काठवानुबंधन.  
 तर्क्य, पु. तर्क, दीपदु.  
 तर्क, ग. १, १०. धर्मभाव्युं.  
 तर्कित, न. } धर्मशी; निंदा; श्लेष  
 तर्कना, स्त्री. }  
 तर्ण, पु. वत्स, वाद्यो.  
 तर्णि, पु. सूर्य; तर्णो.  
 तर्पण, न. वृत्ति; अग्नि; यज्ञकाष्ठ;  
 देवता पितृवग्नेरेने वत्स आपदुं ते.  
 तर्पणेच्छु, पु. शीघ्रभयिता.  
 तर्कित्, वि. शुनी.  
 तर्कट, पु. वत्सर, वर्ष.  
 तर्प, पु. अभिजाप; तर्क; समुद्र;  
 तर्पण, न. तर्क. [भयो; सूर्य.  
 तर्हि, अ. तदा, ते वभते.  
 तल, उ. सपाटी; मछीतल, छेदी;  
 पगलुं तर्कियुं. पु. तर्कवारनी मुकं;  
 ताडनुं आड. न. तणाव, कारण.  
 तलाची, स्त्री. साक्षरी.  
 तलातल, पु. पायभुं पाताण  
 तलिका, स्त्री. धाडनो नेरभध.  
 तलित, न. तर्कियुं भास. वि. तर्णि-  
 यायाणु. [णु; नालुं, स्वच्छ; नभ्युं.  
 तलिन, न. शया, पीछानु. वि. पात-  
 तलिम, न. इरसभधी, पीछानु; त-  
 रवार.  
 तलुन, पु. पवन; लुधान भापुस.  
 वि. लुधान. स्त्री. ( नी ) लु-  
 तलेक्षण, पु. शूकर, कुकर. [वान स्त्री.  
 तलोदरी, स्त्री. भाषां, पत्नी.  
 तलोदा, स्त्री. नदी.

तलक, न. वगव. [ पत्नी.  
 तल्प, उ. पीछानुं; अटारी. स्त्री.  
 तल्पकीट, पु. भाङ्गु.  
 तल्ल, पु. तणाव. न. बोयडं, बुझा.  
 स्त्री. ( ली ) लुधान स्त्री; वर-  
 धुनी स्त्री; डोडी.  
 तल्लज, पु. आनंद; उत्तम स्त्री.  
 तल्लिका, स्त्री. कुम्भी.  
 तल्लिप्या, स्त्री. पण, नोर.  
 तलीप, पु. समुद्र.  
 तल्ल, वि. कोपेयु.  
 तल्ल, पु. सुतार; विश्वकर्मा.  
 तस्कर, पु. चोर; डान; भराण्य स्त्री-  
 व. स्त्री. ( री ) कोधी स्त्री.  
 तस्करता, स्त्री. चोरी.  
 तल्लण, पु. सुतारनो छोकरो.  
 ताड, पु. ताडन, भारतु ते; शब्द,  
 अवाण; पर्वत.  
 ताडका, स्त्री. शक्य राक्षसी.  
 ताडक, पु. डाननुं शक्य धरेलुं.  
 ताडन, न. प्रहार, भारतु ने; कपडे.  
 ताडव, उ. शक्य प्रकारतु नाथ; शक्य  
 ताडवप्रिय, पु. शिव. [नतनुं धारा.  
 ताडि, स्त्री. नृत्पविधा.  
 तात, पु. पिता, भाप.  
 तातगु, पु. काडो.  
 तातन, पु. भंजन पक्षी.  
 तातल, वि. भापनुं; गरम. पु. री-  
 ग, लोढानो सणीयो; गरमी.  
 ताति, पु. पुत्र. स्त्री. संतान.  
 तात्कालिक, वि. तर्कतु. [अर्थ; मर्म.  
 तात्पर्य, न. अभिप्राय, मतलब;  
 तात्त्विक, वि. साधु.

तादात्म्य, न. तत्स्वरूप, ऐक्यरूप.  
 तादृश, } वि. तद्वत्, तेषुं.  
 तादृक्ष, }  
 तान, पु. तान (रागभां); दोशै. न.  
 ध्रियेनो विषय.  
 तानूर, पु. पाष्पीना वमन.  
 तांत्रिक, पु. तत्रशास्त्रे ज्ञानुत्तर.  
 ताप, पु. सतापः ज्वाला, मननी  
 पीडा. स्त्री. (पी) तापी नदी.  
 तापक, पु. ज्वर, ताप. वि. तपा-  
 तापस, पु. तपस्वी. [वनार.  
 तापसतरु, } पु. धंशुदीनु आड.  
 तापसद्रुम, }  
 तापसप्रिया, स्त्री. द्राक्ष.  
 तापिच्छ, पु. तमाद्यनुं आड  
 ताम, पु. दोष; धृच्छ, आतुर; थाक.  
 तामर, न. पाष्पी, धी. [सारस पक्षी.  
 तामरस, न. कभल, सोतुं; तांथुं;  
 तामस, वि. अधार्श; अज्ञान; वि-  
 पथी. पु. ङग, सर्प; ध्रुवड, रा-  
 हुनो पुत्र. न. अधकार. [क्षस.  
 तामिल, पु. कोध; ऐक नरक; रा-  
 तांबूल, न. सोपारी; पान.  
 तांबूलिक, पु. तयोली, पान वेचनार.  
 ताम्र, वि. ताभानु; रातुं. न. ताभु. पु.  
 ताम्रकुट, पु. कसारो. [कुशेश, डोढ.  
 ताम्रचूड, पु. कुकरो.  
 ताम्रिक, पु. कसारो. स्त्री. तांभानुं.  
 ताय, ग. १. लयावतु, श्लेषवतु.  
 तायु, पु. शार.  
 तार, वि. उंचु; भोतुं; स्वच्छ. पु.  
 नदीनो किनारो; माती; विष्णु,  
 शिव, प्रणव, उं. उ. आभनी  
 तारक, पु. ऐक दैत्य. न. आंभ. [झीझी.

तारकजित, } पु. कर्तिक रथाभि.  
 तारकारि, }  
 तारका, स्त्री. तारो; आंभनी झीझी.  
 तारकिन (त), वि. तारावाहुं.  
 तारण, पु. भक्षो. वि. तारणु कर्ता.  
 तारणी, स्त्री. भक्षो. [ धतुं.  
 तारतम्य, न. न्यूनाविक्य, जोधुं व-  
 तारल, वि. अयोक्ष. पु. विषयी भा-  
 तारलय, न. कंपारी; गदशेखी. [पुस.  
 तारा, स्त्री. आंभनी झीझी; तारो;  
 वादीनी स्त्री, अगदनी भा. [शिव.  
 तारापति, पु. अट; वाथी; अटस्वपति;  
 तारापीड, पु. अट, ऐक राज.  
 ताराभ, पु. पारो.  
 ताराभूषा, स्त्री. रात्रि, रात.  
 ताराम्र, पु. कपूर.  
 तारावर्ष, न. भरतो तारो.  
 तारीश, पु. समुद्र; वैकुंठ  
 तारुण, वि. श्रुमान.  
 तारुण्य, न. लुवान्नी.  
 तारेय, पु. अगद; युधनो तारो.  
 तार्कव, वि. वल्लेपु.  
 तार्किक, पु. शीलमुत्र; तर्कशास्त्री.  
 तार्क्ष, पु. कश्यपमुनि. [शिव, सोतुं.  
 तार्क्ष्य, पु. गड, गाडी, घोडो, सर्प,  
 तार्क्ष्यध्वज, पु. विष्णु.  
 तार्ण, वि. घासतुं भनानेपु. पु. अग्नि.  
 ताल, पु. ताडतुं आड, ताणी वगा-  
 उवाथी यतो शब्द, ताणु, (गा-  
 यनभां) ताप; तस्वारनी मुठ. न.  
 डरताण. [गल, अडगरो.  
 तालक, न. डरताण, इस्वाननीमे-  
 तालकेतु, पु. लीधम.

तालध्वज, पु. अक्षराभ. [छु (पांढी.)  
 तालपत्र, न. ताडपत्र, कानतुं अेक धरे-  
 तालव्य, वि. ताणुसभधी [पभो.  
 तालवृत्तक, न. ताडना पांढीने।  
 ताललक्ष्मन्, पु. अक्षराभ.  
 तालांक, पु. अक्षराभ; ताडपत्र; पु-  
 स्तक; कर्तव्य; शिव.  
 तालिक, पु. } ताणी, हथेणी, देगी.  
 तालिका, स्त्री. }  
 तालिन्, पु. शिव.  
 तालिश, पु. परेत.  
 तालु, पु. ताणतुं, ताणु  
 ताविय, पु. समुद्र.  
 तास्कयं, न. बोरी. [द्रव्य.  
 तिक, वि. तिथु पु. कंडवारा, क-  
 तिकक, वि. तिथु. पु. अदीर, प-  
 दाव वगेरे आडना नाम.  
 तिकगंधा, स्त्री. शर्ध.  
 तिग्म, वि. तिक्ष्ण, गरभ; लुस्सा-  
 वाणु. न. गरभी. तीक्ष्णता  
 तिग्मकर, पु. सूर्य.  
 तिग्मांशु, पु. सूर्य, अग्नि, शिव.  
 तिज्ञ, ग. १. सडन करतु.  
 तिजिल, पु. अद्र, गक्षरा.  
 तितड, न. नानी छत्री  
 तितिक्षा, स्त्री. सडनशीवता; क्षमा.  
 तितिक्षु, वि. क्षमावत, दयाणु.  
 तितिम, पु. आगीअो छीडे, छद्र  
 तित्तिर, पु. तित्तरपक्षी. [गोप छीडे.  
 तित्तिरी, पु. तित्तर-तीतरपक्षी, य-  
 णुवेदनी अेक शाभा [बोभासु.  
 तिथ, पु. अग्नि, प्यार, वभत,  
 तिथि, पु. तिथि, अडनी कणा, १५  
 नी सभ्या

तिथिपत्री, स्त्री. पयांग.  
 तिथिमणि, पु. अद्र.  
 तिनिश, पु. अेक नतनुं आड.  
 तितिडी, स्त्री. आंभडीनुं आड; आं-  
 भधीने रस.  
 तितिलि(ली)का, } स्त्री. आंभडीनुं  
 तितिली, } आड.  
 तिदु, पु. अभनुसतुं आड.  
 तिदुक, पु. अभनुसतुं आड. न.  
 मे।। भारानुं वजन.  
 तिप्, ग १. छांडतुं, टपकतुं; रक्षणु  
 तिम्, ग. १. लीनुं यतुं. [करतुं.  
 तिमि, पु. समुद्र; भाछली, भगर-  
 मच्छ. [नतार भोटी भाछली.  
 तिमिगिल, पु. तिभि भाछलीने गणी  
 तिमिगिलगिल, पु. तिमिगिव गा-  
 छलीने गणी नतार भोटी भा-  
 छली, दरीआर्ध गक्षरा.  
 तिमित, वि. निश्चय, लीनु, शांत  
 तिमिर, वि. अधार उ. अधकार,  
 अधापो, दोढानो भुडे.  
 तिमिररिपु, पु. सूर्य  
 तिरम्, ज. अतर्धान  
 तिरस्त्र, ग. ८. विक्राणु; कपडे  
 आपवे. [कनात.  
 तिरस्करिणी, स्त्री. पडदे, लुरभो,  
 तिरस्कार, पु. विकार, निंदा.  
 तिरस्कृत, वि. विकारेतु, निंहेतु,  
 छूपावेतु.  
 तिरोधा, ग. ३. सताई नु; ढांकतु.  
 तिरोधान, न. लुरभो, छूपातुं ते.  
 तिरोहित, वि. छूपावेतु  
 तिरोभू, ग. १. अधोप यतु



तिर्यक्(च्), वि. वक्रः कुटील. उ.  
पक्षीः प्राणी.

तिल, ग. १. ननुं. [ यतो तस.

तिल, पु. तिल, तिल; शरीर उपर

तिलक, पु. पूलवाणु अड. उ. वं-  
दन वजेरेथी कपाणमां करवाभां  
आवती निशानी. न. संखलभार.

स्त्री. (का) भासा, हार.

तिलकिट्ट, न. } भेण, तेव काढी

तिलखलि, स्त्री. } क्षीधेसा तलनां

तिलतंडुलक, न. आक्षिगन. छितरां.

तिलपर्ण, न. यदन; तलनां पांडडां.

तिलंतुद, पु. धांथी.

तिलित्स, पु. मोटे सधं.

तिलोत्तमा, स्त्री. जेक अप्परा.

तिल्य, न. तलनुं भेतर.

तिल्व, पु. वेप्रनुं अड.

तिष्ठद्गु, अ. संध्या समय.

तिष्ठन, न. स्थापनुं ते.

तिष्य, पु. पुष्यनक्षत्र; पोषभक्षिने;

तिक्, ग. १. ननुं. [ कडियुग.

तीक्ष्ण, वि. तीक्ष्ण, तीक्ष्ण; गरभ;

शुस्सावाणुं; सभत; यतुर. पु.

नवभार; काणां भरी. न. वेडुं;

पावाद; गरभी; लडार्थ; अर; ड-

थियार; समुद्रक्षु; मोत; उतावण.

तीक्ष्णपुष्प, न. लयंग. [तडीनुं अड.

तीक्ष्णपुष्पा, स्त्री. लवंगनुं अड; के-

तीक्ष्णमूल, पु. कुर्वाणन.

तीक्ष्णरश्मि, पु. नूर्य.

तीक्ष्णशूक, पु. यव, नव.

तीक्ष्णसार. पु. वेडुं.

तीम्, ग. ४. क्षीणवनुं.

तीर, ग. १०. पसार करुं.

तीर, न. किनारे. पु. भाणु; गीमुं.

तीरु, पु. शिव.

तीर्ण, वि. उतरी गयधुं; लंपावेधुं.

तीर्थ, न. ररतो; धाट ( नदीनो );

पवित्र नग्था; उपाय; शुभ; भूत;

सलाड; शास्त्र; मरु; भोग; स्त्री-

तीर्थ(र्थ)कर, } पु. जैननो साधु. [ रज.

तीर्थरुत, }

तीर्थभूत, वि. पवित्र.

तीर्थराज, पु. प्रयाग, अवाडुणाट.

तीर्थसेविन्, वि. जनाणु. पु. अगवो.

तीर्थ्य, पु. साधु.

तीवद, पु. समुद्र; पारधी; राजपु-

त्रीने क्षत्रीना विर्यथी उत्पन्न य-

यवो पुत्र.

तीम्र, वि. तीक्ष्णु; गरभ; लपंकर.

पु. तीक्ष्णत; शिव. न. गरभी;

किनारे; वेडुं.

तु, ग. २. सत्ता डोनी, भेणवनुं.

तु, अ. पाडपूरणु; परतु; अवधारणु;

समुन्वयदर्शक.

तुलार, पु. विंध्याचल पर्वत आनण

रदेता वेडोनी जेक जत.

तुंग, वि. उंथुं; लांथु; मुष्प; मज-

भूत. पु. उंथार्थ; पर्वत; शिभर;

शुधश्चड; नारियलनुं अड; वि-

तुंगवीज, पु. पारे. [ क्षान भाणुग.

तुंगमद्र, पु. महोन्भत्त डधी, तो-

क्षानी डधी.

तुंगमद्र, स्त्री. जेक नदी.

तुंगमुख, पु. वेडो.

तुंगशेखर, पु. पर्वत.

मुंगी, स्त्री. रात्रि; ६७६.  
 तुंगीश, पु. अद्र; मूर्ध; कृष्णु; शिव.  
 मुंगीश्वर, पु. शिव; शिवतुं मंदीर.  
 तुच, पु. संतान.  
 तुच्छ, वि. भाषी; नातुं, क्षुद्र; तथ  
 दीधेतुं; ६७६; कंगाल. न. भुसुं,  
 तुज, ग. १. धन करवी. [धुतुं.  
 तुज, पु. आंयडो; राक्षस.  
 तुण, ग. ६. वांकु करतुं; कंगतुं.  
 तुंड, ग. १. दामतुं.  
 तुंड, न. भोटुं; छापीनी मुंड. [नालि.  
 तुंडि, पु. मुभ, भोटुं; आंय. स्त्री.  
 तुंडिल, वि. वातुरो. [करयो.  
 तुत्थ, ग. १०. स्तुति करवी; पउदो  
 तुत्थ, पु. अग्नि. स्त्री. (त्या) नानी  
 खेवयी.  
 तुंद, पु. नालि. न. ६६२, गेट.  
 तुंदि, हे. ६६२, गेट. स्त्री. नालि.  
 तुंदिक, } वि. विशाण, भोटुं.  
 तुंदिल, }  
 तुन्नवाय, पु. ६२७.  
 तुप, तुंप, ग. १, ६. धन करवी.  
 तुमुल, वि. झेधी; तुयवायतु, अ-  
 उअयीतुं. उ. धोंगाट.  
 तुंव, ग. १. भारतुं; दुःख हेतुं.  
 तुव(क), पु. दुधी; डोणुं.  
 तुंवर, पु. अेक अंधर्व.  
 तुंवि, -घों, स्त्री. दुधी, डोणुं.  
 तुव(खु)र, पु. अेक अंधर्व.  
 तुद, ग. ६. उतावण करवी; धन  
 करवी. [पैसादार. पु. ७८५.  
 तुद, वि. वेगवान; तेथ; भग्नृत;  
 तुदकिन्, वि. तुर्की लोकतुं.

तुरक्य, पु. तुर्की लोक. [घोडी.  
 तुरग, पु. घोरो; मन. स्त्री. (गी)  
 तुरगिन्, पु. घोरेस्वार. [घोडी.  
 तुरंग, पु. घोरो; मन. स्त्री. (गी)  
 तुरंगारि, पु. पारो.  
 तुरी, स्त्री. वलुकरनो कांटलो.  
 तुरीय, वि. बोध; भोटुं. न. बोधे.  
 तुरुष्क, पु. तुर्की लोक. [भाग; अद्र.  
 तुर्वसु, पु. यथाति राजनो पुत्र.  
 तुल्, ग. १, १०. तोणतुं, वग्न  
 करतुं; तुलना करवी.  
 तुलन, न. वग्न; सरभामणी.  
 तुलना, स्त्री. दधांत; सरभामणी;  
 वग्न; परीक्षा.  
 तुलसी, स्त्री. तुलसीतुं आड.  
 तुला, स्त्री. कांटो, गग्नतुं; वग्न;  
 तुलाराशि; सादश्य.  
 तुलाकूट, पु. भोटुं वग्न.  
 तुलाकोटि, -टी, स्त्री. नूपुर, आंअर;  
 ६१ करेडनी संख्या.  
 तुलाघट, पु. ६२७.  
 तुलाघर, पु. वेपारी; तुलाराशि.  
 तुलाघार, पु. वेपारी; तुलाराशि;  
 लारोटियु.  
 तुलावीज, न. गुंज, खलोडी.  
 तुलि, -ली, स्त्री. वलुकरनो कांटलो;  
 चिताराणी पीडी.  
 तुल्य, वि. समान, सरभुं.  
 तुवर, वि. दाढीवरतुं; तुं. उ.  
 तुरो स्वाद.  
 तुपरी, स्त्री. मुअंधी भाडी; इटकी.  
 तुप, ग. ४. संतोष धामतुं.  
 तुप, पु. अनाननां छासुं.

तुपसार, पु. अग्नि. [७२६; ६५.  
 तुपार, वि. थंडुं. पु. हीम, थंडी;  
 तुपारगिरि, } पु. डिभाक्षय पर्वत.  
 तुपाराद्रि, }  
 तुष्ट, वि. संतोषी; आनंदी.  
 तुष्टि, स्त्री. संतोष; आनंद.  
 तुस, ग. १. अवाञ्ज करवो.  
 तुस, पु. अनाजनां छावां.  
 तुस्त, न. धूण; लुसुं. पूर. वि. थंडुं.  
 तुहिन, न. ७२६; ६५; थांढनी; क-  
 तुहिनांशु, पु. थंड्र; कपूर.  
 तुहिनाचल, पु. डिभाक्षय पर्वत.  
 तूड, ग. १. धिञ्जारतुं.  
 तूण, पु. तीरने भाथो.  
 तूणी, स्त्री. भाथो; शुधीने रोपो.  
 तूतुम, वि. थंथण, थपण.  
 तूद, पु. कपासतुं आड.  
 तूवर, पु. दाढीवगरने भाबुस;  
 सींगडावगरने अणढ; हीणडो.  
 तूर, ग. ४. उतावण करवी; भारी  
 नाभतुं. [ पीपोडी.  
 तूर, न. वाळुं. स्त्री. (री) तुरी,  
 तूरण, वि. उतावण. न. उतावण.  
 तूरणि, पु. मन; मल, नरक; श्लोक.  
 तूर्य, उ. अेक जततुं वाळुं.  
 तूल, ग. १. वज्जन करतुं; डांकी  
 डाढतुं; तुलना करवी.  
 तूल, उ. कपास. न. आकाश; सेंडे-  
 तुर; धवरातुं आड. स्त्री. (ली)  
 हीवानी वाट; कपास; गिता-  
 रानी पीछी.  
 तूणीक, वि. मुंमुं; शुपथाप.  
 तूणीम्, अ. शुपथुप, मुंजे मोढे.

तूल, न. जटा; पाप; धूण; अलु.  
 तुक्ष, ग. १. जतुं.  
 तुस, न. जयक्षण.  
 तुण, ग. ८. भातुं; धास आवतुं.  
 तुण, न. धास; पांढडां वजेरे.  
 तुणकेतु, पु. आंशु, वांस.  
 तुणचर, पु. गोमेढ (रत्न.)  
 तुणद्रुम, पु. ताडतुं आड; नारियली;  
 सोपारीतुं आड.  
 तुणपूली, स्त्री. साढी. [ २डी.  
 तुणराज, पु. नारियली; वांस; शे-  
 तुणसारा, स्त्री. कडली, केण.  
 तुणाग्नि, पु. धासनी आग.  
 तुण्या, स्त्री. धासने ढगवो.  
 तुतीय, वि. त्रीणुं. न. त्रीने भाग.  
 तुतीया, स्त्री. त्रीण, त्रीण तिथि;  
 त्रीण विभक्ति (व्याकरणमां.)  
 तुतीयाप्रकृति, यु. नपुंसकलिंग;  
 हीणडो.  
 तृप्, ग. ४, ५, ६. संतोष पाभतुं.  
 तृपत्, पु. थंड्र; नानी छत्री. [ वेव.  
 तृपल, न. पथ्यर. स्त्री. (ला) लता,  
 तृपु, पु. चार.  
 तृत्त, वि. संतोषी. न. संतोष.  
 तृत्ति, स्त्री. संतोष; आनंद.  
 तृत्त, न. धृत, धी. पु. तुरोडास,  
 होम करवानी तुरी.  
 तृकु, पु. सर्पनी जति.  
 तृप्, ग. ४. तरस्था थतुं.  
 तृप, } स्त्री. धंथा; तृष्णा; कामदे-  
 तृपा, } वनी कन्या; तरस.  
 तृपाह, न. पाष्ठी.  
 तृपित, वि. तरस्तुं. न. तरस.

तृष्णा, स्त्री. तरस. धृ०छ।  
 तृह, ग. ६, ७, १०. धृ०त करणी.  
 तेज, पु. अभङ्गात; उचिथारनी धार.  
 तेजन, न. वांस; तीक्ष्ण करणुं ते;  
 तेजल, पु. तीतरपक्षी. [धृ०.  
 तेजस्, न. तीक्ष्णता; गरगी; धार,  
 डार; तेज, प्रकाश; धण, जेर;  
 अग्नि; सोनुं. [प्रभ्यात.  
 तेजस्विन्, वि. यणकतुं; धणवान;  
 तेजित, वि. अणुधार; उरकेरायतुं.  
 तेप्, ग. १. छांटतुं; धुणुं.  
 तेम, पु. भीनाश. (स्त्री.) व्यूषो.  
 तेमन, न. भीजवतुं ते; भीनाश.  
 तेव्, ग. १. रभतुं; शोड करवे।  
 तेवन, न. रभत; रभवानी जगा.  
 तैश्य, न. तीक्ष्णता; कुरता.  
 तैजस, वि. यणकतुं; तीक्ष्ण; प्रचड,  
 धणवान. पु. सूक्ष्म शरीर चैतन्य  
 न. धातु; धी; जेर.  
 तैतिश्च, वि. सङ्गतशील.  
 तैतिल, पु. गेडो; ४ थु करणु.  
 तैत्तिर, न. तीतरपक्षीनुं टाणुं. पु.  
 तीतरपक्षी; जेरो.  
 तैत्तिरीय, पु. यणुर्वेदनी अक शाभा.  
 तैमिर, पु. आंभनी अंभ.  
 तैल, न. तेव; बोभान.  
 तैलक, न. थोडुं तेव.  
 तैलकार, पु. धांथी. [साधु.  
 तैलद्रोणी, स्त्री. तेल राणवानुं वा-  
 तैलपणिका, स्त्री. थुभड, अदन.  
 तैलफल, पु. तव; धृथुदी.  
 तैलमाली, स्त्री. हीवानी वाट.  
 तैलयंत्र, न. धाणी.

तैलाटी, स्त्री. अमर.  
 तैलिक, पु. धांथी.  
 तैलिन, न. तलतुं अतर.  
 तैलंग, पु. कर्णुं टक देश.  
 तैप, पु. पोप भडिनो.  
 तोक, न. संतवी.  
 तोकक, पु. यातकपक्षी.  
 तोकम, न. डानतुं भेव. पु. लीला  
 तोत्र, न. अंकुश, आर. [जव; नीलो रंग.  
 तोत्रवेत्र, न. छडी.  
 तोद, पु. दुःख, पीडा; मूथ.  
 तोदन, न. अकुश; पीडा; भोडु.  
 तोमर, उ. आर, परेणु.  
 तोय, न. पाणु.  
 तोयद, पु. भेध, वादन. न. धी.  
 तोयधि, { पु. समुद्र; आरनी  
 तोयनिधि, } सभ्या.  
 तोयनीया, स्त्री. पुथ्वी.  
 तोयसूचक, पु. देडडो.  
 तोरण; न. गरदन. उ. तोरणु; ध-  
 डारनो दरवाने; भेडेराम.  
 तोल, उ. वजन; अक तोलो.  
 तोलन, न. तोणतुं ते.  
 तोप, पु. संतोप; आनंद.  
 तोपक, वि. आनंद आपनार.  
 तोपण, न. संतोप. वि. संतोपी.  
 तोपल, न. मुसल.  
 तोषिक, पु. धतराशि.  
 तोच्छ, न. अवशा.  
 तोतिक, पु. भोतीनी छीप. न. भोती.  
 तोल, न. वजन.  
 तोलिक, पु. अितासे.  
 तोपार, वि. धरंवाणु. न. धरं.

त्यज्, ग. १. तज्जु, छोडी नहुं.  
 त्यक्त, वि. तथ दीधेयुं.  
 त्यक्तलज्ज, वि. भेशरभ.  
 त्यजन, न. त्याग, छोडी हेतु ते.  
 त्यग, पु. त्याग, छोडी हेतुं ते, प.  
 त्यागिन्, वि. तजेयुं; गडादुर. [उित.  
 त्याज्य, वि. तज्जवालायक. न. तारा  
 तस्, ग. १. ज्योत्सुं, प्रकाशयुं. [शुद्धि.  
 त्रंक्, ग. १. नहुं.  
 त्रद्, ग. १. वर्तयुं; दोशेश करनी.  
 त्रप्, ग. १. शरभायुं.  
 त्रपा, स्त्री. नभ्रता, शरभ, कीर्ति, कुलटा  
 त्रपाक, पु. भवेच्छलत. [स्त्री, कुंडल.  
 त्रपित, वि. नभ्र; शरभाव.  
 त्रपिष्ठ, } वि. अतिसतोषी; अ-  
 त्रपियस्, } तिसरभाण.  
 त्रपु, न. सीसुं; कलधं.  
 त्रपुस्, न. कलधं, दीन.  
 त्रपुप, न. काकडी.  
 त्रप्स्य, न. भडा, पातणु करेयुं धर्मा.  
 त्रय, वि. त्रयुगलु. न. त्रयुनी सभ्या.  
 त्रयीतनु, पु. सयं.  
 त्रयीधर्म, पु. त्रयु वेदना कडेला धर्म.  
 त्रयोदश, वि. १३, तेरनी सभ्या.  
 त्रयोदशी, स्त्री. तेरस, तेरमी तिथी.  
 त्रस्, ग. १. ध्रुजु, भीडयुं.  
 त्रस, वि. नगम. पु. अतंकरणु. न.  
 नगल; ननावर. [रीक रजकणु  
 त्रसरेणु, स्त्री. नृथनी पत्नी, भा-  
 त्रसुर, } वि. भीकणु.  
 त्रस्तु, }  
 त्रा, ग. २. रक्षणु करणु. [आद्य  
 त्राण, वि. रक्षित. न. रक्षणु, भदक,

त्रात, वि. अथावेतु, रक्षित. न. २-  
 त्रातृ, वि. रक्षक; वडील. [क्षणु.  
 त्रास, वि. नगम; भीकणु. पु. भय,  
 भीक, हीरानी जोड.  
 त्रासित, } वि. भयभीत, भीधेयु.  
 त्रासिन्, }  
 त्राहि, अ. तोभाड; रक्ष.  
 त्रिश, वि. त्रीशयु.  
 त्रिशत्, स्त्री. त्रीशनी सभ्या.  
 त्रिक, वि. त्रगणुं. न. तरलेटो, त्रपु  
 रस्ता भणता होय जेवी नगा.  
 त्रिकूट, पु. सीखोननो जेक पर्वत.  
 त्रिकोण, वि. त्रयु भूखुवाणु. पु.  
 त्रिकोणु; योनि.  
 त्रिगता, स्त्री. स्त्री.  
 त्रिगुण, वि. त्रयु शुणुवाणु. न.  
 सत्त्व, रज्ज् अने तम जे त्रयु शुणु.  
 त्रिजटा, स्त्री. शमनी पत्नी सीतानी  
 याकरीभां रडेनारभां जेक राक्षसी.  
 त्रितय, पु. त्रीणुं.  
 त्रिदश, पु. देव, देवता.  
 त्रिदशपति, पु. धं  
 त्रिदशालय, पु. स्वर्ग; सुभेदपर्वत.  
 त्रिदिव, न. स्वर्ग; आकाश; सुभ.  
 त्रिदिवेश, पु. धं; देव.  
 त्रिदश, पु. शिव.  
 त्रिधा, अ. त्रयु प्रकारे.  
 त्रिघातु, पु. गणुपति. न. त्रयु घातु.  
 त्रिघामन, पु. त्रिणु; व्यास, शिव;  
 अग्नि; मृत्यु.  
 त्रिनयन, } पु. शिव. स्त्री. (ना)  
 त्रिनेत्र, } (त्रा) पार्वती.  
 त्रिपञ्च, वि. पंढर.

त्रिपट्ट, पु. ३२.  
 त्रिपथगा, स्त्री. गंगानदी.  
 त्रिपट्ट, पु. विष्णु; ताव. [ गवाणुं.  
 त्रिपद, न. त्रीपाद्य. वि. त्र्यु प-  
 त्रिपाद, पु. विष्णु; ताव.  
 त्रिपिष्टय, न. स्वर्ग; आकाश.  
 त्रिपुट, वि. त्र्यु षूणुवाणुं. पु.  
 त्रिपुटक, पु. त्रिकोण. [त्र्याणु; किंनारो.  
 त्रिपुटा, स्त्री. दुर्गा, अंटी.  
 त्रिपुंड्र, पु. रागथी करेको त्र्यु रे-  
 षानो तीलक.

त्रिपुरदहन, } पु. शिव. [आंभणां.  
 त्रिपुरांतक, }  
 त्रिफला, स्त्री. हरडा, भेदेडां अने  
 त्रिमद्र, न. मैथुन, स्त्रीसग.  
 त्रिभुज, न. त्रिकोण.  
 त्रिभुवन, न. त्र्यु लोक, (स्वर्ग,  
 मृत्यु अने पाताण.)

त्रिमूढ, पु. त्र्यु भाणवाणु धर.  
 त्रिमधुर, न. आंड, मध अने धी.  
 त्रिमार्गा, स्त्री. गंगा. [दिस; शुद्ध-  
 त्रिमूर्ति, पु. ब्रह्मा, विष्णु अने भ-  
 त्रिमूर्धन, पु. राक्षस.  
 त्रियष्टि, पु. त्र्यु सरनी भावा.  
 त्रियामक, न. पाप. [त्र्युना नदी.  
 त्रियामा, स्त्री. रात; शुद्धी; हणद,  
 त्रिरेख, पु. संभ. [दले विशेषण.  
 त्रिलिंग, वि. त्र्यु व्रतिवाणुं (त्रे-  
 त्रिलोचन, पु. शिव. [ताण स्त्री.  
 त्रिलोचना, स्त्री. दुर्गा, पार्वती; छि-  
 त्रिवर्ग, पु. धर्म, अर्थ अने काम.  
 त्रिवर्ष, वि. त्र्यु वरसणुं.  
 त्रिविक्रम, पु. पावन अवताड.

त्रिशंकु, पु. सूर्यपशीरान्त, इतिश्वि-  
 द्रनो पिता; अपैयो; जिलाडी;  
 आजीयो डीडो.

त्रिशिख, न. त्रिशुल; सुशुट.  
 त्रिशिरस्त, पु. राक्षस; कुपेर; लंदर,  
 त्रिशोक, पु. आत्मा. [ताव.  
 त्रिपष्टि, स्त्री. १३, त्रिसठनी सभ्या.  
 त्रिहल्य, वि. त्र्यु वपत जेरुणुं.  
 त्रुट, म. ४, ६. भांगणुं, त्रुटणुं.  
 त्रुटि, -टी, स्त्री. नागी जेलथी; तानो  
 भाग, संशय; तुकसान; क्षणुनो  
 योथो भाग; भंडन.

त्रुटित, वि. षडित, भागेणुं.  
 त्रुप्, त्रुप्, म. ४. ईण करपी.  
 त्रुता, स्त्री. भीजे युग.  
 त्रुघा, अ. त्रिधा, त्र्यु प्रकारे.  
 त्रु, म. १. राक्षणु करणुं.  
 त्रुकातिक, वि. अत, लविष्य अने  
 वरतमानकाणणुं.

त्रुगुण्य, न. त्रिशुणुधर्म.  
 त्रुध, वि. त्र्यु प्रकारतु.  
 त्रुपुर, पु. त्रिपुरदेस.  
 त्रुयातुर, पु. लक्ष्मणु, राभनो भाई.  
 त्रुयाशिक, न. त्रुयाशि (गण्डिनभां.)  
 त्रुलोक, पु. धंद. [ताण.  
 त्रुलोक्य, न. स्वर्ग, मृत्यु अने पा-  
 त्रुलोक्यविजया, स्त्री. भांग.  
 त्रुवार्षिक, वि. त्र्यु वरसणुं.  
 त्रुविद्य, पु. त्र्यु वेद नानुतार. न.  
 त्र्यु वद (कड, यजुर् अने  
 त्रुविष्य, न. त्र्यु गीत. [साम.)  
 त्रुशंकर, पु. इतिश्वंर राज.

श्रीटक, न. नाटकनी अिक लत; शु-  
रसाना सण्ठे. पु. अिक अेरी  
लवडुं.

श्रीत्र, न. अकुरा, पशेषी, अिक शेरग.

अ्यस, पु. शिव. वि. तलु आं-  
भवाणु. [ शण्ड.

अ्यक्षर, पु. अ्यम्, तलु अक्षरनेा

अ्यंजन, न. तलु लतनां अगनेा.

अ्यध्वगा, स्त्री. गगानठी.

अ्यब्द, न. तलु वरस.

अ्यंबक, पु. शिव, भडाडेव.

अ्यंबकसख, पु. कुषेर.

अ्यंबका, स्त्री. पार्वती, दुर्गा.

अ्यशीत, वि. ८३, अ्यानी.

अ्यशीति, स्त्री. ८३ नी सण्या.

अ्यस्त्र, न. त्रिकोणु.

अ्यह, न. तलु दिवस.

त्व, वि. षीणु

त्वक्षस, न. षण, जेर.

त्वंकार, पु. तुंकारे-

त्वंग, ग. १. लुं.

त्वच, ग. ६. ढांकुं.

त्वच, स्त्री. आमडी, आमडुं; अउ-

त्वक्प्र, न. षणतत. [नी छल.

त्वक्प्र, न. तण, दावनीनी.

त्वक्पुष्प, न. शैभांथ.

त्वक्सार, पु. वांस.

त्वग्ज, पु. बोडी; शैभ, ईवाडी.

त्वच, न. आमडी; छल.

त्वदीय, वि. तात्र.

त्वद्, ग. १. उतावण करपी.

त्वरण, न. त्वस, उतावण.

त्वर, त्वरि, स्त्री. अडप, जेभ.

त्वरित, वि. उतावणु.

त्वष्ट, वि. छलेवुं.

त्वष्ट, पु. सुतार, विश्वकर्मा.

त्वष्टी, स्त्री. सिद्धपशात्र

त्वष्ट्र, पु. पुत्रापुर दैत्य.

त्विप्, ग. १. प्रकाशवुं.

त्विप्, स्त्री. शोभा; प्रभा; मुंदरता;  
धन्ध; आस; वाया.

त्विपांपति, पु. सूर्य.

त्विपि, पु. किरणु, मुंदरता.

त्सद्, ग. १. धीमेथी लुं अथवा  
पासे आववुं.

त्सर, पु. तरवारनी मुं.

थ.

थ, सतरमेा व्यगन.

थ, पु. रक्षक; पर्वत, अथनी नि  
शानी; अक्षणु. न. रक्षणु; अय.

थर्व, ग. १. लुं अथवा आववुं.

थुद्, ग. ६. ढांकुं; संताडवुं.

थुत्कार, पु. थुके नाभतां यतो शण्ड.

थुर्व, ग. १. छल करपी.

थोडन, न. ढांकुं ते.

द.

द, अढारमेा व्यगन.

द, वि. आपतार वगेरे, ( शण्डने  
छेउ आवेछे नेमडे.—अजद, घ-

नद वगेरे.) पु. पर्वत; अक्षीस  
न. पनी, भायो. स्त्री. (वा) ग-

रमी; पश्चात्ताप; पावन.

दंश, ग. १. करडवुं.

दंश, पु. अंस, अन्धर, दम्भ, कर-  
डवुं ते; सर्पेणुं करडवुं [ भाणी.

दंशक, वि. दशानार. पु. अंस;

दंशन, न. अक्षतर; दंश.  
 दंशमीरु, पु. लेंस, पाठो.  
 दंशवदन, पु. अगलो. [ मन्धर.  
 दंशी, स्त्री. नानी गांधीलभाष;  
 दंष्ट्रा, स्त्री. मोटा दांत, दाढ.  
 दंष्ट्राल, वि. मोटा दांतवाणु.  
 दंष्ट्रिका, स्त्री. दाढ. [वाणु प्राणी.  
 दंष्ट्रिन्, पु. रानीलुंड; साप, दांत-  
 दक, न. पाणी.  
 दक्ष, ग. १. वधुं; करुं; दुःख देवुं.  
 दक्ष, वि. शक्तिवान; अतुर; लायक;  
 प्रभाणिक. पु. दक्षप्रणपति, प्र-  
 क्षानो अक पुत्र; कुकरो; अग्नि;  
 नदीअण्ड; नेर; विष्णु, शिव;  
 अतुरार्ध; अराअ स्वभाव. स्त्री.  
 (क्षा) पृथ्वी; गमा.  
 दक्षतनया, स्त्री. पार्वती.  
 दक्षता, स्त्री. अतुरार्ध.  
 दक्षमुत, पु. देव.  
 दक्षसार्वाणि, पु. नवभो मनु.  
 दक्षाय्य, पु. गडुड; प्राणी.  
 दक्षिण, वि. शक्तिवान; अतुर; न-  
 मणी तरदंतुं; दक्षिणु तरदंतु. उ.  
 नमणी आणु; दणु. पु. न-  
 मणो हाथ.  
 दक्षिणतस, अ. दक्षिणुथी.  
 दक्षिणपथ, न. दक्षिणु दिशा.  
 दक्षिणप्राची, स्त्री. अग्निभूलो.  
 दक्षिणस्य, पु. सारथि.  
 दक्षिणा, स्त्री. दक्षिणु; प्रणपतिनी  
 कन्या; अक्षीस; दक्षिणु दिशा.  
 दक्षिणाचार, वि. प्रभाणिक.  
 दक्षिणात्, अ. दणुथी.

दक्षिणायन, पु. मूर्यनी दक्षिणु त-  
 रदनी गति.  
 दग्ध, वि. आणेनुं; दुष्णु; कंगाल.  
 न. अलतुं. स्त्री. (घा) अमंगण  
 दग्धव्य, वि. आणवालायक. [तिथि.  
 दग्धिका, स्त्री. अणेला घोषा.  
 दंघ, ग. १. तणुं.  
 दंघ, ग. १०. शिक्षा करवी.  
 दंड, उ. लाकडी, सोरो; रणदंड,  
 छडी; सन्यासीनो दंड; डलेमुं;  
 दंडनी दिक्षा; शरीर; गडरी; आर  
 हाथनुं भाप; दुभलो; सैन्य. पु.  
 धोरो; यमराज; विष्णु; भूणो.  
 दंडक, पु. लाकडी, सोरो; डार; अक  
 छड. वि. नर्मदा अने गोदावरी  
 नदी वन्धेनो प्रदेश.  
 दंडकाक, पु. कागडो.  
 दंडदेवकुल, न. न्यायदरभार.  
 दंडघ(घा)र, वि. छडीदार. पु. राज;  
 यमराज; न्यायाधीश; सन्यासी;  
 दंडन, न. शिक्षा, सज. [कुंभार.  
 दंडनायक, पु. सेनापति; राज;  
 न्यायाधीश. [शास्त्र; पार्वती.  
 दंडनीति, स्त्री. न्यायशास्त्र; अर्थ-  
 दंडनीय, वि. शिक्षालायक.  
 दंडनेतृ, पु. राज; न्यायाधीश.  
 दंडपांशुल, पु. डारपाल. [शिव.  
 दंडपाणि, पु. यमराज, काशीनावासी  
 दंडपारुष्य, न. नेर गुलम; शि-  
 क्षानी धातडी रीत. [रपाल.  
 दंडपाल, पु. मुष्ण न्यायाधीश; द्वा-  
 दंडपाशक, पु. नलाड, दंसीगर  
 दंडबालधि, पु. हाथी.



दंडभीति, स्त्री. शिक्षानो लय.  
 दंडभृत्, पु. कुंभार.  
 दंडमानय, पु. छीदार.  
 दंडमाय, पु. भोटो रस्तो.  
 दंडमुख, पु. सेनापति. [दिग्भ्रजय.  
 दंडयात्रा, स्त्री. लभनो वरधोरो;  
 दंडयाम, पु. द्विपस; यमराज; अ-  
 दंडलेश, न. शेटो दंड. [गस्यमुनि.  
 दंडवत्, अ. दंडप्रभाषे लभीन क-  
 पर पीने नभस्कार करवा ते.  
 दंडवादिन्, पु. द्वाग्पाल, दरवान.  
 दंडवासिन्, पु. न्यायाधीश; छ-  
 डीदार, द्वारपाल.  
 दंडविधि, स्त्री. शैलदारी कायदे.  
 दंडविष्कम्भ, पु. छासणी मथणी;  
 आधवानो आलणो.  
 दंडहस्त, पु. द्वारपाल; यमराज.  
 दंडाजिन, न. शठता, लुब्धाध.  
 दंडादंडि, अ. लाकडीनी मारभारी.  
 दंडार, पु. नाडी, कुंभारनो याक;  
 भस्तान हाथी, धनुष्य.  
 दंडाधमिन्, पु. सन्धारी.  
 दंडाहत, पु. छास  
 दंडिक, पु. छीदार. [दारी; लाकडी.  
 दंडिका, स्त्री. भोतीनी भावा, द्वार;  
 दंडित, वि. शिक्षा करेहुं, दरेहु.  
 दंडिन्, वि. छी-लाकडीवाहु. पु.  
 छी सन्धारी; द्वारपाल; नैन-  
 साधु; यमराज, राज; शिव,  
 दंड्य, वि. दंडपालायक. [दंडी कवि,  
 दत्त, पु. दंत.  
 दच्छद, पु. ओष्ठ, दोड.  
 दत्त, वि. आपेपु; भूकेपु; रक्षामु करेपु.  
 पु. दत्तपुत्र; दत्तात्रय. न. दान.

दत्तक, पु. दत्तक-भोजे लीधेयो पुत्र.  
 दत्तशुल्का, स्त्री. छेकरीना आपने  
 पैसा आपी लीधेवी स्त्री.  
 दत्तिम, वि. अक्षीस मणेपुं.  
 दद्, ग. १. आपपुं.  
 दद, वि. आपनार.  
 ददन, न. केट, अक्षीस.  
 ददु, पु. दाधर; कायभो.  
 दद्रुक, पु. डोड. [रोगवाणो.  
 दद्रुण, वि. दाधरीओ, दाधरना  
 दद्व, ग. १. पकडपुं; कणजे राभयो.  
 दधि, न. दही; राज; पोशाक.  
 दधिकुचिका, स्त्री. गरभ दूधमां  
 आहुं दही नाभतां अनतो पदार्थ.  
 दधिचार, पु. दही वलोववानी व-  
 दधिमंड, न. छास. [लोणी.  
 दधिमुत्त, पु. ओक वांदेशे, मुभीवनो  
 दधिगोण(न), पु. वांदेशे. [ससरी.  
 दधिसक्तु, पु. दही साथे भेजवेवो  
 लवना लोड.  
 दधिसार, } पु. ताहुं भाभलु.  
 दधिसेह, }  
 दधिस्येद, पु. छास.  
 दधीच, -वि, पु. ओक मुनि.  
 दधीच्यसि, न. धंरतुं वज; छीरो.  
 दध्न, पु. यम.  
 दनु, स्त्री. करपनी स्त्री.  
 दनुज, पु. अमुर, दैत्य.  
 दनुजद्वि, } पु. देव, देवता.  
 दनुजारि, }  
 दंत, पु. दंत; हाथी दंत; तीरनी  
 अण्ठी; परतनुं शिभर, कुंज, ल-  
 दंतक, पु. दंत; शिभर. [ताभंडप.

दंतकूर, पु. लडाई.  
 दंतवस्त्र, न. ओष्ठ, डोड.  
 दंतशठ, वि. भातुं. पु. भटाश.  
 दंतिन्, पु. दाथी.  
 दंतुर, वि. लांथा दांतवाणो.  
 दंत्य, वि. दांतुं, दंती.  
 दंदश, पु. दांत.  
 दंदशुक, पु. सर्प; राक्षस; भेटे आ-  
 लनार प्राणुी. वि. छिसक.  
 दभ, दंभ, ग. १, ६. दुःख देवुं; ठगवुं.  
 दभ्र, वि. नातुं. पु. समुद्र.  
 दम्, ग. ४. पाणवुं; शांत करवुं.  
 दम, पु. शिक्षा; पाणवुं ते; कष्टव;  
 दमक, वि. ताणे करनार. [विष्णु.  
 दमकर्तृ, पु. राजकर्ता. [पालनो व्याप.  
 दमघोष, पु. अद्रवशीरान्त, शिशु-  
 दमघ, -थु, पु. शिक्षा, सल.  
 दमन, पु. सारथि; लडवैयो; विष्णु.  
 दमयंती, स्त्री. बीभक्षरान्तनी पुत्री,  
 नगरान्तनी स्त्री. [विष्णु.  
 दमयितृ, वि. शिक्षा करनार. पु.  
 दमुनस्, पु. अग्नि; शुक्रार्थ.  
 दम्य, पु. लुचान णणद.  
 दंपती, पु. द्वि. स्त्री पुरुष.  
 दंम, पु. कपट; ठगार्थ; पाप; अहं-  
 कार; धंदतुं वज्ज.  
 दंमिन्, वि. अहंकारी; कपटी; दुष्ट.  
 दंमोलि, पु. धंदतुं वज्ज; क्षीरो.  
 दंभ्र, पु. समुद्र. वि. नातु.  
 दय, ग. १. दया लाववी; ननुं,  
 दया, स्त्री. दया, कर्णु. [आपतुं.  
 दयालु, वि. भाषाणु, दयापु.  
 दयित, वि. प्रिय, वडातुं. पु. पति.  
 स्त्री. (ता) पत्नी, स्त्री.

दर, वि. नातुं. उ. शुक्र; शंभ. पु.  
 भय, भीक; नातुं, अरो. अ. थोडुं  
 दरक, वि. भीकषु. [सरभुं.  
 दरय, पु. शुक्र.  
 दरद, स्त्री. धन; भय; पर्यत.  
 दरित, वि. भीघेधुं; भीकषु.  
 दरिद्र, वि. कुंभाण, गरीभ.  
 दरिद्रता, स्त्री. } कुंभावीअत, ग-  
 दरिद्राण, न. } रीणी.  
 दरी, स्त्री. शुक्र.  
 दरेन्द्र, पु. पांयणन्य, विष्णुनुं शंभ.  
 दरोदर, न. पारसा; लुगार रभवा ते.  
 दर्दर, वि. जोअइ थयवुं. पु. पर्यत.  
 दर्दरीक, पु. देडके; वाढण; वानुं.  
 दर्दुर, पु. देडके; भेध, वाढण; अेक  
 पर्यत. स्त्री. (रा, री) पार्वती.  
 दर्द्रुं स्त्री. दाधर.  
 दर्प, पु. भगइरी; टंकराई; हुलडाई;  
 गरभी; कस्तुरी. [आंभ.  
 दर्पण, पु. आरसी; अेक पर्यत. न.  
 दर्पित, }  
 दर्पित्, } वि. भगइण, अलिभानी.  
 दर्भ, पु. दर्भ, कुशधार.  
 दर्भट, पु. अेकात आररो.  
 दर्भाहय, पु. मुंणधार.  
 दर्भट, पु. द्वारपाल. [वलोकन.  
 दर्श, पु. हेभाव; अभावास्था; अ-  
 दर्शक, पु. द्वारपाल; हेभाडनार;  
 अतुर भाणुस. [सुंदर.  
 दर्शत, पु. सूर्य; अंद्र. वि. हेभातुं;  
 दर्शन, न. नेधुं ते, दर्शन; आंभ;  
 अवलोकन; हेभाव; आरीसो;  
 सहशुणु; धरावो. [वालायक.  
 दर्शनीय, वि. मनोत्त, सुंदर; ने-

दर्शयित्, पु. प्रतीकार, रस्ती हे-  
भाडनार, लोभियो.  
दर्शिन, वि. निरीक्षक, प्रेक्षक.  
दल, ग. १. उघाडी नाभतुं.  
दल, उ. भाग; उद; अडधुं; भ्यान;  
दलकोमल, न. कभल. [नयो.  
दलन, न. भरदन, तोडी नाभतुं ते.  
दलप, पु. हथियार; सोतुं; शास्त्र.  
दलाढक, पु. शीथु; समुद्रशीथु;  
भाध; गेड; नंगली तल; डा-  
थीनो डान, शुद्र. [रनो कडव.  
दलाढ्य, न. नदीना किनारा उप-  
दलि, पु. भाटीतुं डेडुं.  
दलिक, न. धमारती लाकडु.  
दलित, वि. भांगेयु, उघाडुं; डांडी  
भूडेडु, भीडेडुं. [प्रभाषीकता.  
दल्म, पु. पडुं, अक; पाप; अ-  
दल्मि, पु. शिव; अद्र, धद्रतुं वज.  
दव, पु. वन, नंगल, अग्नि.  
दवथु, पु. यिता, आपडा, पीडा;  
दवाग्नि, पु. नंगलनी आग. [गरभी.  
दविष्ट, } वि. धणे इर.  
दवीयस्, }  
दशक, पु. दशनी संख्या. वि. दश.  
दशकंठ, पु. रावणु.  
दशकर्मन, न. द्विजना दश संस्कार:-  
१ गलीधान, २ पुसवन, ३ सी-  
मतोन्नयन, ४ नतकर्म, ५ नाम-  
करण, ६ निष्कामण, ७ अन्नप्रा-  
शन, ८ नूडाकरण, ९ उपनयन,  
१० विवाह.  
दशत, वि. दश.  
दशधा, अ. दश प्रकारे.

दशन, न. अष्टतर. पु. शिपर. उ.  
दशम, वि. दशमं. [दांत.  
दशमी, स्त्री. दशमी तिथि.  
दशमूल, न. दश रोपानां मूलीयां.  
दशरथ, पु. अयोध्यानो राज, रा-  
दशरथिमशत, पु. सूर्य. [भनो पिता.  
दशवाजिन, पु. अद्र.  
दशशत, न. डलर.  
दशसहस्र, न. दश डलर.  
दशहरा, स्त्री. गंगा; नठ शुद्ध १०;  
आशो शुद्ध १०.  
दशा, स्त्री. अवस्था, डालत; कप-  
डाने छेडेनी आंतरी; हीवी; स-  
मजणु. [न. तरभूय, कर्णीगडुं.  
दशांगुल, वि. दश आंगण लांथु.  
दशांतर, पु. हीवो.  
दशानन, पु. रावणु.  
दशावतार, पु. विष्णुजे धारणु श्री-  
धेला दश अवतार:-१ भरथ, २  
कूर्म, ३ वाराह, ४ नृसिंह, ५ वा-  
भन, ६ परशुराम, ७ राम, ८  
श्रीकृष्ण, ९ बुद्ध अने १० कलकी.  
दशार्ण, पु. अकडेरा.  
दशार्ह, पु. बुद्ध; विष्णु; कृष्ण.  
दशेर, पु. हिसक प्राणी.  
दशे (से)रक, पु. लुवान डं.  
दशेरक, पु. मडेश, थलनो सुलक.  
दस्, ग. ४. उघाणतु. [रतुं ते.  
दसन, न. उघाणतुं ते; स्थापन क-  
दस्त, वि. नारा पामेडुं; नापेडु;  
डेकेडुं. [डग. वि. सुंदर; अडलुत,  
दस्य, पु. यजमान, योर; लुभ्या;  
दस्य, वि. सुंदर. [नातअडार.  
दस्यु, पु. योर; डग, लुलभगार;

दस, वि. कूर. पु. अग्निनीकुमार.  
 शेर; गधेडो. न. शिशिरऋतु.  
 दसौ, पु. अग्निनीकुमार. [दुःख देवुं.  
 दह, ग. १. आणवुं; नाश करवुं;  
 दहन, न. दाह, आणवुं ते. पु. अ-  
 ग्नि; कभूतर; पराण भाणुस; वि-  
 त्तक. वि. नाशकारक.  
 दहनकेतन, पु. धूभाटो.  
 दहनप्रिया, स्त्री. स्वाहा, अग्निनी स्त्री.  
 दहनीय, वि. आणवालायक.  
 दहर, वि. नातुं; उभरभां लुवान.  
 पु. आलक; नानो भाध; उँदर.  
 दह, वि. नातुं; पातणु. पु. अग्नि;  
 दावानल; अतःकरणु.  
 दा, ग. १. आपवुं. ग. २. कापवुं.  
 दा, स्त्री. रक्षण, अन्धा.  
 दाक, पु. आपनार.  
 दाडक, पु. दाह.  
 दाडिम, पु. दाडभनुं जाड. न. दाडभ.  
 दादा, स्त्री. धन्धा; दाह.  
 दादिका, स्त्री. दादी.  
 दात, वि. कापेकुं; धायकुं.  
 दातव्य, वि. आपवालायक.  
 दाति, स्त्री. छेदन, कापवुं ते.  
 दातु, पु. दान करनार.  
 दात्यूह, पु. अपैयो; जलकुंडी.  
 दाघ, न. दातरडुं; भाग; अक्षीस.  
 दाधिक, वि. दही साथे भेणवेकुं.  
 दान, न. अक्षीस; जेरात; हाथीना  
 भायाभांथी अरतो मध; रक्षणु;  
 दानकाम, वि. उदार. [ धास आरो.  
 दानव, पु. अशुर, दैत्य.  
 दानवारि, पु. देव; विष्णु.

दानिन्, वि. दाता; उदार. [जेरात.  
 दानीय, वि. आपवालायक. न. दान,  
 दातु, पु. दाता; अढती; संतोष; प-  
 वन; राक्षस. वि. नाशकारक.  
 दांत, वि. पाणेकुं; रांक; दांतनुं. पु. दा-  
 दापनीय, वि. शिक्षा करवालायक. [ता.  
 दापित, वि. अपराधी; दंडेकुं.  
 दामन, न. दोरी; छार; लीटी.  
 दामनी, स्त्री. जनावरने पगे आंध-  
 वानी दोरी. [ आंधवानी दोरी.  
 दामांचल, न. घोडानी पछाडी, पगे  
 दामोदर, पु. श्रीकृष्ण.  
 दाम्पत्य, न. परलुंकी अवस्था.  
 दाम्भिक, वि. लुब्धो; भगवण. पु. ठग.  
 दाय, पु. दायजे; अक्षीस; भाग; नि-  
 शाणी; भेठक; टकोर, ठेकडी; अंडन.  
 दायक, वि. दाता. पु. वारस.  
 दायवंधु, पु. भाध. [हिंथी आपवी ते.  
 दायभाग, पु. भीलकत वारसेने वे-  
 दायाद, पु. पुत्र; वारस; पासेने  
 सगे. स्त्री. (दी) स्त्री वारस; पुत्री.  
 दायिन्, वि. करजदार; क्वेश करनार.  
 दार, पु. जेरेकुं जेतरे.  
 दारक, वि. लेक. पु. पुत्र, छोकरो;  
 गामडानो डुकर.  
 दारकर्मन्, न. विवाह, लग्न.  
 दारद, पु. पारो; समुद्र. उ. हींगणो.  
 दारव, वि. लाकडातुं.  
 दारा, स्त्री. स्त्री, आयडी.  
 दारिका, स्त्री. कन्या, पुत्री; वेश्या.  
 दारिद्र, न. दरिद्रता, गरीबी.  
 दारिन्, पु. विवाह; पति.  
 दारु, वि. भायाणु. पु. दाता; कारी-  
 गर. न. देवदारु लाकडुं; पीतण.

दासक, पु. श्रीकृष्णुनो सारथि. न.  
 देवदार. स्त्री. (का) पुतली.  
 दारुण, वि. लयकर; सभत, कठलु;  
 दूर. पु. लयानक रस; विष्णु. न.  
 दारुण, न. दंडता, मज्जुती. [ दूरता.  
 दासैय, वि. यामडातुं.  
 दार्दुर, उ. नभष्णी आणुना मोढा-  
 वाणुं राभ; पाष्णी; लाभ.  
 दार्ध, वि. लाकडातुं. [ कचेरी.  
 दार्वट, न. विचारगृह, आनगी  
 दार्वड, पु. भयूर, भोर.  
 दार्वी, स्त्री. दारुणद.  
 दार्शनिक, वि. श्रीलक्ष्मीज्ञान ललुनार.  
 दार्शद, वि. पथ्यरतुं अनावेधुं.  
 दार्ष्टी, वि. उपभेय.  
 दाल, न. नंगली मध.  
 दालन, न. दांतनो दुभारे.  
 दालिम, पु. दाउम.  
 दालिम, पु. धंद्र.  
 दाव, पु. वन, दावानण; अग्नि; गरभी.  
 दावित, वि. दुभी. [ आपतुं  
 दाश, ग. १, १०. आपतुं, अलिदान  
 दाश, पु. माछीभार; याकर. [सनी मा.  
 दाशनंदिनी, स्त्री. सत्यवती, वेदव्या-  
 दाशरथ, पु. दशरथनो पुत्र, राम.  
 दाशार्ह, पु. श्रीकृष्णु.  
 दाश, वि. दाता.  
 दाशेर, पु. माछीभार; उंट; याकर.  
 दाशेरक, पु. भाववादेश.  
 दाश्व, वि. दाता, उदार.  
 दास, लुओ दाश.  
 दास, पु. याकर, माछीभार; शूर;  
 दानपात्र, नंगली.

दासिका, स्त्री. दासी. [वेश्या.  
 दासी, स्त्री. माछलु; दासी; शूरी;  
 दासेय, पु. दासीपुत्र. [सीपुत्र; उंट,  
 दासेर(क), पु. शूर; माछीभार; दा-  
 दास्य, न. दासत्व, शुक्राभगीरी.  
 दाह, पु. दहन, आणतुं ते.  
 दाहक, पु. अग्नि; चित्रकतुं आउ.  
 वि. आणनार.  
 दाहन, न. अणतुं; दहन.  
 दाहनीय, वि. आणवालायक.  
 दाहसर, पु. श्मशान.  
 दाह्य, वि. आणवालायक.  
 दिक्क, पु. वीश वरसनो हाथी.  
 दिकर, वि. लुवान. स्त्री. (री) लु-  
 दिगंतर, पु. आकाश. [वान स्त्री.  
 दिगंबर, पु. शिव, क्षपणुक (नैन-  
 साधु). वि. नागु; अधार्.  
 दिग्घ, वि. अरी. पु. तेव; अग्नि;  
 मलम; वार्ता, अरी तीर.  
 दिग्वासस, पु. शिव. वि. नागु.  
 दिग्विजय, पु. विद्या अथवा लडा-  
 धी देशमां भेजवेला न्य.  
 दित, वि. कापेधु.  
 दिति, स्त्री. दैत्यानी मा; उदारता;  
 अंडन पु. अक राज.  
 दित्य, पु. राक्षस, दैत्य.  
 दित्सा, स्त्री. आपवानी धंछा.  
 दित्सु, वि. आपवा धंछनार.  
 दिदृक्षा, स्त्री. जेवानी धंछा.  
 दिधु, पु. आकाश.  
 दिघक्षा, स्त्री. आणवानी धंछा.  
 दिधि, पु. दंडता. [ लुओ पति-  
 दिधिषु, पु. स्त्रीनो भीछवार पर-

दिधिपू, स्त्री. जे वभत परछेकी स्त्री;  
नानी अडेननो विवाह यथा छतां  
कुचारी रहेकी मोटी अडेन.  
दिन, उ. दिवस, बोपीश कलाकनो  
दिनकर, पु. सूर्य. [ सभय.  
दिनकरात्मज, पु. करणु; यम; सनि;  
सुधीव. स्त्री. (जा) यमुना नदी.  
दिनपति, } पु. सूर्य.  
दिनमणि, }  
दिनमुख, न. प्रभात.  
दिनयौवन, न. मध्यान, अपार.  
दिनिका, स्त्री. दररोजनो पगार.  
दिनेदिने, अ. रोज रोज.  
दिरिपक, पु. रभवानो द्रो.  
दिलीप, पु. सूर्यवंशी राज.  
दिव्, ग. ४. प्रकाशवुं; नाभवुं; लु-  
गार रभवो; भरकरी ईरपी. [प्रकाश.  
दिव्, स्त्री. स्वर्ग; आकाश; दिवस;  
दिव, न. दिवस; आकाश; स्वर्ग; ज-  
दिवन्, न. स्वर्ग. पु. दिवस. [गल.  
दिवस, उ. दिवस, दिन.  
दिवस्पति, पु. सूर्य, धंद्र.  
दिवा, अ. दिवसे.  
दिवाकर, पु. सूर्य.  
दिवाकीर्ति, पु. उज्जम; धुवड; अं-  
अत्र, उलकी नत. [रातदिवस.  
दिवानिशा, अ. रात दहाडे. न.(शि)  
दिवामीत, पु. धुवड; सईद कमण,  
दिवामणि, पु. सूर्य. [बोर.  
दिवि, पु. आप-नियकठपक्षी.  
दिविपद, पु. देवता.  
दिविष्ट, वि. स्वर्गनुं.  
दिवोकस, पु. देवता; आतक पक्षी.

दिवोकस, पु. करणु; डापी; मध-  
भाभ; देव.  
दिव्य, वि. स्वर्गनुं; अणकनुं; मुंहर.  
पु. यम; जव; शुग्गुल; शीलसुक्ष.  
न. स्वर्ग; सुबंध; सोगन; लुवंग.  
दिव्यगंध, न. लवंग. पु. गंधक. स्त्री.  
(धा) मोटी अेलची.  
दिव्यचक्षुस, पु. वांढरी. न. ज्ञान-  
अक्षु. वि. आंधणुं; ज्ञान अक्षुवाणु.  
दिव्यज्ञान, न. कुहरतनुं ज्ञान.  
दिव्यदृग्, पु. नेरी, अगोत्रवेत्ता.  
दिव्यरत्न, न. शिवाभणि, भागेधुं,  
भागे अेवुं रत्न.  
दिव्यरथ, पु. विमान, स्वर्गनी गाडी.  
दिव्यांशु, पु. सूर्य.  
दिव्यांगना, स्त्री. अप्परा, परी.  
दिश, ग. ६. देभाउवुं; आपवुं; क-  
भूव करणुं; लुकम करवो.  
दिश, स्त्री. आणु, तरङ्, दिशा.  
दिशा, स्त्री. दिशा, आणु.  
दिष्ट, वि. देभाउवुं; वरुन करेणुं;  
मुकर करेणुं. पु. वभत. न. आ-  
दिष्टांत, पु. भरणु, मोत. [सा, लुकम.  
दिष्टि, स्त्री. आशा; सुभाअ; लुवंग;  
दिष्ट्या, अ. लोअजेगे. [नसीण.  
दिष्णु, पु. दाता, आपनार.  
दी, ग. ४. नाश पाभनुं; भरनुं.  
दी, स्त्री. नाश, अरयादी.  
दीक्ष, ग. १. लोअ आपवो; दीक्षा  
आपवी. [क्रिया.  
दीक्षा, स्त्री. पूजन; यजन; धर्मनी  
दीक्षांत, पु. मोटो यत्र कथो पछी ते-  
ना अमतरीके नानो यत्र करवो ते.

दीक्षापति, पु. सोम.  
 दीक्षित, वि. दीक्षा लीधेक्षुं; वेग-  
 वास्ते तैयार ययधुं. पु. शिष्य;  
 सोमरस पी यर करनार पुरष.  
 दीद्विवि, वि. यणक्तुं; अदेलुं. पु.  
 रांधेवा बोभा; अग्नि; अदृष्टरपति.  
 दीधिति, स्त्री. किरणु; प्रकाश, आंगणी.  
 दीधि, ग. २. प्रकाशयुं; देभायुं.  
 दीन, वि. गरीभ, कंगाल; दुःभी;  
 भीक्षु. पु. गरीभ भाषुस. न.  
 कंगालीअत. स्त्री. (ना) उँदरडी.  
 दीनक, वि. कंगाल.  
 दीनता, स्त्री. दीनता, गरीभी.  
 दीनयंधु, पु. गरीभनो भिन्न.  
 दीनलोचन, पु. भिलाडी.  
 दीनार, पु. सिद्धो; उर रतीना वज-  
 ननो सोनानो सिद्धो.  
 दीप, ग. ४. प्रकाशयुं; आणयुं.  
 दीप, पु. दीपो.  
 दीपन, वि. प्रदीप्त, पायक. न. केश-  
 र; दीपन; पायन. पु. काँदो.  
 दीपनीय, वि. प्रकाशवासायक. पु.  
 यवनी, सुगधी भीज. न. पायक  
 दीपमाला, स्त्री. दीवानी डार. [दवा.  
 दीपघृक्ष, पु. दीपी; क्षानस.  
 दीपशत्रु, पु. पतगियु.  
 दीपाली, स्त्री. दीवाली, आशो वद उ०.  
 दीपिका, स्त्री. याँदनी; भसाल; द-  
 धांत आपनार.  
 दीपित, वि. आग लभाउयुं; दीप्त,  
 प्रकाशीत; नदरे करेधुं.  
 दीप्त, वि. प्रकाशीत; सणगतुं. पु.  
 लीधु; सिद्ध. न. सोयुं; द्विज.

दीप्तकिरण, पु. सूर्य.  
 दीप्तपिगल, पु. सिद्ध.  
 दीप्तलोह, न. कांसु.  
 दीप्ताक्ष, पु. भिलाडी.  
 दीप्ताग्नि, पु. अगस्त्यभुनि; अणतो  
 अग्नि. वि. सणगेधुं.  
 दीप्तांग, पु. मेर. [ पीतल.  
 दीप्ति, स्त्री. दीपन; प्रकाश; लाभ;  
 दीप्य, वि. पायक; सणगेधुं. न. अत्रं.  
 दीप्र, वि. यणक्तुं. पु. अग्नि.  
 दीर्घ, वि. लांयुं; उँडुं. पु. उँट; पां-  
 यभी, छडी, सातभी अने आ-  
 ठमी राशि. स्त्री. (घाँ) लभ-  
 यारस तणाव.  
 दीर्घकंठ, } पु. अगलो, सारस.  
 दीर्घकंधर, }  
 दीर्घकेश, पु. रीछ.  
 दीर्घगति, } पु. उँट.  
 दीर्घग्रीव, }  
 दीर्घजंघ, पु. उँट; अगलो.  
 दीर्घजिह्व, पु. सूर्य, साप.  
 दीर्घजीव, पु. कागरो; लांयो वअत  
 दीर्घतपस्, पु. शीतभभुनि. [अवनार.  
 दीर्घट्ट, पु. ताउतुं आड.  
 दीर्घदृष्टि, वि. लांभी दृष्टिवाणुं, उगुं.  
 दीर्घनाद, पु. कुतरो; कुकरो; संभ.  
 दीर्घपत्र, पु. ताउतुं आड; कुँदरधार.  
 दीर्घपर्वन, पु. शेरडी.  
 दीर्घपर्वन, पु. हाथी.  
 दीर्घपाद, पु. अगलो.  
 दीर्घपादप, पु. ताउतुं आड; गोपा-  
 दीर्घपृष्ठ, पु. सूर्य. [रीतुं आड.  
 दीर्घमाहृत, पु. हाथी.

दीर्घमुखा, स्त्री. छत्रुंर, वेणु.  
 दीर्घरात्र, न. लांणी रात.  
 दीर्घरोमन्, पु. रीछ.  
 दीर्घसन्ध, वि. लांणी लंधवाणु  
 दीर्घसन्न, न. अेक यत्त.  
 दीर्घसूत्र, } वि. धीमुं; धीमेधीमे  
 दीर्घसूत्रिन, } काम करनार.  
 दीर्घायुस्, पु. भाईडेय मुनि; क-  
 गडो. वि. लांणो वभत छयनार.  
 दीर्घ, वि. क्षाडी नाणेषु, णीधेजुं.  
 दु, ग. ५. आणकुं; दुःप्प हेड. ग.  
 दु.ख, ग. १०. दुःप्प हेडुं. [१. ७डुं.  
 दुःप्प, वि. पीडाकारी; अधइ. न.  
 ६५गीरी; पीडा, मुश्केली  
 दुःपळेच, वि. सपत.  
 दुःखमान्, वि. अभुष्पी  
 दुःखित, वि. दुःभी; गरीण.  
 दुःशासन, पु. दुःयोधननो भाई.  
 दुःशील, वि. भराण स्वभाववाणु.  
 दुःसाधिन, पु. द्वारपाल.  
 दुकूल, } न. रेशमी कपड  
 दुगूल, }  
 दुग्ध, न. दुध  
 दुग्धपोष्य, पु. आणक.  
 दुग्धफेन, पु. भलाई. [समुद्र.  
 दुग्धाग्धि, पु. क्षीरसमुद्र, दुधनो  
 दुडि, स्त्री. नानी हेडकी.  
 दुडुक, वि. अप्रभाषिक.  
 दुदुम, पु. काहो, दुंगणी.  
 दुध, ग. १. धंन करपी.  
 दुधि, वि. मुकशानकारक  
 दुदम, पु. नोणत. [नोणत.  
 उडु, पु. वसुदेव, कृष्णुनो पिता,  
 २५

दुंदुम, पु. शिव; पाणीनो साप;  
 मोदुं डोल. [कृष्णु; वरुणु; अेर.  
 दुदुभि, पु. मोदुं डोल; विष्णु; श्री-  
 दुंदुमा, स्त्री. डोलनो अयाण.  
 दुंदुमार, पु. रातो कीरो; धरनो  
 धूमाडो; णिवाडो.  
 दूर, अ. नकारवायक तेमण भराणी  
 वजेरे दर्शावनार अत्रय. [अेकुं  
 दुरधिगम, वि. दुर्वम, न भेणवाय  
 दुरध्व, पु. भराण रस्तो.  
 दुरवसा, स्त्री. कगालीअत.  
 दुराकृति, वि. जेडोण.  
 दुराग्रह, पु. छगीवाई.  
 दुरात्मन्, वि. पापी. पु. लुअेओ.  
 दुराधर्ष, पु. सरसव. वि. भगर.  
 दुराधार, पु. शिव.  
 दुराप, वि. दुर्लभ, दुष्प्राप्त.  
 दुरारह, पु. भणुरतु अड, नारि-  
 दुरालाप, पु. शाप [यव; णीकीतुं अड.  
 दुराशय, वि. क्रूर; दुष्ट.  
 दुरासद, पु. शिव.  
 दुरित, वि. अधइ, पापी. न. पाप,  
 मुश्केली, लय. [शाप; पाप.  
 दुरिष्ठ, वि. धरुण भराण. न.  
 दुरीश, पु. भराण शेड. [नजर.  
 दुरीपणा, स्त्री. शाप, दुष्टि, भराण  
 दुरुक्त, न. भराण शब्द.  
 दुरत्तर, वि. अनुत्तर, नयाण न  
 अपाय तेवु. [थाय अेकुं.  
 दुरुद्ध, वि. असल, सडन न  
 दुरुपचार, वि. असाध्य, लाडलाण.  
 दुरपाय, पु. निरुपाय.  
 दुरूह, वि. कडणु.



दुरोदर, न. लुगार; पासा. पु.  
 लुगारी; धव, सरत.  
 दुर्गा, वि. दुर्गम, न आलंधाय अंतुं.  
 न. पर्वत उपरनो द्विष्टो; राश-  
 धानी; अडभयदी नभीन. पु.  
 परमात्मा; शुभ्युल; अंक दैत्य.  
 स्त्री. (गां) पार्वती.  
 दुर्गत, वि. अभागीयो; दरिद्र; दुःखी.  
 दुर्गति, स्त्री. अभाग्य; कंगाल, नरक.  
 दुर्गंध, वि. अराण वासवाणु. पु.  
 अराण वास; कंदो; आंधानुं  
 अड. न. संयत्त भीतुं.  
 दुर्घट, वि. अधश्; मुष्केल.  
 दुर्घोष, पु. रीछ. [भाषुस.  
 दुर्जन, वि. दुष्ट; कपटी. पु. पापी  
 दुर्जय, वि. अशत. पु. विष्णु.  
 दुर्ज्ञेय, वि. न ज्ञेयी राक्षय अंतुं.  
 दुर्णय, पु. अराण आल. [पु. शिव.  
 दुर्णति, वि. अविनय; असक्य.  
 दुर्दम्य, वि. अशासनीय.  
 दुर्दशन, वि. भेटोल.  
 दुर्दशा, स्त्री. विपत्ति.  
 दुर्दांत, वि. न पाणी राक्षय अंतुं; भ-  
 गदर. न. कलुओ; वाछरो.  
 दुर्दिन, वि. वरसादनुं. न. अराण  
 दिवस; तोक्षणी दिवस.  
 दुर्दुक्क, पु. नास्तिक.  
 दुर्देय, न. अभाग्य.  
 दुर्दम, पु. कंदो. [न अटकावाय अंतुं.  
 दुर्धर, पु. पारो; अंक नरक. वि.  
 दुर्धर्य, वि. लय भरेतुं; भगदर.  
 दुर्धी, वि. भूर्ध.  
 दुर्नामक, पु. दरस, अगं.

दुर्वल, वि. नयणु; पातणुं, थोडुं.  
 दुर्वुद्धि, वि. भूर्ध, भेवकुक्ष.  
 दुर्मग, वि. कभनशील. स्त्री. (गा)  
 पतिना रनेडवगरनी स्त्री; कर्कशा.  
 दुर्भाग्य, वि. अभागियुं. न. अभाग्य.  
 दुर्भावना, स्त्री. अराण विचार.  
 दुर्भिक्ष, न. दुकाण.  
 दुर्भेद्य, वि. दंड.  
 दुर्मति, वि. भूर्ध, अज्ञान; पापी.  
 दुर्मद, वि. छाकरो; इर.  
 दुर्मंत्र, पु. भोटी सलाडः.  
 दुर्मर्षण, पु. विष्णु.  
 दुर्मर्याद, वि. पापी. [अंक वांछरो.  
 दुर्मुख, वि. भेटोल. पु. धोटो; शिव;  
 दुर्मुल्य, वि. भांधुं. [वकुक्ष भाषुस.  
 दुर्मेघस, वि. भूर्ध; मुस्त. पु. भे-  
 दुर्घोषन, वि. न अताय अंतुं. पु.  
 धृतराष्ट्रनो पुत्र. [क्षीमती; आश्.  
 दुर्लभ, वि. भेदेनतधी भजे अंतुं;  
 दुर्लेख्य, न. भोटो दस्तावेग.  
 दुर्वचस, न. निदा.  
 दुर्वर्ण, न. इपुं.  
 दुर्वासना, स्त्री. अराण छच्छा.  
 दुर्हृदय, वि. अराण मनवाजे.  
 दुलि, स्त्री. देरुकी. [अक्षीस.  
 दुयस, वि. संयव. न. प्रार्थना;  
 दुष्टरिच, न. अदयाल.  
 दुष्टत, न, पाप; कुकर्म.  
 दुष्टतित्त, वि. पापी.  
 दुष्ट, वि. पापी; अधम; नाश पाभेधुं;  
 विपथी. स्त्री. (ष्ट) वेरथा.  
 दुष्ट, अ. अप्रामात्तिकपले.  
 दुष्प्रवृत्त्य, वि. तीक्ष्णु.

दुष्प्राप्य, वि. अलक्ष्य. [पति.  
 दुष्प्यत, पु. अंद्रवशीरान्त, शकुंतलानो  
 दुस्क्रुति, स्त्री. पाप.  
 दुस्तर, वि. न ओलंधाय अेषुं.  
 दुस्तरक, पु. भोटी मधुनी.  
 दुस्स, पु. कुतरो.  
 दुह, ग. २. दोहकुं.  
 दुहितृ, स्त्री. कन्या, पुत्री.  
 दुह्य, वि. दोहवालायक.  
 दू, ग. ४. दुःभी थकुं.  
 दूडम, वि. व्यसनी.  
 दूडाश, वि. रोगी.  
 दूट्य, वि. अधम, नीच.  
 दूत, } पु. कासक, इत.  
 दूतक, }  
 दूतिका, } स्त्री. श्रीकासक; कुटणी.  
 दूती, }  
 दूत्य, न. संदेशो; कासीहुं.  
 दूद, वि. दुःभी.  
 दून, वि. दुःभी; गभरायकुं.  
 दूम, वि. जेरावर.  
 दूर, वि. लांथुं; उंउं.  
 दूरगत, } वि. धलुज लांथु.  
 दूरतर, }  
 दूरदाशन, वि. लांभिसूधी जेनार.  
 पु. पंडित; प्रेक्षक; प्राणी.  
 दूर्य, न. विद्या, नरक.  
 दूर्वा, स्त्री. इर्वा, अेक लततुं धार.  
 दूर्वाष्टमी, स्त्री. भादरवा शुद्ध ८.  
 दूलास, पु. धनुष.  
 दूलिका, दूली, स्त्री. शुधी.  
 दूश्य, न. तथु  
 दूप, वि. इषानु आपेकु.

दूषण, वि. अपमान करेकु. न. अ-  
 पराध; कायदानो लंग. पु. रा-  
 वलुनो भाई.  
 दूषि, दूषी, } स्त्री. आंभमां यता  
 दूषिका, } श्रीपडा.  
 दूषित, वि. भगाउकुं; निदीत; क-  
 पडो दीधेकुं. न. अपराध. स्त्री.  
 (ता) दूषित करेकी-भगाउकी स्त्री.  
 दूष्य, न. पर; उर; इ; वस्त्र; तंथु.  
 वि. इषानु आपवालायक. स्त्री.  
 (या) हाथीने आंधवानो आभ-  
 द, ग. ६. मान आपकुं. [दानो परो.  
 दूक, न. भाउ, काणुं.  
 दूकर्ण, पु. सर्प, साप.  
 दूकपात, न. अवलोकन, प्रेक्षण.  
 दूकश्रुति, पु. सर्प साप.  
 दूढ, वि. अत्यल, स्थिर; मज्ज्युत;  
 स्थूल; श्रीकलुं; बोक्स. न. लोहुं;  
 दूढपत्र, पु. वांस. [किहो.  
 दूढफल, न. नारियल.  
 दूढमति, पु. दूढ मनवाणो पुरुष.  
 दूढलोमन, पु. रानी लुड.  
 दूढसंधि, वि. मज्ज्युत वणजेकुं  
 दूढांग, वि. मज्ज्युत शरीरवाणुं.  
 न. हीरो.  
 दूढायुध, पु. शिव. [भाउकी.  
 दूति, पु. मसक, पभास; आभडी;  
 दूतिहरि, पु. कुतरो. [सूर्य.  
 दून्फ, स्त्री. सर्प; वज्र; अक. पु.  
 दून्भू, पु. वज्र; मूर्य; राज; यम.  
 दूप, ग. १, १०. आणकुं.  
 दूप, वि. भगइर; मज्ज्युत.  
 दूय्य, वि. गाडेकुं; भयभीन.

दम्फू, पु. सर्प. [आपवुं; शोधवुं.  
दश(पदय), ग. १. जेवु; भ्यान  
दशत् (द्र), स्त्री. पापालु, पथर.  
दशा, स्त्री. आंभ. [कपाल; उपाध्याय.  
दशान, न. प्रकाश. पु. आत्मलु; लो-  
दशि, } स्त्री. आंभ; प्रकाश.  
दशी, }  
दशीक, वि. मुंर.  
दश्य, वि. दर्शनीय, जेवासायक; मुं-  
र. न. जेवासायक स्त्री.  
दष्ट, वि. जेयवु; देभीतुं, जणुवु.  
न. अवलोकन. [दिसाभ.  
दष्टकूट, न. उभीआलुं, कोटानो  
दष्टांत, पु. उदाहरलु, दाभलो, जेक  
अवंकार; शास्त्र; मोत. [प्रकाश.  
दष्टि, स्त्री. आंभ; युद्धि; दर्शन;  
दष्टिपात, पु. दर्शन.  
दष्टिविप, पु. सर्प.  
दे, ग. १. रक्षणु करवुं. [रथमान.  
देदीप्यमान, वि. प्रकाशित; जगव-  
देय, वि. आपेवु; लेट करेवु. न.  
लेट. [काशवुं.  
देव, ग. १. रभवुं; शोक करेवो; प्र-  
देव, वि. ध्विरी; प्रकाशित पु. देव;  
ईद्र; मेध; आत्मलु; रजत; पारो;  
अक्ष; भूर्ध; आवक; आकारा;  
रमत. पु. [देव. जेक रजत.  
देवक, वि. रमतीआण; स्वर्गीय.  
देवकी, स्त्री. देवकराजनी पुत्री, व-  
मुदेवनी स्त्री, श्रीकृष्णुनी माता.  
देवकीनदन, पु. श्रीकृष्णु.  
देवकन्या, स्त्री. अप्सरा.  
देवकुसुम, न. लवन.

देवसात, न. वगर आधि ययवुं त-  
देवगणिका, स्त्री. अप्सरा. [जाव.  
देवगंधर्व, पु. नारद.  
देवगांधारी, स्त्री. जेक रागणी.  
देवगुरु, पु. कश्यप, अडरपति.  
देवतर, पु. भदार, पारीजतक, क-  
एपनर वगेरे देवताई जाओ.  
देवता, स्त्री. देव; भूर्ति; ज्ञानेंद्रिय.  
देवतागृह, न. भदीर.  
देवताड, पु. देवताउपृक्ष, अग्नि; राहु.  
देवतात, पु. अविदान; कश्यप.  
देवदत्त, पु. अर्जुननो राभ. वि.  
देवदर्शन, पु. नारद. [देवतुं आपेवु.  
देवदारु, उ. देवदारुतु जाड.  
देवदासी, स्त्री. जगली नारणी; भ-  
दीरभां, रदेही स्त्री; वेश्या  
देवदीप, पु. आभ.  
देवदूत, पु. पवन, ध्विरी कासन.  
देवदेव, पु. अक्ष, विष्णु; भदेश.  
देवधूप, पु. गुग्गुल.  
देवन, पु. पारा. न. मुंरता; लु-  
गार, डीटा, रमत; स्तुति; आग,  
वाडी, कमल; ईर्ष, अहेभार्ज;  
कामकाण; शोक; निरा.  
देवनदी, स्त्री. जगानदी.  
देवनंदिन, पु. ईद्रनो द्वारपाल.  
देवना, स्त्री. डीटा, शोक, लुगार.  
देवनागरी, स्त्री. आलभोध विधि.  
देवनिकाय, पु. स्वर्ग.  
देवपुरी, स्त्री. ईद्रनी राजधानी.  
देवप्रश्न, पु. जगोवविद्या [जाड.  
देवभयन, न. स्वर्ग, भदीर; पीपलातु  
देवभू, पु. देव. स्त्री. स्वर्ग.

देवभूति, स्त्री. जगानदी.  
 देवमणि, पु. कौस्तुभमणि.  
 देवमातृ, स्त्री. अदिति, कश्यपपत्नी.  
 देवमास, पु. गर्लथी आठमो महिनो.  
 देवयज्ञ, पु. ध्वज, होम.  
 देवयान, न. विमान.  
 देवयानी, स्त्री. शुक्राचार्यणी पुत्री,  
 राजा यथातिनी स्त्री.  
 देवयु, वि. धार्मिक. पु. देव.  
 देवयुग, न. सतयुग.  
 देवयोषा, स्त्री. अप्सरा.  
 देवर, पु. देवर, पतिनो नानो भाध.  
 देवरथ, पु. विमान.  
 देवराज, पु. धद्र, राज, युद्ध.  
 देवरात, पु. परीक्षित राज, सा-  
 रसपक्षी. [गेरे ऋषिओ  
 देवर्षि, पु. नारद, अग्नि, भृगु व-  
 देवल, पु. आष्टावक्रमुनि, नारद; देवर.  
 देवलत, पु. नवमखिडा लता.  
 देवलोक, पु. स्वर्ग.  
 देवव्रज, पु. अग्नि, देवभुज.  
 देववाहन, पु. अग्नि.  
 देववृक्ष, पु. महारवृक्ष.  
 देवव्रत, पु. भीष्म; कार्तिकस्वामि.  
 देवश्री, पु. अलिदान. स्त्री. लक्ष्मी.  
 देवश्रुत, पु. विष्णु, नारद.  
 देवसमा, स्त्री. मुधर्भासभा; दर-  
 आरणी जगा.  
 देवसेना, स्त्री. देवताओणी सेना,  
 धद्रणी पुत्री, रक्षणी पत्नी.  
 देवसेनापति, पु. रक्ष, कार्तिकस्वामि.  
 देवाट, पु. छरिछर क्षेत्र, ऐक तीर्थ.  
 देवात्मन्, पु. पीपलातु आड.

देवापि, पु. ऐक राज.  
 देवायतन, न. मंदिर, देवल.  
 देवालय, पु. स्वर्ग; मंदिर.  
 देवावास, पु. स्वर्ग; पीपलातु आड.  
 देवाहार, पु. अभृत.  
 देवाह, वि. देवलायक.  
 देवी, स्त्री. दुर्गा, पार्वती; देवी;  
 सरस्वती, सावित्री; पटराणी;  
 उंथा कुणनी स्त्री. [सुरनी नगरी.  
 देवीकोट, पु. शोषितपुर, आण्ण-  
 देवीगृह, न. देवीतुं मंदिर.  
 देवृ, पु. देवर.  
 देवेज्य, पु. अडरपति. [पु. सुग्गुल-  
 देवेष्ट, वि. देवताओ धरुछे ऐवुं.  
 देवोद्यान, न. नदनवन, देवताधभाग  
 देश, पु. जगा, देश; स्वस्थान.  
 देशज, वि. देशभां उत्पन्न ययुं.  
 देशक, पु. राजकर्ता; भोभीओ.  
 देशना, स्त्री. सवाड.  
 देशांतर, न. पारको देश.  
 देशिक, वि. देशतुं. पु. सुर; सु-  
 सादर, भोभीओ [कडेतु.  
 देशित, वि. देभाडेकु; शीभवेतु;  
 देशिनी, स्त्री. तर्नी, अंगुठानी  
 पासेनी आगणी.  
 देशी, स्त्री. प्राकृतभाषा, ऐक राजणी.  
 देशीय, वि. देशने लगतुं; देशी.  
 देश्य, वि. देशी, देशतुं न. पूर्णपक्ष.  
 देष्ण, न. अक्षीस.  
 देष्णु, वि. दाता. पु. घोषी.  
 देह, उ. शरीर. स्त्री. (ही) क-  
 देहकर, पु. आप [क्षानी लीत.  
 देहकर्तृ, पु. नर्थ.

देहक्षय, पु. रोग.  
 देहज, पु. पुत्र.  
 देहद, पु. पारो.  
 देहदीप, पु. आंभ.  
 देहधारक, न. डाडकु.  
 देहभृत्, पु. देह; आत्मा.  
 देहला, स्त्री. धर. [ आकठो.  
 देहलि, -ली, स्त्री. धर; दरवानने  
 देहसंचारिणी, स्त्री. पुत्री.  
 देहसार, पु. डाडकाभांने नरभ  
 भावो, मंगल.  
 देहात्मवादिन्, पु. आर्वाक, देहने  
 आत्मा भाननार. [ आत्मा.  
 देहिन्, वि. शरीरसबंधी. पु.  
 दै, ग. १. स्वच्छ करतु; रक्षणु करतु.  
 दैत्य, पु. दितिना पुत्रो, राक्षसो.  
 दैत्यगुर, पु. शुक्रार्थ.  
 दैत्यदेव, पु. वरुण; पवन.  
 दैत्यपति, पु. हिरण्यकश्यप.  
 दैत्या, स्त्री. धर; अेक सुगंधी.  
 दैत्यारि, पु. विष्णु; देव. [मिशतं.  
 दैन, न. दीनता, गरीबी. वि. ह-  
 दैनिक, वि. रोजतुं. स्त्री. (की)  
 अेक रोजनो पगार.  
 दैन्य, न. दरिद्रता; गरीबी; हलकार्थ.  
 दैर्घ्य, न. लभार्थ.  
 दैव, वि. धंधरी. पु. विधिपूर्वक यथ-  
 लो विवाह. न. लाग्य, नसीभ; देव.  
 दैवचितक, } पु. जेतिपी, जेशी.  
 दैवज्ञ,  
 दैवत, वि. धंधरी. न. भूर्ति, देवता-  
 दैवदोष, पु. आंभ. [ज्जोना समुदाय.  
 दैवदुर्विपाक, पु. अदनसीभ.

दैवलेखक, पु. जेशी. [स्कृत लापा.  
 दैववाणी, स्त्री. आकाशवाणी; स-  
 दैवात्, अ. अकरमातथी.  
 दैवारिप, पु. राभ. [अकरमात.  
 दैविक, वि. धंधरी. न. न धारेलो  
 दैवी, स्त्री. विधिपूर्वक परणेली स्त्री.  
 दैव्य, न. नशीभ, लाग्य.  
 दैशिक, वि. देशी. पु. गुरु, लोभीआ.  
 दैष्टिक, पु. नसीभ वादी.  
 दैहिक, वि. शरीरसबंधी.  
 दो, ग. ध. कापु. [रतुति करनार.  
 दोग्धु, पु. वाछटो; गोवाण, पेसाभाटे  
 दोग्धी, स्त्री. दूध आपती गाय.  
 दोघ, पु. वाछटो.  
 दोघक, पु. अेक छद.  
 दोर, पु. दोरी, रसी.  
 दोरक, न. वीणु-सारणीने तार.  
 दोल, पु. डीयकावतु ते, पावणु, श-  
 गजुवद १ ने दिने यतो दोलोत्सव.  
 दोला, } स्त्री. पावणुं; पावणी.  
 दोलिका, }  
 दोष, पु. दुपणु; पाप, कलक, अम,  
 अपराध, निंदा, वाछटो; धन.  
 दोषज्ञ, पु. पडित; वैद. वि. दोष ज्ञ-  
 दोषणीय, वि. निदवावापक. [धुनार.  
 दोषत्रय, न. वात, पित्त अने कङ्  
 अे शरीरना नानु दोष.  
 दोषभाज, वि. अपराधी.  
 दोषा, स्त्री. रात्र, गालु, आलु.  
 दोषाकर, वि. अपराधी. पु. अंद.  
 दोषिक, पु. रोग; पीडा. वि. अराभ.  
 दोषिन्, वि. अपराधी; अशुद्ध; पापी.  
 दोस, पु. डाय. [रभनार.  
 दोस्य, पु. आकर, आकरी; रगत;

दोह, पु. दूध; दोहवानुं पात्र, दोहन.  
 दोहज, न. दूध. [गर्लावस्था; धंछा.  
 दोहद, उ. गर्लणी स्त्रीनी धंछा;  
 दोहन, न. दोहधुं ते.  
 दोहिन, वि. दोहनार.  
 दोह्य, वि. दोहवालायक. [निष्ठा.  
 दौःशील्य, न. अराध स्वभाव; अद  
 दौःसाधिक, पु. द्वारपाल; आम-  
 आनेो मुभी.  
 दौकूल, पु. देशमी कपडाथी ढांडेकी  
 गाडी. न. सुदर देशमी कपड.  
 दौत्य, न. सहेशो.  
 दौरात्म्य, न. दुष्टता.  
 दौरित, न. दुकेशान; दुष्टता.  
 दौर्गल्य, न. दरिद्रता, दुगादीअत.  
 दौर्गध्य, न. दुर्गध.  
 दौर्ग्रह, पु. अश्वमेध यज्ञ.  
 दौर्जन्य, न. दुराचार.  
 दौर्बल्य, न. दुर्बलता, नमणार्ध.  
 दौर्भाग्य, न. अभाग्य.  
 दौर्भान, न. भाई भाईनेो कलुषो.  
 दौर्मनस्य, न. नाशीपाशी, अित.  
 दौर्मन्त्र्य, न. अराध सखाद  
 दौलेय, पु. कायणेो.  
 दौलिम, पु. धं.  
 दौवारिक, पु. द्वारपाल; छडीदार.  
 दौश्रय, न. अराध आल. [थयधु.  
 दौष्कूल, वि. दुलका कुलगां उत्पन्न  
 दौष्ट्य, न. दुष्टता. [पुत्र, भरत.  
 दौष्म(प्य)ति, पु. दुष्पतराजनेो  
 दौहित्र, पु. दोहिन, छोकरीनेो छो-  
 करे. न. तव [नेो छोकरी.  
 दौहित्रायण, पु. छोकरीना छोकरा-

दौहित्री, स्त्री. दोहिन, पुत्रीनी पुत्री.  
 घविघर्वा, स्त्री. दिन, दिवस.  
 घावापृथिवी, स्त्री. स्वर्गअने पृथ्वी.  
 घु, ग. २. दुभलो करवो.  
 घु, न. दिवस; स्वर्ग, आकाश; अ-  
 घुक, पु. धुवड. [काश. पु. अग्नि.  
 घुस्त, वि. प्रकाशित. पु. अग्नि; व-  
 घुग, पु. पक्षी. [इणु; मोम; धं.  
 घुचर, पु. अद, पक्षी.  
 घुत्, ग. १. प्रकाशकुं.  
 घुत्, स्त्री. किरणु.  
 घुति, स्त्री. शोभा; किरणु; मोल्लो.  
 घुतिकर, पु. धुवनो तारो.  
 घुदल, पु. वद.  
 घुनिवास, पु. देव.  
 घुपति, पु. सूर्य; धं.  
 घुमणि, पु. सूर्य. [नभूत; सांत.  
 घुमत्, वि. प्रकाशित; स्वच्छ, म-  
 घुन्न, न. कीर्ति; नेर, पैसो.  
 घुपद्, पु. देव, अद.  
 घुस्तरित्, स्त्री. गगा. [तेधुं धनाम.  
 घूत्, उ. लुगार, लडाई, युद्ध; ल-  
 घूत्क्रीडा, स्त्री. लुगार रमवो ते.  
 घून, न. सातमी राशि.  
 घै, ग. १. विकारधु.  
 घो, स्त्री. स्वर्ग.  
 घोत, पु. प्रकाश.  
 घोभूमि, पु. पक्षी.  
 घोपद्, पु. देव.  
 द्रढिमन्, पु. मन्भूती, दढता.  
 द्रप्स, वि. टपकुं. पु. दीधु; तलुयो.  
 द्रप्स्य, न. धास, भडो. [न. धास.  
 द्रम्, ग. १. दोउकुं.

द्रव, वि. द्रोतुं; टपकतुं; प्रवाही.  
 पु. गति; पलायन; रस; रमत;  
 द्रवती, स्त्री. नदी. [डिकणो; वेग.  
 द्रवरसा, स्त्री. लाभ; शुद्ध.  
 द्रविड, पु. श्लोक वर्ण संकरन्त;  
 दमलुनो श्लोक देश.  
 द्रविण, न. धन; शैलुं; नेर; शक्ति.  
 द्रविणप्रद, पु. विष्णु.  
 द्रविभूत, वि. गणतुं, टपकतुं.  
 द्रव्य, न. वस्तु; भागत; धनहोस्त;  
 लाभ; सुंदर. [सुंदर.  
 द्रष्टव्य, वि. दर्शनीय, ज्ञेयालायक;  
 द्रष्ट, वि. ज्ञेयार. पु. प्रेक्षक.  
 द्रह, पु. उरो तणाप.  
 द्रा, ग. २. उधुं; नाशी नुं; द्रो-  
 उं; शरभां.  
 द्रा, स्त्री. स्वप्न; पलायन.  
 द्राक्षा, स्त्री. द्राक्ष.  
 द्राक्षारस, पु. द्राक्षनो द्राक्ष. [विं.  
 द्राघ, ग. १. शक्तिमानयुं; धीनपी  
 द्राघ, पु. भ्रम; महेतत; शक्ति.  
 द्राघिमन्, पु. लब्धार्थ.  
 द्राह, ग. १. कापुं.  
 द्राप, पु. दाहव; व्याकाश; भूर्ध; द्रोडी.  
 द्रामिल, पु. व्याघ्राकभक्षिनि. [गरभी.  
 द्राव, पु. गमन, गति; पलायन;  
 द्रावक, वि. प्रवाही. पु. लोहसु-  
 भक; चोर; चद्रकान्तभक्षि.  
 द्राविका, स्त्री. धू, लाण.  
 द्राविड, पु. द्रावडने रडेवारी;  
 द्राविड देश. [लीजन्त.  
 द्राविडक, न. सव्यभार. पु. कु-  
 ह, ग. १. द्रोतुं; लुभतो करवो.

द्र, उ. लाकडुं. पु. जाड; शाभर.  
 स्त्री. गति. [करपी.  
 द्रुण, ग. ६. वां कुं वाणतुं; धन  
 द्रुण, न. धनुष; तरवार. पु. वीछी;  
 लभरो; लुभो.  
 द्रुणा, स्त्री. पलाछ, धनुषनी दारी.  
 द्रुणी, स्त्री. देडकी; क्षनभलुरो.  
 द्रुत, वि. वितावशु; प्रवाही. पु. वीछी;  
 जाड; गिलाडी. अ. अडपथी.  
 द्रुतखिलं वित, न. श्लोक छंद.  
 द्रुनख, पु. कटो.  
 द्रुपद, पु. पंचाण देशनो राज.  
 द्रुम, पु. जाड; कुम्भर.  
 द्रुमव्याधि, पु. सुंदर.  
 द्रुमारि, पु. हाथी.  
 द्रुह, ग. ४. विकार सदन करवो.  
 द्रुह, स्त्री. तुकशाणी.  
 द्रुह, पु. पुत्र; सरोवर.  
 द्रुह(हि)ण, पु. धसा.  
 द्रुही, स्त्री. पुत्री.  
 द्रु, ग. ५, ९. धन करपी.  
 द्रु, पु. शैलुं.  
 द्रुण, पु. वीछी.  
 द्रु, ग. १. उधुं.  
 द्रोघ, पु. धन, तुकशाणी.  
 द्रोण, पु. द्रोणव्याधि; वादण; चाररो  
 काली लामि सरोवर; वीछी; जाड.  
 द्रोणकाक, पु. जगदी कागडो.  
 द्रोणाचार्य, पु. पांडव औरवना गुरु.  
 द्रोणि, -णी, स्त्री. लाकडानी धालडी;  
 परंतनी भीलु; डेणतु जाड; सु-  
 धीनो रोपो; द्रोणी पत्नी. रोपो.  
 द्रोणिका, स्त्री. धालडी; सुधीनो

द्रोह, पु. तिरस्कार; अपकार; नु-  
द्रोहित, वि. कपटी. [ कसान-  
द्रोणायन, -नी, } पु. अश्वत्थामा,  
द्रोणि, } द्रोणुनो पुत्र.  
द्रोपदी, स्त्री. दुपदराजनी पुत्री,  
द्वंद, न. जेडी. [पांडवोनी स्त्री.  
द्वंद, न. जेड, जेडी, (स्त्रीपुरुषनी);  
कल्यो; रक्ष्य; जेणुनी लडाई.  
द्वंद्वचर, पु. यकवाक पक्षी.  
द्वय, वि. अभयुं. न. जेडी.  
द्वाचत्वारिंशत्, स्त्री. ४२, भेताधीश.  
द्वादश, वि. आरयुं. स्त्री. (शी)  
आरस, आरभी तिथि.  
द्वापर, पु. त्रीनेयुग; सडेक, वेडेभ.  
द्वाद-र, स्त्री. दरवाने, आरयुं; र-  
स्तेा; उपाय.  
द्वार, न. दरवाने, रस्तेा.  
द्वार(रि)का, स्त्री. द्वारका नगरी.  
द्वारकानाथ, पु. श्रीकृष्ण.  
द्वारकंदक, पु. दरवानेनो अउगरो.  
द्वारनायक, } पु. द्वारपाल, दरवान.  
द्वारपालक, }  
द्वारपिंडी, स्त्री. दरवानेनो उभर.  
द्वारवलिमुञ्ज, पु. कागडो, यकली.  
द्वारयंत्र, न. ताणुं; अउगरो.  
द्वार(रा)वती, स्त्री. द्वारका.  
द्वारिक, } पु. द्वारपाल, छडीदार.  
द्वारिन्, }  
द्वापष्टि, स्त्री. ६६, छारसं.  
द्वि, वि. जेवडुं; जे.  
द्विक, वि. जेवडु. न. जे. पु. कागडो.  
द्विककार, पु. कागडो; यकवाक पक्षी.  
द्विगु, पु. जेक सभास.

द्विगुण, वि. जेवडुं.  
द्विज, पु. ब्राह्मणु, क्षत्रिय अने वैश्य  
जे त्रयुभांथी जेक; ब्राह्मणु; दंत.  
द्विजन्मन्, पु. ब्राह्मणु; दंत; पक्षी.  
द्विजपति, पु. कपूर; चंद्र.  
द्विजाति, पु. ब्राह्मणु; क्षत्रिय; वैश्य.  
द्विजिह्व, पु. सर्प; चार.  
द्वितय, वि. अभयुं. न. जे; जेडी.  
द्वितीय, वि. भीणुं. पु. पुत्र; मित्र;  
भागीदार. [ भायी, पत्नी.  
द्वितीया, स्त्री. भीण, भीण तिथि;  
द्वित्र, वि. जे अथवा त्रयु.  
द्वित्य, न. जेवभत; जेडी.  
द्विदेह, पु. गणुपति.  
द्विदेवत्या, स्त्री. विशाखा नक्षत्र.  
द्विधा, अ. जे रीते; जे लागमां.  
द्विप, पु. हाथी. [ जे पगवाणुं.  
द्विपद, पु. भाणुस; देव; पक्षी. वि.  
द्विपाद, पु. भुभ्य; पक्षी; देव.  
द्विपायिन्, पु. हाथी.  
द्विविंदु, पु. विसर्ग, (:).  
द्विमुखा, स्त्री. जणो.  
द्विरद, पु. हाथी.  
द्विरसन, पु. सर्प.  
द्विरागमन, न. स्त्रीतुं आणुं वाणीने  
पतिना घरमां जतुं ते.  
द्विरेफ, पु. भभरो.  
द्विप, ग. २. विष्कारतुं.  
द्विप, पु. शत्रु  
द्विष्ट, वि. विष्कारेयुं. न. तांथु.  
द्विस्, अ. जे वभततुं.  
द्विसप्तति, स्त्री. ७२, भोतेर.  
द्विसीत्य, वि. जे वार जेडेवु.



द्विहन्, पु. ङाथी.  
 द्विहल्य, वि. जे वार जेटेकुं.  
 द्विहीन, वि. नपुंसक द्विगतुं.  
 द्विहोत्, पु. अग्नि.  
 द्वीप, उ. जेट, टापु, रक्षणुतुं डेकाणुं.  
 न. वाधतुं आमडु.  
 द्वीपकपूर, पु. स्त्रीनाथ कपूर.  
 द्वीपवत्, पु. समुद्र. स्त्री. (ती) न-  
 ती; पृथ्वी.  
 द्वीपिन्, पु. वाध; अित्तो वाध.  
 द्वीप्य, पु. जेटभां रडेनार, वेदव्यास.  
 द्वेषा, अ. जे रीते.  
 द्वेष, पु. धिक्कार; शत्रुता.  
 द्वेषण, वि. धिक्कारेकुं. पु. शत्रु. न.  
 द्वेत, न. जे; अेक वन, लेद. [विक्कार.  
 द्वेतवादिन्, पु. लव अने धिक्करने  
 लुटो माननार.  
 द्वैतीयिक, वि. भीलु. [डलटु.  
 द्वैध, वि. जेवकुं. न. अेक भीलथी.  
 द्वैध्य, न. लुकाध.  
 द्वैप, वि. टापुभां रडेनार. पु. वा-  
 धना आमडाथी ढांकेली गाडी.  
 द्वैपायन, पु. वेदव्यास.  
 द्वैमानुर, वि. जे मातावाणु. पु. गणु-  
 द्वैरथ, पु. प्रतिस्पर्धि. [पति; नरासध.  
 द्वैसमिक, वि. जे वर्षतुं.  
 द्वष्ट, न. तांशु.

ध.

ध, आगणीशमो व्यजन.  
 ध, पु. ब्रह्मा, कुबेर; सद्गुणु; धर्म.  
 न. धन, होलत.  
 धह, ग. १०. नाश करवो.

घट, पु. कांठो, तराजवो, तराज-  
 वानी लाकडी; तुलाराशि.  
 घटक, पु. ४२ रतीतुं वजन.  
 घटी, स्त्री. लंगोटी; कांठेकुं कपडुं.  
 घण, ग. १. अवाज करवो.  
 घत्तूर, पु. धतूरातुं जाड.  
 घन, न. होलत, पैसो, लडाधतुं धनाम.  
 घनंजय, पु. अर्जुन; अग्नि, अेक  
 डवा; विष्णु  
 घनद, पु. कुबेर. वि. धन आपनार.  
 घनदंड, पु. दडनी शिक्षा.  
 घनदायिन्, पु. अग्नि.  
 घनधानी, स्त्री. लडार, तीलेरी.  
 घनपति, पु. कुबेर, अजनथी.  
 घनहर, पु. वारस; पुत्र.  
 घनागार, पु. लडार.  
 घनिक, वि. पैसाधार; सद्गुणी. पु.  
 सराई; पैसाधार माणुस. [ पनी.  
 घनिका, स्त्री. सद्गुणी स्त्री; लार्थी,  
 घनिन्, वि. पैसाधार. पु. पैसाधार  
 माणुस; सराई.  
 घनिष्ठा, स्त्री. धनिष्ठा नक्षत्र.  
 धनी, } स्त्री. युवती, लुवान स्त्री.  
 धनीका, }  
 धनु, पु. धनुष्य, कमान. [ नगव.  
 धनुस, न. कमान, धनुष्य; धनराशि;  
 धनुगुण, पु. धनुष्यनी होरी, पणुछ.  
 धनुर्धर, } पु. आणु-तीर भार-  
 धनुर्धृत्, } नार, तीरदाज.  
 धनुर्वृक्ष, पु. आणु-वांसतु जाड.  
 धनेयक, न. धाणु  
 धनेज्ञ, पु. अजनथी, कुबेर.  
 धनुष्मत्, पु. आणुवली, तीरदाज

धन्य, वि. पैसादार, नशीबवान,  
सद्गुणी पु. नशीबवान भाखुस  
न. धन, धाणु. स्त्री. (न्या) धा-  
व, धार्ज, धाणु.

धन्यवाद, पु. धन्यवाद, वभाणु.

धन्याक, न. धाणु, डोथभी०

धन्वन्, उ. धनुष्य, आकाश; किनारे.

धन्वदुर्ग, न. रण, पाणीवगरतु  
जगल.

धन्वतरि, पु. देवताओनो वैद  
धन्विन्, पु. अर्जुन, तीरतण, विष्णु,  
धम, पु. अद्र, कृष्ण, यमराज [शि  
धमक, पु. दुगा०

धमन, वि. कूर, धातकी पु. कुकुरी  
धमनी, स्त्री. कुकुरी, डोक, गरदन,  
नाडी, वाणी, वाया \*

धम्मिल, } पु. कूल साये जुथेला भा  
धम्मिल, } धाना वाण.

धय, वि. पान करनार, पीनार स्त्री.

आलिका, नानी छोकरी. [अिकवसु

धर, पु. पर्यत, कुर्म-कच्छप अवतार,

धरण, न. टेको, लभीनजीरी. पु

पर्यतनी धार, पृथ्वी, नूर्य, स्तन,

अनाज, डिभालय पर्यत

धरणी, -णी, स्त्री. पृथ्वी, जमीन

धरणिधर, पु. शेषनाग, विष्णु,

पर्यत, कायओ, रान्त.

धरणिपूर, पु. समुद्र.

धरा, स्त्री. पृथ्वी, नस, गलांशय.

धराधर, पु. "धरणिधर" लुओ

धरामर, } पु. आलणु.

धरादेव, }

धरित्री, स्त्री. पृथ्वी. [अशि. न. टेको.

धरुण, पु. श्रद्धा; स्वर्ग; पाणी, मत;

धर्त्तव्य, वि. मान्य, राभवावायक.

धर्त्तर, पु. धरुतानु जाड.

धर्त्र, न. धर; सद्गुणु; गलिदान.

धर्म, पु. धर्म, इरण, कायओ, न्याय,

स्नभाव; सद्गुणु; आचार, लक्ति.

धर्मकृत, पु. विष्णु, धर्मा भाखुस.

धर्मचारिन्, पु. योगी.

धर्मचारिणी, स्त्री. पत्नी, भार्या.

धर्मचिंता, स्त्री. सद्गुणुतु मनन.

धर्मतस्, अ. धर्मप्रभाणे

धर्मद्रोहिन्, वि. पापी. पु. राक्षस.

धर्मध्वजिन्, वि. धर्म विरोधी.

धर्मपत्नी, स्त्री. परणेकी स्त्री.

धर्मपुत्र, पु. युधिष्ठिर रान्त.

धर्ममागिनी, स्त्री. सद्गुणी स्त्री.

धर्मरति, वि. पवित्र, न्यायी.

धर्मराज, पु. युधिष्ठिर, जैन, यम,

धर्मवर्धन, पु. शिव. [ रान्त.

धर्मशाला, स्त्री. न्यायदरवार, ध-

र्मशाला, धर्मनी उतारानी जगा.

धर्मशील, वि. सद्गुणी.

धर्मसावर्णि, पु. अगीआरभो मनु

धर्माधिकरण, न. न्यायदरवार. पु.

न्यायाधीश [नसक.

धर्माधिकारिन्, पु. न्यायाधीश, मु-

धर्माध्यक्ष, पु. विष्णु, न्यायाधीश.

धर्मार्थ, अ. न्यायधी, वाजपी रीते.

धर्मासन, न. न्यायनी षेडक

धर्मिन्, वि. सद्गुणी, पवित्र. पु.

धर्मिष्ठ, वि. साधु, पवित्र. [विष्णु.

ધર્મ, પુ. બહાદુરી; મગરૂરી; અ-  
ધીરતા; બલાત્કાર; ઈન્ત.  
ધર્મક, પુ. નટ; બલાત્કાર કરનાર.  
વિ. અધીરો; સાહસિક [સંગ; દ્વેષ.  
ધર્મણ, ન. બહાદુરી; બલાત્કાર, સ્ત્રી-  
ધર્મણી, સ્ત્રી. છીનાળ સ્ત્રી.  
ધર્મિત્, વિ. હરાવેલું; બગાડેલું; અ-  
પમાન કરેલું. ન. ગરૂરી; મૈથુન;  
અધીરાઈ. સ્ત્રી. (તા) અભિચા-  
રણી, છિનાલ સ્ત્રી.  
ઘલંડ, પુ. કાંટાવાણુ ઝાડ. [ ઠગ.  
ઘવ, પુ. પતિ, ઘણી; માલીક, પુરુષ,  
ઘવલ, વિ. સફેદ; સુંદર; સ્વચ્છ.  
પુ. સફેદ રંગ; ઉત્તમ બળદ; સ્ત્રી-  
નાઈ કપૂર. ન. સફેદ મરી. સ્ત્રી.  
(લા) સફેદ ચહેરાવાળી સ્ત્રી.  
ઘવલપક્ષ, પુ. હસ. [ (સ્ત્રી) સફેદ ગાય.  
ઘવલમૃત્તિકા, સ્ત્રી. ચાક, સફેતો.  
ઘવાળક, પુ. પવન.  
ઘચિત્ર, ન. હરણુના ચામડાનો પખો.  
ઘસ, પુ. એક શ્રાહણુ; અહસ્પતિ.  
ઘા, ગ. ૩. મૂકવું; પહોંચાડવું (ધ્યાન),  
આપવું; પહેરવું; બતાવવું; ટેકો  
આપવો. [ચાંબલો; તળાવ; શ્રાહણુ.  
ઘાક, પુ. બળદ; ખેરાક; અન્ન;  
ઘાટી, સ્ત્રી. હલ્લો, હુમલો.  
ઘાળક, પુ. સોનાનો સિક્કો.  
ઘાતુ, પુ. તત્વ, (એ પાચ છે-  
પૃથ્વી, પાણી, તેજ, વાયુ અને  
આકાશ), શરીરનાં તત્વ; ખા-  
ણુમાંથી નીકળતી ઘાતુઓ, (સોત,  
રૂપું વગેરે); આત્મા; શ્રદ્ધ.  
ઘાતુદ્રાવક, પુ. ટંકણુખાર.

ઘાતુનાશન, ન. કાંચ.  
ઘાતુભૂત, પુ. પર્વત.  
ઘાતુમારિન્, પુ. ગધક.  
ઘાતુવહ્નમ, ન. ટંકણુખાર.  
ઘાતુવિપ્, સ્ત્રી. સીમું.  
ઘાતુવેરિન્, પુ. ગધક.  
ઘાતુશેલર, ન. હીરાકસી. [રસ્તી.  
ઘાતુસામ્ય, પુ. આરોગ્યતા; તંદુ-  
ઘાતુ, પુ. કર્તા, શ્રદ્ધા; ટેકો આપ-  
નાર, વિષ્ણુ; આત્મા; પરણેલી  
ઘાતુપુત્ર, પુ. સનહુમાર. [સ્ત્રીનો પાર.  
ઘાત્રી, સ્ત્રી. દાઈ, ધાવ; માતા, પૃથ્વી.  
ઘાત્રીપુત્ર, પુ. નટ; દૂધભાઈ.  
ઘાત્રીફલ, ન. આંમળાં.  
ઘાત્રેયિકા, } સ્ત્રી. ધાત્રી, દાઈ.  
ઘાત્રેયી, }  
ઘાન, ન. બેઠક.  
ઘાનક, ન. ધાણા.  
ઘાના, સ્ત્રી. સેકેલા જવ અથવા  
ચોખા; અનાજ; ધાણા. [ધાણા.  
ઘાની, સ્ત્રી. બેઠક (રાજધાની),  
ઘાનુષ્ક, પુ. ધનુષધારી, તીરદાન.  
ઘાનુષ્ય, પુ. વાંસ, ખાંચુ.  
ઘાંધા, સ્ત્રી. એલચી.  
ઘાનેયક, ન. ધાણા. [બેટલું વજન.  
ઘાન્ય, ન. અનાજ; ધાણા; ચાર રતલ  
ઘાન્યકલક, ન. યુલું, ભુલું.  
ઘાન્યકોશ, પુ. અનાજનો ભડાર.  
ઘાન્યત્વચ્, સ્ત્રી. અનાજનાં છોતરાં.  
ઘાન્યમાય, પુ. કણીઓ, અનાજ  
ઘાન્યરાજ, પુ. જવ. [વેચનાર.  
ઘાન્યવીર, પુ. અડદ.  
ઘાન્યાક, ન. ધાણા.

धान्यादि, पु. ७६२.  
 धामक, पु. अेक भासातुं वचन.  
 धामन्, न. धर; स्थान; किरणु; प्र-  
 भाव; शरीर; हावत; नन्म; वर्ग.  
 धामनिधि, पु. मूर्ध.  
 धामनी, स्त्री. नाडी.  
 धायस्, वि. धारणु करनार.  
 धाय्य, पु. पुरोहित, कुवगोर.  
 धार, वि. पकडेकुं. पु. विष्णु; वर-  
 साहनुं आपहुं; पररु; करण; छद.  
 धारक, वि. धारणुकर्ता. पु. कणश,  
 यणु; करण/हार.  
 धारण, न. अवलंभन; रक्षणु; धारणु.  
 धारणक, पु. करण/हार.  
 धारणा, स्त्री. बुद्धि; मननी स्थि-  
 रता; स्थिति.  
 धारणावत्, वि. विद्वान्, अकलवान्.  
 धारणी, स्त्री. नाडी; पंक्ति, हार.  
 धारणीय, वि. धारणु करवालायक.  
 धारयित्री, स्त्री. पृथ्वी.  
 धारा, स्त्री. नदी, नालुं; वरसाहनुं  
 आपहुं; घोडाणी आस; छयिधारनी  
 धार; वाह; शीट, कीर्ति, रात्र;  
 छणह; वाचा; नप.  
 धारांकुर, पु. वरसाहनुं टिपुं.  
 धारांग, पु. तरवार.  
 धाराट, पु. आतक, अपैषो.  
 धाराघर, पु. वाहन; तरवार.  
 धारायंत्र, न. कूचारे.  
 धारावणी, पु. वायु, पवन.  
 धाराधिप, पु. वांछी तरवार.  
 धारिणी, स्त्री. पृथ्वी.  
 धारित्, वि. पकडेकुं.

धारिन्, वि. धारवाणुं.  
 धार्तराष्ट्र, पु. धुतराष्ट्रनो पुत्र; काना  
 पग अने कान्णी आंथवाणुं छंस.  
 धार्म, वि. धर्मेने लगतुं.  
 धार्मिक, वि. धर्मात्मा; सहशुष्ठी.  
 धार्य, वि. धारणु करवालायक.  
 धार्य, न. अहंकार, भगव्त्री. [न/कुं.  
 धाव्, ग. १. होडकुं; वडेकुं; नासी  
 धावक, पु. घोष्ठी; अेक कवि.  
 धावलय, न. सदेही.  
 धासस्, पु. पर्वत.  
 धासि, पु. भोराक.  
 धि, ग. ६. पकडेकुं, धारणु करकुं.  
 धिक्, अ. निदा, धिक्कार; कठोर  
 वाक्यदर्शक.  
 धिक्कार, पु. धिक्कार; निदा.  
 धिक्कृत, वि. धिक्कारेकुं; निडेकुं. न.  
 तिरस्कार; निदा.  
 धिक्, ग. १. सणगावकुं.  
 धिन्व्, ग. ५. सतोप पाभकुं.  
 धिप्, ग. ३. अचान् करवो.  
 धिप्, स्त्री. वाष्ठी, वाचा; बुद्धि;  
 पृथ्वी; वभाणु, स्तुति.  
 धिपण, पु. वृहस्पति. न. स्थान.  
 धिपणा, स्त्री. वाष्ठी, वाचा; बुद्धि;  
 पृथ्वी; वभाणु, स्तुति.  
 धी, ग. ४. अपमान करकुं, पकडेकुं.  
 धी, स्त्री. अकल, बुद्धि; विचार;  
 धराहो; अलिदान, ज्ञान.  
 धीत, वि. चुसी लीधेकुं.  
 धीदा, स्त्री. कुमारीका, बुद्धि.  
 धीमत्, वि. विद्वान्.

धीर, वि. धीरो; वीर, अडादुर; दड; शांत; पंडित, विद्वान; नम्र; सुस्त. पु. समुद्र; पुङ्क; आत्मा; अविरान्त. न. देशर.

धीरस्कंध, पु. लेंस, पाडो.  
धीरता, स्त्री. हीमत; दडता; उडापलु.  
धीरा स्त्री. यतुर स्त्री.  
धीराधीरा, स्त्री. नायकालेद.  
धीरोदात्त, पु. अडादुर अने द्या-  
वान पुरुष (नाट्योक्तिभां).  
धीरोद्धत, पु. अडादुर पणु डडीलो  
पुरुष (नाट्योक्तिभां).  
धीलटि(टी), स्त्री. पुत्री, छोडरी.  
धीवन्, वि. हुशीयार. पु. डारीगर;  
भाडीमार.

धीवर, पु. भाडीमार. न. लोडुं.  
धीसख, पु. अमात्य, सलाडकार.  
धीसचिव, पु. मंत्री, प्रधान.  
धु, स्त्री. धुणतुं ते.  
धुत, वि. तल दीधेडुं; धुणतुं.  
धुनि, -नी, स्त्री. नदी.  
धुनीनाथ, पु. समुद्र.  
धुंधु, पु. तेल; मडेनत.  
धुंधुमार, पु. अक राज; धंद्रगोप-  
कीडो; धरनो धूमाडो. [ ५२७.  
धुद्, स्त्री. धुरी, घोसरी; भोले, विता;  
धुंधर, वि. भोले उपाडनार; मुण्य.  
पु. लार उपाडनार ननावर; स-  
धुरा, स्त्री. भोले. [ २६२; शिव.  
धुर्य, वि. भोले उपाडवालायक. पु.  
विण्यु; भोले उपाडनार ननावर.  
धुर्व, ग. १. धंज करवी.  
धुवन, पु. अग्नि.

धुस्तु(स्तू)र, पु. धवरातुं आड  
धू, ग. ६, १, ५, ९, १०. धुणतुं;  
धू, स्त्री. कापतुं ते. [ धंज करवी.  
धूक, पु. पवन; धुञ्चो; वभत.  
धूत, वि. धुणतुं; तजेडुं; विचारेडुं;  
धूता, स्त्री. भार्या, पत्नी. [ तर्कित.  
धून, वि. अपित.  
धूनक, पु. राज.  
धूनन, पु. पवन. न. कंपनी.  
धूप, ग. १. गरमी आपवी.  
धूप, पु. सुगंधी स्त्री; सुगंधी धूमाडो.  
धूपक, पु. धूप वेचनार.  
धूपन, न. राज. [ अकण.  
धूम, पु. धूमाडो; वाडण; अटकार;  
धूमकेतन, पु. आश; डेतुअड.  
धूमकेतु, पु. अग्नि; डेतुअड; पुछ-  
धूमग्रह, पु. राडुअड. [ डीओ तारो.  
धूमध्वज, पु. अग्नि.  
धूमपथ, पु. अविद्वान; भारी.  
धूममहिषी, स्त्री. अकण.  
धूमयोनि, पु. मेध, वाडण.  
धूमल, } वि. धूमाडाना रगतुं. पु  
धूमाम, } नंजुडो रंग.  
धूमावलि, स्त्री. धूमाडानी डार.  
धूमिका, स्त्री. वराण; अकण.  
धूम्या, स्त्री. धण्णोण धूमाडो.  
धूम्र, वि. धूमाडाना रगतुं, अणु  
पु. नंजुडो रंग; शिव; धूप. न  
धूम्रक, पु. डं. [ पाप  
धूम्रलोचन, पु. डण्णतर.  
धूम्रशूक, पु. पोपट.  
धूम्राक्षि, पु. अराण रगतो भोटी  
धूम्राम, पु. पवन.

धूर, ग. घ. धंज करवी.  
 धूर्जटी, पु. शिव.  
 धूर्त, वि. धुम्बो; नुकसान कर्ता.  
 पु. धम; लुगारी; आशंक; ध-  
 रसे. न. संयण; बोडनो भूडे.  
 धूर्तक, पु. शियाण; धुम्बो.  
 धूर्व, ग. र. धंज करवी.  
 धूलक, न. अर, विष.  
 धूलि, पु. } धूण; भूडे.  
 धूली, स्त्री. }  
 धूलिका, स्त्री. अकण.  
 धूलिकेदार, पु. भेडेकुं भेतर.  
 धूलिध्वज, पु. पवन.  
 धूलिपुष्पिका, स्त्री. केतकीनुं अड.  
 धूथ, ग. १०. सधुगारकुं.  
 धूसर, वि. अरवाण. पु. धूरो रग;  
 गधेडो, उंर; कभूतर; धांभी.  
 धूस्तर, पु. धररो.  
 धू, ग. ६. डेयात डोवुं.  
 धृत, वि. पकडेकुं; स्वाधीन राजे-  
 लु, पेडेरेकुं; भूडेकुं, वजन क-  
 रेकु. न. डालत.  
 धृतदीधिति, पु. अग्नि. [ननो भाप.  
 धृतराष्ट्र, पु. अक अरव, दुधोध-  
 धृतवर्मेन, वि. अमतरे पेडेरेकु.  
 धृतवत, पु. धंर; अग्नि; वरुण.  
 धृतात्मन्, पु. विष्णु [सुभ, अविदान.  
 धृति, स्त्री. दढता, डिमत; सतोप;  
 धृत्वन्, पु. विष्णु, अज्ञा, सहशुणु;  
 आकाश, पडित; समुद्र.  
 धृत्वरी, स्त्री. पृथ्वी.  
 धृप्, ग. १. साथे आवकुं.  
 धृपित, वि. अडादुर.

धृपु, वि. अडादुर; यतुर. पु. भीड.  
 धृष्ट, वि. अडादुर; डिमतवान; भे-  
 शरभ; धातकी. पु. भेवडा आ-  
 शक. स्त्री. (घा) भेवडा स्त्री.  
 धृष्टद्युम्न, पु. दुपदराननो पुत्र.  
 धृष्टि, स्त्री. अडादुरी.  
 धृष्णि, पु. किरण. [शरभ.  
 धृष्णु, वि. अडादुर; विश्वासु; भे-  
 धे, ग. १. अरकुं, पीकुं; अयन करकुं.  
 धेन, पु. समुद्र, नद (भोटी नदी).  
 धेना, स्त्री. नदी; वाया, इधाणी गाय.  
 धेनु, स्त्री. गाय, पृथ्वी; अक्षीस.  
 धेनुक, पु. अक राक्षस.  
 धेनुकसूदन, पु. अलराम. [अक्षीस.  
 धेनुका, स्त्री. डायणी; इधाणी गाय;  
 धेय, वि. क्षीधेकुं; पीधेकुं.  
 धेनुक, न. गायकुं टाणु; रतिअधनी  
 अक रीत. [अडादुरी.  
 धैर्य, न. दढता, धीरण, सभूरी;  
 धैवत, पु. सात सुरभानो छुडे.  
 धैवल्य, न. यतुराध.  
 धोड, पु. अक सध.  
 धोद, ग. १. दोडु.  
 धोरण, न. गाडी; घोडानी गति.  
 धोरित, न. घोडानी आव; गति;  
 धंज करवी ते.  
 धौत, वि. धायकुं; प्रकाशीत करेकुं.  
 न. ३पु; स्वच्छ करकु ते.  
 धौतकट, पु. नरो डोथणो.  
 धौतखडी, स्त्री. शेन्डी.  
 धौति, -ती, स्त्री. अरो, वाणु; नदी;  
 योगनी अक क्रिया.  
 धौतेय, उ. सिंधावृणु

धौमक, पु. ओक देश.  
 धौत्र, पु. धर आंधवानी जगा.  
 धौरितक, न. धोडानी गति.  
 धौरय, वि. योने उपाडवालायक.  
 धु. गण्ड; धोडो; सरदार.  
 धौतक, न. धुम्बार्ध, अप्रामाणिकता.  
 धौर्य, न. अश्वगति.  
 ध्मा, ग. १. कुंकुं; ईंकुं.  
 ध्माकार, पु. लुडार.  
 ध्मांश, ग. १. धम्भुं. [भीभारी.  
 ध्मांश, पु. कागडो; भाछडी; सुतार;  
 ध्मात, वि. ध्यान आपेक्षुं.  
 ध्यात, पु. चिंता करनार.  
 ध्यान, न. चिंतन; योग; ओक तरई  
 मन लगाडुं ते. [नतनुं धास.  
 ध्याम, वि. काशुं; मेक्षुं. न. ओक  
 ध्यामन्, पु. प्रकाश; वजन. न.  
 चिंता; विचार.  
 ध्येय, वि. ध्यान करवालायक.  
 द्यै, ग. १. विचारुं, ध्यान पछो-  
 ध्र, वि. पकडेक्षुं. [याडुं.  
 धन्, धन्, ग. १. ननुं.  
 धण्, ग. १. अवाण करवो.  
 धस्, ग. १, १०. उछाणुं.  
 धा, ग. १. ननुं.  
 ध्राख्, ग. १. मुक्वपुं; साइ करपुं.  
 ध्राक्ष, ग. १. धम्भुं.  
 ध्राडि, पु. इल वीणुवां ते.  
 ध्रिन्, ग. १. ननुं. [अपुं, ननुं.  
 ध्रु, ग. ६. भाया करवी, भारी ना-  
 ध्रुति, स्त्री. अशय रस्ते ननुं ते.  
 ध्रुव, वि. निश्चल, अचल, चोक्स,  
 मलयूत. पु. अक्षा; विष्णु, शिव,

ध्रुवनो तारो; ध्रुवा; वभत; उ-  
 तानपाद राजनो पुत्र. न. आ-  
 काश; स्वर्ग. अ. चोक्स रीते.  
 ध्रुवा, स्त्री. सहगुण्णी स्त्री.  
 ध्रुवाक्षर, पु. विष्णु.  
 ध्रुवि, वि. दद.  
 ध्रैक्, ग. १. अवाण करवो.  
 ध्रै, ग. १. संतोष पाभुं.  
 ध्रौव्य, न. ददता; भात्री. [ पाभुं.  
 ध्वंस, ग. १. पडीभागुं; नाश  
 ध्वंस, पु. नाश; नुकसान; अंश.  
 ध्वंसि, पु. सुदूर्तनो सोभो भाग.  
 ध्वंसित, वि. नाश पाभेक्षुं.  
 ध्वंसिन्, वि. नाश पाभतुं. पु. पी-  
 ध्वज्, ग. १. ननुं. [ लुवु अड.  
 ध्वज, पु. ध्वज, पताका; प्रख्यात  
 भाषुस; चिह्न; गइरी, मोसो.  
 ध्वजप्रहरण, पु. पवन.  
 ध्वजयष्टि, पु. धननी लाकडी.  
 ध्वजिन्, वि. ध्वजधारी. पु. ध्वज  
 इयकनार; गाडी; पर्वत; सर्प;  
 मोर; आक्षु; धोडो.  
 ध्वण्, } न. १. अवाण करवो.  
 ध्वन्, }  
 ध्वन, पु. अवाण; गणुगणुाट.  
 ध्वनमोदिन्, पु. लभरो.  
 ध्वनि, पु. अवाण; राज; शब्द; उ-  
 तम काय; मृदगनो अवाण.  
 ध्वनिग्रह, पु. कान; नणी  
 ध्वनिनाला, स्त्री. पीनवाणुं.  
 ध्वनिविकार, पु. लय अथवा द्वि-  
 गीरीथी अदलातो अवाण.

ध्वस्त, वि. गणतुं; पडेकुं; नाश  
 ध्वस्ति, स्त्री. नाश. [ पाभेकुं.  
 ध्वांक्ष, पु. कागडो; भीभारी; सुतार.  
 ध्वान, पु. अवाञ्ज.  
 ध्वांत, पु. अंधकार.  
 ध्वांतारि, पु. मूर्ध; अंध्र; अग्नि;  
 ध्वांताराति, सश्रेङ्ग रंग.  
 ध्वांतोन्मेष, पु. आगीओ क्रीडो.  
 ध्वृ, ग. १. भारी नाभयुं; वांकुं वाणयुं.  
 न.

न, आवीसभो व्यंजन.  
 न, अ. नकार; अभाव. वि. पातलु;  
 भाधी; अन्, वभाषेकुं. पु.  
 भोती; गणपति, गणेश; पैसो;  
 लडाध; पाडो; धुद्ध; अक्षीस.  
 मंशुक, वि. भारीक; गुकशानकर्ता.  
 नकुट, न. नाक.  
 नकुल, पु. नोणीओ; पांडुरान्नो  
 शोषो पुत्र; पुत्र; शिव. [केशर.  
 नकुली, स्त्री. नोणीआनी भादा;  
 नकुलेष्टा, स्त्री. वन० रासा.  
 नक्ष, ग. १०. तदन नाश करवो.  
 नक्त, वि. शरभाओकुं. न. रात्र;  
 द्विसनां उपवास करी रातनां  
 नक्तक, न. द्रोकुं कपकुं. [भाकुं ते.  
 नक्तचर, पु. ध्रुवड; भिलाडी,  
 नक्तचारिन्, शेर, अंत.  
 नक्तमुखा, स्त्री. सांज, संध्या.  
 नक्तांध, वि. रतांधणो.  
 नक्ति, स्त्री. रात्र, निशा. [नाक.  
 नक्र, पु. भगरभञ्ज; डके राशि. न.  
 नक्रा, स्त्री. नाक.  
 नक्ष, ग. १. नकुं; पासे आवकुं.

नक्षत्र, न. तारो; नक्षत्र; भोती.  
 नक्षत्रचक्र, न. सत्यापीश नक्षत्र.  
 नक्षत्रदर्श, पु. जेशी. [ विष्णु.  
 नक्षत्रनेमि, पु. ध्रुवनो तारो; अंध्र;  
 नक्षत्रनेमि, स्त्री. देवती नक्षत्र. •  
 नक्षत्रमाला, स्त्री. नक्षत्रतुं भंडण;  
 सत्यापीश भोतीनी भावा.  
 नक्षत्रवर्त्मन्, न. आकाश.  
 नक्षत्रेश, पु. अंध्र.  
 नख, ग. १. नकुं. [ भाग.  
 नख, उ. नभ; २० नी संख्या. पु.  
 नखमुच, न. धनुष्य; नेवणी ( न-  
 नखर, उ. नभ. [ भ उतारवानी.)  
 नखरायुध, पु. सिद्ध; वाध; कुकरो.  
 नखविप, पु. मनुष्य.  
 नखाचात, पु. नभधी पडेलो धसो.  
 नखायुध, पु. सिद्ध, वाध; कुकरो.  
 नखाशिन, पु. ध्रुवड.  
 नखिन, वि. कांटावाकुं.  
 नग, पु. पर्वत; आड; रोपो; सूर्य;  
 सपे; सातनी संख्या. [ पु. हाथी.  
 नगज, वि. पर्वतभांथी पैदा थयकुं.  
 नगजा, स्त्री. पार्वती.  
 नगपति, पु. हिमालय पर्वत; अंध्र.  
 नगभिद्, पु. अंध्र; कागडो; नभोरीड.  
 नगर, न. शेडेर, नगर.  
 नगरघात, पु. कार्तिकेश्वरभि.  
 नगरजन, पु. शेडेर, नगरवासी.  
 नगरप्रांत, पु. पादर, गाभणहार.  
 नगरस्थ, पु. नगरवासी, शेडेर.  
 नगरी, स्त्री. नगर.  
 नगरीकाक, पु. सासपक्षी.  
 नगरीयक, पु. कागडो.



नगाधिप, } पु. डिभावय पर्वत.  
 नगद्र, }  
 नगौकत्, पु. पक्षी; कागडो; सिंड.  
 नग्न, वि. नाशु; उजड. पु. शिव;  
 क्षपणुक (नैनसाधु); दिगंबर.  
 नग्नक, वि. नाशु. पु. क्षपणुक; दि-  
 नग्नजित्, पु. ओक नगत. [गंबर.  
 नग्रा, } स्त्री. नागी-भेशरभ स्त्री;  
 नग्निका, } दशथी आरवर्ष सूधीनी  
 नंग, पु. थार, आशक. [छोकरी.  
 नचिकेतत्, पु. अग्नि.  
 नज, ग. १. शरभावपुं.  
 नञ्, अ. नकारवाचक.  
 नट, ग. १. नायपुं.  
 नट, पु. नट, नायनार.  
 नटन, न. नाय.  
 नटमंडन, पु. डरताण.  
 नटवर, पु. सूत्रधार.  
 नटी, स्त्री. भुष्य जेलाडी; वेश्या.  
 नड, उ. अग्नी ओक नगत. पु. सु-  
 जीगर, सुडी अनावनार.  
 नडक, न. अभावी वचभांनुंछाउकुं.  
 नडवन, न. अग्नी आडी.  
 नडह, वि. सुंदर.  
 नत, वि. नत्र; वांकु वणेकुं.  
 नतनासिक, वि. अथवा नाकवाणो.  
 नतु, अ. नकार; अभाववाचक.  
 नट्, ग. १. अवाज करवो; जालकुं;  
 थीश पाठपी.  
 नद, पु. मोटी नदी (जेवी डे सिंधु);  
 नाशु; समुद्र; घोडो; वादण; ऋषि.  
 नदधु, पु. शुभ, शैलार.  
 नदनु, पु. सिंड; लडाई.

नदि, पु. स्तुति.  
 नदिका, स्त्री. अरो, नाशुं.  
 नदी, स्त्री. नदी, पाण्डोना प्रवाह.  
 नदीकांत, पु. समुद्र.  
 नदीज, वि. नदीभां उतान यपुं.  
 पु. लीभम; सुरभो. न. कमत.  
 नदीदोह, पु. नूर, नदी पार उतर-  
 नदीघर, पु. शिव. [वातुं भाउं.  
 नदीन, } पु. समुद्र; वरुण.  
 नदीपति, }  
 नदीमातृक, वि. नदीना पाण्डोथी  
 जेती थाप जेवुं. [आर.  
 नदीष्ण, वि. नदी तरवामां पुशी-  
 नद्ध, वि. आंधेकुं; मेणवेकुं; जेउकुं;  
 नदि, पु. पाटो. [ढांकेकुं. न. पाटो.  
 ननंद, } स्त्री. नलुंद, पतिनी अडेन.  
 ननांद, }  
 ननंदृपति, पु. नणुदोई.  
 नना, स्त्री. वाथा; माता; छोकरी.  
 ननु, अ. प्रश्न; आनी; अवधारणु;  
 अनुसा; संवेधन; शांतवन; अ-  
 धिकार; आभंत्रणु; लम; आशेप;  
 नंद, ग. १. आनंद पागवुं. [उत्प्रेक्षा.  
 नंद, पु. आनंद; विष्णु; डेउको; श्री-  
 कृष्णुनो पाणनार नंद; कुभेरनो  
 ओक लंडार. स्त्री. (दी) पावती.  
 नंदक, वि. सुष्ठी; आनंदी. पु. डे-  
 उको; कृष्णुनी तरवार; सुभ;  
 नंद, श्रीकृष्णुनो पाणकपिता.  
 नंदकि, पु. पीपर.  
 नंदकिन, पु. विष्णु.  
 नंदधु, पु. आनंद, पुशी.  
 नंदन, वि. आनंदी. पु. सुभ; डेउको;  
 विष्णु; शिव; छवीशरु संवत्सर.

न. ईंद्रो भाग. खी. ( ना )  
 नंदनक, पु. छोकरो. [ पुत्री, छोकरी.  
 नंदनंदन, पु. श्रीकृष्ण.  
 नंदंत, वि. आनंदी. पु. पुत्र; मित्र;  
 राज. खी. ( ती ) कन्या.  
 नंदा, खी. आनंद; बढती; नखुंद;  
 गौरी. [ शिवनो नंदि गण.  
 नंदि, यु. आनंद. पु. विष्णु; शिव;  
 नंदिघोष, पु. अर्जुननो रथ; आ-  
 नंदनो अवाज.  
 नंदिचर्धन, पु. शिव; पुत्र; मित्र.  
 नंदीश, पु. शिव.  
 नपराजित्, पु. शिव. [ वंशज.  
 नपात्, पु. पौत्र, छोकरोनो छोकरो;  
 नपुंस, } पु. भरद नहीं ते, छी-  
 नपुस, } नरो.  
 नपुंसक, उ. छीजरो, भोलो, ( नहीं  
 पुरुष के नहीं स्त्री ); छीयकारो.  
 न. नपुंसकलति ( व्याकरणभां ).  
 नप्त, पु. पौत्र; दौहित्र.  
 नम्, ग. १. ईल देवी.  
 नम्, खी. ईल, दुःख.  
 नम, पु. आवणुभास. न. आकाश.  
 नमजु, खी. नदी.  
 नमस, पु. आकाश; समुद्र; वर्षाकतु.  
 नमसंगम, पु. पक्षी.  
 नमस्, न. आकाश; वादण; आकण;  
 पाणी. पु. वर्षाकतु; आवणुभास;  
 नमःकेतन, पु. सूर्य. [ नाक.  
 नमःक्रांतिन्, पु. सिद्ध.  
 नमश्चक्षुस्, पु. सूर्य.  
 नमश्चमस, पु. अंद्र; लहु.

नमश्चर, वि. आकाशभां आवणार  
 पु. पक्षी; विधाधर.  
 नमारेणु, खी. आकण, दव.  
 नमस्य, वि. आकणवाणुं. पु. भाद-  
 नमस्वत्, पु. पवन. [ रवो भडिरो.  
 नमाक, पु. राहुअड; अंधकार; आ-  
 नम्राज्, पु. वादण. [ कारा; वादण.  
 नम्, ग. १. नमजुं; ताभे थजुं; अ-  
 वाज करवो. [ धूमारो; नट.  
 नमत, वि. वाणुं. पु. धणी, शेक;  
 नमन, न. नमजुं ते; नमस्कार.  
 नमस्, अ. नमन, त्याग, ताणेदारी-  
 नमस्कार, पु. नमजुं ते. [ वायक.  
 नमस्य, वि. नमस्कार करवा ला-  
 यक; मानवंत. खी. ( स्या ) पूज.  
 नमुचि, अेक दैत्य.  
 नमुचिसूदन, } पु. ईंद्र.  
 नमुचिहन्, }  
 नमेद, पु. इद्राक्षतुं आड.  
 नम्य, वि. मानवंत; नमवालायक.  
 नम्र, वि. नम्र; नमेजुं.  
 नम्रक, वि. वाणुं. पु. आरीक वांस.  
 नम्रता, खी. नम्रता; मान.  
 नय, ग. १. नजुं; रक्षणु करजुं.  
 नय, वि. वाजणी, अंडे. पु. नीति;  
 न्याय; रीत; विष्णु.  
 नयक, पु. दुशीआर कारबारी.  
 नयन, न. आंभ; राज बलावजुं ते.  
 नयशालिन्, वि. वाजणी.  
 नर, पु. मनुष्य, भाणुस; शैत्रंजभां  
 धाहु; अर्जुन; घोरो.  
 नरक, पु. अेक दैत्य. उ. पापीआने  
 दुःख लोगववाजुं डेकणुं.

नरककुंड, न. पापलोगववानुं डेकाळुं  
 नरकाजित्, } पु. विष्णु, श्रीकृष्ण.  
 नरकांतक, }  
 नरकामय, पु. पिशाच.  
 नरकपाल, पु. मनुष्यनी ज्योपरी.  
 नरकेशरिन्, पु. नरसिंह अवतार.  
 नरदेव, पु. राज. [कृष्ण.  
 नरनारायण, पु. अर्जुन अने श्री-  
 नरपुंगव, पु. यतुर मनुष्य.  
 नरभू, स्त्री. भारतवर्ष, हिंदुस्थान.  
 नरमेघ, पु. मनुष्यना भांसनी होम  
 थाय ज्येथो यत्र.  
 नरवाहन, पु. कुबेर. [तार.  
 नरसिंह, पु. विष्णुनो ज्येथो अव-  
 नरी, स्त्री. श्री, आथडी.  
 नकुंटक, न. नाक.  
 नर्त, वि. नाचतुं. पु. नाच.  
 नर्तक, पु. नाचनार; नट; छाथी;  
 नर्तन, पु. नाचनार. [भार.  
 नर्तनप्रिय, पु. शिव; भार.  
 नर्म, पु. रमत, डीडा.  
 नर्मट, पु. सूर्थ. [डडपथी.  
 नर्मठ, पु. विदुषक; श्रीसंग; रमत;  
 नर्मदा, स्त्री. ज्येक नदी.  
 नर्मरा, स्त्री. भीष्णु; धमलु.  
 नर्य, वि. अडादुर; भाणुसाध. पु.  
 मनुष्य; धं.  
 नल, ग. श. सुधतुं; आंधतुं.  
 नल, पु. निषधदेशनो राज. न.  
 कभल; सुगध.  
 नलक, न. शरीरनुं लांणु डाडकुं.  
 नलकील, पु. धुटणु.  
 नलकूपर, पु. कुबेरनो ज्येक पुत्र.

नलिन, पु. सारसपक्षी. न. कभल;  
 पाणी; गुडीनो रोपो.  
 नलिनी, स्त्री. कभणनो रोपो. [स्तुति.  
 नव, वि. नतुं; डालतुं. पु. कागडा;  
 नवकारिका, स्त्री. नवी परणुली श्री.  
 नवधा, अ. नव प्रकारे.  
 नवन्, वि. नव.  
 नवनी, स्त्री. } तालुं भाणु.  
 नवनीत, न. }  
 नवनीतक, न. धूत, धी.  
 नवम, वि. नवतुं.  
 नवमल्लिका, स्त्री. भावतीनो रोपो.  
 नवयौवन, न. भीलती लुवानी. स्त्री.  
 (ना) लुवान श्री.  
 नवरत्न, न. नव जतनां रत्नो—  
 मोती, माणुक, पोपरान्, गो-  
 मेद, वज्र, पातुं, नीलम, भरक-  
 त, पद्मराग. पु. लोन्दाजनी द-  
 रभारना नव पडितोः—धन्यंत-  
 रि, क्षपणुक, अभरसिंह, शकु,  
 वेताडलक, धटभर्पर, कालिदास,  
 वराहमिहिर अने वरश्चि.  
 नववधू, स्त्री. नवी परणुली श्री.  
 नवीन, वि. नतुं; डालतुं.  
 नवोढा, स्त्री. नवी परणुली श्री.  
 नव्य, वि. नतुं.  
 नश, ग. ध. नाश पाभतुं; अदष्ट थतुं.  
 नश, स्त्री. } नाश, अरयादी.  
 नश, पु. }  
 नश्वर, वि. नाशवंत.  
 नष्ट, वि. नाश पाभतुं; अजाटेथुं;  
 भुवेतुं. न. नाश.  
 नष्टातिसूत्र, न. वृ.  
 नाष्टि, स्त्री. नाश.

नष्टदुकला, स्त्री. अभावास्था.  
 नस्, ग. १. पासे लुं.  
 नस्, नसा, स्त्री. नाक.  
 नस्त, पु. नाक. न. तपकीर.  
 नस्य, वि. नाकलुं. न. नाकना वाण.  
 नह, ग. ४. थांधुं; पोतानी भेजे  
 कपडां पडेरवा.  
 नाहि, अ. ना, नहि, नकारवाचक.  
 नहुस्, पु. पडोशी; भनुष्य.  
 नहुप, पु. चंद्रवंशी राज.  
 ना, ना, नहि.  
 नाक, वि. सुभी. पु. स्वर्ण; आ-  
 काश. [ की टिकरी.  
 नाकु, पु. पर्यत; झीजीआओ थांधि-  
 नाग, पु. सर्प; छाथी; शार्क भा-  
 छली; धातकी भायुस; वाढण; सो-  
 पारी. न. सीसुं; कवर्ध.  
 नागकर्ण, पु. अरेडीलुं अड.  
 नागदंत, पु. छाथीकांत.  
 नागदंती, स्त्री. वेस्था.  
 नागनामन्, पु. तुलसीनो शेषो.  
 नागपति, पु. अरावत छाथी; शे-  
 पनाग.  
 नागर, वि. शेडेरि; शेडेरंभां न-  
 न्हेलुं; यतुर; सव्य; ननासुं; नी-  
 य. पु. शेडेरि; देवर; नारगी;  
 भाषणु करनार; थाक. न. शुठ.  
 नागरक, वि. शेडेरि; यतुर; सव्य.  
 पु. शेडेरि; सव्य भायुस; चार;  
 झरीगर. न. शुठ. [ ध लिपि.  
 नागरी, स्त्री. यतुर स्त्री; आलणे-  
 नागरीट, } पु. लंपट-विषयी भा-  
 नागरीद, } लुस.

नागरक, पु. नारंगी.  
 नागरेणु, पु. सिंधूर.  
 नागर्य, न. यतुरार्ध.  
 नागसाहय, न. इस्तिनापुर नगर.  
 नागांजना, स्त्री. छाथणी.  
 नागांतक, } पु. गरुड; मोर; सिंढ.  
 नागरि, }  
 नागानंद, न. श्रीदर्शनो करेवो अेक  
 नागिन्, पु. शिव. [ नाटक.  
 नागेंद्र, पु. अरावत छाथी; शेषनाग.  
 नाचिकेत, पु. अग्नि.  
 नाट, पु. नाच; कर्णुटकदेश.  
 नाटक, न. नाटक, जेव. पु. सुत्र-  
 धार, नट. स्त्री. (की) धंदनी द-  
 नाटार, पु. नटीनो पुत्र. [ रथार.  
 नाटिका, स्त्री. नानो छास्थरसनाटक.  
 नाट्य, न. नाचलुं ते. पु. सुत्रधार.  
 नाट्यप्रिय, पु. शिव.  
 नाट्यशाला, स्त्री. नाटकशाळा.  
 नाडि, -डी, स्त्री. छाथनी नाडी; शे-  
 पानी शाभा; नगी; घटिका, घडी,  
 शेवीश भीनीटनो वपत.  
 नाडिका, स्त्री. घडी, शेवीश भीनीट.  
 नाडीचरण, पु. पक्षी.  
 नाडीजंघ, पु. कागडो; सारसपक्षी.  
 नाडीधम, पु. सोनी.  
 नाडीतरंग, पु. जेशी; व्यभिचारी.  
 नाणक, न. नाणुं, सिद्धो.  
 नात्र, पु. शिव; विद्वान. न. स्तुति;  
 अल्लयणी. [ नत करवी.  
 नाथ, ग. १. पूछलुं; भागलुं; भले-  
 नाथ, पु. भावेक, धणी; पति.  
 नाथहरि, पु. पशु, ननावर.

नाद, पु. शब्द; धूम; अवाज.  
 नादन, न. जालतुं ते.  
 नादित, वि. शब्दित, जालेतुं.  
 नादिन्, वि. जालतुं. [विध; विना.  
 नाना, अ. अनेकार्थ; उभयार्थ; वि-  
 नानान, अ. जुडी जुडी रीते.  
 नानावर्ण, वि. जुडा जुडा रंगतुं.  
 नानाविध, अ. अनेक प्रकारे.  
 नानांद्र, पु. नलुंढनो छोकरो.  
 नांत, वि. अंतवगरतुं.  
 नांतरीयक, वि. झुंडुं पडी न शके जेतुं.  
 नांत्र, न. स्तुति, वभाणु.  
 नांदिकरण, पु. भंगलायरणु करनार.  
 नांदी, स्त्री. आनंद; यढती; भंग-  
 लायरणु; नाटकनी शरआतमां  
 सूत्रधारे धरिस्तुति करपी ते.  
 नांदीपट, पु. इवातुं ढांकणु.  
 नांदीमुख, पु. इवातुं ढांकणु; शुभ  
 काम करवा पढेवां करेतुं आळ.  
 नापित, पु. उलम.  
 नापित्य, न. उलमनो धंधो.  
 नामक, पु. डीमण, आवडरडा.  
 नामस, वि. स्वर्णतुं.  
 नामि, -भी, पु. नाभि, हुडी. पु.  
 यकनी नायडी; मध्यभाग; भुष्य  
 सरदार; क्षत्रिय. स्त्री. (मि) क-  
 नामिज, } पु. अक्षा. [स्वरी.  
 नामिभू, }  
 नाभ्य, वि. नाभीतुं. पु. शिव.  
 नाम, अ. प्रकारा; संभावना; क्रोध;  
 उपगम; निहा; विस्मय; स्मरण.  
 नामन्, न. नाम, रंग; शब्द; पा-  
 णी; रीतभात; चिद्र. [नी किया.  
 नामकरण, न. जालतुं नाम पाटवा-

नामध, -घा, पु. नाम पाडनार.  
 नामधेय, न. नाम, संज्ञा.  
 नामनामिक, पु. विष्णु.  
 नाममुद्रा, स्त्री. नामनो सिद्धो पा-  
 डवानी पीडी.  
 नामवाचक, न. विशेष नाम.  
 नामि, पु. विष्णु.  
 नामित, वि. वांके वजेतुं. [ नीति.  
 नाय, पु. सरदार; लोभीजो; राज्य-  
 नायक, पु. लोभीजो; सरदार; ध-  
 णी; भुष्य.  
 नायिका, स्त्री. शोभाणी; स्त्री, पत्नी.  
 नार, वि. नाशवंत; मानची. पु. वा-  
 छरो; पाणी. न. शुक; लोडोनी पीड.  
 नारक, वि. नारकी, नरकतुं. पु. नरक.  
 नारंग, पु. नारंगीतुं जाड; जेड, जे-  
 डकुं; रंजीभाज. न. गाजर.  
 नारद, पु. जेक मुनि, अज्ञानो पुत्र.  
 नारदीय, न. जेक उपपुराण.  
 नारसिंह, वि. नरसिंहतुं. [डापी.  
 नाराच, पु. लोढातुं तीर; दरीआध  
 नाराची, स्त्री. सोनीनो हांटा.  
 नारायण, पु. विष्णु.  
 नारायणी, स्त्री. लक्ष्मी; हुगां.  
 नारिकेर, -ल, पु. नारियलतुं जाड.  
 नारी, स्त्री. भी, आयडी.  
 नारीतरंगक, पु. पार, आराक.  
 नारीप्रसंग, पु. रंजीभाज.  
 नार्यत्य, वि. राजनी, आदशादी.  
 नार्यंग, पु. नारंगीतुं जाड.  
 नाल, वि. अरतुं. न. कभवनी हांटी;  
 उरताण. पु. नेदर. [नेदर.  
 नालि, -ली, स्त्री. धडी, रड भीनीड;

नालिक, पु. भेंस, पाटो. न. कभ-  
लकूल; हीराभोल.  
नालीक, पु. भाणु; कभंडलु; कभलकूल.  
नाविक, पु. सुकानी; अलासी.  
नाविन्, पु. अलासी. [नवाध.  
नाव्य, वि. स्तुति करवावायक. न.  
नावनीत, वि. नत्र.  
नावमिक, वि. नवमुं.  
नाश, पु. अदर्शन; नाश; भोत; अ-  
लाग्य; पलायन, नाशीजुं ते.  
नाशन, न. नाश; भोत.  
नाष्ट्रा, स्त्री. भय; राक्षसी.  
नास्, ग. १. अवाण करवो.  
नासल्य, पु. द्वि. अश्विनीकुमार,  
स्वर्गवैद. [अवाण.  
नासा, स्त्री. नाक; डांथीनी मुंडे;  
नासाप्र, न. नाकने आंगळो भाग.  
नासाछिद्र, न. नसडोडे. [श्रीण.  
नासिका, स्त्री. नाक; नाकना जेथी  
नासिक्य, वि. नाकजुं. पु. नाकमांथी  
थतो अवाण. न. नाक.  
नासिक्यौ, पु. द्वि. अश्विनीकुमार  
(जेथी कथा छे डे, "संज्ञा" नाम-  
नी सूर्यनी सी पोताना पतितुं  
तेज सही न शकी तेथी उत्तर  
कुइ देशमां अश्विनी (घोडी)ने इपे  
तप करवा लागी, त्यारे सूर्ये घो-  
डाइपथी तेनी साथे संग क्यो.  
पोतानी साथे भील होधजे सं-  
ग क्यो लक्ष्मी तेले वीरने नाकने  
रस्ते काटी नाज्यो तेना जे भा-  
लडो यथा ते अश्विनीकुमार क-  
डेवाया.

नास्ति, अ. अविद्यमानता, हेयात  
न होय जेवुं. [नास्तिक.  
नास्तिक, पु. धिश्चरने न माननार,  
नास्तिद, पु. आंध्यानुं आड.  
नाह, पु. आंध्युं ते.  
नाहुय, पु. यथातिरान्त.  
नि, अ. आशा; दुलकाध; समुदाय;  
निपुणता; अपमान; दर्शन; सं-  
शय; निश्चय.  
निःक्षिप्त, वि. नाज्येजुं; पसार थयजुं.  
निःशेष, वि. तमाभ, अधुं.  
निःश्रेणी, स्त्री. लाकडानी नीसरणी.  
निःश्रेयस, न. भोक्ष, मुक्ति.  
निःश्वास, पु. निशासो; स्वास.  
निःसृ, ग. १. अडार आवजुं.  
निःस्रव, पु. आधी, शेष.  
निःस्राव, पु. भरय; उकावेला ज्यो-  
निःस्र, वि. दरिद्री. [आनुं पाणी.  
निकट, वि. पासे, नजदीक.  
निकर, पु. ढगलो; बीड; अर्क;सार;  
निकय, पु. कसोटी. [होवत.  
निकया, स्त्री. रावणुनी भा; राक्षसी.  
निकाम, वि. धजुं. उ. धज्या, भरल.  
निकाय, पु. जेक धर्म पाणनारा-  
ज्योना जुंठो; मेणावडो; स्थान,  
गृह; शरीर; चित्त; आत्मा; वायु.  
निकाय्य, पु. गृह, घर.  
निकार, पु. अपमान; ठपडो; द्वेष,  
वध, कतव. [भयोदा; सरभापजुं.  
निकाश, -स, पु. अवलोकन; दृष्टि-  
निकुंज, उ. कुंज, वतामंडप.  
निकुलीनिका, स्त्री. आपीडो धंधो.  
निरु, ग. ८. अशाणवर्तलुक अलावपी.

निकृत्, वि. अपमान करेहुं; उतारी  
 पारेहुं; ढगेहुं; पापी; नीय.  
 निकृति, वि. नीय, पापी. स्त्री. नी-  
 यता; उगार्ध; अपमान; गरी-  
 आर्ध; पृथ्वी; निदा. [न. संसर्ग.  
 निकृष्ट, वि. नीय; पासेहुं; असत्य.  
 निकेत(क), पु. गृह, घर.  
 निकेतन, न. घर. पु. कांठो.  
 निक(का)ण, पु. बाल्यनो अवाण.  
 निक्ष, ग. १. सुंयन करहुं.  
 निक्षिप्त, वि. तलेहुं; धीकरेहुं.  
 निक्षेप, पु. सुकषपुं ते; पछोय दीधा  
 वगर अनामत आपेदी थीण.  
 निक्षुभा, स्त्री. सूर्यनी पनी; ब्राह्मणी.  
 निखन्, ग. १. भोद्धुं.  
 निखर्य, वि. चामन, पेडेंतिहुं. न.  
 दश अयंणी संख्या.  
 निखात, वि. भोद्धेहुं; धरेहुं.  
 निखिल, वि. संपूर्ण, अहुं.  
 निगड, वि. सांकणथी आंधेहुं. उ.  
 छाथीना पगणी सांकण.  
 निगण, पु. अविधान आपेला अ-  
 ग्निनो धूमाडो.  
 निगम, पु. वेद; शास्त्र; तर्कशास्त्र;  
 वेपार; वेदनी शाभा; अलर; शे-  
 डेर, निश्चय.  
 निग(गा)र, पु. आर्ध जहुं ते.  
 निगरण, न. अक्षय, आर्ध जहुं ते.  
 पु. गहुं; डोभनो धूमाडो.  
 निगाद, पु. भाषण. [मन; भूण.  
 निगु, वि. आनंदी. पु. भल, विद्या;  
 निगूद, वि. संतारेहुं; सुप्त, छातुं;  
 अप्रसिद्ध. अ. छुपी रीते.

निर्ग्रथन, न. वध, कतल.  
 निग्रह, ग. ९. अठकावहुं; शिक्षा क-  
 र्नी; पकडहुं.  
 निग्रह, पु. अंधन; धमत्री; पराण्य,  
 डार; शिक्षा; चिकित्सा; प्रकार,  
 ताडन; कवेश; दुःख; उद.  
 निग्राह, पु. शिक्षा; शाप. [ पाप.  
 निग, वि. उंहुं अरेहुं पडोहुं. पु. उडो;  
 निघंटु, पु. शब्दकोष.  
 निघस्त, पु. आहार, भोराक.  
 निघात, पु. क्षो, धाटा.  
 निघाति, स्त्री. लोभंडनो सोटा.  
 निघुष्ट, न. अवाण.  
 निगृष्ट, वि. धसेहुं; वश करेहुं.  
 निग्र, वि. तामेदार; नेक; नम्र; शु-  
 निचि, ग. ५. डगलो करवे. [छेहुं.  
 निचय, पुं. डगलो; समुदाय; ले-  
 डार; निश्चय.  
 निचाय, पु. डगलो. [वि करेहुं; अरेहुं.  
 निचित, वि. ढाकेहुं; उयकेहुं; डग-  
 निचुंयण, पु. समुद्र; सोभदेवता.  
 निचुल, पु. अइनी अक जत; अक  
 कवि, कालिदासनो भिन.  
 निचोल, पु. पावथी ढांकवातुं वत्र;  
 भुरभो. [ करहुं.  
 निज, ग. ३. घाहुं, साइ करहुं; पोषणु  
 निज, वि. पोतातुं; विशेष; नित्य.  
 निटल, न. कपाल.  
 निटलाक्ष, पु. शिव.  
 निडोन्न, न. पक्षीआनी उडवानी गति.  
 निण्य, वि. संतारेहुं; छुपुं. न. रदस्थ.  
 नितंय, न. कुहुं, डगड; अणु; आं-  
 ध; किनारो.

नितरां, अ. तभाम, अर्धुं; आत्रीथी.  
 नितल, न. सात पाताळभांतुं अेक.  
 नितांत, वि. उदधी वधारें.  
 नित्य, वि. उभेश; व्यापु; न्दरतुं.  
 पु. समुद्र. स्त्री. ( स्या ) दुर्गा,  
 पार्वती.  
 नित्यकर्मन्, } न. रोजतुं करवानुं काम  
 नित्यकृत्य, } (संध्या वगरे.)  
 नित्यगति, पु. पवन.  
 नित्यदा, अ. उभेशतुं.  
 नित्यप्रलय, पु. उध, निद्रा.  
 निदू, ग. १. पासे होतुं; निंदा करवी.  
 निद, न. अेर.  
 निदद्, पु. अनुष्य.  
 निदर्शन, न. हेभाष; साभेती; उ-  
 दाडरथु; रीत, यित्त. [ परसेवे.  
 निदाघ, पु. गरभी; गरभीनी ऋतु;  
 निदाघकर, पु. सूर्य.  
 निदाघकाल, पु. उनाणो. [जती नदी.  
 निदाघसिंधु, पु. उनाणामां मुकार्ध  
 निदान, न. पाटो; होरडुं; डारथु;  
 रोगपरीक्षा; अंत; स्वच्छता.  
 निदिग्ध, वि. लीपिधुं; वधेधुं. स्त्री.  
 ( ग्या ) अेलथी. [याद करुं ते.  
 निदिध्यासन, न. शीषेधुं करीकरीने  
 निदेश, पु. आशा; दुकम, वात-  
 थीत; पाशेश; वारसु.  
 निद्रा, ग. २. उधतुं.  
 निद्रा, स्त्री. निद्रा, उध; सुरतार्ध.  
 निद्रावृक्ष, पु. अंधकार.  
 निद्रालु, वि. उधपुमी.  
 निघन, वि. गरीभ. उ. नाश; भो-  
 त. पु. कुंडुंभनो वशे. न. कुंडुंभ,  
 भानदान.

निघनकारिन्, वि. नाशकारक.  
 निघनक्रिया, स्त्री. भरथुक्रिया.  
 निघनता, स्त्री. गरीभी.  
 निघा, ग. ३. नीचे भूकुंडुं; भूरोसे  
 राभवे; नीमकुंडुं; भूसाडुंडुं.  
 निघान, न. आश्रय; स्थान; लं-  
 डार; होलत. [ विण्थु.  
 निधि, पु. स्थान; लंडार; समुद्र;  
 निधिनाथ, } पु. कुभेर, धनपति.  
 निधीश, }  
 निघुवन, न. गडभड; मैथुन; आनंद.  
 निधै, ग. १. विचार ब्रवाववे.  
 निघ्यान, पु. अवाज.  
 निनद्, वि. भरवा छच्छनार.  
 निनदू, ग. १. प्रत्युत्तर आपवे;  
 भूम पाडवी.  
 निन(ना)द, पु. अवाज, गणुगणुार.  
 निनी, ग. १. पासे लधं नुं.  
 निंद, ग. १. निंदा करवी; उपडो आपवे.  
 निंदक, वि. निंदा करनार.  
 निंदन, न. } निंदा; अपमान;  
 निंदा, स्त्री. } उपडो; पाप.  
 निंदित, वि. निंहेतुं; उलकुं, नीय.  
 निंदु, स्त्री. सुवेतु भावक नुपुं  
 होथ अेथी स्त्री.  
 निप, उ. पाणीनो घरो.  
 निपतन, न. नीचे पडुं ते.  
 निपत्या, स्त्री. उडार्धनुं भेदान.  
 निपातक, उ. पाप, भराथ काम.  
 निपाद, पु. नीची नभीन; उची  
 नीची नभीन.  
 निपान, न. पीतुं ते; नगाशय; उवे.  
 निपीत, वि. पीधेधुं.  
 निपीड, ग. १०. दुःख देतुं.



निपीडन, न. द्वाभुं ते; दुःख हेतुं  
 ते. स्त्री. ( ना ) लुप्तम्.  
 निपीडित, वि. दुःखी करेत्तुं.  
 निपुण, वि. यतुर, दुशीआर; अ-  
 तुभवी; पूषु.  
 निपुणता, स्त्री. यतुराद्यं.  
 निफला, स्त्री. न्योतिभती वेद.  
 निबंध, ग. ९. आंधुं; सांधुं; लभुं.  
 निबंध, पु. आंधुं ते; अथ, यो-  
 पदी; मुत्रावरोध; अंधन, अट-  
 काव; अकनिष्ठा, आसक्ति; स्था-  
 वर भीलकन; जेडी. न. गीत.  
 निबंधन, न. हेतु; आंधुं ते; वी-  
 ज्ञानो उपयो भाग; रचना.  
 नियद्ध, वि. आंधुं; जेहेतुं.  
 निबंध, पु. लभनार; टीकाकार; आं-  
 निविड, वि. भीतुं. [ धनार.  
 निबुध्, ग. १. लभुं; धारुं.  
 निम, वि. सभान, सरभुं. उ. हे-  
 भाव; अडातुं; युक्ति; शूषावेश.  
 निमल, ग. १०. जेहुं.  
 निमालन, न. दर्शन, जेहुं ते.  
 निमूत, वि. अति आभङ्.  
 निभूत, वि. नीचे भूकेतुं; लहेतुं;  
 अकाभ; लीधेतुं; पकेतुं; शूषुं.  
 निमज्जन, न. दुभङ्गी भारवी.  
 निमद्, पु. शुद्ध पलु धीमे उच्यार.  
 निमंत्र, ग. १०. आकावतुं, नातरतुं.  
 निमंत्रण, न. तेहुं; आकावतुं.  
 निमंत्रणपत्र, न. तोडानी स्त्री.  
 निमय, पु. अद्वैतो.  
 निमान, न. भाप; मूख, क्षीमन.  
 निमि, पु. ( आंभनो ) पलकारो.

निमित्त, न. कारण, बिल; शुक्ल; उद्देश.  
 निमित्तकारण, न. मूण हेतु.  
 निमित्तकृत, पु. कागरो.  
 निमिप्, ग. ६. आंभो अंध करवी.  
 निमिप्, स्त्री. आंभनो पलकारो.  
 पु. हेव.  
 निमि(मे)प, पु. पलकारो; विभ्यु.  
 निमीत्, ग. १. आंभो अंध करवी.  
 निमोलन, न. भरणु; अंकोचन;  
 आंभो भीयवी ते.  
 निमूल, अ. मूल तरङ्.  
 निमेय, पु. अद्वैतोपदेशो.  
 निम्न, वि. उहुं; उलङ्क. न. उडाद्यं.  
 निम्नगा, स्त्री. नदी.  
 निम्य, पु. लीभडातुं आड.  
 निम्वूफ, पु. लीभु.  
 निम्लोच, पु. सूर्यास्त. [ वशकरेत्तुं.  
 नियत, वि. निश्चिन; आंधुं; नित्य;  
 नियति, स्त्री. नियम; भाग्य; पुण्य.  
 नियती, स्त्री. दुर्गादेवी.  
 नियंत, पु. सारथि; धणी, गेक;  
 शिक्षा करनार; परमात्मा.  
 नियम, पु. प्रतिज्ञा; निश्चय, अंनि-  
 कार; मत, नियम; नृरीआन.  
 नियमयती, स्त्री. रत्नस्वका स्त्री.  
 नियय, पु. जेणभेण.  
 नियान, न. गोडो, डारनो वारो.  
 नियुक्त, वि. नीभेत्तुं, शीभवेत्तुं; आं-  
 धेत्तुं; निश्चय करेत्तुं. पु. अभयधार.  
 नियुज्, ग. ७. नीभणु करवी; जेडहुं;  
 कामे लभाडहुं; गदेनत आपवी.  
 नियुत्, पु. धारो, अदीजन, रनुति  
 करनार. स्त्री. लीरी, तार.

नियुत, न दश लाभनी सभ्याः  
 नियोग, पु कामवधो, उपयोग, आ  
 शा, जड़ीआत यल, आना, अ  
 नियोग्य, पु शेक, भाषीक [ धिकार  
 नियोजन, न नियोग, हुकम, नेमथुक  
 नियोद्ध, कुस्ती करनार कुंडो  
 नियोधक, पु कुस्ती करनार  
 निर, अ निश्चय, निषेध  
 निरश, वि अधु, सधगु  
 निरकुश, वि स्तत्र  
 निरजन, वि साहु, निर्भव पु  
 शिन, परमात्मा  
 निरतर, वि ह्मेशनु असीम, ल  
 डु, निश्चामु, प्राभापिक  
 निरतराल, वि साकुडु  
 निरपत्रप, वि बेशरभ  
 निरपराध, वि निरपराधी पु नि  
 निरस्र, वि वाहनगरनु [ हौपपलु  
 निरवर, वि नाथु  
 निरय, न नरक [ नुकसान  
 निरर्थ, वि गरीष, द्वाकटनु पु  
 निरर्थक, वि वगर उपयोगनु अर्थ  
 निरवग्रह, वि स्तत्र [ नगरनु  
 निरवघ, वि निहोष  
 निरवधि, वि बेहद, आनु  
 निरवधय, वि अवधयगरनु भा  
 ग न थाप अेनु  
 निरवशप, वि अधु, सधगु  
 निरव्यय, वि ह्मेशनु, मयम  
 निरस्, ग छ कादी नापनु, ना-  
 ग जरेवो कादी मूकुडु  
 निरस, वि रमवगरनु धुधु  
 निरस्त्र, वि धयियागरनु

निरस्थि, छाडकावगरनु  
 निराकरण, न निरारणु, कादी मू  
 कु ते, बूली जनु ते  
 निराकरिष्णु, वि. निरारणु जरेनार  
 निराकार, वि आकारगरनु दूमा  
 वेशवागु पु ह्पके, निहा, निष्णु,  
 शिन परमात्मा  
 निराकृति, वि आकारवगरनु  
 निराकुल, न शातता  
 निरानद, वि ह्मगीर  
 निरामय, पु जगदी अकरो, कुकर  
 उ तदुस्ती वि स्तत्र, निरोगी,  
 निरामालु, पु कपित्पनु आड [ अधु.  
 निरालोक, वि न हेप्याय अेनु पु  
 निराशक, वि नाहमेद [ शिव.  
 निरास, पु उलगी करवी ते, अ  
 टकाव, अडयपु  
 निरिगिणी(नी), खो भुरपो  
 निरीश(प), न ह्मनेो दातो  
 निरुक्त, न वेदना अग, पदलजन  
 आकरणु [ अेनु  
 निरुत्तर, वि जनाथ न आपी शडे  
 निरुत्सुक, वि शात  
 निरुद्यम, वि आणमु, मुस्त  
 निरुपधि, वि प्राभापिक  
 निरुद्ध, वि कुनाड, वगरपशेनु  
 निरुद्धि, खो कीर्ति, प्रप्याती  
 निरूप, ग १० जेनु परा करनु,  
 निरारनु  
 निरूपण न { आजा, दधि, अ  
 निरूपणा, खो { वनाकन  
 निरुभ, वि उपधीदु  
 निराध, पु नाश, प्रवय अटजन.

निर्ऋत, ग. ३. तल्लुगुं.  
 निर्ऋति, स्त्री. नाश; विपत्ति, सं-  
 कट; नैऋत भृष्टानो हेवता.  
 निर्गन्धन, न. कतल.  
 निर्गं, पु. देश, भूमि.  
 निर्गम्, ग. १. अक्षर ननुं; असा-  
 निर्गम, पु. दरवाने. [ उडुं.  
 निर्गुडी, स्त्री. कमलनी नड; पुरकी.  
 निर्ग्राह्य, वि. लेवालायक. [मुनि-  
 निर्ग्रथ, पु. क्षपणुक; लुगारी; अक  
 निर्ग्रथन, न. कतल.  
 निर्घट, उ. शब्दकोप; सूचीपत्र.  
 निर्घात, पु. नाश; पवनतुं तोक्षन;  
 उवा साथे उवा अथडावाथी यतो  
 अवाण, धरतीक्षप.  
 निर्घुण, वि. निर्दय, धातकी.  
 निर्घोष, पु. अवाण; शब्द; मोटा  
 निर्जन, वि. वगरवसेतुं, उगड[अवाण.  
 निर्जर, वि. ताणुं, अमर. पु. हेव.  
 न. अभृत.  
 निर्जरा, स्त्री. वन० गणो.  
 निर्जल, वि. पाणीवगरतुं  
 निर्जात, वि. हेपीतुं.  
 निर्जि, ग. १. अततुं.  
 निर्जिह्व, पु. हेडको.  
 निर्जीव, वि. अयवगरतु, सुवेतु.  
 निर्जाति, वि. अकलवायु, सगावग-  
 निर्जर, उ. अरो, नाणु, डाथी. [रतु.  
 निह्वरिन्, पु. पर्यत.  
 निर्ह्वरिणी, } स्त्री. नदी.  
 निर्ह्वरी, }  
 निर्णय, पु. निश्चय; सान, सदेड; युकादो.  
 निर्णर, पु. मूर्धनो अक घोरो.

निर्णक्त, वि. धोयतु, साक्ष करेकुं.  
 निर्णज, ग. ३. धोतुं, साक्ष करतु.  
 निर्णज, पु. आकार; धोतुं ते.  
 निर्णात, वि. करवेकुं.  
 निर्णोजक, पु. धोपी.  
 निर्णोत्, पु. न्यायाधीश, लोभीआ.  
 निर्दय, वि. धातकी, कूर.  
 निर्दर, वि. कठल, सभत; कूर; अ-  
 शरम. पु. युक्ष; अरल, अरो.  
 निर्दशन, वि. दांतवगरतुं. [णतुं.  
 निर्दहन, वि. गरभीवगरतुं. न. अ-  
 निर्दार्त, पु. अकुत; दाता.  
 निर्दारित, वि. क्षुडेतु; उधाडेतु.  
 निर्दिष्ट, वि. उपदेश करेकुं; टप्पाडे-  
 लु; कडेकुं. [उपदेश; वधुत.  
 निर्देश, पु. आशा; सवाड; कथन;  
 निर्धार, पु. } आत्री, धलामांथी  
 निर्धारण, न. } अकने छूट्ट पाडतुं ते.  
 निर्धारित, वि. करवेकुं; नक्षी करेकुं.  
 निर्वच, ग. ९. आग्रह करवो, अ-  
 ङोश करपी.  
 निर्वच, पु. आग्रह, उड; डरीक्षु.  
 निर्मग्न, वि. वाणेतुं, लागेतु.  
 निर्मट, वि. दड, सभत.  
 निर्मत्सर, ग. १०. निद करपी.  
 निर्मत्सन, न. } धमकी; गाण,  
 निर्मत्सना, स्त्री. } निद; लाप.  
 निर्मय, वि. निर्लेय, भीकवगरतु,  
 सदीसवामत.  
 निर्मर, वि. मजभूत, उड; आतुर.  
 पु. वगर पगारे रडेलो साक्ष  
 निर्मा, ग. २. प्रकाशी नीकणतु.  
 निर्भृति, वि. पगारगगनुं.

निर्मक्षिक, वि. अंकांतवासी. [वाङ्.  
 निर्मम, वि. भभतारहित, भेपर-  
 निर्माण, न. रथना; सार; लायकी.  
 निर्माल्य, वि. भाववगरतुं; साङ्.  
 न. स्वच्छता; देवने अर्पणु क-  
 रेक्षी यीजनो आशी रडेलेो भाग.  
 निर्मुक्त, वि. छुटुं मुक्केतुं. पु. कांयली  
 उतारेलेो सप.  
 निर्मुक्ति, स्त्री. भूटापलुं. [नाभयुं.  
 निर्मूल, ग. १०. भूणथी उभेडी  
 निर्मूलन, न. नडभूणथी उभेडी ना-  
 भयुं ते.  
 निर्मोक, पु. सर्पनी कांयली (उप-  
 रनी आभडी); अभतर; आकाश.  
 निर्यत्न, वि. आणसु, सुस्त.  
 निर्या, ग. २. अडार नुं.  
 निर्याण, न. निपण; हापीनी आं-  
 भनेो भूणेो; ननावरने आंध-  
 वानी दोरडी.  
 निर्याति, पु. डेयाती.  
 निर्याम, पु. अलासी.  
 निर्यास, उ. आउनेो रस (गुंहर व-  
 गेरे); क्वाथ, उकाणेो.  
 निर्यूह, पु. उकाणेो; गुंहर; हरवाने;  
 कगुरे, शिअर; कलग्गी, तुसे.  
 निर्यूहन, न. शारयुं ते.  
 निर्यूयनी, स्त्री. सर्पनी कांयली.  
 निर्यूच, ग. २. समनवयुं; नाम  
 हर्ष भोलावयुं. [अडकोश; व्युत्पत्ति.  
 निर्यूचन, न. उच्यार; उडेवत; स-  
 निर्यूप्, ग. १. छांटयुं; चीअेरतुं;  
 नेट आपथी; अन्तवयुं.  
 निर्यूपण, वि. अविदानयुं. न. दान;  
 त्याग; पीण रीपवां ते.

निर्यूयनी, स्त्री. सर्पनी कांयली.  
 निर्यूण, ग. १०. ध्यानपूर्वक लेयुं ते.  
 निर्यूह, ग. १. हर्ष नुं; पुंइ करयुं.  
 निर्यूहण, न. अंत, छेरो; गुणशन.  
 निर्या, ग. २. कुंकुं.  
 निर्याण, वि. भोययुं; भुवेयुं; मुक्ता.  
 न. नाश, पायभाडी; मृत्यु; ले-  
 डालु; भोक्ष; निवृत्ति; अटकाव,  
 विराम. [अदनामी.  
 निर्याद, पु. लोकापवाद; षपको;  
 निर्याप, पु. शीअ; दान; त्याग.  
 निर्यापण, न. अविदान; नेट; भा-  
 रण, वध; त्याग.  
 निर्यास, पु. अडार काडी नाभयुं ते.  
 निर्याह, पु. उपलविका, गुणरो; स-  
 भाप्ति, छेरो; वर्युं करयुं ते.  
 निर्यिकार, पु. परमात्मा.  
 निर्यिवेक, वि. भूर्ण.  
 निर्यिद, ग. ६. भोगवयुं. [वाहित.  
 निर्यिष्ट, वि. भोगवेयुं; शोकायलुं; वि-  
 निर्यित, वि. सतोप पाभेयुं.  
 निर्युति, स्त्री. शुभ; भोक्ष; अंत;  
 परिष्ठाभ. [राग्य.  
 निर्येद, पु. पश्चात्ताप; हलग्गीरी; दे-  
 निर्येश, पु. शुभभोग; पगार; उ-  
 पयोग; विवाद; प्राप्ति.  
 निर्येहन, न. वणुकरनेो कांटलेो.  
 निर्ययन, न. अतिशय दुःख.  
 निर्य्युंद, वि. त्यक्त, तथ हीधेयुं;  
 अपूर्ण; पूर्ण, समाप्त; उगेयुं.  
 निर्य्युंदि, स्त्री. अंत, छेरो; कलग्गी;  
 तुरो; हरवाने; उकाणेो.  
 निर्यरण, न. आणवाभाटे मुडुं  
 अडार हर्ष नुं ते.

निर्हार, पु. असाहस्यं ते; आशया-  
भादे सुहृदुं लक्ष्मं ननुं ते.

निर्हार्द, पु. शब्द, अशब्द.

निलय, पु. रहेवानुं स्थान; पक्षीने  
भाषा; नानावरणी युद्ध; धर.

निलिप, पु. द्वेव.

निलिपा, } स्त्री. आश.  
निलिपिका, }

निली, ग. ४. अंगीरुं; नाश पाभवं.

निलीन, वि. पीगणुं; सतीरुं.

निवचने, अ. न ज्योत्स्नालापक.

निवत्त, स्त्री. भीष्म. अ. (ता) नी-  
चेनी तरक. [ पञ्च.

निवप्, ग. १. धीमेरी नाभुं; आ-

निवपन, न. पितृज्योना कक्षाणुभादे  
उरेकुं दान; वापुं ते.

निवट, पु. रक्षणु.

निवरा, स्त्री. कुमारीका, कन्या.

निवर्हण, न. मारण, कतल.

निवस, ग. १. रहेकुं, वसकुं.

निवसति, पु. धर, रहेवानुं देकाणुं.

निवसथ, पु. गाम, गामडु.

निवसत, न. धर; पोसाक. [ पयो.

निवह, ग. १. पासेवावपुं; देके आ

निवह, पु. समूह, जुड; सात वायु-

निवाहु, वि. सुप, सुयुं. [मानो अेक.

निवात, वि. पवनवभरुं, शांत; नि-

र्भय. न. रक्षणु, आश्रय. न. म-

नभूत अभतर; निर्भय नगा.

निवातकवच, पु. अेक दैत्य.

निवाप, पु. दाणु, अनाज; लेट.

निवापक, पु. वापनार.

निवास, पु. धर; आश्रय, रक्षणु.

निवासन, न. धर; सुन्दरेवो वभत.

निवि(वि)ड, वि. नडुं; मोडुं; भ-

डभयडुं; दड.

निविग्, ग. ६. नीचे भेशपुं; अ-

टकुं; दाभल यकुं; नीचे उतरकुं.

निविष्टि, स्त्री. भैद्युत, संग.

निवीत, न. ननोर्ध; अणामां ननोर्ध

पहेरणी ते. उ. धुरभो.

निवृ, ग. ५, ९. धेरकुं.

निवृत्त, वि. धेरी क्षीपुं. उ. धुरभो.

निवृत्ति, स्त्रि. ढांकणु. [ टकेकुं.

निवृत्त, वि. पाहुं इरेकुं; गणुं; अ-

निवृत्ति, स्त्री. विरति, विस्मयो; वि-

राम; नाकार.

निवेदन, न. शान्तानपूर्वक अर्पणु

करुं ते, 'अर्पणु, पु. शिव.

निवेद्य, न. भूर्तिने अन्न धरापुं ते.

निवेश, पु. प्रवेश, दाभल यकुं ते,

विवाद; नकल; सणुगार.

निवेष्ट, पु. परणिकुं, लाभेटो.

निवेप्य, पु. पदोणीयो.

निशु, स्त्री. रात; दणद.

निशठ, वि. प्राभाधिक.

निशब्द, वि. सुप, सुयु.

निशम्, ग. ४. सांभणुं; जेकुं.

निश(शा)मन, न. शवणु, सांभ-

णयु, दर्शन, जेकुं.

निश(शा)रण, न. वध, कतप.

निशा, स्त्री. शत्रु, दणद; रचम;

मेपथी धनशुधीनी राशियो.

निशाकर, पु. अंश; कपूर, कुंठो.

निशाग्रह, न. सुवानो आरयो.

निशाचर, वि. रातना इरनार. पु.  
 राक्षस; शिव; शियाण; ध्रुवड;  
 सर्प; यक्षवाक्पक्षी; भूत; चार.  
 स्त्री. (री) वेश्या; डाक्षु.  
 निशाचर्मन्, पु. अंधकार.  
 निशाजल, न. आकण, इव.  
 निशात, वि. तीक्ष्णु; यक्ष्यकीत.  
 निशाद, पु. शूरीने आक्षणुथी उ-  
 त्यक्त यथेतो पुत्र; पारधी वगेरे  
 निशादर्शिन, पु. ध्रुवड. [इक्षकी नत.  
 निशि, स्त्री. रगनी, रात्र.  
 निशित, पु. लोडु.  
 निशीथ, पु. मधरात; रात.  
 निशीथिनी, स्त्री. निशा, रात्र.  
 निश्रुम, पु. वध, कतव, अेक दैत्य.  
 निश्रय, पु. आत्री, विश्वास.  
 निश्रल, वि. अथव, डाकी न शके  
 निश्रला, स्त्री. पृथ्वी. [अेजुं.  
 निश्रित, वि. अथीत, न्द्र. न. आत्री.  
 निश्रुफण, न. दांतुं मंजत.  
 निश्रयणी, } स्त्री. भीडी, नीगरणी.  
 निश्रेणि(णी), }  
 निश्यास, पु. प्राणुवायु, आस.  
 निषंग, पु. स्नेह, प्रीति; भेलाप, स-  
 अंध; तरवार; तीरनो भायो.  
 निषंगधि, पु. आर्द्धमन; तीरदाण्;  
 सारधि; आडी; धारा.  
 निषण्ण, वि. अेडुं; रक्षित; अयुं.  
 निषद्, ग. १. नीचे अेशुं; वसुं.  
 निषद्, स्त्री. यतनी दीशा.  
 निषद्या, स्त्री. डाट, गन्तर; वेपा-  
 रीनी हुकान; नागी आरवी.

निषघ, वि. नक्षर; मन्थूत. पु. नि-  
 पधदेशनो रात्त; अेक पर्वत; नि-  
 पधदेश; सातमो सुर.  
 निषाद, पु. माधीभार, पारधी व-  
 गेरे इक्षकी नत; अंडाव; राग-  
 विधानो पहेलो (गणुत्रीमां सात-  
 मो) सुर.  
 निषिक्त, वि. उपर छांटुं; रेरेडुं.  
 निषिच्, ग. ६. छांटुं; रेडुं.  
 निषिध्, ग. १. अटकावतुं; सामे यतुं;  
 ना पाडवी; असाडतुं.  
 निषिद्ध, वि. अटकावेडुं.  
 निषिद्धि, स्त्री. अटकाव; अथाव.  
 निषूद्, ग. १०. भारी नाअतुं.  
 निषूदन, न. वध, कतव. पु. शुनी.  
 निषेक, पु. छांटुं ते; गहु पाण्डी;  
 गर्भाधान सरकार.  
 निषेध, पु. अटकाव; नाकार.  
 निषेव्, ग. १०. पाछव लागतुं; उ-  
 पयोग करयो; लोभवतुं.  
 निष्क, ग. १०. वजन करतुं, लेअतुं.  
 निष्क, उ. मानामोडोर, १०८ रती  
 वजननो सिद्धे; सोतुं. पु. अडाव.  
 निष्काश(स), पु. प्रभात; उत्पन्न.  
 निष्कारण, न. आरतु, वध.  
 निष्कुट, पु. भेतर; अंतःपुर; दर-  
 वान्ने, आग, अग्नीचो.  
 निष्कुटि(टी), स्त्री. मोटी अेलथी.  
 निष्कुह, पु. आरणी अथोत.  
 निष्कम्, ग. १. वथ नतुं; अहार  
 नाकणतु; अटकुं.  
 निष्काम, पु. अथं महिने आतकने  
 धरणी अहार वध् नवानी छिया.

निष्काय, पु. दंड, छूटकारानुं नाणुं.  
 निष्काय, पु. उकाणो; सेरयो, ररा.  
 निष्कृ, ग. १. आणुं; शेकं; गर-  
 म करुं; शुद्ध करुं.  
 निष्कृत, वि. आणुं; रंधियुं.  
 निष्कृतक, पु. अउअउट.  
 निष्कृत, पु. रात्रुने छतनार.  
 निष्कृत, पु. अरेअ, अंडाल.  
 निष्कृत, वि. करुं.  
 निष्कृत, स्त्री. नारा; अंत; याचना,  
 भागुं ते; अवरथा; उरेरा, पीडा;  
 धर्मउपर अक्षा.  
 निष्कृत, न. अटणी; मरायो.  
 निष्कृत (न), उ. धुक.  
 निष्कृत, वि. कडणु; धातकी; तीक्ष्ण.  
 निष्कृतयुत, वि. ईकेडुं; धुकुं.  
 निष्कृतक, वि. रंधियुं; उकाणुं.  
 निष्कृत, स्त्री. उत्पत्ति, पैदाश; सं-  
 पूर्णता; सभासि.  
 निष्कृत, वि. पैदा थयुं; तत्पर,  
 तैथार; उरे करुं.  
 निष्कृतक, पु. उरे-सभास करनार.  
 निष्कृतन, न. सभास, उरे करुं ते.  
 निष्कृत, वि. स्थावर, न असे अणुं.  
 निष्कृत, वि. निरपराधी. [करयो.  
 निष्कृत, ग. १. शुद्ध करुं; पवन  
 निष्कृत, वि. सुस्त.  
 निष्कृतवाण(णि), पु. डोरे कापड.  
 निष्कृत, वि. इलवअरुं. [दशक.  
 निष्कृत, अ. निषेध; निश्चय; संपूर्ण-  
 निष्कृत, पु. कुदरती स्वभाव; सधि;  
 निष्कृतन, न. वध, कतल. [भेदेरथानी.

निष्कृत, न. उलंधन; अमान;  
 युक्ति; तरी नुं ते.  
 निष्कृत, न. भारण, वध.  
 निष्कृत, वि. त्रीशथी वधारे; नि-  
 दय. पु. तरवार.  
 निष्कृत, स्त्री. अेवथी.  
 निष्कृतगुण्य, वि. सत्य, रग अने  
 तम अे तनु गुणुथी रहित.  
 निष्कृत, वि. स्थिर, अयल. पु.  
 धुनुं ते.  
 निष्कृत(स्यं)द, पु. गणुं ते; नाणुं.  
 निष्कृत(सा)व, पु. नाणुं, अरो.  
 निष्कृत(सा)न, पु. अवाण, शब्द.  
 निष्कृत, वि. भारुं. [करयो.  
 निष्कृत, ग. २. भारी नाभुं; नारा  
 निष्कृतन, न. वध, कतल.  
 निष्कृत, वि. भुगी, वधकर्ता.  
 निष्कृत, पु. आवाहन, बोलावणुं ते.  
 निष्कृत, स्त्री. वावाओडुं, तोडान.  
 निष्कृतन, न. वध, कतल.  
 निष्कृत, पु. स्थापणुं; अम; अडेडुं;  
 अडेडुं; पकडेडुं.  
 निष्कृत, वि. नीच, डलडो.  
 निष्कृत, पु. नाकार; अमभाव; अ-  
 कांतवारा; रहस्य; शक, संशय.  
 निष्कृत, ग. २. संताडणुं.  
 निष्कृत, वि. संताडेडुं; ना पाडेडुं.  
 निष्कृत, स्त्री. धूपाव; अमभाव;  
 निष्कृत, पु. शब्द, अवाण. [नाकार.  
 नी, ग. १. लघु नुं; डाकभी अ-  
 लावणी; शोधी काठणुं.  
 नी, पु. नायक, बोभीओ.

નીકા, સ્ત્રી. નેહરમાટે કરેલો ખાડો.

નીકાશ, પુ. નિશ્ચય; દષ્ટિમર્યાદા; સરખાપણું. [યાર.

નીક્ષણ, ન. તવેથો, રસોઈનું હથિ-  
નીચ, વિ. નીચ, હલકું; હુંકું; ના-  
લાયક.

નીચક, વિ. હુંકું, નીચું; હલકું.

નીચકિન્ન, પુ. બળદનું માથું; મથાણુ.

નીચેસ, અ. નીચ; અલ્પ; થોડું;  
ધીમેથી.

નીડ, ડ. પક્ષીનો માળો; બીછાતું;  
ગુફા; ગાડીની અંદરનો ભાગ;  
બેઠક, આસન.

નીડક, નીડજ, પુ. પક્ષી.

નીત, વિ. મેળવેલું; ગુમાવેલું. ન.  
પૈસા; અનાજ.

નીતિ, સ્ત્રી. ડહાપણું; ચાલચલણું;  
રાજનીતિ શાસ્ત્ર; ન્યાય વ્યવહાર;  
સદગુણ; ટેકો.

નીથ, પુ. સરદાર; ભોમીઓ.

નીધ્ર, ન. છત્તું; રેવતિ નક્ષત્ર, જ-  
ગલ; ચદ્ર; પૈડાનો ઘેરાવો.

નીપ, વિ. ઉંડુ. પુ. કદંબતુ ઝાડ;  
પર્વતની તલેટી.

નીર, ન. પાણી; રસ. [બિલાડો.

નીરજ, ન. કમલ, મોતી. પુ. પાણીનો

નીરવ, } પુ. વાહલ, મેઘ.  
નીરધર, }

નીરધિ, પુ. સમુદ્ર.

નીરસ, વિ. રસવગરનું. પુ. ઘાડમ.

નીરાજન, ન. આશુભાસમાં લડાઈની  
પહેલાં રાજ અને તેના સરદા-  
રોથી થતી ક્રિયા; આરતીના પાંચ  
૨૮

પ્રકાર:-૧ દીવાથી, ૨ શંખમાં  
પાણી ભરીને, ૩ પવિત્ર વસ્ત્રથી,  
૪ આંબા અથવા પીપલાના પાં-  
દડાથી પાણી સીંચીને, ૫ દંડવત.  
નોરજ, વિ. નિરોગી.

નીલ, વિ. ગુલીના રંગનું. પુ. કાળો  
રંગ; નીલ વાંદર; નીલપર્વત; ચિહ્ન.  
ન. સિંધાલૂણું; મુરમો; ઝેર; અધ-  
કાર; ગુલીનો રોપો. સ્ત્રી. (લા)  
ગુલીનો રોપો; એક રાગીણી.

નીલક, પુ. કાળા રંગનો ઘાડો.

નીલકંઠ, પુ. મોર; શિવ; ચાપપક્ષી.

નીલં(લાં) ગુ, પુ. શિયાલ; ભમરો.

નીલપંક, ડ. અધકાર.

નીલપત્ર, પુ. ઘાડમનું ઝાડ.

નીલલોહિત, પુ. શિવ.

નીલાક્ષ, પુ. હસ.

નીલાંગ, પુ. સારસપક્ષી.

નીલાંજના, } સ્ત્રી. ચીંગલી.

નીલાંજસા, }

નીલાંબર, પુ. રાક્ષસ; શનિગ્રહ; બલ-

નીલોત્પલ, ન.નીલોદ્કર, કમલ. [રામ.

નીચર, પુ. વેપાર; વેપારી. ન. પાણી.

નીવાક, પુ. દુકાળ.

નીવાર, પુ. વગરખેડે ઉગેલા ચાખા.

નીચિ, -ચી, સ્ત્રી. પુણ; સ્ત્રીઓ કપ

ડાં પહેરતી વખતે બાંધે છે તે ગાંઠ.

નીચૂત્, પુ. વસેલો દેશ.

નીશાર, પુ. ધાબળી; મહરદાની; પડદો.

નીહાર, પુ. ઝાકળ, દવ; બરફ.

નુ, અ. વિકલ્પ; પ્રશ્ન; હેતુ; વિત-  
કું; અપમાન, અનુતાપ; સંશય;  
છલ; સમાનદર્શક.



नु, ग. २. स्तुति करणी; शुभ पा-  
उवी. ग. १. नृत्तं.

नु, पु. हथियार; वभत. स्त्री. स्तुति.  
नुत, वि. वभालेखुं. [ पूज.

नुति, स्त्री. वभालु, स्तुति; लक्ष्मि,  
नूतन, } वि. ननुं; तालुं; हावतुं;

नून, } अहभुत.  
नूनं, अ. तर्क; निश्चय; रभरलु; वा-

नूपुर, उ. लंजर. [ उपपूरलु.  
नृ, पु. मनुष्य, भाषुस; मनुष्य-

नति; सरदार.  
नृकेसरिन, पु. नरसिंह अवतार.

नृग, पु. अेक राज.  
नृत्, ग. छ. नाचतुं; नाटक करवे.

नृति, स्त्री. नाच. [ संभार्ध.  
नृत, पु. नाचनार; पृथ्वी; क्षीडा;

नृत्त, } न. नाच; ताल साधेनो  
नृत्य, } नाच.

नृदेष, पु. राज.  
नृप, } पु. राज.  
नृपति, }  
नृपाल, }

नृमिथुन, न. मिथुनराशि.  
नृषाहन, पु. कुभेर.

नृषेष्टन, पु. शिव.  
नृदांस, वि. पापी; धातडी, दूर.

नृसिंह, पु. विष्णुनो बोधो अवतार.  
नेजक, पु. घोषी.

नेजन, न. धातुं ते.  
नेष्ट, पु. सरदार; माक्षीक, धष्ठी, विष्णु.

नेत्र, न. आंभ; मधष्ठीनी देरी;  
नेत्रभी वज्रेषु कपडुं; आडी; नायक

नेत्री, स्त्री. नदी; लक्ष्मी, नग, रज.

नेष्ट, ग. १. ननुं; निदा करणी.  
नेदिष्ठ, वि. पासेतुं, नगदीकतुं.

नेदीयस, वि. धलुं पासेतुं.  
नेप, पु. कुलशुभ. न. पाष्ठी. [ न्या.

नेपय्य, न. सलुभार; वेश अद्वलवानी  
नेपाल, पु. नेपालदेश. न. तांशुं.

नेम, वि. अरधुं. पु. वभत, कल;  
अवयि; भाग; लीतनो पाये;

सांन; लाडतुं मूण.  
नेमि, मी, स्त्री. अकनो घेरावे; धार.

नेष्ट, ग. १. ननुं. [ डार; पृथ्वी.  
नेष्ट, पु. भाडीतुं डेष्ट.

नैःस्य, न. नायारी, गरीभार्ध.  
नैकधा, अ. लुडी लुडी रीते.

नैकभेद, वि. लुडी लुडी रीततुं.  
नैकपेय, पु. राक्षस.

नैकतिक, वि. लुडुं; उलकृ; पापी.  
नैगम, वि. वेदने लगतुं. पु. नगर-

नन, सहेरी; सदाथरलु; वेपारी.  
नैचिक, न. अणतुं भायुं.

नैचिकी, स्त्री. सरभ भाप.  
नैज, वि. पोतानु.

नैतल, न. नीचेनो प्रदेश.  
नैत्य, न. अनतपलुं, लभेशगी.

नैदाघ, पु. उनायो.  
नैदान, पु. व्युत्पत्तिशास्त्र ललुनार.

नैदानिक, पु. रोजतुं कारलु ललुनार.  
नैदेशिक, पु. आकर, नोकर.

नैपाल, वि. नेपालभां उत्पन्न ययतु.  
स्त्री. (ली) वन० नेपालो, शुधीनो

नैपालिक, न. तांशुं. [ रिधि.  
नैपुण्य, न. निपुणता, यतुशार्ध.  
नैमृत्य, न. नभता. [ सभनार्ध.

नैमय, पु. वेपारी.  
 नैमित्तिक, पु. जेशी. [रघुय तिर्यं.  
 नैमिष, वि. पक्षवारतुं. न. नैमिषा-  
 नैमिषेय, पु. नैमिषारघुयनो रडेवाशी.  
 नैमेय, पु. अद्वैतो.  
 नैयमोघ, न. वडतुं टेदुं.  
 नैयमिक, न. कायदो, नीयम.  
 नैयायिक, पु. तर्कशास्त्री, न्यायशास्त्री.  
 नेरयिक, पु. नारकी, नरकनो रडेवाशी.  
 नेरय्यं, न. अर्थवगरतुं जालतुं ते.  
 नैराश्य, न. नाउभेदी.  
 नैरज्य, न. तंदुररती.  
 नैर्द्धत, पु. राक्षस; नैर्द्धतभूषो.  
 नैर्द्धती, स्त्री. दुर्गी; नैर्द्धतभूषो.  
 नैर्देशिक, पु. आकर.  
 नैर्मल्य, न. स्वच्छता.  
 नैर्लज्य, न. जेशरभी.  
 नैल्य, न. आसभानी रज.  
 नैवेद्य, न. भुतिने यढाववानी थीज.  
 नैव्यल्य, न. न डाकी शके जेवुं.  
 नैक्षित्य, न. जेकराध.  
 नैषध, पु. नगराज, निषध देशनो  
 राज; थीदधे विरचित जेक काव्य.  
 नैष्कर्म्य, न. आणसाध, सुरताध.  
 नैष्किक, पु. जेसाधिपति, जलन-  
 थी; टंकराजने उपरी.  
 नैष्ठिक, वि. अंततुं, जेरेतुं; मज्जतुं;  
 रापूर्व. पु. अज्ञयर्थे लीधा पछी  
 एवतांशधी शुद्धने त्यांज रडेनार.  
 नैष्ठुर्य, न. कूरता.  
 नैस्तमिक, वि. स्थाणाधिक; उदरती.  
 नो, अ. ना, नडी, नकारवाचक.  
 नोचेत्, अ. नडी तो.

नोदन, न. हांकुं ते; कापतुं ते.  
 नोधा, अ. नवगणुं.  
 नोपसात्, वि. इरतुं. न. दुष्टवादी.  
 नौ, स्त्री. वडाणु; जेक नक्षत्र.  
 नौचर, } पु. जलवाशी.  
 नौजीविक, }  
 नौदंड, पु. डलेतुं.  
 नौवाह, पु. नाभुधो; मुकानी.  
 नौसाधन, न. वडाणुनो कइलो.  
 न्यकार, पु. तिरस्कार, विचार; निंद.  
 न्यक्ष, वि. डलकुं, नीचुं; अधुं. पु.  
 पाडो, लंस; परशुराम.  
 न्यमोघ, पु. वडतुं जाड; वाभ, यार  
 जायतुं माप; शभीतुं जाड; विष्यु.  
 न्यंकु, पु. जेक जततुं डरयु; जेक  
 न्यंग, पु. विह. [मुनि.  
 न्यंच, ग. १०. नीचे जतुं.  
 न्यंच्छ, न. शरीरउपरनो तल-भसो.  
 न्यंज, ग. ७. संताध जतुं.  
 न्यय, पु. नुकराणी. [दीधेकुं.  
 न्यस्त, वि. इकेतुं, नाभेधुं; तथ  
 न्याद, पु. जेजान, जेराक.  
 न्याय, पु. रीत, रीवाज; उचित,  
 वाजणी; न्याय, धनसाइ; शौत-  
 भशास्त्र; तर्कशास्त्र; विष्यु.  
 न्याय्य, वि. वाजणी, उचित; ह-  
 भेसतु. [नाभत.  
 न्यास, पु. संन्यास; त्याज; अ-  
 न्युं(न्युं)स्त, वि. मुंदर; अइ, वा-  
 जणी. [पाभतुं.  
 न्युष्, ग. ४. कथुं करतुं; आनंद  
 न्युञ्ज, ग. ६. जायतुं. [कुणकुं.  
 न्युञ्ज, वि. उधुं परेधुं; वाकुं वणेधुं;

न्यून, वि. ओष्ठं, कभती; पापी.

न्यूनधिक, वि. श्रेष्ठं धनुं.

न्योचनी, स्त्री. दासी.

न्योजस्, वि. वांङ्; पापी.

प.

प, ऐकधीशमो व्यग्नन.

प, वि. पीडुं; रक्षण. पु. पवन;

धुं; पयुं, पांङ्.

पङ्गण, पु. नंगलीतुं कुपडुं.

पक्ति, स्त्री. रांधुं ते; पायन; पु-

भ्रता; शीति.

पक्त्, वि. रांधनार. पु. अग्नि;

नरुशग्नि; रसोद्यो.

पक्विग्रम, वि. पाडेडुं; पुभ्रत; रांधेडु.

पक, वि. रांधेडुं; पायक; पुभ्रत.

पक, न. रांधेडुं अत्र.

पकता, स्त्री. पाक; पक्षता.

पकरस, पु. धर.

पकश, पु. ऐक नगली नत.

पक्ष, ग. १, १०. पक्षुडुं; कभूल करडुं.

पक्ष, पु. पांभ; पञ्चवाडियु; पक्षी;

डावत; शरीर; आदशाटी हाथी;

सैन्य, लीत; नयो, विचार; स्वच्छता.

पक्षक, पु. आणु; आणुनो दरवाने;

पक्षचर, पु. अंर; थाकर. [ पक्षपाती.

पक्षछिद्र, पु. छंर.

पक्षज, पु. अंर.

पक्षता, स्त्री. ऐकरंभ.

पक्षति, स्त्री. पडवो, पडेली तिगि.

पक्षद्वार, न. आनगी दरवाने.

पक्षनाडी, स्त्री. पीडुं, पीछानी कभ.

पक्षपात, पु. श्लेड, थार; ऐकनरशी.

पक्षपुट, पु. पांभ.

पक्षविदु, पु. जगवो.

पक्षवाहन, पु. पक्षी. [तिथि.

पक्षान्त, पु. पञ्चवाडियानी छेडी

पक्षघात, पु. लकवो, संधीवायु.

पक्षालु, पु. पक्षी.

पक्षिणी, स्त्री. पक्षीनी भादा; जे दि-

वरा अने ऐक रातनो समय.

पक्षिन्, वि. पांभवाणु. पु. पक्षी;

पक्षिराज, पु. अरुड. [आणु; तीर.

पक्षिल, पु. वास्त्यायनमुनि.

पक्षमन्, न. शैभ, रूयां; पलकारे;

पांभ; कूलना तंतुओ.

पक्षमल, वि. वाणवाणुं.

पंक, उ. कादव, प्रीत्यड; पाप; मलम.

पंकग्राह, पु. मगरमच्छ.

पंकज, न. इमलकूल. पु. सारसपक्षी.

पंकमारक, वि. कादववाणुं.

पंकार, पु. शेवाल, लीस; सेतु, पाण;

पंकिन्, वि. कादववाणु. [सीडी.

पंकिल, वि. कादववाणुं. पु. मछवो.

पंकेज, न. कभल.

पंकेरुह, न. कभल.

पंकेरुह, पु. सारसपक्षी.

पंक्ति, स्त्री. धार, लीडी; नयो; भृथी;

पंक्तिप्राय, पु. रावण. [शीति.

पंक्तिरथ, पु. मगरथ राज.

पंगु, वि. लंगडो, लूडो. पु. लंगडो

मानुरा; गनिअड.

पंगुक, वि. लंगडो.

पंगुग्राह, पु. मगरमच्छ; मकरराशि.

पंगुल, वि. लंगडो. पु. मंढे इपेरी

रमनो घोडो.

પચ્, ગ. ૧. રાંધણું; પચાવણું; ઉ-  
 મરમાં આવણું; પાકણું.  
 પચ, વિ. રાંધનાર. યુ. રાંધણું તે; ઉ-  
 મરમાં આવણું તે.  
 પચક, પુ. રસોયો.  
 પચત, વિ. રાંધેલું. પુ. મૂર્ધ; અગ્નિ,  
 ઈંદ્ર. ન. રાંધેલું અન્ન.  
 પચન, પુ. અગ્નિ. ન. પાક, રાંધણું તે.  
 પચપચ, પુ. શિવ.  
 પચમાન, વિ. રાંધનાર.  
 પચંપચા, સ્ત્રી. દાશહલદ.  
 પચા, સ્ત્રી. પાક, રાંધણું તે.  
 પચિ, પુ. અગ્નિ, રાંધણું તે.  
 પચેલિમ, વિ. પાકવા આવેલું; ઉ-  
 મરમાં આવેલું. પુ. મૂર્ધ; અગ્નિ.  
 પચેલુક, પુ. રસોયો.  
 પજ, પુ. શુદ્રજાતિ.  
 પજ્જટિકા, સ્ત્રી. તાગી ઘટડી.  
 પજ્જ, વિ. બલવાન; પૈસાદાર. પુ.  
 પંચ, વિ. લંબાવેલું. [ અગિરામુનિ.  
 પંચન, વિ. પાંચ.  
 પંચક, વિ. પાચનુ. પુ. ધનિષ્ઠા વ-  
 ગેરે પાંચ નક્ષત્રો. ન. લડાઈનું  
 મેદાન. [ ગાઉની લંબાઈ.  
 પંચક્રોશી, સ્ત્રી. કાશીપુરી; પાંચ  
 પંચગવ, ન. પાંચ જાણેતુ ટોળુ.  
 પંચગવ્ય, ન. ગાયત્રંબંધી પાંચ વ-  
 સ્તુઓ:—છાણ, ગોમૂત્ર, દૂધ દહીં  
 પંચગુણ, વિ. પાંચગણુ. [ અને ધી.  
 પંચગુણી, સ્ત્રી. પૃથ્વી.  
 પંચગુપ્ત, પુ. કાચબો; ચાર્વાકનો મત.  
 પંચજન, પુ. પુરુષ; એક દેવ્ય. સ્ત્રી.  
 (ની) પાચ માણસનું ટોળુ.

પંચજનીન, પુ. વિદૂષક, રંગલો.  
 પંચતત્વ, ન. પાંચ તત્ત્વો:—પૃથ્વી,  
 પાણી, તેજ, વાયુ અને આકાશ.  
 પંચતય, વિ. પાંચગણું.  
 પંચતા, સ્ત્રી. } પાંચનો જથ્થો; મૃત્યુ.  
 પંચત્વ, ન. }  
 પંચત્રિંશ, વિ. પાંતરીશ.  
 પંચદશ, વિ. પંદરમું.  
 પંચદશી, સ્ત્રી. પુનમ, પંદરમી તિથિ;  
 વેદાંતનો એક ગ્રંથ.  
 પંચઘા, અ. પાંચ પ્રકારે.  
 પંચનસ, પુ. હાથી; વાઘ; સિંહ.  
 પંચનદ, પુ. પાચ નદી એકઠી થઈ  
 હોય એવો દેશ, પન્થ.  
 પંચનવતિ, સ્ત્રી. પચાણની સખ્યા.  
 પંચપંચાશ, વિ. પચાવન.  
 પંચપાત્ર, ન. પાંચ વાસણોનો જથ્થો;  
 શ્રાદ્ધમાં અભિદાન આપવાનાં પાંચ  
 વાસણો.  
 પંચપ્રાણ, પુ. (વહુ). પ્રાણાદિ પાંચ  
 વાયુઓ—પ્રાણ, અપાન, આન,  
 ઉદાન અને સમાન.  
 પંચપ્રાસાદ, પુ. દેવનું દેહેડ.  
 પંચવાણ, પુ. કામદેવનાં પાચ બાણુ.  
 પંચમદ્ર, વિ. વિષથી. પુ. ઘોડાનાં  
 પાંચ શુભ ચિહ્ન.  
 પંચમ, વિ. પાંચમું; ચતુર, મુંદર.  
 પુ. હિંદુસ્થાની રાગવિધામાંનો  
 પાચમો મુર. ન. મૈથુન; પાંચ.  
 પંચમી, સ્ત્રી. પાંચમી તિથિ; ત્રીપદી.  
 પંચયામ, પુ. દિવસ.  
 પંચરસા, સ્ત્રી. આંખલીનું ઝાડ.  
 પંચલક્ષણ, ન. પુરાણુ.

પંચવટી, સ્ત્રી. અશ્વત્થ, ગિલી, વડ, ધાત્રી અને અશોક એ પાંચ ઝાડનો જથ્થો; નાશીકથી એક માઠિ દૂર આવેલા દંડકારણ્યનો એક પંજવિંશ, વિ. પચ્ચીશમું. [ ભાગ. પંચશત, ન. એકશો પાંચ; પાંચશોની પંચશાલ, પુ. હાથ; હાથી. [ સંખ્યા. પંચશિલ, પુ. સિંહ. પંચપટ્ટ, વિ. પાંસઠમું. પંચપટ્ટિ, સ્ત્રી. પાંસઠની સંખ્યા. પંચસમત, વિ. પંચોતેરમું. પંચસમતિ, સ્ત્રી. પચોતેર. પંચહાયન, વિ. પાંચ વરસનું જીવું. પંચાંગ, પુ. કાચબો; એક જાતનો ઘોડો. ન. તિથિ, વાર, નક્ષત્ર, યોગ અને કર્ણ સાથેનું અણિત. પંચાંગુલ, વિ. પાંચ આંગળીનું. પુ. એરડીનું ઝાડ. પંચામૃત, ન. દૂધ, ઘી, સાકર, દહીં અને મધ દેવવસ્તિ એકઠું કરેલું તે. પંચાલ, પુ. પંચાલદેશ. (લા) પંચાલદેશનો રહેવાશી. પંચાલિકા, સ્ત્રી. પુતળી, ઢીંગલી. પંચેન્દ્રિય, ન. શરીરની રસ, ધ્રાણ્ય વગેરે પાંચ ઇન્દ્રિયો. પંજર, ન. પાંજરું. હાડપિંજર; પાંસળી. પુ. શરીર; કલિયુગ. પંજરક, ડ. પાંજરું. પંજરશુક, પુ. પાંજરામાંનો પોપટ. પંજરાપેટ, પુ. માછલી પકડવાની ટોપલી. [ પંચાંગ. પંજિ, -જી, સ્ત્રી. સૂતરની આંટી; પંજિકાર, પુ. લેખક.

પટ, ગ. ૧. જવું. [ છાપરું. પટ, ડ. પોશાક, કપડાં; પડદો. ન. પટક, પુ. છાવણી; સુતરાઈ કાપડ. પટકાર, પુ. વણકર. પટકુટી, સ્ત્રી. } તંબુ. [ ભૂકો. પટમંડપ, પુ. } પટવાસ, પુ. તંબુ; ધાધરો; મુગંધી પટચર, } પુ. ચાર. પટત્ક, } પટલ, ન. છબ્બું, છાપરું; ઢાંકણ; ઢગલો; ટોપલી. યુ. ખૂટો; ઝાડ. ડ. પ્રકરણ, અધ્યાય. પટહ, પુ. ઢોલ, નગારું; વધ, કંતલ. પટહયોપક, પુ. ઢોલ વગાડનાર. પટાક, પુ. પક્ષી. પટાલુકા, સ્ત્રી. જળો. પટિ, -ટી, સ્ત્રી. નાટકનો પડદો; કપડું; કનતાન; કનાત. પટિકા, સ્ત્રી. ઉનનું કપડું. પટિમન, પુ. ચતુરાઈ, દક્ષતા; તીક્ષ્ણતા; ખટારા; નેરજીલમ. પટીર, વિ. ઉંચું; મુદર. પુ. કામદેવ; રમવાનો દડો; મુખડ. ન. કાચો; પેટ; ખેતર; વાદલ; ઉંચાઈ; વશલોચન; સરકમ. પટીરજન્મન, પુ. મુખડનું ઝાડ. પટ્ટ, વિ. ચતુર; તીક્ષ્ણ; મજબૂત, સ્વચ્છ; ધાતકી; ચપલ. ડ. કૃતરાની ટોપી. ન લવણ, મીઠું. પટ્ટતા, સ્ત્રી. } ચતુરાઈ; ચપળતા. પટ્ટત્વ, ન. } પટોલ, પુ. પંડિજાનું શાક. ન. એકજાતનું કપડું.

पटोलक, पु. काणु भाणुवी.  
 पट्ट, छ. शेडेर, नगर; वेभनी त-  
 भती; दुपटो, पीछोडी, ढाल, मु-  
 गट; भुरशी; पाटो.  
 पट्टदेवी, स्त्री. पटराणी.  
 पट्टन, न. शेडेर.  
 पट्टला, स्त्री. प्रांत, परगणुं.  
 पट्टिका, स्त्री. दस्तावेज; तभ्ती.  
 पट्ट, ग. १. वायवुं, पडन करवुं;  
 पठक, पु. वांयनार. [शीभवुं.  
 पठन, न. अध्ययन, शिक्षण.  
 पठनीय, वि. शीभवावायक  
 पठित, वि. शीभेणुं.  
 पण, ग. १. भरीद्वुं; वेपार करवो.  
 पण, पु. ढालत, भूय, कीमत; तां-  
 लु; जुगार; पगार; धनाम, भ-  
 द्यो; ८० कोडीनो सिंझे, कोडी;  
 धन; वेपार; धर; विभ्युं; हुकान,  
 पणग्रंथि, पु. अजर. [प्रभ्याती  
 पणता, स्त्री. } भूय, कीमत.  
 पणत्व, न. }  
 पणन, न. वेपार, रोजगार.  
 पणव, पु. अके नतनुं वालुं.  
 पणस, पु. वेयवानी यीज.  
 पणाया, स्त्री. रोजगार; अजर,  
 भारकीट; स्तुति; वेपारनो नक्षे.  
 पणि, स्त्री. अजर, भारकीट. पु. कणुस.  
 पणित, वि. वहीवट करेवुं.  
 पणित्, पु. वेपारी.  
 पंढ, ग. १. नवुं. ग. १०. अकेहुं  
 पंढ, पु. हीजरो. [करवुं.  
 पंढा, स्त्री. बुद्धि, अक्षय. [पुस.  
 पंढायत्, वि. अक्षु. पु. विद्वान भा-

पंडित, वि. विद्वान, पंडित; अतुर.  
 पु. पंडित, विद्वान भाणुस.  
 पंडितमन्य, वि. पोते पोताने पं-  
 डित माननार. [यीज; वेपार.  
 पण्य, वि. वेयवावायक. पु. वेयवारी  
 पण्यपति, पु. भोटो वेपारी.  
 पण्यवीथिका, } स्त्री. हुकान, अजर.  
 पण्यशाला, }  
 पणयांगना, स्त्री. वेरथा.  
 पणयाजिर, न. भारकीट, अजर.  
 पणयाजीव, पु. वेपारी.  
 पणयाजीवक, न. अजर.  
 पत्, ग. १. पडीजवुं; उडवुं.  
 पत, वि. पाणेयुं. पु. पलायन, ना-  
 पतग, पु. पक्षी. [ढासलाग.  
 पतंग, पु. पक्षी, सधे; टीड; वाडो,  
 भकडी; भाभी, राक्षस, श्रीकृष्ण.  
 न. पारो, सुभउनुं लाकडुं.  
 पतगम, पु. पक्षी; उधध.  
 पतगिका, स्त्री. नातु पक्षी; पतंगियुं.  
 पतंगिन, पु. पक्षी.  
 पतंजलि, पु. पाणिनीना सूत्रोडपर  
 महाभाष्य करनार तथा योगशा-  
 स्त्रना कर्ता मुनि.  
 पतत्, वि. पडनुं. पु. पक्षी.  
 पतत्र, न. पांभ, पीछुं; गाडी.  
 पतत्रि, पु. पक्षी.  
 पतत्रिन, पु. पक्षी; तीर, घोटो.  
 पतन, न. पडनुं ते; नास, पडती;  
 आड्याडी.  
 पतम, } पु. अद्र; पक्षी; तीड.  
 पतस, }  
 पतञ्जिका, स्त्री. धनुष्यनी दोरी.

पताका, स्त्री. ध्वज, वापटो; यिप्त;  
सुकान. [ ध्वज.

पताकिन्, वि. ध्वज पकडनार. पु.

पति, पु. भावेक; कर्ता; मूण; गति.

पतित, वि. पडेणुं; पतित. [ धर्म.

पतिधर्म, पु. पत्नीने पतिररक्षणे.

पतिवरा, स्त्री. पोटानी भरथ प्र-  
भाणे पति भेणवनार स्त्री.

पतिवती, } स्त्री. सौभाग्यवती स्त्री.

पतिवत्नी, } स्त्री. सौभाग्यवती स्त्री.

पतिव्रता, स्त्री. पतिव्रता, पतिररक्ष-  
सद्गुणी रहोती स्त्री.

पत्तन, न. शेटेर; मृदंग.

पत्ति, पु. पापदल सिपाई; पीर.

पतिकाय, पु. पापदल सैन्य.

पत्नी, स्त्री. भार्या, विधिपूर्वेक पर-

पत्सल, पु. रस्तो. [ जेडी स्त्री.

पत्र, न. पांढरुं; इस्तावेज; पातुं;

वाहन, गाडी वगेरे; छरी; तर-

वार अथवा छरीनुं पातुं.

पत्रक, न. पांढरुं; पातुं.

पत्रदारक, पु. करवत.

पत्रपरशु, पु. कनस.

पत्रपाल, पु. लांणी छरी.

पत्रपाली, स्त्री. कातर.

पत्रपाश्या, स्त्री. पांढरी (जेक धरेणुं).

पत्रपुट, न. ढडीजे, पडीजे.

पत्रपुष्पा, स्त्री. तुलसी.

पत्रवाल, पु. छलेतुं.

पत्रवध, पु. पक्षी.

पत्रवाह, पु. पक्षी; तीर; कासद.

पत्रघेष्ट, पु. जिधीनु आड.

पत्रसूचि, स्त्री. काटो.

पत्रांग, न. भोजपत्र; लावखंदन.

पत्रांजन, न. शार्फ, रशनाई.

पत्रावलि, स्त्री. गेर.

पत्र, न. १. ७तुं. ग. १०. नाथतुं.

पथ, पु. रस्तो, मार्ग.

पथक, } पु. भोभीजे.

पथदर्शक, } पु. भोभीजे.

पथातिथि, पु. मुसाकर.

पथिक, पु. मुसाकर; भोभीजे.

पथिकसार्थ, पु. वपुआर.

पथिकाश्रय, पु. धर्मशाळा.

पथिन्, पु. रस्तो; मुसाकरी.

पथिल, पु. मुसाकर.

पथ्य, वि. लायक; पथ्य, शेगीजे

पाणवानी. न. कड्याणु, किंधव.

पथ्या, स्त्री. रस्तो. [ भेणवतुं.

पद्, ग. १०. ७तुं. ग. ४. ७तुं;

पद्, पु. पग; नोथो भाग.

पद, न. पग; पगतुं; चिह्नाजे; जेडे;

कारण, स्थान. पु. किरणु.

पदक, न. पग; यो. जे. पु. पदक; जेक

पदग, पु. पापदल सिपाई. [ धरेणुं.

पदच्छेद, पु. शब्दो छूटा पाडवा ते.

पदबंध, पु. पगतुं.

पदमंजन, न. व्युत्पत्ति, मुणधातु.

पदवि(वी), स्त्री. रस्तो; जे. जे. प-

दवी; स्थल, जगा; सदाचार.

पदांक, पु. पगतुं.

पदांगुष्ठ, पु. पगनो अंगुठो.

पदाजि, } पु. पापदल सिपाई.

पदाति, } पु. पापदल सिपाई.

पदानुराग, पु. स्नाकर; सैन्य.

पदानुशासन, न. व्याकरणशास्त्र.

पदार, पु. पगनी धूण.  
 पदार्थ, पु. शब्दनेो अर्थ; वस्तु,  
 पदि, पु. पक्षी. [ खीण.  
 पदेक, पु. आण, शकरो.  
 पद्म, पु. पायदल सिपार्थ.  
 पद्म, न. कमलकूल; सीमुं; बिह, नीशानी. पु. छाथी, सर्पंनी ऐक लत, राम, रतिबंधनी ऐक रीत. खी. (जा) लक्ष्मी; लवग.  
 पद्मकर, पु. विष्णु; सूर्य.  
 पद्मकिन्, पु. लोणपत्रनु आड.  
 पद्मकेशर, पु. कमलना ततुओ.  
 पद्मगर्म, पु. अक्षा, शिव, विष्णु, सूर्य  
 पद्मज, -जात, -भव, -भू, पु. अक्षा  
 पद्मनाम, पु. विष्णु.  
 पद्मपाणि, पु. अक्षा, विष्णु; युद्ध;  
 पद्मवधु, पु. सूर्य, भधभाभ. [ नर्य.  
 पद्मभास, पु. शिव.  
 पद्ममालिनी, खी. धननी देवी, लक्ष्मी.  
 पद्मराग, पु. भाषुक, लाव (२२).  
 पद्मलांछन, पु. अक्षा; सूर्य; कुजेर; राज. खी. ( ना ) लक्ष्मी; सरस्वती, तारा.  
 पद्मरुपा, खी. जंगा, लक्ष्मी; दुर्गा.  
 पद्महास, पु. विष्णु.  
 पद्माक्ष, पु. विष्णु; सूर्य.  
 पद्मावती, खी. लक्ष्मी; ऐक नदी.  
 पद्मासन, पु. अक्षा; शिव, सूर्य.  
 पद्मिन्, पु. छाथी, विष्णु.  
 पद्मिनी, खी. कमलनी वेव; छाथ-प्री, प्रथम वर्मनी स्त्री, पद्मप्री.  
 पद्मिनीकांत, पु. सूर्य.

पद्य, वि. अततुं; पदवाजुं. पु. शूद्र;  
 शब्दनेो भाग. न. लीटी; स्तुति;  
 पद्म, पु. जाम, जामडुं. [ काव्य.  
 पद्म, पु. बृहोक्त, पृथ्वी; गाडी, रथ;  
 पद्मन्, पु. रस्तेो. [ रस्तेो.  
 पद्म, ग. १. स्तुति करवी.  
 पद्मस, पु. कांटातु आड.  
 पद्म, वि. पडेकुं; भरी पडेकुं. न.  
 पद्मग, पु. सर्प. [ अधोगमन, पतन.  
 पद्मगाशन, पु. अडड.  
 पद्मर्द्धी, खी. नेडा.  
 पपि, पु. अंद्र.  
 पपी, पु. सूर्य; अंद्र. [ आया.  
 पपु, वि. पालन कर्ता खी. धार्थ,  
 पपा, खी. दडकवनमां आवेलु ऐक सरावर; दक्षिणुनी ऐक नदी.  
 पय, ग. १. नवुं.  
 पयत्, न. पाण्डी; दूध; भोराक.  
 पयस्य, वि. दूधतुं, पाण्डीतुं. पु. भिलाडी. खी. ( स्या ) भास.  
 पयोधर, पु. वादण; स्त्रीस्तन, नादि-यल, करोडतु छाडकुं, थान, आयव.  
 पयोधस्, पु. समुद्र; तणाव.  
 पयोधि, } पु. समुद्र.  
 पयोनिधि, }  
 पयोधिक, न. समुद्रशीषु.  
 पयोपूर, पु. तणाव.  
 पयोर, पु. भदीरतु आड.  
 पर, वि. अन्य; लुहु, छेटेतुं; मोडुं; उंथु, छेकुं. पु. पारडो पुरुष; रानु  
 परकलत्र, न. पारडानी स्त्री.  
 परकीय, वि. पारडानु; पारकुं.  
 परकीया, खी. पारडानी स्त्री.



परक्षेत्र, न. पारकानुं गरीर; पारकानुं  
भेतर.

परंज, पु. धाणी; छरीनुं पातुं; शीषु.

परंजन, } पु. वरषु.  
परंजय, }

परतंत्र, वि. पराधीन.

परत्र, अ. भीष्म दुनियाभां.

परदारा, स्त्री. पारकी स्त्री.

परदारिन्, पु. व्यभिचारी.

परन्तप, वि. प्रतापी; भोटो तप-  
स्वी. पु. अतनार, विजयी.

परपुष्ट, वि. पारकांभे पोशणु करेकुं.  
पु. डोयल. स्त्री. ( टा ) डोयल;  
वेश्या.

परपूर्वा, स्त्री. भेवार परबुली स्त्री.

परप्रेष्य, पु. साकर.

परब्रह्मन्, पु. परमात्मा.

परभृत्, पु. कागडो.

परभृत, पु. डोयल. [ मुष्प.

परम, वि. भोटुं; श्रेष्ठ; छेकुं; अराभ;

परमपि, पु. भोटो ऋषि.

परमपुरुष, पु. } परमात्मा.

परम ब्रह्मन्, न. }

परमहंस, पु. सन्धासी, योगी.

परमांगता, स्त्री. अतुर स्त्री.

परमाणु, पु. आरीक कणु.

परमात्मन्, पु. परमभ्रम.

परमार्थ, पु. उत्तम शुद्धि; सन्धाध.

परमेश्वर, पु. विष्णु; धंद; शिव;

परमात्मा; ब्रह्मा. [ गइड; अग्नि.

परमेष्ठिन्, पु. ब्रह्मा; विष्णु; शिव;

परंपर, वि. पाठल आवनार. पु.

छाकरानो पौन, हरणुनी अक नत.

स्त्री. ( रा ) वंश; डिंसा; डार, वीटी.

परलोक, पु. भीष्म दुनिया.

परवाणि, पु. वरस; कार्तिक स्वा-

परश, पु. पारसमणि. [ भिनो भोर.

परशु, पु. डोदाणी.

परशुधर, पु. गणुपति; डोदाणी

पकडनार सिपाई.

परशुराम, पु. नभदक्षिनो पुत्र.

परश्व( स्व)ध, पु. डोदाणी.

परःश्वस, अ. परमडडाडे.

परसैपद, न. संस्कृत धातुभोनो

अक विभाग.

परा, अ. विमोक्ष; प्राधान्य; धर्मणु;

विक्रम; गति; वध; लग; अना-

दरदर्शक. [ तरवार, अक रोग.

पराक, वि. नातुं. पु. अखिदाननी

पराक, ग. ८. नापाडपी.

पराक्रम, ग. १. हीमत अतावपी;

दुमत्तो करवो. [ भडो; विष्णु.

पराक्रम, पु. पराक्रम, वीरता; दु

पराग, पु. कूलमानो बूडो; धूण; सु

भड; संधे अथवा अद्रबडणु;

परांगद, पु. शिव. [ कीर्ति, स्वतंत्रता.

परागम्, ग. १. पाहुं इरुं.

परांगव, पु. समुद्र.

पराह्मुख, वि. विष्णु. पु. हयि-

यार उपर डोतरैला नदुना शफो.

पराचीन, वि. पराह्मुख.

पराजय, पु. डारी नतुं ते, डार;

तुकशान; नाश.

पराजि, ग. १. डारी नतुं; भोटुं.

पराजिष्णु, वि. विजयी, अतनार.

परांज, पु. धाणी; कीर्ति; छरी अ-

थवा तरवारतुं पातुं.

परात्पर, पु. परमात्मा.  
 परादा, ग. ३. छूटको करवो.  
 पराधि, पु. भृगया, शिकार.  
 पराधीन, वि. परतंत्र, परवश.  
 परान(ण)सा, स्त्री. चिकित्सा.  
 परापर, वि. छेडुं पहेडुं; आगडुं  
 पाछडुं; वहेडुं भोडुं.  
 पराभव, पु. तिरस्कार; निंद; विनाश.  
 पराभू, ग. १. डारवुं; धल देवी.  
 पराभूत, वि. डारेडुं; धिक्कारेडुं.  
 परामर्श, पु. डुभयो, डहो; युक्ति, स-  
 परायत्त, वि. पराधीन. [साध.  
 परारि, अ. गया वरसथी आगणतुं.  
 परारुक, पु. पथर.  
 परार्द्ध, न. परार्द्धनी सभ्या.  
 पराविद्ध, पु. कुबेर. •  
 परावृत्, ग. १. पाछुं इरुं.  
 परावृत्त, वि. पाछुं इरेडुं.  
 पराशर, पु. आसथना पिता, ओक  
 पराशरिन्, पु. बीआरी. [मुनि.  
 परास, ग. ४. तछ हेडुं.  
 परास, न. कलध; दीनतुं पतई.  
 परासन, न. वध, कतल.  
 परासु, वि. भुवेडुं.  
 परास्कंदिन्, पु. चार.  
 परास्त, वि. नाभेडुं; डारेडुं.  
 पराह, पु. द्विसनो पाछयो पोडोर.  
 परि, अ. आधि, शेष; निरसन,  
 पूल; अथल; शोक; त्याग, दरकार.  
 परिक्था, स्त्री. कक्षिपत वार्ता.  
 परिकर, पु. भीड, कभरबंध, पलग,  
 आकरवर्ग, विवेक; न्याय.

परिकर्मन्, पु. आकर. न. शरीरसं-  
 स्कार; पूल.  
 परिकल्, ग. १०. नलखुं; संभारवुं.  
 परिकीर्तन, न. गप; अंधी रीते स्तु-  
 ति करनी ते; गथे करवो ते. •  
 परिकूट, न. किष्वापासेनी आध.  
 परिकोप, पु. अतुन, तोर.  
 परिक्रम, पु. चिडार; परीकभा.  
 परिक्रमसह, पु. अकरो.  
 परिक्लिश, पु. दुःख; पीडा.  
 परिक्लेद, पु. बीनाश.  
 परिक्रणन, पु. भेध, वादण.  
 परिक्षति, स्त्री. धल.  
 परिक्षय, पु. नाश, पडती.  
 परिक्षा, स्त्री. कादव; भाटी.  
 परिक्षालन, न. धोवुं ते; धोवातुं पाछी.  
 परिक्षि, ग. ५, ९. नाश अभडुं;  
 पडती यवी.  
 परिक्षित्, पु. परीक्षित रान्त, जन-  
 भेग/यनो पिता; अग्नि.  
 परिक्षीण, वि. नाश पाभेडुं; आछुं  
 परिखा, स्त्री. आध, आडी. [थयडुं.  
 परिखात, न. आध, आडी; गाडानो  
 परिखिद, ग. ४. दुःख अभडुं. [थीयो.  
 परिक्षेद, पु. धाक.  
 परिख्यात, वि. अभ्यात.  
 परिख्याति, स्त्री. कीर्ति.  
 परिगण, ग. १०. गलुडुं; विचारवुं.  
 परिगणन, न. गलुना, गलुत्री.  
 परिगत, वि. भेगवेडुं, अंधी गयडुं;  
 नलखुं; गयडुं. [ गवडुं; नलखुं.  
 परिगम्, ग. १. आलवुं, इरुं; भे-

परिगम, पु. तपास; अनुसंधान;  
 भेजवतुं ते; नष्टुतुं ते.  
 परिगलित, वि. पीगजेलुं; डुभेयुं.  
 परिगूढ, वि. तदन हूयुं.  
 परिग्रह, पु. कभूयात; द्रवो; सेनातो  
 पाछवो भाग; विष्णु; सोगन;  
 मूर्य अथवा अद्रमल्लु; मूण, धर;  
 सरवाणो; शिक्षा, सम्बंध, सगार्ध,  
 पत्नी; आकरवर्ग; शाप; कुटुम्ब.  
 परिघ, पु. लोभउतो अउगरो, लो-  
 भउतो दाडो; गृह, पाष्पीतो कुन्ने.  
 परिघोष, पु. अधान, गर्जना.  
 परिचय, पु. सडवास, तपास, अध्यास.  
 परिचर, ग. १. इरवुं; संभाण लेवी;  
 आकरी करवी. [ अंगरक्षक.  
 परिचर, वि. लटकतुं. पु. आकर,  
 परिचर्या, स्त्री. आकरी; पूज, लक्षि-  
 परिचार, पु. आकरी; आकर, इरवाणी  
 परिचारक, पु. सेवक, आकर. [ नगा.  
 परिचारिका, स्त्री. दासी, आकरडी.  
 परिचित, वि. ढगवो करेवुं, नष्टीतुं.  
 परिच्छेद, ग. १०. ढांकवुं; संताउवुं.  
 परिच्छद्, स्त्री. परिवार.  
 परिच्छद, पु. परिवार, ढांकलु; पो-  
 शाक; सरसामान.  
 परिच्छन्न, वि. ढाकेलुं, सताउवुं.  
 परिच्छिन्न, वि. ढापेवुं, उदवाणु.  
 परिच्छेद, पु. ढापवुं ते; भाग पा-  
 उवा ते, विभाग, अध्याय; सिमा.  
 परिजन, पु. आकर; परिवार.  
 परिज्ञप्ति, स्त्री. वातनीत.  
 परिज्ञा, ग. ९. नष्टुतुं, आणभवुं.  
 परिज्ञा, स्त्री. करारनाभु, आणभउ ते.

परिक्षात, वि. नष्टेयुं.  
 परिजन्मन्, पु. अद्र; अग्नि.  
 परिजि, वि. गेण होउतुं.  
 परिज्वन्, पु. अद्र; अग्नि; आकर.  
 परिडीन, न. पक्षीआवुं अकरव-  
 कर उउवुं ते. [ अतनुं.  
 परिणत, वि. वांकुं वणेळुं, पुष्पत.  
 परिणम्, ग. १. नीभु नमवुं; पुष्प-  
 थवुं; वधवु.  
 परिणय, पु. } विवाह, लग्न.  
 परिणयन, न. }  
 परि(री)णाम, पु. विकार; आक्री;  
 आभर; छेडो. [ ढोणार्ध.  
 परिणाह, पु. विस्तार, लयाध, प-  
 परिणी, ग. १. परलुवुं, आनी करवी.  
 परिणीत, वि. परलेयु.  
 परिणीता, स्त्री. परलेवी स्त्री.  
 परिणेट, पु. पति, धष्ठी.  
 परितकम्य, वि. लय लरेलुं. स्त्री.  
 (कम्या) लय, रात.  
 परितप्, ग. ४. आणवुं; दुःभभभवुं.  
 परितप्त, वि. आणेयु  
 परितप्ति, स्त्री. वेदना, अतिशयदुःभ.  
 परितर्क, ग. १०. विचारवु, तपासवुं.  
 परितर्केण, न. विचार.  
 परितस, अ. मर्यत; अधी आणु.  
 परिताप, पु. दुःभ; शोक, लय, कंप;  
 अतिशय गरभी.  
 परितुप, ग. ४. संतोप पाभवुं.  
 परितुष्ट, वि. संतोप पाभेयु; आनडी.  
 परितुष्टि, स्त्री. आनद, संतोप.  
 परितोप, पु. संतोप, आनद, तृप्ति.  
 परित्यज, ग. १. तउटेयु, विसारी डेवुं.

परित्याग, पु. त्याग, तथ हेतुं ते.  
 परित्रस्त, वि. लयभीत, भीघेक्षुं.  
 परित्राण, न. अथाव; निष्कृति.  
 परित्रास, पु. लय, धास्ती.  
 परिदान, न. विनिमय, अदलो.  
 परिदायिन्, पु. भोटो भाधं कुचारे  
 छतां तेना नाना भाधने पोतानी  
 कन्या आपनार आप.  
 परिदेवन, न. } शोक, विलाप;  
 परिदेचना, स्त्री. } पश्चात्ताप.  
 परिदून, वि. कगाल; दलगीर.  
 परिधान, न. कपडां पढेरवां ते; पढे-  
 रवानां कपडां.  
 परिधाय, पु. परिवार.  
 परिधि, पु. भीत; वाड; दृष्टिभर्योदा.  
 परिधेय, वि. पढेरवालायक. न.  
 अदरनुं कपडुं. [ नाशीपासी.  
 परिध्वंस, पु. दुःख, पीडा; नाश;  
 परिपक, वि. पुई पाकेक्षुं; पुई रांधेक्षुं.  
 परिपण, न. पूथ, भीलकत.  
 परिपत्ति, पु. रक्षक. [ पक्षी.  
 परिपद, स्त्री. शंसो; छवतु प्राप्ती;  
 परिपदिन्, पु. शत्रु, दुश्मन.  
 परिपंथ (क), पु. शत्रु, दुश्मन.  
 परिपथिन्, वि. रस्ताभा उबो रडे-  
 नार. पु. शत्रु; चार, कुचारे.  
 परिपाक, पु. दण, परिणाम, अतु-  
 राध; उत्तम पाक.  
 परिपाटि, -ठी, स्त्री. अनुकम; रीत-  
 भात, गणितविधा.  
 परिपार्श्व, वि. पासोनुं.  
 परिपिष्टक, न. सीमुं.  
 परिपूर्ण, वि. आपुअरेदु; सतोपी.

परिपेलच, वि. डोभव न. ओकन-  
 तनुं सुगंधी धास.  
 परिपृच्छ, पु. प्रश्न, सवाल.  
 परिप्रश्न, पु. सवाल; तपास.  
 परिप्रेष्य, पु. आकर. [ रेल; लुभम.  
 परिप्लव, पु. मधवे; तरवुं ते; पूर,  
 परिप्लुत, वि. भीजेक्षुं; कुजेक्षु. न.  
 कुडेके, दलंग. स्त्री. (ता) धर.  
 परिप्लुष्ट, वि. अजेक्षुं. [ अटकावधुं.  
 परिवंध, ग. ९. आंधधुं; पढेरधुं;  
 परिव(च)र्ह, पु. परिवार, आकरवर्ग;  
 सरसामान; रोज्यविह; धनदोलत.  
 परिभ(भा)व, पु. अनादर; परा-  
 ज्य; तिरस्कार.  
 परिभाप, ग. १. ओलधुं; शीभवधुं.  
 परिभाषण, न. वातचीत, गपाटा;  
 धाधो, नियम; निंदायुक्त वातचीत.  
 परिभाषा, स्त्री. वातचीत; निंदा;  
 परिभुज, वि. वांई वाजेक्षुं. [ कपडे.  
 परिभुज, ग. ७. भावु; उपलो-  
 न लेवो.  
 परिभूत, वि. डारेक्षुं; अपमान पाभेधुं.  
 परिभूति, स्त्री. अपमान, निंदा.  
 परिभोग, पु. लोभवटो; मैथुन, सग.  
 परिभ्रम, पु. लटकधुं ते; भ्रांति.  
 परिभ्रमण, न. पर्यटन, लभधुं ते.  
 परिभ्रष्ट, वि. नष्ट; पतित.  
 परिमंडल, वि. गोणाकार. न. गोणो;  
 दटो; अकरावे; भंडण.  
 परिमंद, वि. अतिशय आंधुं; धधुं  
 धीधुं; धलु थोड.  
 परिमर, पु. नाश; पवन.

परिमल, पु. सुगन्ध, चिह्न; सुगन्धी  
 शीत; मैथुन; पडितो नो समुदाय.  
 परिमर्श, पु. धसतुं ते; स्पर्श.  
 परिमर्ष, पु. द्वेष, वेर. [जन, कं.  
 पश्चिमाण, न. प्रभाषु; सभता; व-  
 परिमार्ग, ग. १०. शोधतुं.  
 परिमार्ग, पु. शोधन; धसतुं; स्पर्श;  
 घातुं ते. [वाणु.  
 परिमित, वि. युक्त; मापितु; उद-  
 परिमेय, वि. योक्तुं, मापनायायक;  
 परिमोष, पु. चोरतु ते. [अततं  
 परिमोषिन्, पु. चोर.  
 परिम्लान, वि. कलकित; इषित,  
 विस्तीर्ण. न. चिह्न.  
 परिरेष्टया, स्त्री. रस्तो.  
 परिरेभ, पु. } आविगन.  
 परिरेभत, न. }  
 परिलोप, पु. धन, तुकशानी, अ-  
 ली नतुं ते.  
 परिचत्सर, पु. अक वरस.  
 परि(री)वर्त, पु. युग, वभत, स-  
 भय, वरस, पाछु इरतुं ते, क  
 अभावतार.  
 परिचह, पु. सात हवाभानी अक.  
 परि(री)वाद, पु. कपके, अपवाद.  
 परिवादक, पु. इरियाही.  
 परिवादिन्, पु. इरियाही; वेरी. स्त्री.  
 (नी) सात तारवाणी चीला.  
 परि(री)वाप, पु. मुंडन, मुंडतुं ते;  
 आकरवर्ग, नातु तणाव.  
 परिवापित, वि. मुंडेणु, उलगत करेणुं.  
 परि(री)वाह, पु. वधतुं पाछुी क-  
 दीनाणवा साइ करेली नेडे.

परिविघ्न, } पु. नाना भाधना वि-  
 परिविघ्नि, } वाळ वभते कुवारे  
 रडेले मोटो भाध.  
 परिविद्ध, पु. कुणेर.  
 परिविदक, पु. मोटो भाध कुवारे  
 छतां परजेले अवे ने नानोभाध.  
 परिवृढ, वि. दड; मोटुं. पु. भा-  
 लीक, धणुी.  
 परिवेदन, न. मोटा भाधनी पेढेलां  
 नाना भाधना लस, वस, कगाक्षीअत.  
 परिवेदना, स्त्री. पुष्टि, अकल.  
 परिवेष्टन, न. वीटतु ते; डाकणु, पाटो.  
 परिव्राज, पु. सन्यासी.  
 परिशिष्ट, वि. पाडीतुं; पुइ ययु.  
 पु. वधारे.  
 परिशेष, पु. अत; सीमा, उद; वधारे.  
 परिशोध, पु. शोधन, स्वच्छ करतुं  
 ते; करणभांधी छूतुं ते.  
 परिश्रम, पु. मडेनत; थाक.  
 परिश्रय, पु. सला; भीजलस.  
 परिश्रान्त, वि. थाकेणुं.  
 परिश्रान्ति, स्त्री. थाक, मडेनत.  
 परिश्लेष, पु. आविगन.  
 परिपट्ट, स्त्री. सला, मडकी; धर्म-  
 समधी सला, समुदाय.  
 परिपद, -द्य, } पु. सलासद.  
 परिपदल, }  
 परिष्करण, वि. णीलतु पाणेणु.  
 पु. उठेरी मोटो करेले पारकानो पुत्र.  
 परिष्कार, पु. अलकार, धरेणु; अ-  
 रकार. सरसाभान.  
 परिष्यद, पु. नदी, नाणुं, भीनाश.  
 परिष्वग, पु. आविगन, स्पर्श.

परिसंघत्सर, पु. आभुं वरुस  
 परिसत्तया, स्त्री. गणुना, गणुनी,  
 उद, सीमा, रकम.  
 परिसर, पु. नदी गेटेर अने पर्वत  
 पामेनी जमीन; मृत्यु; विवि, प-  
 दोषार्थ, कायदे.  
 परिसर्या, स्त्री. } अधी तरुं इ-  
 परिसार, पु. } रतुं ते.  
 परिसेधन, वि. रेडेयु  
 परिस्तोम, पु. छाथीनी जुव.  
 परिस्वान, न. स्थिरता; धीरता, स्थान.  
 परिस्फुरण, न. कडी कूटपी ते.  
 परिस्यद, पु. उरो, नाथु.  
 परिस्त्रव, पु. वडेवु ते, नदी, नाथु,  
 आवकने वरुम.  
 परिच्युत्, स्त्री. दार, जणवु ते.  
 परिहरण, न. त्याग, जडन.  
 परिहाण( न), न. न्यूनता, कमताई  
 परिहार, पु. अरसा, छोडववु ते.  
 परिहास, पु. ठड्डा, नश्करी  
 परिहासक, वि. भश्करो, ठड्डाभाण.  
 परिहित, वि. डाडेयु.  
 परीक्ष, ग. १. परीक्षा वेची, तपासवु.  
 परीक्षक, पु. परीक्षा लेता, न्याया  
 परीक्षा, स्त्री. परीक्षा, तपास. [परीश  
 परीक्षित, पु. परीक्षित गन, अ-  
 लुंनने पौन.  
 परीक, वि. पीटायेवु, घेरेवु.  
 परीप्ता, स्त्री. भेगववानी छंटा;  
 परीर, न. इण. [ उताण  
 परीरण, न. कायमे, ताकडी.  
 परीपाद, पु. अदनाभी. [दान.  
 परीपार, पु. भान, पासाक, भाग-

परीसार, पु. पर्यटन, इरवु ते.  
 परीष्टि, स्त्री. शोध, तपास. या-  
 करी; अज्ञि.  
 पर्य, पु. गाधो, जांड; अवयव; स-  
 मुद्र, स्वर्ग, पर्वत. •  
 पर्यन्, अ. मयु वरुम.  
 पर्यहार, पु. घाडो.  
 पर्यप, वि. सभत, कडा; तीक्ष्ण,  
 नहु, उधावाणु न. गाण.  
 पर्यस, न. गाड, साधो, मरीरने  
 परेत, वि. मुवेवु, पु. अत. [ अवयव.  
 परेतराज, पु. यमराज.  
 परेद्युत्, अ. भीजे दडारे.  
 परेस्त, वि. गेरडाण, छुपुं. पु. त-  
 पकट, न. आतुरता. [ परधी.  
 पर्यन्य, पु. भेध, वादण, वरसाड;  
 छंटा; विष्णु  
 पर्यन्या, स्त्री. दारडणद.  
 पर्यं, न. पान, पादंड, पाण. पु.  
 भाभगनु जाड.  
 पर्यंवार, पु. तयोली, पान वेचनार.  
 पर्यंकुटी, स्त्री. पादंडांगी जुपडी.  
 पर्यंनर, पु. भोवायवा मुडदाने व-  
 द्ये पादंडाणु मुडडुं अनारी वा-  
 जेडे ते.  
 पर्यंभोजन, पु. अकरो.  
 पर्यंलता, स्त्री. पाननी वेव.  
 पर्यंसि, पु. तुळगीने रोपो.  
 पर्यं, पु. वागने जुडे; अपानवा-  
 युना त्याग, पाद.  
 पर्यंरी, स्त्री. वागनी लट.  
 पर्यंरोव, पु. तगाव; वरुं; अज्ञि.  
 पर्यंक, पु. भाग्यो, भी गनु, पावणी.

पर्यटक, पु. धुमनार, लटकनार.  
 पर्यटन, न. लभयुं ते.  
 पर्यन्य, पु. धंश; वादण; वरसाध.  
 पर्यंत, पु. अंत; सीमा, उद.  
 पर्यजशेष, पु. अंत, छेडो.  
 पर्यवसान, न. अंत, छेडो.  
 पर्यवसित, वि. पुं३ करेयुं, समाप्त.  
 पर्याप्ति, स्त्री. भेगवयुं ते; अत; स  
 भाप्ति, सत्तामती; लायकात.  
 पर्याय, पु. अनुक्रम; रीत; प्रकार,  
 पर्युदचन, न. करण; उद्धार. [अवसर.  
 पर्युदास, पु. अपवाद, क्षयदाभां  
 लायु न पडे ऐवी भीना.  
 पर्युपण, न. पूज, लक्षि.  
 पर्युपित, वि. वासी; भूर्ध.  
 पर्येपण, न. } शोध, तपास; पूज.  
 पर्येपणा, स्त्री. }  
 पर्येष्टि, स्त्री. शोध.  
 पर्व, ग. १. लरयुं.  
 पर्वक, न. धूटणुनो साधो.  
 पर्वणी, स्त्री. पुनम अथवा अ-  
 भास; तेडेवार.  
 पर्वत, पु. गिरि, पर्वत; अडक;  
 अड; सातनी सभ्या; ऐक शाक.  
 पर्वतजा, स्त्री. नदी.  
 पर्वतपति, -राज, -राज, पु. हिमालय  
 पर्वत; मोटो पर्वत.  
 पर्वतात्मजा, स्त्री. पार्वती.  
 पर्वताधारा, स्त्री. पृथ्वी.  
 पर्वताश्रय, पु. पाडाडीबोक.  
 पर्वन्, साधो, गांठ; अवयव; प्र-  
 करण, अध्याय; भाग; पत्र.  
 पशु, पु. डोडाणी; दुधियार.

पशुपाणि, पु. गणुपति; परशुराम.  
 पर्वद्, स्त्री. सभा.  
 पर्वरुह, पु. दाडम.  
 पल, ग. १. लयुं.  
 पल, पु. छासां, छेतरां. न. भांस;  
 पलक्षार, पु. लोडी. [ऐक वजन; पल.  
 पलंकट, वि. भीकणु.  
 पलंकप, पु. राक्षस; रात्रा; गुग्गुल.  
 पलल, पु. राक्षस. न. भांस; कादव.  
 पलांडु, पु. कादो.  
 पलाप, पु. डाथीनुं कपाल.  
 पलायन, न. नाशी लयुं ते.  
 पलाल, उ. छासां, छेतरां.  
 पलालदोहद, पु. आंभातुं अड.  
 पलाश, वि. लीडु; कूर. पु. राक्षस;  
 आहारप्रंन, मजधदेश, भाभरातुं  
 अड. न. लीलो रग.  
 पलाशी, स्त्री. लाक्षा, लाप्.  
 पलिक्की, स्त्री. सशेद वाणवाणी वृद्ध  
 स्त्री; वाछडावाणी गाय.  
 पलिघ, पु. कायतुं वासणु; घटो; गा-  
 येनो वाडो; अहारनो दरवाने.  
 पलित, वि. लुं३; सशेद. न. लुरा  
 वाण, कादव; गरभी; केशपारा,  
 शिलाशत.  
 पल्यंक, पु. भीछातुं, आटलो.  
 पल्ययन, न. घोडाणी लन; लगाम.  
 पल्ल, पु. अनालनो मोटो अडार.  
 पल्लव, उ. कूलनी कणी; अंकुर; अल,  
 लेर; गृंगार; पांढरुं, प्यार.  
 पल्लवक, पु. व्यसनी, अदकार; वे-  
 र्यानो पार; ऐक भाछली; अशोक  
 पल्लवाक्षुर, पु. उंभणी, डाणी. [अड.

पञ्चविक, पु. व्यसनी भाषुस.  
 पङ्क्ति, स्त्री. गामर्दु; अुपङ्क्ति;  
 ढेडगरेली. [ गरेली.  
 पङ्क्तिका, स्त्री. नातुं गामर्दु; ढेड.  
 पङ्क्वल, न. नातुं आभोन्वीड.  
 पव, पु. पवन. न. छाषु.  
 पवन, वि. स्वच्छ. पु. पवन, उवा;  
 विष्णु. न. पाणी.  
 पवनसुत, } पु. भीम; उनुमान;  
 पवनात्मज, } अग्नि.  
 पवनाशन, पु. सर्प.  
 पवमान, पु. वायु, उवा.  
 पवि, पु. धर्दुं वञ्च; अग्नि; आषु.  
 पवित, वि. पवित्र. न. कणां भरी.  
 पवित्र, वि. पवित्र; शुद्ध. न. तांशु;  
 कुशनी वींटी; भध; धी; वरसाध;  
 पाणी; ननोछ, धसवुं ते.  
 पवित्रा, स्त्री. तुलसी; उण्ड.  
 पवित्रारोपण, न. आवणुमुद १२ दिने  
 विष्णु निमित्त ननोछ (पवित्रा)  
 पवीर, न. लावे।[तुं दान करतुं ते.  
 पशु, पु. नतावर; आत्मा; अग्नि.  
 पशुका, स्त्री. नातुं प्राणी.  
 पशुचर्या, स्त्री. भैथुन, संग.  
 पशुनाथ, पु. शिव.  
 पशुप, पु. गोवाण.  
 पशुपति, पु. शिव; गोवाण.  
 पशुराज, पु. सिद्ध.  
 पश्चात्, अ. हवे पछीथी; पाछलतु.  
 पश्चिम, वि. छेथुं; पाछलतुं.  
 पश्चिमा, स्त्री. पश्चिमदिशा.  
 पद्मतोहर, पु. चार. नगर सामे  
 पद्मयंती, वेस्था. [चारी करनार.

पस्त्य, न. धर; कुटुंभ.  
 पहव, पु. दादी मुछ राभनार.  
 पा, ग. १. पीतुं; सुंभन करतुं.  
 पांशु(सु), पु. धूण; छाषु; कपूर.  
 पांशु(सु)ल, वि. धूणवातुं; पाभी;  
 भगडेवुं. पु. व्यभियारी पुत्र;  
 शिव. [स्त्री, कुलटा स्त्री; पृथ्वी.  
 पांशु (सु) ला, स्त्री. रणस्वला  
 पाक, वि. नातुं; वभाषुवा लायक.  
 पु. रांधतुं ते; पायन; संपूर्णता;  
 पुभ्रता, अनान, आलक; धुवड;  
 पाककर्तृ, पु. रसोयो. [नासुर.  
 पाकज, न. सिधावूणु. [अग्नि; वायु.  
 पाकल, पु. हाथीने आवतो ताव;  
 पाकशासन, पु. धर्दुनो पुत्र; वाडी;  
 पाकिम, वि. रांधेवुं; पुभ्रत. [अर्जुन.  
 पाकु, पाकुक, पु. रसोयो.  
 पाक्य, वि. रांधवालायक. पु. भी-  
 डवूणु, नवभार.  
 पाखंड, पु. पापी, पाभर.  
 पागल, वि. घेडो, गांठो.  
 पाचक, वि. रांधेवुं; पुभ्रत. पु. र-  
 सोयो; अग्नि. न. पित्त.  
 पाचन, पु. अग्नि; भटाश. न. रां-  
 धतुं ते; पायन; पन्वी नतुं ते.  
 पाचनक, पु. टंकपुभ्रार. [पायक.  
 पाचल, पु. रसोयो; अग्नि; वायु;  
 पाजस्, न. लेर, शक्ति.  
 पांचजन्य, पु. श्रीकृष्णुनो राभ.  
 पांचाल, वि. पयावदेशतुं. पु. प-  
 पांचाली, स्त्री. त्रौपदी. [यावदेश.  
 पांचालिका, स्त्री. पुतणी, आवली.  
 पाद, अ. सभोधन शब्द.



पाठ, पु. पढोणाई; आसन, पाठवो.  
 पाठक, पु. गामडानो लाग; किनारो.  
 पाठकर, पु. चोर.  
 पाठन, न. डापडुं ते; नगर.  
 पाठल, वि. शुवाणी. पु. शुवाणी  
 रंग. न. शुवाणी कूव; केशर.  
 पाठला, स्त्री. दुर्गा.  
 पाठलीपुत्र, न. परपुा शेदेर.  
 पाठव, वि. अतुर. न. अतुराध, तीक्ष्ण.  
 पाठविक, पु. अतुर; दुग्धो. [पुता.  
 पाटी, स्त्री. अक्षितविधा.  
 पाटीर, पु. सुभड; भेतर; पादण;  
 पाठ, पु. मडापस; अणुं ते. [सरकग.  
 पाठक, पु. शिक्षाशुत्र, अणुपनार.  
 पाठशाला, स्त्री. विधाअथ, निशाग.  
 पाठ्य, वि. शीभवावायक.  
 पाठिनी, स्त्री. भाटीतुं वासणु.  
 पाण, पु. डाय; पुगार; वेपार;  
 वेपारी; स्तुति.  
 पाणि, पु. डाय. स्त्री. अन्नर.  
 पाणिक, पु. वेपारी.  
 पाणिका, स्त्री. कडणी, अमथो.  
 पाणिगृहीती, स्त्री. विधिपूर्वक पर-  
 लेधी स्त्री, भार्या, पत्नी.  
 पाणिग्रहण, न. विवाह, लग्न.  
 पाणिनि, पु. व्याकरणनां सूत्र कर-  
 नार अेकमुनि. [व्याकरण.  
 पाणिनीय, न. पाणिनितुं अनावेडुं  
 पाणिपीडन, न. लग्न.  
 पांडर, न. गेइ  
 पांडव, पु. पांडुराजनेा पुत्र.  
 पांडित्य, न. पटिताई.

पांडु, वि. श्रीकृ. पु. श्रीकृ रंग; स-  
 रेंड डायी; कमणो; पांडुराज.  
 पांडुशर्मिला, स्त्री. श्रौपठी.  
 पाण्य, वि. स्तुत्य, वभाणुवावायक.  
 पात, वि. रक्षणु करेडुं.  
 पात, पु. राडु; पतन, पडुं ते;  
 रेंडुं ते; पुमवो.  
 पातक, पु. अपराध, पाप.  
 पातकिन, वि. पापी.  
 पातंगि, पु. शनि; यम; कर्णु.  
 पातंजल, न. पतंजल मुनितुं अना-  
 वेडुं योगशास्त्र.  
 पातन, न. अधोनयन, पडुं ते.  
 पाव, वि. रक्षक, पावक. [छिद्र, पाक.  
 पाताल, न. नीचेनेा सातमेा वेड;  
 पाति, पु. आवेक; पति; पक्षी.  
 पातिक, पु. मगरमच्छ.  
 पातिमत्य, न. सतीत्य, पतिमताधर्म.  
 पात्र, न. वासणु; नाटकनेा भेडाडी;  
 पात्रीर, उ. अविधान. [दिवान.  
 पाय, पु. सूर्य; अग्नि. न. पाणी.  
 पायस, न. पाणी, पवन, आकाश;  
 जोराक. [ भातुं.  
 पाथेय, न. मुसाक्षरीमा आवातुं  
 पाथोज, न. कमल; शण.  
 पाथोद, पु. मेघ, पादल.  
 पाद, पु. पत्र; किरणु; बायो लाग;  
 पादक्षेप, पु. पगडुं [पर्वतनी तलेडी.  
 पादचत्वर, पु. अकरो; देवीनेा कि-  
 नारो; पीपणातुं जाड; याडीओ.  
 पादचारित्र, पु. पादल सिपाई.  
 पादत्राण, न. पादुका, जेरो.  
 पादप, पु. जाड; जेरो.

पादपा, स्त्री. नेडो.  
 पादात, पु. पायदण सिपाध. न.  
 पादाह्लिद, पु. भङ्गो. [पायदल सैन्य.  
 पादिन्, वि. बोथा भागतुं. पु. ज-  
 लथर प्राणी.  
 पादुका, स्त्री. भडा, नेडा.  
 पाघ, न. पग घोवातुं पाणी.  
 पान, न. पीवुं ते; नेडेर; रक्षथु.  
 पु. श्वास; दार गणनार.  
 पानीय, न. पाणी; पाणीनो गोठ.  
 पांथ, पु. सुराक्षर; सूर्य.  
 पाप, -क, वि. पापी; नीथ. न. पाप,  
 अपराध. पु. पापी भाषुस.  
 पापघ्न, वि. पापनाशक. पु. तिलनो  
 पापाङ्गि, स्त्री. भृगया, शिकार. शिपो.  
 पापल, वि. पापी. न. ऐक भाप.  
 पापात्मन्, पु. पापी.  
 पामघ्न, पु. गंधक.  
 पामन्, पु. भुज्जी.  
 पामन, वि. भुज्जीवाणु.  
 पामर, वि. नीथ, डलकुं; मूर्ध; आ-  
 पडुं. पु. मूर्ध भाषुस; पापीभाषुस.  
 पामा, स्त्री. भुज्जी.  
 पामारि, पु. गंधक.  
 पाय, न. पाणी. [ते; रक्षथु.  
 पाय्य, वि. नीथ. न. पाणी; पीवुं  
 पायस, वि. पाणी अथवा इधतुं.  
 उ. भीर. न. इध; अमृत.  
 पायिक, पु. पायदण सिपाध.  
 पायु, पु. युद्धार, गांड.  
 पार, उ. रामेनो किनारो. पु. पारो.  
 पारद्, पु. मोतुं.  
 पारजायिक, पु. व्यभिचारी.

पारटीट, पु. पथर; भडक.  
 पारण, पु. मेध, वादण; संतोष.  
 पारणा, स्त्री. प्रत पछी भीने दिने  
 पारत, पु. पारो. [जभुं ते.  
 पारतंड्य, न. पराधीनता.  
 पारत्रिक, वि. परलोकसंबंधी.  
 पारद्, पु. पारो.  
 पारदारिक, पु. व्यभिचारी.  
 पारमिक, वि. श्रेष्ठ.  
 पारवत, पु. कथूतर.  
 पारशव, पु. लोडुं; शूद्राणीने ध्या-  
 ह्युना पेटथी उत्पन्न थयेलो पुत्र.  
 पारसी, स्त्री. इरसी भाषा.  
 पारसीक, पु. इरान; इरानी घोडो.  
 पारा, स्त्री. ऐक नदी.  
 पारापत, पु. कथूतर.  
 पारावत, पु. कथूतर; पर्वत; वांहर.  
 पारावार, पु. समुद्र.  
 पाराशर, } पु. वेदव्यास.  
 पाराशय, }  
 पाराहक, पु. पथर; भडक.  
 पारिकुट, पु. आकर.  
 पारिजात, पु. स्वर्गनुं ऐक जाड.  
 पारिणाय्य, न. दाहेने.  
 पारिद्र, पु. सिध.  
 पारिपथिक, पु. शेर.  
 पारिपाह्य, न. रीतलात.  
 पारिपाश्विक, पु. मृतधार; नड.  
 पारिप्लव, वि. अथल; गालक. पु. भ-  
 छो. [रिनुं जाड; लीमडानुं जाड.  
 पारिभद्र, पु. परवातानुं जाड; देवदा-  
 पारिभाषिक, वि. संकेतिक. न. सं-  
 केतनो शब्द.

पारिमांडल्य, न. अणु, रजकणु.  
 पारिव्याप्तिक, पु. मुसादरीनी गाडी.  
 पारिरक, पु. सन्धासी.  
 पारिर्शाल, पु. पुरी, अपूप.  
 पारिषद, १ वि.सभातुं. पु. सभास-  
 पारिषद्य, १६; राजनो भत्री.  
 पारिहाय, पु. पौडोन्नी.  
 पारिद्र, पु. शिंड; अन्गर.  
 पारिरण, पु. कायभे; लाडडी.  
 पारु, पु. अग्नि; मूर्य.  
 पारुष्य, न. पारकाती निद्रा; सभ-  
 तार्थ; कूरता. पु. व्युत्पत्ति.  
 पारुरक, पु. तरवार.  
 पारोक्ष्य, न. रक्षस्थ.  
 पार्वट, न. धूम.  
 पार्थ, पु. अर्जुन; राज.  
 पार्थक्य, न. भिन्नता, लुद्धर्.  
 पार्थव, न. स्थूलता, मोटाधर्.  
 पार्थिव, वि. राजसी; पृथ्वी सभधी.  
 पु. राज; माटीतुं चासणु, शरीर.  
 पार्थिवी, स्त्री. सीता.  
 पार्यद, पु. यमराज; राभ; क्षयरोज.  
 पार्यतिक, वि. अतर्तुं.  
 पार्वत, वि. पर्वततुं. [ गोवाणणी.  
 पार्वती, स्त्री. पार्वती, दुर्गा; द्रौपदी,  
 'पर्वत', पु. गणुपति; कार्ति-  
 का, स्त्री. पासणी. [ कस्वाभि.  
 पार्ष्व, वि. पासे, नलक छ. वांडी  
 छरी; अगलनी नीचेनो भाग.  
 पार्ष्वक, पु. बेर, दगारे.  
 पार्ष्वर, पु. परसु धारी येडो.  
 पार्ष्वत, पु. दुपद राज.  
 पार्ष्वती, स्त्री. द्रौपदी.

पार्यद, -द्य, पु. सभासद.  
 पार्यण, पु. सैन्यनो पाछडे भाग;  
 वासो, पीक; अडी; लात; तपास.  
 स्त्री. कुटी; उन्भत स्त्री.  
 पार्यणत्र, न. पाछवथी रक्षणु कर-  
 नार सैन्य.  
 पाल, पु. रक्षक; राज, गोवाण.  
 पालक, पु. पाणनार, रक्षक; राज;  
 धारो; धारावाणो.  
 पालक, पु. व्याजपक्षी.  
 पालाश, वि. लीडुं. पु. लीडे रग.  
 पालि, -ली, स्त्री. कानती खुटी, कि-  
 नारो; छार, लीटी; डड, चिह्न;  
 पाण, पूव, स्तुति; दादीवाणी स्त्री.  
 पावक, पु. अग्नि, वरणु; सदाचार.  
 पावकि, पु. कार्तिकस्वामि  
 पावन, वि. पवित्र. पु. अग्नि; वे-  
 द्यास, विष्णु; सिद्ध. न. पावन;  
 पाणी; धूप (लोभान वगेरे).  
 पावनध्वनि, पु. शष्.  
 पावनी, स्त्री. तुलसी; गाय; गया.  
 पाश, पु. दोरडुं; इंसो, इडो; पाशा.  
 पाशक, पु. पासा; इंसो. [ हेवता.  
 पाशपाणि, पु. वरणु; पाणीनो  
 पाशक, न. टोशु.  
 पाशुपत, पु. शिवनो भक्त.  
 पाशुबंधक, पु. यश [ पाछलनुं.  
 पाश्चात्य, वि. पश्चिमतरडनुं; मोडुं,  
 पाश्या, स्त्री. अण; पाशोनो स-  
 मुदाय. [ भाणुस.  
 पापंड, वि. नास्तिक. पु. नास्तिक  
 पापंडिन, पु. पापडी, नास्तिक  
 पापाण, पु. पथर. [ भाणुस

पापाणदारक, पु. पथरा भांग-  
वानी छीएली.

पापाणहृदय, वि. हूर, धातकी.

पापाणी, स्त्री. वनत करवानी नानी

पि, ग. द. ननुं. [ पथरी.

पिक, पु. डोयल.

पिक, पु. डोयल.

पिग, वि. पिगट, कपिधुं. पु. पिगट  
रग; भंस; उँदर.

पिगल, पु. पिगट रग; अग्नि; वां-  
दर; नोणीओ; ओक मुनि, कविता  
शास्त्र कर्ता; कविता शास्त्र. न.  
पीतल; डरताण.

पिगसार, पु. डरताण.

पिचंड, पु. पेट.

पिचव्य, पु. इतुं आड.

पिचु, पु. इ, कपास; डोडोड.

पिचट, न. सीमुं. पु. आंभ भ.  
गथी ते. [ पांभ. पु. पुछडी.

पिच्छ, न. पीधुं, मोरनी पुछडी;

पिच्छा, स्त्री. भ्यान; डार, वीटी;  
ढगलो; डेण; अमतर; सर्पनी  
उरी वार; बोली.

पिज, वि. व्याकुल, गाभइं. पु. यट;  
कपूर; वध, कतव; ढगलो. न.  
शक्ति, नेर. स्त्री. ( जा ) डिंसा;  
इ; डणह; ईन.

पिजट, पु. आंभनो भेल, थोपडां.

पिजन, न. इ पीनवानी पिगणी.

पिजर, वि. कपिधुं. पु. कपिडो रग.  
न. सोनुं; डरताण; दाउपिनर;  
पांभइं. [ डरताण.

पिजल, वि. व्याकुल. न. कुश, हले;

पिजाल, न. सोनुं.

पिजूप, पु. काननो भेल.

पिद्र, ग. इ. ओकहुं करवुं.

पिट, पु. पेट. न. धर; छपइं.

पिटक, उ. पेट; अनागनी वपभ.

पिट, ग. इ. ईन देनी; दुःख भमवुं.

पिट, पु. दुःख, पीडा.

पिठर, उ. पेशी.

पिड, वि. नञर. उ. दडो; डेहुं; डो-  
णीओ, आस, भोराक; भांस; श-  
रीर; ढगलो; सरवाणो. न. शक्ति;  
लोहुं; तालुं भाभलु; सैन्य.

पिडल, पु. पूल, पाण.

पिडस, पु. बीभारी.

पिडार, पु. क्षपलुक; गोवाल.

पिडि, -डी, स्त्री. दडो; धर; भेकक;  
भूतिनु सिंहासन. [ भणेहुं.

पिडित, वि. नहुं; गलेहुं; शुणेहुं;

पिण्याक, उ. भोव, तेलना छोतरां;

पितरी, पु. गाभाप. [ कडु; डेशर.

पितामह, पु. दादो; ब्रह्मा.

पितृ, पु. आप, पिता.

पितृक, वि. वंशनुं, आपदादानुं.

पितृकर्मन, न. आइदि किया.

पितृकानन, न. रमशान.

पितृगणा, स्त्री. दुनीं, पार्वती.

पितृतिथि, स्त्री. अभावास्था.

पितृपक्ष, पु. भादरवा वद.

पितृप्रसू, स्त्री. दादी; सुंध्या.

पितृराज, पु. यमराज.

पितृवन, न. रमशान.

पितृव्य, पु. दादो.

पितृष्वरु, स्त्री. दाध, आपनी वेत.

पितृष्वस्त्रीय, पु. इष्टानो पुत्र.  
 पितृह, पु. नमोलो कान.  
 पित्त, न. पित्त.  
 पित्तल, वि. पित्तवाणु न. पीतल.  
 पित्र्य, पु. मोटो भाई; भाध भास.  
 पित्सल, पु. रस्तो.  
 पिनाक, उ. शिवशत्रुं धनुष्य; ला-  
 कडी, धनुष्य; धूजनो वरसाध.  
 पिनाकिन, पु. शिव.  
 पिनाकी, स्त्री. पीणु.  
 पिन्दन, न. अडधु, पकडतुं ते.  
 पिन्धन, न. पडेरतुं ते.  
 'पिन्यास, न. डिंग.  
 पिपासा, स्त्री. तरस.  
 पिपील, पु. झीजी.  
 पिपीलक, पु. मोटी काणी झीजी.  
 पिपीलिका, स्त्री. मादाझीजी.  
 पिप्पल, पु. पिप्पलातुं आड. न.  
 सग, मेथुन, पाष्णी, पिपपानां इण.  
 पिप्पलि, -ली, स्त्री. पिपर.  
 पिप्पलिमूल, पु. पिप्परनां मूण.  
 पिप्पिका, स्त्री. दांतनी छारी.  
 पिपु, पु. यिह.  
 पियाल, पु. ओक नततुं आड.  
 पिल्ल, वि. पाष्णी गजती आंभनाणुं.  
 पु. पाष्णी गजती आभ.  
 पिल्लका, स्त्री. हायष्णी.  
 पिशंग, वि. कपितुं. पु. कपिलो रग.  
 पिशंगिला, स्त्री. कासु, घटनी धातु.  
 पिशाच, पु. पिशाच, बूत.  
 पिशित, न. भांस.  
 पिशिता, स्त्री. वन० नटाभांसी.  
 पिशुन, वि. हूर, धातकी; मूर्ध; नी

य. पु. निंदाणोर; याडीओ; ना-  
 रद; कागरो; इ, कपास. न. केशर.  
 पिप, ग. उ. दणवुं; धन करपी.  
 पिष्ट, वि. दणवुं. न. आटो, बोट;  
 पिष्टक, उ. पुरी, रोटकी. [ सीसु.  
 पिष्टप, उ. नगतना विभाग.  
 पिष्टिक, न. बोभानो रोटलो.  
 पिस, ग. १. नतु.  
 पिहित, वि. अध करैतुं, ठांकेतुं.  
 पी, ग. छ. पीतुं.  
 पीच, न. उडपची.  
 पीठ, न. बोकी, जेकक, आसन; मू-  
 तितु सिंहासन.  
 पीठकेलि, पु. शुशामतीओ.  
 पीठग, वि. लगरो.  
 पीठचक्र, न. गाडी.  
 पीठमर्द, पु. सोभती, साथी.  
 पीठसर्प, वि. लगरो.  
 पीड, ग. १०. दु.भ देतुं.  
 पीडक, पु. लुलम करनार.  
 पीडा, स्त्री. दुःभ, पीडा, नुकशान;  
 अलाकार, दया.  
 पीडित, वि. दुःभी; दुःभ दीधेतुं;  
 तोडेतुं; लुलम करैतुं.  
 पीत, वि. पीधेतुं; छारेलु. पु. पी;  
 जो रग; जोरोयन. न. सोत-  
 हरताण.  
 पीतक, वि. पीलु. पु. अशोकतुं  
 आड. न. हरताण; पीतण; केशर.  
 पीतन, न. केशर; हरताण.  
 पीतपुष्प, पु. पीणा कृतु आड  
 पीतमणि, पु. पोभरान्मभु.  
 पीतराग, पु. भीलु, पीजो रग.

पीतल, वि. पीलु. पु. पीलो रंग. न.

पीतल. [उतुं आड. न. हरियदन.

पीतसार, पु. गोमेद मणि; शुभ-

पीतसारि, न. अंजन, सुरभो.

पीताम्बि, पु. अजरत्यमुनि.

पीति, पु. घोडो. स्त्री. पीतुं ते, पान;

पीतुं, दाइनी दुकान.

पीतिका, स्त्री. पीणी अमेकी; हणद;

पीतिन्, पु. घोडो. [केशर.

पीतु, पु. मूर्ध; अग्नि; सरदारडाथी.

पीथ, न. धी; पाणी. पु. मूर्ध, अ-

ग्नि; वधत; रक्षण; पीतुं ते.

पीथि, पु. घोडो.

पीन, वि. रथुल, मोतुं.

पीनस, वि. भांसी. [अग्नि, सूर्य.

पीयु, पु. कागडो; वधत; मोतुं; धुवड;

पीयूय, न. अमृत; इध. उ. व्यायकी

गायतुं सात दिवस सूधीतुं इध.

पील, ग. १. अटकावतुं, रोक्तुं.

पीलक, पु. भडोडो, मोटी झीडी.

पीलु, पु. आणु; परमाणु, आणु;

डाथी; झीडो; डाडकानो ढगलो;

पीलुक, पु. झीडी. [कुल; अक आड.

पीथ, पीथर, वि. रथुव, मोतुं.

पीथन्, वि. रथुल, मोतुं. न. पवन.

पीथा, स्त्री. पाणी.

पुंभली, स्त्री. छिनाल स्त्री, कुलस.

पुस, पु. पुश्य; भाणुस; अनुप्यनत;

आकर, नरनति.

पुसयन, न. गर्भसरकार; इध.

पणरा, -स, वि. हलकुं, नीग.

पुंग, पु. आणुनो पीछ.वाणो लाग;

पुग, उ. ढनलो. [आन, राकर.

पुंगव, पु. अणुद; श्रेष्ठ.

पुच्छ, उ. पूछडी; मोरनी पुछडी.

पुच्छिन, वि. पुछडावाणुं. पु. कुंडो.

पुंज, पु. ढगलो.

पुद, ग, द. आदिगन करतुं. •

पुद, उ. भाली नगा; ढडीओ. पु.

करंडीओ; डापलो. न. लयधण.

पुटक, न. शुद्ध, भाली नगा; लयध-

ण; ढडीओ. [गर, शेडेर; कभल.

पुटमेद, पु. पाणीनो वंटाकीओ; न-

पुटमेदन, न. नगर, शेडेर.

पुटिका, स्त्री. ओडथी.

पुटित, वि. सीवेतुं; पीसेतुं. न.

हाथनो भोभो.

पुटी, स्त्री. कोपीन, लगोटी.

पुद, ग. द. तल देतुं; काढी मूक्तुं;

मोक्तुं.

पुंद, ग. १०. भोलतुं; प्रकाशतुं.

पुंद, ग. १. ढणतुं.

पुंड, पु. तिलक, निशानी.

पुंडरीक, न. सईद कभल; दवा. पु.

सईद रंग; अग्निकोणुनो डाथी;

वाध; सर्प; ढोडड; डाथीनो ताव;

कुले; आंभानुं आड; अग्नि; क-

पुंडरीकाक्ष, पु. विणु. [भंडतु.

पुंर, न. राती शेरडी; कभल; ति-

लक; झीडो.

पुण्य, वि. पविन; लतुं; सुगंधी.

न. सइशुल, धर्म; पविनता.

पुण्यक्षेत्र, न. तिर्थनी नगा.

पुण्यगध, पु. अंपानुं आड. [यश.

पुण्यजन, पु. गइशुपी भाणुस, राक्षस;

पुण्यजनेश्वर, पु. कुंभेर.

पुण्यदर्शन, वि मुँदर पु निवकं  
 पक्षी [यैवर्त्त भरतभड  
 पुण्यभूमि, स्त्री पवित्र जमीन, आ  
 पुण्यलोक, पु स्वर्ग [राज, जनाने  
 पुण्यश्लोक, पु बुधियर राज नण  
 पुण्यश्लोका, स्त्री सीता द्रौपदी  
 पुण्या, स्त्री तुलसी  
 पुत्तल, पु पुतलु  
 पुत्तिका, स्त्री सश्रेष्ठ कीडी  
 पुत्र, पु छोकरे, हीकरे  
 पुत्रक, पु छोकरे पुतलु, लुञ्चो  
 पुत्रिका, पुत्री, स्त्री छोकरे [वारस  
 पुथ, ग ४ धन करनी  
 पुद्गल, वि मुँदर पु परभाण्ड,  
 शरीर आत्मा  
 पुनर, अ पाण्डु, इरीथी  
 पुनर्नव, पु नभ  
 पुनर्भव, वि इरीथी जन्मेतु पु  
 नभ णीले जन्म  
 पुनर्भू, स्त्री इरी परबेखी विधवा  
 पुनर्निवाह, पु निधवा विवाह  
 पुनश्च, अ पुनरपि इरीथी  
 पुन्नाग, पु लयङ्ग, वावडीगतु जाड  
 पुमस्, पु पुरुष, मनुष्य [शरीर  
 पुर स्त्री शेडेर, नगर गढ, किल्लो  
 पुर, वि भरेलु न शेडेर किल्लो,  
 धर शरीर अत पुर नागरभोथ,  
 पुरंजन, पु लुन [पट्टा शेडेर  
 पुरंजनी, स्त्री भति अकल [राज  
 पुरजय, वि विजयी पु सूर्यवशी  
 पुरंजर, पु अगव, कुभ  
 पुरदर, पु अग्नि ईद्र, विष्णु लयेष्टा  
 पुरदरा, स्त्री गना [नक्षत्र, चार

पुरट, न सोतु  
 पुरण, पु समुद्र  
 पुरतस्, अ आगणधी [गामड  
 पुरतटी, स्त्री नानकडी हुवान, नातु  
 पुरद्विप्, पु शिव  
 पुरद्वि, -धी, स्त्री गृहस्थ स्त्री  
 पुरला, स्त्री दुर्गा  
 पुरस्, अ पडेवा  
 पुरश्चरण, न अनुष्ठान  
 पुरस्कार, पु धनाम, शत्रुने पकडतु  
 पूजन स्तीकार [निकटदर्शक  
 पुरा अ प्रबध, पुराण आनी  
 पुरा स्त्री गमा पूर्वदिशा, गढ  
 पुराण, वि लुतु, पुराण न अत  
 गणने इतिहास लभ्यो होथ  
 ओतु पुरातक  
 पुरापुत्रप, पु विष्णु वृक्ष पुरुष  
 पुरातन, वि लुतु  
 पुरि, स्त्री शेडेर नगर, नदी  
 पुरा, स्त्री शेडेर, किल्लो शरीर  
 पुरीप, न विद्या, नरक काठव  
 पुरु, वि थडु वधारे पु स्व ।  
 इनेने भेदो पराग ओक दैत्य  
 पुरुष न सोतु [अद्रवशी राज  
 पुरुष, पु मापुस पुरुष भरड  
 मनुष्यलत, अमलदार, परमा  
 त्मा ईश्वर ओक मापुस पूर  
 न भेइ परित स्त्री (पी) स्त्री  
 पुरपकार, पु मापुसाई  
 पुरपनाथ, पु राज, सरदार  
 पुरुपोत्तम, पु निष्णु उत्तम पुरुष  
 पुरुवरवस्, पु बुध अने ईदानो  
 पुत्र, अद्रवशी राज

पुरोहित, पु. कुलशुभ.  
 पूर्व, ग. १. वसतुं; ज्योत्स्नायतुं.  
 पुल, वि. भोदुं. पु. पर्वतनी माटी.  
 पुलक, पु. शैभांग; अंगुठो; श्रीरो;  
 हरताण; दाइनेो प्हालो; सध.  
 पुलकिन्, वि. शैभांगीन. पु. केसि  
 कडमनुं अड.  
 पुलस्ति (स्य), पु. ज्येक मुनि.  
 पुलह, पु. श्रद्धानी नाभिनी उत्पन्न  
 यथला ज्येक मुनि.  
 पुलाक, उ. सडेकुं-पोकण आना-र;  
 पुलाकिन्, पु. अड. [सक्षेप.  
 पुलायित, न. धोडानी थाल.  
 पुलिन, न. तट, किनारे; रेतीनो कि-  
 पुलिंद, पु. ज्येक नंगडी जत. [नारे.  
 पुलिरिक, पु. सध.  
 पुलोमजा, स्त्री. धंद्राणी. [ससरे.  
 पुलोमन्, पु. ज्येक राक्षस, धंद्रेनो  
 पुलोमा, स्त्री. अशुभपिनी पवी.  
 पुप्, ग. ४, ९. पोपणु करतुं, टेके  
 पुष्क, न. पोपणु. [आपवो, वधारतुं.  
 पुष्ट, वि. पोपणु करेडु, मन्जुत,  
 धीमती, संपूर्ण. पु. विष्णु. न. पोपणु.  
 पुष्टि, स्त्री. रक्षणु; पोपणु; जेरे, श-  
 क्षि; यढती; पैसो.  
 पुष्कर, न. हाथीनी शुढनो आगलो  
 भाग; कभल; ढोलनुं आभदुं. त-  
 रवारनुं पानु; तरवारनी भ्यान;  
 प्हाणु, आकाश; लडार्ध, पाणी;  
 नाथ, पुष्कर तिर्थ; भाग, भोदुं.  
 पु. तणाव; सर्पनी ज्येक जत;  
 लडार्धनुं नगाडे; कृष्णु; शिव;  
 सध; सारस पक्षी.

पुष्करप्रिय, पु. भीणु.  
 पुष्करमज, स्त्री. कभलनो डार.  
 पुष्करिणी, स्त्री. हाथणी, तणाव;  
 कभयनी वेड; सरणमुष्णी डूल.  
 पुष्करिन्, पु. हाथी.  
 पुष्कळ, वि. धणुं, वधारे; श्रेष्ठ; धी-  
 मती; पासेनुं; भोटथी. पु. शिव;  
 पुष्टि, स्त्री. पोपणु; वृद्धि. [भैरुपर्वत.  
 पुष्टिका, स्त्री. कणु भाछली.  
 पुष्प, ग. ४. उधडतुं, भीलतुं.  
 पुष्प, न. डूल, कुसुम; श्रीरज; पोप-  
 राण; कुभेरनुं विमान; आंभनुं  
 कुतुं. [लोढानो वाटको; माला, डार.  
 पुष्पक, न. डूल; पुष्पक विमान,  
 पुष्पकेतन, पु. कभदेव.  
 पुष्पघातक, पु. वांस, आंशु.  
 पुष्पद, पु. अड.  
 पुष्पदंत, पु. शिवनो ज्येक गणु;  
 ज्येक विधाधन; वाण्यडोणुनो हाथी.  
 पुष्पपुर, न. पटला शेढेर.  
 पुष्पराग, पु. पोपराण भणु.  
 पुष्प(रो)लोचन, पु. नागकेशर.  
 पुष्पलाव, पु. डूल वीणुनार.  
 पुष्पलावी, स्त्री. डूल वीणुनार स्त्री.  
 पुष्पलिङ्ग, -लिह, पु. लभरे.  
 पुष्पशर, पु. कभदेव.  
 पुष्पसमय, पु. वसंतकतु.  
 पुष्पसार, पु. डूलनो भन्.  
 पुष्पसारा, स्त्री. तुलसी.  
 पुष्पहास, पु. विष्णु.  
 पुष्पहासा, स्त्री. रणरथवा स्त्री.



पुष्पा, स्त्री. ऐक शेदेर, छालतुं भा-  
पुष्पित, वि. झूलवाणुं. [ गलपुर.  
पुष्पिताग्रा, स्त्री. ऐक छंद.  
पुष्य, पु. क्वियुग; पौषभास; पु-  
ष्यनक्षत्र. न. मोडोर, कणी.

पुष्पा, स्त्री. पुष्यनक्षत्र.  
पुस्त, ग. १०. धसतुं; ओधुं करतुं.  
पुस्त, ग. १०. आंधतुं; धिक्कारतुं.  
पुस्तक, न. सोपरी.  
पूग, पु. सोपारीतुं आड; समुदाय;  
स्वभाव; जोडालु. न. सोपारी.

पूज, ग. १०. पूजतुं, लजतुं.  
पूजक, वि. पूजरी, पूज करनार.  
पूजन, न. पूज, लजित.  
पूजनी, स्त्री. चकली.  
पूजनीय, वि. पूज्य, पूजवालायक.  
पूजयित्, पु. पूजक, पूजरी.  
पूजा, स्त्री. पूजन, लजित.  
पूजित, वि. पूजेतुं; आराधेतुं.  
पूजिल, वि. पूज्य. पु. देव.  
पूज्य, वि. पूजवालायक. पु. ससरो.  
पूत, वि. पवित्र. न. सत्य. पु. शप;  
पूतक्रतायी, स्त्री. धद्राणी. [सशेद धर्मे.  
पूतकतुं, पु. छंद.  
पूतधान्य, न. निव; वव.  
पूतन, पु. मसालुभांतु सुरहु.  
पूतना, स्त्री. अक्षसुरनी जेडेन, ऐक  
पूता, स्त्री. दुर्वा, धर्मे. [राक्षसी.  
पूतात्मन, वि. निष्पाप. पु. मुनि.  
पूति, वि. दुर्गंधी. स्त्री. पवित्रता;  
दुर्गंध. न. प३, रसी.  
पूतिक, न. विद्या, नरक.  
पूतिका, स्त्री. भिवाडी.

पूतिगंध, वि. गंधातुं, वास भारतुं.  
पु. दुर्गंध; गंधक.  
पूतितैला, स्त्री. ज्योतिष्मती वेद.  
पूत, वि. नाश पाभतुं.  
पूप, पु. पुरी; वडां.  
पूय, पूवन, न. प३, रसी.  
पूयारि, पु. लीजडातुं आड.  
पूर, पु. भरतुं ते; संतोष पभाडतुं  
ते; अरो, नाणुं; तणाव; पूरी;  
लीथुतुं आड.  
पूरक, पु. शुष्क, शुष्कवाणी रकम;  
नारगीतुं आड; प्राणायामभां श्वास  
लेवो ते. ( लुओ प्राणायाम. )  
पूरद, वि. पूरुं; समूह.  
पूरण, वि. पूरुं; आशी. पु. पूल.  
पाण; समुद्र; विष्णुतेव. न.  
भरतुं ते; अजतुं ते; अंतकाणनो  
लाड, पूरी; शुष्क, मूण रकम;  
सणुगारतुं ते.  
पूरिका, स्त्री. पूरी; कबोरी.  
पूरप, पु. पुरुष, मालुस.  
पूर्ण, वि. पूरुं, गंधुं; सतोषी; म-  
नभून. न. पाणी. [ श्रीजेतुं वासलु.  
पूर्णपात्र, न. भरेतुं वासलु; श्रीमती  
पूर्णमास, पु. संध, चंद्र. स्त्री. पूतम.  
पूर्णमास, पु. चंद्र.  
पूर्णमासी, स्त्री. पूतम.  
पूर्णा, स्त्री. चंद्रनी पदरमी कणा; पा-  
चम, दशम, पूतम ऐ तियिओ.  
पूर्णांक, पु. पूरुं, पूरुं संख्या.  
पूर्णानक, न. दोल; दोलनो अवाण;  
चंद्रतुं किरलु.  
पूर्णानंद, पु. परमात्मा.

पूर्णिमा, } स्त्री. पूनम.  
 पूर्णिमासी, }  
 पूर्व, वि. आभुं; संताडेलुं; पोषित.  
 न. पोषणु; अद्वे।  
 पूर्ति, स्त्री. भरखुपोषणु; सतोष.  
 पूर्व, वि. पडेकुं; असदी, लुनुं;  
 पूर्वतरङ्गुं पु. पूर्वज, वडवे।  
 न. आगवे। भाग. स्त्री. (र्वा)  
 पूर्वदिशा. [ वडवे, पूर्वज.  
 पूर्वक, वि. पडेकुं; अगाडुतुं. पु.  
 पूर्वकाष्ठा, स्त्री. पूर्वदिशा  
 पूर्वगंगा, स्त्री. नर्मदा नदी  
 पूर्वज, वि. प्रथम जन्मेतु; असदी.  
 पु. मोटा भाई; वडवे।  
 पूर्वजा, स्त्री. मोटी भेडेन.  
 पूर्वदेव, पु. असुर; पिपू.  
 पूर्वपक्ष, पु. आगवे। भाग; शुक्ल-  
 पक्ष; सिद्धांत.  
 पूर्वपद, न. पडेकुं पद (वाक्यभां)  
 पूर्वपालिन, पु. धंद्र.  
 पूर्वपुरुष, पु. श्रद्धा.  
 पूर्वफ(फा)ल्गुनी, स्त्री. पूर्वा-  
 ङ्गादुनी नक्षत्र. [भाद्रपद नक्षत्र.  
 पूर्वभ(भा)द्रपदा, स्त्री. पूर्वा-  
 पूर्ववयस्, वि. लुवान. न. लुवाणी.  
 पूर्वापर, वि. आगवु पाछवु.  
 पूर्वापादा, स्त्री. पूर्वापादा नक्षत्र.  
 पूर्वाहन, पु. अघोरनी पडेवाने व-  
 भत. [ पूर्वतरङ्गुं; उत्तम.  
 पूर्व्य, वि. पडेकुं; असदी, लीनुं;  
 पूर्व, ग. १, १०. ढगवे। करवे।  
 पूर्व, ग. १. पोषणु करवुं.  
 पूष, पूषक, पु. शैलुतरु अड.

पूषन्, पु. सूर्य. [होवत.  
 पूक्त, वि. भेणवेकुं; नेडेकु. न. धन,  
 पूक्य, न. धन, होवत.  
 पूक्षस्, पु. अन्न, भोराक.  
 पूच, ग. २. सवधभां आवकुं.  
 पूच्छक, पु. शोधक, असासु.  
 पूच्छा, स्त्री. शोध; तपास; असासा.  
 पूत्, स्त्री. सेना. [भाग; लडाई.  
 पूतना, स्त्री. सेना; सेनाने अक  
 पूतनासाह, पु. धंद्र. [नाभकुं.  
 पूय, ग. १०. मोकलकुं; लयावकुं,  
 पूय, पु. हथेदी. [शिवावकुं.  
 पूयक, अ. भिन्न, लुहुं; अककुं,  
 पूयक्तव, न. लुदाई.  
 पूयग्विध, वि. लुदी लुदी रीते.  
 पूया, स्त्री. कुती, पांडवोनी भा.  
 पूयाज, पु. पांडवे, अर्जुन.  
 पूयि(ध)वी, स्त्री. पृथ्वी, धरा,  
 पूयिचीपति, पु. राज, नृप. [जमीन.  
 पूयिचीरुह, पु. अड.  
 पूयु, वि. विसाण; मोडु, अगणित;  
 अतिशय. पु. अग्नि, विष्णु; पृथु-  
 पूयु, स्त्री. अशीषु. [राज.  
 पूयुक, उ. पडुवा. पु. आवक.  
 पूयुका, स्त्री. छोकरी, आवक.  
 पूयुल, वि. विसाण, मोडुं.  
 पूयुशेखर, पु. पथेत.  
 पूयूदक, न. अकतिर्य. [भंदे.  
 पूयूदर, वि. मोटा पेटवाणु. पु.  
 पूय्वी, स्त्री. पृथ्वी, अग्नि; मोटी  
 अवेथी; पृथ्वीछद. [अवेथी.  
 पूय्वीका, स्त्री. मोटी अवेथी; नानी  
 पूदाकु, पु. साप; पीछी; वाध; यीत्तो  
 वाध.

पुष्पा, स्त्री. ऐक शोद्धे, डालतुं भा-  
 पुष्पित, वि. कृषवानुं. [ मलपुर.  
 पुष्पिताम्रा, स्त्री. ऐक छंद.  
 पुष्प, पु. उल्लिखुग; पौषभास; पु-  
 ष्पनक्षत्र. न. भोडोर, कशी.  
 पुष्पा, स्त्री. पुष्पनक्षत्र.  
 पुस्त, ग. १०. धसतुं; आधुं करतुं.  
 पुम्त्, ग. १०. आंधतुं; धिक्कारतुं.  
 पुस्तक, न. सोपडी.  
 पूग, पु. सोपारीतुं आड; समुदाय;  
 रवभाव; जेडालु. न. सोपारी.  
 पूज, ग. १०. पूजतुं, भजतुं.  
 पूजक, वि. पूजरी, पूज करनार.  
 पूजन, न. पूज, भक्ति.  
 पूजनी, स्त्री. रकडी.  
 पूजनीय, वि. पूज्य, पूजवातायक.  
 पूजयित्, पु. पूजक, पूजरी.  
 पूजा, स्त्री. पूजन, भक्ति.  
 पूजित, वि. पूजेतुं; आराधेतुं.  
 पूजिल, वि. पूज्य. पु. देव.  
 पूज्य, वि. पूजवातायक. पु. सारादे.  
 पूत, वि. पवित्र. न. मत्प. पु. मपः.  
 पूतकनार्या, स्त्री. छत्रापी. [ १४७६६६.  
 पूतकतु, पु. छत्र.  
 पूतधान्य, न. ( १११; ११५.  
 पूतन, पु. भगवानुभांतुं मुरदु.  
 पूतना, स्त्री. भगवानुभांतुं मुरदु, ऐक  
 पूता, स्त्री. दुखं, दमं. [ १११११.  
 पूतामन, वि. निष्पाप. पु. मुनि.  
 पूति, वि. दुर्नधी. स्त्री. पवित्रता;  
 दुर्नध न. प३, रसी.  
 पूतिह, न. विधा, नरक.  
 पूतिहा, स्त्री. निताडी.

पूतिगंध, वि. गंधातुं, वास भारतुं.  
 पु. दुर्नध; गंधक.  
 पूतिहला, स्त्री. लयोतिभती वेद.  
 पूत, वि. नास पामकुं.  
 पूप, पु. पुरी; वडां.  
 पूय, पूयन, न. प३, रसी.  
 पूयारि, पु. लीजडातुं आड.  
 पूर, पु. भरतुं ते; संतोष पमाडतुं  
 ते; अरे, नातुं; तगाव; पूरी;  
 लीजतुं आड.  
 पूरक, पु. शुलुक, शुलुवानी रकम;  
 नारंगीतुं आड; प्राणुयाभमां शय  
 लेवे ते. ( लुओ प्राणुयाभ. )  
 पूरद, वि. पूरुं; समुद्र.  
 पूरण, वि. पूरुं; आधी. पु. पू३.  
 पाण; समुद्र; विष्णुतेव. न.  
 भरतुं ते; मुडतुं ते; अंतकागने  
 लाड; पूरी; शुपय, मूग रकम;  
 सपुभारतुं ते.  
 पूरिका, स्त्री. पूरी; कनारी.  
 पूर्य, पु. पूरय, भापुस.  
 पूर्य, वि. पूरुं; अर्धुं; संतोषी; म  
 ११११. न. भापी. [ श्रीजेतुं वागपु.  
 पूर्यपात्र, न. भरतुं वासालु; श्रीमती  
 पूर्यमात, पु. यय; अ३. स्त्री. पूर्य  
 पूर्यमात, पु. अ३.  
 पूर्यमाना, स्त्री. पूर्य  
 पूर्या, स्त्री. अंतनी प३३भी क३३; पां-  
 यम, दसम, पूर्यम अे तिगिने.  
 पूर्याह, पु. पूर्यक, पूर्य स३३.  
 पूर्याह, न. टोड; टोडनी अ३३३;  
 अ३तुं किरणु.  
 पूर्यादे, पु. प३भाभा.

पूर्णमा, } स्त्री. पूनम.  
 पूर्णमासी, }  
 पूर्त, वि. आधुं; संताडेलुं; पोषित.  
 न. पोषणु; षडलो.  
 पूर्ति, स्त्री. भरषुपोषणु; सतोष.  
 पूर्व, वि. पडेलुं; असवी, लुतुं;  
 पूर्वतरङ्गुं. पु. पूर्वज, वडवो.  
 न. आगलो भाग. स्त्री. (र्वा)  
 पूर्वदिशा. [वडवो, पूर्वज.  
 पूर्वक, वि. पडेलुं; अगाडितुं. पु.  
 पूर्वकाष्ठा, स्त्री. पूर्वदिशा.  
 पूर्वगंगा, स्त्री. नर्मदा नदी.

पूयन्, पु. सूर्य. [दोलत.  
 पृक्त, वि. भेणवेळुं; नेडेळुं. न. धन,  
 पृकथ, न. धन, दोलत.  
 पृक्षस्, पु. अन्न, पोराक.  
 पृच्, ग. २. सम्बधमां आवहुं. •  
 पृच्छक, पु. शोधक; अज्ञासु.  
 पृच्छा, स्त्री. शोध; तपास; अज्ञासा.  
 पृत्, स्त्री. सेना. [भाग; लडाई.  
 पृतना, स्त्री. सेना; सेनानो अक  
 पृतनासाह, पु. ईद्र. [नापहुं.  
 पृथ, ग. १०. भोक्लवुं; लथावहुं;  
 पृथ, पु. ड्येडी. [शिवायहुं.  
 पृथक्, अ. भिन्न, लुहुं; अकलु;

प्रकट, वि. प्रुष्टुं, २५४.  
 प्रकंप, पु. धुनवुं ते.  
 प्रकंपन, पु. वाधु, तोडान; अेक न-  
 रक. न. अतिशय धुनवुं ते.  
 प्रकर, न. अगरेतुं लाकडुं. पु. समु-  
 दाय, रोगुं; सदाय, मद्ध; इलतोरो.  
 प्रकरण, न. प्रस्तावना; अध्याय,  
 भाग; संबंध; प्रसंग. [ नमीन.  
 प्रकरी, स्त्री. नरनेा पोशाक; भुडी  
 प्रकर्ष, पु. उत्तमता; शक्ति.  
 प्रकलाविद्, वि. अज्ञान. पु. वेपारी.  
 प्रकांड, ष. आउनेा यउथी ते उणी-  
 सूधीनेा भाग; उणी.  
 प्रकांडर, पु. आउ. [ धंछा, भरछ.  
 प्रकाम, वि. स्त्रीसंपद, कामी. पु.  
 प्रकार, पु. रीत, आलयवधु; नत;  
 लुधध; समानता.  
 प्रकाश, ग. १. अणकतुं; देभातुं. [ प्रुष्टु.  
 प्रकाश, वि. अणकतुं; स्वच्छ; आत;  
 प्रकाशानारी, स्त्री. वेश्या. [ शिव; श्रुथे.  
 प्रकाशात्मन्, वि. प्रकाशतुं. पु. विष्णु;  
 प्रकीर्ण, वि. विप्रेरेतुं; पाथरेतुं;  
 गालडे. न. अध्याय, प्रकरण; पभो.  
 प्रकीर्णकेशी, स्त्री. दुर्गा.  
 प्रकृप्, ग. ४. अुरसे यतुं; वधतुं.  
 प्रकुल, न. मुंढर देड.  
 प्रकृष्मांडी, स्त्री. दुर्गा, पार्वती.  
 प्रह, ग. ८. करतुं, अंतवतुं; अपमान  
 करतुं. [ भूव. न. भूवभाषत.  
 प्रहत, वि. पूतुं; शड करेडुं; धंछित;  
 प्रहताथं, वि. अत्र, सानुं.  
 प्रकृति, स्त्री. स्वभाव; आकार; भूव,  
 पाथे; नमुनेा; योनि; पिंग; स्त्री;

परभाभा; शक्ति; पंचभूत; शुध,  
 गांड; भाडीक; प्रधान, मंत्री; का-  
 रीगर; भा. [ भगभूत.  
 प्रकृष्ट, वि. प्रधान, मुख्य; लांतुं;  
 प्रकोप, पु. अुरसेा, क्रोध; दुमलो.  
 प्रकोष्ठ, पु. हाथना पौथानी उपरनेा  
 भाग.  
 प्रकृत्तर, वि. तीक्ष्ण, पु. हाथी अथवा  
 घोडातुं अथतर; इतरै; अन्वर.  
 प्रक्रम, ग. १. आगणवधतुं; शडे करतुं.  
 प्रक्रम, पु. क्रम, अवसर; उपक्रम,  
 पगडुं; अवकास.  
 प्रकीड, पु. कीडा, रमत.  
 प्रकृिन्न, वि. भीतुं; वृक्ष; द्यार्द.  
 प्रकृेद, पु. भीतारा.  
 प्रक (का)ण, पु. वीलुनेा शब्द.  
 प्रक्षर, प्रक्षर शब्द लुञ्जो.  
 प्रक्षालन, न. धेातुं ते; साडे करतुं ते;  
 धेातुं पाथी.  
 प्रक्षीवित, वि. पीधेधुं.  
 प्रक्षेडन, पु. वेाडातुं तीर; कलणवार.  
 प्रखर, वि. अतिशय अरम; तीधु.  
 पु. धेाडातेा साण; इतरै; अन्वर.  
 प्रख्यात, वि. प्रख्यात, नष्टीतुं; सुधी.  
 प्रख्याति, स्त्री. कीर्ति; स्तुति.  
 प्रगंड, पु. डोणीथी अभासुधी हा-  
 थनेा भाग.  
 प्रगंडी, स्त्री. किष्कानी भीत.  
 प्रगर्जन, न. गीकारतुं ते.  
 प्रगल्भ, ग. १. भगडण यतुं.  
 प्रगल्भ, वि. अडदुर; विश्वायु; शीध;  
 पुभ्त, भगडण; नेशरम; दामिक.  
 प्रगल्भा, स्त्री. गडादुर स्त्री; कईसा.

प्रगात्, पु. सारस गवैषो.  
 प्रगुण, वि. प्रमायिक; चतुर; लायक.  
 न. उत्तम स्वभाव.  
 प्रगे, अ. प्रभातभां.  
 प्रगोपन, न. रक्षण.  
 प्रग्रथन, न. श्रुंथुं ते.  
 प्रग्रह, पु. लगाम; होरी; डेढी; पालन; किरणु; विष्णु; सरदार; भाया, महेश्यानी; भाट.  
 प्रग्रीव, उ. जाडनी टोंच; पारी; त-गेलो; आनंदगृह.  
 प्रघट, ग. १. शर करुं; शैकाई नुं.  
 प्रघट(ट्ट)क, पु. कायहो, विचार.  
 प्रघण(न), पु. अश्रु, अडाली; लोढानो सणीओ. [शुभ; अदीपणुं.  
 प्रघस, वि. ओढी, आधुशे. पु. अ-प्रघात, पु. वध; लडाई.  
 प्रघुण, पु. पशेओ. [तिथि, पशेओ.  
 प्रघूर्ण, वि. धूमनार, इरनार. पु. अ-प्रघोष, पु. अवाण, ध्वनि.  
 प्रघोषक, पु. अवाण करनार.  
 प्रचक्ष, ग. २. गोलुं; विचारुं;  
 प्रचक्षत्, पु. अहुरपति. [मोलावतुं.  
 प्रचंड, वि. मण्युत; उच्छु. गरम; कोष; अडाहुर; लयंकर. पु. संकेत कनेरुं जाड.  
 प्रचय, पु. समुदाय; ढगलो.  
 प्रचर, पु. ररतो; गति.  
 प्रचल, वि. कपित.  
 प्रचार, पु. आलयलणु; रीतभात; शे-  
 प्रचाल, पु. पीणाने. [कावे, ररतो.  
 प्रचुर, वि. धलुं, वधारे; मोटुं.  
 प्रचेतस, पु. प्रचेतामुनि; वरुण.

प्रचेत्, पु. सारथि, गाडीवान.  
 प्रचेल, न. पीणुं सुभड.  
 प्रचेलक, पु. घोरो.  
 प्रचोद, पु. डांकी नुं ते. [आशा.  
 प्रचोदन, न. कथन; डांकी नुं रो;  
 प्रचोदित, वि. प्रेरित; कथित.  
 प्रच्छ, ग. ६ पूछुं, सवाल करवे;  
 आत्री करवी; शोधुं.  
 प्रच्छद्, पु. पोरोक; डांकेणु.  
 प्रच्छद्, पु. डांकेणु; वाहर.  
 प्रच्छन, न. } सवाल; तपास.  
 प्रच्छना, स्त्री. }  
 प्रच्छन्न, वि. डांकेणु; शुभ; छुपा-  
 वेणुं. न. शुभ दरवाने.  
 प्रच्छदिका, स्त्री. वमन, उवटी.  
 प्रच्छाय, न. छायावाणी नगा.  
 प्रच्छल, वि. सुकुं.  
 प्रच्यव, पु. पडती, नाश.  
 प्रच्युत, वि. पतित, पडेणुं; उभडेणुं.  
 प्रच्युति, स्त्री. पडती.  
 प्रज, पु. पति, धष्ठी. [इंद्रिय.  
 प्रजन, पु. जनन, आनंदान; उत्पत्ति;  
 प्रजनन, न. इंद्रिय; आलक; प्रजन.  
 प्रजनिका, स्त्री. माता, मा.  
 प्रजनुक, पु. शरीर.  
 प्रजनू, स्त्री. योनि, श्रीनी इंद्रिय.  
 प्रजल्प, पु. गप, अडवा.  
 प्रजा, स्त्री. संतान; रैयत; प्राणी.  
 प्रजात, वि. नन्मेणुं [दाश; महेनत.  
 प्रजाति, स्त्री. गर्भेथी छुटकारे; ये-  
 प्रजादान, न. इणुं.  
 प्रजानाथ, पु. अश्या; राज.  
 प्रजाप, पु. राज.

प्रजापति, पु. अक्षा; दक्ष वर्गेरे दश  
प्रजापति; विश्वकर्मा; सूर्य; राज्ञः  
नभार्थ; विष्णु; पिता, आप;  
पुरुषानी ईन्द्रिय; यज्ञ; भाङ्गु.

प्रजापाल, पु. राज्ञः.

प्रजापालि, पु. शिव.

प्रजावती, स्त्री. लोकार्थ; पुत्रवाणी  
स्त्री; मोटाभार्थनी स्त्री. भाषी.

प्रजाहित, वि. लोकना हिततुं. न. पाष्ठी.

प्रजिन, पु. वायु, पवन.

प्रजीवन, न. उपलक्षिका, सुगरान.

प्रजुष्ट, वि. आसक्तः लक्षितान.

प्रज्ञ, वि. विद्वान्, डाहुं. पु. पठित,  
विद्वान् भाषुरा.

प्रज्ञति, स्त्री. संकेत; युद्धि. [विद्वान् स्त्री.

प्रज्ञा, स्त्री. युद्धि, अक्षय; सरस्वती;

प्रज्ञाचक्षुस्, वि. आंधयो; युद्धि-  
मान. पु. धृतराष्ट्र.

प्रज्ञान, वि. विद्वान्. न. युद्धि; जित.

प्रज्ञाहीन, वि. भूर्ध.

प्रज्ञिन, } वि. विद्वान्, पठित.

प्रज्ञिल, }

प्रज्ञीन, न. पक्षीनी उडवानी गति;

प्रण, वि. लुनुं, पुराहुं. [नारातुं.

प्रणख, पु. भीक्षानी अष्ठी.

प्रणत, वि. नम्र; यतुर; वांङ्गु [रेशो.

प्रणय, पु. प्रेम; वेश्याण करतुं ते; म-

प्रणयन, न. रथतुं ते; नरकारकरणु.

प्रणयिता, स्त्री. धार.

प्रणयिन, वि. धारं. वडातु; गा-

यातु; लष्ठीतुं. पु. भक्त; पति, मित्र.

प्रणयिनी, स्त्री. धारी स्त्री; सष्ठी.

प्रणय, पु. आंकार, अं; विष्णु; दोल.

प्रणस, वि. लांया नाङ्वातुं.

प्रणाद, पु. मोटा आवाज, गर्लनाः  
मददनी भूम.

प्रणाम, पु. दंडवत, नमस्कार.

प्रणाय्य, वि. वडाहुं; प्रभाषिक.

प्रणालं, पु. } नेहेर; भाण, मे-

प्रणालिका, स्त्री. } री; गटर.

प्रणाली, स्त्री. }

प्रणादा, पु. नाराक; मृत्यु.

प्रणिधा, ग. र. नीचे भूक्तुं.

प्रणिधान, न. प्रयत्न; अवगति; ध्यान.

प्रणिधि, पु. लभुरा; अनुचर, आ-  
कर; प्राथेता; मनोयोग.

प्रणिपतन, न. } प्रक्षाम, पगे पडतुं ते.

प्रणिपात, पु. }

प्रणी, ग. र. लर्थ लतुं; आपतुं, ल-  
तापतुं; नापतुं; नाश करवे.

प्रणीत, वि. क्षिप्त, ईंकेतुं; कृत, क-  
रेतुं; रथेतुं.

प्रणीता, स्त्री. यज्ञतुं वासणु.

प्रणीति, स्त्री. कृपा; आलस्यलणु.

प्रणु, ग. र. द. स्तुति करवी; गर्ल-  
ना करवी. [ पाष्ठी.

प्रणेजन, न. धीतुं ते; नवराववातुं

प्रणय, वि. तापेदार, पश.

प्रतव, वि. इलावेतुं.

प्रतति, स्त्री. विस्तार; वेज्ञो.

प्रतन् ग. ट. इलावतुं; वधारतुं.

प्रतन, वि. पुरातन, लुतुं.

प्रतनु, वि. धतुं भारीक; धतुं नानुं.

प्रतप्, ग. र. अरभ करतुं, आणतुं;  
दुःख भमतुं.

प्रतल, न. अेक पाताव. पु. दगेणी.

प्रताप, पु. गरभी; क्षीति; हीमन,  
उरकंटा.

प्रतापन, वि. तापक, गरम. न. अणुतुं.  
पु. अेक नरक.

प्रतारण, न. { वचना, ठगार्थ;  
प्रतारणा, स्त्री. } दगो.

प्रति, अ. आसि; लक्षण; भाग; प्र-  
तिदान, क्षेप; निश्चय, अभिमुष्य,  
प्रतिनिधि करणुदशक.

प्रतिकप, पु. क्षय; वार्ताडर; भ-  
दगार; बोभीयो. [सरभापणु.

प्रति(ती)काश(स), पु. प्रतिबिम्ब,  
प्रतिकप, पु. आर्ध, अर. [विश्व-  
प्रतिकूल, वि. अनुकूल न होय तेतु,  
प्रतिह, ग. ८. पाछुं आपतु. [निधि.

प्रतिहति, स्त्री. प्रतिभा, छपी, प्रति-  
प्रतिहृष्ट, वि. अे वार अेउतुं, नीय.

प्रतिहृष्ट वि. गरीभ, कुंभाल.  
प्रतिक्षणं, अ. तेणक्षणे.

प्रतिशय, पु. बोधीदार, रक्षक.  
प्रतिव्याति, स्त्री. शीर्ति.

प्रतिग्रह, ग. ९. वेतु; पकडतुं, टेके  
आपयो, ताणे थतुं.

प्रतिग्रह, पु. स्वीकार, मूर्ध; दान  
वेतु ते; सैन्यनो पाछयो भाग.

प्रतिघातन, न. भारणु, वध.  
प्रतिग्र, न. शरीर.

प्रतिचक्ष, ग. २. लेतुं; हेभातुं.  
प्रतिच्छद्, ग. १०. टाकतुं.

प्रतिच्छदन, न. टांकणु.  
प्रतिच्छंद, पु. प्रतिउप, छपी

प्रतिच्छद, पु. अटकाव, रोक.  
प्रतिजन्य, वि. विश्व.

प्रतिजल्प, पु. नवाण, उत्तर.  
प्रतिजागर, पु. सावधानता.

प्रतिज्ञा, ग. ९. वचन आपतुं; छ  
पाडपी, कथुल करतुं.

प्रतिज्ञा, स्त्री. कथुलात; वचन; सोमन.  
प्रतिज्ञात, वि. मन्त्र-कथुव करेतुं.  
प्रतिज्ञापत्र, न. अेकरार नामुं, लभल.  
प्रतिज्ञापन, न. विज्ञापन, विनंति.  
प्रतितर, पु. अलासी.  
प्रतिनाली, स्त्री. दशवाजनी कुंथी.  
प्रतिदर्शन, न. लेतुं ते.  
प्रतिदा, ग. ३. अडलतुं; पाछुं आपतुं.  
प्रतिदान, न. विनिमय, अडलो.  
प्रतिदारण, न. युद्ध, लडाध.  
प्रतिदिवन्, पु. दिवस; मूर्ध.  
प्रतिदृष्ट, वि. लेयतुं; हेभीतुं.  
प्रतिधा, ग. ३. आपतुं; उपयोग  
करयो; शर करतुं.  
प्रतिधा, स्त्री. (पाछुनो)गोट, पीतुं ते.  
प्रतिधावन, न. दुभलो, लहो.  
प्रतिधि, पु. जोराक.  
प्रतिध्वनि, पु. प्रतिनाद, पडधो.  
प्रतिध्वस्त, वि. नीचे नापेतुं.  
प्रतिध्वान, पु. पडधो.  
प्रतिनद्, ग. १. इरीथी अवाज  
करयो; लूम पाडीने नवाण आ-  
प्रतिनाद, पु. पडधो. [पयो.  
प्रतिगद्, ग. १, आशिर्वाद आपवा;  
मान आपतुं.  
प्रति(ती)नाह, पु. धवल, वायटो.  
प्रतिनिधि, पु. वडिव, प्रतिनिधि;  
नायण; लभीन; छपी. [प्रतिवादी.  
प्रतिपक्ष, पु. रातु, तराभीर, छपी;  
प्रतिपत्ति, स्त्री. सान, कथुवात;  
आनी, अवर, मान, कुद्धि; शीर्ति.



प्रतिपद्, स्त्री. रस्तो; शब्दात्; ल-  
 अर्धतुं नगां; पडवो, अकम,  
 पडवो तिथि; छार, लीटी.  
 प्रतिपदा, स्त्री. पडवो, पडवो तिथि.  
 प्रतिपन्न, वि. लण्युं; स्वीकारेणुं;  
 तैयार करेणुं; मान्य.  
 प्रतिपादन, न. धान; प्रतिपत्ति.  
 प्रतिपालक, पु. पालन करतार.  
 प्रतिपालन, न. रक्षण; पोषण.  
 प्रतिपान, न. पीवानुं पाणी.  
 प्रतिपीडन, न. लुलम.  
 प्रतिप्रयाण, न. पाणुं इरुं ते.  
 प्रतिप्रश्न, पु. उत्तर; पाठो पूछेओ.  
 प्रतिफल, न. प्रतिभिष. [ सवाल.  
 प्रतिफलक, वि. प्रकुष, भीक्षुं.  
 प्रतिबंध, ग. २. आंधणुं; अटकुं.  
 प्रतिबंध, पु. रोध, अटकाव; नडतर.  
 प्रतिबल, वि. समान अणवाणुं. पु.  
 शत्रु. [ करपी.  
 प्रतिबुध्, ग. ४. लमणुं; अणर  
 प्रतिभा, ग. २. प्रकाशणुं.  
 प्रतिभा, स्त्री. हेभाव, बुद्धि; यतु-  
 राध, अक्षर; प्रकाश.  
 प्रतिभात, वि. लण्युं, प्रकाशित.  
 प्रतिभाषा, स्त्री. उत्तर, एवाण.  
 प्रतिभास, ग. १. प्रकाशणुं.  
 प्रतिभू, पु. लभीन.  
 प्रतिभाग, पु. उपभोग, भोगवटो.  
 प्रतिभा, ग. ३, ४. सरभावणुं.  
 प्रतिभा, पु. कर्ता. स्त्री. भूति; छभी;  
 गमानता, सरभाषणुं.  
 प्रतिपत्, ग. १. यन करवो.  
 प्रतिपत्त, वि. अयस. पु. यन, गटे.

नत; तैयारी; छम्हा, वांछना; वि-  
 रोध, कृपा, भडेरणानी; रचना.  
 प्रतियातना, स्त्री. छभी.  
 प्रतियोग, पु. विरोध; विवाद [भीदार.  
 प्रतियोगिन, पु. शत्रु; विरोधी; भा-  
 प्रतिरक्षण, न. } रक्षण, सलामती.  
 प्रतिरक्षा, स्त्री. }  
 प्रतिरंभ, पु. लुस्सो.  
 प्रतिरघ, पु. कच्छो; प्राणु; पडवो.  
 प्रतिरघ्, ग. ७. घेरो धालवो; अ-  
 टकुं; छपके आपवो.  
 प्रतिरघ, पु. नक्षत्र, प्रतिभूति.  
 प्रतिरोध, पु. आध, हरकत; प्रतिभिष;  
 निरोध, तिरस्कार, घेरो; बोरी.  
 प्रतिरोधक, } पु. बोरी; शत्रु, वेरी.  
 प्रतिरोधिन्, }  
 प्रतिलम्, ग. १. भेणवणुं.  
 प्रतिलभ, पु. निदा; भेणवणुं ते.  
 प्रतिलिपि, स्त्री. नक्षत्र, उतारो.  
 प्रतिलोम, वि. अणुं.  
 प्रतिवच्, ग. १. एवाण आपवो.  
 प्रतिवचन, } न. एवाण, उत्तर;  
 प्रतिवचस्, } पडवो.  
 प्रतिवद्, ग. १. बोधणुं, उत्तर आ-  
 प्रतिवप्, ग. १. वावणुं. [ पयो.  
 प्रतिवर्तन, न. पाणुं इरुं ते.  
 प्रतिवसथ, पु. गामडुं.  
 प्रतिवाक्य, वि. एवाण आपवा-  
 लापक. न. उत्तर.  
 प्रतिवाच, स्त्री. एवाण, उत्तर.  
 प्रतिवाद, पु. एवाण; नाडा. [ छार.  
 प्रतिवादिन्, पु. प्रतिवादी, एवाण-  
 प्रतिवाणि, स्त्री. एवाण, उत्तर.  
 प्रतिवाचा, स्त्री. अणर, देवाल.

प्रतिवासिन्, पु. पाठोसी.  
 प्रतिविधि, पु. उपाय, ध्वजाञ्.  
 प्रतिविशिष्ट, वि. अतिउत्तम.  
 प्रतिवेश, पु. पाठोस.  
 प्रतिवेशिन्, } पु. पाठोसी.  
 प्रतिवेद्य, }  
 प्रतिव्यूह, पु. भीड, टाणुं.  
 प्रतिशम, पु. अटकान, विराम.  
 प्रतिशाप, पु. शापने अदले शाप  
 आपवे ते.  
 प्रतिशीन, वि. गणतुं, टपकतुं.  
 प्रतिशीर्ष, पु. प्रतिनिधि, अदवे।  
 प्रतिश्या, स्त्री. } शरकम, शरदी.  
 प्रतिश्याय, पु. }  
 प्रतिश्रय, पु. आश्रय; धर्मशाला; धर;  
 सला, भद्वे; वचन.  
 प्रतिश्रच, पु. अंगीकार; हकार; पडधो.  
 प्रतिश्रु, ग. ५. वचन आपडुं.  
 प्रतिश्रुत्, } स्त्री. पडधो; वचन, क-  
 प्रतिश्रुति, } श्रुतात्. [वचन.  
 प्रतिश्रुत, वि. वचन आपेडुं. न.  
 प्रतिपेघ, पु. नाकार; निषेध.  
 प्रतिष्क (स), पु. लसस, इत.  
 प्रतिष्कश, पु. लसस; व्याथुकं.  
 प्रतिष्कप, पु. व्याथुकं.  
 प्रतिष्ठ, वि. प्रख्यात.  
 प्रतिष्ठा, स्त्री. गौरव; स्थान, ठेकाणु;  
 पम, हद, पृथ्वी, आराम; धीर्ति.  
 प्रतिष्ठान, न. पाथो; पदवी; पग.  
 प्रतिष्ठित, वि. प्रख्यात; धीमती;  
 मेणवेडुं; परणुं.  
 प्रतिसंक्रम, पु. पडधोयो.  
 प्रतिसंख्या, स्त्री. सावधता, भान.  
 प्रतिसर, उ. धरेणुं; मोडीदार. पु.

याकर; डार, भाला; वरभाला,  
 लक्ष वभतनी भाला; प्रभात.  
 प्रतिसरा, स्त्री. याकरगी, दासी.  
 प्रतिसर्ग, पु. भीष्ट सृष्टि; पृथक्करण.  
 प्रतिसंधानिक, पु. लाट, अदिन.  
 प्रतिसीरा, स्त्री. नवनिका, पडधो.  
 प्रतिस्पर्धा, स्त्री. हरीक्षर्ध.  
 प्रतिस्पर्धिन्, वि. अद्वेषुं. पु. हरी-  
 क्षर्ध; अद्वेषार्ध.  
 प्रतिस्वन, } पु. पडधो; मध्य, नाभि.  
 प्रतिस्वर, }  
 प्रतिहत, वि. निराश; मोडलेडुं;  
 पाछण हकावेडुं; रोडेडुं; पडेडुं;  
 अधिडुं. [असाडु.  
 प्रतिहन, ग. २. पाछण हकावडुं;  
 प्रति (ती)हार, पु. दरवाने; दरवान,  
 मोअदार; मायाकार, लहुगर.  
 प्रतिहिंसा, स्त्री. धीनो, अर.  
 प्रतीक, वि. उडुं, उलडुं. पु. अव-  
 यव. न. मोडु; भूति.  
 प्रतीक्ष (क), त्रि. राड लेनार.  
 प्रतीक्षण, न. } धितेनरी; आशा;  
 प्रतीक्षा, स्त्री. } ध्यान.  
 प्रतीची, स्त्री. पश्चिमदिशा.  
 प्रतीचीन, वि. पश्चिमडुं; भविष्यतुं.  
 प्रतीच्छक, पु. लेनार, स्वीकारनार.  
 प्रतीत, वि. प्रख्यात, लणुं; भुश.  
 प्रतीति, स्त्री. प्रख्याति, भुशी, आनंद;  
 प्रतीनाह, पु. धवल, वावटो. [सान.  
 प्रतीप, वि. उलडुं; पाछणुं. हडीडुं. पु.  
 अंदवशी रान, शांततुनो आप.  
 प्रतीपक, वि. वेरी.  
 प्रतीपदर्शनी, स्त्री. स्त्री, आयडी.  
 प्रतीर, न. किनार, कांडो.

प्रतीहारी, स्त्री. दरवान स्त्री.  
 प्रनुद, ग. ६. भारुं.  
 प्रनुद, पु. गोपट कागडा वगेरे पंभी.  
 प्रतूर्ण, वि. उतावणु.  
 प्रतोद, पु. थायुड; आर.  
 प्रतोली, स्त्री. रस्तो.  
 प्रतोप, पु. सतोप.  
 प्रत्न, वि. पुरातन, लुतुं. [आगणतुं.  
 प्रत्यक्ष, वि. हेभीतुं; थुडुं; आंभ  
 प्रत्यक्षदर्शन, पु. नळरे लेनार.  
 प्रत्यनीक, पु. शनु; विप्र.  
 प्रत्यभिज्ञा, ग. ९. ओणभुं.  
 प्रत्यभिज्ञा, स्त्री. ओणभाणु.  
 प्रत्यभिभूत, वि. लतेतुं.  
 प्रत्यय, पु. आधीन, सोगन; शान;  
 विश्वास, डेतु; शब्द; आचार;  
 निश्चय; मद्दगार; विष्णु, कीर्ति,  
 पीडा करवातुं हथियार. [ शनुता.  
 प्रत्यर्थ, वि. उपयोगी. न. न्वाभ,  
 प्रत्यर्थक, पु. वेरी, शनु. [ हरीक.  
 प्रत्याधिन्, वि. प्रतिवाह. पु. शनु,  
 प्रत्यपर्ण, न. पाहुं आपु ते.  
 प्रत्यवमर्श, पु. सजाड; धीरन.  
 प्रत्यवरोधन, न. अटकाव.  
 प्रत्यवसान, न. भातुं ते.  
 प्रत्यवसित, वि. भाधेतु; पीधेतुं.  
 प्रत्यवस्थान, न. शनुता.  
 प्रत्यवहार, पु. पाहुं अंथी लेतुं ते.  
 प्रत्यवाय, पु. पाप; नाउमेदी.  
 प्रत्याख्या, ग. २. नापाडवी.  
 प्रत्याख्यात, वि. नापाडेकुं; अटकावेतु.  
 प्रत्याख्यान, न. निराकरणु; नाकार.  
 प्रत्यागम, ग. १. पाहुं आवतुं.

प्रत्यागमन, न. पाहुं आवतुं ते.  
 प्रत्यादान, न. पाहुं लेतुं ते.  
 प्रत्यानयन, न. आराम, हेर.  
 प्रत्याय, पु. कर, नगात; आवक.  
 प्रत्यायित, पु. विश्वासु आडतीओ.  
 प्रत्यालीढ, न. डगो पम वाणी न-  
 भणो पम हलो राभीने आणु  
 भारती वभते वेसवानी रीत  
 प्रत्याशा, स्त्री. आशा, उमेद.  
 प्रत्यासन्न, वि. धणुं पासेतुं.  
 प्रत्यास(सा)र, पु. लश्करनो पाछवे  
 भाग. [ क्षेप.  
 प्रत्याहार, पु. पाहुं करतुं ते, स-  
 प्रत्युक्ति, स्त्री. न्वाभ.  
 प्रत्युच्चार, पु. वारवार जेालतुं ते.  
 प्रत्युत्कम, पु. लडाईनी तैयारी.  
 प्रत्युत्तर, न. न्वाभनो न्वाभ.  
 प्रत्युत्पन्नमति, स्त्री. डानरन्वाणी.  
 प्रत्यूप, पु. प्रभात; वसुदेवता; सूर्य  
 प्रत्यूपस, पु. प्रभात.  
 प्रत्यूह, पु. विप्र.  
 प्रथ, १. ग. वधतुं, इलातुं; हेभातु.  
 प्रथम, पडेकुं; मुभ्य पु. पडेवो पु-  
 प्रथमवयस, न. लुवानी. [ रूप.  
 प्रधा, स्त्री. कीर्ति, प्रभ्यात  
 प्रथित, वि. प्रभ्यात, लण्णीतुं.  
 प्रथिमन्, पु. मोटाई.  
 प्रथिवि, स्त्री. पृथ्वी.  
 प्रथु, वि. पोडोणु. पु. विष्णु.  
 प्रदर, पु. निदारणु; लग; तीर, स्त्री-  
 ओना ओक रोग.  
 प्रदर्प, पु. भगद्री.  
 प्रदर्श, पु. हेभाप.

प्रदर्शन, न. हेभाव; तभासो; दृष्टांत.  
 प्रदल, पु. तीर, आलु.  
 प्रदव्य, पु. जंगलनो द्वय.  
 प्रदान, न. दान आपतुं ते; अक्षीस.  
 प्रदाय, न. अक्षीस.  
 प्रदीप, पु. दीवो.  
 प्रदेश, पु. लोकदेश; देश; दृष्टांत; भीत.  
 प्रद्युत्, ग. १. प्रकाशित करुं.  
 प्रद्युति, वि. प्रकाशित.  
 प्रद्युम्न, पु. कामदेव; श्रीकृष्णुनो पुत्र.  
 प्रद्योत, पु. किरणु; प्रकाश; उन्न-  
 ननो रान्त. [ पु. सूर्य.  
 प्रद्योतन, न. किरणु; प्रकाशतुं ते.  
 प्रद्रव, वि. प्रवाही. पु. पलायन.  
 प्रद्राव, पु. पलायन, नाशीकृतुं ते.  
 प्रद्धार, न. दरवान पासेनी जगा.  
 प्रद्विष, ग. २. धीक्षारुं.  
 प्रद्वेष, पु. धीक्षार, तिरस्कार. [नाश.  
 प्रघन, न. युद्ध, लडाई; क्षाउतुं ते;  
 प्रधान, वि. प्रधान, मुख्य. न. प्र-  
 कृति; परमात्मा; छुद्धि; मुख्य.  
 प्रधानता, स्त्री. श्रेष्ठता, मुख्यता.  
 प्रघाघन, पु. पवन.  
 प्राधि, पु. पैडानो घेरावो; द्वेवो.  
 प्रघृष्ट, वि. भगइर. [ करवो.  
 प्रघ्मा, ग. १. ( शंभ ) द्वेवो; नाश  
 प्रघ्वंस, पु. नाश, अरणाही.  
 प्रघ्वंसन, पु. नाश करनार.  
 प्रघ्वस्त, वि. अरणाह.  
 प्रनमृ, पु. पौत्रनो छोकरो.  
 प्रनाल, -ली, पु. भोरी, भाण; गटर.  
 प्रनृत्त, न. नाथ.  
 प्रपंच, पु. अभ; विस्तार; संसार;

प्रतारणु; ढगलो; हेभाव; मूण-  
 तत्व शोधन.  
 प्रपाठक, पु. लांपणु; पाठ.  
 प्रपण, पु. अहलो अहलो. [मुसाइरी.  
 प्रपय, वि. शिथिल, दीक्षुं. पु. लंभी  
 प्रपण्या, स्त्री. छरीतडी, छरडा.  
 प्रपद, न. पगनो आगलो भाग.  
 प्रपदन, न. प्रवेश; दाभल यवानो  
 रस्तो.  
 प्रपन्न, वि. शरणागत, आश्रित.  
 प्रपर्ण, न. पडेक्षुं पांढकुं.  
 प्रपा, स्त्री. द्वेवो, वावडी; मुसाइरने  
 पाण्णी भजे जेवी जगा.  
 प्रपात, पु. अरणु, नेहेर.  
 प्रपाथ, पु. रस्तो.  
 प्रपाद, पु. दुरायरणु.  
 प्रपादिक, पु. भोर.  
 प्रपान, न. पीतुं ते.  
 प्रपापिन, वि. पानकर्ता; रक्षणकर्ता.  
 प्रपालन, न. रक्षणु करुं ते.  
 प्रपितामह, पु. ब्रह्मा, परदावो, दा-  
 दानो आप; श्रीकृष्णु.  
 प्रपुत्र, पु. पौत्र, छोकरोनो छोकरो.  
 प्रपोत्र, पु. पौत्रनो छोकरो.  
 प्रपौत्री, स्त्री. पौत्रानी छोकरी.  
 प्रप्यायन, न. सुत्रुं ते.  
 प्रफुल्ल, वि. भीवेक्षुं [ नदी.  
 प्रफुल्ल, वि. भीवेक्षुं, उगडेक्षुं; आ-  
 प्रबंध, पु. पाटो, आंधणु; युक्ति.  
 प्रबंध कल्पना, स्त्री. कल्पितकहाण्णी.  
 प्रबन्न, पु. धंर.  
 प्रव (व)है, वि. उत्तम.  
 प्रबल, वि. नेरावर, अलवान; लयं-  
 कर. पु. ओक हैत्य; शणुगो.

प्रवाल, उ. इण्डो, नवपक्षव. पु.  
 प्रवालुक, अ. उंचे. [प्राणी.  
 प्रबुध, पु. भोटो मुनि.  
 प्रबोध, पु. लगत अवस्था; भी-  
 ल्युं ते; ज्ञान. [ज्ञान.  
 प्रबोधन, न. लगरण, उलगरा;  
 प्रबोधनी, स्त्री. कार्तिक शुद्ध ११.  
 प्रबू, ग. २. लडेर करतुं; बोलतुं.  
 प्रमंग, पु. भांगतुं ते; नाश.  
 प्रमंजन, न. भांगतुं ते. पु. नाश.  
 प्रमद्र, पु. लीणडातुं जाड.  
 प्रमद्य, वि. उत्तम; अलवान. पु.  
 उत्पत्ति; मूल; पराक्रम; शक्ति;  
 विष्णु. [धृष्टी, विष्णु.  
 प्रमविष्णु, वि. जेरावर. पु. भाषीक,  
 प्रभा, ग. २. देखातुं; प्रकाशतुं.  
 प्रभा, स्त्री. प्रकाश; किरण; तेज;  
 दुर्गा; कुमेरनी नगरी.  
 प्रभाकर, पु. सूर्य; चंद्र; अग्नि; स-  
 मुद्र; आकडातुं जाड; शिव; मि-  
 भांसाना कर्ता ऐक मुनि.  
 प्रभाकीट, पु. आगीआ कीरो.  
 प्रभात, न. प्रातःकाल, सवार.  
 प्रमान, } न. किरण; प्रकाश.  
 प्रमानु, }  
 प्रभाव, पु. प्रताप; शक्ति; तेज;  
 शांति; उद्भव.  
 प्रभापू, ग. १. बोलतुं; लडेर करतुं.  
 प्रभाप, पु. ऐक वसुदेवता.  
 प्रभास, पु. सुंदरता; यमक; ऐक तिर्य.  
 प्रभु, वि. भोटुं; शक्तिमान. पु. भा-  
 लक; धृष्टी; डाकम; पारो; विष्णु;  
 शिव; अक्षा; धंर.

प्रभुता, स्त्री. } प्राधान्य; अर्थ;  
 प्रभुत्व, न. } भाषीकी.  
 प्रभूत, वि. उत्तम; यथेष्ट; उद्भवत;  
 भोटुं; लांथुं.  
 प्रभृति, स्त्री. शब्दात. अ. ते व-  
 प्रभेद, पु. प्रकार; लेद. [अतथी.  
 प्रभंश, पु. पतन, पडतुं ते.  
 प्रमण(न)सू, वि. लडो; सुभी.  
 प्रमथ, उ. धारो; शिवनो गण.  
 प्रमथन, न. वलोवतुं ते; वध; दुः-  
 प्रमथाधिप, पु. शिव. [अ देतुं ते.  
 प्रमद, वि. पीधेणुं; अक्षरेल; जेप-  
 रवा; उद्भवत. पु. आनंद; धर-  
 तुं जाड.  
 प्रमनसू, वि. लडो; सुभी; आनंदी.  
 प्रमय, पु. मृत्यु; वध; पडती.  
 प्रमर्दन, पु. विष्णु.  
 प्रमा, स्त्री. यथार्थज्ञान; पायो.  
 प्रमाण, न. भाप; कद; उद; आनी;  
 सत्ता; सुदल, लंडोल; कारण.  
 प्रमाद, पु. जेपरवाडी; अम; लूल;  
 अक्सभात.  
 प्रमादिका, स्त्री. जेपरवाड स्त्री; कुं-  
 वारे अष्ट यथली छोकरी.  
 प्रमापण, न. वध, कतल.  
 प्रमापणित, पु. भुनी. [सिद्ध; भापेणुं.  
 प्रमित, वि. सात, लछेणुं; प्रमाण-  
 प्रमिति, स्त्री. भाप; यथार्थज्ञान, पु-  
 ३ ज्ञान.  
 प्रमिदू, ग. १. लडा थतुं. [करतुं.  
 प्रमी, ग. ९. नाश करवा; उदक  
 प्रमीद, वि. गाढ, लडुं, पेशाण करतुं.  
 प्रमीत, वि. सुवेणुं; यज्ञवास्ते भारेणुं.

प्रमीति, स्त्री. मृत्यु; नाश. [ राष्ठी.  
 प्रमीला, स्त्री. स्त्रीपाराजनी ओक  
 प्रमुख, वि. मुख्य; प्रधान; पडेकुं;  
 मानवंत. पु. ढगवो; मान पा-  
 भेवो पुरुष; पुत्रागतुं आड. न.  
 भोडु; तत्काण, डाल.

प्रमुद्, स्त्री. अतिशय भुशी.  
 प्रमुदित, वि. भुश, आनंदी.  
 प्रमुप्, ग. ९. चारकुं.  
 प्रमुपित्, वि. चारकुं.  
 प्रमुद्, ग. ४. भूर्छा आवणी.  
 प्रमूढ, वि. शुचवायकुं; भूर्छा.  
 प्रमृत, वि. भुवेकुं; दांकेकुं. न. मृत्यु;  
 प्रमृष्ट, वि. यमककुं. [ जेडाणु.  
 प्रमेय, वि. लखवावायक; सोभत  
 करवावायक.

प्रमेह, पु. परमे, ओक रोग.  
 प्रमोचन, न. भोक्ष; त्याग; उतरकुं ते.  
 प्रमोद, पु. उर्ष, भुशाधी. [ द्विवा.  
 प्रमोदित, वि. आनंदी. पु. कुंभेर  
 प्रम्लान, वि. गंहुं. [ करवो.  
 प्रयत्, ग. १. कोशेश करवी, यल  
 प्रयत्, वि. पवित्र; शुद्ध; उतात्मा,  
 सावध. पु. पवित्र भाखुस. [ नत.  
 प्रयत्न, पु. कोशेश, यल; युक्ति; भेदे-  
 प्रयत्नवत्, } वि. भदेनतु.  
 प्रयत्निन्, }

प्रयत्, ग. ४. यल करवो.  
 प्रयत्, न. भोराक; आनंद; यन.  
 प्रया, ग. २. यागकुं; नकुं; आगण  
 यधकुं; अडार नीकणकुं.  
 प्रयाग, पु. ओक तीर्थ, प्रयाग, अ-  
 लाडभाद शेदेर; धंद; घोरो; यत्.

प्रयाण, न. गमन; मृत्यु; मुरादरी;  
 शर्यात; घोडानी पीठ.  
 प्रयात, वि. वधेकुं; भुवेकुं. पु. अयु  
 भुनि; टेकरो, ढगाव.  
 प्रयास, पु. प्रयत्न, अम.  
 प्रयुक्त, वि. ( शब्द ) वापरकुं; ले-  
 रेकुं. न. डारणु.  
 प्रयुक्ति, स्त्री. उपयोग; व्यंजनार्थ; यत्.  
 प्रयुत, वि. लेरेकुं. न. दश लाभनी  
 संप्या. [ धंद; सन्यासी.  
 प्रयुत्सु, पु. लउवेयो; भेडो; वायु;  
 प्रयुद्ध, न. लडाई.  
 प्रयोग, पु. उपयोग; उदाहरण; घो-  
 डो; व्यवहार; युक्ति; साधन; ने-  
 प्रयोग्य, पु. घोडो. [ भल्युक.  
 प्रयोजक, पु. कर्ता; स्थापनार; काय-  
 दा भांधनार; उरकेरणी करनार.  
 प्रयोजन, न. कार्य; हेतु; उदेश; न-  
 रीआत.  
 प्रयोज्य, वि. उपयोग करेकुं. पु. था-  
 कर. न. पुंछ, मूल रकम.  
 प्ररह, स्त्री. डणी, शाभा. [ पकडेकुं.  
 प्ररूढ, वि. पेदा ययकुं; वधेकुं, नउ  
 प्ररूढि, स्त्री. वधावो.  
 प्ररोह, पु. अंकर, इलुगो.  
 प्रलप्, ग. १. मोलकुं; शोक करवो.  
 प्रलपन, न. वातचीत; शोक.  
 प्रलपित, वि. कथित, कहेकुं. न.  
 प्रलन्ध, वि. डगेकुं. [ वातचीत.  
 प्रलंघ, पु. ओक दैत्य; डणी, शाभा;  
 स्त्रीस्तन; काकडी; गाथा, कविता; मा-  
 ला. [ हुनिधानो नाश; अं, प्रलुव.  
 प्रलय, पु. क्षय, नाश; मृत्यु; प्रलय,

प्रलव, पु. कटको, रेने.  
 प्रलाप, पु. वातशीत; शोक.  
 प्रलीन, वि. पीभण्डु; नाश पाभेयुं.  
 प्रलेप, पु. भलम.  
 प्रलेय, पु. भसण्डुं ते.  
 प्रलेह, पु. अेक लतनो सेरवो; अ-  
 वलेह, यटणी.  
 प्रलोभ, पु. लोल, लालय.  
 प्रलोमनी, स्त्री. रैती.  
 प्रवग, } पु. वांदेशे.  
 प्रवंग(म), }  
 प्रवंचना, स्त्री. डगाई.  
 प्रवट, पु. धड.  
 प्रवण, वि. सीधुं; वांङ्. आतुर; नभ;  
 -उदार; ताभेदार. न. पेट; उषी  
 उतराणु. [ भरेडुं.  
 प्रवपू, ग. १. नाभडुं, डेडुं; पी-  
 प्रवप, वि. धणुं नडुं.  
 प्रवयण, न. अंकुश, आर, पडराणी.  
 प्रवयस, न. आथुक, [भाणुस.  
 प्रवयस्, वि. लुतुं, पुराणुं. पु. वृद्ध  
 प्रवर, वि. मुण्य; श्रेष्ठ; भोटुं. न. अ-  
 भरतु लाडुं पु. तेडुं, भोलावणुं;  
 वंश; वडवो; ढांकणु; अेकगोन.  
 प्रवरण, न. भोलावणुं, तेडुं.  
 प्रवर्ग, पु. यज्ञनो अग्नि; विष्णु.  
 प्रवर्ग्य, पु. सोभ यज्ञनी क्रिया.  
 प्रवर्त्तक, वि. उत्तेजन आपनार. पु.  
 पय, लवाद.  
 प्रवर्त्तन, न. वर्त्तन, सूचना; प्रारभ.  
 प्रवर्ह, वि. प्रधान, मुण्य  
 प्रवलाकिन, पु. भौर.  
 प्रवस्, ग. १. वसडुं; मुसाइरी करपी.

प्रवह, पु. पवन.  
 प्रवहण, न. डोही, पालणी; वा-  
 डन; वडाणु.  
 प्रवहि, -ही, स्त्री. उभ्याणुं, कोडुं, प्रश.  
 प्रवाक, पु. उंड़ीओ, ढेडेशे रेरवनार.  
 प्रवाणि(णी), स्त्री. वणुकरनो कांठो.  
 प्रवात, न. शुद्धी ताणु डवा; डवा-  
 वाणी नगा.  
 प्रवाद, पु. वातशीत; कदिपत वार्ता.  
 प्रवार, पु. ढांकणु  
 प्रवाल, उ. अकुर, इणुगो; परवाणुं.  
 प्रवास, पु. मुसाइरी.  
 प्रविचय, पु. परीक्षा.  
 प्रविर, पु. पीणु यंदन.  
 प्रविवाद, पु. कथओ, टंठो.  
 प्रविश्लेष, पु. वियोग. [ काडुं.  
 प्रवृत्, ग. १. नडुं; उठडुं; यडुं; रौ-  
 प्रवृत्त, वि. शर करेडुं; गेण; रौ-  
 कायडुं. न. कामडान.  
 प्रवृत्ति, स्त्री. वृत्तांत; उद्योग; शुभुक,  
 शुणुवानी रकभ.  
 प्रवृद्धि, स्त्री. वधारो; यडती.  
 प्रवेक, वि. उत्तम, सरस.  
 प्रवेग, पु. उतावल, वेग.  
 प्रवेट, पु. नव.  
 प्रवेणि(णी), स्त्री. वाणनी लट; वेणी.  
 प्रवेत्, पु. सारथि. [ डुं ते.  
 प्रवेश, पु. द्वार, दरवाने; दाभल थ-  
 प्रवश्चन, पु. लाडुं कापवानी छरी.  
 प्रशंस, ग. १. स्तुति करपी, मान  
 प्रशंसक, पु. स्तुति करनार. [आपडुं.  
 प्रशंसन, न. } वभाणु, तारीड.  
 प्रशंसा, स्त्री. }

प्रशंसिन्, वि. वधाणु करनार.  
 प्रशस्त्वन, पु. समुद्र.  
 प्रशस्त्वरी, स्त्री. नदी.  
 प्रशम्, ग. छ. शांत यत्नं; अटक्युं.  
 प्रशम, पु. शांतता; अंत, छेडो.  
 प्रशमन, न. शांतता; वध, कतल;  
 विरती; निवारण. [ म; लायक.  
 प्रशस्त, वि. स्तुति करवालायक; क्षे-  
 प्रशांत, वि. शांत; पाण्डुं; मुनें.  
 प्रशांति, स्त्री. शांति; विसामो. [ छेडेत्तुं.  
 प्रशाम, पु. शांति; विसामो.  
 प्रशास्, ग. २. शीघ्रवत्तुं; आशा क-  
 र्नी; राज् अलावत्तुं; शिक्षा करवी.  
 प्रशासक, पु. राजकर्ता.  
 प्रशासन, न. सरकार; शासन; हुकम.  
 प्रशास्त्र, पु. राज; सलाहकार.  
 प्रशास्त्र, वि. प्रशंसनीय, वधा-  
 णुवालायक.  
 प्रशिथिल, वि. अतिशय दीपुं.  
 प्रशिष्टि, पु. आशा, हुकम.  
 प्रशिष्य, पु. शैकानो शैको.  
 प्रशुद्धि, स्त्री. स्वच्छता.  
 प्रशोतन, न. छांटतुं ते.  
 प्रस, पु. सवाल.  
 प्रथय, पु. दीवापत्तुं.  
 प्रथयि, स्त्री. लोको, विश्वास.  
 प्रथय, पु. } सख्यता; स्पष्टी;  
 प्रथयण, न. } थार, देत.  
 प्रथित, वि. नम्र, राभ्य.  
 प्रथय, वि. अतिशय दीपुं; अशक्त.  
 प्रथिष्ठ, वि. शुभेत्तुं; करणयुक्त.  
 प्रभ्यास, पु. दीर्घ निश्वास, लामो  
 श्वास. [ भासगीर.  
 प्रष्टि, पु. पाने उभेत्तुं भालुस, त-

प्रष्ट, वि. मुष्प, प्रधान; अश्रमाभी.  
 प्रष्टवाह, पु. शीघ्रवामाटे हुलभां  
 नेडेलो घोडो अथवा जण्ड.  
 प्रष्टौही, स्त्री. पडेली वारना वा-  
 छडा साथेनी जाय.  
 प्रस, ग. छ. लभावत्तुं.  
 प्रसक्त, वि. अतिशय; अतुरक्त; हु-  
 मेशत्तुं; पासेत्तुं; शुद्धुं.  
 प्रसक्ति, स्त्री. नेडालु; अत; शयदो.  
 प्रसंत्या, स्त्री. कुल रकम.  
 प्रसंग, पु. संबंध; उद्देश; नेडालु;  
 श्लेड, थार; प्रसंग, टालु; तक;  
 मैथुन, संग; प्रस्तावना.  
 प्रसंग, पु. मोटो संघ. [ अछता.  
 प्रसक्ति, स्त्री. प्रसन्नता, कृपा; स्व-  
 प्रसत्वन, पु. धर्म; प्रजपति.  
 प्रसत्त्वर, स्त्री. प्रख्याति.  
 प्रसंधान, न. नेडालु, संबंध.  
 प्रसम, पु. नेर-जुलम. अ. अक-  
 समातथी.  
 प्रसर, पु. आगंण वधत्तुं ते; वि-  
 स्तार; समुदाय; तीर, थालु; ल-  
 डार्ड; अति; नाश. [ इलात्तुं ते.  
 प्रसरण, न. नाशी वत्तुं ते; लडार्ड;  
 प्रसरणी, स्त्री. लरकरत्तुं थारे तरक  
 इलात्तुं.  
 प्रसपण, न. गमन; प्रसरण.  
 प्रसय, पु. गर्ल छुटवो, जलुत्तुं ते;  
 थालक; इत; हुड; अरो; भदद.  
 प्रसयन, न. वारवार अन्वां जलु-  
 वानी गजि.  
 प्रसयित्, पु. पिता, बाप.  
 प्रसयित्री, स्त्री. माता, मा.



प्रलव, पु. कटको, रेजे.  
 प्रलाप, पु. वातशीत; शोक.  
 प्रलीन, वि. पीगजेष्ठ; नाश पामेष्टुं.  
 प्रलेप, पु. मलम.  
 प्रलेय, पु. भक्षण्युं ते.  
 प्रलेह, पु. ओक नतनो सेरवो; अ-  
 वलेह, यटणी.  
 प्रलोभ, पु. लोभ, लालच.  
 प्रलोमनी, स्त्री. रेती.  
 प्रवग, } पु. वांदेशे.  
 प्रवंग(म), }  
 प्रवंचना, स्त्री. ङगाई.  
 प्रवट, पु. धई.  
 प्रवण, वि. सीधुं; वांङ्. आतुर; नम;  
 उदार; ताणेदार. न. पेट; उभी  
 उतराणु. [ भरेष्टुं.  
 प्रवप्, ग. १. नाभ्युं, ईक्युं; वी-  
 प्रवप, वि. धलुं न नडुं.  
 प्रवयण, न. अंकुश, आर, पडराणी.  
 प्रवयस, न. आणुक. [ भाणुस.  
 प्रवयस्, वि. लुतुं, पुराणुं. पु. वृद्ध  
 प्रवर, वि. मुष्य; अश; मोडुं. न. अ-  
 गरतुं लाकडुं. पु. तेडुं, भोलावणुं;  
 वंश; वडवो; ढांकणु; ओकगोन.  
 प्रवरण, न. भोलावणुं, तेडुं.  
 प्रवर्ग, पु. यशने अग्नि; विष्णु.  
 प्रवर्ग्य, पु. सोभ यशनी क्रिया.  
 प्रवर्त्तक, वि. उत्तेजन आपनार. पु.  
 पय, लवाद.  
 प्रवर्त्तन, न. वर्त्तन, सूचना; प्रारभ.  
 प्रवर्ह, वि. प्रधान, मुष्य.  
 प्रवलाकिन, पु. मोर.  
 प्रवस्, ग. १. वसडुं; मुसाइरी करपी.

प्रवह, पु. पवन.  
 प्रवहण, न. रोखी, पालणी; वा-  
 डन; वडाणु.  
 प्रवह्नि, -ही, स्त्री. उभ्याणुं, कोडुं, प्रश्न.  
 प्रवाक, पु. अंडीओ, ढंढेरो शेरवनार.  
 प्रवाणि(णी), स्त्री. वलुकरनो कांटलो.  
 प्रवात, न. शुद्धी ताणु डवा; डवा-  
 वाणी नगा.  
 प्रवाद, पु. वातशीत; कल्पित वार्ता.  
 प्रवार, पु. ढांकणु.  
 प्रवाल, उ. अंकुर, इणुगो; परवाणुं.  
 प्रवास, पु. मुसाइरी.  
 प्रविचय, पु. परीक्षा.  
 प्रविर, पु. पीणुं यदन.  
 प्रविवाद, पु. कलओ, टंटी.  
 प्रविश्लेष, पु. वियोग. [ काडुं.  
 प्रवृत्, ग. १. नडुं; उडडुं; यडुं; रे-  
 प्रवृत्त, वि. शर करेणुं; गेण; रे-  
 कायडुं. न. कामकाण.  
 प्रवृत्ति, स्त्री. वृत्तांत; उद्योग; गुलुक,  
 गुणवानी रकम.  
 प्रवृद्धि, स्त्री. वधारो; यढती.  
 प्रवेक, वि. उत्तम, सरस.  
 प्रवेग, पु. उतावल, वेग.  
 प्रवेट, पु. नव.  
 प्रवेणि(णी), स्त्री. वाणनी लट; वेणी.  
 प्रवेत्, पु. सारथि. [ डुं ते.  
 प्रवेश, पु. द्वार, दरवाणे; दाभय थ.  
 प्रव्रश्चन, पु. लाकडुं कापवानी छरी.  
 प्रशंस, ग. १. स्तुति करपी; भात  
 प्रशंसक, पु. स्तुति करनार. [ आपडुं.  
 प्रशंसन, न. } वभाणु, तारीड.  
 प्रशंसा, स्त्री. }

प्रशंसिन्, वि. वधाणु करनार.  
 प्रशस्त्वन्, पु. समुद्र.  
 प्रशस्त्वरी, स्त्री. नदी.  
 प्रशम्, ग. घ. शांत यत्नं; अटक्कुं.  
 प्रशाम, पु. शांतता; अंत, छेरो.  
 प्रशमन, न. शांतता; वध, कतल;  
 विरती; निवारणु. [ म; लायक.  
 प्रशास्त, वि. स्तुति करवालायक; से-  
 प्रशांत, वि. शांत; पाण्डुं; भुवेतुं;  
 प्रशांति, स्त्री. शांति, विभागे. [ छेडेनुं.  
 प्रशाम, पु. शांति; विसामो.  
 प्रशास्, ग. र. शीघ्रवत्; आत्मा क-  
 र्नी; शान् अलावत्; शिक्षा करनी.  
 प्रशासक, पु. शान्कर्ता.  
 प्रशासन, न. सरकार; शासन; हुकम.  
 प्रशास्त्र, पु. शान्; सलाहकार.  
 प्रशास्य, वि. प्रशासनीय, वधा-  
 णुवालायक.  
 प्रशिक्षित, वि. अतिशय दीपुं.  
 प्रशिक्षि, पु. आत्मा, हुकम.  
 प्रशिक्ष्य, पु. शिवानो शिवो.  
 प्रशुद्धि, स्त्री. स्वच्छता.  
 प्रद्योतन, न. छांटकुं ते.  
 प्रद्य, पु. सवाव.  
 प्रध्य, पु. दीनापलुं.  
 प्रध्यव्य, स्त्री. भरेसो, विश्वास.  
 प्रध्य, पु. } सख्याता; स्पर्द्धा;  
 प्रध्यण, न. } थार, हेत.  
 प्रधित, वि. नम, सव्य.  
 प्रकृद्य, वि. अतिशय दीपुं; अगक्र.  
 प्रक्रिष्ट, वि. युपेनुं; काराणुयुक्र.  
 प्रभास, पु. गीर्ष निश्वास, लज्जा  
 थारा. [ भासगीर.  
 प्रष्टि, पु. पामे डनेनुं भाणुरा, त-

प्रष्ट, वि. मुख्य, प्रधान; अत्रगामी.  
 प्रष्टवाह, पु. शीघ्रववाभारे हुलभां  
 नेडेला घोडो अथवा अण्ड.  
 प्रष्टौही, स्त्री. पडेली वारना वा-  
 छडा साधेनी गाय.  
 प्रस्, ग. घ. लभावत्.  
 प्रस्तक्त, वि. अतिशय; अतुरक्र; ह-  
 भेशनुं; पासेनुं; भुद्धुं.  
 प्रस्तक्ति, स्त्री. नेडालु; अत; शयदो.  
 प्रस्तप्या, स्त्री. कुल रकम.  
 प्रसंग, पु. सम्बंध; उद्देश; नेडालु;  
 नेड, थार; प्रसंग, टालु, लक,  
 मैथुन, संग; प्रस्तावना.  
 प्रसंग्य, पु. भेटो सध. [ २७ता.  
 प्रसक्ति, स्त्री. प्रसन्नता, कृपा; स्व-  
 प्रसत्त्वन्, पु. धर्म; प्रणपति.  
 प्रसत्त्वर, स्त्री. प्रख्याति.  
 प्रसंगान, न. नेडालु, संगध.  
 प्रसभ, पु. नेर-लुलम. अ. अक-  
 सभातपी.  
 प्रसर, पु. आगंण वधकुं ते, वि-  
 स्तार; समुदाय. वीर, आणु; ल-  
 डार्ध; गति; नारा. [ इलाकुं ते.  
 प्रसरण, न. नारी लकुं ते; अवाध.  
 प्रसरणी, स्त्री. सरकरतु थारे तरक  
 इलाकुं.  
 प्रसरण, न. गमन, प्रसरणु.  
 प्रसव, पु. गर्भ इष्टयो, लणुकुं ते;  
 आत्रक, इल; इव, असे; मद्द.  
 प्रसयन, न. वारेवार अस्यां लणु-  
 वानी गति.  
 प्रसविह, पु. पिता, आप.  
 प्रसवित्री, स्त्री. माता, मा.

प्रस(श)ल, पु. डेमंत ऋतु.  
 प्रसव्य, वि. प्रतिद्वैत, उलटुं; अ-  
 तुद्वैत. [ हीमत करवी.  
 प्रसह, ग. १. सडन करवुं, अभयुं;  
 प्रस(सा)ह, पु. नेर लुलम; धं.  
 प्रसह, पु. शिकारी पक्षी, अटकाव,  
 रोक. [ लिगन; साळकरणु.  
 प्रसहन, पु. शिकारी पक्षी. न. आ-  
 प्रसाद, पु. अनुभद; प्रसन्नता; त-  
 दुरस्ती.  
 प्रसादन, न. अन्न; सेवक; शत्रुने  
 भारी कडाडुं. पु. राजसी तथु.  
 प्रसादना, स्त्री. सेवा, आकरी.  
 प्रसातिका, स्त्री. अकलतना बाणा.  
 प्रसाधन, न. पोशाक; शयुगार. स्त्रि.  
 इष्टी.  
 प्रसाधिका, स्त्री. शेडाष्टीना कपडां  
 संभाणनार आकरडी, जंगली बाणा.  
 प्रसार, पु. पसरवुं ते; प्रकरण, विस्तार.  
 प्रसारणी, स्त्री. आंदेव नामनी वन-  
 प्रसारिन्, वि. श्लेषनार. [ रूपति.  
 प्रसित, वि. आधेयुं, आशक. न. प३.  
 प्रसिति, स्त्री. लणी, पाश; अं-  
 धन; हुमला; सत्ता; लडको, मार्ग;  
 पोडांय, शक्ति.  
 प्रसिद्धिका, स्त्री. नानी वाडी.  
 प्रसिद्ध, वि. प्रसिद्ध; शयुगारेयुं.  
 प्रसिद्धि, स्त्री. शीर्षि, इतेड; शयुगार.  
 प्रसू, स्त्री. भा. घाडी; कडवी; इलाह  
 प्रसूका, स्त्री. घाडी. [ जनार वेव,  
 प्रसून, न. इव.  
 प्रसूता, स्त्री. मुवावडी श्री.  
 प्रसून, वि. वेदा थयेतु. न. इव.

प्रसूनवाण, पु. कामदेव.  
 प्रसू, ग. १. आगण वधयुं; श्लेषातुं.  
 प्रसूज, ग. ६. तजयुं; धन करवी;  
 वाययुं; दीयुं करतुं.  
 प्रसूत, वि. लांथु, लयाययुं; श्लेष-  
 ययुं. पु. अंजली. न. जे पवतु  
 प्रसूता, स्त्री. लंध; पग. [ वजन.  
 प्रसूति, स्त्री. वधारो.  
 प्रसेक, पु. उलटी करवी; छंटाव.  
 प्रसेदिका, स्त्री. नानो अगीबा.  
 प्रसेदिवस, वि. आनंदी, शुश.  
 प्रसेव, } पु. कोथजो; आमडानी  
 प्रसेवक, } शीशी.  
 प्रस्कंदन, पु. शिव. [ नातअदार.  
 प्रस्कन्न, वि. पडेयुं; डारेयुं. पु. पापी,  
 प्रस्तर, पु. भीछातुं; पांढडा वगेरेयुं  
 भीछातु, पथर; मयि, अवेरात.  
 प्रस्तरण, न. भीछातु; वेकक.  
 प्रस्तर, पु. इल अने पांढडांनु भी-  
 छातुं; मेधान; आडी [ प्रकरण.  
 प्रस्ताव, पु. वणत, तक; प्रसंग,  
 प्रस्तावना, स्त्री. आरल, प्रस्तावना;  
 नाटकनी शरआतमां. सूत्रधार वि-  
 दूयक वगेरेयुं जेलायुं.  
 प्रस्य, वि. दड, श्लेषयुं. उ. पर्यतनुं  
 शिअर; सपाट नमीन.  
 प्रस्य, ग. १. वधयुं; आलतुं. [ कुय.  
 प्रस्यान, न. प्रयाण, गमन; लरकरनी  
 प्रस्थिर, पु. पांढडां इल वगेरेयुं भी-  
 प्रसू, पु. नावातुं वाराणु. [ छातुं.  
 प्रस्निग्ध, वि. धायुं अ श्रीकासदार.  
 प्रस्नुया, स्त्री. पौत्रानी भायडी.  
 प्रस्फुट, ग. १०. शुडयुं; श्रीरातु.

प्रस्फुट, वि. भीलेतु, उधरेतुं; प्र-  
 गट थथतुं, शुधुं.  
 प्रस्फुर, ग. द. ध्रुजतुं, कपतुं.  
 प्रस्फुरित, वि. ध्रुजतुं, कपतुं.  
 प्रस्फोटन, न. सुपतुं; भीलतुं, भा-  
 रतुं; पडावतुं ते.  
 प्रस्मृति, स्त्री. विस्मृति, विसर.  
 प्रसन्न, पु. पेशाण; थानमांथी प-  
 उतुं दूध, पाण्णिनो धोध.  
 प्रसन्नयण, न. पर्वततुं अरण्य; टपकतुं  
 ते; टुवारी. पु. परसेवो, पेशाण;  
 मक्षयपर्वत.  
 प्रस्राव, पु. टपकतुं ते, पेशाण.  
 प्रख(स्त्रा)न, पु. मोटो अवाण.  
 प्रस्वादस्त्र, वि. आनंदी.  
 प्रस्वाप, पु. उंध; स्वप्र.  
 प्रस्वार, पु. उंध, प्रधुव.  
 प्रसिद्ध, वि. परसेवावाणुं.  
 प्रस्वेद, पु. अति परसेवो.  
 प्रहणन, न. वध, कतव.  
 प्रहणे(ने)मि, पु. अंड. [ पायरेतुं.  
 प्रहत, वि. धायव करेतुं; वगारेतुं,  
 प्रहर, पु. पोडोर, दिवसने आठ-  
 मो भाग. [ कतव.  
 प्रहरण, न. युद्ध, लडाई; उधियार;  
 प्रहरिन्, पु. योत्रीधार; पोडोरे पो-  
 डोरे (धडी) वगाडनार.  
 प्रहार, पु. भारतुं ते; इटको; लात.  
 प्रहर्ष, पु. अतिशय आनंद. [धमड.  
 प्रहर्षण, वि. शुशी करनार. पु. शु-  
 प्रहर्षणि, -णी, स्त्री. उणद; अक छद.  
 प्रहर्षुल, पु. शुधमड. [ प्रधान  
 प्रहस्त, पु. उधाडी उवेणी; रावणुनो

प्रहाट्य, पु. कागद. द्विभाव; शिव.  
 प्रहास, पु. प्रभास क्षेत्र; नायनार;  
 प्रहासक, पु. विदूषक, मश्केरो.  
 प्रहि, ग. प. नाभतुं; ईकतुं; मोकलतुं.  
 प्रहि, पु. इवो.  
 प्रहित, वि. भूकेतुं; नाभेतुं; लभा-  
 वेतुं; मोकलेतुं. न. रूप, सार.  
 प्रहृष्टक, पु. कागरो.  
 प्रहेलि, } स्त्री. उभ्याणुं, डोटुं.  
 प्रहेलिका, }  
 प्रहन्न, वि. आनंदी.  
 प्रहन्नि, स्त्री. आनंद, शुशी.  
 प्रहाद्, ग. १. अतिशय आनंद पाभतुं.  
 प्रहाद, पु. अवाण; आनंद; द्विर-  
 पुयकशिपुनो पुत्र, प्रहादलक्ष.  
 प्रह, वि. नम्र.  
 प्रहालिका, स्त्री. उभ्याणुं.  
 प्रहाय, पु. जोलावणुं, तेडु.  
 प्रांशु, वि. उंध; लांशु. पु. उंधो माणुस.  
 प्राक्, अ. पडेनातुं; आगतुं.  
 प्राकट्य, न. प्रसिद्धि.  
 प्राकपिक, पु. गांड, गांडभराड;  
 पारकानी श्रीथी शुनरो करनार  
 पुरप. [ छडीपणुं.  
 प्राकाम्य, न. भरथ, उंधा; स्व-  
 प्राकार, पु. द्विदानी लीत; दिवाध,  
 प्राकाश, पु. अक धरेतुं. [ लीत.  
 प्राकृत, वि. नीव; पाभर; नव;  
 साधारण. पु. उवको माणुस.  
 न. अपभ्रश भाषा.  
 प्राकृतप्रलय, पु. मडाप्रत्य.  
 प्राक्तन, वि. अगाडतुं; शुन.  
 प्राक्तनकर्मन्, न. भाग्य, नशीब.

प्राख्य, न. तीक्ष्णता; अत.  
 प्रागल्भ्य, न. अडादुरी; भगदुरी; अ-  
 प्रागार, न. धर. [तुराध; पुष्पता.  
 प्राप्राट, पु. पातयुं दडी.  
 प्राप्य, वि. भुष्य, श्रेष्ठ.  
 प्राघात, पु. लडाध.  
 प्राघुण (क), } पु. अतिथि, परोक्षो.  
 प्राघुणिक, }  
 प्रांग, न. नातु डोल.  
 प्रांगन, न. वारो.  
 प्राच, प्राच, वि. पूर्वतरङ्गुं.  
 प्राचंड्य, न. लुत्से; अयंकर देभाव.  
 प्राचिका, स्त्री. पाण-सकरानी भाध,  
 आंशु; मच्छर.  
 प्राची, स्त्री. पूर्वदिशा. [उ. लीत.  
 प्राचीन, वि. पूर्वतरङ्गुं; लुतुं, पुराण्य-  
 प्राचीर, न. वाड, लीत.  
 प्राचुर्य, न. वेडड; समुदाय.  
 प्राचेतस, पु. वालिमझीमुनि; भनु;  
 दक्षप्रणपति.  
 प्राजक, पु. सारथि, गाडीवान.  
 प्राजन, उ. बालुक, परोक्षी.  
 प्राजापत्य, पु. आठं प्रकारना वि-  
 वाडभांनो अेक प्रकार.  
 प्राजित्, पु. सारथि. [भापुस.  
 प्राज्ञ, वि. डाधु; पडित. पु. विद्वान  
 प्राज्ञा, स्त्री. लुद्धि, अक्कल.  
 प्राज्ञी, स्त्री. अतुर श्री, मूर्धनी पत्नी.  
 प्राज्य, वि. अतिशय, धलुंन.  
 प्रांजल, वि. प्राभाणिक, सीधुं, सरण  
 प्राण, ग. २. श्वास लेवो; अवतुं.  
 प्राण, पु. श्वास, प्राणु, अवात्मा;  
 वायु, पवन, आत्मा.  
 प्राणत्याग, पु. आपधात.

प्राणथ, वि. भग/भूत. पु. श्वास; प-  
 प्राणदयित, पु. पति, धण्णी. [वन.  
 प्राणन, पु. गणु; पाण्णी. न. श्वास,  
 लुद्धी.  
 प्राणनाथ, पु. पति, प्यारो; यभरान.  
 प्राणन्त, पु. वायु, पवन. [हेडडी.  
 प्राणन्ती, स्त्री. लुष्ण; उयकां भावां ते,  
 प्राणभृत्, वि. चेतन, अवतुं. पु.  
 अवतुं भाणुस.  
 प्राणयाना, स्त्री. उपलविका, गुणरो.  
 प्राणयोनि, पु. परमात्मा; वायु.  
 प्राणरंध्र, न. मुष्ण, मोडु; नसकोर.  
 प्राणघिल्लव, पु. मृत्यु.  
 प्राणसचन्, न. शरीर. [पति, धण्णी.  
 प्राणसम, वि. अवनेतुं वडाधुं. पु.  
 प्राणसमा, स्त्री. पत्नी, स्त्री.  
 प्राणाचार्य, पु. वैद.  
 प्राणान्त, पु. मृत्यु, मोत.  
 प्राणान्तिक, न. इत्या. [गर्ना वैद.  
 प्राणापान, पु. अश्विनीकुमार, स्व-  
 प्राणायाम, पु. योगतु अेक अंग,  
 प्राणुने रोकवानी योगनी क्रिया.  
 (दायना अंगुठाथी नमलु नाक अथ  
 करी डाणा नाकथी श्वास उपर जेयवो,  
 श्वास जेयती वपते गायत्री मत्रनो  
 नप करवो, अेने पूरक कहेछे पछी  
 जेक नसकोरा अथ करी गायत्री मत्रनो  
 नप करवो, अेने कुंभक कहेछे. पछी  
 डाणु नसकोर अथ करी, नमले नस  
 कोरे श्वास छोडवो, अने ते वपते  
 पछु गायत्री मत्रनो नप करवो, अेने  
 श्थक कहेछे )  
 प्राणिन्, वि. अवतुं.  
 प्राणीत्य, न. करण.  
 प्रातार, अ. प्रभातनां, सवारो.

प्रातःकालं, पु. सवारतो पोहोर.  
 प्रातराश, पु. नासतो, सवारतुं लो-  
 णन.  
 प्रातिका, स्त्री. नस्वंदी-ज्वातुं आड.  
 प्रातिपक्ष, न. शत्रुता.  
 प्रातिपदिक, पु. अग्नि.  
 प्रातिभाव्य, न. लमीनगीरी.  
 प्रातिलोम्य, न. शत्रुता; वीपरीतता.  
 प्रातिवेशिक, } पु. परोसी.  
 प्रातिवेशिक, }  
 प्रातिवेशिक, }  
 प्रातिस्विक, वि. असाधारण, आस.  
 प्रातिहार, प्रातिहारिक, पु. भदारी,  
 लहुगर. [ पुत्र.  
 प्रातीप, पु. शंतनु राज, प्रतीपनो  
 प्राथमिक, वि. प्रथमतुं, पहेलुं.  
 प्राथम्य, न. प्रथमता.  
 प्रादुस, अ. नाम, लहेराती.  
 प्रादेश, पु. शुद्धी धयेणी; जगा, स्थान.  
 प्रादेशन, न. दान, अक्षीस. [ पु. गाडी.  
 प्राध्य, वि. लांभेनुं, नभेनुं; आंधेनुं.  
 प्राध्य, अ. अनुकूलताथी. [ अधु.  
 प्रान्त, पु. किनार; सीमा; जूलेा;  
 प्रान्तर, न. अंकांत-उण्ड रस्तो;  
 आडनी अप्पोल; आडपान वग-  
 रनो रस्तो. [ छन करतुं.  
 प्राप्, ग. ५. भेजवतुं; पछोयतु; स-  
 प्रापित, वि. धीधेतु; भेजवेतुं.  
 प्राप्त, वि. भेजवेतु; शोधेतु; गहन  
 करेतु; वाजणी; भूकेतुं; डाजर;  
 सपूतुं.  
 प्राप्ति, स्त्री. वृद्धे; लाभ; नसीब;  
 भाग, दीस्सो; नेडालु, पीछ न-  
 प्रापणिक, पु. वेपारी. [ जाअे नतुं ते.

प्रावह्य, न. शक्ति, थल.  
 प्रावा(वा)लिक, पु. परवाणा वेचनार.  
 प्राभंजन, न. स्वाति नक्षत्र.  
 प्राभंजनि, पु. धनुमान; भीम.  
 प्राभवत्य, न. शक्ति, सत्ता. [ लंभ.  
 प्राभृत(क), न. नजरालुं, केट;  
 प्रामाणिक, वि. शास्त्रसिद्ध; मा-  
 नवायोग्य. [ सत्ता.  
 प्रामाण्य, न. विश्वास; सापेती;  
 प्रामाद्य, न. लुत्त; गांडाई; केड, नीशो.  
 प्रामीत्य, न. करण; मृत्यु.  
 प्रामोद(दि)क, वि. आनंदी.  
 प्राय, पु. भरण; गमन; वधाशे.  
 प्रायण, न. शश्र्वात.  
 प्रायणीय, वि. शश्र्वाततुं. न. प्र-  
 थम. पु. सोमयजनो पहेलो दिवस.  
 प्रायशस्, अ. साधारण रीते; धलुं  
 करीने.  
 प्रायश्चित्त, न. पापनाशनो उपाय.  
 प्रायत्य, न. शुद्धता.  
 प्रायस्, अ. धलुं करीने; कदाय.  
 प्रायिक, वि. साधारण.  
 प्रायुद्धेपिन्, पु. धाडो.  
 प्रायोज्य, वि. मतलभतुं.  
 प्रारम्भ, ग. १. शश्र करतु.  
 प्रारब्ध, वि. शश्र करेतुं काम; नसीब.  
 प्रारंभ, पु. शश्र्वात.  
 प्रारोह, पु. अंकुर, इलुगे.  
 प्रार्ण, न. मुप्य करण.  
 प्रार्थ, ग. १०. पूछतुं, मागतुं; प्रा-  
 र्थना करवी; शोधेतुं; धुमवो क-  
 रवो, अरथ करवी.

प्रार्थन, न. } याचना, भागणी;  
 प्रार्थना, स्त्री. } धर्म्या; अरज,  
 विनति. [क्षीपर युग.  
 प्रार्थनीय, वि. भागवालायक. न.  
 प्रार्थित, वि. याचित, भागेंतुं; ध-  
 र्मिष्ठ.  
 प्रालंब, पु. मोतीनी भावा; श्रीस्तन.  
 न. छातीमुधी आवती गणामां  
 पहेरवानी भावा. [सोनानी भावा.  
 प्रालंबिका, स्त्री. गणामां पहेरवानी  
 प्रालेय, न. छीम, अरक्ष.  
 प्रालेयकर, { पु. अंक्ष; कपूर.  
 प्रालेयांशु, }  
 प्रावट, पु. न्य.  
 प्रावण, न. डोडाणी.  
 प्रावर, पु. वाड, टही; अेक देश.  
 प्रावरण, न. हुपटो.  
 प्रावार, पु. हुपटो; अेक देश.  
 प्रावीण्य, न. अतुराध. [लेवुं.  
 प्रावृ, ग. ५. कपडां पहेरवां, घेरी  
 प्रावृत, वि. ढाकेतुं; घेरेतुं. त्रि. लु-  
 प्रावृति, स्त्री. वाड. [रभो.  
 प्रावृत्तिक, पु. कासक, हूत.  
 प्रावृप्, -पा, स्त्री. } वर्षांशल, शो-  
 प्रावृप, पु. } भासुं.  
 प्रावृषिक, पु. भोर.  
 प्रावृषिज, पु. तोक्षन.  
 प्रावेशन, न. करभातुं, शिल्पशाळा.  
 प्राश, ग. ९. भातुं; लोगवतुं; पीतुं;  
 प्राश, स्त्री. भोराक. [आभतुं.  
 प्राश, पु. भातु ते; भोराक.  
 प्राशक, पु. भानार.  
 प्राशन, न. भातुं ते; भोराक, र्नाद.

प्राशनीय, वि. भावालायक. न.  
 प्राशास्त्र, न. सरकार. [अन, भोराक.  
 प्राशिन, पु. लोका, भानार.  
 प्रादिनक, पु. परीक्षक; लवाद.  
 प्रास, ग. ४. ईकतुं. [करतुं ते.  
 प्रास, पु. ईकतुं ते; भावो; धाभव  
 प्रासक, पु. भावो. [भडेल.  
 प्रासाद, पु. भडेल; महीर; राज-  
 प्रासादिक, वि. भायाणु; मुंहर  
 प्राह, पु. अपोरनी आगणनोवभत.  
 प्राहतेन, वि. पडेला पडोरतुं.  
 प्राहतेरां, } अ. प्रभातमां.  
 प्राहतेमां, }  
 प्रिय, वि. वडातुं, थारं; अरयातु;  
 लक्ष्मीतुं. पु. पति, धणी; अेक  
 अततु डरलु. [पु. अेक अंधव.  
 प्रियंवद, वि. भीकां वाक्यो भावनार.  
 प्रियंगु, पु. अेक लता; राध, पीपर  
 न. केशर.  
 प्रियतम, वि. धलुंज वडातुं.  
 प्रियता, स्त्री. वडाल, थार.  
 प्रियदर्शन, वि. मुंहर, शुभगुरत.  
 पु. पीपर; गधर्वनो राज.  
 प्रियदर्शिन, पु. अशोक राज.  
 प्रियधन्व, पु. शिव.  
 प्रियपात्र, वि. थार.  
 प्रियरण, वि. वीर, योद्धो. [पुन.  
 प्रियव्रत, पु. स्वयभुव भनुनो मोटो  
 प्रियवत्स, पु. श्रीकृष्ण.  
 प्रिया, स्त्री. श्री, भायां, पत्नी.  
 प्रियाल, पु. पीपणतुं जाड; प्रि-  
 प्री, ग. ९. शुशी ततुं. [याव वृक्ष.  
 प्रीण, वि. आनंदी; लुतुं.  
 प्रीणन, न. आनंद-शुभी करतुं ते.

प्राणस, पु. नंदो.  
 प्राणीत, वि. आनंदी.  
 प्रांत, वि. आनंदी; शुभी; अंतोप्री;  
 वदातुं; भाषाशु.  
 प्राति, स्त्री. आनंद; शुभ; अंतोप;  
 प्यार, वदात; कृपा; कामदेवनी स्त्री;  
 सताचीश योजमानो एक योज.  
 प्र, ग. १. वृत्तुं; कृत्तुं. [वचुं, देहत्तुं.  
 प्र, ग. १. आणुं. ग. २. भी-  
 प्रवित, वि. अततुं; भीजेतुं.  
 प्र, वि. आणुं. [ गीतुं.  
 प्रप्य, पु. वर्षाकतु; स्यं; पाणीतुं  
 प्र, ग. २. आरणे वृत्तुं; आपी प-  
 ल्येयतुं; अक्षर वृत्तुं.  
 प्रेक्ष, ग. १. जेतुं.  
 प्रेक्षक, पु. जेतार, अरवोक्तन करनार.  
 प्रेक्षण(क), न. देभाव; जेतुं ते.  
 प्रेम्, ग. १. प्रुवृत्तुं.  
 प्रेम्, उ. जेणो, दीयडो.  
 प्रेम्ण, न. जुडतुं ते, दीयडो.  
 प्रेम्णा, स्त्री. दीयडो; नाथतुं ते; अ-  
 प्रेम्णित, वि. जुडतुं; इंपतुं. [ मत्तुं ते.  
 प्रेत, वि. भुवेतुं. पु. अत्, पिगाथ.  
 प्रेतग्रहं, न. श्मशान.  
 प्रेतनदी, स्त्री. वेतरणी नदी.  
 प्रेतपति, पु. पभराज.  
 प्रेतमाय, पु. अ-शु.  
 प्रेतराज, } पु. पभराज.  
 प्रेताधिप, }  
 प्रेति, स्त्री. अत्; अमन; आराडे.  
 प्रेतिक, पु. अत्.  
 प्रेत्त, अ. परवोक्तभां.  
 प्रेत्तन्, पु. पवन. उट.

प्रेप्ता, स्त्री. अन्धा.  
 प्रेषु, वि. आतुर.  
 प्रेमन्, पु. भस्करी; वाधु, पवन;  
 उट. उ. आनंद; श्मशान; भाषा.  
 प्रेमिन्, वि. वदातुं, प्याडे.  
 प्रेयस्, वि. वधारे वदातुं. पु. पति,  
 यणी; वदातो गिन. उ. शुशामन.  
 प्रेयसी, स्त्री. प्रियतमा, प्यारी.  
 प्रयोपत्य, पु. अगती.  
 प्रेम्ण, न. } भोक्तुं ते; आत्मा,  
 प्रेम्णा, स्त्री. } दुःख; अपमान, उ-  
 श्मशान. [ इडेतुं.  
 प्रेरित, वि. भोक्तुं; आत्मा इडेतुं;  
 प्रेरित, पु. इत्, कामद.  
 प्रेम्पन्, पु. अशुट.  
 प्रेम्परी, स्त्री. नदी.  
 प्रेप्, ग. १. उंक्तुं. ग. १. वृत्तुं.  
 प्रेप, पु. प्रेम्णु; पीडा, दुःख.  
 प्रेपर्णाय, वि. भोक्तुं वा वायड.  
 प्रेपित, वि. भोक्तुं; उडेतुं.  
 प्रेप्य, वि. भोक्तुं.  
 प्रेप्य, पु. आकर, शुभम. न. आकर.  
 प्रेप्या, स्त्री. आकर.  
 प्रेष्ट, वि. गीथी वदातुं.  
 प्रेष्ट, पु. पति, धणी. [ पन.  
 प्रेष्टा, स्त्री. आपडी, पनी; प्यारी;  
 प्रेय, न. देव, भाषा. [ उट, अटन.  
 प्रेय, पु. इवेग; आत्मा, दुःख; नां-  
 प्रेप्य, पु. आकर. न. आकर.  
 प्रेप्या, स्त्री. आकर.  
 प्रोक्त, वि. अगिन, इडेतुं.  
 प्रोक्त, ग. ६. उंक्तुं; भाटी नाथतुं.  
 प्रोक्षण, न. पाणी उंक्तुं ते; पत्रो  
 देव इती वपतेभ्युत्तानो भं.



प्रोचंड, वि. अतिशय लयंकर.  
 प्रोचारित, वि. मोटेथी भूम पाडतुं.  
 प्रोच्छन्न, वि. सुलेखुं.  
 प्रोच्छ्रित, वि. उंचु.  
 प्रोत्साहन, न. वध, भारणु.  
 प्रौञ्ज, न. लेपन; मांजुं ते.  
 प्रोद्दिष्ट, वि. त्यज, तल दीधेयुं.  
 प्रोद्दीन, वि. उडी गययुं.  
 प्रौठ, पु. पीकडानी, युक्तदान.  
 प्रोत, वि. सीवेयुं, भाधेयुं, नोरेयुं.  
 न. वस्त्र, कपडु.  
 प्रोत्कृत, पु. भागीतो याकर.  
 प्रोचुंग, वि. धळुंज उंचु.  
 प्रोत्साह, पु. उत्साह; अंत.  
 प्रोथ, ग. १. सरभा थयुं; शक्ति-  
 मान थयुं; भारी नाभयुं.  
 प्रोथ, वि. प्रभ्यात; स्थापित, मु-  
 करर करेयुं.  
 प्रोथ, उ. घोडानुं नाक. पु. घोतीडं;  
 धारती; कुं, डमरु; तरतनो र-  
 प्रोथिन, पु. घोडो. [ देवो गर्भ.  
 प्रोद्धत, वि. अहार नीकणी आवेयु,  
 प्रोद्दाह, पु. वध. [ उपसेयु.  
 प्रोद्धत, वि. अति उंचु, शक्तिवान.  
 प्रोप, पु. अणतुं.  
 प्रोपित, वि. भीने देश गययु.  
 प्रोपितभर्तृका, स्त्री. परदेश गय-  
 लानी स्त्री. [ नतनी भाछडी.  
 प्रो(प्रौ)ष्ठ, पु. अणक, आनेक; अक-  
 प्रो(प्रौ)ष्ठपद, पु. आदरवो मछिनो.  
 प्रो(प्रौ)ष्ठपदा, स्त्री. आद्रपद नक्षत्र.  
 प्रो(प्रौ)ह, वि. यतुर. पु. तर्क-  
 शास्त्र, साधो.

प्रौ(प्रौ)ह, वि. पुष्प; मोटी उ-  
 भरतुं; गीय; मजभूत; मगडर;  
 परलेयुं; इलाययुं; नभरदस्त.  
 प्रौ(प्रौ)दि, स्त्री. पुष्पता; अडादुरी;  
 प्रौण, वि. यतुर. [ मगडरी; अंत.  
 प्लक्ष, ग. १. आतुं.  
 प्लक्ष, पु. अक द्वीप; प्लक्ष नामतुं  
 आड; आनगी दरवाने.  
 प्लव, वि. उत्तम. पु. तरतुं ते, रेव,  
 कुडको; नानो मछवे; हेडको; वां-  
 दरे; शनु, भेंदो; नीय वधुंनो  
 भाषुस; भाछलां पकडवानी नण.  
 प्लवग, पु. वांदरे; हेडको; नणकु-  
 कडी; सूर्यनो सारयि. [ दरयु.  
 प्लवंग(म), पु. वांदरे; हेडको,  
 प्लयाका, स्त्री. होडी, मछवे.  
 प्लाक्ष, पु. प्लक्ष आडनां दण.  
 प्लावन, न. तोडान.  
 प्लिह, ग. १. ननुं.  
 प्लि(प्ली)हन्, पु. } तल्ली  
 प्लि(प्ली)हा, स्त्री. }  
 प्ली, ग. २. ननुं.  
 प्लु, ग. १. तरतुं; कुडको भारवो.  
 प्लुक्षि, पु. अग्नि; तेल.  
 प्लुत, वि. तरतुं; कुडके. न. कुडको;  
 घोडानी साल.  
 प्लुति, स्त्री. रेल; कुडको.  
 प्लुप, पु. दहन, अणतुं ते.  
 प्लुष्ट, वि. अणतुं.  
 प्लुस, ग. ४. अणतु  
 प्लोत, पु. पाटो, कपडु.  
 प्ला, ग. २. आतुं.  
 प्ला, स्त्री. जोराक, लूण.

प्सात, वि. आधेयुं; लुभ्ये.  
प्सान, न. पोरक, आतु ते  
प्पुर, वि. सुदर.

## फ.

फ, आवीशभो व्यञ्जन.  
फ, वि. रपथ, लडेर. पु. तोशानी  
पवन, निष्कण, इलप्राप्ति.  
फक्, ग. १. धीमेधी गतु.  
फक्क, वि. व्यर्थ, लगतु  
फक्किका, स्त्री. युक्ति, न्यायनीव्याख्या.  
फद, अ. भनभेद, (अस्त्रायफद).  
फद, पु. नागनी इणु, दात, ठगारो.  
फण, ग. १. सरतु, असतु.  
फण, पु.-णा, स्त्री. सापनी इणु.  
फणभृत, } पु. सर्प, सांप.  
फणाधर, }  
फणिन्, पु. सर्प, साप.  
फणिप्रिय, पु. वायु, पवन  
फणीश्वर, पु. अनत; वासुकी, स-  
फड, पु. पेट [पौनो रान्त.  
फत्कारिन्, पु. पक्षी.  
फर, न. ढाल.  
फर्फरीक, पु. उधाडी हथेणी.  
फर्फरीका, स्त्री. नेरो, पादुका.  
फल, न. इव, पाक (अनागतो),  
परिणाम, गदयो, धनाम, नदी,  
लाभ, प्रयोजन, शिक्षा  
फलक, न. ढाल, आणुनी अणु.  
फलवेशर, पु. नारियवतु आड  
फलद, वि. इव आपनार पु. आड,  
फलपादप, पु. इलवाणु आड [पृश.  
फलपुच्छ, पु. अरेडीआतु आड.

फलराजन, पु. तरभूय, अरभूय.  
फलहारी, स्त्री. दुर्गा.  
फल्गु, वि. उपयोगवगरतु स्त्री.  
वसतःकतु; अेक नदी, सुलाव.  
फल्गुन, वि. रातुं, लाव. पु. शगणु  
महिनी, अर्जुन; धंद्र  
फल्गुस्त्व, पु. डोयिका, डोयी  
फल्य, न. कुसुम, इल  
फाटकी, स्त्री. इटकी. [गवेतो लोट.  
फाणि, स्त्री. गोल, काकनी, हर्डी मे-  
फांट, उ. उकाणो  
फांट, न. पेट.  
फाल, उ. हणतो लान, कपाव. पु.  
भलराम; शिव, लीयुतु आड. न.  
सुतराडि कापड, जेडेलु जेतार.  
फाल्गुन, पु. शगणु महिनी, अर्जुन.  
फाल्गुनानुज, पु. वसतःकतु; येन  
महिनी, अल्लेननी नानो लाई,  
नकुल अथवा सहदेव.  
फाल्गुनी, स्त्री. शकगुनी नक्षत्र.  
फि, पु. पापी भायुस, कोध, नकाभी  
फिरग, पु. फ्रांस देश. [चातथीत.  
फु, पु. ४, भननो कुत्कार, तुच्छवाक्य.  
फुक, पु. पक्षी.  
फुट, पु. सापनी लाणी करेवी इणु.  
फुत्कर, पु. अग्नि. [अवाज, कुं.  
फुत्कार, पु. भीवेतु इव, सर्पनी  
फुह, ग. १. इवतु, भीनतुं  
फुह, न. भीवेतु इव. वि. लया-  
अेतु, भीवेतु  
फेडकार, पु. यीश, लुभ  
फेण (न), पु. शीषु, सदेद समुद्रशीषु.

फेणप, पु. पडेलीं इल पाठ शुभरो  
 फेणाशनि, पु. धंर. [करनार तपस्वी.  
 फेणिका, स्त्री. शीथु; परपोटा.  
 फेण(नि)ल, वि. शीथुवाणुं  
 फेर, फेरंड, पु. शियाल.  
 फेरव, पु. शियाण; राक्षस; ठग.  
 फेरु, पु. शियाण.  
 फेल, ग. १. ननुं.  
 फेल, न. } अठवाड, लुठणु.  
 फेलिका, स्त्री. }

व.

व, त्रेवीशमे व्यञ्जन.  
 व, पु. वशु; पाण्णी; कुन्ने, धडो.  
 वंहु, ग. १. वधुं.  
 वंहिमन्, पु. भीड.  
 वंहियस्, वि. अतिशय, धलुण.  
 वंहिष्ठ, वि. धलुण.  
 वक, पु. सारस, अगलो; लुम्बो,  
 अक राक्षस, कुणेर.  
 वकी, स्त्री. पुतना राक्षसी.  
 वकुर, वि. अयकर. पु. विजणी.  
 वकुल, पु. अकुल-भारश्रीना इलनु  
 अड. [उनी डाभणी.  
 वकेरुका, स्त्री. पवनथी वजेडी अ-  
 वकोट, पु. सारस, अगयो.  
 वट्ट, पु. छाकरे; नानो अढाथारी.  
 वडिश, न. भाछथीनी गण.  
 वत, अ. दलगीरी; दया; तेडुं; स-  
 तोप, आश्वर्य, निंदा दर्शक.  
 वद, ग. १. दढ डोणुं.  
 वदर, पु. भारडी. न. भार.  
 वदरि, स्त्री. भारडी.  
 वदरिकाधम, पु. अक तीर्थ.

वदरी, स्त्री. भारडी.  
 वदरीवन, न. भारडीतुं वन.  
 वदरीवासा, स्त्री. दुर्गा.  
 वव, ग. १. तिररकार करवो.  
 वधिर, वि. वेडेइ.  
 वधिरिमन्, पु. वेडेरापणुं.  
 वंदिन्, पु. भाट, भुशाभत करनार.  
 वंदि, पु. } पाटो; डेही.  
 वंदी, स्त्री. }  
 वंघ, ग ९. आंधणुं; पकडु; अट-  
 कावणुं; पडेरणुं. [नलर; पकडणुं ते.  
 वंघ, पु. अध, पाटो; सांकेण, जेडी,  
 वंघेक, पु. आंधनार, पकडनार, दो-  
 रडुं, इंसो; अदलो अदलो. व-  
 यन, शेडेर. [छाथणी.  
 वंघकी, स्त्री. वेश्या; छिनाव स्त्री.  
 वंघन, न. आधणुं ते; अटकाव. न.  
 पाटो, जेडी, नलर, डेह करणुं ते,  
 शरीरना अवयव; पाण, सेतु,  
 पूल; संबंध, नेडाणु.  
 वंधित, वि. आंधेणु, डेही.  
 वंधित्र, पु. अभडेव; आभडानो  
 पणो, लाणो, भसो, तल.  
 वंधु, पु. सगो; सगोभाई; भित्र,  
 पति, आप; भा; संबंध.  
 वधुक, पु. छिनाणनो पुत्र. [स्त्री.  
 वंधुका, -की, स्त्री. छिनाण, वेश्या  
 वंधुता, स्त्री. } सगो, सबंध.  
 वधुत्व, न. }  
 वंधुका, स्त्री. छिनाण-वेश्या स्त्री.  
 वंधुर, वि. नभेणुं; वाकु, मुंहर, वे-  
 डेइ; तुकशानकारक. पु. डस;  
 सारस; वसणुं, योनि. न. ताण,  
 वंधुरा, स्त्री. छिनाण अ. [भुगट.

बंधुल, वि. मुंढर; वण्डुं.  
 बंध्या, स्त्री. बांजुषी स्त्री; बांजुषी.  
 बन्धुवी, स्त्री. दुर्गा. [गाय; वन० बाणो.  
 बन्धु, वि. कपिपुं. पु. अग्नि; नो-  
 जीयो; अेक पादव; शिव; विष्णु;  
 आतकपक्षी; आकु कान्तर; अेक  
 देश. न. कपिलो रंग.  
 बन्धुधातु, पु. सौतुं; गे.र.  
 बन्धुवाहन, पु. अर्जुननो त्रिशांग-  
 दाथी उत्पन्न गयलो पुत्र.  
 बंधू, ग. १. ७८.  
 बंधर, पु. भभरो.  
 बंधराली, स्त्री. भाभी.  
 बंधू, ग. १. ७८.  
 बंधुटी, स्त्री. अेक जततुं अनाज; वेरया.  
 बंधर, पु. भूर्ध; नंगली.  
 बंधुर, पु. आवणतुं आड.  
 बंध, पु. गांठ. [ धन करवी.  
 बंध, ग. १. भोलपु; ठांकुं; आपतुं;  
 बंध, उ. भोरनी पूछी.  
 बंधण, वि. भणभूत. न. पांढुं.  
 बंधि, पु. अग्नि. न. कुश, धर्.  
 बंधिण, पु. भोर.  
 बंधिस, उ. कुश, धर्; अलिदान. पु.  
 अग्नि, प्रकाश [ नेपु.  
 बंध, ग. आपतुं; धन करवी, भोपतुं;  
 बंध, न. नेर, शक्ति; अवात्तर;  
 सैन्य; शरीर; लोडी. पु. कागडो;  
 अलराम, श्रीकृष्णुनो भोटो भाध.  
 बंधज, न. दरवाजे; अेतर, अनाज;  
 बंधजा, स्त्री. पृथ्वी, मुंढर स्त्री. [ लडाध  
 बंधद, पु. अणद. [ अलराम, पवन.  
 बंधदेघ, पु. श्रीकृष्णो भोटो भाध,

बलनिपूदन, पु. धं.  
 बलपति, पु. सरदार; धं. [ भा.  
 बलप्रसू, स्त्री. रेडिष्णी, अलरामनी  
 बलमद्र, वि. नेरावर. पु. नेरावर  
 भापुस; अलराम.  
 बलमद्रा, स्त्री. कुमारीका.  
 बलभृत्, वि. नेरावर. [ भोटो भाध.  
 बलराम, पु. अलराम, श्रीकृष्णुनो  
 बलस्थ, वि. नेरावर. पु. लउवेयो.  
 बलाक, पु. सारस पक्षी, अगलो.  
 बलाका, स्त्री. वडाडी, ध्यारी.  
 बलाट, पु. भग, अेक कडोण.  
 बलात्कार, पु. नेरलुवम, गेरधनसाक.  
 बलाराति, पु. धं.  
 बलास, पु. क्षयरोग; कं.  
 बलासिन्, वि. क्षयरोगी.  
 बलाह, न. पाणी. [ विष्णुनो घोटो;  
 बलाहक, पु. पादण; पर्यत; अगलो.  
 बलि, पु. अलिदान; अेठ; अग्नि; कर;  
 अमरीनो दाधो; अलिराम, वि-  
 रेयननो पुत्र, प्रह्लादनो पौत्र.  
 बलिदान, पु. पशुमां देवने अलिदान  
 बलिध्वंसिन्, पु. विष्णु. [ आपतुं ते.  
 बलिन्, वि. नेरावर, भणभूत.  
 बलिन्, पु. पाठो; धं; कुंकर; अणद,  
 सांठ; अलराम; लश्करी रीपाध.  
 बलिनंदन, } पु. आणुपुर, अनिरु-  
 बलिपुत्र, } ङ्गनो सरारो.  
 बलिभोजन, पु. कागडो.  
 बलिवंधन, पु. विष्णु.  
 बलिमुज, पु. कागडो, बडो.  
 बलिमुख, पु. वांढर.  
 बलिष्ठ, वि. अतिशय नेरावर. पु. धं.  
 बलिष्णु, वि. अपमानित.

बलीक, पु. छान्नी डेर.  
 बलीन, पु. वीथी.  
 बलीयस्, वि. नेरावर.  
 बली(री)वर्द, पु. सांढ, अण्ड.  
 बल्य, वि. नेरावर पु. अण्डधर्मो साधु.  
 बहुब, पु. गवणी, गोवाण; रसोयो;  
 विराट राजनी दरआरमां भीम-  
 पांडवे धारणु करेकुं नाम.  
 बहुवी, स्त्री. गोवाणणी.  
 बच, पु. पदेकुं डरणु. (नेतिपमां)  
 बस्त, पु. अकरे.  
 बहल, वि. धलुंज, वधारे; गीय;  
 आलवाणुं; सभत; कठोर.  
 बहला, स्त्री. मोटी जेलनी.  
 बहिस्, अ. अहार; भीष्म आणुमे;  
 अेक आणुमे; गिवाय  
 बहिष्क, वि. अहारुं.  
 बहु, वि. अणु, वधारे, धलुं; मोटुं.  
 बहुक, पु. संध.  
 बहुकर, पु. अणु कानार.  
 बहुकरी, स्त्री. अणु, आवरणुणी.  
 बहुगंध, पु. तण.  
 बहुगंधदा, स्त्री. करतूरी.  
 बहुज, वि. धलुं नानुनार.  
 बहुतर, वि. धलुंज वधारे  
 बहुता, स्त्री. } वधारे, जेडड.  
 बहुत्व, न. }  
 बहुद, वि. उहार.  
 बहुदुग्ध, पु. धड.  
 बहुधन, वि. पैगाहार.  
 बहुधार, न. अणु वण.  
 बहुनाद, पु. संभ.  
 बहुपत्र, पु. कति. न. अणुअ.  
 बहुपत्री, स्त्री. तुवरी.

बहुपुष्प, पु. लीमडानुं अड; पर-  
 बहुबल, पु. निड. [वाणानुं अड.  
 बहुरूप, पु. डेडगरेणी; वाण; सूर्य;  
 शिव; विष्णु; ब्रह्मा; कामदेव -  
 बहुल, वि. गीय; वधारे; अंधारे;  
 पु. अणुपक्ष; अग्नि. न. आकारा.  
 बहुला, स्त्री. गाय; जेलनी; गणीने  
 बहुविक्रम, वि. वीर, लडवेयो. [रेणो.  
 बहुमीहि, पु. अेक सभास.  
 बहुशत्रु, पु. अकधी.  
 बहुशस्, अ. धलुंज; साधारणु रीते.  
 बाकुल, न. अकुल-बेअरसलीनुं इण.  
 बाह, ग. १. नडावुं.  
 बाडव, पु. समुद्रने अग्नि; आरुणु.  
 बाडवेय, पु. अणुन. [न. घोडीआनुं रोणु.  
 बाडव्य, न. आरुणोने समुदाय.  
 बाडीर, पु. आकर.  
 बाढ, वि. डड, मणुन; धलुं; मो-  
 रेथी. अ. भात्रीथी.  
 बाण, पु. तीर, आणु; गायना आंगण;  
 आणुगुर, अलिराजने पुत्र, अे-  
 भाणे आणु; आणुकनि; अग्नि;  
 अवाण; विणणी.  
 बाणधि, पु. तीरने आणु.  
 बावर, वि. बेअरीनुं. पु. कपासनुं  
 अड. न. बेअर; भाणी; रेशम;  
 नतराड कपड.  
 बादरायण, पु. अेक मुनि; वेदगाण;  
 बादरायणि, पु. मुकेश, आणुपुत्र.  
 बाध, ग. १. दुःख रेणुं; अटकावणुं;  
 दुःख धनुं.  
 बाध, पु. } पीडा; अणु, अणु; अटका-  
 बाधा, स्त्री. } न; वाने; अवाकार.

वाघक, पु श्रीजिनो अक रोग  
 वाघना, स्त्री पीडा, हु अ  
 वाघित, वि अटकावेनु, हु भी  
 वाघिर्य, न भेदरात्रु  
 वाघकिनेय, पु वेश्यापुत्र  
 वाघव, पु भगो भाई भिन  
 वाघव्य, न सगार्ध  
 वाघ्रवी, स्त्री दुर्गा  
 वाघ्रक, वि लुत्र  
 वाघ्रदीर, पु आभानो गर्भ क  
 लर्ध, इपुगो, वेश्यापुत्र  
 वाल, वि लुपान, नातु ननु थयनु  
 ननु अज्ञान रम्य पु आनक  
 छोकरो, वाधरगे भूर्ध पूछुं,  
 नारियन, पात्र वरसनो छाथी  
 वालक, वि नातु छोकरवाढ अज्ञान  
 पु छोकरो आगणीनी वीटी  
 भूर्ध पोहोथी वाण छाथी-घो  
 वालकृमि, पु लु [डानी पूछी  
 वालकीडनक, न आलकनु रमकडु  
 घालतन, न सोयाएणीनु काम  
 वालच, पु भीलु करणु  
 वाला, स्त्री छोकरो आलकी सोण  
 वरसनी अदरनी स्त्री लुपान स्त्री,  
 नारियन, नानी जेनथी लणद  
 वालिका, स्त्री छोकरो, रेती अलथी  
 वालिनी स्त्री अश्विनी नक्षन  
 वालियन्, पु अथपपु  
 वालीश, वि भेदरकार छोकरवाढ,  
 भूर्ध नातु पु भूर्ध, छोकरो न  
 तकीओ  
 वाली, स्त्री जाननी वाणी [(रोमथी)  
 वालीश, पु वेश्याभनो अटकाव

वालु, पु } अक नतनी सुगंधी  
 वालुक, न }  
 वालुका, स्त्री रेती भूको कपूर  
 वालु(लु)की, स्त्री अक नतनी कः  
 वालुक, पु अक नतनु अर [डी  
 वालेय, वि नातुक पु गर्धो  
 वाल्य, न आस्थावस्था, अथपपु  
 भूर्धार्ध  
 वाटहका, } पु व आलक रोग  
 वाटिहका, } नालोमे पु मा छकदेश  
 वाटहीका, } नोराज न देशर हिंग  
 वाप्प, उ आसु वराण लोडु  
 वाह, पु छाथ घोडो  
 वाहा, स्त्री छाथ  
 वाहावाहवि, अ छाथोछाथ  
 वाहिक, वि अहारतु पु पन्थ  
 देशनो रडेवाशी अण [पग  
 वाहु, पु छाथ, वनावरना आगना  
 वाहुक, वि परतन वेडंतिपु पु  
 वाहर नगराज  
 वाहुकथ, पु .पक्षीनी पाभ  
 वाहुज, पु क्षत्रिय पोपट  
 वाहुदजिन, पु धं  
 वाहुदा, स्त्री अक नदी  
 वाहुल, वि धणु नतनु पु अग्नि,  
 कार्तिकभार  
 वाहुलग्रीव पु भो [रेशी  
 वाह्य, वि अहारतु, पारक पु प  
 विद्र, ग १ सोजन भावा भूम  
 विन्क, उ शुभडु शैलो [पाडवी  
 विठ, न आकाश  
 विड, न अक नतनु मोहुं-वृण  
 विडाल, पु भिलाओ आपनो जेजो  
 विडालक, पु भिलाओ, हरनाण

विडाली, स्त्री. भिलाडी.

विडोजस, पु. धं०.

विद्, विद्, ग. १. शठपुं, स्त्रीरप-  
उथी; भाग करवा.

विदल, न. श्रीरेखा वांसनी टोपली.

विदधि, पु. भिद्, दीपु. [ स्वार (-).

विद्दु, पु. भिद्, दीपुं; भीडुं; अतु-

विदुत्तत्र, पु. पासा; शेतर्जनं पाटियु.

विदुदेव, पु. शिव.

विभीषक, वि. भीक्षु. [ भाई.

विभीषण, वि. भयंकर. पु. रावणुनो

विभीषिका, स्त्री. लय, धारती.

विभ्रष्ट, } पु. अग्नि.

विभ्रजिपु, }

विंघ, उ. सूर्ये अथवा चंद्रं तुं विंघ;  
गोण कुंडाणुं; पडछाये; आरसी;

अरणी, कोठी. पु. गरोणी.

विंघट, पु. राधेनो रोपो.

विल, ग. ६, १०. स्त्रीरुं, भांगुं.

विल, न. ६२. आर्कु, युक्ष. पु. धं-

विलकारिन्, पु. उँदरं. [ द्रनो घोडो.

विलंगम, पु. सर्प, साप.

विलेशय, पु. सर्प; उँदर; ससलो;

६२भा रडेनार ननावर.

विलम, न. लडाईनी टोपी.

विल्ल, न. भाई, छिग.

विल्लस, स्त्री. ६२ छोकरीनी माता.

वित्त, पु. भिलाडीतुं आड. न. भिलाडीण.

वित्त्यदंड, पु. शिव.

वित्त, ग. ४. नुं; उगुं; इकुं.

वित्त, न. कमलना ततुओ.

वित्तकुमुम, न. कमलकुल.

वित्तल, न. ५५गो, अंकुर, कणी.

विस्त, पु. सोनानुं वजन (८० गुंजभाऱ)  
वीज, न. दाया, षी; तत्व; भूण;  
शरीरनी धातु; षीजगणित; डा-  
उकानो भावो, भवन्त; अन्वार्ध.

पु. लींयुतुं आड. [ षीज.

वीजक, पु. लींयुतुं आड; लींयु. न.

वीजकर्त, पु. शिव.

वीजगणित, न. अक्षरगणित.

वीजगुप्ति, स्त्री. शींग.

वीजल, वि. षीजवायु.

वीजस, पु. पृथ्वी.

वीजाध्यक्ष, पु. शिव.

वीजिन्, पु. आप; सूर्य.

वीभत्स, वि. कंटाणा लरेतुं; अ-

देषुं; कूर, धातकी; पापी. पु.

सुग; तिरस्कार; अर्जुन. [ लुंन.

वीभत्सु, वि. कंटाणा लरेतुं. पु. अ-

वीरिट, पु. वायु, डवा; लीड.

बुक्क, ग. १, १०. भासतुं; लसतुं;

अवाज करवो.

बुक्क, उ. अंत'करणु, हील; छाती;

लोडी. पु. लकरे; समय.

बुक्कन्, पु. अंत'करणु. [ अवाज.

बुक्कन, न. लसतुं ते; ननावरनो

बुक्कस, पु. चंडाण.

बुक्का, -की, स्त्री. अंत'करणु, हील.

बुद्द, ग. १, १०. धंज. करपी. [ द्विं.

बुद्द, ग. ६. डांकुं, संताडतुं; छोडी

बुद्द, ग. १. लेतुं; समजतुं.

बुद्दद, पु. परपोटा.

बुध, ग. १, ४. नलणुं, लेतुं; वि-

आरतुं; ध्यान आपतुं; सजाय

आपनी.

बुध, वि. उाधुं; अतुर. पु. विद्वान्मा-  
 युधतात, पु. अद्र. [भुस, देव, बुधभ्रद.  
 बुधवासर, पु. बुधवार.  
 बुधित, वि. लगेधुं.  
 बुधिल, वि. विद्वान्.  
 बुद्ध, वि. लगेधुं; नेपधुं; लगेधुं;  
 उाधुं. पु. विद्वान् भागुस; सात्थ-  
 रिड, भीद्ध धर्म स्थापना. न.  
 ज्ञान. [समथसूयकता; धरादो.  
 बुद्धि, स्त्री. बुद्धि, अकृत्, समग्रापु;  
 बुद्धिमत्, वि. विद्वान्, पंडित, अ-  
 तुर, नभ्र.  
 बुद्धिमता, स्त्री. उडापणु, अतुरार्थ.  
 बुध्न, पु. वासणुतुं तणीडं; शिव;  
 शरीर; आकाश.  
 बुध्य, वि. नेवावायक. [सांभगधुं.  
 बुंद्, बुंध, न. १. नेधुं; समग्राधुं;  
 बुधुर, न. पाणी.  
 बुभुक्षा, स्त्री. भूष्, भावानी धन्धा.  
 बुभुक्षित, वि. भूष्यो. [धन्धा.  
 बुभुत्सा, स्त्री. उत्कंडा, लणुवाणी  
 बुभुत्सु, वि. नवार्य नेधुं.  
 बुल्, ग. १०. दुधधुं.  
 बुलि, स्त्री. भय.  
 बुल्व, वि. तीरकस, वाकुं. [करवा.  
 बुस, ग. ४. आधी करधुं; भाग  
 बुस(प), न. लुसुं, धुधु; क्यरो,  
 पुंले; मुकु छाणु; दोलत.  
 बुस्त, ग. १०. मान् आपधुं.  
 बुस्त, न. इणुं डोटपु, सेकेलु भांस.  
 बूक, 'भुङ्' शब्द लुञ्जो.  
 बूंशी, स्त्री. योगीनी भेकक.  
 बूंद्, ग. ६. वधधु, गरगधु.

बूंहण, वि. गोपित. न. गोपणु; ग-  
 रगनानो अवाग. [थीनी भूम.  
 बूंहित, वि. वधधुं; गोपित. न. डा-  
 पृद्, ग. ६. वधधु; गरगधुं.  
 बृदतकेतु, पु. अभि.  
 बृहती, स्त्री. वीणु, सारगी; ऐक छंद.  
 बृहत्, वि. भेधुं; पडोणु, पुष्कण;  
 नेरावर; लाधुं; यणकतुं; स्पष्ट.  
 बृहत्, पु. निष्णु, वाणी. न. वेद.  
 बृहत्कथा, स्त्री. गुणाद्वयतुं करेधुं अ-  
 नामतुं वार्तानुं पुस्तक.  
 बृहस्पति, पु. देवताओनो अर; शृ-  
 हस्पतिभ्रद.  
 बृहस्पतिवासर, पु. अरवार.  
 वेकनाट, पु. आगभोर.  
 वेडा, स्त्री. मधयो.  
 वेह, ग. १. कोशेश-तन्वीण करवी.  
 वैजिक, वि. असवी, भूणनुं, पीण-  
 संभंधी. पु. इणुगो, अकुर.  
 वैल्व, न. विधीतु इण.  
 वोघ, वि. लणुधुं. पु. बोध, ज्ञान,  
 विचार; समग्राणु, शीभाभणु.  
 वोघक, पु. लसूस, अर, शीभवनार.  
 वोघन, पु. बुधभ्रद. न. शीभवधुं;  
 ज्ञान आपधुं ते.  
 वोघयित्, पु. शीभवनार, अर.  
 वोधान, वि. उाधुं पु. जयो भा-  
 लुस, बृहस्पति.  
 वोधि, पु. उडापणु, लुद्ध; कुकरो.  
 वोधित, वि. लगेधुं, याद करेधुं.  
 वोधितरु, पु. पीपणानु अड.  
 बोद्धव्य, वि. लणुवावायक; बोध  
 नेवावायक.



बोध, पु बुधने पुत्र, पुरुरवा राज  
 बाधायन, पु अेक प्राचीन अथ कर्ता  
 बोद्ध, पु बुद्धना मतप्रभाे या  
 ब्रत(ति)ती, स्त्री लता, वेव [लनार  
 ब्रह्म, पु सूर्य, दिवस, आडतु मून,  
 शिव, ब्रह्मा, आडडातु आड,  
 घोडे, पुन, शरीर [ कर्भो  
 ब्रह्मकर्मन्, पु ब्राह्मपु धर्मसभधी  
 ब्रह्मकूर्च, न अे नत, अेनी अदर  
 पूनेमने दिने उपवास करी भीजे  
 दिवसे पयमय पीवाय छे  
 ब्रह्मगोल, पु नगत  
 ब्रह्मचर्य, न शीभनाभाटे गृहस्था  
 श्रमनी पडेलांनी स्थिति  
 ब्रह्मचारिन्, पु ब्रह्मचर्य पाणनार  
 ब्रह्मजार, पु ब्राह्मपुनी अाने नर  
 ब्रह्मज्ञ, वि ब्रह्मने नपुनार  
 ब्रह्मज्ञान, न ब्रह्मने नपुनार सान्  
 ब्रह्मण्य, वि वेद नपुनार पु वेद  
 नपुनार मापुस, सेहेतुरतु आड,  
 ताडतु आड, शनिग्रह, विष्णु  
 ब्रह्मण्या, स्त्री दुर्गा  
 ब्रह्मण्यत्, पु अग्नि  
 ब्रह्मतिर्थ, न पुंकरतिर्थ  
 ब्रह्मत्य, न ब्रह्मधर्म, ब्राह्मपुपणु  
 ब्रह्मदड, पु ब्राह्मणुने शाप  
 ब्रह्मदार, पु सेहेतुरेतु आड  
 ब्रह्मन्, न ब्रह्म वेद, ब्राह्मणुवर्ग,  
 धर्मज्ञान, सत्य, अत्र होनत,  
 ब्राह्मण पु परमात्मा, सृष्टिकर्ता  
 ब्रह्मनाम, पु विष्णु  
 ब्रह्मनाट, पु काशीभा अेक तिर्थ

ब्रह्मनिष्ठ, वि ब्रह्मभा अेकनिष्ठा रा  
 ब्रह्मपादप, पु पनासतु आड. [भनार  
 ब्रह्मपुत्र, पु ब्रह्माने पुत्र, ब्रह्मपुत्र  
 ब्रह्मपुत्री, स्त्री सरस्वती नदी [नदी  
 ब्रह्मपुर, न अत करणु  
 ब्रह्मपुर, न } ब्रह्मानु शेडेर, क  
 ब्रह्मपुरी, स्त्री } शीपुरी  
 ब्रह्मपुराण, न अठार पुराणुमातु अेक  
 ब्रह्मवधु, पु नावायक ब्राह्मण  
 ब्रह्मयज्ञ, पु वेदना अंध्यपनइपी  
 ब्राह्मणना पाय यज्ञे  
 ब्रह्मराक्षस, पु अत यथेले ब्राह्मणु  
 ब्रह्मरात, पु शुक्टेन, व्यासपुत्र  
 ब्रह्मवादिन्, पु वेद शीभवनार,  
 वेदातमत प्रभाणे बालनार  
 ब्रह्मवादिनी, स्त्री गायत्री  
 ब्रह्मविवर्धन, पु भद्र  
 ब्रह्मसती, स्त्री सरस्वती नदी  
 ब्रह्मसृज, पु शिव, महादेव  
 ब्रह्मस्तव, पु नगत  
 ब्रह्मस्थान, पु सेहेतुरेतु आड  
 ब्रह्माक्षर, न अं, ओम, प्रणव  
 ब्रह्मागभू, पु घोडे  
 ब्रह्माड, न नगत, दुनिया  
 ब्रह्माडपुराण, न अेक पुराणु  
 ब्रह्माणी, स्त्री ब्रह्मानी पत्नी, दुर्गा.  
 ब्रह्मात्मभू, पु घोडे  
 ब्रह्माद्रिजाता, स्त्री. गोदावरी नदी  
 ब्रह्मायण, -न, पु नाराणु  
 ब्रह्मारण्य, न अेक वन  
 ब्रह्मावर्त्त, पु सरस्वती अने द  
 द्वती नदी वन्धेने प्रदेग  
 ब्रह्मिन्, वि ब्रह्मातु पु विष्णु

ब्रह्मिष्ठ, वि. वेद लक्षणेनो.  
 ब्रह्मिष्ठा, स्त्री. दुर्गा.  
 ब्रह्मि, स्त्री. ऐक वनस्पति.  
 ब्राह्म, वि. ब्राह्मणी, वेदिक; पवित्र.  
 पु. विवादविधि. वि. नारद; पारो.  
 न. ऐक पुराण; रोहिणी नक्षत्र.  
 ब्राह्मण, पु. ब्राह्मण; कथयुर; अशि.  
 न. वेदना ऐक भाग.  
 ब्राह्मणक, पु. नावायक ब्राह्मण.  
 ब्राह्मणता, स्त्री. श्रद्धापण.  
 ब्राह्मणी, स्त्री. श्रद्धावती स्त्री; श्रद्धि;  
 ऐक ज्ञानो भवति.  
 ब्राह्मणीगामिन्, पु. ब्राह्मणीना ज्ञान.  
 ब्राह्मण्य, पु. शनिभद्र.  
 ब्राह्मि, स्त्री. सस्वती; वाणी; वार्ता,  
 रोहिणी नक्षत्र; दुर्गा; ब्राह्मणी  
 स्त्री; ऐक वनस्पति; ऐक नदी.  
 ए, ग. २. कदेतुं; जदेर करतुं; नाम  
 एध बोवायतु; उत्तर आपवो.  
 ब्रह्मण, न. ज्ञान, श्रद्धा.

भ.

भ, श्रीशिवो व्यञ्जन.  
 भ, पु. शुक्रभद्र; भूष; शुक्रार्थ;  
 'भगवत्' (कविताभां). न. तारो;  
 नक्षत्र; भद्र; भेदादि शशि, भ-  
 भर; गतावीरानी संख्या.  
 भद्रिका, स्त्री. श्रीगुर, करारी.  
 भक्त, वि. भक्तिपुत्र; शोधितुं; आ-  
 देतुं. पु. भद्र, पूजक. न. सं-  
 धिवा भाभा; अत; भाग; भक्ति,  
 भक्तार, पु. श्रेयो. [ पूज.  
 भक्तमंड, न. धुधा, भूष.

भक्तजा, स्त्री. अशुत.  
 भक्तमंड, पु. शोधिता भातना भेद.  
 भक्तचि, स्त्री. धुधा, भूष.  
 भक्तवत्सल, वि. भक्तानी उपर कृ-  
 पाणु. पु. विष्णु.  
 भक्ति, स्त्री. पूज, सेवा; विश्वास;  
 भाग, द्विस्त्रो; शणुगार.  
 भक्तिमत, वि. वक्षदर; धर्मिष्ठ.  
 भक्तिल, वि. विश्वासु.  
 भक्तृ, वि. पूजक, भद्र.  
 भद्र, ग. १०. भातुं; उपयोग क-  
 र्त्तव्ये; नारा करवो.  
 भद्र, पु. भातुं ते; अत. [ अनाज.  
 भद्रक, वि. भाधरो, ऐदी. पु.  
 भद्रकार, पु. श्रेयो.  
 भद्रण, न. भातुं ते.  
 भद्रणीय, वि. भावावायक.  
 भद्रिका, स्त्री. भातुं ते; भेराक.  
 भद्रित, वि. भाधितु. न. भेराक.  
 भद्रय, वि. भावावायक. न. भावा-  
 वायक स्त्री.  
 भग, पु. श्रद्ध; चंद्र; शिव; शुभाय;  
 अर्थ, यदनी; श्रद्धि; मुद्रता;  
 उत्तमता; पार; विषय; धर्म; धन;  
 भव, जेद; सर्व कार्यनी शक्ति;  
 सान; धर्म; वेनि, श्रीनी इन्द्रिय.  
 न. उत्तरा शक्यनी नक्षत्र.  
 भगवत्, पु. भद्रादेव, शिव.  
 भगवत्, पु. भद्र देशना सान.  
 भगवत्, पु. ऐक शिव.  
 भगवत्, वि. श्रद्धिमान; पवित्र;  
 भावमान. पु. परमेश्वर; देवता;  
 विष्णु; भद्र, शिव; श्रद्धा स्त्री.

भगवती, स्त्री. दुर्गा; लक्ष्मी.  
 भगवदीय, पु. विष्णुलक्ष्म.  
 भगांकुर, पु. अरु, उरस रोग.  
 भगाल, न. भोपरी.  
 भगालिन, पु. निपुरारि, शिव.  
 भगिन्, वि. सुभी; लपकदार.  
 भगिनिका, स्त्री. अडेन. [स्त्री; स्त्री.  
 भगिनी, स्त्री. अडेन; नसीबवान.  
 भगिनीपति, पु. अनेवी. [पुत्र.  
 भगिनीय, पु. भाषेण, अडेननो.  
 भगीरथ, पु. सूर्यरथी राज, रगरे  
 राजन्ता योवानो पुत्र.  
 भग्न, वि. अडित, भागेतुं; अटका-  
 वेतुं; नाश करेनुं.  
 भग्नी, स्त्री. अडेन. [भाभ.  
 भंका(गा) री, स्त्री. डांस; गांधीव  
 भंग, पु. भांगतुं ते; भाग; पडती,  
 पराजय; नाशीपाशी; ठगार्थ; त-  
 भंगा, स्त्री. सणु. [रग, बेहेर; सणु.  
 भंगि(गी), स्त्री. भांगतुं ते; तरंग,  
 मोल्ले; बुद्धि; नैत्रता.  
 भंगुर, वि. भांगी जय जेनुं; अह-  
 लार्थ जय जेनुं; बांडू, पु. न-  
 दीनी मल्लु.  
 भंग्य, न. सणुतुं भेतर.  
 भज्, ग. १. भजतुं; भाग करवा  
 कणूत करतुं; भोगवतुं; परसह क-  
 रतुं; अक्षीस आपतुं; पुई पाउतुं;  
 कृपा करवी; बहातुं. [करनार.  
 भजक, पु. भागनार, भाजक; अक्षि  
 भजमान, वि. भागतुं, भोगवतुं; लायक.  
 भंज्, ग. ७. भांगतुं.  
 भंजक, पु. भडी नष्टक उगेतुं आड.

भंजा, स्त्री. दुर्गा.  
 भद्र, १. पोषणु करतुं; भाडे आपतुं,  
 भद्र, पु. लडवैयो, सीपार्थ; भाडुती  
 सीपार्थ; राक्षस; नातयदार; ज्ये-  
 क लक्ष्मी जत.  
 भद्रा, स्त्री. वन० धद्रवारणी.  
 भद्रिच, वि. सीकडपर सकेतुं (भा-  
 स वगेरे.)  
 भद्र, पु. धणी, शैक; विद्वान भा-  
 लुस-शीवसुद; भाद्र; आद्राजुनो  
 भेताण. [यवा पंडितनो भेताण.  
 भद्राचार्य, पु. विद्वान गालुस अ-  
 भद्रार, वि. पूज्य. पु. उभराव.  
 भद्रारक, पु. पूज्य. पु. साधु; सूर्य;  
 राज; देवता; पंडितनो भेताण.  
 भद्रारिका, स्त्री. देवी; उभरावलदी.  
 भद्रिनो, स्त्री. (राज्यभिवेक यथाव-  
 गरनी) राणी; आद्राणी.  
 भद्र, पु. ज्येक वलुं संकरजत.  
 भद्रिल, पु. लडवैयो, रोद्धो, वाकर.  
 भण्, ग. १. भोवतुं; वलुं करतुं;  
 नाम इध भोजावतुं.  
 भणन, भणित, न. { कथन, पात-  
 भणिति, स्त्री. } स्त्रीत.  
 भंड, पु. भरीकेरो; वलुंसंकरजत.  
 भंडन, न. अणतर; लडार्थ, दुष्टभुद्धि.  
 भंडि, -डी, स्त्री. तरंग, मोल्ल.  
 भंडिल, वि. सुभी. पु. सुभाज्य;  
 दासह; कारीगर.  
 भद्राक, पु. ज्येथर, चढती.  
 भद्र, वि. साई; सुभी; सुभ्य; भा-  
 याणु, वहातुं, न. सुभ; सोतुं;  
 दोह; सातुं करणु. पु. भंगन-

पक्षी; भण्ड; शिव; भेदपर्वत; दे-  
 वदारतुं जाड. [ दारतुं जाड.  
 मद्रक, वि. साई; मुंदर. पु. देव-  
 मद्रकपिल, पु. शिव.  
 मद्रकाली, स्त्री. मद्रकाली, हुगौ.  
 मद्ररेणु, पु. औरावत हाथी.  
 मद्रवत्, वि. शुभ.  
 मद्रथी, स्त्री. सुभउतुं जाड.  
 मद्रसोमा, स्त्री. गंगा.  
 मद्रा, स्त्री. आकाशगंगा; भी-  
 सातम अने भारस अे तिथि;  
 गाय; सुभद्रा, श्रीकृष्णनी भडो-  
 मद्रिका, स्त्री. मादणियुं, तावीज.  
 मन्, ग. १. लनकुं; भूम पाडवी.  
 मंद, ग. १. सारा सभावार कडेवा;  
 भुशी यतुं; पूजतुं. \*  
 मंदिल, न. सुभाज्य, अढती; कासद.  
 मंम, पु. माभी; धूभाडो.  
 मंभरालिका, } स्त्री. गाधीव भाज,  
 मंभराली, } अस; मच्छर.  
 मंभारव, पु. गाय अथवा गोधातुं  
 भराडतुं. [ पु. रोज, आंतर.  
 भय, न. धास्ती; भीक, लय; गलराट  
 भयकर, वि. धास्ती भरेधु.  
 भयठत्, पु. विष्णु.  
 भयंकर, वि. धास्ती भरेधुं, लया-  
 नक. पु. अेक नततुं धुवड.  
 भयानक, वि. लयकर, धास्ती ल-  
 रेधु. पु. वाध, राहुभद. न.  
 धास्ती, लय. [ थारी.  
 भर, पु. भार, बोले; मोटा नथो;  
 भरट, पु. कुभार; आकर.

भरण, वि. पोषणु करतुं. न. पोषणु  
 करतुं ते; पगार. पु. भरणी नक्षत्र.  
 भरणी, स्त्री. भरणी नक्षत्र.  
 भरणीभू, पु. राहुभद. [ कीडो.  
 भरंड, पु. धण्डी, शोक; राज; भण्ड;  
 भरण्य, न. पोषणु करतुं ते; पगार;  
 भरणी नक्षत्र.  
 भरण्या, स्त्री. पगार; स्त्री.  
 भरण्यु, पु. धण्डी, शोक, रक्षक; भित्र;  
 अग्नि, सूर्य; अद्र.  
 भरत, पु. रामनो भाध, दशरथनो  
 त्रीजे पुत्र; दुष्यत अने शकुन्त-  
 लानो पुत्र, भरत राज; नाटकी;  
 भाडुती सीपार्थ, गंगवी; अग्नि;  
 भरतखंड, पु. हिंदुस्थान. [ वणुकर.  
 भरतपुत्रक, उ. नाटकी.  
 भरतवर्ष, पु. हिंदुस्थान, भरतभड.  
 भरथ, पु. राज; अग्नि; लोकपाल.  
 भरद्वाज, पु. अेक ऋषि; भारद्वाज  
 पक्षी. [ पु. वीशो रंग.  
 भरित्, वि. पोषित; भरेधु; वीधुं.  
 भरित्र, न. हाय.  
 भरु, पु. पति, भरथार; भालेक; शिव;  
 विष्णु; सोतु, समुद्र.  
 भरज, पु. शिवाण.  
 भरुजा-जी, स्त्री. शिवाणनी भादा.  
 भरुटक, न. तणेधुं भारा.  
 भर्ग, पु. शिव, अक्षय; लवक, कांति.  
 भर्ग्य, पु. शिव.  
 भर्जन, न. तणतु ते; तणवानी पेषी.  
 भर्त, पु. भरथार, पति; भावेक;  
 सरदार; रक्षक; विष्णु.

भर्तृमती, स्त्री. अथवा पतिवाणी  
(परबेदी) स्त्री. [भा.ध.]  
भर्तृहरि, पु. विष्णु राजानो भोरो  
भर्त्री, स्त्री. माता, भा; स्त्रीरक्षक.  
भर्त्स, ग. १०. धमकावतुं; ठपको  
भर्त्सक, पु. धमकावनार. [आपवो.  
भर्त्सन, न. } धमकी; ठपको;  
भर्त्सना, स्त्री. } निदा.  
भर्म, न. पगार; सेतुं, नाभि.  
भर्मण्या, स्त्री. पगार, सुसारो.  
भर्मन, न. टको; पगार; सेतुं; से-  
नातो सिद्धो; ज्ञानो; धर; नाभि.  
भल्ल, ग. १. जेवुं [रतुं; आपतुं  
भल्ल, ग. १. वधुं करुं; धायल क-  
भल्ल. पु. रीछ; शिव; क्षीत्राभातुं आड.  
भल्लक, पु. रीछ.  
भल्लात, } पु. क्षीत्राभातुं आड.  
भल्लातक, }  
भल्लुक, पु. रीछ.  
भल्लुक, पु. रीछ; इतरै.  
भव, पु. डैयाती; जन्म, पैदाश,  
मूल, जगत, दुनिया; शिव; दे-  
वता; प्राणि.  
भवत्, वि. डालर; जनतुं.  
भवती, स्त्री. जेरी तीर; भाईसाहेब.  
भवदीय, वि. आपतु.  
भवन, न. डैयाती; जन्म, पैदाश;  
गृह, घर, मकान, जेतार.  
भवंत, -ति, पु. वर्तमानकाण.  
भवती, स्त्री. सहशुष्णी स्त्री, वर्त-  
मानकाण.  
भवानी, स्त्री. पार्वती, शिवपत्नी.

भवानीगुरु, पु. द्विभावथ पर्वत.  
भवाहस, वि. आप साहेब.  
भविक, वि. उपयोगी; शुष्नी. न.  
चढती, सुभ.  
भवितव्य, वि. यवानुं.  
भविन, वि. अतुं. पु. अतुं प्राणी.  
भविन, पु. कवि. [पार; विपथी.  
भविल, वि. अतुं; भविष्यतु. पु.  
भविष्णु, वि. भविष्यतुं.  
भविष्य, वि. भविष्यतु. न. भविष्यकाण.  
भविष्यपुराण, न. ऐक पुराण.  
भव्य, वि. डैयात, भविष्यतुं; वायक,  
उत्तम, सरस, सुंदर; शांत; भा-  
ग्यवान्; रात्रु. न. डैयाती; भ-  
विष्यकाव; चढती, डाडकुं.  
भप्, ग. ३. भरतुं; गाण आपनी.  
भप, भपक, पु. इतरै.  
भपण, पु. इतरै. न. इतरातुं भरतुं.  
भस, ग. ३. प्रकाशतु; ठपको आपवो.  
भसद्, पु. त्तर्, भास; वपत; भास,  
भसन, पु. मधभाभ, भभरै. [महिने.  
भसंत, पु. वपत, समथ. [भस्म.  
भसित, वि. राभ थथतु. न. राभ,  
भस्त्रका, } स्त्री. धमणु. [ऐक शैग.  
भस्त्रा, }  
भस्मक, न. सेतुं; इपुं; व्यांभनो  
भस्मन्, न. भस्म, राभ; पवित्र  
भस्मकार, पु. धोष्णी. [राभ.  
भस्महृद्, पु. राभनो ढगवो.  
भस्मभूत, वि. भुवेतुं.  
भस्मवेधक, पु. कपूर.  
भस्माग्नि, पु. भाधेतु न पचे पणु  
भूभ लागे जेवो शैग.

भा, ग. २. प्रकाशतुं; होतुं, हेप्तातुं.  
 भा, स्त्री. प्रकाश, कान्ति; छाया; सर-  
 भाकोश (प), पु. सूर्य [ भापलुं.  
 भाक्त, वि. परतत्र; भोराकवायक,  
 भाक्ष, वि. भाधरी, अदी. [ उतरतुं.  
 भाग, पु. भाग, द्विस्त्रो; वेह्येषी,  
 भाग्य, नसीय; पा, योथो भाग;  
 स्थान, जग; अश.  
 भागक, पु. भागक.  
 भागधेय, न. भाग, द्विस्त्रो; भाग्य,  
 नसीय; भीवकत; सुप्. पु. भं-  
 उषी, कः; वारस.  
 भागभुज्, पु. रान्त.  
 भागवत, वि. विष्णुनी भक्तिने ल-  
 गतुं, पवित्र, धंधरी. पु. विष्णु  
 अथवा कृष्णुनो भक्त. न. अढारे  
 पुराणुभाडेनु अेक पुराणु.  
 भागिनेय, पु. भाषेज, अडेननो पुत्र.  
 भागिनेयी, स्त्री. भाषेज, अडेननी  
 भागीरथी, स्त्री. गगानदी. [ पुत्री.  
 भाग्य, वि. भागेषु, भाग पाडेषु,  
 भाग्यशाही, नसीयदार. न. न-  
 सीय; सुभाग्य, यदती, सुप्.  
 भाग्योदय, पु. नसीयनी यदती.  
 भांग, वि. सणुतु अनावेसु.  
 भांगक, पु. सीथइ, इडेसु कपडुं.  
 भांगिन, न. सणुतु जेतः.  
 भाज्, ग. १०. भाग करवा, वेह्येषुं  
 भाज, वि. लोणवेसु, मेणवेसु.  
 भाजक, पु. भागनार; भाजक.  
 भाजन, न. भागाकार; भागुं ते;  
 वासणु. [ भाग.  
 भाजित, वि. भागेषुं, वेह्येषु. न.

भाजित्, पु. थाकर.  
 भाजी, स्त्री. कांथ.  
 भाज्य, वि. भागवावायक. न. भा-  
 ग; भाज्यांक, वेह्येषी.  
 भाट, भाटक, न. पगार, मुसारे.  
 भाटि, स्त्री. पगार, मुसारे, वेस्था-  
 भाण, पु. अेक लतनो क्षरसानीकभाई.  
 भांड, न. वासणु; पेरी; डयियार;  
 सरसाभान; वाणन; नदीनो पट;  
 धरेषुं, लाडुं ते, अकीजतुं ते.  
 भांडक, उ. नातु वासणु. न. सरसा-  
 भांडपुट, पु. डजम. [ मान.  
 भांडा, स्त्री. वेपारना अरनो साभान.  
 भांडागार, उ. वणार, डोडी; अ-  
 लनो; समुदाय.  
 भांडागारिक, पु. अजानथी.  
 भांडार, पु. वणार, डोडी.  
 भांडि, स्त्री. धोपटी, डजमनीकोथणी.  
 भांडिक, -ल, } पु. डजम.  
 भांडिवाह, }  
 भांडिनी, स्त्री. पेरी, टापली.  
 भांडोर, पु. पीपणातु अड  
 भात, वि. प्रकाशित पु. प्रभात.  
 भाति, स्त्री. प्रकाश, कान्ति, ज्ञान.  
 भातु, पु. सूर्य.  
 भाद्र, } पु. भादरेवो भदिनो [ पुत्र.  
 भाद्रपद, }  
 भाद्रपदमातुर, पु. सइयुषी भातानो  
 भाद्रपदा, स्त्री. पूरी अने उत्तरा  
 भाद्रपद नक्षत्र.  
 भाद्रपदी, } स्त्री. भादरेवा शुद्ध १५.  
 भाद्री, }  
 भात, न. प्रकाश; ज्ञान.

मानु, पु. प्रकाश; किरण; सूर्य; दि-  
वस; सुंदरता; राज; शिव.

मानु, स्त्री. सुंदर स्त्री.

मानुकेश(स)र, पु. सूर्य.

मानुज, पु. शनिग्रह.

मानुदिन, पु. रविवार.

मानुमत, वि. प्रकाशित; सुंदर पु. मूयं.

मानुमती, स्त्री. दुर्धंधननी स्त्री.

मानुवार, पु. रविवार.

भाम्, ग. १. शुस्से यवुं.

भाम, पु. प्रकाश; शुस्से; सूर्य; अनेवी.

भामनी, पु. परमात्मा.

भामा, स्त्री. लुस्सावाणी स्त्री.

भामिन, वि. कौंधी; सुंदर, प्रकाशित.

भामिनी, स्त्री. कामिनी, सुंदर लु-  
वान स्त्री; लुस्सावाणी स्त्री.

भामिनीविलास, पु. जगन्नाथ पंडि-  
तनुं रवेधुं ज्येष्ठ काय.

भार, पु. लार, जेले; मलेनन; भो  
टा ज्यो; विष्णु.

भारक, वि. लाधेधुं; \* लार मूकेधुं.  
न. जेले.

भारत, पु. अस्तनो वराज, भारत  
वर्षनो रडेनार; नाटकी. न. ल-  
रतभंड, छिंदुस्थान.

भारती, स्त्री. वाया, वाणी.

भारद्वाज, पु. द्रोणुआर्य, अगस्त्य. न.

भारव, न. धनुषनी होरी. [डाडकुं.

भारवि, पु. किरातार्जुनीयनो कर्ता.

भारवी, स्त्री. पुवसी.

भारि, पु. सिंद.

भार्गव, पु. शुक्लग्रह; परशुराम;  
शिव; धनुषधारी, तीरक्ष; छापी.

भार्गवी, स्त्री. दुर्वा; लक्ष्मी; पार्वती.  
देवानी.

भार्य, वि. दशापधुं. पु. याकर.

भार्या, स्त्री. परलुकी स्त्री; जना-

भार्य, न. जेरलुवम. [वरणी भादा.

भाल, न. कपाल; प्रकाश; अंधाई.

भालचंद्र, पु. शिव; गणपति.

भालचंद्रा, स्त्री. पार्वती, दुर्गा.

भालांक, पु. करपत; काचयो; शिव.

भालु, पु. सूर्य.

भालु( लू )क, } पु. रीछ.

भालु( लू )क, }

भाव, पु. डैवानी; डाक्षत; रीतभा-

त; आद्धे, पदवी; सम्बार्ध; रव-

भाव; विचार, लाचना; लागणी;

वडाव, प्यार; मतलग; अर्थ; अं-

तः करणु; शीज, वरनु; जन्म,

जगत, दुनिया; धर्म; गलांसय;

सवाड; समजलु शक्ति.

भावज, पु. प्यार; कामदेव.

भावन, पु. गेदा करनार; शिव, विष्णु.

भावन, न. } विचार, लाचना;

भावना, स्त्री. } विश्वास, आत्मी.

भावना, स्त्री. कागडी; पाणी.

भावरूप, वि. अई.

भाववाचक, न. लाव जनावनार.

भावाट, पु. लुस्से; पवित्र भाणु-

स; कामी भाणुस; शणुगार.

भावत, वि. आपधुं.

भावाव, वि. नाणुक, डोमल.

भाधिकं, वि. शुद्धरती; अई, अविष्णुं.

भावित, वि. भेजयेधु; अणुधुं; जेणेधु.

भाविता, स्त्री. अविष्णु, आपतोवभत.

भावित्र, न. स्वर्ग, मृत्यु अने पा-  
ताव ये मृत्यु लोक.  
भावित्र, न. जरीयात.  
भायुक, पु. अनेवी. न. सुभ.  
भाय्य, वि. लविष्यतु. न. लविष्य.  
भाप, ग. १. गोलुं, कडेवुं; जे-  
लावुं; वर्युं कः.  
भापण, न. जेवुं ते; वातथीत.  
भापा, स्त्री. वातथीत, भापा; जेदी.  
भापांतर, न. तरजुमो. [सरस्वती.  
भापिका, स्त्री. भापा, जेदी.  
भापित, वि. इथित. न. वाणी, जेदी.  
भापिन्, वि. वायाण.  
भाप्य, न. जेवुं ते; दीका.  
भाप्यकर, } पु. पाण्डिती; दीकाकर.  
भाप्यकार, }  
भास, ग. १. प्रकाशुं, यणकुं;  
स्वच्छयुं [कीर्ति, ईश्वर, पडछाये.  
भास, स्त्री. प्रकाश, कांति; किरणु;  
भास, पु. प्रकाश; कल्पना; कुंडो;  
आणी, गायने जेदी; जेक इवि.  
भासत, वि. प्रकाशित; मुंदर. न.  
सूर्य, चंद्र; नक्षत्र,  
भासंती, स्त्री. नक्षत्र.  
भासत्, न. प्रकाश.  
भासु, पु. सूर्य.  
भासुर, वि. प्रकाशित; अयंकर, पु.  
पीर, योद्धे [शिव. न. सोवु.  
भास्कर, पु. सूर्य, पीर, योद्धे; अग्नि;  
भास्करि, पु. शनिअड.  
भास्वत्, वि. प्रकाशित, यणकुं.  
पु. सूर्य; प्रकाश; पीर; प्रभात.

भास्वर, वि. यणकुं. पु. सूर्य;  
दिव्य; अग्नि. [मेणवुं.  
भिक्ष, ग. १. भागुं; शीष भागवी;  
भिक्षण, न. शीष, भागुं ते.  
भिक्षा, स्त्री. शीष; पगार; भागुं ते.  
भिक्षाक, पु. शीषारी. [भटकुं ते.  
भिक्षादन, न. शीष भागवामाटे  
भिक्षित, वि. भागेतुं, शीषेवुं.  
भिक्षु, पु. शीषारी; सन्यास; लुद्ध  
भिक्षुक, पु. शीषारी. [साधु.  
भिक्षुकी, स्त्री. शीषारी स्त्री. [कनात.  
भित्त, न. भाग, द्विस्से; कटको, पडो,  
भित्ति, स्त्री. भाग करवा ते; लीत,  
पडो; कटको; भाग; सादरी; तक.  
भित्तिका, स्त्री. लीत; डेडगरोदी.  
भित्तिघातन, पु. उंदर. [जववुं.  
भिद्र, ग. १. भाग करवा. ग. ७. छेवुं,  
भिद्रक, पु. तरवार. न. द्विरे; ध-  
द्रव वज. [जत, भात; धाणु.  
भिद्रा, स्त्री. भागुं ते; लुद्ध;  
भिद्रि, भिद्र, पु. } धद्रवुं वज.  
भिद्रिर, न. }  
भिघ, पु. जेक नदी.  
भिद्र, न. वज.  
भिद्रु, पु. भिद्र, दीपुं स्त्री. भुवेतुं  
भातक लणुनार स्त्री.  
भिन्न, वि. भागेतुं; छुट्टे परेतुं;  
लुद्ध; जेणायतु, जववुं.  
भिन्नक, पु. लुद्ध धर्मा.  
भियत्, न. } अय.  
भिया, स्त्री. }  
भिरिटिका, स्त्री. सदेवुं जने जेपो.  
मिह, पु. भिक्षणत.



मिलोट, } पु. दोधतुं ऊड.  
 मिलोटक, }  
 मिपज, पु. विष्णु; दवा, ओषध.  
 मिपजावत, पु. श्रीकृष्ण.  
 मिपज्य, न. उपाय, ध्यान.  
 मिप्या, मिष्मिका, } स्त्री. कुटुंबु-  
 मिस्स (स्मि)टा, } छउडु अ-  
 मिस्सा, स्त्री. गंधेवा बोष्पा. [नाग.  
 मी, ग. ३. णीडडु.  
 मी, स्त्री. धास्ती, अय.  
 मीत, वि. अयशीत, गालक; णी-  
 कणु. न. धास्ती.  
 मीति, स्त्री. अय, धास्ती; ज्ञेयम.  
 मीम, वि. अयकर. पु. शिव; पर-  
 मात्मा; अयानक; मीम पांडव.  
 न. अय. [राजधानी.  
 मीमपुर, न. कुंदनपुर, मीमकराननी  
 मीमयु, वि. अयशीत.  
 मीमर, न. लडार्थ. [मीमसेनी कपूर.  
 मीमसेन, पु. णीजे पांडव, मीम;  
 मीमा, स्त्री. पार्वती दुर्गा; व्यापुड;  
 मीमानदी.  
 मीरु, वि. णीकणु पु. शिवाण; वाध  
 न. ३पुं. स्त्री. णीकणु स्त्री; छागी,  
 णकरी, ओणो, छाया  
 मीरु(लु)क, वि. णीकणु; अय-  
 शीत. पु. वाध; शिवाण; रीछ;  
 धुवड. न. अयल, वन.  
 मीरुता, स्त्री. } णीकणुपलुं.  
 मीरुव, न. }  
 मीरुवंध, पु. लड्डी, सुडो.  
 मीरु(लु)क, पु. रीछ. [भूतर.  
 मीपण, वि. अयकर. पु. शिव; क-  
 मीपा, स्त्री. अय.

मीपित, वि. अयशीत.  
 मीष्म, वि. अयकर; अयशीत. पु.  
 राक्षस, शिव; शांतनु अने गंगा-  
 नोपुत्र, मीष्मपितामह. न. धा-  
 स्ती. [रुग्णिणीनो आप.  
 मीष्मक, पु. विदर्भ देशनो राज,  
 मुक, वि. भाधेधुं; लोगवेधुं; शु-  
 लरेलु. न. अन्न.  
 मुक्ति, स्त्री. लोगवटो; अन्न; अ-  
 डनी गति, गीमा, छड.  
 मुक्त, वि. वणेधु, नभेधु; भाधेधुं.  
 मुज, ग. ६. वांकु करधुं; नभधुं.  
 ग. ७. भाधुं; लोगवधुं.  
 मुज, वि. उपयोगी. स्त्री. लोग-  
 वटो; लाभ. [थीनी मुंड; डणी.  
 मुज, पु. द्वाध, भाडु, भांड; डा-  
 मुजकोटर, पु. अगल.  
 मुजग, पु. सर्प, साप. [भार.  
 मुजगदारण, पु. अड; नोणीधो;  
 मुजगी, स्त्री. आश्वेधा नक्षत्र.  
 मुजंग, पु. सर्प; पार; भावेक; आ-  
 श्वेधा नक्षत्र, आडनी सभ्या.  
 मुजंगमुज, पु. अड; भार.  
 मुजंगम, पु. साप; राडु; आडनी  
 सभ्या; आश्वेधा नक्षत्र. न. तीगुं.  
 मुजंगमी, स्त्री. गापणु, नागणु.  
 मुजगेंद्र, पु. शेषनाग.  
 मुजमूल, न. अलुं.  
 मुजा, स्त्री. भाडु, भांड; द्वाध.  
 मुजाकट, पु. आगणीनो नभ.  
 मुजिं, पु. अग्नि.  
 मुजिष्य, वि. परतत्र. पु. अकर,  
 सुताम; सेधती; रोग.

भुजिष्या, स्त्री. आकरडी, वेश्या.  
 भुज्यु, पु. अन्न; वासणु; अग्नि; यज्ञ.  
 भुंइ, ग. १. टेको आपवो, खुंटी  
 काठुं; वेतुं.  
 भुरण्यु, पु. व. अश्विनीकुमार.  
 भुरिज्, स्त्री. वे हाथो; स्वर्ग अने  
 भुच, पु. पृथ्वी; अग्नि. [पृथ्वी; पृथ्वी.  
 भुवन, न. जगत; पृथ्वी; स्वर्ग; ए-  
 वतुं प्राणी; मनुष्य; पाणी, यो-  
 दनी सभ्या.  
 भुवनपावनी, स्त्री. गगानदी.  
 भुवन्यु, पु. शैक, धणी, सूर्य; अद्र; अग्नि.  
 भुवर, } अ. पृथ्वीतुं.  
 भुवस, }  
 भुविस, पु. समुद्र.  
 भू, ग. १. थतुं, डोतुं; वेदा थतुं;  
 जनतुं; श्यास लेवो. [ अग्नि.  
 भू, वि. एवतुं. पु. विष्णु; यज्ञने।  
 भू, स्त्री. पृथ्वी; जगत; जगा, ठे-  
 काणुं; आप्तत; अेकनी सभ्या.  
 भूक, उ. छीद्र, आकुं; वसंत; व-  
 प्तत. पु. अंधकार.  
 भूकेश, पु. वडतुं आड.  
 भूकेशा, स्त्री. आकणु.  
 भूगर, न. विष, जेर.  
 भूगर्भ, पु. विष्णु; अवसति.  
 भूगृह, न. लोथरं. [ लुंततुं पुस्तक.  
 भूगोल, पु. लुवनकोरा; पृथ्वीना व-  
 भूचक्र, न. मध्यरेखा.  
 भूर्जतु, पु. हाथी.  
 भूत, वि. वेदा थतुं; अरुं; यर्ध  
 गतुं; मेणवेतुं; मेणाथतुं. पु.  
 आसक; शिव; कृष्णपक्ष. न. ए-

वतुं प्राणी; अत, प्रेत; तत्व; ज-  
 गत्; अतकाण; लायकात.  
 भूतकाल, पु. गयवेो वप्तत.  
 भूतकेशी, स्त्री. तुलसी.  
 भूतघ्न, पु. उंठ; वसणु.  
 भूतदया, स्त्री. सर्व प्राणीपर दया.  
 भूतघ्नक, वि. कपटी.  
 भूतधरा, } स्त्री. पृथ्वी.  
 भूतघात्री, }  
 भूतनायिका, स्त्री. दुर्गा.  
 भूतनाशन, पु. शीलाभानुं आड;  
 राध; भरी. न. हिम; इद्राक्ष.  
 भूतनिश्चय, पु. सरीर. [ जवाडियुं.  
 भूतपक्ष, पु. कृष्णपक्ष, अंधारियुं प-  
 भूतपति, पु. शिव; अग्नि.  
 भूतपत्री, स्त्री. तुलसी.  
 भूतभावन, पु. अद्या; विष्णु.  
 भूतमातृ, स्त्री. गौरी.  
 भूतल, न. पृथ्वीनी सपाटी.  
 भूतसाधनी, स्त्री. पृथ्वी.  
 भूति, स्त्री. एवतुं प्राणी; जन्म,  
 वेदास; सुभ; आग्य; पिसो, धन.  
 पु. शिव; विष्णु. [ कायक्षण.  
 भूतिक, न. कपूर; सुभडतुं लाकडुं;  
 भूतिकील, पु. छीद्र, काणुं; भोथरं.  
 भूदार, पु. डुकर.  
 भूदेव, पु. आसणु.  
 भूधन, पु. राज.  
 भूध, पु. पर्वत.  
 भूप, पु. राज.  
 भूपति, पु. राज; शिव; छंद्र.  
 भूपद, पु. आड.  
 भूपवित्र, न. गायतुं छाणु.  
 भूपाल, पु. राज; भोजराज.

भूमर्त, } पु राज.  
 भृभृज, }  
 भृभृत्, पु राज, पर्वत विष्णु  
 भृभृत्, वि पृथ्वीनु पु राज  
 भृभृडल, न पृथ्वी पृथ्वीनो गोणो  
 भृभृन्, पु जथाब्ध, पैसो होलत  
 न परगल्य पृथ्वी, प्राण्णी  
 भृभृय, वि पृथ्वीनु, पृथ्वीभाथी  
 पैदा ययनु  
 भृभृमि, स्त्री पृथ्वी, जमीन, परगल्य  
 जेकक, भीलकत, सीमा, छेद, लभ,  
 जेकनी सभ्या  
 भृभृमिका, स्त्री पगडी भाण, ज  
 भीन, नाकनो पोशाक शपुगार  
 भृभृमिपुरदर, पु राज, दिल्लीपरान्त  
 भृभृमिभृत्, पु राज, पर्वत  
 भृभृमी, स्त्री पृथ्वी  
 भृभृमीपति, पु राज  
 भृभृमीरुह, -ह, पु पुत्र, आड  
 भृभृय, न थवाणी छानत  
 भृभृयशम्, ज धलुकरिने इरीथी  
 भृभृयस्, वि धलु, वधारे मोहुं धलु  
 अगत्यनु  
 भृभृयिष्ठ, वि धलुज, मुष्प यथेष्ट  
 भृभृरि, वि धलु, वधारे, मोहुं पु  
 विष्णु ब्रह्मा, शिव धर न  
 सोनु अ वारवार, अतिशय  
 भृभृरिगम, पु गधेडो  
 भृभृरिज, स्त्री पृथ्वी  
 भृभृरितेजस, पु अग्नि  
 भृभृरिद, वि उदार, सभ्नी  
 भृभृरिदान, न उदारता  
 भृभृरिधन, वि पैसादार

भृरिमाय, पु शियाण  
 भृरिरस, पु शेरडी  
 भृर्ज, पु भोजनपत्रनु आड  
 भृर्णि, स्त्री पृथ्वी वन  
 भृलता, स्त्री छीडा.  
 भृवल्लभ, पु राज  
 भृर्, ग १, १० शपुगारनु  
 भृपण, न शपुगार, धरेनु पु विष्णु  
 भृपा, स्त्री शपुगारनु ते, शपुगार,  
 धरेनु अवेरात  
 भृपित, वि शपुगारेनु  
 भृष्ण वि लवतु, छेरात  
 भृस्पर्श, पु मनुष्य व्यास  
 भृस्वग, पु भेरपर्वत  
 भृ, ग १, ३ भरनु, पोपल करनु  
 सहन करनु याद शपुव आडे  
 आपनु [ २५ नाटकी-जेवाडी  
 भृकुश (स), पु स्त्रीना वेशभा पु  
 भृकुटी, स्त्री लवु लभर  
 भृगु पु जेक रुषि, जमदग्नि ज-  
 डकनी टोंग, वृष्णु शिर, शुक्र  
 अड शुक्रवार  
 भृगुपति, पु परशुराम  
 भृगुवासर, पु शुक्रवार  
 भृग, पु लभरा भोगी काणी भाथी  
 भृगक, पु भाथी [न अजरभ  
 भृगज, न अजरनु लाकडुं अजरभ  
 भृगप्रिया, स्त्री भाथीपता  
 भृगराज, पु भोगी भाथी भागरे,  
 जेक वनरपति  
 भृगार, उ आरी, सोनानो धडो  
 भृगारी, } स्त्री अशुर, जेक  
 भृगालिका, } नानु प्राण्णी

भृंगिन, पु. शिवनो अक गणु; व-  
डुं अड.

भृंगिरि(री)ही, } पु. शिवनो अ-  
भृंगेरिहि, } क गणु.

भृज्, ग. १. तणवुं.

भृजन, न. तणवानी ऐष्ठी.

भृङ्गि, स्त्री. वेदेर, तरंग.

भृत, वि. नभेडुं; पोपेडुं; भरेडुं; ला-  
डुती. पु. लाडुती-पगारदार आकर.

भृतक, वि. लाडुती, पगारदार. पु.  
पगारदार आकर.

भृति, स्त्री. पोपणु; अन्न; पगार;  
पगारने अडले आंकरि; पुंछ, भुव र-

भृत्य, पु. आकर; रान्यनो भत्रि. [कम.

भृत्या, स्त्री. शुगरानतुं साधन; प-  
गार, आकरी.

भृत्यता, स्त्री. } आकरी.  
भृत्यत्व, न. }

भृत्रिग, वि. पोपित.

भृम, पु. भ्रव, भ्रु.

भृमि, पु. पाष्ठीतुं वमड; पाष्ठीने  
वटाणीओ. स्त्री. अडप.

भृश्, ग. ४. पडी नतुं.

भृश, वि. भगभृत, नेरावर. अ. ध-  
लुंग, वधारे; नेरनुधमथी, वारवार.

भृ, ग. ९. पोपणु करुं; निहा क-  
रथी; नभतुं. [वाग.

भेक, पु. देडको; षीकणु भाणुग;

भेकभुञ्ज, पु. सप.

भेकरव, पु. देडकोनो शण्ड.

भेकी, स्त्री. देडकी.

भेड, पु. नेंडो; मछवे.

भेडी, स्त्री. भेंदी.

भेड्, पु. भेंडो.

भेद, पु. लेट; तुट; लांगवुं ते; लु-  
दार्थ; श्रीशे, शंश; धन; (छूपो)

भेद शुद्धो करनार; पराणय, छार.  
भेदिका, स्त्री. नाथ, अरणादी.

भेदित, वि. लांगवुं.

भेदि(हु)र, न. विजणी.

भेघ, न. नाम, विशेष्य.

भेर, पु.

भेरि-री, स्त्री. } नगाड.

भेरंड, वि. लयंकर. न. गर्भ धारणु.

भेरंडक, पु. शिखाण. [मछवे.

भेल, वि. षीकणु; भूर्भ; उथुं. पु.

भेलक, उ. मछवे, डोडी.

भेप्, ग. १. षीडतुं.

भेपज, वि. साइं थाय अेडुं. न. दवा;  
उगाय, धवाण; पाष्ठी.

भेपजागार, उ. वैदनी हुकान.

भेपजांग, न. दवापथी लीथेथी श्रीग.

भेस, वि. षीअथी शुगरो करनार.  
न. षीअ.

भैरव, वि. लयंकर; कुमाव. पु. ल-  
यानकरप; लैरव; महादेव, शिव;  
अथ. न. अथ.

भैरवी, स्त्री. दुर्गा; अक शक्ति.

भैपज, न. दवा, वनरपति. [पुत्री.

भैष्मकी, स्त्री. रुड्मिष्ठी, षीअमकी

भोक, वि. सोनवतार; मडन कर-  
नार. पु. वापरनार, सोनवतार;  
रान; पति, कार, आशक; विष्णु.

भोकवृत्त, न. सोनवतो. उपभोज.

भोग, पु. भातुं वे, उपभोज; धाम;  
उपभोज; शैयुन, श्रीयुन, इत्तय;  
आशक; शरीर, धरुं.



भोगगुच्छ, न. वेश्यानां पगार.  
 भोगगृह, न. अंतःपुर, जनानभानु.  
 भोगघर, पु. साप.  
 भोगपति, पु. परगणानो डाकन.  
 भोगपाल, पु. घोडावाणो.  
 भोगपिशाचिका, स्त्री. भूष.  
 भोगवत्, वि. आनंद आपतुं;  
 सुभी; वीटाणेशुं. पु. सर्प; पर्वत.  
 भोगवती, स्त्री. पातालगंगा; अेक  
 सापणु.  
 भोगस्थान, न. शरीर; जनानभानुं.  
 भोगिक, पु. घोडावाणो.  
 भोगिन, वि. भातुं; भोगवधुं; स-  
 इन करधुं; भीमती. पु. साप;  
 राज; उभय; जागनी सुभी;  
 आश्वेया नक्षत्र.  
 भोगोद्ग, पु. वामुडी; शेषनाग.  
 भोग्य, वि. भोगववासायक; वायक.  
 न. भोगववानी थीण; पैसो, भी-  
 भोग्या, स्त्री. वेश्या. [विकत; अनाज.  
 भोज, पु. भोजराज, भालवदेशनो  
 राज; भोज देश; विदर्भ देशनो  
 भोजक, वि. जानार. [राज.  
 भोजन, वि. पोषणु करधुं. पु. विष्णु;  
 शिव. न. भावानु; भावु ते; भो-  
 राक; भोगवधुं ते; भोगववानी  
 थीण; भीलकत. [भोराक.  
 भोजनीय, वि. भावासायक. न.  
 भोजपति, पु. भोजराज; इंस.  
 भोजयित्, वि. भवरावनार, भो-  
 पणु करनार.  
 भोज्य, वि. भवाय अेधुं; भोगवाय  
 अेधुं. न. भोराक; भोगवटो; वाण.

भोट, पु. टिबेट देश.  
 भोटंग, पु. अतान देश.  
 भोटोय, वि. टिबेटनुं.  
 भोमीरा, स्त्री. परवाणु.  
 भोलि, पु. उड.  
 भोस्, अ. संभोधन राज. [नक्षत्र.  
 भोजंग, वि. सर्पनुं. न. आश्वेया  
 भोट्ट, पु. टिबेटनो रडेवासी.  
 भौत, वि. गांडुं, धेधुं; भूणतत्व सं-  
 धंधीनुं. पु. अत-पिशाचनी लक्ति  
 करनार; अतयश.  
 भौतिक, पु. शिव. न. भोती.  
 भौती, स्त्री. निशा, रात्र. [पुत्र.  
 भौपाल, पु. राजकुमार, राजनो  
 भौम, वि. पृथ्वीनुं; पृथ्वीने लगतुं.  
 पु. भंगवअड; नरकासुर दैत्य;  
 पाणु; यभक, प्रकाश; आकाश;  
 अत्रिमुनि.  
 भौमक, पु. पृथ्वी उपर रडेनार प्राणु.  
 भौमन, पु. विश्वकर्मा, देवतर्ह शिक्ष-  
 रासी.  
 भौमवार, } पु. भोग-भंगववार.  
 भौमवासर, }  
 भौमरत्न, न. परवाणु.  
 भौमिक, भौम्य, वि. पृथ्वीनुं.  
 भौरिक, पु. अजानथी.  
 भौवन, पु. विश्वकर्मा.  
 भ्यत्, ग. १. भीडनुं.  
 भ्रंश, ग. १, ४. गभडी पडनुं, भोधुं;  
 नाशी णनुं; अोधुं करधुं.  
 भ्रंश, -स, पु. पतन, पडनुं ते; प-  
 भ्रंशित, वि. इकेधुं. [उती; भोड.  
 भ्रकुश, पु. पुरुषनाडडी स्त्रीना वेश्यां.

अकृष्टि, पु. अयां, अमर.  
 अक्षर, ग. १. आत्.  
 अण, ग. १. अयात् करणे.  
 अम्, ग. १, ४. अटकुं; पाथरुं;  
 अक्षरणी; अणुं.  
 अम, पु. अमल, अमलुं ते; अकृष्टि;  
 अक्षर; अणुं; पाणुं वमल;  
 अमरुं आत्; अणुं; अणुं.  
 अमण, न. अम, अमलुं ते; अणुं;  
 अमणी, स्त्री. अणुं. [ अणुं, अणुं.  
 अमर, पु. अमरुं; अणुं; अणुं;  
 अणुं आत्; अणुं अणुं.  
 अमरानिधि, पु. अणुं आत्.  
 अमरानन्द, पु. अणुं आत्.  
 अमरक, पु. अमरुं; अणुं वं-  
 अणुं; अणुं अणुं.  
 अमरी, स्त्री. अणुं; अणुं.  
 अमाकुल, वि. अणुं.  
 अमासक्त, पु. अणुं अणुं.  
 अमि, स्त्री. अणुं; अणुं; अणुं-  
 अणुं आत्; अणुं; अणुं.  
 अम्, 'अम्' शब्द अणुं.  
 अमिन्, पु. अणुं अणुं.  
 अम्, ग. ६. अणुं.  
 अम्, ग. १. अणुं.  
 अम्, पु. अणुं अणुं अणुं.  
 अम्, वि. अणुं. न. अणुं.  
 अम्, पु. अणुं, अणुं अणुं.  
 अम्, न. अणुं अणुं अणुं ते.  
 अम्, वि. अणुं.  
 अम्, वि. अणुं, अणुं अणुं.  
 अम्, पु. अणुं; अणुं; अणुं अणुं.  
 अम्, पु. अणुं; अणुं; अणुं अणुं.

आत्क, वि. अणुं अणुं.  
 आत्गंधि, वि. अणुं अणुं.  
 आत्ज, पु. अणुं अणुं, अणुं.  
 आत्जा, स्त्री. अणुं. [ अणुं.  
 आत्जाया, स्त्री. अणुं, अणुं.  
 आत्क, न. अणुं अणुं. [ अणुं.  
 आत्कृतीया, स्त्री. अणुं अणुं, अणुं.  
 आत्कृतीया, स्त्री. अणुं अणुं, अणुं.  
 आत्कृतीया, स्त्री. अणुं अणुं.  
 आत्कृतीया, पु. अणुं; अणुं. [ अणुं.  
 आत्कृतीया, पु. अणुं, अणुं अणुं.  
 आत्कृतीया, वि. अणुं अणुं. पु. अणुं-  
 अणुं, अणुं.  
 आत्कृतीया, न. अणुं अणुं, अणुं अणुं.  
 आत्कृतीया, वि. अणुं अणुं; अणुं अणुं; अणुं-  
 अणुं; अणुं अणुं. पु. अणुं अणुं.  
 न. अणुं अणुं ते; अणुं.  
 आत्कृतीया, स्त्री. अणुं अणुं ते; अणुं अणुं,  
 अणुं; अणुं अणुं; अणुं, अणुं.  
 आत्कृतीया, पु. अणुं.  
 आत्कृतीया, पु. अणुं, अणुं अणुं.  
 आत्कृतीया, पु. अणुं अणुं ते; अणुं.  
 आत्कृतीया, वि. अणुं; अणुं अणुं. पु.  
 अणुं अणुं अणुं अणुं; अणुं, अणुं;  
 अणुं; अणुं अणुं.  
 आत्कृतीया, उ. अणुं अणुं. न. अणुं अणुं;  
 अणुं; अणुं; अणुं अणुं अणुं अणुं.  
 आत्कृतीया, वि. अणुं अणुं अणुं; अणुं-  
 अणुं, स्त्री. अणुं. [ अणुं.  
 आत्कृतीया, वि. अणुं अणुं.  
 आत्कृतीया, ग. १, ४. अणुं अणुं.  
 आत्कृतीया, उ. अणुं अणुं अणुं. पु. अणुं-  
 अणुं; अणुं अणुं.  
 आत्कृतीया, 'अणुं' शब्द अणुं.

श्री, ग. ९. षीडवुं. [ स्त्रीना वेशमां.  
 मुकुंश(स), पु. पुरुष नाटकी  
 मुकुटि, पु. भवा, भभर.  
 मुद्, ग. ६. ओकहुं करवुं; ढांकवुं.  
 मु, स्त्री. भवा, भभर.  
 मुकुटि, पु. } भवां, भवां यदाची  
 मुकुटी, स्त्री. } नेवुं ते.  
 मूण, ग. १०. आशा राभवी; भ-  
 शैसा करवो; धम्भुं; षीडवुं.  
 मूण, पु. डभेल, गर्ल, आवक.  
 मूणहत्या, स्त्री. गर्लडत्या.  
 मूज, ग. १. प्रकारवुं.  
 मूप, ग. १. वुं; पडवुं; युरसे  
 थवुं; षीडवुं. [ कशान; पाप.  
 मूप, पु. गति; भाग, हिरसो; तु-  
 मूणहत्या, न. गर्लपात.  
 मूद, ग. १. भावुं.  
 मूश, ग. १, ४. प्रकारवुं.  
 मूलेप, 'लेप' शब्द लुओ.

म.

म, पत्नीशमे व्यंजन.  
 म, पु. शिव; भ्रमा; विष्णु; यम,  
 अद्र; समथ, वभत, अेर, 'म'  
 गणु (कवितामां); रागविद्यामां  
 मध्यम (म). न. पाणी; मुभ.  
 मंह, ग. १. आपवुं; भोवतु; वधवुं,  
 मंहनीय, वि. स्तुत्य; मोहुं. [ प्रकारवुं.  
 मकर, पु. भगरभम्भ, मोटी भा  
 छली, भकरशशि; कुभेरनो ओक  
 मकरकेतु, पु. कामदेव. [ लंकार.  
 मकरध्वज, पु. कामदेव; सैन्यनी  
 गोठवणु. [ भभरो.  
 मकरंद, पु. दूवनी रस; डोपल;

मकरांक, पु. कामदेव; समुद्र.  
 मकराश्व, पु. वशुदेवता.  
 मकराकर, -लय, } पु. समुद्र.  
 मकरिन्, }  
 मकरी, स्त्री. भगरी.  
 मकुट, न. धीरिट, ताण, मुगट.  
 मकुति, पु. शूद्रने शिक्षा.  
 मकुर, पु. आरसी; अकुणतुं जाड,  
 कुभारतुं याक शेरवानी लाकडी.  
 मकुल, पु. अकुणतुं जाड, इणी (दूवनी).  
 मकु(ए)ष्ट, पु. मठ, ओक कडोण.  
 मकु, ग. १. वुं.  
 मकुल, पु. गेड; शिवालयत.  
 मकुल, पु. याक.  
 मस, ग. १. ढगलो करवो; युरसे थवुं.  
 मक्ष, पु. युरसो, इरेअ, ढोग, समुदाय.  
 मक्षविर्य, पु. प्रियावतुं जाड.  
 मक्षिक, पु. } भाषी.  
 मक्षि(क्षी)का, स्त्री. }  
 मक्षिकामल, न. भीण.  
 मख, मख, ग. १. वुं. [ पाग.  
 मख, वि. आनठी, व्यंयव. पु. पर,  
 मखत्रात, पु. राम, दशरथपुत्र.  
 मखद्विप, पु. राक्षस.  
 मग, पु. लहुगर.  
 मगघ, पु. अडारप्रांत, अंठीजन, भाट.  
 मगधेश्वर, पु. भगध देशनो राज;  
 परनप, नरसथराल.  
 मग, वि. स्नात, नाडेवुं.  
 मघ, पु. ओक द्वीप; ओक देश, भया  
 नक्षत्र; ओक दवा. न. लेट, अक्षीस,  
 मघव, मघवत्, पु. धं. [ नियत.  
 मघवन, वि. डंकार. पु. धं, धुवड, आस.  
 मघा, स्त्री. भया नक्षत्र.

मघोनी, स्त्री. धंदाष्टी.  
 मंक्, ग. १. ननुं; शलुगारुं.  
 मंफिल, पु. नंगलनी व्याग.  
 मंफुर, पु. आरसी.  
 मंफु, अ. तुरत, नलदीथी; अरेअर.  
 मंफ, पु. रानेना भाट.  
 मंफ, ग. १. ननुं. [आलु.  
 मग, पु. मछरातुं माधु; वडाधुनी  
 मंगल, वि. मगल, शुभ, साङ्;  
 थडादुर. न. सारां सुकत; शुभ;  
 आशिर्वाह; उणह; उत्सव; लुनी  
 व्याग. पु. मगवअह, अग्नि.  
 मंगलकारक, वि. शुभ.  
 मंगलच्छाय, पु. वडतुं आड.  
 मंगलपाठक, पु. भाट, वदीगत.  
 मंगलप्रद, वि. शुभ.  
 मंगलप्रदा, स्त्री. उणह.  
 मंगलचासर, पु. मगलवार, भौमवार.  
 मंगलशब्द, पु. आशिर्वाह. [वां; दुर्गा.  
 मंगला, -ली, स्त्री. पतिव्रता स्त्री; दु-  
 मंगलाचरण, न. आशिर्वाह; कार्य क-  
 रवानी पहेलां करेकी धंधरनी स्तुति.  
 मंगलारंभ, पु. गणपति.  
 मंगलामत, पु. शिव.  
 मंगलीय, वि. शुभ.  
 मंगल्य, वि. शुभ; सुभी, नसीव-  
 वान; सुंदर; स्वच्छ, साधु. पु.  
 पीपणातु आड; नारिधवतुं आड;  
 मसुरनी दाण, बिक्रीनु आड. न.  
 धडी; सोतु; बंदन, सिंदुर.  
 मंगल्यक, पु. मसुरनी दाण.  
 मंगल्या, स्त्री. दुर्गा; उणह; दुर्वा,  
 प्रियंशु वनरपति; सभा.

मंगिनी, स्त्री. मछवे, गोट.  
 मंघ, ग. १. शलुगारुं. ग. १. ठ-  
 गनुं; शर करनुं; उपके व्यापवे; ननुं.  
 मच्, ग. १. पापी थनुं; उगनुं; म-  
 गत्र थनुं.  
 मचर्चिका, स्त्री. उत्तम, उभदा. (ना-  
 मनी पाछण उत्तमता हेभाडवा  
 मच्छ, पु. भाछवी. [वपरायछे.)  
 मज्जन, पु. मज्जत, डाडकानो भावे.  
 मज्जन, न. रानान, नडातुं ते; दुअतुं;  
 मज्जत, डाडकानो भावे. [गर्ल.  
 मजा, स्त्री. डाडकानो भावे; डाडो  
 मजाज, न. शुगल.  
 मजारस, पु. सुक, धात.  
 मजासार, पु. नपक्षण.  
 मज्जिका, स्त्री. सारसपक्षीनी भादा.  
 मंच, ग. १. उंथा थनुं; ननुं; शलु-  
 गारुं; प्रकाशनुं. [वेडक.  
 मंच, पु. भाटवे, पलंग; उंथी करेकी  
 मचक, न. भीछानुं, भाटवे.  
 मंचकाथय, पु. भाकलु.  
 मंचिका, स्त्री. पुरशी, तथकडी, थाली.  
 मंज, ग. १०. साङ् करनुं. [थीन.  
 मंजन, न. भांगनुं ते; भाहुं साङ् करवानी  
 मंजर, न. मोती; तिवकप्रक्ष; भांर,  
 मोहोरनो लुमभो (आडने).  
 मंजरि, पु. } अंकर, इणुगो; मोती;  
 मंजरी, स्त्री. } लता, वेव, तुवमी.  
 मंजा, स्त्री. थकरी; मगर; लता.  
 मंजि, पु. } मोहोरनो लुमभो;  
 मंजी, स्त्री. } लता, वेव.  
 मंजिका, स्त्री. वेस्था, छिनाण स्त्री.  
 मंजिमन्, पु. ३५, मुंदरता.



मंजिष्ट, वि. अणकतुं रातुं. [नरपति.  
 मंजिष्ठा, स्त्री. भृशक, राता रगनी व-  
 मंजीर, रूपुर, अंजर. न. छासनी  
 मथनी बांधवानो थांबलो.  
 मंजील, पु. घोणी लोकोथी वसतुं गाभ.  
 मंजु, वि. मुंदर, पुणसुरत.  
 मंजुकेशिन, वि. मुंदर वाणवाणुं.  
 पु. श्रीकृष्ण.  
 मंजुगमना, स्त्री. दुंसणी.  
 मंजुघोष, वि. उत्तम शब्दवाणुं.  
 मंजुनाशी, स्त्री. मुंदर स्त्री; दुर्गा;  
 मंजुपाठक, पु. पेश्ट. [द्वित्री पत्नी.  
 मंजुमाण, पु. श्रद्धा.  
 मंजुल, वि. मुंदर; मधुर. पु. वण-  
 कुकी. न. मंडप; अरे, नाणुं.  
 मंजूया, स्त्री. पेटी; मोटो पेटारे; पथर.  
 मरु, ग. १. वसतुं; वणुं; दणुं.  
 मरु, उ. हुपडुं; जोगीजोने रडेवानुं  
 ठेकाणुं, भड; पाडसाळा; वणधनुं  
 गाडुं.  
 मरु, वि. पीपेणुं. पु. जेक मुनि.  
 मण, ग. १. अडणठणुं.  
 मणि, पु. रत्न, अवादीर; परेणुं;  
 लोदमुणक; कांडुं; द्वित्रीने आ-  
 मलो भाग; काय; पाणीतुं वा-  
 राणुं. [आमलो भाग.  
 मणिक, उ. पाणीतुं वाराणुं; येनिने  
 मणिकंठ, पु. नीवकं-आपक्षी.  
 मणिकणिका, स्त्री. कागीभां जेक  
 २११-५१८ छे.  
 मणिकानन, न. मरुन.  
 मणिकार, पु. अवेरी.  
 मणिर्भाव, पु. कुवेरने जेक पुन.

मणित, न. मैथुन वणतने अरपष्ट  
 मणितारक, पु. साररापक्षी. [शब्द.  
 मणिपुष्पक, पु. सडडेवने शंभ.  
 मणिपूर, पु. नाणि. न. कतिभदेश.  
 मणिप्रभा, स्त्री. जेक छंद.  
 मणिवंध, पु. कांडुं, पीडोयो.  
 मणिमत्, वि. रत्नगीत. पु. रथे;  
 जेक पर्वत.  
 मणिमंध, पु. सिंधावणुं; पदाडी भीडुं.  
 मणीचक, न. अंदकांतगणि. पु.  
 भाडीभारने सरदार.  
 मणीवक, न. हूव.  
 मंड, ग. १, १०. राणुगारतुं; भुरी थतुं.  
 मंड, उ. गतार्थ; सत्व; कांड; शीणुं.  
 पु. देडको; राणुगार; अरेडीतुं आड.  
 मंडन, न. राणुगारतुं ते; राणुगार.  
 मंडप, पु. भांडये, मंडप; तंथु;  
 (सता) मंडप.  
 मंडयंत, पु. राणुगार, अतंकार; ना-  
 टकी; अत; श्रीजोनी मंडणी.  
 मंडयंती, स्त्री. स्त्री, भाषडी.  
 मंडल, वि. गेग, अक पु. येनाने  
 वणुं; इतरें; जेक नतने गर्प.  
 न. गेगाकार, गेग अक; मधु-  
 दाय; सगा; प्रांत. पणमणुं.  
 मंडलक, न. अक, गेगाकार; मधु-  
 दाय; प्रांत; आरगी. पु. इतरें.  
 मंडलिन, वि. गेग अक. पु. रापे;  
 जेक नतने राप; बितारी; व-  
 डतुं आड; रथे.  
 मंडली, स्त्री. अकयो; मंडणी, सगा;  
 अकगनि; दुर्गापाय.  
 मंडलीक, पु. अंठणी नरते गण.

मंडहारक, पु. कलास, दार् गालनार.  
 मंडा, स्त्री. दार्; आभणां.  
 मडित, वि. शष्पुगारेधुं; पीटधुं.  
 मंडुक, पु. हेडके. न. स्त्रीसंगनी  
 ऐक रीत.  
 मंडुकी, स्त्री. हेडकी; छिनाण स्त्री.  
 मंडूर, न. लोढानो मेव, (शक्तिनी  
 स्वातरीके).  
 मत, वि. धारेधुं; विचारेधुं; ज्ञानेधुं;  
 ध्वित; पूछत. न. विचार; ज्ञान;  
 सदाह; धराहो.  
 मतंग, पु. हाथी; वाहन; ऐक मुनि.  
 मतंगज, पु. हाथी.  
 मतलिका, स्त्री. उत्तम, उमदा.  
 मतांतर, पु. मतद्वार, लुढो मत.  
 मति, स्त्री. बुद्धि; ध्वित; स्मृति;  
 विचार; धराव; सदाहकार.  
 मतिमत्, वि. यतुर, दुशियार.  
 मतिहीन, वि. भूर्ध.  
 मत्क, वि. भाइ. पु. भाइधु.  
 मत्कुण, पु. भाइधु; मुंडवगरनो  
 हाथी, नानो हाथी; दादीवगरनो  
 पुरुष; पाडो; नारियवतु जाड.  
 मत्कुणारि, पु. सधु. [छोकरिनी].  
 मत्कुणी, स्त्री. वाणवगरनी येनि.  
 मत्त, वि. पीधेधु; धेधो; लुस्साहार,  
 भगदर, आनदी; व्यलियारी. पु.  
 पीधेधो भाणुर, गाडो भाणुर;  
 तोङ्गनी हाथी; डेधव, पाडो,  
 मत्तकीज, पु. हाथी. धिदुरातुं जाड.  
 मत्त, न. ज्ञान भेगवधानो रस्तो.  
 मत्स, पु. भाइधी.  
 मत्सर, वि. अडेधुं; लोष्ठी; पापी;

स्वार्थी. पु. अडेभाई; वेर; ग-  
 इरी; लोष्ठी; शुस्सो; मत्सर.  
 मत्सरिन्, वि. अडेधु; पापी; वेरी;  
 स्वार्थी; सतोपी.  
 मत्स्य, पु. भाइधी. [पक्षि  
 मत्स्यकरडिका, स्त्री. भाइधीनी टो-  
 मत्स्यगंधा, स्त्री. सत्यवती, शांत-  
 मत्स्यघात, पु. भाइभा. [नुनी स्त्री.  
 मत्स्यपुराण, न. ऐक पुराण.  
 मथन, न. वलोवधुं-मथन करधुं ते;  
 तुकसान.  
 मथनाचल, पु. मंढरायणपर्वत.  
 मथि, पु. वलोष्ठी, रवे.  
 मथित, वि. वलोवेधुं; धेधुं; भारी  
 नाधेधु; दुःष्ठी करेधुं.  
 मथिन्, पु. वलोष्ठी, रवे; वाधु,  
 पवन; वल्, पुरुषनी धंद्री.  
 मथु(धू) रा, स्त्री. मथुरानगर.  
 मद्, ग. ड. गांडा यधुं; दार् पीयो;  
 शुशी यधुं.  
 मद्, पु. भद; नीशो; गांडाई; विपय;  
 ध्यार; गइरी; दार्; मध; करतरी;  
 नदी; धातु, धीध.  
 मद्कट, पु. छीण्टो, नपुंसक, आंड.  
 मद्गमन, पु. पाडो.  
 मद्द्विप, पु. ननुनी हाथी.  
 मदन, वि. पीधेधुं; आनदी. पु.  
 धमडेव; विपयवासना; वसंतऋतु;  
 भभरो; भीष्णु; धरारातुं जाड.  
 मदनकाजुरव, पु. कपूर.  
 मदनचतुदशी, स्त्री. येन शुद्ध १४.  
 मदननालिका, स्त्री. भेवडा स्त्री.  
 मदनपक्षिन्, पु. मंढरायणपक्षी.

मदनपाठक, पु. डोयल.  
 मदनमोहन, पु. श्रीकृष्ण.  
 मदनललित, न. विषयीकीडा.  
 मदनलेरा, पु. प्यारपत्र.  
 • मदन्यंतिका, स्त्री. ऐक नततनुं शुवाय.  
 मदन्यवृ, पु. कामदेव; वादण; दार  
 गाणनार; दारडीओ; दार.  
 मदराग, पु. कामदेव; कुंडो; दारडीओ.  
 मदविहल, वि. विषयथी व्याकुल.  
 मदवीर्य, न. प्यारनो लुरगो.  
 मदवृद, पु. छाथी.  
 मदशीडक, न. लयद्व.  
 मदखल, न. पीडु, दारनी दुकान  
 मदातंक, पु. केकथी थतो भाथानो  
 दुप्यारो.  
 मदांवर, पु. औरावत, धंदनो छाथी.  
 मदार, पु. गाडो छाथी, मदारतो  
 छाथी; दुकर, लुड, धतरातुं जाड;  
 मदालस, वि. आलसु, सुस्त. [आशक.  
 मदालापिन, पु. डोयल.  
 मदाह, पु. करवरी. [दिर वृक्ष.  
 मदिर, वि. पीधेधु; देशी. पु. अ-  
 मदिरा, स्त्री. दार, मध, अंनन प-  
 मदिरासव, पु. देशी दार. [क्षी; दुर्गा  
 मदिष्ठा, स्त्री. दार. [धियार.  
 मदी, स्त्री. दारतुं प्यातुं, जेतीतुं छ-  
 मदीय, मात्र. [स्तीप्यार छाथी.  
 मदीत्कट, वि. अक्षीभाती पु. म-  
 मदीदग्र, वि. उन्मत्त.  
 मदीदग्रा, स्त्री. उन्मत्त स्त्री.  
 मद्र, पु. अगलो; पाष्ठीमां लुडकी  
 भारनार पक्षी, ऐक नततनो साप,  
 लाटनी मीने आक्षयुथी उत्पन्न

थयलो आणक, ऐक वर्णुसकरलत.  
 मद्र, पु. लुडकी भारनार; ऐक  
 नतनी भाछवी.  
 मद्य, वि. देशी, नीशाआन. न. दार.  
 मद्यप, पु. दारडीओ.  
 मद्यभाजन, न. दारतुं गलास.  
 मद्यमंड, पु. दारुपर आवतुं शीख.  
 मद्यवासिनी, स्त्री. धातकीनो रोपो.  
 मद्यामोद, पु. अकुल-भारसखीतु जाड.  
 मद्र, पु. ऐक देश; मद्रदेशनो राज.  
 न. सुअ, आनंद.  
 मद्रक, पु. भारवाडी. [धीछ स्त्री.  
 मद्रसुता, स्त्री. भारी, पांडु राजनी  
 मद्रन्, वि. सुअबोग धमछतार पु.  
 मधव्य, पु. वैशाख भार. [शिव.  
 मधु, वि. मधुर, मीहुं. न. मध,  
 कूलनो रस, दार, पाष्ठी; पांड,  
 सोभरस. पु. वसतकतु; येत्रम-  
 छिनो; ऐक दैत्य; रावधुनो व्याप.  
 मधुक, वि. मधुर, मीहुं. न. टीन,  
 क्लार्थ. पु. अशोक वृक्ष.  
 मधुकंट, पु. डोयल.  
 मधुकर, पु. लभरो.  
 मधुकर्कटी, स्त्री. मीहां लीथु.  
 मधुवृत्त, } पु. मधभाअ, लभरो.  
 मधुकशद, }  
 मधुकोश, -प, पु. मधपुडो.  
 मधुगायन, पु. डोडीव, डोयव.  
 मधुज, न. मीथु.  
 मधुजा, स्त्री. शेरडी; पृथ्वी.  
 मधुजंवीर, पु. मीहां लीथु.  
 मधुवृण, उ. शेरडी. [मध अने धी.  
 मधुनय, न. मधु मधुर मीले-शेरडी,

मधुदीप, पु. कामदेव.  
 मधुदूत, पु. आंगानुं आड.  
 मधुद, पु. लभरो; अक्षर.  
 मधुप, पु. लभरो, दाडीया.  
 मधुपटल, न. मधुपुडो.  
 मधुपति, पु. श्रीकृष्ण. [मध  
 मधुपर्क, पु. दही धी साथे भेजवेतु  
 मधुपर्णिका, स्त्री. गुळीनो रोपो.  
 मधुपुरी, स्त्री. मथुरानगरी.  
 मधुप्रमेह, पु. भीडो परभो (अक रोग).  
 मधुप्रिय, पु. अन्नराग.  
 मधुमक्ष, पु. } मधभाष.  
 मधुमक्षिका, स्त्री. }  
 मधुमत्, वि. मधुर, भीडु; मधगाथे  
 भेजवेतु. [भास.  
 मधुमाधव, न. चैत्रभास; वैशाख  
 मधुर, वि. भीडु; मधवांशु, शुश;  
 मधुर. पु. राती रोडी, बोभा;  
 गोण; डाकवी, उड. न. भीडाश;  
 मधुरक, वि. मधुर, भीडु. [अर, कलर्.  
 मधुरता, स्त्री. } भीडाश, माधुर्.  
 मधुरत्व, न. }  
 मधुरस्, पु. शेरडी; भीडाश.  
 मधुरसा, स्त्री. द्राक्षनो शुभषो;  
 मधुल, न. दाड. [द्राक्षनो दाड.  
 मधुलिका, स्त्री. राध.  
 मधुलिह, } पु. लभरो; मधभाष.  
 मधुलेहिन, }  
 मधुलोहप, }  
 मधुवन, न. मधुनाभनो दैत्य रडेतो  
 डतो।ते वन. पु. डोयव.  
 मधुसय, } पु. कामदेव [नवान  
 मधुसारधि, }  
 मधुसूदन, पु. लभरो, विष्णु ल-

मधुस्वान, न. मधुपुडो.  
 मधुहन्, पु. विष्णु; शिकारी पक्षी.  
 मधूक, पु. लभरो; अक वृक्ष.  
 मध्य, वि. वयमांतु; वालणी, न्या-  
 य ड. वयलो भाग, मध्य; कटी,  
 कभर, पेट. न. अक संख्या.  
 मध्यगंध, पु. आंगानुं आड.  
 मध्यदिन, न. मध्यान, अषार.  
 मध्यतस्, ल. वन्धेथी.  
 मध्यम, वि. वयमांतु, मध्यम. पु.  
 रागविद्याभानो मध्यम (म) सुर,  
 (व्याकरणुमां) णीले पुरुष. न.  
 कटी, कभर.  
 मध्यमक, वि. वययुं; साधारणु.  
 मध्यम पांडव, पु. अर्जुन.  
 मध्यमभूतक, पु. भेडुत.  
 मध्यमिका, स्त्री. उभरमां आवेली  
 मध्यरात्र, पु. मधरात. [छोडरी.  
 मध्यस्, वि. मध्यस्थाथी; वन्धुमांतुं.  
 पु. लवाड; शिव.  
 मध्यस्वान, न. कभर; वयलो भाग.  
 मध्या, } स्त्री. वयली आंगणी, उभ-  
 मध्यमा, } रमां आवेली श्री.  
 मध्याह, पु. मध्यान, अषार.  
 मध्य, पु. वैष्णुवन्धप्रदाय स्थाप-  
 नार अने वेदांतना सूत्रोनी उ-  
 पर लाष्य करनार मुनि.  
 मध्यक, पु. लभरो.  
 मध्यजा, स्त्री. देशी वस्तु; दाड.  
 मन्, ग. १. भगश्च होतुं; अणु.  
 ग. ४, ८. मानुं; विचारतुं; मा-  
 न आपतुं; अणु.  
 मनन, वि. साध; विचारवान. न.

मदनपाठक, पु. डोयल.  
 मदनमोहन, पु. श्रीकृष्ण.  
 मदनललित, न. विपथीकीडा.  
 मदनलेख, पु. प्यारपत्र.  
 • मदनयंतिका, स्त्री. ऐक लततुं शुवाभ.  
 मदनयह, पु. कामदेव; वाहन; दार  
 गाणनार; दारजीओ; दार.  
 मदराग, पु. कामदेव; कुकरो; दारजीओ.  
 मदविहल, वि. विपथी व्याकुल.  
 मदवीर्य, न. प्यारने लुस्मो.  
 मदवृंद, पु. हाथी.  
 मदशाडक, न. लयकुल.  
 मदखल, न. पीठुं, दारनी दुकान.  
 मदातंक, पु. डेक्षी यतो भाथानो  
 दुःभारो.  
 मदांबर, पु. औरावत, धंदनो हाथी.  
 मदार, पु. गांडो हाथी; मदररतो  
 हाथी; दुकर, लुंड; धवरातुं जांड;  
 मदालस, वि. आवसु, सुस्त. [आशक.  
 मदालापिन, पु. डोयल.  
 मदाह, पु. करूरी. [दिर वृक्ष.  
 मदिर, वि. पीधेधुं; डेक्षी. पु. भ-  
 मदिरा, स्त्री. दार, मध; भंजन प-  
 मदिरासय, पु. डेक्षी दार. [क्षी; दुर्गा.  
 मदिष्टा, स्त्री. दार. [यिथार.  
 मदी, स्त्री. दारतुं प्याधुं, भेतीनुं ह-  
 मदीय, भांड. [रतीभार हाथी.  
 मदोत्कट, वि. अभीभानी पु. भ-  
 मदोदप्र, वि. उन्भत्त.  
 मदोदप्रा, स्त्री. उन्भत्त स्त्री.  
 मद्र, पु. गगलो; पाणीभां लुडकी  
 भारनार पक्षी; ऐक लततनो राप;  
 भाटनी ग्रीने आदणुथी उत्पन्न

थयतो भाणक, ऐक वलुंभंकरलत.  
 मद्र, पु. लुडकी भारनार; ऐक  
 लतनी भाछवी.  
 मद्य, वि. डेक्षी, नीशाभाज. न. दार.  
 मद्यप, पु. दारजीओ.  
 मद्यभाजन, न. दारतुं गलास.  
 मद्यमंड, पु. दारडपर आवतुं शीणु.  
 मद्यवासिनी, स्त्री. धातकीनो रोपो.  
 मद्यामोद, पु. अकुल-भारसकीतुं जांड.  
 मद्र, पु. ऐक देश; मद्रदेशनो राज.  
 न. सुभ, आनंद.  
 मद्रक, पु. भारवाडी. [पीछ स्त्री.  
 मद्रमुता, स्त्री. भारी, पांडु राजनी  
 मद्रन, वि. सुभलोग धंभनार. पु.  
 मधव्य, पु. वैशाख भाग. [शिव.  
 मधु, वि. मधुर, भीठुं. न. मध;  
 कूलनो रस; दार; पाणी; आंड;  
 भाभरस. पु. वसंतकतु; अत्रभ-  
 दिनो; ऐक दैत्य; रावानुनो भाप.  
 मधुक, वि. मधुर, भीठुं. न. दीन,  
 कलाध. पु. अशोक वृक्ष.  
 मधुकंठ, पु. डोयल.  
 मधुकर, पु. लभरो.  
 मधुककंदी, स्त्री. भीडां लीथु.  
 मधुकुत, } पु. मधभाभ, लभरो.  
 मधुकराट, }  
 मधुकोट, -प, पु. मधपुरो.  
 मधुगायन, पु. डोक्षील, डोयल.  
 मधुज, न. भीणु.  
 मधुजा, स्त्री. शेरडी; पृथी.  
 मधुजंवीर, पु. भीडां लीथु.  
 मधुवृण, उ. शेरडी. [मध अने धी.  
 मधुप्रय, न. मधु मधुर स्त्रीजे-शेरडी,

मधुदीप, पु. कामदेव.  
 मधुदूत, पु. आंगानुं आड.  
 मधुद, पु. लभरो; अकार.  
 मधुप, पु. लभरो; दाइडीओ।  
 मधुपटल, न. मधुपुडो।  
 मधुपति, पु. श्रीकृष्ण. [मध  
 मधुपर्क, पु. दही धी साथे भेणवेडु  
 मधुपर्णिका, स्त्री. शुक्लीनो रोपो।  
 मधुपुरी, स्त्री. मधुरानगरी।  
 मधुप्रमेह, पु. भीडो परभो (अकारो).  
 मधुप्रिय, पु. अक्षरभ.  
 मधुमक्ष, पु. } मधभाष.  
 मधुमक्षिका, स्त्री. }  
 मधुमत्, वि. मधुर, भीडु; मधुसाथे  
 भेणवेडुं. [भास.  
 मधुमाधव, न. शैत्रभास; वैशाख  
 मधुर, वि. भीडु; मधुवाणु; पुरा,  
 मधुर. पु. राती शेरडी; शोभा,  
 गेण; काकवी, उर. न. भीडाश;  
 मधुरक, वि. मधुर, भीडु. [अरि; कर्ष.  
 मधुरता, स्त्री. } भीडाश, माधुर्य  
 मधुरत्व, न. }  
 मधुरस, पु. शेरडी, भीडाश.  
 मधुरसा, स्त्री. द्राक्षनो सुभयो;  
 मधुल, पु. दाइ. [द्राक्षनो दाइ.  
 मधुलिका, स्त्री. राई.  
 मधुलिह, }  
 मधुलेहिन, } पु. लभरो; मधभाष.  
 मधुलोत्तुप, }  
 मधुवन, न. मधुनाभनो दैत्य रडेतो  
 डतो। ते वन. पु. डोपव.  
 मधुसप, }  
 मधुसार्धि, } पु. कामदेव. [नवान.  
 मधुसर्व, न. लभरो, विष्णु ल-

मधुस्वान, न. मधुपुडो।  
 मधुहन्, पु. विष्णु; शिकारी पक्षी.  
 मधुक, पु. लभरो; अकार वृक्ष.  
 मध्य, वि. वयभांतुं; वाण्णी, न्या-  
 य उ. वयलो भाग, मध्य; कटी,  
 कभर; पेट. न. अकार संख्या.  
 मध्यगंध, पु. आंगानुं आड.  
 मध्यदिन, न. मध्यान, अक्षर.  
 मध्यतस्, अ. वच्येथी.  
 मध्यम, वि. वयभांतुं; मध्यम. पु.  
 राजविधाभातो मध्यम (म) सुर,  
 (व्याकरणुभां) णीजे पुरय. न.  
 कटी, कभर.  
 मध्यमक, वि. वययुं; साधारण्य.  
 मध्यम पांडव, पु. अर्जुन.  
 मध्यमभृतक, पु. भेडुत.  
 मध्यमिका, स्त्री. उभरभां आवेडी  
 मध्यरात्र, पु. मधुरात. [छाकरी.  
 मध्यस्व, वि. मध्यस्थाथी; वच्यभांतुं.  
 पु. लवाद; शिव.  
 मध्यस्वान, न. कभर; वयलो भाग.  
 मध्या, } स्त्री. वयली आंगणी, उभ-  
 मध्यमा, } रभां आवेडी स्त्री.  
 मध्याह, पु. मंयान, अक्षर.  
 मध्य, पु. वैष्णव-संप्रदाय स्थाप-  
 नार अने वेदांतना सूत्रोनी उ-  
 पर भाष्य करनार मुनि.  
 मध्यक, पु. लभरो.  
 मध्यजा, स्त्री. देशी वस्तु; दाइ.  
 मन्, ग. १. मनइर डोतुं, लणुं.  
 ग. ४, ८. मानुं, विचारतुं; मा-  
 न आपुं, लणुं.  
 मनन, वि. सावध; विचारवान. न.

वितन, भनन करतुं ते; धुद्धि,  
 आस. [आर, धरादो; रीतलात.  
 मनस्, पु. मन, अतःकरणु; वि-  
 मनःशिल, पु. मनशिल धातु.  
 मन्सा, स्त्री. कश्यपनी पुत्री.  
 मनसिज, वि. मतुं. पु. कामदेव;  
 प्यार; अद्र  
 मनसिशय, पु. कामदेव; अद्र.  
 मनस्विन्, वि. अतुर; दड; सावध.  
 पु. शरभ पक्षी.  
 मनस्विनी, स्त्री. भगश्च स्त्री; सह-  
 सुणी स्त्री; दुर्गा; चंद्रनी मा.  
 मनाक्, अ. अक्षय, थोडुक.  
 मनाका, स्त्री. डाथली. )

मनुष्यविशा, स्त्री. भाषुसन्त.  
 मनोगत, वि. मतुं. न. धन्धा; वि-  
 मनोगति, स्त्री. मननी धन्धा. [आर.  
 मनोगर्वा, स्त्री. धन्धा, अभिवाधा.  
 मनोज, वि. मनमां पेदा ययथुं. पु.  
 कामदेव. [पितृतुल्य.  
 मनोजव, वि. अतिशय वेगवान् ;  
 मनोस, वि. आनंदी; मनोहर. पु.  
 अेक अधर्व. [नपुत्री; दार.  
 मनोहा, स्त्री. मनःशिल धातु; रा-  
 मनोच, पु. शोधी काठनार; कारभारी.  
 मनोनीत, वि. मनपरसंद.  
 मनोमय, वि. मतुं.  
 मनोभव, -भू, पु. कामदेव; प्यार.

मंत्रण, न. } सलाह.  
 मंत्रणा, स्त्री. }  
 मंत्रतस, अ. लक्ष्मी-युञ्जने.  
 मंत्रदीधिति, पु. अग्नि, आतस.  
 मंत्रधर, पु. सलाहकार.  
 मंत्रपूत, वि. मंत्रधी पवित्र करेहुं.  
 मंत्रमूल, न. लहु.  
 मंत्रवादिन्, पु. लहुगर.  
 मंत्रविद्, वि. मन् लक्ष्मणार. पु. ल-  
 यूस; सलाहकार. [सलाह करेहुं.  
 मंत्रित, वि. मन्नेहुं; कहेहुं; विचारिहु,  
 मंत्रिन्, पु. मंत्री, सलाहकार; प्र-  
 धान; लहुगर.  
 मंत्रिता, स्त्री. } प्रधानपहुं.  
 मंत्रित्य, न. }  
 मन्, ग. १, ९. मथन करहुं, बलो-  
 वहुं; धुन्यहुं; धस्त करवी; नाश करवो.  
 मन्ध, पु. रथे, मंथन हंड; सूर्य; मू-  
 र्येतां किरणु; आंसु, यमयो.  
 मंथज, न. भाषणु.  
 मंथन, पु. रथे. न. बलोवहुं ते.  
 मंथर, वि. धीभुं, सुस्त; मूर्ध; उंडुं;

मथोदधि, पु. द्वेधनो-शीरगमुद्र.  
 मद्, ग. १. पीवरावहुं, आनंदी थहुं,  
 धीभुं बालहुं; उंधहुं; रतुति करवी.  
 मंद, वि. धीभुं, सुस्त; थहुं; मूर्ध;  
 उंडुं; नम्र; नम्रगुं; पापी; स्वतंत्र.  
 पु. शनिअड; यमराज; प्रलय.  
 मंदक, वि. मूर्ध.  
 मंदर, पु. पारिणतकतुं अड.  
 मंदता, स्त्री. } सुस्ता; मूर्ध; पापी;  
 मंदत्व, न. } अल्पता; मृदुता.  
 मंदन, न. स्तोत्र, वभाषु.  
 मंदर्घा, मंदप्रह, वि. मूर्ध. ;  
 मंदयती, स्त्री. दुर्गा.  
 मंदर, पु. मंद; गीय; मोर्दु. पु. मंदर-  
 पवन; मोतीनी भासा; स्वर्ग,  
 मंदविभव, वि. जरीण. [ आरसी.  
 मंदवीर्य, वि. नम्रगुं.  
 मंदसान, पु. अग्नि; प्राणु, निद्रा.  
 मंदा, स्त्री. वासणु.  
 मंदाक, पु. ओ, नाणु; वभाषु  
 मंदाकिनी, स्त्री. जगानदी; स्वर्गगंगा.  
 मंदाकांता, स्त्री. अेक छंड.



मंदिरपशु, पु. पिशाची.  
 मंदिरमणि, पु. शिव.  
 मंदिरा, स्त्री. तपेले।  
 मंदुरा, स्त्री. तपेले; पीछातुं.  
 मंदोदरी, स्त्री. शवलुनी स्त्री.  
 मंद्र, वि. ईडुं; आनदी; वषाधुवा-  
 लापक. पु. हाथीना अवाज, ओक  
 नतने। डोल.

मधातु, पु. सुद्धिमान भाष्यस.  
 मन्मथ, पु. कामदेव, प्यार.  
 मन्मथिन, वि. विपथी.  
 मन्मन्, न. धम्भा, भरल; स्तोत्र.  
 मन्मन, पु. जीवो गणुगणुत; क-  
 मन्या, स्त्री. ज्ञान. [भदेव.  
 मन्सु, पु. झेध, सुस्से; दक्षणीरी;  
 उगावीअत; अत; अर्री; अत्रि.  
 मन्वन्तर, पु. देवताओना ७१ युग.  
 मप(पु)ष्ट, -क, पु. वंगली भग.  
 मभ, ग. १. ७७.  
 मभ, भाई.  
 मभता, स्त्री. भगद्री, आपभतलण.  
 मभ, ग. १: ७७.  
 मभमट, पु. धान्यप्रकाश अंधनो कर्ता.  
 मभ, ग. १. ७७. [अभ्यर.  
 मभ, पु. ओक दानव; घोडे; ईड;  
 मया, स्त्री. विकितसा.  
 मया, स्त्री. घोडी. [उनार; दरिण.  
 मयु, पु. किरण, देवताई वाध वगा-  
 मयुराज, पु. कुभेर. [शोभा.  
 मयूर, पु. किरण; मुंदरता; अवावा;  
 मयूपिन, वि. अणकतुं.  
 मयूर, पु. भोर, मयूरकवि.  
 मयूरक, पु. भोर.

मर, पु. मृत्यु; पृथ्वी.  
 मरक, पु. भरडी, रोगवारो.  
 मरकत, न. पालुं, ओक अवेरात.  
 मरण, न. मृत्यु, मोत; ओक नतनुं  
 मरत, पु. मृत्यु. [उर.  
 मरंद, } पु. मरुद, कुवनो रस.  
 मरंदक, }  
 मरार, पु. केडार.  
 मराल, वि. नरभ; डोभल. पु. राव-  
 डस; कर्डवपक्षी; घोडे; वादण;  
 अजन; कुब्जो. [भरी.  
 मरि(री)च, पु. मरीनो रोपे. न.  
 मरिमन्, पु. मोत.  
 मरीचि, पु. मरीचि प्रजपति; कृष्ण;  
 कृष्ण. पु. किरण; प्रकारा.  
 मरीचिका, स्त्री. मृगजल, अंज-  
 वानां पाणी. [सूर्य.  
 मरीचिमालिन, वि. किरणयुक्त. पु.  
 मर, पु. पर्वत; निर्णलदेश, पाणी-  
 मरक, पु. भोर. [वगरनो देश.  
 मरंडा, स्त्री. ईया कपाणवाणी स्त्री.  
 मरुत्, पु. वायु; आस; वायुदेवता;  
 मरुत, पु. देव; वायु. [देवता.  
 मरुत्त, पु. ओक अंधवंगी राज.  
 मरुत्तनय, } पु. लीभ; अनुमान.  
 मरुत्तपुत्र, }  
 मरुत्तपट, पु. ( वडाणुनुं ) सड.  
 मरुत्तपुत्र, पु. शिक.  
 मरुत्तफल, न. करां, गार.  
 मरुत्तवत्त, पु. ईड; वादण; अनुमान.  
 मरुत्तसप्त, पु. धंद्र; अत्रि.  
 मरुत्तय, पु. घोडे.  
 मरुद्गण, पु. वायुगण, ४६ वायु.

मरुहर्मन्, न. आकाश.  
 मरुह्राह, पु. अग्नि; धंर.  
 मरुभूमि, स्त्री. निर्गलदेश.  
 मरुल, पु. अतक, अटक.  
 मरुच, पु. राहु अड.  
 मरुक, पु. भोर; सागर.  
 मरोलि, मरोलिक, पु. मकर, मगर.  
 मर्क, पु. श्वास; वांहर; हेड; हेडडो.  
 मर्कक, पु. करेकीओ.  
 मर्कट, पु. वाहर; करेकीओ; सार-  
 सपक्षी; अक अर.  
 मर्कटास्य, न. तांथु.  
 मर्कर, पु. बांगरातुं आड. [ स्त्री.  
 मर्करा, स्त्री. वासाथु; बांयड; वांअथी  
 मर्च, ग. १०. वेतुं; आलतुं; न्तुं;  
 धमकावतुं, धन करनी.  
 मर्जू, पु. धोपी. स्त्री. शुद्धि, सङ्घ.  
 मर्त, पु. भाणुस, अतुं प्राणी;  
 पृथी, मृत्युवेक.  
 मर्त्य, वि. नाशवत, इनी. पु. भ-  
 नुष्य, प्राणी; मृत्युवेक, पृथी.  
 न. शरीर. [ करतुं; अणतुं.  
 मर्दन, न. मर्दन करतुं, धसतु; मूर्ख  
 मर्मन्, न. स्वरूप तत्व; साधे;  
 अवस्थान, अभिप्राय; सार; वि-  
 पय, सव्याध, रडस्य, हेतु; तात्पर्य.  
 मर्मज्ञ, वि. धृषुं न्तुं. वि. विद्वान्  
 भाणुस. [ अडअडत; अडअडत.  
 मर्मर, पु. कपडां पादडां वगेरेने  
 मर्मरी, स्त्री. अण.  
 मर्मरीक, पु. गरीभ भाणुस.  
 मर्मिक, वि. मर्मन, एशिपार.  
 मर्य, वि. इनी, नाशवत. पु. भाणुस,

अनुष्य; लुवान भाणुस; पुरुष;  
 आशक; घोडो; डं.  
 मर्यक, पु. नानो भाणुस; भाणुस.  
 मर्या, स्त्री. सीमा, डड.  
 मर्यादा, स्त्री. सीमा, डड; छेडो,  
 अत; काठो, किनारो; कपालो.  
 मर्श, पु. सदाड; मसवत.  
 मर्ष, पु. } क्षमा, सडनशीलता.  
 मर्षण, न. }  
 मर्षित, वि सडनशील, क्षमावत.  
 न. सभूरी.  
 मल, वि. भेडु, डवड; नास्तिक; पा-  
 पी. उ. भेड, कथरो; विधा; न-  
 रक, कपूर, समुद्रशीलु; वात, पित्त,  
 मलज, न. पड. [ अने कं.  
 मलद्राविन्, पु. न्मालगोटो.  
 मलवत्, वि. गडु.  
 मलन, न. मर्दन. पु. तांथु.  
 मलभूज, पु. कागडो.  
 मलमास, पु. अविकभास.  
 मलय, पु. मलयपर्वत, मलयार डि-  
 नारो, भाग; अरने भाग.  
 मलयज, उ. सुअड. पु. राहुअड.  
 मलाका, स्त्री. छीनाव स्त्री, छाथणी,  
 मलाशय, पु. पेट. [ कटणी, इती.  
 मलि, पु. भापीडी.  
 मलिक, पु. राज.  
 मलिन, वि. गडु; कागु; पापी; नीच.  
 न. पाप, छस, टकणुआर.  
 मलिनता, स्त्री. गदार्थ, भेवापातुं.  
 मलिनमुखा, वि. डूर, धातडी; नीच,  
 भेवा मोढावाणु पु. अग्नि; प्रेत,  
 लन; गोवाणुव वांहर.

मलिनित, वि. पापी; भेदुं.  
 मलिम्लुच, पु. शेर; राक्षस; मन्धर;  
 अरक्ष; वायु; अग्नि; अधिकभास.  
 मलिष्ठा, स्त्री. २०/स्वला स्त्री.  
 मलीमस्त, वि. मलिन, भेदुं; पापी.  
 मलूक, पु. ऐकनतने कीडा. [न. लोडु.  
 मल्ल, वि. बेरावर; उत्तम. पु. ले-  
 रावर भायुस; पहेलवान; मल्ल;  
 ऐक वलुसंकरनत; ऐक देश.  
 मल्लक, पु. दीपी, समेधानी; दांत;  
 दीवो; नारियलनी कायदी.  
 मल्लकीडा, स्त्री. कुस्ती, मुष्काभाळ.  
 मल्ला, स्त्री. स्त्री, आयडी; भावतीवता.  
 मल्लार, पु. ऐक राग.  
 मल्लारि, पु. कृष्ण; शिव.  
 मल्लिक, पु. लुरा पग अने सांय-  
 वाणुं हंस; भाधभास.  
 मल्लिका, स्त्री. भावती वता; समे-  
 धानी, दीपी; भाडीतुं वासलु.  
 मल्लिनाथ, पु. रघुवश, कुमारसंभव  
 वगेरे उपर टीका करनार.  
 मल्लोकर, पु. शेर.  
 मल्लु, पु. रीठ.  
 मल्लूर, पु. लोढानो बुको.  
 मव, मव्य, ग. १. आंधुं.  
 मश, पु. मन्धर; गलुगणुाट; गुस्सेो.  
 मशक, पु. मन्धर; मसक. पपाल;  
 मशो, थाभडीनेो ऐक राग.  
 मश(क)हरी, स्त्री. मन्धरधानी.  
 मशी, स्त्री. साडी; भीसी.  
 मशुन, पु. इतरें.  
 मप्, ग. १. धन करपी.  
 मपि, -पी, पु. भीसी; साडी.

मस, ग. ध. तोणतुं; आकार अदसवे.  
 मस, पु. वणन, तोल. [ऐक शेरयो.  
 मसन, न. वणन करतुं ते; दवानो  
 मसरा, स्त्री. मसुरनी दाण.  
 मसार(क), पु. धंरनीध मपि, पातुं.  
 मसि, पु. मुरभो; साडी; भीभी.  
 मसिक, पु. सापतुं दर.  
 मसिकूपी, } स्त्री. भडीयो.  
 मसिधानी, }  
 मसिन, वि. दणेदुं.  
 मसिपण्य, पु. वेभक, मुनसी.  
 मसिपथ, पु. कवम.  
 मसी, स्त्री. 'मसि' लुयो.  
 मसीना, स्त्री. अणसी.  
 मसु(सु)र, पु. मसुरनी दाण, ऐक  
 कडोण; तडीयो. स्त्री. (रा)वेश्या.  
 मसूरक, पु. तडीयो.  
 मसूरिका, स्त्री. कुटणी; मन्धरधानी.  
 मसृण, वि. तेलवाणु; धीमुं; गरीण;  
 मसृणा, स्त्री. अणसी. [वडातुं.  
 मस्क, ग. १. लुं.  
 मस्कर, पु. वांस, आंधु; गति; सान.  
 मस्करिन, पु. अंर.  
 मस्ज, ग. ध. नडातुं; दुभडी भारपी.  
 मस्त, न. गाधुं.  
 मस्तक, उ. भायुं; टोय, शिभर.  
 मस्तकमूलक, न. अरदन.  
 मस्तकखेद, पु. भगण.  
 मस्ति, स्त्री. वणन करतुं ते.  
 मस्तिक, न. भापुं.  
 मस्तिष्क, न. भगण.  
 मस्तु, न. धारा.  
 मस्तुलुंग(क), उ. भगण.

मह, ग. १, १०. मान आपहुं, पूजहुं;  
आनंद पाभहुं. [ प्रकाश.  
मह, पु. उत्सव, उल्लाषी, यर, पारो;  
महक, पु. कायमो; विष्णु; प्रभ्यात  
भाषुस.  
महत्, वि. मोटुं; सभ्याणध; लांभुं;  
भज्युत; अगत्यनुं; उभुं.  
महत्, पु. उंट; शिव; बुद्धि. न.  
राज्य; मोटाई.  
महत्त्व, न. बुद्धि, अक्षय.  
महत्तम, वि. अधाधी मोटुं.  
महत्तर, वि. वधारे मोटुं. पु. शूद्र;  
नोकर, याकर.  
महत्ता, स्त्री. } प्रधानता, मोटाई,  
महत्त्व, न. } अगत्य.  
महंत, पु. साधुओंना भक्तो वडो.  
महल, पु. राजना ज्ञानभानानो  
दीगडो, क्युकी.  
महस, न. उत्सव; यर; प्रकाश;  
मुभ, आनंद; मोटाई; पाषी.  
महा, स्त्री. गाय. [ पर्वत.  
महाकच्छ, पु. समुद्र; वरुणदेवता;  
महाकंद, पु. काद्ये.  
महाकपित्थ, पु. भिडीनुं आड.  
महाकर्ण, पु. शिव.  
महाकला, स्त्री. आंदरात.  
महाकांता, स्त्री. पृथ्वी. [ नंदीगण.  
महाकाय, पु. शिव; हाथी, वीष्णु;  
महाकाल, पु. जगतनो नाश करती  
वभतनुं शिवनुं स्वर्प, पार ज्येस्ती-  
विगभांनुं ओक; नंदीगण; विष्णु.  
महाकाली, स्त्री. अष्टभुज देवी.  
महाकुमार, पु. युवराज, पाटवी कुमार.

महाकतु, पु. अश्वमेध यर.  
महागद, पु. ज्वर, ताव.  
महागंध, पु. वन० जणवेतस. न.  
महाग्रीव, पु. उंट; शिव. [ अदन.  
महाघोष, वि. मोटा शब्दवाहुं. न.  
जलर, हाट.  
महाचंडा, स्त्री. आभुं डादेवी.  
महाजन, पु. धरु भाषुसोनो स-  
मुदाय; मोटो भाषुस; भदो भा-  
षुस, वेपारी.  
महाजाति, स्त्री. उंचीजत; भाधवी-  
महातल, न. पांयभुं पाताण. [ लत.  
महातित्त, पु. लींजडातुं आड.  
महातेजस, वि. अति तेजस्वी. पु.  
अग्नि, योद्धे.  
महात्मन्, वि. उत्तम स्वभाववाहुं,  
महादारु, पु. देवदाइनु आड. [ नेक.  
महादेव, पु. शिव.  
महादेवी, स्त्री. पार्वती; पटराणी.  
महाधन, वि. प्रसाधार; श्रीमती. न.  
सोतुं, श्रीमती पोरसाक.  
महाधातु, पु. सोतुं; शिव; मेरुपर्वत.  
महानट, पु. शिव.  
महानद, पु. मोटी नदी.  
महानदी, स्त्री. मोटी नदी, गंगा,  
कृष्णावगेरे, ओक नदी.  
महानंदा, स्त्री. दाइ; ओक नदी; मुक्ति.  
मदानवमी, स्त्री. आरो शुक ह.  
महानस, उ. रसोतुं.  
महानाटक, पु. उतुमान नाटक.  
महानाद, पु. मोटो अवाण; मोटुं  
देव; हाथी; मिड; कान; उंट;  
शिव. न. ओक वाज्य.

- महीजा, स्त्री. सीता.  
महीधर, पु. पर्वत; विष्णु. [सिंभ्या.  
महीध्र, पु. पर्वत, विष्णु; सातनी  
महीप, } पु. राज.  
महीपाल, }  
महीपुत्र, पु. भगवत्प्रद.  
महीमर्त्य पु. राज.  
महीभुज, पु. राज.  
महीभृत्, पु. पर्वत; राज.  
महीरुह, पु. वृक्ष, जड.  
महीला, स्त्री. आथडी, स्त्री.  
महेन्द्र, पु. विष्णु; धद्र; ऐक पर्वत.  
महेन्द्रनगरी, स्त्री. अभसवती, ध-  
द्री नगरी.  
महेला, } स्त्री. नारी, आथडी.  
महेलिका, }  
महेश, } पु. शिव, महादेव.  
महेश्वर, }  
महेश्वरी, स्त्री. पार्वती.  
महेष्वास, पु. भोटो धनुषधारी वेदो.  
महेला, स्त्री. भोटी ऐजथी.  
महोदधि, पु. समुद्र. [ताप; अडकार.  
महोदय, पु. कनोवदेश, आनंद, प्र-  
महोरग, न. तगरनां भूव. पु. भोटो  
साप. [आमर्थ्य, ताकाद.  
महौजस्, वि. अति तेजस्वी. न.  
मा, अ. निवारण, नाकार.  
मा, स्त्री. लक्ष्मी; माता, मा, माप.  
मांस, न. मांस पु. शोरो, पाटकी,  
सभय, वपत.  
मांसकारिन्, न. बोही, रज.  
मांसफला, स्त्री. शींगळु, वेगळु.  
मांसल, वि. भासवाणु, भन्वृत, उडं.  
मांससार, } पु. वरणी.  
मांसखेह, }  
मांसिक, पु. पाटकी.  
मांसिनी, स्त्री. वन० जटागारी.  
माकंद, पु. आंथानु जड.  
माकदी, स्त्री. गगानदी उपरतुं ऐक  
शेडेर, आंथानु.  
माकरी, स्त्री. भाडा शुद्ध. [चद्र.  
माकलि, पु. भातवि, धद्रनो सारथि,  
माक्षि(क्षी)क, न. भय.  
माक्षिज, न. भीषु.  
मागध, वि. भगधदेशतुं. पु. भगध-  
देशनो राज, व्यतीजन, भाट,  
ऐक पर्थुसकर जत.  
मागधी, स्त्री. भगधदेशनी राज-  
कथा; मागधी आथ; साकर, शे-  
षानदी, पीपर; क्षत्रियभाता अने  
पैश्य आपथी उत्पन्न थयवी छोकरि.  
माघ, पु. भाडा-भाधभार; ऐक क्वि.  
माघवती, स्त्री. पूर्वदिशा.  
माघवन, वि. धद्रतु.  
माघी, स्त्री. भाडा शुद्ध १५.  
मांझ, न. १. धद्रतु.  
मांगलिक, वि. शुभ, सुभारक.  
मांगल्य, वि. शुभ. न. कथापु, उ-  
माच, पु. रस्तो, वाट. [त्स०.  
माचल, पु. गोर, भगर; रोग.  
माचिका, स्त्री. भांणी.  
मांजिष्ठ, वि. रातुं. न. रातो रंग.  
माट, पु. रस्तो. [दाइ गाननार.  
माटर, पु. व्याग, आभार; कथाप,  
माटी, स्त्री. वपतर.  
माद, पु. वरन, माप.

मादि, पु. भेदेव.  
 माद्रुक, -किक, पु. दोल वगाडनार.  
 मादि, स्त्री. गरीभाई; दलगीरी;  
 सुरयो; दाड. [ सरने भोतीने दाड.  
 माणय, पु. लुवानीओ; भाणुस; सोण  
 माणवक, पु. लुवानीओ; थळ-  
 थारी; वेंदेतीओ; सोण सरने  
 भोतीने दाड.  
 माणविका, स्त्री. लुवान छोकरी.  
 माणवीन, वि. व्याकथुद्धिंतुं.  
 माणव्य, न. छोकरोओतुं दोणु.  
 माणिक्य, न. भाणुक, दाड.  
 माणिक्या, स्त्री. देडगरोली, पक्षी.  
 मातंग, पु. दापी; वंडाव; किरात,  
 पंतवारी ओक नत.  
 मातरिपुद्य, पु. नाई, हीयकारो,  
 पोतानी भानी पासेज पुरुषातन  
 गतावनार.  
 मातरिभ्यन्, पु. वायु, उवा.  
 मातलि, पु. छंदने सारधि.  
 माता, स्त्री. भा; जननी.  
 मातापितरां, पु. भाभाप.  
 मातामह, पु. नातो (दादो), भानो भाप.  
 मातामही, स्त्री. नानी (दादी), भानी भा.  
 माति, स्त्री. भाप; विचार.  
 मानुल, पु. भाभो, भानो भाई; धव-  
 रानुं जाड; ओक नतना योभा.  
 मानुलक, पु. भाभो; धवरातुं जाड.  
 मानुलपुत्रक, पु. भाभानो पुत्र.  
 मानुला, मानुलानी, मानुली, स्त्री.  
 भाभी; गानु.  
 मानुलिन, } पु. धीभनुं जाड; दाडभनुं  
 मानुलुंग, } जाड. न. वीपु; दाडभ.

मातृ, स्त्री. भा, जननी; गाय; लक्ष्मी;  
 दुर्गा; आकाश; पृथ्वी; देवती.  
 मातृक, वि. भातृसंघी. पु. भाभो.  
 मातृका, स्त्री. भा; दादी; दाई; भूल.  
 मातृग्राम, पु. स्त्रीनत.  
 मातृष्वर, स्त्री. भासी, भानी गडेन.  
 मातृष्वस्त्रेय, पु. भासीने पुत्र.  
 मातृष्वस्त्रेया, स्त्री. भासीनी छोकरी.  
 मात्र, वि. भात्र, तेज, इक्ष, शिवाय.  
 न. भाप, भरप.  
 मात्रा, स्त्री. भाप, परिभाणु; योडे  
 लाग; पैसो, विस; तत्र; अणु;  
 पण. [ पाडीट.  
 मात्रामत्रा, स्त्री. पैसाभूकवानी घेली,  
 मात्सर, वि. अडेपुं.  
 मात्सर्य, न. दासद, अडेभाई, झीनो.  
 मात्स्यक, पु. भाडीभार.  
 माघ, पु. वयोवतुं ते; रस्तो; इतव.  
 माघर, वि. मथुरातुं; मथुराभां रडेनार.  
 माद, पु. नीशो, देड; थुराक्षी; गरी.  
 मादक, वि. देशी. पु. अपैयो.  
 मादन, वि. नीशावाणु, देशी. पु. काम-  
 देव; धवरातुं जाड. न. तवंग; नीशो.  
 मादश, } वि. भारा नेतुं.  
 मादर, -रा, }  
 माद्री, स्त्री. पांडुराननी श्री ७ स्त्री,  
 नकुल अने सहदेवनी भा.  
 माघन, वि. मधनेतुं भीहुं; मधनुं  
 वनावेतुं. पु. कृष्ण; वरसंभतुं;  
 पैशाभभाग; छंद; परशुराम.  
 माघवक, पु. मधने दाड.  
 माघविका, स्त्री. माघवीवन.  
 माघवी, स्त्री. मधने दाड; वारां-  
 तीवता; तुवरी; दुदपी.

माधुर, न. मधुसूक्त लतानां इव.  
 माधुरी, स्त्री. भीकार; दार.  
 माधुर्य, न. भीकार, भाषा, भेद-  
 णानी; अतिशय मुंदरता.  
 माधूक, वि. मधुर जैलनार; नम्र  
 माध्य, वि. मध्यतुं, वञ्चेतुं.  
 माध्यदिन, वि. मध्याह्न; वञ्चेतुं.  
 न. शुक्ल यजुर्वेदी शाखा.  
 माध्य, वि. भीर्तु, मधुर.  
 माध्यक, न. मधुनो दार.  
 माध्यिक, पु. मधु, अङ्कुं करनार.  
 माध्वी, स्त्री. माधवीवता; मधुनो दार.  
 माध्वीक, न. द्राक्षनो दार; मधुक  
 नामना जाडनां इवनो दार; द्राक्ष.  
 मान, पु. आश्रय, मान; मनरी;  
 मत; भाषत. न. भाष; कायदो;  
 साधेती; सभानता.  
 माननीय, वि. मान्य, मानवावायक.  
 मानय, वि. मानयी, भाषुसञ्चतने  
 लगतुं. पु. भाषुस; छाकरो; म-  
 मानवदेव, पु. राज. त्रुष्य प्राणी.  
 मानवी, स्त्री. स्त्री, नारी.  
 मानव्य, न. भाषुमेनो समुदाय.  
 मानस, वि. मनतुं, मनभांथी उ-  
 त्पन्न यधुं. पु. विष्णु. न. मन,  
 दाल; मानसरोवर.  
 मानसरोवर, न. हिमायत पर्यटना  
 देवारा सिमर उपरतुं अिक स-  
 मानसालय, पु. हंगपशी. सिवर.  
 मानसिक, वि. मनतुं, मनोमन.  
 मानसोक्त, पु. दग्. [पु. विष्णु.  
 मानिका, स्त्री. दार.  
 मानिता, स्त्री. मरी, अ-कार.

मानिक, वि. मानवाणु; मगर.  
 मानुष, वि. मनुष्यतुं; मायाणु. पु.  
 भाषुम. न. भाषुसार्ध. [वसाणु.  
 मानुषी, स्त्री. भाषडी, करीआणु,  
 मानुष्य, -क, न. भाषुसार्ध; मनु-  
 ष्यजत; भाषुमेनो समुदाय.  
 मानोहक, न. मुंदरता.  
 मानिक, पु. लदुगर.  
 मान्य, ग. १. धन्व करी.  
 मांथर्य, न. मुस्तार्ध; नथणार्ध.  
 मांदार, पु. पारिणतकंनुं जाड.  
 मांघ, न. मंदता, मुस्तार्ध; मूषार्ध;  
 नथणार्ध; नोग, दरद.  
 मांघाट, पु. युवनाथ राजनो युव.  
 मान्य, वि. कण्व, मान्य; मानवत.  
 मापक, वि. भाषनार.  
 मापत्य, पु. कामदेव.  
 मापन, न. भाषतु ते; परिभाषु.  
 पु. कांटे, तुवा.  
 माम, भा. पु. भाषो [भाषुग; भाषो.  
 मामक, वि. भाई, लोभी. पु. लोभी  
 मामकीन, वि. मदीय, भाई.  
 माय, वि. लदुर्ध सन्निवाणु. पु.  
 लदुगर; राक्षस.  
 माया, स्त्री. लदुगीरी; ईंद्रजयविद्या;  
 कर्गार्ध; पाप; द्या; लुदगी भा;  
 प्रसा, गपापुरी; लदुभी.  
 मायाकार, } पु. मदीरी, लदुगर.  
 मायावत्, }  
 मायानि, पु. नर-मनुष्य यज.  
 मायद, पु. मत्रममञ्च.  
 मायामय, वि. लुई, लदुर्ध.  
 मायावत्, वि. लदुर्ध भाषायांनुं.  
 पु. दरे, मधुसूक्तो राजत.

मायाविन्, वि. मायाइपी; लहुभां  
 थतुर; ठगारो. पु. लहुगर; णि-  
 लारो. न. माण्डुण, भायङ्ण.  
 मायिक, वि. लहु लधुनार; मा-  
 याइपी. पु. लहुगर. न. मा-  
 यङ्ण.  
 मायिन्, वि. मायाइपी; ठगारो.  
 पु. लहुगर, भदारी; लुब्धो;  
 थ्रमा; शिव; अग्नि; कंस. न. लहु.  
 मायु, पु. पित्त; सूर्य.  
 मायुराज, पु. कुभेरनो पुत्र.  
 मायूर, वि. भोरनुं; भोरने वडाथुं.  
 न. भोरनुं टाणु.  
 मायूर(रि) क, पु. भोर पकडनार.  
 मायूरी, स्त्री. अणभोदनो रेणो.  
 मार, पु. वध, कतल; कुभदेव; थार;  
 धरुशे; मृत्यु; विघ्न.  
 मारक, पु. भुनी; कामदेव.  
 मारण, न. वध, कतल; शत्रुने मारी  
 नाभवानो लहुने प्रयोग; अक उर.  
 मारि, स्त्री. भरकी, डोलेरा; नाश.  
 मारिका, स्त्री. भरकी, डोलेरा.  
 मारित, वि. नाश करेथुं; मारी नाभेथुं.  
 मारिष, पु. श्रेष्ठ-उत्तम भाणुस.  
 मारी, स्त्री. भरकी, शत्रुकारो.  
 मारीच, पु. अक राक्षस, सुंद अने  
 ताडकोनो पुत्र; राजनो दाथी;  
 करपथ मुनि; यरकरावनार थ्राहणु.  
 मारीची, स्त्री. शक्य मुनिनी मा.  
 मारुंड, पु. सर्पनुं छंडुं; गायनुं छाणु;  
 रस्तो.  
 मारुत, पु. पवन; वायुदेवता; श्वास;  
 दाथीनी मुंड. न. स्वातिनक्षत्र.

मारुति, पु. लहुमान; भीम.  
 मार्कंड, } पु. मार्कंड मुनि.  
 मार्कंडेय, }  
 मार्कव, पु. वन० भांगरो.  
 मार्ग, ग. १, १०. शोधनुं; भागणी  
 करपी; शिकार करवो.  
 मार्ग, पु. रस्तो; तपास, शोध; अ-  
 लने इरवानो रस्तो; नेदर, पाश;  
 रीत; गांड; कस्तूरी; भागशर  
 भास; मृगशिर नक्षत्र.  
 मार्गक, पु. भागशर भडिनो.  
 मार्गण, वि. शोधनुं; भागनुं. पु.  
 लीभारी; आणु, तीर. न. या-  
 यना; मोहोथत.  
 मार्गधेनु, पु. अक योवन, थार गाड.  
 मार्गशिर, } पु. भागशर भडिनो.  
 मार्गशीर्ष, }  
 मार्गशीरी, } स्त्री. भागशर भडि-  
 मार्गशीर्षी, } नापी पूतम.  
 मार्गिक, पु. मुसाइर; शिकार.  
 मार्गित, वि. शोधनुं, तपासेथुं.  
 मार्ग्य, वि. भांजवालायक; शो-  
 धवालायक.  
 मार्ज, ग. १०. भांजनुं, साइ करनुं.  
 मार्ज, पु. साइ करनुं ते; धोथी; विधु.  
 मार्जन, न. भांजनुं ते; डायथी अ-  
 यवा कुश धायपी छांटा नाभवा ते.  
 मार्जार, पु. भिडारो.  
 मार्जारक, पु. भिडारो; भोर.  
 मार्जारी, स्त्री. भिडारी; कस्तूरी.  
 मार्जारीय, पु. भिडारो; थुं; धाय-  
 शोधन. [शकतुं.  
 मार्जित, वि. शोधनुं; साइ करेथुं; अ-



मार्तण्ड, पु. सूर्य; आकडानुं आड;  
डुकर, लुड; अग्नीआरणी संज्ञा.

मार्तिक, वि. भाटीनुं. पु. कुन्ने, जग.

माल्य, वि. नाशयत. न. मृत्यु.

मार्दंग, पु. दोल वगाडनार. न. शे-  
हेर, नगर.

मार्दंगिक, पु. मृदंग-दोल वगाडनार.

मार्दच, न. मृदुता, नरभाश.

मार्द्वीक, वि. द्राक्षतु अनावेधुं. न.  
द्राक्षिना धार.

मार्प, पु. नाट्योक्तिभां श्रेष्ठ.

माष्टि, स्त्री. भार्जन; तेल लगाडतुं ते.

माल, पु. अेक देश; पर्वतवासी अे-  
कलत; विष्णु. न. अेतरे; ७थी  
जमीन; उगार्ध; वन.

मालक, पु. लींअडानुं आड; वन.  
उ. धार, भावा.

मालकोश, पु. भावकोश राग.

मालति, -ती, स्त्री. भावतीलता; इक्षी;  
अभेदीनुं दूत; कुमारीका, सां-  
रात; रात्र.

मालतीक्षारक, पु. टकणुआर

मालतीपत्री, स्त्री. जयत्री.

मालतीफल, न. जयदण

मालतीमाधव, न. लवणतितुं करेनुं  
अेक प्रख्यात नाटक.

मालव, पु. भाववा देश; क्षैरव राग.

मालवक, पु. भाववा देश, भाववा  
देशना रहेवासी.

मालव्य, पु. मुअडनुं आड.

माला, स्त्री. धार, भावा; जयो;  
पगत, अेण; सांकपी. [ टायु.

मालाका, स्त्री. धार, भावा. पु. अेक

मालाकार, पु. धार अनावनार, भाणी.

मालिक, पु. भाणी, भागवान, र-  
गारी; अेक पक्षी. [ करी; भडेल.

मालिका, स्त्री. भावा; पगती, छे-

मालिन्य, न. भविता, अंदाध, का-  
णाश. [ भाणी, धार अनावनार.

मालिन, वि. दूवथी शणुगारेनुं. पु.

मालिनी, स्त्री. भाणणु; अंपानगरी;

गौरी, सात वरसानी इन्धा; दुग्ग;  
जगानदी; अेक छड; अेक नदी.

मालु, स्त्री. अेक वेत; स्त्री.

मालूर, पु. थिदीनुं आड.

मालेय, पु. भाणी, भावा अनावनार.

मालेया, स्त्री. भाणी अेवथी.

माल्य, वि. भावा-धारवापक. न.  
भावा; दूत; वेणी.

माल्यवत्, वि. शणुगारेनुं. पु. अेक  
पर्वत; अेक राक्षस.

मालु, पु. भाव लोको.

मालुवी, स्त्री. मुअण्णाल.

माय, पु. अडड, अेक कठोण; अेक  
भासतुं वजन; मूअं; (सरीर  
उपर यता) भासा.

मापक, पु. अडड; पांअरतीनुं वजन.

माप्वीण, न. अडडनुं अेतरे.

मास(स्), उ. भास, भडिने; अद्र,

मासक, पु. भडिने. [ गारणी रागा.

मासन, न. सोभराथ, अेक इवा.

मासल, पु. वरस, सवरास.

मासिक, वि. भडिनानुं. न. पिठ-  
वरिते धर भडिने यतुं आड.

मासीन, वि. भडिनानुं; अेक भडिनानुं.

मासुरी, स्त्री. धादी.

मास्म, अ. वारणु, भना.

मास्य, वि. भङ्गिनातुं.  
 माह, ग. १. भापतुं.  
 माहन, पु. श्राद्धेषु.  
 माहा, स्त्री. गाय.  
 माहाकुल, वि. उत्तम कुलमां गन्भेतुं.  
 माहात्म्य, न. भोराध.  
 माहाराज्य, न. भोर्दुं राज्य, आदेशादी.  
 माहिन, वि. आनदी; भोर्दुं. न. सत्ता.  
 माहिर, पु. धंद्र.  
 माहिष, वि. लेंसतुं.  
 माहिषक, पु. लेंस पाणनार.  
 माहिषिक, पु. लेंस पाणनार; व्य-  
 भिवारिष्ठी स्त्रीतो यार.  
 माहिष्मती, स्त्री. ऐक नगरी.  
 माहिष्य, पु. ऐक वर्णुसकर लत,  
 क्षत्रियता वीर्यधी वैश्य स्त्रीने उ-  
 त्यक्त ययतुं आगतक.  
 माहेंद्र, वि. पूर्वतरङ्गुं.  
 माहेंद्री, स्त्री. गाय; पूर्वदिशा; धंद्राष्ठी.  
 माहेय, वि. पृथ्वीतु. पु. गगतभङ्ग;  
 नरक्षामुर दैत्य; परवातुं.  
 माहेयी, स्त्री. गाय.  
 माहेश्वर, पु. शिवनो लक्ष.  
 माहेश्वरी, स्त्री. पार्वती, दुर्गा.  
 मि, ग. ५. वीषेरतुं; उतुं करतुं,  
 मित्, स्त्री. थांभवे. [भापतुं; लेतुं.  
 मित, वि. भापेतुं; भावेतुं; ईकेतुं  
 मितंगम, वि. धीभुं आननार. पु. डायी.  
 मितंपच, वि. इंजुस.  
 मिताक्षर, वि. दुंके.  
 मिताक्षरा, स्त्री. यासवक्ष्य स्मृति-  
 उपर विज्ञानेश्वरे करेयी टीका.  
 मिताशन, वि. थोर्दुं आनार.

मिति, स्त्री. भाप, वजन; पुरावो;  
 विज्ञान. [ भद्वगार.  
 मित्र, पु. सूध. न. मित्र, दोस्त;  
 मित्रता, स्त्री. } मित्राचारी, दोस्ती.  
 मित्रत्व, न. }  
 मित्रयु, वि. मित्रवत्सव; मित्राचारी  
 भरेखा मनवातुं. पु. मित्र.  
 मित्रलाम, पु. मित्राचारी करेयी ते;  
 द्वितोपदेशतुं प्रथम पुस्तक.  
 मिथ, ग. १. सांधतुं, नेडतुं; ल-  
 लुतुं; धल करेयी.  
 मिथत्, अ. अन्योन्य. पोतपो-  
 ताभां; धूपी रीते.  
 मिथिल, पु. गनकराज.  
 मिथिला, स्त्री. मिथिवा नगरी.  
 मिथु, अ. कपटधी.  
 मिथुन, वि. नेरेतुं. पु. नेडी. न.  
 नेडी; नेडकां; नेडाणु; संज, सं-  
 नोज; मिथुन राशि. [ अन्यत्य.  
 मिथ्या, अ. कपटधी; लुकाधी,  
 मिथ्याचार, वि. दांभीक.  
 मिथ्यापवाद, पु. भोटो वांक.  
 मिथ्याभियोग, पु. मिथ्यावाद, भोटो  
 नावेशी. [ भोटो अपगार.  
 मिथ्यामिशंसन, न. अभिशाप,  
 मिथ्यामति, स्त्री. क्षुण, भता.  
 मिथ्यावाद, पु. लुकाध.  
 मिद्ध, न. गुस्ताध.  
 मिन्व, ग. १. भीजवतुं; लजतुं.  
 मिल्, ग. ६. नेडतुं; भगतुं; धनतुं,  
 मिलन, न. भेवाप; सम्पध. [ यतुं.  
 मिलित, वि. नेरेतुं; भेजवेतु.  
 मिर्लिद, पु. लभरे.

मिर्लिदक, पु. अेक नतनेा साप.  
 मिलीमिलिन्, पु. शिव. [ करवेा.  
 मिश्र, ग. १. गुस्से थुं; अवाण  
 मिश्र, ग. १०. मेणवधुं; उभरेधुं  
 मिश्र, वि. मिश्र, मेणवेधुं, नेडेधुं;  
 शुयवाधुं गयधु. पु. माननेा अेक  
 अेताण; अेक नतनेा हाथी. न.  
 मेणवधुणी.  
 मिश्रक, वि. मेणवेधुं; परशुटधु. पु.  
 हवा तेयार करी आपनार. न.  
 धंरनेा भाग.  
 मिश्रज, पु. अन्धर. [ सरवाणेा.  
 मिश्रण, न. सथेणन, मेणवधुं ते;  
 मिश्रशब्द, पु. अन्धर.  
 मिष्, ग. ६. आंभेा उधाडवी; नेधुं.  
 ग. १. लीणवधुं. [ कपट.  
 मिष, पु. हरीडाधुं, स्पड्धां. न. छड,  
 मिष्ट, वि. भीडुं; लीधुं; स्वादिष्ट. न.  
 भीडाधुं; स्वादिष्ट अेराक. पु.  
 भीडाश.  
 मिष्टता, स्त्री. माधुधुं, भीडाश.  
 मिष्टान्न, न. भीडाधुं. [ वधुं.  
 मिह, ग. १. पिशाथ करवी; लीण-  
 मिहिका, स्त्री. आकल; करां, अरड.  
 मिहिर, पु. सूर्य; अर्कपृक्ष; वाधण;  
 पवन; अद्र; वृद्ध भाणुस.  
 मिहिराण, पु. शिव.  
 मी, ग. ९. धंनक रवी; आधुं कं-  
 रधु; अदलधुं. ग. १०. नुं.  
 माढ, वि. भूतरेधु; पिशाथ करेधुं.  
 न. लडाधुं.  
 मोडुष्टम, पु. शिव; सूर्य, अार.  
 मोदुष्ट, वि. उदार, सपी.

मीन, पु. माधवी; भीनराशी, भ-  
 मीनकेतन, पु. कामदेव. [ त्स्यावतार.  
 मीनगंधिका, स्त्री. तवावडी  
 मीनघातिन्, पु. माधीभार.  
 मीनर, पु. भगरभन्ध.  
 मीनांड, न. माधवीनु धं.  
 मीनांडा, स्त्री. साकर.  
 मीम्, ग. १. नुं. [ पुनार.  
 मीमांसक, पु. भीमांसा शास्त्र न-  
 मीमांसा, स्त्री. शोध, तपास, विशा-  
 रणु; शास्त्रना छ दर्शनेाभांनुं अेक.  
 मीर, पु. समुद्र, सीमा; गोड (पा-  
 णीनेा); पर्यतनेा अेक भाग.  
 मील, ग. १. अध करधुं.  
 मील, न. वन, नगल. [ सकोय.  
 मीलन, न. आंभेा अध करवी ते;  
 मीलित, वि. (आंभेा) भीवेधी;  
 अध करेधी. न. शुभ डसधुं ते.  
 मीव, ग. १. नुं; नडा थुं.  
 मीवर, वि. नुकशानकारक; मान-  
 वत. पु. मेनापति.  
 मीवा, स्त्री. वायु, पवन.  
 मु, पु. शिव; अिता, वेड; अंही, केद.  
 मुकंदक, पु. कांठेा.  
 मुड, पु. धूटकारेा. [ टॉय.  
 मुडुट, न. मुगट, ताण; शिपर,  
 मुकुंद, पु. विष्णु, पारेा; कुभेरनेा  
 अेक लडार; अेक नतनुं अेरात.  
 मुकुंदक, पु. कांठेा.  
 मुकुन्, पु. आरीशेा; कूनी कणी,  
 अकुलनु आड; कुभारना आकनेा  
 हाथेा; भावती लता. [ आत्मा.  
 मुकुल, उ. कूनी कणी; सरीर.

मुहुष्ट, -क, पु. जगदी भग.  
 मुक्त, वि. मोक्ष पाभेयुं, छूटुं; नाथी  
 दीधेयुं; नीचे परेयुं. [ हथियार.  
 मुक्तक, न. छूटे छाये ईकाय अयुं  
 मुक्तकर, वि. उदार.  
 मुक्तचक्षुस्, पु. सिंढ.  
 मुक्तहस्त, वि. उदार. [ रासा.  
 मुक्ता, स्त्री. मोती; वेश्या, वन०  
 मुक्ताकलाप, पु. मोतीनी भाणा.  
 मुक्ताप्रसू, स्त्री. कालु भाछली.  
 मुक्ताफल, न. मोती; कपूर, अेक  
 नततुं कूव; सीताङ्ग.  
 मुक्ति, स्त्री. मोक्ष, जन्म-मरणथी  
 छूटके; छुटापणु.  
 मुक्तिक्षेत्र, न. कशीपुरी.  
 मुत्त, न. मोडु; यदरे; (तीरनी)  
 अण्णी, पक्षीनी आंय; धरनो द-  
 रवाले; प्रधान; प्रारंभ; वेद.  
 मुत्तपुर, पु. दांत.  
 मुत्तगंधक, पु. कांठो.  
 मुत्तचीरि, स्त्री. लल.  
 मुत्तज, पु. आत्मणु; दांत.  
 मुत्तनिरीक्षक, पु. आणसु भापुस.  
 मुत्तपट, पु. लुरभो, मुभयटो.  
 मुत्तपूरण, न. कोणीओ, आस.  
 मुत्तप्रिय, पु. नारगी. न. ववम.  
 मुत्तबंध, पु. प्रस्तावना.  
 मुत्तमंडल, न. यदरे.  
 मुत्तपच, पु. शीभारी.  
 मुत्तर, वि. वातुटो; अप्रियवादी. पु.  
 कागटो; सरदार, गंभ.  
 मुत्तरिका, स्त्री. वातथीन.  
 मुत्तलांगल, पु. इतरो.

मुखपल्लभ, पु. दाडभतुं आड.  
 मुखशेष, पु. राहु.  
 मुखशोधिन, पु. नारगीतुं आड.  
 मुखश्री, स्त्री. सुंदर चेडेरै. [ नार.  
 मुखशील, वि. कडवा शब्द गोव.  
 मुखसभय, पु. आहाणु.  
 मुखस्त्राय, पु. शुक्र.  
 मुखानिल, पु. श्वास. [ सरदार.  
 मुख्य, वि. श्रेष्ठ; प्रधान, मुख्य. पु.  
 मुग्ध, वि. मुठ; गुथवायतु, भूर्भ;  
 लूवेयु; सुंदर; मनोहर.  
 मुग्धता, स्त्री. } सुंदरता; सादाई.  
 मुग्धत्व, न. }  
 मुग्धबुद्धि, वि. भूर्भ.  
 मुच्, ग. १. कगयुं, ग. ६. छुटुं क-  
 रयुं; तल देयुं; कादी भूकयुं.  
 मुचक, पु. लाभ.  
 मुच(चु)कुद, पु. अेक नततुं आड;  
 मान्धाता सलनो पुत्र. [सिद्धयु.  
 मुचिर, वि. उदार. पु. देव, पवन;  
 मुचुटी, स्त्री. आंगणी भरडवी  
 ते; मुञ्जी.  
 मुज, मुंज, ग. १, १०. साङ् करयुं.  
 मुज, पु. सुंज धार; जनेई.  
 मुजकेश, पु. विष्णु; शिन.  
 मुद्र, ग. १, १०. दणडु; भारी नाभयुं.  
 मुण, ग. ६. वयन आपयुं.  
 मुंद्र, ग. १. दणयुं.  
 मुंद्र, ग. १. नारी जयुं. [ दणवु.  
 मुद्र, ग. १. उजभत करवी, सुंडयुं;  
 मुद्र, वि. सुंरेयु; लूडु; उलडु; शी-  
 गटावनरतुं. पु. ताव परेवे भा-  
 लुस, राहुभड; उलभ. न. भायुं.

मुंडक, पु. उल्लभ; अेक उपनिषद्.  
 न. भायुं. [उत्तराववा ते.  
 मुंडन, न. मुंडयुं ते; आणभोवाणा  
 मुंडफल, पु. नारियववु अड.  
 मुंडित, वि. मुंडेयुं. न. वेाहुं.  
 मुंडिन, पु. उल्लभ; शिव.  
 मुत्य, न. भोती.  
 मुद्ग, मुदा, स्त्री. भुशाधी, आनद.  
 मुदित, वि. आनदी. न. आनंद;  
 रगलोगतुं अेक आसन.  
 मुदिता, स्त्री. आनद, भुशाधी.  
 मुदिर, पु. वादण; आशक; देउके.  
 मुदी, स्त्री. यांङनी, यांङरयुं.  
 मुद्ग, पु. भग, अेक कडोण; ढांकयुं;  
 पाणीतुं अेक पक्षी.  
 मुद्गमुज, } पु. धोडो.  
 मुद्गभोजिन, }  
 मुद्गर, पु. उथोडो; सोटो, अंग. न.  
 मुद्गरक, पु. उथोडो. [भासतीतुं क्ल.  
 मुद्गल, न. रोडिष धास. पु. अेक  
 मुनि, उद्गनेो सेनापति.  
 मुद्रा, स्त्री. भोडोर, शिको, विहः  
 यांङ; रडस्थ.  
 मुद्रिका, स्त्री. नानी मुद्रा; शिको.  
 मुघा, अ. व्यथ, ड्राकट.  
 मुनि, पु. रानी, योगी; अगस्त्य;  
 व्यास; पुद्ग; पाणिनी; आंआतुं  
 अड; सातनी ससा.  
 मुनिपित्तल, न. तायु.  
 मुनिभेषज, न. हरीतकी, हरडा.  
 मुमुक्षु, वि. भोक्ष धञ्छनार.  
 मुमुचान, पु. भेष, वादण.  
 मुमुविपु, पु. चार.

मुमूर्षा, स्त्री. भरलुनी धञ्छा.  
 मुर, पु. अेक दंत्य. न. धेरी वेवुं ते.  
 मुरज, पु. मृदंग.  
 मुरजा, स्त्री. कुभेरनी स्त्री, भोटुं ढोव.  
 मुरंदला, स्त्री. नर्भदा नदी.  
 मुरमर्दन, } पु. विष्णु, कृष्ण.  
 मुरारिपु, }  
 मुरला, स्त्री. नर्भदानदी.  
 मुरली, स्त्री. मुरधी, वांसणी.  
 मुरलीधर, पु. श्रीकृष्ण.  
 मुरारि, पु. कृष्ण; अेक कवि. (अ-  
 नर्भराधव अयनेो कर्ण.)  
 मुर्छ, ग. १. आधयुं; नभाययुं; भ-  
 नभूत करयुं. [लुसानी अग्नि.  
 मुर्चुर, पु. अगडेव; मूर्छनेो धोडो;  
 मुव, ग. १. आधयुं.  
 मुल, ग. १०. रोपयुं. [वन० मुसली.  
 मुस(स)ली, स्त्री. पक्षी, डेउगरोधी;  
 मुप, ग. ९. चारयुं; वलयावयुं;  
 ढांङी कडयुं; ढांङी हेवुं.  
 मुपक, पु. उंहर. [मुर, कुडली.  
 मुपा, -पी, स्त्री. (सोतुं गाणवानी)  
 मुपित, वि. चारेयुं; धीनवी धीधयुं;  
 पडावी धीधेयुं.  
 मुपितक, न. चारेवेो भाव.  
 मुष्क, पु. अउडोश; नथो; चार;  
 आंउवेो, गोणी.  
 मुष्कर, वि. भोटो आंउवावाणु. पु.  
 भोटो आंउवावाणेो पुरुव.  
 मुष्कशय्य, पु. डीनरो, नपुसक.  
 मुष्ट, वि. चारेयुं. न. चारेवेो भाव.  
 मुष्टि, पु. मुक्ती, आरतोलातुं वरन,  
 मूक, ढाथो; पुरुषनी धंद्री.

मुष्टिक, पु. सेनातार, सेानी; कंसनो  
 अेक पहेलवान.

मुष्टिका, स्त्री. मुठी.

मुष्टिधय, पु. आलक, छोककं.

मुस्त, ग. ४. लाग करवा; लांगतुं.

मुसल, उ. डांग, सोटो.

मुसलामुसली, अ. सोटे सोटे लडतुं.

मुसलायुध, पु. अलराभ.

मुसलिन, पु. अलराभ; शिव.

मुस्त, ग. १०. अेकहुं करतुं.

मुस्त, मुस्ता, यु. नागरभोय.

मुस्ताद, पु. सूवर, डकर.

मुस्त, न. अतो, मुसल; आंसु

मुह, ग. ४. मूर्छा आवणी, शुचवा-  
 वतुं; पडतुं.

मुहिर, वि. मूर्ध.पु. काम; प्रेम; मूर्ध.

मुहुक, न. पण, क्षपु.

मुहुस्त, अ. वारंवार. [धडी. पु. जेशी.

मुहूर्त, उ. पण, क्षपु; समय; जे-

मुहूर्तक, पु. पण, क्षपु; जेधडी.

मुहेर, पु. मूर्ध-जेवकुइ भाणुस.

मू, ग. १. आंधतुं.

मूक, वि. मूगो; कंगाल. पु. मूगो-  
 भाणुस; कंगाल भाणुस; भाजवी.

मूढ, वि. मूर्ध; नड; शुचवायतुं;  
 अेधेयुं. पु. मूर्ध भाणुस.

मूढता, स्त्री. } मूर्धाई; शुचवाडो.  
 मूढत्व, न. }

मूत, वि. आधेयुं; डेड करेयुं; वणेयुं.  
 उ. नयो; गुंथेकी टोपकी.

मूत्र, न. पिराअ.

मूत्रच्छू, न. पिराअनो अेक रोग.

मूत्रल, पु. पिराअ वधारनार दवा.

मूत्राघात, पु. पिराअ अंधनो रोग.  
 मूत्रित, वि. मूतरेयुं.

मूर, वि. शुचवायतुं; मूर्ध.

मूर्ध, वि. मूर्ध, अकलवगरतुं पु.

मूर्ध-जेवकुइ भाणुस.

मूर्धता, स्त्री. } मूर्धाई, जेवकुइध.

मूर्धत्व, न. }

मूर्च्छन, न. } मूर्छा आवणी ते;

मूर्च्छना, स्त्री. } श्लोयो; (रागभां)

यडतो मुर; अवाजनी मधुरता.

मूर्च्छा, स्त्री. जेशुद्धि; श्लोय.

मूर्च्छापरित, वि. जेडोश.

मूर्च्छित, वि. जेडोश, जेलान,

मूर्ध; श्लोयतुं.

मूर्त्त, वि. जेलान, मूर्च्छित; मूर्ध;

सभत, नकर; अइ.

मूर्त्ति, स्त्री. आकार; प्रतिभा; कड

णुध; सुंदरता. [रीरी. न. शरीर.

मूर्त्तिमत्, वि. सभत; साकार; सा-

मूर्द्धक, पु. क्षत्री.

मूर्द्धकर्णी, -कर्परी, स्त्री. छत्री.

मूर्द्धज, पु. केश, वाण. [सरदार;

मूर्द्धन, पु. कपाण; भायु; टोंच;

मूर्द्धन्य, वि. सुभ्य; लभसंभंधी:—

ऋ, ऋ, ऌ, ॠ, ङ, ण, ॡ, ॢ, ॣ, ।, ॥, ७, ८, ९, ०.

मूर्द्धाभिपिक्त, पु. क्षत्री; राज;

प्रधान. [रोपतुं; वधतुं.

मूल, ग. १. मगभूत करतुं. ग. १.

मूल, न. मूल, नड; शर्यात; पाथे;

मूल अंध; पटोस; थापणु, लं-

टोव; लाडी; राजधानी.

मूलक, वि. मूलवाणुं; मूलनक्षत्रनां

नभेयुं. उ. मूगो, अेक नं. पु.

मूलकर्मन्, न. लड. [अेक डेर.

मूलकारिका, स्त्री. लडी, यूरो.  
 मूलकच्छ, उ. इंदुमूल आधने २-  
 मूलज, पु. आहु. [हेवानुं मत.  
 मूलप्रकृति, स्त्री. आधराक्षि.  
 मूलमद्र, पु. उरा. कृष्णुने भाभो.  
 मूलविभुज, पु. गाडी, २५.  
 मूलस्थान, न. पायो; परमात्मा;  
 पवन; भूतान देश.  
 मूलस्थानी, स्त्री. गौरी, पार्वती.  
 मूलस्थायिन, पु. शिव. [वता.  
 मूला, स्त्री. भूवनक्षत्र; शतावरी  
 मूलिक, वि. प्रथमं; भूजं, भूज  
 भाई रहेनार. पु. योगी.  
 मूलिन, पु. आड.  
 मूली, स्त्री. पल्ली, गरोदी.  
 मूलेर, पु. शल, वन० वटाभांसी.  
 मूलोत्पादन, न. वडभूवथी उभ-  
 उंते.  
 मूल्य, वि. प्रतिष्ठायोग्य, अरीदी  
 शक्य जेवुं. न. क्षीमत; भाड;  
 पजार, यापालु; अरीदेही थीर.  
 मूप, ग. १. चोरवुं.  
 मूप, पु. उंदर, पवन आववानी  
 गेण आरी; भुस, कुडली.  
 मूपक, पु. उंदर; चोर.  
 मूपण, न. चोरवु ते.  
 मूपकवाहन, पु. गापुपति.  
 मूपकाराति, पु. जिडाडी.  
 मूपा, मूपिका, स्त्री. उंदरडी, अ-  
 र्थो, भुस  
 मूपिक, पु. उंदर, चोर, जेक देश.  
 मूपी, मूपिका, स्त्री. उंदरडी. [ते.  
 मूपीकरण, न. भुसभां पीगणावुं

मृ, ग. ६. भरवुं.  
 मृग, ग. ४, १०. शोधवुं; पाछव  
 लागवुं; तपासवुं; भागवुं, मु-  
 वामत वेपी.  
 मृग, पु. पशु, जनावर; हरिण, वं  
 द्रुपरेना उध, कस्तूरी; शोध,  
 हाथीनी जेक वत, मृगशिर न-  
 क्षत्र; भागसर भास; मकरशशि.  
 मृगकानन, न. शिकारगाड.  
 मृगजल, न. अंजवानीं पाणी.  
 मृगण, न. गड्डी वीजनी शोध; शोध.  
 मृगतृपा, मृगतृष्णा, } स्त्री. अंज-  
 मृगतृष्णि, -तृष्णिका, } वानीं पाणी  
 मृगदंश, पु. इतरौ.  
 मृगद्यु, पु. शिकारी.  
 मृगद्विप, पु. सिड.  
 मृगधर, पु. चद्र.  
 मृगधूर्त(क), पु. शिवाण.  
 मृगनयना, स्त्री. हरिणना जेपी आं-  
 भवाणी श्री. [हरिण  
 मृगनाभि, पु. कस्तूरी; कस्तूरीजो  
 मृगपति, पु. सिड; वाध.  
 मृगपालिका, स्त्री. कस्तूरीजो मृग.  
 मृगपिप्पु, पु. चद्र.  
 मृगमद, पु. कस्तूरी.  
 मृगमास, पु. भागसर भास.  
 मृगमुस, पु. मकर शशि.  
 मृगयत्, पु. जनावनी प्राणी.  
 मृग्या, स्त्री. शिकार.  
 मृग्यु, पु. शिकारी; शिवाण, अन्ना.  
 मृगयम्(ज), पु. सिड, वाध,  
 चद्र, सिड शशि.

मृगरिपु, पु. सिद्ध.  
 मृगरोम, न. उन.  
 मृगलांछन, } पु. चंद्र.  
 मृगलोचन, }  
 मृगलोचना, स्त्री. हरिणना जेवी  
 आभोवाणी स्त्री.  
 मृगवाहन, पु. वायु, पवन.  
 मृगव्य, न. शिकार  
 मृगव्याध, पु. शिकारी, शिव  
 मृगशाव, पु. हरिणुतु अशु.  
 मृगशिर, पु. } मृगशिर नक्षत्र.  
 मृगशिरस, न. }  
 मृगशीर्ष, न. मृगशिर नक्षत्र.  
 मृगशीर्ष, पु. भागशर भास.  
 मृगश्रेष्ठ, पु. वाध.  
 मृगहन, पु. शिकारी. [ भवाणी स्त्री.  
 मृगशी, स्त्री. हरिणना जेवी आं  
 मृगांक, पु. चंद्र; कपूर, पवन  
 मृगांगना, स्त्री. हरिणी. [ नावर.  
 मृगाजीव, पु. शिकारी; तरस न-  
 मृगांडजा, स्त्री. करदारी.  
 मृगाह, } पु. स्त्रीतो वाध, दीपडो.  
 मृगादन, }  
 मृगांतक, पु. दीपडो, स्त्रीतो वाध  
 मृगाधिप, पु. सिद्ध  
 मृगाराति, पु. सिद्ध, कृतरे।  
 मृगारि, पु. सिद्ध, कृतरे, वाध.  
 मृगालय, पु. मृगशावा.  
 मृगित, वि. शोषेनु, पाछण लागेनु.  
 मृगी, स्त्री. हरिणी, अपरभार, केंद्र  
 मृगेंद्र, पु. सिद्ध, वाध, सिद्धरशि.  
 मृच्छकटिका, स्त्री. भवाणी भा  
 दीनी गायी. [ साई करतु; छुछुं  
 मृज, ग.१. अवाज करवो. ग.२,१०.

मृजा, स्त्री. चढेरे; सक्षर.  
 मृद्, ग. द, ९. भुशी करतु, आनद  
 मृड, पु. शिव. [ पामतुं, क्षमा करवी.  
 मृडा, मृडानी, मृडी, स्त्री. पार्यती.  
 मृडीक, पु. शिव, भाछडी; हरिणु.  
 मृण, ग. द. वध करवो. [ वाजे।  
 मृणाल, उ. पधनाण. न. वीरलुभल,  
 मृणालिन, पु. कभवकृप.  
 मृणालिनी, स्त्री. कभलनो शेषो,  
 मृण्मय, वि. भाटीतु. [ पधसमुदाय.  
 मृत, वि. मुवेनु न. मृत्यु; भीष्म. \*  
 मृतक, उ. भुडहु. न. मृत्यु, भरलु.  
 सगाना भरलुनु सुतक  
 मृतग्रह, न. घोर, कयर.  
 मृतड, पु. सूर्य. [ वर.  
 मृतदार, पु. रडाथयो पुरुष, निधु-  
 मृतप्राय, वि. भरलुतुदय  
 मृतमत्त, पु. शिवाण.  
 मृतांग, न. भुडहु, शण  
 मृतांड, पु. सूर्य.  
 मृति, स्त्री. मृत्यु, भरलु.  
 मृत्कार, पु. कुंभार.  
 मृत्तिका, स्त्री. भाटी.  
 मृत्यु, पु. मोत; यभरान्त, अन्ना,  
 वि० ३, भाया, काशिदेवी, कामदेव  
 मृत्युंजय, पु. शिव.  
 मृत्युनाशक, पु. पारो  
 मृत्युपुण्य, पु. शेरडी.  
 मृत्युफला, -ली, स्त्री. डेण  
 मृत्युमृत्य, पु. रोग, आनर.  
 मृत्युलोक, पु. भूमी.  
 मृत्सा, } स्त्री. भाटी, सारी भाटी,  
 मृत्जा, } सुगंधी भाटी



मृत्त, न. धूण. [करवे]; वश करवुं.  
 मृद्, ग. ९. छुंछुं, आंपवुं; नारी  
 मृदंग, पु. मृदंग, अेक लततुं डोल;  
 वांसनी लाडडी; अवाण.  
 मृदर, वि. रमतीआण.  
 मृदाकर, पु. वण.  
 मृदित, वि. छुंछुं; क्यरी नाभेछुं.  
 मृदिनी, स्त्री. सारी भाटी.  
 मृदु, वि. कोमल; नम्र; नखणुं; छलकुं,  
 धीमुं. पु. शनिअड. न. कोमलता,  
 मृदुक, वि. कोमल. [नरभाश.  
 मृदुगमना, स्त्री. छंसणी.  
 मृदुता, स्त्री. कोमलता.  
 मृदुपत्र, पु. अर. न. कोमल पांछडां.  
 मृदुप्रक, न. सोतुं.  
 मृदुल, वि. कोमल; नम्र. न. पाणी.  
 मृद्र, पु. अेकलतनी भाछडी.  
 मृद्री, } स्त्री. द्राक्षिनी अुभजे;  
 मृद्रीका, } कोमल अगवाणी स्त्री.  
 मृध्, ग. १. छल करवी; भीनुं करवुं.  
 मृध्, स्त्री. लडार्ध; शनु.  
 मृधस्, न. लडार्ध; तिरस्कार.  
 मृध, न. लडार्ध.  
 मृधा, अ. पृथा, शेकट.  
 मृन्मय, वि. भाटीतुं.  
 मृप्, ग. १. छंछुं; सडन करवुं.  
 ग. ४, १०. रल आपवी; क्षमा  
 करवी; सडन करवुं.  
 मृपा, अ. शेकट, पृथा.  
 मृपासान, न. असान.  
 मृपाभापिन्, पु. लुडो.  
 मृपालक, पु. आंभातुं अड.  
 मृपोघ, न. लुडुं आलधुं ते.

मृष्ट, वि. साध; स्वच्छ; मांजेछुं; छं-  
 रेछुं. न. मरी. [तलणी; उदार.  
 मृष्टेरक, वि. स्वादिष्ठ आतार; म-  
 मे, ग. १. अडलो करवे.  
 मेक, पु. अकरे; थांभलो.  
 मेकल, पु. अेक पर्यंत; अकरे.  
 मेकलकन्या, स्त्री. नर्मदा नदी.  
 मेखला, स्त्री. कंठेरे, कमरअंध; अ-  
 नोर्ध वअतनां मणु सूत्रो; पर्य-  
 तनो ठणाव; तरवार आंधवानो  
 पटो; नर्मदा नदी; पृच्छी पलुंअता.  
 मेखलाल, पु. शिव.  
 मेखलिन्, पु. शिव; अक्षयारी.  
 मेघ, पु. वाढण; ज्यो; अेकराग.  
 न. अअरक.  
 मेघकफ, पु. करां, गार.  
 मेघकाल, पु. वर्षाकाल.  
 मेघगर्जन, न. वाढणनी गर्जना.  
 मेघचितक, पु. यातक पक्षी.  
 मेघज, पु. भोडुं भोती.  
 मेघजाल, न. अअरक.  
 मेघज्योतिस्, पु. विजणी. [काव्य.  
 मेघदूत, न. काविदासतुं करेवुं अेक  
 मेघहार, न. आकाश.  
 मेघनाद, पु. वरुण देवता; वाढणनी  
 गर्जना; अेद्रअत, रावणुनो पुत्र;  
 पलाशतुं अड.  
 मेघपुण्य, न. पाणी; नदीतुं पाणी;  
 मेघप्रसव, न. पाणी. [करं.  
 मेतायोनि, पु. धुमरा; धूमरो.  
 मेघवर्णा, स्त्री. गुडीनी रोपि.  
 मेघवर्त्मन्, न. आकाश.  
 मेघवह्नि, पु. विजणी.

मेघवाहन, पु. धंद्र; शिव  
 मेघसुहृद्, पु. मेघ.  
 मेघारय, न. अथरक.  
 मेघागम, } पु. वर्षाकाव, यामाभुं.  
 मेघांत, }  
 मेवाडंबर, पु. गगडा, गर्जना.  
 मेघानदा, स्त्री. अगलानी अकंतत.  
 मेघक, वि. काणु, श्याम. पु. का-  
 णाश; वादण, धूमाशे, मेरपी-  
 छभातु अद्रक, स्तनतु टोयकुं. न.  
 अधिकार, नीलाजन  
 मेघकापगा, स्त्री. नभनानदी  
 मेठ, पु. हाथीने भावत, मेढो.  
 मेठि, पु. थाभयो, ननावर थांध-  
 वाते अशे.

मेघज, पु. विष्णु. [ करनार.  
 मेघातिथि, पु. भनुस्मृति उपर टीका  
 मेघावत्, वि. अशु, अतुर.  
 मेघाविन्, वि. अतुर. पु. विद्वान  
 भापुस, पोपट, धर.  
 मेघाविनी, स्त्री. अक्षानी पत्नी.  
 मेघि, पु. भूरो.  
 मेघिर, वि. अतुर.  
 मेघ्य, वि. यज्ञवापक; पवित्र, मज-  
 भूत, अतुर. पु. अकरो, अदिरतुं  
 जाड, नव. [ गेरे जारो.  
 मेघ्या, स्त्री. केतकी, शभपुष्पी व-  
 मेनका, स्त्री. अक अप्सरा, शकु-  
 न्तलानी मा, हिमालयनी पत्नी,  
 पार्वतीनी मा. [ नदी.

य, पु. ननार; गाडी; वायु; संबध,  
 शक्ति, नव; प्रकाश, यमराज.  
 यक, पु. कुमेरनो अेक यक्ष.  
 यकृत, न. कलेष्टु.  
 यक्ष, ग. १०. अग्न्यु. ग. १. डालतुं.  
 यक्ष, पु. कुमेरनो नोकर, अत, अ-  
 द्रनो गडेल, पूज, कुमेर. न.  
 अत, यज्ञ.  
 यक्षकर्म, पु. कपूर, कस्तूरी, अ-  
 गर अने कडोलने भेणवीने क-  
 चक्षधूप, पु. धूप, गण रिलो भवभ.  
 यक्षराज, पु. कुमेर.  
 यक्षरात्रि, स्त्री. द्विवाणी. [ लायक.  
 यक्षिन्, वि. अतुं, शष्पगारवा-  
 यक्षिणी, स्त्री. कुमेरनी श्री, य-  
 यक्षी, क्षणी.  
 यक्षेद्र, पु. कुमेर.  
 यक्षमर्मा, स्त्री. द्राक्ष  
 यक्ष्मन्, पु. रान्देश. [ आपतुं.  
 यज्ञ, ग. १. यज्ञ करेवो, अग्न्यु;  
 यज्ञ, पु. यज्ञ; अग्नि.  
 यज्ञत, वि. पवित्र, पूजवावायक.  
 यज्ञाति, पु. यज्ञ. [ पु. शिव, अद्र.  
 यज्ञत्र, पु. अग्निहोत्रा.  
 यज्ञन, न. यज्ञ, यज्ञकर्म.  
 यज्ञमान, वि. यज्ञ यगेरे कर्मा कर-  
 नार; अतुंअनो यडो.  
 यज्ञस्, न. सेवा, यज्ञ.  
 यज्ञाक, वि. दाता, उदार.  
 यज्ञुस्, न. यज्ञुवेंद  
 यज्ञुवेंद, पु. भीजे वेद. [ कर्म करनार.  
 यज्ञुवेंदिन्, वि. यज्ञुवेंदप्रमाणे  
 यज्ञ, पु. यज्ञ, याग, विष्णु, अग्नि.

यज्ञकुंड, न. यज्ञनो अग्नि राभवा-  
 भाटे नभीनभा करेवो योष्पूणे  
 यज्ञदुह, पु. राक्षस. [ आटे.  
 यज्ञपति, पु. यज्ञमान, विष्णु.  
 यज्ञपत्र, पु. घोडो, अकरो, अविदान  
 आपवानु नतावर.  
 यज्ञपुरुष, पु. विष्णु, अगवान.  
 यज्ञयोग, पु. अंजनतुं आड.  
 यज्ञचराह, पु. वाराह अरतार.  
 यज्ञसूत्र, न. ननोर्ध.  
 यज्ञसेन, पु. दुपद राज.  
 यज्ञांग, पु. अंजनतुं आड, अद्विरेतुं  
 आड, विष्णु  
 यज्ञान्त, पु. यज्ञनी समाप्तिभां रनान  
 यज्ञारि, पु. शिव.  
 यज्ञिक, पु. भवाशतु आड.  
 यज्ञिन्, पु. विष्णु  
 यज्ञिय, वि. यज्ञ लायक; पवित्र; पू-  
 जवा लायक पु. देव, द्वापर युग.  
 यज्ञीय, वि. यज्ञतु. पु. अंजनतु आड.  
 यज्ञेश्वर, पु. विष्णु.  
 यज्ञोपवीत, न. ननोर्ध, यज्ञभूत.  
 यज्ञ्य, वि. पूजवा लायक.  
 यज्ञ्यु, वि. धर्मा, पूजत [ नार.  
 यज्ञ्यन्, पु. यथाविधि यज्ञ कराव  
 यज्ञ, ग. १. कोशेर करपी, भदे-  
 नत करपी, नेडुं; आजग व-  
 यन्, अ. केभके. [ धड.  
 यतन, न. गडेनत, यज्ञ.  
 यतम्, वि. धातुमानु डोणु  
 यतर, वि. वेमानु क्यु.  
 यतस्, अ. क्थापी  
 यतिन्, पु. योगी, सन्यागी.

यतिनी, स्त्री. विधवा  
यत्त, वि. तैयार, सावध.  
यत्न, पु. केशश; उद्योग, प्रयास,  
यत्नवत्, वि. महेनतु. [सभाय.  
यत्र, अ. अर्द्धा; क्यारे.  
यत्रतत्र, अ. ज्यां त्या.  
यथा, अ. जेम.  
यथाकथञ्चित्, अ. कथ रीते  
यथाकाम, अ. छ्म्याप्रभाणे.  
यथाक्रम, अ. अनुक्रमप्रभाणे.  
यथाज्ञान, वि. भूर्ण; नीम, जंगली.  
यथान्याय, अ. न्यायप्रभाणे.  
यथाभाव, पु. नसीण, सरजत.  
यथायथं, अ. यथार्थ, वाजपी गीते  
यथायोग्य, वि. लायक  
यथाशक्ति, अ. शक्तिप्रभाणे.  
यथेच्छ, अ. भरलुमुजण.  
यथोचित, वि. यथायोग्य  
यद्, स. जे, ते.  
यद्वधि, अ. ज्यांभूधी  
यदा, अ. क्यारे, क्ये वधते.  
यदि, अ. जे, क्यारे, ज्यारे.  
यदीय, वि. कोनुं.  
यद्, पु. यथाति रातनेा भोटो पुत्र.  
यदुनाथ, } पु. श्रीकृष्ण  
यदुपति, }  
यद्यपि, अ. जेके, अजरजे. [तत्रता.  
यदृच्छा, स्त्री. पोतानी भरलु, स्व-  
यन्तु, वि. इमनकाक, रस्तो अता-  
वनार. पु. गाडीसन, डाधीने  
भायत, डाकम, सुभो.  
यद्, ग. १, १०. इज पाडवी, या-  
धु, रोकु.

यत्र, न. जंत्र, यित्र, सयो; शस्त्र  
वेदनुं इधियार. [जनेर, रोकनार.  
यंत्रक, पु. सयाकाम लधुनार, छि-  
यंत्रकर्मरुत्, पु. कारीगर.  
यत्रका, स्त्री. साणी, यदुनी जहेन.  
यंत्रण, न. रक्षा, यधन, इमन,  
पीडा, सकेय.  
यत्रित, वि. रोकु; याधेयु.  
यम्, ग. १. श्रीसग करवो  
यमन, न. श्रीसग.  
यम्, ग. १. रोकनुं, आपतु, टेजे •  
आपवो, लयावतु, जतु, अतावतु  
यम, वि. जेडे जन्मेयु. पु. इक्षिणु  
दिष्पाव, यमराज, शनिथक; का-  
गडो, जेडकु, सारथि, जेनी सगा,  
योगना आठ अग भातु पडेयु.  
यमक, वि. जेडे जन्मेयु, जेडु.  
पु. रोक, अटकाव; जेडीभातु जेक  
न. शब्दलकार, यमक.  
यमकिकर, पु. जमना इत  
यमकील, पु. विष्णु  
यमघट, पु. सता-रीश योगभानो जेक  
यमज, वि. जेडे जन्मेयु  
यमदूतिका, स्त्री. आभली  
यमदेवता, स्त्री. लरणी नक्षत्र.  
यमद्वितीया, स्त्री. ला णी  
यमधार, पु. कगार, जेक इधियार  
यमन, न. यधन, सयम, छेदन पु.  
धर्मराज, यमराज  
यमनिका, स्त्री. पडेदे, कनाग.  
यमभगिनी, स्त्री. जमनानदी.  
यमराज-ज, पु. जमराज  
यमल, पु. जेनी सगा.

यमस्वसृ, } स्त्री जमनातही  
 यमी, }  
 यमुना, स्त्री जमनातही, दुर्गा  
 ययाति, पु नहुषराजानो पुत्र, य  
 द्रवशी राज  
 ययि, -यी, पु अश्वमेध यजनो घोडो,  
 घोडो, रस्तो, शिर, मेध, राहण  
 ययिन्, पु शिर रस्तो  
 ययु, पु अश्वमेधयज्ञो घोडो घोडो  
 यय, पु ज्व, ऐक जनतु वजन  
 ययक, पु ज्व [(भेतर)  
 ययक्य, वि ज्व वानवा लायक  
 ययक्षार, पु ज्वभार  
 ययक्षोद, पु जननो आटो-नोट  
 ययज, पु जनभार  
 ययन, पु युनानी, परेशी, गाजर,  
 गति, धई युनानी लोको  
 ययनानी, स्त्री युनानी क्षिपी  
 ययनिका, ययनी, स्त्री. युनानी स्त्री,  
 ययस, न वृष, धाम [पडो  
 ययसुरा, स्त्री ज्वनो दाइ  
 ययामू, स्त्री कडी  
 ययिष्ठ, वि अतिशय जुमान पु  
 नानो लार्ध, अग्नि [लार्ध, सुद्र  
 ययीयस्, वि जुमान पु नानो  
 यय्य, वि ज्व वानवा लायक (भे  
 तर) पु भडिनो  
 ययस, वि मानपाभेधु, लायक न  
 डीति, मुदरता, भडेरथानी पैशो,  
 ययस्कर, वि प्रतापी [पाथी, जोराक  
 ययस्करी, स्त्री पिधा  
 ययस्य, वि डीतिमान, नामवर  
 ययस्विन्, वि नामवर, ययनातु

यशोद, पु पारो [पत्नी  
 यशोदा, स्त्री गोमृगता नदरायनी  
 यष्टि, -ष्टी, पु लाकडी, सोगे, टेडो,  
 डाणी, सेर, लता, वेन, अइ  
 यष्टिक, पु जलकडी [हाथ शेरडी  
 यष्टिका, स्त्री मोतीनी सेर, इवो  
 नाकडी, जेठीमध  
 यष्टिमधु, न जेठीमध  
 यस् ग १, ४ यत् करवो  
 यस्क, पु जेठ मुनि  
 यहु, वि मोडुं पु जालक, पुन  
 या, ग २ जतु, कुच करनी, भाथे  
 लेतु, अतु [डोळं पणु किया  
 याग, पु यत्, अनिदान आपरानी  
 याच्, ग २. भागतु, लजनी भा  
 गणी कुरी  
 याचक, पु बीभारी, अरजदार.  
 याचत् (न्), पु बीभागी  
 याचनक, पु बीभारी, अरजदार  
 याचना, स्त्री भागतु ते, अरज  
 याचनीय, वि भागना लान.  
 याचित, वि भागेतु, जइरतु न  
 भिक्षावृत्ति [भानना ॥  
 याचजा, स्त्री याचना, भागतु ते,  
 याज, पु यत् नरनार, आइना जो  
 भा, अन्न [थी, भरत हाथी  
 याजक, पु यत्करनार, राजनो हा  
 याजि, पु यत्, याज्ञिक  
 याजुप, वि यत्तु-१६ स १वी  
 याज्ञवल्क्य, पु धर्मशास्त्र ती जेठ  
 याज्ञसेना, स्त्री द्रीवही [मुनि  
 याज्ञिक, वि यत्तु पु यत् नरनार,  
 पुरोहित, दर्ल, कुश

याज्य, वि. यजनुं, यज्ञ करवा वा-  
यक. पु. यज्ञ करनार. न. यज्ञ व-  
अते भोजेकी भेट.

यात, वि. गयधुं; भेजवेधुं; न. गति;  
कृत्; गयलो वअत.

यातन, न. वेर; अदलो. [डा; अदलो.

यातना, स्त्री. गाढवेदना; नईनी पी-

यातयाम, वि. लुधुं; वापरधुं; भस्त्रिन.

यातायात, न. लुधुं-आयधुं.

यातिक, पु. मुसाकर, वटेभार्थुं.

यातु, न. राक्षस, उधियार. पु. मु-  
साकर, सभय; पवन, राक्षस.

यातुम, पु. शुगण.

यातुधान, पु. निशायर, राक्षस.

यातृ, स्त्री. पतिना भाधुनी स्त्री, दे-  
राणी अथवा जेठाणी. पु. मुसा-  
कर, जना; गाडीवान; वेर ले-  
नार; नाश करनार.

यातृक, पु. मुसाकर.

यात्रा, स्त्री. गति; मुसाकरी; सैन्यनी  
कृत्; जत्रा; उत्सव; वरधोडो;  
रस्तो; शुगरान; संभध; रीत,  
रीवान; गाडी, वाहन.

यात्रिक, वि. कृत् करवी; उभेशनुं.  
पु. मुसाकर; यात्रा. न. कृत्; भा-  
तु ( लश्करने. )

याथार्थिक, वि. वाळणी; अडे, सायुं.

यादव, पु. यदुनो वंशज; श्रीकृष्ण.  
न. भाय-दोरनो जयो.

यादवी, स्त्री. दुर्गा.

यादव, पु. जलथरप्राणी; पांथी,  
नदी; वीथ; धंज्या.

यादु, पु. प्रवाही, पाणी.

यादुध, यादुश, वि. डेधुं, कर्म ज-

यादोनाथ, पु. यमुद्र; वरणु. [तनुं.

यान, न. लुधुं ते; मुसाकरी; वा-  
हन, गाडी; पावणी. पु. रस्तो.

यानक, न. गाडी.

यानकर, पु. सुतार. [भाग, धोरसरी.

यानमुग, न. गाडीनो आगलो

यापन, न. दीव; टेडो; वर्तन; का-

यासा, स्त्री. सुथेला वाण. [लक्षेपणु.

याप्य, वि. उलकुं.

याप्ययान, न. पावणी.

याम, पु. भैथुन, श्रीसंग.

याम, पु. शेक, आडकव; प्रकर, प-  
डोर; गति; भाग, रस्तो; गाडी.

यामक, पु. पुनर्वसु नक्षत्र.

यामघोष, पु. कुडो.

यामल, न. युगत, जेडी.

यामवती, स्त्री. रात्र.

यामातृ, पु. जभाध.

यामि-मी, स्त्री अडेन; रात्र, पु-  
त्रवध, आन्धानी स्त्री.

यामिक, पु. रात्रनो चौकीदार.

यामिका, } स्त्री. निशा, रात्रि; उ-  
यामिनी, } लड.

यामिनीपति, पु. अंद.

यामीर, पु. अंद.

यामीरा, स्त्री. निशा, रात्र.

यामुन, वि. जमुनानुं.

यामुनेक, न. सीमु

यामेय, पु. भागेज, अडेननो पुत्र.

याम्य, वि. दक्षिण तरकुं. पु. य-  
भराजतनो आकर; अतरत्य, शिव;  
विष्णु; सुभड. न. अरणी नक्षत्र.

याम्या, स्त्री. दक्षिण दिशा; रात.  
 यायावर, वि. वारंवार जनार. पु.  
 साधु; नरकात् मुनिः अश्वमे-  
 धनो घोरो. [वनो भोराक, लाभ.  
 दाव, वि. नवनुं अनवेक्षुं. पु. न-  
 यावक, उ. कुवथी; लाभ; नवनो  
 भोराक; अउधा पाडेला नव.  
 यावज्जीवेन, ज. श्रवतांनूधी.  
 यावत्, अ. साकथ; अपथि; परि-  
 भाणु; निशय; हेतुदर्शक.  
 यावत्तावत्, अ. नेटक्षु; तेटक्षु.  
 यावन्, पु. घाउरेवार; अढार्कनार.  
 यावन, वि. यवनने लगतुं. पु. धूप.  
 यावनाल, पु. लुवार, अेक धान्य.  
 यावशक, पु. सुरेभार.  
 यावस, पु. धासनी जंश.  
 याव्य, वि. मिश्र करवालायक.  
 याधीक, वि. सोदाधी हथियारअध  
 यथुं. पु. सोरो लर्ष लडनार.  
 यास, पु. यल, कोशेश.  
 यियक्षा, स्त्री. यश करवानी धम्भा.  
 यु, ग. २. नेउतुं; नेणतुं. ग. ३.  
 धुतुं पाउतुं; आधतुं; नेउतु; नेणतुं.  
 युक्त, वि. नेउेक्षुं; नेणवेतुं; गोडवेक्षुं;  
 उपयोग करेक्षु; लायक करेक्षुं; अ-  
 न्य. पु. पुरे योगी. न. न्या-  
 यथी नेणवेला पैसा.  
 युक्ति, स्त्री. नेलाय, नेडाणु; न्याय;  
 अनुमान; रीत; सलाह; अतु-  
 राध, रयना; वाउय.  
 युक्तिकर, वि. लायक.

युग, न. नेडी; धोरसरी; युग-सत्य,  
 नेता, द्वापर अने कलि; बार हा-  
 थनी लंघार्ध; बारनी संज्ञा.  
 युगयत्, अ. अेकहा, अेक वषते.  
 युगपत्र(क), पु. शीशमनुं अड.  
 युगल, न. युग्म, नेडी.  
 युग्म, वि. मेष्ठी. न. नेडी, युगल,  
 नेड; संबंध; नेडकुं; मिथुनराशि.  
 युग्मज, वि. नेडे नन्मेक्षुं.  
 युग्य, वि. नेडवा लायक; नेडेक्षुं;  
 भेंवेक्षुं. पु. नेडेला णणक अथवा  
 घोरो. न. वाहन, गाडी.  
 युज्, ग. ७. उमेरतुं; मेणवतुं; ने-  
 उतुं; उपयोग करवा; व्यापतुं  
 युज्य, पु. सयु. न. सगार्ध, संबंध.  
 युजान, पु. गाडीवान.  
 युंजान, पु. गाडीवान; आहाणु; यो-  
 गशास्त्रे नलुनार आहाणु.  
 युत्, ग. १. प्रकारतुं. [डाथतुं भाप.  
 युन, वि. सांधेक्षुं; आंधेक्षुं. न. बार  
 युतक, वि. सांधेक्षुं. न. मित्राचारी;  
 नेडी; दादेने; मुपडानी डोर;  
 युति, स्त्री. नेडाणु; संबंध. [संशय.  
 युध्, ग. ४. लडतुं.  
 युध्, स्त्री. लडार्ध. पु. योद्धे. [डार्ध.  
 युद्ध, वि. लडेक्षु; वश करेक्षुं. न. ल-  
 युघाजित, पु. भरतने भाभे.  
 युघान, पु. योद्धे; शत्रु.  
 युधिक्, वि. युद्ध करनार.  
 युधिष्ठिर, पु. युधिष्ठिर राज, पहेला  
 युयु, पु. घोरो. [पांडव.  
 युयुत्सा, स्त्री. लडार्धनी धम्भा.

युयुत्सु, वि. लडाई धन्वनार. पु.  
योद्धो [ योद्धो.

युयुधान, पु. सात्यकि, धन्व; क्षत्रिय,  
युवन्, वि. लुधान; मन्वृत्त; सा३.

पु. लुधान भापुस.

युवति, -ती, स्त्री. लुधान स्त्री, लुधद.

युवराज, पु. पाटवी कुमार.

युष्मद्, स. तुं, तमे, भीजे पुरुष.

युष्मदीय, वि. आपणु, तमा३.

यूक, पु. } लु, देशकीट  
यूका, स्त्री. }

यूति, स्त्री. मिश्रण, सगंध

यूथ, न. टोपु

यूथनाथ, } पु. सैन्यने मरदार,  
यूथप, } सरदा० छाथी.

यूथिवा, } स्त्री. यथेवीतु द्वे  
यूथि, }

यूनि, -नी, स्त्री. मिश्रण, यौवन  
प्राप्त यथवी स्त्री.

यूप, पु. यज्ञपशुने भागानो भूटो

यूपद्रुम, पु. अदिरवृक्ष

यूपलक्ष्य, पु. पक्षी

यूप, न. १. धन्व इरवी

यूप, पु. सेहेतुरेतु जाड

यूप, उ. कदी.

येन, अ. कथाथी

येप्, न. १. यज्ञ इरवे

योक्तृ, पु. लेडनार, जाडीवाणो,  
उसकेरणी करनार.

योत्क, न. दोरडुं, बोंसरीतु दोरडुं.

योग, पु. लेडतु ते, लेटाण, समध,  
उपयोग, युक्ति, द्रव्य, तक, धन,  
लभूस, औच्यता, गीतवात, ज्वन,

४१

बोंसरी, जाडी; लायकात; यथो;  
दुगार्ध, यज्ञ, ध्वान्त; लहु; योग-  
शास्त्र, सरवाणो; दुगवधान.

योगनाथ, पु. शिव, दत्तात्रय.

योगनिद्रा, स्त्री. दुर्गा; अडधी ल-  
गृत अने अडधी निद्रित छावत.

योगनिद्रालु, पु. विष्णु.

योगपारग, पु. शिव.

योगस्रष्ट, वि. सभाधीथी अष्ट.

योगमाया, स्त्री. दुर्गा, योगनी ल-

योगरग, पु. नारगी. [ दुर्ध सक्ति.

योगराज, पु. ऐक दवा.

योगरूढ, वि. योगयुक्त.

योगवासिष्ठ, न. ऐक अथ. [ पार.

योगवाही, स्त्री. अथ, पारो, सा०,

योगांजन, न. ३० लायवातु भवम.

योगित, वि. जाड.

योगिन्, वि. लहुधसक्ति धरायनार,

योग लणुनार. पु. योगी, लेगी,  
लहुगर, पाणुनक्य, विष्णु, शिव.

योगिनी, स्त्री. योग लणुना० स्त्री;

लहुना० स्त्री, डाकणु, दुर्गा, दु-  
र्गांनी सप्ती.

योगीश, पु. महादेव. [ जवन्धमुनि

योगेश्वरं, पु. महादेव, दि लु, या-

योगेश्वरी, स्त्री. पार्वती, मुष्ण ल-  
हुगर स्त्री.

योग्य, वि. लायक, उपयोगी पु  
मुष्णनक्षत्र न. जाडी, पुरी, इध,  
मुष्णड.

[ पवित्रता.

योग्यता, स्त्री. लायकात, यथशास्त्रं,

योग्या, स्त्री. व्याय, इसगत, न-  
धनी पत्नी.



योजक, वि. योजनार; सांधनार.  
योजन, न. जेडतुं ते; तैयारी; यो-  
जन, आर गाड.

योजनगंधा, स्त्री. करवरी; सत्यवती;  
• सीता. [ योनी.

योजनीय, वि. जेडवालायक, उप-  
योजना, स्त्री. जोडवणु, रचना; सं-  
योज, पु. भाप, साड करतुं ते. [योग.

योत्र, न. योक्त; संपत्ति.  
योद्ध, पु. लडवैयो, वीर.

योध, पु. योद्धो; लडवैयो.  
योधन, न. लडाई; हथियार; रण,  
मेदान. पु. योद्धो. [वी ते.

योधसंराव, पु. युद्धनी भागणी कर-  
योधेय, पु. युद्ध करनार.

योनि, पु. उत्पत्तिस्थान, लज;  
भाणु, रदेठणु; वरा. पाणी; पुर्वा-  
क्षाशुनी नक्षत्र.

योनिज, वि. योनिभाथी पेदा ययतुं.  
योनिदेवता, स्त्री. पुर्वाक्षाशुनी नक्षत्र.

योनिनासा, स्त्री. योनिने उपयो  
भाग. [ मुद्रा.

योनिमुद्रा, स्त्री. योनिना आकारनी  
योपन, न. असा करे ते; युव-  
वाय ते. [ भागीडा.

योपणा, स्त्री. लुवान छेकरी, कु-  
योपा, योपित, योपिता, स्त्री.  
नारी, स्त्री, छेकरी. [ करारी.

यौक्तिक, वि. लायक; हमेसतुं; त-  
यौगिक, वि. उपयोगी; हमेसतुं;  
योनतुं; उपाय थाय जेवुं.

योद्ध, -द्ध, ग. १. साथे जेडतुं.

यौतक, न. दाहेजे, पडेरामणी;  
यौतव, न. भाप. [ भागनी भीलकत.

यौधिक, वि. सैन्यने लगतुं पु.  
यौध, वि. जंगी; रणुशूर. [ सौभती.

यौन, वि. लभतुं, विवाहसंबंधी.  
न. लभ [ मुद्रा.

यौवत, न. लुवान स्त्रीजोने ग-  
यौवन, वि. लुवान. न. लुवानी.

यौवनक, न. लुवानी.  
यौवनदशा, स्त्री. पुस्तता, लुवानी-

यौवनदर्प, पु. लुवानीने छेक-गडरी.  
यौवनलक्षण, न. लावण्य, मुंदरता;  
स्त्रीस्तन.

यौवनलक्ष, वि. लुवान: लभवायक.  
यौवनारंभ, पु. लुवानीनी शरुआत.

यौवनाश्व, पु. मान्धाना राज.  
यौवराज्य, न. युवराज-गारी वा-  
रसनी पदवी

यौपिण्य, न. श्रीपणुं.  
यौष्माक, } वि. आपणुं, तमाश.  
यौष्माकीन, }

र.

र, सताधीशमे व्यजन.  
र, पु. अग्नि; उडप; गति; आलना;  
क्षयताभां 'र' गणु. न. तेज.

स्त्री. (रा) दान, नोतुं. (री)  
रंसु, वि. आनंदी. [ गति.

रंहु, ग. १. उडपथी आवतुं; वदेतुं.  
रंहुति, स्त्री. उडप, गाडीनी गति.

रंहु, न. वेग; गीघना; लुजम.  
रंहु, स्त्री. वदेतो करे; पलायन;  
उतावण.

रक्, ग. १०. मेणवतुं; आपणुं,

रक, पु. अर्थकांत मणि; काय.  
 रक्त, वि. रमेयुं; रातुं; वदायुं; मुं-  
 दर; रमतीत्याज. पु. रातो रंग; क-  
 मुंभो रंग; शिव. न. बोली; तां-  
 थुं; डिगणो; केसर; सिद्धर. स्त्री.  
 (का) लाभ; शुभ; म०क.  
 रक्तक, वि. रातुं; बोलीयाथुं; अ-  
 राक्ष. पु. अविचारी भाजुस, रा-  
 तो पोशाक. न. बोली.  
 रक्तकंद, -ल, पु. परवाथुं.  
 रक्तगंधक, न. डिगणो.  
 रक्तचंदन, न. रातुं बंधन; केसर.  
 रक्तछाँद, स्त्री. बोलीनी उवरी.  
 रक्तजिह्व, पु. गिंड.  
 रक्ततुंड, पु. पोपट.  
 रक्ततेजस्, न. भांस.  
 रक्तदतिका, स्त्री. दुर्गा.  
 रक्तदण्ड, पु. कथूतर.  
 रक्तधातु, पु. गेड; तांथु.  
 रक्तनासिक, पु. धुवड.  
 रक्तप, पु. पिशाच, भूत. स्त्री. (पा).  
 रक्तपक्ष, पु. गडड. [नणो; डाकल.  
 रक्तपाकी, स्त्री. रींगणी, रींगणानी  
 रक्तपात पु. बोली पडतुं ते. गिल.  
 रक्तपाता, स्त्री. नणो.  
 रक्तपाद, वि. लाव पगवाथुं. पु.  
 पोपट; लडाथेनो रथ; छाथी.  
 रक्तपायिन्, पु. भाकल.  
 रक्तपायिनी, स्त्री. नणो.  
 रक्तपारद, पु. डिगणो.  
 रक्तमय, न. भांस.  
 रक्तभाव, वि. रातुं; विपथी.

रक्तरणु, पु. सिद्धर; पवासनी मे-  
 होर-कणी; कोधी भाजुस.  
 रक्तलोचन, पु. कथूतर. [कमुंभो.  
 रक्तवर्ग, पु. लाभ; दाडभतुं जाड;  
 रक्तवर्ण, न. योतुं.  
 रक्तयो(यो)ज, पु. दाडभतुं जाड.  
 रक्तसंज्ञ, न. केसर.  
 रक्तसंदंशिका, स्त्री. नणो.  
 रक्ताकार, पु. परवाथु [लाव बंधन.  
 रक्ताक्त, वि. लाव छांदावाथुं. न.  
 रक्ताक्ष, वि. लाव आंभवाथुं; लय  
 लरेयुं. पु. लेंस; कथूतर; सासर;  
 रक्तांक, पु. परवाथुं. [यकोर पक्षी.  
 रक्तांग, पु. भाकल; मंगलशुभ; प-  
 रवाथुं. न. केसर.  
 रक्ताघरा, स्त्री. कितरी.  
 रक्तालु, पु. रताथु; शकरक. विदो.  
 रक्तिका, स्त्री. जुंन; शुभ-यणोलीनो  
 रक्तोत्पल, न. लाव कभर.  
 रक्तोपल, न. गेड; लाव मारी.  
 रक्ष, ग. १. रक्षायु करतुं; अथायतुं.  
 रक्ष, पु. बोलीदार. [दार.  
 रक्षक, वि. रक्षायु करतुं. पु. बोली-  
 रक्षण, न. रक्षायु करतुं ते. पु. र-  
 क्षक; विष्णु. स्त्री. (णा) रक्षायु  
 (णी) लगाम.  
 रक्षणा(णी)रक, पु. भूतकृच्छरोग.  
 रक्षणि, -णी, स्त्री. गरभाड जाड.  
 रक्षणीय, वि. रक्षायु करवालायक.  
 रक्षस्, न. राक्षस; धन.  
 रक्षा, स्त्री. रक्षायु, सभाण; बोली; भा-  
 दजियुं; राभ; लाभ. [सीपाध.  
 रक्षिक, पु. रक्षायु कर्ता, पोलीसनो

रक्षितृ, वि. रक्षित. पु. रक्षिष्णु कर-  
नार; बोधीदार.

रक्षोम्र, न. कांछ; द्विग.

रख्, ग. १. ञ्युं.

रसा, ग. १. शक लाववो.

रघु, वि. शीघ्र; आलाक; लासरीयु;  
आतुर. पु. सूर्यवशी राज्ञ; द्विती-  
यनो पुत्र.

रघुनन्दन, -नाथ, } पु. रामचन्द्र, द-  
रघुपति, -सिंह, } शरथ पुत्र.

रघुवंश, पु. रघुनो वंश; कालिदासवं-  
क्रेषुं रघुवंशना चरुनरुपी काव्य.

रंक, वि. मंड, धीभुं; कृपण; गरी-  
भ. पु. क्षीभारी; कंजुस.

रंकु, पु. हरिष्णु.

रंग, ग. १. ञ्युं.

रंग, पु. रंग, रंगभूमि, नाटक कर-  
वानुं डेकाणुं; लडाणुं भेदान; दं-  
कणुभार. न. टिन, क्लार्थ.

रंगकार, पु. नीतारो.

रंगचर, पु. नाटकी.

रंगण, न. नाथ्युं ते.

रंगद, पु. टकणुभार.

रंगपत्री, स्त्री. शुक्लीनो रेषो.

रंगवी(वी)ज, न. र्णु.

रंगभूमि, स्त्री. मङ्गलभूमि; नाटकशास्त्रा.

रंगमल्ली, स्त्री. पीपु, वांसरी.

रंगरस, पु. कीडा, रगत.

रंगशाला, स्त्री. नाटकशास्त्रा. विनार.

रंगिन्, वि. रंगनार, लुस्सादार; ना-

रंख, ग. १. ञ्युं; उतावणशी ञ्युं.

ग. १०. प्रकाशयुं; भोवतुं.

रंघस्, स्त्री. वेग, उडप.

रच्, ग. १०. रच्युं, गोडवयुं; ल-  
ण्युं; शलुगारुं.

रचक, वि. रचना करनार.

रचन, न. } गोडवणु, रचना; उ-  
रचना, स्त्री. } त्यन्ति; पूर्णता.

रचयितृ, पु. रचनार, उत्पन्न कर्ता.

रचित, वि. रच्युं; गोडवेयुं; तैयार  
करेयुं; शलुगारेयुं.

रज, 'रजस' लुभो.

रजक, पु. घोषी, गोपट.

रजकी, स्त्री. घोषणु; त्रयु द्विवसनी  
रजस्वला स्त्री.

रजत, वि. सश्रेष्ठ; इपेरी. न. र्णुं;  
सोनुं; मोतीनो डार; बोडी; डा-  
थीदांत; नक्षत्र; पर्वत. [ भर.

रजतकूट, पु. मलय पर्वतनुं अक शि-

रजतद्युति, पु. लनुमान.

रजताद्रि, पु. कैलास पर्वत.

रजन, पु. किरणु. न. रगनुं ते; क-  
मुभो रंग.

रजनि, नो, स्त्री. रात, कण्ठ, वाभ; दुर्गा.

रजनीकर, पु. अद्र; कपूर.

रजनीचर, पु. राक्षस; चार; बोधी-

रजनीरमण, पु. अद्र. [ डार; अद्र.

रजनीमुष, न. संस्थाकाण.

रजस्, न. रज, धूग; पराग, कृपनो  
भूको; अधाक, अधकार, रन्नेशुणु;

स्त्रीरज, अटकाव, ऋनु; कमुभो  
रज; भेन, वाणु; डवा; पराण.

रजसाणु, पु. वादण; दीव.

रजस्वल, वि. धूग, वाणु.

रजस्वला, स्त्री. ऋनुवाणी-अटका-  
पवी स्त्री; लज्जयोग्य कन्या.

रज्जु, स्त्री. दोरी, रसी; लुलझं.  
 रंज, ग. १, छ. रंगयुं; रतुं रंरुं;  
 प्यारभां पडंयुं; भुशी ययुं.  
 रंजक, वि. रंगयुं; लुस्सेो विसके-  
 राय अयुं. पु. चीतारो. न. विं-  
 गणो; लालयंदन.  
 रंजन, न. चीतरयुं ते; रग; लालयं-  
 दन; मुं-धारास; सतोप पभाउवोते.  
 रंजनी, स्त्री. उणद; शुलीनो शेषो.  
 रंजित, वि. आनंदी; रंगेयुं.  
 रद्द, ग. १. भूम पाठयी; भोटथी  
 भोलावयुं; भुशी पतावयी.  
 रटंती, स्त्री. भाध वद १४.  
 रद्द, ग. १. भोदयुं  
 रण, ग. १. अवाज करयो; वयुं.  
 रण, उ. लडाध; लडाधं भेदान पु.  
 अवाज; गति; आनंद.  
 रणत्कार, पु. रणुडो; अवाज.  
 रणपंडित, पु. लडवेथो.  
 रणप्रिय, वि. वीर.  
 रणभूमि, स्त्री. लडाधं भेदान.  
 रणमत्त, पु. डाथी.  
 रणरण, पु. मंछर.  
 रणरणक, न. आदना. पु. कामदेव.  
 रणसंकुल, न. भोटी लडाध.  
 रंड, पु. पुत्रवजर भरणु पाभेयो  
 पुरय; अक्ष जड.  
 रंडक, पु. अक्ष वृक्ष.  
 रंडा, स्त्री. विधवा; रंड, अक गाण.  
 रत, वि. आनंद पाभेयुं, भुशी य-  
 ययुं; आडेयु. न. आनंद, मंथुन;  
 रतकील, पु. इतरो. [शुभ अययव.  
 रतकूजित, न. कामयुक्त शब्द.

रतज्वर, पु. कामरो.  
 रतताली, स्त्री. कुटणी.  
 रतनारीच, पु. कामदेव; कामयुक्त  
 शब्द; विपयी.  
 रतनिधि, पु. भंजनपक्षी.  
 रतबंध, पु. मैथुन, संभोग.  
 रतवर्ण, पु. इतरो.  
 रतांदुक, पु. इतरो.  
 रतायनी, स्त्री. वेश्या.  
 रथार्थिन्, वि. मैथुनाभिलाषी, वि-  
 पय धंछनार.  
 रति, स्त्री. कामदेवनी पत्नी; भुशाक्षी;  
 प्यार; मैथुन; अद्रती छुडी कणा.  
 रतिकर, वि. आनंद आपनार.  
 रतिकुहर, न. योनि.  
 रतिरत्न, पु. श्रीसगनो आनंद.  
 रतिलक्ष, न. संभोग, मैथुन.  
 रतु, स्त्री. आकाश गंगा; पतिव्रता श्री  
 रतोद्दह, पु. डोपव. [वजन.  
 रत्ति(का), स्त्री. रति, आठ वयुं  
 रत्न, न. अवेरात; श्रीमती चीन;  
 रत्नकदल, पु. परवाणु [लोडयुंअक.  
 रत्नकर, पु. इमेर.  
 रत्नगर्भ, पु. इमेर; समुद्र.  
 रत्नगर्भा, स्त्री. पृथ्वी.  
 रत्ननाभ, पु. विष्णु.  
 रत्ननिधि, पु. समुद्र; विष्णु; मेरु-  
 रत्नप्रना, स्त्री. पृथ्वी. [पर्वत.  
 रत्नमय, वि. रत्नी लरेकु.  
 रत्नराज, पु. भाषित्य, माण्ड.  
 रत्नसागु, पु. सुमेरुपर्वत.  
 रत्नसू, स्त्री. पृथ्वी.

रत्नाकर, पु. समुद्र [धीनो डाय.  
 रत्नि, पु. कोष्ठी; कोष्ठीथी मुहूर्ति स-  
 रथ, पु. गाडी; रथिन, रथमां जे-  
 शी लडनार येद्धो; पग; अव-  
 गव; शरीर; आनंद.  
 रथकड्या, स्त्री. रथोनो समुद्राय.  
 रथकार, पु. रथ-गाडी षनावनार.  
 रथगमैक, पु. पावणी.  
 रथज्वर, पु. कागरो.  
 रथपाद, पु. पैदं.  
 रथयात्रा, स्त्री. अशाड शुद्ध २ ने  
 दिने मूर्तिने रथमां जेसाडी हेरवतुं  
 रथयुग, पु. गाडीवान. [ति.  
 रथांग, न. विष्णुतुं यक. पु. य-  
 रथांगपाणि, पु. विष्णु. [कोरपक्षी.  
 रथाम्र, पु. अर.  
 रथिक, वि. रथमां जेसनार. [नार.  
 रथिन, पु. रथमां जेसी मुद्ध कर-  
 रथी, वि. बोभीओ; गाडीवान.  
 रथ्य, पु. रथनो धारो.  
 रथ्या, स्त्री. रथ यावथा लायक र-  
 स्तो; धान्य रस्ता कूटता होय जे-  
 वी नगा. [थीरतुं.  
 रद्, ग. १. जोडतुं, कोतरी भातुं;  
 रद, पु. थीरतुं ते, दांत.  
 रदछद, पु. ओछ, होळ.  
 रदनिन्, पु. हाथी. [करतुं; भरतुं.  
 रव, रंघ, ग. ४. पीडा करपी; पश  
 रद्ध, पु. अतनार.  
 रघ, वि. उदार, गुणी.  
 रतिदेव, पु. अंद्रवशीरान्त; विष्णु; इ-  
 रंतु, पु. रस्तो; जेक नदी. [तरो.  
 रंघन, न. रंघतुं ते.

रंघ, न. छिद्र; होय; कुप.  
 रपत्, न. पाप; धन.  
 रफ, रंफ, ग. १. नृतुं; धनकरपी.  
 रम्, ग. १. शर करतुं; आतुरता  
 अतावपी; आर्त्तिगन करतुं.  
 रमत्, न. जेर; दुबडार्थ, डोंग.  
 रमस, वि. नंगडी, कूर; मज्जुत;  
 आनंदी. पु. जेर; वेग; दुबडार्थ;  
 आनंद; क्रोध; उरंडा. [करतुं.  
 रम्, ग. १. शुशी शतुं; रमतुं; मेशुन  
 रम, वि. वडातुं; आनंदी. पु. शुशी,  
 पति; कामदेव; अशोकतुं जाड.  
 रमक, वि. रमतीयाड; पु. आशक.  
 रमठ, पु. छिंम.  
 रमण, वि. आनंदी. न. क्रीडा;  
 प्यार; आनंद. पु. पति; आशक;  
 कामदेव; अज्ञु; अधो; आंडवो.  
 रमणा, स्त्री. मुंदर गी; राभ; सी.  
 रमणी, स्त्री. मुंदरी; राजेडी गी.  
 रमणीय, वि. आनंदी; मुंदर.  
 रमति, पु. कामदेव; आशक; रान.  
 कागरो; रामध. [धन; अशक.  
 रमा, स्त्री. लकमी; नगीण; अजेडी,  
 रमाकांत, -नाथ, -पति, पु. विष्णु.  
 रमाप्रिय, पु. विष्णु. न. कभर.  
 रम्य, वि. मुंदर; आनंदी. पु. न-  
 पातुं जाड. न. पीध. स्त्री. (रमा)  
 रम्यध्री, पु. विष्णु. [रान.  
 रंम, पु. देहा; लाकडी; चांस; मृग.  
 रंमा, स्त्री. देणतुं जाड; जीगी; जेक  
 रय, ग. १. नृतुं. [अभ्यग; वेश्या.  
 रय, पु. प्रवाद; वेग; अत.  
 रयि, पु. पाणी; होवन.

रविष्ट, पु. कुबेर; अग्नि; आत्मणु.  
 रराट, पु. ललाट, कपाल.  
 ररुफ, पु. कांभणी, धाभणी, प-  
 लक; दरिद्रणी अेक जत.  
 रव, पु. शब्द, अवाङ्; श्रीश (न-  
 नावरनी); कलकवाट.  
 रवण, वि. तीक्ष्ण; भोटा अवाङ्तुं;  
 अथव. पु. उँट; डोयव. न. कांभु.  
 रवथ, पु. डोयव.  
 रवि, पु. सूर्य, अर्कवृक्ष; आरनी संजा.  
 रविकांत, पु. सूर्यकांतमणि.  
 रविज, तनय, पु. शनिअड; यम;  
 वाही; सुश्रीव, कर्ण, वैवस्वतमनु.  
 रविनेत्र, पु. विष्णु.  
 रविरत्न, न. भाणुक, लाल.  
 रविलौह, न. तांभु. \*  
 रविवार, पु. रविवार.  
 रवीपु, पु. कामदेव. [कभरपटो; लभ.  
 रशाना, स्त्री. दोरी, रसी, लगाम;  
 रश्मि, पु. दोरड, लगाम, आशुक;  
 रश्मिम(व)त्, पु. सूर्य [किरपु, पलक.  
 रस्, ग. श. भृम पाडवी; अवाङ्  
 करवो; गातुं.  
 रस, पु. रम; प्रवाही पदार्थ; पाणी;  
 दाइ, स्वाद; सास, भरीमसादो;  
 भुशी, मुदरता; अर्क, वीर्य, पारो;  
 जेर, क्षार, दूध; शेरडीनो रस;  
 अभृत, 'छ'नी सत्ता; लभ, छि-  
 शभोव, सोनु.  
 रसकपूर, न. रसकपूर, अेक जेरी श्रीण.  
 रसम, पु. टकलुभार.  
 रसज, पु. भाड; गोण. न. बोही.  
 रसध, वि. रसिक.

रसज्ञा, स्त्री. लभ.  
 रसतेजस्, न. बोही.  
 रसद, पु. वैद.  
 रसधातु, पु. पारो.  
 रसन, न. स्वाद; अवाङ्, अर्जना;  
 रसनाथ, पु. पारो. [ स्वादनी धंद्री.  
 रसना, 'रशना' लुब्धो  
 रसनारद, पु. पक्षी.  
 रसनालिह, पु. कूतरो.  
 रसनेन्द्रिय, न. लभ.  
 रसमंजरी, स्त्री. नायकनायिका अेक  
 अलकारपी अथ.  
 रसमय, वि. रसवाणु, प्रवाही.  
 रसमातृका, स्त्री. लभ.  
 रसराज, } पु. रसाङ्गन; पारो.  
 रसलोह, }  
 रसशोधन, पु. टकलुभार.  
 रसा, स्त्री. पृथ्वी, लभ, द्राक्ष; भी-  
 रसातल, न. अेक पाताण. [ नाश.  
 रसादान, न. शोषणु.  
 रसायन, न. कटि; भेषजा, कटोरो;  
 छस; विष; अरड; जूढोपो इर क-  
 रवाणी हवा, रसायन, मात्रा.  
 रसायनफला, स्त्री. डरडा.  
 रसाल, पु. आभातुं जाड, धड; शेरडी.  
 रसाला, स्त्री. लभ, द्राक्ष, दुर्वा.  
 रसास्वादिन्, पु. लभरो.  
 रसिक, वि. रसवाणु, स्वादिष्ट;  
 रसक, आनदी, विषयी. पु. रस-  
 वाणो माणुस, डरती, डायी;  
 घोडो; सारसपक्षी.  
 रसिका, स्त्री. शेरडीनो रस; लभ;  
 अंदहार, कटोरो [ णनी अर्जना, दाइ.  
 रसित, वि. स्वादिष्ट; आभेधुं. न. वाड-

રસિન્, વિ. પ્રવાહી.  
 રસેન્દ્ર, પુ. પારો.  
 રસોત્તમ, પુ. દ્વધ.  
 રસ્ત, ન. ચીજ, વસ્તુ.  
 રસ્ય, વિ. પ્રવાહી. ન. લોહી.  
 રહ, ગ. ૧, ૧૦. તજ્જદેવું.  
 રહસ્ત, ન. એકાંતવાસ; એકાંતજગ્યા;  
 મૈથુન; રહસ્થ; સચાર્થ; વેગ, ગ-  
 તિ; શુભભાગ. [શુભવાત; છૂપોભેદ.]  
 રહસ્ય, વિ. છૂપું, ખાનગી; શુભ. ન.  
 રહાટ, પુ. પ્રધાન, મંત્રી; ભૂત.  
 રહિત, વિ. ત્યજ્જ, છોડી દીધેલું;  
 જીદું કરેલું; એકાંતવાસનું.  
 રા, ગ. ૨. બક્ષીસ આપવું.  
 રાકાં, સ્ત્રી. પ્રથમ રજસ્વલા થયેલી  
 કન્યા, ખરજ, ખસ; પૂનમ.  
 રાક્ષસ, પુ. રાક્ષસ, દૈત્ય; પિશાચ્ય;  
 આઠ પ્રકારના વિવાહમાંનો રા-  
 ક્ષસવિવાહ; નંદનો પ્રધાન.  
 રાક્ષસી, સ્ત્રી. દાઢ, દ્વહાડ; નિશા;  
 રાત્ર; લકાનજરી; રાક્ષસી.  
 રાક્ષા, સ્ત્રી. લાખ.  
 રાઘ્વ, ગ. ૧. સુકું કરવું; શણગારવું.  
 રાગ, પુ. રાતો રંગ; ખાર; રાગ  
 છ છે.—ભૈરવ, કૌશિક, હિંદોલ, દી-  
 પક, શ્રીરાગ અને મેધ; લાગણી;  
 આનંદ; ક્રોધ; મત્સર; મુંદરતા;  
 હસદ, કીનો; રાત્ર; સૂર્ય; ચંદ્ર.  
 રાગલગ્ન, પુ. કામદેવ.  
 રાગદાલી, પુ. મસુરની દાળ.  
 રાગમય, વિ. વહાવું; રાત્રું.  
 રાગાલ્યા સ્ત્રી. મહક.  
 રાગિણી, સ્ત્રી. ચાલાક સ્ત્રી; છ રા-

ગની છત્રીશ રાગણીઓ છે; અ-  
 ભિચારિણી સ્ત્રી.  
 રાગિન્, વિ. રંગેલું; રાત્રું; અનુરક્ત;  
 કામુક. પુ. ચીતારો; આશક.  
 રાઘવ, પુ. રામચંદ્ર; સમુદ્ર; એક  
 રાંકલ, પુ. કાટો. [જાતની માછલી.  
 રાંકવ, વિ. ઉનનું. પુ. હરિણના ઉ-  
 નનું કપડું; કાંબલી. [લાવવું.  
 રાજ, ગ. ૧. પ્રકાશવું, રાજ અ-  
 રાજ, રાજ, પુ. રાત્ર. [સમુદાય.  
 રાજક, પુ. રાત્ર. ન. રાત્રઓનો  
 રાજકીય, વિ. રાત્રસંબંધી.  
 રાજકન્યા, સ્ત્રી. રાત્રની પુત્રી.  
 રાજકર્ણ, પુ. હાથીની મુંઠ.  
 રાજકાલિ, પુ. ખરાબ રાત્ર.  
 રાજકુમાર, પુ. રાત્રનો પુત્ર.  
 રાજકુલ, ન. રાજવસ; રાજદરબાર;  
 ન્યાયદરબાર.  
 રાજગૃહ, ન. રાજમહેલ. [રનાર.  
 રાજઘ, વિ. તીક્ષ્ણ. પુ. રાત્રને મા-  
 રાજત, વિ. રૂપેરી. ન. રૂપ.  
 રાજતા, સ્ત્રી. બાદશાહી.  
 રાજતાલ, પુ. મોપારીનું ઝાડ.  
 રાજદંત, પુ. આગણા દાંત.  
 રાજદ્રોહ, પુ. બલવો.  
 રાજધાન, —ધાનક, ન. } મુખ્ય  
 રાજધાનિકા, —ધાની, સ્ત્રી. } શહેર,  
 રાત્ર રહે તે શહેર, રાજધાની.  
 રાજનીતિ, સ્ત્રી. રાજના ધારા.  
 રાજનીલ, ન. મરકતમણિ, પાનું.  
 રાજન્ય, વિ. રાત્રનું. પુ. કાત્રી;  
 અગ્નિ; પ્રખ્યાત માણસ.  
 રાજન્યક, ન. કાત્રીઓનો સમુદાય.

राजन्वत्, वि. धर्मशालधी आ-  
 लतो (देश). [शाही.  
 राजपद, न. राजसिंहासन, आद-  
 राजपुत्र, पु. राजकुमार; क्षत्री; शु-  
 धमड; रजपूत.  
 राजपुत्री, स्त्री. राजकुमारी, राजनी  
 पुत्री; रजपूताणी; भावती वगेरे  
 केशक शेषाओ.  
 राजपुत्र्य, पु. मंत्री; राजने आकर.  
 राजवदर, न. भीडुं, लवधु.  
 राजभूय, न. नृपत्व, आदशाही.  
 राजभृत, पु. लश्करी सीपाई.  
 राजभोज्य, न. लपईण.  
 राजमोत, पु. विदुपक, रगलो.  
 राजमार्ग, पु. मोटो रस्तो.  
 राजयान, पु. पावणी.  
 राजयुध्वन्, पु. राज साथे लडनार.  
 राजरंग, न. रंभुं.  
 राजराज, पु. शहेनशाह; चंद्र.  
 राजराज, पु. शहेनशाह; कुमेर; चंद्र.  
 राजपि, पु. उत्तम क्षत्री.  
 राजलहमन्, पु. बुधिधिरराज.  
 राजलक्ष्मी, स्त्री. राजनी संपत्ति.  
 राजवल्लभ, पु. शिष्यशास्त्रने ओक  
 राजवाह, पु. घोरो. [अंथ.  
 राजवि, पु. नीलकंठ, आपपक्षी.  
 राजगंग, न. राजगंग.  
 राजशेखर, पु. ओक कवि.  
 राजसदन, न. राजभडेव.  
 राजसर्प, पु. मोटो साप, अण्दाह.  
 राजसायुज्य, न. आदशाही.  
 राजसारस, पु. मोर.

राजसी, स्त्री. रजेशुषुवती. [यज्ञ.  
 राजसूय, पु. यज्ञवर्ति राजधी यतो  
 राजस्कथ, पु. घोरो.  
 राजहंस, पु. ओक पक्षी.  
 राजानि, पु. राजने शुस्सो. \*  
 राजादन, पु. पिवालतुं आड.  
 राजाधिष्ठत, पु. न्यायाधीश. [शाह.  
 राजाधिराज, पु. यज्ञवर्ति, शहेन-  
 राजार्हण, न. राज तरङ्गी भा-  
 ननी लेट.  
 राजाहि, पु. मे मोटावाजो साप. \*  
 राजि, -जी, स्त्री. श्रेणी, पक्षी, डार.  
 राजिका, स्त्री. क्षीरी, डार; भे-  
 तर; रार्थ. [गरने साप.  
 राजिल, पु. पाण्डुने साप, अर व-  
 राजीव, पु. ओक लततु डरिणु,  
 डाधी; सारसपक्षी. न. कभड.  
 राजीवलोचन, न. कभडना नेवी  
 आंभो. [हांभुं.  
 राक्षी, स्त्री. शणी; सूर्यनी पत्नी;  
 राज्य, न. राज्य, आदशाही; रा-  
 न्कार्थ.  
 राज्यका, स्त्री. रार्थतुं. [सत्ता.  
 राज्याधिकार, पु. राज्य उपरनी  
 राटि, पु. पक्षी. स्त्री. लडाई.  
 राढा, स्त्री. यमक, प्रकाश; ओक देश.  
 राज, न. पादडुं; मोरनी पूछी.  
 राणिका, स्त्री. लगाम.  
 राति, वि. उदार; तैयार. पु. भिन.  
 स्त्री. कृपा, लेट.  
 रात्र, न. रान, धक्षम  
 रात्रक, न. पांच रातने वपत. पु.  
 ओक वर्ष वेरथाने घेर रडेनार.



રાત્રિ, -ત્રી, સ્ત્રી. નિશા, રાત્ર; હળદ; રાતનું અંધારું.  
 રાત્રિકર, પુ. ચંદ્ર; કપૂર [ચિત્રીદાર.  
 રાત્રિ (ત્રિ)ચર, પુ. ચાર; રાક્ષસ;  
 રાત્રિજ, ન. તારો.  
 રાત્રિજલ, ન. દધ, ઓસ.  
 રાત્રિદિન, અ. રાત્રદિવસ.  
 રાત્રિમણિ, પુ. ચંદ્ર.  
 રાત્રિવેદ, પુ. કુકડો.  
 રાત્રિહાસ, પુ. સ્વેતકમલ.  
 રાત્રિહિંદક, પુ. અંત:પુરરક્ષક.  
 રાત્ર્યટ, પુ. ચાર; પિશાચ.  
 રાત્ર્યંધ, વિ. રતાંધળો.  
 રાત્રાંત, પુ. સિદ્ધાંત.  
 રાત્રિ, સ્ત્રી. પૂર્ણતા; ચઢતી. [ચઢતી.  
 રાઘ, પુ. વૈશાખ માસ. ડ. કૃપા;  
 રાઘરંક, પુ. હળ. [હિદારતા; દોલત.  
 રાઘસ, ન. ખોરાક; કૃપા; બક્ષીસ;  
 રાઘા, સ્ત્રી. ચઢતી; એક પ્રખ્યાત ગોપી, વૃષભાનુની પુત્રી; વિશાખા નક્ષત્ર; વિજળી.  
 રાઘાપતિ, -રમણ, પુ. શ્રીકૃષ્ણ.  
 રાઘામેદિન, પુ. અર્જુન.  
 રાઘાસુત, પુ. કર્ણ.  
 રાઘિકા, સ્ત્રી. રાઘા.  
 રાઘેય, પુ. કર્ણ.  
 રામસ્ય, ન. આનંદ; બલ, ભેર.  
 રામ, વિ. આનંદી; કાર્ણ; સદેહ; મુંદર. પુ. પરશુરામ; બલરામ; રામચંદ્ર, દશરથ પુત્ર; એક નતનું હરિણ; આરાક; અરુણ; ઘોડો. ન. અંધકાર; કોહોડ; તમાલપત્ર.  
 રામક, વિ. આનંદી.

રામચંદ્ર, પુ. રામ, દશરથ પુત્ર.  
 રામઠ, પુ. હિંગ.  
 રામણીયક, વિ. મુંદર. ન. મુંદરતા.  
 રામદૂત, પુ. હનુમાન; વાંદર.  
 રામદૂતી, સ્ત્રી. તુલસી.  
 રામનવમી, સ્ત્રી. ચૈત્ર શુદ્ધ ૯, રામ-નો જન્મદિવસ.  
 રામભદ્ર, પુ. રામચંદ્ર.  
 રામવલ્લભ, પુ. ભોજપત્રનું ઝાડ.  
 રામસેતુ, પુ. રામેશ્વર અને લંકા-ની વચ્ચે રામચંદ્રે બાંધેલો પુલ.  
 રામાનુજ, પુ. રામાનુજ સંપ્રદાય સ્થાપનાર. [ પુસ્તક.  
 રામાયણ, ન. રામના વર્ણનરૂપી  
 રામિલ, પુ. પતિ; આરાક; કામદેવ; એક કવિ.  
 રાંમ, પુ. યોગીનો દંડ-છડી.  
 રાય, પુ. રાજ.  
 રાયણ, ન. પીડા, રોગ.  
 રાયભાટી, સ્ત્રી. નદીનો પ્રવાહ.  
 રાલ, પુ. રાજ.  
 રાય, પુ. ચીસ, જૂમ; અવાજ.  
 રાયણ, પુ. લંકાનો રાક્ષસ રાજ.  
 રાયણિ, પુ. ઈંદ્રજીત, રાવણનો પુત્ર.  
 રાશિ, પુ. ઢગલો; મેષાદિ બારરાશિ.  
 રાષ્ટ્ર, ન. રાજ્ય, આદલાહી; પરમણું;  
 રાષ્ટ્રિ-ટ્રી, સ્ત્રી. રાજકર્તા રાષ્ટ્રી. [રૈયત.  
 રાષ્ટ્રિક, પુ. મુખો, હાકમ.  
 રાષ્ટ્રિય, પુ. રાજ, રાજનો રાજો.  
 રાસ, ગ. ૧. જૂમ પાડવી.  
 રાસ, પુ. કોલાહલ; વાણી, વાચા; કૃષ્ણ અને ગોપીઓનો રાસ.

रासेरस, पु. रास, क्रीडा, सभा,  
शृंगार; छद्मी, आणकना जन्मने  
छद्मे दिवस.

रासन, वि. लभसमधी.

रासम, पु. अधेटो

रासा, स्त्री. वन० रासा, कभरपटो.

राहु, पु. राहुअड, त्याग.

राहुछत्र, न. अद्रक, आहु.

राहच्छिष्ट, न. वसणु.

रि, ग. ६. ग. ५. धंन करी.

ग ९. लुदा पाडतु, अक्षीस आ-  
पवी, जतु.

रिक्त, वि. भाडी, पाकेल, भावी  
करेडु, छुट्टे पाडेणु, नकांतुं, निर्वन.

न. भाडी जगा, वन.

रिक्ता, स्त्री. योथ, नवमी अने यौ-  
दश ये तिथिओ

रिक्थ्य, न. धन, औशर.

रिक्थ्यन्, वि. वारस, पैसादार.

रिक्थ, न. होलत, सोतुं.

रिक्थहारिन्, पु. भाभो, वारस.

रिक्थिन्, वि. पैसादार पु. वारस

रिक्चन, पु. चोर.

रिक्षा, स्त्री. धीअ, आरीकं लु.

रिख, रिग्, ग १. धीमेथी जतु,  
पेटे आलपु.

रिं(रा)गण, न. इसडातु ते.

रिंनित, न. गति [ पाडतु

रिच्, ग. ७ भाडी करतु, लुहु

रिटि, सयण, काशु भीहुं, शिप्रनो  
जणु, अक वाध.

रिधम, पु. आर. [छद्मी राशि, लुअओ.

रिपु, पु. शत्रु, भराणअड, लअधी

रिप्र, वि. अधम, नीय. न. पाप  
रिफू, ग. ६. अपवाद भूकवो; ज्यो-  
लपु, गर्व राभवो, आपतु; लडतुं.

रिरसा, स्त्री. रभवानी छंअओ.

रिरी, स्त्री. पीतण.

रिश, पु. शत्रु [ रिधु.

रिश्य(प्य), पु. अकं नततु भृग-छ-

रिप्, ग. १, ४. धंन करी; नाश

रिप्, स्त्री. धंन. [करवो.

रिष्ट, वि. अभाअं. न. तुकशान,

अभाअं; नाश, पाप, भगल, शु-  
भ. पु. तरवार.

रिष्टि, स्त्री. अशुभ. पु. तरवार.

रिष्य, वि. तुकशानकारक.

रिहायस्, पु. चोर.

रीज्या, स्त्री. निंदा, कपडो, शरभ.

रीढक, पु. पुठतु डाडकुं.

रीढा, स्त्री. अवशा; तिरस्कार.

रीण, वि. सुत, वडेतुं

रीति, स्त्री. प्रचार, गति, नदी, सी-  
मा, रीत; कभ, पीतण, बोडडीट.

र, पु. अवाज, भय, लडाध.

रक, वि. उदार

रकम, वि. अमकतुं. पु. सोनातु ध-  
रेणु, धदरो. न. सोतु, बोहु.

रकमकारक, पु. सोनी.

रकमचाहन, पु. द्रोणुआर्थ

रकमांगद, पु. अकं राज.

रकिमन्, वि. दोण अदावेणु. पु.

लीभकनो पुत्र [कृष्णुनी पटराणी

रकिमणी(नी), स्त्री. लीभकनी पुत्री,

रक्ष, वि. प्रकारशीत, लुअु

रगा, वि. वणेणु, आनरी; भागेणु.

रच्, ग. १. प्रकाशयुं; यडायुं.  
 रचक, वि. लायक; तीर्थुं; पायक;  
 • इन्धीकर. पु. लीथु; कथूत. न.  
 दंत; गणामां पडेरवानुं सोनायुं  
 • धरेयुं; भावा; सालुप्पार; क्षार.  
 रच, रचा, स्त्री. दीप्ती, शोभा; धम्भा;  
 विनणी; मेना पोपटनां वाक्यो.  
 रचि, -ची, स्त्री. प्रकाश; किरणुं;  
 शोभा, स्वाद, भूष; धम्भा; लुस्सो.  
 रचिकर, वि. स्वादिष्ट; पायक.  
 • रचिर, वि. स्वादिष्ट, पायक; प्रकाशि-  
 त; भीहुं. न. केसर; लयंग; मूणो.  
 रचिरा, स्त्री. जोरोयन; ऐक छंद.  
 रचिराश्व, पु. ऐक राज; सुंदर घोडो.  
 रचिष्य, वि. स्वादिष्ट, लायक.  
 रचय, वि. सुंदर; प्रकाशित. पु.  
 पति, बोभा. न. पुष्टिकर्ता स्त्री.  
 रज्, ग. ६. कटकट करपी, धर्म  
 करपी; वाणयुं.  
 रज्, रजा, स्त्री. पीडा, रोग; थाक;  
 भडेनत; मंडी, कोठ; श्रीरो, इत.  
 रद्, ग. १. दुःख भययुं; अटकाव  
 रद्, ग. १. बोरतु [करवो, प्रकाशयुं.  
 रंद्, ग. २. नतु, बोरतुं, लगडा यतुं.  
 रंड, न. डंभ, धड.  
 रडिका, स्त्री. लडार्तुं मेदान, ड-  
 टणी, दरवाननो हंवर. [भूभाटो.  
 रत, वि. लागेयु. न. कण्ठगत,  
 रद्, ग. २. रडयुं, शोक करवो.  
 रद्, स्त्री. दलगीरी, रीश, अ-  
 वाण; रोग.  
 रद्दय, पु. आलक; इतरौ; कुंडरो.  
 रदन, रदित, न. रदन करतुं ते.

रद्ध, वि. घेरो धालेयुं, अंध करेयुं;  
 रोडेयुं, अटकावेयुं.  
 रद्र, वि. लयकर; मोहुं; स्तुत्य. पु.  
 शिव; अग्नि; ११ नी ससा; शि-  
 रद्रगर्म, पु. अग्नि. [वनां ११ ३५.  
 रद्रज, न. पारो.  
 रद्रप्रिया, स्त्री. पार्वती; हरडा.  
 रद्रभू, स्त्री. रभशान.  
 रद्ररोदन, न. सोयुं.  
 रद्राक्ष, पु. रद्राक्ष आडनां पी.  
 रद्राणी, स्त्री. पार्वती, ११ वर-  
 सनी कन्या.  
 रघ्, ग. ७. रोकेयुं, अटकावयुं; प-  
 कडी राभयुं, अंध करयुं, पुरी भूकयुं.  
 रघिर, वि. रातुं. न. लोडी, केसर.  
 पु. रातो. रंग; मंगलभ्रक.  
 रघिरपायिन, पु. राक्षस.  
 रघ्, ग. ४. सुयवायुं; अतिशय  
 रमेदि, स्त्री. धूभाटो. [दुःख भययुं.  
 रमा, स्त्री. सुश्रीवनी पत्नी.  
 रम्र, वि. कपियु, प्रकाशित. पु. अडल.  
 ररु, पु. ऐक नतनुं हरियु; इतरौ.  
 रचयु, पु. शब्द; इतरौ.  
 रघु(वू)(क), पु. अइरीनुं आड.  
 रश, ग. ६. धर्म करपी; स्त्रीडायुं.  
 रशत्, वि. प्रकाशित.  
 रप्, ग. ४. गुरसे यतुं.  
 रप्, रपा, स्त्री. क्रोध, गुरमो.  
 रपित, रष्ट, वि. क्रोधी.  
 रष्टि, स्त्री. क्रोध, गुरमो.  
 रहु, ग. १. इलुगो कुटवो; वधयुं.  
 रह, रहु, वि. पेदा यययुं, वधेयुं.  
 रहक, न. युद्ध, धीर.

रहा, स्त्री. दुर्वा, दल.  
 रहन, पु. रोगो, आड. [ प्रसिद्ध.  
 रुढ, वि. उगेयुं; न-मेख; मोडुं; अ-  
 रुढवाक्य, न. कडवा शब्द.  
 रुढि, स्त्री. वेदाश; वधाश; बढती;  
 कीर्ति, रीतभात. [ पारसुं.  
 रूप, ग. १०. लेयुं; अनावयुं, त-  
 रूप, न. स्वभाव; नाम, पशु; शब्द;  
 हेभाव, आकार; सुंदर आकार;  
 सुंदरता; रीत, जत; नमुनो; ना-  
 टक; दोर; कविता; सङ्घ रग.  
 रूपक, वि. शरीरतुं. पु. ३ पीओ, अक  
 शिको. न. आकार, जत; नाटक;  
 ३पक अलकार.  
 रूपवत्, वि. साकार; सुंदर.  
 रूपवती, स्त्री. सुंदर स्त्री.  
 रूपिन, वि. सुंदर.  
 रुयुक, पु. अरडीतु आड.  
 रे, अ. समिधन शब्द.  
 रेक, ग. १. राक लावयो.  
 रेक, पु. राका; नीयभाणुस, देडको.  
 रेकण(न)स, न. सोतुं.  
 रेम्णस, न. भरणु पाभेवानी पुंछ.  
 रेखा, स्त्री. वीटी, सतोप, दल; अ-  
 रेखागणित, न. लूमिती. [ ८५क.  
 रेचक, वि. लुलाभ लागे अयुं पु.  
 प्राणायाममां भाडी करतुं ते,  
 नवभार, नभालगोटो; पीय-  
 कारी. न. लुलाभ. [ डानी क्षण.  
 रेचित, वि. भाडी करेयु. न. घा-  
 रेज, ग. १. प्रकाशयुं; धुजुं.  
 रेज, पु. अग्नि.  
 रेड, ग. १. जालयुं; पूछुं.

रेण, पु. धूण; पराग.  
 रेणका, स्त्री. नभदक्षिणी स्त्री; अक  
 भुगंधी स्त्री. [ गधेडो.  
 रेणुरूपित, वि. धूणथी लरेयुं. पु.  
 रेणुवात्, पु. लभरो.  
 रेणुसार, पु. कपूर.  
 रेत, न. शुक, वीथ.  
 रेतज, न. भाणक.  
 रेतजा, स्त्री. स्त्री.  
 रेतन, न. वीथ, धात. [ पाप.  
 रेतस्, न. वीथ, भाण; वाण, पारे; .  
 रेत्य, न. कांमुं. [ गंधी लुको.  
 रेत्र, न. वीथ, पारे; अमृत; गु-  
 रप, ग. १. नयुं; अवाण करवो.  
 रेप, वि. उलकुं, नीय; कूर. .  
 रेपस्, वि. उलकुं; नीय; पापी,  
 कणुस; धातकी. पु. डाय, पाप.  
 रेफ, वि. उलकुं. पु. लुरसो; 'र'  
 रेफस्, 'रेपस्' लुओ. [ डार.  
 रेहिहाण, पु. चार; शिव; राक्षस.  
 रेव, ग. १. नयुं; कुडको भासवो.  
 रेवट, पु. लुड; वासनी लाकडी. न.  
 रेवत, पु. वीथु. [ अक जततुं राभ.  
 रेवती, स्त्री. रेवती नक्षत्र; गाय;  
 अवरामनी स्त्री.  
 रेवतीभव, पु. शनिअड.  
 रेवतीरमण, पु. अवराम.  
 रेवा, स्त्री. नर्मदा नदी, सुधीनो  
 शोपो; रति, कामदेवनी स्त्री.  
 रेवण, न. शब्द, ननावरनो अवाण.  
 रेष्ट, वि. झेधी.  
 रे, ग. १. भरयुं; अवाण करवो.  
 रे, पु. धन, सोतु; अवाण.

रैवत, वि. पैशादार. पु. शिव, श-  
 नित्रड; ऐक पर्वत. [ पर्वत.  
 रैवतक, पु. द्वारका पासेना ऐक  
 रोक, न. छीद्र, मछयो. पु. प्रकार;  
 रोग, पु. व्याधी. [ रोकडना वेपार  
 रोगम, न. दवा.  
 रोगभू, स्त्री. शरीर.  
 रोगराज, पु. क्षयरोग.  
 रोगिन, वि. उडकापयो (द्वतरो.)  
 रोगिन्, वि. आन्तरी.  
 रोच, वि. प्रकाशित.  
 रोचक, वि. प्रकाशित, लायक. न.  
 लूभ, शक्तिनी दवा.  
 रोचत, वि. प्रकाशित; मुंदर, पा-  
 यक. पु. कामहेयनु ऐक आणु  
 रोचनक, पु. लींथु.  
 रोचनफल, पु. दडम.  
 रोचना, स्त्री. लालकमल, मुंदर श्री,  
 गोशयना, मेधमडव.  
 रोचनी, स्त्री. भनशीव.  
 रोचमान, वि. प्रकाशित; मुंदर. न.  
 घाडानी थाण.  
 रोचिष्णु, वि. कातिरुंक्त; आनंदी.  
 रोचिस्, न. प्रभा, यमक.  
 रोचिका, स्त्री. रोचधी  
 रोदन, न. रडुं ते, आंशु.  
 रोदस्, न. { स्वर्ग अने पृथ्वी.  
 रोदसी, स्त्री. }  
 रोध, न. अटकाव, रोक, नदी काठो.  
 रोधक, वि. अटकावनार.  
 रोधस्, न. किनारो, काठो  
 रोधिन्, वि. अटकावतुं.

रोध्र, पु. दोध्रनुं अड. उ. पाप. न.  
 अपमान.  
 रोप, पु. आणु, रोपतुं ते; छीद्र.  
 रोपक, पु. रोपनार, वावनार.  
 रोपित, वि. वावेडु, यडावेडुं.  
 रोम, पु. छीद्र. न. पाष्ठी.  
 रोमक, पु. रोम रोदेर. रोमना र-  
 देवाशी न. दोडयुअक; पांशु ल-  
 रोमन, न. रूआ, पक्षीनां पीछां [वा.  
 रोमकूप, पु. रूआंतुं छीद्र.  
 रोमभूमि, स्त्री. आमडी.  
 रोमश, वि. रूआंवाणुं. पु. भेंढो; लुड.  
 रोमहर्ष, पु. रोमांय.  
 रोमहर्षण, न. रोमांय पु. सुत, व्या-  
 सलना येवो.  
 रोमांच, पु. (धास्ती, आश्रयं वगे-  
 रधी) रूआं उलां यत्रा ते.  
 रोमाली, { स्त्री. नाभिधी छाती.  
 रोमावली, { संधी वाणनी डार.  
 रोमदा, स्त्री. अति रूदन.  
 रोमक, पु. लभरो.  
 रोप, पु. कोध.  
 रोपण, वि. कोधी. पु. कशोटीनो प-  
 यर, पासे, भारी नभीन,  
 रोह, पु. अंकुर, लंवाछ.  
 रोहण, पु. ऐक पर्वत. न. दुंगर उ-  
 पर अडु ते, पीर्य.  
 रोहत, पु. वृक्ष, अड.  
 रोहती, स्त्री. लता, वेव.  
 रोहि, पु. ऐक नतनुडरिणु; वृक्ष,  
 जीन, पनित्र भापुरा  
 रोहिण, वि. रोहिष्ठी नक्षत्रमा न-  
 न्मेतु. पु. विष्णु; वड वनेरे आंशु.

रोहिणि(णी), स्त्री. रोहिणी नक्षत्र;  
राती गाय; गाय; वसुदेवनी स्त्री,  
अक्षराभनी माता; तरतनी रत्न-  
रत्नरा ययदी कन्या; विष्णुणी.

रोहिणीप्रिय, पु. चंद्र. [ हरिणी.  
रोहित, पु. चंद्र. स्त्री. राती घोड़ी;  
रोहित, वि. रातुं. पु. रातो रंग;  
लोकडी; अक नततुं हरिणु; रातो  
घोरो; रोहिताथ, हरिश्चंद्रनो पुत्र  
न. रत्न, लोडी; डेसर.

रोहित, पु. अक भाषडी; अक न-  
रीक्य, वि. शोनातुं. [ ततुं हरिणु.  
रौक्ष्य, न. सभताई; अडभयडापणुं.  
रौचनिक, वि. पीणु. न. दांतनीछारी.  
रौच्य, पु. पिडीना अडनी बाकडी.

रौद्र, वि. तीव्र; अयंकर; कूर. पु.  
इंद्रनी अक्षि करनार; अरुसेा; अ-  
धनो उद्गार; यभरान्त; शिखाणो;  
देभंतकतु. न. अोध; कूरता; ग-  
रौधिर, वि. लोडीवाणुं. [ रभी.  
रौप्य, वि. इपातुं, इपेरी. न. इतुं.  
रौय, न. सांभर लूणु.

रौमक, वि. रोभतुं  
रौच्य, वि. घोर, अयंकर; कगारो;  
अंयव. पु. नंगडी भाणुस; अक  
नरक. [ लुं. पु. सुभड; अशि.

रोहिण, वि. रोहिणीनक्षत्रमां नन्मे-  
राहिण्य, पु. वाछरो; अक्षराम; अ-  
धमड. न. भरकतमणि, पातुं.

रोहिण, पु. अक नततुं हरिणु.  
रोहिण, पु. 'रोहिण' लुञ्जो. न.  
अक नततुं धास. [ लता; हुवां, दलं.  
रोहिणी, स्त्री. रोहिण नतनी हरिणी;

ल.

ल, अक्षापीशभो व्यंजन.

ल, पु. ईंद्र; (कपितामां) लधुगणु.

लक, न. १०. स्वाद लेवो.

लक, न. कपाल; अनाजनी अणु.

लकच, लकुच, पु. अक नततुं अड.

लकुट, पु. सोरो, अंग.

लक, पु. बाभ; भीथर.

लक्ष, न. १. लेतुं. न. १०. ध्यान  
आपतुं; लांडतुं.

लक्ष, न. बाभनी सभ्या, चिह्न; अडातुं.

लक्षण, न. चिह्न, नीशान; नाम;

दुर्गन; कारणु; आभत. पु. रामनो

लाछ, लक्ष्मणु; सारसपक्षी, स्त्री.

(णा) आभत; दुंसणी.

लक्षा, स्त्री. बाभ.

लक्षित, वि. लेयतुं; ताकेतुं; तपासेतुं;

लक्ष्म, न. चिह्न; प्रधान. [ धारेतुं.

लक्ष्मण, वि. भाग्यशाली; चिह्नवाणुं.

पु. सारस; लक्ष्मणु, रामनो आर्ध.

न. नाम; चिह्न.

लक्ष्मणा, स्त्री. दुंसणी; अक वनरपति.

लक्ष्मन्, न. चिह्न; उध; प्रधान.

पु. सारसपक्षी; लक्ष्मणु.

लक्ष्मी, स्त्री. धन, वैलत; सुभाग्य;

मुंदरता; धननी देवता, विष्णुनी

पत्नी; राजअैश्वर्य; मोती; दुणद.

लक्ष्मीकांत, पु. विष्णु; राज.

लक्ष्मीगृह, न. रातुं कभल.

लक्ष्मीनाथ, पु. विष्णु

लक्ष्मीनृसिंह, पु. शादीअभनी भूर्ति.

लक्ष्मीपति, पु. विष्णु; राज; शो-  
पारीतुं अड; लवंगतुं अड.

लक्ष्मीपुत्र, पु. धोरो; कामदेव.  
 लक्ष्मीवार, पु. अहस्पतवार.  
 लक्ष्य, वि. देखीतुं. न. ध्यान; चिह्न.  
 नीशानी; लाभनीसंभ्या.  
 लख, लख, ग. १. न्युं.  
 लग, ग. १. वणगी रडेवुं, बोडी  
 रडेवुं; रोकावुं. ग. १०. आभवुं; मे-  
 लगड, वि. सुंदर. [णववुं.  
 लगुड, लगुर, लगुल, पु. वाकडी, सोटी.  
 लग्न, वि. वणगेयुं; सभधवाणु, शर-  
 भायवुं; शुभ. न. राशिमां सूर्यवुं  
 लाभल यवुं; शुभ सभय.  
 लग्नक, पु. नमीन.  
 लग्घट, लघाट, पु. पवन.  
 लघिमन, पु. (वजनमां) डलकापलुं;  
 लघुत्व, अेक सिद्धि.  
 लघिष्ठ, वि. अतिशय डलकुं.  
 लघीयस, वि. सौधी नातुं.  
 लघु, वि. (वजनमां) डलकुं; नातुं;  
 डुकुं; नीय; नभणुं; सेडेवुं; नरम;  
 मुंदर; स्वच्छ; णुवान. पु. डरत,  
 पुण्य अने अग्निनी नक्षत्र. न. अ-  
 गरतुं लाकडुं; सभयतु भाप.  
 लघुकाय पु. पकरे.  
 लघुता, स्त्री. } कभतार्थ; अपमान;  
 लघुत्व, न. } अप्रसिद्धि; डुकाध,  
 सेडेलाध.  
 लघुद्राक्षा, स्त्री. डीसभीस द्राक्ष.  
 लघुपर्णा, स्त्री. वन० मोरवेल.  
 लघुचदर, पु. अण्णीआणेर.  
 लघुलय, न. वीरणुभूव, वाणो.  
 लंका, स्त्री. रावणुनी नगरी, सि-  
 लोन; वेश्या; अेक न्ततनु अनान.

लंकादाहिन्, पु. डनुमान.  
 लंकाधिपति, } पु. रावणु; विभि-  
 लकानाध, } यवु.  
 लंकेरा, पु. रावणु.  
 लंग, ग. १. न्युं; लगडावुं.  
 लंग, पु. लगडापलुं; लेडाणु; आशक.  
 लगक, पु. आशक, यार.  
 लंगल, न. डण.  
 लगुल, न. ननावरनी पूछडी.  
 लंघ, ग. १. कुडवुं; उपर यडवुं;  
 ओणधवुं; ओधुं करवुं.  
 लंघन, न कुडवुं ते; अति; यडन;  
 अपमान, धन; उपवास; घोडानी  
 लघनीय, वि. ओणधवावायक. [याव.  
 लज्, ग. ६. शरभाववुं. ग. १. ४-  
 पडे आपवे. ग. १०. प्रकाशवुं;  
 लज्ज, ग. ६. शरभावुं. [संताडवुं.  
 लज्जा, स्त्री. शरम; लाज, नभ्रता;  
 शरभाड आड. [भाड आड.  
 लज्जालु, वि. शरमाल. स्त्री. शर-  
 लज्जित, वि. शरभाव.  
 लज्या, स्त्री. लाज.  
 लंचा, स्त्री. लांच, इशवत.  
 लंज, ग. १. ४पडे आपवे. ग.  
 १०. धन करवी; आपवुं; मोलवुं;  
 वसवुं; रडेवुं; प्रकाशवुं.  
 लंज, पु. पग; काछरो, पूछडी.  
 लजा, स्त्री. अलिआरणी; लक्ष्मी;  
 लंजिका, स्त्री. वेश्या. [निद्रा; प्रवाड.  
 लड्, वर्तमानकाण दरक शब्द.  
 लट, पु. मूर्ध, फेप, चार.  
 लटक, पु. दुर्जन, लुम्बो.  
 लटम, वि. सुंदर.

लट्ट, पु. कुम्भे. [ लत. ]  
 लट्ट, पु. घोडा; नट; ऐक राग; ऐक  
 लट्टा, स्त्री. ऐक वाजुं; ऐक लतनुं  
 पक्षी; यकधी; कसुंयो रग; लु-  
 गार; वेस्था.  
 लह, ग. १. रभतुं. ग. १, १०.  
 छछणतुं; छपडो आपवो.  
 लडह, वि. मुंहर.  
 लड्ड, पु. कुम्भे, दुर्जन.  
 लड्ड, लड्डक, पु. लाडु. [ पोततुं.  
 लंड, ग. १, १०. डेवे छछणतुं;  
 लंड, न. विष्टा, नरक.  
 लंड, पु. लडन, विलापत.  
 लता, स्त्री. वेव, शाभा; थायुङ्गी  
 दोरी; मोतीनी सर; स्त्री, नारी.  
 लताजिह्व, पु. सपं. \*  
 लतापनस, पु. भरथुथ.  
 लतामणि, पु. परवाणु.  
 लतामृग, पु. कपि, वांहर.  
 लतायष्टि, स्त्री. भच्छ.  
 लतायावक, न. इणुगे.  
 लताकं, पु. दुंगणी, क्षीरो क्षो.  
 लतालक, पु. छाथी.  
 लतिका, स्त्री. नानी वेव  
 लत्तिका, स्त्री. डेडगरोक्षी.  
 लप्, ग. १. मोलतुं, थडथडतुं;  
 थुपथुप वात करनी; शोड करवो.  
 लपन, न. वातशीत; मोडु.  
 लपित, वि. कथित, कहेलु. न. वाडथ.  
 लप्सिका, स्त्री. लापसी, शीरो.  
 लब्ध, वि. भेजवेतुं, ऐकहुं करेतुं;  
 क्षीधेनु.  
 लब्धा, स्त्री. वेवक्ष पतिनी स्त्री.

लब्धि, स्त्री. प्राप्ति, वस्तुवात.  
 लभ, ग. १. भेजवतुं; वेतुं; पक-  
 डतुं; लथुतुं.  
 लभस, पु. पैसे, दोलत; घोडाने  
 आंधवानी रसी; मांगनार. \*  
 लभ्य, वि. भेजववावायक; न्याय,  
 लभक, पु. लपट, यार. [ वाजणी.  
 लंपट, वि. विपथी; बोथी. पु. व्य-  
 लंफ, पु. कुडको. [ सनी, अडकार.  
 लंपन, न. कुडतुं ते.  
 लंब, ग. १. टांगतुं; नीचे वतुं. \*  
 लंब, वि. विशाण, मोडुं; लांथु; डंथुं.  
 पु. लांथ; काटभुणो.  
 लंबक, पु. लथवेरस.  
 लंबकर्ण, पु. अकरे; गधेरो; क्षी;  
 आनपक्षी, राक्षस.  
 लंबा, स्त्री. दुर्गा; लक्ष्मी.  
 लंबिका, स्त्री. पडथभ. [ गावा.  
 लंबुया, स्त्री. सतकरे, सात सरनी  
 लंबोदर, वि. मोटा पेटवाणु. पु.  
 लंबो(वी)ष्ट, पु. डं. [ गणुपति.  
 लप्, ग. १. वतुं.  
 लय, पु. नेडाणु, संबंध; विश्राम-  
 रथान; आर्तिगन; परमात्मा; वि-  
 सामो. न. डानी; प्रवय.  
 लयकाल, पु. प्रलयकाण.  
 लयपुत्री, स्त्री. नाटकी स्त्री.  
 लयारंम, पु. नाटकी पुरुष.  
 लळ, ग. १. रभतुं.  
 लळ, वि. रभतीआण; आतुर.  
 ललन, न. रभत. पु. आवक.  
 ललना, स्त्री. नारी, आथडी; छि-  
 नाण स्त्री.



ललाक, पु. सिंग, पुरुषनी धंद्री.  
ललाट, न. कपाल.  
ललाम, वि. मुंदर.न. नीशान, बिल; ध्वज; धीडी; पूछडी; मुंदरता;  
\* सींगडु. पु. घोरो.  
ललित, वि. मुंदर; विपथी; आनंदी; आतुर; डोमल. पु. ओक छंद.  
न. रमत; विषय डीडा; मुंदरता.  
ललिता, स्त्री. नारी, स्त्री; कस्तूरी; छिनाण स्त्री; दुर्गा.  
\* लव, पु. क्षपणी; कटको; उन; डीडा; रामनो पुत्र. न. लवंग; लवङ्ग.  
लवंग, पु. लवंगनुं जाड. न. लवंग.  
लवंगक, न. लवंग.  
लवण, वि. भाई; मुंदर. पु. भासे स्वाध; भास पाष्णीनो समुद्र; दैत्य; ओक नरक. न. धरीआध भीडुं.  
लवणा, स्त्री. कांति, मुंदरता.  
लवन, न. दातरडुं.  
लवाक, पु. दातरडुं; क्षपाणी.  
लवि, वि. तीक्ष्ण.  
लग्न(द्र)न, उ. लसणु.  
लग्, ग. १, ४. धम्भडुं.  
लपित, वि. धम्भित.  
लप्य, पु. नाटकी, भेलाडी.  
लस, ग. १. प्रकाशडुं; देभावु; आ- सिंगन करडुं; रमडुं.  
लसा, स्त्री. डेसर; उणद.  
लसिका, स्त्री. थुंक. [ रडीनो रस.  
लसीका, स्त्री. थुंक; पत्र, रगी; गे- लस्त, वि. यतुर.  
लस्तकिन, पु. धनुष्य, कमान.  
लहरि,-री, स्त्री. मोले, वेदेर, तरंग.

ला, स्त्री. वेडुं ते.  
लाकुटिक, वि. लाकडीची हयियार अंध ययडुं. पु. बोधीदार.  
लाक्षकी, स्त्री. सीता.  
लाक्षा, स्त्री. लाप.  
लाघव, न. लघुता, क्मताध; उल- काध, अपमान; उंडप; सडेलाध; तद्दुरुस्ती; तत्परता.  
लांगल, न. उण; ताडुं जाड.  
लांगलग्रह, पु. भेडुत.  
लांगलध्वज, पु. अलराग. [ सध.  
लांगलिन्, पु. अलराग; नारियडी;  
लांगलीपा, स्त्री. उणनो दाधो.  
लांगुल, न. पूछडी.  
लांगूल, न. पूछडी; डोदार.  
लांगूलिन्, पु. वांदरो.  
लाज, लांज, ग. १. शरभावडुं.  
लाज, पु. भीना बोभा; लाज. स्त्री. (जा) बोभानी धाणी.  
लांछन, न. बिल, अध; नाम; ध्व- न्त; अंद्रुपरनो अध.  
लांछित, वि. बोलावेडुं; बिलित; शलुगारेडुं.  
लाट, पु. नर्मदानदीनी पश्चिमतर- ड्ने देश, (धलुं करीने गूररातः) कपडुं; लुतुं वस्त्र, विद्वान भाणुग.  
लाटिका, लाटी, स्त्री. ओक प्राकृत लांठनी, स्त्री. कुपरा स्त्री. [ भापा.  
लात, वि. भेगवेडुं.  
लाति, स्त्री. वेडुं ते.  
लाप, पु. कथन, वाक्य.  
लापिका, स्त्री. उभाणुं, डोदेरो.  
लाप्य, वि. कथनीय.

लाघु, -वू, पु. कडवी इंधी, तुंणी.  
 लाभ, पु. इण; वृद्धि; ज्ञान; मो.  
 लाभक, पु. इण्डो. [गवटो; इण्डो.  
 लाभजक, न. वीरभूषण, चाणो.  
 लांपट्य, न. कामुजा, लपटता.  
 लालन, पु. ओक उेरी उँदर. न.  
 लाड, लाड लडावतुं ते.  
 लालसा, स्त्री. आतुरता; कावावासा;  
 दलगीरी, दोडद, गर्भावस्था व-  
 लाला, स्त्री.युंके. [भते थती ध्मिण.  
 लालामक्ष, पु. ओके नरके.  
 लालाम्रच, पु. थुके; करेकीओ.  
 लालारिक, वि. दुशिपार, अंथण;  
 अधम, नीय; ललाटमां लपेहुं. पु.  
 अंथव आकर; आणमु.  
 लालाटी, स्त्री. क्पात्र, ललाट.  
 लालिक, पु. लेंस, पाडो.  
 लालित, वि. पापेहुं; लाडकुं; व-  
 लाहुं. न. भाया, वडास.  
 लालित्य, न. सुंदरता, डोमलता;  
 कामी लापलाव.  
 लालिन्, पु. कुसलावनार.  
 लालिनी, स्त्री. वेश्या स्त्री. [हार.  
 लालुका, स्त्री. जणामां पद्वेरवानो  
 लाव, पु. लावरी, ओक पक्षी.  
 लायक, पु. लाजक, लाग करनार;  
 कापणी करनार.  
 लायण, वि. जात्रं, लूण-भीडावाणु.  
 लायणिक, वि. भीडावाणु; सुंदर.  
 पु. भीडानो वेपारी. न. त्रीम-  
 कधानी. [सौंदर्य, सुंदरता.  
 लावण्य, न. लवणुत्व, आरास;  
 लावण्यमय, वि. सुंदर.

लावाणक, पु. भगधदेश नथकरुं  
 लाविक, पु. लेंस. [ओक परगणुं.  
 लाघु, पु. कडवी इंधी, तुंणी.  
 लापुक, वि. बोधी.  
 लास, पु. नाय; श्रीओनो नाय;  
 सेरेवो, रस. [न. कंयुरो.  
 लासक, पु. नायनार; मोर; शिव.  
 लासकी, स्त्री. नायनार स्त्री.  
 लासिका, स्त्री. छिनास स्त्री; नाय-  
 नार स्त्री.  
 लास्य, न. नाय. पु. नायनार.  
 लास्या, स्त्री. नायनारी स्त्री.  
 लास्फोटनी, स्त्री. टोपणु, सारडी.  
 लि, पु. थाक; गुकेशान; अंत.  
 लिक्षा, स्त्री. वीभ. [रतुं; धसतुं.  
 लिखू, ग. द. लभतुं; (चित्र) दो-  
 लिखित, वि. लपेहुं. पु. ओक मु-  
 नि. न. दरतावेण, लभाणु.  
 लिख्य, पु. वीण, लूनां उँडां.  
 लिखू, ग. १. नतुं.  
 लिगु, पु. हरिणु; मूर्ध. न. हील, मन.  
 लिंग, न. चिह्न; वेश, सोंग; सा-  
 भेती; डेतु; नति; व्याकरणुमां  
 नति; पुरुषणी जननेद्रिय; उध.  
 लिंगिन्, वि. चिह्नवाणु; विंगवाणुं.  
 पु. शिवसिंग पूजनार; डायी.  
 लिपि, -पी, स्त्री. दरकत, अक्षर, व-  
 लुंभासा, दरतावेण. [तरनार.  
 लिपिकर, पु. कडीओ; वेभक, डो-  
 लिप्त, वि. भाधेहुं, नेउतु; वीपेहुं;  
 लिप्तक, पु. उेरी तीर. [उेर दीधेहु.  
 लिप्ता, लिप्तिका, स्त्री. पण, दाणु.

लिप्ता, स्त्री. भरल, धन्धा; आ-  
क्षा, भेजववानी धन्धा.

लिप्ता, वि. भेजववा धन्धनार.

लिपट, वि. लपट, विपथी. पु. सं-  
जीभाण. [ न. लीधु.

लिपाक, पु. लीधुतुं जाड; गधेडा.

लिष्ट, वि. नातुं थपतुं.

लिष्च, पु. नाटकी.

लिह, ग. २. चारतुं.

ली, ग. १. पीगणावतु. ग. ९. चार-  
तुं ग. ४. चोटाडतुं; भणतुं, आ-

लीका, स्त्री. लीप. [ लिंगन करतुं.

लीढ, वि. चारतुं. [ जेधु; भिधित.

लीन, वि. वणजेधुं; सनापधुं; पीग-

लीला, स्त्री. डीडा, रमत; विपथ-  
डीडा; सेदेलाड.

लीलावती, स्त्री. विकासवाणी श्री;  
मयदानवणी श्री; बारकराचार्यतुं  
भनावेधुं लीलावती नामतुं डे-  
डेडाना द्विसाणतुं पुस्तक.

लुह, ग. १. प्रकाशतुं; अटकावतुं; दुःख  
भमतुं. ग. १०. भोजतुं; प्रकाशतुं.

लुह, ग. १. पाडी नाथतुं; लतुं;  
अटकावतुं. ग. १०. चारतुं. ग. ६.

लुठन, न. आतोडतुं ते. [ आतोडतुं

लुह, ग. १. चारतुं; लंगडातुं.

लुंटा, स्त्री. चारतुं ते; लुटतुं ते.

लुटाक, पु. चार; कागडो.

लुठक, पु. चार; लुटारे.

लुठा, स्त्री. चारतुं ते.

लुठाक, पु. चार; कागडो.

लुह, ग. १०. लुटतुं.

लुडिका, स्त्री. डेडा, गोणे

लुयं, ग. १. भारतुं; दुःख भमतुं.  
लुप, ग. ४. गुयवातुं. ग. ६. लां-  
तुं; चारतुं.

लुत्त, वि. नाश करेधुं; जेधुतुं; डेडी  
डीधेधुं. न. चारैवेडा भाव; लुट.

लुम्ब, वि. वेणी; आतुर. पु. सि-  
कारी; व्यभिचारी.

लुम्बक, पु. शिकारी; वेणी भाण-  
स; विपथी भाणुस; पाछवेडा भाग.

लुभ, ग. ६. गुयवातुं. ग. ४. वे-  
ण करवे.

लुलाप, लुलाप, पु. लंस. [ डेधु.

लुलित, वि. रभ्य, सुंदर; चाणधुं, था-

लुपम, पु. मटो-भत लोधी.

लू, ग. ९. कापतु.

लूता, स्त्री. करेवीओ; डीडी.

लूतामकटक, पु. वांहर.

लूतिका, स्त्री. करेवीओ.

लून, वि. काणधुं; धुंठुं करेधुं; वा-  
पथ. न. पूछडी.

लूनक, वि. काणधु. पु. लत; प्राणी.

लूम, न. पूछडी

लूप, ग. १. साणुमारतु. ग. १०.  
धंज करवी; लुटतुं.

लंस, पु. इस्तावेण, लेण; डेव.

लंसक, पु. लडीओ, लभनार, नि-  
नकार.

लंसन, पु. कवभ लनाववनेडा गर.  
न. लभतुं ते; लेण, तावपत्र.

लंसनी, स्त्री. कवभ

लंसा, स्त्री. लीडी, डिनार, डार.

लंसिनी, स्त्री. कवभ, रभयो.

लंड, न. निध, नरक.

लेत, पु. आंशु.  
 लेप्, ग. १. लज्जुं; लज्जुं.  
 लेप, पु. लेप, भक्षण; डाय; पाप;  
 लेपक, पु. कडीआ. [ भोराक.  
 लेपिन्, वि. लेपकरनार. पु. कडीआ.  
 लेप्य, वि. लेप करवावायक.  
 लेप्यमयी, स्त्री. डींगडी, पुतणी.  
 लेय, पु. सिंदराशि.  
 लेलिह, पु. साप; अेक शीरो.  
 लेलिहान, पु. शिव; साप.  
 लेरा, पु. घोडे भाग; विदु; लधुता.  
 लेदया, स्त्री. प्रकाश. [ लुं ते.  
 लेह, पु. भोराक; स्वाद लेहुं ते; आ-  
 लेहन, न. लुभथी आलुं ते.  
 लेहिन, पु. टकलुभार. [ भोराक.  
 लेह्य, वि. आटवावायक. न. अमृत;  
 लेगिक, पु. मूर्ति अनावनार.  
 लोक, ग. १. लेहुं. ग. १०. लेहुं;  
 लक्षुं; प्रकाशुं; शोधुं.  
 लोक, पु. लगत, दुनिया; सात लोक-  
 उपरना अने सात नीचेना; लथे;  
 रान्य; सात अथवा चौदनी रसा.  
 लोकचक्षुस्, पु. सूर्य.  
 लोकज्येष्ठ, पु. शुद्ध.  
 लोकतुपार, पु. कपूर.  
 लोकन, न. दर्शन, लेहुं ते.  
 लोकनाथ, पु. ब्रह्मा; विष्णु; शिव;  
 रान्त; शुद्ध. [ वाण.  
 लोकपाल, पु. रान्त; दिशानो रथे.  
 लोकपति, पु. रान्त; विष्णु; ब्रह्मा.  
 लोकप्रकाशन, न. सूर्य.  
 लोकमातृ, स्त्री. लक्ष्मी.  
 लोकरक्ष, पु. रान्त.

लोकसंस्तुति, स्त्री. नसीण, भाग्य.  
 लोकाक्ष, पु. लसूस.  
 लोकाधिप, पु. रान्त; देव.  
 लोकांतर, न. लील दुनिया; ल-  
 विध्यनो वपत.  
 लोकायत, पु. आर्वाकना मतप्रभाणे  
 आवनार. न. नास्तिक मत.  
 लोकायन, पु. नारायण.  
 लोकारण्य, न. लीड.  
 लोकेश, पु. रान्त; ब्रह्मा; पारो.  
 लोक्य, वि. लभेशनुं; अरे; स्वर्गनुं. ५  
 लोग, पु. माटीनुं देकु.  
 लोच्, ग. १. लेहु. ग. १०. प्र-  
 लोच, न. आंशु. [ कशनुं; जेालुं.  
 लोचक, पु. भूर्भभाजुस; आंशुनी  
 शीशी; कजल; धनुष्यनी पलुछ,  
 मांसपींड; डेणतु अड.  
 लोचन, वि. देष्पीनुं; प्रकाशित. न.  
 आंशु; देष्वाव.  
 लोटण, न. आणोडुं ते.  
 लोटा, लोटिका, स्त्री. लुभनी भाल.  
 लोनार, पु. अेक लतनुं भीडु.  
 लोत, पु. आंशु, विह. न. बोरीनो  
 भाव; लुपु, भीडु.  
 लोत्र, न. बोरीनो भाव.  
 लोघ, लोघ्र, पु. लोघ्रनुं अड.  
 लोप, पु. नुकसान; अरा; लडरी-  
 आत, गरज; हेरानगति.  
 लोपा, } स्त्री. अगस्त्य मुनि-  
 लोपामुद्रा, } नी पत्नी.  
 लोपाश, क, पु. शिवाण.  
 लोभ, पु. लोभ; धम्भा.  
 लोम, पु. पूछडी, इआं.

वज्रक, न. अेक जतनुं तेव.  
 वज्रकंकट, पु. डनुभावन.  
 वज्रचर्मन्, पु. गेडो.  
 वज्रजित्, पु. ग३३.  
 वज्रज्वाला, स्त्री. विजणी.  
 वज्रदंत, पु. मूवर, भुड; उँदर.  
 वज्रदंशन, पु. उँदर.  
 वज्रधर, पु. धं.  
 वज्रनिर्घोष, पु. गर्जना.  
 वज्रभृत्, -मुष्टि, पु. धं.  
 वज्ररत्न, पु. भुंड, कुंर.  
 वज्रलोहक, पु. डोडमुंषक.  
 वज्रिव्, पु. धं; धुवड; धुं.  
 वंच, ग. १. ननुं, लटकनुं  
 वंचक, वि. डगारो. पु. धुंयो; डग;  
 शिखास; नोणीयो; कस्तुरीयो उँदर.  
 वंचति, पु. अग्नि.  
 वंचय, पु. धुंयो; धुंयो; डोयव.  
 वंचन, न. } डगाड, इरेभ; तुक-  
 वंचना, स्त्री. } रणी.  
 वंचुक, वि. अप्रभाषिक, धुंयो.  
 पु. शिखाय.  
 वंचुल, वि. वक, वां. पु. अरु; अ-  
 शाकनुं जाड; अेक पक्षी.  
 वंचुला, स्त्री. धनुं इध आपती गाय.  
 वट, पु. वडनुं जाड; डोडी; भीडुं, दोरी.  
 वटक, पु. अेक जतनी पूरी; गोणी.  
 वटर, वि. पाथी, धुंयो. पु. कु-  
 डो; पाथडी; वार; सादरी; रवे.  
 वटिक, पु. ( शेतरग्नां ) प्याहुं.  
 वटिका, स्त्री. गोणी.  
 वटी, स्त्री. रसी, दोरी; गोणी.  
 वट्ट, पु. डोडरो; अहथारी.

वट्टक, पु. डोडरो; अहथारी; मूर्ध.  
 वठर, वि. मंड; धुंयो. पु. मूर्ध;  
 धुंयो; वैड; कुलो.  
 वडवा, स्त्री. घोडी; दासी; अग्निनी  
 नक्षत्र; ध्राहापुी.  
 वडवामि, -नल, पु. समुद्रनी आग.  
 वडवामुख, पु. शिव; समुद्रनी आग.  
 वडिल, } न. भाषवी पकडवानो  
 वडिश, } गल.  
 वड, वि. भोडुं; अ्रेष्ट.  
 वण, ग. १. अवान् करवो.  
 वण, पु. अवान्. [ वेपार.  
 वणिज्, पु. वेपारी; तुलाराशि. स्त्री.  
 वणिज, पु. वेपारी; तुलाराशि.  
 वणिजक, पु. वेपारी.  
 वणिज्य, न. वेपार.  
 वंढ, ग. १, १०. लाग करवा, वां. पुं.  
 वंढ, वि. वाडो, कुंवारो. पु. लाग;  
 वाडो भाषुस.  
 वंढक, पु. लाग; लाग करतार.  
 वंढाल, पु. डोडाणी; भडवो; लडाध.  
 वंढ, वि. वाडो; वडोतीड. पु. वाडो  
 भाषुस; आकर; वडोतीयो.  
 वंढर, पु. स्त्री स्तन; इतरो; मूतरानी  
 पूछडी; वावल. [ अणक.  
 वंढ, वि. वाडो. पु. पूछडीवगरनो  
 वंढर, पु. कुंजुस; नपुंमक.  
 वंढा, स्त्री. छिनाण स्त्री.  
 वत्, वि. तुक्ष. अ. अेड; अनुंभा.  
 सतोप; विरभपदनीक.  
 वत्, वि. जोडेपुं; आगेनुं.  
 वतंड, पु. अेक मुनि. [ रभतो.  
 वत्, स्त्री. स्वर्नीनी अेक नदी. पु.

वतोका, स्त्री. वांजुली स्त्री.  
 वत्स, पु. वाछडे; छोकरो; वरस;  
 ऐक देश. न. छाती. [ हीराकरी.  
 वत्सक, पु. वाछडे; आलक. न.  
 वत्सतर, पु. वाछडे. स्त्री. (री)  
 वाछडी.  
 वत्सनाम, पु. वछनाग, ऐक जेर.  
 वत्सर, पु. वरस; विष्णु.  
 वत्सल, वि. रनेडयुक्ता. पु. विष्णु;  
 वात्सल्य रस. न. रनेड. प्याग.  
 वत्सला, स्त्री. वाछडाने साडनार  
 घत्सीय, पु. गोवाण. [ गाध.  
 वट, ग. १. गोवपुं; कडेपुं; वरुन  
 करेपुं; गापुं; प्रकाशपुं; भदेनत करवी.  
 वदन, न. यदेरो; मोडु; देप्पाव.  
 वदंती, स्त्री. वाती; वाया.  
 वदन्य, वि. उदर. पु. उदर भागुस.  
 वदर, 'अदर' लुओ.  
 वदान्य, 'वदन्य' लुओ.  
 वदाम, पु. अदाम.  
 वदाल, पु. ऐक नतनी भाछडी;  
 (पाणीना) वमल. [ अंधारीडं.  
 वघ, वि. गोलवालायक; भीलुं,  
 वघं, ग. १. कतल करेपुं, भारी नापुं.  
 वघ, पु. वध, कतल; कटके; अुनी;  
 विष्णी. [ इंसीभर; अुनी.  
 वघक, वि. नाशकारक. पु. गलाड,  
 वघकर्माधिकारिन्, पु. गलाड.  
 वघजीविन्, पु. आटडी; शिकारी.  
 वघज, न. भागुधातक इधियार.  
 वघस्तंभ, पु. इंसी, शूनी.  
 वघित्र, न. कामदेव, विषयने लुओ.  
 वधु, -का, स्त्री. पुत्रनी स्त्री, स्त्री

वधू, स्त्री. नारी; पुत्रनी स्त्री; पत्नी;  
 गनावरनी भाव.  
 वधुजन, पु. नारी; पत्नी.  
 वधुदशयन, पु. प्यारी.  
 वधुटी, स्त्री. लुवान स्त्री; पुत्रवधु  
 वध्य, वि. भारवावायक. पु. भोग;  
 शत्रु.  
 वध्र, न. यामडाने पटो; सीभुं.  
 वंधिका, स्त्री. छीजडो, नपुंसक.  
 वन्, ग. १. लजपुं; भदर करवी;  
 अवाळ करवे. ग. ट. भागपुं;  
 शोधपुं; वश करेपुं; वडापुं. छंछपुं.  
 वन, न. जगल; कुवारो; स्थान,  
 गृह; पाणी; लाकडानी आलडी;  
 लाकडुं; वाडण; किरणु.  
 वनकुंजर, पु. जगडी छाथी.  
 वनगव, पु. जगडी अणत.  
 वनगुप्त, पु. लसूस.  
 वनचर, वि. जगवभां रडेनार. पु.  
 जगवभां रडेनार भागुस; ज-  
 गडी जनावर; शरभ.  
 वनज, न. नीलकमल. पु. छाथी, ना-  
 गरभाथ. [ध, वाडण.  
 वनद, वि. पाणी आपनार. पु. मे-  
 वनन, न. धन, होवत.  
 वनपांसुल, पु. शिकारी.  
 वनमालिन, वि. कुलनी भावाओथी  
 शणुगारेपुं. पु. श्रीकृष्णु.  
 वनमालिनी, स्त्री. दारकापुरी.  
 वनमुच, } पु. मेध, वाडण.  
 वनमूत, }  
 वनर, पु. वांठरो.  
 वनराज, पु. सिड.

वनराजि, -जी, स्त्री. जगन्नो पग-  
रस्तो; आडोनी डार.

वनस्, न. मुंदरता; लाडुं; दोलत.

वनस्पति, पु. कूलवगर क्षण आ-  
पतुं आड; वृक्ष, आड; सोमनो  
रेषो; थड; योगी; शूणी, दांसी.

वनाखु, पु. ससपुं.

वनायु, पु. ऐक देशपुं नाम.

वनार्चक, पु. भाषी.

वनाहिर, पु. भुंड, दूकर. [ धंछा.

वनि, पु. अग्नि; दमदो; भीष्म. स्त्री.

वनित, वि. यायित; सेवित.

वनिता, स्त्री. नारी, आयडी; पत्नी;

वनीक, पु. भीभारी. [पशुनी भाद्य.

वनु, पु. कपटी भाषुस.

वनस्, वि. आतुर.

वनेचर, वि. वनमां रडेनार. पु.

योगी; वनमां रडेनार भाषुस; पशु.

चंद्र, ग. १. वदन करतुं; पूजतुं.

चंद्रक, पु. स्तुति करनार.

चंद्रय, पु. लाट, स्तुतिपाडक.

चंदन, न. नभस्कार, प्रणाम, भक्ति.

चंदनमाला, -लिका, स्त्री. तोरलु.

चंदना, स्त्री. स्तुति; मंगलाचरणु.

चंदनीय, वि. वंदन करवालायक.

चंदनीया, स्त्री. गोशैथन.

चंदा, स्त्री. भीभारलु; ऐक वेस.

चंदार, वि. वदनशीव न. स्तुति.

चंदिन, पु. लाट; डेदी. [पु. लाट.

चंदी, स्त्री. डेदी; सीडी.

चंघ, वि. वदन करवालायक; पूज्य.

चंद्र, पु. पूजरी. न. केषाणु.

चम, पु. भागीदार.

चन्य, वि. वनपुं, वनमां थपुं. पु.  
जगधी प्राणी. न. आगडी, छाल.

चन्या, स्त्री. पाण्डुनो जथो; मोहुं वन.

चप्, ग. १. रोपतुं; वावतुं; नाभतुं;  
वषुतुं; मुंडतुं.

चप, पु. { मुंडन, भीज वाववां ते;  
चपन, न. } वषुतुं ते.

चपा, स्त्री. चरणी; छीद्र; शडी-  
ओनी पनावेडी टकरी.

चपिल, पु. पिता, आप.

चपु, पु. शरीर.

चपुन, पु. देव, देवता. [ दरता.

चपुप, वि. मुंदर; अइलुत. म. सु-

चपुस्, वि. मुंदर. न. शरीर; कुं-  
रत; मुंदरता; पाणी.

चम, पु. वावनार, जेडुत; कवि; आप.

चम, उ. किलानी भीत, शिपर; नदी-  
कडो; धमारतनो पायो; आर्ध;

जेतर; डापी. अणद; धूण. पु.  
आप; प्रजपति. न. सीमुं.

चमि, पु. जेतर; समुद्र; हुंनि.

चमी, स्त्री. नानी टकरी.

चम, ग. १. जतुं.

चमवी, स्त्री. पार्वती. [ ना पाडतुं.

चम, ग. १. छलटी करनी; नाभतुं;

चमन, न. छलटी; छलटी लावे ओपी  
दवा; पीडा. पु. सामु.

चमनी, स्त्री. जणो.

चमनीया, स्त्री. भाषी.

चमी, पु. अग्नि, कगारो. स्त्री. रोग,

चम्म, पु. वांस. [ गांङगी; छलटी.

चमर, पु. गधभाष.

घघ्र, पु. } श्रीडी.  
 घघ्री, स्त्री. }  
 घघ्, ग. १. वृत्तुं.  
 वय, पु. वणुकर.  
 वयस्, न. समय, काल; लुवान्नी;  
 पक्षी; कागडो; शक्ति; तंदुरस्ती.  
 वयस्य, वि. लुवान; पुष्पत; मन्-  
 भूत. पु. भिन्न. [ ऐष्यन्ती.  
 वयस्या, स्त्री. सप्ती; उरडा; नानी  
 वयस्य, वि. समान, सरप्ती उभरतुं.  
 वयस्या, स्त्री. सप्ती. [ पु. भिन्न.  
 वयुन, न. ज्ञान; देवमंदीर; कापटो;  
 रीत; स्वच्छता.  
 वयोधस्, पु. लुवान भाणुस.  
 वयोधा, स्त्री. शक्ति, जेर.  
 वयोरंग, न. सीमु.  
 वघ्, ग. १०. पूछुं, भागुं.  
 वघ, वि. उत्तम, श्रेष्ठ. पु. कृपा; ध-  
 ञ्छा; परसंज्ञी; जेठ; प्रसन्नता;  
 लोभ; पति; बकली. न. डेसर.  
 वघट, पु. डंस; लभशे न. कुंठुं कूल.  
 वघटा, -टी, स्त्री. डसणी.  
 वघण, न. भागुं ते; ढांकुं ते. पु.  
 • लीन; वृक्ष; वरुणवृक्ष; धंर; उंठ.  
 वघंड, पु. लीड; मोटाडपर थता  
 भील; भीमुं; घासनी गल; आटलो.  
 वघंडक, वि. मोटुं; भीधेनुं; कंगाल.  
 पु. उकरणे, धूणने ढगलो; डा-  
 थीनी अंभाडी; भीत; भील.  
 वघंडा, स्त्री. सारिका, मेना; छरी;  
 दीवानी वाट.  
 वघडालु, पु. अेरडीनुं जाट.  
 वघतनु, स्त्री. मुंहर श्री.

वघतिक, पु. करीआतानुं जाड.  
 वघत्रा, स्त्री. आमडानो पटो; डाथी  
 आंधवानो पटो.  
 वघत्वच, पु. लींभडानुं जाड.  
 वघद, वि. वरदान आपनार, कथ्याणु  
 करनार. [ करी.  
 वघदा, स्त्री. ऐक नदी; कन्धा, छो-  
 वघमदा, स्त्री. लोपासुद्रा, अगस्त्य-  
 • नी पत्नी.  
 वघयित्, पु. पति, लस करनार.  
 वघरुचि, पु. ऐक कवि, विकमनी  
 सभाभांनो नव रत्नोभांनो ऐक.  
 वघल, पु. ऐक नतनो लभशे.  
 वघला, स्त्री. डसणी.  
 वघवर्ण, न. सोनुं.  
 वघवर्णिनी, स्त्री. मुंहर श्री; श्री;  
 डण्ड; लाभ; लकमी; पार्वती; स-  
 रस्वती; गोरेश्यना.  
 वघस्, न. पढोणार्ध.  
 वघस्या, स्त्री. धंञ्छा.  
 वघा, स्त्री. डण्डर; पार्वती.  
 वघाक, वि. कंगाल; नीय; अस्वच्छ.  
 पु. शिव, लडाध.  
 वघांग, वि. उत्तम अंगवानुं. पु.  
 डाथी; विष्णु; कामदेव. न. भा-  
 थु; गांड; योनि.  
 वघाट(क), पु. डेडी; होरडी.  
 वघाण, पु. धंर.  
 वघाणसी, स्त्री. काशीपुरी.  
 वघारक, न. डीशे.  
 वघारोह, पु. डाथीनी स्वारी; अ-  
 वघाल, पु. लवंग. [ स्वारी.  
 वघाशि-सि, पु. मोटुं कपडुं; भा-  
 दीनुं कपडुं.



वरासन, न. १/५।पुष्प; उत्तम आ-  
सन. पु. रभेवाङ्ग; या२, वंपङ्क.  
वराह, पु. लुंड; भेदो; वादण; सांड,  
आभला; सोसवाट; अेक पुराण;  
• विष्णुनो वाराड अवतार.

वराहमिहिर, पु. बृहत्संहितानो कर्ता.  
वरिमन्, पु. उत्तमता, सरसाई,  
पडोणार्ध.

वरिवत्, न. अङ्गि; आरटो; हो  
लत; आनंद; सेडेकार्ध. [आङ्गी.

• वरिवत्सा, स्त्री. अङ्गि; भीममत,

वरिशा, स्त्री. भाङ्गी पङ्कडवानी  
वरिप, न. वरस. [आङ्गी.

वरिष्ण, वि. उत्तम; मोडुं; पडोणु;  
भांरी; सौथी अराण. पु. तीत-  
रपक्षी; लींशुतुं अड. न. तांशुं;  
भरी. [रीनो शेषो.

वरी, स्त्री. छाया, मूर्धपनी; शताव-  
वरीमन्, 'वरिमन्' लुब्धो.

वरीयत्, वि. उत्तम; धलुंन स-  
रस; मोडुं; अतिशय नाञ्जक. पु.  
निवृत्ति.

वरी(ली)वर्द, पु. अण्ड, सांड.

वरीषु, पु. कामदेव, भदन.

वरट, पु. अेक भ्येन्ध नत.

वरड, पु. अेक डलङ्गी नत.

वरुण, पु. वरुणदेवता; मूर्ध; स-  
मुद्र; मेघमडण.

वरुणानी, स्त्री. वरुणुनी पत्नी.

वरुणावि, पु. लक्ष्मी.

वरुन्न, न. हुपटो, पीछेडी.

वरुत्, पु. रक्षण करतार; देव.

वरुथ, न. अणतार; दास; सला;

रक्षण; कुटुंण; धर. पु. डोयड;  
वरुधिनी, स्त्री. सैन्य. [सभय.  
वरेण्य, वि. उत्तम, प्रधान. न. डेग्नर.  
वर्कर, पु. अङ्गीतुं अञ्जु; अङ्करो;  
कीडा; यिनोड; लुवान पञ्च.

वर्कराट, पु. इटाङ्ग; उगता मूर्धन  
दिरणु; आशङ्कना नभथी स्त्रीना  
स्तनउपर परेलां नभोरीयां.

वर्कुट, पु. भीली, अडगरो.

वर्ग, पु. समूह; शब्दनो वर्ग; प्र-  
करणु; जेर; प्रांत.

वर्गणा, स्त्री. सुष्काकार.

वर्गीय, वि. वर्गने लगतुं.

वर्च, ग. १. प्रकाशतुं. [वेश्या.

वर्चटी, स्त्री. अेक नतना आभा;

वर्चत्, न. शक्ति; प्रकाश; आकार;

• विष्णु; वीथ. [प्रकाश.

वर्चस्क, पु. विष्णु; अण, अङ्गि;

वर्चस्विन्, वि. तेजस्वी; अञ्जण.

वर्ज, पु. त्याग. [पु. अंद्.

वर्जन, न. हिंसा; त्याग; धन.

वर्जित, वि. भूडी दीधेतुं; तञ्ज दी-  
धेतुं; अणरतुं.

वर्ज्य, वि. तणवालायक.

वर्ण, ग. १०. रगतुं; वार्जुन करतुं;  
भोडलतुं; दणतुं.

वर्ण, पु. रग; अडेरो, सुदरता; नतति;  
वर्ज, अक्षर; शब्द; कीर्ति; सङ्-  
गुणु; स्तुति; शलुगार, हुपटो; डा-  
ङ्गु; अेकनी सजा, सोल. न. वेसर.

वर्णक, पु. सुभवटो, अुरभेा; रग,  
वर्णु; लाट; शुभड; अक्षर; अर-  
ताण. न. शुभड; रग; अङ्करणु.

वर्णकूपिका, स्त्री. षडीश्री.  
 वर्णतूलि, स्त्री. रंगवानी पीछी; क्लम.  
 वर्णदात्री, स्त्री. ङणदर.  
 वर्णन, न. } स्तवन; स्तुति; ध्या-  
 वर्णना, स्त्री. } न; दीपन.  
 वर्णमातृका, स्त्री. सरस्वती.  
 वर्णमाला, स्त्री. भूणाक्षर.  
 वर्णरे(ले)खा, स्त्री. आक.  
 वर्णवती, स्त्री. ङणदर.  
 वर्णवादिन्, पु. स्तुतिपाठक.  
 वर्णसंकर, पु. मिश्रितव्यति.  
 वर्णसि, पु. पाष्ठी.  
 वर्णहीन, वि. नातमधार.  
 वर्णाट, पु. गवेधे; स्त्रीतारे; आशक.  
 वर्णि, न. सोतुं.  
 वर्णिक, पु. लेभक.  
 वर्णिका, स्त्री. धुरणो; क्लम, रग;  
 सादी; आक. [स्तुत्य.  
 वर्णित, वि. रगेधुं, वलुन करेधुं;  
 वर्णिन्, वि. वलुने लगतुं. पु. स्त्री-  
 तारे; लेभक; श्रद्धायारी.  
 वर्णिनी, स्त्री. स्त्री, नारी; ङणदर.  
 वर्णु, पु. सूर्य.  
 वर्त, पु. युञ्जान. [भरी. न. कांमुं.  
 वर्तक, वि. एवतुं. पु. घोडानी  
 वर्तन, पु. वेतिय, वामन. न.  
 रोः; वर्तन; युञ्जान; आल-  
 ययलु; पगार; वेपार; द्रो, गोणो.  
 वर्तनि, पु. विद्वस्थाननो पूर्व तरङ्गेनो  
 देश; स्तोत्र. स्त्री. रस्तो; आं-  
 भनी पांपलु; अक. [तराक, आक.  
 वर्तनी, स्त्री. वाट, रस्तो; अङ्गी;  
 वर्तमान, वि. एवतुं; उयात. पु. वर्त-  
 मान-याततो वभत. न. ङणदर.

वर्तक, पु. अक नदी; द्वारपाल;  
 कागडानो भाणो; वमण.  
 वर्तस, न. आंभनी पांपलु.  
 वर्ति, -र्ती, स्त्री. तडीश्री; अंजन;  
 दीवानी वाट.  
 वर्तिक, पु. लावरी पक्षी.  
 वर्तिका, स्त्री. रग; रंगवानी पीछी;  
 दीवानी वाट; लावरी पक्षी.  
 वर्तिन्, वि. वर्तनशील.  
 वर्तिस, न. रस्तो; रडेकालु; कक्ष,  
 अडेने इरवानो रस्तो.  
 वर्तुल, वि. गोणाकार. पु. द्रो. न.  
 गोणाकार. [ललु, पलक; डोर.  
 वर्त्मन्, न. रस्तो, वाट; आचार, य-  
 चत्र, वि. रक्षित. न. आंध, पुस्तो.  
 वर्व, ग. १०. लाग पाडवा; लरतुं.  
 वर्धकि, } पु. सुतार. [छेदन.  
 वर्धकिन्, }  
 वर्धन, वि. वधतुं, न. वधारो, वृद्धि;  
 वर्धनी, स्त्री. आक; सुरदांणी गारी.  
 वर्धमान, वि. वृद्धिशील. पु. अरं-  
 डीतुं आड; विष्णु; अक देश;  
 भीडां लीलु.  
 वर्धापन, न. छेदन; न-गोत्सव.  
 वर्धित, वि. वधेधुं; कापेधुं.  
 वर्धिष्णु, वि. वधनार.  
 वर्ध, न. यामडानो पटो; यामहुं; सीमुं.  
 वर्धन्, न. आकार; स्तुति; युक्ति.  
 वर्ध, ग. १. नतुं; भारी नाभतुं.  
 वर्धण, पु. नारंगीतुं आड.  
 वर्धन्, न. अभतर; रक्षलु, अयाव;  
 छात्र, यामडी. पु. क्षत्रीश्रीनां  
 नाम पाठग लागतो प्रत्यय, ने-  
 भडे:-गोकुडवर्मन्, अंडवर्मन्.

वर्मि, पु. ओक नतनी भाछडी.  
 वर्मिन्, वि. कवच-अभतरधारी.  
 वर्य, वि. उत्तम; प्रधान. पु. कामदेव.  
 वर्या, स्त्री. कन्या; मनपसंद पति  
 वरनारी कन्या.  
 वर्वट, पु. पहाडी अउद.  
 वर्वटी, स्त्री. वेश्या.  
 वर्वणा, स्त्री. काणी मापी.  
 वर्वर, पु. जंगली नत; मूषं, नात-  
 अडार; जुलझं. न. द्विगणो;  
 पीजुं अदन. [तनी मापी  
 वर्वरा, -री, स्त्री. तुलसी; ओक न  
 वर्प, उ. वरसाद, वृष्टि, वरस, भर-  
 तणउ; मेघ, वादण.  
 वर्पकोश, पु. भडिनो; नेशी.  
 वर्पण, न. वृष्टि.  
 वर्पणि, स्त्री. वृष्टि, यर, काम; वर्तन.  
 वर्पघर, पु. वादण; डीजरो.  
 वर्पपर्वत, पु. द्विमालय, डेमकूट  
 वगेरे सात पर्वत.  
 वर्पमिय, पु. आतकपक्षी.  
 वर्पवर, पु. डीजरो, नपुंसक.  
 वर्पा, स्त्री. योभासुं.  
 वर्पामू, पु. देउको. स्त्री. देउको, डीडो.  
 वर्पामद, पु. मोर.  
 वर्पित, न. वरसाद.  
 वर्पिष्ठ, वि. सौथी जुनुं; सौथी मोतुं;  
 सौथी मजभूत. [मजभूत.  
 वर्पायस्त्र, वि. अतिवृद्ध; वधारे  
 वर्पुक, वि. वरसतुं.  
 वर्पापल, पु. कशं  
 वर्प्म, न. शरीर.  
 वर्प्मन्, न. शरीर, वजन; सुहर  
 आकार.

वहं, पु. मोरनी पूछी, अग्नि; दीप्ति;  
 वहण, न. पांदजुं. [यस.  
 वहिस्त्र, पु. अग्नि; दीप्ति; यस.  
 वहिण, } पु. मोर.  
 वहिन्, }  
 वल्, ग. १. पासे जतुं; वधतुं; डांकुं  
 वलम, उ. कटी, कमर.  
 वलज, न. भेतर; नगरतो हरवाले,  
 अनाज, लडाण. [वलभीपुर  
 वलमि, -मो, स्त्री. छापरातो ढगाव;  
 वलय, उ. पोलोथी, करखख. पु.  
 डाणी, वाड, गणानो मोले.  
 वलयित, वि. पीटाणेषुं.  
 वलासक, पु. कोयल; देउको.  
 वलाह, न. पाण्डी.  
 वलाहक, पु. मेघ; पर्वत; ओक दैत्य  
 वलि, -ली, स्त्री. आगडीनी करवडी.  
 वलित, वि. पीटेषुं.  
 वलिश, न. } भाछडी पकडवानी  
 वलिशी, स्त्री. } आंकडी.  
 वलूक, पु. ओक नततुं पक्षी. न.  
 कमणनां भूण  
 वलूल, वि. नोरावर, अयवान.  
 वल्क, ग. १०. मोलतुं. [लाग.  
 वल्क, उ. वल्कल, आउनी छाल; अउ,  
 वल्कल, उ. वल्कल, आउनी छाल.  
 वल्किल, पु. कांठो.  
 वल्कुट, न. आउनी छाल.  
 वल्ग, ग. १. जतुं; कुदतुं, आतुं.  
 वल्ग, वि. सुंदर.  
 वल्गा, स्त्री. लगाम.  
 वल्गित, वि. कुदतुं. न. घोडानी काव.  
 वल्गु, वि. सुंदर; डीमती, मधुर.  
 पु. अकरो.

वल्गुक, वि. मुंकर. न. मुण्ड; डी-  
मत; नंगल.

वल्मन, न. आतुं ते; भेराक.

वल्मि (मी)क, उ. श्रीडीओानी टकरि.

वल्ह, ग. १. ढांकुं; नवुं.

वल्ह, पु. ढांकु; नणु शुंजतुं वजन.

वल्हकी, स्त्री. वीणु, सारगी.

वल्हम, वि. आइं, वडातुं. पु. पति;  
आशक; उत्तम धोरो; मुकादम.

वल्हभा, स्त्री. पत्नी; प्रियतमा.

वल्हभाचार्य, पु. पुष्टिभाज (वैष्णव)  
संप्रदाय प्रवर्तक.

वल्हर, न. गहन; मडप.

वल्हरि, -री, स्त्री. लता, वेव.

वल्हव, पु. गोवाण; रसोयो. स्त्री.  
(वी) गोवालणी.

वल्हि, स्त्री. लता, वेव; पृथ्वी.

वल्ही, स्त्री. लता. [ भाछली.

वल्हुर, न. मंडप; आडी; वन, मुझी

वल्हुर, पु. सुकुं भांस; नगली दुक-  
रेनुं भांस. न. वन; वगर भे-  
उंनुं भेतर. [ करवी.

वश, ग. २. धंछुं; प्रकाशतुं; कृपा

वशा, वि. पाणेनुं; ताभेदार; नम्र.

उ. धंछा; सत्ता; पेदाश; नम्र.

पु. वेश्यानुं धर.

वशाका, स्त्री. ताभेदार पत्नी.

वशा, स्त्री. आथडी; पत्नी; टोकरि;  
नखुं; गाय; वांछणी स्त्री; वांछणी

वशि, न. परतंत्रता. [ गाय; डामणी.

वशिक, वि. भाडी. स्त्री. (का)  
अगरनुं लाकंनुं.

वशिता, स्त्री. ताभेदारी.

वशिन्, वि. गलवान; वश. पु.  
राणकर्ता; मुनि.

वशिनी, स्त्री. शमीनुं आउ.

वशिर, पु. गणपीपर; वज; अ-  
धारो. न. समुद्रलुण्.

वशिष्ट, पु. वशिष्ठ मुनि. [ (युक्ति.)

वशीकरण, न. ताभे करवानुं मंत्र

वश्य, वि. वश करेनुं; पाणेनुं. पु.  
' आकर. न. लवंग. स्त्री. (या) ता-  
भेदार स्त्री.

वप्, ग. १. धंज करवी.

वपद्, अ. देवना उद्देशने भाटे डवि  
आपवानो मत्र.

वपद्कार, पु. आहुति.

वप्क, ग. १. नवुं. [ वीछुं.

वप्कय, पु. अेक वरसनी उभरनुं

वप्कय(यि)णी, स्त्री. थिर प्रसूता  
गाय, पुरे समये वियाय अेवी गाय.

वप्, ग. १. वसतुं, रहेतुं; ढोतुं;

शुंजरतुं. [ धर; छवणी.

वसति, -ती, स्त्री. रहेडालु, वसती;

वसथ, न. पक्षीनो भाजे.

वसन, न. रहेडालु; धर; वस्त्र, क-

पडुं; क्दोरो.

वसन्त, पु. वसतमनुं; अतिसार रोग;

शीतला; विदूषक, रंगवो.

वसन्तघोषिन्, पु. कोयव.

वसन्ततिलक, उ. अेक छं.

वसन्तदूत, पु. आंगानुं आउ; को-

यस; येनभास; डिडोणराग.

वसन्तदूर्ता, स्त्री. माधवीलता.

वसन्तदुम, पु. आंगानुं आउ.

वसन्तपंचमी, स्त्री. भाडा शुद्ध प.

यसन्तबंधु, पु. कामदेव.  
 वसा, स्त्री. यरभी  
 वसि, पु. कपडां; रडेठाणु.  
 वसिर, न. समुद्रबूधु.  
 वसिष्ठ, पु. वसिष्ठ मुनि.  
 वसु, वि. मुकुं; मधुर; पैसाधार; लयुं.  
 न. धन; रत्न, अवाडीर; सोतुं;  
 पाणी; वस्तु; वृद्धि, एक वन-  
 रपति पु. वसुदेवता-१ आप, २  
 ध्रुव, ३ सोम, ४ धर, ५ अ-  
 निल, ६ अनल, ७ प्रत्युष. अने  
 ८ प्रभास; आडनी राजा; कुबेर;  
 शिव; अग्नि; वृक्ष; सरोवर; ल-  
 गाम; सूर्य. स्त्री. किरणु; प्रकाश.  
 वसु(सू)क, पु. आकडातुं जाडं.  
 न. समुद्रबूधु; सांभरबूधु.  
 वसुकीट, पु. बीभारी.  
 वसुदा, स्त्री. पृथ्वी.  
 वसुदेव, पु. वसुदेव, कृष्णपिता.  
 वसुधा, स्त्री. पृथ्वी.  
 वसुधाधिप, पु. राज.  
 वसुंधरा, स्त्री. पृथ्वी. [पृथ्वी.  
 वसुमत, वि. पैसाधार. स्त्री. (ती)  
 वसुल, पु. देव, देवता.  
 वसूरा, स्त्री. वेश्या.  
 वस्क, ग. १. ननुं.  
 वस्क, पु. गति; भंत.  
 वस्कयणी, 'वस्कयणी' लुओ. [दितुं.  
 वस्त, ग. १०. भागनुं; ननुं, दुःख  
 वस्त, न. रडेठाणु. पु. अकरे.  
 वस्तक, न. कृत्रिम लवणु, जना-  
 वटी भीडुं. [कुओ; पीयकारी.  
 वस्ति, पु. रडेठाणु; गेडेड, पीडुं;

यस्तिमल, न. भूत, पिशाच.  
 वस्तु, न. चीज, वस्तु; पैसा; युक्ति.  
 स्त्री. द्विपस.  
 वस्तुतस्, अ. वास्तविक.  
 वस्त्य, न. धर, रडेठाणु.  
 वख, न. कपडुं; गोशाक.  
 वखकुटिय, न. तंथु; छनी.  
 वखभेदक, पु. दरथ.  
 वख, न. पजार; रडेठाणु; दोलत;  
 कपडुं; आमडी; छीमत; मृत्यु  
 वखसा, स्त्री. जानततु.  
 वखिक, वि. लाडुती.  
 वखन, न. गोशाक; रडेठाणु.  
 वह, ग. १. लथ ननुं; लावतुं; टेके  
 आपवे; पासे होतुं; अतावतुं, अमनुं.  
 वह, पु. वडन, लथ ननुं ते; अण-  
 ढनी आध; वाडन, घोरो, पवन;  
 रस्तो; नद, मोटी नदी, नाथुं.  
 वहत, पु. मुसाकर; अणद. [नत्री.  
 वहति, पु. अणद, पवन; सवाडकार,  
 वहती, स्त्री. नदी, नाथुं.  
 वहनु, पु. अणद; मुसाकर; लस.  
 वहन, न. लथ ननु ते; मछवे; वाडन.  
 वहंत, पु. पवन; आलक. [छवे.  
 वहल, वि. दड, मणभूत. न. म-  
 वाह, स्त्री. नदी, नाथुं. [अवेतु.  
 वहित, वि. लथ अथतु; नणेतु. मे-  
 वहित्र-क, न. { मछवे; वडाणु.  
 वहिनी, स्त्री. }  
 वहिस, अ. अडारतुं.  
 वहि, पु. अग्नि; अण; जाडी; या-  
 नक; देव; भरत; सोम; घोरो;  
 वहिगंध, पु. लोआन. [बीवाभानुं जाड.

वह्निगर्भ, पु. वांस, शमीतुं आड.  
 वह्निनी, स्त्री. वन० जटाभांसी.  
 वह्निभोग्य, न. धी, धृत.  
 वह्निमित्र, पु. पवन, वायु.  
 वह्निरेतस्, पु. शैतुं; शिव.  
 वह्न, न. गाडी; वाहन.  
 वह्नपत्य, पु. उँदर, डूकर.  
 घा, अ. अथवा; उपमा, विकल्प;  
 तर्क, पादपूरणुदर्शक.  
 वा, ग. २. वातुं, पुकेतुं; जतुं; भा-  
 तुं. ग. ४. मुकावतुं. ग. १०.  
 जतुं; सुभी थतुं; अजतुं.  
 वांस, वि. वांसतुं. [वगाउनार.  
 वांसिक, पु. वांसदेशो; वांसधी  
 वांशी, स्त्री. वशलोचन.  
 वाक्, पु. वाचा, वाणी  
 वाक्कलह, पु. कथ्यो, उग्रो.  
 वाक्य, न. वाक्य, पदसमुदाय.  
 वागर, पु. ऋषि; पंडित; वीर पु-  
 र्य; वर; वाडवानण; कभोरीना  
 वागा, स्त्री. लगाम. [पथर, योक्ससध.  
 वागीश, पु. बृहस्पति; छटादार  
 जालनार, पुष्य नक्षत्र, ग्रह.  
 वागीशा, स्त्री. सरस्वती.  
 वागुण, पु. वैगण, रींगणु  
 वागुश, स्त्री. जण, इंदो.  
 वागुरिक, पु. आध, शिकारी.  
 वागुलिक, क, पु. तभोली, पा-  
 वाग्दड, पु. कपडो. [नवाणो.  
 वाग्दत्त, वि. वचन आपेणु.  
 वाग्दत्ता, स्त्री. सगाध-वेशवाण थ-  
 यकी कन्या.  
 वाग्दान, न. वेशवाण, सगाध.

वाग्देवी, स्त्री. सरस्वती.  
 वाग्मिन्, वि. वक्रा; वातुडो. पु.  
 विष्णु; बृहस्पति, छटादार जे-  
 वाग्य, पु. नभ्रता. [जनार.  
 वाग्यत, वि. चुपचाप, चुपकी हु-  
 वागव्यापार, पु. जालवानी रीत-  
 वांक, पु. समुद्र. [जात.  
 वांक्ष, ग. १. धंभुतुं.  
 वाङ्मती, स्त्री. जेक नदी.  
 वाङ्मय, वि. छटादार, शब्दोतुं. पु.  
 वाणी, भाषा; अलकार शास्त्र.  
 वाङ्मयी, स्त्री. सरस्वती.  
 वाच्, स्त्री. शब्द; वातस्थित, अ-  
 वाज, वचन, सरस्वती; वाक्य.  
 वाचक, वि. कथक; बोधक. पु.  
 वक्रा, वांचनार; कासद, सांकेति-  
 वाचन, न. पठन, कथन, वाक्य. [कशब्द.  
 वाचनक, न. उभ्याणु. [जेतुं.  
 वाचनिक, वि. शब्दधी कहेवाय  
 वाचस्पति, पु. बृहस्पति; पुष्य नक्षत्र.  
 वाचस्पत्य, न. छटादार भाषणु.  
 वाचा, स्त्री. वाणी, भाषा, सोगन.  
 वाचाट, वि. वायाण, वातुडो.  
 वाचिक, वि. मोठेतुं; शब्दधी व-  
 तुंन थाप जेतुं. न. सदेशो; अ-  
 वर, वर्तमान. [मान पत्र.  
 वाचिकपत्र, न. पत्र, कागण; वर्त-  
 वाच्य, वि. कहेवाय जेतुं, निहित.  
 न. निहा; कथन; व्याकरणुनी संज्ञा.  
 वाज, पु. पांभ; पीछुं; आणुतुं पी-  
 छुं; लडाध; अवाज. न. धृत,  
 धी, जोराक; पाणी, पश; जेर;  
 पैमे; अउप; भडिनो, भारत.

वाजपेय, उ. ओक यज्ञ.  
 वाजपेयिन्, पु. वाजपेय यज्ञकर्त्ता.  
 वाजसन, वि. विष्णु; शिव.  
 वाजसनि, पु. सूर्य.  
 वाजसनेय, पु. याज्ञवल्क्य मुनि.  
 वाजसनेयिन्, पु. याज्ञवल्क्य मुनि;  
 शुक्ल यजुर्वेदने माननार.  
 वाजिन, वि. अडपी; भण्णूत. पु.  
 घोडो; आणु; याज्ञवल्क्यना भर्त  
 प्रभाणे आसनार; धंद्र, अहंस्पति  
 वगेरे देव. [वनं अथगधा.  
 वाजिनी, स्त्री. घोडी; प्रभात; पोराक;  
 वाजिमक्ष, पु. यणु. [रनार.  
 वाजोकर, वि. विषयी धंछा वधा-  
 वार्जाकरण, न. वीर्य वृद्धिकारक दवा.  
 वांछ, ग. १. धंछतुं; शोधतुं.  
 वांछा, स्त्री. धंछा, भरथ.  
 वांछित, वि. धंछित. न. धंछा.  
 वांछिन्, वि. विषयी. [रिणी.  
 वांछिनी, स्त्री. छिनाण; अग्निआ-  
 गट, उ. वाडो, चोक; वाडी; रस्तो.  
 वाटिका, स्त्री. चोक, धरतुं आंगलुं;  
 वाडी, अगीचो.  
 वाटी, स्त्री. आंगलुं; धर; वाडो,  
 चोक; वाडी; रस्तो; लधनेना थापो.  
 वाट्या, वाट्याली, स्त्री. वनं अ-  
 वाह, ग. १. कुअडी भारवी. [तिअदा.  
 वाडव, पु. समुद्रनी आग; आहणु.  
 न. घोडीआनेा समुदाय.  
 वाडवानल, पु. समुद्रनी आग.  
 वाडवेय, पु. अणद, सांड.  
 वाडव्य, न. आहणुआनेा समुदाय.  
 वाढ, वि. दंड; वधारे.

वाण, पु. तीर; गायना स्तन; ओक  
 दैत्य; अग्नि. [लुतुं ते.  
 वाणि, स्त्री. वाया; सरस्वती; व-  
 वाणिज, पु. वेपारी. [डग.  
 वाणिजिक, पु. वेपारी; वाडवानण;  
 वाणिज्य, न. वेपार. [विषयी स्त्री.  
 वाणिनी, स्त्री. यतुर स्त्री; नायनारी;  
 वाणी, स्त्री. वाया; सरस्वती; अ-  
 वाण; स्तोत्र. [वायुदेवता; नणणो.  
 वात, वि. कुकेतुं, वायुं. पु. पवन;  
 वातक, पु. यार; ओक वनस्पति.  
 वातकिन्, वि. वातरोगयुक्त, नण-  
 वातकेतु, पु. धूण, रण. [णावाणु.  
 वातघ्नी, स्त्री. वनं शाखीपर्णा.  
 वातथूडा, स्त्री. वडावी स्त्री.  
 वातध्वज, पु. धूण; वादण.  
 वातपुत्र, पु. ंग; भीम; अनुमान.  
 वातपोय, पु. पलाशतुं अड.  
 वातप्रमी, पु. अडपथो आसनार हरिणु.  
 वातर, वि. तोडानी; अडपी.  
 वातरक्त, न. दोडनी गाडो अंधार्ध  
 नवानो रोग. [करवत; गाडो.  
 वातरायण, पु. शिपर, टोंय; आणु;  
 वातरूप, पु. तोडान, लांय.  
 वातल, वि. तोडानी; वायुं, वायु  
 करे ओतुं. पु. पवन; यणु.  
 वातवैरिन्, पु. ओरडीतुं अड.  
 वातसारथि, पु. अग्नि.  
 वाताट, पु. सूर्येना घोडो; हरिणु.  
 वाताद, पु. अदाभतुं अड.  
 वातापि, पु. ओक दैत्य.  
 वातामोदा, स्त्री. करतूरी.  
 वातायन, न. आरी, अणो. पु. गाडो.

वातायु, पु. हरिण, भृग.  
 वातारि, पु. अरुणीतुं जाड; शत-  
 भूषी, भार्गी वगेरे वनस्पति.  
 वाति, पु. सूर्य; पवन; यद्र.  
 वातिक, वि. तोक्षणी; गांडु.  
 वातिगण, पु. वेंगण, रींगणुं.  
 वातीय, वि. पवनवाणु. न. डांश.  
 वातुल, वि. वायडुं; गांडु.  
 वावृ, पु. पवन.  
 वात्या, स्त्री. तोक्षान, वटोणीओ.  
 वात्सक, न. वाछडाओतुं टाणुं.  
 वात्सल्य, न. वत्सलता; प्रेम, रनेड.  
 वात्सि, -त्सी, स्त्री. शूद्रस्त्रीने आ-  
 द्युथी उत्पन्न ययवी कन्या.  
 वात्स्यायन, पु. कामसूत्र कर्ता सु-  
 नि; न्यायसूत्र उपर टीका करनार.  
 वाद, पु. वातस्थित; शब्द; वल्लुन;  
 तकरार; डड; नवाण; इरियाड;  
 वादक, पु. गवैथो, भोलनार. [अवाण.  
 वादन, न. मृदंग वगेरेने अवाण.  
 वादर, वि. सूतराड. न. मृतराड  
 वादरा, स्त्री. कपासतुं जाड. [कापड.  
 वादरायण, पु. वेदव्यास.  
 वादरायणि, पु. शुक्रदेव.  
 वादि, वि. विद्वान, यतुर.  
 वादित्र, न. वाणुं, वाध.  
 वादिश, पु. विद्वान भाषुस.  
 वाद्य, न. वाद्यत्र, वाणुं.  
 वायु(धू)क्य, न. लभ.  
 वाघोणस, पु. जेठो.  
 वान, वि. मुकुं; वनगंधी. न. मुकुं  
 इण; वल्लुतुं ते; धासनी सादरी;  
 मुगंधी.

वानप्रस्थ, पु. ब्राह्मणुनी त्रीश स्थि-  
 वानर, पु. वांकर. [ति; साधु.  
 वानरी, स्त्री. वांदरी.  
 वानरेंद्र, पु. सुग्रीव; उनुमान.  
 वानल, पु. श्याम तुलसी.  
 वानस्पत्य, पु. आंभानुं जाड.  
 वाना, स्त्री. सुको भेवो.  
 वानायु, पु. अरणस्तान.  
 वानायुज, पु. आरभी घोरो.  
 वानीर, पु. ऐकनतनी नेतर.  
 वानेय, न. नागरभोथ.  
 वांत, वि. ओकेतुं, भाधी करेकुं.  
 वांताद, पु. इतरै,  
 वांति, स्त्री. उलटी.  
 वाप, पु. भीज वाववां; वल्लुतुं ते.  
 वापदंड, पु. साण, कापड वल्लुत्रातुं  
 वापि, -पी, स्त्री. इवो, नणाशय. [यत्र.  
 वापीह, पु. यातक, अपैथो.  
 वाम, वि. डायु, दुंडुं; पापी; मुं-  
 र. पु. प्राणी, शिव; कामदेव; स-  
 र्थ, स्तन. न. धन, भीलकत.  
 वामक, वि. डायु; उलडुं.  
 वामदेव, पु. ऐकभुनि; शिव.  
 वामन, वि. वल्लुतिमुं, हींगणुं; नीय;  
 वणेकुं. पु. वामन अत्रतार; वामन,  
 हींगणुं भाषुस.  
 वामनी, स्त्री. हींगणी स्त्री; घोडी.  
 वामनू, स्त्री. मुंकर आंभवाणी स्त्री.  
 वामनूर, पु. धीडीओओ अनावेकी  
 रेकरी. [स्त्री.  
 वामलोचना, स्त्री. मुंकर आंभवाणी  
 वामा, स्त्री. स्त्री; मुंकर स्त्री; लक्ष्मी;  
 गौरी; सरस्वती.



वामाचार, पु. तत्रोक्त मधमांस  
 वगेरेना सेवनरूप आचार.  
 वामिल, वि. मुंहर; भगइर; लुञ्चुं.  
 वामी, स्त्री. घोडी; गधेडी; छाथणी;  
 \* गृगाधी, शियालनी भाद्य.  
 वामोरू, स्त्री. मुंहर लंधवाणी स्त्री.  
 वाय, पु. वल्लुतुं ते.  
 वायक, पु. वल्लुकर.  
 वायव, वि. वायुसंभधी.  
 वायवी, स्त्री. वायव्य भूखो.  
 वायव्य, वि. वायुसंभधी.  
 वायस, पु. कागडो; अगइरपृक्ष.  
 वायसाराति, पु. धुवड.  
 वायु, पु. पवन, वायुहेवता.  
 वायुकंतु, पु. धूण, रंग.  
 वायुनदन, } पु. उनुमान, भीम.  
 वायुपुन, }  
 वायुपुराण, न. अेक पुराण.  
 वायुरोपा, स्त्री. निशा, रात्रि.  
 वायुवाह, पु. धूमाडो.  
 वायुवाहिनी, स्त्री. नस, रंग.  
 वायुसख, पु. अक्षि.  
 वार, न. पाणी.  
 वार, पु. अवसर; दरवाजे, द्वार; शिव;  
 दिन, दिवस; क्षण, टांकण, स-  
 भूड; टोणु, तक; नदीना साभो कि-  
 नारो. न. दाइतुं वासणु; न्णसध.  
 वारक, पु. घोडो; घोडानी आल;  
 घोडानी जत.  
 वारकिन्, पु. शत्रु, विरोधी; समुद्र;  
 शुभचिह्नवाणो घोडो; पादडा भाई  
 रडेनार वेगी. [ इणी, न्णो.  
 वारकीर, पु. साणो; वडवानण;

वारंक, पु. पक्षी.  
 वारंग, पु. तरवार, छरी वगेरेनी मुड;  
 मुड वेसाडवानी पातणी अणी.  
 वारट, न. जेतर. स्त्री. (टा) डसणी.  
 वारण, न. प्रवृत्ति; प्रतिरोध; नि-  
 वेध. पु. छाथी, अणतर.  
 वारणवल्लुमा, स्त्री. डेणतुं आड.  
 वारणसाहय, न. उस्तिनापुर.  
 वारणसी, स्त्री. काशीपुरी.  
 वारणावत, उ. अेक नगर.  
 वारवा(वा)ण, उ. अणतर. [ धर.  
 वारमुब्ब्या, स्त्री. वेश्याअोनी सर-  
 वारवार, अ. वारवार, वारेधडीअे.  
 वारयित्, वि. अटकावनार. पु. पति.  
 वारयोपा, स्त्री. वेश्या.  
 वारला, स्त्री. लभरी; डंसणी.  
 वारवाणि, पु. वांसणी वगाडनार;  
 वरस. स्त्री. वेश्या.  
 वारवाणी, स्त्री. वेश्या.  
 वारांगना, स्त्री. वेश्या.  
 वाराणसी, स्त्री. काशीपुरी.  
 वारानिधि, पु. समुद्र.  
 वाराह, वि. लुंडने लगतुं. पु. लुड,  
 इकर; अेक जततुं आड.  
 वाराही, स्त्री. पृथ्वी; वाराह अण-  
 तारभा विण्णुनी शक्ति, इकरी.  
 वाराहीकंद, पु. अेक जततुं कंद.  
 वारि, न. पाणी; प्रवाही पदार्थ.  
 स्त्री. छाथी आंधवानी नगा, छा-  
 थुने आंधवानी सांकण.  
 वारिकटक, उ. सींधारो.  
 वारिचर, वि. नलचर, पाणीतुं. पु.  
 भाछणी; नलचर आणी.

चारिज, वि. पाणीभांधी पेदा थ-  
यतुं. पु. शंभ. न. कमल; लवंग;  
अेकं नततुं भीहुं.

चारितस्कर, पु. सूर्य; वादण.

चारित्रा, स्त्री. छत्री.

चारिद, वि. नलदाता. पु. वादण.

चारिद्र, पु. यातकं पक्षी.

चारिधर, पु. वादण.

चारिधि, पु. समुद्र.

चारिनाथ, पु. समुद्र; वरुणु देवता;  
वादण; सर्पतुं रडेडाणु.

चारिनिधि, पु. समुद्र.

चारिपथ, उ. नलभागे मुसाक्षी.

चारिमसि, -मुच्, पु. वादल.

चारिरथ, पु. भछवे, गोट.

चारिराशि, पु. समुद्र; तणाव.

चारिरह, न. कमल.

चारिवास, पु. कलाल, दाइ वेयनार.

चारिवाह, } पु. वादण.  
चारिवाहन, }

चारिश, पु. विधु.

चारी, 'चारि' शब्द लुओ

चारीट, पु. डायी.

चारु, पु. लडाधने डायी.

चारुण, वि. वरुणुने लमतुं. न. पाणी.

चारुणि, पु. अमस्त्यमुनि; भृशुमुनि.

चारुणी, स्त्री. पश्चिमदिशा; दाइ; श-  
तभिपन्न नक्षत्र; हर्ष; वरुणुनी स्त्री.

चारंड, पु. सपौने सरदार.

चारुर्ष, न. वन.

चारुणिक, पु. लेणक.

घातांक, पु. } शंभणीनी वेद.  
घातांकि, स्त्री. }

घात, वि. तदुरस्त; असार, गार-  
वगरतुं. न. आशेभ्य; यतुरार्ध.  
घाता, स्त्री. वर्तमान; सभाचार; धं-  
धो, शेणगार; जेतीवाडी.

घाताहर, पु. इत. [नसस; जेडुन.

घातिक, वि. समन आपनार. पु.

घातम, पु. अलुन.

घातक, वि. वृक्षावस्था; वृक्ष भा-  
• एसोनो समुदाय.

घातक्य, न. वृक्षावस्था.

घाति, पु. समुद्र.

घातुपि, -क, } पु. व्याजभोर.  
घातुपि, न, }

घातुप्य, न. व्याजवडुं.

घात, न. थाभडानो पटो. \*

घातिणस, पु. गेटो; नगली नकरो.

घार्य, न. अक्षीस, दान.

घार्युच्, पु. मेध, वादण.

घार्यह, पु. वडाणु, भछवे.

घार्य, वि. दम्बरसतुं, वार्यिक.

घार्यिक, वि. बेभासातुं; वरशतुं.

घार्येय, पु. कृष्णु; नलने सारथ.

घार्यस्पत्य, पु. शृङ्खरपतिने बेवो,  
अशि.

घाल, घालक, 'घाल, घालक' लुओ.

घालपिल्य, पु. साकं हनर मुनि-  
ओ, ओतुं कडेवायछे, ओमतुं कड  
अंगुठाना नेटुं छे अने शूर्यना  
स्थनी आगण हमेश आवेछे

घालि, पु. डिङ्खानो राज, सुत्री-  
वने भाध.

घालुका, स्त्री. रेती; कपुर; भुडे.

घालकल, वि. अडनी छालतुं अना-  
वेतुं. न. छालतुं वस्त्र.

वाल्मीक, } पु. राभायणुना कर्ता,  
 वाल्मीकि, } अेक मुनि.  
 वावदूक, वि. वातुडो; वाक्यतुर.  
 वावय, पु. अेकजतनी तुलसी.  
 वावुट, पु. भद्यो. [ करवी.  
 वावृत्, ग. छ. पसंद करतुं; सेवा  
 वावृत्त, वि. पसंद करेहुं.  
 वाश, ग. छ. भूम-शीश पाउपी;  
 वाशि, पु. अग्निदेवता. [ जोलावतुं;  
 वाशित, न. पक्षीनो शब्द; जोवावहुं.  
 वाशिता, स्त्री. छाथणी; स्त्री, नारी.  
 वाशी, स्त्री. अवाण; भूम; छथियार.  
 वाशुरा, स्त्री. रात्र.  
 वाश्र, पु. दिवस; अणद. न. धर; रडे-  
 डाणु; बातरै, आर रस्ता भण-  
 वानी जगा; छालु.  
 वाथा, स्त्री. माता; बाछडावाणी गाय.  
 वाष्कल, वि. मोहुं. पु. लउवैयो.  
 वाष्प, उ. भाक, वराण; लोडु; आंगु.  
 वास्त, ग. १०. मुगंध लेवी; भीजवतुं.  
 वास्त, पु. मुगंध; वसतुं ते; रडेडाणु;  
 अेकक; पोशाक.  
 वास्तकं, वि. मुगंधी. न. कपडां.  
 वास्तकसजा, स्त्री. कपडां धरेणुं प-  
 देरी आगकनी वाट नेती नायक.  
 वास्तत, पु. गधेडो.  
 वास्ततेय, वि. वसवा लायक.  
 वास्ततेयी, स्त्री. रात्र.  
 वास्तन, न. वास्तु; ज्ञान; कपडां;  
 दांडणु; धूपन, मुगंधी करतुं ते.  
 वास्तना, स्त्री. छच्छा; वास्तना; ध्यान.  
 वास्तन्त, वि. वसंतनुं; लुवान; क्षीन.  
 पु. ईड; लुवानदाथी, लुवानप्राणी.

वासन्ती, स्त्री. माधवीवता.  
 वासर, उ. दिवस. पु. अेक नाग.  
 वासरसंग, पु. प्रभात.  
 वासव, वि. ईंद्रतुं. पु. ईंद्र. न. ध-  
 निष्ठानक्षत्र. [नती पनी.  
 वासवदत्ता, स्त्री. वल्लभराज उदय-  
 वासवी, स्त्री. व्यासनी माता.  
 वासस्, न. वस्त्र, कपडुं; पडदो.  
 वासि, पु. वांसडो, इरभी.  
 वासित, वि. मुगंधी; वसेतुं; प्र-  
 ष्यात. न. पक्षीनो कलत्रसाट; ज्ञान.  
 वासिता, स्त्री. छाथणी; नारी, स्त्री.  
 वासि(शि)ष्ट, वि. वशिष्टतुं. पु. व-  
 शिष्टनो वंशज.  
 वासि(शि)ष्टी, स्त्री. गोमती नदी.  
 वासु, पु. आत्मा; परमात्मा, विष्णु;  
 पुनरेशु नक्षत्र.  
 वासुकि, पु. सपौनो राजन.  
 वासुदेव, पु. श्रीकृष्ण. [ वाणी.  
 वासुरा, स्त्री. पृथ्वी; रात्र; गी; डा-  
 वास्, स्त्री. कुमारिका.  
 वास्तय, न. यथार्थजन.  
 वास्तविक, वि. भक, वाजणी.  
 वास्तव्य, वि. वगवासायक. पु. भा-  
 डुन. न. वसति; रडेवा जेग जगा.  
 वास्तिक, न. अकराअेनुं टाणुं.  
 वास्तु, उ. शयन, ठेकालुं; धर.  
 वास्तुवाग, पु. परनो पायो नाभती  
 वभते करवाभां आवतो जन.  
 वास्तोष्पति, पु. ईड.  
 वास्त, वि. कपडानुं. पु. कपडाथी  
 दांडेथी आदी.  
 वास्प, पु. भाक; आंगु.

वास्पेय, पु. नामकेशरतुं अड.  
 वाह, ग. १. डोरोश करवी.  
 वाह, पु. वहन, मणुर; भार अर-  
 दार जनावर; घोडे; अणद; पाडे;  
 गाडी; पवन; आर भारतुं वजन.  
 वाहक, पु. गाडीवाणो; मणुर.  
 वाहन, न. उच्यथी नुं ते; स्वारी;  
 वाहन, गाडी वगेरे; छाथी.  
 वाहस, पु. अग्नि; स्तोत्र.  
 वाहस, पु. अजगर, सर्प  
 वाहिक, पु. मोटुं डोल; अणदनी गाडी.  
 वाहित, न. भारी जाले.  
 वाहिन, पु. रथ.  
 वाहिनी, स्त्री. सेना; नदी.  
 वाहीक, वि. अडारतुं. पु. अणद;  
 पंजअ देश. [गाडी वगेरे वाहन.  
 वाह्य, पु. भार अरदार जनावर. न.  
 वाहि, पु. अडअदेश.  
 वाहि(ही)क, पु. अडअदेश; अेक  
 अधर्ष. न. केशर; डिंग.  
 वि, अ. नियोज; निश्चय; निग्रह;  
 हेतु; परिभव, शुद्धि, अवलथन;  
 ज्ञान; गति; आवस्थ, पालन-  
 दर्शक. [देवता, याजिक.  
 वि, यु. पक्षी; घोडो; जनार; सोम-  
 विंश, वि. वीशतुं. पु. वीशभो भाग.  
 विंशक, वि. वीश. [कुडी  
 विंशति, स्त्री. वीशनी सभ्या, अेक  
 विंशतिनम, वि. वीशतुं.  
 विंशिन, पु. वीश जाभने भाजेक;  
 वीशनी सभ्या. [इध.  
 विक, न. तुरतनी वियापली भायतुं  
 विकच, वि. विकारोयुं, शुद्धेयुं; वि-  
 शाण; सुंदर. पु. डेणु; ध्वज.

विकट, वि. अडसुरत; भयंकर; मोटुं;  
 भगरण; सुंदर; अप्रसिद्ध; क्रूर;  
 विकट. न. शुभटुं, शेड्डो [लगाडतुं.  
 विकत्य, ग. २. शेष्ठी करवी; डलकुं  
 विकत्यन, वि. पोतानां वभाणु कर-  
 नार. पु. अुसामत; आत्मश्वाधा;  
 विकंप, ग. १. धुणतुं. [स्तुति.  
 विकंप, वि. अयल, डालतुं.  
 विकर, पु. रोग, आन्त.  
 विकर्ण, पु. अेक डोरव.  
 विकर्तन, पु. सुध.  
 विकल, ग. १०. जोड आणुपी.  
 विकल, वि. विहव; जोडवाणु; अ-  
 यभीत; गालडे. नडामुं; जेडोश.  
 विकला, -ली, स्त्री. रजस्वला स्त्री.  
 विकला, स्त्री. क्लानो साडभो भाग.  
 विकल्प, पु. लुढी लुढी कल्पनायो.  
 विकल्प, वि. निरपराधी.  
 विकपा(सा), स्त्री. अंवाली मथुठ.  
 विकस, ग. १. अुवतुं, उधडतुं.  
 विकस, पु. अद्र. [लतुं.  
 विकस्व(अ्य)र, वि. प्रकाशशील; भी-  
 विकार, पु. विकृति; इरदार, अ-  
 गाड; रोग; जणम.  
 विकाल, पु. सांज, संध्याकाळ.  
 विकार्य, ग. १. देभातुं; भीलतुं;  
 प्रकाशतुं. [लवणु; देभाव.  
 विकास, पु. आकाश; आनंद; अि-  
 विकासि(सि)न, वि. प्रकाशशील;  
 विकिर, पु. अड, इवो, पक्षी. [भीवतुं.  
 विकिरण, न. क्षेपणु; डिंसन; ज्ञान.  
 पु. अंशुश.  
 विकीर्ण, वि. वीजेरेयुं.

विकुंड, पु. वैकुंड, विष्णुनं स्वर्ग.

विकुञ्ज पु. चंद्र.

विकृणन, न. कटाक्ष.

विकृणिका, स्त्री. नाक.

विकृ, ग. ट. अक्षरवुं; पैदा करवुं; छ-  
ल करवी; नाश करवुं.

विकृत, वि. अक्षरवुं; आनरी; जे-  
राय; आपूर्ण; अक्षुत; अगडेवुं.

विकृति, स्त्री. अक्षरमात; इरकार;  
रोग; क्रोध; विकार. [ पडेवुं.

विकेश, वि. छूटा वाणवाणुं; ताव  
विकेशी, स्त्री. छूटा वाणवाणी स्त्री;  
वाणवगरनी स्त्री.

विक्र, पु. लुवान हाथी. [ गण वधवुं.

विक्रम, ग. १. आववुं; अतवुं; आ-

विक्रम, पु. पग, पगवुं; वीरता; वि-  
हमराल; विष्णु; अण, नेर.

विक्रमिन्, वि. नेरावर; वीर. पु.  
सिड; विष्णु; योद्धो.

विक्रय, पु. वेथालु. [ यतो पश्चात्ताप.

विक्रयानुशय, पु. वेथालु कर्था पछी

विक्रयिक, पु. वेथनार.

विक्रस्र पु. चंद्र.

विक्रान्त, वि. नेरावर; विनथी.

पु. योद्धो; सिड. न. पग; वीरत्व.

विक्रान्ति, स्त्री. वीरता, घोडानी क्षाण.

विक्रान्त, वि. विनथी. पु. सिड;

वीर, लडवेयो, योद्धो.

विक्री, ग. ९. वेथवुं; अक्षो करवो.

विनुष्ट, वि. योद्धो; इर. न. म-

हनी भूम; गण.

विक्रय, वि. वेथवावायक.

विक्रय, वि. भीधेवुं; भीकलु; गालरं.

विक्रिञ्ज, वि. भीवुं; लुवुं; नाश पा-

विक्षाच, पु. आंसी, उधररा; शब्द. [ भेवुं.

विक्षिप्, ग. ६. नाभवुं; वीभेरवुं.

लभाववुं. [ रलु; धास्ती.

विक्षेप, पु. त्याग; प्रेरलु; इरीक-

विप, विष्णु, विख्य, विष्ण, वि. न-

कटुं, नाकवगरुं.

विखासा, स्त्री. अल.

विष्णुर, पु. राक्षरा; चार.

विख्या, ग. २. नक्षीता यवुं; नेवुं;

भोवाववुं. [ लावेवुं.

विर्यात, वि. प्रसिद्ध, नक्षे; भो-

विर्याति, स्त्री. प्रभ्याती, धीति.

विगत, वि. गत; मृत; लुहुं पडेवुं;

शुभावेवुं.

विगम, पु. नुकशानी; मृत्यु; लुदाध.

विगर, पु. नम्र योगी; पर्वत.

विगह, ग. १. निदा करवी; विकारवुं.

विगहण, न. निदा.

विगहित, वि. निहित; अदनाम; पा-

पी; नीय. न. निदा. [ धेवुं.

विगलित, वि. टपकतुं; गयवुं; गं-

विगाढ, वि. अगाध; उडुं; पार उ-

विगान, न. निदा. [ तरेवुं; रनात.

विगाह, ग. १. नडातुं.

विगीत, वि. निहित; उडुं.

विगीति, स्त्री. निदा; प्रतिवचन.

विगूढ, वि. शुभ; अदनाम.

विग्र, वि. नकटुं.

विग्रह, ग. ९. पकडवुं; कल्लो क-

रवो; लडाध करवी; नेवुं; लभाववुं.

विग्रह, पु. देड; विभाग; युद्ध; वि-

शेषज्ञान; कल्लो; आकार.

विघटित, वि. लुट्टु करेडु, भागेडु,  
 विघन, पु. उधोडो [ भाग करेडु  
 विघस, पु. भोराक, अडधो आवेयो  
 केणीओ-आस न भीणु  
 विघात, पु. वध, इतव, इटके  
 विघ्न, पु. इरकत, भडेनत.  
 विघ्ननायक, } पु गणुपति, गणेश.  
 विघ्ननाशक, }  
 विघ्नराज, पु. गणेश, गणुपति.  
 विह, पु. घोडानी जरी.  
 विच्, ग ३, ७ लुटा पडु  
 विचकिल, पु. भदन वृक्ष.  
 विचक्षण, वि डालु, अतुर पु वि-  
 द्धान भाणुस  
 विचक्षुस्, वि. आधु, दलगीर  
 विचय, पु. शोध, तपास.  
 विचयन, न. शोध करवी ते [ यतु  
 विचद्, ग. १. रणडु, करुड, साभा  
 विचर्चिका, स्त्री. भुण्डी, डीउ  
 विचल, ग १ भुण्डु, गतु [यावतु  
 विचलन, न. गर्व, अण, डायतु  
 विचार, पु. विचार, तत्वनिर्णय, त-  
 पास, मुकदो, पसदगी, राका  
 विचारण, न. भिभासा, राका.  
 विचारणा, स्त्री. तपास, विचार,  
 राक, भीभासा [लुट्टु करुड  
 विधि, ग ५ अकेडु करुड, शोधतु,  
 विधि, पु. तरग, लहेर  
 विधिकित्सा, स्त्री सफेड, लव  
 विधित, वि. शोधेडु.  
 विधिति, स्त्री शोध, तपास.  
 विधिप्र, वि कभरचिनु, भात-

भाततु, छापेडु; मुडर, नवाधं जेधुं.  
 न कभरचिनु रग; आश्रय.  
 विचित्रक, पु. लोणपत्रतु आड. न.  
 आश्रय [पु. वादण.  
 विचित्रदेह, वि. मुडर शरीरवाणु  
 विचित्रवीर्य, पु. शान्ततु राजनो पुत्र.  
 विचिन्वक, पु. शोध, योद्धो  
 विचेतन, वि जेथुड.  
 विचेतस्, वि भूर्ध, गामड, पापी  
 विचेष्टा, स्त्री. यत्न, गति, आलचवणु  
 विचेष्टित, वि तपासेडु न यत्न,  
 काम, डायलान, तरकट  
 विच्छ, ग. ६ गतु. ग १० प्रका-  
 शतु, भोवतु  
 विच्छद्, पु. भदिर, देवल, भेडेल  
 विच्छर्दक, पु. भदिर, भेडेल.  
 विच्छर्दन, न. उलटी करवी ते  
 विच्छाय, वि डायु, शीकु  
 विच्छिञ्जति, स्त्री अजराग, श्रीचे-  
 षा, छीद्र, जिनाश, उद  
 विच्छिन्न, वि. मूड करेडु, शरेडु,  
 अटकावेडु, अतआणुडु, सता  
 रेडु, वाडु [वारणु  
 विच्छेद्, पु. वियोग, विभाग, नि  
 विच्यु, ग १ लवतु, पडीने कटका  
 यत्न. [भुण्डु, गभरातु, भीडतु  
 विज, ग ३. लुट्टु पाडतु ग. ६, ७.  
 विज्, पु. पक्षी [भदवातु.  
 विजन्, ग. ४. उत्पन्न यतु, वधतु,  
 विजन, वि निर्जन. न. अकाल गना.  
 विजनन, न. पेदाश.  
 विजन्मन्, न. गन्म, पेदाश.  
 विजपिल, न. कादव

विजय, पु. अतः अर्जुनः; विजयुनो  
द्वारपालः; यमराजः; विमान.

विजयकुंजर, पु. लडाछनो हाथी.

विजयनगर, न. अेक शेर.

विजयन्त, पु. धं. [मच्छ; सपु.

विजया, स्त्री. दुर्गा, पार्वतीनी सप्ती;

विजयिन्, पु. विजयी, अतनार.

विजर, वि. ताबुं, नतुं.

विजि, ग. १. अततुं.

विजातीय, वि. पारधी नततुं.

विजिगीषा, स्त्री. अतवानी धंछा.

विजिगीषु, वि. विजय धंछनार;

लोषी. पु. लडवैयो; डरीक्ष.

विजित, वि. अतेतुं.

विजिति स्त्री. विजय, अत.

विजिह्व, वि. अप्रमाणिक; वांकुं.

विजृम्भण, न. विकास, भीषतुं ते;

विषयकीडा.

विजृम्भित, वि. भीषतुं; उधरेतुं;

हेभायतुं. न. कीडा, रमत; हेभाव;

विजन, न. भाषु, तीर. [परिलुभ.

विह, वि. नालेतुं; अतुर. पु. वि-

दान भाषुस. [धी काढतुं.

विहा, ग. ९. नालेतुं; शीभतुं; शो-

विज्ञात, वि. नालेतुं; प्रभ्यात.

विज्ञान, न. ज्ञान; अक्षर; धंधो; अ-

विज्ञापक, पु. शीभवनार. [तुराध.

विज्ञापन, न. अरन.

विज्ञाप्य, न. विनंति.

विजोलि, स्त्री. वीटी, पक्षि.

विट, पु. यार; धूतारो; विटपक; उ-

दर; अदीरवृक्ष; नारंगीतुं आड;

पालतुं भीकुं.

विटंक, न. पक्षी पाणवानी नगा.

विटंकित, वि. विहित.

विटप, पु. शाभा, डाणी; आडी; अं-

कर, इणुगो; अुमणो.

विटपिन्, पु. वृक्ष, आड.

विटि, -टी, स्त्री. पीणु अदन.

विटंक, वि. नीय, डलकुं.

विठर, पु. अृडरपति. [अेक औषध.

विडंग, वि. अतुर. उ. वावडींग,

विडम्ब, ग. १०. नकल करवी; डसी

विडम्ब, पु. नकल. [काढतुं; उगतुं.

विडम्बन, न. } तिरस्कार; अनुक-

विडम्बना, स्त्री. } रणु; उडु; दुःख.

विडारक, पु. भिलाडो.

विडाल, पु. भिलाडो; नेत्रांजन.

विडौन, न. पक्षीनी उडवानी गति.

विडुल, पु. अेक नतनी नेतर.

विडो(डौ)जस्, पु. धं.

वितंस, पु. पक्षीतुं पांनड; नण,

वितंड, पु. हापी. [क्षिं.

वितंडा, स्त्री. अमयो; लोथान; पो-

टी तकरार, माथाडोड.

वितथ, वि. लुडुं.

वितद्गु, स्त्री. पंजणनी अेक नदी.

वितन्, ग. ८. लंभावतुं, रेखावतुं;

आपतुं; हेभातुं; तैयार करतुं.

वितनु, वि. नालुक; मुंदर.

वितनु, पु. सारो घोडो. स्त्री. विधवा.

वितप्, ग. १. प्रकाशतुं; तपावतुं.

वितरण, न. दान. [शोधतुं.

वितरूं, ग. १०. धारतुं; विचारतुं;

वितकं, पु. तकरार, दक्षीत; उलटा

विचार; अंका.

चित्तादि, -दि, } स्त्री. वेदिका,  
 चित्तादिका, -दिका, } वेदी; वारो;  
 चित्तल, न. भीष्मपाताण. चित्तरौ.  
 चित्तला, स्त्री. अक्षम नदी.  
 चित्तस्ति, पु. आर आंगणतुं भाप.  
 चित्तान, वि. आली; दलभीर; भूर्ध;  
 पापी. उ. विस्तार; अक्षरवे; गा-  
 दी; सभा, मेलावरो; यज्ञ. न. कु-  
 चित्तानक, उ. अक्षरवे; दगवो. [रसद.  
 चित्तुन्नक, न. धाणु.  
 चित्तुष्ट, वि. असंतोषी.  
 चित्त, न. १०. आपतुं.  
 चित्त, वि. भेजवेकुं; शोधी कडेपु;  
 प्रभ्यात; तपासेकुं. न. धन, दो-  
 लत; शक्ति.  
 चिति, स्त्री. ज्ञान; शुभ्रज्ञान; लाभ;  
 चित्तास, पु. नास, लय. [ विचार.  
 चित्सन, पु. अणद.  
 चित्, न. १. भागुं.  
 चित्थर, पु. राक्षस; चोर.  
 चित्थरा, स्त्री. विधवा.  
 चिट्, न. २. लणुतुं; ध्यान आ-  
 पतुं. न. ४. ह्यात होतुं. न. ६.  
 भेजवतुं. [स्त्री. अक्षि; ज्ञान.  
 चिट्, पु. अक्षमद; विद्वान् भाणुस.  
 चिट्, पु. अक्षमद; पंडित.  
 चिट्मध, वि. अजेतुं; रधितुं; पाचक,  
 नाश करेपु; अक्षय; मुंदर. पु. पं-  
 डित; व्यसनी भाणुस.  
 चिट्मघा, स्त्री. अतुर मी.  
 चिट्मघता, स्त्री. अतुरार्थ.  
 चिट्थ, पु. योगी; विद्वान् भाणुस;  
 यज्ञ. न. ज्ञान; यज्ञ; लडाथ.

चिट्मं, पु. विदर्भ देशनो राज्ञ.  
 चिट्मंतनया, स्त्री. दमयती.  
 चिट्मर्मा, पु. भीररप्रान्त, कुडिनपुर.  
 चिट्मल, न. १. भांगुं; भेजतुं; उ-  
 धाउतुं.  
 चिट्मल, वि. अक्षुं. न. वांसनी टो-  
 पली; दडमनी छाल.  
 चिट्मा, स्त्री. अक्षि; जान.  
 चिट्मार, पु. विद्वारणु; लडाथ.  
 चिट्मारक, पु. चीरनार. न. आर-  
 वाणी नमीन.  
 चिट्मारण, पु. लडाथ; कर्णिकार वृक्ष.  
 न. भेदन, भारणु; विडम्भन.  
 चिट्मारणा, स्त्री. लडाथ.  
 चिट्माह, पु. अतिशय गरभी; ती-  
 क्षुता, अणतुं.  
 चिट्माहिन, पु. दाडजनक पदार्थ.  
 चिट्मित, वि. विभ्यात; न्तणुतुं; प्रा-  
 थित. पु. विद्वान् भाणुस. न.  
 ज्ञान; शक्ति.  
 चिट्मि, पु. हरीआछ घोटो.  
 चिट्मिर, वि. अतुर, डालु. पु. नग-  
 रवासी, विद्वान् भाणुस; चिट्मिर.  
 चिट्मिर, वि. इरतुं.  
 चिट्मिरज, न. वैदर्भमणि, नीलम.  
 चिट्मिरय, पु. अक्ष नयवशी राज्ञ.  
 चिट्मिरक, वि. भक्षरौ; आनेदी;  
 परनिदा करनार. पु. चिट्मिरक, रं-  
 चित्मि, पु. सीवणु, सांधा. [गलो.  
 चिट्मिना, पु. परदेश, देशान्तर.  
 चिट्मिनिन्, वि. परदेशी, पारका दे-  
 शतुं. पु. परदेशी भाणुस.  
 चिट्मिह, वि. गरीर वगरतुं. पु. न-



नक राज. स्त्री. ( हा ) ननक न-  
गरी, मिथिला नगरी. [ सरभुं.  
विद्य, वि. वीधेयुं; इंकेयुं; ताडित;  
विद्यन्, न. ज्ञान.  
प्रियमान, वि. छात्रतुं; श्रुतुं; अइं.  
विद्या, स्त्री. शास्त्र; अइं ज्ञान; दुर्गा.  
विद्याचण, } वि. विद्याभां प्रभ्यान.  
विद्यानंचु, }  
विद्यादातृ, पु. गुरु, शिक्षक.  
विद्याधर, पु. एक देवताई वर्ग.  
विद्याभ्यास, पु. शीअतुं ते.  
विद्यालय, पु. पाठशाळा; निशाण.  
विद्युत्, ग. १. प्रकाशतुं; रेशनी  
विद्युत्, स्त्री. वीजली; वज्र. [ करवी.  
विद्र, पु. खीरतुं ते; छीद्र.  
विद्र(द्रा)व, पु. पलायन; निदा; लु-  
द्धि; भीक.  
विद्राण, वि. वंशभांधी उठेयुं.  
विद्र, ग. १. दोडी नचुं. [ भीधेयुं.  
विद्रुत्, वि. नारी श्रुतुं; प्रवाडी;  
विद्रुम, पु. परवाणानुंआड; परवाणु.  
विद्रुस्, वि. विद्वान; डाहुं.  
विद्रुत्कल्प, वि. योतुं लजेवो.  
विद्रुज्ञान, पु. विद्वान भाषुस, पंडित.  
विद्रुत्तम, पु. अतिपंडित.  
विद्रुप्र, पु. शत्रु.  
विद्रुप, पु. शत्रुता; तिरस्कार.  
विद्रुपण, पु. शत्रु. न. शत्रुता.  
विद्रुपिन्, पु. शत्रु. [ वाचतुं; भोक्तुं.  
विध्, ग. १. पूज करवी; राज अ-  
विध्, पु. रीत जात; आकर; छा-  
थीनो भोराक; अढती; जात.  
विधवन, न. कंपारी, धुजरी.

विधव्य, न. धुजरी, गुयवाडो.  
विधवा, स्त्री. रांडेवी स्त्री.  
विधस्, पु. अज्ञा. [ कर करवो.  
विधा, ग. ३. करतुं, पेदा करतुं; आ-  
विधा, स्त्री. रीतजात; जात; छाथीनो  
भोराक; पगार; काम.  
विधातृ, पु. अज्ञा; प्रजापति; सृष्टि-  
कर्ता; कामदेव; नसीब; विश्वकर्मा;  
विधातृभू, पु. नारद, एक मुनि. [ दाइ.  
विधान, न. करणु; विधि; छाथीनो  
विधानह, पु. पंडित. [ भोराक; कायडो.  
विधि, पु. रीति; प्रकार; नसीब;  
आशा; कर्तव्य; अज्ञा, सृष्टिकर्ता;  
वैद; विष्णु; सभय.  
विधित्सा, स्त्री. धंछा, भरल; पुइ  
करवानी भरल.  
विधिचधू, स्त्री. सरस्वती.  
विधु, पु. अंश; कर्पूर; राक्षस; विष्णु,  
अज्ञा; शिव; वायु; लडार्थ.  
विधु(धू)त, वि. कपित; लज्जतीधेयुं;  
लयकर; अंयल.  
विधुति, स्त्री. धुजरी, कप.  
विधुन्तुद, पु. राहुअड.  
विधुणंजर, पु. तरवार.  
विधुर, वि. दुःभीत, कामाव; छरीप्र.  
पु. रजायवो पुरुष. न. भीक, लय.  
विधृ, ग. १०. पकडतुं; उपयोग क-  
रवो, टेको आपवो, लुहुं पकडतुं; गो-  
ठवतुं. [ धारणु करेयुं.  
विधृत, वि. पकडतुं; लुहुं करेयुं.  
विधृति, स्त्री. गोडवणु.  
विधेय, वि. विधि करवावायक; ता-  
बेदार. पु. आकर.

विध्वंस, ग. १. नाश पाभुं; वी-  
भरार्थं ननु.

विध्वंस, पु. नाश; शत्रुता; अपमान.

विनत, वि. वणेभुं; नभेभुं; वांङ्; नभ्र.

विनता, स्त्री. गरुडनी माता, कश्य-  
पनी ओक पत्नी.

विनतासुत, पु. गरुड; अरुण.

विनति, स्त्री. नभ्रता; अरुण.

विन्द, पु. शब्द.

विनय, वि. ईकेभुं; छुपुं. पु. उप-  
देश, शिक्षा; नभ्रता, प्रणाम; आ-  
लयलण्य; वेपारी. [ययभुं.

विनश्, ग. घ. नाश करेभुं; आद्य

विनशन, न. विनाश. पु. कुश्क्षेत्र  
तीर्थ; सरस्वती नदी रेतीमां छु-  
पार्थ रक्षी छे ते ठेकाभुं.

विनस, वि. नङ्कुं.

विना, अ. वगर, शिवाय.

विनायक, पु. गणपति; गरुड; विधा.

विनायिका, स्त्री. गरुडनी पत्नी.

विनास(सि)क, वि. नङ्कुं.

विनाश, पु. नाश, पडती.

विनाह, पु. इवाभुं ठांङ्गु.

विनिकार्ण, वि. वीभेरेभुं.

विनिकृ, ग. घ. ईकभुं; वीभेरभुं.

विनिक्षिप्, ग. घ. रेकाभुं; नीचे ना-

विनिद्र, वि. नभ्रतुं; भीलेभुं. [भभुं.

विनिपात, पु. पडती; अपमान,  
नाश; दुःभ. [भीनगीरी.

विनिमय, पु. अद्ये-प्रद्ये; न-

विनिमेष, पु. आंभने पयकारे.

विनियोग, पु. लुदाथ; उपयोग; ने-  
भण्यु; विधा.

विनी, ग. १. असाडभुं; शीभवभुं;  
पाणभुं; उपयोग करवो.

विनीत, वि. केणवेभुं; लघं वीधेभुं;

नभ्र; पाणेभुं; साहु; मुंहर. पु.

केणवेयो घोरो; वेपारी. -

विनीतक, न. वाहन.

विनीय, पु. भेस; पाप.

विनेत, पु. सरदार; गुरु; रान्त; शि-

• क्षा करनार. [यक.

विनेय, वि. शीभववालापक; लेवा ला-

विनोद, पु. क्रीडा; अडन; आतु-

रता; आनंद. [टीपुं.

विंदु, वि. साता; डाहुं; उदार. पु.

विंध्य, पु. विंध्यायल पर्वत; शिका-

री स्त्री. ( घ्या ) नानी अलग्नी.

विंध्यवासिनी, स्त्री. दुर्गा.

विंध्याटवी, स्त्री. विंध्यायल पासेभुं  
भोटुं नगल.

विघ्न, वि. नण्णेभुं; भूकेभुं; भेणवेभुं.

विघ्नक, पु. अगस्त्य मुनि.

विन्यस, पु. स्थापन; रथन; अना-

विप्, ग. १०. ईकभुं. [भत.

विप्, पु. स्तुतिपाठक; विद्वान भा-

लुस. स्त्री. स्तुति; आंगणी.

विपक्ष, वि. वेरी, द्वेषी. पु. शत्रु;

विपक्षता, स्त्री. शत्रुता. [हरिकं.

विपंचिका, } स्त्री. वीणा, भीन.

विपंची, }

विपद्, ग. १०. वीरभुं, भोसभुं; उ-

विपण, ग. १. वेयभुं. [भेडी नाभभुं.

विपण, पु. वेयाणु.

विपणि, -णी, स्त्री. अगार; हुकान;  
वेपार; वेपारनी वस्तु.

विपणिन्, पु. वेपारी. [ यातना.  
 विपत्ति, स्त्री. आपदा, पीडा; मृत्यु;  
 विपथ, पु. भ्रमण रस्ते.  
 विपद्, } स्त्री. आपदा, मुशीभ्रत;  
 विपदा, } मृत्यु.  
 विपन्न, वि. भुवेक्षुं; कभनशील; न-  
 ध. पु. सप. [आहुं; सामुं.  
 विपरीत, वि. प्रतिकूल, उलटुं; भोटुं;  
 विपर्य, पु. विरोध, उलटापथुं; ईर-  
 क्षर; मुकशान; अद्वैत; लूल; शनुता.  
 विपर्यस्त, वि. अद्वैतुं; उलटुं, भोटुं.  
 विपर्याप्त, पु. ईरक्षर; भूव. [भाग.  
 विपल, न. क्षय, पणनो साठभो  
 विपश्चित्, वि. विद्वान्, उल्लु. पु. वि-  
 द्वान्भाणुस. [परिणाम; कृपा.  
 विपाक, पु. रांधुं ते; पायन; पत्रता;  
 विपांडु, वि. शीकुं.  
 विपाश, } स्त्री. पल्लवनी अेक नदी.  
 विपाशा, }  
 विपिन, न. वन, जंगल.  
 विपुल, वि. विस्तर; अभाध. पु.  
 मेरुपर्वत, द्विभालयपर्वत; आभ-  
 ३६७ भाणुस.  
 विपुललाय, वि. छायावाणु.  
 विपुलरस, पु. शेरडी.  
 विपुला, स्त्री. पृथ्वी. [ पाठक.  
 विप्र, पु. आत्मणु; पडित; स्तुति-  
 विप्रकार, पु. तिरस्कार; अपकार,  
 अपमान.  
 विप्रहृत्, वि. धल करेयु; अपमानित.  
 विप्रहृति, स्त्री. धल, अपमान.  
 विप्रहृष्ट, वि. ईरतु.  
 विप्रचित्ति, पु. अेक मानव.

विप्रतिपत्ति, स्त्री. विरोध; सशय;  
 विकार, सभधी.  
 विप्रतिपन्न, वि. सदेहमुक्त; डरीक.  
 विप्रति(ती)सार, पु. पश्चात्ताप; क्रीध;  
 विप्रदुष्ट, वि. अगरेक्षु; नडाई. [दुष्ट  
 विप्रनष्ट, वि. नकारुं; शुभावेक्षुं.  
 विप्रयुक्त, वि. लुद्ध करेक्षुं; विरहित.  
 विप्रयोग, पु. विरोध; कल्लो; लु-  
 विप्रलब्ध, वि. उगेयुं. [दार्ध.  
 विप्रलब्धा, स्त्री. वयन लग धय-  
 ला आशकनी नाधिका.  
 विमलम, पु. डगार्ध, लुद्धार्ध; शृगार.  
 विमलाप, पु. वयनलंन, कल्लो.  
 विमशिका, स्त्री. अविष्य कडेनार स्त्री.  
 विप्रिय, वि. अप्रिय; मद् पु. अ-  
 पशध, भोटुं अग.  
 विमुप, स्त्री. भिदु, दीपु; शिह.  
 विम्व, पु. शुभवायो; उल्लार्ध, तु-  
 कशान, लेरल्लुवग, पाप; अदी;  
 पुरार्ध. [अपमानित, उवटुं.  
 विम्वुत, वि. शुभवाययुं; नाश पाभेयु;  
 विफल, वि. इलवगरतु, निरर्थक.  
 विफला, स्त्री. डेतकीवृक्ष.  
 विषय, ग. ९. भांधु; लभावयुं.  
 विबंध, पु. कथल्लआत, अधडोस.  
 विवाधा, स्त्री. पीडा, यातना.  
 विवृच्, ग. १. ध. जगयुं, सावध  
 ययुं; जेडुं.  
 विवृद्ध, पु. पडित, देव; यद्र [क्षक.  
 विवृधान्, पु. विद्वान् भाणुस; शि-  
 विभक्त, वि. लुद्धुं करेयु; वारेयुं;  
 भापेयुं. न. अेकतवार, भाग;  
 भीलकत, लुद्धुं.

विभक्ति, स्त्री. लुदाध; विभाग. [पुं.  
 विमज्, ग. १. भाग करवा; भान आ-  
 विमव, पु. धन; अर्थ; शक्ति.  
 विभा, ग. २. प्रकाशवुं; हेभावुं.  
 विभा, स्त्री. प्रकाश; किरण; मुंदरता.  
 विभाकर, पु. सूर्य; अंश; अग्नि.  
 विभाग, पु. भाग; अंश; लुदाध;  
 प्रकरण; गोठवायु. [टवालायक.  
 विभाज्य, वि. भाग करवालायक, वां-  
 विभांडक, पु. एक मुनि.  
 विभात, न. प्रभात.  
 विभाव, पु. परिचय; मित्र. [मणलु.  
 विभावन, न. वादविवाद, तकरार; स-  
 विभायना, स्त्री. एक अलंकार.  
 विभायरी, स्त्री. शत्रि; दुण्डर, इ-  
 ती, कुटुली; वेश्या.  
 विभावसु, पु. सूर्य; अग्नि; अद्र.  
 विभाया, स्त्री. विकल्प; भरल.  
 विभासा, स्त्री. प्रकाश. [भूटं करवुं.  
 विभिद्, ग. ७. जोडावुं; भाग करवा;  
 विभिन्न, वि. प्रकाशित; शुभवायुं;  
 जेजायवुं; लुदी लुदी तरेडतुं. पु.  
 विभीत, -क, पु. जेडेडतुं आउ. [शिव.  
 विभीषण, पु. रावणुनो नानो भाध.  
 विभीषिका, स्त्री. लय, णिक.  
 विभु, नि. भोटुं; शक्तिमान; अर्थ;  
 दद. पु. लगा; समय; आत्मा;  
 भालीक; आकर; अक्षा; शिव; वि-  
 ष्लु; भडारान्त.  
 विभू, ग. १. हेभावुं; सरभा यवुं.  
 विभूत, वि. भोटुं; हेभीनुं.  
 विभूति, स्त्री. भोटार्थ; यदती; पयो;  
 छालानी राभ.

विभूय, ग. १०. शलुभारवुं; प्रका-  
 विभूषण, न. शलुभार. [शवुं.  
 विभूषा, स्त्री. धरेलुं; शोभा; प्रकाश.  
 विभेद, पु. लुदाध; शुभवाटो; उ-  
 विभ्रंश, पु. पठती, नाश. [रीक्षा.  
 विभ्रम्, ग. १. लटकुं; वीभेरवुं;  
 शुभवावुं. [डितावण; शंका; मुंदरता.  
 विभ्रम, पु. लटकुं ते; भव; शुभवाटो;  
 विभ्रमा, स्त्री. वृद्धावस्था.  
 विभ्राज्, ग. १. अतिराय प्रकाशवुं.  
 विभ्राज्, वि. प्रकाशित. [शनु.  
 विमत, वि. विकारेलुं; गकाशील. पु.  
 विमत्त, वि. केशी; पीधेनुं; लयंकर.  
 विमति, वि. भूर्ण. स्त्री. भूर्णार्थ;  
 अप्रीति. [यलुं; नाराज.  
 विमन्स(स्क), वि. दलगीर; शुभवा-  
 विमन्यु, वि. कोधरहित.  
 विमय, पु. अदलो.  
 विमर्शन, न. विचार; वितर्क, दधील.  
 विमर्ष, पु. विचार; अधीरार्थ; अ-  
 संतोष. [न. अणरभ; इपानो डोण.  
 विमल, वि. स्वच्छ; निर्मल; संदेद.  
 विमलाद्रि, पु. गीरनार पर्वत.  
 विमांस, उ. अपवित्र भांग.  
 वियाह, स्त्री. जोरमान-सावत्री भा  
 विमान, उ. विमान, देवनी गाडी;  
 अपमान; भदेल; भाप; पाहन.  
 पु. घोडो.  
 विमानना, स्त्री. अपमान, तिरस्कार.  
 विमार्ग, पु. अराय मार्ग; भोटो  
 रस्तो; सावरणी; आडु. [परीत.  
 विमुक्त, वि. प्रतिकुल, विरुद्ध; वि-  
 विमुद्र, वि. पीधेनुं; मुद्रारहित.

विमुह, ग. ४. शुच्यवाहुं, भूर्भाधं  
करवी. [क्षान.  
विमूढ, वि. शुच्यवायहुं; भूर्भ; वि-  
विच, उ. प्रतिभिष; कभंडधु; पर-  
बिचट, पु. सयंवनो रोपो. [पोटा.  
विबु, पु. सोपारीनुं आड.  
वियत्, न. आकाश, आसमान.  
वियद्रंगा, स्त्री. स्वर्गजगा.  
वियन्मणि, पु. सूर्य.  
वियति, पु. पक्षी.  
वियम, पु. शोध; पीडा.  
वियात, वि. धृष्ट, भेशरभ.  
वियुज्, १, ७. तथ देवुं; लुहु क-  
रुं; लुहुं करुं.  
वियोग, पु. लुदाधं, गेरहाजरी.  
वियोगिन्, वि. लुहुं ययुं; गेर-  
हाजर. पु. अकवाक पक्षी.  
वियोगिनी, स्त्री. पतिथी लुही प-  
उली श्री. [राथ; अधीके.  
विरक्त, वि. अतिशय रातुं; ना-  
विरच्, ग. १०. रथयुं; गोडवयुं; भूकयुं.  
विरचन, न. } गोडवयु; निर्भाणु.  
विरचना, स्त्री. }  
विरचित, वि. गोडवेयुं; रथेयुं; नि-  
भाणु करेयुं; भूकेयुं,  
विरज्ज, वि. धृगवगरनुं. पु. विष्णु.  
विरजा, स्त्री. दलं; नडुपनी पत्नी.  
विरंच, } पु. अश्व  
विरंचि, }  
विरण, न. वाणो, अश.  
विरत, वि. निवृत्ता; अननुं.  
विरति, स्त्री. निवृत्ति; शोध; अत.  
विरम्, ग. १. अटकावयुं; छेडोसावयो.

विरम, पु. सूर्यास्त; अटकाव, विराम.  
विरल, वि. पातयुं, नाशुक; दीयुं;  
योहुं; दुर्लभ; इरनुं. न. इडी.  
विरस, वि. स्वाध्वगरनुं; धातकी. पु.  
पीडा. [दार्ध; गेरहाजरी; गरज.  
विरह, पु. लुदाधं; वडावाओनी लु-  
विरहानल, पु. लुदाधनो ताप.  
विरहिणी, स्त्री. पतिथी लुही प-  
उली श्री. [परुं; अकांतवासी.  
विरहित, वि. तथ दीधेयु; लुहु  
विराग, पु. रंगनुं अदलायुं; अश-  
विराज्, ग. १. अणकयुं. [तोप.  
विराज्, पु. सुंदरता; क्षत्रिय; रा-  
रीर. स्त्री. अक छड. [राज.  
विराट, पु. विराटदेश; ते देशनो  
विराणिन्, पु. क्षापी.  
विराध्, ग. ४. धन करवी; भोयुं.  
विराध, पु. अउयलु, अटकाव; ना-  
भुशी; अक अवनान राक्षस.  
विराघन, न. पीडा, दुःख. [विष्णु.  
विराम, पु. निवृत्ति; विरामो; अंत,  
विराल, पु. भिदाडो.  
विराय, पु. शब्द, अवाग.  
विरिंच, } पु. अश्व; विष्णु; शिव.  
विरिंचन, }  
विद्य, ग. २. शोक करवो; भूमपाडवी.  
विरुत, वि. गोकारेयुं; शोक करेयु.  
न. भूम, श्रीश; गलुगलुट.  
विरुह्, ग. १. उमयुं; यडयुं. [दिपु.  
विरुद्, वि. पेश यययु; वधेयुं; पी-  
विरूपं, वि. बेडोस; राक्षसी. न.  
बेडोवता. [भरकरीनुं नाम.  
विरूपक, वि. बेडोस; राक्षसी. पु.

विरूपाक्ष, वि. ध्रुवोऽथ आंभवाजुं.  
 विरेक, पु. लुलाभ. [पु. शिव.  
 विरेचन, वि. जेदक. न. लुलाभ.  
 विरेफ, पु. नदी, नाजुं.  
 विरोक, उ. छिद्र. पु. किरण.  
 विरोचन, पु. मूर्ध; अद्र; अग्नि, ज.  
 विरोचनो पिता. [जही; कथ्यो.  
 विरोध, पु. वेर, विरुद्धता; नाका-  
 विरोधिन्, वि. विरुद्ध; वैरी; कथ-  
 आभोर. पु. शत्रु. [१०. भोक्त्रयुं.  
 विल, ग. द. संताडयुं; लांगयुं. ग.  
 विल, न. छिद्र; युक्ता.  
 विलम्ब, ग. १०. जेवुं, शुभवाचु.  
 विलम्ब, वि. शुभवाचयु; शरभायु;  
 आश्रय पाभेयु; अद्भुत.  
 विलक्षण, वि. भीष्म, अमलकारिक.  
 विलय, ग. १. वणजयुं.  
 विलज्ज, वि. अशरभ.  
 विलप्, ग. १. भोजयुं; शोक करवो;  
 जडयुं. [अस्तपामयुं.  
 विलम्ब, ग. १. टागयुं; जोटी रडेवुं  
 विलम्ब, पु. लटकी रडेवुं ते; दीव,  
 जोटी. [न. दीव.  
 विलम्बित, वि. लटकतुं; धीयुं; म. द.  
 विलम्ब, पु. उदारता; जशीस.  
 विलय, पु. प्रलय; नाश; मृत्यु.  
 विलस, ग. १. प्रकाशयु; देव्यायुं;  
 अवाज करवो; काम करतुं.  
 विलासित, वि. प्रकाशित; देव्यायुं;  
 रमतीआण. न. अलकाट, रमत,  
 कीडा, इव, परिणाम.  
 विलाप, पु. २५४ उच्चारपूर्वक रदन.  
 विलाल, पु. अलारो.

विलास्त, पु. विषयकीडा; रमत;  
 शोभा; अणकाट.  
 विलासवती, स्त्री. छिनाण स्त्री.  
 विलासिन्, वि. रमतीआण; वि-  
 यथी. पु. विषयीपुरुष; अग्नि;  
 अद्र; सर्प; कामदेव; कृष्णु; शिव.  
 विलासिनी, स्त्री. बेस्था.  
 विलिख, ग. द. लजयुं; दोरयुं.  
 विलेप, पु. भलम; रेती युनानो  
 जारो; कक्ष्वाट.  
 विलेपन, न. भलम; उटयुं, शरी-  
 रने लगाडवानी सुगंधी चीन्.  
 विलोक, ग. १०. जेवुं; तपांस क-  
 विलोकन, न. अवलोकन. [ २५.  
 विलोचन, न. आंभ.  
 विलोडित, वि. वदोवेयुं. न. छाश.  
 विलोम, वि. विपरीत; पाछयुं. पु.  
 इतरो; सर्प; वरुण. न. रें, इवा-  
 मांथी पाणी काढवानुं अक्षर.  
 विलोमजिह्व, पु. हाथी.  
 विलोल, वि. अचल; दीयुं.  
 विलोहित, वि. रातुं. पु. अक रद्र.  
 विल, न. छिद्र.  
 विलय, पु. नारिययुं आड; अ-  
 लीतुं आड. [अग्नि; धरादो; अर्थ.  
 विवक्षा, स्त्री. भोजवानी धम्भा;  
 विवक्षित, वि. धम्बित, अर्थवाजु.  
 न. धरादो, अर्थ.  
 विषंघिपु, वि. डग, कपटी.  
 विषद्, ग. १. कथ्यो करवो.  
 विषत्सा, स्त्री. पाछडावगर्नी जाण-  
 विषय, पु. रश्मो; भोजो.

विशिष, न. भंडिर; धर, भेदेव.  
 विशिष्ट, वि. युक्त; विवक्ष्यु; श्रेष्ठ.  
 पु. विष्णु.  
 विशिष्टता, स्त्री. उत्तमता. [ उक्तं.  
 विशीर्ण, वि. श्रेष्ठ, वृद्ध; कट्टेयुं; अग  
 विशील, वि. दुराचारी, पापी  
 विशुच, ग. ४. शुद्ध करुं. [ द्युष्णी.  
 विशुद्ध, वि. दोषरहित; पवित्र, स-  
 विशुद्धि, स्त्री. पवित्रता; सरभाष्ट.  
 विशुखल, वि. मेडीवगरनुं.  
 विशेष, वि. आधारयु, पुष्कल. पु.  
 प्रकार; तीव्र, अवयव; पदार्थ-  
 विशेषक, वि. विशेषकर्ता. उ. ती-  
 लक. न. नपु श्लोक गणी एतेषु  
 एक वाक्य  
 विशेषण, वि. स्वाभाविक. न. ल-  
 त, पिछान, तकावत, करक; (जा-  
 करणभा) गुणसम्भवावाचक शब्द.  
 विशेषित, वि. वेदित, पारभेदु; श्रेष्ठ.  
 विशेष्य, वि. मुख्य, श्रेष्ठ. न. वि-  
 शेषावगो शब्द. [शोकनु आउ.  
 विशोक, वि. शोकरहित. पु. अ-  
 विशयकद्र, पु. हूतरा वेचनार; हूतरा.  
 विश्व, पु. शोभा, प्रभा.  
 विश्वण, ग. १०. अक्षीरा आपनी.  
 विश्वण(णा)न, न. दान, भेट.  
 विश्वम्, वि. विश्वास; अथरहित,  
 शांत; हठ, नमणु. [ टकतुं.  
 विश्वम्, ग. ४. विश्वासो वेगो; अ-  
 विश्वम्, पु. विश्वासो. [ डेविकलड.  
 विश्वम्, पु. विश्वास, रदस्य, वध;  
 विश्वय, पु. आश्रय. [रावागुनो आप.  
 विश्वयस्, पु. पुत्रस्त्वभुनिनो पुत्र,

विश्रान्त, वि. थकैलुं, शांत.  
 विश्रान्ति, स्त्री. विश्रामो.  
 विश्राम, पु. विश्रामो; शोध, अट-  
 काव, शातता  
 विश्राय, पु. प्रसिद्धि, अभ्याति. -  
 विश्रुत, वि. प्रख्यात, आनदी.  
 विश्रुति, स्त्री. कीर्ति.  
 विश्रुष्ट, वि. छुट्ट पाउनु; दीयुं.  
 विश्रुष्ट, पु. लुद्धाष्ट; गेरडाजरी.  
 विश्व, वि. अर्थ, दरेक. पु. व. दश  
 देवताओ. न. जगत, मुक्त. पु.  
 विष्णु, आत्मा; नगरवासी. [तरा.  
 विश्वकट्ट, वि. नीच. पु. शिकारी इ-  
 विश्वकर्मन्, पु. देवताई शिष्य-  
 शास्त्री, सूर्य, एक मुनि, ल्हावान,  
 विश्वकेतु, पु. अनिरुद्ध. [ध्वर.  
 विश्वग, पु. अक्षा.  
 विश्वगंध, पु. काद्यो, न. हिरामोण.  
 विश्वगोमृ, पु. धद्र; विष्णु.  
 विश्वजन, न. मनुष्यजत.  
 विश्वधारिणी, स्त्री. पृथ्वी.  
 विश्वनाथ, पु. शिव; जगतनो धणी.  
 विश्वप्सन, पु. देव, सूर्य, अद्र, अग्नि;  
 विश्वमेपज, न. मुक्त. [विश्वकर्मा.  
 विश्वंमर, पु. ध्वर; धद्र; विष्णु.  
 विश्वंमरा, स्त्री. पृथ्वी.  
 विश्वयु, पु. वायु, परन.  
 विश्वरान्, -ज, पु. अक्षयिं राज.  
 विश्वरेतस्, पु. अक्षा. [भुनि.  
 विश्ववेदस्, वि. सर्वज्ञ. पु. साधु,  
 विश्वस्, ग. २. लशोशा राभवो.  
 विश्वसहा, स्त्री. पृथ्वी.  
 विश्वसूत्र, पु. अक्षा.

विश्वस्त, वि. विश्वासु, भरोसेदार.  
 विश्वस्ता, स्त्री. विधवा स्त्री.  
 विश्वाची, स्त्री. ओक अप्सरा.  
 विश्वात्मन्, पु. श्रद्धा; विष्णु.  
 विश्वाधायस्, पु. देव. [ क्षी. ]  
 विश्वामित्र, पु. आधिपुत्र, ओक श्र-  
 विश्वाराज, पु. जगतने राज.  
 विश्वावसु, पु. ओक अधर्ष.  
 विश्वास, पु. भरोसा, रहस्य.  
 विश्वेश, पु. शिव; श्वर.  
 विष्, ग. ३., घेरी लेकुं; लभावकुं;  
 नकुं; भावु; जन्तवकुं.  
 विष्, स्त्री. विष्टा, नरक.  
 विष्, न. उेर; पाणी.  
 विष्कंठ, पु. शिव.  
 विष्घातिन्, पु. शिरीषकुं जाड.  
 विष्ण, वि. उेर नाश करनार. पु.  
 विष्ज्वर, पु. लेस. [ अयक वगेरे वृक्षी.  
 विष्ण्ड, न. मृगुक्ष, कमनी दांडी.  
 विष्णु, ग. १. भीडवडावकुं, नामु-  
 राड थकुं.  
 विष्णु, न. हिराकसी. पु. वाडण.  
 विष्दंतक, } पु. सर्प.  
 विष्धर, }  
 विष्म, वि. दाइणु; असीम; अड-  
 अयकुं; पीडाकारी; धलु मज्जुत,  
 अयकर; अराभ; पापी. पु. विष्णु;  
 विनित्रता, अडअयडापणु.  
 विष्मज्वर, पु. ओक जतने ताव.  
 विष्ण, पु. आभड; धर्मो, रोजगार;  
 इद्रिष; भाव; हेतु.  
 विष्पिन्, वि. विष्पाराज. पु. भ-  
 नुष्य; राज; कागदेव. न. जान;

विपल, पु. उेर. [ ज्ञानेद्रिय.  
 विपसूचक, पु. अकोरपक्षी.  
 विपह, ग. १. सडन करकुं; शक्ति-  
 मान थकुं, अटकावकुं.  
 विपह, वि. सडन थाय जेकुं; शक्त.  
 विषा, स्त्री. युद्धि; विष्टा.  
 विषाण, उ. शींगड; छाथीदांत.  
 विषाद, पु. दवगीरी, नामुराही, सु-  
 विषार, पु. सर्प [स्ताई; शोक; नेर.  
 विषाराति, पु. काणो धतुरो.  
 विषालु, वि. उेरी.  
 विषास्य, पु. सर्प. [रीते.  
 विषु, अ. सरथुं, नानासप; सरभी  
 विषुव, न. विषुवकाण.  
 विषुव, न. भेय अने तुला सकांत,  
 दिवसरात सरभा थाय छे ते  
 वणन. [मध्यरेभा.  
 विषुवरेखा, स्त्री. पृथ्वीना गोलानी  
 विषुविका, स्त्री. होलेरा, भरणी.  
 विष्णु, ग. १०. छल करेनी; जेकुं.  
 विष्कंद, ग. १. लटककुं.  
 विष्कंम(क), पु. पहेलो योग; दर-  
 वाजने आगणो; थाभलो; जाड;  
 भाव, भारोड; विस्तार; प्रति-  
 अर्थ; योगनु ओक आसन; व्या-  
 विष्कर, पु. पक्षी, कुकरो. [सरेभा.  
 विष्टप, स्त्री. आकाश; हुनिया.  
 विष्टप, उ. वाराणु, हुनिया  
 विष्टप, वि. दड; रोकेकुं. [ करकुं.  
 विष्टंम्, ग. ५, ९. रोकेकुं; मज्जुत  
 विष्टर, पु. ओकक. आसन; दलकुं  
 विष्टा, स्त्री, नरक, सु. [आगत; जाड.



विस्मि, ग. १. अलपथ्य भुं.   
 विस्मिता, वि. विस्मययुक्त; भगइर.   
 विस्मिता, स्त्री. अलपथी.   
 विस्मृ, ग. १. भूषी नुं. [ भेक्षुं.   
 विस्मृत, वि. भूषीगयक्षुं, विस्मय पा-   
 विस्मृति, स्त्री. भूषावो, विस्मरण.   
 विम्ब, न. काया भांसना नेवी गंध.   
 विम्बंस, पु. पडती; पडतुं ते.   
 विस्त्रगंध, पु. डरताण.   
 विस्त्रस्त, वि. छूटुं; नयणुं.   
 विहग, पु. पक्षी; आणु; सूर्य; अंद्र;   
 अड; वादण. [ वादण.   
 विहंग पु. पक्षी; आणु; सूर्य; अंद्र;   
 विहंगम, पु. पक्षी; सूर्य.   
 विहंगराज, पु. गरुडपक्षी.   
 विहत, वि. धन करेक्षुं; अटकावेक्षुं.   
 पु. नैनतुं देहेक्षुं. [ राण्य.   
 विहाति, पु. मित्र. स्त्री. कतल; प.   
 विहन, ग. २. अटकावतुं; भारी   
 नाभतुं; लुडु करतुं.   
 विहर, पु. वियोग.   
 विहर्ष, न. अत्यानंद.   
 विहस्, ग. २. डसतुं. [ यक्षु; पंडित.   
 विहस्त, वि. दाथवगरतुं; सुयवा-   
 विहा, ध. स्वर्ग.   
 विहा, ग. २. तणुं.   
 विहापित, वि. तणवालायक. न.   
 धान, पक्षीरस.   
 विहायस्, उ. आकाश. पु. पक्षी.   
 विहार, पु. गमन; लभतुं ते; आंध;   
 डीडा; वाडी; भंदिर; नैनतुं देहेक्षुं.   
 विहित, वि. करेक्षुं; अलवेक्षुं; नी-   
 भेक्षुं; भूकेक्षुं. न. आरा, हुकम.

विहिति, स्त्री. जोडपणु; अलपथी.   
 विहीन, वि. तणुं दीधेक्षुं; नीय.   
 विहेठ, पु. धन, नुकसान.   
 विहेठक, पु. नुकसानकर्ता.   
 विहेठन, न. धन इरवी ते; पीडा,   
 विहल, ग. १. धुणुं. [ यातना   
 विहल, वि. सुयवायतु; धुणतुं; आ-   
 तुर; आवड; आभइ.   
 वी, ग. २. नुं; पास आवतुं; ला-   
 वतुं; इंकुं, भातुं; भेणवतुं; ध-   
 रतुं; प्रकाशतुं.   
 वीक, पु. पवन; पक्षी; मंन.   
 वीकाश, पु. 'विकाश' लुओ.   
 वीक्ष, ग. १. नेतुं, विस्मरतुं.   
 वीक्ष, न. देधीती स्त्री; नवाध, अ-   
 वोक्षित, न. नगर. [ लपथी.   
 वीक्ष्य, वि. देधीतुं; नेवाय अेक्षुं. पु.   
 नायनार; धारो.   
 वीखा, स्त्री. घाडानी याल; नेडाणु,   
 समंध; गति; नाय.   
 वीचि(ची), पु. देहेर, भोले, तरंग;   
 डप, आनंद; विसाभो; किरण; कं-   
 धक, थोडो अश.   
 वीचिमालिन, पु. समुद्र. [ करवो.   
 वीज, ग. १. नुं. ग. १०. पयो   
 वीज, न. पीण, तत्व; भूण; वीध,   
 मणन; अक्षरगणित; सम्यार्थ.   
 वीजकोश, पु. रींग, इणी.   
 वीजन, न. पयो; स्त्री; वस्तु.   
 वीजफलक, पु. रीणु, नारगी.   
 वीजघपन, न. पेतर.   
 वीजसू, स्त्री. पृथी. [ नूध.   
 वीजिन, वि. पीणवाणुं. पु. आप;

वृ, ग. १, ५, ९. पसंद करतु; मा-  
 गतुं, शूणावतुं, संताडतुं; घेरी  
 लेतुं; शेकतुं, अरकावतुं.  
 वृंहित, वि. वधेतुं. न. छाथीनी भूम.  
 वृक, पु. वर; यित्तो; शियाण, का-  
 गरो; धुवड, खेर; जेक राक्षस;  
 वृकदंश, पु. कूतरो. [ डण; अंश.  
 वृकधृत्त, पु. शियाण.  
 वृकारि, पु. कूतरो.  
 वृकोदर, पु. भीम; प्रह्ला.  
 वृक, पु. कील, अतःकरण.  
 वृकण, वि. लांगेतुं; कापेतु, सीरेतुं.  
 वृक, वि. रचञ्च.  
 वृक्ष, ग. १. पसंद करतुं; ढांकतुं.  
 वृक्ष, पु. आड.  
 वृक्षक, पु. नातु आड; आड.  
 वृक्षकुफुट, पु. वंगली कुके.  
 वृक्षचर, पु. वांकर.  
 वृक्षनाथ, पु. वडतुं आड.  
 वृक्षनिर्वास, पु. सुदर.  
 वृक्षपाक, पु. वडतुं आड.  
 वृक्षमिद, स्त्री. कोडाणी.  
 वृक्षभेदिन, पु. सुतारणी इरसी.  
 वृक्षवाटिका, स्त्री. वाडी, अनीया.  
 वृक्षशायिका, स्त्री. भौसकोली.  
 वृच, ग. ७. पसंद करतुं.

वृजिन, वि. पापी; वांकु. पु. वाण;  
 पापी भावुरा. न. पाप; दुःख;  
 वृण, ग. ८. भातुं. [ रातुं आमडुं.  
 वृत्, ग. ४. पसंद करतुं. ग. १०.  
 प्रकारतुं. ग. १. ढांतुं, यतुं; अ-  
 नतुं; सुअरो अलाववे.  
 वृत्त, वि. डियात; अनेतुं, पुत्र; न-  
 यतुं, जेण; मृत; दड; प्रभ्यात.  
 पु. देडके. न. अनाव; धृतिडास;  
 अथर; आवयसण; छट.  
 वृत्तांत, पु. डेवाव; सदेशो; सवार;  
 अत; रीत, डालत; कुरसद.  
 वृत्ति, स्त्री. डेवाती, डालत; धयो;  
 आव; सुअरान; पगार.  
 वृत्र, पु. जेक हेत्य; वाडण; पर्यत; अं-  
 कार, शत्रु, आवान; पैडुं; धंर.  
 वृत्रशत्रु, } पु. धंर, देवताओनो  
 वृत्रहन्, } राण.  
 वृथा, अ. व्यर्थ, टोकर; भूभीर्धथी,  
 सुधाधथी [ वडतुं.  
 वृथ, ग १. क्यतु; आवु राणतु;  
 वृत्त, वि. वधेतुं; मूडुं; मीडुं; नि-  
 दान. पु. वृद्ध भावुरस; वाधु. न.  
 न. वेणान.  
 वृद्धा, स्त्री. भूरी स्त्री, डेरा.  
 वृद्धायस्या, स्त्री. अदायो.

वृंदा, स्त्री. तुलसी; ज्येष्ठे राक्षसी;  
 गोकुल पासेनुं वन. [मुंहर.  
 वृंदा, वि. धलु; वधारे; उत्तम;  
 वृंदावन, न. गोकुल पासेनुं वन.  
 वृद्, ग. ष. पसेद इरुं.  
 वृश, पु. इंहर. न. शुं.  
 वृशा, स्त्री. औषधी.  
 वृश्चिक, पु. वीछी; वृश्चिक राशि.  
 वृष्, ग. १. वरसुं; रेडुं; अक्षीस  
 आपवी; भीष्मवुं; पीवुं.  
 वृष्, पु. अलद; वृषभ राशि; काम-  
 देव; नेरावर माणुस; शृंगारी  
 पुरुष; शिवनो अणद; शत्रुता; स-  
 इशुषु; सन्न कर्णु; विष्णु.  
 वृष्ण, वि. मन्मृत. पु. अडकोश.  
 वृषदंश, पु. भित्ताडो. [ष्ठी माणुस.  
 वृषध्वज, पु. शिव; गणेश; सहशु-  
 वृष्ण, पु. अणद; वृषभराशि; घोडो;  
 पीडा; धंद्र; अग्नि; कर्णु; सोम.  
 वृषपर्वन्, पु. शिव; ज्येष्ठ राक्षस.  
 वृषभ, पु. अणद; न्तावर; वृषभ-  
 राशि; डोथीनो कान.  
 वृषभी, स्त्री. विधवा.  
 वृषय, पु. आश्रय.  
 वृषराजकेतन, पु. शिव.  
 वृषल, पु. शूद्र; घोडो; पापी मा-  
 णुस; लसणु; चंद्रशुभ.  
 वृषलोचन, पु. भित्ताडो. [धंद्र; अग्नि.  
 वृषाकपि, पु. सूर्य; विष्णु; शिव;  
 वृषिन्, पु. भेर.  
 वृष्ट, वि. वरसेनुं.  
 वृष्टि, स्त्री. वरसाद.  
 वृष्टिकाल, पु. सोमोनुं.

वृष्टिजीवन, पु. यातकपक्षी.  
 वृष्टिभू, पु. हेडको.  
 वृष्टिण, वि. लुस्सादार; पाभंडी.  
 पु. वादण; मंडो; किरणु; कृष्णु;  
 धंद्र; अग्नि; वायु.  
 वृहती, स्त्री. नारदनी वीष्णु; उदनी  
 संज्ञा; पीछोडी; वाष्ठी.  
 वृहस्पति, पु. देवशुभ. [ढांकवुं.  
 मे, ग. १. वणुवुं; सीववुं; गोडववुं;  
 वेकट, पु. भूर्भो; अवेरी; लुवान  
 माणुस.  
 वेग, पु. गति; शुभवाडो; अरो; लु-  
 लभ; शक्ति; थार; आनंद; वीथ.  
 वेगसर, पु. भन्धर.  
 वेकट, पु. ज्येष्ठ पर्वत.  
 वेचा, स्त्री. मुसारे, पगार.  
 वेडा, स्त्री. भडवो, डोडी.  
 वेण, ग. १. नुं; नुं; विचार  
 करवो; लेवुं; नेवुं; स्तुति करवी.  
 वेण, पु. ज्येष्ठ अन्न, अंगराजानो पुत्र.  
 वेणा, स्त्री. ज्येष्ठ नदी.  
 वेणि, -णी, स्त्री. वेष्ठी, शुंथेला वाण,  
 वाणनी लट; नालुं.  
 वेणिवेधनी, स्त्री. लु.  
 वेणिवेधिनी, स्त्री. इष्ठी.  
 वेणु, पु. वांस; अइ; वांसणी.  
 वेणुन, न. काणां भरी.  
 वेत, पु. छडी.  
 वेतं(दं)ड, पु. डापी.  
 वेतन, न. पगार, भणुरी; गुन्रा-  
 ननुं साधन: इधुं.  
 वेतस, पु. अइ; अग्नि; नाइणी.  
 वेतसी, स्त्री. नेतर, छडी.

वेताल, पु. दरवान; अतोना सरदार.  
 वेत, पु. ज्ञानी; पंडित; पति.  
 वेत्र, पु. छडी, नेतर; लाकडी.  
 वेत्रघर, पु. छडीदार. [रपाल.  
 वेत्रवती, स्त्री. अेक नदी; श्री द्वा-  
 वेमिन्, पु. छडीदार, दरपाल.  
 वेध, ग. १. भाग्यं.  
 वेद, पु. ज्ञान; पवित्र ज्ञान; आर  
 वेद;—ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद  
 आने अथर्ववेद; विष्णु; यज्ञं  
 अंग; छे. [खुनार आक्षेप.  
 वेदगर्भ, पु. अक्षा; विष्णु; वेद न-  
 वेदज्ञ, पु. वेद ज्ञानार पुरुष.  
 वेदन, न. } ज्ञान; पीडा, पातना;  
 वेदना, स्त्री. } विचाड; दोषत; नेट.  
 वेदनिन्दक, पु. नास्तिक; धीरु; नेत.  
 वेदनीय, वि. ज्ञेय, ज्ञानुवासायक.  
 वेदमातृ, स्त्री. गायत्री. [विष्णु.  
 वेदविद्, पु. वेद ज्ञानार आक्षेप;  
 वेदव्यास, पु. पुराणकर्ता मुनि.  
 वेदांग, न. वेदनां छ अंग.  
 वेदांत, पु. उपनिषद्; उत्तर भी-  
 भासा; तत्त्वज्ञान. [नार.  
 वेदांतिन्, पु. वेदांती, वेदांत ज्ञानु-  
 वेदार, पु. सरडो, मञ्जरी.  
 वेदि, पु. पंडित. स्त्री. देवभदिर  
 आगणनी आरस जेठक; यज्ञनी  
 वेदि; सरस्वती. [ठक; जेठक; मंडप.  
 वेदिका, स्त्री. वेदी; ङ्गी करेकी जे-  
 वेदिजा, स्त्री. द्रीपदी.  
 वेदित, वि. ज्ञेयं.  
 वेदोदय, पु. अर्थ.  
 वेध, वि. ज्ञानुवासायक.

वेध, पु. वेधन; जन्म; छीद्र.  
 वेधक, पु. कपूर; अेक नरक.  
 वेधन, न. विधुं ते; उंटाई.  
 वेधनी, स्त्री. छापीनो कान विधवां  
 छथिपार.  
 वेधस्, पु. अक्षा; प्रणपति, उत्पन-  
 कर्ता; अर्थ; विष्णु; महेश, शिव;  
 पंडित; शुभ; सोम; कवि.  
 वेधस, न. अक्षतीर्थ, अंशुकांतुं भूण.  
 वेधित, वि. विधेयं. [ज्ञान.  
 वेध्य, वि. विधवासायक. न. नि-  
 वेन्, 'वेण' लुओ.  
 वेन, 'वेणु' लुओ.  
 वेना, स्त्री. अेक नदी.  
 वेप, ग. १. धुणुं, कपुं.  
 वेपथ, पु. धुणुरी, कं.प.  
 वेपन, न. धुणुं ते.  
 वेम, } उ. वणुकरनी शाण.  
 वेमन, }  
 वेर, उ. शरीर; केशर; रींजणुं जाड.  
 वेरक, पु. कपूर. [वभत जणुवे.  
 वेल्, ग. १. नुं; धुणुं. ग. १०.  
 वेल्, न. वाडी.  
 वेला, स्त्री. वभत, समथ; तक; न-  
 रती; दरियाकिनारो; हद; लुरसो;  
 आलरीपथु; वाणी.  
 वेल्, ग. १. नुं; धुणुं.  
 वेल्, पु. गति; धुणुं ते.  
 वेल्ज, न. क्षणां भरी. [वेल्जु.  
 वेल्हन, न. घोडा वगेरुं वेटुं;  
 वेल्हल, पु. विपथी—वंपट भाणुग.  
 वेह्लि, स्त्री. लता, वेव.

वेवी, ग. २. न्तुं; मेणवतुं; नाभतुं,  
भातुं; छत्तुं; प्रकाशतुं.  
वेश, पु. प्रवेश; धर; पोशाक; छूपा  
वेशक, पु. धर. [पोशाक; पगार.  
वेशन, न. प्रवेश; धर.  
वेशनारी, स्त्री. वेश्या.  
वेशन्त, पु. नातुं तणाव; अग्नि.  
वेशर, पु. अन्तर.  
वेशाचास, पु. वेश्यातुं धर.  
वेशिन्, वि. वेश लेनार.  
वेशमन्, न. धर.  
वेश्य, न. रडेहाणु, धर.  
वेश्यकलिंग, पु. अकली.  
वेश्यनकुल, पु. कस्तूरीया उदर.  
वेश्या, स्त्री. वेश्यातुं धर; शुष्णिका,  
वेश्वर, पु. अन्तर. [वेश्या.  
वेप, 'वेश' लुओ.  
वेप्, ग. १. वीटतुं; वेश लेवो.  
वेष्ट, पु. वेष्टन, वीटतुं ते; घेरे;  
वाड; पाधडी; गुंहर. [साहर.  
वेष्टक, पु. वाड. न. पाधडी; गुंहर;  
वेष्टन, न. वीटतुं ते; डांडणु; पा-  
धडी; वाड; कभरबंध; पाटो.  
वेष्टित, वि. वीटतुं; घेरेतुं; रोकितुं.  
न. घेरी लेतुं ते.  
वेष्ट्य, वि. वीटवालायक.  
वेष्प, वेष्प्य, पु. पाष्णी.  
वेष्पा, 'वेश्या' लुओ.  
वेस्त, ग. १. न्तुं.  
वेस्तर, पु. अन्तर.  
वेस्त(श)वार, पु. भसावो.  
वेहर्, स्त्री. वाडणी गाय.  
वेहार, पु. भीडार प्रांत.

वेह, ग. १. न्तुं.  
वे, ग. १. मुकवतुं.  
वै, अ. पादपूरणु; संघोधन.  
वैकटिक, पु. अवेरी.  
वैकर्त, पु. पाटणी.  
वैकर्तन, पु. कर्तुरांत.  
वैकल्प, न. विकलता, अयोकरपणुं.  
वैकाल, पु. पाछवो पोडोर.  
वैकुण्ठ, पु. विष्णु; उंद; तुलसी. न.  
विष्णुतुं स्वर्ग; अन्तरण.  
वैकुण्ठ, } न. विकलता, गभराट;  
वैकुण्ठ्य, } क्षोभ; दलगीरी.  
वैखरी, स्त्री. भाषा, वाष्णी.  
वैखानस, पु. वानप्रस्थ.  
वैग्रहिक, वि. शरीरतुं.  
वैचक्षण्य, न. अतुराध.  
वैचित्य, न. दलगीरी.  
वैजनन, न. गर्भनो छवो मडिनो.  
वैजयंत, पु. उंदनो मेहेड; उंदनी  
ध्वल; ध्वल; धर; उंद.  
वैजयंतिक, पु. ध्वल उंथकनार.  
वैजयंतिका, स्त्री. ध्वल, वाचवो.  
वैजयंती, स्त्री. ध्वल; माला; लक्ष्-  
रीपदवी; ओक सण्डकोप; वि-  
ष्णुनी भासा. [ लुडी वत.  
वैजात्य, न. वत अडार; नवाध;  
वैज्ञानिक, वि. निपुण, अतुर.  
वैण, पु. वांसनी स्त्रीने अनावनार.  
वैण्य, वि. वांसतुं अनावेतुं. पु.  
वांसनी लाडडी; वांसनी स्त्रीने  
अनावनार. न. वांसनां भीज.  
वैणची, स्त्री. वंशवोयन.  
वैतंसिक, पु. भांस वेयनार.

वैतथ्य, न. लुडाध.  
 वैतनिक, पु. मलुर.  
 वैतरिण(णी), स्त्री. नरंकी ज्येक नदी.  
 वैतान, वि. पवित्र. [रीते होम.  
 वैतानिक, वि. पवित्र. न. यरनी  
 वैतालिक, पु. भाट, आरोट; लहुगर;  
 वैत्रक, वि. अरुं. वितासने आकर.  
 वैद, पु. पडित.  
 वैदग्ध, न. } अतुराध; पडिताध;  
 वैदग्धी, स्त्री. } तीक्ष्णता; रसिकता.  
 वैदर्भ, पु. विदर्भ देशने राज.  
 वैदर्भा, स्त्री. दभयंती; रुडिमणी;  
 अगस्त्यनी पत्नी. विद्वत् आक्षय.  
 वैदिक, वि. वेदोक्त; पवित्र. पु.  
 वैदुषी, स्त्री. } पडिताध, लुशिपारी.  
 वैदुष्य, न. }  
 वैदूर्य, न. वैदुर्धगणि, पानुं.  
 वैदेशिक, पु. परदेशी भाषुस.  
 वैदेह, पु. विदेहने राज; वाष्पी-  
 ज्यो; आक्षयस्त्रीने वैश्वथी उत्पन्न  
 यथो पुत्र. [लणहर, गाय; रोचना.  
 वैदेही, स्त्री. सीता; वाष्पीआष्पी,  
 वैदेहीक, पु. वेपारी.  
 वैद्य, वि. वेदने वागतुं; दवाने ल-  
 गतुं. पु. पंडित; वैद, लणीज.  
 वैद्यक, पु. वैद. न. वैदकशास्त्र.  
 वैद्य, वि. वरवेधुं; वडकुं.  
 वैद्य, पु. लुङ्.  
 वैद्यवेय, पु. विधवाने पुत्र.  
 वैद्यव्य, न. रंदापो.  
 वैधात्र, पु. गनलुभार.  
 वैधृति, स्त्री. ज्येक यान. [भाषुस.  
 वैधय, वि. भूर्भ; विधितुं. पु. भूर्भ

वैनतक, न. यरभांधी होमवानुं वा-  
 वैनतेय, पु. गरुड; अरुण. [राणु.  
 वैन्य, पु. पृथुराज.  
 वैपरीत्य, न. धीपरीतता, लसटापलुं.  
 वैभव, न. जैश्वे, मोटाध, शक्ति.  
 वैभ्र, न. वैकुं.  
 वैभ्राज, न. देवताध भाज.  
 वैमत्य, न. गगरल, धनकार.  
 वैमनस्य, न. रोगीपलुं.  
 वैमात्र, } पु. सावधी-ज्योभान  
 वैमात्रेय, } भाने पुत्र.  
 वैमात्रा, } स्त्री. सावधी भानी पुत्री.  
 वैमात्रेयी, }  
 वैमानिक, वि. विमानभां नन्मेतुं  
 वैमेय, पु. अद्वै. [पु. आकाशचारी.  
 वैयर्थ्य, न. निरर्थकता  
 वैयाकरण, वि. व्याकरणसंबंधी  
 पु. व्याकरणशास्त्री.  
 वैयाघ, वि. वापणुं; वापना आम-  
 डधी टांकेतुं.  
 वैयात्य, न. अडादुरी.  
 वैयासिक, पु. व्यासपुत्र, शुक्रदेव.  
 वैर, न. शत्रुता; विरोध; अडादुरी.  
 वैरक(का)ट, पु. शत्रु.  
 वैराग, न. ससारत्याग, संन्यास.  
 वैरागिन्, पु. संन्यासी, संसारत्यागी.  
 वैराग्य, 'वैराग' लुज्यो.  
 वैराट, वि. विराटसंबंधी. पु. वर-  
 जोप डीटा.  
 वैरापमाण, वि. विरोधी.  
 वैरि, वि. विरोधी. पु. शत्रु, धीर.  
 वैरूप्य, न. वेरोतता.  
 वैरोचन, } पु. अक्षिराज; भूर्भपु-  
 वैरोचनि, } न; अक्षिपुत्र.

वैलक्षण्य, न. अद्भुतता; उलटापणु.  
 वैल्य, वि. भिधीतुं. न. भिधीक्ष्ण.  
 वैवस्वत, पु. सातमे भनु, छालने  
 आलतो भनु; पभरान्त; अग्नि;  
 सनिग्रह. [ नदी.  
 वैवस्वती, स्त्री. दक्षिणदिशा; यमुना-  
 वैशद्य, न. स्वच्छता; शांतता; सदेहाध.  
 वैशंपायन, पु. आसनेो अेक शिष्य.  
 वैशस, न. वध; पीडा. [ लाकडी.  
 वैशाख, पु. वैशाखभास; वलोववानी  
 वैशाखी, स्त्री. वैशाख शुद्ध १५.  
 वैशाख्य, न. अतुराध.  
 वैशिक, पु. वैश्यानेो यार. न. वे-  
 श्यानेो धंधो. [ शास्त्र लक्षणार.  
 वैशेषिक, पु. कल्याण मुनिकृत दर्शन-  
 वैशेष्य, न. विशेषता, मोटाध.  
 वैश्य, पु. वैश्य जात, वाणीओ.  
 वैश्रवण, पु. कुम्भेर; रावणु. [ उतुं आड.  
 वैश्रवणालय, पु. कुम्भेरतुं स्थान, व-  
 वैश्वानर, वि. अग्निसंबंधी. पु. अग्नि;  
 पायन शक्ति; परमात्मा, ईश्वर.  
 वैश्वसिक, वि. भरोसेदार.  
 वैषम्य, न. जेर धनसाक्ष; मुसकेधी;  
 अेकांतपणुं; सभताध. [ भाणुस.  
 वैषयिक, वि. विषयी. पु. विषयी  
 वैष्ट, न. यज्ञनी राण-भस्म.  
 वैष्ट, पु. स्वर्ग; दुनिया, विष्णु; वायु.  
 वैष्णव, वि. विष्णुसंबंधी; विष्णु-  
 नी लक्षित करतार. पु. विष्णुभ-  
 क्त. न. वैकुण्ठ; यज्ञनी भस्म.  
 वैष्णवी, स्त्री. विष्णुनी लक्षित; दुर्गा.  
 वैसारिण, पु. मच्छ, भाछधी.

वैसूचन, न. नाटकभां पुरुरे लीघेलेो  
 वैहायस, वि. वायुश्री. [ स्त्रीनेो वेश.  
 वैहासिक, पुं. भांड, भरकेसे; नट.  
 घोहा, स्त्री. दासी.  
 घोड, पु. सोपारी.  
 घोडू, पु. अणगर, सर्प; अेक जा-  
 तनी भाछधी. [ मो भाग.  
 घोडी, स्त्री. दमडी, पणुनेो पांय-  
 वोढव्य, वि. भार उपाडवालायक.  
 घोडु, पु. अेक मुनि. [ अणक; सारथि.  
 घोडू, पु. मणुर; सरदार; पति;  
 वौड, पु. थड, भूरो.  
 वोड, वि. लीतुं.  
 वोडाल, पु. अेक जातनी भाछधी.  
 वोर(ल)क, पु. लेभक, लडीओ.  
 वोरट, पु. कुंडलं कुल.  
 वोहित्य, न. वडाणु [ वानुं मंत्र.  
 वोपद्र, अ. देवताओनेो हवि आप-  
 व्य, पु. दांकणु, युरणो.  
 व्यंशक, वि. नाथु.  
 व्यंशुक, पु. परेत.  
 व्यंस, न. १०. भाग करवा; ठगणुं.  
 व्यंसक, पु. धुतारो, ठगारो.  
 व्यंसन, न. ठगणुं ते.  
 व्यक्त, वि. स्पष्ट; लणुणुं; डाणु;  
 राणुगारेणुं. पु. विष्णु.  
 व्यक्तगणित, न. अकगणित. [ कार.  
 व्यक्ति, स्त्री. स्पष्टता; जाति; भरो आ-  
 व्यम, वि. गाभर, आकुल; लय-  
 भीत. पु. विष्णु.  
 व्यंग, वि. अंगडीन; लंगरो. पु.  
 हेडके; मोडाडपरना कागा काध;  
 भस्करी.

व्यंग्योक्ति, स्त्री. वश करी लेवानो  
व्यज, पु. पभोरःशुणु; परिहासवाक्य.  
व्यजन, न. पंभो.

व्यंज, ग. ७. भ्रुष्टुं करुं; शणुगारुं.

व्यंजक, वि. प्रकाशक; सूचक.

व्यंजन, न. विह्व; धूपोवेश; व्यंज-  
न, वलुं; स्त्री व्यथवा पुरुषनी  
धंद्रिय; दहाडी; अवयव; द्विवस;  
शुध अवयव.

व्यंडवक(न), पु. व्यंरंडीनुं जाड.

• व्यतिकर, वि. पासेतुं; अरसपर-  
सतुं. पु. नोडाणु; तक; रोध;  
अदलो; संकट; भेजवणु.

व्यतिक्रम, पु. उल्लंघन; पाप; संकट.

व्यतिक्रमिन्, वि. अन्यथाचारी;

व्यतियु, ग. २. मिश्र करुं.

व्यतिरेक, पु. लुदाध, तक्षवत; उ-  
त्तमत. [प्रक्षिप्त.

व्यतिरेकिन्, वि. शुद्ध. [बंध.

व्यतिपंग, पु. परस्परं मेवाप; सं-

व्यति(ती)हार, पु. विनिभय, अदलो.

व्यती, ग. २. लुद्धं पडतुं; परस्पर  
करुं; पाछल भूकतुं. [दीधेनुं.

व्यतीत, वि. गयथुं; भुवेथुं; भूडी

व्यतीपात, पु. भडोत्पात; सत्तरभो  
शेग, व्यनीपात.

व्यत्यय, } पु. उलटापणुं; व्यतिक्रम.  
व्यत्यास, }

व्यथ, ग. १. दलगीर थतुं; मुणुं; भी-

व्यथक, वि. पीडाकारी. [डुं; युडुं.

व्यथन, न. पीडा-यातना आपनीते.

व्यथनीय, वि. पीडनीय. [भराड.

व्यथा, स्त्री. दु. अ, पीडा; वाप; ग-

व्यथित, वि. पीडित; गाभइं.

व्यथ, ग. ४. विंध पाडतुं; लोडतुं.

व्यथ्य, पु. निशान, नेम.

व्यध्व, पु. भराथ ररतेो.

व्यनुनाद, पु. प्रंतिक्वनि, पडघो.

व्यंतर, पु. वृक्षादिकभां करनार पीशाथ.

व्यप्, ग. १०. डेकतुं, नाथतुं.

व्यपगम, पु. रवानगी.

व्यपदिश, ग. ६. भोलावतुं; कभूत  
करुं, अडानुं मडतुं. [ण करेथुं.

व्यपदिष्ट, वि. कडेडु; डेभाडेथुं; छ-

व्यपदेश, पु. नाम; कीर्ति; कपट; वंश;

व्यपदेष्ट, पु. डगारे [मुक्ति; प्रदर्शन.

व्यपवृत्त, ग. १. पाथुं करुं.

व्यपाय, पु. अंत; छेरो.

व्यपेक्ष, ग. १. ध्यान आपतुं.

व्यपेक्ष, वि. आतुर; भोडी थतुं.

व्यपेक्षा, स्त्री. आशा; संबंध.

व्यमिचार, पु. लुद्ध; पाप; छिनातुं,  
नरकर्म; भराथ आल.

व्यमिचारिणी, स्त्री. छिनाण श्री.

व्यमिचारिन्, वि. भोडुं; अविस्था-  
मु; नरकर्म करनार. पु. व्य-  
मिचार, नरकर्म.

व्यय, ग. १. नतुं; भरथतुं; डेकतुं.

व्यय, वि. नाशवत. पु. नाश; पडती.

व्ययित, वि. भरथेथुं; पडेथुं.

व्यर्थ, वि. निरर्थक, अर्थवगरुं.

व्यलीक, वि. भोडुं; न करवालायक.

पु. व्यसनी भाणुस. न. अपराध;  
युक्ति; लुदाध; दवगीरीनुं करणु.

व्यलीकता, स्त्री. शकता; भूर्भता.

व्ययकलन, न. विधेग.



व्यवक्रोशन, न तिरस्कार, गाण  
 व्यवच्छिन्न, वि कापेक्षु, लुदु अतर  
 व्यवच्छेद, पु कापतु ते, पृथक्त्व,  
 लुदाध, प्रकरपु अध्याय [कावपु  
 व्यवघा, ग ३ वयभा भूकपु, अट  
 व्यवघा, स्त्री पडदो, ढाकपु, छु  
 पामपु [पडदो, ढाकपु छुपामपु  
 व्यवधान, न वियोग, आच्छादन,  
 व्यवधि पु व्यवधान आच्छादन  
 व्यवसाय, पु यत्, ठराव धधो,  
 आनयलपु, उपलविका अनुधान  
 विष्णु शिव  
 व्यवसायिन, वि भडेनतु गोठवे  
 लु अन्वेतु पु वेपारी  
 व्यवसित, वि अनुष्ठित, निश्चित,  
 ठगेतु, गोठवेतु न ठराव  
 व्यवस्था, ग १ गोठवपु  
 व्यवस्था, स्त्री गोठवपु, मन्भूत  
 पायो, ढावत, वियोग  
 व्यवस्थान, न स्थान, नगा, गोठ-  
 वपु लुदाध पु विष्णु  
 व्यवस्थापक, वि विधानकर्ता व्य  
 वस्था करनार [करवे ते  
 व्यवस्थापन, न गोठवपु ते, सुकादो  
 व्यवस्थित, वि ठेकाखे भूडेतु, गो  
 ठवेतु सुकवेतु, लुदु करेतु  
 व्यवहर्तृ, पु इरीयाही, कामनी व्य  
 वस्था करनार  
 व्यवहार, पु आवयनख, कामकाज,  
 वयो, राजगार समध  
 व्यवहारक, पु वेपारी  
 व्यवहारपाद, पु वाद, प्रतिना, त  
 पास अने सुकादो अेभानु अेक

व्यवहारमातृका, स्त्री सुकदो, क  
 लुओ  
 व्यवहारविषय, पु न्यायधी सुकादो  
 थवालायक विषय [भेशतु  
 व्यवहारिक, वि न्यायसभधी, छ  
 व्यवहारिका, स्त्री रीतभात, आडु,  
 धगुदीतु आड [यसभधी  
 व्यवहारिन, वि व्यनहारकर्ता, न्या  
 व्यव्याय, न तेज, प्रकाश पु स्त्रीसग,  
 मैथुन, शुद्धि वियोग  
 व्यव्यायिन, वि विषयी पु वि  
 ययी भाणुस [ढधु वाणतु  
 व्यस, ग ४ वीभेरतु लुदु करतु,  
 व्यसन, न विपत्ति, नुशानी लु-  
 दाध पाप, शिक्षा, वायु, निरर्थक  
 यत् दुराचार [अरेव  
 व्यसनिन, वि अभागियु, व्यसनी,  
 व्यस्त, वि देडेतु व्याकुव निपरीत,  
 लुदु करेले साइ, नत नततु,  
 प्रत्येक  
 व्यसु, वि सुवेतु [अेक अग  
 व्याकरण, न भाषाशास्त्र, वेदतु  
 व्याकार, पु गेडोनता, व्याख्या, इ  
 पातर [तायतु  
 व्याकुल, वि गाभइ, भयभीत, शु-  
 व्याकृति, स्त्री कपट कगार्थ [पाडतु  
 व्याहृ, ग ८ स्पष्ट करतु, लुदु  
 व्याहृति, स्त्री इपातर, वारणु, भू  
 लतत्वशोधन  
 व्याक्रोश(व), वि भीरेतु अदशायतु  
 व्यासोम, पु गभराट [वतु, कडेतु  
 व्याख्या, ग २ समन्वयतु गोवा  
 व्याख्या, स्त्री समन्वयी टीका  
 व्याख्यात, वि समन्वयेतु भूडेतु

व्याख्यान, न. भाषण; वार्त्तन.  
 व्याख्येय, वि. टीका करवावायक.  
 व्याघटन, न. धसाणे, धर्षण.  
 व्याघात, पु. प्रहार; टक्कर; अेक  
 योग; अलंकारविशेष; हरकत.  
 व्याघातिन्, वि. प्रतिबंधक.  
 व्याघ्र, पु. वाघ; अेरंडीनुं जाड.  
 व्याघ्रदल, -पुच्छ, पु. रक अेरंडीनुं  
 व्याघ्रनायक, पु. शिखल. [ जाड.  
 व्याघ्रपाद, वि. वाघनेवा पत्रवाणुं.  
 व्याघ्राट, पु. भरदान पक्षी.  
 व्याघ्रास्य, पु. भिलाडे.  
 व्याघ्री, स्त्री. वाधण. [दातुं; निमित्त.  
 व्याज, पु. ङगाध; कपट; युक्ति; अ-  
 व्याजनिदा, स्त्री. कपट, निदा.  
 व्याजस्तुति, स्त्री. अेक अलंकार,  
 निदा गमितस्तुति. [ भक्षक पशु.  
 व्याड, पु. लुब्धो; सर्प; ईद्रि; मांस-  
 व्याडि, पु. अेक प्रख्यात व्याडरणु-  
 शास्त्री. [ मोडुं.  
 व्याच, वि. श्लेषेयुं. न. उधाडेयुं  
 दा, ग. रे. उधाडेयुं; मोडुं करयुं.  
 दा, न. उधाडेयुं ते.  
 व्यादिश, ग. द. आशा करनी; वे-  
 हेंययुं; देभाडेयुं; शीषवयुं.  
 व्यदिश, पु. विष्णु. [ पापी भाणुस.  
 व्याध, पु. शिकारी; नीय अथवा  
 व्याधाम, } पु. धरुं वज. [ धरोग.  
 व्याधाव, }  
 व्याधि, पु. रोग; पीडा; कोडोड, क-  
 व्याधित, वि. रोगी. [ लवार.  
 व्याघुत, वि. कंषित; वायुवेगे अ-

व्यान, पु. पांथ वायुमानो अेक  
 वायु. [ सन.  
 व्यानत, न. विषयलोगतुं अेक आ-  
 व्यापक, वि. व्यापी रडेयुं; श्लेषयुं.  
 व्यापद्, ग. ध. भरयुं; नीये पीडयुं.  
 व्यापद्, स्त्री. मृत्यु; आपदा; रोग.  
 व्यापन, न. आच्छादन. [ अदलेयुं.  
 व्यापन्न, वि. मृत; नाश पाभेयुं;  
 व्यापाद, पु. } वध, कतल, नाश; अ-  
 व्यापादन, न. } दनिष्ठ.  
 व्यापादित, वि. भारेयुं; वध करेयुं.  
 व्यापार, पु. धंधो, रोजगार; काम;  
 आडंभर.  
 व्यापारित, वि. रोकययुं; मूकेयुं.  
 व्यापारिन्, पु. वेपारी; व्यवसायी.  
 व्यापिन्, वि. आच्छादक. पु. विष्णु.  
 व्यापृत, वि. रोकययुं; स्थापित. पु.  
 प्रधान. [ पार  
 व्यापृति, स्त्री. धंधो; रोकययुं; व्या-  
 व्याप्त, वि. व्यापेयुं; श्लेषयुं; मूकेयुं;  
 प्रख्यात; संपूर्ण. [ भेजवयुं ते.  
 व्याप्ति, स्त्री. आच्छादन; व्यापन;  
 व्याप्य, वि. श्लेषावासायक. न. साधन.  
 व्याम, पु. } वाम, छातीसहित जे  
 व्यामन्, न. } दाथनी लंघार्ध.  
 व्यामर्ष, पु. अधीरार्ध.  
 व्यामिन्न, वि. गुन्वामयुं.  
 व्यामुग्ध, वि. दुःभित.  
 व्यामृष्ट, वि. धोययुं.  
 व्यामोह, पु. पीडा; व्याधी; अम.  
 व्यायत, वि. लांथु; श्लेषयुं; दड;  
 मज्ज्युत; मोरावर; उडु; उद्योगी.  
 व्यायम्, ग. १. लम्पययुं; कोशेश  
 करपी; रमयुं.

व्यायाम, पु. लभावयुं; कसरत; भ-  
 देनत; यत्न; धर्म; वाम; पीरुथ.  
 व्यायामिक, वि. कसरतभाण.  
 व्यायोग, पु. नाटकनां दश इपको-  
 भाहेतुं अेक.  
 व्याल, वि. पापी, दुष्ट; अराध;  
 धातकी. पु. दुष्ट हाथी, शिकारी  
 जनावर; सर्प, वाध; चित्तो; राज;  
 उग, विष्णु.  
 व्यालक, पु. दुष्ट हाथी.  
 व्यालग्राह, पु. सर्प पकडनार. [वाध.  
 व्यालमृग, पु. जंगली प्राणी; चित्तो  
 व्यालंब, पु. राता अेरडीआतु जाड.  
 व्यालीन, वि. गीय.  
 व्यावकलन, न. भाषणाधी.  
 व्यावर्त, पु. घेरो; उथल-पाथल.  
 व्यावर्तन, न. धडी, पड; घेरो, उ-  
 थल-पाथल.  
 व्यावहारिक, वि. उभेशतु; व्यव-  
 हारतुं; न्यायतु. पु. प्रधान. न.  
 उपयोग.  
 व्यावहासी, स्त्री. परस्पर हसतुं ते.  
 व्यास, पु. विस्तार; पोहोआर्ध, घे-  
 रावो; गोठवणु; गोठवनार; सत्य-  
 वतीपुत्र, वेदआस; पुराणु वांय-  
 नार आहणु. [वायतु.  
 व्यासक्त, वि. संयुक्त; णुहु; शुच्य-  
 व्यासिद्ध, वि. निषिद्ध, भना करेयु.  
 व्याहत, वि. गलरायतुं, नामुराद.  
 व्याहति, स्त्री. रोध; विम.  
 व्याहरण, न. उच्यार; वाक्य.  
 व्याहार, पु. वाक्य; युक्ति, उच्यार;  
 व्याहत, वि. कहेयुं. [भस्करी.

व्याहति, स्त्री. उच्यार; वाक्य, दलील.  
 व्युत्क्रम, पु. शुच्यवाटो; उलटो क्रम.  
 व्युत्थान, न. स्वतंत्र काम; प्रति-  
 रोधन; अेक जततुं नृत्य. [ज्ञान.  
 व्युत्पत्ति, स्त्री. मूल; . मूलशब्द;  
 व्युत्पन्न, वि. पेदा थयतुं; पुर करेयुं.  
 व्यु(व्यू)त, वि. सीवेयुं.  
 व्युत्त, वि. क्षीनेयुं. [जतुं.  
 व्युदस, ग. ४. ईकतुं; वीजेरतुं; त-  
 व्युदास, पु. नापसंठ करतुं ते,  
 नाश; निराश; परित्याग.  
 व्युपदेश, पु. अहातुं.  
 व्युष्ट, वि. अणेयुं, प्रभात थयतुं;  
 वसेयुं. न. प्रभात; द्विचस; इव,  
 परिणाम. [इल.  
 व्युष्टि, स्त्री. प्रभात; चढती; स्तुति;  
 व्युद्ध, वि. दढ; सडत, विस्तीर्णुं;  
 व्युद्धि, स्त्री. रचना. [मोर्तुं; परणेयुं.  
 व्यूत, वि. वणुयु, सीरेयुं.  
 व्यूति, स्त्री. सीवणु, वणुाट.  
 व्यूह, ग. १. सैन्य गोठवतुं; गोठ-  
 वतुं; लुहुं पाडतुं; अडवतुं.  
 व्यूह, पु. सैन्यनी रचना; सैन्य;  
 भाग; शरीर; तर्क, नियोग; समूह.  
 व्यूहन, न. सैन्यनी रचना; शरीर-  
 ना व्यवयवोनी रचना.  
 व्ये, ग. १. दांकतुं; सीवतुं.  
 व्योकार, पु. लुडार.  
 व्योमन्, न. आकाश; पाणी; अण-  
 रण; मूर्धनी पूज करवानुं भद्रि.  
 व्योमकेश, -केशिन्, पु. शिव.  
 व्योमचारिन्, पु. देव; पक्षी; साधु;  
 अज्ञा; चिदंशुवी.

व्योमधूम, पु. वादण.  
 व्योममज्जर, पु. ध्वज, वायटो.  
 व्योममंडल, पु. ध्वज; आकाश.  
 व्योमयान, न. विमान.  
 व्योमसद्, पु. देव; गधर्व.  
 व्योप, न. त्रिकुंड ( भरी, पीपर  
 अने शुंके. ) [ ३२३; मेणयुं.  
 व्रज, ग. १. व्रजुं; पडोव्युं; पाडुं  
 व्रज, पु. लीड; गोवाणोने रडेवायु  
 स्थान; गायतो वाटो; रस्तो; वाद-  
 ण; मथुरा नशुकुं परगळुं. [ ३३.  
 व्रजकिशोर, -नाथ, -घडम, पु. श्रीकृ-  
 ष्ण, ग. १. अवाज करवो. ग. १०.  
 व्रजम करवो.  
 व्रण, उ. व्रजम; नासुर.  
 व्रणित, वि. व्रजमी.  
 व्रत, उ. शास्त्रोक्त नियम प्रमाणे कर्म,  
 नेम, नियम; कायदे; यज्ञ; युक्ति.  
 व्रतति, -ती, स्त्री. वता; विस्तार.  
 व्रच्च, ग. ६. व्रजमी करवुं, कापयु.  
 व्रच्चन, न. नागी करवत.  
 व्राज, पु. गति; लीड.  
 , स्त्री. तोडानी पवन.  
 , पु. लीड, टोळुं; शारीरिक म-  
 हिनत; दिवसनी महिनत. [ ६०कुं.  
 व्री, ग. ९. पसंड करवुं. ग. ४. व्रजुं;  
 व्रीद, ग. ४. शरभावयुं; नाभयुं.  
 व्रीड, पु. } शरम; नम्रता.  
 व्रीडा, स्त्री. }  
 व्रीडन, न. शरम; नम्रता.  
 व्रीस, ग. १, १०. धंज करवी.  
 व्रीहि, पु. रोणा; रोणानो फाणो.  
 वृद्ध, ग. ६. उगवो करवो; दांडकुं.

व्रीहेय, न. रोणातुं भेतर.  
 वृक्ष, ग. १०. जेवुं.

श.

श, त्रीशमे व्यंगन. [ सुभ.  
 श, पु. शिव; उचिपार; कापनार. न.  
 शम्, अ. सुभ, भाग्योदय.  
 शंयु, वि. सुभी.  
 शंघ, पु. धंघुं वज.  
 शंघर, पु. पाणी. [ ३२५.  
 शंस, ग. १. वभाणुं; कडेकुं; धंज  
 शंस, पु. वभाणु; संकट; शाप.  
 शंसन, न. कथन; स्तुति. [ ३२६.  
 शंसा, स्त्री. वाक्य; स्तुति, वभाणु;  
 संस्तु, पु. स्तुतिपाठक, भाट.  
 शंस, वि. भुरा. [ यक; द्विसक.  
 शंस, वि. कथनीय; वभाणुवासा-  
 शक, ग. ५. शक्तिमान धयुं, सद्धन  
 करवुं; जेरावर ययुं.  
 शक, पु. शालिवाहन राज; संनत,  
 सन; श्येच्छ जति.  
 शकट, उ. गाडी. पु. व्यहरेयना;  
 अक शकस, जे दलर पलतुं वगन.  
 शकटिका, स्त्री. नागी गाडी.  
 शकल, पु. अंड, भाग. न. वटकुं;  
 भाळवीनो डांटो.  
 शकलिन, पु. भाळवी.  
 शकान्तक, पु. विहंभरान्त.  
 शकार, पु. राजनी शभेकीनो भाग.  
 शकारि, पु. विहंभरान्त  
 शकुन, न. शुभाशुभसूचक चिह्न,  
 शकन. पु. पक्षी, गीधपक्षी; चिह्न,  
 सभगी, उल्गाड वभतनां गीत.

शकुनि, पु. पक्षी; गीध; समडी;  
कुंडो; कीरवोना भाभो; अेक श-  
क्षस; आठभुं करणु.

शकुनी, स्त्री. यकली.

शकुन्त, पु. पक्षी; निलकंठपक्षी; कीडो.

शकुन्तक, पु. पक्षी.

शकुन्तला, स्त्री. मेनका अप्सराने  
विश्वामित्रथी उत्पन्न थयली कन्या,  
दुष्यतनी राणी.

शकुन्ति, पु. पक्षी. [नरक.

शकृत्, न. जनावरनुं छाणु, विद्या,

शकर(रि), पु. जणद. [गणी.

शकरी, स्त्री. नदी; कभरबंध; आं-

शक्त, वि. शक्तिवान; भजणुत; पै-

साधार; यतुर. [तरवार; देवी.

शक्ति, स्त्री. जेर; सत्ता; प्रकृति;

शक्तिग्रह, पु. शब्दशक्तिज्ञान, शिव;

कार्तिकस्वामी; भावो लईयावनार.

शक्तिधर, वि. जेरावर. पु. भावो

लईयावनार; कार्तिकस्वामी.

शक्तिपाणि, } पु. भावो भारनार;

शक्तिभृत्, } कार्तिकस्वामी.

शक्तिपूर्व, पु. पराशर मुनि.

शक्तिमत, वि. जेरावर, जलवान.

शक्तिहीन, वि. नथणु.

शकु, पु. साधवो, धई अणु; वजे-

रेनो सेकेलो लोट. [नार.

शक्त(कु), वि. प्रियवद, भीहुं जेव-

शक्य, वि. शक्तिमान.

शक्त, पु. ईंद्र; अर्जुनपुत्र; ईंद्र-

जवनुं आड; पुवड; ज्येष्ठा नक्षत्र;

शिव; चौदगी सत्ता.

शक्रज, } पु. कागडो.

शक्रजात, }

शक्रजित्, पु. धंद्रजित्, रावलुने

शक्रमवन, न. स्वर्ग. [पुत्र.

शक्राणी, स्त्री. धंद्राणी. [दाथी.

शक्ति, पु. वाढण; वज्र; पर्वत;

शक्त, वि. भीहुं जेवनावर.

शक्त, पु. दाथी.

शकन्, वि. जेरावर. पु. दाथी.

शकर, पु. जणद. [जध; गाय.

शकरी, स्त्री. आंगणी; वीटी; कभर-

शंक, ग. १. शंका करणी; भीडनुं;

अदेशो आणुवो; विचारनुं.

शंक, पु. भार उपाडनार जणद.

शंकीय, वि. शकलरेनुं. [थार्य.

शंकर, वि. शुभ. पु. शिव; शंकरा-

शंकरी, स्त्री. पार्वती; मलक; श-

भीनुं आड.

शंका, स्त्री. शक; लय; तर्क; आशा.

शंकित, वि. शकलरेनुं; अविश्वासु;

अथोक्तस; लयशीत; नथणुं.

शंकु, पु. भीलो; थंभलो; आडनुं

यड, छायाडपरथी वज्रत न-

णुवानुं साधन, दश जेवर अण-

जनी सभ्या; मज; भार आंग-

णतु भाप; पुश्यनी धंद्रिय; अेक

जतनी भाछवी, राक्षस; जेर;

पाप; शिव; कामदेव, पाणी न-

जदीक रहेनार जनावर; पडाना

आकारनो नकर पदार्थ

शंकुकर्ण, पु. गधेरो.

शंकुतर, पु. सावनुं आड.

शंकुर, वि. लयंकर.

શકુલા, સ્ત્રી. કાતર; સુડી.  
 શંષ, ડ. શંષ, કેટલાક જળ-જલુ-  
 નો દેહ; ચૌદ રત્નોમાંનું રત્ન. પુ.  
 કપાળનું હાડકું; કુબેરનો ભડાર;  
 નખલો; એક દૈત્ય; સ્મૃતિકર્તા મુનિ.  
 શંશજ, પુ. કબૂતરના ઇંડાના અ-  
 કારનું મોઢું મોતી.  
 શંશમ, પુ. શમ વગાડનાર.  
 શંશનક, પુ. નાનો શમ.  
 શંશમૃત, પુ. વિષ્ણુ. [ વગાડનાર.  
 શંશિન્, પુ. સમુદ્ર; વિષ્ણુ, શમ  
 શંશિની, સ્ત્રી. ચાર પ્રકારની સ્ત્રી-  
 ઝોમાની એક ભત  
 શંચ, ગ. ૧. બોવવું.  
 શંચિ, સ્ત્રી. ઇંદ્રની પત્ની.  
 શંચિપતિ, પુ. ઇંદ્ર. [ જાઇ, શક્રિ.  
 શંચી, સ્ત્રી. છટાદાર વાણી; ચચ-  
 શંચ, ગ. ૧. જવું. [ કરવા; જવું.  
 શંદ, ગ. ૧. આભરી હોવું; ભાગ  
 શંદ, વિ. ખાડું.  
 શંદા, સ્ત્રી. જટા. [ ચલી.  
 શંદી, સ્ત્રી. આંબાહળદ, કપૂરકા-  
 શંદક, ન. ધી અને પાણી સાથે  
 મેળવેલો ચોખાનો લોટ.  
 શંદ, ગ. ૧. ઠગવું, ઈજ કરવી;  
 દુઃખ ખમવું. ગ. ૧૦. પુરૂં કરવું,  
 અધુરૂં છોડવું; જવું; આજસાઈ  
 કરવી; ઠગવું, નિંદા કરવી  
 શંદ, વિ. ઠગારો; પાપી. પુ. ઠગ;  
 મૂર્ખ માણસ; લવાઈ; ધવરાવું  
 ઝાડ. ન. દેશર, લોટું.  
 શંદતા, સ્ત્રી. ગઠવૃત્તિ, લકગાર.  
 શંદ, ગ. ૧. આપવું.

શણ, ન. સણ. [ બેટ.  
 શણિર, ન. શોણનદીની વચ્ચેનો  
 શંદ, પુ. હીજડો.  
 શંદ, ગ. ૧. ધાયલ કરવું, ઢગવો કરવો.  
 શંદ, પુ. હીજડો, નામરદ; બળદ.  
 ન. ઢગલો. [ માણસ.  
 શંદ, પુ. હીજડો, બળદ; ગાડો  
 શંદ, ન. સો. [ કનો સમ્રદ.  
 શંદક, વિ. સો. ન. સદી; સો પ્યો-  
 શંદકુંમ, પુ. એક પરિત. ન. સોવું.  
 શંદકોટિ, પુ. વજ. સ્ત્રી. મો કરોડ,  
 શંદકતુ, પુ. ઇંદ્ર. [ એક અમળ.  
 શંદકાંડ, ન. સોવું, સુવર્ણ.  
 શંદમ્પ્રી, સ્ત્રી. એક હથિયાર, વી-  
 છીની માદા; કકરોગ.  
 શંદતમ, વિ. સોમું  
 શંદદુ, સ્ત્રી. સતલજ નદી.  
 શંદધા, અ. સો રીતે; સોગણું.  
 સ્ત્રી. દુર્વાધાસ.  
 શંદધામન્, પુ. વિષ્ણુ.  
 શંદધૃતિ, પુ. પ્રદા; ઇંદ્ર; સર્ગ.  
 શંદપત્ર, ન. કમલ. પુ. મોર; સા-  
 રસ, પોપટ.  
 શંદપત્રા, સ્ત્રી. સ્ત્રી, ખાપડી  
 શંદપદી, પાદ, સ્ત્રી. કાનખજૂરો.  
 શંદપદ્મ, ન. સંકેદ કમલ  
 શંદપર્વન્, પુ. વાગ, પાંચ  
 શંદપર્ધા, સ્ત્રી. શરદ પૂનમ, દુર્વા,  
 વજ; શુકની પત્ની.  
 શંદપાદ, પુ. } કાનખજૂરો.  
 શંદપાદિકા, સ્ત્રી. }  
 શંદપુણ્ય, પુ. ભારતિ કવિ.  
 શંદભિષા, સ્ત્રી. સનનારજ નશત.

शतमख, } पु. ईंद्र; ध्रुवड.  
 शतमन्यु, }  
 शतवर्ष, वि. सो वर्षनुं. न. सदी.  
 शतसहस्र, न. अेक लाख.  
 शतह्रदा, स्त्री. वीजणी; ईंद्रनुं वज.  
 शताक्षी, स्त्री. रात्रि.  
 शतांग, पु. गाडी.  
 शतानक, न. रमशान.  
 शतानंद, पु. प्रभा; विष्णु; कृष्णु;  
 विष्णुनो रथ; गौतमनो पुत्र.  
 शतानीक, पु. वृद्ध पुरुष; अेक  
 राज, जनमेजयनो पुत्र.  
 शतायुस्, वि. सो वर्षनुं.  
 शतारुस्, न. कुष्टरोग, कोडोड.  
 शतावर्त, } पु. विष्णु, नारायणु.  
 शतावर्तिन्, }  
 शतिक, वि. सोअं; सोसंघधी.  
 शतेर, पु. शत्रु; ईज.  
 शतेश, पु. सो गामनो राज.  
 शत्रि, पु. डाथी.  
 शत्रु, पु. दुश्मन; अतनार.  
 शत्रुघ्न, पु. रामनो नानो लार्थ.  
 शत्रुंजय, पु. डाथी; सेत्रुलोपर्वत.  
 शत्वरी, स्त्री. रात्रि, निशा.  
 शब्, ग. १. पडुं; जनुं.  
 शब्, पु. भावालायक लाअपावो.  
 शब्द्रि, पु. डाथी, वादण; अर्जुन.  
 शब्द्रु, वि. जनार, गमनशील.  
 शनकैस्, अ. धीमेथी.  
 शनि, पु. शनिअड; शनिवार, शिव.  
 शनिज, न. कानां मरी.  
 शनिधर, पु. शनिअड. [भासथी.  
 शनैस्, अ. कभवार; धीमेथी, नर-

शंतनु, पु. इस्तिनापुरनो राज,  
 भीष्मनो पिता. • [आपवो.  
 शप्, ग. ४. सोगन भावा; ढपके  
 शप, पु. सोगन, सभ; आप, शाप.  
 शपथ, पु. प्रतिज्ञा, सभ; आप.  
 शपन, न. प्रतिज्ञा, आप; गाग.  
 शफ, उ. भगी; आडनुं भूण.  
 शफर, पु. अेक जतनी प्रकाशित  
 भाछडी. [पाणी.  
 शव(च)र, पु. पर्वतवासी जत; शिव;  
 शब्, ग. १०. जेतनुं.  
 शब्द, पु. अवाज, वचन; अर्थवा-  
 जो वज्रोअार; नाम; जेताण;  
 आकरणु, वाननो अवाज.  
 शब्दकोश, पु. शब्दनो सअड-समुड.  
 शब्दन, वि. शब्दकर्ता. न. शब्द.  
 शब्दग्रहान्, न. आर वेद. [अवाज.  
 शब्दभेदिन्, पु. अर्जुन; गांड;  
 अेक जतनुं थाणु.  
 शब्दयोनि, स्त्री. भूणधातु.  
 शब्दविद्या, स्त्री. आकरणु.  
 शब्दवेधिन्, पु. शब्द जपर थाणु  
 ईकनार, दशरथराज; अर्जुन.  
 शब्दसंग्रह, पु. शब्दकोश.  
 शब्दाधिष्ठान, न. डान. [अेनो.  
 शब्दार्थ, पु. शब्दनो अर्थ, भा-  
 शब्दालकार, पु. शब्दरथनानो  
 यभकार. [नाश करवो.  
 शम्, ग. ४. शात थनुं; अटकुं;  
 शम, पु. शांति; आगम; डाथ, ग-  
 लाड, जपर, अद्रियनिअड.  
 शमता, स्त्री. गानि.

शमथ, पु. शांति; सवाहंकार, भंजी.  
 शमन, न. यज्ञभाटे पशुनी छानी;  
 शांति; धन; छेडा. पु. यमराज;  
 अेक जततुं हरिषु.  
 शमनी, स्त्री. शनि.  
 शमल, न. पाप; विद्या; संकट.  
 शमित, वि. शांत; नाश करेकुं; भा-  
 शामिन, वि. शांत; धीर. [ रेकुं.  
 शमी, स्त्री. दशेराये पूजतुं अेक  
 पृक्ष. [पिनो भाप.  
 शमीक, पु. अेक मुनि, शृंगीर-  
 शमीगर्भ, पु. ब्राह्मण; अग्नि.  
 शमीधान्य, न. अडद वगेरे अनाज.  
 शमी(मि)र, पु. शमीतुं नातुं जाड.  
 शंपा, स्त्री. विजणी. [करतुं.  
 शंब, ग. १. वतुं. ग. १. अेककुं  
 शंय, वि. सुभी; गरीब. पु. धंदुं  
 वज; भीष्मवपत भेतर भेडतुं ते.  
 शंवर, वि. उत्तम. पु. अेक दैत्य;  
 पर्वत; अेक जततुं, हरिषु; जैन;  
 लडाधं. न. पाणी; वादन; दोषत;  
 चित्र; जैनतुं मत.  
 शंवरारि, पु. प्रधुम, श्रीकृष्णपुत्र.  
 शंबल, उ. किनारे, कांठा; अहेभाधं;  
 भुसादरीतुं भातुं.  
 शंबली, स्त्री. कुट्टणी, इती.  
 शंबु, शंबुक, पु. वे ढांकलुवाणी  
 छीप; अेक दैत्य.  
 शंबुक, पु. वे ढांकलुवाणी छीप;  
 शूद्र; गोकुलगाय; नानी शंभली.  
 शंभ, पु. सुभी भाणुस; धंदुं वज.  
 शंभली, स्त्री. कुट्टणी, इती.  
 शंभु, पु. शिव; प्रजा; विष्णु;

सिद्ध, साधु. [भूरो; यस्तुं वासलु-  
 शम्या, स्त्री. वाकडानो थालतो;  
 शय, वि. सुतेकुं. पु. डाय; भीछतुं;  
 सर्प; उध; श्राप; भूरो.  
 शयंड, वि. उधलुशी.  
 शयध, वि. उधलुशी. पु. मृतुं;  
 अजगर सर्प; मन्थ; रीछ.  
 शयन, न. उधतुं ते; भीछतुं; मेधुन.  
 शयनीय, न. भीछतुं.  
 शयानक, पु. अजगर साप.  
 शयालु, वि. उधलुशी. पु. अज-  
 गर; इतरै; शिवाण.  
 शयित, वि. सुतेकुं. न. उध.  
 शयु, } पु. अजगर साप.  
 शयुन, }  
 शय्या, स्त्री. भीछतुं; उधतुं ते.  
 शर, पु. आणु; मलधं; नज्म; स-  
 ईद अर; पांचनी सत्ता. न. पाणी.  
 शरज, न. तालुं भाणलु.  
 शरजन्मन, पु. कार्तिकस्वामी.  
 शरट, पु. सररो, काक्रीटो.  
 शरण, न. रक्षलु; आशरो; धर;  
 वध; लुपावानी नग्था.  
 शरणागत, वि. सरले आवनार.  
 शरणार्थिन, वि. शरणु भाजनार.  
 शरणी(णी), स्त्री. रस्तो; पृथ्वी;  
 वीटी. [ पवन.  
 शरण्यु, पु. रक्षणु करनार; वादन;  
 शरंड, पु. पक्षी; लुभ्या; व्यभिचारी;  
 अेक जततुं धरेकुं; सररो, काक्रीटो.  
 शरद, } स्त्री. शरदजतु; वररा.  
 शरदा, }



शरभ, पु. ङाथीतुं अशुभं; आङ्क प-  
गवाणु ननावर; ङं; पतंगीङ्.  
शरभू, पु. क्षतिकरवाभी.  
शरभल, पु. धनुष्यधारी.  
शर(यु)यू, स्त्री. ऐक नदी.  
शरलक, न. पाथी.  
शरव्य, न. निशान, नेम.  
शरादि, -रि, पु. ऐक नततुं पक्षी.  
शराह, वि. हिसक. [ वजन.  
शराव, उ. माटीतुं वासणु; शेरतुं  
शरासन, } न. धनुष्य, कमान.  
शरास्य, }  
शरीर, न. देह, काया; शारीरिक  
शक्ति; मृतशरीर.  
शरीरक, न. देह. पु. प्राणु, श्व.  
शरीरकर्तृ, पु. पिता, भाप.  
शरीरज, पु. शैव; कामदेव; पुत्र.  
शरीरावरण, न. थाभडी.  
शरीरिन्, वि. शरीरसंबंधी; श-  
वतुं. पु. मनुष्य; आत्मा.  
शरु, पु. आणु; हथियार; वज्र; कोध.  
शरेष्ट, पु. आंभानुं आड.  
शर्करक, पु. भीडां लींशु.  
शर्करा, स्त्री. साकर; नानी पथरी.  
शर्करी, स्त्री. नदी; कभर अंध; कद्रम.  
शर्धन, न. पाद, पवन सरवे ते.  
शर्व, ग. १. ननुं; भारी नाभतुं.  
शर्मन्, वि. मुभी. न. सुभ; रक्ष-  
णु; धर. पु. श्राद्धपुत्री अटक.  
शर्मर, पु. ऐक नततुं कपडुं.  
शर्मिष्ठा, स्त्री. यथाति राजनी सष्ठी.  
शर्य, वि. तुकरानकारक. पु. शनु.  
शर्या, स्त्री. रानि; आंगणी; आणु.

शर्व, ग. १. ननुं; धंन करपी.  
शर्व, पु. शिव; विष्णु.  
शर्वर, न. अंधकार. पु. कामदेव.  
शर्वरी, स्त्री. रान; हणदर; स्त्री.  
शर्वरीक, पु. धातडी; दुराचारी; दुष्ट.  
शर्वला, स्त्री. ऐक नततुं दोभंडतुं  
शर्वाणी, स्त्री. पार्वती. [हथियार.  
शर्शक, वि. कूर. पु. लुभ्ये. दिाडतुं.  
शरु, ग. १. शुभवातुं; कपतुं; ननुं;  
शरु, पु. भूटो; शिवनो शृंगीगणु;  
शरुक, पु. करोणीओ. [श्रद्धा; ङं.  
शरुंग, पु. राज. [ सुर.  
शरुम, पु. तीड; उधध; ऐक अ-  
शलाका, स्त्री. आणु; सुरभापुनी स-  
णी; छत्रीनी सणी; डाडकुं; मेना;  
सांग; धारणी सणी.  
शलाट, पु. ऐक गाडीने जेजे.  
शलामोलि, पु. ङं.  
शरुक, } न. भाग; भाछडीने  
शरुकल, } \* काटो; आडनी छाल.  
शरुकलिन्, पु. मशु.  
शरुमलि, -ली, स्त्री. शाकभडीतुं आड.  
शरुय, न. भरधी, लातो; आणु;  
काटो; डाडकुं; अर; पाप; गाण.  
पु. सीमा; कांटावाणी आडी; म-  
दनवृक्ष; भिक्षीतुं आड; ऐक न-  
तनी भाछडी; नकुल अने राडहे-  
वने भाभो; साडुडी.  
शरुयारि, पु. युधिष्ठिररान्त.  
शरु, ग. १. ननुं.  
शरु, पु. देडडे. न. छाल. [आड.  
शरुक, न. छाल. पु. ऐक नततुं  
शरुकी, स्त्री. शरुकी, शिसोणीङ्.

शब्, ग. १. पासे आधुं; अदलुं.  
 शब, न. पाष्ठी. उ. मुडहु.  
 शबर, पु. 'शबर' लुआ.  
 शबल, वि. उधावाणुं. पु. शबर-  
 यित्री रग. न. पाष्ठी.  
 शबशान, पु. भुसाङ्गर; रस्तो. न.  
 शश, ग. १. कुडहु. [रमशान.  
 शश, पु. ससधु, अद्रुपरनेो उध;  
 शशक, पु. ससधु. [विधुनु अड.  
 शशधर, पु. अद्र; कपूर.  
 शशभृत्, पु. अद्र.  
 शशलांछन, पु. कपूर; अद्र.  
 शशसली, स्त्री. गगाअने नभना  
 वअनेो प्रदेश, दुआण.  
 शशिनं, पु. अद्र; कपूर.  
 शशिकला, स्त्री. अद्रनी कणा.  
 शशिप्रभा, स्त्री. दैमुदी, अांन्नी.  
 शशिलेखा, स्त्री. अद्रनी कणा.  
 शशिरोत्तर, पु. शिव.  
 शश्वत्, अ. वारंवार, सर्वदा; निरं-  
 शप्, ग. १. धल करवी. [तर.  
 शष्कु(स्कु)ली, स्त्री. धानतुं विध;  
 शोभानी धांउ.  
 शष्प(स्प), न. कुभतुं धार.  
 शस्, ग. १. कापी नाभतुं.  
 शसन, न. कापी नाभतुं ते; यत्तवा-  
 स्ते पशुवध.  
 शस्त, वि. शुभी; स्तुत्य, उत्तम, अड;  
 नभभी. न. सुभ; शुभ, शरीर.  
 शस्ति, स्त्री. स्तोत्र, स्तुति. [स्तोत्र.  
 शस्त्र, न. दधियार, दोहुं; पोवाड;  
 शस्त्रक, न. दोहुं; पोवाड; दधियार.  
 शस्त्रिका, शस्त्री, स्त्री. धुरी.

शस्य, वि. उत्तम; वभाणुवालायक.  
 न. अनाज; आनद.  
 शाक, उ. लाशुपायो, कंदमूल. पु.  
 शक्ति; शागतुं अड; शिरिषवृक्ष;  
 सतत्; शकलोडो; शकद्रीप.  
 शाकचुक्रिका, स्त्री. आंणली.  
 शाकद, वि. गाडीमां नतुं; गाडीतुं.  
 पु. गाडीनो अणद. न. भेतर.  
 शाकदापन, पु. अेक आङ्गरणुशासी.  
 शाकदीन, पु. अेक गाडीनो भान्ने.  
 शाकंभरी, स्त्री. दुर्गा; अेक नगरी.  
 शाकारी, स्त्री. सौधी उलकी भो-  
 लाती पाकृत भाषा.  
 शाकिन, न. भेतर. [गौनी धरती.  
 शाकिनी, स्त्री. शाकवाणु भेतर; दु-  
 शाकुण, वि. दुःभी.  
 शाकुन, वि. पक्षीसमधी; शुभ.  
 शाकुनिक, पु. पक्षी पकडनार, वाधरी.  
 शाकुन्तल, } पु. भारत, शकुन्तवा-  
 शाकुन्तलेय, } नो पुत्र.  
 शाकुलिक, पु. माडीभार.  
 शाकर, पु. अणद.  
 शाक्त, वि. शक्तितुं; शक्ति (देवी)  
 ने भाननार. [मुनि.  
 शाक्य, पु. शक्तिनो भद्र; पराशर  
 शाक्य, पु. शुद्धनो वंश; शुद्ध.  
 शाक्यमुनि, } पु. शुद्ध.  
 शाक्यसिंह, }  
 शाक्ती, स्त्री. धंदाणी; दुर्गा.  
 शाक, पु. अणद.  
 शाख, पु. धार्तिकश्वाभी.  
 शाखा, स्त्री. उणी; टाय; अंध्याय,  
 प्रकरल; वेदनेो भाग.

शास्त्राभृत्, पु. अड.  
 शास्त्रामृग, पु. वां६२; भीसकोधी.  
 शास्त्रारथ्या, स्त्री. सोण डाय यो-  
 ढोणो रस्तो. [ वेद.  
 शास्त्रिन, वि. शास्त्रावाणुं. पु. अड;  
 शास्त्रोद, -क, पु. अेक अड.  
 शांकर, पु. अण६. [ति; अग्नि.  
 शांकरि, पु. कर्तिकस्वामी; गणुप-  
 शांस, न. शम्भो अवाण.  
 शाचि, वि. भणभृत्, प्रथ्यात्.  
 शाट, पु. } पडेरवानुं कपडुं;  
 शाटी, स्त्री. } साडी.  
 शाटक, उ. पडेरवानुं कपडुं.  
 शाट्य, न. अत्रभाषिकता; शकता.  
 शाण, वि. सणुतुं. पु. कसोटी; स-  
 राणु, हथियार धसवानो पथर;  
 क्स्वत. न. आढीतुं कपडुं; स-  
 णुतुं कपडुं.  
 शाणित, वि. तीक्ष्ण.  
 शाणी, स्त्री. कसोटी; सराणु; स-  
 णुतुं कपडुं; नानो तंशु.  
 शांडिल्य, पु. अग्निनृत्रकार अेक मु-  
 नि, अग्निनुं स्वर्ष; अिधीतुं अड.  
 शात, वि. तीक्ष्ण, पातणु, नभ्युं;  
 मुं६२, मुष्ठी. न. मुष्. पु. ध-  
 र्शानुं अड.  
 शातकुंभ, न. श्येनुं.  
 शातन, न. तीक्ष्ण करुं ते; छेदन.  
 शातपत्रक, पु. } क्षीमुढी, वां६नी.  
 शातपत्रकी, स्त्री. }  
 शातला, स्त्री. आणुक. [संज्ञता.  
 शात्रय, वि. शत्रुत. पु. शत्रु. न.  
 शाद, पु. कुम्भु धार; क्कव.

शाद्वल, वि. धारवाणु; क्षीनुं. उ.  
 भीड, धार आरानी नभिन.  
 शान, ग. श. तीक्ष्ण करुं.  
 शान, पु. कसोटीनो पथर; सराणु.  
 शान्त, वि. शांतिवाणु; धीमुं, स्वस्थ;  
 मृत; पाणुं; नत्र; स्वच्छ. पु.  
 योगी; शांतता.  
 शान्तनव, पु. क्षीभपितामह.  
 शान्ता, स्त्री. दशरथनी पुत्री, ऋष्य  
 शृंगनी पत्नी.  
 शान्ति, स्त्री. शम, शांतता; शैक;  
 मुभाग्य; दुर्गा; मुक्ति. [गाण.  
 शाप, पु. श्राप, अददुवा; भागन,  
 शापठिक, पु. भोर.  
 शाफरिक, पु. गाडीभार.  
 शाव(व)र, वि. नगधी; नीच. पु.  
 अपराध; पाप.  
 शाब्द, वि. शब्दसम्धी; नामतुं.  
 पु. व्याकरणशास्त्री.  
 शाब्दी, स्त्री. सरस्वती.  
 शामन, पु. यमराज. न. कतय,  
 शांतता; अत.  
 शामनी, स्त्री. दक्षिण दिशा. [राष्.  
 शामिली, स्त्री. पत्नी कटरी; भरभ,  
 शामील, न. भरभ, राष्.  
 शामिली, स्त्री. वेष्ठी, डार.  
 शांय, पु. कृष्ण अने वंशवतीनो  
 शांयरी, स्त्री. लद्दु, लद्दुगर श्री [पुत्र.  
 शांभय, वि. गिवगंभी. पु. गिव  
 भय, कपू, गिवनो पुत्र, गुमण.  
 न. देवदारु अड.  
 शांभयी, स्त्री. पार्वती.  
 शाय, पु. धं.

शायक, पु. आणु; तरवार.  
 शायिका, स्त्री. डंध, विश्रांती.  
 शाह, ग. १०. नभजुं करजुं.  
 शार, वि. रंग भेरगी; भीणु. पु.  
 क्षीयो रंग; वायु; रंग भेरग.  
 शारंग पु. आतकपक्षी; भोर; मध-  
 भाष; हरिणु; हाथी.  
 शारंगी, स्त्री. शारंगी, ऐक वाध.  
 शारद, वि. शरदःकृतुं; वार्षिक,  
 ननुं; तालु; मृदु. पु. वरस.  
 शारदा, स्त्री. सरस्वती; दुर्गा, वीणा.  
 शारदी, स्त्री. कार्तिकी पूनम.  
 शारदीय, वि. शरदनुं.  
 शारि, पु. शेतर्जनो भोडोरो.  
 स्त्री. भेना; युक्ति. [ डोरो.  
 शारिका, स्त्री. भेना; शेतर्जनो भो-  
 शारी, स्त्री. भेना; कुश, दर्भ; आणु.  
 शारीर, वि. शरीरतु. पु. अवात्मा;  
 अण्ड; विष्टा.  
 शारीरिक, वि. शरीरसंबंधी. न.  
 शंकराचार्यकृत वेदांत भीमांसर  
 शारक, वि. हिंसक. [ भाष्य.  
 शार्क, पु. साकर.  
 शार्कक, पु. साकर; दूधतुं शीणु; म-  
 लार्थ, साकरनो कटक.  
 शार्कर, वि. साकरतुं, पथ्यरतुं. पु.  
 पथ्यरावाणी नगा; मलार्थ; शकपी.  
 शार्करक, -रीक, वि. पथ्यरतुं.  
 शार्ङ्ग, वि. शंगडावाणु. उ. विष्णुतुं  
 धनुष्य; धनुष्य. न. आदु.  
 शार्ङ्गन्, पु. तीरंदाज, तीर इंजनार;  
 विष्णु; त्रिव. [ गरम.  
 शार्ङ्गल, पु. वाध; चित्तो; सक्षर;

शार्ङ्गलविक्रीडित, न. ऐक छड;  
 शार्वर, न. अधकार. [ वाधनी रमत.  
 शार्वरी, स्त्री. रात्रि. [ कडेकुं.  
 शाल, ग. १. स्तुति करपी; प्रकाशतु.  
 शाल, पु. शालतुं आड; आड; वाड,  
 शालिवाहनराज.  
 शालमंजिका, स्त्री. पुतणी; वेश्या.  
 शालसार, पु. डिंग.  
 शाला, स्त्री. जोरडी; धर; तभेयो.  
 शालाक, पु. पाणिनि मुनि.  
 शालाकिन, पु. भालावाणो; स-  
 खवेद; डलम.  
 शालामृग, पु. शियाण.  
 शालार, न. सीडी; पक्षीतुं पांनर;  
 हाथीना नभ.  
 शालावृक, पु. इतरै; हरिणु; बि-  
 लाडो; शियाण; वांहर.  
 शालि, पु. बोभा; इस्तूरी बिल्लाडी.  
 शालिक, पु. वलुकर; कर; कारीगर.  
 शालिन्, वि. धरतुं, भानगी.  
 शालिनी, स्त्री. ऐक छड.  
 शालिविष्ट, न. बिलोर, काय.  
 शालिवाहन, पु. पेशुनो राज,  
 शककार.  
 शालिहोत्र, पु. घोरो.  
 शालीन, वि. शरभाण. पु. धरधणी.  
 शालु, पु. देडको. [ कभतनां मूल.  
 शालु(लू)क, पु. देडको. न. नयडल;  
 शालु(लू)र, पु. देडको.  
 शालेय, पु. बोभातुं भेनर.  
 शालोत्तरीय, पु. आकरणुशास्त्री;  
 पाणिनि. [ अंड.  
 शाल्मल, पु. शाल्मलीतुं आड, ऐक

शास्त्रलि, पु. शास्त्रमधीनं अड;  
 ऐक अड; ऐक नरक.  
 शास्त्रलिन्, पु. अरुड.  
 शास्त्र, पु. ऐक देश.  
 शास्त्रक, पु. जन्मावरतुं अन्व्युं.  
 शास्त्रत, वि. नित्य; अंधुं. पु. शिव;  
 व्यास; सूर्य. न. स्वर्ग.  
 शास्त्रती, स्त्री. पृथ्वी.  
 शास्त्रुल, वि. भांस आनार.  
 शास्त्र, ग. २. शीभवपुं; राज् अ-  
 लावपुं; हुकम करवा; कडेवुं; स-  
 लाड आपवी; शिक्षा करवी; छ-  
 अडुं; तागे करवुं.  
 शास्त्र, पु. आशा; स्तुति.  
 शास्त्रक, पु. राजकर्ता; शिक्षा करनार.  
 शास्त्रन, न. देववणी; राज्य; हुकम,  
 आशा; कायदो.  
 शास्त्रनीय, वि. शिक्षा करवालायक.  
 शास्त्रित, वि. राज् अलावेपुं; शिक्षा  
 करेवुं.  
 शास्त्रित्, पु. राजकर्ता; शिक्षाकर्ता.  
 शास्त्रि, स्त्री. दंड; आशा; शिक्षा.  
 शास्त्र, पु. राज्; आप; अरु.  
 शास्त्र, न. आशा; सामान्य नियम-  
 संभ्रं; ज्ञान.  
 शास्त्रकार, पु. शास्त्रकर्ता; मुनि.  
 शास्त्रचक्षुस्, न. व्याकरण. [वनार.  
 शास्त्रिन्, पु. पंडित; शास्त्र शीभ-  
 शास्त्रीय, वि. शास्त्रतुं, शास्त्रसिद्ध-  
 शास्त्र, वि. शिक्षा करवालायक.  
 शि, ग. ५. धार काठवी; उश्केरतुं;  
 पाततुं करवुं.  
 शि, पु. मुभाग्य; शिव; सांतता.

शिशंपा, स्त्री. शीशमतुं अड.  
 शिक्क, वि. आणसु. •  
 शिक्य, न. भीष्ण.  
 शिक्य, न. } सीक, छीक.  
 शिक्या, स्त्री. }  
 शिद्ध, ग. १. शीभवपुं; शीभवपुं.  
 शिद्धक, पु. शीभवनार, महेंताछ.  
 शिद्धण, न. विद्या; ज्ञान; शीभवपुं ते.  
 शिद्धा, स्त्री. शिद्धणु; उपदेश; वे-  
 दनां छ अंगमतुं ऐक; न-  
 अता; शास्त्र.  
 शिद्धाकर, पु. अरु; वेदव्यास.  
 शिद्धानर, पु. छंद.  
 शिद्धाशक्ति, स्त्री. अतुरार्थ.  
 शिद्धित, वि. शीभेपुं; डेणवेपुं; पा-  
 जेपुं; अतुर; नम्र.  
 शिद्धय, वि. शीभवलायक. [तुरे.  
 शिद्धंड, पु. भोरनी पूछी; डलगी,  
 शिद्धंडक, पु. भोरनी पूछी; डलगी;  
 भुंडन करावती वभते भाथाडपर  
 रदेवा देवाभां आयता थोडा वाण.  
 शिद्धंडिक, पु. कुंडो.  
 शिद्धंडिका, स्त्री. चोडकी, शिभा.  
 शिद्धंडिन्, वि. डलगीवाणुं. पु. भोर;  
 कुंडो; आणु; भोरनी पूछी; वि-  
 ष्यु; द्रुपदने पुत्र. [पुत्री.  
 शिद्धंडिनी, स्त्री. कुंडी; द्रुपदनी  
 शिद्धर, पु. पर्यतनी टॉय; आडनी  
 टॉय; डलगी; तरवारनी धार-आणु.  
 शिद्धरिणी, स्त्री. उत्तम स्त्री; द्राक्ष;  
 भूयां; ऐक छंद.  
 शिद्धरिन्, वि. अणुदार; डलगी-  
 वाणुं. पु. पर्यत; डुमरी डिडो;  
 अड; अणुदो.

शिखा, स्त्री. श्यामी; कलगी; शिभर;  
 तीष्ठीधार; किरण; मोरनी कलगी.  
 शिखातरु, पु. दीपी, समेदानी.  
 शिखाघ(घोर), पु. मोर.  
 शिखामूल, न. गान्धर.  
 शिखावर, पु. इण्डुसतुं आड.  
 शिखालु, पु. मोरनी कलगी.  
 शिखावत्, वि. कलगीधार. पु.  
 दीवो; अग्नि.  
 शिखिन्, वि. अष्ठीधार; कलगीधार;  
 भग्नर. पु. मोर; अग्नि; कुकरो;  
 आणु; आड; दीवो; अणक; घोटो;  
 पर्यंत; आक्षण; साधु; डेतुअड;  
 तणुनी संज्ञा; अित्रकनु आड.  
 शिखिचाहन्, पु. कार्तिकेय, शिवपुत्र.  
 शिखिशिखा, स्त्री. अग्निशिखा;  
 शिखु, पु. शाक-लाञ्छ. [मोरनी कलगी.  
 शिख, ग. १. न्तुं.  
 शिख, ग. १. मुंघतुं.  
 शिखाण, पु. शीणु; सजेभम, अल-  
 गम. न. नाकतुं भण; लोढानो  
 कट; कायतुं वासणु. [जेभम.  
 शिखाणक, उ. नाकतुं भण. पु. स-  
 शिखित, वि. मुंघतुं.  
 शिख, पु. धरेणुनो अणुअणुट.  
 शिखा, स्त्री. धरेणुनो अवाण; ध-  
 नुअणुनी होरी.  
 शिखित, पु. अंअरनो अमकारो.  
 शित, वि. अष्ठीधार; दुर्भल; पातलुं.  
 शितदु, स्त्री. सतलण नदी.  
 शितशूक, पु. धडं; नव.  
 शिताडा, पु. कोटो. [पत्रतुं आड.  
 शिटि, वि. सरेड; कणु, पु. मोर-

शितिकंड, पु. शिव; मोर; अपैयो.  
 शितिछद, -पक्ष, पु. हुंस.  
 शिथिल, वि. दीपुं; छुटुं; नभणुं;  
 जे'यान; सुस्त. [ न. पाष्ठी.  
 शिपि, पु. किरण. स्त्री. आभडी.  
 शिपिविष्ट, पु. शिव; विष्णु; शय  
 परेवो भाणुस.  
 शिम, पु. डिमालय उपरतुं अेक स-  
 शैवर. न. डडपत्नी; नडप्रां; नाक;  
 मुणवटो.  
 शिमा, स्त्री. उन्नननी पासेनी नदी.  
 शिफ, पु. आडतुं नटावाणुं मूल.  
 शिफा, स्त्री. मूल; कमलमूल; आ-  
 धुक; भा, नदी; डणधर.  
 शिवि(वि), पु. शिकारी ननावर;  
 लोणपत्रतु आड.  
 शिवि(वि)का, स्त्री. पालपी.  
 शिवि(वि)र, न. छावणी, कांप.  
 शिविक, पु. काणा भग.  
 शिविका, स्त्री. शींग, डोटो; भग.  
 शिर, न. भायुं. पु. षीछानुं; मोटो  
 साप. [परी; प्रधान.  
 शिरस्, न. भायुं; शिभर; जे-  
 शिरस्क, न. पाधडी; लोढानी टोपी.  
 शिरस्का, स्त्री. पालपी.  
 शिरा, स्त्री. नस वगेरे लोढी रडे  
 अेवो शरीरनो अययव. [टीड.  
 शिरि, पु. तरवार; धुनी; आणु;  
 शिरीष, पु. शिरीष नामतुं आड.  
 शिवोधरा, स्त्री. गरदन.  
 शिरोरुद्, -ह, पु. केश, वाण.  
 शिरोवृत्त, न. भरी.  
 शित्, ग. ६. वीष्ठी देतुं.

शिल, उ. भेतरभां पउकुं अनाज  
 वीष्णी लेकुं ते. [ शील; कपूर.  
 शिला, स्त्री. पथर; घटी; मन-  
 शिलाज, वि. भाणुतुं. न. लोथान;  
 शिलाशत; वेदुं.  
 शिलाजनु, न. शिलाशत; जे३.  
 शिलाटक, पु. दर, छिद्र.  
 शिलामघ, न. लोथान.  
 शिलासार, न. वेदुं. [ ईभर.  
 शिलि, पु. लोणपत्रतुं अउ. स्त्री.  
 शिली, स्त्री. ईभर; देउकी; भाबो; तीर.  
 शिलीन्ध्र, पु. जेक अउ; जेक ल-  
 तनी भाछडी. न. गान्तरगोटो,  
 कृतसानी टोप.  
 शिलीन्धी, स्त्री. भारी. [ लउध.  
 शिलीमुत्त, पु. लभरो; भाथ; भूर्ण;  
 शिलेय, वि. पथरवाणुं. न. लो-  
 थान; शिलाशत.  
 शिलोच्चय, पु. पर्वत.  
 शिलौकस्त्र, पु. गरुड. [ क्लिया; आकार.  
 शिल्प, न. पुनर, कला; अतुराछ;  
 शिल्पकार, कारक, पु. धारीगर.  
 शिल्पशाल, न. } धारभातुं.  
 शिल्पशाला, स्त्री. }  
 शिल्पिन्, वि. शिल्पसंबंधी. पु.  
 पुनरी, धारीगर.  
 शिव, वि. शुभ; भुष्णी. पु. भडा-  
 देव, भडेश, शंकर; पुरुषनी धंद्री;  
 वेद; पारो; देव. न. अठती; भुष्ण;  
 पाष्णी, सिंधावुण.  
 शिवक, पु. गपटोर भांधवानो भूटो.  
 शिवद, वि. भंगणधक.  
 शिवरात्री, स्त्री. भडापद १४.

शिवशेखर, पु. चंद्र.  
 शिवा स्त्री. पार्वती; शियाणनी भाध;  
 दुर्वा; उणदर.  
 शिवानी, स्त्री. पार्वती.  
 शिवारति, पु. इतरो.  
 शिवालय, पु. शिवतुं गृह; रक्ष तु-  
 वसी. न. श्मशान; शिवतुं भदिर.  
 शिवालु, पु. शियाण.  
 शिवि, पु. शिकारी ननावर.  
 शिविका, स्त्री. पावणी.  
 शिविर, न. छावणी.  
 शिशिर, वि. चंडुं. उ. दप, अकण;  
 शिशिरकतु; शीतवता.  
 शिशिरघ्न, पु. अग्नि. [ निशाणीओ.  
 शिशु, पु. आलक; ननावरतुं अम्बुं;  
 शिशुक, पु. आलक; अउ; ननाव-  
 रतुं अम्बुं.  
 शिशुगंधा, स्त्री. भावतीवता.  
 शिशुपाल, पु. बेडीदेशनो राज, दम-  
 घोषनो पुत्र.  
 शिशुमार, पु. शोशवाट.  
 शिश्र, न. विंग; पुरुषनी धंद्री.  
 शिष्यदान, वि. सहसुष्णी; पापी.  
 शिष्ट, वि. शक्य; मुशीव; रडेवा दी-  
 घेतुं; आसा करेतुं; विद्वान; डेण-  
 वेतु; भुष्ण. पु. पडित; सवादकार.  
 शिष्टाचार, पु. गदाचार.  
 शिष्टि, स्त्री. आसा, अनुमति; शिक्षा.  
 शिष्य, पु. निशाणीओ, बेयो; सोध.  
 शिह, शिहक, पु. लोथान.  
 शी, न. २. शुकुं, वेदतुं; ईधतुं; नि-  
 शांति लेची.  
 शी, स्त्री. ईध; शांतता.

शीखर, पु. (पाणीना) छांटा; दीपुं.  
 न. वायु, पवन. [योग; संज्ञम.  
 शीघ्र, वि. उतावणुं. पु. (अगोणमा)  
 शीघ्रग, वि. उतावणु. पु. वायु.  
 शीघ्रचेतन, पु. इतरै.  
 शीघ्रिय, वि. उतावणुं. पु. विष्यु;  
 शिव; गिलाडीनी लडाळ.  
 शीत, वि. थंडुं; सुस्त; आणसु. पु.  
 थंड; वीथडातुं आड; शरदःकतु;  
 कपूर. न. थंडी; पाणी; तण.  
 शीतक, वि. थंडुं. पु. थंडी खीण;  
 शिवाणो; सुभी भाणुस; पीछी.  
 शीतकर, पु. थंड; कपूर.  
 शीतचंपक, द्विवे; आरसी.  
 शीतप्रभ, पु. कपूर; थंड.  
 शीतमानु, पु. थंड.  
 शीतमोरु, स्त्री. मालतीवता.  
 शीतमयुख, -मरीचि, पु. थंड;  
 शीतल, वि. थंडुं; अभाय जेवुं. पु.  
 थंड; कपूर; थंपानुं आड. न. थ-  
 डाळ; शरदःकतु; दोआन; सुभड,  
 थंडन; मोती; कमल; हीराकसी;  
 वाणो, अस. [कपूर.  
 शीतला, स्त्री. सैयड. [वाडी.  
 शीता, स्त्री. जेडेली नमीन; जेती-  
 शीतांनु, पु. थंड.  
 शीताद्रि, पु. हिमालय पर्वत.  
 शीताद्मन्, पु. थंडकांतमणि.  
 शीत्य, वि. जेडेवुं; शरदी थाय जेवुं.  
 शीथु, उ. दाड, द्राक्षनो दाड.  
 शीन, वि. नमी गथुं, थाजेवुं.  
 पु. अणगर; भूर्ण.  
 शीभू, ग. १. कडेवुं.

शीम्य, पु. अणक; शिव.  
 शीर, पु. अणगर सर्प. [नातुं.  
 शीर्ण, वि. क्षीणु; कृश, सूक्ष्मथुं;  
 शीर्णपाद, पु. यभरण; शनिअड.  
 शीर्षि, वि. जंगली; तुकरानकारक.  
 शीर्ष, न. माथु.  
 शीर्षक, पु. राळु. न. माथुं; जेप-  
 री; सुभयटो; सुकहो. [टापी.  
 शीर्षण्य, न. माथानुं रक्षणु करनार  
 शील, ग. १. आकरी करवी. ग. १०.  
 लक्षित करवी; मुलाकात लेनी.  
 शील, पु. अणगर. न. स्वभाव;  
 आलबलणु; सइथुणु; सुंदरता.  
 शीवन्, पु. अणगर सर्प.  
 शुक्र, ग. १. नडुं.  
 शुक्र, पु. जेपट; शुक्रदेव, व्यासपुत्र.  
 न. कपडुं, वस्त्र; पाघडी; कपडानी  
 शुक्रपुच्छ, पु. अंधक. [धार-किनार.  
 शुक्त, वि. भाडुं; स्वच्छ; सभत;  
 निर्जन; जेडेवुं. न. कांठ; ते-  
 नण; भांस.  
 शुक्ति, स्त्री. मोतीनी छीप; शण.  
 शुक्तिका, स्त्री. छीप.  
 शुक्तिज, न. मोती.  
 शुक्र, वि. प्रकाशित; स्वच्छ. पु.  
 शुक्रअड; दैत्यशुक्र, शुक्रगार्थ; नयेछ-  
 भास; अग्नि. न. वीर्य; अड; पाणी.  
 शुक्रवासर, पु. शुक्रवार.  
 शुक्रशिष्य, पु. दैत्य, असुर.  
 शुक्रिय, वि. शुक्रसंबधी.  
 शुक्र, वि. सईद. पु. सईद रंग;  
 शिव; शुद्ध, अणवाणियुं. न. वडुं;  
 तातुं भाणणु; कांठ.



शुक्ल, वि. सश्रेष्ठ.  
 शुक्ला, स्त्री. सरस्वती; साकर, काकोली.  
 शुक्लियन्, पु. सश्रेष्ठ.  
 शुक्लोपला, स्त्री. साकर.  
 शुक्ति, पु. अग्नि; प्रकाश; वायु.  
 शुग, पु. वडुं अड.  
 शुच, ग. १. दलगीर थुं; पश्चा-  
 ताप करवो. ग. ४. आणथुं; प्र-  
 काशथुं; नाश पाभथुं, दलगीर थुं.  
 शुच, शुचा, स्त्री. शोक; दलगीरी.  
 शुचि, वि. स्वच्छ; सश्रेष्ठ; प्रकाशित;  
 पवित्र; प्रामाणिक. पु. सश्रेष्ठ रग;  
 स्वच्छता; सहगुण; धासण; उ-  
 नाणो; बठ अने अषाढमास;  
 भरो मित्र; सूर्य; चंद्र; अग्नि;  
 गृहार; शुक्रभंड; शिव.  
 शुचिष्मत्, वि. प्रकाशित. पु. अग्नि.  
 शुचिस्, न. प्रकाश.  
 शुचीर, पु. चीर, बोझो.  
 शुचीर्य, न. हीमत, आडादुरी.  
 शुद्ध, ग. १. लंगडथुं; रोकथुं.  
 शुद्ध, ग. १, १०. स्वच्छ करथुं; स-  
 शुद्धि, -ठी, स्त्री. शुठ. [काई वडुं.  
 शुंड, पु. दाथीनी शुंड.  
 शुंडा, स्त्री. दाथीनी शुंड; दाइ; वेस्था;  
 कुटुणी; दाइथुं पीठुं.  
 शुंडाल, पु. दाथी. [दाथी.  
 शुद्धिन्, पु. दाइ गाणनार, कलाड;  
 शुद्धि, -द्र, स्त्री. रातवण नदी.  
 शुच, ग. ४. शुद्ध करथुं; साइ करथुं.  
 शुद्ध, वि. साइ; पवित्र; सश्रेष्ठ; नि-  
 भंग; निरपराधी; केवल; साहुं.  
 पु. शिव. न. सिंधावण; कागां भरी.

शुद्धजंघ, पु. गधेडो. [त्र शुद्धि.  
 शुद्धमति, वि. प्रामाणिक. पु. पवि-  
 शुद्धान्त, पु. अतःपुर, जनानपावुं.  
 शुद्धापहृति, स्त्री. अक अलकार.  
 शुद्धोदन, पु. शुद्धनो पिता.  
 शुद्धि, स्त्री. स्वच्छता; तेज; पवि-  
 रता; सन्ध्या; दुर्गा.  
 शुन्, ग. ६. वडुं.  
 शुनःक्षेप, -फ, पु. देवरातमुनि.  
 शुन, पु. इतरो. [रांनुं वच्छु.  
 शुनक, पु. अक मुनि; इतरो; इत-  
 शुनारी(सी)र, पु. धंर; धुवड.  
 शुनि, पु. इतरो.  
 शुनी, स्त्री. इतरी.  
 शुंघ्यु, पु. वायु; अग्नि. स्त्री. घोडी.  
 शुन्य, वि. आधी. न. भीडुं, पूज.  
 शुन्, ग. १. अणकथुं; लायक डोडुं.  
 शुम्, स्त्री. सुंदरता; तेज; सुभ;  
 अत; अलंकार, धरेथुं; पाणी.  
 शुभ, वि. प्रकाशित; सुंदर; साइ;  
 विद्वान; सहगुणी. न. भंगव, सु-  
 भाग्य; धरेथु; पाणी.  
 शुभंयु, वि. शुभ, भंगवदायक.  
 शुभंकर, वि. भंगवकारक.  
 शुभंकरो, स्त्री. दुर्गा.  
 शुभदंती, स्त्री. सुंदर दांतवाणी स्त्री.  
 शुभा, स्त्री. शोभा; अति; धच्छा;  
 पशलोचन; दुर्गा.  
 शुभांगी, स्त्री. सुंदर स्त्री; रति, का-  
 भदेवनी पत्नी; कुभेरनी पत्नी.  
 शुभ्र, वि. प्रकाशित; सश्रेष्ठ. पु. स-  
 श्रेष्ठरग; चंदन. न. ३थुं; अणरथ;  
 हीराकरी.

शुभ्रा, स्त्री. गंगानदी; भिवोर; पश-  
 शुभ्रांशु, पु. चंद्र; कपूर. [ लोचन.  
 शुभ्रि, पु. श्रद्धा. [ करवी.  
 शुभ्र, ग. १. प्रकाशयुं; भोजयुं; धन  
 शुभ्र, पु. श्रेष्ठ. [ कलेयुं; छाउयुं.  
 शुभ्र, ग. १०. आपयुं; भोजयुं;  
 शुभ्र, उ. कर, नकात; भ्यायुं; द-  
 शुभ्र, न. दोरडुं; तांयुं. [ द्विने.  
 शुभ्र, ग. १०. आपयुं, कादी भूकयुं;  
 पैदा करयुं. [ आचार.  
 शुभ्र, न. तांयुं; दोरडुं; यज्ञकर्म;  
 शुभ्र, स्त्री. माता, मा.  
 शुभ्रपक, वि. ताभेदार. पु. आकर.  
 शुभ्रपण, न. } आकरी; ताभेदारी;  
 शुभ्रपणा, स्त्री. } सांभलवानी धम्भा.  
 शुभ्रपा, स्त्री. आकरी; ताभेदारी;  
 कथन; सांभलवानी धम्भा.  
 शुभ्रपु, वि. सांभलवा धम्भनार;  
 ताभेदार.  
 शुभ्र, पु. } शोषणं, सूकयुं ते;  
 शुभ्र, स्त्री. } छिद्र, दर.  
 शुभ्रि, वि. छिद्रवाणुं. पु. अग्नि,  
 उदर. न. छिद्र; वातावरण.  
 शुभ्रि, स्त्री. नदी; श्रेष्ठ सुनधी  
 शुभ्रिल, पु. वायु, पवन. [ स्त्री.  
 शुभ्रि, वि. सूकुं; भाषी, उपरयुं; भेदुं.  
 शुभ्रिल, उ. सूकुं भांस, भांस.  
 शुभ्रि, पु. सूर्य, अग्नि.  
 शुभ्रि, पु. वायु; सूर्य, अग्नि; पक्षी.  
 न. तेज; नेर. [ न. तेज; नेर.  
 शुभ्रि, पु. अग्नि; चित्रकनु जाड.  
 शुभ्र, उ. अग्नी, भाषा; जाडनो  
 कौटो, नवनुं शुभ्रपु.

शूकर, पु. सूकर, भुंड.  
 शूकल, पु. अजीअव घोरो.  
 शूद्र, पु. शूद्रजति, बोधी जति.  
 शूद्रा, स्त्री. शूद्रस्त्री.  
 शून, वि. मुग्धेयुं; वधेयुं.  
 शूना, स्त्री. पडलभ; वधभूमि, क-  
 साधभानुं.  
 शून्य, वि. भाषी; निर्जन; नायुं.  
 न. कोइ; आकाश; भीडुं, पूर.  
 शून्या, स्त्री. पोकल नणी; वांअणी स्त्री.  
 शूर, वि. गडादुर. पु. वीर, बोरो;  
 सिद्ध; भुंड; सूर्य; श्रीकृष्णनो दादो,  
 श्रेष्ठ यादव; चित्रकवृक्ष.  
 शूरण, पु. सुरणु क्क.  
 शूरता, स्त्री. गडादुरी.  
 शूरसेन, पु. श्रेष्ठ यादवराज; ग-  
 शूर्य, उ. भूपडुं. [ थुरानशुकनो देश.  
 शूर्यकर्ण, पु. दाधी.  
 शूर्यपत्ता, स्त्री. रावणुनी अडेन.  
 शूर्यश्रुति, पु. दाधी.  
 शूर्पी, स्त्री. नानी सूरपी; रावणुनी  
 अडेन; अश्यायुं रमकडुं.  
 शूर्म, शूर्मि, पु. } लोढांणीपुतणी,  
 शूर्मिका, शूर्मी, स्त्री. } लोढांणीअरनु.  
 शूर्, ग. १. आनारी डोयुं; भोटो  
 अवाग करवो.  
 शूर्, उ. अणीदार उधियार, भालो;  
 विश्व; नलणो; शूर्य; निशान.  
 शूर्क, पु. अजीअव घोरो.  
 शूर्कदिप, पु. द्विग.  
 शूर्कघट, -पाणि, पु. शिव.  
 शूर्ला, स्त्री. वेस्था; शूर्णी, शूर्नी.  
 शूर्लिक, वि. अणीदार. पु. सरयु.  
 न. लुजेतु भांस.

शूलिन, वि भावाथी दुधियारमध  
यन्तु, शूलथी दुधित पु लाने  
लई नानतार ससनो, शिव

शूलिन, पु वडतु आड  
शूल्य, वि शीकडपर भुनेधु न  
भुनेधु भास

शूकाल, पु शिखाण [डग  
शूगाल, पु शिखाण हीयकारो, कृष्ण  
शूगालिका, शूगाली, स्त्री शिखा  
णी भात, लोंकडी

शूलल, उ } मेडी, साकण  
शूलला, स्त्री }

शूललक, पु ८४ मेडी, साकण  
शूग, न सिगड रॉय, शिभर अ  
भासी उम्ब्याछ, रणुशिग, पी  
यकारी, कभन बिल क्वारो  
शूगक, उ सिगड, पीयकारी, अ  
पीदार नील [शुड

शूगवर, न भीरआपुर पासे जगा  
नदी उपर आवेनु जेक शेहेर,

शूगार, पु जेक पत न चौडु

शूगारक, पु नलु शिभरवाणु प  
वत न चौडु, दरवाजे

शूगार, पु शरीरनो शपुगार भै  
थुन प्यार सिद्धरथी करेधी डा  
थीनी शुड उपर निशान बिल  
न लज सिद्धर आहु सुगधी

शूगारक, पु प्यार न सिद्धर [चौडु  
शूगारिन, वि सिद्धरवाणु निरथी  
पु अधीरो आशक लथी शुप

गार, पाननी पनी

शूगि, पु धरेगामागे सोत  
शूगिण, पु भेडा

शूगिनी, स्त्री गाय  
शूगिन, वि सिगडावाणु पु पर्वत,  
हाथी आड, भेडा, शिव शिवनो

शूणि, स्त्री अकुश [जेक गणु  
शूत, वि पन्, उतु करेधु

शूधु, पु सुद्धि गाड

शेखर, पु कुनो मुकट, मुकट,  
शिभर न लजग

शेफ, शेफ, उ } पुअपनी अद्रिय,  
शेफस, शेफस, न } पूछडी, आडवे

शेफालि(ली), स्त्री जेक मतनो  
शेमुपी, स्त्री सुद्धि [शेरो

शेक, पु निग, शिक्ष सप उम्ब्याछ,  
सुभ धन, अग्नि, सोभडेनता

न दिग सुभ

शेवधि, पु कुमेरनो जेक लडार  
शेव(वा)ल, न बीन

शेवलिनी, स्त्री नदी  
शेव, वि भाडीतु, भवेतु उ भाडी  
भुद्धि पु परिणाम अत, मृत्यु,

शेवनात्र, मनसभ, हाथी न प्र-

शेपकाल, पु मृत्युनो वपत [सा.  
शपशाथिन, पु विभल

शक्य, वि आपीतार  
शेपरिक, पु अघाडतु आड

शाल्य, वि आपीदार  
शेव्य, न अपणता, उडप

शैल्य, न शरडी [अ.गा.  
शैथिल्य, न बीनापणु, सुरती, न

शैवेय, पु सात्यमि धावन, श्रीकृ  
ष्णुनो सारत्रि

शैल, वि पथ्यरवाणु पु पर्वत,  
अडक न लजगार, सिवाउत

शैलक, } न. लोभान्; शिलाश्रत.  
 शैलज, }  
 शैलधन्वन्, पु. शिव.  
 शैलधर, पु. श्रीकृष्ण. [छीष्टी.  
 शैलमिति, स्त्री. पथर भांगवाणी  
 शैलराज, पु. डिभास्य पर्यंत.  
 शैलशिपिर, न. समुद्र.  
 शैलमुता, स्त्री. पार्वती; गंगा; ज्योति-  
 तिभती देव. [काय, भिलोरे  
 शैलाट, पु. पर्यंतवासी जति; सिद्ध;  
 शैलादि, पु. शिवनो नंदिगण.  
 शैलालिन्, पु. नट, नायनार.  
 शैली, स्त्री. रीत; तरेड, ढभ; छटा.  
 शैल्य, पु. नट; ङग; भिलीतुं आड.  
 शैल्यिकी, स्त्री. नदी, नायनार स्त्री.  
 शैल्य, वि. सभत; पर्यंतवासी. पु.  
 सिद्ध; मधमाभ. न. लोभान्.  
 शैल्य, वि. सभत. न. सभतार्थ.  
 शैव, वि. शिवसंश्रु. पु. शिव-  
 भक्त; धरौ.  
 शैव(घा)ल, पु. शैवाण, क्षीव.  
 शैवलिनी, स्त्री नदी.  
 शैव्य, पु. घाटो; कृष्णनो घाटो;  
 पांडवोनो अेक योद्धो.  
 शैशव, न. ज्यपलु.  
 शो, ग. ङ. धार काढवी; पातलु क-  
 शोक, पु. दलगीरी, भेद. [ रतुं.  
 शोचन, न. दलगीरी; विलाप.  
 शोचिस्, न. तेज, प्रला; ज्वाला.  
 शोचिष्केर, पु. अग्नि.  
 शोच्य, वि. शोक करवा वाचक; नीय.  
 शोटीय, न. ज्य, हीमत.  
 शोठ, वि. भूर्भ, आगशु, नीय. पु.  
 भूर्भ; ङग; आगशु; नीय भाषुर.

शोण, ग. १. असतुं; रतुं थतुं.  
 शोण, वि. रतुं; पीतुं. पु. रतो  
 ङग; अग्नि, शोणुनदी. न. लोही:  
 शोणरत्न, न. भाषेक, वाड. [सिद्धर.  
 शोणित, वि. रतुं. न. लोही; केशर.  
 शोणितपुर, न. आषुगुरनी नगरी.  
 शोणिमन्, पु. रताश.  
 शोथ, पु. सोने.  
 शोथहत, पु. लीलाभातुं आड.  
 शोध, पु. शुद्धि; तपास; अद्वैत.  
 शोधन, वि. शुद्धिकारक. पु. लीपु.  
 न. विद्या; हीराकसी; कर्म आ-  
 शोधनी, स्त्री. आड. [पतुं ते; शिभा.  
 शोधित, वि. साङ् करेतुं. शुद्ध करेतुं.  
 शोफ, पु. सोने.  
 शोभन, वि. मुंदर; प्रकाशित; शुभ;  
 सहशुष्णी; शलुगारेतुं. पु. शिव;  
 अड; अेक योग. न. इभत; कान्ति.  
 शोभना, स्त्री. मुंदर स्त्री; उणदर;  
 गोशैयन.  
 शोभा, स्त्री. यभक; तेज, मुंदरता;  
 असंकार; उणदर; गोशैयन.  
 शोभांजन, पु. अेक वृक्ष.  
 शोभित, वि. मुंदर; शलुगारेतुं.  
 शोष, पु. तरस; सतुं ते.  
 शोषक, वि. शोषणकर्ता.  
 शोषण, पु. कामदेवतुं अेक व्यालु.  
 न. सङ् करतुं, सुरतुं ते, सङ्.  
 शौक, न. कभूतरतुं टाणु.  
 शौक, न. भाटो पदार्थ.  
 शौकिकेय, न. मोती.  
 शौकिकेय, पु. अेक जततुं जेर.  
 शौक्य, न. शरैदार्थ.

शौच, न. स्वच्छता, प्रभाषिकपत्र.  
 शौचिक, पु. साक्ष करनार; अेक वर्षु-  
 शौचेय, पु. धोणी. [संकर जत.  
 शौद्र, ग. १. भगइर यतुं.  
 शौदीर, वि. भगइर. पु. वीर, यो-  
 श्चो; त्यागी; भगइर भाषुरस.  
 शौदीर्य, न. गइरी; अडादुरी.  
 शौड, वि. आसअ; वीर, भस्त.  
 शौडिक, पु. दार गणनार अने  
 वेयनार, कवाव.  
 शौडिकेय, पु. असुर  
 शौडी, स्त्री. धीपर.  
 शौडीर, वि. भगइर.  
 शौद्रोदनि, पु. शुद्ध, शाक्यसिद्ध.  
 शौद्र, वि. शद्रत. पु. शूरी स्त्रीने  
 उय वर्षुपी उत्पन्न यथो पुत्र.  
 शौनक, पु. अेक मुनि.  
 शौनिक, पु. आटडी; पारधी.  
 शौभ, पु. हेव; सोपारीतुं अड. न.  
 हरिश्चंद्रनी नगरी.  
 शौभिक, पु. भदारी; पारधी.  
 शौरसेनी, स्त्री. अेक प्राकृत भाषा.  
 शौरि, पु. श्रीकृष्ण; जवराभ, शनिअड.  
 शौर्य, न. शक्ति; साहस, अडादुरी.  
 शौल्क, } पु. जगात उधरावनार.  
 शौल्किक, }  
 शौल्य(ल्य)क, पु. कसारो  
 शौयत्तिक, वि. आवती कावनुं.  
 शौषल, पु. आटडी, भांस वेयनार.  
 श्मन्, न. भोडुं; शरीर; मुरहु.  
 श्मशान, न. भसाणु. [धृति.  
 श्मशानवेराग्य, न. क्षत्रिक विराग-  
 श्मशु, न. द्वाडी, दादी.

श्मशुल, वि. दादीवाणो  
 श्मशुवर्धक, पु. उज्जम.  
 श्मील, न. नेत्रस्फुरणु. [न. धूमाडो.  
 श्यान, वि. गययु; गाढ, जडुं; मूडुं.  
 श्याम, वि. काणु; लुडुं; छायादार.  
 पु. काणो रग, धीवो रग, वादण;  
 डोयल; प्रयाग नथकतुं अेक वडतुं  
 अड; धतूरो. न. भरी; लवण,  
 श्यामकंठ, पु. शिव; मोर. [भीडुं.  
 श्यामकर्ण, पु. अश्वमेध यज्ञ ला-  
 श्यामता, स्त्री. काणाश. [यक धोडो.  
 श्यामल, वि. काणु. पु. काणो रग;  
 भरी; अमर; वडतुं अड.  
 श्यामला, स्त्री. दुर्गा.  
 श्यामलिका, स्त्री. शुधीनो शेषो.  
 श्यामसुंदर, पु. श्रीकृष्ण  
 श्यामा, स्त्री. रान्नि; पडछायो, कामी  
 स्त्री, वांअणी स्त्री, नारी, गाय,  
 उणदर, डोयल, शुधीनो शेषो;  
 तुवरी; यमुना नदी, कभजनां णी.  
 श्यामिका, स्त्री. काणाश.  
 श्याल, } पु. शाणो, वडुनो लार्ध.  
 श्यालक, }  
 श्यालकी, श्याली, स्त्री. शाणी, व-  
 डुनी अडेन.  
 श्येत, वि. सईद. पु. सईद रग.  
 श्येन, पु. सईद रग, सईद, वा.  
 जपशी; धोडो, जेरजुलग.  
 श्येनपाता, स्त्री. शिकार.  
 श्यक, ग. १. जतुं.  
 श्यंग, ग. १. गइतुं, असतु.  
 श्यण, ग. १. आपतु. [भोश.  
 श्यन, न. वध, कतव, यत्त; यधन,

अद्घत्, वि. लक्ष्मिभान.  
 अद्घान, वि. अद्घायुज.  
 अद्घा, ग. ३. लरोसे। राभवो.  
 अद्घा, स्त्री. विश्वास, लरोसे। ल-  
 क्षि; आदर; स्पृहा.  
 अद्घालु, वि. लरोसेदार; धम्भालु.  
 स्त्री. गर्भवती स्त्रीनी धम्भा.  
 अद्घ, पु. विष्णु; अधन; मोक्ष; दसं.  
 अद्घन, न. ग्रंथन; अधन.  
 अद्घित, वि. आधेयुं; मुक्त, सुयेयुं.  
 अद्घ, ग. ४. भडेनत लेवी; शाश्री  
 अद्घ, पु. भडेनत; थाक; दुःख. [व्युं.  
 अद्घजल, न. परसेवो. [भीभारी.  
 अद्घण, वि. नीय; भडेनतु. पु. योगी;  
 अद्घर्णा, स्त्री. जेगणी; कुंठर स्त्री;  
 नीय लतिनी स्त्री; भण्ड.  
 अद्घिन, वि. भडेनतु.  
 अद्घ, पु. आशय.  
 अद्घ, पु. कान; कीर्ति; अदणु.  
 अद्घण, पु. कान. न. सांभणवानुं;  
 कीर्ति; अश्यास, धन; सवणु, टम-  
 अद्घणा, स्त्री. अदणु नक्षत्र. [कुंठुं ते.  
 १, ग. २. सांधुं.  
 १, वि. शधेयुं; भीनुं.  
 स्त्री. कांठ.  
 अद्घ, वि. लरोसेदार, लक्ष. न.  
 देव, पितृ निमित्त अद्घाथी कर-  
 वानुं कर्म.  
 अद्घदेव, पु. यमराज; विश्वदेव.  
 अद्घान्त, वि. थाकेयुं; सांत. पु. योगी.  
 अद्घान्ति, स्त्री. अम, थाक.  
 अद्घाम, पु. भदिनो, भाग; समय.  
 अद्घाय, पु. आशय.

आव, पु. सांभणतुं ते; टपकुं ते.  
 आवक, पु. सांभणतार; येतो; का-  
 गडो; पाभंटी.  
 आवण, पु. आवणुभारं; पाभंटी.  
 आवणी, स्त्री. आवणुभायनी पूनम.  
 आवस्ति, -स्ती, स्त्री. अेक नगरी.  
 अवि, ग. १. व्युं; पडोयतुं; भट्ट  
 करवी; उपयोग करवो; गेवतुं.  
 अवित, वि. वणगेयुं; अेकहुं ययतुं;  
 सेवित; रक्षित.  
 अविति, स्त्री. आशय करवो ते.  
 अविमन्य, वि. अलक्षरी.  
 अविप्, ग. १. आणतुं.  
 अवी, ग. ९. सांधुं.  
 अवी, स्त्री. लक्ष्मी, अधिकार; शोभा;  
 धन, होवत; शलुगार; बुद्धि; वि-  
 वर्ग; कीर्ति; वाचा; लवग; कर्मण;  
 चंद्रनी भारभी कणा, सरस्वती;  
 वृद्धि; सिद्धि. पु. श्रीराज.  
 अवीकंठ, पु. शिव; लवभूति कवि.  
 अवीकर, पु. विष्णु. न. रातुं कर्मण.  
 अवीकरण, न. कर्म.  
 अवीकान्त, पु. विष्णु.  
 अवीकंड, पु. सुभउ, चदन.  
 अवीगर्म, पु. विष्णु; तरवार.  
 अवीघन, न. भातुं दडी. पु. औद्ध योगी.  
 अवीज, पु. कागडेव.  
 अवीद, पु. कुशेर.  
 अवीनिकेतन, -निगत, पु. विष्णु.  
 अवीपंचमी, स्त्री. भाप गुं प.  
 अवीपति, पु. विष्णु; राज.  
 अवीपणं, न. कर्मण. [घोरो.  
 अवीपुत्र, पु. चड; कागडेव, उदने

श्रीपुष्प, न. लवंग. [लीडल.  
 श्रीफल, पु. भिदीनुं आड. न. भि-  
 श्रीम्रात, पु. मंद्र; धोटो.  
 श्रीमत्, वि. पैसादार; सुभी; मुंदर;  
 प्रभ्यात. पु. तिलकवृक्ष; शिव;  
 श्रीमस्तक, पु. लसण. [विष्णु; कुंभेर.  
 श्रीयु(क्त)त, वि. पैसादार; प्रभ्यात;  
 श्रीरंग, पु. विष्णु. [ सुभी.  
 श्रीरस, पु. रास; तरपीटन तेव.  
 श्रील, वि. पैसादार; प्रभ्यात; शो-  
 भायुक्त; भाग्यशाही.  
 श्रीवत्स, पु. विष्णु; भातरतुं छिद्र;  
 विष्णुनी छातीपरतुं चिह्न.  
 श्रीवत्सधारिन्-भृत, पु. विष्णु.  
 श्रीवह्म, पु. सुभी-भाग्यशाणी  
 भाणुस; विष्णु. [ भल.  
 श्रीवास, पु. शिष्ट; विष्णु; रास; क-  
 श्रीवेष्ट, पु. रास; तरपीटन.  
 श्रीश, पु. विष्णु; श्रीराम.  
 श्रीसंज्ञ, न. लवंग.  
 श्रीहरि, पु. विष्णु. [शीभतुं; ताम्बेथतुं.  
 शु, ग. २. सरतुं. ग. ५. सांभणतुं;  
 श्रुत, वि. सांभणेतुं; प्रभ्यात; भा-  
 लावेतुं. न. अध्ययन; वेद; विधा.  
 श्रुतकीर्ति, वि. प्रभ्यात. पु. उदार  
 भाणुस, देवर्षि. स्त्री. शत्रुघ्नी स्त्री.  
 श्रुतदेवी, स्त्री. सरस्वती.  
 श्रुतश्रवस्, पु. शिशुपालनो भाप,  
 हनधोषरान्त.  
 श्रुतान्वित, वि. शास्त्र, पंडित.  
 श्रुति, स्त्री, श्रवण, सांभणतुं ते;  
 कान; सभाचार, लोकवापका; श-  
 षड; वेद; श्रवणुनक्षण.

श्रुतिकट, पु. सर्प.  
 श्रुतिकट्ट, पु. कडोर. शष्क.  
 श्रुती, 'श्रुति' णुञ्जो.  
 श्रुच, पु. यज्ञ; यज्ञनी कडली. [पणी.  
 श्रुवा, स्त्री. मूर्धावता; यज्ञनी कडली,  
 श्रुष्टि, स्त्री. श्रवणु; भद्र; वरदान;  
 श्रेढि, स्त्री. (गणितमां) श्रेढी. [मुष्प.  
 श्रेणि, -णी, स्त्री. पक्षि, वीटी; नयो;  
 श्रेणिका, स्त्री. तप्त. [आलही, डोव.  
 श्रेयस्, वि. उत्तम; सरस; वधारे  
 भाग्यशाणी. न. सद्गुणु; मुला-  
 ग्य, युक्ति; धर्म.  
 श्रेयसी, स्त्री. डरडा; पीपर; रागा.  
 श्रेष्ठ, वि. उत्तम; सौधी नडातुं;  
 उपरतुं. पु. आक्षणु; राग; क-  
 षेर; विष्णु. न. गायतुं दूध.  
 श्रे, ग. १. परसेवो यवो; रांधतुं.  
 श्रेष्ठय, न. यदती, उत्तमता.  
 श्रोण, ग. १. श्रेकहुं करतुं.  
 श्रोण, वि. लमटो; पाहुं  
 श्रोणा, स्त्री. श्रवणुनक्षण; कांठ.  
 श्रोणि, -णी, स्त्री. कटि, कम्भर; रस्ते.  
 श्रोतव्य, वि. सांभणवा लायक.  
 श्रोतस्, न. कान; हाथीनी मुंड;  
 शान्द्रिय, वेदो, प्रवाद.  
 श्रोत, पु. सांभणनार; गिष्प.  
 श्रोत्र, न. कान; वेद. [आक्षणु.  
 श्रोत्रिय, वि. मुशीव. पु. विद्वान  
 श्रोत, वि. कानसंबंधी, यज्ञसंबंधी.  
 न. संस्कृत अग्निनुं रक्षणु; वेदोक्त  
 अग्निहोत्रकर्म.  
 श्रोत्र, न. कान; वेदमां प्रज.

श्रीपद, पु. देवताओंने हवि आ-  
 पवानुं मनः०  
 श्लक्षण, वि. दीधुं; नम्र; धीधुं; ना-  
 लुकं; सुंदर; प्रभाषिक; सूक्ष्म.  
 श्लोक, ग. १. सरुं.  
 श्लथ, ग. १०. दीधुं करुं; धुं करुं.  
 श्लथ, वि. शिथिल; दुर्बल.  
 श्लाघ, ग. १. स्तुति करुणी; भगवत्  
 थुं. [धृष्टा; आकरी.  
 श्लाघा, स्त्री. स्तुति; जोटां वधाणु;  
 श्लिकु, पु. आकर; गुलाम. न. भ-  
 गौणविधा.  
 श्लिक्यु, पु. आकर; व्यसनी.  
 श्लिप्, ग. १. जाणुं. ग. ४. आ-  
 लिगन करुं; वणगुं; सांधुं.  
 श्लिपा, स्त्री. आलिगन, लेट.  
 श्लिष्ट, वि. लेटुं; वणगुं.  
 श्लिष्टि, स्त्री. आलिगन.  
 श्लोपद, न. सुन्दरो पग.  
 श्लील, वि. भाग्यशाली; श्रीमान.  
 श्लेष, पु. संयोग; आलिगन; एक  
 अलकार; वणुं.  
 , पु. कं, अलगम.  
 -ल, वि. कंवाणु.  
 , पु. कं.  
 -नाल (क), पु. एक नतनुं आउ.  
 श्लोक, ग. १. कवितामां स्तुति क-  
 रणी; भेणवुं; तणुं.  
 श्लोक, पु. पद्य, कविता; यश; कहेवत.  
 श्लोण, ग. १. एकहुं करुं.  
 श्लोण, पु. लंगरो भाषुस.  
 श्लोक, ग. १. नुं. [करनार पारुं.  
 , पु. इतरा लर्ष शिकार

श्वं, ग. १०. लुं जातुं.  
 श्वन्, पु. इतरा.  
 श्वपच्, -च, पु. अंडाल.  
 श्वफल, न. नारंगी.  
 श्वमीरु, पु. शिपाण.  
 श्वम्र, न. छिद्र; युक्ष.  
 श्वय, पु. सोले.  
 श्वयथु, पु. सोले.  
 श्वयीची, स्त्री. पीडा, रोग.  
 श्वल्, ग. १. होडुं.  
 श्वल्क, ग. १०. कहेवुं.  
 श्वव्याघ्र, पु. शिकारी ननावर.  
 श्वशुर, पु. सरसरो.  
 श्वश्रु, स्त्री. सासु. [श्वस; श्रुवन.  
 श्वसन, पु. पवन; एक आसुर. न.  
 श्वसनाशन, पु. सर्प.  
 श्वसित, न. निश्वास; श्वस.  
 श्वस्, अ. आपतीकाव.  
 श्वस्तन, वि. आपतीकावनुं, लवि-  
 थुं. न. लविभ्यकाव.  
 श्वस्त्य, वि. लविभ्यनुं.  
 श्वकर्ण, पु. इतरानो कान.  
 श्वगणिक, पु. इतरा पाणनार.  
 श्वामिक, पु. शिकारी; इतरा पाण-  
 श्वान, पु. इतरा. [नार.  
 श्वापद, वि. नगली, इ. पु. शि-  
 कारी ननावर; वाध.  
 श्वाविष्, पु. साहुडी. [निश्वास, वायु.  
 श्वास, पु. श्वस; धम; प्राणुवायु;  
 श्वासिन्, वि. श्वसवाणुं. पु. वायु.  
 श्वासोच्छ्वास, पु. श्वस लेवो ने  
 श्वित्, ग. १. सईध थुं. [काढवो ते  
 श्वित, वि. सईध. न. गडेधर्ष.



श्विति, स्त्री. सङ्केहाद्य.  
 श्वित्र, न. सङ्केह कोडोड.  
 श्वेत, वि. सङ्केह. पु. सङ्केह रंग;  
 संप; कोडी; शुक्रप्रद; अेक मंड;  
 छत्र. न. इपुं.  
 श्वेतक, पु. कोडी. न. इपुं.  
 श्वेतकुजर, पु. औरावत हाथी.  
 श्वेतधामन्, पु. अंद्र; कपूर; समुद्र-  
 श्वेतपत्र, पु. छस. [ शीलु.  
 श्वेतपद्म, न. सङ्केह कभव.  
 श्वेतपिंग, पु. सिंहा.  
 श्वेतपिंगल, पु. सिंहा; शिव.  
 श्वेतमाल, पु. वाहल, धूमाडो.  
 श्वेतरक्त, वि. युवाणी. पु. युवाणी  
 श्वेतरदिम, पु. अंद्र. [ रंग.  
 श्वेतराचिस, पु. अंद्र.  
 श्वेतवाह, पु. ईद्र. [कर; वंशलोचन.  
 श्वेता, स्त्री. कोडी; सङ्केह दुर्वा; सा-  
 श्वेतोदर, पु. कुभेर.  
 श्वेतीही, स्त्री. शन्वी, ईद्राणी.  
 श्वेत्य, न. सङ्केहाद्य; कोडोड.  
 श्वेत्र, न. सङ्केह कोडोड.

प.

प, अेकत्रीशभो व्यंजन.  
 प, वि. उत्तम; उद्यु. पु. नुकसान;  
 अत; भाषी; स्वर्ण, ईध; पंडित,  
 लुद्धिनाश; वाण; गर्लनु छूटपुं ते.  
 पट्टक, वि. छनी संप्या.  
 पट्टकण, पु. वीपा.  
 पट्टकर्मन्, न. श्राद्धलुनां छ कर्म.  
 पट्टकोण, वि. छ भूषावाणु. पु.  
 ईद्रतुं वज.

पट्टचरण, पु. मधभाष; लभरो; लू.  
 पट्टत्रिशत्, स्त्री. उद नी संप्या.  
 पट्टपद, पु. लभरो; लू. स्त्री. (दी)  
 मधभाष. [दनां छ अंग.  
 पडंग, न. शरीरना छ अवयव; वे-  
 पडंग्रि, पु. लभरो  
 पड्डिपु, पु. छ शत्रुयोः-काम, झेध,  
 मोह, दोष, मरु अने भत्सर.  
 पडडशीति, स्त्री. ८६ नी संप्या.  
 पडडानन, पु. कार्तिक स्वामी.  
 पड्डुतु, पु. छ ऋतुयोः-शरद, दे-  
 भंत, शीत, वसंत, ग्रीष्म अने  
 पड्डधा, अ. छ प्रकारे. [वर्षां.  
 पड्डविध, वि. छ रीतनु.  
 पंड, पु. गणद; हीनरो, भोले;  
 भीड; दग्धो. उ. टोणुं, गोवाणुं.  
 पंडक, पु. हीनरो, भोले.  
 पंडाली, स्त्री. पाणीतुं भाषोन्नीड;  
 पराण स्त्री.  
 पंड, पु. हीनरो; नपुंसकसिंग.  
 पंगवति, वि. छद, छनु.  
 पण्मुप, पु. कार्तिकस्वामी.  
 पप, वि. ६, छ.  
 पष्टि, स्त्री. ६०, साह.  
 पष्टितम, वि. साहभुं.  
 पष्टिभाग, पु. शिव.  
 पष्ट, वि. छकु.  
 पष्टी, स्त्री. छकु, छड्डीतिथि; ( व्याक-  
 रणुभां) छड्डी विभक्ति; कत्यायनी  
 पष्टिहायन, पु. हाथी. [दिनी.  
 पड्डसानु, पु. भोर; यज.  
 पाट, अ. सभोधन शब्द.

पाडव, पु. लुस्ये; गायन. [छ शुष्ण.  
पाडगुण्य, न. ० छ शुष्ण; राज्ञोऽना  
पाण्मातुर, पु. कार्तिकस्वामी.  
पाण्मासिक, वि. छ मासिक, छ  
पाट, वि. छुं. [महिनातुं.

पिद्म, पु. लपट-व्यभिचारी पुरुष.  
पू, स्त्री. प्रसूति, वनम.  
पोडत्, पु. वाछडे.  
पोडश, वि. १६, सोणनी संख्या.  
पोडशमुजा, स्त्री. दुर्गा, सोण छ-  
थनी देवी.

पोडशमातृका, स्त्री. सोण देवी मा-  
ताओ-गौरी, पद्मा, शशी, मेधा,  
सावित्री, विष्णुया, नया, देवसेना,  
स्वधा, स्वाहा, शान्ति, पुष्टि, धृति,  
तुष्टि, हृददेवता, आत्मदेवता.

पोडशार, न. सोण दलवातुं कभव.  
पोडशाचिस्, पु. शुक्रभ्रद.  
पोडशावर्त, पु. शंभ  
पोडा, अ. छ रीते.  
पोडामुल, पु. कार्तिकस्वामी.  
पोदत्, पु. वाछडे.  
ष्टिव, ग. १, छ. युक्तुं.  
ष्टीवन, न. } युक्तुं.  
ष्टवन, }  
ष्वक्, ग. १. वुं.

## स.

स, अत्रीशमे व्यजन.  
स, अ. सहित, सह; साथे; अर्थे.  
पु. सर्प; वायु; पक्षी; शिव; वि-  
ष्णु; इवितानो अेक गलु. न.  
ज्ञान; विचार; क्षीत.

संय, पु. डाडपिंनर.  
संयज, ग. १. लज्जुं; अपर्णु करुं.  
संयत्, ग. १. कथ्णु करुं; लज्जुं.  
संयत्, स्त्री. लडाई.  
संयत्त, वि. तैयार.  
संयत, वि. आधिपुं; देदी; गोडवेपुं;  
जेडी गदेरावेपुं. पु. योगी; शिव.

संयद्धर, पु. राज.  
संयन्त, पु. नियंता, रोकनार.  
संयम्, ग. १. रोकुं; देह करुं;  
अेकहुं करुं; अध करुं; मणभूत  
पकडुं; आपुं. [भाषुसाध.

संयम, पु. रोक; व्रत, नेम; दया;  
संयमन, न. अधन; दमन; औधर,  
वार धरनो समूह. [अेकहुं मणेपुं.

संयमित, वि. आधिपुं; देह करेपुं;  
संयमिन, पु. योगी, मुनि. [सद्धर.  
संयात्रा, स्त्री. नणभागे मुसाद्धरी,

संयाव, पु. सुरमे, भीडाई.  
संयुक्त, वि. नेडेपुं; मिश्र करेपुं.  
संयुग, पु. लडाई, नेडाण.

संयुत, वि. नेडेपुं; मिश्र.  
संयोग, पु. नेडाणु, संयोग; मेण-  
वणु; लेह; मेवाप.

संयोगिन, वि. नेडेपुं.  
संरक्ष, ग. १. रक्षणु करुं.

संरक्ष, पु. } रक्षणु, समाण.  
संरक्षण, न. }

संरंभ, पु. शङ्खान; क्रोध; उत्साह,  
संराव, पु. शब्द; गोंधाट. [अंत; गं.  
संरव, ग. ७. रोकुं; संताडुं; म-  
संरद्ध, वि. रोकुं. [मणभूत पकडुं.  
संरूढ, वि. दह; अंकुरित.

सरोध, पु जेडी, घेरे [साभणतु  
 सलख, ग १० अलोकन करतु,  
 सलय, पु. निद्रा, प्रवय  
 सलाप, पु वातथीत  
 सलख, ग ६ लभतु, वगाडतु  
 सलो, ग ४ वणगतु  
 सलीढ, वि आटेतु  
 सवत्, विक्रमादित्यतु वरस  
 सवत्सर, पु वर्ष वरस, शिव  
 सवद, ग १ मोलतु वातथीत  
 वरेनी, जेकडा भणतु जोवावतु,  
 न्भूव वरेतु [वशीकरणु  
 सवदन, न समाद परीक्षा, नहु  
 सवनन, न वशीकरणु नहु प्यार  
 सवर, न पाणी धूषामणी पु  
 पूव, पाण, जेक दंत्य, जेक न  
 ततु हरिपु. [नात धूषामणी  
 सवरण, न पडो, निमित्त, धुपी  
 सवरित, वि शुभ, दाकेतु  
 सवर्ग, पु अशि  
 सवर्त, पु प्रलय, मेध, वरस, लीउ  
 सवर्तक, पु प्रलयनी आग, पड  
 वानन भवशम न भवशमतु  
 सवर्तकिन्, पु भवशम [डन  
 सवत्, ग १ वसतु शुभरेतु  
 सवसध, पु गाम [वातथीत  
 सवाद, पु बाधविनाद, तत्यभोधक  
 संवादिन्, वि साधस, सरधु [ते  
 सवाल, पु धर जेकडा यउ वरसतु  
 सवाद, पु वपी  
 सवाहव, पु यपी करनार  
 सविधि, स्त्री वेतना बुद्धि  
 पर

सविद्ध, स्त्री बुद्धि, ज्ञान मन्तूरी,  
 लडाई नाम, ससक निशान  
 सविदित, वि नजोतु प्रभ्यात  
 मन्तूर न मन्तूरीआत  
 सविधा, ग ३ अलवक्तु गोठवतु,  
 भूक्तु ध्यान आपतु उपयोग करवो.  
 सविधा, स्त्री गोठनपु उपलविका  
 सविधान, न बुद्धि गोठनपु कर्म  
 सर्वाक्षण, न तपास, शोध  
 सवीत, वि. दाकेतु शणुगारेतु  
 कपडा पडेरावेतु  
 सवृ, ग १ ५ ९ दाकेतु रे-  
 कतु अथ करतु, गोठनतु पसद  
 करतु [अथ  
 सवृत, वि दाकेतु शूषु, सतावेतु,  
 सवेग, पु शुभनागे, उतावण, तेथ  
 सवेद, पु अनुभव प्रतीति, ज्ञान  
 सवेश, पु निद्रा, स्वप्न, जेकक,  
 श्रीसगतु जेक आसन  
 सव्यवहार, पु वेपार करण  
 सव्यान न हुपटो, वस्त्र  
 सशक्तक पु लडाधनी सोभती, के  
 शरीआ करनार, लडाधमा शतु  
 सामे लडी भरनार  
 सशय, पु वेदेम, शक लय, शक्यता  
 सशयान, वि वेदेमी, शक्यातु  
 सशरण न लडाधनी शक्यात  
 सशित वि तीवरा, धारवातु  
 सशीति, स्त्री सरोध, शक  
 सश्वत्, न बुद्धि, कपट पु नहुम  
 सश्रय, पु आश्रय, रडेवातु धर, उ  
 सश्रय, पु नवन, क्यूवात [प्राय  
 सश्रवण, न श्रवण, मन

संश्रित, वि. शरणांगत; लेडेकुं.  
 संश्रु, ग. ५. सांख्यकुं; वयन आपकुं.  
 संश्रुत, वि. अंगिकृत, कभूल; पूरे सां-  
 ख्यकुं.  
 संश्रिप्, ग. ४. वणगकुं; लेडेकुं.  
 संश्रिष्ट, वि. भजेकुं; संयुक्त.  
 संश्लेष, पु. आदिगन; भेषाप.  
 संसक्त, वि. वणगेकुं; युक्त; पासेनुं.  
 संसद्, ग. १. ६. नीचे वेसकुं.  
 संसद्, स्त्री. सभा; न्यायदरभार.  
 संसरण, न. गमन; लडाघनी शत्रु-  
 आत, ससार; पुनर्जन्म; मोटे  
 ररतो; धर्मशाखा.  
 संसर्ग, पु. सम्बंध; शोषत; श्रीसंग.  
 संसर्गिन्, वि. शंभमी; साथी, शो-  
 षती. पु. मित्र, शोषती.  
 संसर्प, पु. सर्प, पाणी वगेरेनी ग-  
 तिप्रभाणे यावकुं ते.  
 संसाद, पु. सभा.  
 संसार, पु. ररतो; आंलोक, दुनिया.  
 संसारगुर, पु. कामदेव. [ प्राणी.  
 संसारिन्, वि. संसारी. पु. श्वात्मा;  
 संसिद्धि, स्त्री. प्रकृति; स्वभाव; पू-  
 संसृच्, ग. १०. सूत्रवकुं. [ धृता.  
 संसूचन, न. सूचना; कथन. [ भिषवकुं.  
 संसृ, ग. १. पासे आवकुं; ररकुं;  
 संसृच्, ग. ६. लेणकुं, लेडेकुं; यनावकुं.  
 संसृति, स्त्री. प्रवाल; ससार.  
 संसृष्ट, वि. सडवासी; लेडेकुं, रवेकुं.  
 संसृष्टि, स्त्री. सम्बंध; लेडाकुं; नयो.  
 संस्कार, पु. पूरुता; डेणवणी; गालु-  
 आर; योग्यता आपुनार क्रिया;  
 धर्मपाश.

संस्कृत, वि. शोधित; डेणवेकुं; स्व-  
 २४; तयार; शखुगारेकुं. पु. वि-  
 दान माणुस. न. संस्कृतभाषा,  
 गीर्वाणुभाषा.  
 संस्किया, स्त्री. सुरहु भाणवानी  
 क्रिया; धर्मभातामां अपणु करकुंते.  
 संस्तव, पु. परिचय; स्तुति.  
 संस्तम्, ग. ५, ९. अटकावकुं; टेके  
 आपवे; मणभूत करकुं.  
 संस्तंभ, पु. टेके; रोके. [रिनुं पीछाकुं.  
 संस्तर, पु. पीछाकुं; धर; पाडेडां वगे-  
 संस्ताय, पु. स्तुति; स्तोत्र.  
 संस्तु, ग. २. स्तुति करनी; वभाणुकुं.  
 संस्तुत, वि. वभाणेकुं; लणीनुं.  
 संख, वि. वसतुं; पाणेकुं; नष्ट; व्य-  
 क्त. पु. वसनार; लभस; पागेरी.  
 संख्या, ग. १. वसतुं; हयात होकुं;  
 कभूल करकुं; भरकुं.  
 संख्या, स्त्री. सभा; डावत; आकार;  
 धंधा; अंत; अटकाव, रोके; नाश;  
 प्रलय; सरभापणुं; मृत्यु; देणव.  
 संख्यान, न. नयो; बीकुं; आकार;  
 विषय; मृत्यु; यित; डावत.  
 संस्थापक, वि. स्थितिस्थापक.  
 संस्थापन, न. थापकुंते, स्थिर करकुं ते.  
 संस्थापित, वि. अकेकुं करेकुं; स्थिर.  
 संस्थित, वि. गरेकुं; अकेकुं करेकुं;  
 अटकावेकुं; समान. [लय; संस्थान.  
 संस्थिति, स्त्री. पटोस; धर; मृत्यु; प्र-  
 संस्तरां, पु. स्पर्श; इंद्रियकुं जान.  
 संस्पृश, ग. ६. अडकेकुं; पाणी  
 संस्पृष्ट, वि. मित्र; अडकेकुं. [छांउकुं.  
 संस्फाल, पु. मेटो; वादण.

संस्कृत, वि. विकसित, भीषेक्षुं.  
 संस्फोट, संस्फोट, पु. लडाई.  
 संस्मरण, न. स्मरण, ज्ञात.  
 संस्मृ, ग. १. याद शभुं.  
 संस्मृति, स्त्री. यादस्त.  
 संस्र(स्त्रा)व, पु. अरो, नाणु; ससर्ग.  
 संहत, वि. भजेयुं; दृढ; अध करे-  
 लुं; भण्युत गुथेयुं. [शरीर; कद.  
 संहति, स्त्री. नेडाणु; ढगलो, नेर;  
 सहज, ग. २. भारुं; ढगलो क-  
 र्वा, साथे नेडुं.  
 संहनन, न. दढता; शरीर; नेर,  
 संहर्तु, पु. नाशकर्ता, धातक. [वध.  
 सहर्ष, पु. प्रभोद, आह्लाद; स्पर्धा;  
 वायु. [अिक नरक; अत; यतुराई.  
 संहार, पु. विनाश; प्रलय; वध;  
 संहारक, वि. नाशकारक.  
 सहारिन्, वि. विनाशक, नाशकर्ता.  
 संहित, वि. नेडेयुं, भूकेयुं; अिकहुं करेयुं.  
 संहिता, स्त्री. सवध, संश्रु; वेदना  
 भन्; वेदनी शाखा.  
 संहति, स्त्री. धणु न्णु भणी अिक  
 न्णुने जोलायवे ते.  
 संहत, वि. अिकहुं करेयुं; नाश करेयुं.  
 संहति, स्त्री. सश्रु.  
 सहद, पु. मोटा अवाण; अवाण.  
 सकट, पु. भरण, नीय.  
 सकंदक, वि. कटावाणु, अयकर.  
 सकरण, वि. द्याणु. (धातु.)  
 सकर्मक, वि. कर्मसहित, कर्मवाण  
 सकल, वि. अधुं, सधणु. न. दरेक  
 सकल्प, पु. शिव. [चीन, अधुं.  
 सकाकोल, पु. अिक नरक.

सकाम, वि. कामी, कामनावाणु; लपट.  
 सकाल, वि. वभत सारुं. अ. प्र-  
 भात, सवार. [डानरी; नगदीडी.  
 सकाश, वि. देभीतुं, डानर. पु.  
 सकुल, वि. कुटुंभी; उतुम कुलतु.  
 पु. सगो; अिक नतनी भाछवी.  
 सकुल्य, पु. अिक गोत्र; सगुं; पित्राई.  
 सकृत्, अ. अिक वार; अिक वभते;  
 सडित; सर्वध. पु. नरक, विधा.  
 सकृद्भर्म, पु. अयर. स्त्री. (भा) अिक  
 वभत गमिणी थयवी श्री.  
 सकृत्प्रभ, पु. कागडो.  
 सकृत्प्रसूता, स्त्री. अिक वभत गमि-  
 णी थयवी श्री अथवा गाय.  
 सकृत्फला, स्त्री. केणुं अड.  
 सकृपण, वि. कंशुस, कगाव.  
 सकेश, वि. वाणवाणु.  
 सकेतव, वि. कगारो. पु. कग.  
 सक्त, वि. निरंतर; आसक्त; म-  
 नोयोगी; अशु.  
 सक्ति, स्त्री. स्पर्त; नेडाणु, संबंध.  
 सक्त, पु. सेकेला नवनो लोड.  
 सक्तुक, पु. सक्तु; अिक अेर.  
 सक्थि, न. लंध, डाडुं.  
 सक्रिय, वि. अंथव.  
 सखि, पु. मित्र, सभा.  
 सखी, स्त्री. सहयरी, साहेवी.  
 सत्य, न. मित्रता; सरभाध. पु.  
 सग, ग. १. दांडुं. [मित्र.  
 सगण, पु. शिव.  
 सगंध, वि. सुगंधी. पु. सगुं.  
 सगद, वि. अेरी. पु. अिक सर्वगी  
 सगर्भ, -भयं, पु. गजा भाई. [सिन्त.

सगुण, वि. शुष्कवान्; सद्गुणी.  
 सग्धि, स्त्री. त्रिकुंभणीने जातुं ते.  
 सघ, ग. ५. धन करणी; कथ्य क-  
 रतुं; टेके आपवो. [रस्तो; दुःख.  
 संकट, वि. सांकर्तु; तग. न. साकरो  
 संकथ, ग. १०. वर्धन करतुं; स-  
 भनवतुं; वातशीत करपी.  
 संकथन, न. वर्धन.  
 संकथा, स्त्री. वातशीत. [धूण.  
 संकर, पु. गिथ नति; नेडाणु;  
 संकर्षण, पु. गलराग.  
 संकल्, ग. १०. उभेरतुं; ढगलो  
 करवो; पकडतुं.  
 संकल, पु. सरवाणो; नथो.  
 संकलन, न. } सरवाणो; ढगलो.  
 संकलना, स्त्री. }  
 संकलित, वि. योत्त; पकडतुं; ढ-  
 गलो करेखुं. न. सरवाणो.  
 संकल्प, पु. मननो एक व्यापार;  
 मरथ, विचार; नियम.  
 संकलुक, वि. व्ययव; शक भरेखुं;  
 पापी; नभणुं.  
 संक, पु. धूण. [ यथली कन्या.  
 संका, स्त्री. कुमारीपणुं; लंग  
 संका, वि. समान, सरभुं; पा-  
 सेतुं. पु. ढागरी; पाटोस.  
 संकीर्ण, वि. शुभवायु; संकर न-  
 ततुं; शीतवाणु, अस्वच्छ. पु.  
 वर्धुसकर नतिनो भाणुस; मिश्रित  
 राग, मङ्गल छापी. न. मुशकेव.  
 संकुच, ग. १, ६. ढांकुं, अंध  
 करतुं; सकोचातुं.

संकुचित, वि. संकोचतुं; अंध क-  
 रेखुं; ढांकुं. [ शीत.  
 संकुल, वि. गालर; शुभवायुं न.  
 संक, ग. ८. तैयार करतुं; अनावतुं.  
 संकेत, पु. धरारत; नियम; विह;  
 रोकाणु. [अिक नतनी भाछपी.  
 संकोच, न. डेशर. पु. संक्षेप; अय;  
 संकोचन, न. संक्षेप; सकोच.  
 संकोचनी, स्त्री. साभलु, शरभाड आड.  
 संकंदन, पु. धर; श्रीकृणु.  
 संकम्, ग. १. अिकका भणतुं; आ-  
 णधतुं; ननदीक नतुं; ढागर यतुं.  
 संकम, पु. उदधन; कमणु; प्रवेश.  
 उ. मुशकेली भरेखो रस्तो; पूव.  
 संकमण, न. गभन; रस्तो; सरतुं  
 अिक राशिभांधी भीलभां नतुं ते.  
 संकांत, वि. दापव यथतुं; सका-  
 तियाणु. न. अीने पति तरक्षपी  
 भणेवी भीलकत.  
 संक्रांति, स्त्री. उत्तरायन, सरतुं अिक  
 राशिभांधी भीलभां नतुं ते;  
 संह्रैद, पु. शीनाश. [नेडाणु.  
 संक्षय, पु. नाश; प्रलय; अत, पु-  
 कशानी. [आणुं करेखुं.  
 संक्षिप्त, वि. अिकहुं करेखुं; दुंकुं करेखुं,  
 संक्षेप, पु. सार, दुंकाणु. [ मररी.  
 संक्षोम, पु. व्ययवता; शुभवाटो;  
 संख्य, न. लडाध.  
 संख्यक, वि. गणुवालायक. [रवो.  
 संख्या, ग. २. अणुतुं; सरवाणो क-  
 संख्या, स्त्री. अक, आंकरो, गणु-  
 तरी; परिमाणु; अरि; रीत.

संख्यात, वि. गणेशुं. न. अक्ष, संख्या.  
 संख्यान, न. गणना. गणुतरी.  
 संग, पु. सोपत, साथ; अप; स्पर्श;  
 लागणी; मित्रता.  
 संगत, वि. लोडुं; भणुं. न. सं-  
 अध; मित्राचारी.  
 संगति, स्त्री. संध; मित्राचारी;  
 भेधुन; लायकात; अक्षमात, शान.  
 संगम, ग. १. भणुं; संग करवे;  
 मित्राचारी राभवी; कभूल करुं.  
 संगम, पु. संध; मित्राचारी; स्पर्श;  
 लायकात; लडाई; स्त्रीपुरुष संगति.  
 संगर, पु. वचन, कभूलात; सोढो;  
 लडाई; शान; आपत्ति; उर; नि-  
 यम; सवाल. [भती.  
 संगिन, वि. लोडुं; आसका; सो-  
 संगीत, वि. साथे गावुं. न. साथे  
 मणी गावालुं गीत; गान; तान;  
 गायनविद्या.  
 संगुप्त, वि. शुभ राभेयुं.  
 संग्रह, ग. ९. अेकडुं करुं; शेकडुं;  
 लेपु; पकडुं; सक्षिप्त करुं; स-  
 भणुं; नाम देवुं; अध करुं.  
 संग्रह, पु. समुदाय; अेकत्र नथो;  
 संयथ; अडणु; संक्षेप; लडाई,  
 स्त्रीकार; मोटाई; शिव; यत्र,  
 संख्या; सार. [अभित्यार.  
 संग्रहण, न. पकडुं ते; श्रीसंग;  
 संग्रहणी, स्त्री. भरडो, अतिसार.  
 संग्रहीत, पु. सारथि.  
 संग्राम, पु. लडाई.  
 संग्राह, पु. पकड; ढालनी मुड.  
 संघ, पु. समूह, टाणुं.

संघसारिन, पु. भाछवी.  
 संघट, ग. १. अेकडुं भणुं.  
 संघटना, स्त्री. संग, संयध.  
 संघट्ट, ग. १. लोडुं; धसुं; अे-  
 कडुं करुं. [साथे रभडुं ते.  
 संघट्ट, पु. अक्ष; गडन; अेक णील  
 संघट्टन, न. [भेधन; परस्पर ध-  
 संघट्टना, स्त्री. [अडुं ते, आशुक  
 भाशुकनुं आलिंगन.  
 संघट्टा, स्त्री. लता, वेत.  
 संघतल, पु. लोडोवा डाय. [अंध.  
 संघाटिका, स्त्री. लोडी; कुट्टणी; शु-  
 संघात, पु. सोपत, संग; सभा; वध,  
 कतल; अलगभ, कक्ष; अेक नरक.  
 संघुप, ग. १. पडघो पाडघो.  
 संघुष्ट, वि. पडघो पाडेयुं; अवा-  
 करुं. पु. अवाण.  
 सच, ग. १, २. पाछय नुं; नुं;  
 बडावुं; ताणे थुं; याकरी करवी;  
 सचकित, वि. णीकणु. [मदद करवी.  
 सचि, पु. मित्र; मित्राचारी. स्त्री.  
 ईद्रनी पनी.  
 सचित्र, वि. रगेयुं. [पूरो.  
 सचिव, पु. मित्र; मंत्री, काणे ध-  
 सची, स्त्री. ईद्रनी पनी. [जाड.  
 सचेष्ट, वि. वेष्टावाणु. पु. आंभानुं  
 सचरित, वि. उत्तम, नेक; मत्यवादी.  
 सचारा, स्त्री. ढणदर.  
 सच्चिदानंद, न. सत्, चित् अंभे  
 सजन, पु. सधुं. [आनंदरथ अक्ष.  
 सजवाल, वि. काष्टवाणु.  
 सजल, वि. णीनुं. [भाई.  
 सजात, वि. साथे गेदा थयुं. पु.

सजाति, १ वि. ऐक्य लतनुं;  
सजातीय, १ शूरभुं. पु. ऐक्य ल-  
तिना सीपुत्रयथी उत्पन्न यथसी  
प्रजन्संतति.

सज, वि. शब्दत, तैयार; शणुगारेनुं.  
सज्जन, न. अशतर; धार; बाडीदार.  
पु. लयो भाषुम.

सजा, स्त्री. शणुगार; अशतर.

सजित, वि. कपडां पहेरेनुं; शरणु-  
रेनुं; इयियारबंध; तैयार. [ करवुं.

\*सजीक, ग. ८. शणुगारवुं; तैयार  
सज्योत्स्रा, स्त्री. बांढगीवाणी रात्रि.  
संच, पु. पुस्तक लभवाभाटे पत्र-  
सचत, पु. लहुगर; कगारे. [ राभूड.

सचय, पु. समूह; लथो; सांधो.

सचयन, न. ऐक्युं करवुं ते.

संचयिन, वि. ऐक्युं करनार.

संचर, ग. १. आवुं; अलववुं;  
लेडवुं. [ वध; स्फष्टता.

संचर, पु. रस्ते, प्रवेश; शरीर;

संचरण, न. गति, अमन.

संचर, ग. १. धुगुनुं; कुडवुं.

संचलन, न. धुगुदी, गलराट.

संचाय्य, पु. ऐक्य लतनो यन.

संचार, पु. गति; रस्ते; मुशडेकी  
अरेवो रस्ते; संकट; सापनुं भण्डि;  
शूरनुं नवी राशिभां लुं ते.

संचारक, पु. सरदार; वक्रा.

संचारिका, स्त्री. कुटली; गुंध;  
लेडी; इती, लमुश स्त्री [ गपु.

संचारित, वि. गतिभां भूडेनुं; लर्ध

संचारिन, वि. अटकवुं; दुर्गम; वा-  
पीक. पु. पवन; धूप.

संचाली, स्त्री. यलुडी-मुंजनो शेषो.

सचि, ग. ५. ऐक्युं करवुं; गोडवुं.

संचित, वि. ऐक्युं करेनुं; जीय;

संचिति, स्त्री. लथो. [ गलुडु.

संचित्त, ग. १०. विचारवुं; धराद्ये

संचितन, न. विचार, मनन. [ करवो.

संज, ग. १. बांढी रडेनुं; वणवुं; लुं.

\*संज, पु. श्रद्धा; शिव.

संजन, ग. ४. वधवुं; पेदा यवुं.

संजय, पु. धृतराष्ट्रनो सारथि.

संजल्प, ग. १. वातव्यीत करपी.

संजल्प, पु. वातव्यीत; अर्जना.

संजा, स्त्री. थकरी.

संजात, वि. लन्धेनुं, पेदा यथनुं.

संजीव, ग. १. साथे रडेनुं; डेयात  
डेवुं. [ वन.

संजीवन, न. प्राणधारण, रश्-

संघ, वि. नाम आयेनुं. न. पीणुं

संसपन, न. वध. [ लाकडुं.

ससा, ग. ९. समलनुं; अलाभनुं;

बाडी करपी; नेभनुं.

संशा, स्त्री. शेतना; गान; धुडि; नाम;

सकेत; गायत्रीमंत्र; शूर्यनी पनी.

संशान, न. शान.

संशिन, वि. नाम दीयेनुं. [ अरभी.

संश्वर, पु. सनाप, अजतन्तावा;

सद, ग. १०. टेभाडवुं.

सद, न. } लटा, मिडनी याग; क-

सटा, स्त्री. } लगी; लुवकां.

सटांक, पु. सिड.

सदथा, स्त्री. ऐक्य लतनुं पक्षी.

सद, ग. १०. पुई करवुं; शणुगारवुं;

लुं; अथुडे अकनुं.



संड, पु. अण्ड; द्वीण्डो.  
 सडिश, पु. सांजुशी, श्रीभटो.  
 सडान्, न. पक्षीनी उडयानी गति.  
 सत्, वि. डैयात; भंड; लडुं; उ-  
 त्तम; वाण्णी; मुंहर, उाणु; मा-  
 नवन्; नित्य; उमडा. पु. साधु. न.  
 डैयाती; अण्ड; पाण्णी.  
 सतत, वि. हडेशन्, यालु  
 सति, स्त्री. दान, लेट; अत. [डुर्गा.  
 सती, स्त्री. सडगुणी स्त्री; योगणु;  
 सतीर्थ, -र्य, पु. गुरुभार्थ.  
 सतील, पु. वास, यालु.  
 सतीलक, पु. वडाणु।  
 सतेर, पु. छावां.  
 सत्कार, पु. विण्डु. [जन; समाण.  
 सत्कार, पु. पूज. आदरमान, जो-  
 सत्कृत, वि. पूजत.  
 सत्कृति, स्त्री. सडगुणु, सत्कार.  
 सत्ता, स्त्री. डैयाती, उत्तमता, भलाध.  
 सत्त्र, न. यज्ञ, दान, उदरता. स-  
 डगुणु, धर; आच्छादन, होलत,  
 नगल, तणाय, ठगार्थ, धर्मशाखा.  
 सत्त्रा, अ. सडित  
 सत्त्राहन, पु. धंड.  
 सत्त्रि, पु. वाडण; डाथी.  
 सत्त्रिन्, पु. यज्ञ करानार  
 सत्त्व, न. डैयाती, कुहरत, कुहरती  
 स्नभाव, उडगी, मन, पैसो,  
 वस्तु, प्राण्णी, पिशाच; सडगुणु,  
 सन्ध्या, नेर; उडापणु, नाम.  
 सत्पति, पु. धंड  
 सत्पथ, पु. असे रस्तेो.  
 सत्पणु, पु. यज्ञवायक ननावर.

सत्पात्र, पु. सडगुणी भाणुस.  
 सत्पुत्र, पु. उत्तम पुत्र.  
 सत्य, वि. साधु, प्रामाणिक; सडगु-  
 ण्णी. पु. अल्लवोड; श्रीराम; वि-  
 षणु; पीपणानुं उडन. सन्ध्या,  
 सडगुणु; सत्ययुग; पाण्णी, अण्ड.  
 सत्य, अ. सन्ध्याधधी, स्वीकार.  
 सत्यकार, पु. षणानाना पैसा.  
 सत्यता, स्त्री. सन्ध्याध.  
 सत्यपुर, न. विण्डुवोड.  
 सत्यमामा, स्त्री. सत्राजित याडवनी.  
 पुत्री, डुणुनी पत्नी.  
 सत्यभारत, पु. वेडव्यास.  
 सत्ययुग, पु. प्रथम युग.  
 सत्यवती, स्त्री. भस्त्रयथा; व्यास-  
 भाता, नारदनी पत्नी. [कागडो.  
 सत्यवाच्, वि. सत्यवादी. पु. ऋषि,  
 सत्यवादिन्, वि. साधु जोवनार.  
 सत्यसंगर, पु. कुभेर.  
 सत्यसध, पु. राम, रामनो भाड  
 भरत; ननमेण्य.  
 सत्या, स्त्री. सन्ध्याध, सीना, श्री-  
 पटी, सत्यवती, दुर्गा, सत्यभाभा.  
 सत्र, 'सत्त्र' लुब्धो.  
 सत्रप, वि. शरभाल, नत्र  
 सत्राजित्, पु. जेक याडव, सत्य-  
 भाभानो आप.  
 सत्वर, वि. उतावणु, तुरत.  
 सद्, ग. १. जेसडु; डुणु, रडेडु,  
 सद्, पु. अडोनां डल [नाश पाभडुं.  
 सदन, न. धर, याक, पाण्णी, आसन  
 सदय, वि. भायाणु. अ भायाथी.  
 सदस्, न. आसन, जेडक, शया.

सदस्य, पु. सभासद.  
 सदा, अ. उभेशनुं.  
 सदागति, पु. वाधु; सूर्य; युक्ति.  
 सदाचार, पु. साशे आचार.  
 सदादान, पु. औरावत हाथी; गणु-  
 पति; तोड़नी हाथी.  
 सदानीरा, स्त्री. करतोया नदी; उ-  
 भेश वडेती नदी.  
 सदापुष्प, वि. उभेश कृषवाणु. पु.  
 नारियलनुं अउ.  
 सदक्ष, सदश(श), वि. तुल्य;  
 सभान; लायक.  
 सदश, वि. पारोनुं; देशनुं.  
 सदोष, वि. अपराधी; भोदुं.  
 सद्भाव, पु. हँपाती; साधुता; सम्बन्ध.  
 सद्गन्, न. धर; जग, दहेडे; वे-  
 सद्यस्, अ. आगे. [ ४४; पाणी.  
 सद्यस्क, वि. ननुं; पुरतनुं.  
 सद्योजात, वि. ननुं जन्मेनुं. पु.  
 शिव; वाउदुं.  
 सद्वद, वि. कञ्जआभोर.  
 , पु. गाम. [ सदाथरणु.  
 , वि. सदाचारी. न. लसार्थ,  
 , वि. धनवान, पैसादार.  
 स्त्री. सुडागणु स्त्री.  
 , वि. सभान, सरभुं.  
 , स्त्री. भार्या, पत्नी.  
 सधि, पु. अग्नि.  
 सधिस, पु. अणद, सांद.  
 सध्रीची, स्त्री. सभ्री, सदयरी.  
 सन्, ग. १. ८. यडाउं, पूरनुं;  
 भेगवनुं; अक्षीस आपनुं.  
 , पु. प्रदानो अेक पुत्र.

सनत्, पु. प्रदा. अ. सर्वदा, उभेश.  
 सनत्कुमार, पु. प्रदानो अेक पुत्र.  
 सनस्, न. विद्या, नरक. -  
 सना, अ. नित्य, उभेशनुं.  
 सनात्, अ. उभेशनुं.  
 सनातन, वि. उभेशनुं; दंड; प्रा-  
 थिन. पु. विष्णु; शिव; प्रदा,  
 दीय भनुभ्य; प्रदानो अेक पुत्र.  
 सनाथ, वि. धणुपातुं, रोडेनुं.  
 सनि, पु. पूज; दान.  
 संतत, वि. लयापनु; धणु; उभेशनुं.  
 अ. सर्वदा; वारवार.  
 संतति, स्त्री. वंशवृद्धि; ज्योताद;  
 वश; लयाध; बीटी, पक्ति.  
 संतप, ग. १. तपनुं; दुःख आपनुं.  
 संतप्त, वि. गरम; अणेनुं; थाडेनुं.  
 संतरण, न. तरी जनुं ते.  
 संतान, पु. कल्पवृक्ष; वरा; विस्तार.  
 न. प्रबंध; प्रवाद.  
 संताप, पु. गरमी, दुःख, पीडा;  
 अकषामणु, लुस्से; पथात्ताप.  
 संतापन, पु. कामदेवनुं अेक आणु.  
 न. अणतुं; दुःखतुं.  
 सति, पु. अथसान, अत; दान.  
 संतुप, ग. ४. सतोप पामनुं.  
 संतुष्ट, वि. सतोपी; त्त.  
 संतुष्टि, स्त्री. आहाद, भुशी.  
 संतोप, पु. तृप्ति; धीरज; आनद.  
 संतोपिन्, वि. संतोपी; आनंदी.  
 सत्रस्, ग. १, ४. णीडनुं.  
 संत्रस्त, वि. अथशीत.  
 संत्रास पु. अथ, पीक.  
 संदंश, ग. १. करडनु; वगणी रडेनुं.

संदश, पु. साणुसी, श्रीमटो; ओक  
 संदशक, पु. साणुसी. [ नरक.  
 संदभं, पु. संभ्रड; अथ; प्रअध;  
 अधारणु.  
 संदष्ट, वि. करडेयुं; श्रीमटो लीधेयुं.  
 संदह, ग. १. आणुं.  
 संदान, न. दोरडुं; सांकण. पु. डा-  
 थीनां भद अरतो भाग.  
 संदानिनी, स्त्री. गायनो गोडो.  
 संदाव, पु. पलायन, नाशी जनुं ते.  
 संदाह, पु. अणतरा, अणुं ते.  
 संदित, वि. आधेयुं.  
 संदिग्ध, वि. अचोकर, शकभरेयुं;  
 शुचवायडुं; अयंकर. [रवो; नेभयुं.  
 संदिय, ग. ६. आपयुं; लुकम क-  
 संदिष्ट, वि. कथित; कथूव. न. सं-  
 देशो. पु. संदेशो पडोआडनार.  
 संदिह, ग. २. लगाडयुं; शक वा-  
 यवो; ढगवो करवो.  
 संदी, स्त्री. नानो भाटवो.  
 संदीप, ग. ४. आणुं; प्रकाशयुं.  
 संदीपन, न. प्रयत्न, आणुं ते.  
 पु. कामदेवतुं ओक आणु.  
 संदेश, पु. सभाचार; संदेशो; लुकम.  
 संदेह, पु. शक, संशय.  
 संदेहिन, वि. संशययुक्त; अचोकर.  
 संदोह, पु. समुदाय; दोहयुं ते.  
 संद्राय, पु. पलायन, नाशी जनुं ते.  
 संघा, ग. ३. जेडुं; पडुं; अंध  
 करुं; पासे आरयुं.  
 संघा, स्त्री. जेडाणु, दागत; कथू-  
 वाग, हद; अऊंयुं.

संघान, न. जेडाणु; संअंध; साधो;  
 ध्यान; आणु; धूर गाणुं ते;  
 कांळ; धर; कांयुं.  
 संघानिनी, स्त्री. गायनो गोडो.  
 संघारण, न. शैकुं ते; अमडुं ते.  
 संधि, पु. जेडाणु, सअंध; सदाड;  
 साधन; शत्रुसाथे भेदाप.  
 संधिका, स्त्री. दाडू गाणवो ते.  
 संधिज, न. धर.  
 संधिनी, स्त्री. भैयुनभाटे अणद-  
 साथे सधि करनार गाथ.  
 संधिला, स्त्री. सुरंग; नदी; धर.  
 संध्या, स्त्री. जेडाणु; साधो; सांग;  
 सवार अणार अने सांगनी सं-  
 धिसभये करवानुं गायत्री ज्ञपादि  
 नित्यकर्म; प्रभात; वयन; हद;  
 प्रज्ञानी पत्नी; ओक नदी.  
 संध्याराम, पु. सिद्धर.  
 संध्याराम, पु. श्रद्धा.  
 सन्न, वि. क्षीणु; हीन; नअणुं; अ-  
 यड; पासेयुं; गत. पु. त्रियास-  
 वृक्ष. न. अहप, नानो जथो.  
 सन्नक, वि. दुंडुं.  
 सन्नत, वि. नम्र; नीच. [ मरकार.  
 सन्नति, स्त्री. नभता; अवाग, न-  
 सन्नद, वि. तैथार; आधेयुं; गोड-  
 वेयुं. [ भाग.  
 सन्नय, पु. समुदाय; सैन्यनो पाठवो.  
 सन्नह, ग. ४. आंयुं; पडेरुं, ह-  
 यिथारअध ययुं.  
 सन्नाह, पु. अअतर; हयिथारअध  
 ययुं ते; लडाईनी तैथारी.  
 सन्नार, पु. लडाईनो दाथी.

सन्निकर्ष, पु. पात्रे न्युं ते; नग-  
दीप्री, पडोस; सन्ध; धद्रियनो  
विषय जेटेनो सन्ध.

सन्धिय, पु. समुदाय. [ भूक्युं.

सन्धिघा, घ. ३. पात्रे भूक्युं; सात्रे  
सन्धिघान, न. } पडोस; हेभाय; धि-  
सन्धिधि, पु. } द्रियविषय.

सन्धिपत्, ग. १. नीचे उतरनुं; अ-  
कहुं भणनुं; दुभलो करवे; पासे  
आपनुं.

सन्धिपात, पु. उतरनुं ते; पतन; सं-  
बंध; आगमन; अक जतनो ताव.

सन्धिम, वि. समान, सरभुं.

सन्धियोग, पु. संबंध; नेमत्युं.

सन्धिरुद्ध, वि. रोकेंनुं.

सन्धिरोध, पु. रोक, अटकाव.

सन्धिविष्ट, वि. दामल थयनुं; अ-  
कहुं थयनु; पासेनुं.

सन्धिवृत्, ग. १. पाछुं इरनुं.

सन्धिवृत्त, वि. निवृत्त, पाछुं इरेनुं.

सन्धिवेश, पु. समुदाय; गोठवणु;  
नेठक; पडोस; आकार; रडेठालु,  
अभाडो. [ छानर.

सन्धि, वि. पासे; दड; तैपार;

सन्धि, ग. १. पाछुं आपनु; रान  
अभावनुं; गोठवनुं; मेणवनुं.

सन्ध्यास, ग. ४. नीचे भूक्युं, छोडी हेनुं.

सन्ध्यास्त, वि. तनेनुं, नीचे भूक्युं.

सन्ध्यास, पु. त्याग; अनामत, स  
न्यासीना कर्म. [ बेरागी.

सन्ध्यासिन, पु. यथार्थभी, त्यागी,

सन्मान, पु. सत्कार, विवेक.

सन्मित्र, न. परो मित्र.

सप्, ग. १. पूणनुं; ताणे थनुं; मे-  
णवनुं; स्पर्श करवे,

सपन्न, वि. बेरी. पु. शत्रु.

सपत्राकृति, खो. भोटुं दुःप.

सपदि, अ. तुरत, जलदीपी.

सपर्या, खी. लक्षि; पूल; याकरी.

सपाद, वि. पगवाणु; सव्य, सवापुं.

सपिंड, पु. पिंडसंधवाणां सगां.

सप्तक, वि. सात; सातभुं.

सप्तचवारिंशत्, खो. ४७, सु-  
उतालीशनी संख्या.

सप्तजिह्व, -ज्वाल, पु. अग्नि.

सप्ततंतु, पु. यर.

सप्तति, खी. ७०, सीतेर.

सप्ततितम, वि. ७० भुं, सीतेरभुं.

सप्तत्रिंशत्, खी. ३७, साडनीश.

सप्तदशान्, वि. १७, सतर.

सप्तदीधिति, पु. अग्नि.

सप्तद्वीपा, खी. पृथ्वी.

सप्तघा, अ. सात प्रकारे.

सप्तम, वि. सातभुं.

सप्तमी, खी. सातम, सातमी तिथि;  
( व्याकरणुमां ) सातमी विलक्षि.

सप्तार्य पु. सातभुष्यरुषिः-भरीवि,  
अग्नि, अगिरा, पुलस्त्य, पुवड,  
कतु अने वरिष्ठ. [ अकसे सात.

सप्तशत, न. ७००, सातसो; १०७,

सप्तशती, खी. सातसो श्लोकनो स-

सप्तसप्ति, पु. सूर्य. [ अड; अडिका.

सप्तांशुपुंगव, पु. शनिअड.

सप्तार्चिस्, वि. अहनर, सात  
छलवाणु पु. अग्नि, शनि; वि-

सप्तम्य, पु. सूर्य. [ अक वृक्ष.

समान्नाय, पु. वाचन; पूर्णता; शिव.  
 समाय, पु. आगमन; मुद्राकत.  
 समायत, वि. इलावेकुं.  
 समायुज्ज, ग. ७. लेडवुं; पुई पा-  
 उवुं; तैयार करवुं.  
 समायुत, वि. लेडेकुं; ऐकहुं करेकुं.  
 समायोग, पु. संबंध; तैयारी; क-  
 रण; नथे; भेलाप.  
 समारम्, ग. १. शरुआत करपी.  
 समारंभ, पु. साहसकाम; शरुआत.  
 समाराधन, न. आकरी; आनंदवुं  
 समारोह, पु. यढवुं ते. [ कारण.  
 समालंब, ग. १. पकडवुं; धारण.  
 समालंबन, न. वणगी रडेवुंते. [करवुं.  
 समालंभ, पु. } वणगी रडेवुं ते; पस-  
 समालंभन, न. } नाबोगने पकडी रा-  
 समालाप, पु. वातथीत. [ भवुं ते.  
 समावस, ग. १. वसवुं, रडेवुं.  
 समावाय, पु. संबंध; समूह.  
 समावाप्त, पु. धर; छावणी. [आववुं.  
 समाविश, ग. ६. दाभल यवुं; पासे  
 समाविष्ट, वि. भेडेकुं; दाभल य-  
 यवुं; पकडेकुं; नक्षी ययवुं.  
 समावृ, ग. ५. सताडवुं; ढांकवुं;  
 नथ करवुं. [डिबु.  
 समावृत, वि. ढांडेकुं; संतारेकुं; रौ-  
 समावृत्, ग. १. पासे आववुं;  
 पाहुं इरवुं; छेरो आववो.  
 समावृत्त, पु. परदेश अस्थास करी  
 घेर पाछे इरतो शिष्य.  
 समावेश, पु. समास; गुरसेा; ल-  
 तपी घेरवुं ते; प्रवेश.  
 समाश्रय, पु. आश्रय; धर.

समाश्रि, ग. १. रक्षण भाटे ववुं;  
 अभवुं; लेवुं; भेणववुं.  
 समास, पु. लेडाणु, संबंध; ( व्या-  
 करणुमां ) संयुक्त शब्द; समूह;  
 समासक्त, वि. लेडाणुं. [पूर्णता.  
 समासक्ति, स्त्री. लेडाणु, संबंध.  
 समासंग, पु. संयोग, संबंध.  
 समासंज, ग. १. लेडवुं; ढढ करवुं.  
 समासंजन, न. संबंध; संयोगकरण.  
 समासर्जन, न. त्याग, तथ्य हेवुं ते.  
 समासादन, न. आगमन; भेणववुं ते.  
 समासाधन, न. आराधना, सेवा.  
 समासार्थी, स्त्री. समस्था.  
 समासीन, वि. भेडेकुं.  
 समाहार, पु. समुदाय; संश्रु; सं-  
 क्षेप; द्वंद्व अने द्वीय समास.  
 समाहित, वि. समाधिस्थ; ऐकहुं,  
 भणेवुं; शांत; संपूर्ण; स्थापित.  
 पु. पवित्र भाषण.  
 समाहृत, वि. ऐकहुं करेकुं; धरुं;  
 भेणवेकुं; संक्षीप्त.  
 समाहृति, स्त्री. संक्षेप; संश्रु.  
 समाह, पु. लडाध भागवी ते.  
 समाहय, पु. लडाध भागवी ते;  
 लडाध; द्वंद्वयुक्त; नाम, सत्ता; आ-  
 नंदभाटे ननावरोनी लडाध.  
 समाहा, स्त्री. नाम.  
 समाह्ने, ग. १. लडाध भागवी; भा-  
 लाववुं; तेडुं करवुं.  
 समि, ग. २. ऐकडा भणवुं; स्त्री-  
 संग करवो; शरु करवुं.  
 समिक, न. भणर, धरणी.  
 समित, स्त्री. लडाध. [लेडेवुं.  
 समित, वि. ऐकहुं ययवुं; भणेवुं;

समर्पण, न. विधिपूर्वक आपवुं ते;  
 सीडी, नीसुरणी. [नवंत.  
 समर्याद, वि. छट्वाणु; पासे; भा-  
 समल, वि. गंडुं; पापी. न. विष्णु,  
 समवतार, सु. वंशज. [नरक.  
 समवधान, न. तैथारी.  
 समवाय, पु. संबंध; समुदाय.  
 समष्टि, स्त्री. समस्त, अधुं; सर्वतो  
 सभावेश थाय जेवी स्थिति.  
 समस्त, ग. ध. जेउवुं; साधवुं; जे-  
 कहुं करवुं. [करेवुं.  
 समस्त, वि. संपूर्ण; अधुं; सभास  
 समस्थली, स्त्री. गंगा अने जमुना  
 वञ्चनेना देश. [केत.  
 समस्या, स्त्री. पादपूर्ति; सान, सं-  
 समा, स्त्री. वत्सर, परस.  
 समाश, पु. सरणो भाग.  
 समांसमीना, स्त्री. दरवर्षे विषाय-  
 जेवी गाय.  
 समाकुल, वि. व्याकुल हेरान.  
 समाक्रम, ग. १. कणजभां लेवुं;  
 जतवुं. [रतुं; जहेर करवुं.  
 समाख्या, ग. २. गणवुं; वर्धुन क-  
 समाख्या, स्त्री. कीर्ति; नाम.  
 समागत, वि. जेरेवुं; आवेवुं.  
 समागम्, ग. १. जेकहुं भणवुं; सं-  
 बंध शभवे; पासे आववुं; पा-  
 छ इरवुं. [णभाणु; सडवास.  
 समागम, पु. संबंध; संगति; ज्यो-  
 समाघात, पु. वध, कतल; लडाई.  
 समाचार, पु. आतमी, भबर; बाल.  
 समाज, पु. भंडवी; सभा; हाथी.  
 समाजिक, पु. सभासद.

समाज, स्त्री. कीर्ति.  
 समादा, ग. ३. लेवुं; पडउवुं; आ-  
 पवुं; पावुं इरवुं; जेकहुं करवुं.  
 समादान, न. अधुंजे लेवुं ते; ला-  
 यक अक्षीस लेवी ते.  
 समादेश, पु. आशा, हुकम.  
 समाधान, न. समजुती; न्यूटकारे;  
 निरांत, नीवेडो; सवालनो जवाब.  
 समाधि, पु. वित्त अने प्राणुनी  
 परश्रद्ध साथे जेकता; योगवुं  
 आडभुं अंग; मृत, नियम; मौन;  
 संभति; सिद्धांत; शांति; कबर,  
 सभाध; टेको.  
 समाधिस्थ, वि. सभाधिवाणुं.  
 समान, वि. सरभुं, तुल्य; जेक;  
 जहुं; अभिन्न; साधारण. पु.  
 मित्र, अशेजरीज्यो; पांच प्राणु-  
 वायुभांनो जेक. [जेकहुं करवुं-  
 समानी, ग. १. जेउवुं; लाववुं;  
 समानोदर्य, पु. सगोभाध.  
 समाप्, ग. ५. भेणववुं; पुई करवुं.  
 समाप, पु. हेवने जली आपवुं ते.  
 समापक, वि. पुई करनार.  
 समापन, न. प्रकरणु; सभासि;  
 वध; सभाधान. [अकरमात.  
 समापत्ति, स्त्री. अत्यानक मुलाकात;  
 समापन्न, वि. सभास; प्राप्त; डितवुं;  
 भारेवुं. न. अंत; छेडो.  
 समाप्त, वि. संपूर्ण; अतुर.  
 समाप्ताल, पु. भाडीक, धणी.  
 समाप्ति, स्त्री. अंत, छेडो; सभासि;  
 पूरुता. [धरेवुं.  
 समाप्तुत, वि. नाडेवुं; पाणीधी

समाम्नाय, पु. वाचन; पूर्यता; शिव.  
 समाय, पु. आगमन; भुवाकात.  
 समायत, वि. इलावेयुं.  
 समायुज्ज, ग. ७. जेडयुं; पुई पा-  
 डयुं; तैयार करयुं.  
 समायुत, वि. जेडेयुं; जेडेयुं करेयुं.  
 समायोता, पु. संभंध; तैयारी; क-  
 रण; ज्यो; भेलाप.  
 समारम्, ग. १. शरुआत करयी.  
 समारंम, पु. साहसकाम; शरुआत.  
 समाराधन, न. आकरी; आनंदयुं  
 समारोह, पु. यडेयुं ते. [ कारण.  
 समालंब, ग. १. पकडयुं; धारण  
 समालंबन, न. वणगी रडेयुंते. [करयुं.  
 समालंभ, पु. } वणगी रडेयुं ते, वर-  
 समालंभन, न. } नालोगने पकडी रा-  
 समालाप, पु. वातस्थीत. [ भयुं ते.  
 समावस्, ग. १. वसयुं, रडेयुं.  
 समावाय, पु. संभंध, समूह.  
 समावास, पु. धर, छावणी. [आवयुं.  
 समाविश, ग. ६. दाभल ययु; पासे  
 समाविष्ट, वि. जेडेयुं; दाभल य-  
 ययुं, पकडेयुं; नकीं यययुं.  
 समावृ, ग. ५. सताडयुं; ढांकयुं;  
 भय करयुं. [डिबु  
 समावृत, वि. ढांडेयुं; संतारेयुं; रै-  
 समावृत्, ग. १. पासे आवयुं,  
 पाहुं इरयुं; छेरो आववो.  
 समावृत्त, पु. परदेश आव्यास करी  
 घेर पाछे इरतो शिष्य.  
 समावेश, पु. समास, गुरसो, व  
 तयी घेशयुं ते; प्रवेश.  
 समाश्रय, पु. आश्रय, धर.

समाधि, ग. १. रक्षण भाटे जयुं;  
 अभयुं; जेयुं; भेणवयुं.  
 समास, पु. जेडाणु, संभंध; ( व्या-  
 करणुभां ) संयुक्त शब्द; समूह;  
 समासक्त, वि. जेडाणुयुं. [पूर्यता.  
 समासक्ति, स्त्री. जेडाणु, संभंध.  
 समासंग, पु. संयोग, सभंध.  
 समासंज, ग. १. जेडयुं; दढ करयुं.  
 समासंजन, न. सभंध, संयोगकरण.  
 समासर्जन, न. त्याग, तज देयुं ते.  
 समासादन, न. आगमन; भेणवयुं ते.  
 समासाधन, न. आराधना, सेवा.  
 समासार्था, स्त्री. समस्था.  
 समासीन, वि. जेडेयुं.  
 समाहार, पु. समुदाय; संशुद्ध; सं-  
 क्षेप; द्रव्य अने द्रीगु समास.  
 समाहित, वि. समाधिरथ, जेडेयुं,  
 भजेयुं; शांत; सपूर्य, स्थापित.  
 पु. पवित्र भाणुस.  
 समाहृत, वि. जेडेयुं करेयुं; धयुं;  
 भेणवेयुं; संक्षीप्त.  
 समाहृति, स्त्री. संक्षेप; संशुद्ध.  
 समाह्व, पु. लडाध भागवी ते.  
 समाह्वय, पु. लडाध भागवी ते;  
 लडाध, द्रव्ययुं; नाम, सहा; आ-  
 नदभाटे जनावरौनी लडाध.  
 समाह्वा, स्त्री. नाम.  
 समाह्वे, ग. १. लडाध भागवी; भो-  
 लावयुं; तेडु करयुं.  
 समि, ग. २. जेडेयुं भणयुं; स्त्री-  
 सग करयो; शरु करयुं.  
 समिक, न. पणर, वरणी.  
 समित्, स्त्री. लडाध. [जेडेयुं.  
 समित, वि. जेडेयुं यययुं; भजेयुं;

समिता, स्त्री. धडनो लोट.  
 समिति, स्त्री. ब्रोडाणु; सभा; टोलुं;  
 लडाई; सरभापणुं.  
 समितिजय, वि. लडाईमां विजयी.  
 समिध, पु. अविधान, आहुति;  
 अग्नि; युद्ध.  
 समिध्, ग. ७. सणगावधुं; उश्केरधुं.  
 समिद्ध, वि. रणगावेधुं; प्रदिप;  
 उश्केरेधुं.  
 समिध्, स्त्री. अलतणु, लाकडां.  
 समिध, पु. अग्नि; अलतणु.  
 समिर, पु. वायु, उवा.  
 समीक, न. युद्ध, लडाई.  
 समीकरण, न. सरभुं मिथणु; ग-  
 लितनो एक प्रकार. [चारधुं.  
 समीक्ष, ग. १. नेधुं; तपासधुं; वि-  
 समीक्ष, पु. पुष्ट विचार; पूर्ण-  
 ज्ञान. न. साध्यदर्शन.  
 समीक्षा, स्त्री. बुद्धि; यत्न, भी-  
 मांसा; साध्यदर्शन.  
 समीक्षण, न. प्रेक्षणु, अवलोकन.  
 समीच, पु. समुद्र.  
 समीचक, पु. मैथुन, स्त्रीसग.  
 समीची, स्त्री. उरिष्ठी; स्तुति.  
 समीचीन, वि. साइ; अइ; लायक.  
 न. सम्बार्ध; योग्यता.  
 समीद, पु. धडनो लोट, मेटो.  
 समीन, वि. वारसीक.  
 समीप, वि. पास, नलक. न. पडोस.  
 समीर, पु. वायु, पवन.  
 समीरण, पु. वायु; मुसाइर; वन-  
 भरवो; आस.

समीह, ग. १. धम्धुं; कोशेश करवी.  
 समीहा, स्त्री. धम्धा; वेधा. [भरल.  
 समीहित, वि. धम्धेधुं. न. धम्धा,  
 समुख, वि. वातुडो.  
 समुघय, पु. समुदाय; एक अलकार.  
 समुचर, पु. उल्लेखन. [ठवधुं.  
 समुचि, ग. ५. ऐकहुं करधुं; गो-  
 समुच्छिद्र, ग. ७. तदन नाश करवो.  
 समुच्छेद, पु. समूण नाश.  
 समुच्छ्रय, पु. छिंयार्ध; शत्रुता.  
 समुच्छ्राय, पु. छिंयार्ध.  
 समुच्छ्रि, ग. ७. छिंये यडावधुं.  
 समुच्छ्रसित, न. उडो निश्चाय.  
 समुज्जृम्, ग. १. अगासुं भाधुं;  
 लभावधुं; देभाधुं.  
 समुज्जृम्ण, न. अगासुं.  
 समुज्जित, वि. त्यक्रा; झुं. न. उ-  
 नरानधुं साधन.  
 समुत्कर्ष, पु. सरकराल.  
 समुत्क्रम, ग. १. वीसरी नजुं.  
 समुत्क्रम, पु. छिंये यडाव. [यधुं.  
 समुत्थ, वि. उलु थयधुं; पेदा थ-  
 समुत्था, ग. १. उलुं थधुं; पेदा थधुं.  
 समुत्थान, न. कोशेश, छिंये यडाव;  
 व्याधिनिर्मुथ.  
 समुत्पत्, ग. १. छिंये कुडधुं; ना-  
 थुद्ध थधुं; आगण धराधुं.  
 समुत्पिज, } वि. अत्यंत व्याकुल.  
 समुत्पिजल, } पु. व्याकुल सैन्य;  
 मोटो शुयवारो.  
 समुत्सव, पु. मोटो उत्सव.  
 समुत्सेध, पु. छिंयार्ध; नडाई.



समुदय, पु. छाँचे यढवुं ते; उन्नति;  
 यमूड; यल; लडाई; दिवस; अंधुं;  
 शै-यनो पाछवो भाग; नभायंही;  
 भडेमुल. न. लक्ष, शुभ पण.

समुदागम, पु. पूर्णुंरान.

समुदाचार, पु. सभ्य, कारण.

समुदाय, पु. नथो, टोळुं; अंधुं,  
 सकल; लडाई, बुद्ध; उन्नति.

समुदि, ग. २. उपर यढवुं; लडाई-  
 भाटे तीयार करवुं; ओकहुं करवुं.

समुदित, वि. उत्थित; छाँचुं; उ-  
 त्पन्न; नोडायवुं; उभेसनुं.

समुदीरण, न. वारंवार कडेवुं ते.

समुद्रम, पु. यढवुं ते; पेदाश.

समुद्रिरण, न. उदडी, ओकरी.

समुद्रीत, पु. मोटा सुरतुं गीत.

समुद्धत, वि. छाँचे यढावेकुं; गर्वित;  
 अराक्ष्य.

समुद्धरण, न. छाँचे उचकुं ते; छू-  
 टकारो; भूवमुद्धां उभेडवुं ते.

समुद्धार, पु. छूटकारो.

समुद्धृ, ग. १. छाँचे उचकुं; छूट-  
 टको करवो; स्तुति करवी.

समुद्धृत, वि. छाँचेकुं; छेडवेकुं;  
 ओकडेकुं; उद्धृत.

समुद्धप, पु. भूण, उत्पत्ति; कारण.

समुद्योग, पु. अंत.

समुद्र, वि. शीत-मुद्रावाणुं. पु. द-  
 रियो, रागर; शिव; आरनी रगत.

समुद्रकांता, स्त्री. नदी.

समुद्रग, पु. वडाणुवरी.

समुद्रमेराला, स्त्री. पृथ्वी. [सुरादरी.

समुद्रयान, पु. वडाणु; नगभागे

समुद्ररसना, स्त्री. पृथ्वी.

समुद्रशुभगा, स्त्री. गंगा नदी.

समुद्राह, पु. लक्ष.

समुद्, ग. ७. भीनवधुं.

समुन्न, वि. भीनुं.

समुपभोग, पु. श्रीसंग.

समुपे, ग. २. मेणवधुं; ओकडा म-  
 णवुं; उभवे करवो; पळोवधुं; अ-

समुह, ग. १. ओकहुं करवुं. [ भवुं.

संमूह, पु. नथो, समुदाय; टोळुं.

संमूहनी, स्त्री. जाड, सावरणी.

संपत्ति, स्त्री. दौलत; यढती; पूर्णुना.

संपद्, स्त्री. दौलत; यढती; मुभाय्य;  
 पूर्णुता; अलनो; मोतीनी भावा.

संपन्न, शि. श्रीमंत; बाइयशाडी;  
 पूं; पुभन; अइ. पु. शिव. न.

संपराय (यि)क, न. लडाई. [ दौलत.

संपा, स्त्री. विनडी.

संपाक, वि. नानुं; छुड्युं; वंपट.

संपाद, पु. पूर्णुना.

संपादन, न. मेणवधुं ते.

संपिप्, ग. ७. नाश करवो; क्यरी

संपीड, पु. पीडा, यातना. [नाभवुं.

संपुट, पु. छाँचयता अथिवा दोरी-  
 आनी न्हेड; दांडेवी गेटी.

संपूर्ण, वि. अंधुं, सधणुं, तभाभ.

संप्रति, अ. दाव, उभणु.

संप्रती, ग. २. अरोवो करवो.

संप्रदा, ग. ३. आपवुं; लक्षमां  
 आपवुं. [ विभक्तिनो अर्थ.

संप्रदान, न. अक्षीस, नेट; योथी

संप्रदाय, पु. परापूर्वथी आलतो व-  
 डीवट; रीण; वेदश्रणीन धर्मभागे.

संप्रमोप, पु. नाश, नुक्शानी.  
 संप्रयोग, पु. जेडाण; अरसपर-  
 सनो संबंध; स्त्रीसंग; नदु.  
 संप्रसाद, पु. लरोसे; महेश्यानी;  
 संप्रहार, पु. गति; लडाध. [आत्मा.  
 सफल, पु. भेडो. [ करतुं.  
 संव, ग. १. न्तुं. ग. १०. अेकहुं  
 संव, न. पाण्डी; जेतुरतुं भीतुं जेडाण.  
 संबंध, वि. लायक. पु. जेडाण; स-  
 गपणु; लायकात; सगुं; यदती.  
 संवर, पु. अंध, पूल; अेक दैत्य;  
 अेक पर्वत. न. पाण्डी. [ पाण्डी.  
 संबल, उ. मुसाद्रीतुं लातुं. न.  
 संमक्त, वि. भाग करेकुं.  
 संमग्न, वि. वीभेरेकुं. पु. शिव.  
 संमली, स्त्री. दुदध्नी.  
 संमव, पु. उत्पत्ति; कारणु; जेडाण;  
 अेगण्णायु; नाश. [मुदाय; टेको.  
 संमार, पु. नद्रीआत; तैयारी; स-  
 संभावना, स्त्री. संभूव; विचार;  
 मान; लायकात; प्यार; शक; प्रीति.  
 संमाप, ग. १. भोलतुं; वातथीत  
 संमाप, पु. वातथीत. [ करवी.  
 संमापण, न. वातथीत; कभूलात;  
 सांडेतिक शब्द. [ अंध; शक्ति.  
 संभूति, स्त्री. पेदाश; लायकात; सं-  
 संभूति, स्त्री. टेको; तैयारी; पूणुता;  
 समूह.  
 संमोग, पु. स्त्रीसंग; भोजवटो.  
 संभ्रम्, ग. १, ४. अटकुं; अवनं होतुं.  
 संभ्रम, पु. अटकुं ते; अवावो; उ-  
 तावण; अुयवाडो; भीक, धास्ती,  
 अय; भंत; असानता.

संमति, स्त्री. कभूलात; धंअ; आ-  
 त्मातुं सान; मान; प्यार; आरा.  
 संमिश्र, पु. धंद.  
 संमुखिन्, पु. आरीशो.  
 संमर्द, पु. लडाध; भीडाभीड.  
 संमार्जनी, स्त्री. सावरणी, अडु.  
 सम्राज, पु. अकृति राब्द, शडे-  
 सप, ग. १. न्तुं. [ नशाड.  
 सयोनि, पु. सगोलाध; धंद; मुडी.  
 सर, पु. गति; तीर; माला; भीहुं,  
 धूणु; पाण्डीनो धोध. न. पाण्डी;  
 आभोचीड. [ स्वर्ग.  
 सरक, उ. धर. न. गति; तणाव;  
 सरवा, स्त्री. मधभाष.  
 सरंग, पु. गोपतुं ननावर; पक्षी.  
 सरजस-सा, स्त्री. ररस्वला स्त्री.  
 सरजस्का, स्त्री. ररस्वला स्त्री.  
 सरद, पु. पवन; वादण; लभरो.  
 सरद, पु. वायु, पवन.  
 सरंड, पु. पक्षी; छिनाणवो; लुअो.  
 सरण्यु, पु. पवन; वादण; पाण्डी;  
 अग्नि; यभरान्त.  
 सरभस, वि. उतावतुं; लुअसावतुं.  
 सरमा, स्त्री. इतरी; देवताध इतरी;  
 इक्षणी पुत्री; विभीषणुनी पत्नी.  
 सरयु, पु. पवन. [ नदी.  
 सरयु-यू, स्त्री. अयोध्यानी अेक  
 सरल, वि. सीधुं; प्रामाणिक; साहुं.  
 सरस, न. तणाव; पाण्डी. [पु. अग्नि.  
 सरस, वि. रसनातुं; भीतु; सुंदर;  
 सरसि(सी)क, पु. सारस पक्षी. [ न्तुं.  
 सरस्वती, स्त्री. वाग्देवी, शारदा;  
 अेक नदी; माय; उत्तम स्त्री; दुर्गा.

सरित्, स्त्री. नदी.  
 सरिद्धत्, पु. समुद्र.  
 सरि(री)मन्, पु. गति; पवन.  
 सरिल, न. पाणी.  
 सरिसप, पु. सर्प, सर्प.  
 सरिसृप, पु. सर्प, साप.  
 सरु, वि. पातणु पु. तरवाग्नी  
 सरोप, वि. झोधी. [ मुठ.  
 सकं, पु. पवन, मन.  
 सर्ग, पु. नष्टि; ठराव, कथ्यात, कु-  
 दरेत, आन्ध्याय, प्रकरण, शिव,  
 मोड, घोडा. [ भाषा  
 सर्जू, पु. वेपारी. स्त्री. विन्धी,  
 सर्प, पु. साप, नाग, सर्प, नागकेशर,  
 अन्वेया नक्षत्र  
 सर्पभुज्ज, पु. भोर, सारस, अन्गर.  
 सर्पराज, पु. वासुधी नाग.  
 सर्पादि, पु. नेणीया, भोर; गरुड.  
 सर्पिणी, स्त्री. सापणु, नागणु  
 सर्पिस्त, न. धृत, धी  
 सर्प, पु. गति, आकाश, स्वर्ग.  
 सर्व, ग. १. धन करवी  
 सर्व, अधु, सधणु, सर्पाणु पु. वि-  
 सर्वक, वि. अधु, सधणु [ षु, शिव.  
 सर्वके, अ. सर्वत्र, सधणे.  
 सर्वकाम(द), पु. शिव.  
 सर्वग, न. पाणी. पु. शिव, ब्रह्मा,  
 परमात्मा, आत्मा  
 सर्वगत, वि. विश्वयापी [ विर.  
 सर्वकप, वि. सर्वनाशक. पु. कंग,  
 सर्वज्ञ, वि. सधणु नागुनार पु.  
 शिव, शुद्ध. [ आशु-  
 सर्वतत्, अ. अधी तरधी, अधी

सर्वतोभद्र, पु. दिव्युनो रथ, वांस,  
 ओक व्युद्धरयना लीजडानुं डाड.  
 सर्वतोमुख, न. आकाश, पाणी. पु.  
 शिव, ब्रह्मा, आत्मा; ब्रह्मणु;  
 अग्नि; स्वर्ग. [ वभत.  
 सर्वत्र, अ. दरेक ठेकाणु, सधणे  
 सर्वथा, अ. सधणे प्रकारे, अधी  
 गीते, प्रतिशा, देतुदसक. [ पुन.  
 सर्वदमन, पु. भरत, शकुन्तवानो  
 सर्वदर्शिन, पु. शुद्ध; परमात्मा.  
 सर्वदा, अ. सध, उभेश  
 सर्वनामन्, न. सर्वनाम, नामने  
 अक्षे वपरातो शब्द.  
 सर्वभक्षा, स्त्री. अकरी.  
 सर्वमूपक, पु. समय, वभत.  
 सर्वरस, पु. राण; लणु, भीहुं,  
 पडित, ओक वाणु.  
 सर्वरी, स्त्री. निशा, रात. [ धश्वर.  
 सर्वविद्, वि. सर्व ज्ञानार. पु.  
 सर्ववेद, पु. चार वेद ज्ञानार भा-  
 सर्ववेशिन, पु. नट. [ भुरा.  
 सर्वव्यापक, वि. सधणे प्रसरेलु.  
 सर्वशक्तिमत, पु. परमेश्वर.  
 सर्वस्व, न. दरेक चीज.  
 सर्वहर, पु. मृत्यु  
 सर्वांग, पु. सर्पाणु शरीर.  
 सर्वार्थसिद्ध, पु. शुद्ध, शाक्यसिद्ध.  
 सर्वेश, } सडनो धश्वर, परमेश्वर.  
 सर्वेश्वर, }  
 सर्पप, पु. सरसव, ओक जतणु जेर.  
 सत्, ग. १. मरुतु.  
 सल, न. पाणी. पु. ओक शल, जे-  
 सलज्ज, वि. शरभाव. [ क दैत्य.

सलिल, न. पाणी; उत्तराषाढा नक्षत्र.

सलिलनिधि, -राशि, पु. समुद्र.

सलील, वि. रमतीआण.

सच, पु. सोभरस; अविदान; यज्ञ,

सूर्य; चंद्र; पेडा करनार. न. पाणी;

सचर, पु. शिव, पाणी. [कुलनोभध.

सविह, पु. सूर्य, चंद्र; सृष्टिकर्ता; शिव.

सवितृल, } वि. सूर्यवं.

सवित्रिय, } वि. सूर्यवं.

सवित्री, स्त्री. मा; गाय.

सविस्तर, वि. विगतवार.

सव्य, वि. डाणु; उलड्डु; दक्षिणु त-

रक्षु. पु. विष्णु.

सव्यसाचिन्, पु. अर्जुन.

सव्येष्ट; पु. सारथि.

सशल्य, वि. कांशवाणु; भुरक्षेव.

सदमथु, वि. दाडाडीवाणु. स्त्री. द-

दाडीवाणी स्त्री.

सधीक, वि. भाग्यशाणी; मुंहर.

सस्र, ग. र. उंधुं.

ससन, न. यज्ञभाटे पशुनो वध.

सस्य, न. धान्य, अनान; दधि-

वार; शुण. [दधियार; अक मग्नि.

, वि. शुणुवान. पु. तरवार;

ग. छ. पभड, सडन करडुं;

संतोष पाभउ.

सह, अ. साथे; साकट्य, साक्ष्य, विध-

मान, समृद्धि, संबंध, सामर्थ्यदर्शक.

सह, वि. शक्त; धीरजवाणु; सडन-

कर्ता. पु. भागसर भडिनो, शिव.

उ. शक्ति, नेर. [दायता.

सहकार, पु. आंभानुं लाड; स-

सहकारिन्, पु. भडगार. [थु ते.

, न. साथे नहुं ते; सती

सहचर, वि. साथे आवनार. पु.

सोभती; आकर; भासीक, नमी-

नगरी.

सहचरी, स्त्री. संधी; बायां, पत्नी.

सहज, वि. कुडरती. पु. सगो भाध;

आहत, टेव.

सहदेव, पु. सौथी नानो भंडव.

सहधर्मिणी, स्त्री. परशेडी भा-

यरी, बायां, पत्नी.

सहन, वि. सभूरीवाणुं. न. धीरज.

सहभाविन्, पु. सडापक, भडगार.

सहमरण, 'सडगभन' लुओ.

सहरि, पु. सूर्य, अणद.

सहर्ष, वि. आनंदी.

सहवर्तिन्, पु. संगी, साथी.

सहवास, पु. अक ठेकाळे रडेवुं ते.

सहवासिन्, पु. अक ठेकाळे रडेवुं ते.

सहस्र, पु. भागसर भास, शिवाणो.

न. शक्ति, लुत्तम; अत; तेज;

पाणी. [सभातथी.

सहसा, अ. नेरलुत्तमथी; अक-

सहसान, वि. धीरजवाणु. पु. यज्ञ;

सहस्य, पु. पोश भास. [भार.

सहस्र, न. डलर, मोटी संख्या.

सहस्रकर, -किरण, पु. भूथी.

सहस्रद, वि. उदार. पु. शिव.

सहस्रतयन, -नेत्र, पु. विभयु; छंद्र.

सहस्रपत्र, न. कभवकुल.

सहस्रपाद्, पु. शिव; विष्णु; अना.

सहस्रभुज, पु. विष्णु.

सहस्रभुजा, स्त्री. दुर्गा, महावक्त्री.

सहस्रमूर्धन्, पु. अनात, विष्णु.

सहस्रवेदिन्, उ. कस्तूरी. न. डिंग.

सहस्रशिखर, पु. त्रिंशत् पर्वत.  
 सहस्रांशु, पु. नृथ.  
 सहस्राक्ष, वि. छत्तर आंभवाणु;  
 दुशियार. पु. धंद्र; शिव; विष्णु.  
 सहस्रानीक, पु. शतानीक सन्तनो  
 पुत्र. [रदार; छत्तर भाणुसनुं सैन्य.  
 सहस्रिन्, पु. छत्तर भाणुसनेो स-  
 सहा, स्त्री. पृथ्वी.  
 सहाय, पु. थाकर; मित्र; भद्रकार;  
 मुरब्धी; शिव. [मित्रोनेो समूह.  
 सहायता, स्त्री. मित्राचारी, भद्र;  
 सहार, पु. आंभानुंजड; महाप्रलय.  
 सहित, वि. साथे; छितवाणु; भभेणुं.  
 सहित्, वि. धीरन्वाणु  
 सहित्र, न. धीरन्, सभूरी.  
 सहिष्णु, वि. सहनशील.  
 सहिष्णुता, स्त्री. धीरन्.  
 सहुरि, पु. गृथ. स्त्री. पृथ्वी.  
 सहृदय, वि. भाणु; द्याणु. पु.  
 विद्वान् भाणुस.  
 सहेल, वि. रभतीआण.  
 सहोक्ति, स्त्री. ओक अलकार. चिर.  
 सहोद, पु. मुदासहित पकडायवो  
 सहोदर, पु. सगेो भाध.  
 सहोर, वि. भणुं. पु. साधु.  
 सहा, वि. सहन थाप येणुं; मधुर;  
 नेशवर. पु. सहाद्रिपर्वत. न.  
 तदुरस्ती, भद्र; वापडी.  
 सा, स्त्री. वड्भी; पार्वती.  
 सांयात्रिक, पु. धरीआध वेपारी.  
 सांहननिक, वि. शरीरने वगणुं.  
 साक, पु. वनरपति, लाणुपावो.  
 साकम्, अ. सहित, साथे.

साकल्य, न. समुदाय, भणुं.  
 साकांक्ष, वि. धन्वित.  
 साकार, पु. भूर्तिमान्.  
 साकेत, न. अयोध्या नगर.  
 साक्षात्, अ. प्रत्यक्ष, नगरो नगर.  
 साक्षिन्, पु. शाडेड, नगरे नेनार  
 साक्ष्य, न. साक्षी. [भाणुस.  
 साख्य, न. मित्राचारी, होस्ती.  
 सागर, पु. समुद्र; आर अथवा  
 सातनी ससा.  
 सागरगा, स्त्री. गंगानदी; नदी.  
 सागरमेखला, स्त्री. पृथ्वी.  
 सागरालय, पु. वरुण देवता.  
 साग्र, वि. अणुं, सधणुं.  
 सांक्षेपिक, वि. सक्षिप्त.  
 सांरय, वि. सभ्यावायक. न. छ  
 शास्त्रभाणुं ओक, येनी अदर प्र-  
 कृति, पुरुष अनेतत्वनुं वलुंन छे.  
 सांग, वि. अगसहित; संपूर्ण  
 सांगतिक, पु. भद्रमान, अतिथि.  
 सांगम, पु. संगम, नेडालु.  
 सांप्रामिक, वि. युद्धरपी. पु. सर-  
 साचि, अ. वांङ्कु, तिरकर. [दार.  
 साचिव्य, न. मंत्रीपणुं; प्रधानता;  
 मित्राचारी.  
 सांजन, पु. गरोपी, ओक वनावर.  
 साट, ग. १०. अतावणुं.  
 साटोप, वि. गभीर; अडंकारी.  
 सातं, वि. आपेणुं; नष्ट. न. मुष्.  
 सातवाहन, पु. साविवाहन सन्.  
 साति, स्त्री. धान, नास; भद्र; अन.  
 सात्त्विक, वि. अणुं; वाग्भी; प्र-  
 भाणुिक; पु. अज्ञा; आक्षणु.

सात्यकि, पु. अेक यादव, श्रीकृष्ण-  
 नो सारथि. •  
 सात्वत्, पु. विष्णुभक्त; यदुवंशी.  
 सात्वत, पु. श्रीकृष्ण, अवराभ.  
 साद्, पु. विषाद; शरणु; गति; प-  
 विनता; नाश; पातणाध.  
 सादन, न. धर; थाक.  
 सादगी, स्त्री. थाक.  
 सादि, पु. सारथि; योद्धो; वायु.  
 सादित, वि. शरणुभण्डेयुं; नष्ट;  
 थाडेयुं. [ सारथि.  
 सादिन्, वि. थाडेयुं. पु. घोरेश्वर;  
 सादृश्य, न. सरभापणुं; छपी.  
 साद्यंत, वि. अधुं; सधणुं.  
 साध, ग. प. पुं३ करतुं; अततुं.  
 साधक, वि. असरकारक; यतुर; न-  
 दुध. पु. नदुगर.  
 साधका, स्त्री. दुर्गा.  
 साधन, न. साहित्य; हथियार; डेतु;  
 मद्ध; साणीती; क्षरणु; वध, ग-  
 मन; छद्रिय; मित्रायारी; नक्षी;  
 अग्निदाह; द्रव्य; गति, सामग्री;  
 साद्यंत, पु. क्षीणारी. [सैन्य; प्रभालु.  
 साधन, न. समानधर्म; सरभापणुं.  
 साधन, वि. सामान्य; सार्वज-  
 निक; सरणुं.  
 साधारणी, स्त्री. कुथी.  
 साधित, वि. पुं३; वश; भेजवेयुं.  
 साधिष्ठ, वि. उत्तम, दद. •  
 साधु, वि. उत्तम, श्रेष्ठ; धायक; स-  
 द्दुष्टी, मुंदर, स्वच्छ. पु. सद्-  
 गुणी माणुस; जेगी; वेपारी; जै-  
 न साधु; व्याजपोर. •

साधुता, स्त्री. लक्षार्थ.  
 साधुर्घी, वि. मायाणु. स्त्री. सामु.  
 साधृत, न. दुकान; छत्री; भारतु टोणु.  
 साध्य, वि. शक्य, साधी शक्य अेयुं;  
 जेय. पु. पूरुता; अेकवीशभेयोज.  
 साध्वस, न. भय; शंका; सुयवाडे.  
 साध्वी, स्त्री. सद्गुणी स्त्री; पतिव-  
 सानंद, वि. सुधी. [ ता स्त्री.  
 सानसि, पु. मोनुं.  
 सानिका, स्त्री. वांसरी.  
 सानु, उ. शिभर, टॉय; अंकुर; वन;  
 रस्तो; अडक; पंडित; सूर्य; प-  
 र्वतउपरनी सपाट जमीन.  
 सानुक्रोदा, वि. नाणुक.  
 सानुनय, वि. सभ्य.  
 सानुमत्, पु. पर्वत.  
 सानुमती, स्त्री. अेक अप्सरा.  
 सानेयिका, स्त्री. वांसरी.  
 सान्तपन, न. अेक व्रत.  
 सान्त्व, ग. १०. शांत यतुं.  
 सान्त्व, पु. } धारणु, सभाधान;  
 सान्त्वन, न. } नरभास.  
 सान्त्वना, स्त्री. }  
 सान्दीपनि, पु. अेक मुनि, श्रीकृ-  
 ष्णुनो गुरु.  
 सान्द्र, वि. पासेनुं; गाढ; गीय; म-  
 न्यभूत, अेकहुं करेयुं, नरम; म-  
 नोत्र. पु. वन; लुभणो.  
 साधिक, पु. कलाव.  
 साध्याय, पु. धी साथे भेजवी डो  
 छपणु थीज्जो हवि आपवो ते.  
 साधिष्ठ, न. नजदीकी, पडोस.  
 सापराध, वि. अपराधी.  
 सापिंड्य, न. अेक जेज.

सापेक्ष, वि. अपेक्षायुक्त.  
 सातपदीन, न. भिन्नाचारी.  
 साफल्य, पु. सङ्घता; नक्षे.  
 साङ्गसूय, वि. अद्वेषुं.  
 सामक, न. भूषण करण. पु. गणानु.  
 सामग, पु. सामवेद लक्षणान्तर आ-  
 सामग्री, स्त्री. सामान; स्त्री. [लक्षण.  
 सामग्र्य, न. पूर्यता; नयो.  
 सामज, वि. सामवेदभांथी उत्पन्न  
 थयुं. पु. छाथी.  
 सामंजस्य, न. शुद्धता; लायकी [वेद.  
 सामन्, न. नक्षत्रशुद्ध; नरभास; साम-  
 सामनी, स्त्री. द्वार भांधवानी रस्ती.  
 सामन्त, वि. परोसतुं; नगततुं. पु.  
 परोसी; परोसतो राज्ञ; सरदार.  
 न. परोस. [रतुं; ऋतुतुं.  
 सामयिक, वि. भासिक; वधतस-  
 सामयोनि, पु. श्रद्धा; छाथी [द्विगत.  
 सामर्थ्य, न. शक्ति, लायकी; क्षयद्वे;  
 सामाजिक, वि. सभातुं. पु. सभासद.  
 सामानाधिकरण्य, न. अविकार;  
 सामान्यधर्म.  
 सामान्य, वि. आधारणु; सरभुं;  
 सधणु. न. पूर्यता; नत, साधा-  
 रणुता; नद्वेरे आभद; अेक अ-  
 सामान्या, स्त्री. वेस्था. [लक्षर.  
 सामि, अ. अरधुं; नीय.  
 सामिधेनी, स्त्री. भलतणु.  
 सामीची, स्त्री. वदना, स्तुति.  
 सामीप्य, न. परोस. पु. परोसी.  
 सामुद्र, वि. समुद्रतुं. पु. भूलासी.  
 न. लुपु, भीहुं; समुद्रशीणु.  
 सामुद्रिक, वि. समुद्रतुं. न. उस्तरेभा  
 लेवानीविद्या. पु. नसीय लेनार.

सांपत्तय, उ. लविष्य; गोध.  
 सांपत्तयिक, वि. लुडायक; लरकरी;  
 परलोक्तुं. न. लडार्थ. पु. युद्धरथ.  
 सांप्रत, वि. लायक. अ. उभणु. तु-  
 सांव, पु. शिव. [रत.  
 सांवर, न. सांभरवृणु.  
 सांवरी, स्त्री. लदुगरणी.  
 सांभवी, स्त्री. शक्यता.  
 सांमुल्य, न. छाजरी; कृपा.  
 साम्य, न. सरभाध, भवतापलुं.  
 साम्राज्य, न. आदशादी.  
 साय, पु. अंत; तीर; संध्या.  
 सायक, पु. आणु तरवार.  
 सायण, पु. अेक विद्वान् आल्लणु.  
 सायंतन, वि. सांजतुं, संध्यातुं.  
 सायिन्, पु. घोरेश्वर. [अेक भुक्ति  
 सायुज्य, न. अेकता; आरभांणी  
 सार, वि. उत्तम; अर्ध; मज्जभूत;  
 स्थायी; नक्षर. न. पाणी; लायकी;  
 वन; लौहुं; धन. पु. मज्जत;  
 वस्तु; तत्त्व; तात्पर्य; लेर; पी-  
 रता; कल्लुार्ध; धन; अभृत; भा-  
 यणु; पवन; मलार्ध; रोग; पइ;  
 शेतरेणुतु आहुं; क्षीमत; अ-  
 सारक, वि. रेशक. [तःकरण.  
 सारघ, न. मध.  
 सारंग, वि. रगभेरगी. पु. इंगणे-  
 रग, हरिणु, सिद्ध; छाथी; लभरो;  
 शेषव; सारस; मोर; छत्री; वादन;  
 मोशाक, वाण; संप, शिव; काम-  
 देव; कभल; कपूर; धनुष; मुष्णु;  
 धरेणु; सोतु; पृथ्वी; यातकपक्षी;  
 कूब; अग्नि; प्रकाश; राजकुंस.

सारंगिक, पु. शिकारी.  
 सारंगी, स्त्री. सीतार, साङ्गी.  
 सारज, न. भाभणु.  
 सारण, पु. अतिसार रोग. न. दो-  
 पथुद्धि; श्लेक युग्धी.  
 सारंड, पु. सर्थतुं धंडुं.  
 सारतरु, पु. केशतुं आड. [समुद्र.  
 सारथि, पु. गाड़ीवान; भद्वगार;  
 सारमेय, पु. इतरै.  
 सारमेयी, स्त्री. इतरै.  
 सारल्य, न. सरभार्थ, प्रभाषिकता.  
 सारस, वि. तणावतुं. पु. भगवो,  
 सारस; पक्षी; चंद्र. न. कभर;  
 सारसी, स्त्री. भगधी. [कदोरो.  
 सारस्वत, वि. सरस्वतीतुं; छटाधार;  
 सारस्वत देशतुं. पु. सरस्वती न-  
 लकनो देश; ब्राह्मणुनी श्लेक नत;  
 गिधीना आडनी बाकडी. न. वाया,  
 साराल, पु. तल. [वाष्पी.  
 सारि, पु. शेतारणतुं ध्यातुं.  
 सारिका, स्त्री. मेना.  
 सारी, स्त्री. मेना.  
 सारि, वि. अर्थवातुं; उपयोगी; पै-  
 साधार. पु. पैसाधार भाषुस; वे-  
 पारीतुं टाणुं; सैन्य; दोरतुं टाणु.  
 सार्थक, वि. उपयोगी; अर्थसहित.  
 सार्थकता, स्त्री. सङ्घता.  
 सार्थक, पु. वेपारी.  
 सारं, वि. भीतुं.  
 सार्ध, वि. अरधा साथेनुं.  
 सारप, पु. अश्वेया नक्षत्र.  
 सारपिप, वि. धीमां रंधेनुं. [साधु.  
 वि. साधारणु; सर्वतुं. पु. नैन-

सार्वजनिक, वि. नदरे, अधाना  
 उपयोगितुं. [दिशानो दाथी.  
 सार्वभौम, पु. शडेनशाड; उत्तर-  
 सार्वलोकिक, वि. अधानुं नलेपुं.  
 सार्षप, न. सरसीतुं तेल. [लत.  
 सार्षिता, स्त्री. मुक्ति; सरभी छ-  
 साल, पु. सावतुं आड; आड; कि-  
 सालन, न. राण. [ह्वानी भीत.  
 साला, स्त्री. धर; किह्वानी भीत.  
 सालार, न. भूटी.  
 सालूर, पु. देडको.  
 सालोक्य, न. श्लेक प्रकारनी मुक्ति.  
 साल्व, पु. श्लेक देश; श्लेक दैत्य.  
 साल्विक, पु. मेना. [अम्युं.  
 सायक, वि. इलवंत. पु. ननावस्तुं  
 सायकाश, वि. कुरसदंतुं.  
 सायधान, वि. लुशियार.  
 सायन, पु. यत्नत; यत्नमान; व-  
 लुधु; पुरा त्रीश दिवसने भास.  
 सायर, पु. लोभ्रवृक्ष; पाप; अपराध.  
 सायर्ण, -र्णि, पु. आठमे भनु.  
 साविका, स्त्री. सोयाष्पी, दाध.  
 सावित्र, वि. सूर्यतुं. पु. सूर्य; अक्षा;  
 गर्ल. न. यज्ञोपवीत, ननोष्ठ.  
 सावीत्री, स्त्री. गायत्री; अक्षानी प-  
 वी; पार्वती; साक्षवदेशना राज  
 सत्यवतनी पत्नी.  
 साविष्कार, वि. भगइर.  
 साधुधी, स्त्री. सासु.  
 साष्टांगम्, अ. छाती, माया वनेरे  
 आड अगसहित. [अगभ.  
 साक्षा, स्त्री. गाय दोरने टोटे, ग-  
 साहचर्य, न. सोयत, मित्रायारी.



साहन, न. सहनता.  
 साहस, न. जे२शु०५५; \* भराण  
 काम; कूरता; द्वेष; शिक्षा.  
 साहसिक, वि. अडादुर. पु. चार;  
 अभिचारी; साहस काम करनार.  
 साहस्य, वि. हजरतु; हजरती भ-  
 रीदेतुं. न. हजर भाणुयोनो स-  
 मुदाय.  
 साहायक, न. मदद; मित्राचारी.  
 साहाय्य, न. मदद; मित्राचारी.  
 साहित्य, न. मित्राचारी; साधन,  
 सामान; दृष्टांतिक काव्य.  
 साह्य, न. जेडाणु; मदद.  
 साह्य, पु. जनावरो लडापीने लु-  
 नार रभवे ते.  
 सि, ग. ५, ९. आंधुं.  
 सिंह, पु. सिंहराशि.  
 सिंहल, न. कवर्ध; पीतण; छाव;  
 लका-सीवोननो टापु.  
 सिंहविक्रांत, पु. घोडो. [ भव.  
 सिंहाण(न), न. लोढानो काट; नाकतु  
 सिंहासन, न. तभत, राजभाडी;  
 स्त्रीसगनुं ओक आसन.  
 सिंहिका, स्त्री. राहुनी भा.  
 सिंही, स्त्री. सिंहाणु; राहुनी भा.  
 सिकता, स्त्री. रैताण जमीन, रैती.  
 सिकतामय, वि. रैताण. न. रैतीनो  
 किनारो.  
 सिकतिल, वि. रैताण. [ शुणी.  
 सिक्थ, पु. राधेवा चाभा. न. भीणु;  
 सिक्थ, न. सीकु; शुणी, वाण.  
 सिक्थ, पु. जिवोर, काव्य  
 सिक्त, वि. छांटकुं; भीनु करेकुं.

सिघ(घा)ण, -क, न. लोढानो काट;  
 सिघिणी, स्त्री. नाक. [ नाकतुं भव.  
 सिघ, ग. ६. छांटकुं; भीनुं करकुं.  
 सिचय, पु. कपकुं; श्रीथई.  
 सिचिता, स्त्री. पीपट  
 सिजित, न. धरेणुनो अभकार.  
 सित, वि. सईद; आंधेकुं; धरेकुं;  
 नणुं, सभा. पु. सईद रंग;  
 युक्तप्रद, अणवाणियुं पणवा-  
 डियुं; आणु. न. इपुं; सुणड; भूणो.  
 सितकर, पु. अद्र; कपूर.  
 सितकुंजर, पु. औरावत डापी.  
 सितच्छद, पु. लंस.  
 सितरश्मि, पु. अद्र.  
 सितवाजिन, पु. अर्जुन.  
 सितशूक, पु. जव.  
 सिता, स्त्री. साकर; आंहरणुं; मुंहर  
 श्री; दाड; सईद दुर्वा; भक्षिकावता.  
 सितांगु, पु. अद्र; कपूर.  
 सितांदि, फु. गेण, काकपी.  
 सितापांग, पु. गोर.  
 सिताभ, उ. } कपूर.  
 सिताम्र, पु. }  
 सिताश्व, पु. अर्जुन.  
 सिति, वि. काणु, सईद. पु. सईद  
 अथवा कणो रंग.  
 सितिवासस, पु. अणराभ.  
 सितेतर, वि. काणु.  
 सितोदर, पु. कुंभर.  
 सितोद्वय, पु. सईद अदन.  
 सितोपल, पु. मिलोर, काव्य.  
 सिघ, ग. ४. पुं करकुं; इतेद पा-  
 भकुं; पळेंयकुं. ग. १. जकुं; अ-  
 टकावकुं; दुकभ करयो.

सिद्ध, वि. पूर्ण; भेजवेतुं; प्रकाशित; प्रसिद्ध; शिथरी; पवित्र; शैल; संधि; पांडु; सुकेश; मुद्रा. पु. व्यास वगेरे मुनि; लक्ष्मण; वेगभार; व्यवहार. न. सिंधावृणु.

सिद्धगंगा, स्त्री. स्वर्गजंगला.

सिद्धदेव, पु. शिव.

सिद्धघानु, पु. पारो.

सिद्धप्रयोजन, पु. शकैद सरसव.

सिद्धरस, पु. पारो.

सिद्धसाधक, पु. शिव.

सिद्धसाधन, पु. शकैद सरसव. न.

शिद्धिनो उपयोग.

सिद्धसिंधु, पु. स्वर्गजंगला.

सिद्धसेभ, पु. कर्तिकेय. [ शय.

सिद्धांत, पु. शकैद, शराय; नि-

सिद्धांतित्, पु. अमुक सिद्धांत स-

प्रमाणु समन्तार. [ सरसव.

सिद्धार्थ, पु. सुकेश; शिव; शकैद स-

सिद्धि, स्त्री. दुर्गा; पांडु; पूर्णता;

कल्याण; साणीती; सम्भार; त-

त्परता; असाधारणु गामर्थ्य; सु-

द्धि; पूर्णजन; नैका; योग.

न. कुष्ठ, कोड.

सिद्धमल, वि. डोडिपु.

सिद्धय, पु. पुण्य नक्षत्र. [ वृक्ष.

सिद्ध, वि. पूर्ण; रक्षित. पु. साधु;

मिन, वि. शकैद; - धातुं. पु. आम,

डोणीया. न. शरीर; पौराणिक.

सिनी, स्त्री. शकैद अदेराणी स्त्री.

सिनीवाली, स्त्री. शकैदना जेव-

वाणी अभास.

सिद्धवार, पु. शकैद जगुं जट.

सिद्धर, न. गतो मित्र पदार्थ. पु.

शकैद जगुं जट; डोणी.

सिंधु, पु. समुद्र; सिंधुनदी; मिथु-

नदीनी आसपासतो हेरा; डोणी;

वरुण; डोणीनो मध; शकैद रक-

णुभार; शकैद राग. स्त्री. मोडीनदी.

सिंधुक, पु. शकैद जगुं जट.

सिंधुज, वि. पाणीतुं. पु. शकैद.

सिंधुनाथ, पु. समुद्र.

सिंधुर, पु. डोणी.

सिंधुवार, पु. जगुं जट.

सिन्धु, ग. १. भीतुं करुं.

सिम, पु. परमेवो, शकैद.

सिमा, स्त्री. शकैद; शकैद; जगुं जट

नक्षत्री शकैद नदी.

सिम, वि. शकैद, शकैद.

सिवा, शकैद.

सिर, पु. पीपरीमूला. [ नातुं.

सिरा, स्त्री. नाडी; शकैद, आवडी;

सिव, ग. ४. गीवतुं; साधतुं.

सिवर, पु. डोणी.

सिवाधिया, स्त्री. साधनाणी शकैद.

सिखडा, स्त्री. शकैद करवाणी शकैद.

सिह, पु. लोथान.

सीक, ग. १. शकैद.

सीकर, पु. पाणीना शकैद.

सीता, स्त्री. शकैदनी जगुं जट; जेती-

वाडी; जगुं जट पुत्री, समणी

पनी; शकैद; लक्ष्मी; जगुं, पा-

वती; जगुं शकैद शकैद.

सीतापति, पु. श्रीशमशकैद.

सीताफल, पु. शकैद जगुं जट

अने तेतुं शकैद.

सीत्कार, पु. अरुपष्ट शब्द.  
 सीघ, न. आणसाध.  
 सीधु, पु. गेणनो दा३.  
 सीघुरत्त, पु. आंभातुं आ०.  
 सीघ्र, न. शुधद्वार, गां०.  
 सीमन्, स्त्री. सीमा, ६६.  
 सीमंत, पु. ६६, सीमा; सीध, संघो.  
 सीमंतक, न. सिद्धर. पु. पापी प्राणी.  
 सीमंतिनी, स्त्री. नारी, गायत्री  
 सीमा, स्त्री. ६६, भर्षादा; चित्त;  
 किनारे; दृष्टिभर्षादा; भेतर.  
 सीर, पु. ६७; सूर्य; अर्कवृक्ष.  
 सीरक, पु. ६७; सूर्य; सोसवा०.  
 सीरपाणि, } पु. अक्षराम.  
 सीरिन्, }  
 सीवन्, न. सीवधुं ते.  
 सीवनी, स्त्री. सोप.  
 सीस(क), } न. सीसुं.  
 सीसपत्रक, }  
 सु, ग. १. ७धुं; ग. ६. दाभी का-  
 टधुं; गाणधुं; यत्र करवे.  
 सु, अ. साङ्ग; सुंदर; उत्तम; सडेला-  
 धयी; मान; चढती; दुःख; अ-  
 नुभतिदर्शक.  
 सुकंदक, पु. काँदो. [न. उदारता.  
 सुकर, वि. सेडेलथी करवालायक.  
 सुकरा, स्त्री. गरीब गाय.  
 सुकर्मन्, वि. अचल. पु. विश्वकर्मा.  
 सुकांडिन्, पु. अमर, लंभरो.  
 सुकुंदक, पु. काँदो.  
 सुकुमार, वि. डोमल; लुवान. पु.  
 सुंदर गायक; लंगली यपो.

सुकृत्, वि. पवित्र; लाग्यशाणी;  
 पुन्यवान्; विद्वाद्.  
 सुकृत, वि. सद्गुणी; लाग्यशाणी.  
 न. भाया; पुन्य; सद्गुणु; शुभ.  
 सुकृति, स्त्री. पुन्य; भंग्या; लधुं काम.  
 सुकृतिन्, वि. पुन्यवान्; धार्मिक;  
 दाता; विद्वान्; लाग्यशाणी.  
 सुख, ग. १०. सुभी करधुं.  
 सुख, वि. सुभी; आनंदी; पवित्र;  
 सेडेल; लायक. न. सुभ; आ-  
 नंद; चढती; कल्याणु; सेडेलाध;  
 स्वर्ग; पाणी.  
 सुखचार, पु. उत्तम घोडो.  
 सुखद, वि. आनंद आपनार. पु.  
 विष्णु. न. विष्णुनुं सिद्धीसन.  
 सुखदा, स्त्री. स्वर्गती वेश्या; गंगा;  
 सुखमाज, वि. सुभी. [शमीनुं आ०.  
 सुखघार, पु. स्वर्ग.  
 सुखायत, पु. शीभेसे घोडो.  
 सुखिन्, वि. सुभी.  
 सुखोपविष्ट, वि. सुभे भेटेधुं.  
 सुग, वि. सुंदर; सारी रीते आ-  
 लनार; शुद्धिवान. न. सुभ; विद्या.  
 सुगत, पु. शुद्ध.  
 सुगंध, पु. वास; गंधक; वेपारी. न.  
 अदन; लुङ्ग; नीवकमल.  
 सुगंधा, स्त्री. तुलसी.  
 सुगंधि, वि. सुगंधवाणुं; धार्मिक.  
 पु. सुगंधी; परमात्मा.  
 सुगंधिक, पु. गंधक; लोभान. न. स-  
 सुगंधिमूल, न. वाणो, असिद्ध कभव.  
 सुगम, वि. सेडेलुं; साहु; अनया-  
 सथी भणे अेधुं.

सुग्रीव, वि. सुंदर गरदनवाहुं. पु.  
 श्रीकृष्णुनो ञ्के घोडो; ञ्के प्र-  
 ष्यात वांढर, वाकीनो लाध; शिव;  
 धंर; राजहंस; पीर; ञ्के डधियार.  
 सुगल, वि. अत्यंत थाकेहुं.  
 सुचरित(त्र), विं. सारी आलनुं. न.  
 सारी आल; शुष्ण.  
 सुचार, वि. भन्नेडर; सुंदर.  
 सुचूटी, स्त्री. श्रीभटो, श्रीपीञ्जे.  
 सुछत्र, पु. शिव.  
 सुछत्रा, स्त्री. सतलन नदी.  
 सुजन, वि. लधुं; उदार. पु. धंरनो  
 सारथि; सारो भापुस; गृहस्थ.  
 सुजनता, स्त्री. लवार्य; लडादुरी;  
 सुजल, न. डभल. [ सुशीलता.  
 सुत, पु. छोकरो; पुत्र; राज.  
 सुतंगव, पु. छोकरानो भाप.  
 सुतपस्, पु. सूर्य; योगी.  
 सुतराम्, अ. अवरथ; अत्यन्त; वा-  
 सुतर्दन, पु. दोषल. [ सार.  
 सुतल, न. ञ्के पाताल; धरनो पाथे.  
 सुता, स्त्री. छोकरी.  
 सुतात्मज, पु. दोडिभ; पीत्र.  
 सुतात्मजा, स्त्री. दोडिनी; पीनी.  
 सुतिन्, पु. भाप.  
 सुतिनी, स्त्री. भा.  
 सुतिरक, पु. पारिलतकतुं अड.  
 सुतीक्षण, वि. अतिशय तीधुं; अ-  
 ष्ठीदार. पु. ञ्के भुनि. •  
 सुतुंग, वि. धलुंन ठांनुं. पु. ना-  
 रियलनुं अड. [ विधान.  
 सुत्या, स्त्री. यतनुं स्नान; यतनुं न-  
 सुत्रामन्, पु. धंर. स्त्री. गृथी.

सुत्वन्, पु. सोभरस पीनार.  
 सुदंड, पु. नेतर, छडी.  
 सुदत्, वि. सुंदर दांतवाहुं.  
 सुदंत, पु. सारा दांत; नर.  
 सुदर्शन, वि. सुंदर. पु. मेरुपर्वत;  
 शिव; विष्णुतुं यक; गीधपक्षी.  
 न. धंरनी नगरी; लंशुकीप.  
 सुदर्शनचूर्ण, न. भावन औषधोतुं  
 तावनुं शूर्ण.  
 सुदामन्, वि. सुदाता. पु. वाडण;  
 पर्वत; समुद्र; औरावत हाथी;  
 सुदाभा ब्राह्मण, श्रीकृष्णुनो लक्ष.  
 सुदाय, पु. शुभ लेट.  
 सुदि, अ. शुक्लपक्ष, अजवाणियुं.  
 सुदिन, न. शुभ दिवस.  
 सुदढ, वि. गाढ, अतिककणु.  
 सुदय, वि. सुंदर आंभोवाणी श्री.  
 सुधन्वन्, वि. उत्तम धनुषधारी.  
 पु. सारो तीरंदाण; विश्वकर्मा; अ-  
 नन्त, सपौनो राज. [ मेडेव.  
 सुधर्मन्, वि. धार्मिक. पु. धंरनो  
 सुधर्मा, -मीं, स्त्री. देवसभा.  
 सुधा, स्त्री. अभृत; कृवने रस;  
 रस; पाणी; गंगा; लेपन; धंर;  
 विनणी; दरडा.  
 सुधांशु, पु. अंर; कपूर.  
 सुधांशुरत्न, न. मोती.  
 सुधाकर, पु. अंर.  
 सुधापाणि, पु. धन्वंतरी, देववंद.  
 सुधामून्, पु. देव.  
 सुधाभृति, पु. अंर; कपूर; यज्ञ.  
 सुधासृति, पु. अंर; यज्ञ; डभल.  
 सुधाहर, पु. गरुड

सुधिति, पु. डोडाणी.  
 सुधी, पु. पंडित.  
 सुधोद्धव, पु. धन्वंतरी, देववेद.  
 सुनन्द, पु. कृष्णुनो दरवान.  
 सुनन्दा, स्त्री. ऐक श्रीतुं नाम;  
 पार्वती. [हरिणु.  
 सुनयन; वि. सुंदर आंघोवाणुं. पु.  
 सुनयनी, स्त्री. रमणी, स्त्री; सुंदर  
 आंघोवाणी स्त्री.  
 सुनाम, पु. पर्यंत; मैनाकपर्यंत.  
 सुनार, पु. इतरीना आंघणु; सर्पंतुं  
 सुनासी(शी)र, पु. ईंद्र. [छुं; यकली.  
 सुनीत, वि. सारी बालतुं; सत्य.  
 न. सारी बाल.  
 सुनीति, स्त्री. ध्रुवनी माता.  
 सुनीथ, वि. नेक, लक्षुं. पु. आसणु;  
 शिशुपालराज.  
 सुनील, पु. छडभतुं आड.  
 सुन्द, पु. ऐक दैत्य. [कामदेव.  
 सुन्दर, वि. मनोहर, सांड; अंड. पु.  
 सुन्दरी, स्त्री. सुंदर स्त्री.  
 सुपक, वि. पांडुं. पु. आंघो.  
 सुपत्नी, स्त्री. सारा पतिनी स्त्री.  
 सुपथ, पु. सारे रस्तेा; सारी बाल.  
 सुपथिन, पु. सारे रस्तेा.  
 सुपत्ना, स्त्री. वन, ऐक औपधी.  
 सुपर्ण, वि. सारा पांडडावाणुं. पु.  
 गरुड; स्वर्णचुडपक्षी; कुंकुये.  
 सुपर्णाव्य, पु. नागदेशर.  
 सुपर्वन, पु. देव; आणु, धूभाडे;  
 वांस; पर्व. स्त्री. सरेड दुर्वा.  
 सुपात्र, न. सांडे वासणु; कुशीन.

सुपार्श्व, पु. संपतिनो पुत्र, न-  
 टाय पक्षीनो भेटो लाध.  
 सुपूर, पु. भीमपूर, नारंगी.  
 सुप्त, वि. उधेकुं. न. निद्रा, उध.  
 सुप्तजन, पु. मधरात.  
 सुप्तज्ञान, न. स्वप्न.  
 सुप्ति, स्त्री. निद्रा; लरोसेा; स्वप्न.  
 सुप्रतिष्ठ, वि. प्रख्यात.  
 सुप्रतिष्ठा, स्त्री. सारी छालत; शीति.  
 सुप्रतिष्ठित, वि. प्रख्यात. पु. उ-  
 भरातुं आड.  
 सुप्रतीक, वि. सुंदर. पु. कामदेव;  
 शिव; धरानडोबुनो छायी.  
 सुप्रम, वि. प्रकाशित.  
 सुप्रमा, स्त्री. अग्निनी ऐक लभ.  
 सुप्रभात, न. शुभसूचक प्रभात.  
 सुप्रसन्न, पु. कुभेर.  
 सुप्रसिद्ध, वि. विख्यात, लहेर.  
 सुफल, वि. इलवंत, पु. छडभ;  
 गारडी; कणेरतुं आड.  
 सुफला, स्त्री. डेलतुं आड; कावी द्राक्ष;  
 सुबंध, पु. तल. [ ईंद्रवारणी.  
 सुयाड, पु. ऐक राक्षस.  
 सुभग, वि. सुभी; सुंदर; प्रिय; प्र-  
 ख्यात. पु. टंकणुभार; अशोक-  
 वृक्ष; संपातुं आड.  
 सुभगा, स्त्री. प्रियपत्नी, वडावी स्त्री;  
 उण्णेर; तुलसी; नीलदुर्वा.  
 सुभंगा, स्त्री. नारियडतुं आड.  
 सुभट, पु. योडो, वीर.  
 सुभद्र, वि. भाग्यशाली. पु. विष्णु.  
 सुभद्रा, स्त्री. श्रीकृष्णुनी जेहेन.  
 सुभाषित, न. स्रक्त; सुंदर वाणी.

सुम्, वि. सुंदर भवांवाणुं. स्त्री.  
सुंदर स्त्री. [इव.

सुम, पु. अद्र; कपूर; आकाश. न.

सुमति, वि. अतिशय आशु. स्त्री.  
सारा विचार; देवनी कृपा; आ-  
शिश; स्तुति; धर्म.

सुमदन, पु. आंगो.

सुमधुर, न. अतिमधुर वाक्य.

सुमन, वि. मनोहर. पु. धड; धतूरे.

सुमनस, वि. उदारचित्त. पु. देव;  
पडित, धड; लीजडानुं आड.

सुमना, स्त्री. अथेकीनुं इव.

सुमंतु, वि. महापराधी. पु. सारे  
सवाडकार.

सुमंत्र, पु. दशरथनो सारथि

सुमित्रा, स्त्री. दशरथनी पत्नी.

सुमुख, वि. सुंदर अहोरावाणु. पु. पं-  
डित, गरुड; गणुपति; शिव. न.  
नभथी पडेलो धसारे.

सुमुखा, स्त्री, स्त्री. सुंदर स्त्री; आ-

सुमेघ, पु. मेघपर्वत; शिव. [रीसो.

सुम्न, न. स्तोत्र, रक्षणु; यज्ञ; आनंद.

सुयामुन, पु. विष्णु; परतराज; मे-

सुयोधन, पु. दुर्योधनराज. [हेल.

सुइ, ग. द. राज अवावणुं; प्रकाशणुं.

सुर, पु. देव; धत्रीसनी सभ्या; सूर्य;

सुरगुरु, पु. बृहस्पति [पडित.

सुरप्रामणी, पु. धद्र

सुरग, पु. लोपड. न. गेड.

सुरज्येष्ठ, पु. अक्षा.

सुरंजन, पु. सोपारीनुं आड.

सुरत, वि. रमतीआण, नालुक;  
ध्याणु. न. मैथुन.

सुरतताली, स्त्री. इती, कुट्टी.

सुरतोपक, पु. डेरतुभ मलि.

सुरदीर्घिका, स्त्री. गंगानदी.

सुरद्विप, पु. देवताधं छापी; औरा-

सुरधूप, पु. राव. [वत.

सुरनिम्नगा, स्त्री. गंगानदी.

सुरपति, पु. धद्र.

धुरपथ, न. आकाश.

सुरपादप, पु. दृढपवृक्ष.

सुरप्रिय, पु. धद्र; बृहस्पति.

सुरभि, वि. सुगंधवाणुं; आनंदी,

सुंदर; प्रिय; आशु; भुं. पु. सु-

गंध; लपङ्गण; अपाणुं आड; वस-

तकतु; चैत्रमास; अकुल वृक्ष.

न. सुगंध; गंधक, सोनुं. स्त्री.

तुलसी, भावतीवता; दार; पृथ्वी;

गाय; स्वर्गनी गाय; पूर्वदिशा.

सुरभित्वच्, स्त्री. मोटी ज्वेलची.

सुरभियाण, पु. कामदेव.

सुरभिवल्कल, न. तज, दालचीनी.

सुरलोक, पु. स्वर्ग.

सुरवर्त्मन्, न. आकाश.

सुरस, वि. रसवाणु; मधुर. न.

धाय; वाणो; तुलसी.

सुरसघ्नन्, न. स्वर्ग.

सुरस्तरित्, स्त्री. गंगानदी.

सुरस्थान, न. मंदिर. [पीवानु वासणु.

सुरा, स्त्री. दार, पाणी, रंधि; दार-

सुराकर, पु. पीडु, दारआनु.

सुराचार्य, पु. बृहस्पति.

सुराजीविन्, पु. कलाव.

सुरारि, पु. असुर, दैत्य.

सुरालय, पु. सुमेरु पर्वत; स्वर्ग.

सुराष्ट्र, न. सुरत लक्ष्ये.  
 सुराष्ट्रज, न. एक नतनुं उेर;  
 सुरंग, पु. - सारो रग; नारंगी.  
 सुरूप, वि. मुंदर; विद्वान. पु. शिव.  
 सुरेज्य, पु. शृङ्खरपति.  
 सुरेज्या, स्त्री. तुलसी.  
 सुरेन्द्र, सु. धं.  
 सुरेन्द्रजित्, पु. गरुड; धंद्रलत्, रावणपुत्र. [ कलाध.  
 सुरेम, पु. देवताधं हाथी. न. दीन,  
 सुरेश्वर, पु. धं; शिव.  
 सुरेश्वरी, स्त्री. गंगा; पावंती.  
 सुरोत्तम, पु. सूर्य. [लाभक.  
 सुलम, वि. सेहेलथी भजे जेजुं;  
 सुललित, वि. उत्तम.  
 सुलोचन, वि. मुंदर आंभोवाजुं  
 पु. हरिणु, भृग. [तनी पत्नी.  
 सुलोचना, स्त्री. मुंदर स्त्री; धंद्रल-  
 सुवचस्, वि. उटाहार.  
 सुवन, पु. सूर्य; अद्र; अग्नि.  
 सुवचिका, स्त्री. लाभ.  
 सुवर्ण, वि. सारा रगतुं; धीर्तिवान.  
 पु. यश; धतुरो; सारो रग. न.  
 सोनुं; सोनानो सिद्धो; धन, दो-  
 लत; १६ भासातु वजन; नाग-  
 देशर; हरिव्यहन  
 सुवर्णक, न. पीतल; सीसु; सोनुं.  
 सुवर्णकदली, स्त्री. सोनेरी डेण.  
 सुवर्णकार, पु. सोनी.  
 सुवर्णमैरिक, न. सोनागेर.  
 सुवर्णबिडु, पु. विष्णु.  
 सुवर्णमाक्षिक, न. एक धातु.  
 सुवर्णवर्ण, पु. विष्णु.

सुवर्णवर्णा, स्त्री. हणदर.  
 सुवर्णस्तेय, न. सोनानी बोरी.  
 सुवर्णा, स्त्री. हणदर; कृष्णुगत्रं वदन.  
 सुवास, पु. मुंदर धर; शिव; सुगध.  
 सवासिनी, स्त्री. सौभाग्यवती स्त्री.  
 सुविद्, पु. पडित. स्त्री. अतुर स्त्री.  
 सुविद्, पु. अंत:पुररक्षक, राज.  
 सुविदल, न. अंत:पुर, नानानभाजुं.  
 पु. अंत:पुररक्षक.  
 सुविदला, स्त्री. परणेली स्त्री.  
 सुवी(वी)ज, वि. मुंदर भीजवाजुं.  
 पु. शिव; असभस. न. सारां भीज.  
 सुराक, वि. सहज थाय जेजुं.  
 सुराविन्, स्त्री. कारेलानी वेव.  
 सुराक, न. आहु.  
 सुरारद पु. शिव.  
 सुराश्व, पु. अग्नि. [ डानी कलगी.  
 सुराखा, स्त्री. भोरनी कलगी; कुक-  
 सुरात, न. पीणु वदन.  
 सुराशोम, वि. थंडुं. पु. थडाधं.  
 सुराशिल, वि. सारा स्वभाववाणु.  
 सुराशीला, स्त्री. श्रीकृष्णुनी पत्नी; य-  
 सुरधी, वि. मुंदर. [ भनी पत्नी.  
 सुरधुत, वि. सारीरीते आंभजेजुं.  
 पु. एक वैदकशास्त्रकर्ता मुनि.  
 सुपम, वि. अतिमुंदर; नातुं.  
 सुपमा, स्त्री. अतिमुंदरता.  
 सुपाह, पु. शिव.  
 सुपि, स्त्री. छिद्र; नणी.  
 सुपि(पी)म, वि. थंडुं; मन परसं.  
 पु. एक सर्प; अद्रकांतमखि;  
 थंडाधं. [वांसरी.  
 सुपिर, वि. छिद्रवाजुं. न. छिद्र;

सुषुप्त, वि. निद्रित. [घोर निद्रा.  
 सुषुप्ति, स्त्री. स्वभावगरनी उद्व,  
 सुषुम्णा, स्त्री. शरीरणी अेक नाडी.  
 सुषुपेण, पु. करमदानुं जाड; विष्णु;  
 छडी, नेतर.  
 सुषु, अ. प्रशंसा; अतिशय; सत्य.  
 सुष्म, न. रज्जु, दोरी.  
 सुसत्या, स्त्री. शुभ जनकनी स्त्री.  
 सुसंपद्, स्त्री. सौभाग्य. [डावत.  
 सुस्व, वि. तंदुरस्त; युष्पी. न. सुष्पी  
 सुहृद्, वि. मायाणु. पु. सप्पा, दो-  
 स्त, मित्र; मददगार.  
 सुहृदय, वि. ध्याइ; सारा मनवाणुं.  
 सू, ग. २, छ. उत्पन्न करतुं.  
 सू, स्त्री. उत्पत्ति; भा.  
 सूक, पु. पवन; आणु; कमल.  
 सूकर, पु. इकर.  
 सूक्ष्म, वि. बारीक; थोडुं; नालुक.  
 पु. रजकणु; शिव. न. बारीकाध;  
 आत्मा; कगाध; अेक अलंकार.  
 सूक्ष्मतंडुल, पु. असभस.  
 सूक्ष्मदर्शिन, वि. इरंदेश; अंयय.  
 सूक्ष्मपत्र, पु. धाणा; वनछइ; स-  
 सूक्ष्मपर्णा, स्त्री. रामतुलसी. [रसव.  
 सूक्ष्मशरीर, न. अिगशरीर.  
 सूक्ष्मैला, स्त्री. बारीक अेकथी.  
 सूच्, ग. १०. लोडतुं; अतावतुं.  
 सूच, पु. दर्लेनी अणु.  
 सूचक, वि. याडियो. पु. सोध; डिसड;  
 शिशुक; कुड; सिड; कुअेयो; रा-  
 क्षस; इतरै; कागडै; भिदाडै.  
 सूचन, न. } नलु; सान; अवर;  
 सूचना, स्त्री. } कुअेयार्थ; वध.

सूचा, स्त्री. नगर; छेदन.  
 सूचि-ची, स्त्री. सोध; तीष्णी अणु;  
 सूचिक, पु. दरल. [अनुकमण्डिअ.  
 सूचिका, स्त्री. सोध; हाथीनी मुंड.  
 सूचित, वि. सूयवेतुं; अणुधार;  
 सूचिन्, पु. इत. [अथित; अणुवेतुं.  
 सूचिनी, स्त्री. सोध; रात्रि;  
 सूचिवत्, पु. गरुड.  
 सूचिवदन, पु. नोणीअे.  
 सूचीमुख, वि. अणुधार. पु. पक्षी;  
 सरेड दर्ले. न. हीरै.  
 सूचीरोमन्, पु. इकर.  
 सूच्यास्य, पु. उदर.  
 सूत, वि. पेदा थपतुं; प्रेरित. पु.  
 सारथि; क्षत्रियने आत्मजुथी उ-  
 त्पन्न थपडो पुत्र; अंदी, स्तुति-  
 पाठक; सूर्य; सतार; आसनेा  
 शिष्य, सूतपुराणीक. उ. पारै.  
 सूतक, न. जन्म; आशौच; जन-  
 नाशौच. उ. पारै.  
 सूतका, स्त्री. सुवावडी स्त्री.  
 सूति, स्त्री. आलक; जन्म; सोभरस  
 डाढवानी जगा.  
 सूतिका, स्त्री. सुवावडी स्त्री. [अेरडै.  
 सूतिकागार, -गृह, न. सुवावडीनेा  
 सूत्या, स्त्री. परस्तान; सोभरसपान.  
 सूत्र, ग. १०. बांधतुं; सभतुं; र-  
 यतुं; गोठवतुं.  
 सूत्र, न. दोरै, तांतणु; व्यवस्था;  
 तार; कणा; गोठवणु; नियम; दुंड  
 छतां अर्थवाणु वाअ्य. [जन पक्षी.  
 सूत्रकण्ड, पु. आत्मणु; अणुतर; अं-



सूत्रघ(घा)र, पु. नाटकभंडणीनामुष्पी;  
 सूत्रमिद, पु. दरल. [ सुतार; छंद.  
 सूत्रयंत्र, न. यंत्रयो.  
 सूत्रामन्, पु. छंद. [ पु. कामडो.  
 सूत्रिन्, वि. नियमवाणुं; सूत्रवाणुं.  
 सूद, ग. १. धन करवी; ईकडुं; मू-  
 कडुं. ग. १०. भारडुं; रांधडुं; रे-  
 डडुं; इधूव करडुं.  
 सूद, पु. कतल; इयो, जरे; रसोयो;  
 काधव; पाप; बोधवृक्ष; लाथ  
 सूदकर्मन्, न. रसोय. [ तरकारी.  
 सूदन, वि. प्रिय, वडाडुं. न. अं-  
 गीकरणु; कतल; क्षेपणु. [ भातुं.  
 सूदशाला, स्त्री. रसोडुं, अण्परथी-  
 सून, वि. लण्डुं; भीलेडुं; आली;  
 नन्मेडुं. न. प्रसव; कणी; इध.  
 सूनरी, स्त्री. सुणी स्त्री.  
 सूना, स्त्री. वधस्थान; वध, कतल;  
 छोकरी; नदी; हाथीनी सुंड; कि-  
 रणु; भांस वेचवानी दुकान.  
 सूनिन्, पु. शिकारी; कसाध.  
 सूनु, पु. पुत्र; आलक; सूर्य; तानो  
 भाध; द्रोहित्र, अर्कवृक्ष.  
 सूनु, स्त्री. छोकरी.  
 सूनुत, वि. सत्यवक्त्रा; प्रिय, भा-  
 याणु; भाग्यशाणी; संयल. न.  
 साथी अने मधुर वाणी; सुभाग्य.  
 सूनुद, वि. गाडो, घेवो.  
 सूप, पु. धण; लाथ तरकारी; र-  
 सोयो; आणु; पेषु.  
 सूपकार, पु. रसोयो.  
 सूपांग, पु. डिंग.  
 सूम, पु. पाणी, इध; आकाश.

सूर, ग. ४. भारडुं; दड करडुं.  
 सूर, पु. सूर्य; अर्कवृक्ष; पंडित.  
 सूरत, वि. नाणुक; शांत.  
 सूरसुत, पु. शनिग्रह.  
 सूरसूत, पु. अरुण.  
 सूरि, पु. पंडित; सूर्य; शुरु; लक्ष.  
 सूरिन्, वि. विद्वान. पु. पंडित;  
 सूरी, स्त्री. सूर्यनी भती; कुंती. [ कृष्ण.  
 सूर्क्ष, ग. १. ४. मान आपडुं; वि-  
 सुप, उ. सुपडुं. [ झारडुं.  
 सूर्यणखा, स्त्री. रावणुनी जेहेन.  
 सूरिन्, -मो, स्त्री. यांलवो; पुतणी;  
 न्नाणा. [ रनी संता.  
 सूर्य, पु. सूरज, लास्कर; शिव; गा-  
 सूर्यकांत, पु. काय; सूर्यकांतभणु.  
 सूर्यज, पु. सुग्रीव; यम; शनि; कर्णु  
 सूर्यजा, स्त्री. नमना नदी. [ राज.  
 सूर्या, स्त्री. सूर्यनी पत्नी; सूर्यनी पु-  
 त्री; नवोठा; वसाणु; छंद वाइणी.  
 सूर्यापाय, पुं. सूर्यस्त.  
 सूर्येदुसंगम, पु. अभावास्था.  
 सूपणा, स्त्री. माता, भा.  
 सू, ग. १, ३. सरडुं, असडुं; आनी  
 पडोयडुं; दोडडुं; डुकडुं.  
 सूक, पु. आणु; कभव; पवन, वज.  
 सूकंड, स्त्री. अरज, अस.  
 सूकाल, पु. शिवाण.  
 सूक, सूकन, सूकिन्, न. } छोट संधा  
 सूकणी, सूकिणी, स्त्री. } यथे ते  
 सूगाल, पु. शिवाण. [ भूणो.  
 सूज, ग. ६. पेदा करडुं; सरणुडुं;  
 नवाहेडुं; ईकडुं; तणुडुं.  
 सृजन, न. रथन.

सृणि, पु. शत्रु; अंश. स्त्री. अक्षर.  
 सृणि(णी)का, स्त्री. युक्त, लक्षण.  
 सृणी, स्त्री. अक्षर, परेष्ठी.  
 सृति, स्त्री. गति; रस्ते; उन्नत.  
 सृत्वर, वि. नगर.  
 सृत्वरी, स्त्री. नदी; भा.  
 सृवर, पु. सर्प.  
 सृदाकु, पु. पवन; हरिण; धंशुं  
 वण; अग्नि. स्त्री. (कू) नदी.  
 सृपाट, पु. एक भाग-वर्णन.  
 सृपाटिका, स्त्री. पक्षीनी आंश.  
 सृप, पु. अंश.  
 सृम्, संम्, ग. १. भारी नाभुं.  
 सृमर, वि. गमनकर्ता. पु. हरिणुनी  
 अक्षर.  
 सृष्ट, वि. पैदा ययुं; त्यक्त; मृदुं  
 भुकेयुं; लेखुं; धनुं; शत्रुगारेयुं.  
 सृष्टि, स्त्री. पैदाश; जगत; दुर्गत;  
 सेक, ग. १. जयुं. [दान.  
 सेक, पु. सींयुं ते; अविदान.  
 सेकपात्र, न. डोल, आलही.  
 सेकिम, न. भूयो. [माहीक; पभाही.  
 सेनृ, वि. सींयन करनार. पु. धष्ठी,  
 सेक्त, न. डोल, आलही.  
 सेचन, न. छांशुं ते, आलही.  
 सेचनी, स्त्री. आलही.  
 सेदु, पु. भरभूय; तरभूय.  
 सेतिका, स्त्री. अयोध्या पुरी.  
 सेतु, पु. पाण, पूव; पगरस्ते;  
 भीषु; सीमा.  
 सेतुबंध, पु. पाण; लंकाभां नवा-  
 वास्ते श्रीरामे पाद्येवो रस्ते.  
 सेत्र, ग. बेडी, छाथकी

सेघ, पु. पूछडी.  
 सेन, वि. धष्ठीआतुं.  
 सेना, स्त्री. लश्कर, सैन्य.  
 सेनानिवेश, पु. छावष्ठी  
 सेनाध्यक्ष, } सैन्यतो सरदार.  
 सेनानी, }  
 सेफ, पु. खिग, पुरुषनी छद्रिय.  
 सेर, पु. शेरतुं वगन.  
 सेराह, पु. इंधीआ रगनो घोरो.  
 सेव, ग. १. सेवा करवी; पाछव ला-  
 गतुं; लोगवतुं.  
 सेवक, पु. आकर; लक्ष; डोयणो.  
 सेवन, न. आकरी; उपासना; उप-  
 योग; डोयणो; सीवतुं ते.  
 सेवनी, स्त्री. सोध. [वभाषु.  
 सेवा, स्त्री. आकरी; पून; उपयोग;  
 सेवित, वि. लोगवेयुं; उपासित;  
 आराधित; आश्रित.  
 सेवित, पु. आकर. [हर.  
 सेविन, वि. वसेयुं; सेवित. पु. आ-  
 सेव्य, वि. सेववालायक; उपयोग-  
 लायक. पु. माहीक, धष्ठी. न.  
 पीरभूण, वाणो.  
 से, ग. १. शुभावतुं.  
 संह, वि. सिद्धनेतुं.  
 संहिक, संहिकेय, पु. शत्रुअंश.  
 सैकत, वि. रेतान. न. रेतानी कि-  
 नारो; किनारो. [बोडीदार.  
 सैनिङ्ग, वि. लश्करी. पु. सीपाठ,  
 संघव, वि. सिधुनुं, सिधभां पैदा  
 ययु. पु. घोरो; अग्नि, एक देश.  
 न. सिधावु.

सैन्य, पु. शोभीदार, लरकगी रीपाध.  
 सैमतिक, न. सिद्धर [न लर २  
 सैरध, पु. धरना आकर  
 सेरधी, स्त्री. श्रौपदी, अन्य धरमा  
 रही स्वतन्त्रपणे शुभरी करनार स्त्री  
 सेरिक, पु. हणभा नेरेवो थणद,  
 सैरिभ, पु. लस, रनर्ग [प्रेत.  
 सेवाल, पु. रोवाल, लीव  
 सो, ग ध. नाश करवो, पु. करत  
 सो, स्त्री. पार्वती  
 सोढ, वि. सहनशील  
 साढ, वि. सहनशील, नेरानर.  
 सोत्क, } वि. उत्सुक, आतुर  
 सोत्कड, }  
 सोत्प्रास, वि. जेशुभार, अन्योक्ति  
 सोत्साह, वि. नेरानर  
 सोत्सेध, वि. छिद्य  
 सोदर, वि. अेकल ठेकारोथी व  
 न्नेधु पु. सगो भाध  
 सोदरा, स्त्री सगी जेदेन  
 सोदर्य, पु. सगो भाध  
 सोद्यंग, वि. उद्योगी, जलनान  
 सोद्रेग, वि. आतुर, हलजीर  
 सानह, पु. लसपु  
 सोन्माद, वि. गाडु  
 सापान, पु. शीडी, पगथिकु, पाथरी  
 सोम, पु. अेक वेदी सोभवेलने  
 रस, अमृत, चंद्र, किरण, कपूर,  
 पाणी, पान, कुबेर, सिन, सु  
 श्रीन, यम, सरदार न रनर्ग, काथ  
 सोमज, पु. युधभ्रद न इध  
 सोमतीर्थ, पु. प्रभासदेन-पाठ  
 सोमधारा, स्त्री आकाश

सोमन, पु. चंद्र, सोभयत  
 सोमप, -पा, -पीतिक, पु. सोभरस  
 पीनार, सोभयत करनार  
 सोमपति, पु. धंद्र [सोभरस पीनार.  
 सोमपीति, पु. सोभयत करनार,  
 सोमभू, पु. युधभ्रद  
 सोमयाग, पु. सोभयत  
 सोमयाजिन, पु. सोभयत करनार  
 सोमलता, स्त्री सोभवेव, गोदावरी  
 सोमललिता, स्त्री वनजणो [नदी  
 सोमवल्लरी, स्त्री सोभवेव, गोदावरी  
 सोममुता, स्त्री. नर्मदा नदी [नदी  
 सोमसून, न. प्रणाल, शिवविग-  
 उपरथी पाथी कादीनाभनानो करेवो  
 सोमाल, वि. सुकुमार, कोभव [रस्तो  
 सोमाह, पु. सोभवार  
 सोल्लुड, पु. टकोर, आनस्तुति  
 सोष्मन, वि. गरभ पु. (आकरपुमा)  
 सौकर, वि. करत. [महाप्राण  
 सौकरिक, पु. शिकारी  
 सोकर्य, न. अनायास, सेटेना,]  
 अतुरार्ध, इकरपथु  
 सोक्ष्म्य, न. थारीधध, सूक्ष्मता  
 सोरय, न. सुभ, आराम  
 सौगत, पु. थोद्धर्मा  
 सोगम्य, न. सेटेबाठ  
 सौशि(क), पु. हरु.  
 सोजन्य, न. सजनता, मिनायागी,  
 सांडी, स्त्री पीपर [डिदारता, माया  
 सौत्य, न. सारथिपथु.  
 सोत्र, वि. अनुसमनी पु. नाक्ष।  
 सौत्रामणी, स्त्री पूर्वदिशा, अेक यत  
 सोदय, न. भाधवनी, जधुत्य

सौदामिनी, } स्त्री. विष्णुणी.  
 सौदाम्नी, }  
 सौदास, पु. धृक्वाकु वंशिनो लोक राज्ञः.  
 सौध, वि. अमृतसंघंधी. न. यूना  
 ढालेक्षुं धरु; मोटा मेहेल; ३पुं.  
 सौघाल, न. शिवालय, शिवमंदिर.  
 सौनंद, न. अलराभनुं भूसल.  
 सौनंदिन, पु. अलराभ, श्रीकृष्णुनो  
 सौनिक, पु. कसार्थ. [ भा. ]  
 सौंदर्य, न. सुंदरता.  
 सौपर्ण, न. शुंठ; पातुं, भरकतमण्डि.  
 सौपर्ण्य, पु. गरुड.  
 सौप्तिक, वि. उंघ आवे ओपुं. न.  
 शनिनी लडाण, उंघेला सैन्यउ-  
 परनो उलो.  
 सौयल, पु. शकुनी, ऊंरयेनो मामो.  
 सौभ, न. उरिश्चद्र राजनुं नगर.  
 सौभकि, पु. दुपद राज.  
 सौमंग, न. लाभ, शुष्ण; यदती.  
 सौमद्र, -द्रेय, पु. अभिमन्यु, शुभ-  
 द्रानो पुत्र.  
 सौभागिनेय, पु. भागीती स्त्रीनो पुत्र.  
 सौभाग्य, न. मुलाग्य, सुंदरता; शे-  
 वाराणुपलुं; सिद्धर; टंकलुभार;  
 सौभिक, पु. लडुगर. [ प्यार.  
 सौमनस, न. उदारता; गतोप.  
 सौमनस्य, न. आनंद; आर्क्ष पडी  
 प्राक्षणुने हाये क्व दानमन  
 सौमवामर, पु. शुधवार.  
 सौमित्र, पु. लडभल, सुमित्रानो  
 सौमेचक, न. नोतुं. [ पुत्र.  
 सौमेधिव, पु. मिड, कर्क.

सौमेचक, वि. सुभेइतुं. न. सौतुं.  
 सौम्य, वि. अंदरुतुं; मनोहर, सुदर;  
 नरभ; शुभ; प्रकाशित. पु. शुधअड;  
 ब्राह्मणु; उंघरातुं जाड, उंहुंअर  
 वृक्ष; ओक अंड; शुभअड; सोभरस  
 पीनार ब्राह्मणु.  
 सौम्या, स्त्री. दुर्गा.  
 सौर, वि. रायंतुं. पु. गूर्यपूण्ड;  
 शनिअड; तुंअरवृक्ष; यगराज.  
 सौरथ, पु. पीर, योद्धो.  
 सौरभ, वि. शुगधी. न. केसर; शुगंध.  
 सौरभेय, वि. सुरभीसंघंधी. पु. अणद.  
 सौरभी, सौरभेयी, स्त्री. गाप.  
 सौरभ्य, न. सुंदरता; क्षीति; शुगंध.  
 सौरसेय, पु. रक्ष, क्षतिकेय.  
 सौराष्ट्र, पु. सौरक देश. [ सुभीव; कर्तुं.  
 सौरि, पु. शनि; असनवृक्ष; यभ;  
 सौरिक, वि. देशी; स्वर्गंतुं. पु.  
 स्वर्ग; शनि; दार वेयनार.  
 सौरी, स्त्री. गूर्यनी स्त्री.  
 सौलिक, पु. कंसारे.  
 सौविद, पु. अत पुररक्षक.  
 सौथवस, न. क्षीति. [ तुराण.  
 सौष्ठव, न. सुंदरता; उत्तमता; य-  
 सौहार्द, पु. मित्रनो पुत्र. न. मि-  
 सौहृदय, न. मित्राचारी. [ चाचारी.  
 स्रंद, ग. १. रेडतुं; उयकतुं; दुडतुं;  
 नाश पाभतुं; न. ग. १०. अ-  
 कहुं करतुं.  
 स्रंद, कु. पारे; क्षतिकेय; शिव,  
 शरीर, राजत; नदीनो क्षीनारे,  
 अतुर भाग्य.  
 स्कंदन, न. वेडेतुं ते; गभन; भाग्य.

स्कंदपुराण, न. ऐक पुराण.  
 स्कंदपट्टी, स्त्री. क्षेत्र शुद्ध छं.  
 स्कंध, ग. १०. ऐकहुं करवुं.  
 स्कंध, पु. भांध; शरीर; आडतुं थड;  
 शाभा, डाणी; प्रकरणु; समुदाय;  
 लडाई; राज; कृतज्ञात; रस्ते; पं-  
 स्कंधतरु, पु. नारियकी. [उत्त.  
 स्कंधरुह, पु. वडतुं आड.  
 स्कंधशृंग, पु. भक्षिप, लेंस.  
 स्कंधसू, न. भोजो; आडतुं थड.  
 स्कंधा, स्त्री. शाभा; लता.  
 स्कंधिन्, वि. भांधवाणु. पु. आड.  
 स्कन्ध, वि. परेणुं; गत; शुष्क.  
 स्कन्ध, पु. परभासा; रेडो.  
 स्कंद, ग. १. कृद्धुं; उच्यकुं.  
 स्कन्द, ग. १. क्षापुं; नाश करवो;  
 धन करवी; थाकुं.  
 स्कन्दन, न. कतल; दडता; धुनरी.  
 स्कन्द, ग. १. पडी नुं; नासी-  
 पास थवुं; नवतुं; टपकुं. [पकुं ते.  
 स्कन्दन, न. नासुरादी; पडीनुं ते; ट-  
 स्मलित, वि. परेणुं; नूयेणुं; टप-  
 डेणुं; सुयवाथणुं; डेणुं; गत. न.  
 भव; पतन; पाप; छल.  
 स्तन, ग. १०, १. अवाज करवो;  
 गर्जना करवी.  
 स्तन, पु. धाई, आंयण.  
 स्तनध, पु. गर्जना.  
 स्तनन, न. अवाज; गर्जना.  
 स्तनंधय, वि. धावतुं. पु. आलक.  
 स्तनमुख, न. स्तननी अष्टी.  
 स्तनयित्तु, पु. वाढण; वाढणनी ग-  
 र्जना; विजणी; मृत्यु; रोग; व-  
 न० नाजरमेथ.

स्तनित, वि. शब्दवाणुं; गडणडीव.  
 न. वाढणनी गर्जना; शब्द.  
 स्तन्य, न. दूध.  
 स्तवक, पु. जुभजो, शुभेष्टा.  
 स्तम्भ, वि. रोडेणुं; दड; छडीणुं; अ-  
 यण; अडभयडुं.  
 स्तम्भता, स्त्री. दडता; भेडोशी.  
 स्तम्भि, स्त्री. अयक्षता; कडणोई; भे-  
 स्तम्भ, पु. अकरो. [देओशी; छडीवाई.  
 स्तम्भ, पु. धारनो नयो; जुभजो;  
 स्तम्भेरम, पु. छायी. [भेडोणी; परित.  
 स्तम्भ, ग. १. ५. ९. अटकुं; अ-  
 यण करवुं. [थांभजो; थड; भूभाई.  
 स्तम्भ, पु. दडता; अयणता; भेडोशी;  
 स्तम्भकिन्, पु. ऐक नततुं वाणुं.  
 स्तम्भन, न. दडीकरणु; अटकायणुं ते.  
 पु. क्षाभदेवतुं ऐक भाणु.  
 स्तम्भिनी, स्त्री. पृथ्वी.  
 स्तर, पु. पथरणुं, पीछाणु.  
 स्तरि (री)मन्, पु. पीछाणुं.  
 स्तरी, स्त्री. धूमाडो, वांअणी गाय; वा-  
 स्तव, पु. प्रशंसा. [छडी.  
 स्तवक, पु. स्तुतिपाठक; स्तुति; कू-  
 लनो तोरै; अध्याय, प्रकरणु; भीड.  
 स्ताव, पु. स्तुति.  
 स्तावक, पु. स्तुतिपाठक.  
 स्तिर, ग. ५. उंचे यडुं; छडो  
 स्तिर, ग. १. टपकुं. [करवो.  
 स्तिमित, वि. बीणुं; स्थिर; संतोपी;  
 डोभल; अंध करेणुं. न. बीनाश;  
 स्थिरता. [लोडी; धं.  
 स्तीर्वि, पु. धार; आकाश; पाणी;

स्तु, ग. २. स्तुति करणी. [शिव.  
 स्तुत, वि. वष्पाब्जुं. न. वष्पाब्जु;  
 स्तुति, स्त्री. प्रशसा; शुशामत; दुर्गा.  
 स्तुतिगीत, न. स्तोत्र.  
 स्तुत्य, वि. वृष्पाब्जुवाक्यक.  
 स्तुनक, पु. अक्षरे,  
 स्तुम्, ग. १. स्तुति करणी; पूज्यं.  
 स्तुभ, पु. अक्षरे. [ अक्षरं.  
 स्तूप, ग. ४. १०. ढगयो करवो;  
 स्तूप, पु. ढगयो; शिता, वेड; लेर.  
 म्, ग. ५. पाथरुं; तंभापयुं; पी-  
 स्तु, पु. तारो. [ जेरुं.  
 म्, ग. १. वं.  
 स्तो, ग. १०. चोरुं.  
 स्तो, न. चोरी. पु. चोर.  
 स्तोप्, ग. १. टपक्यु. ग. १०. ईक्युं.  
 स्तोम, पु. भीनाश.  
 स्तोय, न. चोरी.  
 स्तोयिन्, पु. चोर; चोनी.  
 स्तैन, न. चोरी.  
 स्तैन्य, न. चोरी. पु. चोर.  
 स्तोक्, वि. अक्ष, शोडु; नाडुं; उंड.  
 पु. यातकपशी, अिदु.  
 स्तोतज्ज, वि. वष्पाब्जुवाक्यक.  
 स्तोत्, पु. स्तुतिपाठक.  
 स्तोत्र, न. वष्पाब्जुनो लेष, स्तुतिपाठ.  
 स्तोत्र, पु. शाभवेदनेो अेक भाग;  
 स्तोत्र.  
 स्तोम, पु. स्तोत्र; वधे; संख्या;  
 शोभयन. न. भायु; अनान, धन.  
 स्त्यान, वि. गीत; डोभत, अेकहुं  
 करेयुं. न. आशशाड; पडयो; अ-  
 स्त्येन, पु. अमृत; चोर. [ मृत्; लडाड.

स्त्री, स्त्री. नारी, गायत्री; नासीनति.  
 स्त्रीता, स्त्री. नारीपहुं.  
 स्त्रीधर्म, पु. ऋतु, २१.  
 स्त्रीरजन, न. तांशुष, पान. [ योनि.  
 स्त्रीलिङ्ग, न. नारीनति; श्रीबिह;  
 स्त्रीस्वभाव, पु. हीनडो.  
 स्त्रीण, वि. नारीनतिहुं. न. स्त्रीप-  
 हुं, श्रीमोनो समूह; श्रीरग.  
 रुयगा, उ. अंतःपुर, ननानभानुं.  
 स्व, वि. स्थितिकरनार, रडेनार, यो-  
 ननार अर्थ. पु. २५५.  
 स्वकर, न. शोपारी.  
 स्वग, वि. अप्रमाणिक. पु. पुत्रो.  
 स्वगित, वि. दंडिहुं, सतारुं.  
 स्वगु, पु. अर्थ, कुण्ड.  
 स्वडिल, न. चोतरो; सीमा.  
 स्वपति, वि. मुष्प. पु. रात; का-  
 रीगर, आरथि; कुभेर; अंतःपुर-  
 रक्षक. [ भीन; जेतरे; प्रकरण; तप.  
 स्वल, न. वगा, डेकाहुं; किनारो; व-  
 स्वलांतर, न. भीष्णु डेकाहुं.  
 स्ववि, पु. वणुकर; स्वर्ग.  
 स्वधिर, वि. दंड; उहुं. पु. ५८;  
 भीभागी; आदलु.  
 स्वा, ग. १. उभा रडेयुं; रडेयुं, अ-  
 टकायहुं; दयात डोयुं; मदद आ-  
 पवी, करुं. [ भायो.  
 स्वाणु, वि. दंड. पु. शिव; थांभयो;  
 स्वान, न. वगा; दावत; धर; प-  
 रगहुं; शेटेर; अरिहार, अेकडो;  
 अवरगर; पड; सरभाड, इरगद.  
 स्वापक, वि. थापनार, जेगाडनार.

स्वापत्य, पु. अतःपुर रभेवाव. न.  
न. धिभारत.

स्वापन, न. } भडण; अशाडुं  
स्वापना, स्त्री. } ते; रडेकाणु.

स्वापित्त, वि. भूकेतुं; उचकेतुं; ठरा-  
वेतुं; नेभेतुं; दड; परणेतुं.

स्वायिन्, वि. उभुं; सेडेतुं; वसतुं.

स्वायीभाव, पु. रसने उपलवनारे  
तथा संपूर्णुं काव्यमां असर कर-

स्थाल, न. थाणी. [नारे मनोभाव.  
स्थाली, स्त्री. थाणी, रकाणी.

स्वावर, वि. अचव, स्थिर. पु. प-  
येत. न. लधन नवाय अथी वीण.

स्वासु, न. शरीरतुं नेर. [शुष्णी, तैयार.  
स्थित, वि. उभु; डैयात, दड; सड-

स्थिति, स्त्री. डायत; स्थिरता; सु-  
काम; दरलने; अस्तित्व.

स्थितिस्थापक, वि. पोतानी भेजे  
भूण स्थिति धरनार.

स्थिर, वि. अचण; कायम; उभेरातुं;  
थंडुं; शांत; दड; नञर; मञ्जुत;

शोकर. पु. देव; आड; पर्यत;  
अणद; शिव; कार्तिकेय; शनिभड.

स्थिरता, स्त्री. करेकी डालत; शाति;  
स्थिरा, स्त्री. ५२-नी. [दडता.

स्थुद, ग. द. डोकुं.  
स्थूणा, स्त्री. थांभडी; अरणु.

स्थूम, पु. प्रकाश; चद्र.  
स्थूर, पु. अणद; मनुष्य.

स्थूल, वि. भोटुं; लडुं; -गुंके; म-  
नभूत; नञर; भूष. पु. इणुगुं

आड. न. तंथ; लये; पर्यततुं शिपर  
स्थूलचाप, पु. पूर्वालगनी तांत.

स्थूलता, स्त्री. भोटार्थ; लडाध.  
स्थूलधी, स्त्री. भूषार्थ.

स्थूलनास, पु. डकर.  
स्थूलपट्ट, न. कपार, र.

स्थूलपाद, पु. डायी.  
स्थूललक्ष्य, वि. उदार; विद्वान.

स्थूलशरीर, न. देणीतुं शरीर, काया.  
स्थूलशाटक, पु. भोटु-नडुं कपडुं.

स्थूलहस्त, पु. डायीनी शुड.  
स्थूलास्य, पु. सर्प.

स्थूलिन, पु. उर.  
स्थेयन, पु. दडता.

स्थेयस्, वि. वधारे मञ्जुत.  
स्थेष्ट, वि. सीधी मञ्जुत.

स्थैर्य, न. स्थिरता; दडता; समूरी;  
कण्ठाध. [नेटलो भोले.

स्थौर, न. स्थिरता, अक घोडाना  
स्थौरिन, पु. लार अरदार घोरो.

स्थौल्य, न. भोटार्थ.  
स्त्रपन, न. स्तान, नडातुं ते.

स्त्रपित, वि. आत, नाडेतुं.  
स्त्रव, पु. टपकुं ते.

स्त्रसा, स्त्री. मांथना तंतु.  
स्त्रा, ग. र. नडातुं.

स्त्रात, वि. नाडेतुं.  
स्त्रातक, पु. अद्रथारी अवरथा

छोडया पडी कीरेको गृदरथाधम.  
स्त्रान, न. नडातुं ते.

स्त्रानोय, वि. नडाचावापक.  
स्त्राय, पु. अवयव, मांथना तंतु.

स्त्रिग्व, वि. रनेडयुअ; तेववाणु;  
आलरी; भीतुं; भायाणु; वडातुं

आड. पु. भित्र; वाड अरडी. न.  
तेव; भीणु; तेर; लडाध.

स्फुर, ग. ६. धडक्युं; धुञ्ज्युं; यांक्युं;  
 स्फुर, पु. धडको; सोल्ले; दाव. [प्रकाशयुं.  
 स्फुरण, न. अंकुर इत्यो ते; आ-  
 यितुं; रभरणु; धडको.  
 स्फुल, ग. ६. धुञ्ज्युं; अेकहुं कर्युं;  
 स्फुल, न. तंथु. [नाश करवो.  
 स्फुलिंग, उ. } अशिनो तणुभो-  
 स्फुलिंगा, स्त्री. } र्थीगारी.  
 स्फूर्ज, ग. १. गर्जना करवी; प्रकाशयुं.  
 स्फूर्ज्यु, पु. गर्जनानो कडको.  
 स्फूर्ति, स्त्री. स्पर्धन; कुडको.  
 स्फेयस्, वि. अतिशय.  
 स्फेष्ठ, वि. धलुंण वधारे.  
 स्फोट, पु. झेडो; सोल्ले.  
 स्फोटन, न. विदारणु; प्रकाशन.  
 स्फोटवीजक, पु. शीलाभातुं अड.  
 स्फोटा, स्त्री. सर्पनी उधाडेकी इण्णा.  
 स्फ्य, न यज्ञभां वधराती तरवारना  
 आकारनी लाकडानी वस्तु-भीण.  
 स्फय, पु. आश्रय; गर्व.  
 स्फर, पु. अभवेव; याददास्त; प्यार.  
 स्फरकूपक, पु. } योनि, भग.  
 स्फरगृह, न. }  
 स्फरण, न. याददास्त.  
 स्फरध्वज, पु. खिग, पुरुषनी धंद्री.  
 स्फरवल्लभ, पु. वसंत-सुतु.  
 स्फरस्तंभ, पु. खिग, शिश्र.  
 स्फरस्पर्श, पु. गधेडो.  
 स्फार, पु. याददास्त.  
 स्फार्त, वि. स्मृतिप्रभाणे वर्तनार.  
 पु. स्मृति नल्लुनार आदणु; अेक  
 स्ति, ग. १. डसतुं. [वति.  
 स्ति, वि. भलकातुं; भीवेयुं. न. एरय.  
 स्ति, स्त्री. दास्थ.

स्मिल, ग. १. पलक भारपी.  
 स्मृ, ग. ६. संतोष पागयुं; लपयुं;  
 रक्षणु कर्युं. ग. १. यादकर्युं;  
 स्मृत, वि. याद करेयुं. [वियारयुं.  
 स्मृति, स्त्री. रभरणु याददास्त; ध-  
 रंशास्त्र; धर्म्या; यिता.  
 स्मर, वि. भगर्भर; डसतुं.  
 स्मरविष्कर, पु. यार.  
 स्मक, पु. गति; अडप.  
 स्मंद, ग. १. टपक्युं; रेडयुं.  
 स्मद पु. टपक्युं ते; वडेयुं ते; गाडी.  
 स्मंदन, वि. उतावणु; वडेयुं. पु.  
 गाडी. न. टपक्युं ते, पाणी.  
 स्मंदिन, वि. टपक्युं.  
 स्मंदिनी, स्त्री. थुक; अेकहुं वभते  
 जे वाछडा नल्लुनारी गाथ.  
 स्ममंतक, पु. अेक भलि, रत्न.  
 स्ममि(मी)क, पु. वभत; वादण  
 डीडीओनी टेकरी.  
 स्ममिका, स्त्री. शुकीनो रोगो.  
 स्माल, पु. शाणो.  
 स्मृत, वि. सोधधी सीवेयुं; वणुयुं.  
 न. डोथणो. [थणी; कुडुंण.  
 स्मृति, स्त्री. सीवणु; आलक; डो-  
 स्मून, पु. किरणु; मूर्धे; डोथणो.  
 स्मून, पु. किरणु. न. पाणी, शुभ.  
 स्मोत, पु. डोथणो.  
 स्मोन, वि. मुंहर; शुभ. पु. मूर्धे;  
 किरणु; डोथणो. न. शुभ.  
 स्मंस, ग. १. पडयुं; डुअयुं; न्युं.  
 स्मंसन, न. पतन, पडयुं ते.  
 स्मंह, ग. १. भरोसो नभवो.  
 स्मग्विन, वि. भावा पडेरेयुं.



स्वयंभू, पु. श्रद्धा; विष्णु; शिव;  
 क्षण; कामदेव; त्रीस्तन; परमात्मा.  
 स्वयंवर, पु. कन्याये पीतानी भेजे  
 वर शोधी परलुप्तुं ते.  
 स्वयंवरा, स्त्री. स्वयंवरथी वरनारी  
 स्वर्, ग. १०. उपको आपवो. [कन्या.  
 स्वर्, अ स्वर्ग; परलोक; शोभन;  
 आसमान, आकाश.  
 स्वर, पु. अवाज; शब्द; सुर; पी-  
 तानी भेजे उच्चारता अक्षरै;  
 सातनी संज्ञ.  
 स्वरस, पु. कुहरती स्वाद.  
 स्वरा, स्त्री. श्रद्धानी पत्नी.  
 स्वराज, पु. परमात्मा; स्वयंप्रकाश.  
 स्वरित, वि. जोलेयुं. पु. स्वर्गो  
 जेक प्रकार. [ यश  
 स्वरु, पु. वज्र; भाणु; सूर्य प्रकार;  
 स्वरूप, वि. सुहर; समान; विद्वान.  
 न. स्वभाव; रूप, लक्षण.  
 स्वरोदय, पु. आससंभंगी विधा.  
 स्वर्ग, पु. देवलोक.  
 स्वर्गगा, स्त्री. आकाशगंगा.  
 स्वर्गिनि, स्त्री. सुभेद्रुपर्वत.  
 स्वर्गिन्, वि. स्वर्गनुं. पु. देव.  
 स्वर्ग्य, वि. स्वर्गनुं, धर्मरी.  
 स्वर्ण, न. सोनुं; सोनानो सिद्धो.  
 स्वर्णकार, पु. सोनी.  
 स्वर्णगरिक, न. सोनागेड.  
 स्वर्णदीधिति, पु. अग्नि.  
 स्वर्णपद्म, पु. गरुड.  
 स्वर्णपाटक, पु. टकलुभार.  
 स्वर्णपुण्य, पु. संपालु अड.  
 स्वर्णविंदु, पु. विष्णु.

स्वर्णवणिज, पु. सराई.  
 स्वर्णवर्णा, स्त्री. उच्छदर.  
 स्वर्णद्वार, पु. धरु; अग्नि; सोम.  
 स्वर्मानु, पु. राहुअड.  
 स्वर्धू, स्त्री. अप्सरस . [चित.  
 स्वल्प, वि. धलुंन घोडुं; दुंडुं; कि-  
 स्ववश, वि: स्वतन.  
 स्वशुर, पु. सरसुं.  
 स्वसु, स्त्री. वेदेन; आंगणी.  
 स्वस्ति, अ. कल्याणवाचक, आशि-  
 वादअर्थे. [स्वीडुं; वेतरो; लगणु.  
 स्वस्तिक, पु. सुभाग्यनी निशानी;  
 स्वस्तिवाचन, न. आरभनां भांग-  
 लिङ वाक्यो.  
 स्वस्थ, वि. शांत; निरंतवाणु.  
 स्वस्वान, न. पीतानुं रहेडालु.  
 स्वस्त्रीय, पु. भाणुण, वेदेननो पुत्र.  
 स्वस्तीया, स्त्री. भाणुण.  
 स्वागत, न. सत्कार; मुष्मागत.  
 स्वांगिक, पु: डोव वगाडनार.  
 स्वाच्छंद्य, न. स्वतंत्रता. [ तीआरी.  
 स्वातंत्र्य, न. स्वतंत्रता, आपअप-  
 स्वाति, पु. } सूर्यनी पत्नी; स्वाती  
 स्वाती, स्त्री. } नक्षत्र; तस्वार.  
 स्वाद्, ग. १. आपनुं; स्वाद लेवो.  
 स्वाद, पु. } वेदेनत; रस; आ-  
 स्वादन, न. } स्वाद.  
 स्वादित, वि. आपेयुं.  
 स्वादिष्ट, वि. वेदेनतदार.  
 स्वादु वि. स्वाददार; मनोहर. पु.  
 मधुररस; गोण; काकवी. न. भा-  
 डार; स्वाद. स्त्री. द्राक्ष.  
 स्वादुमूल, न. गाजर.

स्वादुरसा, स्त्री. काकोली; सताव-  
रीना शोषा; प्राश; धर.

स्वाही, स्त्री. प्राश.

स्वाधीन, वि. स्वतंत्र; आधीन.

स्वाध्याय, पु. वेदने अक्षयस.

स्वाध्यायिन, पु. वेदपाठक; वेपारी.

स्वान, पु. शब्द, अवाट.

स्वाप, पु. उध; स्वप्न; जेष्मन्तरी.

स्वापतेय, न. धन, दौलत.

स्वाभाविक, वि. असन्न, कुदरती.

स्वामिन्, वि. अधिपति. पु. भा-

लीक; शेर; राल; पति; गुरु; वि-

द्वान आक्षय; धार्तिकेय; विष्णु;

शिव; वात्सायन मुनि; गरुड.

स्वामिता, स्त्री. } भावीकी.  
स्वामित्व, न. }

स्वामिनी, स्त्री. भावीकेषु; धृष्ट्याआक्षी.

स्वायंभुव, वि. अद्भुतं. पु. प्रथम मनु.

स्वारान, पु. धर.

स्वरोच्चिप, -स, पु. धार्जि मनु.

स्वार्थ, पु. मतवध, अकलपेटापणुं;

लाभ, पोतानुं धन.

स्वास्थ्य, न. आरोग्य; संतोष; दृढता.

स्वाहा, स्त्री. आशिनी पत्नी. अ. अ-

शिने आहुती आपतां उच्चा-

रातो शब्द. [रणु; निशासादर्शक.

स्वित्(इ), अ. प्रश; वितर्क; पादपू-

स्विट्, ग. ध. परसेवे.

स्विन्न, वि. पत्र, शिथुं; परसेवा-

वाणुं; उधेयुं.

स्वीकरण, न. } अंगिकार, पोतानुं

स्वीकार, पु. } करणुं ते.

स्वीय, वि. निजनुं, पोतानुं.

स्वृ, ग. १. शब्द करवे; ननुं.

स्वेक, ग. १. ननुं.

स्वेद, पु. परसेवे; गरमी; ताप.

स्वेदज, वि. परसेवाभांथी थयथुं.

स्वेदनिका, स्त्री. कढाई; शंघण्डी.

स्वैर, वि. स्वच्छंद; मंद; धीमुं. न.

स्वच्छंदता.

[स्त्री स्त्री.

स्वैरिणी, स्त्री. अलिचारी स्त्री, स्वच्छं-

स्वैरिणी, स्त्री. पारकाना धरभां रडी

स्वतंत्र व्यवहार करनार करीगर स्त्री.

स्वोवशीय, नः मुष्, कल्याण.

ह.

ह, अ. पादपूरणुं; संशोधन; नियोग;  
शोकसाधदर्शक.

ह, पु. शिव, पाण्डी; आकाश; बोली,

भीमुं; स्वर्ग; आकाश; लय; सान;

अद्र; विष्णु; लडाई; घोडो; गर्व, वैद;

कारण. न. अद्र; आनंद; इधियार.

हंस, पु. हंसपक्षी; अद्भुत; शुवात्मा;

सूर्य; शिव; विष्णु; कामदेव; योगी,

पर्यंत; अद्वेषाध; लेंस.

हंसक, पु. हंस; दूधर, अंजर.

हंसगामिनी, स्त्री. हंसना नेवी या-

लवाणी स्त्री; अद्भुतानी पत्नी.

हंसी, स्त्री. हंसण्डी.

हंही, अ. संशोधन; दप; दल; प्रश.

हक, पु. छाथीने गोलाववानो शब्द.

हकार, पु. गोलावणुं.

हंजा, हंजे, अ. नाटकभां नदीने

गोलाववानो शब्द.

हद, ग. १. प्रकाशणुं.

हट्ट, पु. गलर.

हट्टी, स्त्री. नागी दुकान. [ आंध्र. ]  
 हट्ट, ग. र. कुटुंब; पापी यत्न; भूटे  
 हठ, पु. लुलभ, अकार.   
 हठयोग, पु. योगनो एक प्रकार.   
 हडि(डि)क, पु. हलकी गतिनो भाष्य.   
 हड्ड, न. डांडक. [ लाववानो शब्द.   
 हंडा, अ. नाटकमांडलकी स्त्रीने गो-   
 हंडिका, हंडी, स्त्री. डांडकी. \*   
 हंडे, 'हंडा' लुगो. \*   
 हत, वि. भारेयुं; भोययुं; निराश;   
 शुष्क. न. वध; शुष्कार.   
 हतचित्त, वि. शुश्रूषयुं.   
 हताश, वि. निर्दय; आशारहित;   
 वांछीर्ष; नभयुं; नीय.   
 हति, स्त्री. नाश; नुकसान; परा-   
 नय; शुष्कार.   
 हत्यु, पु. व्याधि, रोग; हथियार.   
 हत्या, स्त्री. धात, प्राणुडाणु.   
 हथ, पु. इटको; धात; मृत्यु.   
 हन, पु. धात.   
 हनन, न. धात; शुष्कार.   
 हनु, -(नू), यु. उडपथी स्त्री. हथि-   
 पार; रोग; मृत्यु; वेस्था.   
 हनु(नू)मत्, पु. एक सरदार वांछर,   
 अंगनीपुत्र, रामनो सेवक.   
 हनूप, पु. राक्षस.   
 हंत, अ. हर्ष; विपाद; दयादर्शक.   
 हंतकार, पु. अतिथिने आपवाना   
 सोण आस.   
 हंतु, पु. मृत्यु; अण. [ चोर.   
 हंतु, वि. शुनी. पु. वध करनार;   
 हंवा(भा), स्त्री. भाष्यदोरनो अवाण.

हय, ग. र. नृतुं, पूज्युं; अवाण   
 करेवो; कंटाणी नृतुं.   
 हय, पु. घोडो; मातनी सप्त; ईंद्र.   
 हयग्रीव, पु. विष्णुनो एक अवातार.   
 हयंकप, पु. सारथि; मातवि, ई-   
 द्रनो सारथि.   
 हयन, न. घोडागाडी. पु. 'वरस.   
 हयतार, पु. कण्ठेननुं अण.   
 हयवाहन, पु. कुम्भेर.   
 हयी, स्त्री. घोडी.   
 हर, वि. हरण करनार; भाग पा-   
 डनार. पु. शिव; अग्नि; अग्नेयो;   
 पकडनार; ( गणितमां ) सायक.   
 हरक, पु. चोर, लुब्ध; सायक; शिव.   
 हरचूडामणि, पु. चंद्र.   
 हरण, न. चोरी नृतुं ते; ह्यकी   
 नृतुं ते; अवाळरनी वृत्; शीभ-   
 नारने इनाम; हाथ; वीर्य, धातु;   
 सोलुं; हाडेले; डोडी; गरम पाणी.   
 हरि, वि. क्षीयुं; हर्षयुं; पीणु. पु.   
 विष्णु; ईंद्र; ब्रह्मा; यम; शिव;   
 सूर्य; चंद्र; मनुष्य; किरानु; अग्नि;   
 वायु; सिद्ध; घोडो; ईंद्रनो घोडो;   
 वांछर; डोपव; टेडको; पोपट; सर्प;   
 मोर; भर्तृहरि; पीणो इंग.   
 हरिक, पु. पीणा इंगनो घोडो;   
 चोर; लुगारी.   
 हरिचंदन, न. वांछनी; केशर.   
 हरिक, वि. शीकुकुं; शीकुकु पीणु. पु.   
 भृग, हरिणु; सश्रेड इंग; हंथ;   
 सूर्य; विष्णु; शिव. [ श्री.   
 हरिणाक्षी, स्त्री. मुंछर आंध्रवाणी   
 हरिणी, स्त्री. मृगी, हरिणुनी भावा;

भावतीलता; अेक छंद; मञ्जक;  
 उणदर; त्रिषुष्ठी स्त्री.

हरित्, वि. वीधु; पीणु. पु. स-  
 र्धनो घोरो; उडपी आवनो घोरो;  
 सिंद; सूर्य, विण्णु. उ. धारस;  
 आणु, होकार्यनरी अणु.

हंरित, वि. वीधु, कपिधु, लुं. पु.  
 सिंद; वीवो रय.

हरिता, स्त्री. दुर्वा, उणदर.

हरिताल, न. उरताण.

हरिदश्व, पु. सूर्य; अर्कवृक्ष.

हरिद्र, स्त्री. उणदर.

हरिद्रु, पु. वृक्ष, आड.

हरिद्वार, न. उरद्वार शेडेर.

हरिन्मणि, पु. भरकतमणि, पातु.

हरिमन्, पु. पीणारस, शीकसार, समय.

हरिम्रिय, पु. कदम्बु आड, राम;

सूर्य, गाडो मालुस, शिव.

हरिम्रिया, स्त्री. लक्ष्मी; तुवसी, पृथ्वी.

हरिय, पु. पीणा रगनो घोरो.

हरिवर्ष, पु. लक्ष्मीपना नव वि-

भागमानो अेक.

हरिवासर, पु. अगीआरस; आर-

सनो पहवो पोडोर. [राज.

हरिश्चंद्र, पु. अयोध्यानो सत्यवादी

हरिप, पु. भुशाणी.

हरिहय, पु. छद्र, सूर्य, कार्तिकेय,

हरांतकी, स्त्री. उरडा. [गणुमति.

हरेणु, पु. वराणु, लका. स्त्री. आ-

अरुदर स्त्री. [सूर्य.

हर्तु, वि. उरणु करनार. पु. नार;

हर्मन्, न. अगारु, अवरु.

हर्मित, वि. अवाची भाषेनु; अ-  
 जेनु. इकेनु.

हर्म्य, न. मेडेल; अयो. [आपची; वेनु.

हर्ष, ग. १. ननु; पूणु, धमकी

हर्षर्ष, पु. सिंद; कुंजर. [घोरो.

हर्षत, पु. घोरो, अश्वमेध यज्ञनो

हर्षश्व, पु. छद्र, शिव.

हर्ष, पु. आनद, भुशाणी, रोभांय.

हर्षण, वि. आनददायक. पु. काम-

देवनुं अेक आणु; १४ भा योग.

हर्षयित्तु, वि. आनदी. पु. पुत्र न.

हर्षित, वि. आनदी, सुभी. [सोनु.

हर्षुल, पु. हरिणु; आशक.

हल्, ग. १. जेडुं.

हल, पु. उण, सांतिकु, जेरोलता

हलघर, पु. जेडुत, अवराम.

हलभूति, स्त्री. जेती. [पाणी, दार.

हला, स्त्री. सभी, सडवरी, पृथ्वी,

हलाहल, न. अेक नतनु जेर.

हलि, पु. मोडुं उण, जेती.

हलिन, पु. जेडुत, अवराम.

हल्य, वि. जेरोल. न. जेरोलता.

हलक, न. रातुं कभव. [सा; स्तुति.

हव, पु. होम, यज्ञ, जेवावणु, आ-

हवन, न. यज्ञ, अग्निभां भद्रसहित

धी वगेरे नाणु ते, लडाणी

हवनी, स्त्री. यज्ञकुंड. [भागणी

हवनीय, वि. उवन करवायक.

हवित्री, स्त्री. यज्ञकुंड. [न. धी.

हविष्य, न. धी, जेभा.

हविस, न. होम करवानी मीन, धी,

पाणी, यज्ञ. [न. धी, अविदान.

हव्य, वि. अविदान आपवादायक.

हव्यवाह(न), } पु. अग्नि  
हव्याश, }  
हस्त, ग. १. डसतुं; भरकरी करपी; }  
भीषतुं; शुभुं करतुं }  
हस्त, पु. डस्य, डसतुं ते.  
हसंतिका, } स्त्री. अगीठी, सगरी.  
हसंती, }  
हसित, वि. विकसीत; डसतुं. म.  
डास्य; भरकरी; डोगढेवतुं दनुष  
हस्त, पु. डाय; डायीनी शुंड; डस्त  
नक्षत्र; सही; भात्री, मद्ध; ज्यो.  
न. आभडानी धमलु.  
हस्तक, पु. डाय.  
हस्तकौशल, न. डाययालाडी.  
हस्तकिया, स्त्री. डायनी कणा.  
हस्तगत, वि. कण्ठे थपतुं.  
हस्तदोष, पु. नगरचूक, डायनी भूव.  
हस्तामलक, न. डायतुं आभणुं, कर-  
हस्ताहस्ति, म. डायोडाय. [ कंकण.  
हस्तिन, वि. डायवाणु; शुडवाणु.  
हस्तिकश्य, पु. सिङ्क; वाध. [पु. डायी.  
हस्तिदंत, पु. डायीनी शुड. न. डाय-  
थीदांत, भूणो.  
हस्तिन(ना)पुर, न. ऐक नगर. [नत.  
हस्तिनी; स्त्री. डायणी; स्त्रीनी ऐक  
हस्तिप, पु. भावत, डायी डोकनार.  
हस्तिमल, पु. औरावत; गणुपति;  
शंभ, ऐक नाम; शंभनो डगडो.  
हस्त्य, वि. डायथी आपेडु; डायथी  
हस्त, वि. डसतुं; भूषं. [ करेतुं.  
हहल, न. ऐक नततुं अंवेले ऐर.  
हहा, पु. ऐक अधर्व. [चरतीशंक.  
हा, अ. निपाड; शोक; निडा; अ-

हा, ग. ३. \* जतुं; तजतुं; पडवा  
देवा; भसाडतुं  
हांगर, पु. भोडी भाछवी. [ वरो.  
हाटक, वि. सोनातुं. न. सोतुं; ध-  
हाव, न. पगार; वध; मृत्त. पु.  
हान, न. त्याग; शक्ति. [ दैत्य.  
हानि, स्त्री. नुकसान; डायु; नाश.  
हाफिका, स्त्री. भगातुं.  
हायन, उ. वरस, सात. पु. अ-  
ग्निनी न्वाला; ऐकनतना बोभा.  
हार, पु. भाणा; लडाई; भाजक; परड  
भव. [ भाजक.  
हारक, पु. चोर; डग; लुगारी;  
हारहर, पु. डार. स्त्री. (रा) द्राश.  
हारि, वि. मुंहर. स्त्री. \* पराज्य;  
मुसादरोनी पलुनर.  
हारिकंड, पु. डोयल. [ भांस.  
हारिण, वि. डरिलुतुं. न. डरिलुतुं  
हारिन्, वि. चोरनार; भेणवनार; लई  
हारिद्र, पु. पीणो रग. [ ननार.  
हारीत, पु. ऐक नततुं कभूतर; ऐक  
भुनि; डुभो. [ मतवण.  
हार्द, न. प्यार; माथा; भरथ; मननी  
हार्य, वि. चोरवालायक; लई न्वा  
लायक. पु. सर्प. [ डण.  
हाल, पु. गलशभ; शाविवाडनराज;  
हाल(ला)हल, न. ऐक नततुं ऐर.  
हालहली, }  
हला, \* } स्त्री. डार; ताडी.  
हालिक, पु. भेडुत; डण भेंचनार.  
हाली, स्त्री. नानी शाणी.  
हालु, पु. दांत.  
हाव, पु. तेडुं, जोडवावतुं; कटाक्ष.